Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

पञ्जाबी-संस्कृत शब्दकोश

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

पंजाबी-संस्कृत शब्दकोश

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

पञ्जाबी-संस्कृत शब्दकोश

PUNJABI-SANSKRIT GLOSSARY

प्रधान सम्पादक

डॉ० गयाचरण त्रिपाठी

प्राचार्य

सम्पादक

डॉ० शिवकुमार मिश्र

प्रवाचक

डॉ० आजाद मिश्र

प्रवाचक

डॉ० शैलकुमारी मिश्र

प्रवक्ता

बाबानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ

चन्द्रशेखर आजाद पार्क, इलाहाबाद-२११००२

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

प्रकाशक
डॉ० गयाचरण त्रिपाठी
प्राचार्य
गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ
चन्द्रशेखर आज़ाद पार्क
इलाहाबाद–२११००२

●

© राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

●

मूल्य

●

मुद्रक
शाकुन्तल मुद्रणालय
३४, बलरामपुर हाउस
इलाहाबाद-२

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

परामर्शदाता

स्व० साधुराम शास्त्री, कुरुक्षेत्र; प्रो० प्रीतम सिंह, अमृतसर; प्रो० हरभजन सिंह, दिल्ली
डा० ओम् प्रकाश वसिष्ठ, चण्डीगढ़; डा० अजमेर सिंह, चण्डीगढ़
स्व० महावीरप्रसाद लखेड़ा, इलाहाबाद

प्रधान सम्पादक

डा० गयाचरण त्रिपाठी

मुख्य सम्पादक

डा० शिवकुमार मिश्र

सह सम्पादक

डा० आजाद मिश्र • डा० शैलकुमारी मिश्र

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

FOREWORD

It is matter of extreme satisfaction that the Punjabi Sanskrit Dictionary Project of this Vidyapeetha which was started 7 years ago has now reached its successful completion. The Project was taken into hand towards the end of 1979 at the suggestion of Shri K. K. Sethi, the then Director of the Rashtriya Sanskrit Sansthan as a part of the programme of the Sansthan to simplify the teaching of Sanskrit. The main aim of this Project has been to place before the learners of Sanskrit having Punjabi as their mother tongue a list of those Sanskrit words which are still in use both in spoken as well as in written Punjabi language. Such lists were to form the basis of preliminary Sanskrit courses which are to be especially developed for the Punjabi knowing people. This will fecilitate the learning of Sanskrit, on the one hand, and on the other, shall make the learners conscious of the rich heritage of Sanskrit that their language possesses. To the philologically more inquisitive mind it shall also demonstrate the phonetic and semantic devepment of the words of their language form the old Indo-Aryan down to the modern times. There are a number of other linguistic objectives too which the Glossary could be put to depending upon the requirements and needs of the teacher and the taught.

It is our first endeavour in this field. If the Glossary is received favourably by the public and is capable of serving the purposes for which it is meant and has been prepared, we shall be encouraged to undertake similar works in other languages too.

We have been fortunate all along to receive kind co-operation and help of a number of Punjabi and Sanskrit scholars in the planning and execution of this Project, Their names have been mentioned and the assisstance acknowledged at the proper place in the Hindi preface. I express my deep gratitude to all of them once again.

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

I also have to thank sincerely my three colleagues, Dr. Shiva Kumar Mishra (Reader and Head of the Liguistic Unit of this Vidyapeeth), Dr. Azad Mishra (Formerly Lecturer in this Vidyapeetha and now Reader at the Lucknow Vidyapeetha) and Dr. (Mrs.) Shail Kumari Mishra (Lecturer in the Language Unit of this Vidyapeetha) who have spared no pains to make this Glossary academically sound and scientifically perfect, although Punjabi is not the mother tongue of anyone of them. All of them have willingly and voluntarily acquired the working knowledge of Punjabi in order to do justice to this academic venture. They have executed the task assigned to them to my entire satisfaction.

The printing of the Dictionary was a problem to us. Allahabad has no printing press which might undertake the job of Gurmukhi printing. Shri Upendra Tripathi of Shakuntal Madranalaya, however, took up this challenge. He went to Punjab and Delhi to procure Gurmukhi types and made his compositors learn Punjabi language and Gurmukhi script so that they could carry out this job well. My special thanks and blessings are due to this young entrepreneur,

Any comments or suggestion of the scholars towards the improvement of this scheme shall be most gratefully received, and seriously considered.

G. N. Jha Kendriya Sanskrit Vidyapeeth
Allahabad
December 5th, 1987

G. C. Tripathi
Principal

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

पंजाबी-संस्कृत-शब्दकोश

भूमिका

1. संकल्पना (Concept)

सुदीर्घकाल तक पराधीनता के कारण मुस्लिम शासन-काल में फारसी तथा ब्रिटिश-काल में अंग्रेजी का वर्चस्व स्थापित होने पर संस्कृत शनैः शनैः सरकारी एवं लोक-व्यवहार-क्षेत्र से दूर होती चली गयी। तब वह स्वैच्छिक रूप से राजाओं, जमींदारों तथा मन्दिर-मठों के द्वारा स्थापित संस्कृत-विद्यालयों में तथा व्यावसायिक दृष्टि से आयुर्वेद, चिकित्सा, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड में जीवित रही। इस समय तक भाषा के रूप में उसका प्रभाव कर्मकाण्ड, चारों धाम एवं सप्त तीर्थों तक सीमित रह गया, जहाँ से इसने भारत की सांस्कृतिक एकता को सुरक्षित रखा।

स्वातंत्र्योत्तर काल में संस्कृत के प्रति लोक में परस्पर दो विरोधी धारणाएँ फैलीं। कुछ असहिष्णु लोग "संस्कृत भाषा जटिल है", "संस्कृत धार्मिक भाषा है", "संस्कृत समुदाय-विशेष की भाषा है," "संस्कृत मृत भाषा है" आदि-आदि कटूक्तियों द्वारा संस्कृत पर अनवरत प्रहार करने लगे। दूसरी ओर संस्कृत यद्यपि जनता के भाषिक जगत् से दूर चली गयी, तथापि इसके प्रति लोगों की श्रद्धा एवं आस्था में ह्रास नहीं हुआ। भारतीय संस्कृति एवं विद्याओं में आस्था रखने वाले और अनेक प्रकार से संस्कृत के महत्त्व को समझने वाले अब भी संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन में निःस्वार्थ भाव से लगे रहे। संस्कृत के ह्रास का एक कारण आधुनिक शिक्षा-पद्धति का बहु-आयामी होना भी रहा है। इस काल में ज्ञान-क्षेत्र में विस्फोट के कारण छात्रों पर अनेक विषयों का बोझ लदता गया। भाषा के रूप में संस्कृत की अपेक्षा हिन्दी एवं अंग्रेजी का वर्चस्व होने के कारण भी संस्कृत के प्रति लोकरुचि कम हुई। उधर पाठशालाओं में संस्कृत के साथ अनेक आधुनिक विषय पढ़ाये जाने के कारण संस्कृत के गहन अध्ययन की परिपाटी चरमरा गयी। सरकारी शिक्षा-नीति के निरन्तर परिवर्तनशील होने के कारण संस्कृत-शिक्षा चौराहे पर आ खड़ी हुई। त्रिभाषा-सूत्र के आने से विद्यालयों में संस्कृताध्ययन के अवसर क्षीण हो गये। अनेक प्रदेशों में क्षेत्रीय भाषा (कन्नड आदि), हिन्दी तथा अंग्रेजी का पठन-पाठन होने लगा। कहीं-कहीं तो केवल दो ही भाषायें पढ़कर छात्र छुट्टी पाने लगे; जैसे तमिलनाडु में तमिल एवं अंग्रेजी और उत्तर-प्रदेश में हिन्दी एवं अंग्रेजी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

इस स्थिति में पारम्परिक शैली से संस्कृत-शिक्षण व्यर्थ सिद्ध हो गया। परिणामतः संस्कृत-जिज्ञासुओं को संस्कृत-भाषा का ज्ञान अल्प समय में किस विधि से दिया जाय, प्रारम्भिक स्तर पर किस प्रकार की शैक्ष्य सामग्री दी जाय, इत्यादि ज्वलन्त प्रश्न हमारे समक्ष उठ खड़े हुए। संस्कृत-शिक्षण के सरलीकरण तथा आधुनिकीकरण का श्री-गणेश यहीं से प्रारम्भ होता है।

आधुनिक विद्यालयों एवं पारम्परिक पाठशालाओं में संस्कृत-अध्येताओं के अतिरिक्त भी संस्कृत-भाषा के शिशिक्षुओं एवं जिज्ञासुओं के अनेक स्तर होने के कारण संस्कृत-शिक्षण की सरलतम विधि की आवश्यकता अनुभूत हुई। सरकारी सेवा-निवृत्त कुछ ऐसे उत्साही शिक्षित लोग हैं, जो अपने अध्ययन-काल में तो संस्कृत-शिक्षा से वंचित रह गये, किन्तु अब संस्कृत के सांस्कृतिक एवं शाश्वत मूल्य को जानने के पश्चात् मौलिक रूप से संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। कुछ ऐसे विदेशी भाषाविद् हैं जो संसार की अत्यन्त प्राचीन भाषाओं में अन्यतम संस्कृत के ज्ञान-विज्ञान की समृद्ध राशि को मूल रूप से जानना चाहते हैं। कुछ ऐसे भी हैं जो केवल रामायण, महाभारत, गीता अथवा कालिदास के साहित्य का ही अवगाहन करना चाहते हैं। विभिन्न शिक्षास्तर एवं विभिन्न भाषा-भाषी क्षेत्र से आने के कारण इन समस्त संस्कृत-ज्ञान-पिपासुओं को परम्परा-प्राप्त-प्रणाली से संस्कृत सिखाना समयसाध्य, श्रमसाध्य एवं द्रव्यसाध्य होगा। इनके लिये संस्कृत-शिक्षण की विधियों में सरलता के उपाय ढूँढने होंगे, जिससे अल्प समय में जिज्ञासु संस्कृत की अमूल्य राशि का ज्ञान प्राप्त कर सकें।

एक बात और। हिन्दी-भाषा-प्रेमी को जिस पद्धति से संस्कृत सिखलायी जायेगी, ठीक उसी पद्धति से फ्रैंच भाषा-भाषी को संस्कृत नहीं सिखलाई जा सकती। संस्कृत-शिक्षण में एक मलयालम भाषा-भाषी जिन आवश्यकताओं का अनुभव करेगा, ठीक उन्हीं आवश्यकताओं का अनुभव पंजाबी भाषा-भाषी भी करे, आवश्यक नहीं। आवश्यकताएँ एवं अपेक्षाएँ बदल जाने पर विधि एवं शैक्ष्य सामग्री भी बदल जायगी। शब्द-भण्डार बदलेंगे, वाक्य-संरचनाएँ बदलेंगी, व्याकरण-मूलक जिज्ञासाएँ बदल जायेंगी। अतएव आवश्यकता है, विभिन्न भाषा-भाषियों के लिये उनकी माँग एवं अपेक्षाओं के अनुसार पाठ्यक्रम एवं शैक्ष्य सामग्री का निर्माण करके उन्हें संस्कृत सिखलाने की।

किसी भी भाषा के शिक्षण में दो प्रमुख प्रतिबन्धक तत्त्व होते हैं—व्याकरण एवं शब्दावली। संस्कृत में ये दोनों ही तत्त्व अन्य भाषाओं की तुलना में अधिक जटिल हैं। संस्कृत में उपसर्ग, प्रत्यय, समास आदि के द्वारा एक शब्द के समानान्तर अनेक शब्द गढ़ने की अद्भुत क्षमता है। शिशिक्षु समानान्तर एवं पर्यायवाची शब्दों के अरण्य में अपने को घिरा देख कर घबरा जाता है। शब्दों के रूप एवं उनके लिङ्ग की समस्या कुछ कम कठिन नहीं है। यह तथ्य है कि संस्कृत (वैदिक तथा लौकिक) अधिकांश आधुनिक भारतीय भाषाओं की जननी तथा आर्येतर भारतीय भाषाओं की संपोषिका है। अतएव संस्कृत से विकसित होने के कारण इन आधुनिक भारतीय भाषाओं में संस्कृत के प्रायः अस्सी प्रतिशत शब्द लेखन, पठन एवं व्यवहार में नित्य प्रयुक्त होते हैं। यदि आधुनिक भारतीय भाषाओं में से संस्कृत-मूलक एवं समानार्थक शब्दों का चयन करके उसके आधार पर संस्कृत में प्रान्तीय तथा राष्ट्रिय पाठ्यक्रम

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

तथा शैक्ष्य सामग्री का निर्माण किया जाय तो कम-से-कम शब्दावली की समस्या का समाधान अवश्य हो जायगा। इससे संस्कृत का शिक्षण निश्चित रूप से सरल होगा और स्वल्प काल में ही संस्कृत-शिक्षण के अधिसंख्य उद्देश्य पूरे हो सकेंगे। इसी पृष्ठभूमि में प्रस्तुत शब्द-कोश का जन्म हुआ है।

यह कार्य सर्व प्रथम पंजाबी-भाषा से आरंभ किया गया है। पंजाबी-भाषा से योजनारंभ के पीछे अन्य भाषाओं के प्रति हमारा अनादरभाव नहीं है। सभी भाषाएँ महान् हैं। परन्तु, कहीं से तो प्रारंभ करना ही था। पंजाब वेदों की भूमि रहा है। भाषा-विकास की दृष्टि से पंजाबी संस्कृत से अधिक निकट है। अतएव यहीं से कार्यारंभ की संगति भी बैठती है। प्रस्तुत शब्द-कोश से अति प्रचलित शब्दों को छाँटकर उनके आधार पर पंजाबी भाषा-भाषी क्षेत्र के लिये यदि संस्कृत में पाठ्यक्रम एवं शैक्ष्य सामग्री का निर्माण किया जाय, तो संस्कृत-शिक्षण अवश्य ही प्रभावी तथा सरल हो सकेगा। शब्दावली की जटिलता के समाप्त हो जाने पर शिशिक्षुओं के समक्ष अब केवल व्याकरण-संबंधी समस्या ही शेष रहेगी। भारत की अन्य भाषाओं में यदि इस प्रकार की संस्कृत-मूलक एवं समानार्थक शब्दावलियों का चयन किया जाय और फिर, उन चयनित शब्दावलियों की परस्पर तुलना की जाय, तो एक ऐसी समन्वित शब्दावली प्रकाश में आएगी जिसके आधार पर संस्कृत में राष्ट्रिय पाठ्यक्रम का विकास किया जा सकता है।

ऊपर संस्कृत-शिक्षण के सरलीकरण के प्रसङ्ग में प्रस्तुत कोश के शैक्षणिक मूल्य की विस्तार से चर्चा की गयी। एतदतिरिक्त यह कोश राष्ट्र की भाषात्मक एवं भावात्मक एकता को सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा। अतः इसका राष्ट्रीय मूल्य भी कुछ कम नहीं है। यह सत्य है कि भारत का राज्यों में विभाजन भाषा के आधार पर हुआ है, जो चिन्तकों के विचार से समुचित नहीं हुआ। देश के समक्ष जूझने के लिए पूर्व से ही जाति, धर्म, सम्प्रदाय, वर्ग और वर्ण-भेद की समस्याएँ कुछ कम नहीं थीं। अब भाषा-विवाद भी उनमें जुड़ गया। यह भाषायी विवाद दिनानुदिन गहराता जा रहा है। इस स्थिति में उक्त प्रकार के द्विभाषीय तुलनात्मक कोश सम्पूर्ण राष्ट्र में भावनात्मक एकता के विकास में योगदान कर सकते हैं। जब व्यक्ति सुदूर प्रदेश में अपनी ही भाषा के शब्दों के प्रयोग देखता-सुनता है, तब वहाँ की भाषा के प्रति उसका प्रेमभाव जागृत होता है। इस भाषा से उसका परिचय ज्यों-ज्यों बढ़ता है, वैमनस्य भाव कम होता जाता है। फिर उस भाषा में बोलने वाले व्यक्तियों तथा उनके रीति-रिवाजों के प्रति हमारी आदर-भावना बढ़ती है। इस प्रकार शनैः शनैः एकात्मकता की भावना दृढ़ होती है। यदि भारतीय भाषाओं के बीच लिपि की दीवार हटा दी जाय तो हमारा विश्वास है कि भाषागत विवाद पचास प्रतिशत कम हो जायेंगे; क्योंकि समस्त भारतीय भाषाओं की धमनियों में संस्कृत का ही रक्त प्रवाहित हो रहा है। इस बात की परमावश्यकता है कि प्रथम चरण में संस्कृत के साथ समस्त आधुनिक भारतीय भाषाओं और द्वितीय चरण में परस्पर आधुनिक भारतीय भाषाओं के तुलनात्मक कोशों का निर्माण किया जाय।

इतना ही नहीं, यदि पश्चिम की प्राचीनतम समृद्ध भाषाओं में ग्रीक तथा लैटिन तथा पूर्व की भाषाओं में संस्कृत तथा अवेस्ता के परस्पर तुलनात्मक कोश तैयार किये जायें तो पता चलेगा कि इनमें भाषागत प्रचुर साम्य है। यही नहीं, हमें यह जानकर सुखद आश्चर्य होगा कि इन भाषाओं की छलछाया

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

में पनपी संस्कृतियों में भी विलक्षण साम्य है। तब गोरे और काले तथा पूर्व और पश्चिम का भेद-भाव स्वतः निर्मूल हो जायगा। तब हम देखेगें कि समस्त प्रदेशों, देशों, जातियों एवं धर्मों में केवल दृष्टि-भेद है। मूलतः सभी एक ही नृवंश से सम्बन्धित हैं। और वे एक ही स्थान से चलकर विभिन्न दिशाओं में फैले हैं। दक्षिणपूर्व एशिया के देश—थाईलैण्ड, कम्बोडिया, इन्डोचीन, वर्मा, जावा, सुमात्रा इत्यादि देश तो भारतीय संस्कृति से पूर्ण प्रभावित हैं। समीक्षकों की सम्मति है कि उक्त प्रकार के कोश अन्य आवश्यक शैक्षिक अथवा साहित्यिक कार्यों में तो सहायक सिद्ध होंगे ही, साथ-साथ पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में इनका प्रचुर उपयोग किया जा सकता है। शोधकार्य की दिशा में यह कोश अधिक उपादेय होगा।

2. विधि (Procedure)

संस्कृत अधिसंख्य आधुनिक भारतीय भाषाओं एवं क्षेत्रीय भाषाओं की जननी है तथा समस्त भारतीय आर्येतर भाषाओं की सम्पोषिका है। इस कारण संस्कृत के लगभग अस्सी प्रतिशत शब्द तत्सम या तद्भव रूप में भारत की समग्र भाषाओं में नित्य लेखन, पठन तथा व्यवहार में आते हैं। इस कारण भाषा-शास्त्रीय दृष्टि से इसका प्रचुर महत्त्व है। संस्कृत-वाङ्मय की शब्द-सम्पदा विशाल है और इसका व्याकरण अत्यन्त वैज्ञानिक है। शब्द-सम्पदा की विशालता एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता जहाँ एक ओर संस्कृत की विशिष्टता है, दूसरी ओर संस्कृत के प्रचार-प्रसार में ये कुछ कठिनाइयाँ भी उत्पन्न करती हैं। इसी कारण संस्कृत-शिक्षण के आधुनिकीकरण एवं सरलीकरण की मांग बराबर उठती रहती है।

संस्कृत से सम्बद्ध शिक्षाविदों, भाषाविदों, शिक्षाधिकारियों एवं संस्कृतज्ञों का मत है कि प्रत्येक प्रादेशिक या क्षेत्रीय भाषा में प्रचलित संस्कृत की तत्सम एवं तद्भव शब्दावली का संकलन करके यदि उस क्षेत्र के लिये संस्कृत का एक पृथक् पाठ्यक्रम विकसित किया जाय और तदनुरूप शैक्ष्य सामग्री प्रदान की जाय, तो उस क्षेत्र के लोगों के लिये संस्कृत-शिक्षण निश्चित रूप से सरल होगा; क्योंकि उन्हें संस्कृत के नये शब्द सीखने का अतिरिक्त परिश्रम नहीं करना पड़ेगा। ये शब्द उनके लिये चिर-परिचित होंगे।

इस तथ्य को ध्यान में रखकर शिक्षा-मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्कालीन भाषा-निदेशक एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निदेशक श्रीमान् के० के० सेठी ने 1979 ई० में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अन्तर्गत गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद के विद्वान् प्राचार्य डा० गयाचरण त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में इसी विद्यापीठ के भाषानुभाग को यह कार्य सौंपा। भाषा-निदेशक ने यह ठीक ही अनुभव किया कि चूंकि पंजाब वैदिक भाषा एवं संस्कृति का मुख्य केन्द्र रहा है, अतएव सर्वप्रथम पंजाबी-भाषा से ही संस्कृत-मूलक एवं समानार्थक शब्दों का संचयन करके इसके आधार पर विकसित पाठ्यक्रम द्वारा पंजाबी-क्षेत्र में संस्कृत-शिक्षण का कार्य आरम्भ किया जाय। इसके लिये सर्वप्रथम श्री आर० एल० टर्नर प्रणीत "ए कम्परेटिव डिक्शनरी आफ इन्डो आर्यन लैंग्वेजेज", शिक्षा-मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित 'हिन्दी वर्ड्स कामन टू अदर इन्डियन लैंग्वेजेज' का हिन्दी-पंजाबी-प्रखण्ड एवं "सबकी बोली" से शब्द-संकलन का कार्यविश्लेषण-सहित पृथक्-पृथक् शब्द-पत्रों पर किया गया। उक्त ग्रन्थों से लगभग तीन हजार शब्द संकलित किये जाने पर शब्द-पत्रों में पंजाबी शब्दों की गुरुमुखी लिपि, उनकी बारम्बारता तथा लिङ्गादि-व्याकरण-विश्लेषण और पंजाबी तथा संस्कृत-शब्दों की समानार्थता के

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

निश्चयन एवं प्रमाणीकरण को आवश्यक जानकर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के तत्कालीन निदेशक श्रीसेठी महोदय ने संस्कृत एवं पंजाबी-भाषा के मर्मज्ञ विद्वानों, भाषाविदों एवं शिक्षाविदों की एक गोष्ठी आयोजित करने की स्वीकृति प्रदान की। गोष्ठी द्वारा कार्य एक मेज़ से उठकर देश के विभिन्न कोने से पधारे विद्वानों के समक्ष जाता है। इससे एक ओर जहाँ विद्वज्जनों के वैदुष्य का लाभ प्राप्त होता है, दूसरी ओर उक्त कार्य का प्रचार-प्रसार भी होता है।

उक्त कार्य के लिये भाषानुभाग की प्रथम 'पंजाबी-संस्कृत-कार्यगोष्ठी' दिनांक 15-3-80 से 20-3-80 की अवधि में दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित की गयी, जिसकी अध्यक्षता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भूतपूर्व संस्कृतविभागाध्यक्ष एवं वयोवृद्ध प्रोफेसर श्री साधुराम शास्त्री ने की थी। उक्त गोष्ठी के आदरी (आनरेरी) निदेशक डा० हरभजन सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, आधुनिक भारतीय भाषा-विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने गोष्ठी का उद्घाटन किया था। इस गोष्ठी में 3000 शब्द-पत्रों का वाचन एवं संशोधन-पुरस्सर प्रमाणीकरण किया गया। उक्त गोष्ठी के समापनसमारोह की अध्यक्षता दिल्ली वि० वि० के तत्कालीन कुलपति प्रो० उदित नारायण सिंह ने की थी। उस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वक्तव्य देते हुए लोक-सभाध्यक्ष चौधरी श्री बलराम जाखड़ ने कहा था कि संस्कृत देववाणी है और पंजाबी गुरुवाणी। अतएव संस्कृत-पंजाबी का भाषाशास्त्रीय तुलनात्मक अध्ययन एक ओर जहाँ राष्ट्र में भाषात्मक एवं भावात्मक एकता की दिशा में अत्यन्त उपादेय होगा, दूसरी ओर इसके आधार पर विकसित पाठ्यक्रम द्वारा पंजाबी-क्षेत्र के लिये संस्कृत-शिक्षण सुकर हो सकेगा। लोक-सभाध्यक्ष ने उस समय सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन पर निराशा खेद प्रकट करते हुए कहा था कि योजनाएं प्रारम्भ तो होती हैं, किन्तु उनके परिणाम सामने नहीं आते। उनका यह उद्बोधन हमारे लिये सदा चुनौती का कार्य करता रहा।

इसी क्रम में द्वितीय कार्यगोष्ठी गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद के परिसर में दि० 15-12-80 से दि० 20-12-80 की अवधि में सम्पन्न हुई। इस बीच भाषानुभाग ने पुनः 4500 शब्दों का संकलन कर लिया था। इस गोष्ठी में 4500 शब्दपत्रों की पूर्वरीति से समीक्षा की गयी तथा भाषानुभाग द्वारा निर्मित "पंजाबी-भाषा क्षेत्रीय संस्कृत-पाठ्यक्रम" के प्रारूप का प्रथम वाचन करके अपेक्षित संशोधन भी किया गया। इस गोष्ठी की अध्यक्षता गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर के गुरु नानक अध्ययन-विभाग के भूतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रोफेसर डा० प्रीतमसिंह ने की थी। इस गोष्ठी के प्रतिभागी विद्वानों ने सुझाव दिया कि इस शब्दावली का संकलन-कार्य तब तक परिपूर्ण नहीं कहा जा सकता, जब तक भाषा-विभाग, पटियाला का 'पंजाबी-हिन्दी कोश', तथा भाई कान्ह सिंह के 'महान् कोश' से शब्द-संग्रह न कर लिये जायें।

इस गोष्ठी के तत्काल पश्चात् भाषानुभाग ने सर्वप्रथम "पंजाबी हिन्दी कोश" उपलब्ध करके पूर्व संकलित 7500 शब्दों के अतिरिक्त इस 'पंजाबी हिन्दी कोश' तथा 'भारतीय व्यवहार-कोश' से 4500 शब्दों का संकलन किया। इसी बीच भाई कान्ह सिंह का विश्रुत, किन्तु दुर्लभ 'महान् कोश' पुनः मुद्रित हो गया। इसके उपलब्ध होते ही इससे तथा 'पंजाबी इंग्लिश डिक्शनरी' से लगभग 4000 शब्दों का संकलन किया गया। 8500 नवनिर्मित शब्द-पत्रों के प्रमाणन एवं द्वितीय कार्य-गोष्ठी में

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

विकसित 'पंजाबी क्षेत्रीय संस्कृत-शिक्षण-पाठ्यक्रम' को अन्तिम रूप प्रदान करने के लिये गोष्ठियों की शृङ्खला में पंजाबी-संस्कृत-भाषाविदों एवं शिक्षाविदों की तृतीय कार्यगोष्ठी दि० 26-3-82 से 30-3-82 की अवधि में गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद के परिसर में सम्पन्न हुई। इस कार्य-शाला का उद्घाटन मुख्यातिथि के रूप में आमन्त्रित शीर्षस्थ भाषाविद् प्रो० उदय नारायण तिवारी ने किया तथा अध्यक्षता वैयाकरण पं० भूपेन्द्रपति त्रिपाठी ने की (अब दोनों दिवंगत हो चुके हैं)। इस गोष्ठी के समापन-समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो० उदित नारायण सिंह, तत्कालीन कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद पधारे थे तथा समारोह की अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति प्रो० बाबूराम सक्सेना ने की थी। इस गोष्ठी में लगभग 4000 शब्द-पत्रों का प्रमाणन हो पाया तथा पाठ्यक्रम को अन्तिम रूप प्रदान कर दिया गया। गोष्ठी के विद्वानों ने परामर्श दिया कि भाषानुभागी अधिकारी भी कतिपय दिवसों के लिये चंडीगढ़ जाकर आवश्यकतानुसार पुस्त-कालयों एवं विशेषज्ञों से परामर्श लेकर शेष कार्य पूरा करें। फिर गोष्ठी की आवश्यकता नहीं होगी।

तृतीय गोष्ठी के प्रस्तावानुसार भाषानुभाग के दोनों अधिकारियों ने मई, 1983 के द्वितीय सप्ताह में पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के परिसर में रहकर डा० ओमप्रकाश वसिष्ठ एवं डा० अजमेर सिंह के सहयोग से शेष शब्द-पत्रों का प्रमाणन किया। इस प्रकार इस कोश में पंजाबी के संस्कृत-मूलक एवं समानार्थक कुल 16000 शब्दों का संकलन-विश्लेषण पुरस्सर किया गया है। यह कहना सर्वथा अनुपयुक्त होगा कि पंजाबी में संस्कृत-मूलक समानार्थी शब्द मात्र इतने ही हैं। यदि पंजाबी की समस्त प्राचीन एवं आधुनिक तथा लिखित एवं अलिखित बोल-चाल के साहित्य एवं भाषा से शब्द-संकलन किये जायें तो निश्चय ही अच्छी खासी संख्या में संस्कृतमूलक समानार्थक शब्द प्राप्त होंगे।

3. व्यवस्था (Arrangement)

अभिधान

प्रस्तुत ग्रन्थ का नाम 'पंजाबी-संस्कृत-शब्दकोश' (Punjabi Sanskrit Glossary) रखा गया है। यहाँ यह शंका स्वाभाविक है कि 'शब्दकोश' के लिये अंग्रेजी में प्रचलित शब्द 'डिक्शनरी' (Dictionary) है। फिर शब्दकोश के लिये अंग्रेजी अभिधान में "ग्लॉसरी" शब्द का प्रयोग किस उद्देश्य से किया गया? अथवा यदि इस कोश के आंग्लभाषीय अभिधान "Punjabi Sanskrit Glossary" को आधार मानकर विचार किया जाय तो भी शंका की गुंजाइश रहेगी ही। अंग्रेजी के 'ग्लॉसरी' का रूपान्तर है—'शब्दावली', 'शब्द-संग्रह' 'शब्द-संकलन' इत्यादि। फिर क्यों नहीं हिन्दी अभिधान में 'शब्दकोश' के स्थान पर 'शब्दावली' 'शब्द-संग्रह' अथवा 'शब्द-संकलन' रखा गया? तथ्य यह है कि उपर्युक्त दोनों विकल्पों में किसी एक विकल्प को स्वीकार कर लेने पर हमारी बात नहीं बनती। प्रस्तुत ग्रन्थ न तो सम्पूर्णतया 'शब्दकोश' है और न ही 'ग्लॉसरी'। 'शब्दकोश' में सामान्यतया अकारादि क्रम से शब्द, शब्दों का उच्चारण, उनकी निरुक्ति तथा व्याकृतियाँ, उनके विभिन्न अर्थ, उनके पर्याय और विपर्याय तथा उनसे सम्बद्ध विभिन्न प्रयोग भी दिये गये होते हैं। इसके अन्तर्गत उस भाषा के शब्दों के सम्बन्ध में सम्पूर्ण सूचनाएँ दी गयी हो सकती हैं अथवा सूचनाओं का केवल एक भाग भी दिया गया हो सकता है। किन्तु इस कोश में ऐसा नहीं है। इसमें शब्दों

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

के प्रायः दो अथवा तीन ही अर्थ दिये गये हैं। शब्दों के पर्याय एवं विपर्याय तथा शब्दों से सम्बद्ध विभिन्न प्रयोगों का इसमें अविकलतया अभाव है। पुनश्च पंजाबी भाषा के अधिसंख्य शब्दों को इसमें स्थान भी नहीं प्राप्त हुआ है। अतएव इस कोश की तुलना दैनिक व्यवहार में प्रचलित सामान्य कोशों से नहीं की जा सकती। इसे 'ग्लॉसरी' मात्र कहना भी समुचित नहीं है, क्योंकि 'ग्लॉसरी' में अकारादि क्रम से शब्द तो दिये गये होते हैं, किन्तु शब्दकोश के समान इन शब्दों से सम्बद्ध अनेक सूचनाएँ नहीं दी गयी होती हैं। ग्लॉसरी प्रायः ग्रन्थान्त में दी जाती है। किन्तु इस कोश में शब्दों के संग्रह के अतिरिक्त ध्वन्यङ्कन, व्याकरणिक टिप्पणियाँ एवं अर्थ भी दिये गये हैं। यह सब 'ग्लॉसरी' में नहीं होता। अतएव इस कोश के लिये 'ग्लॉसरी' अभिधान भी समुचित नहीं है। इसका एक कारण यह भी है कि इसमें शब्दों का संकलन न तो सामान्यतया प्रचलित कोशों के अनुसार किया गया है और न ही 'ग्लॉसरी' में संगृहीत शब्दावली के समान। वस्तुतः इसे पंजाबी-संस्कृत-शब्दों का 'विशिष्ट कोश' कहना अधिक उपयुक्त होगा। विशिष्टता का आधार यह है कि इस कोश में पंजाबी भाषा के उन्हीं शब्दों को स्थान दिया गया है, जो संस्कृत-भाषा से विकसित होकर पंजाबी में आये हैं तथा जिन्होंने अपने में संस्कृत के अर्थ आज भी सुरक्षित रखे हैं। तात्पर्य यह है कि इस शब्दकोश में उन्हीं शब्दों का संचयन किया गया है, जो पंजाबी तथा संस्कृत में ध्वनि एवं अर्थ की दृष्टि से समान हैं। इस कोश में पंजाबी-भाषा के वे समग्र शब्द छोड़ दिये गये हैं, जिनका विकास संस्कृत से न होकर किसी अन्य भाषा से हुआ है अथवा वे शब्द देशज हैं। इसमें उन शब्दों का भी संग्रह नहीं किया गया है, जिनका अर्थ पंजाबी तथा संस्कृत-भाषा में असमान हो। इस कोश की एक विशिष्टता यह भी है कि इसमें नागरी तथा रोमन लिपि में शब्दों के उच्चारण का यथावत् ध्वन्यङ्कन देने का प्रयास किया गया है।

अनुक्रम

इस कोश में संगृहीत शब्दावली का प्रारम्भ गुरुमुखी लिपि में निबद्ध पंजाबी-शब्दों से होता है। चूंकि पंजाबी-भाषा के शब्दों को आधार मानकर इनके संस्कृत-मूल तक पहुँचने का प्रयास किया गया है, अतएव कोश का आरम्भ पंजाबी-शब्दों से होना स्वाभाविक था। इस प्रकार के कोशों की प्रक्रिया भी यही होती है। अनेक विवरणों के साथ गुरुवाणी से देववाणी तक पहुँचने का यह प्रथम प्रयास है, यह विनम्रतापूर्वक कहा जा सकता है।

कोश के विवेच्य इन प्रमुख शब्दों (Catch words) के पश्चात् नागरी तथा रोमन लिपि में इन शब्दों के उच्चारण का यथावत् ध्वन्यङ्कन देने का प्रयास किया गया है। पंजाबी-शब्दों के उच्चारणों का दो लिपियों में ध्वन्यङ्कन देने के मूल में यह उद्देश्य रहा है कि इस कोश का विपुल प्रसार हो सके तथा इसके पाठकों की संख्या में पर्याप्त अभिवृद्धि हो सके। "यथावत् ध्वन्यङ्कन का प्रयास किया गया है"— यह व्याख्या-सापेक्ष है। कोश में वस्तुतः किसी भी भाषा के शब्दों के उच्चारण का यथावत् ध्वन्यङ्कन करना दुस्तर कार्य होता है। कारण, एक ही शब्द प्रदेश-भिन्नता एवं वक्तृ-भिन्नता के कारण भिन्न-भिन्न रूप से उच्चारित होता है। कोश में इन समस्त भिन्न उच्चारणों का ध्वन्यङ्कन असम्भव है। अतएव कोशों में उनके मानक उच्चारण का ही ध्वन्यङ्कन किया जाता है। ध्वन्यङ्कन की यह कठिनाई तब और भी बढ़ जाती है, जब किसी भाषा-विशेष की लिपि में न दिया जाकर भाषान्तर की लिपि में दिया जाता है। इसका कारण यह है कि भाषा-विशेष के सभी वर्णों के लिये भाषान्तर में न तो पर्यायवाची वर्ण होते

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

हैं और न ही ध्वनि-संकेत। प्रत्येक लिपि जिस भाषा के लिये निर्मित होती है, उसी भाषा की समस्त ध्वनियों को व्यक्त करने में अक्षम होती है, फिर अन्य भाषा की ध्वनियों की अभिव्यक्ति की बात तो दूर ही है। बोलने और लिखने में समन्वय का दावा करना धृष्टता है। एक उदाहरण—संस्कृत में 'घर' शब्द का उच्चारण पंजाबी में अन्य प्रकार से होता है। पंजाबी में 'घर' की 'घ' ध्वनि 'क' और 'ग' के बीच की मिश्रित ध्वनि-जैसी उच्चारित होगी। इसका ध्वनि-संकेत कुछ (क ह् र) जैसा होगा। पंजाबी के 'भगवान' और 'भाभी' आदि शब्दों का उच्चारण भी इसी प्रकार होगा। पंजाबी-भाषा में शब्द के प्रारम्भ में किसी वर्ग का सघोष महाप्राण वर्ण आने पर उसका उच्चारण अघोष अल्पमहाप्राण की तरह होकर उस पर अधिक बल दिया जाता है।

ध्वन्यङ्कन की इसी कठिनाई को दृष्टि में रखकर कतिपय कोशकारों ने शब्दों का लिप्यन्तरण-मात्र करके छोड़ दिया है। इससे पाठक अथवा भाषा सीखने वालों में अशुद्ध उच्चारण का अभ्यास बढ़ता जा रहा है। "अकरणात् मन्दकरणं श्रेयः" इस सदुक्ति का अवलम्ब लेकर प्रस्तुत कोश में यथावत् ध्वन्यङ्कन देने का प्रयास किया गया है। हमारा तो यह भी उद्देश्य है कि पंजाबीतर पाठक भी पंजाबी भाषा के शब्दों का सही उच्चारण सीख सकें। सम्भव है, इस प्रसङ्ग में अनेक स्थलों पर त्रुटियाँ रह गयी हों, सुधी पाठक क्षमा करेंगे।

ध्वन्यङ्कन के पश्चात् कोष्ठक में कहीं तो [1], कहीं [2], तथा कहीं [3] संख्या दर्शायी गयी है। कोष्ठकों के अन्दर की ये संख्यायें पंजाबी-भाषा में प्रयोग तथा प्रचलन के आधार पर तत्तत् शब्दों की बारम्बारता (Frequency) को सूचित करतीं हैं। बारम्बारता का निर्धारण केवल पंजाबी भाषा के शब्दों का ही किया गया है। पंजाबी-भाषा में कम प्रचलित शब्दों को संख्या [1] से, प्रचलित शब्दों को [2] से तथा अतिप्रचलित शब्दों को [3] से दर्शाया गया है। परिशिष्ट भाग के शब्दों के आगे कोई भी कोष्ठक नहीं है। इसका कारण यह है कि परिशिष्टगत शब्दों की बारम्बारता के विषय में विद्वानों में मतभेद है। इस प्रसङ्ग में कुछ विद्वान् कट्टरवादी हैं जिनका कथन है कि परिशिष्टगत ये सभी शब्द वर्तमान पंजाबी में बिल्कुल अप्रचलित हैं। इनका प्रचलन शून्य की कोटि का है। अतएव कोश के सन्दर्भ में इन पर विचार करना तथा इन्हें कोश में स्थान देना व्यर्थ है। किन्तु विद्वानों का एक वृन्द उदारवादी है जिसका दृष्टिकोण है कि अनुभव के आधार पर यह कथन सर्वथा तथ्यरहित है कि इन शब्दों का प्रचलन अब पंजाबी में नहीं होता। ऐसा दावा कोई कर भी नहीं सकता; क्योंकि पंजाबी-भाषा की आज कई बोलियाँ हैं। बहुत सम्भव है, किसी-न-किसी बोली में इनका प्रचलन अब भी होता हो। थोड़ी देर के लिये यह स्वीकार भी कर लिया जाय कि पंजाबी की किसी भी बोली में इन शब्दों का प्रयोग अब नहीं होता, तो भी यह निर्विवाद है कि कोशों तथा साहित्यिक-धार्मिक ग्रन्थों में इनका प्रयोग हुआ है तथा इनका अध्ययन-मनन अब भी होता है। अतएव बारम्बारता की दृष्टि से इनको शून्य कोटि में रखना तर्कसङ्गत नहीं प्रतीत होता है।

इन दो विरुद्ध मतों में समन्वय कैसे किया जाय ? वास्तव में दोनों ही मतों में बल है। दोनों ही मतों का अपना-अपना पुष्ट आधार है। निरवधि काल एवं विपुल पृथ्वी को दृष्टि में रखकर यह कहना समुचित प्रतीत नहीं होता कि अमुकामुक शब्दों का प्रचलन अब नहीं होता। पूरी-की-पूरी हिब्रू भाषा एक युग के अन्तराल के बाद भी जब प्रचलन में आ सकती है, तो फिर शब्दों का क्या कहना ?

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

अतएव प्रयोग की दृष्टि से शून्य कोटि का होने पर भी अमुकामुक शब्द शब्दकोश की सम्पत्ति होने में बाधक नहीं है। और जहाँ तक भाषाशास्त्रीय आधार पर भाषा-विकास का प्रश्न है, यह सत्य है कि परिशिष्टगत पंजाबी-शब्द संस्कृत-भाषा से विकसित हैं। अतएव ये इस कोश की सम्पदा होने के अधिकारी हैं।

यहाँ यह कह देना अत्यन्त प्रासङ्गिक होगा कि बारम्बारता के निर्धारण के लिये यहाँ कोई निर्धारित वैज्ञानिक प्रक्रिया नहीं अपनायी गयी है। यहाँ बारम्बारता का निर्धारण वस्तुनिष्ठ न होकर व्यक्तिनिष्ठ है। वैज्ञानिक प्रक्रिया के अनुसार इन समस्त शब्दों के बारम्बारता-निर्धारण में अपार समय अपेक्षित था और तब यह कोश अधिक विलम्ब से प्रकाशित होता। बारम्बारता का निर्धारण इस प्रसङ्ग में आयोजित गोष्ठियों में भाग लेने वाले पंजाबी-विद्वानों ने किया है।

बारम्बारता के पश्चात् पंजाबी-शब्दों की व्याकरणिक टिप्पणियाँ दी गई हैं। इन शब्दों के संज्ञा (नाम) होने पर पुंल्लिग अथवा स्त्रीलिङ्ग के संकेताक्षर 'पुं०' अथवा 'स्त्री०' से, सर्वनाम होने पर 'सर्व०' से, विशेषण होने पर 'वि०' से, अव्यय होने पर 'अ०' से तथा क्रिया-विशेषण होने पर 'क्रि० वि०' से दर्शाया गया है। शब्दों के क्रिया होने पर उनको सकर्मक अथवा अकर्मक के संकेताक्षर 'सक० क्रि०' अथवा 'अक० क्रि०' से दिखाया गया है। पंजाबी की कोई क्रिया यदि संस्कृत के किसी सिद्ध क्रियापद से विकसित हुई है, तो उसके वर्तमान-कालिक होने पर 'वर्त०', भूतकालिक होने पर 'भूत०' और भविष्यत्कालिक होने पर 'भवि०' से निर्दिष्ट किया गया है। यथा—

ਵਸਸਿ वससि Vasasi भवि० अक० क्रि०
वत्स्यसि (भ्वादि अक० लृट्) रहेगा, निवास करेगा।

पंजाबी-शब्दों के सामने की सूचनाएँ यहीं समाप्त होती हैं। पंजाबी-शब्दों का यह विश्लेषण अधिकांशतया एक ही पंक्ति में समाप्त हो गया है, किन्तु कहीं-कहीं दो पंक्तियों तक भी चला गया है।

पंजाबी-शब्दों के विश्लेषण के अनन्तर द्वितीय पंक्ति से संस्कृत-शब्दों का विश्लेषण आरंभ होता है। संस्कृत-भाषा के जिस मूल शब्द से पंजाबी-शब्द का विकास हुआ है, उस संस्कृत-मूल को काले-मोटे अक्षरों से दिखलाया गया है। यहाँ ध्यातव्य है कि संस्कृत-शब्दों के संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम अथवा अव्यय होने पर उनका प्रातिपदिक (मूल शब्द) रूप ही दिया गया है, न कि पद। यथा—'ਉਸਟ' को 'उष्ट्र' से विकसित दिखलाया गया है, न कि पद 'उष्ट्रः' से। हाँ, पंजाबी-क्रियाओं के विकास को दिखलाने के लिए संस्कृत की मूल धातु से न दिखलाकर उस धातु के वर्तमान कालिक (लट् लकार) प्रथम पुरुष के एक वचन के रूप से दिखलाना समुचित समझा गया। यथा, पंजाबी के ਉੱਕਰਦਾ' को संस्कृत की उत्-उपसर्ग सहित कृ-धातु के लट्-लकार प्रथम पुरुष एकवचन के रूप 'उत्किरति' से विकसित दिखलाया गया है। पंजाबी-क्रियाओं के विकास को दिखलाने की यही प्रक्रिया इस कोश में आसर्वत्र अपनायी गयी है। इस पद्धति से दोनों ही भाषाओं की क्रियाओं का साम्य-बोध झटिति हो जाता है। इस पद्धति से क्रिया आत्मनेपद की है अथवा परस्मैपद की—इसका भी ज्ञान तत्काल हो जाता है। इस कोश के अन्तर्गत पंजाबी की जितनी भी क्रियायें संगृहीत की गयी हैं, सभी प्रत्ययान्त हैं। अतएव इनका संस्कृत-मूल भी प्रत्ययान्त ही दिया गया है। यदि पंजाबी-क्रियाओं का संस्कृत-मूल केवल धातु का निर्देश-मात्र करके दिखलाया जाता, तो कई विसंगतियों के उत्पन्न होने की संभावनाएं थीं। महान् कोशकार आर० एल० टर्नर ने भी अपने कोश में इसी प्रक्रिया को अपनाया है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

संस्कृत-शब्दों के आगे कोष्ठकों में पंजाबी-शब्दों के समान ही उनकी व्याकरणिक टिप्पणियाँ दी गयी हैं। संस्कृत-शब्दों के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय या क्रिया-विशेषण होने पर पंजाबी शब्दों के समान ही संकेताक्षरों का प्रयोग किया गया है। किन्तु क्रिया होने पर कोष्ठक में उस धातु के गण-निर्देश के साथ-साथ धातु के सकर्मक होने पर 'सक०' तथा अकर्मक होने पर 'अक०' से निर्देश दिया गया है। यदि यह धातु प्रेरणार्थक है तो इसका 'प्रेर०' से उल्लेख किया गया है। किन्तु पंजाबी-क्रिया के संस्कृत के सिद्ध क्रिया-पद से विकास की स्थिति में संस्कृत-शब्दों के आगे कोष्ठकों में लकार एवं वचन का निर्देश किया गया है। यथा—

ਲਖਾਮ ਲखाम् Lakhăm सक० वर्त० क्रि०
लक्षयामि (चुरादि लट् उ० पु० सक०) मैं देखता हूँ; मैं जानता हूँ।

इसके पश्चात् शब्दार्थों की बारी आती है। यह पहले ही कहा गया है कि इस शब्द-कोश में पंजाबी-भाषा से उन्हीं शब्दों का संचयन कर विश्लेषण किया गया है, जो पंजाबी तथा संस्कृत में अर्थ की दृष्टि से समान हैं। इस दृष्टि से संस्कृत-शब्दों के आगे जितने भी अर्थ दिये गये हैं, वे पंजाबी तथा संस्कृत—दोनों भाषाओं में समानार्थी हैं। हाँ, यह तथ्य पृथक् है कि सम्प्रति किसी-किसी शब्द का यदि संस्कृत में अर्थ-विस्तार हुआ है, तो पंजाबी में अर्थ-संकोच और यदि पंजाबी में अर्थ-विस्तार हुआ है तो संस्कृत में अर्थ-संकोच, पर मूलार्थ (अभिधार्थ) उभयत्र समान है। जहाँ एक ही शब्द के दो-तीन भिन्न अर्थ देने की आवश्यकता पड़ी है, वहाँ सेमीकोलन से उन भिन्न अर्थों को दिखलाया गया है। पर्याय देने पर अर्ध विराम (कॉमा) का प्रयोग किया गया है।

संस्कृत-शब्दों के आगे जितने भी अर्थ दिये गये हैं तथा उनको व्यक्त करने वाले शब्दों में जो भी शब्द ध्वनि-साम्य की दृष्टि से संस्कृत-शब्द के समीप हैं, उनको अर्थों की शृङ्खला में सर्वप्रथम स्थान दिया गया है। यथा, पंजाबी 'ਉਠਾਨ' के लिये संस्कृत 'उत्थान' के अर्थाभिव्यञ्जक शब्दों में 'उठान' ध्वनि की दृष्टि से संस्कृत 'उत्थान' से अधिक समीप है, 'उन्नति' आदि शब्द दूर चले गये हैं। अतएव 'उठान' को सबसे पहले रखा गया है। यही रीति सर्वत्र अपनायी गयी है।

प्रस्तुत कोश में कहीं-कहीं मुख्य शब्द (catch word) के ऊपर 1, 2, 3, या 4 की संख्याएँ दर्शायी गयी हैं। ऐसा विशेष स्थिति में ही करना पड़ा है। जब पंजाबी के एक या अनेक शब्द वर्तनी एवं उच्चारण की दृष्टि से तो समान रहे हैं, किन्तु अर्थ-भिन्नता के कारण उनका संस्कृत-मूल भी भिन्न रहे हों, तभी उनको इन संख्याओं से निर्दिष्ट करना पड़ा है। यथा—ਉਸਟ। पंजाबी में 'ਉਸਟ'—का विकास 'ऊँट' के अर्थ में संस्कृत के 'उष्ट्र' शब्द से हुआ है, किन्तु 'होंठ' के अर्थ में इसका संस्कृत-मूल 'ओष्ठ' है। अतएव संस्कृत-मूल की भिन्नता के कारण एक ही शब्द का उल्लेख कई बार करना पड़ा है।

व्यवस्था की दृष्टि से विचारणीय है शब्दों का क्रम। प्रस्तुत कोश में शब्दों का क्रम पंजाबी की वर्णमाला के क्रमानुसार रखा गया है। पंजाबी-वर्णमाला का क्रम इस प्रकार है—

स्वर

ੳ ੳੂ ੳ ਅ ਆ ਅੈ ਅੌ ਅੰ ਇ ਈ ੲ

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

व्यञ्जन

ਸ਼	ਸ	ਹ		
ਕ	ਖ	ਗ	ਘ	ਙ
ਚ	ਛ	ਜ	ਝ	ਞ
ਟ	ਠ	ਡ	ਢ	ਣ
ਤ	ਥ	ਦ	ਧ	ਨ
ਪ	ਫ	ਬ	ਭ	ਮ
ਯ	ਰ	ਲ	ਵ	

पंजाबी के स्वरादि शब्दों में सर्वप्रथम ੳ से आरंभ होने वाले शब्दों को रखा गया है, अनन्तर ੳ, ੲ आदि स्वरों से आरंभ होने वाले शब्दों को; क्योंकि पंजाबी की स्वर-माला में ੳ ही आदि स्वर है। इसी प्रकार व्यंजनादि शब्दों में सर्वप्रथम ਸ਼-ਸ से आरंभ होने वाले शब्दों को रखा गया है, बाद में ਹ, ਕ आदि व्यंजनों से आरंभ होने वाले शब्दों को; क्योंकि पंजाबी की व्यंजन-माला में सर्वप्रथम स्थान ਸ का ही है।

यहाँ ध्यातव्य है कि स्वर से प्रारम्भ होने वाले शब्दों का क्रम तो पंजाबी-वर्णमाला के स्वरों के क्रमानुसार ही रखा गया है, किन्तु व्यंजन के साथ संयुक्त होने पर स्वरों का क्रम देवनागरी वर्णमाला के स्वरों के क्रमानुसार रखा गया है। इस स्थिति में व्यंजन-संयुक्त स्वरों का क्रम होगा—ਸ, ਸਾ, ਸਿ····· ਸੰ। जो व्यंजन स्वर-रहित हैं, उनको सबसे अन्त में स्थान प्राप्त हुआ है। तात्पर्य है कि ਸ, ਸਾ, ਸਿ····· ਸੰ की समाप्ति के पश्चात् ही स्वर-रहित व्यंजन आये हैं। यथा—स्थ, स्न आदि। पंजाबी-भाषा के सुप्रसिद्ध कोश 'महान् कोश' में भी उपर्युक्त क्रम ही अपनाया गया है।

4. आभार (Gratitude)

कोश-निर्माण के इस दीर्घ अन्तराल में अनेक विद्वज्जनों का योगदान रहा है। हम सबके हृदय से अभारी हैं। उनमें कुछ लोगों का नामतः स्मरण करना हम अपना पावन कर्त्तव्य समझते हैं। इस क्रम में सर्वप्रथम उन शब्दकोशों अथवा शब्दावलियों के विद्वान् सम्पादकों एवं लेखकों के प्रति हम अपनी अखण्ड श्रद्धा अर्पित करते हैं, जिनसे हमने इस कोश में पंजाबी के शब्दों का संचयन किया है। इस प्रसङ्ग में शिक्षा-मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित 'हिन्दी वर्ड्स कामन टू अदर-इण्डियन लैंग्वेजेज' का हिन्दी-पंजाबी-प्रखण्ड, श्रीयुत आर० एल० टर्नर प्रणीत 'ए कम्परेटिव डिक्शनरी ऑफ इण्डो आर्यन लैंग्वेजेज, 'सबकी बोली', श्रीविश्वनाथदिनकर नरवणे द्वारा रचित 'भारतीय व्यवहार-कोश,' भाई कान्ह सिंह द्वारा सम्पादित 'महान् कोश,' भाषा-विभाग पटियाला का 'पंजाबी-हिन्दी कोश' तथा 'पंजाबी-इंग्लिश डिक्शनरी' विशेषतः उल्लेखनीय है। कोशों की शृङ्खला में स्व० चतुर्वेदी द्वारका प्रसाद शर्मा तथा पण्डित तारिणीश झा द्वारा सम्पादित 'संस्कृत-शब्दार्थ कौस्तुभ' तथा सर मोनियर विलियम द्वारा प्रणीत 'संस्कृत-इंग्लिश डिक्शनरी' एवं डा० हरदेव बाहरी का 'बृहत् अंग्रेजी-हिन्दी कोश' भी नाम्ना उल्लेखनीय है, जिनसे अर्थों के निर्धारण एवं अनेकानेक शंकाओं के समाधान में प्रचुर सहायता प्राप्त हुई है। सिद्धान्त-ग्रन्थों में भट्टोजिदीक्षित द्वारा रचित 'सिद्धान्त कौमुदी' ने हमारी अनेकानेक गुत्थियाँ सुलझाई हैं।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

क्षेत्रीय भाषाओं की शब्दावलियों के आधार पर विकसित पाठ्यक्रम द्वारा संस्कृत-शिक्षण की इस योजना की मूल संकल्पना एवं कार्यान्वयन का सम्पूर्ण श्रेय राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के तत्कालीन निदेशक एवं शिक्षा-मन्त्रालय, भारत सरकार के भाषा-निदेशक श्रीयुत केवल कृष्ण सेठी, आई० ए० एस० को जाता है, जिन्होंने न केवल यह योजना दी, अपितु भाषानुभाग द्वारा विकसित शब्द-पत्रों में उल्लिखित तथ्यों के प्रमाणन-हेतु गोष्ठी आयोजित करने की संस्वीकृति भी प्रदान की, जिसके अभाव में यह कोश सम्भवतः पूरा नहीं होता। जब तक संस्थान से उनका सम्बन्ध रहा, तब तक इस योजना के विषय में औपचारिक पत्राचार, दूरभाष अथवा अन्यान्य प्रकार से हमें उनकी प्रेरणा तथा उत्साह प्राप्त होता रहा। संस्थान से उनका औपचारिक सम्बन्ध छूट जाने पर भी अनौपचारिक रूप से इस योजना के सम्बन्ध में वे जिज्ञासा करते रहे। उनके प्रति आभार के टकसाली दो शब्द कहकर यदि मैं हृद्य-संभार को कुछ कम करना चाहूँ, तो छल के अतिरिक्त कुछ नहीं होगा। उनके प्रति हमारी असीम श्रद्धा विनयावनत है।

पूर्वचर्चित गोष्ठीत्रय में मुख्य अतिथि तथा अध्यक्ष के रूप में पधारे गणमान्य विद्वानों एवं मनीषियों, जिनका नामतः उल्लेख हम पिछले पृष्ठों में कर आये हैं, का अनुग्रह हम हृदय से स्वीकार करते हैं, जिनका उद्बोधन तथा अनुप्रेरण-भाषण हमें सर्वदा अनुप्रेरित करता रहा और हम आगे बढ़ते रहे। इन गोष्ठियों में देश के कोने-कोने से प्रतिभागी के रूप में समागत विद्वज्जनों के अमूल्य परामर्श, सुझाव एवं सहयोग सदा-सदा स्मृत होते रहेंगे। इन सब के प्रति हम हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। अस्थानीय प्रतिभागियों में पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के 'पंजाबी इंग्लिश डिक्शनरी विभाग' से पधारे शब्दकोश-विज्ञान के दो विशेषज्ञों—डा० ओम प्रकाश वसिष्ठ, रीडर तथा डा० अजमेर सिंह, प्रवक्ता का नामतः उल्लेख करना चाहूँगा, जिनके अमूल्य सुझाव एवं सहयोग से, वास्तव में, यह ग्रन्थ शब्दावली के धरातल से उन्नीत होकर कोश की समीपता का संस्पर्श कर सका है। इन विद्वानों ने पंजाबी-शब्दों के ध्वन्यङ्कन, बारम्बारता तथा लिङ्गादि-निर्धारण में पर्याप्त सहायता प्रदान की है। हम इनके आभार-भार से संकुचित रहने में ही गौरव का अनुभव करते हैं। अस्थानीय प्रतिभागियों में ही श्री विद्यानिधि पाण्डेय तथा श्री श्रीकृष्ण सेमवाल के नाम सहसा मानस-पटल पर आ जाते हैं, जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित प्रथम गोष्ठी के आयोजन में अनेकानेक निःस्वार्थ सेवाएँ अर्पित कीं। स्थानीय प्रतिभागियों में भाषा एवं शिक्षा के मर्मज्ञ श्रीमान् महावीर-प्रसाद लखेड़ा, जो अब संसार में नहीं है, का नाम भी निःसङ्कोच उल्लिखित करना चाहूँगा, जिनके औपचारिक-अनौपचारिक छोटे-बड़े सुझाव एवं अवदान इस कोश को अत्यन्त सहज भाव से निरन्तर प्राप्त होते रहे हैं। सौ पाठों में सौ शिक्षण-बिन्दुओं द्वारा संस्कृत-शिक्षण की कल्पना इन्हीं के मस्तिष्क की उद्भावना है। कोश एवं पाठ्यक्रम के प्रति स्व० लखेड़ा के समस्त अवदान के प्रति हम हृदय से आभारी हैं। स्थानीय व्यक्तियों में ही आदरणीय डा० हरदेव बाहरी के प्रति हम सप्रश्रयावनत हैं, जिन्होंने इस कोश की रूपरेखा तैयार करने तथा पंजाबी विद्वानों के नाम सुझाने में हमारी सहायता की है। इसी क्रम में खालसा इण्टर कालेज, इलाहाबाद की प्राध्यापिका श्रीमती अमरजीत कौर सोढ़ी साधुवादार्ह हैं, जिन्होंने पंजाबी-शब्दों के व्याकरण-सम्बन्धी बिन्दुओं का पुनरीक्षण अत्यन्त सहज भाव से सम्पन्न किया।

कोई भी योजना कुशल निर्देशन एवं उदार शासन के सद्भाव में ही समुचित परिणाम देती

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

है। अन्यथा 'विनायकं प्रकुर्वाणो रचयामास वानरम्' के समान हास्यास्पद हो जाती है। सौभाग्य से इस योजना को इस विद्यापीठ के विद्वान् प्राचार्य डा० गयाचरण त्रिपाठी के कुशल निर्देशन एवं उदार संरक्षण—दोनों ही निरन्तर प्राप्त होते रहे। डा० त्रिपाठी चूंकि पौरस्त्य एवं पाश्चात्य—अनेक भाषाओं के अधिकारी विद्वान् हैं और साथ ही भाषा-शास्त्र में इनकी गम्भीर पैठ भी है। अतएव इनके वैदुष्य का अनायास लाभ इस कोश को क्षण-क्षण मिला है। राजकीय बन्धन को जितना भी शिथिल किया जा सकता था, शिथिल करके उन्होंने इस कोश के निर्माण के लिये अवसर जुटाये हैं। उनके प्रति कृतज्ञता-ज्ञापन के दो शब्द कहकर इस सम्पूर्ण योजना के प्रति उनकी सहज आत्मीयता एवं भाषानुभाग के प्रति स्नेहसिक्त अनुग्रह का अवमूल्यन करने का दुःसाहस मुझमें नहीं है।

संस्थान के भूतपूर्व निदेशक आदरणीय डा० रामकरण शर्मा ने कोश-निर्माण में पदे-पदे प्रोत्साहन दिया है तथा वर्तमान निदेशक माननीय डा० मण्डन मिश्र ने इस कोश के प्रकाशन की संस्वीकृति अत्यन्त सहज भाव से प्रदान कर हमारा अत्यधिक उत्साह-वर्द्धन किया है। हम इन विद्वानों के प्रति सप्रश्रयावनत हैं।

स्व-स्व कर्म में निरत रहते हुए भी अपने सुहृद्वर सर्वश्री डा० किशोरनाथ झा प्रवाचक, डा० राघवप्रसाद चौधरी प्रवक्ता, डा० जगन्नाथ पाठक प्रवक्ता तथा सुश्री अर्चना चतुर्वेदी शोधसहायिका ने कोश के निर्माण में अनेक प्रकार की सेवाए अर्पित की हैं। सम्प्रति डा० पाठक, रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू में प्राचार्य तथा डा० चौधरी शिक्षा-विभाग के अध्यक्ष हैं। हम इनके अत्यन्त आभारी हैं। पुस्तकालयीय नियमों को ढीला करके आवश्यकतानुसार कोश एवं सिद्धान्त-ग्रन्थों को उपलब्ध कराने के लिए सामान्यतया पुस्तकालय के समस्त कर्मचारी और विशेषतया श्री सूरजबहादुर वर्मा, श्री रामानन्द थपलियाल, श्री अनिलकुमार सिंह तथा श्री ज्ञानचन्द्र श्रीवास्तव धन्यवादार्ह हैं।

श्रम एवं सावधानी से कोश-मुद्रण-हेतु शाकुन्तल मुद्रणालय के प्रबन्धक श्री उपेन्द्र त्रिपाठी को धन्यवाद दिये बिना रह नहीं सकता।

भाषानुभाग
गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ
चन्द्रशेखर आजाद पार्क, इलाहाबाद

शिवकुमार मिश्र
अध्यक्ष

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

संकेताक्षर-सूची

अ०	अव्यय
अक०	अकर्मक
आज्ञा०	आज्ञार्थक
ए०	एकवचन
उ०	उत्तम
कर्मवा०	कर्मवाच्य
क्रि०	क्रिया
द्र०	द्रष्टव्य
नपुं०	नपुंसकलिङ्ग
पु०	पुरुष
पुं०	पुल्लिङ्ग
प्र०	प्रथम
प्रेर०	प्रेरणार्थक
ब०	बहुवचन
भवि०	भविष्यत्
भाव०	भाववाच्य
भूत०	भूतकाल
भा० सं०	भाववाचक संज्ञा
म०	मध्यम
व०	वचन
वर्त०	वर्तमान
वि०	विशेषण
सक०	सकर्मक
सप्त०	सप्तम्यन्त
स्त्री०	स्त्रीलिङ्ग

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

पंजाबी-संस्कृत शब्दकोश

(PUNJABI-SANSKRIT GLOSSARY)

ਉ

ਉਆ[1] उआ Uā [1] सर्व०

अदस् > असौ (सर्व०) उस, वह शब्द की विकृति जिसका 'ने' 'को' इत्यादि विभक्ति के साथ ही प्रयोग होता है।

ਉਆ[2] उआ Uā [3] अ०

ओह (अ०) ओह, विस्मय या कष्ट अथवा विषाद सूचक शब्द।

ਉਇ उइ Ui [3] सर्व०

अदस् (सर्व०) वह, दूरस्थ व्यक्ति या वस्तु का बोधक शब्द।

ਉਈ उई Ui [3] अ०

ओह (अ०) ओह, पीड़ा-सूचक शब्द।

ਉਸ उस् Us [3] सर्व०

अदस् > असौ (सर्व०) वह, उसने, दूरस्थ व्यक्ति या वस्तु।

ਉਸਕਣਾ[1] उस्कणा Uskaṇā [3] अक० क्रि०

उच्छ्वसिति (अदादि अक०) उच्छ्वास लेना, उसाँस भरना, लम्बी साँसे लेना।

ਉਸਕਣਾ[2] उस्कणा Uskaṇā [3] अक० क्रि०

उत्कर्षति (भ्वादि अक०) उभरना, ऊपर उठना।

ਉਸਟ[1] उसट् Usaṭ [3] पुं०

उष्ट्र (पुं०) ऊँट।

ਉਸਟ[2] उसट् Usaṭ [3] पुं०

ओष्ठ (पुं०) ओठ, होठ।

ਉਸ਼ਟ उषट् Uṣaṭ [3] पुं०

उष्ट्र (पुं०) ऊँट।

ਉਸਟਨ उस्टन् Usṭan [3] पुं०

उत्सर्जन (उत्सृष्ट) (नपुं०) धोने का भाव, छाँटने का भाव; त्याग।

ਉਸਟਰ उस्टर् Usṭar [1] पुं०

द्र०—ਉਸਟ[1]।

ਉਸਟੰਡ[1] उस्टण्ड् Usṭaṇḍ [3] पुं०

उषितान्ध्य (नपुं०) अन्धेरे में बैठने की क्रिया या भाव; बिना विचारे किसी काम को करने का हठ; उपद्रव; निन्दा; झगड़ा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਸਟੰਡ² उस्टण्ड् Ustaṇḍ [3] वि०
उच्चण्ड (वि०) बड़ा क्रोधी।

ਉਸਟ੍ਰ उस्ट्र Ustra [1] (पुं०)
द्र०—ਉਸਟ¹।

ਉਸਟ੍ਰੀ¹ उस्ट्री Ustrī [1] वि०
उष्ट्रीय (वि०) ऊँट से संबन्धित।

ਉਸਟ੍ਰੀ² उस्ट्री Ustrī [1] स्त्री०
उष्ट्री (स्त्री०) ऊँटनी, ऊँट की मादा।

ਉਸਤਤ उस्तत् Ustat [3] स्त्री०
स्तुति (स्त्री०) स्तुति; प्रशंसा, तारीफ।

ਉਸਤਤਿ उस्तति Ustati [3] स्त्री०
द्र०—ਉਸਤਤ।

ਉਸਤਤਿਵਜਾਜਨਿੰਦਾ उस्ततिव्याज्निन्दा Ustativyājninda [3] स्त्री०
स्तुतिव्याजनिन्दा (स्त्री०) बड़ाई के बहाने निन्दा करना; एक अर्थालङ्कार।

ਉਸਤਰਾ उस्तरा Ustarā [3] पुं०
क्षुर (उत्क्षुर ?) (पुं०) छुरा, उस्तरा।

ਉਸਤੁਰ उस्तुर् Ustur [1] पुं०
द्र०—ਉਸਟ¹।

ਉਸਤੋਤ੍ਰ उस्तोत्र् Ustotr [2] पुं०
स्तोत्र (नपुं०) स्तोत्र; स्तुतिवाक्य, तारीफ।

ਉਸਨ उसन् Usan [1] वि०/पुं०
उष्ण (वि० / पुं०) वि०—उष्ण, गरम; फुर्तीला। पुं०—ग्रीष्मऋतु; नरक विशेष; अग्नि; सूर्य।

ਉਸਨਕ उस्नक् Usnak [1] वि०
उष्णक (वि०) फुर्तीला; चालाक; तापक, गर्म करने वाला।

ਉਸਨਤਾਪ उसन्ताप् Usantāp [3] पुं०
उष्णताप (पुं०) पित्तज्वर; पित्तविकार; गर्मी से होने वाला ताप।

ਉਸਨਾ उस्ना Usnā [2] पुं०/क्रि० वि०
उशनस् (पुं०/क्रि० वि०) पुं०-शुक्र, दैत्यों के गुरु। क्रि० वि०—प्रसन्नतापूर्वक; तत्काल।

ਉਸਨੀਸ उस्नीस् Usnīs [1] पुं०
उष्णीष (पुं०) जो सिर को गर्मी से बचावे, पगड़ी; ताज, मुकुट।

ਉਸਨੀਕ उस्नीक् Usnīk [1] पुं०
द्र०—ਉਸਨੀਸ।

ਉਸਰਨਾ उसर्ना Usarnā [3] अक० क्रि०
उत्सरति (भ्वादि अक०) ऊपर बढ़ना, उठना; हटना।

ਉਸਾਸ उसास् Usās [3] पुं०
उच्छ्वास (पुं०) उच्छ्वास, ऊपर को खींची हुई लम्बी साँस।

ਉਸਾਸਾ उसासा Usāsā [3[पुं०
द्र०—ਉਸਾਸ।

ਉਸਾਹ उसाह् Usāh [1] पुं०
उत्साह (पुं०) उत्साह, हौसला; हिम्मत।

ਉਸਾਹੀ उसाही Usāhī [1] वि०
उत्साहिन् (वि०) उत्साही; हिम्मतवाला; उद्यमी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਸਾਣ उसाण् Usāṇ [1] पुं०
अवसान (नपुं०) अवसान, अन्त ।

ਉਸਾਰ उसार् Usār [2] पुं०
उशीर (पुं०, नपुं०) खस ।

ਉਸਾਰਣ उसारण् Usāraṇ [1] पुं०
उत्सर्जन (नपुं०) बनाने या रचने का भाव ।

ਉਸਾਰਣਾ उसार्णा Usārṇā [3] पुं०
द्र०—ਉਸਾਰਣ ।

ਉਸਾਰੂ उसारू Usārū [3] वि०
उत्सर्जक (वि०) बनानेवाला, रचयिता ।

ਉਸ਼ੀਨਰ उशीनर् Uśīnar [3] पुं०
उशीनर (पुं०) गांधार देश; राजा शिवि के पिता ।

ਉਸ਼ੀਰ उशीर् Uśīr [2] पुं०
उशीर (नपुं०) खस, पन्ही की जड़ ।

ਉਸੇਸ उसेस् Uses [3] पुं०
उच्छ्वास (पुं०) ठंडी साँस ।

ਉਸੇਨਾ उसेना Usenā [1] सक० क्रि०
उष्णयति (नामधातु सक०) उष्ण करना, तपाना; सेंकना; रीन्हना; उबालना ।

ਉਸ਼ੇਰ उशेर् Uśer [3] स्त्री०
उषोवेला (स्त्री०) उषवेल > उषेल > उशेर् । उषा काल, सवेरा ।

ਉਸ਼ਟ्र उष्ट्र Uṣtra [1] पुं०
द्र०—ਉਸਟ[1] ।

ਉਸ੍ਤਤਿ उस्तति Ustati [1] स्त्री०
द्र०—ਉਸਤਤ ।

ਉਹ[1] उह् Uh [3] सर्व०
अदस् > असौ (सर्व० प्रथमान्त) वह, दूरस्थ व्यक्ति या वस्तु ।

ਉਹ[2] उह् Uh [3] अ०
उह/ओह (अ०) ओह; आह; संबोधन बोधक शब्द ।

ਉਹਾਂ उहाँ Uhā̃ [3] सर्व०
तत्स्थाने (सर्व० सप्तम्यन्त) वहाँ, उस स्थान पर ।

ਉਹੀਂ उहीं Uhī [2] सर्व०
द्र०—ਉਹਾਂ ।

ਉਕਸਣਾ उक्सणा Uksaṇā [2] अक० क्रि०
उत्कर्षति (भ्वादि अक०) क्रुद्ध होना, उत्तेजित होना, भड़कना; ऊपर उठना ।

ਉਕਸਨਾ उक्सना Uksanā [1] अक० क्रि०
द्र०—ਉਕਸਣਾ ।

ਉਕਸਾਉਟ उक्साउट् Uksāuṭ [3] पुं०
उत्कर्षण (नपुं०) उकसाने अथवा भड़काने का भाव ।

ਉਕਸਾਉਣਾ उक्साउणा Uksāuṇā [3] प्रेर० क्रि०
उत्कर्षयति (भ्वादि प्रेर०) उकसाना, भड़काना ।

ਉਕਸਾਵਟ उक्सावट् Uksāvaṭ [2] पुं०
द्र०—ਉਕਸਾਉਟ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਕਤ[1] उकत् Ukat [3] स्त्री०
युक्ति (स्त्री०) युक्ति, उपाय ।

ਉਕਤ[2] उक्त् Ukt [3] वि०
उक्त (वि०) कहा हुआ, कथित ।

ਉਕਤ[3] उकत् Ukat [3] पुं०
उक्थ (पुं०) प्राण, जीव ।

ਉਕਤ[4] उक्त् Ukt [3] पुं०
उक्त (नपुं०) कथन, बयान ।

ਉਕਤਾ उक्ता Uktā [1] पुं०
वक्तृ (वि०) वक्ता, कहने वाला; कवि ।

ਉਕਤਾਉਣਾ उक्ताउणा Uktāuṇā [3] अक० क्रि०
उत्ववथति (भ्वादि अक०) उकताना, उद्विग्न होना ।

ਉਕਤਿ[1] उकति Ukati [3] स्त्री०
उक्ति (स्त्री०) कथन, वचन; उक्ति-वैचित्र्य ।

ਉਕਤਿ[2] उक्ति Ukti [2] स्त्री०
उक्ति (स्त्री०) दलील, तर्क ।

ਉਕਤਿਬਿਲਾਸ उक्तिबिलास् Uktibilās [2] पुं०
उक्तिविलास (पुं०) कथन का चमत्कार, मनोहर उक्ति ।

ਉਕਤਿਵਿਲਾਸ उक्तिविलास् Uktivilās [2] पुं०
द्र०—ਉਕਤਿਬਿਲਾਸ ।

ਉਕਥ उकथ् Ukath [1] पुं०
द्र०—ਉਕਤ[3] ।

ਉਕੱਥ उकत्थ् Ukatth [1] पुं०
उक्ति (स्त्री०) उक्ति; लोकोक्ति, कहावत ।

ਉਕਰਣਾ उकर्णा Ukarṇā [3] सक० क्रि०
उत्कृन्तति (तुदादि सक०) कुतरना, काटना, टुकड़े करना ।

ਉਕਰਨਾ उकर्ना Ukarnā [1] सक० क्रि०
द्र०—ਉਕਰਣਾ ।

ਉਕਲੇਦ उक्लेद् Ukled [3] पुं०
उत्क्लेद (पुं०) वमन, उल्टी ।

ਉਕੜੂ उक्ड़ू Ukṛū [3] पुं०
उत्कुटक (पुं०) बैठना या टेढ़े बैठने का भाव ।

ਉਕਾਉਣਾ उकाउणा Ukāuṇā [3] सक० क्रि०
उत्क्राम्यति (भ्वादि सक०) भुलावे में डालना, बहकाना ।

ਉਕਾਸਣਾ[1] उकास्णा Ukāsṇā [2] सक० क्रि०
उत्कासयति (चुरादि सक०) परावर्तित करना, लौटाना ।

ਉਕਾਸਣਾ[2] उकास्णा Ukāsṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਉਕਸਣਾ ।

ਉਕਾਸਨਾ उकास्ना Ukāsnā [2] सक० क्रि०
द्र० ਉਕਸਣਾ ।

ਉਕੇਰਾ उकेरा Ukerā [3] पुं०
उत्किर (पुं०) उत्कीर्ण करनेवाला, नक्काशी करने वाला; खोदने वाला ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ੳੱਕਣਾ उक्कणा Ukkaṇā [2] अक० क्रि०
उत्क्रामति (भ्वादि अक०) भूल करना, चूकना।

ੳੱਕਰਨਾ उक्करना Ukkarnā [3] सक० क्रि०
उत्किरति (भ्वादि अक०) उत्कीर्ण करना, खोदना, उकेरना।

ੳੁਖਲ उखल् Ukhal [3] स्त्री०
उलूखल (पुं०) ऊखल, ओखली।

ੳੁਖਲੀ उख्ली Ukhlī [3] स्त्री०
उलूखली (स्त्री०) छोटी ऊखल।

ੳੁਖੱਲਣਾ उखल्लणा Ukhallaṇā [1] सक० क्रि०
उत्खुरति (तुदादि सक०) चमड़ा उतारना, उधेड़ना।

ੳੱਖਣ उक्खण् Ukkhaṇ [1] सक० क्रि०
उत्खनन (नपुं०) खनने या खोदने का भाव।

ੳੱਖਣਨਾ उक्खण्ना Ukkhaṇnā [3] सक० क्रि०
उत्खनति (भ्वादि सक०) खोदना, नक्कासी करना।

ੳੱਖਲ उक्खल् Ukkhal [3] पुं०
उलूखल (पुं०) ऊखल, ओखली।

ੳੱਖਲੀ उक्खली Ukkhlī [3] स्त्री०
उलूखली (स्त्री०) छोटी ऊखल, ओखली।

ੳੁਗਮਣਾ उगम्णा Ugamṇā [3] अक० क्रि०
उद्गच्छति (भ्वादि अक०) सूर्य का उगना; उछलना; प्रवेश करना।

ੳੁੰਗਰਨਾ उंगर्ना Uṅgarnā [1] सक० क्रि०
अङ्कुरयति (चुरादि अक०) अंकुरित होना, उगना।

ੳੁਗਰਾਹਾ उग्राहा Ugrāhā [3] पुं०
उद्ग्राहक (पुं०) कर-संग्राहक, टैक्स वसूलने वाला।

ੳੁਗਰਾਹੀ उग्राही Ugrāhī स्त्री०
उद्ग्राह (पुं०) उगाही, वसूली; इकट्ठी की हुई चन्दा आदि राशि।

ੳੁਗਰਾਹੀਆ उग्राह्या Ugrāhyā [3] पुं०
उद्ग्राहिन् (वि०) उगाही करने वाला, वसूली करने वाला।

ੳੁਗਰਾਹੁਣਾ उग्राहुणा Ugrāhuṇā [3] सक० क्रि०
उद्गृह्णाति (क्र्यादि सक०) उगाहना, वसूली करना, इकट्ठा करना।

ੳੁੰਗਲ उंगल् Uṅgal [3] स्त्री०
अङ्गुलि (स्त्री०) अँगुली।

ੳੁਗਲਣਾ उगल्णा Ugalṇā [3] सक० क्रि०
उद्गिलति (तुदादि सक०) उगलना, मुँह से बाहर करना।

ੳੁਗਲਨਾ उगल्ना Ugalnā [1] सक० क्रि०
द्र०—ੳੁਗਲਣਾ।

ੳੁੰਗਲੀ उंग्ली Uṅglī [1] (स्त्री०)
अङ्गुलि (स्त्री०) अंगुली, ऊँगली।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਗਵਣ उग्वण् Ugvaṇ [1] पुं०
उद्गमन (नपुं०) उगना, अंकुरित होने का भाव।

ਉਗਵਨ उग्वन् Ugvan [1] पुं०
द्र०— ਉਗਵਣ।

ਉਗਾਹ उगाह् Ugāh [1] पुं०
उद्ग्राह (पुं०) उगाहने अथवा उठाने का भाव, प्रत्युत्तर; प्रतिवाद।

ਉਗਾਹਣਾ उगाह्णा Ugāhṇā [3] सक० क्रि०
उद्गृह्णाति (क्र्यादि० सक०) उगाहना, वसूल करना, जमा करना, इकट्ठा करना।

ਉਗਾਲ उगाल् Ugāl [3] पुं०
उद्गार (पुं०) जुगाली, पशुओं के चबाने और झाग निकालने का भाव।

ਉਗਾਲਣਾ उगाल्णा Ugalṇā [3]
सक०/अक० क्रि०
उद्गिलति (तुदादि सक०/अ०) उगलना, वमन करना; थूकना।

ਉਗੂਰ उगूर् Ugūr [1] पुं०
अङ्कुर (नपुं०) अङ्कुर, अंखुआ।

ਉੱਗਣਾ उग्ग्णा Uggṇā [3] अक० क्रि०
उद्गच्छति (भ्वादि अक०) उगना, अंकुरित होना, उत्पन्न होना।

ਉੱਗਰਣ उग्गरण् Uggaraṇ [3] पुं०
उद्गिरण (नपुं०) उगलने या उल्टी करने का भाव, वमन।

ਉੱਗਰਨਾ उग्गर्ना, Uggarnā [3] सक० क्रि०
उद्गुरते (तुदादि सक०) ऊपर उठाना।

ਉਗ੍ਰ उग्र् Ugr [3] वि०
उग्र (वि०) उग्र, घोर, विकराल।

ਉਗ੍ਰਸੇਣ उग्रसेण् Ugraseṇ [3] पुं०
द्र०—ਉਗ੍ਰਸੇਨ।

ਉਗ੍ਰਸੇਨ उग्रसेन् Ugrasen [3] पुं०
उग्रसेन (पुं०) उग्रसेन नाम का मथुरा का राजा, जो कंस का पिता था।

ਉਗ੍ਰਸੈਨ उग्रसैन् Ugrasain [3] पुं०
द्र०—ਉਗ੍ਰਸੇਨ।

ਉਗ੍ਰਕਰਮਾ उग्रकर्मा Ugrakarmā [3] वि०
उग्रकर्मन् (वि०) भयंकर कर्म करने वाला, दयाहीन, बेरहम।

ਉਗ੍ਰਧਨਜਾ उग्रधन्या Ugradhanyā [1] वि०
द्र०—ਉਗ੍ਰਧਨ੍ਹਾ।

ਉਗ੍ਰਧਨ੍ਹਾ उग्रधन्वा Ugradhanvā [2] वि०
उग्रधन्वन् (वि०/पुं०) वि०—उग्र (विशाल) धनुष रखने वाला। पुं०—इन्द्र; शिव।

ਉਗ੍ਰਧਨ੍ਹੀ उग्रधन्वी Ugradhanvī [2] वि०
द्र०—ਉਗ੍ਰਧਨ੍ਹਾ।

ਉਗ੍ਰਾ उग्रा Ugrā [2] स्त्री०/वि०
उग्रा (स्त्री०/वि०) स्त्री०—काली देवी, कालिका। वि०—क्रोधवाली स्त्री।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਗ੍ਰਾਯੁਧ उग्रायुध् Ugrāyudh [3] पुं०
उग्रायुध (नपुं०/पुं०) नपुं०—एक भयानक तेज शस्त्र। पुं०—एक प्रतापी राजा।

ਉਗ੍ਰੇਸ਼ उग्रेश् Ugreś [2] पुं०
उग्रेश (पुं०) उग्रा (काली) का स्वामी अर्थात् भगवान् शिव।

ਉਘਟਤ उघ्टत् Ughṭat [1] वि०
उद्घटित (वि०) घटित, उत्पन्न।

ਉਘਟਨ उघटन् Ughaṭan [1] पुं०
उद्घाटन (नपुं०) उद्घाटन; प्रकट करने का भाव।

ਉਘਟਨਾ[1] उघट्ना Ughaṭnā [1] सक० क्रि०
उद्घाटयति (चुरादि सक०) उद्घाटन करना, प्रकट करना।

ਉਘਟਨਾ[2] उघट्ना Ughaṭnā [1] सक० क्रि०
उद्घटयति (चुरादि सक०) रचना, बनाना।

ਉਘਰਨਾ उघर्ना Ugharnā [3] अक० क्रि०
उद्घटते (भ्वादि अक०) उघाड़ होना, प्रकट होना।

ਉਘੜ-ਦੁਘੜਾ उघड़् - दुघ्ड़ा Ughaṛ-Dughṛā [2] वि०
दुर्घट (वि०) ऊबड़-खाबड़; विषम; अस्त-व्यस्त।

ਉਘੜਵਾਉਣਾ उघड़्वाउणा Ughaṛvāuṇā [3] प्रेर० क्रि०
उद्घाटयति (चुरादि प्रेर०) उघड़वाना, खोलवाना, अनावृत कराना।

ਉਘਾੜ उघाड़् Ughāṛ [3] पुं०
उद्घाट (पुं०) उघाड़, प्रकट होने का भाव।

ਉਘਾੜਨਾ उघाड़्ना Ughāṛnā [3] सक० क्रि०
उद्घाटयति (चुरादि सक०) उघाड़ना, पर्दा हटाना; नंगा करना; दिखाना।

ਉਘਾੜਾ उघाड़ा Ughāṛā [3] पुं०
उद्घाटन (नपुं०) उद्घाटन; नग्नता; दिखलाने का भाव।

ਉਘੇੜਨਾ उघेड़्ना Ugheṛnā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਘਾੜਨਾ।

ਉੱਘੜਨਾ उग्घड़्ना Ugghaṛnā [3] अक० क्रि०
उद्घटते (भ्वादि अक०) उघड़ना; प्रकट होना।

ਉਚਕਨਾ उचक्ना Ucaknā [2] अक० क्रि०
उच्चटति (भ्वादि अक०) उदासीन होना, मन का उखड़ना।

ਉਚਟ उचट् Ucaṭ [2] स्त्री०
उच्चाट (पुं०) उदासीनता, उदासी, मन के उखड़ने का भाव।

ਉਚਟਨਾ उचट्ना Ucaṭnā [3] अक० क्रि०
उच्चटति (भ्वादि अक०) मन का उदास होना, विरक्त होना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਚਰਣ उच्रण् Ucraṇ [1] पुं०
उच्चारण (नपुं०) उच्चारण, कथन, बोलने का भाव।

ਉਚਰਣਾ उचर्णा Ucarṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਚਰਨਾ।

ਉਚਰਨਾ[1] उचर्ना Ucarnā [3[सक० क्रि०
उच्चारयति (चुरादि सक०) उच्चारण करना, कहना, बोलना।

ਉਚਰਨਾ[2] उचर्ना Ucarnā [2] सक० क्रि०
(उद्)चरति (भ्वादि सक०) चरना, भक्षण करना।

ਉਚਵਾਉਣਾ उच्वाउणा Ucvāuṇā [2] सक० क्रि०
उच्चयते (भ्वादि सक०) ऊँचा ले जाना, उठाना।

ਉਚਵਾਨਾ उच्वाना Ucvānā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਉਚਵਾਉਣਾ।

ਉਚੜਨਾ उचड़्ना Ucaṛnā [3] अक० क्रि०
उच्चटति (भ्वादि अक०) मन का उदास होना, विरक्त होना।

ਉਚੜਾ उच्ड़ा Ucṛā [1] पुं०
द्र०—ਉਚਾਟ।

ਉਚੜੀ उच्ड़ी Ucṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਉਚਟ।

ਉਚਾਉਣਾ उचाउणा Ucāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਚਵਾਉਣਾ।

ਉਚਾਈ उचाई Ucāī [3] स्त्री०
उच्चता (स्त्री०) ऊँचाई, उन्नत होने का भाव।

ਉਚਾਟ उचाट् Ucāṭ [3] पुं०
उच्चाट (पुं०) उदासीनता, उदासी, उचाट।

ਉਚਾਟਨ उचाटन् Ucāṭan [3] पुं०
उच्चाटन (नपुं०) उच्चाटन, मन का उदासीन होना; उखड़ने का भाव।

ਉਚਾਣ उचाण् Ucāṇ [3] पुं०
उच्चस्थान (नपुं०) ऊँचा स्थान, ऊँचाई।

ਉਚਾਨ उचान् Ucān [1] पुं०
द्र०—ਉਚਾਣ।

ਉਚਾਰਣ उचारण् Ucāraṇ [3] पुं०
उच्चारण (नपुं०) उच्चारण, कथन, बोलने का भाव।

ਉਚਾਰਨ उचारन् Ucāran [3] पुं०
द्र०—ਉਚਾਰਣ।

ਉਚਾਰਾ उचारा Ucārā [3] वि०
उच्चारित (वि०) कथित, कहा हुआ।

ਉਚਾਲਾ उचाला Ucālā [2] वि०
उच्चालित (वि०) चलाया हुआ, नष्ट किया हुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਚਾਵੱਚ उचावच्च् Ucāvacc [1] वि०
उच्चावच (वि०) ऊँच-नीच, सम-विषम; भला-बुरा।

ਉਚਿਸਟ उचिसट् Ucisaṭ [1] वि०
द्र०—ਉਛਿਸਟ।

ਉਚਿਤ उचित् Ucit [3] वि०
उचित (वि०) उचित, समीचीन; योग्य।

ਉਚਿਤਾ उचिता Ucitā [2] स्त्री०
उचितता (स्त्री०) औचित्य; योग्यता।

ਉਚਿਤਾਨੁਚਿਤ उचितानुचित् Ucitānucit [3] वि०
उचितानुचित (वि०) उचित-अनुचित; योग्य-अयोग्य।

ਉਚੇਰਾ उचेरा Ucerā [3] वि०
उच्चतर (वि०) अधिक ऊँचा।

ਉਚੇੜਨਾ उचेड़्ना Uceṛnā [3] सक० क्रि०
उच्चटति (भ्वादि सक०) पृथक् करना, उधेड़ना; उचाटना।

ਉੱਚ उच्च् Ucc [3] वि०
उच्च (वि०) ऊँचा, उन्नत; बुलन्द।

ਉੱਚਸੁਰ उच्चसुर् Uccasur (पुं०) [3]
द्र०—ਉੱਚਸ਼੍ਰਵਾ।

ਉੱਚਸ਼੍ਰਵਾ उच्च्श्रवा Uccśravā[3](पुं०/वि०)
उच्चश्रवस् (पुं०/वि०) पुं०—उच्चश्रवा घोड़ा जो श्वेत वर्ण का होता है। वि०—ऊँची कीर्ति वाला।

ਉੱਚਰਨਾ उच्चर्ना Uccarnā [3] सक० क्रि०
उच्चरति (भ्वादि सक०) उचारना, उच्चारण करना; बोलना।

ਉੱਚੜਨਾ उच्चड़्ना Uccaṛnā [3] अक० क्रि०
उच्चटति (भ्वादि अक०) चिपकी हुई वस्तु का अलग होना।

ਉੱਚਾ उच्चा Uccā [3] वि०
उच्च (वि०) ऊँचा, उन्नत।

ਉੱਚਾਟ उच्चाट् Uccāṭ [3] पुं०
द्र०—ਉਚਾਟ।

ਉੱਚਾਥਲ उच्चाथल् Uccāthal [3] पुं०
उच्चस्थल (नपुं०) ऊँचा स्थान; परम-धाम; ऊर्ध्वलोक।

ਉੱਚਾਵਚ उच्चावच् Uccāvac [2] वि०
द्र०—ਉਚਾਵੱਚ।

ਉਂਛ उञ्छ् Uñch [1] पुं०
उञ्छ (पुं०) क्षेत्रादि में पतित अन्नों को चुगने की क्रिया।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਂਛਸ਼ੀਲ उञ्छशील् Uñchśīl [3] स्त्री०
उञ्छशील (वि०) उञ्छवृत्ति द्वारा जीवन-यापन करने वाला।

ਉਛਕ उछक् Uchak [3] स्त्री०
शल्क (नपुं०) छाल, छिलका; वल्कल।

ਉਛਕਨ उछ्कन् Uchkan [1] स्त्री०
द्र०—ਉਛਕ।

ਉਂਛਬ੍ਰਿੱਤਿ उञ्छ्ब्रित्ति Uñchbritti [3] स्त्री०
उञ्छवृत्ति (स्त्री०) क्षेत्रादि से अन्न चुग करके जीवन-निर्वाह करने की क्रिया, उञ्छकर्म।

ਉਛਰਨ उछ्रन् Uchran [1] पुं०
उच्छलन (नपुं०) उछाल, उछलने का भाव।

ਉਛਲਣਾ उछल्णा Uchalṇā [3] अक० क्रि०
उच्छलति (भ्वादि अक०) उछलना, कूदना।

ਉਛਲਨ उछलन् Uchalan [2] पुं०
उच्छलन (नपुं०) उछाल, उछलने का भाव।

ਉਛਲਨਾ उछल्ना Uchalnā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਉਛਲਣਾ।

ਉਛਵ उछव् Uchav [1] पुं०
उत्सव (पुं०) उत्सव, समारोह, मङ्गल-कार्य।

ਉਛਾਹ उछाह् Uchāh [1] पुं०
उत्साह (पुं०) उत्साह, उमंग।

ਉਛਾਰਨ उछारन् Uchāran [1] पुं०
उच्छलन (नपुं०) उछलने या कूदने का भाव।

ਉਛਾਲ उछाल् Uchāl [1] पुं०
द्र०—ਉਛਾਰਨ।

ਉਛਾਲਣਾ उछाल्णा Uchālṇā, [3] सक० क्रि०
उच्छालयति (भ्वादि प्रेर०) उछालना, ऊपर फेंकना।

ਉਛਾਲਨਾ उछाल्ना Uchālnā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਛਾਲਣਾ।

ਉਛਾਲਾ उछाला Uchālā [3] पुं०
उच्छाल (पुं०) उछाल, ऊपर जाने का भाव; तरंग।

ਉਛਾਲੀ उछाली Uchālī [3] स्त्री०
उच्छर्दिका (स्त्री०) वमन, कै।

ਉਛਿਸਟ उछिसट् Uchisaṭ [3] वि०
उच्छिष्ट (वि०) उच्छिष्ट, जूठा।

ਉਛੇਦਨ उछेदन् Uchedan [3] पुं०
उच्छेदन (नपुं०) काटने, खोदने या नाश करने का भाव।

ਉਛੇਰ ਚਰਣਾ उछेर्चर्णा Ucher Charṇā [1] पुं०
स्वैरसञ्चार (पुं०) इच्छापूर्वक विचरण करने का भाव, स्वच्छन्द विचरण।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਛੰਗ उछंग् Uchaṅg [1] पुं०
उत्संग (पुं०) गोद, गोदी।

ਉੱਛਣਾ उच्छ्णा Ucchṇā [1] कर्म० क्रि०
उच्छिद्यते (रुधादि कर्म०) पीड़ित होना, कष्ट सहना।

ਉੱਛਲ उच्छल् Ucchal [3] स्त्री०
उच्छल (पुं०) लहर के ऊपर उठने का भाव, उछाल।

ਉੱਛਲਣਾ उच्छल्णा Ucchalṇā [3] अक० क्रि०
उच्छलति (भ्वादि अक०) उछलना, कूदना।

ਉਂਜਲ उंजल् Uñjal [3] पुं०
अञ्जलि (पुं०) अञ्जलि, कर-सम्पुट।

ਉਜਲਾ उज्ला Ujlā [3] वि०
द्र०—ਉਂਜਲ।

ਉਜਾਗਰ उजागर् Ujāgar [3] वि०
उज्जागर (वि०) उजागर, प्रकट, प्रसिद्ध।

ਉਜਾਨ उजान् Ujān [2] पुं०
उच्चयान (नपुं०) विमान, आकाश मार्ग से जाने वाली सवारी।

ਉਜਾਨਾ उजाना Ujānā [1] वि०
उच्चयान (वि०) विमानवाला, विमान से जानेवाला।

ਉਜਾਨੀ उजानी Ujānī [1] स्त्री०
द्र०—ਉਜਾਲਾ।

ਉਜਾਲਣਾ उजाल्णा Ujālṇā [1] सक० क्रि०
उज्ज्वलयति (भ्वादि प्रेर०) उजाला करना, प्रकाशित करना।

ਉਜਾਲਾ उजाला Ujālā [3] पुं०
उज्ज्वाल (पुं०) उजाला, प्रकाश।

ਉਜਾੜ उजाड़् Ujāṛ [3] स्त्री०
उज्जाट (पुं०) उजाड़, ध्वंस; शून्यता।

ਉਜਾੜਨਾ उजाड़्ना Ujaṛnā [3] सक० क्रि०
उज्जटति (भ्वादि सक०) उजाड़ना, नष्ट करना।

ਉਜੈਨ उजैन् Ujain [2] स्त्री०
उज्जयिनी (स्त्री०) ग्वालियर राज्य के मध्य मालव देश की राजधानी, उज्जैन।

ਉੱਜਲ उज्जल् Ujjal [3] वि०
उज्ज्वल (वि०) उज्ज्वल, उजला, स्वच्छ।

ਉੱਜਲਣਾ उज्जल्णा Ujjalṇā, [3] अक० क्रि०
उज्ज्वलति (भ्वादि अक०) उज्ज्वल होना, चमकना।

ਉੱਜੜ उज्जड़् Ujjaṛ [3] वि०
उज्जट उद्० -√जट् -अ > उज्जट (वि०) उजाड़, रिक्त, ध्वस्त।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉੱਜੜਨਾ उज्जड़्ना Ujjaṛnā [3] अक० क्रि०
उज्जटति (भ्वादि अक०) उजड़ना, नष्ट होना।

ਉਟ उट् Uṭ [1] पुं०
भुण्ट (पुं०) झाड़ी; घास-फूस।

ਉਟਕਣਾ उटक्णा Uṭakṇā [3] अक० क्रि०
उत्कूर्दते (भ्वादि अक०) उछलना, कूदना; खेलना।

ਉਠ उठ् Uṭh [1] सक० क्रि०
ओठति (भ्वादि सक०) मारना, ताड़ना; नीचे गिराना।

ਉਠਣਾ उठ्णा Uṭhṇā [3] अक० क्रि०
उत्तिष्ठति (भ्वादि अक०) उठना, खड़ा होना; नींद से जगना।

ਉਠਾਉਣਾ उठाउणा Uṭhāuṇā [3] प्रेर० क्रि०
उत्थापयति (भ्वादि प्रेर०) उठाना, खड़ा करना; नींद से जगाना।

ਉਠਾਣ उठाण् Uṭhāṇ [3] (स्त्री०)
उत्थान (नपुं०) उठान, उठने का भाव; उन्नति।

ਉਠਾਨ उठान् Uṭhān [2] पुं०
द्र०—ਉਠਾਣ।

ਉਠਾਰਨਾ उठार्ना Uṭhārnā [2] प्रेर० क्रि०
उत्थापयति (भ्वादि प्रेर०) खड़ा करना; जगाना।

ਉਠਾਲਨਾ उठाल्ना Uṭhālnā [2] प्रेर० क्रि०
द्र०—ਉਠਾਰਨਾ।

ਉਠਾਲਿ उठालि Uṭhāli [2] क्रि० वि०
उत्थाप्य (अ०) उठाकर, खड़ा करा-कर; जगा कर।

ਉੱਠ उट्ठ Uṭṭha [3] पुं०
उष्ट्र (पुं०) ऊँट।

ਉੱਠਣਾ उट्ठणा Uṭṭhaṇā [3] अक० क्रि०
उत्तिष्ठति (भ्वादि अक०) उठना, खड़ा होना; जगना।

ਉਡਗ उडग् Uḍag [3] पुं०
द्र०—ਉਡੁਗ।

ਉਡਗਿੰਦ उड्गिन्द् Uḍgind [3] पुं०
उडुगेन्द्र (पुं०) नक्षत्रों का स्वामी, चन्द्रमा।

ਉਡਛਾ उड्छा Uḍchā [1] पुं०
ओड्रदेश (पुं०) उड़ीसा प्रान्त।

ਉਡਣਾ उड्णा Uḍṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਉੱਡਣਾ।

ਉਡਨਾ उड्ना Uḍnā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਉੱਡਣਾ।

ਉਡਵਾ उड्वा Uḍvā [3] पुं०
द्र०—ਉਡੁਗ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ੳੜਾਉਣਾ उडाउणा Uḍāuṇā [3] सक० क्रि०
उड्डाययति (भ्वादि प्रेर०) उड़ाना ।

ੳੜਿੰਦ उडिन्द् Uḍind [3] पुं०
द्र०—ੳੜਗਿੰਦ ।

ੳੜੀਸਾ उडीसा Uḍīsā [3] पुं०
ओड्रदेश (पुं०) उड़ीसा प्रान्त ।

ੳੜੀਕ उडीक् Uḍīk [3] स्त्री०
उद्वीक्षा (स्त्री०) प्रतीक्षा, इन्तजारी ।

ੳੜੀਕਣਾ उडीक्णा Uḍīkṇā [3] सक० क्रि०
उद्वीक्षते (भ्वादि सक०), ऊपर की ओर मुंह करके देखना; प्रतीक्षा करना, इन्तजार करना ।

ੳੜੀਕਨਾ उडीक्ना Uḍīknā [3] सक० क्रि०
द्र०—ੳੜੀਕਣਾ ।

ੳੜੀਣ उडीण् Uḍīṇ [2] पुं०
उदीर्ण (वि०) व्याकुल, घबराया हुआ ।

ੳੜੀਣਾ उडीणा Uḍīṇā (पुं०) [3]
उदीर्ण (वि०) व्याकुल, घबराया हुआ ।

ੳੜੀਣੀ उडीणी Uḍīṇī [3] स्त्री०
उदीर्णा (स्त्री०) व्याकुल, घबरायी हुयी ।

ੳੜੀਨ उडीन् Uḍīn [2] पुं०
उड्डीन, (नपुं०) उड़ान, उड़ने का भाव ।

ੳੜੂ उडु Uḍu [1] पुं०
उडु (पुं०) तारा; पक्षी; जल ।

ੳੜੂਗ उडुग् Uḍug [1] पुं०
उडुगण (पुं०) नक्षत्रमण्डल, तारे ।

ੳੜੂਗਣ उडुगण् Uḍugaṇ [2] पुं०
उडुगण (पुं०) तारामण्डल, तारे ।

ੳੜੂਗਨਾਥ उडुग्नाथ् Uḍugnāth [2] पुं०
उडुगनाथ (पुं०) नक्षत्रों का स्वामी, चन्द्रमा ।

ੳੜੂਪ उडुप् Uḍup [1] पुं०
उडुप (पुं०) जलपति (वरुण); नौका; चन्द्रमा; गरुड़ ।

ੳੜੂਪਤਿ उडुपति Uḍupati [3] पुं०
उडुपति (पुं०) नक्षत्रों का स्वामी, चन्द्रमा ।

ੳੱਡਣਾ उड्ड्णा Uḍḍṇā [3] अक० क्रि०
उड्डयते (भ्वादि अक०) उड़ना ।

ੳੜਾਉਣਾ उढाउणा Uḍhāuṇā [3] सक० क्रि०
ऊर्णौति (अदादि सक०) ओढ़ाना, ढकना, आच्छादन करना ।

ੳਣਤਾਲੀ उण्ताली Uṇtālī [3] वि०
ऊनचत्वारिंशत् (स्त्री०) उन्तालीस, 39 ।

ੳਣੱਤੀ उणत्ती Uṇattī [3] (वि०)
ऊनत्रिंशत् (स्त्री०) उनतीस, 29 ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਣਨਾ उण्ना Uṇnā [3] सक० क्रि०
वयति (भ्वादि सक०) बुनना।

ਉਣਮਣ उण्मण् Uṇmaṇ [3] वि०
उन्मनस् (वि०) उन्मना, उदासीन।

ਉਣਵੰਜਾ उण्वञ्जा Uṇvañjā [3] वि०
एकोनपञ्चाशत् (स्त्री०) उन्चास, 49।

ਉਣਾਉਣਾ उणाउणा Uṇāuṇā [3] प्रेर० क्रि०
वाययति (भ्वादि प्रेर०) बुनाना, बुनाई कराना।

ਉਣਾਸਠ उणासठ् Uṇāsaṭh [3] वि०
ऊनषष्टि (स्त्री०) उनसठ, एक कम साठ, 59।

ਉਣਾਸੀ उणासी Uṇāsī [3] वि०
एकोनाशीति (स्त्री०) उनासी, एक कम अस्सी, 79।

ਉਣਾਹਟ उणाहट् Uṇāhaṭ [3] वि०
ऊनषष्टि (स्त्री०) उनसठ, एक कम साठ, 59।

ਉਣਾਨਵੇ उणान्वे Uṇānve [3] वि०
एकोननवति (स्त्री०) नवासी, 89।

ਉਣਾਲਾ उणाला Uṇālā [1] वि०
और्णक (वि०) ऊन सम्बन्धी।

ਉਣੀਦਾ उणीदा Uṇīdā [3] पुं०
उन्निद्र (वि०) निद्रा रहित, तन्द्रायुक्त।

ਉਣੰਜਾ उणञ्जा Uṇañjā [3] वि०
एकोनपञ्चाशत् (स्त्री०) उनचास, 49।

ਉਣਹੱਤਰ उण्हत्तर् Uṇhattar [3] वि०
ऊनसप्तति (स्त्री०) उनहत्तर, 69।

ਉਤ उत् Ut [2] अ०
उत (अ०) कदाचित्, शायद।

ਉਤਸਰਗ उत्सरग् Utsarag [3] पुं०
उत्सर्ग (पुं०) उत्सर्ग, त्याग; दान; अन्त।

ਉਤਸਰਪਿਣੀ उत्सर्पिणी Utsarpiṇī [2] स्त्री०
उत्सर्पिणी (स्त्री०) जैन सम्प्रदाय के अनुसार एक कल्प-मान।

ਉਤਸਵ उत्सव् Utsav [3] पुं०
उत्सव (पुं०) उत्सव, समारोह, जलसा।

ਉਤਸਾਹ उत्साह् Utsāh [3] पुं०
उत्साह (पुं०) उत्साह, वेग, प्रबलता।

ਉਤਸਾਹੀ उत्साही Utsāhī [3] पुं०
उत्साहिन् (वि०) उत्साही, उत्साह वाला।

ਉਤਸੁਕ उत्सुक् Utsuk [3] वि०
उत्सुक (वि०) उत्सुक, किसी बात को जानने की बहुत इच्छा वाला, उत्कण्ठित।

ਉਤਸੁਕਤਾ उत्सुक्ता Utsuktā [3] स्त्री०
उत्सुकता (स्त्री०) उत्सुकता, उत्सुक होने का भाव, उत्कण्ठा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਤਕਟ उत्कट् Utkaṭ [3] वि०
उत्कट (वि०) कठिन, विकट; प्रचण्ड।

ਉਤਕਰਸ਼ उत्करष् Utkaraṣ [3] पुं०
उत्कर्ष (पुं०) उत्कर्ष, उन्नति, वृद्धि; प्रशंसा; अधिकता।

ਉਤਕਰਖ उत्करख् Utkarakh [3] पुं०
द्र०—ਉਤਕਰਸ਼।

ਉਤਕਲ उत्कल् Utkal [3] पुं०
उत्कल (पुं०) सुद्युम्न राजा का पुत्र जिसके नाम पर प्रदेश विशेष का नाम पड़ा, उड़ीसा।

ਉਤਕਲਾ उत्कला Utkalā [1] स्त्री०
द्र०—ਉਤਕਾ।

ਉਤਕਾ उत्का Utkā [1] स्त्री०
उत्कता (स्त्री०) उत्सुकता, उत्कण्ठा।

ਉਤਕੰਟਕ उत्कण्टक् Utkaṇṭak [3] पुं०
उत्कण्टक (नपुं०) करौंदा फल।

ਉਤਕੰਠਾ उत्कण्ठा Utkaṇṭhā [3] स्त्री०
उत्कण्ठा (स्त्री०) उत्कण्ठा, प्रबल इच्छा, उत्सुकता।

ਉਤਕੰਠਿਤਾ उत्कण्ठिता Utkaṇṭhitā [3] स्त्री०
उत्कण्ठिता (स्त्री०) उत्कण्ठिता; उत्सुका; उत्कण्ठिता नायिका।

ਉਤਕ੍ਰਿਸ਼ਟ उत्क्रिश्ट् Utkriśṭ [3] वि०
उत्कृष्ट (वि०) उत्कृष्ट, उत्तम, श्रेष्ठ।

ਉਤਖੇਪਣ उत्खेपण् Utkhepaṇ [3] पुं०
उत्क्षेपण (नपुं०) ऊपर फेंकने या उछालने का भाव।

ਉਤੱਥ उतत्थ् Utatth [3] पुं०
उतथ्य (पुं०) एक ऋषि जो अंगिरा और श्रद्धा के पुत्र थे तथा जिन्होंने सोम की पुत्री भद्रा से विवाह किया था।

ਉਤਨਾ उत्ना Utnā [3] सर्व०
तावत् (सर्व०) उतना, उस परिमाण का।

ਉਤਪਤਿ उत्पति Utpati]3] स्त्री०
उत्पत्ति (स्त्री०) जन्म, पैदाइश; सृष्टि; रचना।

ਉਤਪਲ उत्पल् Utpal [3] पुं०
उत्पल (नपुं०) नीलकमल, कमल पुष्प।

ਉਤਪਾਟਨ उत्पाटन् Utpāṭan [3] पुं०
उत्पाटन (नपुं०) उत्पाटन, उखाड़ने का भाव।

ਉਤਪਾਤ उत्पात् Utpāt [3] पुं०
उत्पात (पुं०) उत्पतन, उड़ने का भाव; उपद्रव।

ਉਤਪਾਤਿ उत्पाति Utpāti [3] स्त्री०
उत्पत्ति (स्त्री०) जन्म, पैदाइश; सृष्टि; रचना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਤਪਾਦਕ उत्पादक् Utpādak [3] वि०/पुं०
उत्पादक (वि०/पुं०) वि०—उत्पन्न करने वाला, जनक; ऊपर पैरोंवाला। पुं०—शरभ जाति का एक जीव।

ਉਤਪਾਦਨ उत्पादन् Utpādan [3] पुं०
उत्पादन (नपुं०) उत्पादन, उत्पन्न करने का भाव।

ਉਤਪੰਨ उत्पन्न् Utpann [3] वि०
उत्पन्न (वि०) उत्पन्न, पैदा हुआ।

ਉਤਪ੍ਰੇਕਸ਼ਾ उत्प्रेक्शा Utprekśā [3] स्त्री०
उत्प्रेक्षा (स्त्री०) कल्पना; सम्भावना; एक अर्थालङ्कार।

ਉਤਪ੍ਰੇਖਿਆ उत्प्रेख्या Utprekhyā [3] स्त्री०
द्र०—ਉਤਪ੍ਰੇਕਸ਼ਾ।

ਉਤਭਿਜ उत्भिज् Utbhij [3] पुं०
उद्भिद् (नपुं०) धरती फाड़कर अंकुरित होने वाली वनस्पति।

ਉਤਭੁਜ[1] उत्भुज् Utbhuj [3] पुं०
उद्भिद् (नपुं०) भूमि से अंकुरित होने वाली वनस्पति।

ਉਤਭੁਜ[2] उत्भुज् Utbhuj [3] वि०
उद्भुज (वि०) विस्तीर्ण बाहुवाला।

ਉਤਰਸ उत्रस् Utras [1] सक० क्रि०
उत्तरिष्यति (भ्वादि भवि० सक०) उतरेगा, पार होगा।

ਉਤਰਣ उत्रण् Utraṇ [3] पुं०
अवतरण (नपुं०) पार उतरने या पार होने का भाव।

ਉਤਰਣਾ उतर्णा Utarṇā [3] सक० क्रि०
अवतरति (भ्वादि सक०) पार उतरना, पार होना; उतरना, ऊपर से नीचे आना।

ਉਤਰਨਾ उतर्ना Utarnā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਤਰਣਾ।

ਉਤਰਾਉ उत्राउ Utrāu [3] पुं०
अवतार (पुं०) उतरने का भाव।

ਉਤਰਾਇਣ उत्राइण् Utrāiṇ [3] स्त्री०
उत्तरायण (नपुं०) उत्तरायण-काल, मकरसंक्रान्ति से मिथुन संक्रान्ति तक का समय।

ਉਤਰੀਆ उत्रीआ Utrīā [3] वि०
उत्तारक (वि०) पार उतारने वाला; उद्धारक।

ਉਤਵਤ उत्वत् Utvat [3] पुं०
उदावर्त (पुं०) जल की भौंरी; अफारा।

ਉਤਾਉਲਾ उताउला Utāulā [1] पुं०
उत्तापल (वि०) उतावला, अधीर।

ਉਤਾਣਾ उताणा Utāṇā [2] पुं०
उत्तान (वि०) उत्तान, तना हुआ; फैला हुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਤਾਨਪਾਦ उतान्पाद् Utānpād [3] पुं०
उत्तानपाद (पुं०) एक राजा जो मनु-शतरूपा के पुत्र और ध्रुव के पिता थे।

ਉਤਾਰ उतार् Utār [3] पुं०
अवतार (पुं०) उतार, ढलान, ढलाव।

ਉਤਾਰਣਾ उतार्णा Utārṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਤਾਰਨਾ।

ਉਤਾਰਨਾ उतार्ना Utārnā [3] सक० क्रि०
अवतारयति (भ्वादि प्रेर०) उतारना, पार कराना।

ਉਤਾਰਾ उतारा Utārā [2] पुं०
उत्तार (पुं०) ठहराव, पड़ाव; प्रतिलिपि करने का भाव।

ਉਤਾਵਲਾ उताव्ला Utāvlā [3] वि०
उत्तापल (वि०) उतावला, अधीर।

ਉਤੇ उते Ute [3] क्रि० वि०
ततः (अ०) उधर, उस तरफ; आगे।

ਉਤੰਸ उतंस् Utans [2] पुं०
अवतंस (पुं०) भूषण, गहना।

ਉਤੰਕ उतंक् Utaṅk [2] पुं०
द्र० ਉੱਤੰਕ।

ਉਤੰਗ उतंग् Utaṅg [3] वि०
उत्तुङ्ग (वि०) बहुत ऊँचा, उन्नत।

ਉੱਤਣਾ उत्तण्ना Uttaṇnā [2] सक० क्रि०
उत्तनोति (तनादि सक०) फैलाना, विस्तीर्ण करना।

ਉੱਤਮ उत्तम् Uttam [3] वि/पुं०
उत्तम (वि०/पुं०) वि०—उत्तम, श्रेष्ठ। पुं०—ध्रुव का सौतेला भाई।

ਉੱਤਮਤਾ उत्तम्ता Uttamtā [3] स्त्री०
उत्तमता (स्त्री०) श्रेष्ठता; खूबी; नेकी।

ਉੱਤਮਾ उत्तमा Uttamā [3] स्त्री०
उत्तमा (स्त्री०) उत्तम स्त्री; उत्तमा नायिका; उत्तमा दूती।

ਉੱਤਰ उत्तर् Uttar [3] पुं०
उत्तर (नपुं०/स्त्री०/पुं०) नपुं०—उत्तर, जवाब। स्त्री०—उत्तर दिशा। पुं०—राजा विराट् का पुत्र।

ਉੱਤਰਨਾ उत्तर्ना Uttarnā [3] सक० क्रि०
अवतरति (भ्वादि सक०) उतरना, पार होना।

ਉੱਤਰਪੱਖ उत्तर्पक्ख् Uttarpakkh [3] पुं०
उत्तरपक्ष (पुं०) समाधान का पक्ष, प्रतिवादी का पक्ष।

ਉੱਤਰਮੀਮਾਂਸਾ उत्तर्मीमांसा Uttarmīmānsā [3] स्त्री०
उत्तरमीमांसा (स्त्री०) अन्तिम विचार; आत्मविद्या, वेदान्त।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉੱਤਰਾ उत्तरा Uttarā [3] स्त्री०
उत्तरा (स्त्री०) राजा विराट् की पुत्री, अभिमन्यु की पत्नी, राजा परीक्षित् की माता; उत्तर दिशा।

ਉੱਤਰਾਧਿਕਾਰੀ उत्तराधिकारी Uttarādhikārī [3] पुं०
उत्तराधिकारी (वि०) उत्तराधिकारी, वारिश, दाय भागी।

ਉੱਤਰਾਰਧ उत्तरारध् Uttarāradh [3] पुं०
उत्तरार्ध (नपुं०) पिछला आधा भाग; किसी ग्रन्थ का पिछला आधा भाग।

ਉੱਤਾ Uttā [1] पुं०/वि०
उत्तरीय (नपुं०/वि०) नपुं०—ऊपर का वस्त्र; ओढ़नी; चादर। वि०—पिछला भाग।

ਉੱਤਾਨਪਾਦ उत्तानपाद् Uttānpād [3] पुं०
उत्तानपाद (पुं०) उत्तानपाद नाम का राजा जो मनु-शतरूपा के पुत्र एवं ध्रुव के पिता थे।

ਉੱਤੀਰਣ उत्तीरण् Uttīraṇ [3] वि०
उत्तीर्ण (वि०) उत्तीर्ण, पार हुआ; सफल।

ਉੱਤੇਜਕ[1] उत्तेजक् Uttejak [3] वि०
उत्तेजक (वि०) उत्तेजना प्रदान करने वाला; उभारने वाला।

ਉੱਤੇਜਕ[2] उत्तेजक् Uttejak [2] पुं०
उत्तेजक (पुं०) उत्तेजक शीशा; उत्तेजक-मणि, सूर्यकान्तमणि।

ਉੱਤੇਜਨ उत्तेजन् Uttejan [3] पुं०
उत्तेजन (नपुं०) प्रेरणा; उकसाने का भाव।

ਉੱਤੰਕ उत्तंक् Uttaṅk [3] पुं०
उत्तङ्क (पुं०) एक ऋषि जो वेदमुनि के शिष्य थे, गौतम ऋषि के एक शिष्य।

ਉਥਾਨ उथान् Uthān [3] पुं०
उत्थान (नपुं०) खड़े होने का भाव; आरम्भ; उन्नति।

ਉਥਾਨਕਾ उथान्का Uthānkā [2] पुं०
उत्थानिका (स्त्री०) भूमिका, उपोद्घात।

ਉਥਾਪਨ उथापन् Uthāpan [3] पुं०
उत्थापन (नपुं०) उठाने का भाव।

ਉੱਥੇ उत्थे Utthe [3] अ०
तस्मिन् स्थाने (अ०) वहाँ, उधर।

ਉਦਕ उदक् Udak [3] पुं०
उदक (नपुं०) उदक, जल।

ਉਦਕਣਾ उदक्णा Udakṇā [2] अक० क्रि०
उत्कूर्दते (भ्वादि अक०) ऊपर उछलना, कूदना।

ਉਦਕਰਖ उद्करख् Udkarakh [3] पुं०
उत्कर्ष (पुं०) उन्नति; अधिकता; वृद्धि।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਦਗਾਰ उद्गार् Udgār [3] पुं०
उद्गार (पुं०) उद्गार, डकार; वमन; उबाल; दुःख ।

ਉਦਭੱਟ उद्भट्ट Udbhaṭṭa [2] वि०
उद्भट (वि०) प्रबल; प्रसिद्ध; उत्तम ।

ਉਦਭਵ उद्भव् Udbhav [3] पुं०
उद्भव (पुं०) उत्पत्ति, जन्म; वृद्धि; सृष्टि ।

ਉਦਭੂਤ उद्भूत् Udbhūt [3] वि०
उद्भूत (वि०) उद्भूत, उत्पन्न हुआ ।

ਉਦਮਾਤ उद्मात् Udmāt [2] पुं०
उन्माद (पुं०) उन्माद, पागलपन ।

ਉਦਮਾਦ उद्माद् Udmād [1] पुं०
द्र० —ਉਦਮਾਤ ।

ਉਦਯਾਚਲ उद्याचल् Udyācal [3] पुं०
उदयाचल (पुं०) उदयगिरि, उदयाचल ।

ਉਦਯੋਗ उद्योग् Udyog [3] पुं०
उद्योग (पुं०) उद्यम, यत्न ।

ਉਦਯੋਗੀ उद्योगी Udyogī [3] वि०
उद्योगिन् (वि०) उद्योगी, पुरुषार्थी ।

ਉਦਰ उदर् Udar [3] पुं०
उदर (नपुं०) पेट, जठर ।

ਉਂਦਰ उन्दर् Undar [2] पुं०
उन्दर (पुं०) चूहा, मूषक ।

ਉਦਰ-ਅਗਨੀ उदर्-अग्नी Udar-Agnī [3] स्त्री०
उदराग्नि (पुं०) जठराग्नि, पेट की आग ।

ਉਦਵਰਤਨ उद्वर्तन् Udvartan [3] पुं०
उद्वर्तन (नपुं०) उबटन, लेप-विशेष ।

ਉਦਵਾਹ उद्वाह् Udvāh [3] पुं०
उद्वाह (पुं०) ले जाने की क्रिया; विवाह ।

ਉਦਵੇਗ उद्वेग् Udveg [3] पुं०
उद्वेग (पुं०) व्याकुलता, घबराहट ।

ਉਦਾਸ उदास् Udās [3] वि०
उदास (वि०) उदास, खिन्नचित्त, दुःखी; मोहरहित, विरक्त ।

ਉਦਾਸੀ उदासी Udāsī [3] स्त्री०
उदासीनता (स्त्री०) उदासीनता, दुःख ।

ਉਦਾਹਰਣ उदाहर्ण् Udāharṇ [3] पुं०
उदाहरण (नपुं०) उदाहरण, दृष्टान्त ।

ਉਦਾਤ उदात् Udāt [3] पुं०
उदात्त (नपुं०) उच्चस्वर से उच्चारित वर्ण; उदात्तस्वर; एक अर्थालङ्कार ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਦਾਨ उदान् Udān [2] पुं०
उदान (नपुं०) उदान नामक वायु जो नाभि-देश में स्थित रहती है।

ਉਦਾਰ उदार् Udār [3] वि०
उदार (वि०) उदार, दानी; श्रेष्ठ, उतम।

ਉਦਾਰਤਾ उदार्ता Udārtā [3] स्त्री०
उदारता (स्त्री०) उदारता; दानशीलता।

ਉਦੀਚੀ उदीची Udīcī [3] स्त्री०
उदीची (स्त्री०) उत्तर दिशा।

ਉਦੀਪਨ उदीपन् Udīpan [3] पुं०
उद्दीपन (नपुं०) भड़काने की क्रिया, ऐसी वस्तु जा कामादि को उत्तेजित करे; उद्दीपन विभाव।

ਉਦੀਰਣ[1] उदीरण् Udīraṇ [1] पुं०
उदीरण (नपुं०) कथन; व्याख्या।

ਉਦੀਰਣ[2] उदीरण् Udīraṇ [1] वि०
उदीर्ण (वि०) उद्दीप्त; क्षुब्ध।

ਉਦੇ उदे Ude [3] पुं०
उदय (पुं०) उदय, निकलने या प्रकट होने का भाव; वृद्धि।

ਉਦੇਸ਼[1] उदेश् Udeś [3] पुं०
उद्देश (पु०) प्रयोजन, कारण; अभिलाष।

ਉਦੇਸ਼[2] उदेश् Udeś [3] पुं०
उद्देश्य (नपुं०) उद्देश्य, लक्ष्य।

ਉਦੰਡ उदंड् Udaṇd [2] वि०
उद्दण्ड (वि०) उद्दण्ड; निडर।

ਉਦੰਤ उदन्त् Udant [1] पुं०
उदन्त (नपुं०) वृत्तान्त; प्रसंग।

ਉੱਦਮ उद्दम् Uddam [3] पुं०
उद्यम (पुं०) उद्यम, उद्योग, यत्न।

ਉੱਦਮੀ उद्दमी Uddamī [3] वि०
उद्यमिन् (वि०) उद्यमी, उद्योगशील, परिश्रमी।

ਉਦ੍ਰੇਕ उद्रेक् Udrek [2] पुं०
उद्रेक (पुं०) आधिक्य, वृद्धि।

ਉਧਰ उधर् Udhar [3] क्रि० वि०
ततः (अ०) उधर, उस तरफ।

ਉਧਰਣ[1] उध्रण् Udhraṇ [3] पुं०
उद्धरण (नपुं०) किसी युक्ति वा कथन को अन्यत्र अविकल रखा जाना, अवतरण; ऊपर उठने की क्रिया; मुक्त होने का भाव।

ਉਧਰਣ[2] उध्रण् Udhraṇ [2] पुं०
उद्धारण (नपुं०) उद्धार करने का भाव; पार करने का या मुक्त करने का भाव; उदाहरण देने का भाव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਧਰਨਾ उधर्ना Udharnā [3] अक० क्रि०
उद्धरति (भ्वादि सक०/अक०) सक०—उद्धार करना। अक०—उभरना, उद्धृत होना।

ਉਧਰਿਤ उध्रित् Udhrit [3] वि०
उद्धृत (वि०) उठाया हुआ; उद्धार किया हुआ; चुना हुआ; किसी ग्रन्थ से लिया हुआ अंश।

ਉਧਾਰ उधार् Udhār [3] पुं०
उद्धार (पुं०) मुक्ति, छुटकारा; उधार।

ਉਧਾਰਨਾ उधार्ना Udhārnā [3] सक० क्रि०
उद्धारयति (भ्वादि प्रेर०) उद्धार करना; बचाना; उठाना।

ਉਧੇੜਣਾ उधेड़्णा Udheṛṇā [3] सक० क्रि०
उद्धरति (भ्वादि सक०) उधेड़ना, विच्छेद करना, अलग करना।

ਉੱਧ उद्ध् Uddh [1] वि०
उद्धत (वि०) उद्धत, उजड्ड, असभ्य।

ਉੱਧੜਣਾ उद्धड़्णा Uddhaṛṇā [3] अक० क्रि०
उद्धरति (भ्वादि अक०) उधड़ना, विच्छिन्न होना, अलग होना।

ਉਨਤਾਲੀ उन्ताली Untālī [3] वि०
एकोनचत्वारिंशत् (स्त्री०) उनतालीस (39)।

ਉਨੱਤੀ उनत्ती Unattī [3] वि०
ऊनत्रिंशत् (स्त्री०) उन्तीस (29)।

ਉਨਮੱਤ उन्मत्त् Unmatt [3] वि०
उन्मत्त (वि०) उन्मत्त, मतवाला; पागल।

ਉਨਮਨ[1] उन्मन् Unman [3] वि०
उन्मनस् (वि०) क्षोभयुक्त, व्याकुल, उदासीन मनवाला।

ਉਨਮਨ[2] उन्मन् Unman [3] पुं०
उन्नतमनस् (नपुं०) ऊँचामन, विशाल-हृदय।

ਉਨਮਨਾ उन्मना Unmanā [3] पुं०
उन्मनस् (वि०) उन्मना, क्षोभयुक्त, व्याकुल; उदासीन मनवाला।

ਉਨਮਨੀ उन्मनी Unmanī [3] स्त्री०
उन्मनी (स्त्री०) योग की एक मुद्रा; ज्ञानावस्था।

ਉਨਮਾਦ[1] उन्माद् Unmād [3] पुं०
उन्माद (पुं०) मस्ती; खुमारी; रोग विशेष।

ਉਨਮਾਦ[2] उन्माद् Unmād [3] वि०
उन्मत्त (वि०) उन्मत्त, मतवाला; पागल।

ਉਨਮਾਦੀ उन्मादी Unmādī [3] वि०
उन्मादिन् (वि०) उन्मादी, उन्मत्त; पागल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਨਮਾਨ उन्मान् Unmān [1] पुं०
अनुमान (नपुं०) अनुमान; विचार।

ਉਨਮਾਰਗ उन्मारग् Unmārag [2] पुं०
उन्मार्ग (पुं०) कुमार्ग; कुरीति।

ਉਨਮੂਲਨ उन्मूलन् Unmūlan [3] पुं०
उन्मूलन (नपुं०) जड़ सहित उखाड़ने की क्रिया; नाश करने का भाव।

ਉਨਮੇਖ उन्मेख् Unmekh [2] पुं०
उन्मेष (नपुं०) आँख का झपकना; पलक गिरने तक का काल।

ਉਨਾਸੀ उनासी Unāsī [3] वि०
ऊनाशीति (स्त्री०) उन्यासी (79)।

ਉਨਾਨਵੇਂ उनान्वें Unānvē [3] वि०
ऊननवति (स्त्री०) नवासी (89)।

ਉਨੀਂਦਰ उनींदर् Unīdar [3] पुं०
उन्निद्रा (स्त्री०) ऊँघ, ऊँघने का भाव; आलस्य।

ਉਨੀਂਦਰਾ उनींद्रा Unīdrā [3] पुं०
उन्निद्र (वि०) ऊँघने वाला, तन्द्रा-युक्त, नीद का अनुभव करने वाला।

ਉੱਨ उन्न् Unn [3] स्त्री०
ऊर्णा (स्त्री०) ऊन।

ਉੱਨਤ उन्नत् Unnat [3] वि०
उन्नत (वि०) ऊँचा; प्रतिष्ठित।

ਉੱਨਤੀ उन्नती Unnatī [3] स्त्री०
उन्नति (स्त्री०) वृद्धि, तरक्की; श्रेष्ठता।

ਉੱਨਾ उन्ना Unnā [1] वि०
और्णक (वि०) ऊन सम्बन्धी।

ਉੱਨੀ उन्नी Unnī [3] वि०
ऊनविंशति (स्त्री०) उन्नीस (19)।

ਉਪ उप् Up [3] स्त्री०
उपमा (स्त्री०) उपमा, तुलना; एक अलङ्कार।

ਉਪਇੰਦਰ उप्इन्दर Upindar [3] पुं०
उपेन्द्र (पुं०) वामन भगवान्, विष्णु।

ਉਪਸਥ उप्सथ् Upsath [3] पुं०
उपस्थ (नपुं०) स्त्री एवं पुरुष की जननेन्द्रिय; कूल्हा।

ਉਪਸਥਿਤ उपस्थित् Upasthit [3] वि०
उपस्थित (वि०) उपस्थित, विद्यमान, मौजूद; पास बैठा हुआ।

ਉਪਸਥਿਤੀ उपस्थिती Upasthitī [3] स्त्री०
उपस्थिति (स्त्री०) उपस्थिति, हाजिरी, मौजूदगी; पास बैठने की क्रिया।

ਉਪਸ਼ਮ उपशम् Upśam [3] पुं०
उपशम (पुं०) इन्द्रियों का संयम; वासना का निग्रह; रोग दूर करने का यत्न।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਪਸਰਗ उप्सरग् Upsarag [3] पुं०
उपसर्ग (पुं०) उपसर्ग, रोग; उपद्रव; शकुन; विघ्न ।

ਉਪਸੰਹਾਰ उप्संहार् Upsaṅhār [3] पुं०
उपसंहार (पुं०) समाप्ति; अपनी ओर खींचने की क्रिया; सिद्धान्त; नतीजा ।

ਉਪਹਾਸ उप्हास् Uphās [3] पुं०
उपहास (पुं०) हँसी; मखौल, मजाक ।

ਉਪਹਾਰ उप्हार् Uphār [3] पुं०
उपहार (पुं०) भेंट; समीप ले जाने की क्रिया; पूजा ।

ਉਪਹਿਤ उप्हित् Uphit [2] वि०
उपहित (वि०) उपाधिवाला; धारण किया हुआ; मिला हुआ ।

ਉਪਕਰਣ उप्करण् Upkarṇ [3] पुं०
उपकरण (नपु०) सामग्री, सामान; किसी वस्तु को सिद्ध करने की सामग्री ।

ਉਪਕਰਤਾ उप्कर्ता Upkartā [3] वि०
उपकर्तृ (वि०) उपकार करने वाला, सहायक ।

ਉਪਕਾਰ उप्कार् Upkār [3] पुं०
उपकार (पुं०) भलाई, नेकी; सहायता; अनुकूलता; नौकरी-चाकरी ।

ਉਪਕਾਰੀ उप्कारी Upkārī [3] वि०
उपकारिन् (वि०) उपकारी, सहायक, उपकार करने वाला; कृपालु ।

ਉਪਕੰਠ उप्कण्ठ् Upkaṇṭh [2] क्रि० वि०
उपकण्ठम् (अ०) कण्ठ के पास; समीप; किनारे ।

ਉਪਕ੍ਰਮ उप्क्रम् Upkram [3] पुं०
उपक्रम (पुं०) आरम्भ; भूमिका; संसार की रचना का क्रम ।

ਉਪਕ੍ਰਿਤ उप्क्रित् Upkrit [3] वि०
उपकृत (वि०) जिसका उपकार किया गया हो, अनुगृहीत ।

ਉਪਗ੍ਰਹ उप्ग्रह् Upgrah [3] पुं०
उपग्रह (पुं०) उपग्रह, अपेक्षाकृत छोटा ग्रह; आकाश में प्रक्षिप्त आधुनिक वैज्ञानिक-यन्त्र ।

ਉਪਚਾਰ उप्चार् Upcār [2] पुं०
उपचार (पुं०) सेवा; यत्न; इलाज; मंत्र के जप की विधि ।

ਉਪਚਾਰਕ उप्चारक् Upcarāk [3] पुं०
उपचारक (वि०) इलाज करने वाला; सेवा करने वाला; मन्त्र सिद्ध करने वाला; गौण शब्द ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਪਜਣਾ उप्ज्णा Upjṇā [3] अक० क्रि०
उपजायते (दिवादि अक०) उत्पन्न होना, उपजना; बढ़ना।

ਉਪਜਨ उप्जन् Upjan [2] स्त्री०
उपजन (पुं०) वृद्धि; उत्पत्ति; अंकुरण।

ਉਪਜਾਪ उप्जाप् Upjāp [2] पुं०
उपजाप (पुं०) कान में कहने की क्रिया; मंत्रजाप की विधि, उपांशु जप।

ਉਪਜੀਵਿਕਾ उप्जीविका Upjīvikā [3] स्त्री०
उपजीविका (स्त्री०) आजीविका, रोजी, जीवन यापन का साधन।

ਉਪਠਾ उप्ठा Upṭhā [1] वि०
उत्पृष्ठ (वि०) औंधा, अधोमुख।

ਉਪਤਾਪ उप्ताप् Uptāp [3] पुं०
उपताप (पुं०) ताप, जलन; रोग की पीड़ा; चिन्ता; विपदा; ताप से उत्पन्न ताप।

ਉਪਦਿਸ਼ਾ उप्दिशा Updiśā [2] स्त्री०
उपदिशा (स्त्री०) दो दिशाओं के मध्य की दिशा, कोण।

ਉਪਦੇਸ਼ उप्देश् Updeś [3] पुं०
उपदेश (पुं०) शिक्षा; हित की बात; गुरुदीक्षा; देशान्तर्गत देश।

ਉਪਦੇਸ਼ਕ उप्देशक् Updeśak [2] पुं०
उपदेशक (वि०) उपदेश करने वाला, शिक्षक।

ਉਪਦੇਸ਼ਣ उप्देशण् Updeśaṇ [3] स्त्री०
उपदेशिनी (स्त्री०) उपदेशिका, उपदेश देने वाली।

ਉਪੱਦਰ उपद्दर् Upaddar [3] पुं०
उपद्रव (पुं०) उपद्रव, उत्पात; अत्याचार।

ਉਪੱਦਰਵ उपद्द्रव् Upaddrav [3] पुं०
द्र०—ਉਪੱਦਰ।

ਉਪੱਦਰਵੀ उपद्द्रवी Upaddravī [3] वि०
उपद्रविन् (वि०) उपद्रवी, उत्पाती; अत्याचारी।

ਉਪੱਦਰੀ उपद्दरी Upaddarī [3] वि०
उपद्रविन् (वि०) उपद्रवी, उत्पाती।

ਉਪਧਾਤ उप्धात् Updhāt [3] पुं०
उपधातु (पु०) धातु की मैल; दो का मिश्रित धातु।

ਉਪਧਾਨ उप्धान् Updhān [3] पुं०
उपधान (नपुं०) तकिया; मन्त्रविशेष।

ਉਪਨਤ उप्नत् Upnat [2] वि०
उपनत (वि०) प्राप्त; प्रकट; आगे की तरफ झुका हुआ; शरणागत।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਪਨਯਨ उप्नयन् Upnayan [3] पुं०
उपनयन (नपुं०) यज्ञोपवीत संस्कार; जनेऊ; समीप ले जाने की क्रिया।

ਉਪਨਾਮ उप्नाम् Upnām [3] पुं०
उपनामन् (नपुं०) दूसरा नाम, उपाधि।

ਉਪਨਿਆਸ उप्न्यास् Upnyās [3] पुं०
उपन्यास (पुं०) कथन, उपन्यास; त्याग; धरोहर, अमानत; पास रखने की क्रिया।

ਉਪਨਿਸ਼ਦ उप्निशद् Upniśad [3] पुं०
उपनिषद् (स्त्री०) उपनिषद् ग्रन्थ, वेदान्त, वेदों का अन्तिम भाग; पास बैठने की क्रिया।

ਉਪਨਿਯਮ उप्नियम् Upniyam [3] पुं०
उपनियम (पुं०) गौण नियम, नियमान्तर्गत नियम।

ਉਪਨੀਤ उप्नीत् Upnīt [2] वि०
उपनीत (वि०) उपनयन संस्कार युक्त; जनेऊधारी; समीप लाया हुआ।

ਉਪਨੇਤਰ उप्नेतर् Upnetar [3] पुं०
उपनेत्र (नपुं०) ऐनक, चश्मा; ज्ञानचक्षु।

ਉਪਨੇਤਾ उप्नेता Upnetā [2] वि०
उपनेतृ (वि०) लाने वाला; जनेऊ धारण कराने वाला आचार्य।

ਉਪਪਤੀ उप्पती Uppatī [3] पुं०
उपपति (पुं०) जार, दूसरा पति।

ਉਪਪੁਰਾਣ उप्पुराण् Uppurāṇ [3] पुं०
उपपुराण (नपुं०) उपपुराण जिनकी संख्या 18 है।

ਉਪਬਨ उप्बन् Upban [3] पुं०
उपवन (नपुं०) बगीचा, बाग।

ਉਪਭੋਗ उप्भोग् Upbhog [3] पुं०
उपभोग (पुं०) पदार्थों का सेवन, इस्तेमाल; स्वाद लेने की क्रिया।

ਉਪਮਾ उप्मा Upmā [3] स्त्री०
उपमा (स्त्री०) समान, तुल्य; तौलने की क्रिया; समानता; दृष्टान्त; एक अर्थालङ्कार।

ਉਪਮਾਤਾ उप्माता Upmātā [2] स्त्री०
उपमातृ (स्त्री०) दाई; मौसी; चाची।

ਉਪਮਾਨ उप्मान् Upmān [3] पुं०
उपमान (नपुं०) जिससे उपमा दी जाय, उपमान; एक मात्रिक छन्द।

ਉਪਮੇਯ उप्मेय् Upmey [2] पुं०
उपमेय (नपुं०) जिसकी उपमा दी जाय।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਪਯੁਕਤ उप्युक्त् Upyukt [3] **वि०**
उपयुक्त (वि०) योग्य, ठीक; सम्बन्धित।

ਉਪਯੋਗ उप्योग् Upyog [3] **पुं०**
उपयोग (पुं०) व्यवहार; प्रयोजन; उपयुक्तता।

ਉਪਯੋਗੀ उप्योगी Upyogī [3] **वि०**
उपयोगिन् (वि०) काम देने वाला; सहायक; अनुकूल।

ਉਪਰ उपर् Upar [3] **क्रि० वि०**
उपरि (अ०) ऊपर, ऊर्ध्व देश।

ਉਪਰਤ उप्रत् Uprat [2] **वि०**
उपरत (वि०) संसार से विरक्त, उदासीन; मृत।

ਉਪਰਤਨ उप्रतन् Upratan [3] **पुं०**
उपरत्न (नपुं०) घटिया किस्म का रत्न।

ਉਪਰਾਗ उप्राग् Uprāg [2] **पुं०**
उपराग (पुं०) रंग, वर्ण; रंगने की क्रिया।

ਉਪਰਾਜ उप्राज् Uprāj [2] **पुं०**
उपराज (पुं०) राजा का प्रतिनिधि; युवराज।

ਉਪਰਾਂਤ उप्रान्त् Uprānt [3] **क्रि० वि०**
उपरान्तम् (अ०) तत्पश्चात्, अनन्तर।

ਉਪਰਾਮ उप्राम् Uprām [2] **पुं०**
उपराम (पुं०) त्याग, वैराग्य; विश्राम, आराम।

ਉਪਰੋਕਤ उप्रोकत् Uprokat [3] **वि०**
उपर्युक्त (वि०) पूर्वोक्त; ऊपर कहा हुआ।

ਉਪਰੋਧ उप्रोध् Uprodh [2] **पुं०**
उपरोध (पुं०) रुकावट, रोक; दुःख; विघ्न।

ਉਪਰੋਧਕ उप्रोधक् Uprodhak [2] **पुं०**
उपरोधक (वि०) रोकने वाला, विघ्नकारक, बाधक।

ਉਪਲ उपल् Upal [2] **पुं०**
उपल (पुं०) पत्थर; ओला; बादल।

ਉਪਲੱਖਣ उप्लक्खण् Uplakkhaṇ [3] **पुं०**
उपलक्षण (नपुं०) उपलक्षण, किसी अन्य वस्तु का बोध कराने वाला शब्द।

ਉਪਲੱਛਣ उप्लच्छण् Uplacchaṇ [3] **पुं०**
उपलक्षण (नपुं०) किसी अन्य वस्तु का बोध कराने वाला शब्द।

ਉਪਲਬਧ उप्लबध् Uplabadh [3] **वि०**
उपलब्ध (वि०) प्राप्त; ज्ञात।

ਉਪਲਬਧੀ उप्लब्धी Uplabdhī [3] **स्त्री०**
उपलब्धि (स्त्री०) प्राप्ति; ज्ञान।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਪਵਾਸ उप्वास् Upvās [3] पुं०
उपवास (पुं०) व्रत, उपवास।

ਉਪਵਾਹ उप्वाह् Upvāh [3] पुं०
उद्वाह (पुं०) विवाह; वहन करने का भाव।

ਉਪਵੇਸ਼ਨ उप्वेशन् Upveśan [1] पुं०
उपवेशन (नपुं०) बैठने की क्रिया।

ਉਪਵੇਦ उप्वेद् Upved [2] पुं०
उपवेद (पुं०) चार उपवेद (आयुर्वेद, गान्धर्ववेद, धनुर्वेद और स्थापत्यवेद)।

ਉਪਾ उपा Upā [3] पुं०
उपाय (पुं०) उपाय; यत्न; साधन।

ਉਪਾਉ उपाउ Upāu [3] पुं०
उपाय (पु०) यत्न; साधन; पास आने की क्रिया; उपचार।

ਉਪਾਉਣਾ उपाउणा Upāuṇā[3] सक० क्रि०
उत्पादयति (दिवादि प्रेर०) उत्पन्न करना, उपजाना; बढ़ाना।

ਉਪਾਇਆ उपाइआ Upāiā [3] वि०
उत्पादित (वि०) उत्पन्न किया हुआ; निर्मित।

ਉਪਾਸ਼ਕ उपाशक् Upāśak [3] पुं०
उपासक (वि०) पूजक, भक्त; पास बैठने वाला।

ਉਪਾਸ਼ਨਾ उपाशना Upāśnā[3] स्त्री०
उपासना (स्त्री०) उपासना, भक्ति।

ਉਪਾਖਿਆਨ उपाख्यान् Upākhyān[3] पुं०
उपाख्यान (नपुं०) पुरानी कथा, इतिहास; किसी कथा से संबद्ध करने वाली कथा।

ਉਪਾਤ उपात् Upāt [1] स्त्री०
उत्पाद (पुं०) जन्म, पैदाइश।

ਉਪਾਦਾਨ उपादान् Upādān [3] पुं०
उपादान (नपुं०) लेना, ग्रहण करना, प्राप्ति; ज्ञान; अपने विषय में इन्द्रियों की प्रवृत्ति; वह कारण जो कार्य में परिवर्तित हो जाय।

ਉਪਾਦੇਯ उपादेय् Upādey[3] वि०
उपादेय (वि०) प्राप्त करने योग्य, ग्रहण योग्य; जानने योग्य, श्रेष्ठ कार्य।

ਉਪਾਧ उपाध् Upādh [3] स्त्री०
उपाधि (पुं०) उत्पात, उपद्रव; झगड़ा।

ਉਪਾਧਣ उपाधण् Upādhaṇ [3] स्त्री०
उपाधिमती (स्त्री०) उत्पात करने वाली स्त्री।

ਉਪਾਧਿਆਇ उपाध्याय् Upādhyāy [2] पुं०
उपाध्याय (पुं०) आचार्य, जिसके पास जाकर पढ़ा जाय, पुरोहित।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਪਾਧੀ उपाधी Upādhī [3] स्त्री०
उपाधि (पुं०) उपाधि, मान-पत्र; उपनाम; योग्यता प्रमाण; पदवी; छल; वस्तुबोधक वह कारण जो उस वस्तु से भिन्न हो।

ਉਪਾਰਜਨ उपार्जन् Upārjan [3] पुं०
उपार्जन (नपुं०) जमा करना, इकट्ठा करना; कमाने या मेहनत से धन पैदा करने का भाव।

ਉਪਾਲੰਭ उपालम्भ् Upālambh [2] पुं०
उपालम्भ (पुं०) उलाहना, शिकवा।

ਉਪੇਖਿਆ उपेख्या Upekhyā [3] स्त्री०
उपेक्षा (स्त्री०) उदासीनता; निरादर, तिरस्कार; त्याग।

ਉਪੰਗ उपंग् Upaṅg [3] पुं०
उपाङ्ग (नपुं०) अंग का भाग, अंग के तुल्य; कृत्रिम अंग; एक प्रकार का बाजा।

ਉੱਪਰ उप्पर् Uppar [3] अ०
उपरि (अ०) ऊपर।

ਉਫਟਨ उफ्टन् Uphṭan [2] पुं०
स्फुटन (नपुं०) फूल इत्यादि का खिलना, स्फुटित होना; फुदकने या, उछलने का भाव।

ਉਫਣਨਾ उफण्ना Uphaṇnā [3] अक० क्रि०
उत्फणति (भ्वादि अक०) उफनना, उबलना; जोश खाना।

ਉਫਾਣ उफाण् Uphāṇ [3] पुं०
उत्फाण (पुं०) उफान; उबाल; जोश।

ਉਬਸਣਾ उबस्णा Ubasṇā [1] अक० क्रि०
उद्वस्यते (भ्वादि अक० भाव०) दुर्गन्धित होना, सड़ना।

ਉਬਸਾਉਣਾ उब्साउणा Ubsāuṇā [2] सक० क्रि०
उद्वास्यते (भ्वादि प्रेर० कर्म०) दुर्गन्धित करना, सड़ाना, नष्ट करना।

ਉਬਟ उबट् Ubaṭ [2] पुं०
उद्वाट (पुं०) विकट मार्ग, ऊबड़-खाबड़ रास्ता; घाटी।

ਉਬਟਣਾ उब्टणा Ubṭaṇā [2] पुं०
उद्वर्तन (नपुं०) उबटन, चन्दन-चिरौंजी-तिल आदि पदार्थों का लेप।

ਉਬਟਾਉਣਾ उब्टाउणा Ubṭāuṇā [3] सक० क्रि०
अपवर्तते (भ्वादि सक०) पीछे मोड़ना, पलटना।

ਉਬਰਨ उब्रन् Ubran [1] पुं०
उद्धरण (नपुं०) ऊपर आना; बुरी हालत से अच्छी दशा में होने का भाव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਬਰਨਾ उबर्ना Ubarnā [1] अक० क्रि०
उपब्रूते (अदादि सक०) बोलना, आवाज करना।

ਉਬਾਸਣਾ उबास्णा Ubāsṇā [3] सक० क्रि०
उद्वासयति (चुरादि प्रेर०) सड़ाना, दुर्गन्धित करना।

ਉਬਾਰਨਾ उबार्ना Ubārnā [1] सक० क्रि०
उद्धारयति (चुरादि सक०) उद्धार करना, उठाना; मुक्त करना; बचाना, रक्षा करना।

ਉਬਾਲਣਾ उबाल्णा Ubālṇā [3] सक०क्रि०
उद्वालयति (भ्वादि प्रेर०) उबालना, उकालना।

ਉਬਾਲਾ उबाला Ubālā [3] पुं०
उद्वाल (पुं०) उबाल, उफान, खौलाव।

ਉਬਾਲੀ उबाली Ubālī [3] स्त्री०
द्र०—ਉਬਾਲਾ।

ਉੱਬਲਣਾ उब्बल्णा Ubbalṇā [3] अक० क्रि०
उद्वलते (भ्वादि अक०) उबलना, खौलना।

ਉਭਰਨ उभ्रन् Ubhran [3] पुं०
उद्भरण (नपुं०) ऊपर की ओर जाने या उठने का भाव; भड़काने या निकलने का भाव।

ਉਭਾਰ उभार् Ubhār [3] पुं०
उद्भार (पुं०) उभार; उठान।

ਉਭਾਰਨਾ उभार्ना Ubhārnā [3] पुं०
उद्भारयति (भ्वादि प्रेर०) उभारना; ऊँचा करना, उठाना; उद्धार करना।

ਉਭੇਸਾਹ उभेसाह् Ubhesāh [3] पुं०
ऊर्ध्वश्वास (पुं०) ऊँची साँस; शोक अथवा कफादि रोग से साँस के ऊँचा अथवा रुक-रुक कर चलने का भाव।

ਉਭੈ उभै Ubhai [1] सर्व०
उभय (सर्व०) दोनों।

ਉੱਭਰਨਾ उब्भर्ना Ubbharnā [3] अक० क्रि०
उद्भरति (भ्वादि अक०) उठना, उभरना।

ਉਮਗਣਾ उमग्णा Umagṇā [1] अक० क्रि०
द्र०—ਉਮੰਗਣਾ।

ਉਮਾ उमा Umā [3] स्त्री०
उमा (स्त्री०) शिव की स्त्री पार्वती; प्रभा।

ਉਮੰਗਣਾ उमंग्णा Umãgṇā [1] अक० क्रि०
उन्मज्जति (तुदादि अक०) खूब प्रसन्न होना, आनन्दित होना।

ਉਰ[1] उर् Ur [3] पुं०
उरु (पुं०) जाँघ, जंघा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਰ² उर् Ur [1] पुं०
उरस् (नपुं०) छाती, वक्ष स्थल ।

ਉਰਗ उरग् Urag [1] पुं०
उरग (पुं०) पेट के बल चलने वाला प्राणी; सर्प ।

ਉਰਜ¹ उरज् Uraj [1] पुं०
उरोज (पुं०) छाती के बीच उत्पन्न होने वाला अर्थात् स्तन ।

ਉਰਜ² उरज् Uraj [1] पुं०
ऊर्ज्ज (पुं०) कार्तिक मास ।

ਉਰਬਰਾ उर्बरा Urbarā [3] स्त्री०
उर्वरा (स्त्री०) उपजाऊ ।

ਉਰਬੀ उर्बी Urbī [3] स्त्री०
उर्वी/उर्व्वी (स्त्री०) पृथिवी, धरती ।

ਉਰਲਾ उर्ला Urlā [3] वि०
अवरतर (वि०) इस तरफ का, नीचे का, निम्न ।

ਉਰਵਸ਼ੀ उर्वशी Urvaśī [3] स्त्री०
उर्वशी (स्त्री०) उर्वशी नामक अप्सरा ।

ਉਰੇ उरे Ure [3] क्रि० वि०
अवरम् (अ०) पास, समीप; नीचे; क्षुद्र, निकृष्ट; अन्तिम; छोटा ।

ਉਰੇਰੇ उरेरे Urere [3] वि०
अवरतर (वि०) समीपतर, निकट ।

ਉਲਕਾ उल्का Ulkā [3] स्त्री०
उल्का (स्त्री०) उल्का, प्रकाश की रेखा; आकाश से टूटने वाला तारा ।

ਉਲਝਣ उल्झण् Uljhaṇ [2] स्त्री०
अवरुन्धन (नपुं०) उलझन, उलझने का भाव ।

ਉਲਝਣਾ उल्झणा Uljhaṇā [3] अक०/सक० क्रि०
उपरुणद्धि (रुधादि अक०/सक०) अक०— उलझना, बाधा में पड़ना । सक०— रोकना ।

ਉਲਟਣਾ उल्टणा Ulṭaṇā [3] सक० क्रि०
उल्लटति (भ्वादि सक०) उलटना-पलटना ।

ਉਲਾਸ उलास् Ulās [3] पुं०
उल्लास (पुं०) उल्लास, हर्ष; उत्साह; प्रकाश; चमत्कार ।

ਉਲਾਂਭਾ उलाम्भा Ulāmbhā [3] पुं०
उपालम्भ (पुं०) उलाहना; भर्त्सना ।

ਉਲਾਰਨਾ उलार्ना Ulārnā [3] सक० क्रि०
उल्लालयते (चुरादि सक०) उछालना ।

ਉਲਾਲਣਾ उलाल्णा Ulālṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਉਲਾਰਨਾ ।

ਉਲੀਕਣਾ उलीक्णा Ulīkṇā [3] सक० क्रि०
उल्लिखति (तुदादि सक०) लकीर खींचना, रेखाङ्कित करना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਲੀਚਣ उलीचण् Ulīcaṇ [3] पुं०
उल्लुञ्चन (नपुं०) उलीचने का भाव, गड्ढे या पात्रादि से पानी निकालने का भाव।

ਉਲੀਚਣਾ उलीच्णा Ulīcṇā [3] सक० क्रि०
उल्लुञ्चति (भ्वादि सक०) उलीचना, हाथ या पात्र के द्वारा पानी को गड्ढे आदि से बाहर निकालना।

ਉਲੇਖ उलेख् Ulekh [3] पुं०
उल्लेख (पुं०) लेख, लिपि; एक अर्थालङ्कार।

ਉਲੰਘਣ उलंघण् Ulaṅghaṇ [3] पुं०
उल्लङ्घन (नपुं०) अतिक्रमण, लाँघने का भाव।

ਉਲੰਘਣਾ उलंघ्णा Ulaṅghṇā [3] अक० क्रि०
उल्लङ्घयति (चुरादि सक०) लाँघना, पार करना।

ਉੱਲੂ उल्लू Ullū [3] पुं०
उलूक (पुं०) उल्लू, घूक; वैशेषिक शास्त्र के कर्ता कणाद ऋषि।

ਉਵਾਚ उवाच् Uvāc [2] अक० क्रि० परोक्षभूत
उवाच (अदादि सक० लिट्) बोला।

ਉੜਨਾ उड़्ना Uṛnā [3] अक० क्रि०
उड्डयते (भ्वादि अक०) उड़ना।

ਊ

ਊ ऊ Ū [3] अ०
ओह (अ०) ओह, भय एवं शोक बोधक शब्द।

ਊਸਰ ऊसर् Ūsar [2] वि०
ऊसर (वि०) ऊसर, अनुपजाऊ।

ਊਸ਼ਾ ऊशा Ūśā [3] स्त्री०
उषा (स्त्री०) उषः काल, सबेरा, प्रातः।

ਊਕਲੂ ऊक्लू Ūklū [1] पुं०
उत्कट (पुं०) एक प्रकार की घास, ईंख।

ਊਚ ऊच् Ūc [2] वि०
उच्च (वि०) ऊँचा, उन्नत (पद / जाति में)।

ਊਠ ऊठ् Ūṭh [3] पुं०
उष्ट्र (पुं०) ऊँट।

ਊਠਣੀ ऊठ्णी Ūṭhṇī [3] स्त्री०
उष्ट्री (स्त्री०) ऊँटनी, ऊँट की मादा।

ਊਣ ऊण् Ūṇ [3] वि०
ऊन (वि०) न्यून, कम।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਊਣਾ ऊणा Ūṇā [3] वि०
ऊना (वि०) न्यून, कम, अपूर्ण, अभावयुक्त।

ਊਦਕ ऊदक् Ūdak [3] पुं०
उदक (नपुं०) जल, पानी।

ਊਧਮ ऊधम् Ūdham [3] पुं०
उद्धम (पुं०) उधम, उपद्रव।

ਊਧਵ ऊधव् Ūdhav [3] पुं०
उद्धव (पुं०) देवभाग यादव के पुत्र, कृष्ण के चाचा।

ਊਂਧਾ ऊँधा Ūdhā [3] पुं०
अवमूर्ध (वि०) औंधा, जिसका मुख नीचे को उलटा हो।

ਊਨੀ ऊनी Ūnī [3] वि०
और्णिक (वि०) ऊन का, ऊन से निर्मित।

ਊਭ ऊभ् Ūbh [1] वि०
ऊर्ध्व (वि०) सीधा, ऊपर।

ਊਰਧ ऊरध् Ūradh [3] वि०
ऊर्ध्व (वि०) ऊँचा, बड़ा।

ਊਰਧਰੇਤਾ ऊरध्रेता Ūradhretā [3] पुं०
ऊर्ध्वरेतस् (पुं०) भीष्मपितामह; हनुमान्; शिव; सनकादि मुनि; बालब्रह्मचारी।

ਊਰਧਲੋਕ ऊरध्लोक् Ūradhlok [3] पुं०
ऊर्ध्वलोक (पुं०) वैकुण्ठ लोक; स्वर्ग; आकाश।

ਊਰਾ ऊरा Ūrā [3] वि०
अपूर्ण (वि०) पूरा नहीं, न्यून; मूर्ख, विद्याविहीन।

ਓ

ਓ ओ O [3] अ०
ओ (अ०) अये, अवस्था या पद में छोटे व्यक्ति के लिये सम्बोधन सूचक शब्द; ब्रह्मा।

ਓਅੰਕਾਰ ओअंकार् Oaṅkār [3] पुं०
ओङ्कार (पुं०) प्रणव-ध्वनि, ऊँकार।

ਓਸ[1] ओस् Os [3] सर्व०
असौ (सर्व० प्रथमान्त) वह, दूरस्थ व्यक्ति या वस्तु का सूचक शब्द।

ਓਸ[2] ओस् Os [3] स्त्री०
अवश्याय (पुं०) ओस, तुषार, कुहरा।

ਓਸ਼ਠ ओशठ् Oṡaṭh [3] पुं०
ओष्ठ (पुं०) ओठ, होठ, विशेषरूप से ऊपरी होठ।

ਓਹ[1] ओह् Oh [3] सर्व०
असौ (सर्व० प्रथमान्त) वह, दूरस्थ व्यक्ति या वस्तु का बोधक शब्द।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਓਹ² ओह् Oh [3] अ०
ओह (अ०) **अहह,** शोक बोधक शब्द ।

ਓਕ ओक् Ok [3] पुं०
ओकस् (नपुं०) निवास-स्थान, मकान, गृह ।

ਓਕੜੂ ओक़्ड़ू Okṛū [3] क्रि० वि०
उत्कुटक (नपुं०) पैरों के बल बैठने का भाव ।

ਓਜ ओज् Oj [3] पुं०
ओजस् (नपुं०) बल, ताकत; प्रकाश; तेज; काव्य का एक गुण ।

ਓਜੱਸਵੀ ओजस्सवी Ojassavī [3] पुं०
ओजस्विन् (वि०) ओजस्वी, तेजस्वी; प्रतापी; शक्तिशाली ।

ਓਜਣਾ ओज़्णा Ojṇā [3] अक० क्रि०
ओजति/यति/ते (भ्वादि/चुरादि अक०) शक्तिमान् होना; बढ़ना; जीना ।

ਓਝਾ ओझा Ojhā [3] पुं०
उपाध्याय (पुं०) पढ़ाने वाले ब्राह्मणों का एक वर्ग; ब्राह्मणों का एक उपनाम ।

ਓਠਾ ओठा Oṭhā [2] वि०
औष्ट्रक (वि०) ऊँट सम्बन्धी, ऊँट का ।

ਓਢਣੀ ओढ़्णी Oḍhṇī [3] स्त्री०
अवगुण्ठन (नपुं०) ओढ़नी, शिर पर ओढ़ने का वस्त्र ।

ਓਢਾਉਣਾ ओढाउणा Oḍhāuṇā [3] सक० क्रि०
अवगुण्ठयति (चुरादि सक०) ओढ़ाना, पहिराना ।

ਓਤ ओत् Ot [3] पुं०
ओत (नपुं) ताना हुआ सूत ।

ਓਤਪੋਤ ओत् पोत् Otpot [2] पुं०
ओत-प्रोत (नपुं०) ताना-बाना; सम्मिश्रित ।

ਓਤਾ ओता Otā [3] वि०
अपुत्र (वि०) पुत्रहीन ।

ਓਦਣ ओदण् Odaṇ [3] पुं०
ओदन (पुं०/नपुं०) भात, पका चावल ।

ਓਦਰਨਾ ओदर्ना Odarnā [2] अक० क्रि०
अवदलति (भ्वादि अक०) उदास होना, दिल न लगना ।

ਓਪਰਾ ओप्रा Oprā [3] वि०
अपर (सर्व०) अपर, दूसरा, पराया ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਓਲ ओल् Ol [3] पुं०
ओल (नपुं०) जमीकन्द, सूरण; साड़ी का पल्ला; झोली; गोद।

ਓਲਾ ओला Olā [3] पुं०
उपल (पुं०) ओला, पत्थर; पहाड़ी पत्थर, शिला।

ਅ

ਅਸ अस् As [3] स्त्री०
असि (पुं०) तलवार, कृपाण।

ਅਸਹਿ असह् Asah [3] वि०
असह्य (वि०) असहनीय, जो सहा न जा सके।

ਅਸ਼ਕਤ अश्कत् Aśkat [3] वि०
असक्त (वि०) आसक्ति-रहित; विरक्त; मुक्त, स्वतन्त्र।

ਅਸਗੰਧ अस्गन्ध् Asgandh [3] स्त्री०
अश्वगन्धा (स्त्री०) असगन्ध, औषध-विशेष।

ਅਸਚਰਜ अस्चर्ज् Ascarj [3] पुं०
आश्चर्य (नपुं०) आश्चर्य, अचरज।

ਅਸੱਜਣ असज्जण् Asajjaṇ [3] वि०
असज्जन (वि०) दुष्ट, दुर्जन, पामर।

ਅਸ਼ਟ अशट् Aśaṭ [3] वि०
अष्टन् (वि०) आठ (8)।

ਅਸ਼ਟ-ਪਦੀ अशट्-पदी Aśaṭpadī [3] स्त्री०
अष्टपदी (स्त्री०) आठ प्रकार के छन्दों में लिखा ग्रन्थ।

ਅਸ਼ਟਮੀ अश्टमी Aśṭamī [3] स्त्री०
अष्टमी (स्त्री०) कृष्ण और शुक्ल पक्ष की आठवीं तिथि।

ਅਸ਼ਟਾਵਕਰ अश्टावकर् Aśtāvakar [3] पुं०
अष्टावक्र (पुं०) एक ऋषि, उद्दालक की पुत्री सुमति से कहोड ब्राह्मण द्वारा उत्पन्न पुत्र।

ਅਸਤ अस्त् Ast [3] वि०/पुं०
अस्त (वि०/पुं०) वि०—छिपा हुआ, अन्तर्हित; नष्ट। पुं०—अस्ताचल।

ਅਸਤਰ अस्तर् Astar [3] पुं०
अस्त्र (नपुं०) फेंक कर मारने वाला हथियार, चक्र-गोला आदि।

ਅਸੱਤ असत्त् Asatt [3] वि०
असत्य (वि०) झूठ, मिथ्या, अवास्तविक।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਸਥਾਈ अस्थाई Asthāī [3] वि०
अस्थायिन् (वि०) अस्थिर; विनाशी।

ਅਸਥਿਰ असथिर् Asthir [3] वि०
अस्थिर (वि०) चंचल, विनाशी।

ਅਸਥੀ अस्थी Asthī [3] स्त्री०
अस्थि (नपुं०) अस्थि, हड्डी।

ਅਸਥੂਲ अस्थूल् Asthūl [3] वि०
अस्थूल (वि०) सूक्ष्म, लघु।

ਅਸਦ੍ਰਿਸ਼ अस्द्रिश् Asdriś [3] वि०
असदृश (वि०) जिसके समान दूसरा नहीं, असमान।

ਅਸ਼ਨਾਨ अश्नान् Aśnān [3] पुं०
स्नान (नपुं०) स्नान, नहाने की क्रिया।

ਅਸਪਰਸ਼ अस्परश् Asparaś [3] वि०
अस्पृश्य (वि०) छूने के योग्य नहीं, अछूत।

ਅਸਪਾਤ अस्पात् Aspāt [3] पुं०
अयस्पत्र (नपुं०) लोहे का टुकड़ा जिससे तलवार बनती है; आरा।

ਅਸਫਲ अस्फल् Aspal [3] वि०
असफल (वि०) निष्फल, फलरहित; परिणाम रहित।

ਅਸਫੁਰਿਤ अस्फुरित् Asphurit [3] वि०
स्फुरित (वि०) चंचल, चलायमान; प्रतिभासित।

ਅਸਭਿਅ असभ्य् Asabhy [3] वि०
असभ्य (वि०) गँवार, अशिक्षित, जो सभा के मध्य बैठना या बोलना नहीं जानता।

ਅਸੱਭਿਆ असभ्या Asabbhyā [3] वि०
द्र०—ਅਸਭਿਅ।

ਅਸਮ असम् Asam [3] वि०
असम (वि०) विषम, जो सम न हो, ऊँचा-नीचा।

ਅਸ਼ਮ अशम् Aśam [3] पुं०
अश्मन् (पुं०) पत्थर; पहाड़, पर्वत; बादल।

ਅਸਮਰੱਥ अस्मरत्थ् Asmaratth [3] वि०
असमर्थ (वि०) अशक्त, अयोग्य।

ਅਸਮੰਜਸ अस्मंजस् Asmañjas [3] वि०
असमञ्जस (वि०) असंगत; दोषपूर्ण।

ਅਸਰੂਪ अस्रूप Asrūp [3] वि०
अस्वरूप (वि०) स्वरूपरहित, जिसका स्वरूप नहीं, अरूप।

ਅਸ਼ਲੀਲ अश्लील् Aślīl [3] वि०
अश्लील (वि०) शोभारहित, निन्दित; गंवारी बोली।

ਅਸ਼ਲੀਲਤਾ अश्लील्ता Aślīltā [3] स्त्री०
अश्लीलता (स्त्री०) अश्लीलता, अशोभनीयता, भद्दापन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਸ਼ਵਮੇਧ अशव्मेध Aśavmedh [3] पुं०
अश्वमेध (पुं०) अश्वमेध नामक वैदिक यज्ञ।

ਅਸਵਾਰ अस्वार् Asvār [2] पुं०
अश्ववार (पुं०) घुड़सवार, अश्वरोही।

ਅਸਾਂ असां Asā̃ [3] सर्व०
अस्मद् (सर्व०) हम, उत्तम पुरुष।

ਅਸ਼ਾਸਤ੍ਰੀ अशास्त्री Aśāstrī [3] पुं०
अशास्त्रिन् (वि०) जो शास्त्र नहीं जानता; अशिक्षित; शास्त्र विरोधी कर्म करने वाला।

ਅਸ਼ਾਂਤੀ अशान्ती Aśānti [3] स्त्री०
अशान्ति (स्त्री०) शान्ति का अभाव, क्षोभ।

ਅਸਾਧ[1] असाध् Asādh [3] वि०
असाध्य (वि०) जो साध्य न हो; ऐसा रोग जो दूर न हो सके।

ਅਸਾਧ[2] असाध् Asādh [3] वि०
असाधु (वि०) असज्जन, दुष्ट, बुरा।

ਅਸਾਧਾਰਣ असाधारण् Asādhāraṇ [3] वि०
असाधारण (वि०) असामान्य, विशेष, खास।

ਅਸਿਖਿਯਤ असिख्यत् Asikhyat [3] वि०
अशिक्षित (वि०) शिक्षाहीन, शिक्षारहित, गंवार।

ਅਸੀਂ असीं Asī [3] सर्व०
अस्मद् (सर्व०) हम सब; उत्तम पुरुष।

ਅਸੀਸ असीस् Asīs [3] स्त्री०
आशीष् (नपुं०) आसीस, आशीर्वाद।

ਅਸੀਮ असीम् Asīm [3] वि०
असीमन् (वि०) सीमारहित, निस्सीम।

ਅਸੀਲ असील् Asīl [3] वि०
अशील (पुं०/वि०) पुं०—शील का अभाव; वि०—शील रहित।

ਅਸ਼ੁੱਧ अशुद्ध Aśuddha [3] वि०
अशुद्ध (वि०) अपवित्र, मलिन; गलत।

ਅਸ਼ੁੱਧੀ अशुद्धी Aśuddhī [3] स्त्री०
अशुद्धि (स्त्री०) अपवित्रता, मलिनता; त्रुटि।

ਅਸ਼ੁਭ अशुभ् Aśubh [3] वि०
अशुभ (वि०) जो शुभ नहीं; बुरा, अमङ्गल।

ਅਸੁਰ असुर् Asur [3] पुं०
असुर (पुं०) (देवता को) फेंकने वाला, दैत्य; भूत-प्रेत; सूरज।

ਅਸ਼ੋਕ अशोक् Aśok [3] पुं०
अशोक (पुं०) शोक का अभाव, आनन्द; अशोक वृक्ष जिसके पत्ते सदा हरे रहते हैं; अशोक एक राजा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਸ਼ੋਚ अशोच् Aśoc [3] वि०
अशोच्य (वि०) न सोचने योग्य।

ਅਸੋਤਾ असोता Asotā [3] पुं०
असुप्ति (स्त्री०) जागरण।

ਅਸੌਚ असौच् Asauc [3] पुं०
अशौच (नपुं०) अपवित्रता, अशुद्धि।

ਅਸੰਖ असंख् Asaṅkh [3] वि०
असंख्य (वि०) संख्याहीन, अगणित, अनन्त।

ਅਸੰਗ असंग् Asaṅg [3] वि०
असङ्ग (वि०) संग रहित, अकेला; आसक्ति रहित, निर्लेप।

ਅਸੰਗਤ असंगत् Asaṅgat [3] वि०
असङ्गत (वि०) अयोग्य, अनुचित।

ਅਸੰਗਤੀ असंगती Asaṅgtī [3] स्त्री०
असंगति (स्त्री०) अयोग्यता, अनौचित्य; एक अर्थालङ्कार।

ਅਸੰਗ੍ਰਹ असंग्रह् Asaṅgrah [3] पुं०
असङ्ग्रह (पुं०) संग्रह का अभाव, असंचय।

ਅਸੰਚਿਤ असंचित् Asañcit [3] वि०
असञ्चित (वि०) जोड़ा हुआ।

ਅਸੰਤ असन्त् Asant [3] वि०
असत् (वि०) सन्त का अभाव, असज्जन, खोटा।

ਅਸੰਭਾਵਨਾ असम्भावना Asambhavanā [3] स्त्री०
असम्भावना (स्त्री०) संभावना का अभाव, अनहोनापन।

ਅਸੰਮਤ असम्मत् Asammat [3] वि०
असम्मत (वि०) जो सम्मत नहीं, जो पसन्द नहीं; परामर्श से विरुद्ध।

ਅੱਸੀ अस्सी Assī [3] स्त्री०
अशीति (स्त्री०) अस्सी (80)।

ਅੱਸੂ अस्सू Assū [3] पुं०
अश्वयुज (पुं०) आश्विन मास।

ਅਸ਼੍ਰਮ अश्रम् Aśram [3] वि०
अश्रम (वि०) परिश्रमशून्य, थकान-रहित; क्लेश-हीन।

ਅਹਲਿਆ अहलिआ Ahaliā [3] स्त्री०
अहल्या (स्त्री०) अहल्या, गौतम की पत्नी।

ਅਹਿੰਸਾ अहिंसा Ahiṅsā[3] स्त्री०
अहिंसा (स्त्री०) हिंसा का अभाव; जीवों के प्राण न लेने का व्रत।

ਅਹਿਣ ऐह्ण् Aihṇ [3] पुं०
अशनि (पुं०) वज्र, कुलिश; ओले।

ਅਹਿਤ अहित् Ahit [3] वि०
अहित (वि०) हित के विरुद्ध; वैरी, विरोधी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਹਿਨਿਸ ऐह्निस् Aihnis [3] क्रि० वि०
अहर्निशम् (अ०) अहर्निश, दिन-रात; नित्य; निरन्तर।

ਅਹਿਰਣ ऐह्रण् Aihraṇ [3] स्त्री०
अधिकरणी (स्त्री०) निहाई, जहाँ लोहार लोहा कूटता है; आधार; सहारा।

ਅਹਿਲਕੀ ऐह्लकी Aihlkī [2] वि०
अलस (वि०) आलसी, निष्क्रिय।

ਅਹੀਰ अहीर् Ahīr [3] पुं०
आभीर (पुं०) अहीर, ग्वाला, जाति-विशेष।

ਅਹੋਣੀ अहोणी Ahoṇī [3] वि०
अभवनीय (वि०) न होने योग्य, असंभव।

ਅਹੰ अहम् Aham [3] सर्व०
अहम् (सर्व० प्रथमान्त) मैं, उत्तम पुरुष।

ਅਹੰਕਾਰ अहंकार् Ahaṅkār [3] पुं०
अहङ्कार (पुं०) अभिमान, घमण्ड।

ਅਹੰਕਾਰੀ अहंकारी Ahaṅkārī [3] वि०
अहंकारिन् (वि०) अहंकार करने वाला, अभिमानी, घमण्डी।

ਅਕਸਮਾਤ अकस्मात् Akasmāt [3] क्रि०वि०
अकस्मात् (अ०) अचानक, इत्तफाकन।

ਅਕਹਿ अकह् Akah [3] वि०
अकथ्य (वि०) न कहने योग्य, अकथनीय।

ਅਕਥ अकथ् Akath [3] वि०
द्र०—ਅਕਹਿ।

ਅਕਪਟ अकपट् Akapaṭ [3] वि०
अकपट (वि०) विना कपट वाला; छल-रहित।

ਅਕਰਤਾ अकर्ता Akartā [3] वि०
अकर्तृ (वि०) न करने वाला।

ਅਕਰਮਾ अकर्मा Akarmā [3] वि०
अकर्मन् (वि०) कर्म-हीन, मन्दभागी, बदनसीब।

ਅਕਲਪਿਤ अकल्पित् Akalpit [3] वि०
अकल्पित (वि०) कल्पनातीत; अकस्मात्।

ਅਕਲੰਕ अक्लंक Aklaṅk [3] वि०
अकलङ्क (वि०) निष्कलङ्क, दोषरहित।

ਅਕਲੰਕਿਤ अक्लंकित् Aklaṅkit [3] वि०
अकलङ्कित (वि०) कलंक-रहित, निर्दोष।

ਅਕਾਰ अकार् Akār [3] पुं०
अकार (पुं०) 'अ' अक्षर।

ਅਕਾਰਣ अकारण् Akāraṇ [3] वि०
अकारण (वि०/पुं०) वि०—कारण रहित; पुं०—स्वयंभू, भगवान्।

ਅਕਾਲ अकाल् Akāl [3] पुं०
अकाल (पुं०) असमय, अनुपयुक्त काल; कालातीत।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਕਿਰਤਘਣ अकिर्त्घण् Akirtghaṇ [3] वि०
कृतघ्न (वि०) जो किये हुये उपकार को न माने, उपकार भूल जाने वाला।

ਅਕੁਲਾਉਣਾ अकुलाउणा Akulāuṇā [3] अक० क्रि०
आकोलति (भ्वादि अक०) अकुलाना, व्याकुल होना।

ਅੱਕ अक्क् Akk [3] पुं०
अर्क (पुं०) आक, मदार का पौधा।

ਅਕ੍ਰਿਤਘਣ अक्रित्घण् Akritghaṇ [3] वि०
द्र०—ਅਕਿਰਤਘਣ।

ਅਖਰੋਟ अख्रोट् Akhroṭ [3] पुं०
अक्षोट (पुं०) अखरोट।

ਅਖਾਣ अखाण् Akhāṇ [3] पुं०
आख्यान (नपुं०) कथा, कहानी; व्याख्या, कथन।

ਅਖਾੜਾ अखाड़ा Akhāṛā [3] पुं०
अक्षपाट/अक्षवाट (पुं०) अखाड़ा, कुश्ती का स्थान; रंगमंच, जनसमूह के एकत्रित होने का स्थान।

ਅਖਿਲ अखिल् Akhil [3] वि०
अखिल (वि०) समग्र, पूरा।

ਅਖੰਡ अखण्ड् Akhṇḍ [3] वि०
अखण्ड (वि०) अखण्ड, सब, समग्र।

ਅੱਖ अक्ख Akkh [3] स्त्री०
अक्षि (नपुं०) आँख, नेत्र।

ਅੱਖਰ अक्खर् Akkhar [3] पुं०
अक्षर (पुं०/नपुं०) पुं०—नित्य, अविनाशी। नपुं०—अकारादि वर्ण।

ਅਗਰ अगर् Agar [3] पुं०
अगरु (पुं०; नपुं०) अगर, सुगन्धित हवनीय काष्ठ।

ਅਗਰਗਾਮੀ अगर्गामी Agargāmī [3] वि०
अग्रगामिन् (वि०) अग्रगामी, आगे चलने वाला।

ਅਗਰਬੱਤੀ अगर्बत्ती Agarbattī [3] स्त्री०
अगरुवर्त्ति (स्त्री०) अगरबत्ती, धूपबत्ती।

ਅਗਲਾ अग्ला Aglā [3] वि०
अग्रिम (वि०) अगला, प्रथम।

ਅਗਵਾਨ अग्वान् Agvān [3] वि०
अग्रयावन् (वि०) आगे जाने वाला, नेता।

ਅਗਵਾਨੀ अग्वानी Agvānī [3] स्त्री०
अग्रयान (नपुं०) अगवानी, आगे रहने का भाव।

ਅਗਵਾੜਾ अग्वाड़ा Agvāṛā [3] पुं०
अग्रवाट (पुं०) घर के आगे की घिरी जमीन, अगवार।

ਅਗਵਾੜੀ अग्वाड़ी Agvāṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਅਗਵਾੜਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਗਾਊ अगाऊ Agāū [2] वि०
अग्रगामिन् (वि०) अग्रगामी, आगे रहने वाला।

ਅਗਾਊਂ अगाऊँ Agaū̃ [3] वि०
अग्रिम (वि०) अग्रिम, आगे का।

ਅਗਾਹ अगाह् Agāh [3] वि०
अगाध (वि०) अथाह, गभीर, अपार।

ਅਗਾੜੀ अगाड़ी Agāṛī [3] क्रि० वि०/वि०
अग्र (क्रि० वि०/वि०) क्रि० वि०—आगे, पहले, सामने। वि०—अगला, पहला, मुख्य।

ਅਗਿਆਤ अग्यात् Agyāt [3] वि०
अज्ञात (वि०) न जाना हुआ, अपरिचित।

ਅਗਿਆਨ अग्यान् Agyān [3] पुं०
अज्ञान (नपुं०) ज्ञान का अभाव, मूर्खता; अविद्या।

ਅਗੇਤ अगेत् Aget [3] स्त्री०
अग्रेत्वन् (स्त्री०) पहले होने का भाव; पूर्व भाव।

ਅਗੇਤਰਾ अगेत्रा Agetrā [3] वि०
द्र०—ਅਗੇਤਾ।

ਅਗੇਤਾ अगेता Ageta [3] वि०
अग्रेतन (वि०) पूर्वभावी, पहले होने वाला।

ਅਗੰਮ अगम्म् Agamm [3] वि०
अगम्य/अगम (वि) अगम, अथाह, जहाँ गति न हो सके।

ਅੱਗ अग्ग् Agg [3] स्त्री०
अग्नि (पुं०) अग्नि, आग।

ਅੱਗਾ अग्गा Aggā [3] पुं०
अग्रभाग (पुं०) अगला, आगे का।

ਅੱਗੇ अग्गे Agge [3] क्रि० वि०
अग्रे (अ०) आगे, आगे की तरफ।

ਅਘੋਰ अघोर् Aghor [3] वि०/पुं०
अघोर (वि०/पुं०) वि०—जो भयंकर नहीं, सुन्दर। पुं०—भगवान् शिव।

ਅਚਲ अचल् Acal [3] वि०
अचल (वि०) स्थिर, नित्य, ध्रुव।

ਅਚਾਰਜ अचारज् Acāraj [3] पुं०
आचार्य (पुं०) आचार्य, शिक्षा-दीक्षा देने वाला।

ਅਚਿਰ अचिर् Acir [3] क्रि० वि०
अचिरम् (अ०) शीघ्र, जल्दी।

ਅਚੰਭਾ अचम्भा Acāmbhā [3] पुं०
अस्कम्भन (नपुं०) अचम्भा, आश्चर्य।

ਅਛੇਦ अछेद् Ached [3] वि०
अच्छेद्य (वि०) अखण्ड, जिसका छेदन न हो सके।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੱਛਾ अच्छा Acchā [3] वि०
अच्छ (वि०) अच्छा, बढ़िया ।

ਅਜਸ[1] अजस् Ajas [3] वि०
अयशस् (वि०) यशोहीन, बदनाम ।

ਅਜਸ[2] अजस् Ajas [3] पुं०
अपयशस् (नपुं०) अपकीर्त्ति, बदनामी ।

ਅਜਗਰ अज्गर् Ajgar [3] पुं०
अजगर (पुं०) अजगर, बड़ा साँप ।

ਅਜਵਾਇਣ अज्वाइण् Ajvāiṇ [3] स्त्री०
यवानी (स्त्री०) अजवाइन ।

ਅਜਾਣ अजाण् Ajāṇ [2] वि०
अज्ञान (वि०) अज्ञान, ज्ञान-हीन; अनजान, नादान ।

ਅਜਾਤ[1] अजात् Ajāt [3] वि०
अजात (वि०) जो जन्मा नहीं, अजन्मा ।

ਅਜਾਤ[2] अजात् Ajāt [3] वि०
अज्ञात (वि०) न ज्ञात, अपरिचित ।

ਅਜਿੱਤ अजित्त् Ajitt [3] वि०
अजित (वि०) अजित, अजेय ।

ਅਜੀਰਣ अजीरण् Ajīraṇ [3] वि०/पुं०
अजीर्ण (वि०/नपुं०) वि०—जो पुराना न हो, नवीन । नपुं०—अपच ।

ਅਜੇ अजे Aje [3] क्रि० वि०
अद्यैव (अ०) अभी, आज ही ।

ਅੱਜ अज्ज् Ajj [3] अ०
अद्य (अ०) आज ।

ਅਝਕਣਾ अझक्णा Ajhakṇā [2] क्रि०
अध्यास्ते (अदादि अक०) झिझकना, हिचकना ।

ਅਞਾਣਾ अञाणा Añāṇā [3] वि०
अज्ञान (वि०) अज्ञानी, नादान, मासूम, भोला ।

ਅਟਕਾ अट्का Aṭkā [3] पुं०
अट्टक (पुं०) विराम, अवरोध ।

ਅਟਲ अटल् Aṭal [3] वि०
अटल (वि०) न टलने वाला, अविचल, स्थिर, दृढ़ ।

ਅਟਵੀ अट्वी Aṭvī [3] स्त्री०
अटवी (स्त्री०) जङ्गल, वन ।

ਅਟਾਰੀ अटारी Aṭārī [3] स्त्री०
अट्टालिका (पुं०) अट्टालिका, इमारत ।

ਅਟੁੱਟ अटुट्ट् Aṭuṭṭ [3] वि०
अत्रुटित (वि०) न टूटा हुआ; त्रुटि-रहित ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੱਟਣ अट्टण् Aṭṭaṇ [3] पुं०
घृष्ट (?) (नपुं०) घट्टा, रगड़ से पड़ा चिह्न।

ਅੱਟਾ अट्टा Aṭṭā [3] पुं०
अट्ट (नपुं०, पुं०) बंडल, पुलिन्दा, गट्ठड़।

ਅੱਟੀ Aṭṭī [3] स्त्री०
अट्ट (पुं०) सूत का बंडल, गट्ठड़।

ਅਠਤਾਲੀ अठ्ताली Aṭhtālī [3] वि०
अष्टाचत्वारिंशत् (स्त्री०) अड़तालीस; 48।

ਅਠੱਤਰ अठत्तर् Aṭhattar [3] वि०
अष्टसप्तति (स्त्री०) अठहत्तर; 78।

ਅਠੱਤੀ अठत्ती Aṭhattī [3] वि०
अष्टात्रिंशत् (स्त्री०) अड़तीस; 38।

ਅਠਵਾਰਾ अठ्वारा Aṭhvārā [3] पुं०
अष्टवार (नपुं०) आठ दिन, सप्ताह।

ਅਠਵੰਜਾ अठ्वंजा Aṭhvañjā [3] वि०
अष्टपञ्चाशत् (स्त्री०) अट्ठावन, 58।

ਅਠਾਈ अठाई Aṭhāī [3] वि०
अष्टाविंशति (स्त्री०) अट्ठाईस; 28।

ਅਠਾਈਵਾਂ अठाईवां Aṭhāīvā̃ [3] वि०
अष्टाविंशतितम (वि०) अट्ठाईसवाँ।

ਅਠਾਸੀ अठासी Aṭhāsī [3] वि०
अष्टाशीति (स्त्री०) अट्ठासी; 88।

ਅਠਾਸੀਵਾਂ अठासीवाँ Aṭhāsīvā̃ [3] वि०
अष्टाशीतितम (वि०) अट्ठासीवाँ।

ਅਠਾਹਟ अठाहट् Aṭhāhaṭ [3] वि०
अष्टाषष्टि (स्त्री०) अड़सठ; 68

ਅਠਾਨਵੇਂ अठान्वें Aṭhānvẽ [3] वि०
अष्टानवति (स्त्री०) अट्ठान्वे; 98।

ਅਠਾਰਾਂ अठारां Aṭhārā̃ [3] वि०
अष्टादशन् (वि०) अठारह; 18।

ਅਠਿਆਨੀ अठ्यानी Aṭhyānī [3] स्त्री०
अष्टाणक (नपुं०) अठन्नी, 50 पैसे।

ਅੱਠ अट्ठ् Aṭṭh [3] वि०
अष्टन् (वि०) आठ; 8।

ਅੱਠਮੀ अट्ठमी Aṭṭhamī [3] स्त्री०
द्र०—ਅੱਠੇ।

ਅੱਠਵਾਂ अट्ठवाँ Aṭṭhavā̃ [3] वि०
अष्टम (वि०) आठवाँ।

ਅੱਠਵੀਂ अट्ठवीं Aṭṭhavī̃ [3] स्त्री०
अष्टमी (स्त्री०) आठवीं तिथि इत्यादि।

ਅੱਠਾ अट्ठा Aṭṭhā [3] वि०
अष्टक (वि०) ताश का अट्ठा; आठ संख्या वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੱਠੇ अट्ठे Aṭṭhe [3] वि०
अष्टमी (स्त्री०) अष्टमी तिथि; आठवीं।

ਅਡੰਬਰ अडम्बर् Aḍambar [3] पुं०
आडम्बर (नपुं०) पाखण्ड, कृत्रिमता; तम्बू।

ਅੱਡਣਾ अड्ड्णा Aḍḍṇā [3] सक० क्रि०
अर्दति (भ्वादि सक०) माँगना; झोली आदि फैलाना; मुँह खोलना।

ਅਣਹੋਣੀ अण्होणी, Aṇhoṇī [3] स्त्री०
अभवनीय (वि०) अनहोनी, असंभाव्य।

ਅਣਗਿਣਤ अण्गिणत् Aṇgiṇat [3] वि०
अगणित (वि०) अनगिनत, असंख्य; बेहिसाब।

ਅਣਜਾਣ अण्जाण् Aṇjāṇ [3] वि०
अज्ञान (वि०) अनजान, अज्ञानी, मूर्ख; गँवार।

ਅਣਡਿੱਠ अण्डिट्ठ् Aṇḍiṭṭh [3] वि०
अदृष्ट (वि०) अदृष्ट, जो देखा न गया हो।

ਅਣਥੱਕ अण्थक्क् Aṇthakk [3] वि०
अस्थगित (वि०) अनथक, बिना रुके।

ਅਣਮੁੱਲ अण्मुल्ल् Aṇmull [3] वि०
अमूल्य (वि०) अनमोल, बहुमूल्य।

ਅਣਮੁੱਲਾ अण्मुल्ला Aṇmullā [3] वि०
अमूल्य (वि०) अमूल्य, जिसका मूल्य न हो, अनमोल।

ਅਣੁਵਾਦ अणूवाद् Aṇūvād [3] पुं०
अणुवाद (पुं०) वैशेषिक दर्शन जिसमें परमाणु संयोग से जगत् की उत्पत्ति मानी गई है।

ਅਤਰ अतर् Atar [3] पुं०
इत्र (नपुं०) इत्र, अतर।

ਅਤਰਕ अत्रक् Atrak [3] वि०
अतर्क्य (वि०) तर्क से परे, जिसके विषय में तर्क न हो।

ਅਤਿਅੰਤ अत्यन्त् Atyant [3] वि०
अत्यन्त (वि०) अतिशय, बहुत अधिक।

ਅਤਿਸਾਰ अतिसार् Atisār [3] पुं०
अतिसार (पुं०) एक रोग, हैजा; तत्त्व का निचोड़।

ਅਤਿਰਿਕਤ अतिरिकत् Atirikat [3] वि०
अतिरिक्त (वि) अन्य, भिन्न, अलावा।

ਅਤਿਰੋਗ अतिरोग् Atirog [3] पुं०
अतिरोग (पुं०) कोढ; असाध्य रोग।

ਅਤੀਤ अतीत् Atīt [3] वि०
अतीत (वि०) बीता हुआ, गुजरा हुआ।

ਅਤੁੱਲ अतुल्ल् Atull [3] वि०
अतुल्य (वि०) अतुलनीय, अनुपम।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੱਤ अत्त् Att [3] क्रि० वि०
अति (अ०) अधिक, बहुत ।

ਅੱਤਤਾਈ अत्तताई Attatāī [3] वि०
आततायिन् (वि०) अत्याचारी, पापी; हत्यारा ।

ਅਤ੍ਰਿਪਤ अत्रिपत् Atripat [3] वि०
अतृप्त (वि०) असन्तुष्ट; लोभी ।

ਅਥਾਹ अथाह् Athāh [3] वि०
अस्थाघ (पुं०) अथाह, अगाध ।

ਅੱਥਰ अत्थर् Atthar [3] स्त्री०
अश्रु (नपुं०) आंसू, नेत्र-जल ।

ਅੱਥਰੂ अत्थरू Attharū [3] पुं०
अश्रु (नपुं०) आँसू, नेत्र-जल ।

ਅਦਭੁਤ अद्भुत् Adbhut [3] वि०
अद्भुत (वि०) विचित्र, अलौकिक ।

ਅਦਰਕ अद्रक् Adrak [3] पुं०
आर्द्रक (नपुं०) अदरक, आदी ।

ਅਦਿਤ अदित् Adit [3] पुं०
आदित्य (पुं०) अदिति की सन्तान; सूर्य ।

ਅਦਿਤੀ अदिती Aditī [3] स्त्री०
अदिति (स्त्री०) दक्ष की पुत्री एवं कश्यप की स्त्री; पृथ्वी ।

ਅਦੁੱਤੀ अदुत्ती Adutti [3] वि०
अद्वितीय (वि०) अद्वितीय, प्रथम ।

ਅਦੰਡ अदण्ड् Adaṇḍ [3] वि०
अदण्डच (वि०) जो दण्डनीय न हो, अदण्डनीय ।

ਅਦ੍ਰਿਸ਼ਟ अद्रिश्ट् Adriśṭ [3] वि०/पुं०
अदृष्ट (वि० / पुं०) वि०—अनदेखा । पुं०—कर्त्तार; भाग्य, प्रारब्ध ।

ਅਧਰਮੀ अधर्मी Adharmī [3] वि०
अधर्मिन् (वि०) अधर्मी, विधर्मी ।

ਅਧਰੰਗ अध्रंग् Adhraṅg [3] पुं०
अर्धाङ्गिका (स्त्री०) लकवा रोग, पक्षाघात ।

ਅਧਵਾਟਾ अध्वाटा Adhvāṭā [3] पुं०
अर्द्धवाट (पुं०) आधा रास्ता ।

ਅਧਵਾੜ अध्वाड़् Adhvāṛ [3] पुं०
अर्धपाट (पुं०) किसी वस्तु का आधा भाग, अर्द्धभाग ।

ਅਧਿਆਤਮ अधिआतम् Adhiātam [3] पुं०
अध्यात्म (नपुं०) आत्मा संबंधी, आत्म-विद्या ।

ਅਧਿਸ਼ਟਾਤਾ अधिष्टाता Adhiṣṭātā [3] वि०
अधिष्ठातृ (वि०) व्यवस्था करनेवाला, मुखिया, प्रधान ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਧਿਪਤੀ अधिपती Adhipatī [3] पुं०
अधिपति (पुं०) स्वामी; राजा ।

ਅਧਿਭੌਤਿਕ अधिभौतिक् Adhibhautik [3] वि०
आधिभौतिक (वि०) पदार्थ-सम्बन्धी ।

ਅਧੀਨ अधीन् Adhīn [3] वि०
अधीन (वि०) अधीन, आधीन, वश्य ।

ਅਧੀਨਤਾ अधीन्ता Adhīntā [3] स्त्री०
अधीनता (स्त्री०) अधीनता, परवशता, परतन्त्रता ।

ਅਧੀਰ अधीर् Adhīr [3] वि०
अधीर (वि०) धैर्यरहित, व्याकुल ।

ਅਧੂਰਾ अधूरा Adhūrā [3] पुं०
अर्धपूरक (वि०) आधा किया हुआ, अपूर्ण ।

ਅਧੇੜ अधेड़् Adheṛ [3] वि०
अर्धायुस् (वि०) अधेड़, जिसकी लगभग आधी आयु बीत चुकी हो ।

ਅੱਧ अद्ध् Addh [3] पुं०
अर्ध (पुं० / नपुं०) पुं०—आधा भाग । नपुं०—बीच, मध्य ।

ਅੱਧਸੇਰ अद्धसेर् Addhaser [2] पुं०
अर्धसेटक (नपुं०) आधे सेर का बाट ।

ਅੱਧਕਚਰਾ अद्धकच्रा Addhkacrā [3] पुं०
अर्द्धकच्चर (पुं०) अधकचरा, कूड़ा, करकट ।

ਅੱਧਮਾਸੀ अद्धमासी Addhmāsī [3] पुं०
अर्द्धमाष (नपुं०) आधे मासे का तौल ।

ਅੱਧਾ अद्धा Addhā [3] पुं०
अर्द्ध (वि०) आधा; अधूरा ।

ਅੱਧਿਆਏ अद्ध्याए Addhyāe [3] पुं०
अध्याय (पुं०) अध्याय, भाग, परिच्छेद ।

ਅੱਧੀ अद्धी Addhī [3] वि०
आर्ध (वि०) आधी, आधा भाग ।

ਅੱਧੋ-ਅੱਧ अद्धो-अद्ध् Addho-addh [3] वि०
अर्धम् अर्धम् (वि०) आधा-आधा ।

ਅੱਧੋਰਾਣਾ अद्धोराणा Addhorāṇā [1] वि०
अर्धपुराण (वि०) कुछ पुराना वस्त्र ।

ਅਨਪੜ੍ਹ अन्पढ़् Anpaṛh [3] वि०
अपठित (वि०) अनपढ़, अपढ़, अशिक्षित ।

ਅਨਮਨਾ अन्मना Anmanā [2] वि०
अन्यमनस् (वि०) बेमन; उदासीन ।

ਅਨਰਥ अन्रथ् Anrath [3] वि०
अनर्थ (वि०) व्यर्थ, उल्टा अर्थ; उत्पात; निष्फल ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਨਾਜ अनाज् Anāj [3] पुं०
अन्नाद्य (नपुं०) अन्न, अनाज।

ਅਨਾਮਾ अनामा Anāmā [3] स्त्री०
अनामिका (स्त्री०) कनिष्ठिका के पास की अँगुली अनामिका।

ਅਨਾੜੀ अनाड़ी Anāṛi [3] वि०
अनार्य (वि०) ज्ञानहीन; अपरिपक्व।

ਅਨਿਆਂ अन्यां Anyā̃ [3] पुं०
अन्याय (पुं०) अन्याय, न्याय का अभाव।

ਅਨਿਆਈ अन्याई Anyāī [3] वि०
अन्यायिन् (वि०) अन्यायी, न्याय नहीं करने वाला।

ਅਨਿੰਨ अनिन्न् Aninn [3] वि०
अनन्य (वि०) अन्य से संबध नहीं रखने वाला; एक का ही।

ਅਨਿਰਵਚਨੀ अनिर्वचनी Anirvacnī [3] वि०
अनिर्वचनीय (वि०) जिसका कथन नहीं हो सके, अकथ्य; माया; ब्रह्म।

ਅਨੀਲ अनील् Anīl [3] वि०
अनेनस् (वि०) पाप रहित, निष्पाप।

ਅਨੁਸੂਤ अनुसूत् Anusūt [3] वि०
अनुस्यूत (वि०) व्याप्त, ओत-प्रोत।

ਅਨੁਕਤ अनुकत् Anukat [3] वि०
अनुक्त (वि०) जो कहा न गया हो, अकथित।

ਅਨੁਕੂਲ अनुकूल Anukūl [3] वि०
अनुकूल (वि०) अनुकूल, जो विपरीत न हो।

ਅਨੁਦਾਤ अनुदात् Anudāt [3] वि०
अनुदात्त (वि०) जो उदात्त न हो अर्थात् छोटा, ओछा, अनुदार।

ਅਨੁਰਾਗ अनुराग् Anurāg [3] पुं०
अनुराग (पुं०) राग, प्रेम, स्नेह।

ਅਨੁਰਾਗੀ अनुरागी Anurāgī [3] वि०
अनुरागिन् (वि०) अनुराग वाला, प्रेमी।

ਅਨੁਵਾਦ अनुवाद् Anuvād [3] पुं०
अनुवाद (पुं०) अनुवाद; रूपान्तर।

ਅਨੇਕ अनेक् Anek (वि०) अनेक, एक से अधिक।

ਅਨੰਨਤਾ अनन्नता Anannatā [3] स्त्री०
अनन्यता (स्त्री०) दूसरे से संबध का अभाव, अनन्य का भाव।

ਅਨ੍ਹੇਰ अन्हेर् Anher [3] पुं०
अन्धकार (पुं०) अन्धेरा, अन्धकार।

ਅਨ੍ਹੇਰਾ अन्हेरा Anherā [3] पुं०
अन्धकार (पुं०) अन्धकार, अन्धेरा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਪਸ਼ਗਨ अप्शगन् Apśagan [3] पुं०
अपशकुन (नपुं०) अपसगुन, अशुभ-लक्षण।

ਅਪਕਰਸ਼ अप्करष् Apkaraṣ [3] पुं०
अपकर्ष (पुं०) नीचे खींचने का भाव; अवनति; निरादर।

ਅਪਕੀਰਤੀ अप्कीर्ती Apkīrtī [3] स्त्री०
अपकीर्त्ति (स्त्री०) अपयश, निन्दा।

ਅਪੱਛਰਾਂ अपच्छरां Apaccharā̃ [3] स्त्री०
अप्सरस् (स्त्री०) अप्सरा, देवाङ्गना।

ਅਪਜਸ ਅप्जस् Apjas [3] पुं०
अपयशस् (नपुं०) अपकीर्ति, बदनामी; निन्दा।

ਅਪਦਾ अप्दा Apdā [3] स्त्री०
आपदा (स्त्री०) आपदा, आपत्ति, आफत।

ਅਪਮਾਨ अप्मान् Apmān [3] पुं०
अपमान (पुं०) अपमान, तिरस्कार, निरादर।

ਅਪਰਾਧ अप्राध् Aprādh [3] पुं०
अपराध (पुं०) अपराध, दोष, त्रुटि।

ਅਪਰਾਧੀ अप्राधी Aprādhī [3] वि०
अपराधिन् (वि०) अपराधी, दोषी।

ਅਪਰੋਖ अप्रोख् Aprokh [3] वि०
अपरोक्ष (वि०) जो परोक्ष न हो, सामने, प्रत्यक्ष।

ਅਪਵਾਦੀ अप्वादी Apvādī [3] वि०
अपवादिन् (वि०) निन्दक; झगड़ालू; कटुभाषी।

ਅਪਵਿੱਤਰ अप्वित्तर् Apvittar [3] वि०
अपवित्र (वि०) अशुद्ध, मलयुक्त।

ਅਪੁੱਠਾ अपुट्ठा Aputṭhā [3] पुं०
उत्पृष्ठ (वि०) अधोमुख औंधा।

ਅਪੁੱਤਾ अपुत्ता Aputtā [3] वि०
अपुत्र (वि०) अपुत्र, पुत्रहीन।

ਅਪੂਰਬ अपूरब् Apūrab [3] वि०
अपूर्व (वि०) जो पहले नहीं हुआ हो, अनोखा।

ਅਪੇਖਿਆ अपेख्या Apekhyā [3] स्त्री०
अपेक्षा (स्त्री०) ईच्छा, चाह; आवश्यकता।

ਅੱਪੜ अप्पड़् Appaṛ [3] वि०
अपृत (वि०) वह जमीन जो जोती न गई हो, अनजुती भूमि।

ਅੱਪੜਨਾ अप्पड़्ना Appaṛnā [3] सक० क्रि०
आप्नोति (स्वादि सक०) पहुँचना, प्राप्त करना।

ਅਫੀਮ अफीम् Aphīm [3] स्त्री०
अहिफेन (नपुं०) अफीम, मादक वस्तु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਫੀਮੀ अफीमी Aphīmī [3] वि०
अहिफेनिन् (वि०) अफीमची, अफीम-खाने वाला।

ਅਫੁਰ अफुर् Aphur [3] वि०/पुं०
अस्पृह (वि०/पुं०) वि०—निष्पृह, ईच्छा-रहित। पुं०—अव्यक्त, ईश्वर।

ਅਫੁਰਣ अफुरण् Aphuraṇ [3] पुं०
द्र०—ਅਫੁਰ।

ਅਬਗਤ अब्गत् Abgat [3] वि०
अपगत (वि०) दुर्गत, दुर्गति से युक्त।

ਅਬਰਕ अब्रक् Abrak [3] पुं०
अभ्रक (नपुं०) अभ्रक नाम का खनिज पदार्थ जो औषध के काम आता है।

ਅਬਲਾ अब्ला Ablā [3] स्त्री०
अबला (स्त्री०) स्त्री, नारी।

ਅਬਾਧ अबाध् Abādh [3] वि०
अबाध (वि०) बिना बाधा के, निर्विघ्न।

ਅਬੁਝ अबुझ् Abujh [3] वि०
अबुध (वि०) अज्ञानी, अपण्डित।

ਅਬੁਝਣਾ अबुझ्णा Abujhṇā [3] पुं०
अबोधन (नपुं०) अज्ञान, नासमझी।

ਅਭਉ अभौ Abhau [3] वि०
अभय (वि०) निर्भय, निडर।

ਅਭੱਖ अभक्ख Abhakkha [3] वि०
अभक्ष्य (वि०) अखाद्य, जो भक्षण के योग्य न हो।

ਅਭਗਤ अभ्गत् Abhgat [1] पुं०
अभक्त (पुं०) भक्तिहीन, श्रद्धारहित।

ਅਭਾਗ अभाग् Abhāg [3] वि०
अभाग्य (नपुं०) दुर्भाग्य, दुर्दैव।

ਅਭਾਗਾ अभागा Abhāgā [3] पुं०
अभाग्य (वि०) अभागा, भाग्यहीन।

ਅਭਿਯਾਸ अभ्यास् Abhyās [3] पुं०
अभ्यास (पुं०) पुनरावृत्ति, बार-बार आवर्तन; यत्न, प्रयास।

ਅਭਿਆਸੀ अभ्यासी Abhyāsī [3] वि०
अभ्यासिन् (वि०) अभ्यास करने वाला, साधना करने वाला।

ਅਭਿਨੰਦਨ अभिनन्दन् Abhinandan[3]पुं०
अभिनन्दन (नपुं०) स्वागत; स्तुति, प्रशंसा; आनन्द।

ਅਭਿਮਾਨ अभिमान् Abhimān [3] पुं०
अभिमान (पुं०) घमण्ड, अहंकार।

ਅਭਿਰਿਠ अभिरिठ् Abhiriṭh [3] वि०
अभीष्ठ (वि०) मनोवांछित; सुखदाई।

ਅਭਿਲਾਖਾ अभिलाखा Abhilākhā [3] स्त्री०
अभिलाष (पुं०) अभिलाषा, इच्छा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਭਿਲਾਖੀ अभिलाखी Abhilākhī [3] **वि०**
अभिलाषिन् (वि०) इच्छा करने वाला, चाहने वाला।

ਅਭੇਦ अभेद् Abhed [3] **पुं०**
अभेद (पुं०) भेद का अभाव, एकता।

ਅਭੈ अभै Abhai [3] **वि०**
अभय (वि०) अभय, भयरहित, निडर।

ਅਭੰਗੀ अभङ्गी Abhaṅgī [3] **वि०**
अभङ्गिन् (वि०) पूर्ण, अखण्ड।

ਅਮਕਾ अम्का Amkā [3] **वि०**
अमुक (वि०) अमुक, वह व्यक्ति या वस्तु।

ਅਮਰ अमर् Amar [3] **वि०**
अमर (वि०) अमर, मृत्यु रहित।

ਅਮਲ अमल् Amal [3] **वि०/पुं०**
अम्ल (वि०/पुं०) वि०—खट्टा। पु०—खटाई; सिरका; तेजाब।

ਅਮਾਵਸ अमावस् Amāvas [3] **स्त्री०**
अमावस्या (स्त्री०) अमावस, कृष्ण पक्ष की अन्तिम तिथि।

ਅਮਿਤੋਜ अमितोज् Amitoj [3] **वि०**
अमितौजस् (वि०) जिसके बल का कोई अन्त नहीं, अमित बलशाली।

ਅਮੂਰਤ अमूरत् Amūrat [3] **वि०**
अमूर्त्त (वि०) जिसकी मूर्त्ति न हो, निरङ्कार; आकाश; दिशा; जीवात्मा।

ਅਮ੍ਰਿਤ अम्रित् Amrit [3] **पुं०**
अमृत (नपुं०) अमृत, सुधा।

ਅਯਾਣਾ अयाणा Ayāṇā [3] **वि०**
अजानत् (वि०) अज्ञानी, अपरिपक्व।

ਅਯਾਲ अयाल् Ayāl [2] **स्त्री०**
द्र०—ਅਯਾਲੀ।

ਅਯਾਲੀ अयाली Ayālī [3] **पुं०**
अविपाल (पुं०) भेड़-बकरी चराने वाला, चरवाहा।

ਅਯੋਗ अयोग् Ayog [3] **वि०**
अयोग्य (वि०) अयोग्य, जो योग्य न हो।

ਅਰ अर् Ar [3] **पुं०**
अर (पुं०) पहिये की तिल्ली, अरा।

ਅਰਕ[1] अर्क् Ark [3] **पुं०/स्त्री०**
अरत्नि (पुं०) कुहनी।

ਅਰਕ[2] अरक् Arak [3] **पुं०**
अर्क (पुं०) सूर्य; धतूरा।

ਅਰਗਲ अर्गल् Argal [3] **स्त्री०**
अर्गला (स्त्री०) सांकल, चटखनी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਰਘ अरघ् Aragh [3] पुं०
अर्घ (पुं०) भेंट, पूजा; मूल्य; जल ।

ਅਰਚਨ अर्चन् Arcan [1] पुं०
अर्चन (नपुं०) पूजा; सत्कार, आदर।

ਅਰਜਨ अर्जन् Arjan [3] पुं०
अर्जन (नपुं०) कमाने का भाव; संग्रह करने का भाव ।

ਅਰਣਵ अर्णव् Arṇav [1] पुं०
अर्णव (पुं०) समुद्र, सागर ।

ਅਰਥ अरथ् Arath [3] पुं०
अर्थ (पुं०) शब्द का भाव; प्रयोजन, मतलब; धन; पदार्थ ।

ਅਰਥਾਤ अर्थात् Arthāt [3] अ०
अर्थात् (अ०) यानी, सचमुच ।

ਅਰਧ[1] अरध् Aradh [3] वि०/पुं०
अर्ध (वि०/पुं०) वि०—आधा । पुं०—खण्ड, टुकड़ा ।

ਅਰਧ[2] अरध् Aradh [3] क्रि० वि०
अधरम् (क्रि० वि०) अधोभाग में, नीचे ।

ਅਰਧਾਂਗੀ अर्धांगी Ardhāṅgī [3] स्त्री०
अर्धाङ्गिनी (स्त्री०) पत्नी, भार्या ।

ਅਰਧੰਗ अर्धंग् Ardhaṅg [3] पुं०
अर्धाङ्ग (नपुं० / पुं०) नपुं०—आधा अङ्ग । पुं०—शिव (अर्धनारीश्वर) ।

ਅਰਨਾ अर्ना Arnā [3] वि०
आरण्य (वि०) जंगल में रहने वाला, जंगली ।

ਅਰਪਣ अर्पण् Arpaṇ [3] पुं०
अर्पण (पुं०) भेंट, दान ।

ਅਰਬ अरब् Arab [3] पुं०
अर्बुद (नपुं०) दस करोड़ ।

ਅਰਲ अर्ल् Arl [3] स्त्री०
अररी/अररि (स्त्री०/पुं०) लकड़ी की चिटकनी जो किवाड़ में संलग्न होती है ।

ਅਰਲੀ अर्ली Arlī [3] स्त्री०
द्र० — ਅਰਲ ।

ਅਰੜਾਉਣਾ अर्ड़ाउणा Arṛāuṇā [3] अक० क्रि०
आरटति (भ्वादि सक०) रटना, चिल्लाना ।

ਅਰਾਇਣ अराइण् Arāiṇ [3] स्त्री०
आरामिकी (स्त्री०) साग-सब्जी बोने वाली जाति की स्त्री; अराईं की पत्नी।

ਅਰਾਈਂ अराईं Arāī [3] पुं०
आरामिक (पुं०) शाक-सब्जी उगाने वाली एक जाति ।

ਅਰਾਧਨਾ अराध्ना Arādhnā [3] स्त्री०
आराधना (स्त्री०) पूजा, अर्चना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਰਿੰਡ अरिण्ड् Ariṇḍ [3] स्त्री०
एरण्ड (पुं०) रेड़ का पौधा या फल, एरण्ड।

ਅਰੁਚ अरुच् Aruc [3] वि०
अरुच्च (वि०) अरुचिकर, अस्वादु।

ਅਰੂੜ अरूड़् Arūṛ [3] वि०
आरूढ (वि०) चढ़ा हुआ, स्थित।

ਅਰੋਗ अरोग् Arog [3] वि०
अरोग (वि०) नीरोग, स्वस्थ।

ਅਰੋਗੀ अरोगी Arogī [3] वि०
अरोगिन् (वि०) अरोगी, नीरोगी, स्वस्थ।

ਅਲਸੀ अल्सी Alsī [3] स्त्री०
अतसी (स्त्री०) अलसी, तीसी।

ਅਲਕਸ अल्कस् Alkas [3] स्त्री०
आलस्य (नपुं०) आलस्य, स्फूर्ति का अभाव।

ਅਲਗ अलग् Alag [3] वि०
अलग्न (वि०) पृथक्, असंयुक्त।

ਅਲੱਗ अलग्ग् Alagg [3] वि०
अलग्न (वि०) असंयुक्त, पृथक्, अलग।

ਅਲੱਜ अलज्ज् Alajj [3] वि०
अलज्ज (वि०) लज्जाहीन, बेशर्म।

ਅਲਤਾ अल्ता Altā [3] पुं०
अलक्तक (पुं०) आलता, महावर, लाल रंग।

ਅਲਪ अलप् Alap [3] वि०
अल्प (वि०) थोड़ा, कम; तुच्छ।

ਅਲਪੱਗ अल्पग्ग् Alpagg [3] वि०
अल्पज्ञ (वि०) अल्पज्ञ, अल्पज्ञान वाला।

ਅਲੱਭ अलब्भ् Alabbh [2] वि०
अलभ्य (वि०) अप्राप्य, जो मिल न सके।

ਅਲਰਕ अल्रक् Alrak [3] पुं०
अलर्क (पुं०) मदालसा के गर्भ से उत्पन्न, कुवलयाश्व; कुत्ता।

ਅਲਾਉਣਾ अलाउणा Alāuṇā [3] अक० क्रि०
आलपति (भ्वादि सक०) बातचीत करना, संलाप करना।

ਅਲਾਪ अलाप् Alāp [3] पुं०
आलाप (पुं०) आलाप, तान, संगीत में अलाप करने की क्रिया।

ਅਲਿੰਗਨ अलिंगन् Aliṅgan [3] पुं०
आलिङ्गन (नपुं०) गले लगाने का भाव, आश्लेष।

ਅਲੂੰ अलूं Alū̃ [3] वि०
अलोमन् (वि०) दाढ़ी-बाल से रहित, रोम रहित।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਲੂਣਾ अलूणा Alūṇā [3] वि०
अलवण (वि०) अलोना, नमक रहित।

ਅਲੰਬ अलंब Alamb [3] पुं०
आलम्ब (पुं०) आश्रय, आसरा, शरण।

ਅਵਸਥਾ अवस्था Avasthā [3] स्त्री०
अवस्था (स्त्री०) स्थिति, दशा, हालत; आयु।

ਅਵਸ਼ੇਸ਼ अवशेष् Avaśeṣ [3] वि०/पुं०
अवशेष (पुं०) शेष, बचा हुआ।

ਅਵਕੀਰਣ अव्कीरण् Avkīraṇ [3] वि०
अवकीर्ण (वि०) विकीर्ण, बिखरा हुआ।

ਅਵਗੁਣ अवगुण् Avaguṇ [3] पुं०
अवगुण (पुं०) दोष, त्रुटि।

ਅਵਤਾਰ अवतार् Avatār [3] पुं०
अवतार (पुं०) अवतार, प्रकटता।

ਅਵਰਣ अव्रण् Avraṇ [3] वि०
अवर्ण (वि०) वर्ण-हीन, रंग-रहित, बदरंग।

ਅਵਰੋਹੀ अव्रोही Avrohī [3] वि०/पुं०
अवरोहिन् (वि० / पुं०) वि०—नीचे उतरने वाला। पुं०—निषाद से षड्ज तक के अवरोह स्वर।

ਅਵਲੋਕਨ अव्लोकन् Avlokan [3] पुं०
अवलोकन (नपुं०) अवलोकन, देखने का का भाव; निरीक्षण।

ਅਵਾਈ अवाई Avāī [3] स्त्री०
अपवाद (पुं०) अफवाह, अप्रामाणिक दोष-कथन, निन्दा।

ਅਵਿਕਲਪ अविकलप् Avikalap [2] वि०
अविकल्प (वि०) विना विकल्प के; निःशङ्क।

ਅਵਿਦਿਆ अविद्या Avidyā [3] स्त्री०
अविद्या (स्त्री०) अज्ञानता, मूर्खता; आध्यात्मिक अज्ञान, माया।

ਅਵਿਨਾਸ਼ अविनाश् Avināś [3] वि०
अविनाश (वि०) विनाशरहित, अनश्वर।

ਅਵਿਵੇਕ अविवेक् Avivek [3] पुं०
अविवेक (पुं०) विचार का अभाव, नासमझी।

ਅਵੇਰ अवेर् Aver [3] स्त्री०
अवेला (स्त्री०) विलम्ब, देरी; कुसमय।

ਅਵੇਰਾ अवेरा Averā [3] पुं०
द्र०—अवेर।

ਅਵੇਰੇ अवेरे Avere [3] क्रि० वि०
अवेलायाम् (क्रि० वि०) देर से; विलम्ब से।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੱਵਿਅਵ अव्व्यव् Avvyav [3] पुं०
अवयव (पुं०) अवयव, अंग; हिस्सा।

ਅੜਨਾ अड़्ना Aṛnā [3] अक० क्रि०
अड्डति (भ्वादि अक०) अड़ना, अटकना; हठ करना।

ਅੜਾਉਣਾ अड़ाउणा Aṛāuṇā [3] सक० क्रि०
अड्डयति (भ्वादि प्रेर०) अड़ाना, अटकाना, विघ्न डालना।

ਅੜੋਸ-ਪੜੋਸ अड़ोस्-पड़ोस् Aṛos-Paṛos [1] पुं०
प्रतिवेश (पुं०) अड़ोस-पड़ोस, आस-पास।

ਆ

ਆਉਣਾ आउणा Āuṇā [3] क्रि०
आयाति (अदादि सक०) आना, पहुँचना।

ਆਉਲਾ औला Aulā [3] पुं०
आमलक (पुं०/नपुं) पुं०—आँवला वृक्ष। नपुं०—आँवले का फल।

ਆਇਆ आया Āyā [3] वि०
आगत (वि०) आया हुआ, पहुँचा हुआ।

ਆਇਸ आइस् Āis [1] वि०
आयस (वि०/पुं०) वि०—लोहे का। पुं०—लौहमय; कवच।

ਆਇਤ आइत् Āit [3] पुं०
आदित्य (पुं०) सूर्य, सूरज।

ਆਇਤਨ आइतन् Āitan [3] पुं०
आयतन (नपुं०) घर, आवास; परिधि।

ਆਈ आई Āī [3] स्त्री०
आपद् (स्त्री०) आफत, आपत्ति; दुर्भाग्य।

ਆਸ आस् Ās [3] स्त्री०
आशस् (नपुं०) आशा, आकांक्षा; अपेक्षा।

ਆਸਕਤ आसक्त् Āsakt [3] वि०
आसक्त (वि०) प्रेमी; लवलीन।

ਆਸਣ आस्सण् Āssaṇ [3] पुं०
आसन (नपुं०) आसन, चटाई।

ਆਸਤਰ आस्तर् Āstar [3] पुं०
आस्तर (पुं०) बिछावन-विस्तर।

ਆਸਤਿਕ आस्तिक Āstik [3] पुं०
आस्तिक (वि०) आस्तिक, वेदों में विश्वास या आस्था रखने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਸਤੀਕ आस्तीक् Āstīk [3] पुं०
आस्तीक (पुं०) आस्तीक एक ऋषि जो वासुकि नाग की बहन मनसा के गर्भ से उत्पन्न जरत्कारु ऋषि की सन्तान।

ਆਸਰਾ आस्रा Āsrā [3] पुं०
आश्रय (पुं०) आधार, सहारा; आसरा, भरोसा।

ਆਸ਼ਾ आशा Āśā [3] स्त्री०
आशा (स्त्री०) प्राप्ति की इच्छा, उम्मीद।

ਆਸ਼ੀਰਵਾਦ आशीर्वाद Aśīrvād [3] पुं०
आशीर्वाद (पुं०) आशीर्वाद, आशिष।

ਆਂਸੂ आँसू Āsū [3] पुं०
अश्रु (नपुं०) आँसू, नेत्र-जल।

ਆਸ਼੍ਰਮ आश्रम् Āśram [3] पुं०
आश्रम (पुं०) आश्रम, ऋषियों का वास-स्थान।

ਆਹਣਾ आह्णा Āhṇā [2] सक० क्रि०
ब्रू > आह > (अदादि सक०) कहना, बोलना।

ਆਹਾ आहा Āhā [3] अ०
अहा (अ०) अहा, आश्चर्यबोधक शब्द।

ਆਹਾਰ आहार् Āhār [3] पुं०
आहार (पुं०) आहार, भोजन, भोज्य पदार्थ।

ਆਹੂਤੀ आहूती Āhūtī [3] स्त्री०
आहुति (स्त्री०) आहुति, होम, हवन।

ਆਕਰਸ਼ਣ आकर्षण् Ākarṣaṇ [3] पुं०
आकर्षण (नपुं०) खिंचाव, आकृष्ट करने का भाव; हल जोतने का कर्म।

ਆਕਾਸ਼ आकाश् Ākāś [3] पुं०
आकाश (पुं०) आकाश, गगन, नभ।

ਆਕਾਸ਼ੀ आकाशी Ākāśī [3] वि०
आकाशीय (वि०) आकाश से संबंधित, आसमानी।

ਆਕਾਂਖਿਆ आकांख्या Ākāṅkhyā [3] स्त्री०
आकांक्षा (स्त्री०) आकांक्षा, इच्छा।

ਆਕ੍ਰਿਤੀ आक्रिती Ākritī [3] स्त्री०
आकृति (स्त्री०) आकृति, आकार, स्वरूप।

ਆਖਣਾ आख्णा Ākhṇā [3] सक० क्रि०
आख्याति (अदादि सक०) कहना, बोलना।

ਆਖਾ आखा Ākhā [2] पुं०
आख्या (स्त्री) आख्या, प्रतिवेदन; कथन।

ਆਖਿਆ आख्या Ākhyā [3] वि०
आख्यात (वि०) कथित, घोषित।

ਆਖੇਟੀ आखेटी Ākheṭī [3] वि०
आखेटिन् (वि०) अहेरी, शिकारी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਖੇਪ आखेप् Ākhep [3] पुं०
आक्षेप (पुं०) फेंकने की क्रिया; दोषारोपण; एक अर्थालङ्कार।

ਆਗਤ आगत् Āgat [3] स्त्री०
आगत (वि०/नपुं०) वि०—आया हुआ। नपुं०—आय, आमद, आमदनी।

ਆਂਗਨ आँगन् Āgan [3] पुं०
अङ्गण (नपुं०) आँगन; सहन; ड्योढ़ी।

ਆਗਲ आगल् Āgal [1] पुं०
अर्गला (स्त्री०) सांकल; जंजीर।

ਆਗਿਯਾ आग्या Āgyā [3] स्त्री०
आज्ञा (स्त्री०) आज्ञा, आदेश।

ਆਗ੍ਰਹਿ आग्रह् Āgrah [3] पुं०
आग्रह (पुं०) आग्रह, हठ, जिद्द।

ਆਘਾਉਣਾ आघाउणा Āghāuṇā [1] सक० क्रि०
आघ्रापयति (भ्वादि प्रेर०) तृप्त होना, अघाना।

ਆਂਚ आँच् Āc [2] स्त्री०
अर्चिस् (नपुं०) आँच, अग्नि कण।

ਆਚਮਨ आच्मन् Ācman [3] पुं०
आचमन (नपुं०) आचमन, पूजा में जल पीने की क्रिया।

ਆਚਰਣ आच्रण् Ācraṇ [3] पुं०
आचरण (नपुं०) आचरण, व्यवहार, चाल-चलन।

ਆਚਰਣੀ आचर्णी Ācharṇi [3] वि०
आचरणीय (वि०) आचरण करने योग्य, व्यवहार करने योग्य।

ਆਂਚਲ आँचल् Ācal [3] पुं०
अञ्चल (पुं०) आँचल्, साड़ी का वह छोर जो शिर पर रहता है; क्षेत्र, भू-भाग।

ਆਚਾਰੀਆ आचार्या, Ācāryā [3] पुं०
आचार्य (पुं०) आचार्य, उपदेशक।

ਆਛੰਨ आछन्न् Āchann [3] वि०
आच्छन्न (वि०) ढका हुआ, आच्छादित।

ਆਜੀਵਿਕਾ आजीविका Ājīvikā [3] स्त्री०
आजीविका (स्त्री०) आजीविका, जीने की वृत्ति।

ਆਝਾ आझा Ājhā [3] वि०
अनाथ (वि०) अनाथ, दीन, दुखिया।

ਆਟਾ आटा Āṭā [3] पुं०
अट्ट (नपुं०) आटा, गेहूँ या किसी अन्न का पिसा हुआ आटा।

ਆਠਾ आठा Āṭhā [3] वि०
अष्टन् (वि०) आठ का अंक, 8।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਂਡਲ आण्डल् Āṇḍal [3] पुं०
आण्डल (वि०) बड़े एवं क्रूर नेत्रों वाला।

ਆਂਡਾ आंडा Āḍā [3] पुं०
अण्ड (नपुं०) अंडा।

ਆਂਡੂ आण्डू Āṇḍū [1] पुं०
आण्ड (वि०/नपुं०) (वि०)—अण्डकोष-युक्त। (नपुं०) अण्डकोष थैली।

ਆਡੰਬਰ आडम्बर् Āḍambar [3] पुं०
आडम्बर (नपुं०) आडम्बर, ऊपरी ठाट-बाट, ढोंग।

ਆਣ आण् Āṇ [3] स्त्री०
आनि (स्त्री०) आज्ञा, आदेश; सम्मान, इज्जत; शपथ, सौगन्ध।

ਆਂਤ आँत् Āt [3] स्त्री०
आन्त्र (नपुं०) आँत; अँतड़ी।

ਆਤਮ आतम् Ātam [3] पुं०
आत्मन् (पुं०) आत्मा, परमात्मा।

ਆਤਮਘਾਤ आतम्घात् Ātamghāt [3] पुं०
आत्मघात (पुं०) आत्मघात, स्वयं प्राण दे देने का भाव।

ਆਤਮਾ आत्मा Ātmā [3] स्त्री०
आत्मन् (पुं०) आत्मा, प्राण।

ਆਤਮਿਕ आत्मिक् Ātmik [3] वि०
आत्मिक (वि०) आत्मा संबंधी; अपना; मानसिक।

ਆਂਤਰਿਕ आन्त्रिक् Āntrik [3] वि०
आन्तरिक (वि०) भीतरी, अन्दर का।

ਆਤੁਰ आतुर् Ātur [2] वि०
आतुर (वि०) आतुर, व्याकुल, दुःखी।

ਆਤੰਕ आतङ्क् Ātaṅk [3] पुं०
आतङ्क (पुं०) डर, भय; प्रताप, दबदबा।

ਆਥ[1] आथ् Āth [2] अ०
अथ (अ०) प्रारंभ और मङ्गल सूचक।

ਆਥ[2] आथ् Āth [3] पुं०
अथ (पुं०) धन; प्रयोजन; इन्द्रियों का विषय।

ਆਥਣ आथण् Āthaṇ [3] पुं०
द्र०—ਆਥਣਾ

ਆਥਣਾ आथ्णा Āthṇā [3] पुं०
अस्तमयन (नपुं०) सूर्यास्त का समय, सायंकाल।

ਆਥਰੀ आथ्री Āthrī [3] स्त्री०
आस्तर (पुं०) चद्दर, विस्तर।

ਆਦਰ आदर् Ādar [3] पुं०
आदर (पुं०) सम्मान।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਂਦਰ आन्दर Āndar [3] स्त्री०
आन्त्र (नपुं०) आंत, अँतड़ी, भीतरी भाग।

ਆਦਰਸ਼ आदरश् Ādaraś [3] पुं०
आदर्श (पुं०) दर्पण, शीशा; टीका; नमूना; सिद्धान्त; अभिप्राय।

ਆਦਾ आदा Ādā [3] पुं०
आर्द्रक (नपुं०) अदरक, आदी।

ਆਦਿ आद् Ād [3] पुं०/वि०
आदि (पुं०/वि०) पुं०—आरम्भ, मूल-कारण। वि०—प्रथम, पहला, मुख्य; इत्यादि।

ਆਦੇਸ਼ आदेश् Ādeś [3] पुं०
आदेश (पुं०) आदेश, आज्ञा, हुक्म।

ਆਧਾਰ आधार् Ādhār [3] पुं०
आधार (पुं०) आधार, आश्रय।

ਆਨਾ आना Ānā [3] पुं०
आण्डक (पुं०) आँख की पुतली।

ਆਨੰਦ आनन्द् Ānand [3] पुं०
आनन्द (पुं०) आनन्द, आमोद, हर्ष।

ਆਪ आप् Āp [3] पुं०/स्त्री०
आत्मन् (पुं०) स्वयं, खुद।

ਆਥਣਾ आथ्णा Āthṇā [3] संबन्ध
आत्मनः (षष्ठ्यन्त) अपना, स्वयं का।

ਆਪੱਤੀ आपत्ती Āpattī [3] स्त्री०
आपत्ति (स्त्री०) आपत्ति, आपदा, विपदा।

ਆਪੇ आपे Āpe [3] क्रि० वि०
आत्मना (तृतीयान्त) अपने से, स्वयं, खुद।

ਆਫਰਨਾ आफर्ना Āpharnā [3] अक० क्रि०
आस्फरति (तुदादि अक०) वायु द्वारा पेट का फूलना।

ਆਭਾ आभा Ābhā [3] स्त्री०
आभा (स्त्री०) शोभा; प्रकाश; दीप्ति, चमक।

ਆਭਾਸ आभास् Ābhās [3] पुं०
आभास (पुं०) प्रकाश; प्रतीति, एहसास; प्रतिबिम्ब।

ਆਭੂਸ਼ਣ आभूषण् Abhūṣaṇ [3] पुं०
आभूषण (नपुं०) आभूषण, आभरण, गहना।

ਆਮ੍ਹਣੇ-ਸਾਮ੍ਹਣੇ आह्मणे-साह्मणे Āhmaṇe-Sāhmaṇe [3] क्रि० वि०
आमुख (क्रि० वि०) आमने-सामने।

ਆਯਾਤ आयात् Āyāt [3] वि०
आयात (वि०) आया हुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਯੂ आयू Āaū [3] स्त्री०
आयुष् (नपुं०) आयु, उम्र, अवस्था ।

ਆਰ आर् Ār [3] स्त्री०
आरा (स्त्री०) अंकुश, चमड़ा सीनेवाले सूए का अग्रभाग ।

ਆਰਸੀ आर्सी Ārsī [3] स्त्री०
आदर्श (नपुं०) आदर्श, दर्पण, शीशा; सुन्दर नमूना ।

ਆਰਕਤ आर्कत् Ārkat [3] वि०
आरक्त (वि०) लाल, सुर्ख ।

ਆਰਜਤਾ आरज्ता Ārajtā [3] स्त्री०
आर्यता (स्त्री०) सभ्यता; श्रेष्ठता; सरलता, निष्कपटता ।

ਆਰਤ आरत् Ārat [3] वि०
आर्त्त (वि०) कातर, कायर; दुःखी, पीडित ।

ਆਰਤੀ आर्ती Ārtī [3] स्त्री०
आरात्रिक (नपुं०) पूजन सम्बन्धी आरती ।

ਆਰਦਰ आर्दर् Ārdar [1] वि०
आर्द्र (वि०) गीला, भीगा ।

ਆਰਾ आरा Ārā [3] पुं०
आरा (स्त्री०) आरा, लकड़ी चीरने का एक लम्बा नुकीला एवं दांतेदार औजार ।

ਆਰਾਮ आराम् Ārām [3] पुं०
आराम (पुं०) आराम, विश्राम ।

ਆਰੀ[1] आरी Ārī [3] स्त्री०
आरिका (स्त्री०) छोटी आरी जिससे लकड़ी फाड़ी जाती है ।

ਆਰੀ[2] आरी Ārī [2] वि०
असुरक्षित ? (वि०) अनारक्षित ।

ਆਰੀਆ आर्या Āryā [3] वि०
आर्य (वि०) उत्तम, श्रेष्ठ; पूज्य ।

ਆਰੀਆਵਰਤ आर्यावर्त् Āryāvart [3] पुं०
आर्यावर्त (पुं०) आर्यावर्त, भारतवर्ष; विन्ध्याचल और हिमालय के मध्य का भूभाग ।

ਆਰੂੜ आरूड़ Ārūṛ [3] वि०
आरूढ (वि०) चढ़ा हुआ, सवार ।

ਆਰੰਭ आरम्भ् Ārambh [3] पुं०
आरभ (पुं०) प्रारम्भ, शुरूआत ।

ਆਰੰਭਣਾ आरम्भणा Ārambhaṇā [3] सक० क्रि०
आरम्भते (भ्वादि सक०) प्रारम्भ करना, शुरू करना ।

ਆਲਸ आलस् Ālas [3] पुं०
आलस्य (नपुं०) शिथिलता, निष्क्रियता,

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਲਸੀ आल्सी Ālsī [3] **वि०**
अलस (वि०) आलसी, निष्क्रिय, शिथिल।

ਆਲਕ आलक् Ālak [1] **पुं०**
अलस (वि०) शिथिलता या निष्क्रियता युक्त, आलसी।

ਆਲਾ आला Ālā [3] **पुं०**
आलय (पुं०, नपुं०) ताखा, दीपक आदि रखने का दीवाल में बना स्थान।

ਆਲਾਪੀ आलापी Ālāpī [3] **वि०**
आलापिन् (वि०) आलाप करने वाला; संलाप करने वाला।

ਆਲੀ आली Ālī [2] **स्त्री०**
आलयिका (स्त्री०) ताखी, दीवार में बना दीपक आदि रखने का छोटा स्थान।

ਆਲੂ आलू Ālū [3] **पुं०**
आलुक (नपुं०) आलू, एक प्रकार की सब्जी।

ਆਲੋਕ आलोक् Ālok [3] **पुं०**
आलोक (पुं०) प्रकाश; दर्शन।

ਆਲੋਚਨਾ आलोच्ना Alocnā [3] **स्त्री०**
आलोचना (स्त्री०) आलोचना, समीक्षा।

ਆਲ੍ਹਣਾ आह्लणा Āhlaṇā [3] **पुं०**
आलयन (नपुं०) घोसला; विश्राम-स्थल।

ਆਵਣਾ आव्णा Āvṇā [3] **पुं०**
आगमन (नपुं०) आने की क्रिया; जन्म धारण करने का भाव।

ਆਵਰਕ आवरक् Āvarak [1] **वि०**
आवारक (वि०) आवरण करने वाला, ढँकने वाला।

ਆਵਰਤ आवरत् Āvarat [3] **पुं०**
आवर्त्त (पुं०) भौंरी, पानी का चक्कर।

ਆਵਾ आवा Āvā [3] **पुं०**
आपाक (पुं०) आवा, भट्ठा, भट्ठी; भाड़।

ਆਵਿਰਭਾਵ आविर्भाव् Āvirbhāv[3] **पुं०**
आविर्भाव (पुं०) प्रकट होने का भाव, जन्म, उत्पत्ति।

ਆਵੀ आवी Āvī [3] **स्त्री०**
आपाकिका (स्त्री०) छोटा आवा, भट्ठी।

ਆੜ आड़् Āṛ [3] **स्त्री०**
आवृति (स्त्री०) आड़, आवरण।

ਆੜੂ आड़ू Āṛū [3] **पुं०**
आरुक (पुं०/नपुं०) पुं०—आड़ू का वृक्ष। नपुं०—आड़ू का फल।

ਆੜੁਤ आढ़त् Āṛhat [3] **स्त्री०**
आधत्त (नपुं०) कमीशन, आढ़त।

ਆੜੁਤੀ आढ़्ती Āhṛtī [2] **पुं०**
आधायक (वि०) आढ़ती, आढ़त करने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਐ

ਐਂ ऐं Aĩ [2] अ०
द्र०—ਐਉਂ।

ਐਉਂ ऐउँ Aiũ [1] अ०
एवमेव (अ०) ऐसा ही, इसी तरह।

ਐਂਠਣਾ ऐंठ्णा Aĩṭhṇā [2] सक० क्रि०
आवेष्टते (भ्वादि सक०) ऐंठना, आवेष्टित करना, लपेटना।

ਐਣ ऐण् Aiṇ [2] पुं०
अयन (नपुं०) मार्ग; धान्यकोष्ठ से धान्य निकालने का नीचे का मार्ग।

ਐਤਵਾਰ ऐत्वार् Aitvār [3] पुं०
आदित्यवार (पुं०, नपुं०) इतवार, रविवार।

ਐਵੇਂ ऐवें Aivẽ [3] अ०
एवमेव (अ०) यों ही, ऐसे ही।

ਔ

ਔਸ਼ਧੀ औष्धी Auṣdhī [3] स्त्री०
ओषधि (पुं०, स्त्री०) ओषधि, जड़ी-बूटी, वनस्पति।

ਔਸਰ औसर् Ausar [1] पुं०
अवसर (पुं०) अवसर, उचित समय।

ਔਂਸੀ औंसी Aũsī [3] स्त्री०
अवनिसीता (स्त्री०) जमीन के उपर खींची गई लकीर; यह एक प्राचीन शकुन विचार है।

ਔਹ औह् Auh [3] अ०
ओह (अ०) ओह, शोकबोधक अव्यय।

ਔਕੜ औकड़् Aukaṛ [3] स्त्री०
अपकृति (स्त्री०) अपकार; कठिनाई, बाधा; दुःख।

ਔਖ औख् Aukh [3] स्त्री०
अवक्षय (पुं०) कठिनाई, मुश्किल।

ਔਖਾ औखा Aukhā [3] वि०
अवक्षीण (वि०) कठिन, मुश्किल।

ਔਗੁਣ औगुण् Auāguṇ [3] पुं०
अवगुण (पुं०) अवगुण, दोष।

ਔਗੁਣੀ औगुणी Auguṇī [3] वि०
अपहरणीय ? (वि०) अपहार्य, चुराने योग्य; छिपाने योग्य; आयु-हीन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਔਟਲਣਾ औटल्णा Auṭalṇā [3] सक०क्रि०
अपवर्तते (भ्वादि सक०) भूलना, भटकना।

ਔਤਰਾ औत्रा Autrā [3] पुं०
अपुत्र (वि०) पुत्र-हीन, पुत्ररहित।

ਔਤਾਰ औतार् Autār [1] पुं०
अवतार (पुं०) उतरने का भाव; ईश्वर का भूलोक में प्रादुर्भाव।

ਔਂਧ औंध् Aūdh [2] वि०
अपमूर्धन् (वि०) औंधा, उल्टा, मुँह के बल।

ਔਰ और् Aur [3] वि०
अपर (वि०) दूसरा, अन्य; अधिक, ज्यादा।

ਔਲ औल् Aul [2] स्त्री०
अवरा (स्त्री०) नाभिनाल, नाभि से अपरा तक जाने वाली नली।

ਔਲਾ औला Aulā [3] पुं०
आमलक (पुं०/नपुं०) पुं०—आंवले का वृक्ष। नपुं०—आँवले का फल।

ਔੜ औड़् Auṛ [3] स्त्री०
अपूति (स्त्री०) अपूर्णता, अभाव; वर्षा की कमी।

ਔੜਣਾ औड़्णा Auṛṇā [2] सक० क्रि०
आपतति (भ्वादि सक०) सूझना, दिमाग में आना।

ਅੰ

ਅੰਸ਼ अंश् Aṅś [3] पुं०
अंश (पुं०) भाग, हिस्सा।

ਅੰਕ अंक् Aṅk [3] पुं०
अङ्क (पुं०) अंक, संख्या।

ਅੰਕੁਸ਼ अंकुश् Aṅkuś [3] पुं०
अङ्कुश (पुं०) अंकुश; वश, अधिकार।

ਅੰਗ[1] अंग् Aṅg [1] पुं०
अङ्क (पुं०) अंक, संख्या।

ਅੰਗ[2] अंग् Aṅg [3] पुं०
अङ्ग (नपुं०) भाग, हिस्सा; अवयव।

ਅੰਗਣਾ अंग्णा Aṅgṇā [2] पुं०
अङ्कते (भ्वादि सक०) अंकित करना, अनुमान करना, अन्दाज लगाना।

ਅੰਗਰਖਾ अँगर्खा Ăgarkhā [3] पुं०
अङ्गरक्षक (नपुं०) अँगरखा, कुर्ता, चपकन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੰਗਾਰ अंगार् Aṅgār [3] पुं०
अङ्गार (पुं०) अंगार, बुझा कोयला।

ਅੰਗਾਰਾ अंगारा Aṅgārā [3] पुं०
अङ्गार (पुं०) अंगारा, बुझा कोयला।

ਅੰਗਿਆਰ अँग्यार् Āgyār [3] पुं०
अङ्गार (पुं०) अंगार या बुझा कोयला।

ਅੰਗਿਆਰੀ अँग्यारी Āgyārī [3] स्त्री०
अङ्गारिका (स्त्री०) चिनगारी, स्फुलिङ्ग, अग्निकण।

ਅੰਗੀ[1] अंगी Aṅgī [3] स्त्री०
अङ्गिका (स्त्री०) अँगिया, चोली।

ਅੰਗੀ[2] अंगी Aṅgī [3] पुं०
अङ्गिन् (पुं०) शरीर, भागीदार, हिस्सेदार।

ਅੰਗੀਆ अँगीआ Āgīā [3] स्त्री०
अङ्गिका (स्त्री०) चोली, कुर्त्ती।

ਅੰਗੀਠਾ अँगीठा Āgīṭhā [3] पुं०
अग्निष्ठ (पुं०) अँगीठा, आग रखने का बड़ा पात्र।

ਅੰਗੀਠੀ अँगीठी Āgīṭhī [3] स्त्री०
अग्निष्ठ (पुं०) अँगीठी, आग रखने का छोटा पात्र।

ਅੰਗੂਠਾ अंगूठा Aṅgūṭhā [3] पुं०
अङ्गुष्ठ (पुं०) अँगूठा, मुख्य मोटी अंगुली।

ਅੰਗੂਠੀ अंगूठी Aṅgūṭhī [3] स्त्री०
अङ्गुष्ठिका (स्त्री०) अँगूठी, मुद्रिका।

ਅੰਗੂਰ अंगूर् Aṅgūr [3] पुं०
अङ्कुरण (नपुं०) अंकुरित होने का भाव; घाव भरने की क्रिया।

ਅੰਗੂਰੀ अंगूरी Aṅgūrī [3] वि०
अङ्कुरित (वि०) अंकुरवाला, जिसमें अंकुर निकल गया हो।

ਅੰਗੋਛਾ अंगोछा Aṅgochā [3] पुं०
अङ्गोञ्छ (पुं०) अंगोछा, गमछा।

ਅੰਜਨ अंजन् Añjan [3] स्त्री०
अञ्जन (नपुं०) अंजन, काजल, सुरमा।

ਅੰਜਲੀ अंज्ली Añjlī [3] स्त्री०
अञ्जलि (पुं०) अंजली, अँजुरी।

ਅੰਜੀਰ अँजीर् Añjīr [3] पुं०
अञ्जीर (नपुं० / पुं०) नपुं०—अंजीर फल। पुं०—अंजीर का वृक्ष, गूलर।

ਅੰਡ अण्ड् Aṇḍ [1] पुं०
आण्ड (नपुं०) अण्डकोश की थैली।

ਅੰਡਾ अण्डा Aṇḍā [3] पुं०
अण्ड (नपुं०) अंडा।

ਅੰਤਹਕਰਣ अन्तह्करण् Antahkaraṇ [3] पुं०
अन्तःकरण (नपुं०) मन, बुद्धि, चित्त, एवं अहंकार का समूह अन्तःकरण कहलाता है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੰਤਜ अन्तज् Antaj [1] पुं०
अन्त्यज (पुं०) शूद्र, चाण्डाल; नीच ।

ਅੰਤਰਗਤ अन्तर्गत् Antargat [3] वि०
अन्तर्गत (वि०) अन्दर प्राप्त ।

ਅੰਤਰਜਾਮੀ अन्तर्जामी Antarjāmī [3] पुं०
अन्तर्यामिन् (वि०) मन की बात जानने वाला ।

ਅੰਤਰਧਾਨ अन्तर्धान् Antardhān [3] वि०
अन्तर्धान (नपुं०/वि०) नपुं०—छिपाव, अदर्शन । वि०—गुप्त, लुप्त ।

ਅੰਤਰਧਿਆਨ अन्तर्ध्यान् Antardyān [3] वि०
अन्तर्धान (नपुं०) अन्तर्धान, आँखों से ओझल होने का भाव ।

ਅੰਤਰਵੇਦ अन्तर्वेद् Antarved [3] पुं०
अन्तर्वेद (पुं०) गंगा और यमुना के मध्य का भूभाग; दुआब ।

ਅੰਤਰਿਕਸ਼ अन्तरिकष् Antrikaṣ [3] पुं०
अन्तरिक्ष (नपुं०) आकाश; परलोक ।

ਅੰਤੜੀ अंतड़ी Antaṛī [3] स्त्री०
अन्त्र (नपुं०) आँत, अँतड़ी; आहारनली ।

ਅੰਦਰ अन्दर् Andar [3] अ०
अन्तर् (अ०) अन्दर, भीतर ।

ਅੰਧ अन्ध् Andh [3] पुं०
अन्ध (वि०) अन्धा, नेत्रहीन ।

ਅੰਧਰਾਤਾ अन्ध्राता Andhrātā [3] स्त्री०
रात्र्यान्ध्य (नपुं०) रतौंधी, आँख में एक प्रकार का रोग ।

ਅੰਧਲਾ अन्ध्ला Andhlā [3] पुं०
अन्ध (वि०) अन्धा, नेत्रहीन ।

ਅੰਧਾ अन्धा Andhā [3] पुं०
द्र० – ਅੰਧ ।

ਅੰਨ अन्न् Ann [3] पुं०
अन्न (नपुं०) अनाज, भोज्य पदार्थ ।

ਅੰਨਪੂਰਣਾ अन्नपूर्णा Annpūrṇā [3] स्त्री०
अन्नपूर्णा (स्त्री०) अन्नपूर्णा देवी ।

ਅੰਨ੍ਹਾ अन्न्हा Annhā [3] पुं०
अन्ध (वि०) अन्धा, नेत्रहीन ।

ਅੰਨ੍ਹੀ अंन्ही Annhī [3] स्त्री०
अन्धक (पुं०) आँधी; तूफान ।

ਅੰਬ अम्ब् Amb [3] पुं०
आम्र (पुं०/नपुं०) आम का वृक्ष/फल ।

ਅੰਬਚੂਰ अम्बचूर् Ambcūr [3] पुं०
आम्रचूर्ण (नपुं०). अमचूर, आम का चूर्ण ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੰਬਣਾ अम्ब्णा Ambṇā [2] अक० क्रि०
आम्रदते (भ्वादि अक०) थकना; फूलना, सूजना।

ਅੰਬਰੀਕ अम्ब्रीक् Ambrīk [3] पुं०
अम्बरीष (पुं०) एक राजा; भट्ठी, तावा।

ਅੰਬੜੀ अम्ब्ड़ी Ambṛī [3] स्त्री०
अम्बा (स्त्री०) माँ, माता, जननी।

ਅੰਬਾਉਣਾ अम्बाउणा Ambāuṇā [2] सक० क्रि०
आम्रादयति (भ्वादि प्रेर०) थकाना; सुजा देना, फुला देना।

ਅੰਬਾਹਟ अम्बाह्ट् Ambāhṭ [3] स्त्री०
आम्रदन (नपुं०) सूजन; थकावट।

ਅੰਬੀ अम्बी Ambī [3] स्त्री०
आम (पुं०) कच्चा आम, अम्बौरी।

ਅੰਮਾ अम्मा Ammā [3] स्त्री०
अम्बा (स्त्री०) अम्बा, माता, माँ।

ਇ

ਇਉਂ इउँ Iū̃ [3] अ०
एवम् (अ०) ऐसा, इस प्रकार से।

ਇਆਣਾ इआणा Iāṇā [3] पुं०
अज्ञान (वि०) अज्ञानी, नादान; बच्चा।

ਇਸ਼ਟ इश्ट् Iṣṭ [3] वि०
इष्ट (वि०) धर्म-कार्य, यज्ञ; पूज्य देव; मित्र; वांछित; प्यारा।

ਇਸ਼ਨਾਨ इश्नान् Iśnān [3] पुं०
स्नान (नपुं०) स्नान, नहान।

ਇਸ਼ਨਾਨੀ इश्नानी Iśnānī [3] वि०
स्नायिन् (वि०) नित्य स्नान करने वाला।

ਇਹ इह् Ih [3] पुं०
एषः (सर्व० प्रथमान्त) यह, निकटस्थ व्यक्ति या वस्तु।

ਇਹਾ इहा Ihā [3] वि०
ईदृश (वि०) ऐसा, इसकी तरह, इस जैसा।

ਇਹੋ इहो Iho [3] वि०
एतदेव (सर्व०) यह ही, यही।

ਇਕ इक् Ik [3] वि०
एक (वि०) एक, केवल।

ਇਕਸਾਰ इक्सार् Iksār [3] वि०
(एक) सदृश (वि०) समान, तरह।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਇਕਹੱਤਰ इक्हत्तर् Ik hattar [3] वि०
एकसप्तति (स्त्री०) इकहत्तर, एकहत्तर; 71 ।

ਇਕਹਿਰਾ इकहिरा Ikahirā [2] वि०
कृश (वि०) कृश, दुबला-पतला ।

ਇਕੱਠ इकट्ठ् Ikaṭṭh [3] पुं०
एकस्थ (वि०) इकट्ठा, एकत्रित ।

ਇਕੱਠਾ इकट्ठा Ikaṭṭhā [3] वि०
एकस्थ (वि०) एकत्रित, एक स्थान में स्थित ।

ਇਕਤਾਈ इक्ताई Iktāī [3] स्त्री०
एकता (स्त्री०) एकता, एक होने का भाव ।

ਇਕਤਾਰਾ इक्तारा Iktārā [3] पुं०
एकतन्त्री (स्त्री०) एकतन्त्री, एकतारा वाद्य यन्त्र ।

ਇਕਤਾਲੀ इक्ताली Iktālī [3] वि०
एकचत्वारिंशत् (स्त्री०) एकतालीस; 41 ।

ਇਕੱਤਰ इकत्तर् Ikattar [3] क्रि० वि०
एकत्र (अ०) एक स्थान पर रखा हुआ, इकट्ठा ।

ਇਕੱਤੀ इकत्ती Ikattī [3] वि०
एकत्रिंशत् (स्त्री०) इकतीस; 31 ।

ਇਕੱਤ੍ਹਰ इकत्हर् Iktthar [3] वि०
एकसप्तति (स्त्री०) एकहत्तर; 71 ।

ਇਕਲੌਤਾ इक्लौता Iklautā [3] पुं०
एकलपुत्र (पुं०) इकलौता, अकेला पुत्र ।

ਇਕੱਲ इकल्ल् Ikall [3] वि०
एकलता (वि०) अकेलापन, अकेला होने का भाव ।

ਇਕੱਲਾ इकल्ला Ikallā [3] वि०
एकल (वि०) अकेला, केवल ।

ਇਕਵੰਜਾ इक्वंजा Ikvañjā [3] वि०
एकपञ्चाशत् (स्त्री०) इक्यावन; 51 ।

ਇਕਾਸੀ इकासी Ikāsī [3] वि०
एकाशीति (स्त्री०) इक्यासी; 81 ।

ਇਕਾਹਟ इकाहट् Ikāhaṭ [3] वि०
एकषष्टि (स्त्री०) एकसठ; 61 ।

ਇਕਾਗਰ इकागर् Ikāgar [3] वि०
एकाग्र (वि०) एकचित्त, सावधान, स्थिर ।

ਇਕਾਂਗੀ इकांगी Ikāṅgī [3] पुं०
एकाङ्क (पुं०) एक अंक वाला, एकांकी रूपक ।

ਇਕਾਂਤ इकान्त् Ikānt [3] वि०
एकान्त (वि०) शून्य, निर्जन ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਇਕਾਂਤਤਾ इकान्तता Ikāntatā [3] स्त्री०
एकान्तता (स्त्री०) निर्जनता, शून्यता ।

ਇਕਾਦਸ਼ੀ इकादशी Ikādaśī [3] स्त्री०
एकादशी (स्त्री०) एकादशी तिथि अथवा व्रत ।

ਇਕਾਨਵੇਂ इकान्वें Ikānvē [3] वि०
एकनवति (स्त्री०) इकानवे; 91 ।

ਇਕੇਰਾਂ इकेराँ Ikerā̃ [3] क्रि० वि०
एकवार (क्रि० वि०) एक बार में ।

ਇਕੋਤਰਸੌ इकोतर् सौ Ikotarsau [3] वि०
एकोत्तरशत (नपुं०) एक सौ एक; 101 ।

ਇੱਕਸ इक्कस् Ikkas [3] वि०
एकस् (प्रथमान्त) एक, अकेला ।

ਇੱਕੜ इक्कड़् Ikkaṛ [3] वि०
एकल (वि०) अकेला, एकाकी ।

ਇੱਕਾ इक्का Ikkā [3] वि०
एक (सर्व०) एक; 1 ।

ਇੱਕੀ इक्की Ikkī [3] वि०
एकविंशति (स्त्री०) इक्कीस; 21 ।

ਇੱਕੇ इक्के, Ikke [3] वि०
एकैव (वि०) एक ही ।

ਇੱਖ इक्ख् Ikkh [3] पुं०
इक्षु (पुं०) ईख, गन्ना ।

ਇੰਗਤ इंगत् Iṅgt [3] वि०/पुं०
इङ्गित (वि० / पुं०) वि०—चिह्नित, संकेतित । पुं०—संकेत, इशारा ।

ਇੱਛਾ इच्छा Icchā [3] स्त्री०
इच्छा (स्त्री०) इच्छा, मनोरथ, चाह ।

ਇੱਛਿਤ इच्छित् Icchit [3] वि०
इच्छित (वि०) इच्छित, वांछित ।

ਇੱਜੜ इज्जड़् Ijjaṛ [3] पुं०
अविकट (पुं०) भेड़ों का समूह ।

ਇੱਟ इट्ट् Iṭṭ [3] स्त्री०
इष्टका (स्त्री०) ईंट ।

ਇਤਨਾ इत्ना Itnā [3] वि०
इयत् (वि०) इतना, इस परिमाण का ।

ਇਤਿਹਾਸ इतिहास् Itihās [3] पुं०
इतिहास (पुं०) इतिहास; इतिवृत ।

ਇਤਿਹਾਸਕ इतिहासक् Itihāsak [3] वि०
ऐतिहासिक (वि०) इतिहास-सम्बन्धी; इतिहास का ज्ञाता ।

ਇੱਥੇ इत्थे Itthe [3] वि०
एतत्स्थाने (नपुं० सप्तम्यन्त) इधर, यहाँ ।

ਇੰਦ इन्द् Ind [3] पुं०
इन्द्र (पुं०) देवराज, स्वर्गपति ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਇੰਦਰ इन्दर् Indar [3] पुं०
द्र०—ਇੰਦ ।

ਇੰਦਰ-ਧਨੁਸ਼ इन्दर्-धनुष् Indar-Dhanuṣ [3] पुं०
इन्द्रधनुष् (नपुं०) आकाश का इन्द्रधनुष ।

ਇੰਦਰੀ इन्द्री Indrī [3] स्त्री०
इन्द्रिय (नपुं०) इन्द्रिय; पुरुष-जननेन्द्रिय ।

ਇੰਨਾ इन्ना Innā [3] वि०
इयत् (वि०) इतना, इस परिमाण का ।

ਇੰਨੂ इन्नू Innū [3] पुं०
इण्ड्व (पुं०) वस्त्र या रस्सी आदि से बना चक्राकार शिरस्त्राण जिसे घड़ा आदि भार-वहन करते समय शिर पर रखा जाता है, बिट्ठो, बीठा या बिठई ।

ਇੰਨ੍ਹਣ इन्हण् Innhaṇ [3] पुं०
इन्धन (नपुं०) जलाने के काम आने वाली लकड़ी, तेल इत्यादि ।

ਇਮਲੀ इम्ली Imlī [3] स्त्री०
अम्लिका (स्त्री०) इमली का पेड़ या फल ।

ਇਰਾ इरा Irā [3] स्त्री०
इला (स्त्री०) पृथ्वी, नदी ।

ਇਲਗਣ इल्गण् Ilgaṇ [3] स्त्री०
अधिलग्नी (स्त्री०) अरगनी, वस्त्र सुखाने के लिये बाँधी गयी रस्सी या तार ।

ਇਲਗਣੀ इल्गणी Ilgaṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਇਲਗਣ ।

ਇਲਾਇਚੀ इलाइची Ilāicī [3] स्त्री०
एला (स्त्री०) इलाइची ।

ਇਲਾਵਰਤ इलावरत् Ilāvarat [3] पुं०
इलावर्त्त (पुं०) जम्बुद्वीप का एक भाग, प्रदेश विशेष । नीलगिरि से दक्षिण तथा निषिद पर्वत से उत्तर का भू-भाग ।

ਇੱਲ इल्ल् Ill [3] स्त्री०
चिल्ल (पुं०) चील या चील्ह पक्षी ।

ਇਵੇਂ इवें Ivē [3] क्रि० वि०
एवमेव (अ०) ऐसे ही, इसी प्रकार ।

ਇੜਾ इड़ा Iṛā [3] स्त्री०
इडा (स्त्री०) योग शास्त्र में मान्य एक नाडी, जिसे चन्द्रनाडी भी कहते हैं । गौ; पृथ्वी; पुरुरवा की माँ; वैवस्वत मनु की पत्नी ।

ਈ

ਈਸ਼ ईश् Īś [3] पुं०
ईश (पुं०) स्वामी, मालिक; कर्त्तार ।

ਈਸ਼ਰ ईशर् Īśar [3] पुं०
ईश्वर (पुं०) ईश्वर, भगवान् ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਈਰਖਾ ईर्खा Īrkhā [3] स्त्री०
ईर्ष्या (स्त्री०) ईर्ष्या, डाह।

ਈਰਖਾਲੂ ईर्खालू Īrkhālū [3] वि०
ईर्ष्यालु (वि०) ईर्ष्यालु, ईर्ष्या से युक्त।

ਏ

ਏਕਤਾ एक्ता Ektā [3] स्त्री०
एकता (स्त्री०) एकता, एक होने का भाव।

ਏਕਾ[1] एका Ekā [3] वि०
एक (सर्व०) एक की संख्या; एक संख्या से युक्त।

ਏਕਾ[2] एका Ekā [3] पुं०
ऐक्य (नपुं०) एक होने का भाव, एकता।

ਏਕਾਖਰ एकाखर् Ekākhar [3] पुं०
एकाक्षर (नपुं०) एक अक्षर, एक वर्ण; अविनाशी ब्रह्म।

ਏਰਨਾ एर्ना Ernā [3] वि०
आरण्य (वि०) जंगली, वनैला।

ਏਰਾਵਤ एरावत् Erāvat [3] पुं०
ऐरावत (पुं०) इन्द्र का हाथी जो श्वेत-वर्ण का है तथा जो समुद्र-मन्थन से निकला था।

ਏਰਾਵਤੀ एरावती Erāvatī [3] स्त्री०
इरावती (स्त्री०) रावी नदी जो पंजाब प्रान्त में बहती है।

ਸ

ਸਉਲ सउल् Saul [1] पुं०
शकुल (पुं०) सौरा मछली।

ਸਵਿਤਾ सविता Svitā [1] पुं०
सवितृ (पुं०) पैदा करने वाला; पिता; सूर्य।

ਸ਼ਸ਼ਤਰ शश्तर् Śaśtar [3] पुं०
शस्त्र (नपुं०) हथियार, जो हाथ में रख-कर चलाया जाये।

ਸ਼ਸਤਰ-ਵਸਤਰ शस्तर्-वस्तर् Śastar-Vastar [3] पुं०
शस्त्र-वस्त्र (नपुं०) शस्त्र और वर्दी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸ਼ਸਤਰੀਬਲ शस्तरीबल् Śastarībal [3] पुं०
शस्त्रिबल (नपुं०) शस्त्रधारी सेना।

ਸ਼ਸਤਾਉਣਾ सस्ताउणा Sastāuṇā
[2] अक० क्रि०
श्वसिति (अदादि अक०) श्वास लेना; थोड़े समय तक विश्राम के लिये ठहरना।

ਸਸਤ੍ਰਨੀ सस्त्रनी Sastranī [3] स्त्री०
शस्त्रिणी (स्त्री०) शस्त्र रखने वाली सेना।

ਸੱਸ सस्स् Sass [3] स्त्री०
श्वश्रू (स्त्री०) सास, श्वसुर की पत्नी।

ਸੱਸੂ सस्सू Sassū [1] स्त्री०
द्र०—ਸੱਸ।

ਸਹਜ सह्ज् Sahj [3] वि०/पुं०
सहज (वि०/पुं०) वि०—साथ पैदा होने वाला। पुं०—स्वभाव, आदत।

ਸਹਾ सहा Sahā [3] पुं०
शशक (पुं०) खरगोश, खरहा।

ਸਹਾਇ सहाइ Sahāi [3] स्त्री०
साहाय्य (नपुं०) सहायता, सहारा।

ਸਹਾਇਕ सहाइक् Sahāik [3] वि०
सहायक (वि०) सहायता करने वाला, मददगार।

ਸਹਾਇਤੀ सहाइती Sahāitī [3] वि०
सहायक (वि०) सहायक, सहायता करने वाला।

ਸਹਿਆ सहिआ Sahiā [3] पुं०
शशक (पुं०) खरगोश, खरहा।

ਸਹਿਸਾ[1] सहिसा Sahisā [1] अ०
सहसा (अ०) अकस्मात्, अचानक।

ਸਹਿਸਾ[2] सह्सा Sahsā [3] पुं०
संशय (पुं०) संशय, सन्देह, शंका।

ਸਹਿਸੁਭਾ सहिसुभा Sahisubhā
[1] क्रि० वि०
सहजस्वभाव (पुं०) सहज स्वभाव, पैदाइसी आदत।

ਸਹਿਕਣਾ सहिक्णा Sahikṇā [3]अक० क्रि०
श्वसिति (अदादि अक०) अंतिम साँस लेना।

ਸਹਿਚਰ सहिचर् Sahicar [3] पुं०
सहचर (वि०) साथ रहने वाला, साथी।

ਸਹਿਜਾਇਆ सह्जाइआ Sahjāiā [3] वि०
सहजात (वि०) साथ पैदा हुआ, एक ही साथ उत्पन्न।

ਸਹਿਜੇ सहिजे Sahije [3] क्रि० वि०
सहज (क्रि० वि०) सहजता से।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਹਿਣਹਾਰ सहिण्हार् Sahiṇhār [3] **वि०**
सहनहार (वि०) सहनशील, सहन करने वाला ।

ਸਹਿਣਾ सहिणा Sahiṇā [3] **सक० क्रि०**
सहते (भ्वादि सक०) सहना, बर्दास्त करना ।

ਸਹਿੰਦੜ सहिन्दड़् Sahindaṛ [3] **वि०**
सोढृ (वि०) सहन करने वाला, सहनशील ।

ਸ਼ਹਿਨਾਈ शह्नाई, Śahnāī [3] **स्त्री०**
सानेयी/सानेकी (स्त्री०) सहनाई, एक प्रकार का वाद्य यंत्र ।

ਸਹਿਲਾ सहिला Sahilā [3] **वि०**
सहज (वि०) सहज, सरल ।

ਸਹੀਅੜ सहीअड़् Sahīaṛ [3] **पुं०**
द्र०—ਸਹਾ ।

ਸਹੁੰ सहुँ Sahū [3] **स्त्री०**
शपथ (नपुं०) शपथ, सौगन्ध ।

ਸਹੁਰਾ सहुरा Sahurā [3] **पुं०**
श्वसुर (पुं०) ससुर, श्वसुर, पति या पत्नी का पिता ।

ਸਹੁਰੀ सहुरी Sahurī [3] **स्त्री०**
श्वश्रू (स्त्री०) सास; ससुरी (एक प्रकार की गाली) ।

ਸਹੇਲ सहेल् Sahel [3] **पुं०**
सख्य (नपुं०) सख्य भाव, परस्पर सखी होने का भाव ।

ਸਹੇਲਪੁਣਾ सहेल्पुणा Sahelpuṇā [3] **पुं०**
सखिपण (पुं०) सखीपना, मित्रता ।

ਸਹੇਲਾ सहेला Sahelā [3] **पुं०**
सखि (पुं०) मित्र, दोस्त ।

ਸਹੇਲੀ सहेली Sahelī [3] **स्त्री०**
सखी (स्त्री०) सहेली, सखी ।

ਸਹੋਰਾ सहोरा Sahorā [3] **पुं०**
शशपोत (पुं०) खरगोश का बच्चा ।

ਸਹੋਦਰ सहोदर् Sahodar [3] **वि०**
सहोदर (पुं०) एक पेट से उत्पन्न भाई ।

ਸਹੰਸ सहंस् Sahans [3] **वि०**
सहस्र (नपुं०) हजार; दस सौ ।

ਸਹੰਸਰ सहंसर् Sahansar [3] **वि०**
सहस्र (नपुं०) हजार; दश सौ ।

ਸਕਣਾ सक्णा Sakṇā [3] **अक० क्रि०**
शक्नोति (स्वादि अक०) सकना, समर्थ होना ।

ਸ਼ਕਤ शकत् Śakat [1] **स्त्री०**
शक्ति (स्त्री०) शक्ति, सामर्थ्य, जोर ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਕਤਾ सक्ता Saktā [3] वि०
शक्त (वि०) शक्त, सामर्थ्ययुक्त, समर्थ ।

ਸ਼ਕਤੀ शक्ती Śaktī [3] स्त्री०
शक्ति (स्त्री०) शक्ति, बल; प्रभाव ।

ਸਕਨਾ सक्ना Saknā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਸਕਣਾ ।

ਸਕਾ सका Sakā [3] पुं०
स्वक (सर्व०) सगा, आत्मीय, स्वकीय ।

ਸਕਾਰਥ सकारथ् Sakārath [3] वि०
सार्थक (वि०) सार्थक, सफल ।

ਸਕੀਆ सकीआ Sakīā [1] पुं०
सापत्न (वि०) सौत का पुत्र ।

ਸਕੁੱਤਰ सकुत्तर् Sakuttar [1] पुं०
सपत्नीपुत्र (पुं०) सौतेला पुत्र ।

ਸਕੇਲਾ सकेला Sakelā [1] स्त्री०
शङ्कुला (स्त्री०) सरौता, जो सुपाड़ी काटने के काम आता है ।

ਸਕੰਧ सकन्ध् Sakandh [3] पुं०
स्कन्ध (पुं०) कन्धा; ग्रन्थ का भाग ।

ਸੱਕ सक्क Sakk [3] पुं०
शल्क (नपुं०) छाल; खण्ड ।

ਸ਼ੱਕ शक्क् Śakk [3] वि०
शक्य (वि०) सामर्थ्य के अनुकूल; करने योग्य ।

ਸੱਕਰ सक्कर् Sakkar [2] स्त्री०
द्र०—ਸ਼ੱਕਰ ।

ਸ਼ੱਕਰ शक्कर् Śakkar [3] स्त्री०
शर्करा (स्त्री०) शक्कर, चीनी, खांड़ ।

ਸੱਕੜ सक्कड़् Sakkaṛ [2] पुं०
द्र०—ਸੱਕ ।

ਸੱਕਾ सक्का Sakkā [1] पुं०
द्र०—ਸਕਾ ।

ਸੱਕੀ सक्की Sakkī [3] वि०
शङ्किन् (वि०) शंका करनेवाला, संशयी, सन्देही ।

ਸਖਾ सखा Sakhā [3] पुं०
सखि (पुं०) मित्र, साथी ।

ਸਖੀ सखी Sakhī [3] स्त्री०
सखी (स्त्री०) सहेली, साथिन ।

ਸਖੋਪਤ सखोपत् Sakhopat [1] स्त्री०
सुषुप्ति (स्त्री०) सुषुप्ति, प्रगाढ़ निद्रा ।

ਸੱਖਣਾ सक्खणा Sakkhṇā [3] वि०
(स)क्षीण (वि०) खाली; दुर्बल ।

ਸਗਨ सगन् Sagan [1] पुं०
शकुन (नपुं०) शकुन, सगुन ।

ਸ਼ਗਨ शगन् Śagan [3] पुं०
शकुन (नपुं०) सगुन, लक्षण ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਗਲ सगल् Sagal [3] वि०
सकल (वि०) समग्र, सम्पूर्ण ।

ਸਗਲਾ सग्ला Saglā [2] वि०
सकल (वि०) सकल, समस्त, सारा ।

ਸਗਾਈ सगाई Sagāī [3] स्त्री०
स्वकीयता (स्त्री०) सगाई, विवाह से पूर्व की एक रीति, वर-रक्षा, सम्बन्ध, रिश्ता ।

ਸਗੂੜ੍ਹ सगूढ़् Sagūṛh [3] वि०
सुगूढ (वि०) गुप्त; गड़ा हुआ; गुच्छा; प्रगाढ़ ।

ਸਗੋਚਾ सगोचा Sagocā [1] पुं०
संकोच (पुं०) संकोच, झिझक, शर्म; सिमटने का भाव ।

ਸਚਾਈ सचाई Sacāī [3] स्त्री०
सत्यता (स्त्री०) सत्य, सच्चाई ।

ਸਚਾਵਾ सचावा Sacāvā [3] वि०
सत्य (वि०) सच्चा, सत्यवादी ।

ਸਚਿਆਈ सच्याई Sacyāī [3] स्त्री०
सत्यता (स्त्री०) सत्यता, सच्चाई, सच्चापन ।

ਸਚਿਆਰ सच्यार Sacyār [3] पुं०
सत्यकार (पुं०) सच्चा आदमी; ज्ञानी ।

ਸਚਿਵ सचिव् Sacīv [3] पुं०
सचिव (पुं०) मन्त्री, सलाहकार ।

ਸੱਚ सच्च् Sacc [3] पुं०
सत्य (नपुं०) सच, सत्य ।

ਸੱਚਾ[1] सच्चा Saccā [3] वि०
सत्य (वि०) सच्चा, सत्यवादी ।

ਸੱਚਾ[2] सच्चा Saccā [3] पुं०
सञ्चक (नपुं०) साँचा, जिससे ईंट आदि गढ़ी जाती है ।

ਸਜੱਗ सजग्ग् Sajagg [3] वि०
सजागर (वि०) जागरण सहित; सावधान, जागरूक ।

ਸਜਾਉਣਾ सजाउणा Sajāuṇā [3] सक० क्रि०
सज्जयति (भ्वादि प्रेर०) सजाना, सज्जित करना ।

ਸਜੀਵ सजीव् Sjīv [3] वि०
सजीव (वि०) जीव सहित, चेतन ।

ਸੱਜਣ सज्जण् Sajjaṇ [3] पुं०
सज्जन (पुं०) सज्जन, भला आदमी ।

ਸੱਜਣਾਈ सज्जणाई, Sajjaṇāī [3] स्त्री०
सज्जनता (स्त्री०) सज्जनता, नेकी ।

ਸੱਜਨ सज्जन् Sajjan [3] पुं०
सज्जन (पुं०) भला आदमी, नेक जन ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੱਜਨਤਾ सज्जन्ता Sajjantā [3] स्त्री०
सज्जनता (स्त्री०) साधुता, नेकी, भलाई।

ਸੱਜਰ सज्जर् Sajjar [3] अ०
सद्यः (अ०) ताजा; तत्काल।

ਸੱਜਰਾ सज्जरा Sajjrā [3] वि०
द्र०—ਸੱਜਰ।

ਸੱਜਾ[1] सज्जा Sajjā [3] पुं०
सव्येतर (वि०) दायाँ, दाहिना।

ਸੱਜਾ[2] सज्जा Sajjā [3] स्त्री०
शय्या (स्त्री०) सेज, पलंग।

ਸੱਜੀ सज्जी Sajjī [3] स्त्री०
सर्जि (स्त्री०) सज्जी, क्षार विशेष।

ਸੱਟਣਾ सट्टणा Saṭṭṇā [2] अक० क्रि०
द्र०—ਸੁੱਟਣਾ।

ਸੱਠ सट्ठ् Saṭṭh [3] वि०
षष्टि (स्त्री०) साठ, 60।

ਸ਼ਠ शठ् Śaṭh [3] वि०
शठ (वि०) धूर्त; शरारती; झूठा।

ਸੱਠਣਾ सट्ठणा Saṭṭhṇā [3] प्रेर० क्रि०
श्लेषयति (दिवादि प्रेर०) जोड़ना, मिलाना; चिपकाना।

ਸੱਠੀ सट्ठी Saṭṭhī [3] स्त्री०
षष्टिका (स्त्री०) साठी-धान; साठ दिन में पकने वाली फसल; मक्का, मकई।

ਸੱਠੀਰਾਤ सट्ठीरात् Saṭṭhīrāt [3] स्त्री०
षष्ठी रात्रि (स्त्री०) बच्चा पैदा होने के बाद की छठवीं रात, छठी।

ਸਣ सण् Saṇ [3] स्त्री०
सण/शण (पुं०) सन, सनई।

ਸਤਸੰਗ सत्संग् Satsaṅg [3] पुं०
सत्सङ्ग (पुं०) सज्जनों की संगति, भले लोगों की संगति।

ਸ਼ਤਕ शतक् Śatak [3] पुं०
शतक (नपुं०) सौ का समूह।

ਸਤਕਾਰ सत्कार् Satkār [3] पुं०
सत्कार (पुं०) सम्मान, आदर, स्वागत।

ਸਤਗੁਰ सत्गुर् Satgur [3] पुं०
सद्गुरु (पुं०) सद्गुरु, सच्चा गुरु; परमात्मा।

ਸਤਜੁਗ सत्जुग् Satjug [3] पुं०
सत्ययुग (नपुं०) सत् युग, चारों युगों में से पहला युग।

ਸਤਣਾ सत्णा Satṇā [3] अक० क्रि०
संतपति (भ्वादि अक०) संतप्त होना; परेशान होना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਤੱਤਰ सतत्तर् Satattar [3] वि०
सप्तसप्तति (स्त्री०) सतहत्तर, 77 ।

ਸਤਨਾਜਾ सत्नाजा Satnājā [3] पुं०
सप्तान्न (नपुं०) सात प्रकार के अन्न ।

ਸਤਪੁਰਖ सत्पुरख् Satpurakh [3] पुं०
सत्पुरुष (पुं०) सत्पुरुष, सज्जन, श्रेष्ठ पुरुष; ईश्वर भक्त ।

ਸਤਬਚਨ सत्बचन् Satbacan [3] पुं०
सद्वचन (नपुं०) बिल्कुल सच बात, सत्य वचन; शिक्षा की बात ।

ਸਤਮਾਹਾ सत्माहा Satmāhā [3] पुं०
सप्तमास (वि०) सात मास का, सत-मासा बच्चा आदि ।

ਸਤਵਾਂ सत्वाँ Satvā̃ [3] पुं०
सप्तम (वि०) सातवाँ ।

ਸਤਵੰਜਾ सत्वञ्जा Satvañjā [3] वि०
सप्तपञ्चाशत् (स्त्री०) सत्तावन; 57 ।

ਸਤਾਉਣਾ सताउणा Saṭāuṇā [3] सक० क्रि०
सन्तापयति (भ्वादि प्रेर०) सताना, सन्ताप देना, दुःखी करना ।

ਸਤਾਈ सताई Satāī [3] वि०
सप्तविंशति (स्त्री०) सताईस; 27 ।

ਸਤਾਸੀ सतासी Satāsī [3] वि०
सप्ताशीति (स्त्री०) सत्तासी; 87 ।

ਸਤਾਹਟ सताहट् Satāhaṭ [3] वि०
सप्तषष्टि (स्त्री०) सड़सठ, 67 ।

ਸਤਾਨਵੇਂ[1] सतान्वें Satānvē [3] वि०
सप्तनवतितम (वि०) सत्तानवेवाँ, 97वाँ ।

ਸਤਾਨਵੇਂ[2] सतान्वें Satānvē [3] वि०
सप्तनवति (स्त्री०) सत्तानवे, 97 ।

ਸਤਾਰਾਂ सताराँ Satarā̃ [3] वि०
सप्तदशन् (वि०) सत्रह, 17 ।

ਸਤਿ सत् Sat [3] पुं०
सत्य (नपुं०) सत्य, सच ।

ਸਤਿਗੁਰੂ सत्-गुरू Sat-gurū [3] पुं०
सद्गुरु (पुं०) सद्गुरु, उत्तम गुरु ।

ਸਤੋਗੁਣ सतोगुण् Satoguṇ [3] पुं०
सत्त्वगुण (पुं०) सत्त्व गुण, तीनों गुणों में से एक ।

ਸਤੋਤਰ सतोतर् Satotar [3] पुं०
स्तोत्र (नपुं०) स्तोत्र, स्तुति वाक्य ।

ਸਤੋਨਾ सतोना Satonā [1] पुं०
द्र०—ਸਤਨਾਜਾ ।

ਸਤੌਣਾ सतौणा Sataunā [1] वि०
शतगुण (वि०) सौ गुना, शत गुना ।

ਸਤੌਨਾ सतौना Sataunā [1] वि०
द्र०—ਸਤੌਣਾ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਤੰਭ सतम्भ् Satambh [3] पुं०
स्तम्भ (पुं०) खम्भा; रुकने की क्रिया, स्तम्भन।

ਸੱਤ सत्त् Satt [3] वि०
सप्तन् (वि०) सात; 7।

ਸੱਤਗੁਣਾ सत्त्-गुणा Satt-guṇā [3] वि०
सप्तगुणक (वि०) सात-गुना।

ਸੱਤਮੀ सत्त्मी Sattmī [3] स्त्री०
सप्तमी (स्त्री०) सप्तमी, सातवीं।

ਸੱਤਰ सत्तर् Sattar [3] वि०
सप्तति (स्त्री०) सत्तर; 70।

ਸੱਤਵਾਂ सत्त्वां Sattvā̃ [3] पुं०
सप्तम (वि०) सातवां।

ਸੱਤਵੀਂ सत्त्वीं Sattvī̃ [3] स्त्री०
सप्तमी (स्त्री०) सप्तमी तिथि; सातवीं।

ਸੱਤਾ[1] सत्ता Sattā [3] स्त्री०
सत्ता (स्त्री०) सत्ता, विद्यमानता।

ਸੱਤਾ[2] सत्ता Sattā [3] पुं०
सप्तन् (नपुं०) सात संख्या, 7।

ਸੱਤਿਆ सत्त्या Sattyā [3] स्त्री०
सत्त्व (नपुं०) शक्ति, ताकत।

ਸੱਤੂ सत्तू Sattū [3] पुं०
सक्तु (पुं०) सत्तू, भुने चने या जौ का चूर्ण।

ਸੱਤੇਂ सत्तें Sattē [3] स्त्री०
द्र०—ਸੱਤਮੀ।

ਸਤ੍ਰੂਘਨ सत्रुघन् Satrughan [3] वि०/पुं०
शत्रुघ्न (वि०/पुं०) वि०—शत्रुओं को मारने वाला। पुं०—लक्ष्मण का छोटा भाई।

ਸਥਲ सथल् Sathal [3] पुं०
स्थल (नपुं०) भूमि, जमीन, जगह।

ਸਥਾਈ सथाई Sathāī [3] वि०
स्थायिन् (वि०) दीर्घकाल तक स्थित रहने वाला, अचल।

ਸਥਾਈ-ਭਾਵ सथाई-भाव् Sathāī-Bhāv [3] पुं०
स्थायिभाव (पुं०) रति-हास आदि काव्य के नव रसों के उपादान।

ਸਥਾਨ सथान् Sathān [3] पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान; आश्रय, ठिकाना।

ਸਥਾਨੀ सथानी Sathānī [1] वि०
स्थानिन् (वि०) स्थान वाला, किसी स्थान से जिसका संबंध हो वह।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਥਾਰ सथार्, Sathār [1] पुं०
संहार (पुं०) संहार, काटकर ढेर लगाने का भाव।

ਸਥਾਵਰ सथावर् Sathāvar [3] वि०
स्थावर (वि०) स्थिर, अचल।

ਸਥਿਤ सथित् Sathit [3] वि०
स्थित (वि०) विद्यमान; दृढ़, अचल।

ਸਥਿਤਿ सथिति Sathiti [3] स्त्री०
स्थिति (स्त्री०) विद्यमानता; परिस्थिति, अवस्था, दशा।

ਸਥਿਰ सथिर् Sathir [3] वि०
स्थिर (वि०) अचल, गतिहीन, स्थायी।

ਸਥਿਰਤਾਈ सथिर्ताई Sathirtāī [3] स्त्री०
स्थिरता (स्त्री०) स्थिरता, स्थैर्य।

ਸਥੂਲ सथूल् Sathūl [3] वि०
स्थूल (वि०) मोटा, बड़े आकार का; तुन्दिल, बड़ा पेट वाला।

ਸਥੰਭ सथम्भ् Sathambh [1] पुं०
स्तम्भ (पुं०) खम्भा, थूना; रुक जाने की क्रिया, स्तम्भन।

ਸੱਥ सत्थ् Satth [3] स्त्री०
सधस्थ (नपुं०) साथ बैठना, गाँव के लोगों का एक जगह एकत्र होना।

ਸੱਥਰ सत्थर् Satthar [3] पुं०
स्रस्तर (पुं०) कुशा का आसन, चटाई, तरई।

ਸੱਥਰਾ सत्थ्रा Satthrā [3] पुं०
शस्त्र (नपुं०) बढई का लकड़ी काटने का औजार, वसूला या रुखानी।

ਸੱਥਰੀ सत्थ्री Satthrī [3] स्त्री०
द्र०—ਸੱਥਰਾ।

ਸਦ सद् Sad [1] अ०
सदा (अ०) हमेशा, निरन्तर, नित्य।

ਸਦਗੁਣ सद्गुण् Sadguṇ [3] पुं०
सद्गुण (पुं०) सद्गुण, अच्छे गुण।

ਸਦਾ सदा Sadā [3] अ०
सदा (अ०) सदा, निरन्तर।

ਸਦਾਉਣਾ सदाउणा Sadāuṇā [3] सक० क्रि०
शब्दाययति (चुरादि सक०) बुलवाना, बुलावा भेजना।

ਸਦੀ सदी Sadī [3] स्त्री०
शती (स्त्री०) शती, शताब्दी।

ਸਦੀਵ सदीव् Sdīv [3] अ०
सदैव (अ०) सदैव, सदा ही।

ਸੱਦ सद्द् Sadd 3] पुं०
शब्द (पुं०) पुकार, बोल; काव्य विशेष।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੱਦਣਹਾਰ सद्दण्हार् Saddaṇhār [3] पुं०
शब्दकार (वि०) बुलाने वाला।

ਸੱਦਣਹਾਰਾ सद्दण्हारा Saddaṇhārā [3] पुं०
द्र०—ਸੱਦਵਹਾਰ।

ਸੱਦਣਾ सद्दणा Saddṇā [3] वि०
शब्दायते (नाम० अक०/सक०) अक०—शब्द करना। सक०—आवाज देना, बुलाना।

ਸੱਦਾ सद्दा Saddā [3] पुं०
शब्द (पुं०) निमन्त्रण, बुलावा।

ਸਧਰਨਾ सधर्ना Sadharnā [3] पुं०
संहरण (नपुं०) संहार, नाश।

ਸਧਾ सधा Sadhā [3] स्त्री०
सुधा (स्त्री०) अमृत; चूना, कली।

ਸਧਾਰ सधार् Sadhār [3] वि०
साधार (वि०) आधार सहित, सप्रमाण।

ਸਧਾਰਣ सधारण् Sadhāraṇ [3] वि०
साधारण (वि०) साधारण, सामान्य।

ਸਧਾਰਨ सधारन्, Sadhāran [3] वि०
द्र०—ਸਧਾਰਣ।

ਸਨੱਧ सनद्ध् Sanaddh [1] वि०
सन्नद्ध (वि०) अच्छी तरह बँधा हुआ; सज्जित, तैयार (विशेषतया युद्ध के लिये)।

ਸਨਬੰਧ सन्बन्ध Sanbandh [1] पुं०
संबन्ध (पुं०) संबन्ध, योग, रिश्ता।

ਸਨਮਾਨ सन्मान् Sanmān [3] पुं०
सम्मान (पुं०) आदर, सत्कार।

ਸਨਮਾਨਣਾ सन्मान्णा Sanmānṇā [2] सक० क्रि०
सन्मानयति (चुरादि सक०) संमानित करना, आदर करना।

ਸਨਮੁਖ सन्मुख् Sanmukh [3] क्रि० वि०
सम्मुख (क्रि० वि०) सामने, समक्ष।

ਸਨਾਸੀ सनासी Snāsī [2] पुं०
संन्यासिन् (पुं०) संन्यासी, संन्यास लिया हुआ साधु।

ਸਨਾਥਾ सनाथा Sanāthā [3] पुं०
सनाथ (वि०) नाथ सहित; मालिक वाला, स्वामि-युक्त।

ਸਨਾਨ सनान् Snān [3] पुं०
स्नान (नपुं०) स्नान, नहाने का भाव।

ਸਨਿਆਸ सन्यास् Sanyās [2] पुं०
संन्यास (पुं०) वैराग्य, प्रव्रजन, सब का त्याग।

ਸਨਿਸਚਰ सनिस्चर् Saniscar [3] पुं०
द्र०—ਸਨਿੱਚਰ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਨਿਗਧ सनिगध् Sanigadh [3] वि०
स्निग्ध (वि०) चिकना, स्नेहवान्; कोमल।

ਸਨਿੱਚਰ सनिच्चर् Saniccar [3] पुं०
शनैश्चर (पुं०) शनि, शनिश्चर; क्रूर-व्यक्ति।

ਸਨੂੰਖਾ सनूखा Sanūkhā [1] स्त्री०
स्नुषा (स्त्री०) पुत्र की पत्नी, पुत्र-वधू।

ਸਨੇ-ਸਨੇ सने-सने Sane-Sane [3] क्रि० वि०
शनैः शनैः (अ०) शनैः शनैः, धीरे-धीरे।

ਸਨੇਹ सनेह् Saneh [3] पुं०
स्नेह (पुं०) प्रेम; तेल।

ਸਨੇਹਾ सनेहा Sanehā [3] पुं०
सन्देश (पुं०) सन्देश, समाचार; सूचना।

ਸਨੇਹੀ सनेही Sanehī [3] पुं०
स्नेहिन् (वि०) स्नेही, प्रेमी।

ਸਨੇਤ सनेत् Sanet [3] वि०
सन्निहित (वि०) उपस्थित, पास में स्थित, मौजूद।

ਸਨੰਦ सनंद् Sanand [1] पुं०
सनन्दन (वि०) पुत्र सहित; पुत्र वाला।

ਸਪ[1] सप् Sap [1] सक० क्रि०
शपते (भ्वादि सक०) शाप देना, गाली देना।

ਸਪ[2] सप् Sap [1] पुं०
सप (पुं०) लिङ्ग, पुरुष जननेन्द्रिय।

ਸਪਸਟ सपस्ट् Sapast [3] वि०
स्पष्ट (वि०) स्पष्ट, व्यक्त; जाहिर, प्रकट।

ਸਪਤ[1] सपत् Sapat [2] स्त्री०
शपथ (पुं०) सौगन्ध, कसम।

ਸਪਤ[2] सपत Sapat [3] वि०
सप्तन् (वि०) सात; 7।

ਸਪਤਸ੍ਰਿੰਗ सपत्स्रिंग् Sapatsriṅg [3] पुं०
शतशृङ्ग (पुं०) हेमकूट पर्वत; नासिक जिले के चान्दरे की पर्वत चोटी।

ਸਪਤਕ सप्तक् Saptak [3] पुं०
सप्तक (वि०) सात का समुदाय; स्वर-सप्तक।

ਸਪਤਰਿਸੀ सपत्रिसी Sapatrisī [3] पुं०
सप्तर्षि (पुं०) सप्तर्षि मण्डल जिसमें मरीचि, अत्रि, पुलह, पुलस्त, क्रतु, अंगिरा और वशिष्ठ ये सात ऋषि आते हैं।

ਸਪਰਸ਼ सपर्श् Saparś [3] पुं०
स्पर्श (पुं०) स्पर्श, छूने का भाव।

ਸਪਰਧਾ सपर्धा Sapardhā [3] स्त्री०
स्पर्द्धा (स्त्री०) ईर्ष्या, डाह, जलन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਪੁੱਤ सपुत्त् Saputt [3] पुं०
सुपुत्र (पुं०) सुपुत्र, भला पुत्र।

ਸਪੁੱਤੀ सपुत्ती Saputtī [3] स्त्री०
सपुत्रा (स्त्री०) पुत्रों वाली स्त्री।

ਸਪੋਲੀਆ सपोल्या Sapolyā [3] पुं०
सर्पपोतक (पुं०) सांप का छोटा बच्चा।

ਸੱਪ सप्प् Sapp [3] पुं०
सर्प (पुं०) साँप।

ਸੱਪਕੁੰਜ सप्पकुंज Sappkuñj [3] स्त्री०
सर्पकञ्चुक (पुं०) साँप की केंचुली।

ਸੱਪਣੀ सप्पणी Sappaṇī [3] स्त्री०
सर्पिणी (स्त्री०) साँपिन, सर्पिणी।

ਸਫਟਕ सफ्टक् Saphṭak [3] पुं०
स्फटिक (पुं०) स्फटिक मणि, सूर्यकान्त मणि, बिल्लौर पत्थर।

ਸਫਟਿਕ सफ्टिक् Saphṭik [3] पुं०
स्फटिक (पुं०) स्फटिक, फटिक, सूर्यकान्त मणि।

ਸਫਲ सफल् Saphal [3] वि०
सफल (वि०) फल सहित; सार्थक।

ਸਫਾਲ सफाल् Saphāl [2] पुं०
स्फाल (पुं०) स्फूर्ति, स्फुरित होने का भाव।

ਸਫੁਟ सफुट् Saphuṭ [3] वि०
स्फुट (वि०) प्रकट, जाहिर, स्पष्ट।

ਸਫੋਟਕ सफोटक् Saphoṭak [3] पुं०
स्फोटक (नपुं०) फोड़ा, फुन्सी।

ਸਫੋਟਨ सफोटन् Saphoṭan [3] पुं०
स्फोटन (नपुं०) फोड़ने का भाव, भेदन।

ਸਬ सब् Sab [2] वि०
सर्व (सर्व०) सब, तमाम।

ਸਬਦ सबद् Sabad [3] पुं०
शब्द (पुं०) शब्द, वर्ण; ध्वनि, आवाज।

ਸ਼ਬਦ-ਕੋਸ਼ शबद् कोश् Śabadkoś [3] पुं०
शब्दकोश (पुं०) शब्दकोश, शब्दों का कोश, जिसमें शब्दों का अर्थ आदि निरूपित रहता है।

ਸਬਲੀ सब्ली Sablī [3] स्त्री०
शबली (स्त्री०) चितकबरी गौ; कामधेनु।

ਸਬੇਰ सबेर् Saber [2] स्त्री०
सुवेला (स्त्री०) प्रातः समय, अमृत वेला।

ਸਬੇਰਾ सबेरा Saberā [3] स्त्री०
द्र०—ਸਬੇਰ।

ਸੱਬਲ सब्बल् Sabbal [3] स्त्री०
सर्वला (स्त्री०) सब्बल, लौह-दण्ड।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਭ सभ् Sabh [3] सर्व०
सर्व (सर्व०) सब, तमाम ।

ਸਭਾ सभा Sabhā [3] पुं०
सभा (स्त्री०) सभा, जहाँ सभ्य लोग उपस्थित हों ।

ਸੱਭ सब्भ् Sabbh [2] वि०
सभ्य (वि०) सभ्य, शिक्षित; समझदार ।

ਸੱਭਤਾ सब्भता Sabbhatā [3] स्त्री०
सभ्यता (स्त्री०) सभ्यता, सभ्य का भाव या धर्म ।

ਸੱਭੇ सब्भे Sabbhe [2] सर्व०
द्र०—ਸਭ ।

ਸਮ सम् Sam [3] अ०
शम् (अ०) कल्याण, मङ्गल; सुख; शान्ति ।

ਸਮਸਤ समसत् Samsat [3] वि०
समस्त (वि०) सब, तमाम, सम्पूर्ण ।

ਸਮਸਰ समसर् Samsar [3] वि०
सदृश् (वि०) समान, तरह, तुल्य ।

ਸਮਸਾਨ समसान् Samsān [3] पुं०
श्मशान (नपुं०) श्मशान जहाँ मुर्दे जलाये जाते हों या दफनायें जाते हों, मरघट, मुर्दासराय ।

ਸਮੱਖ समक्ख् Samakkh [3] क्रि० वि०
समक्षम् (क्रि० वि०) आँखों के सामने, प्रत्यक्ष ।

ਸਮਗ੍ਰੀ समग्री Samagrī [3] स्त्री०
सामग्री (स्त्री०) वस्तु, सामान, असबाब ।

ਸਮਜ समज् Samaj [3] पुं०
समज (पुं०) पशुओं का समूह या झुण्ड ।

ਸਮਝ समझ Samajh [3] स्त्री०
सम्बोध (पुं०) पूर्ण ज्ञान, सम्यक् ज्ञान ।

ਸਮਝਣਾ समझ्णा Samajhṇā [3] सक० क्रि०
सम्बुद्ध्यते (दिवादि सक०) समझना, जानना ।

ਸਮਝਾਉਣਾ समझाउणाSamjhāuṇā [3] सक० क्रि०
सम्बोधयति (भ्वादि प्रेर०) सही ज्ञान कराना, सम्यक् ज्ञान कराना ।

ਸਮਤਾ समता Samtā [3] पुं०
समता (नपुं०) समता, समानता, समभाव ।

ਸਮਧਾ समधा Samdhā [1] स्त्री०
समिध् (स्त्री०) हवन की लकड़ी, समिधा ।

ਸਮਧੀ समधी Samdhī [1] पुं०
सम्बन्धिन् (पुं०) रिश्तेदार, कुटुम्ब; वर-वधू का पिता ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਮਰਣ समरण् Samaraṇ [3] पुं०
स्मरण (नपुं०) याद करने का भाव, स्मृति; चिन्तन।

ਸਮਰਥ सम्रथ् Samrath [3] वि०
समर्थ (वि०) सामर्थ्यवान्, शक्तिमान्; योग्य।

ਸਮਰਪਣ समर्पण् Samarpaṇ [3] पुं०
समर्पण (नपुं०) सम्यक् अपर्ण, भेंट, त्याग।

ਸਮਾਉਣਾ समाउणा Samāuṇā [3] अक० क्रि०
समवैति (अदादि अक०) समा जाना, समाना, अटना।

ਸਮਾਹਰ समाहर् Samāhar [1] पुं०
समाहार (पुं०) संग्रह, जमाव; एक समास।

ਸਮਾਹਰਾ समाह्रा Samāhrā [1] वि०
समाहृत (वि०) जमा किया हुआ, संकलित, संगृहीत।

ਸਮਾਗ समाग् Samāg [1] पुं०
समागम (पुं०) मेल-मिलाप, संयोग; आगमन; मैथुन।

ਸਮਾਗਾ समागा Samāgā [1] वि०
समागत (वि०) प्राप्त हुआ; मिला हुआ।

ਸਮਾਚੀ समाची Samācī [3] वि०
समीचीन (वि०) योग्य, ठीक; पूर्ण।

ਸਮਾਧ समाध् Samādh [3] स्त्री०
समाधि (पुं०) मन की एकाग्रता, उपास्य में अन्तःकरण का लीन होना; एक पौराणिक वैश्य का नाम।

ਸਮਾਪਤ समापत् Samāpat [3] वि०
समाप्त (वि०) खत्म हुआ; अच्छी तरह पहुँचा हुआ।

ਸਮਾਪਤੀ समाप्ती Samāptī [3] स्त्री०
समाप्ति (स्त्री०) समाप्त होने का भाव; सम्यक् प्राप्ति; भोग।

ਸਮਾਰ समार् Samār [3] पुं०
स्मार (पुं०) चिन्तन, स्मरण।

ਸਮਾਰਤ समारत् Samārat [1] वि०
स्मार्त्त (वि०) स्मृति से संबन्धित; स्मृति में उपदिष्ट धर्म।

ਸਮਿਤ समित् Samit [1] वि०
स्मित (वि०) हास युक्त, मुस्कान से युक्त।

ਸਮਿਤੀ समिती Samitī [3] स्त्री०
समिति (स्त्री०) सभा, मण्डली; मेल-मिलाप; युद्ध; माप सहित।

ਸਮੀਤਾ समीता Samītā [1] वि०
समवेत (वि०) समाया हुआ, मिला हुआ, अभिन्न।

ਸਮੀਪਤ समीपत् Samīpat [3] वि०
समीपतर (वि०) अधिक समीप।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਮੀਲਾ समीला Samīlā [3] वि०
सम्मिलित (वि०) मिला हुआ, सम्मिलित।

ਸਮੁਹ समुह् Samuh [1] क्रि० वि०
सम्मुखम् (क्रि० वि०) सामने, नजदीक।

ਸਮੁਖ समुख् Samukh [2] क्रि० वि०
द्र०—ਸਮੁਹ।

ਸਮੁਚਾ समुचा Smucā [3] पुं०
समुच्चय (पुं०) समूह, समुदाय; सम्पूर्ण।

ਸਮੁੱਚਾ समुच्चा Samuccā [3] वि०
समुच्चय (पुं०) समूचा, सारा; समुदाय, ढेर।

ਸਮੁੱਛਤ समुच्छत् Samucchat [2] वि०
समुच्छ्रित (वि०) बढ़ा हुआ; ऊँचा।

ਸਮੁੰਦ समुन्द् Samund [3] पुं०
समुद्र (पुं०) समुद्र, सागर।

ਸਮੁੰਦਰ समुन्दर् Samundar [3] पुं०
समुद्र (पुं०) समुद्र, सागर।

ਸਮੁੰਦ समुन्द्री Samundrī [3] वि०
समुद्रीय (वि०) समुद्र-सम्बन्धी।

ਸਮੁਦਾਇ समुदाइ Samudāi [3] पुं०
समुदाय (पुं०) समूह, झुण्ड; युद्ध; उन्नति, प्रगति।

ਸਮੁਦ੍ਰਿਕ समुद्रिक् Samudrik [3] पुं०
सामुद्रिक (नपुं०) समुद्र ऋषि द्वारा प्रचारित विद्या, हस्तरेखा-विज्ञान, विज्ञान, सामुद्रिक शास्त्र।

ਸਮੁਧਰਿਆ समुधर्या Samudharyā [2] वि०
समुद्धृत (वि०) उद्धार किया हुआ, निकाला हुआ; मुक्त; उदाहृत।

ਸਮੂਹਕ समूहक् Samūhak [3] वि०
सामूहिक (वि०) सामूहिक, समूह सम्बन्धी।

ਸਮੂਚਾ समूचा Samūcā [2] पुं०
द्र०—ਸਮੁਚਾ।

ਸਮੂਰਤ समूरत् Samūrat [1] पुं०
सुमुहूर्त (नपुं०) शुभ मुहूर्त, शुभ लग्न।

ਸਮੂਲਚਾ समूल्चा Samūlcā [3] वि०
समूल (वि०) समूल, मूल सहित, जड़ के साथ।

ਸਮੇਉ समेउ Sameu [1] वि०
द्र०—ਸਮਾਉਣਾ।

ਸਮੇਹ समेह् Sameh [3] वि०
समेघ (वि०) मेघ सहित, वर्षा के साथ।

ਸਮੇਟਣਾ समेट्णा Sameṭṇā [3] सक० क्रि०
संवेष्टते (भ्वादि सक०) समेटना, बटोरना; बाँधना।

ਸਮੇਤ समेत् Samet [3] वि०
समेत (वि०) युक्त; साथ आया हुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਮੇਰ समेर् Samer [2] पुं०
सुमेरु (पुं०) सुमेरु-पर्वत ।

ਸਮੈ समै Samai [3] पुं०
समय (पुं०) समय, वेला ।

ਸਮੋਣਾ[1] समोणा Samoṇā [3] सक० क्रि०
संवपति (भ्वादि सक०) मिलाना, आत्मसात् करना ।

ਸਮੋਣਾ[2] समोणा Samoṇā [3] प्रेर० क्रि०
सीवयति (भ्वादि प्रेर०) सिलाना, सीने का काम कराना ।

ਸਮੋਧ समोध् Samodh [1] पुं०
सम्बोध (पुं०) सम्यक् ज्ञान, अच्छा ज्ञान ।

ਸਮ੍ਹਾਲਨਾ सम्हाल्ना, Samhālnā [1] सक० क्रि०
द्र०— ਸੰਭਾਲਣਾ ।

ਸਯੰਦਨ सयन्दन् Sayandan [1] पुं०
स्यन्दन (पुं०/नपुं०) पुं०—रथ । नपुं०—टपकाव, बहाव ।

ਸਰ[1] सर् Sar [3] पुं०
सरस् (नपुं०) सरोवर, तालाब ।

ਸਰ[2] सर् Sar [3] पुं०
शर (पुं०) सरपत, सरकण्डा ।

ਸਰਸਪ सर्सप् Sarsap [1] पुं०
सर्षप (पुं०) सरसों ।

ਸਰਸੌ सर्सौ Sarsau [2] वि०
सरस (वि०) रसदार, रसीला ।

ਸਰਕਣ सर्कण् Sarkaṇ [3] पुं०
सर्पण (नपुं०) सरकन, सरकने का भाव, खिसकाव ।

ਸਰਕਣਾ[1] सर्कणा Sarkaṇā [3] अक० क्रि०
सरति (भ्वादि सक०) सरकना, खिसकना ।

ਸਰਕਣਾ[2] सर्कणा Sarkaṇā [3] अक० क्रि०
सर्पति (भ्वादि सक०) सरकना, खिसकना, धीरे-धीरे चलना ।

ਸਰਕੜਾ सर्कड़ा Sarkaṛā [3] पुं०
शरकाण्ड (पुं०, नपुं०) सरकण्डा, सरपत ।

ਸਰਕਾਉਣਾ सर्काउणा Sarkāuṇā [3] सक० क्रि०
सारयति (भ्वादि प्रेर०) सरकाना, खिसकाना ।

ਸਰਕਾਨ सर्कान् Sarkān [1] पुं०
द्र०—ਸਰਕੜਾ ।

ਸਰਗ सरग् Sarag [3] पुं०
सर्ग (पुं०) त्याग; अध्याय; सृष्टि, उत्पत्ति; जगत्; जलस्रोत; प्रकृति ।

ਸਰਗੁਣ सर्गुण् Sarguṇ [3] पुं०
सगुण (पुं०) सगुण ब्रह्म, ईश्वर ।

ਸਰਜੀ सर्जीउ Sarjīu [3] वि०
सजीव (वि०) जीव सहित, प्राणधारी ।

ਸਰਜੀਵਨ सर्जीवन् Sarjīvan [1] पुं०
संजीवन (वि०) जीवन देने वाला, जीवनदायक ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਰਜੀਵਨਬੂਟੀ सर्जीवन्बूटी Sarjīvanbūṭī [1] **स्त्री०**
संजीवनवटी (स्त्री०) संजीवन-बूटी ।

ਸਰਜੀਵਨੀ सर्जीवनी Sarjīvanī [1] **स्त्री०**
संजीवनी (स्त्री०) संजीवनी, जीवन-दायिनी ।

ਸਰਜੂ सर्जू Sarjū [3] **स्त्री०**
सरयू (स्त्री०) सरयू नदी ।

ਸਰਟ सरट् Sarat [3] **पुं०**
शरट (पुं०) गिरगिट ।

ਸਰਣਾਈ सर्णाई Sarṇāī [3] **वि०**
शरणागत (वि०) शरण में आया हुआ ।

ਸਰਦੂਲ सर्दूल् Sardūl [3] **पुं०**
शार्दूल (पुं०) सिंह, बब्बर शेर ।

ਸਰਧਿ सर्धि Sardhi [1] **वि०**
श्रद्धेय (वि०) श्रद्धा के योग्य, उपास्य ।

ਸਰਨ सरन् Saran [1] **स्त्री०**
शरणि (स्त्री०) पक्षाघात; पशु की टाँग में एक प्रकार का दोष ।

ਸ਼ਰਨ शरन् Śaran [3] **पुं०**
शरण (नपुं०) शरण, आश्रय, घर ।

ਸਰਨਾ सर्ना Sarnā [3] **पुं०**
द्र०—सरन ।

ਸਰਪ सरप् Sarap [3] **पुं०**
सर्प (पुं०) साँप, सर्प ।

ਸਰਬ सरब् Sarab [3] **सर्व०**
सर्व (सर्व०) सब, तमाम ।

ਸਰਬਸ सर्बस् Sarbas [3] **पुं०**
सर्वस्व (नपुं०) सारा धन, सारी विभूति ।

ਸਰਬੱਗ सर्बग्ग् Sarbagg [3] **वि०**
सर्वज्ञ (वि०) सर्वज्ञ, सब कुछ जानने वाला ।

ਸਰਬੱਤ सर्बत्त् Sarbatt [3] **अ०**
सर्वत्र (अ०) सब जगह, सभी स्थानों पर ।

ਸਰਬਥਾ[1] सर्बथा Sarbathā [3] **अ०**
सर्वथा (अ०) सब प्रकार से ।

ਸਰਬਦਾ[2] सर्बदा Sarbadā [3] **अ०**
सर्वदा (अ०) सदा, हमेशा, नित्य ।

ਸਰਬਲੋਹ सरब्लोह् Sarabloh [3] **वि०**
सर्वलौह (वि०) सम्पूर्ण लोहे का ।

ਸਰਬਾਲਾ सर्बाला Sarbālā [3] **पुं०**
सहवर (पुं०) सहबाला, दुल्हे के साथ पालकी में बैठने वाला लड़का ।

ਸਰਬੇਸ सर्बेस् Sarbes [3] **पुं०**
सर्वेश (पुं०) सब का मालिक, सबके स्वामी ।

ਸਰਬੇਸੁਰ सर्बेसुर् Sarbesur [3] **पुं०**
सर्वेश्वर (पुं०) सबका मालिक, सबका स्वामी; भगवान् ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਰਬੰਧ[1] सर्बन्ध् Sarbandh [1] पुं०
सर्गबन्ध (पुं०) सर्गबन्ध, प्रबन्ध, महाकाव्य।

ਸਰਬੰਧ[2] सर्बन्ध् Sarbandh [1] पुं०
संबन्ध (पुं) संबन्ध, योग, रिश्ता।

ਸਰਲ सरल् Saral [3] वि०
सरल (वि०) सरल, सीधा, ऋजु।

ਸਰਵਣ सर्वण् Sarvaṇ [3] पुं०
श्रवण (पुं०) श्रवणकुमार; नेत्रहीन; अन्धक वैश्य ऋषि के पुत्र।

ਸਰਵਰੁ सर्वरु Sarvaru [3] पुं०
सरोवर (पुं०) उत्तम तालाब; ताल, झील।

ਸਰਵਾਹ सर्वाह् Sarvāh [3] स्त्री०
शिरोव्याधि (स्त्री०) शिर की पीड़ा, शिर-दर्द।

ਸਰਾਸ सरास् Sarās [3] पुं०
शरासन (नपुं०) धनुष, कमान।

ਸਰਾਹ सराह् Sarāh [3] स्त्री०
श्लाघा (स्त्री०) प्रशंसा, स्तुति, बड़ाई।

ਸਰਾਹਨ सराहन् Sarāhan [3] पुं०
श्लाघन (नपुं०) प्रशंसा, बड़ाई, स्तुति।

ਸਰਾਹਨਾ सराह्ना Sarāhnā [3] सक० क्रि०
श्लाघते (भ्वादि सक०) बड़ाई करना, सराहना।

ਸਰਾਹੁਣਾ सराहुणा Sarāhuṇā [3] सक० क्रि०
श्लाघते (भ्वादि सक०) सराहना, बड़ाई करना।

ਸਰਾਘਾ सराघा Sarāghā [1] स्त्री०
श्लाघा (स्त्री०) श्लाघा, प्रशंसा, बड़ाई।

ਸਰਾਧ सराध् Sarādh [2] पुं०
श्राद्ध (नपुं०) श्राद्ध, मरणोपरान्त श्राद्ध नाम से अनुष्ठेय कर्म विशेष।

ਸਰਾਪ सराप् Sarāp [3] पुं०
शाप (पुं०) शाप, अभिशाप देने का भाव, दुराशीष।

ਸਰਾਪਣਾ सरापणा Sarāpṇā [3] सक० क्रि०
शपते (भ्वादि सक०) शाप देना।

ਸਰਾਪਿਆ सरापया Sarāpyā [3] वि०
शापित (वि०) अभिशप्त, शाप से युक्त।

ਸਰਿਆ सरिआ Sariā [1] वि०
सज्जित (वि०) रचित, बनाया हुआ, श्रेष्ठ।

ਸਰਿੱਠਾ सरिट्ठा Sariṭṭhā [1] तृतीयान्त
सृष्ट्या (तृतीयान्त) सृष्टि द्वारा, रचना से।

ਸਰੀਂਹ सरींह् Sarīh [3] पुं०
शिरीष (नपुं०) शिरीष पुष्प अथवा वृक्ष।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਸ਼ਰੀਂਹ शरींह् Śarīh [3] पुं०
शिरीष (पुं० / नपुं०) पुं०—शिरीष का पौधा। नपुं०—शिरीष का पुष्प।

ਸਰੀਖ सरीख् Sarīkh [3] वि०
द्र०—ਸਰੀਖਾ।

ਸਰੀਖਾ सरीखा Sarīkhā [3] वि०
सदृक्ष (वि०) सरीखा, सदृश, समान।

ਸਰੀਰ सरीर् Sarīr [3] पुं०
शरीर (नपुं०) शरीर, देह।

ਸਰੀਰਾ सरीरा Sarīrā [3] पुं०
शरीरिन् (पुं०) शरीर वाला, आत्मा, जीवात्मा।

ਸਰੂਪ सरूप् Sarūp [3] पुं०
स्वरूप (नपुं०) स्वरूप, आकार, शक्ल।

ਸਰੂਪੀ सरूपी Sarūpī [3] पुं०
सुरूपिन् (वि०) सुन्दर रूपवाला, खूब सुन्दर।

ਸਰੇਸਟ सरेसट् Saresaṭ [2] वि०
श्रेष्ठ (वि०) उत्तम, प्रशंसनीय।

ਸਰੇਵਣ सरेवण् Sarevaṇ [3] पुं०
संसेवन (नपुं०) उत्तम रीति की सेवा, उपासना।

ਸਰੇਵਤ सरेवत् Sarevat [1] सक० वर्त० क्रि०
संसेवते (भ्वादि सक० लट्) सेवा करता है, उपासना करता है।

ਸਰੋਆ सरोआ Saroā [3] पुं०
स्रुक् (स्त्री०) स्रुवा, जिससे हवन में घी डाला जाता है।

ਸਰੋਤ सरोत् Sarot [3] पुं०
श्रोत्र (नपुं०) कान, कर्णेन्द्रिय।

ਸਰੋਤਾ सरोता Sarotā [2] पुं०
श्रोतृ (श्रोता) (वि०) श्रोता, सुनने वाला।

ਸਰੋਤੀ सरोती Sarotī [3] वि०
श्रोतव्य (वि०) सुनने योग्य, श्रवणीय।

ਸਰੋਦਾ सरोदा Sarodā [3] पुं०
स्वरोदय (पुं०) स्वरोदय, प्रश्वास से शुभाशुभ का विचार करने वाला शास्त्र।

ਸਰੌਤਾ सरौता Sarautā [3] पुं०
सरपत्र (नपुं०) सरौता, सुपारी काटने की कैंची।

ਸਰੌਤੀ सरौती Sarautī [3] स्त्री०
सारपत्री (स्त्री०) सरौती, छोटा सरौता।

ਸਰੰਗੀ सरंगी Saraṅgī [3] स्त्री०
सारङ्गी (स्त्री०) सारंगी, वाद्ययन्त्र विशेष।

ਸਰੰਗੀਆ सरंगीआ Saraṅgīā [3] पुं०
सारङ्गिक (वि०) सारंगी वादक।

ਸਰ੍ਹਾਣਾ सर्हाणा Sarhāṇā [3] पुं०
शिरोधान (नपुं०) सिरहाना, तकिया।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਰ੍ਹਾਂਦ सर्हाँद् Sarhãd [3] स्त्री०
शिरोधान (नपुं०) सिरहाना, तकिया ।

ਸਰ੍ਹਾਂਦੀ सर्हाँदी Sarhãdi [3] स्त्री०
द्र०—ਸਰ੍ਹਾਂਦ ।

ਸਰ੍ਹੋਂ सर्होँ Sarhõ [3] पुं०
सर्षप (पुं०) सरसों, सर्षप ।

ਸਲਣਾ सल्णा Salṇā [1] सक० क्रि०
शलते (भ्वादि सक०) जाना; चुभना ।

ਸਲਭ सलभ् Salabh [3] पुं०
शलभ (पुं०) टिड्डी, पतंग ।

ਸਲਾ सला Salā [1] स्त्री०
शलभ (पुं०) टिड्डी, पतंग ।

ਸਲਾਈ सलाई Salāī [3] स्त्री०
शलाका (स्त्री०) सलाई, जिससे आँखों में सुरमा लागाया जाता है ।

ਸਲਾਹ सलाह् Salāh [3] स्त्री०
श्लाघा (स्त्री०) प्रशंसा, स्तुति, बड़ाई ।

ਸਲਾਹਣ सलाहण् Salāhaṇ [3] पुं०
द्र०—ਸਰਾਹਨ ।

ਸਲਾਹਤ सलाहत् Salāhat [1] स्त्री०
द्र०—ਸਲਾਘਾ ।

ਸਲਾਹੀ सलाही Salāhī [3] वि०
श्लाघनीय (वि०) बड़ाई के योग्य, प्रशंसनीय ।

ਸਲਾਹੁਣਾ सलाहुणा Salāhuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਸਰਾਹੁਣਾ ।

ਸਲਾਹੁਤ सलाहुत् Salāhut [1] स्त्री०
द्र०—ਸਲਾਘਾ ।

ਸਲਾਹੁਤਾ सलाहुता Salāhutā [1] स्त्री०
द्र०—ਸਲਾਘਾ ।

ਸਲਾਕ सलाक् Salāk [2] स्त्री०
द्र०—ਸਲਾਈ ।

ਸਲਾਘਾ सलाघा Salāghā [3] स्त्री०
श्लाघा (स्त्री०) प्रशंसा, स्तुति, बड़ाई ।

ਸਲਿ सलि Sali [1] पुं०
शल्य (नपुं०) घाव, जख्म ।

ਸਲਿਸ सलिस् Salis [3] सक०/अक० क्रि०
श्लिष्यति (दिवादि सक०) सक०—आलिङ्गन करना, गले लगाना । अक०—चिपकना, सटे रहना ।

ਸਲੂਣਾ सलूणा Salūṇā [3] वि०
सलवण (वि०) नमकीन, नमक से युक्त ।

ਸਲੇਸ सलेस् Sales [3] पुं०
श्लेष (पुं०) मिलाप, मेल; एक अर्थालङ्कार ।

ਸਲੇਸਿਆ सलेसिआ Salesiā [3] वि०
श्लिष्ट (वि०) मिला हुआ; श्लेषार्थ से युक्त ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਸਲੋਸਣਾ सलोस्णा Salosṇā [3] सक० क्रि०
श्लेषयति (चुरादि सक०) आलिङ्गन करना, गले लगाना, चिपकाना।

ਸਲੋਕ सलोक् Salok [3] पुं०
श्लोक (पुं०) श्लोक, छन्द विशेष।

ਸ਼ਲੋਕ शलोक् Śalok [3] पुं०
श्लोक (पुं०) श्लोक, पद्य संस्कृत में कोई पद्य जो अनुष्टुप् छन्द में हो।

ਸਲੋਣਾ सलोणा, Saloṇā [3] पुं०
सलवण (वि०) नमक सहित, नमकीन।

ਸਲੋਤਰ सलोतर् Salotar [3] पुं०
तोत्र (नपुं०) चाबुक; सोटा, डण्डा।

ਸਲੋਤਰੀ सलोत्री Salotrī [3] पुं०
तोत्रिन् (वि०) चाबुक-डण्डा आदि रखने वाला।

ਸਲੰਘ सलंघ् Salaṅgh [3] स्त्री०
शल्यशङ्कु (पुं०) पांचा या अखइन, काष्ठ या बाँस की वह लम्बी लकड़ी जिसके अग्रभाव में टेढ़ी एवं नुकीली एक-दो-चार या पाँच छोटी-छोटी लकड़ियाँ रहती हैं और उससे पुआल-घास या भूसा आदि को फैलाया या इकट्ठा किया जाता है।

ਸਲੰਘਾ सलंघा Salaṅghā [3] पुं०
द्र० — ਸਲੰਘ।

ਸੱਲ सल्ल् Sall [3] पुं०
शल्य (पुं०/नपुं) घाव, जख्म; छेद।

ਸੱਲਣਾ सल्लणा Sallṇā [3] सक० क्रि०
शलते (भ्वादि सक०) चुभना; छेद करना।

ਸਵ सव् Sav [3] पुं०
शव (पुं०) मुर्दा, प्राणरहित देह।

ਸਵਗੁਣ सव्गुण Savguṇ [2] वि०
शतगुण (वि०) सौ गुना।

ਸਵੱਛ सवच्छ् Savacch [3] वि०
स्वच्छ (वि०) स्वच्छ, निर्मल, साफ।

ਸਵਰਗ स्वर्ग् Svarg [3] पुं०
स्वर्ग (पुं०) स्वर्ग, देवलोक।

ਸਵਰਣ सवरण् Savaraṇ [3] वि०
सवर्ण (वि०) समान वर्ण का; उसी जाति का; समान स्थानिक अक्षर।

ਸਵਰਾਜ सव्राज् Savrāj [3] पुं०
स्वराज्य (नपुं०) अपना राज्य, स्वतन्त्र राज्य।

ਸਵਾ सवा Savā [3] वि०
सपाद (वि०) सवा, एक और चौथाई।

ਸਵਾਉਣਾ सवाउणा Savāuṇā [3] सक० क्रि०
स्वापयति (अदादि प्रेर०) सुलाना, सोने की प्रेरणा देना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਵਾਇਆ सवाइआ Savāiā [3] वि०
सपाद (वि०) सवा, एक और चौथाई।

ਸਵਾਸ सवास् Savās [3] पुं०
श्वास (पुं०) श्वास, साँस।

ਸਵਾਸਣ सवासण् Savāsaṇ [3] स्त्री०
स्ववासिनी (स्त्री०) सुहागिन स्त्री, सधवा, जिसका पति जीवित हो।

ਸਵਾਸਥ सवास्थ् Savāsth [3] पुं०
स्वास्थ्य (नपुं०) उत्तम शारीरिक स्थिति, नीरोगता।

ਸਵਾਂਗ सवाँग् Savāg̃ [3] पुं०
समाङ्ग (पुं०) स्वाँग, नाटकीय रूप, अपनाया हुआ परकीय रूप।

ਸਵਾਂਗੀ सवाँगी Savāg̃ī [3] वि०
समाङ्गिक (वि०) स्वाँग करने वाला, दूसरे का रूप धारण करने वाला।

ਸਵਾਦ सवाद्, Savād [3] पुं०
स्वाद (पुं०) स्वाद, जायका, रुचि।

ਸਵਾਦੀ सवादी Savādī [3] वि०
स्वादु (वि०) स्वादु, स्वादिष्ट, रुचिकर।

ਸਵਾਧੀਨ सवाधीन् Savādhīn [3] वि०
स्वाधीन (वि०) स्वाधीन, स्वतन्त्र, आजाद।

ਸਵਾਰਣਾ सवार्णा Savārṇā [3] सक० क्रि०
स्वापयति (अदादि प्रेर०) सुलाना, शयन कराना।

ਸਵੇਰ सवेर् Saver [3] स्त्री०
सुवेला (स्त्री०) सुन्दर समय; सवेरा, प्रातः काल।

ਸਵੰਤੀ सवन्ती Savantī [2] अक० क्रि०
स्वपन्ति (अदादि अक० लट् प्र० पु० बहुवचन) सोते हैं।

ਸਵੰਬਰ सवम्बर् Savambar [3] पुं०
स्वयंवर (पुं०) स्वयम्बर, स्वयं पति के वरण की क्रिया।

ਸੜਕੜਾ सड़्कड़ा Saṛkaṛā [2] पुं०
शरकाण्ड (पुं० / नपुं०) पुं०—सरकण्डा। नपुं०—सरपत।

ਸੜਨਾ सड़्ना Saṛnā [3] अक० क्रि०
शटति (भ्वादि अक०) सड़ना, विकृत होना।

ਸਾ सा Sā [1] सर्व०
सा (सर्व० प्रथमान्त) वह स्त्री।

ਸਾਉਣ साउण् Sāuṇ [3] पुं०
श्रावण (पुं०) सावन, श्रावण मास।

ਸਾਉਣੀ साउणी Sāuṇī [3] वि०
श्रावणिक (वि०) सावन से सम्बन्धित, श्रावण में बोयी गयी फसल।

ਸਾਉਲਾ साउला Sāulā [3] पुं०
श्यामल (वि०) साँवला, श्यामवर्ण वाला।

ਸਾਉਂਲਾ साउँला Sāũlā [2] वि०
द्र०—ਸਾਉਲਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਾਊ साऊ Sāū [3] **वि०**
साधु (वि०) सभ्य, सुशील, सज्जन ।

ਸਾਇਣ साइण् Sāiṇ [3] **स्त्री०**
स्वामिनी (स्त्री०) स्वामिनी, मालकिन ।

ਸਾਇਣੀ साइणी Sāiṇī [3] **स्त्री०**
स्वामिनी (स्त्री०) स्वामिनी, मालकिन ।

ਸਾਈ[1] साई Sāī [3] **अ०**
सैव (सर्व०, अ०) वही ।

ਸਾਈ[2] साई Sāī [3] **पुं०**
स्वामिन् (पुं०) स्वामी, मालिक; पति ।

ਸਾਈਂ साईं Sāĩ [3] **पुं०**
स्वामिन् (पुं०) स्वामी; पति, मालिक ।

ਸਾਈਆਂ साईआँ Sāīā̃ [3] **पुं०**
स्वामिन् (पुं०) स्वामी, मालिक; पति ।

ਸਾਸ सास् Sās [3] **स्त्री०**
द्र०—ਸਵਾਸ ।

ਸਾਂਸ साँस् Sā̃s [3] **स्त्री०**
श्वास (पुं०) श्वास, साँस ।

ਸਾਸਤ सासत् Sāsat [2] **पुं०**
शास्त्र (नपुं०) वह पुस्तक जिसमें तत्त्व-चिन्तन हो, शास्त्र ।

ਸਾਸਤਰ सास्तर् Sāstar [3] **पुं०**
शास्त्र (नपुं०) वह पुस्तक जो तत्त्व-परक हो, शास्त्र ।

ਸਾਸਤ੍ਰੀ सास्त्री Sāstrī [3] **पुं०**
शास्त्रिन् (वि०) शास्त्र का ज्ञाता, शास्त्र का पण्डित; संस्कृत की एक परीक्षा ।

ਸਾਸਤ੍ਰਗੀ सास्त्रगी Sāstragī [3] **वि०**
शास्त्रज्ञ (वि०) शास्त्रज्ञ, शास्त्र को जानने वाला ।

ਸਾਸਨ सासन् Sāsan [1] **पुं०**
शासन (नपुं०) आदेश देने का भाव; दण्ड देने का भाव; पीटने का भाव ।

ਸਾਹ साह् Sāh [3] **पुं०**
श्वास (पुं०) साँस, श्वास ।

ਸਾਹਸਤ साह्सत् Sāhsat [3] **पुं०**
साहसशक्ति (स्त्री०) साहस की शक्ति, साहस-बल ।

ਸਾਹਮਣਾ साह्मणा Sāhmaṇā [3] **पुं०**
संमनस् (पुं०) समकक्ष, बराबर का ।

ਸਾਹਵੇਂ साह्वें Sāhvẽ [3] **क्रि० वि०**
समक्षम् (क्रि० वि०) सामने, समक्ष ।

ਸਾਹੀ साही Sāhī [3] **पुं०**
साहाय्य (नपुं०) सहायता, सहारा ।

ਸਾਹੁ साहु Sāhu [1] **पुं०**
साधु (पुं०) व्यापारी, बनिया, साहू ।

ਸਾਹੂਕਾਰ साहूकार् Sāhūkār [3] **पुं०**
साधुकार (पुं०) धनवान्; व्यापारी ।

ਸਾਕ[1] साक् Sāk [3] **वि०**
स्वक (वि०) स्वकीय, स्वसंबधी ।

ਸਾਕ[2] साक् Sāk [3] **पुं०**
शाक (पुं०) बल, शक्ति; सहायता; मित्र; साग-सब्जी; शाकद्वीप ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਾਕਤ साकत् Sākat [3] वि०
शाक्त (वि०) शक्ति देवी के उपासक।

ਸਾਂਕਰੀ साँकरी Sãkarī [1] पुं०
शाङ्करि (पुं०) शङ्कर का पुत्र गणेश; अग्नि, आग।

ਸਾਂਕਲ साँकल् Sãkal [2] स्त्री०
शृङ्खल (पुं०) साँकल, लोहे की जंजीर।

ਸਾਕਾ साका Sākā [3] पुं०
शक (पुं०) शक संवत् जिसे राजा शालिवाहन ने चलाया था।

ਸਾਕਿਛੁ साकिछु Sākichu [3] पुं०
शकृत् (नपुं०) विष्ठा; गन्दगी।

ਸਾਕਿਨੀ साकिनी Sākinī [3] स्त्री०
शाकिनी (स्त्री०) शाक वाली भूमि अर्थात् जिसमें शाग-सब्जी उत्पन्न होती है; शाकिनी एक योगिनी।

ਸਾਖ साख् Sākh [3] पुं०
साक्ष्य (नपुं०) साक्ष्य, गवाही।

ਸਾਂਖ सांख् Sāṅkh [2] पुं०
साङ्ख्य (नपुं०) सांख्य शास्त्र, सांख्य दर्शन।

ਸਾਖਸਾਤ साख्सात् Sākhsāt [1] अ०
साक्षात् (अ०) साक्षात्, प्रत्यक्ष।

ਸਾਖਾ साखा Sākhā [3] स्त्री०
शाखा (स्त्री०) वृक्ष की डाली, टहनी; भुजा; गोत्र, वंश; सम्प्रदाय; वेद के भाग।

ਸਾਖਿਆਤ साख्यात् Sākhyāt [3] वि०
द्र०—ਸਾਖਸਾਤ।

ਸਾਖੀ[1] साखी Sākhī [3] स्त्री०
साक्ष्य (नपुं०) साक्ष्य, गवाही।

ਸਾਖੀ[2] साखी Sākhī [3] पुं०
साक्षिन् (पुं०) साक्षी, गवाह।

ਸਾਖੋਚਾਰ साखोचार् Sākhocār [3] पुं०
शाखोच्चार (पुं०) गोत्रोच्चार, वंश-अनुकथन।

ਸਾਗ साग् Sāg [3] पुं०
शाक (नपुं०) सब्जी, भाजी।

ਸਾਂਗ[1] साँग् Sãg [1] स्त्री०
शङ्कु (पुं०) कील (लोहे इत्यादि की)।

ਸਾਂਗ[2] सांग् Sãg [3] पुं०
समाङ्ग (पुं०) स्वाँग, नकल, अभिनय।

ਸਾਂਗ[3] साँग् Sãg [3] पुं०
स्वाङ्ग (नपुं०) स्वाँग, नकल, अभिनय।

ਸਾਗਰ सागर् Sāgar [3] पुं०
सागर (पुं०) सागर, समुद्र।

ਸਾਂਗੀ सांगी Sāṅgī [1] स्त्री०
शङ्कु (पुं०) कील, (लोहे आदि की) खूंटी।

ਸਾਂਗੇ साँगे Sãge [1] अ०
सङ्गे (क्रि० वि०) साथ में।

ਸਾਚ साच् Sāc [3] पुं०
सत्य (नपुं०) सत्य, यथार्थ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਾਚਤ साचत् Sācat [1] **वि०**
संचित (वि०) इकट्ठा किया हुआ।

ਸਾਂਚਾ[1] साँचा Sāĕcā [3] **वि०**
द्र०—ਸੱਚਾ।

ਸਾਂਚਾ[2] साँचा Sāĕcā [3] **पुं०**
सञ्चक (नपुं०) साँचा जिससे ईंट इत्यादि गढ़ी जाती है।

ਸਾਜਣਾ साज्णा Sājṇā [3] **सक० क्रि०**
सृजति (तुदादि सक०) सृजन करना, निर्माण करना।

ਸਾਂਝ सांझ् Sājh [2] **स्त्री०**
सन्ध्या (स्त्री०) साँझ, शाम।

ਸਾਟਕ साटक् Sāṭak [1] **पुं०**
साटक (नपुं०) वस्त्र, कपड़ा; एक छन्द।

ਸਾਟੀ साटी Sāṭī [1] **स्त्री०**
शाटी (स्त्री०) साड़ी; ओढ़नी।

ਸਾਠ साठ् Sāṭh [3] **वि०**
षष्टि (स्त्री०) साठ; 60।

ਸਾਂਡ सांड् Sāĕḍ [1] **पुं०**
साण्ड (पुं०) अण्ड सहित, जिसका अण्ड हो, साँढ़ आदि प्राणी।

ਸਾਂਡੀ[1] साण्डी Sāṇḍī [1] **पुं०**
शौण्डिन् (वि०) शुण्ड वाला, हाथी।

ਸਾਂਡੀ[2] साण्डी Sāṇḍī [1] **स्त्री०**
सण्डिका (स्त्री०) साँढनी; गाली विशेष।

ਸਾਢ साढ् Sāḍh [3] **वि०**
सार्द्ध (वि०) सार्ध, आधे से युक्त।

ਸਾਂਢਾ साँढा Sāĕḍhā [3] **पुं०**
षण्ड (पुं०) सांड, अण्डकोश युक्त बैल।

ਸਾਢੂ साढू Sāḍhū [3] **पुं०**
द्र०—ਸਾਂਢੂ।

ਸਾਂਢੂ साँढू Sāĕḍhū [3] **पुं०**
स्यालीवोढ्रृ (पुं०) साढ़ू, पत्नी की बहिन का पति।

ਸਾਢੇ साढे Sāḍhe [3] **वि०**
सार्द्ध (वि०) आधे के साथ, अर्द्ध-युक्त।

ਸਾਣ साण् Sāṇ [3] **स्त्री०**
शान (पुं०) कसौटी, शान रखने का पत्थर, तीखा करने का पत्थर।

ਸਾਣਥ साणथ् Sāṇath [3] **पुं०**
सान्निध्य (नपुं०) समीपता, नजदीकी।

ਸਾਤ सात् Sāt [3] **वि०**
सप्तन् (वि०) सात; 7।

ਸਾਂਤ सान्त् Sānt [3] **वि०**
शान्त (वि०) शान्ति वाला; क्रोध रहित; ठण्ढा; मुर्दा।

ਸਾਤਕ सातक् Sātak [1] **वि०**
सात्त्विक (वि०) सत्त्वगुण वाला, सतोगुणी।

ਸਾਤਕਿ सातकि Sātaki [1] **पुं०**
सात्यकि (पुं०) यादव सत्य का पुत्र जिसका दूसरा नाम युयुधान है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਾਤਾ[1] साता Sātā [3] वि०
सप्तन् (वि०) सात की संख्या से युक्त; 7 ।

ਸਾਤਾ[2] साता Sātā [1] पुं०
साप्त (वि०) सात का समूह, सात संख्या वाला ।

ਸਾਤਿ[1] साति Sāti [1] स्त्री०
शान्ति/सात (स्त्री०/नपुं०) शान्ति, अमन-चैन, निश्चिन्तता ।

ਸਾਤਿ[2] साति Sāti [1] स्त्री०
साति (स्त्री०) धन-विभूति; सुख; दान ।

ਸ਼ਾਂਤੀ शान्ती Śāntī [3] स्त्री०
शान्ति (स्त्री०) शान्ति, अमन-चैन; उपद्रव राहित्य ।

ਸਾਤੈ सातै Sātai [1] स्त्री०
सप्तमी (स्त्री०/वि०) स्त्री०—चन्द्रमा की सप्तमी तिथि । वि०—सातवीं ।

ਸਾਥ साथ् Sāth [2] अ०
सार्थम् (अ०) साथ, सहभाव ।

ਸਾਥਣ साथण् Sāthaṇ [3] स्त्री०
सार्थिनी (स्त्री०) सहेली, साथ देने वाली स्त्री, सखी ।

ਸਾਥੀ साथी Sāthī [3] पुं०
सार्थिक (वि०) साथी, साथ देने वाला, सहयोगी, मित्र ।

ਸਾਦੁ सादु Sādu [1] पुं०
द्र०—ਸਵਾਦ ।

ਸਾਦ੍ਰਿਸ਼ साद्रिश् Sādriś [3] पुं०
सादृश्य (नपुं०) समानता, बराबरी, सदृश होने का भाव ।

ਸਾਧ साध् Sādh [3] पुं०
साधु (वि० / पुं०) वि०—उत्तम, श्रेष्ठ । पुं०—सन्त, सज्जन, महात्मा ।

ਸਾਧਸੰਗਤ साध्संगत् Sādhsaṅgat [3] स्त्री०
साधुसंगति (स्त्री०) सज्जनों की संगति ।

ਸਾਧਣਾ साध्णा Sādhṇā [3] सक० क्रि०
साध्नोति (स्वादि सक०) साधना, पूरा करना, सिद्ध करना ।

ਸਾਂਧਨ साँधन् Sā̃dhan [3] पुं०
सन्धान (नपुं०) अच्छी तरह रखने का भाव; निशाना लगाने का भाव ।

ਸਾਧਾਰਨ साधारन् Sādhāran [3] वि०
साधारण (वि०) सामान्य, मामूली ।

ਸਾਧਿਕ साधिक् Sādhik [3] वि०
साधक (वि०) साधना करने वाला ।

ਸਾਧੀ साधी Sādhī [3] वि०
साधित (वि०) सिद्ध किया हुआ, सिद्ध ।

ਸਾਧੀਏ साधीए Sādhīe [3] सक० क्रि०
द्र०—ਸਾਧਣਾ ।

ਸਾਧੁਨੀ साधुनी Sādhunī [3] स्त्री०
साध्वी (स्त्री०) साहू की स्त्री; संन्यासिनी, वैरागन ।

ਸਾਧੁਰੜਾ साधुर्ड़ा Sādhurṛā [1] पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

श्वसुरालय (पुं०) ससुराल, ससुर का घर।

ਸਾਧੂ साधू Sādhū [3] पुं०
साधु (पुं०) साधु, सन्त, महात्मा।

ਸਾਨ੍ਹ सान्ह् Sānh [3] पुं०
षण्ड (पुं०) साँढ़, साँड़।

ਸਾਨ੍ਹਾ सान्हा Sānhā [1] पुं०
द्र०—ਸਾਨ੍ਹ।

ਸਾਪ साप् Sāp [3] पुं०
द्र०—ਸੱਪ।

ਸਾਂਪਹੇਰਾ साँप्हेरा Sāpherā [3] पुं०
सर्पहारक (वि०) सपेरा, सर्प ले जाने वाला, सर्प रखने वाला, साँप से जीविका चलाने वाला।

ਸਾਪਨੀ सापनी Sāpnī [2] स्त्री०
सर्पिणी (स्त्री०) साँपिनी, मादा साँप।

ਸਾਪੁਰਸ सापुरस् Sāpuras [1] पुं०
सत्पुरुष (पुं०) उत्तम जन, सज्जन।

ਸਾਂਪ੍ਰਦਾਈ सांप्रदाई Sāmpradāī [3] वि०
साम्प्रदायिक (वि०) सम्प्रदाय से सम्बन्धित; परम्परा से उपदेशादि देने वाला।

ਸ਼ਾਬਦ शाबद् Śābad [1] वि०
शाब्द (वि०) शब्द सम्बन्धी; शब्द जन्य ज्ञान आदि।

ਸਾਬਦਿਕ साब्दिक् Sābdik [3] वि०
शाब्दिक (वि०) शब्दशास्त्र का अध्येता अथवा ज्ञाता।

ਸਾਬਰ साबर् Sābar [2] पुं०
शम्बर (पुं०) पशुविशेष (साबर); साबर चमड़ा।

ਸਾਂਭ साँभ् Sāb̃h [3] स्त्री०
सम्भालन (नपुं०) सम्हाल, सम्भालने का भाव, सुरक्षा।

ਸਾਂਭਣਾ सांभ्णा Sāb̃hṇā [3] सक० क्रि०
सम्भालयति (चुरादि सक०) सम्हालना, देख-भाल करना, रख-रखाव करना।

ਸਾਮ साम् Sām [3] पुं०
सामन् (नपुं०) सामवेद।

ਸ਼ਾਮ शाम् Śām [3] स्त्री०
सायम् (अ०) सायम्, शाम।

ਸਾਮਗਰੀ सामग्री Sāmagrī [3] स्त्री०
सामग्री (स्त्री०) वस्तु, सामान; कार्य सिद्ध करने का कारण।

ਸਾਮਰ सामर् Sāmar [3] पुं०
श्यामल (वि०) साँवला, श्याम वर्ण वाला, श्यामल।

ਸਾਮਰਤੱਖ सामर्तक्ख् Sāmartakkh [3] क्रि० वि०
सम्प्रत्यक्षम् (क्रि० वि०) आँखों के सामने।

ਸਾਮਰਥ साम्रथ् Sāmrath [3] स्त्री०
सामर्थ्य (नपुं०) शक्ति, बल, योग्यता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਾਮਰਾਜ सामराज् Sāmrāj [3] पुं०
साम्राज्य (नपुं०) महाराजों की पदवी; सम्राट्पन, सारी पृथ्वी की हुकूमत ।

ਸਾਮੁਦ੍ਰਕ सामुद्रक् Sāmudrk [3] पुं०
सामुद्रिक (नपुं०) सामुद्रिक शास्त्र, हस्तरेखा विज्ञान ।

ਸਾਮ੍ਹਣੇ साम्हणे Sāmhaṇe [3] क्रि० वि०
समक्षम् (क्रि० वि०) सामने, सम्मुख ।

ਸਾਯਰ सायर् Sāyar [1] पुं०
सागर (पुं०) सागर, समुद्र ।

ਸਾਯੰਕਾਲ सायंकाल् Sāyaṅkāl [3] पुं०
सायंकाल (पुं०) सन्ध्या का समय, शाम ।

ਸਾਰ सार् Sār [3] पुं०
सार (पुं०) सार, निष्कर्ष, निचोड़; शक्ति ।

ਸਾਰਸ सारस् Sāras [3] पुं०
सारस (पुं० / वि०) पुं०—सारस पक्षी । वि०—सरोवर संबन्धी ।

ਸਾਰਸਤ सार्सत् Sārsat [3] पुं०/वि०
सारस्वत (पुं० / वि०) पुं०—सारस्वत ब्राह्मण । वि०—सरस्वती से संबंधित ।

ਸਾਰਸੁਤ सार्सुत् Sārsut [3] वि०/पुं०
सारस्वत (वि०/पुं०) वि०—सरस्वती से सम्बन्ध रखने वाला । पुं०—ब्राह्मणों का भेद ।

ਸਾਰਸੁਤੀ सार्सुती Sārsutī [3] स्त्री०
सरस्वती (स्त्री०) विद्या की अधिष्ठात्री देवी, शारदा ।

ਸਾਰਕ सारक् Sārak [3] स्त्री०
सारिका (स्त्री०) मैना पक्षी ।

ਸਾਰਖਾ सार्खा Sārkhā [3] वि०
सदृक्ष (वि०) समान, सरीखा ।

ਸਾਰਣ सारण् Sāraṇ [3] पुं०
सारण (नपुं०/पुं०) नपुं० —फैलाने का भाव, पसारना । पुं०—रावण का एक मन्त्री ।

ਸਾਰਥ सारथ् Sārath [3] वि०
सार्थ (वि०) अर्थ सहित, धनी ।

ਸਾਰਥਕ सार्थक् Sārthak [3] वि०
सार्थक (वि०) सफल, लाभदायक ।

ਸਾਰਦੂਲ सार्दूल् Sārdūl [3] पुं०
शार्दूल (पुं०) सिंह, केशरी ।

ਸਾਰਬਭੂਮ सारब्भूम् Sārbbhūm [3] पुं०
सार्वभौम (वि०) समग्र भूमि का स्वामी ।

ਸਾਰਵ सारव् Sārav [3] वि०
सार्व (वि०) सब से सम्बद्ध ।

ਸਾਰਵਭੌਮ सारव्भौम् Sāravbhaum [3] पुं०
द्र०—ਸਾਰਬਭੂਮ ।

ਸਾਰਾ सारा Sārā [3] सर्व०
सर्व (सर्व०) सब, सारा, तमाम ।

ਸਾਰਾਨ सारान् Sārān [3] वि०
शरण्य (वि०) शरणागत की रक्षा करने वाला, शरण में आये हुये का पालन करने वाला ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਾਰਿ सारि Sāri [3] स्त्री०
शारि (पुं०) चौपड़ और शतरंज का वस्त्र जिस पर मुहरें रखकर खेला जाता है; गोटी अथवा मुहरा।

ਸਾਰੰਗਾ सारङ्गा Sāraṅgā [2] पुं०
सारङ्गी (स्त्री०) सारंगी वाद्य, विशेष।

ਸਾਰੰਗੀਆ सारंगीआ Sāraṅgīā [3] वि०
सारङ्गिक (वि०) सारंगी-वादक; सारंगी सम्बन्धी।

ਸਾਲ[1] साल् Sāl [3] पुं०
शाल (पुं०) साल वृक्ष।

ਸਾਲ[2] साल् Sāl [3] वि०
सार (वि०) श्रेष्ठ, उत्तम; निष्कर्ष।

ਸ਼ਾਲ शाल् Śāl [3] पुं०
शाल (पुं०) शाल वृक्ष, सेमर का पेड़।

ਸਾਲਸ सालस् Sālas [3] पुं०
सालस (वि०) आलस्य-युक्त, कमजोर, सुस्त, आलसी।

ਸਾਲਗਰਾਮ सालग्राम् Sālagrām [3] पुं०
शालिग्राम (पुं०) भगवान् शालिग्राम की काली व छोटी पत्थर मूर्ति।

ਸਾਲੱਤਾ सालत्ता Sālattā [1] पुं०
श्यालपुत्र (पुं०) सरपुत, साले का बेटा; साले की सन्तान।

ਸਾਲਮਲੀ साल्मली Sālmalī [3] स्त्री०
शाल्मली (स्त्री०) सेमर वृक्ष; एक द्वीप जिसमें सेमर के बहुत वृक्ष हैं।

ਸਾਲਾ साला Sālā [3] पुं०
श्यालक/स्याल (पुं०) साला, पत्नी का भाई।

ਸਾਲਾਹ सालाह् Sālāh [1] स्त्री०
श्लाघा (स्त्री०) प्रशंसा, स्तुति, बड़ाई।

ਸਾਲਾਹੀ सालाही Sālāhī [1] वि०
श्लाघनीय (वि०) प्रशंसनीय, स्तुति के योग्य, बड़ाई के योग्य।

ਸਾਲਾਹੁਣਾ सालाहुणा Sālāhuṇā [3] सक० क्रि०
द्र० - ਸਲਾਹਣਾ।

ਸਾਲਿ सालि Sāli [1] स्त्री०
शालि (पुं०) धान, चावल।

ਸਾਲੀ साली Sālī [3] स्त्री०
श्याली (स्त्री०) साली, पत्नी की बहिन।

ਸਾਲੂ सालू Sālū [3] पुं०
शालु (नपुं०) लाल रंग का वस्त्र, जनानी धोती; शाल।

ਸਾਵ साव् Sāv [3] पुं०
शाव (पुं०) शिशु, बच्चा।

ਸਾਂਵਕ सांवक Sāvak [1] पुं०
श्यामाक (पुं०) सावाँ (धान्य-विशेष), वर्षा-ऋतु में दो मास में पकने वाली फसल।

ਸਾਵਜ सावज् Sāvaj [1] पुं०
सामज (पुं०) जंगली हाथी।

ਸਾਵਣ सावण् Sāvaṇ [3] पुं०
श्रावण (पुं०) श्रावण, सावन मास।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਾਂਵਤ सॉंवत् Sãvat [1] पुं०
सामन्त (पुं०) मण्डल का स्वामी, छोटे-छोटे राज्यों का स्वामी।

ਸਾਂਵਰਤ सॉंवरत् Sãvarat [1] पुं०
सांवर्त (पुं०) मेघों का राजा, वह देवता जिसके अधीन मेघमाला रहती है।

ਸਾਵਰਾ सावरा Sāvrā [1] पुं०
श्यामल (वि०) साँवला, श्याम वर्ण वाला।

ਸਾਵਲਾ सावला Sāvlā [3] पुं०
द्र०—ਸਾਵਰਾ।

ਸਾਂਵਲਾ सॉंवला Sãvlā [3] पुं०
द्र०—ਸਾਵਰਾ।

ਸਾਵਾ सावा Sāvā [3] पुं०
श्याव (वि०) गहरा हरा, अधिक हरित वर्ण का।

ਸਾਵਾਂ सावॉं Sāvã [3] वि०
समाङ्क (वि०) बराबर; सन्तुलित।

ਸਾਂਵਾ सॉंवा Sãvā [1] पुं०
श्याम (वि०) गाढ़ा नीला; गाढ़ा हरा।

ਸਾਵਿਤ੍ਰ सावित्र् Sāvitr [3] पुं०
सवितृ (पुं०) सूर्य; शिव।

ਸਾੜਨਾ साड़ना Sāṛnā [3] सक० क्रि०
शालते/सादयति (भ्वादि/चुरादि सक०) सताना, कष्ट पहुँचाना।

ਸਾੜੂ साड़ू Sāṛū [3] पुं०
सादक (वि०) सताने वाला, संताप देने वाला, दुःखदायी।

ਸਾੜ੍ਹਸਤੀ साढ़्सती Sāṛhsatī [3] स्त्री०
सार्धसाप्तिक (वि०) शनि ग्रह की साढ़े साती की दशा।

ਸਾੜ੍ਹੀ साढ़ी Sāṛhī [3] स्त्री०
शाटी (स्त्री०) साड़ी, कीमती जनाना धोती।

ਸਿਉਂਕ सिउँक् Siūk [3] पुं०
सौमिक (पुं०) दीमक, लाल चींटी।

ਸਿਉਣਾ सिउणा Siuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਸੀਣਾ।

ਸਿਉਤਾ सिउता Siutā [3] वि०
स्यूत (वि०) सिला हुआ; गूँथा हुआ, पिरोया हुआ; अनुस्यूत, ओत-प्रोत।

ਸਿਉਨਾ सिउना Siunā [3] पुं०/वि०
सुवर्ण (पुं० / वि०) पुं०—सोना, सुवर्ण। वि० - चमकीला, सुनहला।

ਸਿਆਉ स्याउ Syāu [1] वि०
श्याम (वि०) साँवला; काला।

ਸਿਆਤਾ स्याता Syātā [3] वि०
सुज्ञात (वि०) सम्यक् रूप से ज्ञात, जाना हुआ, पहचाना हुआ।

ਸਿਆਨ स्यान् Syān [1] पुं०
सुज्ञान (नपुं०) सम्यक् ज्ञान, बोध, पहचानने का भाव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਸਿਆਪਾ स्यापा Syāpā [3] पुं०
शवप्रलाप (पुं०) मृत्यु के समय का रोदन, स्यापा।

ਸਿਆਮ स्याम् Syām [3] पुं०
श्याम (वि०/पुं०) वि०—साँवला; काला। पुं०—भगवान् श्रीकृष्ण।

ਸਿਆਮਲ स्यामल् Syāmal [3] पुं०
श्यामल (वि०) साँवला; सुन्दर।

ਸਿਆਮਾ स्यामा Syāmā [3] स्त्री०
श्यामा (स्त्री०) जवान स्त्री; काली दुर्गा; काले रंग की गौ; गुग्गुल।

ਸਿਆਰ स्यार् Syār [3] पुं०
शृगाल (पुं०) सियार, गीदड़।

ਸਿਆਰੀ स्यारी Syārī [2] स्त्री०
शृगाली (स्त्री०) सियारिन, मादा शृगाल।

ਸਿਆਲ[1] स्याल् Syāl [3] पुं०
शीतकाल (पुं०) शीलकाल, सर्दी का मौसम।

ਸਿਆਲ[2] स्याल् Syāl [1] पुं०
द्र०—ਸਿਆਰ।

ਸਿਆਲਾ स्याला Syālā [2] पुं०
द्र०—ਸਿਆਲ[1]।

ਸਿਆਲੀ स्याली Syālī [1] स्त्री०
द्र०—ਸਿਆਰੀ।

ਸਿਆਲੂ स्यालू Syālū [1] पुं०
द्र०—ਸਿਆਲ[1]।

ਸਿਆੜ स्याड़् Syāṛ [3] स्त्री०
सीता (स्त्री०) जोते गये खेत में हल की रेखा; जोती हुई जमीन; किसानी; खेती; जनक की पुत्री और श्रीरामचन्द्र की भार्या, जानकी।

ਸਿਆੜਨਾ स्याड़्ना Syāṛnā [3] अक० क्रि०
सीतायते (नामधातु अक०) हल जोतना, खेत जोतना।

ਸਿਸ सिस् Sis [1] पुं०
शिशु (पुं०) शिशु, बच्चा, बालक।

ਸਿਸਟ सिस्ट् Sisṭ [1] वि०
सृष्ट (वि०) रचित, बनाया हुआ।

ਸਿਸਟਿ सिस्टि Sisṭi [2] स्त्री०
सृष्टि (स्त्री०) रचना; जगत्, संसार।

ਸਿਸਨ सिसन् Sisan [2] पुं०
शिश्न (नपुं०) लिङ्ग, जननेन्द्रिय।

ਸਿਸਰ सिसर् Sisar [2] स्त्री०
शिशिर (पुं० / नपुं०) शिशिर ऋतु, माघ-फाल्गुन की ऋतु।

ਸਿਸੀਅਰ सिसीअर् Sisīar [2] स्त्री०
द्र०—ਸਿਸਰ।

ਸਿਸੁਪਾਲ सिसुपाल् Sisupāl [3] पुं०
शिशुपाल (पुं०) चेदि देश का द्वापर युगीन एक राजा, जिसका वध भगवान् श्रीकृष्ण ने किया था।

ਸਿਹ सेह् Seh [3] स्त्री०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

श्वाविध्/सेधा (पुं०/स्त्री०) साही, एक जंगली जन्तु, जिसके शरीर पर लम्बे लम्बे काँटे होते हैं।

ਸਿਹਜ ਸਿह्ज् Sihj [1] **स्त्री०**
शय्या (स्त्री०) सेज, पलंग, खाट।

ਸਿਹਜਾ ਸिह्जा Sihjā [1] **स्त्री०**
द्र०—ਸਿਹਜ।

ਸਿਹਰਾ सेह्रा Sehrā [3] **पुं०**
शेखर (पुं०) शिरोमाल्य, सेहरा; मुकुट।

ਸਿਹਾ सिहा Sihā [3] **पुं०**
शशक (पुं०) खरगोश, खरहा।

ਸਿਕੋਰਨ सिकोरन् Sikoran[1] **पुं०**
सङ्कोचन (नपुं०) सिकोड़ने का भाव, संकोच, सिमटाव।

ਸਿੱਕੜ सिक्कड़् Sikkaṛ [1] **पुं०**
द्र०—ਸੱਕ।

ਸਿਖ सिंख् Sikh [1] **पुं०**
द्र०—ਸਿੱਖ।

ਸਿਖਰ सिखर् Sikhar [3] **पुं०**
शिखर (नपुं०) पहाड़ की चोटी; मन्दिर का कलश, गुम्बज।

ਸਿਖਲਾਉਟ सिख्लाउट् Sikhlāuṭ [2] **स्त्री०**
द्र०—ਸਿਖਲਾਈ।

ਸਿਖਲਾਈ सिख्लाई Sikhlāī [3] **पुं०**
शिक्षण (नपुं०) शिक्षण, अध्यापन।

ਸਿਖਲਾਵਟ सिख्लावट् Sikhlāvaṭ [2] **स्त्री०**
द्र० ਸਿਖਲਾਈ।

ਸ਼ਿਖਾ शिखा Śikhā [3] **स्त्री०**
शिखा (स्त्री०) चोटी; टीला।

ਸਿਖਾਉਣਾ सिखाउणा Sikhāuṇā [3] **सक० क्रि०**
शिक्षयति (भ्वादि प्रेर०) सिखाना, शिक्षा देना, सीख देना।

ਸਿਖਾਲਨਾ सिखाल्ना Sikhālnā[3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਸਿਖਾਉਣਾ।

ਸਿਖਿਆ सिख्या Sikhyā [3] **स्त्री०**
शिक्षा (स्त्री०) शिक्षा, किसी विद्या को सीखने या सिखाने की क्रिया, तालीम।

ਸਿੱਖ सिक्ख् Sikkh [3] **पुं०**
शिष्य (पुं०) शासन योग्य; चेला; सिक्ख समुदाय या उसका सदस्य।

ਸਿੱਖਣਾ सिक्ख्णा Sikkhṇā [3] **सक० क्रि०**
शिक्षते (भ्वादि सक०) सीखना, शिक्षा लेना, पढ़ना।

ਸਿੱਖਿਅਕ सिक्ख्यक् Sikkhyak [3] **पुं०**
शिक्षक (पुं०) शिक्षक, अध्यापक।

ਸਿੱਖਿਆ सिक्ख्या Sikkhyā [3] **स्त्री०**
शिक्षा (स्त्री०) शिक्षा, तालीम, किसी विद्या को सीखने या सिखलाने की क्रिया।

ਸਿੰਗ सिंग् Siṅg [3] **पुं०**
शृङ्ग (पुं०) सींग; पर्वत की चोटी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਿੰਗਾਰ सिङ्गार् Siṅgār [3] पुं०
शृङ्गार (पुं०) साज-सज्जा, सजावट; साहित्य में एक रस।

ਸ਼ਿੰਗਾਰ शिङ्गार् Śiṅgār [3] पुं०
शृङ्गार (पुं०) शृङ्गार, सजावट।

ਸ਼ਿੰਗਾਰਨਾ शिगार्ना Śiṅgārnā [3] सक० क्रि०
शृङ्गारयति (नामधातु सक०) शृंगार करना, भूषित करना, सजाना।

ਸਿੰਗੀ[1] सिंगी Siṅgī [3] वि०
शृङ्गिन् (वि०/पुं०) वि०—सींगों वाला। पु०—भगवान् शंकर का वाहन नन्दी बैल।

ਸਿੰਗੀ[2] सिंगी Siṅgī [3] स्त्री०
शृङ्गी (स्त्री०) सिंगी, तुरही वाद्य, जो सींग का बना होता है।

ਸਿੰਘ सिंघ् Siṅgh [3] पुं०
सिंह (पुं०) सिंह, शेर।

ਸਿੰਘਣੀ सिंघ्णी Siṅghṇī [3] स्त्री०
सिंही (स्त्री०) सिंघनी, शेर का मादा।

ਸਿੰਘਤ सिंघत् Siṅghat [3] स्त्री०
सिंहस्थ (पुं०) सिंह राशि में स्थित गुरु का समय।

ਸਿੰਘ-ਦੁਆਰ सिंघ्-दुआर् Siṅgh-Duār [3] पुं०
सिंहद्वार (नपुं०) राज-भवन का प्रमुख-द्वार, प्रधान दरवाजा।

ਸਿੰਘਾਸਣ सिंघासण् Siṅghāsaṇ [3] पुं०
सिंहासन (नपुं०) सिंहासन, राजा का आसन; महन्थों की गद्दी; शाही तख्त।

ਸਿੰਜਣ सिंजण् Siñjaṇ [3] पुं०
सेचन (नपुं०) सींचने की क्रिया, सिंचन।

ਸਿੰਜਣਾ सिञ्ज्णा Siñjṇā [3] सक० क्रि०
सिञ्चति (तुदादि सक०) सींचना; छींटा देना; प्रोक्षण करना।

ਸਿੰਜਾਈ सिंजाई Siñjāī [3] स्त्री०
सेचन (नपुं०) सिंचाई; छींटा देने या प्रोक्षण का भाव, सिञ्चन।

ਸਿੱਜਣਾ[1] सिज्ज्णा Sijjṇā [1] अक० क्रि०
सिच्यते (तुदादि कर्मवाच्य) सिञ्चित होना, भींगना।

ਸਿੱਜਣਾ[2] सिज्ज्णा Sijjṇā [2] अक० क्रि०
स्विद्यति (दिवादि अक०) पसीने आदि से नम होना; भींगना; पसीना छूटना; पसीजना; पिघलना।

ਸਿੱਜਾ सिज्जा Sijjā [2] पुं०
स्विन्न (वि०) पसीने आदि से गीला हुआ।

ਸਿੱਝ सिज्झ् Sijjh [3] पुं०
सिद्ध (पुं०) प्रकाशमान सूर्य।

ਸਿੱਟਣਾ सिट्टणा Siṭṭaṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਸੁੱਟਣਾ।

ਸਿਠਾਣੀ सिठाणी Siṭhāṇī [3] स्त्री०
श्रेष्ठिनी (स्त्री०) सेठानी, सेठ की स्त्री।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਿੱਠਣੀ सिट्ठणी Siṭṭhaṇī [3] स्त्री०
शिष्टता (स्त्री०) विवाह आदि में दी जाने वाली उपहासात्मिका गाली।

ਸਿਥਲ सिथल् Sithal [3] वि०
शिथिल (वि०) शिथिल, ढीला, आलसी; निर्बल, कमजोर।

ਸਿਥਲਤਾ सिथल्ता Sithaltā [3] स्त्री०
शिथिलता (स्त्री०) शिथिलता, ढिलाई, सुस्ती; कमजोरी।

ਸਿੱਥਾ सित्था Sitthā [2] पुं०
सिक्थ (नपुं०) मधुमक्खी का मोम।

ਸਿੰਧ सिन्ध् Sindh [3] पुं०
सिन्धु (स्त्री०/पुं०) स्त्री०—सिन्धु नदी। पुं०—सिन्ध प्रदेश।

ਸਿਧਾਂਤ सिधान्त् Sidhant [3] पुं०
सिद्धान्त (पुं०) सिद्धान्त, सिद्ध मत, निर्णय।

ਸਿਧਾਂਤਕ सिधान्तक् Sidhāntak [3] वि०
सैद्धान्तिक (वि०) सैद्धान्तिक, सिद्धान्त सम्वन्धी, सिद्धान्त-सम्मत।

ਸਿਧਾਂਤੀ सिधान्ती Sidhāntī [3] पुं०
सिद्धान्तिन् (वि०) सिद्धान्ती, सिद्धान्त वाला, सिद्धान्तवादी।

ਸਿਧਾਰਨਾ सिधार्ना Sidhārnā [3] अक० क्रि०
सेधति (भ्वादि सक०) सिधारना, जाना, गमन करना।

ਸਿੰਧੂਰ सिन्धूर् Sindhūr [3] पुं०
सिन्दूर (नपुं०) सिन्दूर, स्त्रियों की माँग में लगाने का लाल द्रव्य।

ਸਿੱਧ सिद्ध् Siddh [3] वि०/पुं०
सिद्ध (वि० / पुं०) वि०—सिद्ध, सम्पन्न, परिपूर्ण; प्रमाणित। पुं०—सिद्धि-प्राप्त, महात्मा, योगी।

ਸਿੱਧ-ਗੋਸ਼ਟ सिद्ध गोषट् Siddhagoṣaṭ [3] पुं०
सिद्धगोष्ठी (स्त्री०) सिद्धों की गोष्ठी, महात्माओं की सभा।

ਸਿੱਧੀ सिद्धी Siddhī [3] स्त्री०
सिद्धि (स्त्री०) अलौकिक शक्ति; सफलता; सम्पदा, विभूति; विजय; बुद्धि।

ਸਿੰਨਾ सिन्ना Sinnā [3] पुं०
स्निह् (वि०) सीलन-युक्त, भीगा हुआ, नम।

ਸਿੰਨ੍ਹਣਾ सिन्हणा Sinnhaṇā [3] सक० क्रि०
सन्धत्ते (जुहोत्यादि सक०) सन्धान करना, चढ़ाना, खींचना।

ਸਿੱਪ सिप्प् Sipp [3] स्त्री०
शिप्रा (स्त्री०) कवच का वह भाग जो गला को ढक लेता है।

ਸਿੱਪੀ सिप्पी Sippī [3] स्त्री०
शुक्ति (स्त्री०) सीप, शुक्ति, जिससे बच्चों को दवाई आदि पिलाई जाती है।

ਸਿਫਤ सिफत् Siphat [3] स्त्री०
स्तुति (स्त्री०) स्तुति, प्रशंसा, बड़ाई।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਿੰਬਲ सिम्बल् Simbal [2] पुं०
शिम्बल/शिम्बा (पुं०/स्त्री०) सेम, मटर आदि की फली, छीमी।

ਸਿੰਮਣਾ सिम्मणा Simmaṇā [3] अक० क्रि०
स्रवति (भ्वादि अक०) टपकना, चूना; झरना; बहना।

ਸਿਮਰਤ सिम्रत् Simrat [3] वि०
स्मृत (वि०) स्मरण किया हुआ, चिन्तित।

ਸਿਮਰਤੀ सिम्रती Simratī [3] स्त्री०
स्मृति (स्त्री०) स्मृति, स्मरण, यादगार।

ਸਿਮਰਨ सिम्रन् Simran [3] पुं०
स्मरण (नपुं०) स्मरण, चिन्तन, याद करने का भाव।

ਸਿਮਰਨਾ सिमर्ना Simarnā [3] सक० क्रि०
स्मरति (भ्वादि सक०) स्मरण करना, याद करना।

ਸਿਰ सिर् Sir [3] पुं०
शिरस् (नपुं०) शिर, मस्तक।

ਸਿਰਹਾਨਾ सिर्हाना Sirhānā [3] पुं०
शिरोधान (नपुं०) तकिया, सिरहाना।

ਸਿਰਜਣ सिर्जण् Sirjaṇ [3] पुं०
सर्जन (नपुं०) रचने का भाव, रचना।

ਸਿਰਮੌਰ सिर्मौर् Sirmaur [3] पुं०
शिरोमौलि (पुं०) सिरमोर, मुकुट।

ਸਿਰਲੇਖ सिर्लेख् Sirlekh [3] पुं०
शीर्षलेख (पुं०) शीर्षक, वह शब्द या वाक्य जो विषय का परिचय कराने के लिए किसी लेख या प्रबन्ध के ऊपर लिखा जाता है।

ਸਿਰਾਲ सिराल् Sirāl [1] पुं०
शिरोबाल (पुं०) सिर के बाल, मस्तक के केश।

ਸਿਰੀ सिरी Sirī [3] पुं०
शिरस् (नपुं०) छोटे आकार का सिर; पशु आदि का सिर।

ਸਿਲ[1] सिल् Sil [3] स्त्री०
शिला (स्त्री०) शिला, सिल, मसाला आदि पीसने का पत्थर।

ਸਿਲ[2] सिल् Sil [3] पुं०
शिल (नपुं०/पुं०) खेत काटने के पश्चात् उसमें बिखरे हुए दाने अथवा बालियाँ।

ਸ਼ਿਲਪ शिलप् Śilap [3] पुं०
शिल्प (नपुं०) मूर्तिकला आदि चौंसठ कलायें, कारीगरी।

ਸਿਲਾ सिला Silā [2] स्त्री०
शिल (पुं० / नपुं०) खेत के कट जाने के पश्चात् उसमें बिखरे दाने या अन्न की बालियाँ।

ਸ਼ਿਲਾ शिला Śilā [3] स्त्री०
शिला (स्त्री०) शिला, चट्टान, प्रस्तर-खण्ड।

ਸਿਲਾਉਣਾ सिलाउणा Silāuṇā [3] सक० क्रि०
सीवयति (दिवादि प्रेर०) सिलाना, सिलाई कराना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸ਼ਿਲਾਜੀਤ शिलाजीत् Śilājit [3] पुं०
शिलाजतु (नपुं०) शिलाजीत, पत्थर की लाख, सूर्य की गर्मी से पत्थरों से चूने वाला पदार्थ विशेष।

ਸਿਲੇਹਰ सिलेहर् Silehar [2] पुं०
शिलाहारिन् (पुं०) शिलोञ्छ कर्म करने वाला।

ਸਿੱਲ੍ਹ सिल्ह् Sillh [3] स्त्री०
शीतल (नपुं०) आर्द्रता, नमी।

ਸਿੱਲ੍ਹਾ सिल्हा Sillhā [3] वि०
शीतल (वि०) सीलन से युक्त, नम, ठंडा।

ਸ਼ਿਵ शिव् Śiv [3] पुं०
शिव (पुं०/नपुं०) पुं०—भगवान् शिव, महादेव। नपुं०—सुख, कल्याण; मुक्ति।

ਸ਼ਿਵਦੁਆਰਾ शिव्दुआरा Śivduārā [3] पुं०
शिवद्वार (पुं०, नपुं०) शिवद्वार, शिवालय, शिव-मन्दिर।

ਸ਼ਿਵਦੁਆਲਾ शिव्दुआला Śivduālā [1] पुं०
द्र०— ਸ਼ਿਵਦੁਆਰਾ

ਸ਼ਿਵਰਾਤ शिव्रात् Śivrāt [3] स्त्री०
शिवरात्रि (स्त्री०) महाशिवरात्रि, फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी जिसमें शिव की पूजा एवं उपासना होती है।

ਸਿਵਾ सिवा Sivā [3] पुं०
शवस्थान (नपुं०) शवस्थान, श्मसान।

ਸ਼ਿਵਾਲਾ शिवाला Śivālā [2] पुं०
शिवालय (पुं०) शिवालय, शिवमन्दिर।

ਸੀ[1] सी Sī [1] भूत० क्रि०
आसीत् (अदादि, अनद्यतन भूत प्र० पु० ए० व०) था, हुआ था।

ਸੀ[2] सी Sī [1] स्त्री०
शीत (नपुं०) ठंड, आर्द्रता।

ਸੀਂ[1] सीं Sī [1] स्त्री०
द्र०—ਸਿਆਣ।

ਸੀਂ[2] सीं Sī [3] स्त्री०
सीमन् (स्त्री०) सीमा, सरहद, हद, मर्यादा; सीमा-चिह्न।

ਸੀਉਣ सीउण् Sīuṇ [3] स्त्री०
सीवन (नपुं०) सिलाई सीखने का भाव।

ਸੀਉਣਾ सीउणा Sīuṇā [3] सक० क्रि०
सीव्यति (दिवादि सक०) कपड़े आदि सीना, सिलाई करना।

ਸੀਊਣਾ सीऊणा Sīūṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਸੀਉਣਾ।

ਸੀਸ सीस् Sīs [3] पुं०
शीर्ष (नपुं०) शिर, सिर।

ਸ਼ੀਸ਼ਮ शीशम् Śīśam [3] पुं०
शिंशपा (स्त्री०) शीशम का पेड़; अशोक वृक्ष।

ਸ਼ੀਸ਼ਾ शीशा Śīśā [3] पुं०
शीशक (नपुं०) शीशा, काँच।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸ਼ੀਂਹ शींह् Śīh [1] पुं०
द्र०—ਸਿੰਘ ।

ਸ਼ੀਂਹਣੀ शींहणी Śīhaṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਸਿੰਘਣੀ ।

ਸੀਖ सीख् Sīkh [2] स्त्री०
शिक्षा (स्त्री०) सीख, उपदेश, नसीहत ।

ਸ਼ੀਘਰ शीघर् Śīghar [1] अ०
शीघ्र (क्रि० वि०) शीघ्र, तत्काल, जल्दी ।

ਸੀਣਾ सीणा Sīṇā [3] सक० क्रि०
सीव्यति (दिवादि सक०) कपड़े सीना, सिलाई करना ।

ਸੀਤਲ सीतल् Sītal [3] वि०
शीतल (वि०) ठंडा, सर्द ।

ਸੀਤਲਤਾ सीतल्ता Sītaltā [3] स्त्री०
शीतलता (स्त्री०) शीतलता, ठंडक ।

ਸੀਤਾਫਲ सीताफल् Satāphal [3] पुं०
सीताफल (नपुं०) शरीफा फल ।

ਸੀਤੋਸ਼ਣ सीतोशण् Sītośaṇ [3] वि०
शीतोष्ण (वि०) शीत-उष्ण, ठंडा-गर्म ।

ਸੀਧ सीध् Sīdh [3] वि०
सिद्ध (वि०) पूर्ण, सम्पन्न ।

ਸੀਰ सीर् Sīr [3] पुं०
स्रव (पुं०) रिस-रिस कर निकलने वाला जल-धार ।

ਸੀਰਨਾ सीर्ना Sīrnā [3] अक० क्रि०
स्रवति (भ्वादि अक०) रिसना, टपकना ।

ਸੀਰੀ सीरी Sīrī [1] पुं०
सीरिन् (वि०/पुं०) वि०—हल चलाने वाला हलवाहा । पुं०—बलराम, बलदेव ।

ਸੀਲ सील् Sīl [3] स्त्री०
शील (नपुं०) शील, स्वभाव; नम्रता ।

ਸੀਵੇਂ सीवें Sīvē [1] क्रि० वि०
समीपे (क्रि० वि०) समीप में ।

ਸੀੜੀ सीड़ी Sīṛī [3] स्त्री०
निःश्रेणी (स्त्री०) नसैनी, सीढ़ी ।

ਸੁਅਸਤ स्वसत् Svasat [3] अ०
स्वस्ति (अ०) कुशल-मंगल बोधक; आशीर्वाद; हाँ, ठीक ।

ਸੁਆਉਣਾ स्वाउणा Svāuṇā [3] पुं०
द्र०—ਸਵਾਉਣਾ ।

ਸੁਆਸ स्वास् Svās [3] पुं०
श्वास (पुं०) साँस, श्वास ।

ਸੁਆਹ स्वाह् Svāh [3] पुं०
स्वाहा (अ०) भस्म, राख ।

ਸੁਆਹਾ स्वाहा Svāhā [3] अ०/स्त्री०
स्वाहा (अ०/स्त्री०) अ०—आहुति त्याग का शब्द । स्त्री०—अग्नि की स्त्री ।

ਸੁਆਂਕ स्वाँक् Svāk [1] पुं०
श्यामाक (पुं०) सावाँ, बरसात की एक फसल ।

ਸੁਆਣੀ स्वाणी Svāṇī [3] स्त्री०
स्वानीता (स्त्री०) स्वकीया, पत्नी, स्वयं व्याह कर लाई गई पत्नी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁਆਂਤ स्वान्त् Svānt [3] स्त्री०
स्वाती (स्त्री०) स्वाती नक्षत्र ।

ਸੁਆਦ स्वाद् Svād [3] पुं०
स्वाद (पुं०) रस, रुचि, जायका ।

ਸੁਆਦਲਾ स्वाद्ला Svādlā [3] वि०
स्वादु (वि०) सुस्वादु, स्वादिष्ट, रुचिकर ।

ਸੁਆਦੀ स्वादी Svādī [3] वि०
द्र०—ਸੁਆਦਲਾ ।

ਸੁਆਦੀਕ स्वादीक् Svādīk [1] वि०
द्र०—ਸੁਆਦਲਾ ।

ਸੁਆਨ स्वान् Svān [3] पुं०
श्वान (पुं०) कुत्ता, कुक्कुर ।

ਸੁਆਮੀ स्वामी Svāmī [3] पुं०
स्वामिन् (पुं०) स्वामी, पति, मालिक ।

ਸੁਆਮੀਤਾ स्वामीता Svāmītā [1] स्त्री०
स्वामिता (स्त्री०) स्वामित्व, अधिकार ।

ਸੁਆਰ[1] स्वार् Svār [2] पुं०
अश्वारोहिन् (पु०) अश्वारोही, घुड़सवार ।

ਸੁਆਰ[2] स्वार् Svār [1] पुं०
सोमवार (पुं०, नपुं०) सोमवार, चन्द्रवार ।

ਸੁਆਰਥ स्वारथ् Svārath [3] पुं०
स्वार्थ (पुं०) अपना प्रयोजन, अपनी गरज ।

ਸੁਆਰਥੀ स्वार्थी Svārthī [3] वि०
स्वार्थिन् (वि०) स्वार्थी, मतलबी, अपना प्रयोजन सिद्ध करने वाला ।

ਸੁਆਰਨਾ स्वार्ना Svārnā [3] अक० क्रि०
संवरयति (चुरादि सक०) संवारना, सजाना, सुसज्जित करना ।

ਸੁਆਲਣਾ स्वाल्णा Svāln̤ā [3] सक० क्रि०
स्वापयति (अदादि प्रेर०) सुलाना, शयन कराना, सोने की प्रेरणा देना ।

ਸੁਸਰਾਲ सुस्राल् Susrāl [3] स्त्री०
श्वसुरालय (पुं०) ससुराल, ससुर का घर ।

ਸੁਸਿਖਿਅਤ सुसिख्यत् Susikhyat [2] वि०
सुशिक्षित (वि०) पढ़ा-लिखा, सभ्य ।

ਸੁਹਣੱਪ सुह्णप्प् Suhn̤app [3] पुं०
शोभनत्व (नपुं०) सुन्दरता, खूबसूरती ।

ਸੁਹਣਾ सुह्णा Suhn̤ā [3] वि०
शोभन (वि०) सुहावना, सुन्दर ।

ਸੁਹਣੇਰਾ सुह्णेरा Suhn̤erā [3] वि०
शोभनतर (वि०) अधिक सुहावन, अपेक्षाकृत अधिक सुन्दर ।

ਸੁੰਹਦਾ सुँह्दा Sūhdā [3] वि०
शोभन/शुभद (वि०) सुहावना, सुन्दर; सुमङ्गल; मंगलप्रद ।

ਸੁਹੱਪਣ सुहप्पण् Suhappan̤ [3] पुं०
शोभनत्व (नपुं०) सुहावनापन, सुन्दरता, चारुता, मनोहरता ।

ਸੁਹਾਉਣਾ सुहाउणा Suhāun̤ā [3] अक० क्रि०
शुभायते (नामधातु अक०) सुहावना लगना, मन को भाना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁਹਾਗ सुहाग् Suhāg [3] पुं०
सौभाग्य (नपुं०) सुहाग, अहिवात, सधवापन; धन्यभाग्य।

ਸੁਹਾਗਣ सुहागण् Suhāgaṇ [3] स्त्री०
सौभाग्यवती (स्त्री०) सुहागिन, सधवा।

ਸੁਹਾਗਾ सुहागा Suhāgā [3] पुं०
सभागक (पुं०) हेंगा, सुहागा, जोती जमीन को बराबर करने वाला पटरा।

ਸੁਹਾਂਜਣਾ सुहाँज्णा Suhājṇā [3] पुं०
शोभाञ्जन (नपुं०) सहजन की फली, मुनगा।

ਸੁਹਾਣਾ सुहाणा Suhāṇā [3] वि०
शोभन (वि०) शोभन, सुन्दर, सुहावना।

ਸੁਹਾਵਣਾ सुहाव्णा Suhāvṇā[3] अक० क्रि०
द्र०—ਸੁਹਾਉਣਾ।

ਸੁਹਾਵਾ सुहावा Suhāvā [3] पुं०
सुभग / सुभाग्य (वि०) सुभग, सुन्दर, बड़भागी, सुन्दर भाग्यवाला।

ਸੁਹਿਰਦ सुहिरद् Suhirad [3] पुं०
सुहृद् (पुं०) मित्र, दोस्त।

ਸੁਹੇਲਾ सुहेला Suhelā [3] वि०
सुलभ (वि०) सुगम, सरलता से प्राप्य।

ਸੁਹੰਜਣਾ सुहंज्णा Suhañjṇā [3] स्त्री०
शोभाञ्जन (पुं०/नपुं०) पुं०—सहिजन वृक्ष। नपुं०—उसका फल।

ਸੁਕਚਣਾ सुकच्णा Sukacṇā [1] अक० क्रि०
द्र०—ਸੁੱਕਚਣਾ।

ਸ਼ੁਕਲ ਸ਼ੁਕਲ੍ Śukal [3] वि०/पुं०
शुक्ल (वि० / नपुं० / पुं०) वि०—सफेद, श्वेत। नपुं०—चाँदी, मक्खन। पुं०—शिव, श्वेत वर्ण।

ਸੁਕੜਨਾ सुकड़्ना Sukaṛnā [3] अक० क्रि०
संकुटति (भ्वादि अक०) सिकुड़ना, संकुचित होना, सिमटना।

ਸੁਕੜੂ सुक्ड़ू Sukṛū [3] पुं०
द्र०—ਸੁੱਕੜ।

ਸੁਕਾਉਣਾ सुकाउणा Sukāuṇā [3] सक० क्रि०
शोषयति (दिवादि प्रेर०) सुखाना, शुष्क करना; शोषण करना।

ਸੁਕਾਈ सुकाई Sukāī [3] स्त्री०
शोष (पुं०) सुखाई, सूखा करने का भाव।

ਸੁਕੁਤਰ सुकुतर् Sukutar [2] पुं०
सपत्नीपुत्र (पुं०) सौत का पुत्र, सौतेला पुत्र।

ਸੁਕੇੜਨਾ सुकेड़्ना Sukeṛnā [3] सक० क्रि०
संकोचयति (तुदादि प्रेर०) सिकोड़ना, संकुचित करना, समेटना।

ਸੁੱਕੜਾ सुक्क्ड़ा Sukkṛā [3] अक० क्रि०
शुष्यति (दिवादि अक०) सूखना, शुष्क होना; कृश होना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸ਼ੁੱਕਰ शुक्कर् Śukkar [3] पुं०
शुक्र (पुं०) शुक्र ग्रह; शुक्राचार्य, दैत्यों के गुरु; शुक्रवार।

ਸੁੱਕੜ सुक्कड़् Sukkaṛ [3] वि०
शुष्क (वि०) सूखा हुआ; दुबला-पतला।

ਸੁੱਕਾ सुक्का Sukkā [3] पुं०
शुष्क (वि०) शुष्क, सूखा।

ਸੁੱਕੇਅੰਬਰ सुक्केअंबर् Sukkeambar [3] क्रि० वि०
शुष्काम्बरे (क्रि० वि०) निर्मल आकाश में।

ਸੁਖ सुख् Sukh [3] पुं०
सुख (नपुं०) सुख, आनन्द; अनुकूलता।

ਸੁਖਜੀਉੜਾ सुख्जीऊड़ा Sukhjīūṛā [3] पुं०
सुखजीवन (वि०) सुखजीवी, आराम-तलब।

ਸੁਖਦਾਈ सुख्दाई Sukhdāī [3] वि०
सुखदायिन् (वि०) सुख देने वाला, सुखदायक, सुख-प्रद।

ਸੁਖਦੇਈ सुख्देई Sukhdeī [2] स्त्री०
सुखदेवी (स्त्री०) सुख की देवी; रजाई।

ਸੁਖਦੇਵ सुख्देव् Sukhdev [3] पुं०
शुकदेव (पुं०) व्यास के पुत्र शुकदेव मुनि।

ਸੁਖਨਿਧਾਨ सुख्निधान् Sukhnidhān [3] पुं०
सुखनिधान (नपुं०) सुख का भण्डार, सुखागार, आनन्द-सागर।

ਸੁਖਮਣਾ सुख्मणा Sukhmaṇā [3] स्त्री०
सुषुम्णा (स्त्री०) सुषुम्ना नाड़ी।

ਸੁਖਮਨਾ सुख्मना Sukhmanā [3] स्त्री०
सुषुम्ना (स्त्री०) सुषुम्ना नाड़ी, शरीरस्थ तीन प्रधान नाड़ियों में से एक जो इडा और पिंगला के बीच में है।

ਸੁਖਾਉਣਾ सुखाउणा Sukhāuṇā [3] अक० क्रि०
सुखयति (चुरादि अक०) सुख देना, प्रिय लगना, अनुकूल होना।

ਸੁਖੀਆ सुखीआ Sukhīā [3] वि०
सुखिन् (वि०) सुखी, सुख-सम्पन्न।

ਸੁਖੁਪਤੀ सुखुप्ती Sukhuptī [3] स्त्री०
सुषुप्ति (स्त्री०) गहरी नींद; अज्ञान।

ਸੁਖੈਨ सुखैन् Sukhain [3] वि०
सुखायन (वि०) सुगम, सरल।

ਸੁੱਖ सुक्ख् Sukkh [3] वि०
सुख (नपुं०) सुख-शान्ति, चैन।

ਸੁੱਖ-ਸਾਂਦ सुक्ख् साँद् Sukkhsād̃ [3] स्त्री०
सुख-शान्ति (स्त्री०) सुख, शान्ति, चैन।

ਸੁਗਤ सुगत् Sugat [1] पुं०
स्वगत (वि०/नपुं०) वि०—अपने आप प्राप्त। नपुं०—मन की बात, गोपनीय बात, रहस्य-वार्ता।

ਸੁੰਗਰੀ सुंग्री Suṅgrī [1] पुं०
सूकर (पुं०) सुअर, सूकर।

ਸੁੰਗੜਨਾ सुंगड़्णा Suṅgaṛṇā [3] अक०क्रि०
संकुटति (भ्वादि अक०) सिकुड़ना, संकुचित होना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁੰਗੜਵਾਂ सुंगड़्वाँ Suṅgaṛvā̃ [3] **वि०**
संकुटित/संकुचित (वि०) सिकुड़ा हुआ, संकुचित।

ਸੁਗਾਤ सुगात् Sugāt [3] **वि०**
सुगात्र (वि०) सुन्दर शरीर वाला, सुडौल।

ਸੁੰਗੇੜਨਾ सुंगेड़्ना Suṅgeṛnā [3] **सक० क्रि०**
संकोटयति / संकोचयति (तुदादि प्रेर०) संकुचित करना, सिकोड़ना।

ਸੁਗੰਧ सुगन्ध् Sugandh [3] **स्त्री०**
सुगन्ध (पुं०) सुगन्ध, सुन्दर गन्ध।

ਸੁਗੰਧਿਆ सुगन्धिआ Sugandhiā [3] **वि०**
सुगन्धित (वि०) सुगन्धित, सुगन्ध से युक्त।

ਸੁਘਟੀਆ सुंघटीआ Suṅghaṭīā [2] **वि०**
शिङ्घक (वि०) सूँघने वाला, गन्ध लेने वाला, आघ्राता।

ਸੁੰਘਣਾ सुंघ्णा Suṅghṇā [3] **सक० क्रि०**
शिङ्घति (भ्वादि सक०) सूँघना, आघ्राण करना।

ਸੁੰਘਵਈਆ सुंघ्वईआ Suṅghvaīā [3] **पुं०**
शिङ्घयितृ (वि०) सुँघाने वाला, आघ्रापक।

ਸੁੱਘੜ सुग्घड़् Sugghaṛ [3] **वि०**
सुघट (वि०) सुघड़; सुन्दर, भव्याकृत।

ਸੁੱਘੜਤਾਈ सुग्घड़्ताई Sugghaṛtāī [3] **स्त्री०**
सुघटता (स्त्री०) सुघड़ता, सुन्दर गढ़न।

ਸੁਚੱਜ सुचज्ज् Sucajj [3] **पुं०**
सुचर्या (स्त्री०) सदाचार, नेक व्यवहार या चाल-चलन, शिष्टाचार।

ਸੁਚੱਜਾ सुचज्जा Sucajjā [3] **वि०**
सुचर्य (वि०) सदाचारी, नेक चलन, शिष्टाचारी।

ਸੁਚੇਤ सुचेत् Sucet [3] **वि०**
सचेतस् (वि०) चेतनता सहित, सचेतन; सावधान, सचेत।

ਸੁੱਚ सुच्च् Succ [3] **स्त्री०**
शुचि (पुं०) पवित्रता, अच्छाई।

ਸੁੱਚਮ[1] सुच्चम् Succam [3] **स्त्री०**
शुचिता (स्त्री०) पवित्रता, शुद्धता।

ਸੁੱਚਮ[2] सुच्चम् Succam [3] **वि०**
शुचितम (वि०) शुद्धि पर अधिक ध्यान देने वाला, पवित्रतम।

ਸੁੱਚਮਤਾ सुच्चम्ता Succamtā [3] **स्त्री०**
शुचिमत्ता (स्त्री०) पवित्रता, शुद्धता।

ਸੁੱਚਮਤਾਈ सुच्चम्ताई Succamtāī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਸੁੱਚਮਤਾ।

ਸੁੱਚਾ सुच्चा Succā [3] **वि०**
शुचि (वि०) पवित्र, अच्छा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁਜਸ सुजस् Sujas [3] पुं०
सुयशस् (नपुं०/वि०) नपुं०—सुन्दर कीर्ति, नेकनामी। वि०—सुन्दर यशवाला, नेकनाम।

ਸੁਜਾਉਣਾ सुजाउणा Sujāuṇā [3] सक० क्रि०
श्वाययति (भ्वादि प्रेर०) सुजाना, शोथ डालना, फुलाना।

ਸੁਜਾਖਾ सुजाखा Sujākhā [3] पुं०
सुचक्षुष् (वि०) सुन्दर अथवा उत्तम आँखों वाला, जिसके नेत्र सुन्दर हों।

ਸੁਜਾਗ सुजाग् Sujāg [1] वि०
सुजागरित (वि०) जागृत; सचेत, सावधान।

ਸੁਜਾਗਾ सुजागा Sujāgā [3] वि०
द्र०—ਸੁਜਾਗ।

ਸੁਜਾਨ सुजान् Sujān [3] वि०
सुज्ञान (नपुं०/वि०) नपुं०—उत्तम ज्ञान, यथार्थ ज्ञान। वि०—सुन्दर अथवा यथार्थ ज्ञान वाला, चतुर, ज्ञानी।

ਸੁਜੋਗ[1] सुजोग् Sujog [3] वि०
सुयोग्य (वि०) सुयोग्य, लायक।

ਸੁਜੋਗ[2] सुजोग् Sujog [3] पुं०
सुयोग (पुं०) उत्तम योग या सम्बन्ध।

ਸੁਜੋਤ सुजोत् Sujot [3] स्त्री०
सुज्योतिस् (नपुं० / वि०) नपुं०—उत्तम प्रकाश। वि०—श्रेष्ठ प्रकाश वाला।

ਸੁੱਜਣਾ सुज्जणा Sujjaṇā [3] अक० क्रि०
शूयते (भ्वादि भाव०) सूजना, फूलना।

ਸੁੰਞ सुंञ् Suñjh [3] स्त्री०
शून्य (वि०) शून्य, सूना, रिक्त।

ਸੁੰਞਾ सुंञा Suñjhā [3] वि०
शून्य (वि०) शून्य, सूना, रिक्त।

ਸੁਝਾਉ सुझाउ Sujhāu [3] पुं०
संबोध (पुं०) सुझाव, परामर्श।

ਸੁਝਾਊ सुझाऊ Sujhāū [3] वि०
सम्बोधक (वि०) सुझाने वाला, सलाह देने वाला।

ਸੁਝਾਈ सुझाई Sujhāī [3] स्त्री०
द्र०—ਸੁਝਾਉ।

ਸੁੱਝਣਾ सुज्झणा Sujjhaṇā [3] अक० क्रि०
संबुध्यते (भ्वादि कर्म०) सूझना, प्रतीत होना।

ਸੁੰਞਾ सुंञा Suññā [3] वि०
शून्य (वि०) शून्य, सूना, रिक्त।

ਸੁੱਟਣਾ सुट्टणा Suṭṭaṇā [3] अक० क्रि०
सूत्क्षिपति (तुदादि सक०/भ्वादि सक०) फेंकना, दूर भगाना; गँवाना; व्यर्थ खर्च करना।

ਸੁੰਡ सुण्ड् Suṇḍ [3] पुं०
शुण्डा (स्त्री०) हाथी की सूँड।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁੰਢ सुण्ढ् Suṇḍh [3] **स्त्री०**
शुण्ठी (स्त्री०) सोंठ, अदरक।

ਸੁਣਨਾ सुण्ना Suṇṇā [3] **सक० क्रि०**
शृणोति (भ्वादि सक०) सुनना, श्रवण करना।

ਸੁਤਹ सुतह् Sutah [1] **अ०**
स्वतः (अ०) अपने-आप, स्वाभाविक।

ਸੁਤੜਾ सुत्ड़ा Sutṛā [3] **पुं०**
सुप्त (वि०) सोया हुआ, निद्रा युक्त।

ਸੁਤਾ सुता Sutā [3] **स्त्री०**
सुरति (स्त्री०) सुरति, ध्यान।

ਸੁਤੇ सुते Sute [3] **क्रि० वि०**
स्वतः (अ०) स्वतः, अपने-आप।

ਸੁਤੇਸਿੱਧ सुतेसिद्ध् Sutesiddh [3] **वि०**
स्वतःसिद्ध (वि०) स्वतःसिद्ध, अपने-आप निष्पन्न।

ਸੁਤੇਲਾ सुतेला Sutelā [3] **पुं०**
सापत्न (वि०) सौतेला; पक्षपात पूर्ण।

ਸੁਤੰਤਰ सुतन्तर् Sutantar [3] **वि०**
स्वतन्त्र (वि०) स्वतन्त्र; स्वाधीन, आज़ाद।

ਸੁਤੰਤਰਤਾ सुतन्तर्ता Stantartā [3] **स्त्री०**
स्वतन्त्रता (स्त्री०) स्वतन्त्रता, स्वाधीनता, आज़ादी।

ਸੁੱਤੜ सुत्तड़् Suttaṛ [3] **पुं०**
सुप्ततर (वि०) बहुत सोने वाला, अति निद्रालु।

ਸੁੱਤਾ सुत्ता Suttā [3] **पुं०**
सुप्त (वि०) सोया हुआ, नींद से युक्त, निद्रित।

ਸੁਥਨੀ सुथ्नी Suthnī [3] **स्त्री०**
सुस्तनी (स्त्री०) सुन्दर स्तनों वाली।

ਸੁਥਰਾ सुथ्रा Suthrā [3] **पुं०**
सुस्थल (नपुं०) साफ जगह, शुद्ध स्थान।

ਸੁੰਦਰਤਾ सुन्दर्ता Sundartā [3] **स्त्री०**
सुन्दरता (स्त्री०) सुन्दरता, सौन्दर्य।

ਸੁਦਾਮਾ सुदामा Sudāmā [3] **पुं०**
सुदामन् (पुं०) एक कंगाल ब्राह्मण जो श्री कृष्ण के मित्र थे तथा श्रीकृष्ण ने जिनको प्रभूत धन दिया था।

ਸੁੰਧਕਣਾ सुन्धक्णा Sundhakṇā [1] **अक० क्रि०**
सन्धुक्ष्यते (भ्वादि कर्म०) अन्दर ही अन्दर सुलगना अथवा जलना; थकना।

ਸੁਧਰਨਾ सुधर्ना Sudharnā [3] **अक० क्रि०**
सूद्धरति (भ्वादि अक०) सुधरना, सुधार होना।

ਸੁਧਰਮਾ सुधर्मा Sudharmā [3] **पुं०**
सुधर्मन् (पुं०/वि०) पुं०—इन्द्र की सभा, देव-सभा। वि०—उत्तम धर्मवाला, धर्मपरायण।

ਸੁਧਾਉਣਾ सुधाउणा Sudhāuṇā [3] **सक० क्रि०**
शोधयति (दिवादि प्रेर०) संशोधन करना; कुण्डली आदि पर विचार कराना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁਧਾਈ सुधाई Sudhāī [3] स्त्री०
शोधकर्म (नपुं०) शुद्ध करने का काम।

ਸੁਧਾਮ सुधाम् Sudhām [3] पुं०
सुधामन् (नपुं०) सुन्दर घर, आराम-दायक मकान; चन्द्रमा; स्वर्ग।

ਸੁਧਾਰ सुधार् Sudhār [3] पुं०
समुद्धार (पुं०) सुधारने का भाव, दुरुस्ती,

ਸ਼ੁੱਧਤਾ शुद्धता Śuddhatā [3] स्त्री०
शुद्धता (स्त्री०) शुद्धता, पवित्रता।

ਸੁੱਧਾ सुद्धा Suddhā [1] वि०
शुद्ध (वि०) शुद्ध, निर्मल, पवित्र।

ਸ਼ੁੱਧੀ शुद्धी Śuddhī [3] स्त्री०
शुद्धि (स्त्री०) शुद्धि, शुद्धता।

ਸੁੰਨ सुन्न् Sunn [3] पुं०
शून्य (नपुं०) शून्य, निर्जन, एकान्त।

ਸੁਨੱਖਾ सुनक्खा Sunakkhā [3] पुं०
स्वक्ष (सुनयनाक्ष) (वि०) सुन्दर आँखों वाला, सुनयन, सुन्दर।

ਸੁੰਨਤਾ सुन्नता Sunnatā [3] स्त्री०
शून्यता (स्त्री०) शून्यता, सुनसान; खामोशी।

ਸੁੰਨਾ सुन्ना Sunnā [3] पुं०
शून्य (नपुं०) सूना, निर्जन, एकान्त।

ਸੁਨਿਆਰ सुन्यार् Sunyār [3] पुं०
स्वर्णकार (पुं०) स्वर्णकार, सुनार।

ਸੁਨਿਆਰਾ सुन्यारा Sunyārā [2] पुं०
द्र०—ਸੁਨਿਆਰ।

ਸੁਨਿਆਰੀ सुन्यारी Sunyārī [3] स्त्री०
स्वर्णकारिणी (स्त्री०) सुनारिन, सुनारी।

ਸੁਨੇਹੜਾ सुनेह्ड़ा Sunehṛā [3] पुं०
द्र० – ਸੁਨੇਹਾ।

ਸੁਨੇਹਾ सुनेहा Sunehā [3] पुं०
सन्देश (पुं०) सन्देश, समाचार, वृत्तान्त।

ਸੁਪਤ सुपत् Supat [3] वि०
सुप्त (वि०) सोया हुआ, नींद से युक्त, निद्रित।

ਸੁਪੱਤਾ सुपत्ता Supattā [1] वि०
सुपात्र (वि०) सुयोग्य; सम्मानित, सज्जन।

ਸੁਪਨਾ सुप्ना Supnā [3] पुं०
स्वप्न (पुं०) स्वप्न, सपना; निद्रा, नींद।

ਸੁਪਾਤਰ सुपातर् Supātar [3] वि०
सुपात्र (वि०) सुपात्र, सुयोग्य; उत्तम आश्रय।

ਸੁਪੁੱਤ सुपुत्त् Suputt [3] पुं०
सुपुत्र (पुं०) सुपुत्र, सपूत।

ਸੁਪੁੱਤਰ सुपुत्तर् Suputtar [3] पुं०
द्र०—ਸੁਪੁੱਤ।

ਸੁਫਨਾ सुफ्ना Suphnā [2] पुं०
स्वप्न (पुं०) स्वप्न, सपना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁੰਬਾ सुम्बा Sumbā [3] पुं०
शिम्बा (स्त्री०) शुम्बा, छेद करने का औजार।

ਸੁੱਬ सुब्ब् Subb [3] पुं०
शुल्व (नपुं०) डोरी, रस्सी।

ਸੁੱਬੜ सुब्बड़् Subbaṛ [3] पुं०
द्र०—ਸੁੱਬ।

ਸੱਬਾ सुब्बा Subbā [3] पुं०
द्र०—ਸੁੱਬ।

ਸੁੱਬੀ सुब्बी Subbī [3] स्त्री०
शुल्व (नपुं०) छोटी डोरी, रस्सी।

ਸੁਭਾਉ सुभाउ Snbhāu [3] पुं०
स्वभाव (पुं०) स्वभाव, प्रकृति, आदत।

ਸੁਭਾਉਕੀ सुभाउकी Subhāukī [3] वि०
स्वाभाविक (वि०) स्वाभाविक, अवस्थानुकूल।

ਸੁਭਾ सुभा Subhā [3] पुं०
स्वभाव (पुं०) स्वभाव, प्रकृति, आदत।

ਸੁਭਾਇ सुभाइ Subhāi [3] पुं०
द्र०—ਸੁਭਾਉ।

ਸੁਭਾਇਕ सुभाइक् Subhāik [3] वि०
शोभादायक (वि०) शोभा देने वाला, सुन्दर, सुहावन।

ਸੁਭਾਖ सुभाख् Subhākh [3] पुं०
सुभाष (पुं०) सुन्दर कथन, सुन्दर वचन।

ਸੁਭਾਖਾ सुभाखा Subhākhā [3] पुं०
द्र०—ਸੁਭਾਖ।

ਸੁਭਾਗ सुभाग् Subhāg [3] वि०
सुभाग्य (वि०) उत्तम भाग्यवाला, सौभाग्यशाली।

ਸੁਭਾਗਾ सुभागा Subhāgā [3] पुं०
सुभग (वि०) सौभाग्यशाली, भाग्यशाली, बड़भागी।

ਸੁਭਾਣਕ सुभाणक् Subhāṇak [3] स्त्री०
सुभाणक (नपुं०) सुन्दर सन्देश; सुभाषित।

ਸੁਭਾਵ सुभाव् Subhāv [3] पुं०
द्र०—ਸੁਭਾਉ।

ਸੁਭਾਵਕ सुभावक् Subhāvak [3] वि०
स्वाभाविक (वि०) अवस्थानुकूल, सहज।

ਸੁਭਿੱਖ सुभिक्ख् Subhikkh [1] पुं०
सुभिक्ष (नपुं०) सुन्दर काल, सुकाल, अकाल का विपर्यय।

ਸੁਮੇਲ सुमेल् Sumel [3] पुं०
सुमेल/सुमेलन (पुं०/नपुं०) उचित मेल या योग।

ਸੁਰ सुर् Sur [3] स्त्री०/पुं०
सुर (पुं०) सुर, स्वर, आवाज।

ਸੁਰਸਤੀ सुरसती Sursatī [3] स्त्री०
सरस्वती (स्त्री०) सरस्वती देवी, विद्या की अधिष्ठात्री, देवी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁਰਸੁਰਾਉਣਾ सुरसुराउणा Sursurāuṇā [3] सक० क्रि०
सुर्सुरायते (नामधातु सक०) सारयति, (भ्वादि प्रेर०) सुरसुराना; सहलाना; सरकाना।

ਸੁਰਹੀ सुर्ही Surhī [3] स्त्री०
सुरभि (स्त्री०) सुगन्ध, सौरभ।

ਸੁਰੱਖਿਅਤ सुरक्ख्यत् Surakkhyat [3] वि०
सुरक्षित (वि०) सुरक्षित, रक्षा-सम्पन्न, जिसकी रक्षा की गयी हो; अच्छी तरह से रखा हुआ।

ਸੁਰਗੀ सुर्गी Surgī [3] वि०
स्वर्गीय (वि०) स्वर्गीय, स्वर्ग-सम्बन्धी, अलौकिक।

ਸੁਰਤ सुरत् Surat [3] स्त्री०
सुरति (स्त्री०) ध्यान; श्रेष्ठ प्रेम।

ਸੁਰਨਾ सुर्ना Surnā [1] सक० क्रि०
सारयति (भ्वादि प्रेर०) हटाना, दूर करना।

ਸੁਰਮਾ सुर्मा Surmā [3] पुं०
सुरमा (स्त्री०) सुरमा, काजल।

ਸੁਰਮੀ सुर्मी Surmī [1] स्त्री०
द्र०—ਸੁਰਮਾ।

ਸੁਰਿਆਲ सुर्याल् Suryāl [1] पुं०
श्वसुरशाला (स्त्री०) ससुराल, ससुर का घर।

ਸੁਰਿੰਦ सुरिन्द् Surind [3] पुं०
सुरेन्द्र (पुं०) सुरों का राजा, देवराज, इन्द्र।

ਸੁਰੀਤਾ सुरीता Surītā [3] स्त्री०
स्वहृता (स्त्री०) धन से खरीदी गयी पत्नी।

ਸੁਰੰਗ सुरंग् Surang [3] स्त्री०
सुरङ्गा (स्त्री०) सुरंग, भूमिगत मार्ग।

ਸੁਲਕ शुलक् Śulak [3] पुं०
शुल्क (नपुं०) मूल्य, कीमत; कर।

ਸੁਲੱਖਣਾ सुलक्ख्णा Sulakkhṇā [3] वि०
सुलक्षण (वि०) सुलक्षण, शुभ लक्षण-सम्पन्न; भाग्यवान्।

ਸੁਲੱਛਣਾ सुलच्छ्णा Sulacchṇā [2] वि०
द्र०—ਸੁਲੱਖਣਾ।

ਸੁਲਭ सुलभ् Sulabh [3] वि०
सुलभ (वि०) सुलभ, सुगमता से प्राप्त।

ਸੁਲੱਭ सुलब्भ् Sulabbh [3] वि०
सुलभ्य (वि०) सुलभ्य, सरलता से मिलने योग्य।

ਸੁਲਾਉਣਾ सुलाउणा Sulāuṇā [3] सक० क्रि०
स्वापयति (अदादि प्रेर०) सुलाना, शयन कराना।

ਸੁਵਰਣ सुव्रण् Suvraṇ [3] पुं०
सुवर्ण (पुं० / नपुं०) पुं०—उत्तम जाति; सुन्दर अक्षर; बढ़िया रंग। नपुं०—सोना, स्वर्ण।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁਵੰਨ सुवंन् Suvann [3] पुं०/वि०
सुवर्ण (पुं० / वि०) पुं०—उत्तम वर्ण।
वि०—सुन्दर रंग का।

ਸੁਵੰਨੜੀ सुवन्नड़ी Suvannaṛī [3] स्त्री०
सौवर्णी (स्त्री०) सुन्दर वर्ण वाली, अच्छे रंग की।

ਸੁਵੰਨਾ सुवन्ना Suvannā [3] स्त्री०
सुवर्णा (स्त्री०) सुन्दर वर्ण वाली, अच्छे रंग वाली।

ਸੂ सू Sū [3] स्त्री०
सूत (नपुं०) प्रसव, उत्पन्न करने का भाव।

ਸਆ[1] सूआ Sūā [3] पुं०
सूत (पुं०) प्रसूति, छोटा बच्चा।

ਸੂਆ[2] सूआ Sūā [3] पुं०
सूची (स्त्री०) सूआ, सूजा, सूई।

ਸੂਆ[3] सूआ Sūā [2] पुं०
शूक (पुं०, नपुं०) जौ आदि का नुकीला भाग, टूँड।

ਸੁਆ[4] सूआ Sūā [1] पुं०
शुक (पुं०) शुक, तोता।

ਸੂਈ सूई Sūī [3] स्त्री०
सूची (स्त्री०) कपड़ा आदि सीने की सूई।

ਸੂਈ-ਭਰ सूईभर् Sūībhar [3] वि०
सूचीभर (वि०) सूई भर, सूई के माप का।

ਸੂਹਣੀ सूह्णी Sūhṇī [3] स्त्री०
शोधनी (स्त्री०) झाड़ू, बुहारी।

ਸੂਹਾ सूहा Sūhā [3] वि०
शोण (वि०) लाल, रक्त।

ਸੂਖਮ सूखम् Sūkham [3] वि०
सूक्ष्म (वि०) सूक्ष्म, महीन; बहुत छोटा; तीक्ष्ण; बहुत थोड़ा।

ਸੂਖਮਤਾ सूखम्ता Sūkhamtā [3] स्त्री०
सूक्ष्मता (स्त्री०) सूक्ष्मता, महीनी; अतिलाघव; तीक्ष्णता।

ਸੂਚੀ सूची Sūcī [3] स्त्री०
सूची (स्त्री०) सूची, अनुक्रमणी।

ਸੂਜ सूज् Sūj [2] स्त्री०
शून (नपुं०) सूजन, शोथ।

ਸੂਣਾ सूणा Sūṇā [3] सक० क्रि०
सूते (अदादि सक०) पैदा करना, जन्म देना, उत्पन्न करना।

ਸੂਤ सूत् Sūt [3] पुं०
सूत्र (नपुं०) सूत, धागा; रस्सी।

ਸੂਤਕ सूतक् Sūtak [3] पुं०
सूतक (नपुं०) अशौच, अशुद्धि जो जन्म एवं मरण के समय होती है।

ਸੂਤਰ सूतर् Sūtar [3] पुं०
सूत्र (नपुं०) सूत्र, नियम, किसी नियम का बोधक व्याख्या-सापेक्ष छोटा वाक्य।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੂਤਰਧਾਰ सूतर्धार् Sūtardhār [3] पुं०
सूत्रधार (पुं०) सूत्रधार, नट, नाटक खेलने वाला।

ਸੂਤਲੀ सूत्ली Sūtlī [3] स्त्री०
सूत्र (नपुं०) सूतली, रस्सी।

ਸੂਤੀ सूती Sūtī [3] वि०
सौत्रिक (वि०) सूत से निर्मित वस्त्र आदि, सूत से सम्बन्धित।

ਸੂਦ सूद् Sūd [3] पुं०
कुसीद (नपुं०) सूद, व्याज।

ਸੂਦਰ शूदर् Śūdar [3] पुं०
शूद्र (पुं०) शूद्र वर्ण, चार वर्णों में से चौथा और अंतिम वर्ण।

ਸੂਰ[1] सूर् Sūr [3] पुं०
शूकर/सूकर (पुं०) सूअर, शूकर।

ਸੂਰ[2] सूर् Sūr [3] पुं०
शूर (वि०) शूर, वीर, बहादुर।

ਸੂਰਜ सूरज् Sūraj [3] पुं०
सूर्य (पुं०) सूरज, सूर्य।

ਸੂਰਾ सूरा Sūrā [2] पुं०
द्र०—ਸੂਰ[2]।

ਸੂਰੀ सूरी Sūrī [3] स्त्री०
शूकरी (स्त्री०) सूअरी, मादा शूकर।

ਸੂਲ सूल् Sūl [3] पुं०
शूल (नपुं०, पुं०) शूल, कण्टक, काँटा।

ਸੂਲੀ सूली Sūlī [3] स्त्री०
शूल (नपुं०, पुं०) शूली, प्राणदण्ड देने का नुकीला साधन-विशेष।

ਸੇ से Se [2] वि०
सः (सर्व० प्रथमान्त) वह, दूरस्थ व्यक्ति।

ਸੇਉਣਾ सेउणा Seuṇā [3] सक० क्रि०
स्मरति (भ्वादि सक०) स्मरण करना, याद करना।

ਸੇਓ सेओ Seo [3] स्त्री०
सेतु (पुं०) सेतु, पुल; बाँध।

ਸੇਈ सेई Seī [3] सर्व०
सैव (अ०) वह ही, वही।

ਸੇਸ਼ ਸ਼ेष् Śeṣ [3] वि०/पुं०
शेष (वि० / पुं०) वि०—शेष, अवशिष्ट, बाकी। पुं०—शेषनाग; परिणाम।

ਸੇਹ सेह् Seh [3] स्त्री०
शल्य (पुं०) काँटा; कटीली झाड़ी; साही।

ਸੇਹਰਾ सेह्रा Sehrā [3] पुं०
द्र०—ਸਿਹਰਾ।

ਸੇਗਲ सेगल् Segal [1] स्त्री०
सजलता (स्त्री०) नमी, आर्द्रता।

ਸੇਜ सेज् Sej [3] स्त्री०
शय्या (स्त्री०) सेज, बिस्तर।

ਸੇਜਲ सेजल् Sejal [3] स्त्री०
सजलता (स्त्री०) नमी, आर्द्रता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੇਜਾ सेजा Sejā [3] **स्त्री०**
शय्या (स्त्री०) सेज, बिस्तर।

ਸੇਂਜਾ सेंजा Sējā [3] **पुं०**
सेचन (नपुं०) सींचने का भाव, सिंचन।

ਸੇਂਜੂ सेंजू Sējū [3] **वि०**
सेक्य (वि०) सिंचाई योग्य, सींचने लायक।

ਸੇਠ[1] सेठ् Seṭh [3] **वि०**
श्रेष्ठ (वि०/पुं०) वि०—उत्तम, बढ़िया।
पुं०—सेठ, धनी।

ਸੇਠ[2] सेठ् Seṭh [3] **पुं०**
श्रेष्ठिन् (पुं०) सेठ, साहूकार।

ਸੇਠਣ सेठण् Seṭhaṇ [3] **स्त्री०**
श्रेष्ठिनी (स्त्री०) सेठानी, सेठ की स्त्री।

ਸੇਠਣੀ सेठ्णी Seṭhṇī [1] **स्त्री०**
द्र०—ਸਿਠਾਣੀ।

ਸੇਤ[1] सेत् Set [1] **पुं०**
स्वेद (पुं०) स्वेद, पसीना।

ਸੇਤ[2] सेत् Set [1] **अ०**
समेत (नपुं०) साथ, संग।

ਸੇਤ[3] सेत् Set [1] **पुं०**
श्वेत (वि०) सफेद, गोरा।

ਸੇਤਜ सेतज् Setaj [3] **वि०**
स्वेदज (वि०) पसीने से उत्पन्न होने वाली जूँ इत्यादि।

ਸੇਤਤਾ सेत्ता Settā [3] **स्त्री०**
श्वेतता (स्त्री०) श्वेतता, सफेदी, शुभ्रता।

ਸੇਤਾ सेता Setā [3] **वि०**
श्वेत (वि०) श्वेत, सफेद, गौर।

ਸੇਤੀ सेती Setī [3] **अ०**
द्र०—ਸੇਤ[2]।

ਸੇਂਧਾ सेंधा Sēdhā [2] **पुं०**
सैन्धव (नपुं०) सेंधा नमक।

ਸੇਬ सेब् Seb [3] **पुं०**
सेवि/सेव (नपुं०/पुं०) नपुं०—सेव-फल।
पुं०—सेव-वृक्ष।

ਸੇਬਾਲ सेबाल् Sebāl [3] **पुं०**
शैवाल (पुं०, नपुं०) शैवाल, सेवार।

ਸੇਮ सेम् Sem [1] **स्त्री०**
शिम्बा (स्त्री०) सेम, छीमी।

ਸੇਲਾ सेला Selā [3] **पुं०**
शल्य (नपुं०) भाला; तीर।

ਸੇਵਕਾਣੀ सेव्काणी Sevkāṇī [2] **स्त्री०**
सेविका (स्त्री०) सेविका, दासी।

ਸੇਵਕੀ सेव्की Sevkī [3] **वि०**
सेवकीय (वि०) सेवकों का कार्य या समूह, सेवक से संबन्धित।

ਸੇਵਣਾ सेव्णा Sevṇā [3] **सक० क्रि०**
सेवते (भ्वादि सक०) सेवा करना; अनुसरण करना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੇਵਤ सेवत् Sevat [1] वि०
सेवित (वि०) जिसका सेवन किया गया है; उपास्य, सेव्य।

ਸੇਵਤੀ सेव्ती Sevtī [2] स्त्री०
सेमन्ती (स्त्री०) सफेद गुलाब, 'सेवती' नामक गुलाब।

ਸੇਵਾ सेवा Sevā [3] स्त्री०
सेवा (स्त्री०) सेवा, परिचर्या।

ਸੇਵੀਆਂ सेवीआँ Sevīā̃ [3] स्त्री०
सेविका (स्त्री०) सेवई, सूतफेनी।

ਸੈ सै Sai [2] वि०
शत (नपुं०) सौ, १०० संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਸੈਈਕਾਰ सैकार् Saikār [1] पुं०
सेवाकार (पुं०) सहायक, रक्षक।

ਸੈਈਕਾਰੀ सैकारी Saikārī [1] स्त्री०
सेवाकार्य (नपुं०) सेवा का कार्य; सहायता।

ਸੈਂਸਾ सैंसा Saisā [2] पुं०
संशय (पुं०) संशय, संदेह।

ਸੈਹਾ सैहा Saihā [1] पुं०
द्र०—ਸਹਿਆ।

ਸੈਂਕੜਾ सैंक्ड़ा Saiḱṛā [3] वि०
शतक (नपुं०) सैकड़ा, एक सौ का समूह।

ਸੈਂਚਾ सैंचा Saicā [3] पुं०
संचक (पुं०, नपुं०) साँचा जिससे ईंट आदि ढाली जाती है।

ਸੈਂਚੀ सैंची Saicī [3] स्त्री०
सञ्चित (नपुं०) किसी ग्रन्थ का भाग या खण्ड जो एक जिल्द में हो।

ਸੈਂਤ सैंत् Sait [1] स्त्री०
शान्ति (स्त्री०) शान्ति, चैन, आराम।

ਸੈਂਤੀ सैंती Saitī [3] वि०
सप्तत्रिंशत् (स्त्री०) सैंतीस, 37 संख्या या उससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਸੈਨ सैन् Sain [1] पुं०
स्वजन (पुं०) आत्मीय, सम्बन्धी।

ਸੈਨਤ सैनत् Sainat [3] स्त्री०
संकेत (पुं०) संकेत, इंगित, इशारा।

ਸੈਨਾ सैना Sainā [3] स्त्री०
सैन्य (नपुं०) सेना, बल।

ਸੋ सो So [3] सर्व०
सः (सर्व० प्रथमान्त) वह, दूरस्थ व्यक्ति।

ਸੋਊ सोऊ Soū [2] सर्व०
सैव (अ०) वही, दूरस्थ व्यक्ति।

ਸੋਇਨਾ सोइना Soinā [2] पुं०
स्वर्ण (नपुं०) सोना, सुवर्ण।

ਸੋਏ सोए Soe [3] पुं०
शतपुष्प (पुं०) सोये का पौधा, सौंफ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸ਼ੋਸ਼ਣ शोशण् Śośaṇ [3] पुं०
शोषण (नपुं०) शोषण, सुखाने का भाव।

ਸੋਹਣ सोहण् Sohaṇ [3] वि०
शोभन (वि०) शोभित, सुन्दर; सुखद।

ਸੋਹਣਾ[1] सोह्णा Sohṇā [3] वि०
द्र०—ਸੋਹਣ।

ਸੋਹਣਾ[2] सोह्णा Sohṇā [3] अक० क्रि०
शोभते (भ्वादि अक०) शोभा पाना, सुन्दर लगना, अच्छा लगना।

ਸੋਂਹਦਾ सोंह्दा Sōhdā [3] वि०
शोभन (वि०) शोभा-युक्त, सुन्दर।

ਸੋਹਮ सोहम् Soham [2] वाक्य
सोऽहम् (वाक्य) 'वह मैं' अर्थात् आत्मा परमात्म-स्वरूप है।

ਸੋਹਾਂਜਣਾ सोहाँज्णा Sohājṇā [3] पुं०
द्र०—ਸੁਹੰਜਣਾ।

ਸੋਹੰਦੜਾ सोहन्द्ड़ा Sohandṛā [2] पुं०
द्र०—ਸੋਂਹਦਾ।

ਸੋਕ सोक् Sok [1] पुं०
शौष्क्य (नपुं०) सूखने या सुखाने का भाव, शुष्कता।

ਸ਼ੋਕ शोक् Śok [3] पुं०
शोक (पुं०) शोक, दुःख, विपदा।

ਸੋਕਣਾ सोक्णा Sokṇā [3] सक० क्रि०
शोषयति (दिवादि प्रेर०) सोखना, शोषण करना; सुखाना, शुष्क करना।

ਸੋਕੜਾ सोक्ड़ा Sokṛā [3] पुं०
द्र०—ਸੋਕਾ।

ਸੋਕਾ सोका Sokā [3] पुं०
शौष्क्य (नपुं०) सूखने या सुखाने का भाव, शुष्कता।

ਸੋਖਕ सोखक् Sokhak [3] पुं०
शोषक (वि०/पुं०) वि—शुष्क करने वाला। पुं०—पवन; सूरज।

ਸੋਖਣ सोखण् Sokhaṇ [3] पुं०
शोषण (नपुं०) सुखाने का भाव; शोषण।

ਸੋਖਤ सोखत् Sokhat [3] वि०
शोषित (वि०) सुखाया हुआ; शोषित, क्षीण किया हुआ।

ਸੋਗੀ सोगी Sogī [3] पुं०
शोकिन् (वि०) शोकवाला, दुःखी।

ਸੋਂਘਾ सोंघा Sōghā [3] पुं०
सुघ्राण (वि०) सुन्दर घ्राण शक्ति वाला; धरती सूँघकर खारे तथा मीठे पानी का पता लगाने वाला।

ਸੋਚ सोच् Soc [3] स्त्री०
शुचा (स्त्री०) शोक, चिन्ता, फिक्र।

ਸੋਚਣਾ सोच्णा Socṇā [3] सक० क्रि०
शोचते (भ्वादि सक०) सोचना, विचारना।

ਸੋਜ सोज् Soj [3] पुं०
शोथ (पुं०) सूजन, फूलने का भाव।

ਸੋਂਜਣਾ सोंज्णा Sōjṇā [1] पुं०
द्र०—ਸੁਹੰਜਣਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੋਤ[1] सोत् Sot [3] पुं०
स्रोतस् (पुं०) सोता, प्रवाह।

ਸੋਤ[2] सोत् Sot [2] स्त्री०
सुप्ति (स्त्री०) शयन, नींद।

ਸੋਤਰ सोतर् Sotar [3] पुं०
स्रोतस् (नपुं०) स्रोत, सोता, प्रवाह।

ਸੋਧ सोध् Sodh [3] स्त्री०
शोध (पुं०) शोधन, शुद्धि, सफाई।

ਸ਼ੋਧਕ शोधक् Śodhak [3] वि०
शोधक (वि०) शोधन करने वाला, शुद्ध करने वाला।

ਸੋਧਣਾ सोध्णा Sodhṇā [3] सक० क्रि०
शोधयति (दिवादि प्रेर०) शोधन करना, शुद्ध करना।

ਸੋਂਧਾ[1] सोंधा Sōdhā [1] वि०
सुगन्धि (वि०) सुगन्धित, खुशबूदार।

ਸੋਂਧਾ[2] सोंधा Sōdhā [2] पुं०
सुगन्ध (पुं०) सुगन्ध, खुशबू।

ਸੋਂਧਾ[3] सोंधा Sōdhā [2] पुं०
सीमन्त (पुं०) माँग; घेरा, परिधि।

ਸੋਨਾ सोना Sonā [3] पुं०
स्वर्ण (नपुं०) सोना, सुवर्ण।

ਸੋਪਾਨ सोपान् Sopān [3] पुं०
सोपान (नपुं०) सीढ़ी, नसैनी; पैड़ी, पौड़ी।

ਸੋਭਤ सोभत् Sobhat [3] वि०
शोभित (वि०) शोभित, शोभा-सम्पन्न।

ਸ਼ੋਭਨੀ शोभ्नी Śobhnī [3] वि०
शोभनीय (वि०) शोभनीय, शोभा योग्य।

ਸੋਭਾ सोभा Sobhā [3] स्त्री०
शोभा (स्त्री०) शोभा, छवि, सौन्दर्य।

ਸੋਰਠ सोरठ् Soraṭh [3] पुं०/वि०
सौराष्ट्र (वि० / पुं०) वि०—सुराष्ट्र से सम्बन्धित। पुं०—एक राग; प्रदेश विशेष, गुजरात।

ਸੋਰਠਾ सोर्ठा Sorṭhā [3] वि०/पुं०
सौराष्ट्र (वि० / नपुं०) वि०—सुराष्ट्र-गुजरात से सम्बन्धित। नपुं०—सोरठा छन्द।

ਸੋਰਨਾ सोर्ना Sornā [1] सक० क्रि०
स्मरति (भ्वादि सक०) स्मरण करना, ध्यान करना।

ਸੋਲਾਂ सोलां Solāṁ [3] वि०
षोडशन् (वि०) सोलह, 16 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਸੌ सौ Sau [3] वि०
शत (नपुं०) सौ, 100 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਸੌਂਹੇ सौंहे Saūhe [3] क्रि० वि०
सम्मुख (नपुं०) सम्मुख, सामने।

ਸੌਂਕ सौंक् Saūk [3] पुं०
श्यामाक (पुं०) सावाँ नामक एक बरसाती धान्य जिसके दाने गोल एवं छोटे होते हैं।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੌਕਣ सौकण् Saukaṇ [3] स्त्री०
सपत्नी (स्त्री०) सौत, दूसरी पत्नी।

ਸੌਖ सौख् Saukh [3] पुं०
सौख्य (नपुं०) सुख, आराम।

ਸ਼ੌਚ शौच् Śauc [3] पुं०
शौच (नपुं०) शुद्धता, पवित्रता।

ਸੌਂਚਲ सौंचल् Saūcal [2] पुं०
सौवर्चल (नपुं०) साँचल नमक, साँभर।

ਸੌਂਡਕ सौंडक् Saūḍak [3] पुं०/वि०
शौण्डिक (पुं०/वि०) पुं०—हाथी; कलाल।
वि०—सूँडवाला, शराब बेचने वाला।

ਸੌਣ[1] सौण् Sauṇ [3] पुं०
द्र०—ਸਾਉਣ।

ਸੌਣ[2] सौण् Sauṇ [3] स्त्री०
स्वप्न (नपुं०) सोना, शयन, नींद।

ਸੌਣਾ सौणा Sauṇā [3] पुं०
स्वपिति (अदादि अक०) सोना, शयन करना, नींद लेना।

ਸੌਣੀ सौणी Sauṇī [3] स्त्री०
श्रावणी (स्त्री०) सावनी, श्रावण सम्बन्धी; सावन में बोये जाने वाली फसल।

ਸੌਤ[1] सौत् Saut [1] पुं०
सपुत्र (पुं०) पुत्रवान्, पुत्र-युक्त।

ਸੌਤ[2] सौत् Saut [1] स्त्री०
द्र०—ਸੌਕਣ।

ਸੌਤਰ सौतर् Sautar [2] पुं०
सपुत्र (पुं०) पुत्रवान्, पुत्र-युक्त।

ਸੌਤਾ साता Sautā [1] पुं०
द्र०—ਸੌਤਰ।

ਸੌਤ੍ਰਾ सौत्रा Sautrā [1] पुं०
द्र०—ਸੌਤਰ।

ਸੌਂਦਰਯ सौन्दर्य् Saundary [3] पुं०/
सौन्दर्य (नपुं०) सुन्दरता, खूबसूरती।

ਸੌਂਧਾ सौंधा Saūdhā [2] वि०
सुगन्धित (वि०) सुगन्ध वाला द्रव्य, इत्र आदि।

ਸੌਂਪਣਾ सौंप्णा Saūpṇā [3] सक० क्रि०
समर्पयति (चुरादि सक०) सौंपना, देना।

ਸੌਂਫ सौंफ् Saūph [3] पुं०
शतपुष्पा (स्त्री०) सौंफ, सोये का पौधा या उसका फल।

ਸੌਂਲਾ सौंला Saūlā [1] वि०
द्र०—ਸਾਂਵਲਾ।

ਸੰਸਕਾਰ संस्कार् Sanskār[3] पुं०
संस्कार (पुं०) संस्कार, सोलह धार्मिक कृत्य; शव संस्कार।

ਸੰਸਰਗ संसरग् Sansarag [3] पुं०
संसर्ग (पुं०) संसर्ग, संबन्ध, मिलाप।

ਸੰਸਾ संसा Sansā [3] पुं०
संशय (पुं०) संशय, सन्देह।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੰਸਾਰ संसार् Sansār [3] पुं०
शिशुमार (पुं०) सूंस; घड़ियाल, मगरमच्छ।

ਸੰਸਾਰਕ संसारक् Sansārak [3] वि०
सांसारिक (वि०) सांसारिक, संसार सम्बन्धी।

ਸੰਸਾਰੀ संसारी Sansārī [3] वि०
संसारिन् (वि०) संसारी, संसार का।

ਸੰਸੀ संसी Sansī [1] स्त्री०
संदंशी (स्त्री०) सँड़सी जिससे आग पर से पात्रादि उठाये जाते हैं।

ਸੰਕਲਪ संकलप् Saṅkalap [3] पुं०
संकल्प (पुं०) मनोरथ; प्रतिज्ञा, प्रण।

ਸ਼ੰਕਾ शंका Śaṅkā [3] पुं०
शङ्का (स्त्री०) शंका, संशय, सन्देह।

ਸੰਕੀਰਣ संकीरण् Saṅkīraṇ [3] वि०
संकीर्ण (वि०) बिखरा हुआ, व्याप्त; ढका हुआ; संकुचित।

ਸੰਕੁਚਣਾ संकुच्णा Saṅkucṇā [3] अक० क्रि०
संकुचति (तुदादि अक०) संकुचित होना, सिमटना।

ਸ਼ੰਕੂ शंकू Śaṅkū [3] पुं०
शङ्कु (पुं०) कील, खूँटी; स्थाणु, ठूँठ।

ਸੰਕੋਚ संकोच् Saṅkoc [3] पुं०
संकोच (पुं०) संकोच, सिमटाव, सिकोड़ने का भाव।

ਸੰਕੋਚਣਾ संकोच्णा Saṅkocṇā [3] सक० क्रि०
संकोचति (भ्वादि सक०) संकुचित करना, समेटना।

ਸੰਕੋਚਵਾਂ संकोच्वाँ Saṅkocvā̃ [3] पुं०
संकोचक (वि०) संकोच करने वाला, संकोची।

ਸੰਖ संख् Saṅkh [3] पुं०
शङ्ख (नपुं०/पुं०) नपुं—शंख, एक प्रकार का बड़ा घोंघा जिसे निर्जीव करके बजाया जाता है; हाथी का गण्ड स्थल; दस खर्व की संख्या। पुं०—एक दैत्य।

ਸੰਖਿਪਤ संखिपत् Saṅkhipat [3] वि०
संक्षिप्त (वि०) संक्षिप्त, संक्षेप किया हुआ।

ਸੰਖੇਪ संखेप् Saṅkhep [3] पुं०
संक्षेप (पुं०) संक्षेप, छोटा करने का भाव।

ਸੰਖੇਪਵਾਂ संखेप्वाँ Saṅkhepvā̃ [3] क्रि० वि०
संक्षेपेण (क्रि० वि०) सक्षेप से, साररूप से।

ਸੰਗ संग् Saṅg [3] पुं०
सङ्ग (पुं०) साथ, मेल; समिति।

ਸੰਗਟ संगट् Saṅgaṭ [1] पुं०
संकट (नपुं०) संकट, कष्ट, कठिनाई।

ਸੰਗਣਾ संग्णा Saṅgṇā [3] अक० क्रि०
शङ्कते (भ्वादि अक०) शंका करना; लजाना, शर्माना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੰਗਤ संगत् Saṅgat [3] स्त्री०
संगति (स्त्री०) संगति, संग, सम्पर्क; दोस्ती, मैत्री।

ਸੰਗਤਰਾ संग्तरा Saṅgtarā [3] पुं०
सुरङ्ग (पुं०, नपुं०) नारङ्गी, सन्तरा।

ਸੰਗਰ संगर् Saṅgar [2] स्त्री०
शङ्करी/सङ्गर (स्त्री०/पुं०) साँगरी, शमी वृक्ष का फल।

ਸੰਗਰਾਦ सँग्राद् Sãgrād [3] स्त्री०
संक्रान्ति (स्त्री०) संक्रान्ति पर्व; मेल; किसी ग्रह का एक राशि से दूसरी राशि पर गमन।

ਸੰਗਰੀ संग्री Saṅgrī [3] स्त्री०
सङ्गर (पुं०) साँगरी, खेजड़ी का फल।

ਸੰਗਲ संगल् Saṅgal [3] पुं०
शृङ्खल (नपुं०, पुं०) सीकड़; शृङ्खला, जंजीर।

ਸੰਗਲਾ संग्ला Saṅglā [3] पुं०
शङ्कु (पुं०) लकड़ी का पुल; कील; खूँटी।

ਸੰਗਲੀ संग्ली Saṅglī [3] स्त्री०
शृङ्खला (स्त्री०) साँकल, जंजीर।

ਸ਼ੰਗਾਰ शंगार् Śaṅgār [1] पुं०
शृङ्गार (पुं०) शृंगार, साज-सज्जा, सजावट; शृंगार रस।

ਸੰਗੀ संगी Saṅgī [3] वि०
सङ्गिन् (वि०) संगी, साथी।

ਸੰਗੀਤ संगीत् Saṅgīt [3] पुं०
संगीत (नपुं०) संगीत, ताल-लय के साथ गाया जाने वाला गीत।

ਸੰਗੁੱਚਣਾ संगुच्चणा Saṅguccaṇā [3] अ० क्रि०
संकुचति (तुदादि अक०) सिकुड़ना; संकोच करना; लजाना।

ਸੰਗੋਚਣਾ संगोच्णा Saṅgocṇā [3] अ० क्रि०
संकोचति (भ्वादि अक०) सिकुड़ना; संकोच करना; लजाना।

ਸੰਗੋੜ संगोड़् Saṅgoṛ [3] पुं०
संकोच (पुं०) सिकुड़ने का भाव, संकोच, लज्जा।

ਸੰਗੋੜਨਾ संगोड़्ना Saṅgoṛnā [3] अक० क्रि०
संकोचति (भ्वादि सक०) सिकोड़ना, संकुचित करना।

ਸੰਗ੍ਰਹਣ संग्रहण् Saṅgrahaṇ [3] पुं०
संग्रहण (नपुं०) संग्रह या इकट्ठा करने का भाव; अधीन करने का भाव।

ਸੰਗ੍ਰਹੀਤ संग्रहीत् Saṅgrahīt [3] वि०
संगृहीत (वि०) संग्रह किया हुआ, जमा किया हुआ।

ਸੰਘ संघ् Saṅgh [3] पुं०
सङ्घ (पुं०) संघ, समूह; वर्ग।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੰਘਟ संघट् Saṅghaṭ [3] स्त्री०
संकष्टी (स्त्री०) संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत या तिथि।

ਸੰਘਣਾ संघ्णा Saṅghṇā [3] पुं०
संघन (वि०) घना; गाढ़ा; गहरा।

ਸੰਘਣਾਈ संघ्णाई Saṅghṇāī [3] स्त्री०
संघनत्व (नपुं०) घनापन, गहनता; गाढ़ापन।

ਸੰਘਰ संघर् Saṅghar [3] स्त्री०
संकष्टी (स्त्री०) संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत या तिथि।

ਸੰਘੜ संघड़् Saṅghaṛ [3] स्त्री०
द्र०—ਸੰਘਰ।

ਸੰਘਾਰ संघार् Saṅghār [3] पुं०
संहार (पुं०) संहार, नाश, प्रलय।

ਸੰਘਾਰਣ संघारण् Saṅghāraṇ [3] पुं०
संहरण (नपुं०) संहार करने का भाव, नाश।

ਸੰਘਾਰਨਾ संघार्ना Saṅghārnā [3] सक० क्रि०
संहारयति (भ्वादि प्रेर०) संहार कराना, नाश कराना।

ਸੰਘਾੜਾ संघाड़ा Saṅghāṛā [3] पुं०
शृङ्घाटक (नपुं०) सिंघाड़ा, एक प्रकार का जलीय फल।

ਸੰਚਰਨਾ संचर्ना Sañcarnā [3] अक० क्रि०
संचरति (भ्वादि सक०) संचरण करना, विचरना, घूमना; प्रवेश करना।

ਸੰਚਾ संचा Sañcā [3] पुं०
सञ्चक (पुं०, नपुं०) साँचा, जिससे ईंट इत्यादि गढ़ी जाती।

ਸੰਜਮੀ संज्मी Sañjamī [3] पुं०
संयमिन् (वि०) संयमी, संयम वाला।

ਸੰਜੀਵਨੀ संजीव्नी Sañjīvnī [3] स्त्री०
सञ्जीवनी (स्त्री०) संजीवनी बूटी, जड़ी विशेष।

ਸੰਜੁਕਤ संजुकत् Sañjukat [3] वि०
संयुक्त (वि०) संयुक्त, मिला हुआ।

ਸੰਜੁਗਤ संजुगत् Sañjugat [3] वि०
द्र०—ਸੰਜੁਕਤ।

ਸੰਜੋਗ संजोग् Sañjog [3] पुं०
संयोग (पुं०) संयोग; सम्बन्ध; इत्तफाक; ज्योतिष के अनुसार ग्रह-राशि का मेल।

ਸੰਜੋਗੀ संजोगी Sañjogī [3] पुं०
संयोगिन् (वि०) संयोगी, संयोग करने वाला।

ਸੰਜੋਣਾ संजोणा Sañjoṇā [3] पुं०
संयोजन (नपुं०) जोड़ने की क्रिया, मिलाने का भाव।

ਸੰਝ संझ् Sañjh [3] स्त्री०
सन्ध्या (स्त्री०) साँझ, सन्ध्याकाल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੰਝਾਣਨਾ संझाण्ना Sañjhāṇṇā [3] सक० क्रि०
संबुध्यति (दिवादि सक०) समझना, पहचानना।

ਸੰਡ सण्ड् Saṇḍ [3] पुं०
षण्ड (पुं०) शुक्राचार्य का पुत्र जिसने प्रह्लाद को पढ़ाया था।

ਸੰਡਾ सण्डा Saṇḍā [3] स्त्री०
षण्डी (स्त्री०) बन्ध्या, बाँझ, सन्तानोत्पादन में असमर्थ स्त्री।

ਸੰਡਾਸੀ सण्डासी Saṇḍāsī [3] स्त्री०
संदंशी (स्त्री०) सँडसी जिससे पात्रादि को पकड़कर आग पर से नीचे उतारा जाता है।

ਸੰਡਾਸੀਆ सण्डासीआ Saṇḍāsīā [1] स्त्री०
द्र०—ਸੰਡਾਸੀ।

ਸੰਢ सण्ढ् Saṇḍh [3] पुं०
सन्धि (पुं०) सन्धि, जोड़, योग, मेल।

ਸੰਢਾ सण्ढा Saṇḍhā [3] पुं०
षण्ड (पुं०) साँढ़, अण्डकोश वाला बैल।

ਸੰਢੀ सण्ढी Saṇḍhī [3] स्त्री०
सन्धि (पुं०) सन्धि, जोड़; गाँठ।

ਸੰਤਪਤ सन्तपत् Santapat [3] वि०
सन्तप्त (वि०) बहुत तपा हुआ; अति दुःखी।

ਸੰਤਾਉ सन्ताउ Sntāu [1] पुं०
द्र०—ਸੰਤਾਪ।

ਸੰਤਾਪ सन्ताप् Santāp [3] पुं०
सन्ताप (पुं०) ताप; कष्ट; पश्चात्ताप।

ਸੰਤਾਲੀ सन्ताली Santālī [3] वि०
सप्तचत्वारिंशत् (स्त्री०) सैंतालीस, 47 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਸੰਤੁਸ਼ਟ सन्तुश्ट् Santuśṭ [3] वि०
सन्तुष्ट (वि०) अति प्रसन्न, संतृप्त, सन्तोषी।

ਸੰਤੋਖ सन्तोख् Santokh [3] पुं०
सन्तोष (पुं०) सन्तोष, तृप्ति; प्रसन्नता।

ਸੰਥਾ सन्था Santhā [3] स्त्री०
संस्था (स्त्री०) अच्छी तरह ठहरने का भाव; स्थिति; मरने का भाव; संस्थान, प्रतिष्ठान।

ਸੰਦਿਗਧ सन्दिगध् Sandigadh [3] वि०
सन्दिग्ध (वि०) सन्देह युक्त, संशय-सहित।

ਸੰਦੇਹ सन्देह् Sandeh [3] पुं०
सन्देह (पुं०) सन्देह, संशय।

ਸੰਧ सन्ध् Sandh [1] स्त्री०
द्र०—ਸੰਠ।

ਸੰਧੀ सन्धी Sandhī [3] स्त्री०
सन्धि (पुं०) सन्धि; समझौता; प्रतिज्ञा, संकल्प; अङ्गीकार।

ਸੰਧੂਰ सन्धूर् Sandhūr [3] पुं०
सिन्दूर (नपुं०) सिन्दूर, स्त्रियों की माँग भरने का लाल द्रव्य।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੰਧੂਰੀ सन्धूरी Sandhūrī [3] **वि०**
सैन्दूरिक (वि०) सिन्दूर के रंग का आम आदि द्रव्य।

ਸੰਧੂਰੀਆ सन्धूरीआ Sandhūrīā [2] **वि०**
द्र०—ਸੰਧੂਰੀ।

ਸੰਨਿਆਸੀ सन्निआसी Sanniāsī [3] **पुं०**
संन्यासिन् (वि०) त्यागी; संन्यास धारण करने वाला।

ਸੰਨਿਗਧ सन्निगध् Sannigadh [3] **वि०**
स्निग्ध (वि०) स्नेह-युक्त; चिकना; प्रिय।

ਸੰਨ੍ਹ सन्न्ह् Sannh [3] **स्त्री०**
सन्धि (पुं०) सेंध; दो के मध्य का रिक्त स्थान।

ਸੰਨ੍ਹੀ सन्न्ही Sannhī [3] **स्त्री०**
संदंशी (स्त्री०) सँड़सी जिससे पात्रादि को आग पर से उतारा जाता है।

ਸੰਪਟ सम्पट् Sampaṭ [3] **पुं०**
सम्पुट (पुं०) ढकने का भाव, आवरण; सन्दूक; किसी मंत्र को आदि और अन्त में जोड़ने की क्रिया।

ਸੰਪੱਤੀ सम्पत्ती Sampattī [3] **स्त्री०**
सम्पत्ति (स्त्री०) संपत्ति, धन, ऐश्वर्य।

ਸੰਪਰਕ सम्परक् Samparak [3] **पुं०**
सम्पर्क (पुं०) संयोग, संबन्ध, मेल।

ਸੰਪਰਦਾ सम्पर्दा Sampardā [3] **स्त्री०**
सम्प्रदाय (पुं०) सम्द्राय; मत; पन्थ।

ਸੰਪਰਦਾਈ सम्पर्दाई Sampardāī [3] **वि०**
साम्प्रदायिक (वि०) किसी सम्प्रदाय से संबन्धित।

ਸੰਪਾਦਕੀ सम्पाद्की Sampādkī [3] **वि०**
सम्पादकीय (वि०) सम्पादक का कार्य, सम्पादक-संबन्धी, सम्पादक का लेख आदि।

ਸੰਪੂਰਣ सम्पूरण् Sampūraṇ [3] **वि०**
सम्पूर्ण (वि०) सब, तमाम।

ਸੰਭਲ सम्भल् Sambhal [1] **पुं०**
शाल्मलि/शाल्मली (पुं०/स्त्री०) सेमल वृक्ष जिसमें बड़े-बड़े और लाल-लाल फूल होते हैं।

ਸੰਭਲਣਾ संभल्णा Sambhalṇā [3] **सक० क्रि०**
संभालयते (चुरादि० सक०) सम्हालना, सुरक्षा करना।

ਸੰਭਵਤਾ संभव्ता Sambhavtā [3] **स्त्री०**
सम्भविता (स्त्री०) संभावना, कल्पना।

ਸੰਭਾਉਣਾ संभाउणा Sambhāuṇā [1] **सक० क्रि०**
द्र०—ਸੰਭਲਣਾ।

ਸੰਭਾਖਣ संभाखण् Sambhākhaṇ [1] **पुं०**
संभाषण (नपुं०) बातचीत, संलाप।

ਸੰਭਾਲਣਾ संभाल्णा Sambhāḷṇā [3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਸੰਭਲਣਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੰਮ सम्म् Samm [3] स्त्री०, पुं०
शम्ब (पुं०) लोहे का छल्ला जो मूसल आदि के अग्र भाग में रहता है।

ਸੰਮਤ संमत् Sammat [3] पुं०
संवत् (अ०) संवत्, संवत्सर।

ਸੰਜਕਤ संयुकत् Sãyukat [3] वि०
संयुक्त (वि०) मिला हुआ, संबन्धित।

ਸੰਰਖਿਅਕ संरख्यक् Sãrakhyak [3] पुं०
संरक्षक (वि०) संरक्षक, अभिभावक, रक्षा करने वाला।

ਸੰਲਗਨ संलगन् Sãlagan [3] वि०
संलग्न (वि०) संलग्न, संयुक्त।

ਸ੍ਰਿਸ਼ਟੀ स्रिश्टी Sriśṭī [3] स्त्री०
सृष्टि (स्त्री०) सृष्टि, रचना, निर्माण।

ਸ੍ਰਿੰਖਲਾ स्रिख्ला Srīkhlā [3] स्त्री०
शृङ्खला (स्त्री०) साँकल, जंजीर।

ਸ਼੍ਰੀ श्री Śrī [3] स्त्री०
श्री (स्त्री०) श्री, लक्ष्मी; शोभा, कान्ति।

ਸ੍ਰੇਸ਼ਟ स्रेशट् Sreśaṭ [3] वि०
श्रेष्ठ (वि०) उत्तम, बहुत बढ़िया।

ਸ੍ਰੇਸ਼ਟਤਾ श्रेश्टता Sreśṭatā [3] स्त्री०
श्रेष्ठता (स्त्री०) श्रेष्ठता, उत्तमता।

ਸ੍ਵਸਥ सवस्थ् Savasth [3] वि०
स्वस्थ (वि०) अपने में स्थित; नीरोग।

ਹ

ਹਉ हउ Hau [3] सर्व०
अहम् (सर्व० / अ०) सर्व०—मैं; अ०—अहंभाव।

ਹਉਂ हउं Haũ [3] स्त्री०
अहम् (अ०) अहंकार, घमण्ड।

ਹਉਮੈ हउमै Haumai [3] सर्व०
अहं मम (अ०) मैं और मेरेपन का भाव।

ਹਉਆ हऊआ Haũā [3] पुं०
भय (नपुं०) भय, डर।

ਹਸਤ हसत् Hasat [1] पुं०
हस्त (पुं०) हाथ, भुजा, बाँह।

ਹਸਤਾਖਰ हस्ताखर् Hastākhar [3] पुं०
हस्ताक्षर (नपुं०) हस्ताक्षर, दस्तखत।

ਹਸਤਾਮਲ हस्तामल् Hastāmal [2] पुं०
हस्तामलक (नपुं०) 'हाथ के बीच में आँवला' यह पद संशय-रहित ज्ञान के लिए प्रयुक्त होता है।

ਹਸਮੁਖ हस्मुख् Hasmukh [3] वि०
हसन्मुख (वि०) हँसमुख, सदा प्रसन्न।

ਹਸਾਉਣਾ हसाउणा Hasāuṇā [3] सक० क्रि०
हासयति (भ्वादि प्रेर०) हँसाना, हास उत्पन्न करना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹਸਾਈ हसाई Hasāī [3] स्त्री०
उपहास (पुं०) हँसी, मजाक; अपयश।

ਹੱਸ[1] हस्स् Hass [3] पुं०
अंस (पुं०) कन्धा, कन्धे की हड्डी।

ਹੱਸ[2] हस्स् Hass [3] पुं०
हास्य (नपुं०) हँसी, हास, हँसने का भाव।

ਹੱਸਣਾ हस्सणा Hassaṇā [3] अक० क्रि०
हसति (भ्वादि अक०) हँसना, हास करना।

ਹੱਸਣੀ हस्सणी Hassaṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਹਾਸੀ।

ਹਕਾਰਨਾ हकार्ना Hakārnā [3] सक० क्रि०
आह्वयति (भ्वादि सक०) बुलाना, आह्वान करना।

ਹਗਾਉਣਾ हगाउणा Hagāuṇā [3] सक० क्रि०
हादयति (भ्वादि प्रेर०) मलोत्सर्ग कराना, दस्त कराना।

ਹੱਗਣ हग्गण् Haggaṇ [3] पुं०
हदन (नपुं०) मल, दस्त।

ਹੱਗਣਾ हग्ग्णा Haggṇā [3] अक० क्रि०
हदते (भ्वादि अक०) मलोत्सर्ग करना, दस्त करना।

ਹਛੇਰਾ हछेरा Hacherā [3] वि०
अच्छतर (वि०) बहुत अच्छा; अपेक्षाकृत स्वच्छ।

ਹੱਛਾ हच्छा Hacchā [2] पुं०
अच्छ (वि०) अच्छा, स्वच्छ, सुन्दर।

ਹਜਾਰਾ हजारा Hajārā [3] वि०
सहस्रिन् (वि०) हजार से युक्त।

ਹੱਟ हट्ट् Haṭṭ [3] स्त्री०
हट्ट (पुं०) हाट, बाजार; दुकान।

ਹੱਟਾ हट्टा Haṭṭā [1] पुं०
द्र०—ਹੱਟ।

ਹੱਟੀ हट्टी Haṭṭī [3] स्त्री०
हट्टी (स्त्री०) हाट, बाजार।

ਹਠਵਾਰਾ हठ्वारा Haṭhvārā [3] पुं०
हठवत् (वि०) हठवाला, हठी, आग्रही।

ਹਠਾ हठा Haṭhā [1] वि०
हठिन् (वि०) हठी, आग्रही।

ਹੱਡ हड्ड् Haḍḍ [3] पुं०
हड्ड (नपुं०) बड़ी हड्डी।

ਹੱਡਵਾਰ हड्ड्वार् Haḍḍvār [3] स्त्री०
हड्डागार (नपुं०) मृत पशुओं की हड्डी फेंकने का स्थान।

ਹੱਡੀ हड्डी Haḍḍī [3] स्त्री०
हड्ड (नपुं०) हड्डी, अस्थि।

ਹੱਡੀ-ਚੂਰਾ हड्डी-चूरा Haḍḍīcūrā [3] पुं०
हड्डचूर्ण (नपुं०) हड्डी का चूरा जो खाद के काम आता है।

ਹੱਡੀ-ਧੂੜਾ हड्डीधूड़ा Haḍḍīdhūṛā [3] पुं०
हड्डधूलि (स्त्री०) हड्डी का चूर्ण जो खाद के काम आता है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹਣਵੰਤਰ हण्वन्तर् Haṇvantar [3] पुं०
हनुमत् (पुं०) हनुमान् जी, एक राम-भक्त देवता।

ਹਤਿਆ हत्या Hatyā [3] स्त्री०
हत्या (स्त्री०) हत्या, वध, प्राण नाश।

ਹਤਿਆਰਾ हत्यारा Hatyārā [3] पुं०
हत्याकार (वि०) हत्यारा, हत्या करने वाला वधिक।

ਹਥਨੀ हथ्नी Hathnī [3] स्त्री०
हस्तिनी (स्त्री०) हथिनी, मादा हाथी।

ਹਥਿਆਰ हथ्यार Hathyār [3] पुं०
हतिकार (वि० / पुं०) वि०—हत्यारा, हत्या करने वाला। पुं०—घातक शस्त्र; औजार।

ਹਥੇਲੀ हथेली Hatheli [3] स्त्री०
हस्ततल (नपुं०) हथेली, करतल।

ਹਥੌੜਾ हथौड़ा Haṭhauṛā [3] पुं०
हस्तकूट (पुं०) हथौड़ा, एक लौह उपकरण जिससे लोहा कूटा जाता है।

ਹਥੌੜੀ हथौड़ी Haṭhauṛī [3] स्त्री०
हस्तकूटिका (स्त्री०) हथौड़ी, छोटा हथौड़ा।

ਹੱਥ हत्थ् Hatth [3] पुं०
हस्त (पुं०) हाथ, भुजा, बाहु।

ਹੱਥਰੱਖਾ हत्थरक्खा Hattharakkhā [3] पुं०
हस्तरक्षित (नपुं०) हाथ टिकाने का डण्डा या वस्तु अथवा स्थानादि।

ਹੱਥਲਿਖਤ हत्थलिखत् Hatthalikhat [3] वि०
हस्तलिखित (वि०) हाथ से लिखी हुई पाण्डुलिपि आदि।

ਹੱਥਲੇਵਾ हत्थ्लेवा Hatthlevā [3] स्त्री०
हस्तानयन (नपुं०) हथलेवा, बिवाह की एक रीति जिसमें वर अपने हाथ में वधू का हाथ पकड़ता है।

ਹੱਥਵਾਸਾ हत्थवासा Hatthavāsā [3] पुं०
हस्तवासस् (नपुं०) रथगाड़ी का रस्सा; हत्था, दस्ता; ढाल पकड़ने का तस्मा।

ਹੱਥੀਂ हत्थीं Hatthī [3] क्रि० वि०
हस्तेन (पुं० तृतीयान्त) हाथों से, हाथों द्वारा।

ਹੱਥੇਂ हत्थें Hatthē [3] वि०
द्र०—ਹੱਥੀਂ।

ਹੱਥੋਂ हत्थों Hatthō [3] वि०
हस्तेन (पुं० तृतीयान्त) हाथों से; पास से।

ਹਨੇਰ हनेर् Haner [3] पुं०
अन्धकार (पुं०) अन्धेरा; अन्याय।

ਹਨੇਰਾ हनेरा Hanerā [3] पुं०
अन्धकार (पुं०) अन्धकार, अन्धेरा।

ਹਫੀਮ हफीम् Hphīm [2] स्त्री०
द्र०—ਅਫੀਮ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹਭਾ हभा Habhā [1] सर्व०
सर्व (सर्व०) सब, सारा, सम्पूर्ण ।

ਹਮਾ हमा Hamā [3] सर्व०
सम (सर्व०) सब, सारा, सम्पूर्ण ।

ਹਮੇਲ हमेल् Hamel [3] स्त्री०
मेखला (स्त्री०) मेखला, हार ।

ਹਰਸ਼ हरश् Haraś [2] पुं०
हर्ष (पुं०) प्रसन्नता, आनन्द, सुख; प्रभाकर वर्धन का पुत्र एवं स्थानेश्वर का राजा हर्षवर्धन ।

ਹਰਖ हरख् Harakh [3] पुं०
हर्ष (पुं०) हर्ष, प्रसन्नता, खुशी ।

ਹਰਖ-ਸੋਗ हरख्-सोग् Harakhsog [3] पुं०
हर्षशोक (पुं०) हर्ष और शोक, खुशी-गमी ।

ਹਰਖੀ[1] हर्खी Harkhī [3] वि०
हर्षित (वि०) प्रसन्न, आनन्दित, खुश ।

ਹਰਖੀ[2] हर्खी Harkhī [3] वि०
अमर्षिन् (वि०) क्रोध-युक्त, कुपित ।

ਹਰਟ हरट् Haraṭ [3] पुं०
अरघट्ट (पुं०) रहट, कूप से जल निकालने का यन्त्र जो बैलों से चलाया जाता है ।

ਹਰਣਾਕਸ਼ हर्णाकश् Harṇākaś [3] पुं०
हिरण्यकशिपु (पुं०) एक दैत्य जो भक्त प्रह्लाद का पिता था ।

ਹਰਤਾ हर्ता Hartā [3] पुं०
हर्तृ (वि०) हरण करने वाला, चुराने वाला ।

ਹਰਤਾਲ हर्ताल् Hartāl [3] पुं०
हरिताल (नपुं०, पुं०) हरताल, पीले रंग की एक उपधातु जो दवाइयों में काम आती है ।

ਹਰਨ हरन् Haran [3] पुं०
हरिण (पुं०) हरिण, मृग ।

ਹਰਨਾ हर्ना Harnā [2] सक० क्रि०
हरति (भ्वादि सक०) ले जाना, पहुँचाना ।

ਹਰਨੀ हर्नी Harnī [1] स्त्री०
हरिणी (स्त्री०) मादा हिरन, मृगी ।

ਹਰਨੋਟਾ हर्नोटा Harnoṭā [3] पुं०
हरिणपोत (पुं०) हिरन का बच्चा, हरनौटा ।

ਹਰਮ हरम् Haram [3] पुं०
हर्म्य (नपुं०) महल, भवन, कोठी ।

ਹਰੜ हरड़् Haraṛ [3] स्त्री०
हरीतकी (स्त्री०) हर्रे, हरड़, ओषधि-विशेष ।

ਹਰਾ हरा Harā [3] पुं०
हरित (वि०) हरा, हरे रंग का ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹਰਾਉਣਾ हराउणा Harāuṇā [3] सक० क्रि०
हारयति (भ्वादि प्रेर०) हराना, पराजित करना।

ਹਰਿਆ हर्या Haryā [3] वि०
द्र०—ਹਰਾ।

ਹਰਿਆਉਲ हर्याउल् Haryāul [3] स्त्री०
हरितावली (स्त्री०) हरियाली, हरीतिमा।

ਹਰਿਆਈ हर्याई Haryāī [3] स्त्री०
हरिताली (स्त्री०) हरियाली, हरीतिमा।

ਹਰਿਆ-ਭਰਿਆ हर्या-भर्या Haryā-Bharyā [3] पुं०
हरितभरित (वि०) हरा-भरा; परिपूर्ण।

ਹਰਿਆਲਾ हर्याला Haryālā [3] पुं०
हरित (वि०) हरित, हरे रंग का।

ਹਰਿਆਵਲ हर्यावल् Haryāval [3] स्त्री०
हरीतिमन् (पुं०) हरीतिमा, हरियाली।

ਹਰਿੰਡ हरिण्ड् Hariṇḍ [1] स्त्री०
द्र०—ਅਰਿੰਡ।

ਹਰੀਚਰ हरीचर् Harīcar [3] वि०
हरितचर (वि०) हरी फसल का इच्छुक पशु; नित्य नया संयोगेच्छुक पुरुष।

ਹਲ हल् Hal [3] पुं०
हल (नपुं०, पुं०) हल जिससे खेत जोता जाता है।

ਹਲਸ हल्स् Hals [3] पुं०
हलीषा (स्त्री०) हरिस, हल का दण्ड।

ਹਲਕਾ हल्का Halkā [3] वि०
लघु (वि०) लघु, हल्का; छोटा।

ਹਲਟ हलट् Halaṭ [3] पुं०
अरघट्ट (पुं०) रहट, कूप से बैलों द्वारा जल निकालने का साधन।

ਹਲਤ-ਪਲਤ हलत्-पलत् Halat-Palat [3] क्रि० वि०
इहत्य परत्र (अ०) यहाँ-वहाँ, इस लोक और परलोक में।

ਹਲਦੀ हल्दी Haldī [3] स्त्री०
हरिद्रा (स्त्री०) हरिद्रा, हल्दी।

ਹਲਵਾਹ हल्वाह् Halvāh [3] पुं०
हलवाह (पुं०) हलवाहा, हल चलाने वाला किसान।

ਹਲਵਾਹਾ हल्वाहा Halvāhā [3] पुं०
द्र०—ਹਲਵਾਹ।

ਹਲਾ हला Hlā [3] अ०
हला (अ०) अच्छा, ठीक है; स्वीकृति सूचक, आश्चर्य-बोधक और सम्बोधक शब्द।

ਹਲਾਈ हलाई Halāī [3] स्त्री०
हलपाली (स्त्री०) हराई, जोतने के लिये बनाया गया खेत का एक छोटा भाग।

ਹਲੀਰਾ हलीरा Halīrā [1] पुं०
हलसीर (पुं०) हल का फार जिससे खेत जोता जाता है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹਲੀਰੀ हलीरी Halīrī [1] स्त्री०
हलसीरी (स्त्री०) छोटा हल जिसे मनुष्य खींचता है।

ਹਲੇਰ हलेर् Haler [1] स्त्री०
हलघर (पुं०) हल रखने का घर।

ਹਲ੍ਹਟ हल्हट् Halhaṭ [3] पुं०
अरघट्ट (पुं०) रहट और उसका चक्का।

ਹੜਤਾਲ हड़्ताल् Haṛtāl [3] स्त्री
हट्टतालक (नपुं०) हड़ताल, कार्याकार्य विरोध।

ਹਾਂ हाँ Hā̃ [3] अ०
आम् (अ०) हाँ, स्वीकार बोधक शब्द।

ਹਾਏ हाए Hāe [3] अ०
हन्त (अ०) हाय, दुःख सूचक शब्द।

ਹਾਇਆ हाइआ Hāiā [2] अ०
ओह (अ०) हाय-हाय, शोक सूचक शब्द।

ਹਾਸੜਾ हास्ड़ा Hāsṛā [3] पुं०
हास/हास्य (पुं०/नपुं०) हास, उपहास, हँसी, मजाक।

ਹਾਸੀ हासी Hāsī [3] स्त्री०
हास्य (नपुं०) हँसी, हास।

ਹਾਹ हाह् Hāh [2] अ०
हा (अ०) विवशता, दुःख या शोक सूचक शब्द, हाय।

ਹਾਟ हाट् Hāṭ [1] स्त्री०
हट्ट (पुं०) हाट, बाजार; दुकान।

ਹਾਠ हाठ् Hāṭh [3] वि०
हठिन् (वि०) हठी, आग्रही, जिद्दी।

ਹਾਠਾ हाठा Hāṭhā [3] वि०
हठिन् (वि०) हठी, आग्रही, जिद्दी।

ਹਾਠੀ हाठी Hāṭhī [3] वि०
द्र०—ਹਾਠਾ।

ਹਾਠੀਸਾ हाठीसा Hāṭhīsā [3] स्त्री०
हठेच्छा (स्त्री०) हठ की लालसा, हठ का भाव।

ਹਾਂਡਾ हाँडा Hā̃ḍā [2] पुं०
द्र०—ਹਾਂਡੀ।

ਹਾਂਡੀ हाँडी Hā̃ḍī [3] स्त्री०
हण्डी (स्त्री०) हाँड़ी, भोजन बनाने का बड़ा पात्र।

ਹਾਂਢਣਾ हाँढ्णा Hā̃ḍhṇā [3] सक० क्रि०
हिण्डते (भ्वादि सक०) हींड़ना; घूमना-फिरना।

ਹਾਣ हाण् Hāṇ [3] पुं०
हान (नपुं०) हानि, नुकसान।

ਹਾਣੀ हाणी Hāṇī [3] स्त्री०
हानि (स्त्री०) हानि, क्षति, घाटा, नुकसान।

ਹਾਥ हाथ् Hāth [3] पुं०
हस्त (पुं०) हाथ, बाहु, भुजा।

ਹਾਥੀ हाथी Hāthī [3] पुं०
हस्तिन् (पुं०) हाथी, गज।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹਾਨ हान् Hān [3] पुं०
हान (नपुं०) हानि, क्षति, नुकसान ।

ਹਾਨ-ਲਾਭ हान्-लाभ् Hān-Lābh [3] पुं०
हानिलाभ (पुं०) हानि और लाभ, नफा-नुकसान ।

ਹਾਨੀ हानी Hānī [3] स्त्री०
हानि (स्त्री०) हानि, क्षति, नुकसान ।

ਹਾਰ[1] हार् Hār [3] पुं०
हार (पुं०) हार, माला, आभूषण ।

ਹਾਰ[2] हार् Hār [3] स्त्री०
हारि (स्त्री०) हार, पराजय ।

ਹਾਲੀ हाली Hālī [3] पुं०
हालिक (पुं०) हलवाहा, हल वाहक ।

ਹਾੜ हाढ़् Hāṛh [3] पुं०
आषाढ (पुं०) आषाढ़ मास ।

ਹਾੜੀ हाढ़ी Hāṛhī [3] स्त्री०
आषाढीय (वि०) आषाढ़ी फसल, आषाढ़ मास में वपन की जाने वाली फसल ।

ਹਾੜੂ हाढ़ू Hāṛhū [1] पुं०
द्र०—ਹਾੜੀ ।

ਹਿੱਕ हिक्क् Hikk [3] स्त्री०
हृदय (नपुं०) हृदय, मन, अन्तःकरण ।

ਹਿੱਕਾ हिक्का Hikkā [1] वि०
एक (वि०) अकेला, एकाकी ।

ਹਿੰਗ हिंग् Hiṅg [3] स्त्री०
हिङ्गु (नपुं०/पुं०) नपुं०—हींग । पुं०—हींग का पौधा ।

ਹਿਚਕੀ हिच्की Hickī [3] स्त्री०
हिक्का (स्त्री०) हिचकी ।

ਹਿਠਾਹਾਂ हिठाहाँ Hiṭhāhã [3] क्रि० वि०
अधस्स्थाने (नपुं० सप्तम्यन्त) अधोभाग में, नीचे ।

ਹਿਠਾੜ हिठाड़् Hiṭhāṛ [3] पुं०
अधस्स्थान (नपुं०) अधोभाग, नीचे का स्थान, निम्न-भाग ।

ਹਿੰਡੋਲ हिण्डोल् Hiṇḍol [3] पुं०
हिन्दोल (पुं०) हिंडोला, झूला; पालकी; संगीत का एक राग ।

ਹਿਣਕਾਰ हिण्कार् Hiṇkāṛ [3] पुं०
हिङ्कार (पुं०) घोड़े के हिन-हिनाने की ध्वनि ।

ਹਿਤਕਾਰ हित्कार् Hitkār [3] पुं०
हितकार्य (नपुं०) हित कार्य, लाभ का कार्य, फायदे का काम ।

ਹਿਤੂ हितू Hitū [3] पुं०
हित (नपुं०/वि०) नपुं—हित । वि०—हितैषी, स्नेही ।

ਹਿਮਵੰਤ हिम्वन्त् Himvant [3] पुं०
हिमवत् (पुं०) हिमालय पर्वत, कालकूट और गन्धमादन के बीच का पहाड़ जो हिमालय के ही अन्तर्गत है ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹਿਮਾਚਲ हिमाचल् Himācal [3] पुं०
हिमाचल (पुं०) हिम का पर्वत, हिमालय।

ਹਿਰਸ हिर्स् Hirs [3] स्त्री०
ईर्ष्या (स्त्री०) ईर्ष्या, डाह।

ਹਿਰਣਾਖੀ हिर्णाखी Hirṇākhī [3] स्त्री०
हरिणाक्षी (स्त्री०) मृग-नयनी, हरिण के समान आँखों वाली।

ਹਿਰਦਾ हिर्दा Hirdā [3] पुं०
हृदय (नपुं०) हृदय, मन, चित्त।

ਹਿਰਨੀ हिर्नी Hirnī [3] स्त्री०
हरिणी (स्त्री०) हरिणी, मृगी।

ਹਿਲਣਾ हिल्णा Hilṇā [3] सक० क्रि०।
हिण्डते (भ्वादि अक०) हिलना-डुलना।

ਹੀ ही Hī [3] अ०
हि (अ०) निश्चयपूर्वक, अवश्य; केवल।

ਹੀਂ हीं Hīṁ [1] स्त्री०
ईषा (स्त्री०) खाट की पाटी; हरिस।

ਹੀਸ हीस् His [1] पुं०
हिंस्र (नपुं०) काँटेदार झाड़ी।

ਹੀਣ हीण् Hīṇ [3] वि०
हीन (वि०) हीन, न्यून, कम; अपूर्ण; नीच; निन्दित।

ਹੀਣਤ हीणत् Hīṇat [3] स्त्री०
हीनता (स्त्री०) हीनता, कमी; निरादर, अपमान।

ਹੀਣਤਾ हीण्ता Hīṇtā [3] स्त्री०
द्र०—ਹੀਣਤ।

ਹੀਣਤਾਈ हीण्ताई Hīṇtāī [3] स्त्री०
द्र०—ਹੀਣਤ।

ਹੀਣਾ हीणा Hīṇā [3] वि०
हीन (वि०) हीन, कम, न्यून।

ਹੀਰਾ हीरा Hīrā [3] पुं०
हीर (पुं०) हीरा, रत्न।

ਹੁਸਣਾ हुस्णा Husṇā [2] पुं०
ह्रसन (नपुं०) कमी, घटने का भाव; थकान।

ਹੁੰਗਾਰਾ हुँगारा Hũgārā [3] पुं०
हुङ्कार (पुं०) हुँकारा, स्वीकारोक्ति; आह्वान, बुलाने का भाव।

ਹੁੱਟ हुट्ट् Huṭṭ [3] वि०
उष्ण (वि०) उष्ण; अधिक गर्म।

ਹੁੰਡੀ हुण्डी Huṇḍī [3] स्त्री०
हुण्डिका (स्त्री०) हुण्डी, वस्तु-क्रयण का साधन।

ਹੁਣ हुण् Huṇ [3] अ०
अधुना (अ०) अब, आजकल, इस समय।

ਹੁਣੇ हुणे Huṇe [3] अ०
अधुनैव (अ०) अभी, इसी समय।

ਹੁੰਦਾ हुन्दा Hundā [3] अक० क्रि० वर्त०
भवति (भ्वादि अक० प्र० पु० ए० व०) होता है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹੁਨਾਲ हुनाल् Hunāl [3] पुं०
उष्णकाल (पुं०) ग्रीष्म ऋतु, गर्मी का मौसम।

ਹੁਨਾਲਾ हुनाला Hunālā [3] पुं०
द्र०—ਹੁਨਲਾਲ।

ਹੁੰਮ हुम्म् Humm [3] वि०
सोष्मन् (वि०) उष्ण, तप्त, गरम।

ਹੁੰਮ੍ਹ हुँम्ह् Hummh [3] पुं०
ऊष्मन् (पुं०) गर्मी, ताप।

ਹੁਲਸਾਊ हुल्साऊ Hulsāū [3] वि०
हर्षदायक (वि०) हर्षदायक, हर्षप्रद।

ਹੁਲਸਾਵਾਂ हुल्सावां Hulsāvā̃ [3] वि०
द्र०—ਹੁਲਸਾਊ।

ਹੁਲਾਸ हुलास् Hulās [2] पुं०
हर्षोल्लास (पुं०) उल्लास, उमंग, प्रसन्नता।

ਹੂ[1] हू Hū [3] स्त्री०
धूम (पुं०) धूम, धूआँ।

ਹੂ[2] हू Hū [3] अ०
हुम् (अ०) सम्बोधन; स्वीकृति सूचक शब्द।

ਹੂੰ[1] हूँ Hū̃ [3] स्त्री०
अहम् (अ०) अहंकार, अभिमान।

ਹੂੰ[2] हूँ Hū̃ [1] अ०
हुम् (अ०) हाँ, स्वीकृति सूचक शब्द।

ਹੂੰਝਣਾਂ हूँझ्णा Hūjhṇā [3] अक० क्रि०
उञ्छति (भ्वादि सक०) खेत में गिरे दाने बीनना, बटोरना।

ਹੂੰਝਾ हूँझा Hūjhā [3] पुं०
उञ्छ (पुं०) साफ करने की क्रिया; हानि, बरबादी।

ਹੂਲ हूल् Hūl [3] स्त्री०
शूल (पुं०, नपुं०) तलवार या चाकू आदि की नोक, किसी धारीदार शस्त्र को चुभाने की क्रिया।

ਹੇ हे He [3] अ०
हे (अ०) हे, भो, सम्बोधन सूचक शब्द।

ਹੇਂਗਾ हेंगा Hēgā [3] पुं०
प्रलङ्घ (पुं०) हेंगा, एक कृषि उपकरण जिससे खेत समतल किया जाता है।

ਹੇਜ हेज् Hej [3] पुं०
स्नेह (पुं०) स्नेह, प्रेम, प्यार।

ਹੇਜਲ हेजल् Hejal [3] वि०
स्नेहिल (वि०) स्नेही, नेही, प्रेमास्पद, प्यारा, लाडला।

ਹੇਜਲਾ हेज्ला Hejlā [2] वि०
द्र०—ਹੇਜਲ।

ਹੇਠਲਾ हेठ्ला Heṭhlā [3] वि०
अधस्तन (वि०) नीचे का; घटिया; अधीन।

ਹੇਠਾਂ हेठाँ Heṭhā̃ [3] वि०
अधस्तात् (अ०) नीचे का, निचला।

ਹੇਰੂ हेरू Herū [1] पुं०
प्रहरिन् (पुं०) प्रहरी, पहरेदार, चौकीदार; शिकारी, अहेरी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹੇਲਾ हेला Helā [1] पुं०
हेला (स्त्री०) धक्का; धावा; तिरस्कार।

ਹੇੜਾ हेड़ा Heṛā [1] पुं०
आखेट (पुं०) आखेट, शिकार।

ਹੇੜੀ हेड़ी Heṛī [1] पुं०
आखेटिन् (वि०) अहेरी, शिकारी।

ਹੈਂ हैं Haĩ [3] अ०
ऐ (अ०) प्रश्न, शोक और आश्चर्य का सूचक शब्द।

ਹੈਂਸਿਆਰਾ हैंस्यारा Haĩsyārā [3] पुं०
हिंसारु (वि०) हिंसक, हिंसा करने वाला; निर्दयी; दृढ़निश्चयी; निडर।

ਹੈਕੜ हैकड़् Haikaṛ [3] स्त्री०
अहंकृति (स्त्री०) अकड़; अहंकार, अभिमान।

ਹੈਂਕੜ हैंकड़् Haĩkaṛ [3] स्त्री०
द्र०—ਹੈਕੜ।

ਹੈਂਕੜੀ[1] हैंक्ड़ी Haĩkṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਹੈਕੜ।

ਹੈਂਕੜੀ[2] हैंक्ड़ी Haĩkṛī [3] पुं०
अहङ्कृतिन् (वि०) अहंकारी, अभिमानी, घमण्डी।

ਹੋ हो Ho [3] अक० क्रि० आज्ञा०
भवतु (भ्वादि अक० लोट् प्र० पु० ए० व०) होवे, हो।

ਹੋਛਾ होछा Hochā [2] पुं०
तुच्छ (वि०) ओछा, नीच; छोटे दिल का; घटिया किस्म का।

ਹੋਠ होठ् Hoṭh [3] पुं०
ओष्ठ (पुं०) होठ, अधर के ऊपर का भाग।

ਹੋਣਾ होणा Hoṇā [3] अक० क्रि०
भवति (भ्वादि अक०) होना, उत्पन्न होना।

ਹੋਣੀ होणी Hoṇī [3] स्त्री०
भाविनी (स्त्री०) होनी, भावी।

ਹੋਤਰੀ होत्री Hotrī [3] वि०
होत्रिय (वि०) होम करने वाला, होता का कार्य या उससे संबन्धित।

ਹੋਤੀ होती Hotī [3] वि०
होतृ (वि०) होता, होम करने वाला।

ਹੋਰ होर् Hor [3] अ०
अपर (सर्व०) और, एवं, तथा।

ਹੋਰੀ होरी Horī [1] स्त्री०
द्र०—ਹੋਲੀ।

ਹੋਲੀ होली Holī [3] स्त्री०
होली (स्त्री०) होली त्योहार, होलिका पर्व।

ਹੋੜਾ होड़ा Hoṛā [3] पुं०
हेठ (पुं०) बाधा, रुकावट, प्रतिबन्ध।

ਹੋੜੀ होड़ी Hoṛī [3] स्त्री०
होड (पुं०) छोटा बेड़ा, छोटी नाव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹੌਂਕਣਾ हौंक्णा Haukṇā [3] सक० क्रि०
धुक्षते (भ्वादि सक०) धौंकना; साँस फूलना; दम चढ़ना।

ਹੌਲ हौल् Haul [3] पुं०
लाघव (नपुं०) लाघव, लघुता, हल्कापन।

ਹੌਲਾ हौला Haulā [3] वि०
लघु (वि०) लघु; हल्का; तुच्छ, ओछा; साधारण।

ਹੌਲੀ हौली Houlī [3] क्रि० वि०
लाघव (क्रि० वि०) धीरे-धीरे, आहिस्ता।

ਹੌਲੇ-ਹੌਲੇ हौले-हौले Haule-Haule [3] क्रि वि०
लाघवेन-लाघवेन (क्रि० वि०) धीरे-धीरे, आहिस्ता-आहिस्ता।

ਹੰਸ हंस् Hans [3] पुं०
हंस (पुं०) हंस पक्षी।

ਹੰਸੀ हँसी Hãsī [3] स्त्री०
हास्य (नपुं०) हंसी, हास-परिहास।

ਹੰਕਾਰ हंकार् Haṅkār [3] पुं०
अहंकार (पुं०) अभिमान, गर्व।

ਹੰਕਾਰਨਾ हंकार्ना Haṅkārnā [3] अक०क्रि०
अहंकरोति (तनादि अक०) अहंकार करना, घमण्ड करना।

ਹੰਕਾਰੀ हंकारी Haṅkārī [3] पुं०
अहंकारिन् (वि०) अहंकारी, घमण्डी, अभिमानी, गर्वीला।

ਹੰਗਤਾ हंगता Haṅgatā [3] स्त्री०
अहन्ता (स्त्री०) अहंकार, अभिमान।

ਹੰਗਾਲਣਾ हंगाल्णा Haṅgālṇā [3] सक० क्रि०
क्षालयति (चुरादि सक०) खँघालना, क्षालन करना, धोना।

ਹੰਜੀਰ हंजीर् Hañjīr [2] पुं०
अञ्जीर (पुं०/नपुं०) पुं०—अंजीर नामक गले का एक रोग। नपुं०—अंजीर, एक फल।

ਹੰਝ हंझ् Hañjh[3] स्त्री०
अश्रु (नपुं०) आँसू, नेत्र-जल।

ਹੰਝੂ हंझू Hañjū [3] स्त्री०
द्र०—ਹੰਝ।

ਹੰਡੋਲਣਾ हंडोल्णा Haṇḍolṇā [3] सक० क्रि०
हिण्डते (भ्वादि सक०) घुटनों तक खड़ी कपास के खेत में हल जोतना।

ਹੰਡੋਲਾ हंडोला Haṇḍolā [3] पुं०
हिण्डोल (पुं०) हिंडोला, झूला।

ਹੰਢਣ हंढण् Haṇḍhaṇ [3] पुं०
हिण्डन (नपुं०) भ्रमण, घूमने-फिरने का भाव।

ਹੰਢਣਾ हंढ्णा Haṇḍhṇā [3] सक० क्रि०
हिण्डते (भ्वादि सक०) चलना, घूमना-फिरना।

ਹੰਢਾਉ हंढाऊ Haṇḍhāū[3] वि०
हिण्डक (वि०) खूब चलने वाला; टिकाऊ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹੰਢਾਉਣਾ हंढाउणा Haṇḍhāuṇā [3] सक० क्रि०
हिण्डयति (भ्वादि प्रेर०) भ्रमण कराना, घुमाना; पहनाना।

ਹੰਦਾ[1] हन्दा Handā [3] पुं०
पुरोधस् (पुं०) पुरोधा, पुरोहित; ब्राह्मण।

ਹੰਦਾ[2] हन्दा Handā [3] पुं०
अन्धस् (नपुं०) अन्न; भोजन; गुरुद्वारे में प्रतिदिन का निश्चित भोजन।

ਕ

ਕਉਆ कऊआ Kaūā [1] पुं०
काक (पुं०) कौआ, काक पक्षी।

ਕਈ कई Kaī [3] वि०
कति (सर्व० बहुवचन) कई, अनेक।

ਕਸ਼ਟ कशट् Kaśaṭ [3] पुं०
कष्ट (नपुं०) कष्ट, दुःख; संकट।

ਕਸਣਾ कस्णा Kasṇā [3] सक० क्रि०
कर्षति (भ्वादि सक०) कसना; खींचना; दबाना; ठोकना; घी में भूनना।

ਕਸਤੂਰਾ कस्तूरा Kastūrā [3] स्त्री०
कस्तूरिका (स्त्री०) पुष्कलक जाति का मृग जिसकी नाभि से कस्तूरी निकलती है; कस्तूरी।

ਕਸਤੂਰੀ कस्तूरी Kastūrī [3] स्त्री०
कस्तूरी (स्त्री०) कस्तूरी, मृग-नाभि का गन्ध द्रव्य।

ਕਸਵੱਟੀ कस्वट्टी Kasvaṭṭī [3] स्त्री०
कषपट्टी (स्त्री०) कसौटी, निकष।

ਕਸਾ कसा Kasā [3] स्त्री०
कशा (स्त्री०) चाबुक; रस्सी।

ਕਸਾਰ कसार् Kasār [1] पुं०
कंसार (पुं०) कसार, भुने आटे का चीनी मिश्रित लड्डू; पञ्जीरी।

ਕਸਿਆਉਣਾ कस्याउणा Kasyāuṇā [3] अक० क्रि०
कषायति (नामधातु अक०) कषैला होना, पीतल के पात्र में किसी भोज्य वस्तु का स्वाद विकृत होना।

ਕਸੁੰਭਾ कसुंभा Kasumbhā [3] पुं०
कुसुम्भ (पुं० / नपुं०) पुं०—कुसुंभ का पौधा; कुसुम्ही रंग। नपुं०—केसर।

ਕਸੇਰ कसेर् Kaser [3] स्त्री०
कसेरु (नपुं०) एक जंगली घास।

ਕਸੇਰਾ[1] कसेरा Kaserā [3] पुं०
कांस्यकार (पुं०) कसेरा, ठठेरा, पीतल या कांसे का काम करने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਸੇਰਾ² कसेरा Kaserā [3] पुं०
काशहर (वि०) घसेरा, घास गढ़ने वाला।

ਕਸੈਲਾ कसैला Kasailā [3] पुं०/वि०
कषाय (पुं०/वि०) पुं०—कषाय रंग, गेरुआ वर्ण। वि० कसैला स्वाद; कर्कश, कठोर, कर्ण कटु।

ਕਸੌਟੀ कसौटी Kasauṭī [3] स्त्री०
कषपट्टिका (स्त्री०) कसौटी, निकष।

ਕੱਸ कस्स् Kass [2] पुं०
कष (पुं०) निकष, कसौटी; कसौटी पर घिसने का भाव।

ਕੱਸਣਾ कस्सणा Kassṇā [3] सक० क्रि०
कषति(भ्वादि सक०) कसना, सोने आदि को घिस कर परीक्षा करना।

ਕਹਾਉਣਾ कहाउणा Kahāuṇā [3] सक० क्रि०
कथयति (चुरादि प्रेर०) कथन कराना, कहलाना।

ਕਹਾਉਤ कहाउत् Kahāut [3] स्त्री०
कथावार्ता (स्त्री०) कहावत; कथन।

ਕਹਾਣ कहाण् Kahāṇ [3] पुं०
कथानक (नपुं०) कहावत, कहानी; कथन।

ਕਹਾਣਾ कहाणा Kahāṇā [3] पुं०
कथन (नपुं०) कथन, वक्तव्य, बयान।

ਕਹਾਣੀ कहाणी Kahāṇī [3] स्त्री०
कथानक (नपुं०) कथा, कहानी।

ਕਹਾਰ कहार् Kahār [3] पुं०
कहार (पुं०) कहार, पानी भरने या ढोने वाला।

ਕਹਿਣ कहिण् Kahiṇ [3] पुं०
कथन (नपुं०) कहने का भाव, वक्तव्य।

ਕਹਿਣਾ कहिणा Kahiṇā [3] सक० क्रि०
कथयति (चुरादि सक०) कहना, कथन करना, बोलना।

ਕਹਿਣੀ कहिणी Kahiṇī [3] स्त्री०
कथनीय (वि०) कथन, वक्तव्य, बयान।

ਕਹਿੰ कहिं Kahī [3] स्त्री०
कांस्य (नपुं०) काँसा धातु।

ਕੱਕਰ कक्कर् Kakkar [3] पुं०
कर्कर (नपुं०) कंकड़; ओला।

ਕੱਕੜ कक्कड़ Kakkaṛ [2] पुं०
कक्कट (पुं०) मृग के समान एक जंगली जानवर।

ਕੱਕੜੀ कक्कड़ी Kakkṛī [3] स्त्री०
कर्कटी (स्त्री०) ककड़ी।

ਕਖਾਈ¹ कखाई Kakhāī [3] स्त्री०
कक्षपट्टी (स्त्री०) लँगोटी, लंगोट।

ਕਖਾਈ² कखाई Kakhāī [3] वि०
काषाय (वि०) कषाय रंग का, गेरुआ।

ਕੱਖ कक्ख् Kakkh [3] पुं०
कक्ष (पुं०) घास-फूस; भूसा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਚਹਿਰੀ कच्हिरी Kachirī [3] स्त्री०
कृत्यघरिका (स्त्री०) कचहरी, न्यायालय।

ਕਚਕੜਾ कच्कड़ा Kackaṛā [3] पुं०
काचकटक (नपुं०) काच का कड़ा, चूड़ी या मनका।

ਕਚਨਾਰ कच्नार् Kacnār [3] पुं०
कञ्चनार (पुं०/नपुं०) पुं—कचनार का वृक्ष। नपुं०—कचनार फूल।

ਕਚਰਾ कच्रा Kacrā [1] पुं०
कर्चरी (स्त्री०) कचरा, कूड़ा-करकट।

ਕਚਰੀ कच्री Kacrī [3] स्त्री०
कर्चरी (स्त्री०) खरबूजे की जाति का फल-विशेष, काचरा; व्यञ्जन-विशेष।

ਕਚੂਰ कचूर् Kacūr [3] पुं०
कर्चूर (नपुं०) एक ओषधि, बूटी-विशेष।

ਕਚੌਰੀ कचौरी Kacaurī [3] स्त्री०
कच्चपूर (नपुं०) कचौड़ी।

ਕੱਚ कच्च् Kacc [3] पुं०
काच (पुं०) काच, शीशा।

ਕੱਚਾ कच्चा Kaccā [3] पुं०
कच्च (वि०) कच्चा, अपक्व।

ਕਛੌਟਾ कछौटा Kachauṭā [3] पुं०
कक्षपट (पुं०) छोटी धोती; घुटरनी; छोटा कच्छा।

ਕੱਛ[1] कच्छ् Kacch [3] स्त्री०
कक्ष (पुं०) काँख, बगल।

ਕੱਛ[2] कच्छ् Kacch [3] पुं०
कच्छ (पुं०/नपुं०) पुं०—नदी तट का भू-भाग, समुद्र-तट। नपुं०—कच्छा, जाँघिया।

ਕੱਛਾ कच्छा Kacchā [3] पुं०
कच्छ (नपुं०) कच्छा; जाँघिया; अधोवस्त्र।

ਕੱਛੀ कच्छी Kacchī [3] स्त्री०
कच्छिका (स्त्री०) छोटा कच्छा; अधोवस्त्र।

ਕੱਛੂ कच्छू Kacchū [3] पुं०
कच्छप (पुं०) कछुआ, कूर्म।

ਕੱਛੂ-ਕੁੰਮਾ कच्छू-कुम्मा Kacchū-Kummā [3] पुं०
कच्छपकूर्म (पुं०) कछुआ, कूर्म।

ਕਜਲਾ कज्ला Kajlā [2] पुं०
द्र०—ਕੱਜਲ।

ਕਜਲੋਠੀ कज्लोठी Kajloṭhī [2] स्त्री०
कज्जलकोष्ठ (पुं०) कजरौटी, काजल रखने का पात्र।

ਕੱਜਣਾ कज्ज्णा Kajjṇā [3] सक० क्रि०
कर्जति (भ्वादि सक०) ढकना, छिपाना।

ਕੱਜਲ कज्जल् Kajjal [3] पुं०
कज्जल (नपुं०) काजल, आँजन, सुरमा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਟ कट् Kaṭ [1] पुं०
कटि (स्त्री०) कटि, कमर ।

ਕਟਹਿਰਾ कटैह्रा Kaṭaihrā [3] पुं०
काष्ठघर (नपुं०) कटघरा; दरवाजे की लकड़ी पर नक्काशी वाली चौखट; कटरा, बाजार ।

ਕਟਕ कटक् Kaṭak [3] पुं०
कटक (पुं०) कटक, सेना, कुमुक ।

ਕਟਾਉਣਾ कटाउणा Kaṭāuṇā [3] सक० क्रि०
कर्तयति (चुरादि सक०) काटना; कतरना; कुतरना ।

ਕਟਾਈ कटाई Kaṭāī [3] स्त्री०
कर्तन (नपुं०) कटाई, काटने का भाव ।

ਕਟਾਖ कटाख् Kaṭākh [3] पुं०
कटाक्ष (नपुं०) कटाक्ष, कनखी से देखने का भाव ।

ਕਟਾਖਸ਼ कटाख्श् Kaṭākhś [3] पुं०
द्र०—ਕਟਾਖ ।

ਕਟਾਰ कटार् Kaṭār [3] स्त्री०
कट्टार (पुं०) कटार, छुरी-विशेष ।

ਕਟਾਰਾ कटारा Kaṭārā [2] पुं०
द्र०—ਕਟਾਰ ।

ਕਟਾਰੀ कटारी Kaṭārī [3] स्त्री०
द्र०—ਕਟਾਰ ।

ਕੱਟਣਾ[1] कट्टणा Kaṭṭṇā [3] पुं०
कर्तन (नपुं०) काटना, काटने का भाव ।

ਕੱਟਣਾ[2] कट्टणा Kaṭṭṇā [3] सक० क्रि०
कर्तयति (चुरादि सक०) काटना, टुकड़े करना; नष्ट करना ।

ਕਠਪੁਤਲੀ कठ्पुत्ली Kaṭhputlī [3] स्त्री०
काष्ठपुत्तलिका (स्त्री०) कठपुतली ।

ਕਠਿਨ कठिन्, Kaṭhin [3] वि०
कठिन (त्रि०) कठिन, मुश्किल; कठोर; ठोस ।

ਕਠਿਨਤਾ कठिन्ता Kaṭhintā [3] स्त्री०
कठिनता (स्त्री०) कठिनाई; ठोसपना ।

ਕਠਿਨਤਾਈ कठिन्ताई Kaṭhintāī [2] स्त्री०
द्र०—ਕਠਿਨਤਾ ।

ਕਠੋਰਤਾ कठोर्ता Kaṭhortā [3] स्त्री०
कठोरता (स्त्री०) कठोर का भाव; रूक्षता ।

ਕਠੋਰਤਾਈ कठोर्ताई Kaṭhortāī [3] स्त्री०
कठोरता (स्त्री०) कठोर का भाव, ठोसपना, कड़ापन ।

ਕੱਠ कट्ठ् Kaṭṭh [3] पुं०
एकस्थ (पुं०) इकट्ठा, एकत्र ।

ਕੱਠਾ कट्ठा Kaṭṭhā [3] वि०
द्र०—ਇਕੱਠਾ ।

ਕੱਢਣਾ कड्ढ्णा Kaḍḍhṇā [3] सक० क्रि०
निष्कर्षति (भ्वादि सक०) काढ़ना; निकालना; खींचना ।

ਕਣ कण् Kaṇ [3] पुं०
कण (पुं०) अन्न, दाना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਣਕ कणक् Kaṇak [3] स्त्री०
कणक (पुं०) गेहूँ; अनाज, अन्न ।

ਕਣੀ[1] कणी Kaṇī [3] स्त्री०
कण (पुं०) जल-बिन्दु, चावल आदि का छोटा टुकड़ा, कनी ।

ਕਣੀ[2] कणी Kaṇī [3] स्त्री०
कणी/कणिका (स्त्री०) कनी, चावल आदि का टूटा छोटा भाग ।

ਕਤਰਨਾ कतर्ना Katarnā [3] सक० क्रि०
कर्तति (चुरादि सक०) कतरना, काट-छाँट करना; कुतरना ।

ਕਤਰਨੀ कतर्नी Katarnī [3] स्त्री०
कर्त्तरी (स्त्री०) कैंची; छुरी ।

ਕਤੀਆ कतीआ Katīā [3] पुं०
कर्तरिका (स्त्री०) लोहार आदि की कैंची ।

ਕਤੀਰਾ कतीरा Katīrā [3] पुं०
कर्तर (पुं०) लोहार और सोनार की कैंची ।

ਕੱਤਕ कत्तक् Kattak [3] पुं०
कार्तिक (पुं०) कार्तिक मास, स्वामी कार्तिकेय ।

ਕੱਤਣ कत्तण् Kattaṇ [3] पुं०
कर्त्तन (नपुं०) सूत कातने का भाव ।

ਕੱਤਣਾ कत्तणा Kattṇā [3] सक० क्रि०
कृन्तति (तुदादि सक०) कातना; चरखे आदि पर सूत कातना; सूत बाटना ।

ਕੱਤਣੀ कत्तणी Kattṇī [3] स्त्री०
कर्त्तन (नपुं०) सूत कातने की विधि या भाव ।

ਕੱਤੇਂ कत्तें Kattē [1] पुं०
द्र०— ਕੱਤਕ ।

ਕਥ कथ् Kath [1] स्त्री०
कथा (स्त्री०) कथा, कहानी ।

ਕਥੱਕੜ कथक्कड़् Kathakkaṛ [3] पुं०
कथक (वि०) कथक्कड़, वाचाल ।

ਕਥਣਾ कथ्णा Kathṇā [3] सक० क्रि०
कथयति (चुरादि सक०) कहना, बयान करना ।

ਕਥਾਕ कथाक् Kathāk [1] वि०
द्र०—ਕਥੱਕੜ ।

ਕਥਿਤ कथित् Kathit [3] वि०
कथित (वि०) कहा हुआ, कथन किया हुआ, उक्त ।

ਕਥੂਰੀ कथूरी Kathūrī [3] स्त्री०
कस्तूरी (स्त्री०) कस्तूरी, मृगनाभि का गन्ध द्रव्य ।

ਕਦ कद् Kad [3] अ०
कदा (अ०) कब, किस समय ।

ਕਦੋਂ कदों Kadō [3] अ०
द्र०—ਕਦ ।

ਕਨਪੇੜਾ कन्पेड़ा Kanpeṛā [3] पुं०
कर्णकण्डू (पुं०) कान के पास का फोड़ा ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਨਾਤਰੇ कनात्रे Kanātre [3] पुं०
कर्णान्तर (नपुं०) कर्ण शष्कुली, कान का भीतरी भाग।

ਕਨੂਣੀ कनूणी Kanūṇī [1] स्त्री०
कर्णपुटी (स्त्री०) कान, कर्णपुट, कर्ण-कुहर।

ਕਨੂਰੀ कनूरी Kanūrī [1] स्त्री०
द्र०—ਕਨੂਣੀ।

ਕਨੇਠਾ कनेठा Kaneṭhā [2] पुं०
कनिष्ठ (वि०) छोटा पुत्रादि, सबसे छोटा।

ਕਨੇਡੂ कनेडू Kaneḍū [3] पुं०
कर्णकण्डू (पुं०) कान के बगल का फोड़ा।

ਕਨੇਰ कनेर् Kaner [3] पुं०
कर्णिकार (पुं०) कनेर, कनैल, कनइल।

ਕਨੇਲ कनेल् Kanel [1] पुं०
द्र०—ਕਨੇਰ।

ਕਨੌਜ कनौज् Kanauj [3] पुं०
कान्यकुब्ज (पुं०) उत्तर प्रदेश का कन्नौज क्षेत्र; ब्राह्मणों का एक भेद।

ਕਨੌਤਰੇ कनौत्रे Kanautre [1] पुं०
द्र०—ਕਨਾਤਰੇ।

ਕਨੌਤੀਆਂ कनौतिआँ Kanautiā̃ [3] पुं०
कर्णान्तिक (नपुं०) कर्ण का अन्तिम छोर, कान के पास।

ਕਨ੍ਹੇੜਾ कन्हेड़ा Kanheṛā [2] पुं०
स्कन्ध (पुं०) कन्धा, भुजाओं का मूलभाग।

ਕਨ੍ਹੇੜੀ कन्हेड़ी Kanheṛī [2] स्त्री०
द्र०—ਕਨ੍ਹੇੜਾ।

ਕੱਨ कन्न् Kann [3] पुं०
कर्ण (पुं०) कान, श्रवण।

ਕਪਟਭੇਖੀ कपट्भेखी Kapaṭ-Bhekhī [2] वि०
कपटवेषिन् (वि०) कपटी, धोखेबाज।

ਕਪੜਾਂਧ कप्ड़ाँध् Kapṛā̃dh [3] स्त्री०
कर्पटगन्ध (पुं०) कपड़ा जलने की गन्ध।

ਕਪੜੌਟੀ कप्ड़ौटी Kapṛauṭī [2] स्त्री०
कर्पटपट्टिका (स्त्री०) कपड़े की परत; परत किया हुआ कपड़ा।

ਕਪਾਸ कपास् Kapās [3] स्त्री०
कर्पास (पुं०) कपास का पौधा अथवा रूई।

ਕਪਾਹ कपाह् Kapāh [3] स्त्री०
द्र०—ਕਪਾਸ।

ਕਪਾਹਾ कपाहा Kapāhā [1] वि०
कार्पास (वि०) सूती वस्त्र, कपास से सम्बन्धित।

ਕਪਾਹੀ कपाही Kapāhī [1] वि०
द्र०—ਕਪਾਹਾ।

ਕਪਾਲ कपाल् Kapāl [3] पुं०
कपाल (पुं०) शिर, मस्तक।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਪਾਲਕ कपालक् Kapālak [3] पुं०
कापालिक (वि० / पुं०) वि०—कपाल धारण करने वाला। पुं०—शिव, महादेव।

ਕਪਿਲ कपिल् Kapil [3] पुं०
कपिल (पुं०) सांख्य-शास्त्र के प्रवर्त्तक कपिल मुनि; अग्नि; कुत्ता; शिव; पीतल धातु; सूर्य।

ਕਪੂਤ कपूत् Kapūt [3] पुं०
द्र०—ਕਪੁੱਤ।

ਕਪੂਰ कपूर् Kapūr [3] पुं०
कर्पूर (पुं०, नपुं०) कपूर, सुगन्धित पदार्थ।

ਕੱਪਣਾ कप्प्णा Kappṇā [1] क्रि०
द्र०—ਕੱਟਣਾ।

ਕੱਪੜ कप्पड़् Kappaṛ [1] पुं०
कर्पट (नपुं०) कपड़ा, वस्त्र।

ਕੱਪੜ-ਛਾਣ पड़्-छाग् Kappaṛ-chāṇ [3] पुं०
कर्पटचालन (नपुं०) कप्पड़छान, कपड़े से छानने की क्रिया।

ਕੱਪੜਾ कप्प्ड़ा Kappṛā [3] पुं०
कर्पट (पुं०) कपड़ा, वस्त्र।

ਕਬੱਡੀ कबड्डी Kabaḍḍī [3] स्त्री०
कबरी (स्त्री०) कबड्डी, खेल विशेष।

ਕਬਰਾ कब्रा Kabrā [1] वि०
कर्बर (वि०) चितकबरा, भूरा।

ਕਬਲਾ कब्ला Kablā [1] पुं०
द्र०—ਕਬਰਾ

ਕਬੂਤਰ कबूतर् Kabūtar [3] पुं०
कपोत (पुं०) कबूतर पक्षी।

ਕੱਬ कब्ब् Kabb [2] स्त्री०
कर्व (पुं०) कुटिलता, वक्रता।

ਕੱਬਾ कब्बा Kabbā [2] पुं०
कर्व (वि०) कुटिल; पतित।

ਕਮਰ कमर् Kamar [3] वि०
कमर (वि०) कामासक्त, कामुक; उत्सुक।

ਕਮਰਖ कम्रख् Kamrakh [3] पुं०
कर्मरङ्ग (पुं०/नपुं०) पुं०—अमरख वृक्ष। नपुं०—अमरख फल।

ਕਮਾਈ कमाई Kamāī [3] स्त्री०
कर्मजा (स्त्री०) कमाई, काम करने की मजदूरी।

ਕਰ कर् Kar [3] पुं०
कर (पुं०) कर, लगान, टैक्स।

ਕਰਸੀ कर्सी Karsī [3] भवि० क्रि०
करिष्यति (तनादि सक० भवि०) करेगा।

ਕਰਹਲ कर्हल् Karhal [3] पुं०
क्रमेलक (पुं०) ऊँट।

ਕਰਹਲਾ कर्हला Karhalā [3] पुं०
कलहिन् (पुं०) कलही, झगड़ालू।

ਕਰਹਾ[1] कर्हा Karhā [3] पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਰਹਾ² कर्हा Karhā [3] पुं०
करीष (पुं०, नपुं०) सूखे हुए उपलों का छोटा टुकड़ा या चूरा।

ਕਰਕਟ कर्कट् Karkaṭ [3] पुं०
कर्कट (पुं०) केकड़ा, एक जल जन्तु।

ਕਰਕਾ कर्का Karkā [2] वि०
करक (वि०) कठोर, कड़ा।

ਕਰਕੁੰਮਾ कर्कुम्मा Karkummā [1] पुं०
कूर्म (पुं०) कछुआ, कूर्म।

ਕਰਤਬ कर्तब् Kartab [3] पुं०
कर्तव्य (नपुं०) चमत्कार, कलाबाजी।

ਕਰਤੱਵ करतव्व् Kartavv [3] पुं०
कर्तव्य (नपुं०) कर्तव्य, करने योग्य काम।

ਕਰਤਾ कर्ता Kartā [3] पुं०
कर्ता (पुं० प्रथमान्त) करने वाला, करतार; भगवान्।

ਕਰਨਾ कर्ना Karnā [3] सक० क्रि०
करोति (तनादि सक०) करना।

ਕਰਨੀ कर्नी Karnī [3] स्त्री०
करणीय (वि०) कार्य, कर्म।

ਕਰਪਾਲ कर्पाल् Karpāl [3] पुं०
करपाल (वि०) कर वसूलने वाला।

ਕਰਮ-ਖੇਤਰ करम्-खेतर् Karam-khetar [3] पुं०
कर्मक्षेत्र (नपुं०) कर्मक्षेत्र, कर्मभूमि, कार्य-स्थल।

ਕਰਮ-ਛੇਤਰ करम्-छेतर् Karam-chetar [1] पुं०
द्र०—ਕਰਮ-ਖੇਤਰ।

ਕਰਮੰਡਲ कर्मण्डल् Karmaṇḍal [3] पुं०
कमण्डलु (पुं०) कमण्डल, पात्र विशेष।

ਕਰਵਟ कर्वट् Karvaṭ [3] स्त्री०
करावर्त (पुं०) करवट, एक तरफ से दूसरी तरफ शरीर बदलने की क्रिया।

ਕਰਵਤ कर्वत् Karvat [3] पुं०
करपत्र (नपुं०) आरा, लोहार की आरी।

ਕਰਵੱਤਰ कर्वत्तर् Karvattar [3] पुं०
द्र०—ਕਰਵਤ।

ਕਰਵਾ कर्वा Karvā [3] पुं०
करक (पुं०, नपुं०) करवा, झारा, जलपात्र।

ਕਰਵੀਲ कर्वील् Karvīl [3] पुं०
करीर (पुं०/नपुं०) करील का वृक्ष या फल।

ਕਰੜਾ कर्ड़ा Karṛā [3] पुं०
कर्दित (वि०) कड़ा, कठोर।

ਕਰਾਉਣਾ कराउणा Karāuṇā [3] सक० क्रि०
कारयति (तनादि प्रेर०) कराना, करने की प्रेरणा देना।

ਕਰਾਂਡੀ करांडी Karāḍī [3] स्त्री०
करणी (स्त्री०) करनी, राजमिस्त्री का प्लास्टर करने का औजार।

ਕਰਿਆਨਾ कर्यानी Karyānā [3] पुं०
क्रयाणक (नपुं०) विक्रय-वस्तु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਰੀਹ करीह् Karīh [3] स्त्री०
करीष (पुं०,नपुं०) उपला, कण्डी; करषी।

ਕਰੀਰ करीर् Karīr [3] पुं०
करीर (पुं०, नपुं०) करीर, केर, कटीली झाड़ी और उसका फल।

ਕਰੁਣਾ करुणा Karuṇā [3] स्त्री०
करुणा (स्त्री०) करुणा, दया।

ਕਰੂ करू Karū [2] पुं०
क्रम (पुं०) एक प्रकार का माप।

ਕਰੂਆ करुआ Karuā [2] पुं०
करक (पुं०, नपुं०) करवा, झारा, जल-पात्र।

ਕਰੂਰ करूर् Karūr [3] वि०
क्रूर (वि०) कठोर, निर्दयी, हिंसक।

ਕਰੇਲਾ करेला Karelā [3] पुं०
कारवेल्लक (पुं०) करैला, सब्जी-विशेष।

ਕਰੋਪ करोप् Karop [3] पुं०
कोप (पुं०) कोप, क्रोध।

ਕਰੋੜ करोड़् Karoṛ [3] वि०
कोटि (स्त्री०) करोड़, सौ लाख।

ਕਰੌਤ करौत् Karaut [3] पुं०
करपत्र (नपुं०) आरा, लकड़ी चीरने का औजार।

ਕਰੌਂਦਾ करौंदा Karaūdā [2] पुं०
करमर्द (पुं०) कलौंदा, करौंदा।

ਕਰੰਗ करंग् Karaṅg [2] पुं०
करङ्क (पुं०) अस्थि-पञ्जर; खोपड़ी।

ਕਰੰਡ करण्ड् Karaṇḍ [3] स्त्री०
करण्ड (पुं०) टोकरी, पिटारी।

ਕਲ[1] कल् Kal [3] स्त्री०
कला (स्त्री०) कला, विद्या; मशीन, यन्त्र।

ਕਲ[2] कल् Kal [3] वि०
कल (वि०) मनोहर, सुन्दर।

ਕਲਸ਼ ਕलश् Kalaś [3] पुं०
कलश (पुं०) कलश, कलशा, घड़ा।

ਕਲਸਿਰਾ कल्सिरा Kalsirā [3] वि०
कृष्णशिरस् (वि०) काले शिर वाला।

ਕਲਹਾਰਾ कल्हारा Kalhārā [3] पुं०
कलहकार (वि०) कलह करने वाला, झगड़ालू।

ਕਲਹਾਰੀ कल्हारी Kalhārī [3] स्त्री०
कलहकारिणी (स्त्री०) कलह करने वाली स्त्री, झगड़ालू स्त्री।

ਕਲਹਿਣਾ कल्हिणा Kalhiṇā [3] पुं०
कलहिन् (वि०) कलही, झगड़ालू।

ਕਲਹਿਣੀ कल्हिणी Kalhiṇī [3] स्त्री०
कलहिनी (स्त्री०) झगड़ालू स्त्री।

ਕਲਕ कलक् Kalak [3] पुं०
कल्क (पुं०, नपुं०) चूर्ण, लुगदी; विष्ठा; पाप; पाखण्ड; कान का मैल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਲੱਤਰ कलत्तर् Kalattar [3] स्त्री०
कलत्र (नपुं०) कलत्र, पत्नी, भार्या ।

ਕਲਪ कलप् Kalap [3] पुं०
कल्प (पुं० / नपुं०) पुं०—विधि, करने योग्य कर्म; वेद का एक अङ्ग । नपुं०—ब्रह्मा का एक दिन जो 4320000000 वर्ष का होता है ।

ਕਲਪਣਾ[1] कल्पणा Kalpaṇā [3] सक० क्रि०
कल्पयति (चुरादि सक०) कल्पना करना, सोचना-विचारना ।

ਕਲਪਣਾ[2] कल्पणा Kalpaṇā [3] अक० क्रि०
विलपति (भ्वादि अक०) कलपना, कातर भाव से रोना, विलाप करना ।

ਕਲਪਨਾ कल्पना Kalpanā [3] स्त्री०
कल्पना (स्त्री०) कल्पना; भावना ।

ਕਲਾਉਂਤ कलाउँत् Kalāūt [2] वि०
कलावत् (त्रि०) कलाकार; संगीतज्ञ ।

ਕਲਾਈ कलाई Kalāī [3] स्त्री०
कलाची (स्त्री०) कलाई, हाथ और बाँह का सन्धि-स्थान ।

ਕਲਾਕਾਰ कलाकार् Kalākār [3] पुं०
कलाकार (पुं०) कलाकार; संगीतज्ञ ।

ਕਲਾਚੱਕਰ कलाचक्कर् Kalācakkar [3] पुं०
कालचक्र (नपुं०) कालचक्र, समय; युग ।

ਕਲਾਲ कलाल् Kalāl [3] पुं०
कल्यपाल (पुं०) मदिरा-विक्रेता; स्प्रिट अथवा शराब बेचने या साफ करने वाला; कलवार, एक जाति विशेष ।

ਕਲਾਵਾ कलावा Kalāvā [3] पुं०
कलाप (पुं०) आलिंगन, आश्लेष ।

ਕਲਿਸ਼ਟ कलिष्ट् Kaliṣṭ [3] वि०
क्लिष्ट (त्रि०) कठोर, क्लेशसहित, दुःखी ।

ਕਲਿਹਾਰ कलिहार् Kalihār [3] पुं०
कलहकार (वि०) कलह करने वाला, झगड़ालू ।

ਕਲਿਹਾਰਾ कलिहारा Kalihārā [3] पुं०
कलहकार (वि०) कलह करने वाला, झगड़ालू ।

ਕਲੀ कली Kalī [3] स्त्री०
कली/कलिका (स्त्री०) कली, फूलों की कली; चूने की डली; कलई ।

ਕਲੂਖਤ कलूखत् Kalūkhat [3] वि०
कलुषित (त्रि०) पापी, दोषी; कलङ्की ।

ਕਲੇਸ਼ कलेश् Kaleś [3] पुं०
क्लेश (पुं०) दुःख; झगड़ा; चिन्ता; क्रोध; पञ्चक्लेश विशेष ।

ਕਲੇਜਾ कलेजा Kalejā [3] पुं०
कालेयक (पुं०) कलेजा, जिगर ।

ਕਲੇਜੀ कलेजी Kalejī [3] स्त्री०
कालेयक (नपुं०) कलेजा, यकृत्, जिगर; खाद्य मांस ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਲੇਲ कलेल् Kalel [3] स्त्री०
कल्लोल (पुं०) किलोल, प्रसन्नता।

ਕਲੇਵਾ कलेवा Kalevā [3] पुं०
कल्यवर्त (पुं०) कलेवा, प्रातःकालीन जलपान, प्रातराश।

ਕਲੋਲ कलोल् Kalol [3] पुं०
कल्लोल (पुं०) पानी की लहर, तरङ्ग; मन की उमंग।

ਕਲੌਂਜੀ कलौंजी Kalaūjī [3] स्त्री०
कृष्णजीरक (नपुं०) काला जीरा; मंगरैल।

ਕਲੌਂਤ कलौंत् Kalaūt [3] वि०
द्र०—ਕਲਾਉਂਤ।

ਕਲੰਜ कलंज् Kalañj [3] पुं०
कलञ्ज (पुं०) जहरीले शस्त्र से घायल पशु या उसका मांस।

ਕਲੰਜਣ कलंजण् Kalañjaṇ [3] पुं०
कुलञ्जन (नपुं०) कुलंजन वृक्ष या उसका औषधरूप काष्ठ-खण्ड, जिससे गला साफ किया जाता है।

ਕੱਲਾ कल्ला Kallā [3] पुं०
एकल (पुं०) अकेला, एकाकी।

ਕੱਲ੍ਹ कल्ह् Kalh [3] पुं०
कल्य (नपुं०) कल, बीता हुआ अथवा आने वाला दिन।

ਕਵਣ कवण् Kavaṇ [3] सर्व०
को जनः (वाक्य) कौन, कौन व्यक्ति।

ਕਵਾੜਾ कवाड़ा Kavāṛā [3] पुं०
अपकार्य (नपुं०) गलत कार्य; कबाड़ा।

ਕਵਿਤਾ कविता Kavitā [3] स्त्री०
कविता (स्त्री०) कविता, कवि-कर्म।

ਕਵਿੱਤ कवित्त् Kavitt [3] पुं०
कवित्व (नपुं०) कवि का भाव, कर्म या धर्म।

ਕਵਿੱਤਰੀ कवित्तरी Kavittarī [3] स्त्री०
कवयित्री (स्त्री०) कवयित्री, कविता करने वाली स्त्री।

ਕਵੀਸ਼ਰ कवीशर् Kavīśar [3] पुं०
कवीश्वर (पुं०) कविश्रेष्ठ, महाकवि।

ਕੜਛਾ[1] कड़्छा Kaṛchā [3] पुं०
कररक्ष (पुं०) कड़छा; कड़ा, हाथ में पहना जाने वाला आभूषण।

ਕੜਛਾ[2] कड़्छा Kaṛchā [3] पुं०
कटच्छु (पुं०) करछुल, कड़छुल, दर्वी।

ਕੜਛੀ कड़्छी Kaṛchī [3] स्त्री०
कटच्छुल (पुं०) छोटी कड़छी, छोटी करछुल।

ਕੜਵਾ कड़्वा Kaṛvā [3] वि०
कटु (वि०) कड़ुवा, तिक्त, तीता।

ਕੜਵਾਈ कड़्वाई Kaṛvāī [3] स्त्री०
कटु (पुं०) कड़वाहट, कड़वापन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੜਾ कड़ा Kaṛā [3] पुं०
कटक (पुं०, नपुं०) कड़ा, कलाई में धारण करने का धातु निर्मित कड़ा।

ਕੜਾਹਾ कड़ाहा Kaṛāhā [3] पुं०
कटाह (पुं०) कड़ाह, बड़ा पात्र-विशेष।

ਕੜਾਹੀ कड़ाही Kaṛāhī [3] स्त्री०
कटाही (स्त्री०) कड़ाही, छोटा पात्र-विशेष।

ਕੜੀ[1] कड़ी Kaṛī [3] स्त्री०
कटक (पुं०, नपुं०) छोटा कड़ा; जंजीर आदि का गोल कुण्डा।

ਕੜੀ[2] कड़ी Kaṛī [3] स्त्री०
कटि (स्त्री०) कड़ी, शहतीर, धरण।

ਕੜ੍ਹ कढ़् Kaṛh [2] पुं०
क्वथ/क्वाथ (पुं०) काढ़ा, क्वाथ।

ਕੜ੍ਹਨਾ कढ़्ना Kaṛhnā [3] सक० क्रि०
क्वथति (भ्वादि सक०) काढ़ा बनाना; उबालना; पकाना।

ਕੜ੍ਹੀ कढ़ी Kaṛhī [3] स्त्री०
क्वथित (स्त्री० / वि०) स्त्री०—कढ़ी। वि०—उबाली हुई वस्तु।

ਕਾਂ काँ Kā̃ [3] पुं०
काक (पुं०) कौआ, कौवा।

ਕਾਉਂ काऊँ Kāū̃ [2] पुं०
काक (पुं०) कौआ, कौवा।

ਕਾਉਣੀ काउणी Kauṇī [3] स्त्री०
काकी (स्त्री०) कौवी, मादा कौआ।

ਕਾਇਆ काइआ Kāiā [3] स्त्री०
काय (पुं०) काया, शरीर, देह।

ਕਾਇਕ काइक् Kāik [2] वि०
कायिक (वि०) दैहिक, शरीर-सम्बन्धी, शरीर का।

ਕਾਇਰ काइर् Kāir [3] वि०
कापुरुष (वि०) कायर, भीरु, साहसहीन।

ਕਾਇਰਤਾ काइर्ता Kāirtā [3] स्त्री०
कायरता (स्त्री०) भीरुता, बुजदिली।

ਕਾਸ਼ਤੀ काश्ती Kāśtī [3] स्त्री०
द्र०—ਇਕਾਦਸ਼ੀ।

ਕਾਂਸੀ[1] काँसी Kā̃sī [3] स्त्री०
काशी (स्त्री०) काशी, वाराणसी नगर।

ਕਾਂਸੀ[2] काँसी Kā̃sī [3] स्त्री०
कांस्य (नपुं०) काँसा धातु।

ਕਾਹ काह् Kāh [2] पुं०
काश (पुं०) काश, सरकण्डा।

ਕਾਹੀ काही Kāhī [3] स्त्री०
काश (पुं०) काश, सरकण्डा।

ਕਾਕੜਾ काक्ड़ा Kākṛā [3] पुं०
करका (स्त्री०) ओला; दुर्गा देवी।

ਕਾਗ काग् Kāg [3] पुं०
काक (पुं०) कौआ, कौवा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਾਗੁਰ कागुर् Kāgur [1] पुं०
काकबलि (पुं०) श्राद्धादि में कौओं को दिया जाने वाला अन्न।

ਕਾਛਲ काछल् Kāchal [2] स्त्री०
द्र०—ਕਾਛੜ।

ਕਾਛੜ काछड़् Kāchaṛ [1] स्त्री०
कच्छ (पुं०) नदीतट, नदी का कछार।

ਕਾਜ काज् Kāj [3] पुं०
कार्य (नपुं०) कार्य, काम।

ਕਾਂਜੀ काँजी Kājī [3] स्त्री०
काञ्जीक (नपुं०) एक प्रकार का खट्टा रस, जो राई इत्यादि के मेल से बनता है।

ਕਾਂਟਾ काँटा Kāṭā [3] पुं०
कण्टक (पुं०) काँटा; डंक; रोमांच; व्याधि, रोग।

ਕਾਠ काठ् Kāṭh [3] पुं०
काष्ठ (नपुं०) काठ, लकड़ी।

ਕਾਠੀ काठी Kāṭhī [3] स्त्री०
काष्ठी (स्त्री०) काठी, ढाँचा, फ्रेम।

ਕਾਂਡੀ[1] कांडी Kāṇḍī [3] स्त्री०
कडिण्का (स्त्री०) करनी, राज मिस्त्री का प्लास्टर करने का औजार।

ਕਾਂਡੀ[2] कांडी Kāḍī [3] स्त्री०
कण्डिका (स्त्री०) वेद की शाखा; जन्म-पत्री।

ਕਾਣਾ काणा Kaṇā [3] पुं०
काण (वि०) काना, किसी एक नेत्र में अधिक विकार वाला।

ਕਾਤ कात् Kāt [3] स्त्री०
कर्त्री (स्त्री०) स्वर्णकार अथवा लौहकार की कैंची।

ਕਾਤਰ कातर् Kātar [3] पुं०
कर्तन (नपुं०) कतरन, टुकड़ा।

ਕਾਤੀ काती Kātī [3] स्त्री०
द्र०—ਕਾਤ।

ਕਾਂਦੂ काँदू Kādū [3] पुं०
कान्दविक (पुं०) भड़भूजा; हलवाई।

ਕਾਨਾ काना Kānā [3] पुं०
काण (वि०) काणा, काना, एकाक्ष।

ਕਾਨੀ कानी Kānī [3] स्त्री०
काण्ड (पुं०, नपुं०) बाण, तीर।

ਕਾਨ੍ਹ कान्ह् Kānh [3] पुं०
कृष्ण (वि० / पुं०) वि०—काला, गहरा नीला। पुं०—भगवान् श्रीकृष्ण।

ਕਾਨ੍ਹਾ कान्हा Kānhā [3] पुं०
कृष्ण (पुं०) भगवान् श्रीकृष्ण।

ਕਾਪੜੀ काप्ड़ी Kapṛī [3] पुं०
कार्पटिक (पुं०) तीर्थयात्री, फकीर।

ਕਾਪੁਰਖ कापुरख् Kāpurakh [3] वि०
कापुरुष (वि०) कायर, डरपोक, भीरु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਾਫਿਰਸਤਾਨ काफिर्स्तान् Kāphirstān [3] पुं०
कपिशस्थान (नपुं०) अफगानिस्तान और हिन्दुकुशपर्वत के मध्य का देश एवं वहाँ के निवासी।

ਕਾਬਰੀ काब्री Kābrī [3] स्त्री०
कम्बली / कम्बलिका (स्त्री०) कम्बल, कमली, कमरी।

ਕਾਂਬਾ काँबा Kā̃bā [3] पुं०
कम्प (पुं०) कम्पन, कंपकंपी।

ਕਾਬੁਲ काबुल् Kābul [3] पुं०
कुभा (स्त्री०) एक नदी जो अफगानिस्तान में बहती है तथा अटक के पास सिन्धु नदी में गिरती है।

ਕਾਮ काम् Kām [3] पुं०
कर्मन् (नपुं०) कर्म, काम, कार्य।

ਕਾਮਣ कामण् Kāmaṇ [2] पुं०
कार्मण (नपुं०) जादू; तन्त्र-विद्या।

ਕਾਮਧੇਨ कामधेन् Kāmdhen [3] स्त्री०
कामधेनु (स्त्री०) समुद्र मन्थन से निकली हुई एक गाय, जो देवलोक में है।

ਕਾਮਨੀ काम्नी Kāmnī [3] स्त्री०
कामिनी (स्त्री०) सुन्दर स्त्री, कामना वाली।

ਕਾਮਾ कामा Kāmā [3] पुं०
कार्म (पुं०) परिश्रमी, खेत का मजदूर।

ਕਾਮੁਕ कामुक् Kāmuk [3] वि०
कामुक (वि०) कामी, कामना वाला, कामनायुक्त।

ਕਾਰਜ कारज् Kāraj [3] पुं०
कार्य (नपुं०) कार्य, काम।

ਕਾਰਣ कारण् Kāraṇ [3] पुं०
कारण (नपुं०) निमित्त, हेतु।

ਕਾਲ काल् Kāl [3] पुं०
काल (पुं०) समय; मृत्यु।

ਕਾਲਖ कालख् Kālakh [3] स्त्री०
कालुष्य (नपुं०) कालिख; मलिनता; दोष।

ਕਾਲਜਾ काल्जा Kāljā [3] पुं०
कालेयक (पुं०) कलेजा, जिगर।

ਕਾਲਪੁਰਖ काल्पुरख् Kālpurakh [3] पुं०
कालपुरुष (पुं०) अकालपुरुष, परब्रह्म।

ਕਾਲਾ काला Kālā [3] पुं०
काल (वि०) काला, गहरा नीला।

ਕਾਲੀਮਿਰਚ कालीमिर्च् Kālīmirc [3] स्त्री०
कृष्णमरिच (नपुं०) कालीमिर्च।

ਕਾਵ काव् Kāv [3] पुं०
काव्य (नपुं०/पुं०) नपुं०—कवि का कर्म, रसयुक्त कविता। पुं०—शुक्राचार्य।

ਕਾੜ੍ਹਨਾ काढ़्ना Kāṛhnā [2] सक० क्रि०
क्वथति (भ्वादि सक०) खौलाना, उबालना; काढ़ा बनाना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਾੜ੍ਹਾ काढ़ा Kāṛhā [2] पुं०
क्वाथ (पुं०) क्वाथ, औषधियों का काढ़ा।

ਕਿਉਂ किउँ Kiū [3] अ०
किमु (अ०) क्यों, जिज्ञासा बोधक शब्द।

ਕਿਉੜਾ क्योड़ा Kyoṛā [3] पुं०
केतकी (स्त्री०) क्योड़ा, क्योड़े का वृक्ष या पुष्प।

ਕਿਆਰਾ क्यारा Kyārā [3] पुं०
केदार (पुं०) क्यारी, छोटा खेत।

ਕਿਆਰੀ क्यारी Kyārī [3] स्त्री०
केदारिका (स्त्री०) छोटी क्यारी।

ਕਿਆੜੀ क्याड़ी Kyāṛī [3] स्त्री०
कृकाटिका / कृकाटी (स्त्री०) गर्दन की जोड़, खोपड़ी का पिछला भाग।

ਕਿਸਾਣ किसाण् Kisāṇ [3] पुं०
कृषाण (पुं०) किसान, खेतिहर, कृषक।

ਕਿਹਰ किहर् Kihar [3] पुं०
केसरिन् (पुं०) केसरी, सिंह।

ਕਿਹਾ[1] किहा Kihā [3] वि०
कथित (वि०) कथित, कहा हुआ।

ਕਿਹਾ[2] किहा Kihā [3] पुं०
कीदृश (वि०) कैसा, किस तरह का।

ਕਿੱਕਰ किक्कर् Kikkar [3] पुं०
किङ्कराल (पुं०) कीकर वृक्ष, बबूल का पेड़।

ਕਿਚਰ किचर् Kicar [3] क्रि० वि०
कियच्चिरम् (अ०) कितना पुराना, कबतक।

ਕਿਤੜਾ कित्ड़ा Kiṭṛā [1] वि०
कियत् (सर्व०) कितना, वस्तु के परिमाण-विषयक प्रश्न का वाचक।

ਕਿਥਾਂ किथाँ Kithā̃ [1] सर्व०
किं स्थानम् (वाक्य) कौन-सी जगह।

ਕਿੱਥੇ कित्थे Kitthe [3] अ०
कस्मिन् स्थाने (क्रि० वि०) कहीं, किस स्थान पर।

ਕਿੱਦਣ किद्दण् Kiddaṇ [3] अ०
कस्मिन् दिने (क्रि० वि०) किस दिन, कब।

ਕਿਰਸਾਣ किर्साण् Kirsāṇ [3] पुं०
कृषाण (पुं०) किसान, खेतिहर, कृषक।

ਕਿਰਸਾਨ किर्सान् Kirsān [3] पुं०
कृषाण (पुं०) किसान, खेतिहर।

ਕਿਰਖ किरख् Kirakh [3] स्त्री०
कृषि (स्त्री०) खेती, कृषि।

ਕਿਰਤ किरत् Kirat [2] पुं०
कृत्य (नपुं०) कर्म, काम।

ਕਿਰਤੱਗ किर्तग्ग् Kirtagg [3] वि०
कृतज्ञ (वि०) कृतज्ञ, किये हुए उपकार को स्वीकार करने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਿਰਤਘਣ किर्तघण् Kirtaghaṇ [3] **वि०**
कृतघ्न (वि०) कृतघ्न, किये हुए उपकार को न स्वीकार करने वाला।

ਕਿਰਤਮ किर्तम् Kirtam [3] **वि०**
कृत्रिम (वि०) बनावटी, कल्पित।

ਕਿਰਤਾਰਥ किर्तारथ् Kirtārath [3] **वि०**
कृतार्थ (वि०) सफल मनोरथ वाला, कृत-कृत्य, कृतकार्य।

ਕਿਰਤੀ किर्ती Kirtī [2] **वि०**
कृत्यिन् (वि०) कृत्य करने वाला, मेहनती।

ਕਿਰਨ किरन् Kiran [2] **स्त्री०**
किरण (पुं०) प्रकाश; किरण; धूलि।

ਕਿਰਨਾ किर्ना Kirnā [3] **सक० क्रि०**
कीर्यते (तुदादि कर्म वा०) बिखरना, पृथक् पृथक् होना।

ਕਿਰਪਣ किर्पण् Kirpaṇ [3] **वि०**
कृपण (वि०) कृपण, कंजूस।

ਕਿਰਪਨ किर्पन् Kirpan [3] **वि०**
द्र०—ਕਿਰਪਣ।

ਕਿਰਪਾ किर्पा Kirpā [3] **स्त्री०**
कृपा (स्त्री०) कृपा, दया।

ਕਿਰਪਾਨ किर्पान् Kirpān [3] **स्त्री०**
कृपाण (पुं०) कृपाण, तलवार।

ਕਿਰਪਾਲ किर्पाल् Kirpāl [3] **वि०**
कृपालु (वि०) कृपा करने वाला, दयालु।

ਕਿਰਮ किरम् Kiram [3] **पुं०**
कृमि (पुं०) कीड़ा, कीट।

ਕਿਰਲਾ किर्ला Kirlā [2] **पुं०**
कृकलास (पुं०) गिरगिट, सरट्।

ਕਿਰਲੀ किर्ली Kirlī [3] **स्त्री०**
कृकलासी (स्त्री०) छिपकली; छोटा गिरगिट।

ਕਿਰੜਨਾ किरड़्ना Kiraṛnā [3] **सक० क्रि०**
किटकिटायते (नामधातु सक०) क्रोध में बोलना, दाँत पीसना।

ਕਿਰਾਉਣਾ किराउणा Kirāuṇā [1] **सक० क्रि०**
किरति (तुदादि सक०) बिखेरना, छीटना; ढरकाना; लुढ़काना; बोना।

ਕਿਰਿਆ किर्या Kiryā [3] **स्त्री०**
क्रिया (स्त्री०) क्रिया, कर्म; श्राद्ध सम्बन्धी क्रिया।

ਕਿਲਕ किलक् Kilak [1] **पुं०**
कीलक (नपुं०) कीला, खूँटा।

ਕਿਲਵਿਖ किल्विख् Kilvikh [3] **पुं०**
किल्विष (नपुं०) पाप; दोष, गुनाह।

ਕਿੱਲ किल्ल् Kill [3] **पुं०**
कील (पुं०, नपुं०) काँटी, कील।

ਕਿੱਲਣਾ किल्लणा Killaṇā [2] **सक० क्रि०**
कीलति (भ्वादि सक०) कील ठोकना, बाँधना, कीलों से मजबूत करना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਿੱਲਾ किल्ला Killā [3] पुं०
कील (पुं०, नपुं०) खूँटा, किल्ला।

ਕਿੱਲੀ किल्ली Killī [3] स्त्री०
कीलकी (स्त्री०) खूँटी, किल्ली।

ਕਿੱਲ੍ਹਣਾ किल्हणा Killhaṇā [2] सक० क्रि०
कीलति (भ्वादि सक०) पूरा जोर लगाना।

ਕਿਵਾੜ किवाड़् Kivāṛ [3] पुं०
कपाट (पुं०, नपुं०) कपाट, किवाड़।

ਕਿਵੇਂ किवें Kivē [3] अ०
कथम् (अ०) कैसे, प्रश्न-सूचक शब्द।

ਕਿੜ किड़् Kiṛ [3] पुं०
कीट (पुं०) कीट-पतंग, कीड़ा।

ਕਿੜਕੜਾਉਣਾ किड़्कड़ाउणा Kiṛkaṛāuṇā [3] सक० क्रि०
किटकिटायते (नामधातु सक०) क्रोध में बोलना, दाँत पीसना।

ਕਿੜਕਿੜਾਉਣਾ किड़्किड़ाउणा Kiṛkiṛāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਕਿੜਕੜਾਉਣਾ।

ਕੀ की Kī [3] अ०
किम् (अ०) क्या, प्रश्न-सूचक।

ਕੀਟਾਣੂ कीटाणू Kīṭāṇū [3] पुं०
कीटाणु (पुं०) कीटाणु, कीड़ा।

ਕੀਤਾ कीता Kītā [3] वि०
कृत (वि०) सम्पादित, किया हुआ, कार्य।

ਕੀਰਤ कीरत् Kīrat [3] स्त्री०
कीर्ति (स्त्री०) कीर्ति, यश, प्रतिष्ठा।

ਕੀਰਾ कीरा Kīrā [1] पुं०
द्र०—ਕੀੜਾ।

ਕੀਲਣਾ कील्णा Kīlṇā [3] सक० क्रि०
कीलति (भ्वादि सक०) कील से बाँधना, मंत्र आदि से एक स्थान पर टिका देना।

ਕੀੜਾ कीड़ा Kīṛā [3] पुं०
कीट (पुं०) कीड़ा-मकोड़ा।

ਕੀੜੀ कीड़ी Kīṛī [3] स्त्री०
कीटी (स्त्री०) चींटी; दीमक।

ਕੁਆਰ[1] क्वार् Kvār [3] पुं०
कौमार्य (नपुं०) कुमारावस्था, कौमार्य।

ਕੁਆਰ[2] क्वार् Kvār [3] स्त्री०
घृतकुमारी (स्त्री०) घीकुँवार, घृत-कुमारी पौधा।

ਕੁਆਰਪੁਣਾ क्वार्पुणा Kvārpuṇā [3] पुं०
कुमारपण (पुं०) कुमारपन, कुवाँरापन, कौमार्य।

ਕੁਆਰਾ क्वारा Kvārā [3] पुं०
कुमार (पुं०) कुमार, अविवाहित लड़का, क्वारा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੁਆਰੀ क्वारी Kvārī [3] स्त्री०
कुमारी (स्त्री०) कुमारी, अविवाहित लड़की, कन्या।

ਕੁਸ਼ਟ कुशट् Kuśaṭ [3] पुं०
कुष्ठ (पुं०) कोढ़, रोग-विशेष।

ਕੁਸਮ कुसम् Kusam [3] पुं०
कुसुम (नपुं०) पुष्प, फूल।

ਕੁਸਮਾ कुस्मा Kusmā [3] पुं०
कुसमय (पुं०) खोटा समय, मुसीबत की घड़ी।

ਕੁਸ਼ਲਖੇਮ कुशल्खेम् Kuṣalkhem [3] पुं०
कुशलक्षेम (नपुं०) कुशलक्षेम, कुशल-मङ्गल।

ਕੁਸ਼ਲਤਾਈ कुशल्ताई Kuśaltāī [1] स्त्री०
कुशलता (स्त्री०) कुशलता, चतुराई।

ਕੁਸ਼ਾ कुशा Kuśā [3] स्त्री०
कुश/कुशा (पुं०/स्त्री०) कुश, यज्ञ में प्रयोग में लाई जाने वाली घास-विशेष।

ਕੁਸੁੱਧ कुसुद्ध् Kusuddh [3] वि०
कुशुद्ध > अशुद्ध (वि०) अशुद्ध, अपवित्र।

ਕੁਸੁੱਧਾ कुसुद्धा Kusuddhā [3] वि०
द्र०—ਕੁਸੁੱਧ।

ਕੁਸੁੰਭ कुसुम्भ् Kusumbh [3] पुं०/वि०
कुसुम्भ (पुं० / नपुं० / वि०) पुं०—कुसुमी रंग, कुसुम्भ की बेल। नपुं०—कुसुम्भ पुष्प। वि०—कुसुम्ही रंग वाला।

ਕੁਸੁੰਭਾ कुसुम्भा Kusumbhā [3] पुं०
कुसुम्भ (पुं०/नपुं०) पुं०—कुसुंभ पौधा; कुसुम्ही वर्ण। नपुं०—केसर, पराग।

ਕੁਹਾੜਾ कुहाड़ा Kuhāṛā [3] पुं०
कुठार (पुं०) कुठार, कुल्हाड़ा, फरसा।

ਕੁਹਾੜੀ कुहाड़ी Kuhāṛī [3] स्त्री०
कुठारिका (स्त्री०) कुल्हाड़ी, कुठार।

ਕੁੱਕੜ कुक्कड़् Kukkaṛ [3] पुं०
कुक्कुट (पुं०) मुर्गा, पक्षी-विशेष।

ਕੁੱਕੜੀ कुक्कड़ी Kukkṛī [3] स्त्री०
कुक्कुटी (स्त्री०) मुर्गी, मादा मुर्गा।

ਕੁੱਖ कुक्ख् Kukkh [3] स्त्री०
कुक्षि (पुं०) उदर, पेट, कोख।

ਕੁਚਜ ਜ कुचज्ज् Kucajj [3] पुं०
कुचर्य (नपुं०) काम करने का गलत ढंग, कदाचरण।

ਕੁਚੱਜੀ कुचज्जी Kucajjī [3] पुं०
कुचर्यिन् (वि०) बुरे आचरण वाला, दुराचारी।

ਕੁਚਲ कुचल् Kucal [3] पुं०
कुचल (पुं०/वि०) पुं०—कुत्सित आचरण, खराब चाल-चलन। वि०—चरित्रहीन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੁਚਲਾ कुच्ला Kuclā [3] पुं०
कच्चीर (पुं०/नपुं०) पुं०—कुचला वृक्ष। नपुं०—कुचला फल।

ਕੁਚਾਲ कुचाल् Kucāl [3] वि०/पुं०
कुचाल (वि० / पुं०) वि०—कुचाली, चरित्रहीन। पुं०—कुत्सित आचरण।

ਕੁਚਾਲਾ कुचाला Kucālā [3] पुं०
कुचाल (पुं०) कुत्सित आचरण, बुरा आचरण।

ਕੁਚੀਲ कुचील् Kucīl [3] पुं०
कुचैल (वि०) मैले कपड़े वाला।

ਕੁੱਚ कुच्च् Kucc [3] पुं०
कूर्च (नपुं०) कूंची; दाढ़ी।

ਕੁੱਛ कुच्छ् Kucch [1] अ०
किञ्चित् (अ०) किञ्चित्, कुछ; थोड़ा।

ਕੁੱਛੜ कुच्छड़् Kucchaṛ [3] स्त्री०
कुक्षिस्थल (पुं०) गोद, क्रोड, उत्संग।

ਕੁੰਜ¹ कुञ्ज् Kuñj [3] स्त्री०
कञ्चुक (पुं०) केंचुली, सांप आदि की केंचुली।

ਕੁੰਜ² कुञ्ज् Kuñj [3] स्त्री०
क्रौञ्च/क्रुञ्च (पुं०) क्रौञ्च; सारस; जलमुर्ग।

ਕੁਜਾਤ कुजात् Kujāt [3] वि०
कुजाति (वि०) छोटी जाति का व्यक्ति।

ਕੁੰਜੀ कुंजी Kuñjī [3] स्त्री०
कुञ्चिका (स्त्री०) ताली, चाबी, कुंजी।

ਕੁਟਿਲ कुटिल् Kuṭil [3] वि०
कुटिल (वि०) टेढा; कपटी, धूर्त; गुच्छेदार।

ਕੁਟੁੰਬ कुटुम्ब् Kuṭumb [3] पुं०
कुटुम्ब (पुं०, नपुं०) सम्बन्धी; कुटुम्ब, परिवार।

ਕੁੱਟਣਾ¹ कुट्टणा Kuṭṭṇā [3] सक० क्रि०
कूटयते (चुरादि सक०) कूटना; पीटना।

ਕੁੱਟਣਾ² कुट्टणा Kuṭṭṇā [1] पुं०
कुट्टन (वि०) कुटनाई करने वाला; दलाली करने वाला।

ਕੁੱਟਣੀ कुट्टणी Kuṭṭṇī [3] स्त्री०
कुट्टनी (स्त्री०) कुटनी, कुटनाई करने वाली; दूती।

ਕੁੱਟੀ कुट्टी Kuṭṭī [3] स्त्री०
कर्तित (नपुं०) पुआल आदि चारे की कुट्टी।

ਕੁੰਠ कुण्ठ् Kuṇṭh [3] वि०
कुण्ठित (वि०) कुण्ठित, कुण्ठा-ग्रस्त; मूर्ख।

ਕੁੱਠ कुट्ठ् Kuṭṭh [3] स्त्री०
कुष्ठ (पुं०, नपुं०) एक प्रकार की ओषधि जो Auckland Chstus से तैयार की जाती है तथा जिसका व्यवहार ज्वर में किया जाता है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੁੱਠਣਾ कुट्ठणा Kuṭṭhṇā [3] **सक० क्रि०**
कुण्णाति (क्र्यादि सक०) जान से मारना, हत्या करना।

ਕੁੰਡ कुण्ड् Kuṇḍ [3] **स्त्री०**
कुण्ड (पुं०, नपुं०) कुण्ड; छोटा तालाब; पानी रखने का मटका ।

ਕੁੰਡਲ कुण्डल् Kuṇḍal [3] **पुं०**
कुण्डल (नपुं०) कर्णफूल; गोलायित तार; बैल के गर्दन की घण्टी।

ਕੁੰਡਲੀ कुण्डली Kuṇḍalī [3] **स्त्री०**
कुण्डली (स्त्री०) गोलायित तार; अंगूठी।

ਕੁੰਡਾਲਾ कुण्डाला Kuṇḍālā [1] **पुं०**
कुण्ड (नपुं०) पानी रखने का पात्र; छोटा तालाब।

ਕੁੰਢ कुण्ढ् Kuṇḍh [2] **वि०**
कुण्ठ (वि०) मूर्ख, मन्द बुद्धि; मन्द।

ਕੁਣਕਾ कुण्का Kuṇkā [3] **पुं०**
कणिका (स्त्री०) कण, चावल या दाने का छोटा कण।

ਕੁਤਰਕ कुत्रक् Kutrak [3] **पुं०**
कुतर्क (पुं०) गलत दलील, असंगत वचन।

ਕੁੱਤਾ कुत्ता Kuttā [3] **पुं०**
कुर्कुर (पुं०) कुत्ता, कुक्कुर, कूकर।

ਕੁੱਤੀ कुत्ती Kuttī [3] **स्त्री०**
कुर्कुरी (स्त्री०) कुत्ती, कुक्कुरी, कूकरी।

ਕੁਥਾਂ कुथाँ Kuthā̃ [3] **पुं०**
कुस्थान (नपुं०) कुठाँव, कुत्सित स्थान, खराब जगह।

ਕੁਥਾਉਂ कुथाउँ Kuthāū̃ [3] **स्त्री०**
द्र०—ਕੁਥਾਂ।

ਕੁਥਾਏਂ कुथाएँ Kuthāẽ [3] **स्त्री०**
द्र०—ਕੁਥਾਂ।

ਕੁਦਮ कुदम् Kudam [3] **पुं०**
कूर्दन (नपुं०) कूदने या उछलने का भाव, उछाल।

ਕੁਦਾਲ कुदाल् Kudāl [3] **पुं०**
कुद्दाल (पुं०, नपुं०) कुदाल, फावड़ा, खनित्र।

ਕੁਦਾਲਾ कुदाला Kudālā [2] **पुं०**
कुद्दाल (पुं०, नपुं०) कुदाल, फावड़ा, खनित्र।

ਕੁਦਾਲੀ कुदाली Kudālī [2] **स्त्री०**
कुद्दाल (पुं०, नपुं०) छोटा कुदाल, छोटा फावड़ा।

ਕੁੱਦ कुद्द् Kudd [1] **स्त्री०**
कूर्दन (नपुं०) कूद, उछल-कूद, कूदने का भाव।

ਕੁੱਦਣਾ कुद्दणा Kuddṇā [3] **अक० क्रि०**
कूर्दते (भ्वादि अक०) कूदना; उछलना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੁਨਬਾ कुन्बा Kunbā [1] पुं०
कुटुम्ब (नपुं०) कुटुम्ब, सम्बन्धी; सजातीय, सगोत्र।

ਕੁੰਨਾ कुंना Kunnā [3] पुं०
कुण्ड (नपुं०) पानी रखने का कुण्ड; मिट्टी का बड़ा पात्र; छोटा तालाब।

ਕੁਨਾਲਾ कुनाला Kunālā [1] पुं०
कुण्ड (नपुं०) मिट्टी की बड़ी परात।

ਕੁਨਾਲੀ कुनाली Kunālī [1] स्त्री०
कुण्ड (नपुं०) मिट्टी की बनी कराही; पानी रखने का घड़ा।

ਕੁੰਨ੍ਹੀ कुन्ही Kunnhī [3] स्त्री०
कुण्ड (नपुं०) पानी रखने का मिट्टी का पात्र, बड़ा कूँड़ा।

ਕੁਪੱਥ[1] कुपत्थ् Kupatth [1] पुं०
कुपथ्य (वि०) कुपथ्य, अनुचित आहार, अपच भोजन।

ਕੁਪੱਥ[2] कुपत्थ् Kupatth [1] पुं०
कुपथ (पु०) कुमार्ग, बुरा रास्ता।

ਕੁਪੀਨ कुपीन् Kupīn [3] पुं०
कौपीन (नपुं०) योगियों की पतली लंगोटी।

ਕੁਪੁੱਤ कुपुत्त् Kuputt [3] पुं०
कुपुत्र (पुं०) कुपुत्र, कुत्सित आचरण वाला पुत्र।

ਕੁਪੁੱਤਰ कुपुत्तर् Kuputtar [3] पुं०
द्र०—ਕੁਪੁੱਤ।

ਕੁੱਪਾ कुप्पा Kuppā [3] पुं०
कूपक (पुं०) तेल डालने का कुप्पा-कुप्पी।

ਕੁਬਜ कुबज् Kubaj [3] पुं०
कुब्ज (वि०) कूबड़ा, कूबड़ वाला।

ਕੁਬੜਾ कुब्ड़ा Kubṛā [2] पुं०
कुब्ज (वि०) कूबड़ा, कुब्जक।

ਕੁੱਬ कुब्ब् Kubb [3] पुं०
कुब्ज (नपुं०) कूबड़, ककुद्, पीठ का कूबड़।

ਕੁੰਭ कुम्भ् Kumbh [3] पुं०
कुम्भ (पुं०) पात्र, घड़ा, ताम्रपात्र।

ਕੁੰਭਾ कुम्भा Kumbhā [1] पुं०
कूर्म (पुं०) कच्छप, कछुआ।

ਕੁੰਭੀ कुम्भी Kumbhī [3] स्त्री०
कुम्भी (स्त्री०) कुम्भी, छोटा घड़ा।

ਕੁਮੱਤ कुमत्त् Kumatt [3] स्त्री०
कुमति (स्त्री०) कुमति, दुर्मति, दुर्बुद्धि।

ਕੁਮਿਹਾਰ कुमिहार् Kumihār [3] पुं०
कुम्भकार (पुं०) कुम्हार जाति, मिट्टी से घड़े आदि गढ़ने वाली एक जाति।

ਕੁਮਿਹਾਰੀ कुमिहारी Kumihārī [1] स्त्री०
कुम्भकारी (स्त्री०) कुम्हार की स्त्री, कुम्हारिन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੁੰਮੀਂ कुंमीं Kummī [3] स्त्री०
कूर्मी (स्त्री०) कच्छपी, मादा कच्छप ।

ਕੁਮ੍ਹਾਰ कुम्हार् Kumhār [2] पुं०
कुम्भकार (वि०) कुम्हार जाति, मिट्टी के घड़े आदि गढ़ने वाली जाति ।

ਕੁੱਮਾ कुम्मा Kummā [3] स्त्री०
कूर्म (पुं०) कच्छप, कछुआ ।

ਕੁਰਕਟ कुर्कट् Kurkaṭ [1] पुं०
कुक्कुट (पुं०) मुर्गा, पक्षी-विशेष ।

ਕੁਰਛੇਤਰ कुर्छेतर् Kurchetar [3] पुं०
कुरुक्षेत्र (नपुं०) कुरुक्षेत्र जहाँ कौरव पाण्डवों का विश्व विख्यात युद्ध महाभारत हुआ था, एक तीर्थ स्थान ।

ਕੁਰਲ कुरल् Kural [3] पुं०
कुरर (पुं०) कुरर पक्षी, क्रौञ्च पक्षी ।

ਕੁਰੀਤ कुरीत् Kurīt [3] स्त्री०
कुरीति (स्त्री०) कुरीति, कुप्रथा ।

ਕੁਰੁੰਡ कुरुंड Kuruṇḍ [1] पुं०
कुरुविन्द (पुं०, नपुं०) माणिक्य, एक प्रकार का बहुमूल्य खनिज पदार्थ ।

ਕੁਰੁਨ कुरुन् Kurun [1] पुं०
कृमुक (पुं० / नपुं०) पुं०—शहतूत का पेड़ । नपुं०—शहतूत का फल ।

ਕੁਰੂਖੇਤਰ कुरूखेतर् Kurūkhetar [1] पुं०
कुरुक्षेत्र (नपुं०) कुरुक्षेत्र जहाँ कौरव-पाण्डव का विश्व प्रसिद्ध युद्ध महाभारत हुआ था, एक तीर्थ स्थान ।

ਕੁਰੂਪ कुरूप् Kurūp [3] पुं०
कुरूप (वि०) भद्दा रूपवाला ।

ਕੁਰੰਗ कुरंग् Kuraṅg [1] पुं०
कुरङ्ग (पुं०) कुरंग, एक प्रकार का हरिण, कृष्णसार मृग ।

ਕੁਰੰਦੀ कुरन्दी Kurandī [1] स्त्री०
कुण्डली (स्त्री०) साँप की कुण्डली ।

ਕੁਲ कुल् Kul [3] पुं०
कुल (नपुं०) वंश, परिवार; उच्च कुल ।

ਕੁਲਹਾੜਾ कुल्हाड़ा Kulhāṛā [3] पुं०
कुठार (पुं०) कुल्हाड़ी; फरसा ।

ਕੁਲਹਾੜੀ कुल्हाड़ी Kulhāṛī [3] स्त्री०
कुठारी (स्त्री०) कुल्हाड़ी, छोटा-फरसा ।

ਕੁਲਹਿਣਾ कुल्हिणा Kulhiṇā [3] स्त्री०
कलहिन् (वि०) कलहकारी, झगड़ालू ।

ਕੁਲੱਖਣੀ कुलक्ख्णी Kulakkhṇī [3] स्त्री०
कुलक्षणी (स्त्री०) कुलक्षणी, बुरे लक्षणों वाली स्त्री ।

ਕੁਲੱਛਣ कुलच्छण् Kulacchaṇ [3] वि०
कुलक्षण (वि०) कुलक्षण, दुर्जन, बुरे लक्षणों वाला, अपशकुन-सूचक ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੁਲੱਛਣਾ कुलच्छ्णा Kulacchṇā [3] पुं०
कुलक्षण (वि०) कुलक्षण, बुरे लक्षणों वाला, अपशकुन-सूचक।

ਕੁਲਥ कुल्थ् Kulth [1] पुं०
कुलत्थ (पुं०) कुल्थी, एक प्रकार की दाल अथवा अनाज।

ਕੁਲਥੀ कुल्थी Kulthī [1] स्त्री०
द्र०—ਕੁਲਥ।

ਕੁਲਿੰਜਣ कुलिञ्जण् Kuliñjaṇ [1] पुं०
द्र०—ਕੁਲੰਜਣ।

ਕੁਲੰਗ कुलंग् Kulaṅg [1] पुं०
कुलिङ्ग (पुं०) कांटेदार पूंछ वाला पक्षी; चूहा-विशेष।

ਕੁਲੰਜਣ कुलञ्जण् Kulañjaṇ [2] पुं०
कुलञ्जन (पुं०) एक प्रकार की जड़ (Alpinia galanga) जो गला साफ करने के लिए चबाई जाती है।

ਕੁਵਾਦ कुवाद् Kuvād [1] पुं०
कुवाद (पुं०) कुवाद, बकवास।

ਕੁਵੇਲ कुवेल् Kuvel [1] स्त्री०
कुवेला (स्त्री०) असमय, विलम्ब, देर।

ਕੁਵੇਲਾ कुवेला Kuvelā [3] पुं०
कुवेला (स्त्री०) असमय, विलम्ब, देर।

ਕੁੜੱਕੀ कुड़क्की Kuṛakkī [3] स्त्री०
कुटकी (स्त्री०) कुड़की, सरकार के द्वारा की जाने वाली कुड़की, जब्ती।

ਕੁੜੱਤਣ कुड़त्तण् Kuṛattaṇ [3] स्त्री०
कटुत्व (नपुं०) कटुता, कड़वापन।

ਕੁੜ੍ਹਣਾ कुढ़्णा Kuṛhṇā [3] अक० क्रि०
क्रुध्यति (दिवादि अक०) कुढ़ना, खीझना; क्रोध करना।

ਕੂਆ कूआ Kūā [1] पुं०
कूप (पुं०) कूँआ।

ਕੂਹਣ कूहण् Kūhaṇ [1] स्त्री०
कूपखनि (पुं०) अन्नागार, अन्नगर्त।

ਕੂਹਣੀ कूह्णी Kūhṇī [3] स्त्री०
कफोणी (पुं०, स्त्री०) कुहनी, केहुनी।

ਕੂਹੀ कूही Kūhī [2] स्त्री०
कौशिक (पुं०) शिकारी पक्षी।

ਕੂਕ कूक् Kūk [3] स्त्री०
कूज (पुं०) आवाज, चीख।

ਕੂਕਰ कूकर् Kūkar [2] पुं०
कुर्कुर (पुं०) कुक्कुर, कुत्ता।

ਕੂਕਰੀ कूक्री Kūkrī [1] स्त्री०
कुर्कुरी (स्त्री०) कुक्कुरी, कुतिया।

ਕੂਚਣਾ कूच्णा Kūcṇā [3] अक० क्रि०
कूर्चति (नामधातु सक०) कूचना; रगड़ना; कूँची से साफ करना।

ਕੂਚਾ कूचा Kūcā [3] पुं०
कूर्च (पुं०) ब्रश; लकड़ियों का गट्ठर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੂਚੀ कूची Kūcī [3] स्त्री०
कूचिका (स्त्री०) कूँची, तूलिका।

ਕੂਜ कूज् Kūj [3] स्त्री०
क्रुञ्च (पुं०) जलपक्षी; क्रौञ्च पक्षी।

ਕੂੰਡਾ कूंडा Kūḍā [3] पुं०
कुण्ड (नपुं०) भोजन पात्र; जलपात्र।

ਕੂਣ कूण् Kūṇ [3] पुं०
कोण (पुं०) कोना, कोण।

ਕੂਣਾ कूणा Kūṇā [3] सक० क्रि०
कवते (भ्वादि सक०) कहना, बोलना।

ਕੂਰਮ कूरम् Kūram [3] पुं०
कूर्म (पुं०) कच्छप, कछुआ; एक पुराण।

ਕੂਲਾ कूला Kūlā [3] वि०
कोमल (वि०) मुलायम, नरम।

ਕੂਲ੍ਹ कूल्ह् Kūlh [3] पुं०
कुल्या (स्त्री०) नाला-नाली।

ਕੂੜ कूड़् Kūṛ [3] पुं०
कूट (पुं०) छल; असत्य; कूट पद।

ਕੂੜਾ कूड़ा Kūṛā [3] पुं०
कूट (पुं०) कूड़ा, गन्दगी; झूठा।

ਕੇਸ केस् Kes [3] पुं०
केश (पुं०) केश, बाल।

ਕੇਸਰ केसर् Kesar [3] पुं०
केसर (नपुं०) केसर; वकुल पुष्प; सिंह की गर्दन के बाल।

ਕੇਸਾਕੇਸੀ केसाकेसी Kesākesī [3] क्रि० वि०
केशाकेशि (क्रि० वि०) केसा-केसी, झोंटा-झोंटी; कलह।

ਕੇਕ केक् Kek [3] पुं०
द्र०—ਕੇਕੜਾ।

ਕੇਕੜਾ केक्ड़ा Kekṛā [3] पुं०
कर्कट (पुं०) केकड़ा, जल-जन्तु विशेष।

ਕੇਤ केत् Ket [1] वि०
द्र०—ਕੇਤਾ।

ਕੇਤਾ केता Ketā [3] वि०
कियत् (वि०) कितना, परिमाण-विषयक; प्रश्न-वाचक।

ਕੇਂਦਰੀ केन्द्री Kendrī [3] वि०
केन्द्रीय (वि०) केन्द्रीय, केन्द्र से सम्बन्धित।

ਕੇਰਨਾ केर्ना Kernā [3] सक० क्रि०
किरति (तुदादि सक०) बिखेरना, फैलाना।

ਕੇਲ केल् Kel [3] स्त्री०
केलि (स्त्री०) क्रीडा, खेल।

ਕੇਲਾ केला Kelā [3] पुं०
कदली (स्त्री०) केले का पेड़ या फल।

ਕੇਵੜਾ केव्ड़ा Kevṛā [1] पुं०
द्र०—ਕਿਉੜਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੈ कै Kai [3] **वि०**
कति (वि०) कितने, परिमाण विषयक प्रश्न का बोधक शब्द।

ਕੈਹਾਂ कैहां Kaihā̃ [3] **पुं०**
कांस्य (नपुं०) काँसा धातु।

ਕੈਂਚੀ कैंची Kaĩcī [3] **स्त्री०**
कर्तरी (स्त्री०) कैंची।

ਕੈਂਠਾ कैंठा Kaĩṭhā [3] **पुं०**
कण्ठक (पुं०) कण्ठा, गले का हार।

ਕੈਂਤ कैंत् Kaĩt [3] **पुं०**
कायस्थ (पुं०) कायस्थ, लेखन करने वाली जाति।

ਕੈਂਥ[1] कैंथ् Kaĩth [2] **पुं०**
द्र०—ਕੈਂਤ।

ਕੈਂਥ[2] कैंथ् Kaĩth [2] **पुं०**
कपित्थ (पुं०/नपुं०) पुं०—कपित्थ, कैंत। नपुं०—कैंत का फल।

ਕੈਰਾ कैरा Kairā [3] **पुं०**
केकर (वि०) ऐंचा-ताना, भेंगी आँखवाला।

ਕੈਲਾ कैला Kailā [3] **वि०/पुं०**
कपिल (वि०/पु०) वि०—भूरा, बादामी। पुं०—भूरा या बादामी रंग।

ਕੋ को Ko [1] **सर्व०**
कः (प्रथमान्त सर्व०) कौन।

ਕੋਇਲ कोइल् Koil [3] **स्त्री०**
कोकिल (पुं०) कोकिल, कोयल।

ਕੋਇਲਾ कोइला Koilā [3] **पुं०**
कोकिल / कृष्णाङ्गार (पुं०) कोइला; अधजली लकड़ी।

ਕੋਈ कोई Koī [3] **सर्व०**
कश्चित् (प्रथमान्त सर्व०) कोई।

ਕੋਸ कोस् Kos [1] **पुं०**
क्रोश (पुं०) कोस, दो मील की दूरी; चिल्लाहट।

ਕੋਸਣਾ कोस्णा Kosṇā [3] **सक० क्रि०**
क्रोशति (भ्वादि सक०) कोसना, फटकारना, डाँटना।

ਕੋਸਣਾ कोस्णा Kosṇā [3] **पुं०**
क्रोशन (नपुं०) फटकार, डाँट।

ਕੋਸਾ कोसा Kosā [1] **वि०**
कोष्ण (वि०) कुछ उष्ण, गुनगुना।

ਕੋਹ कोह् Koh [3] **पुं०**
क्रोश (पुं०) कोस, दो मील की दूरी; चिल्लाहट।

ਕੋਹਣਾ कोह्णा Kohṇā [3] **सक० क्रि०**
कुष्णाति (क्र्यादि सक०) आघात करना; मारना; थपथपाना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੋਹਰਾ कोह्रा Kohrā [3] पुं०
कुहर (पुं०) मेघ का धुआँ, कुहरा, कुहासा, धुंधलापन।

ਕੋਕ कोक् Kok [1] पुं०
कोक (पुं०) चकवा पक्षी।

ਕੋਕੋ कोको Koko [3] स्त्री०
काकी (स्त्री०) मादा काक, काकी, कौवी।

ਕੋਟ कोट् Koṭ [3] पुं०
कोट्ट (पुं०, नपुं०) किला, दुर्ग।

ਕੋਠੜੀ कोठ्ड़ी Koṭhṛī [3] स्त्री०
कोष्ठ (नपुं०) कोठड़ी, कक्ष।

ਕੋਠਾ कोठा Koṭhā [3] पुं०
कोष्ठ (नपुं०) अन्नागार, अन्न-भण्डार, अन्न रखने की कोठी।

ਕੋਠੀ कोठी Koṭhī [3] स्त्री०
कोष्ठिका/कोष्ठी (स्त्री०) अन्न रखने की कोठी, अन्नागार, भण्डार-घर।

ਕੋਣ कोण् Koṇ [3] पुं०
कोण (पुं०) कोण, कोना।

ਕੋਣਾ कोणा Koṇā [3] पुं०
कोण (पुं०) कोण, कोना।

ਕੋਤਵਾਲ कोत्वाल् Kotvāl [3] पुं०
कोट्टपाल (पुं०) कोतवाल, दुर्गपाल।

ਕੋਧਰਾ कोध्रा Kodhrā [1] पुं०
कोद्रव (पुं०) कोदो, धान्य-विशेष।

ਕੋਮਲ कोमल् Komal [3] वि०
कोमल (वि०) कोमल, मुलायम, चिकना।

ਕੋਲਾ कोला Kolā [3] पुं०
कोकिल (पुं०) कोयल पक्षी।

ਕੜਮਾ कोड़्मा Koṛmā [2] पुं०
कुटुम्ब (नपुं०, पुं०) कुटुम्ब, सम्बन्धी; सजातीय, सगोत्र।

ਕੋੜ कोढ़् Koṛh [3] पुं०
कुष्ठ (नपुं०) कुष्ठ, कोढ़।

ਕੋੜਾ कोढ़ा Koṛhā [3] पुं०
कुष्ठिन् (वि०) कोढ़ी, कुष्ठ रोग से ग्रस्त।

ਕੋੜੀ कोढ़ी Koṛhī [3] पुं०
कुष्ठिन् (वि०) कोढ़ी, कुष्ठ रोग से ग्रस्त।

ਕੌਂ कौं Kaũ [1] पुं०
द्र०—वां।

ਕੌਡ कौड् Kauḍ [2] पुं०
कपर्द (पुं०) कौड़ी, प्राचीन भारतीय सिक्के का सबसे छोटा भाग।

ਕੌਡਾ कौडा Kauḍā [3] पुं०
कपर्दक (पुं०) बड़ी कौड़ी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੌਡੀ[1] कौडी Kauḍī [3] **स्त्री०**
कपर्दिका (स्त्री०) छोटी कौड़ी ।

ਕੌਡੀ[2] कौडी Kauḍī [2] **स्त्री०**
द्र०—ਕਬੱਡੀ ।

ਕੌਣ कौण् Kauṇ [3] **सर्व०**
कः पुनर् (सर्व०/अ०) कौन ।

ਕੌਪੀਣ कौपीण् Kaupīṇ [2] **स्त्री०**
कौपीन (नपुं०) कौपीन वस्त्र, लंगोटी ।

ਕੌਰ कौर् Kaur [1] **पुं०**
कुमार (पुं०) कुमार, क्वारा; राजकुमार ।

ਕੌਲ कौल् Kaul [3] **पुं०**
कपाल (पुं०, नपुं०) प्याला; कटोरा ।

ਕੌਲ कौल् Kaul [3] **पुं०**
कमल (नपुं०) कमल पुष्प, पद्म, सरोज ।

ਕੌਲਡੋਡਾ कौल्डोडा Kauḷḍoḍā [2] **पुं०**
कमलदण्ड (पुं०, नपुं०) कमलदण्ड, कमलनाल, भे ।

ਕੌਲੀ कौली Kaulī [3] **स्त्री०**
कपालिका (स्त्री०) कटोरी; प्याली ।

ਕੌਵੀ कौवी Kauvī [2] **पुं०**
कपोत (पुं०) कपोत, कबूतर ।

ਕੌੜ कौड़ Kauṛ [3] **वि०**
कटु (वि०) कटु, कड़ुवा, कठोर ।

ਕੌੜਾ कौड़ा Kauṛā [3] **पुं०**
कटुक (वि०) कड़वा, तीखे स्वाद का ।

ਕੰਨਸੇਰਾ कन्सेरा Kanserā [1] **पुं०**
कांस्यकार (पुं०) कसेरा, कांसे एवं पीतल का पात्र बनाने एवं बेचने वाला ।

ਕੰਕਰ कंकर् Kaṅkar [3] **पुं०**
कर्कर (पुं०) कंकड़, कंकड़ी ।

ਕੰਗਣ कंगण् Kaṅgaṇ [3] **पुं०**
कङ्कण (नपुं०) कंगन, कंगना ।

ਕੰਗਲਾ कंग्ला Kaṅglā [3] **पुं०**
किङ्कर (पुं०) सेवक, दास ।

ਕੰਗਾਲ कगाल् Kaṅgāl [3] **पुं०**
कङ्काल (पुं०) कंगाल, गरीब, निर्धन ।

ਕੰਘਾ कंघा Kaṅghā [3] **पुं०**
कङ्कत (पुं०, नपुं०) कंघा, बाल झारने की बड़ी कंघी ।

ਕੰਘੀ कंघी Kaṅghī [3] **स्त्री०**
कङ्कतिका (स्त्री०) कंघी, बाल झारने वाली कंघी ।

ਕੰਚ कंच् Kañc [3] **पुं०**
काच (पुं०) काँच, शीशा ।

ਕੰਜ[1] कंज् Kañj [2] **स्त्री०**
कञ्चुक (पुं०) केंचुली, सर्पचर्म ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੰਜ² कंज् Kañj [3] **स्त्री०**
कन्यका (स्त्री०) कन्या, कुमारी, बाला।

ਕੰਜਕ कंजक् Kañjak [3] **स्त्री०**
कन्यका (स्त्री०) कन्या, कुमारी, बालिका।

ਕੰਜਕਾ कंज्का Kañjkā [3] **स्त्री०**
द्र०—ਕੰਜਕ।

ਕੰਜਲੀ कंज्ली Kañjlī [3] **स्त्री०**
कञ्चुक (पुं०) केंचुली, सर्पचर्म।

ਕੰਠਲਾ कंठ्ला Kaṇṭhlā [3] **पुं०**
कण्ठिका (स्त्री०) गले में पहनने का हार; तबीज; कण्ठी।

ਕੰਠਾ कण्ठा Kaṇṭhā [3] **पुं०**
कण्ठक (पुं०) कण्ठा, गले का हार।

ਕੰਡਾ कण्डा Kaṇḍā [3] **पुं०**
कण्टक (पुं०) काँटा, शूल।

ਕੰਢੀ कण्ढी Kaṇḍhī [3] **स्त्री०**
कण्ठक (पुं०, नपुं०) किनारा, छोर।

ਕੰਧ कन्ध् Kandh [2] **स्त्री०**
स्कन्ध (पुं०) दीवार, दीवाल, शरीर।

ਕੰਧਾ कन्धा Kandhā [3] **पुं०**
स्कन्ध (पुं०) कन्धा, भुजाओं का मूल-भाग।

ਕੰਧੇੜਾ कन्धेड़ा Kandheṛā [1] **पुं०**
द्र०—ਕੰਧਾ।

ਕੰਨ कन्न Kann [3] **पुं०**
कर्ण (पुं०) कान, श्रवण।

ਕੰਨਿਆਂ कन्न्याँ Kannyā̃ [3] **स्त्री०**
कन्यका (स्त्री०) कन्या, कुमारी, अविवाहित लड़की।

ਕੰਨ੍ਹਾ कन्न्हा Kannhā [2] **पुं०**
स्कन्ध (पुं०) कन्धा, भुजाओं का मूल भाग।

ਕੰਬਣਾ कम्ब्णा Kambṇā [3] **अक० क्रि०**
कम्पते (भ्वा० अक०) कांपना, कम्पन होना।

ਕੰਬਣੀ कम्बणी Kambaṇī [3] **स्त्री०**
कम्पन (नपुं०) कम्पन, कँपकपी, काँपने का भाव।

ਕੰਬਲ कम्बल् Kambal [3] **पुं०**
कम्बल (पुं०, नपुं०) कम्बल, कम्बली।

ਕੰਬਲੀ कंब्ली Kamblī [3] **स्त्री०**
कम्बलिका / कम्बली (स्त्री०) छोटा कम्बल, कम्बली।

ਕੰਬਾਉਣਾ कम्बाउणा Kambāuṇā [3] **प्रेर० क्रि०**
कम्पयति (भ्वादि प्रेर०) कँपाना, कम्पन कराना।

ਕੰਮ कम्म् Kamm [3] **पुं०**
कर्मन् (नपुं०) काम, कार्य।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੰਮੀ कम्मी Kammī [3] वि०
कर्मिन् (वि०) कर्मकर, काम करने वाला।

ਕੰਵਰ कँवर् Kāvar [3] पुं०
कुमार (पुं०) राजकुमार; कुमार।

ਕੰਵਲ कँवल् Kāval [3] पुं०
कमल (नपुं०) कमल, कमल का पौधा।

ਕੰਵਾਰਾ कँवारा Kāvārā [3] पुं०
कुमार (पुं०) अविवाहित लड़का।

ਕੰਵਾਰੀ कँवारी Kāvārī [3] स्त्री०
कुमारी (स्त्री०) अविवाहित लड़की।

ਕ੍ਰੋੜ क्रोड़ Kroṛ [3] वि०
कोटि (स्त्री०) करोड़, सौ लाख।

ਖ

ਖਉ खउ Khau [2] पुं०
क्षय (पुं०) विनाश, नाश; क्षय रोग।

ਖਈ खई Khaī [3] स्त्री०
क्षय (पुं०) क्षयरोग, टी० बी०।

ਖਸ खस् Khas [2] पुं०
खस/खश (पुं०) जाति विशेष; देश विशेष।

ਖਸਰਾ खस्रा Khasrā [2] पुं०
खस (पुं०) खुजलाहट; खुजली, खाज।

ਖੱਸਾਲੀ खस्साली Khassālī [2] स्त्री०
खश/खस (पुं०) खस जाति की भाषा।

ਖਗ खग् Khag [3] स्त्री०
खड्ग (पुं०) तलवार, कृपाण।

ਖਗਧਾਰੀ खग्धारी Khagdhārī [3] पुं०
खड्गधारिन् (वि०) तलवार, कृपाण धारण करने वाला।

ਖਗਿੰਦਰ खगिन्दर् Khagindar [2] पुं०
खगेन्द्र (पुं०) गरुड़, पक्षिराज।

ਖਗੇਸ खगेस् Khages [3] पुं०
खगेश (पुं०) खगेश, गरुड़।

ਖਚਣਾ खच्णा Khacṇā [3] सक० क्रि०
खचयति (क्र्यादि प्रेर०) जोड़ना, मिलाना।

ਖੱਚਰ खच्चर् Khaccar [3] पुं०
अश्वतर (पुं०) खच्चर, घोड़े से मिलता-जुलता पशु।

ਖਜੂਰ खजूर् Khajūr [3] पुं०
खर्जर (पुं०, नपुं०) खजूर वृक्ष या फल।

ਖਜੂਰੀ खजूरी Khajūrī [3] नपुं०/वि०
खार्जूर (नपुं०/वि०) नपुं०—फल, खुर्मा, छुहारा। वि०—खजूर का।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਖਟ[1] खट् Khaṭ [3] **वि०**
षट् (प्रथमान्त वि०) छः; छः की संख्या।

ਖਟ[2] खट् Khaṭ [3] **स्त्री०**
खट्विका (स्त्री०) विवाह के समय की एक रीति।

ਖਟਸ਼ਾਸਤਰ खट्शास्तर् Khaṭśāstar [3] **पुं०**
षट्शास्त्र (नपुं०) षट्शास्त्र, शिक्षा-कल्प-व्याकरण - निरुक्त - छन्द-ज्योतिष—ये छः शास्त्र। सांख्य-योग-न्याय-वैशेषिक - पूर्वमीमांसा - वेदान्त—ये छः दर्शन।

ਖਟਸ਼ਾਸਤਰੀ खट्शास्तरी Khaṭśāstarī [3] **वि०/पुं०**
षट्शास्त्रिन् (वि०) छः शास्त्रों का ज्ञाता।

ਖਟਮਲ खट्मल् Khaṭmal [3] **पुं०**
खट्वामल (पुं०) खाट की मैल से पैदा होने वाला जीव, खटमल।

ਖਟਮੁਖ खट्मुख् Khaṭmukh [3] **पुं०**
षण्मुख (पुं०) छः मुखों वाले शिव के पुत्र कार्तिकेय, षडानन।

ਖਟਰਾਗ खट्राग् Khaṭrāg [3] **पुं०**
षड्राग (पुं०) छः प्रकार के राग।

ਖਟੜੀ खट्ड़ी Khaṭṛī [3] **स्त्री०**
खट्विका (स्त्री०) छोटी खाट, खटोला।

ਖਟਾਸ खटास् Khaṭās [3] **स्त्री०**
खट्वरस (पुं०) खट्टा रस, खट्टापन।

ਖਟੀਕ खटीक् Khaṭīk [3] **पुं०**
खट्टीक/खट्टिक (पुं०) चमड़े का काम करने वाला; कसाई; बहेलिया।

ਖਟੋਲੀ खटोली Khaṭolī [3] **स्त्री०**
खट्विका (स्त्री०) छोटी खाट, खटोला।

ਖਣਨੀ खण्नी Khaṇnī [3] **स्त्री०**
खननी (स्त्री०) खोदने का साधन, कुदारी, फावड़ा।

ਖਤਰਾਣੀ खत्राणी Khatrāṇī [3] **स्त्री०**
क्षत्रियाणी (स्त्री०) क्षत्रिय जाति की स्त्री।

ਖਤਰੀ खत्री Khatrī [3] **पुं०**
क्षत्रिय (पुं०) क्षत्रिय, जातिविशेष; योद्धा।

ਖਨੂਹਣਾ खनूह्णा Khanūhṇā [3] **सक० क्रि०**
कण्डूयति (कण्ड्वादि सक०) खुजलाना, सहलाना।

ਖਪਣਾ खप्णा Khapṇā [3] **अक० क्रि०**
क्षप्यते (चुरादि कर्म) तंग होना, नष्ट होना; खपना।

ਖਪਰੈਲ खप्रैल् Khaprail [3] **पुं०**
खर्पर (पुं०) खपड़ा, खपड़ैल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਖਪਾਉਣਾ खपाउणा Khapāuṇā [3] सक० क्रि०
क्षपयति (चुरादि सक०) नष्ट करना, तंग करना; खपाना।

ਖੱਪਰ खप्पर् Khappar [3] पुं०
कर्पर (पुं०) खोपड़ी, शिर की हड्डी।

ਖਰ खर् Khar [3] पुं०
खर (पुं०) गदहा, गधा।

ਖਰਨਾ खर्ना Kharnā [3] अक० क्रि०
क्षरति (भ्वादि अक०) टपकना, चूना; बहना, झरना।

ਖਰੀਦਨਾ खरीद्ना Kharīdnā [3] सक० क्रि०
क्रीणाति (क्र्यादि सक०) खरीदना, मूल्य देकर वस्तु लेना।

ਖਰੋਟ खरोट् Kharoṭ [1] पुं०
द्र०—ਅਖਰੋਟ।

ਖਲ खल् Khal [3] स्त्री०
खली (स्त्री०) सरसो आदि की खली, खरी, पशु का भोज्य पदार्थ।

ਖਲਵਾੜਾ खल्वाड़ा Khalvāṛā [3] पुं०
खलवाट (पुं०) खलिहान, जहाँ फसलों की मड़ाई होती है।

ਖਲੜੀ खल्ड़ी Khalṛī [3] स्त्री०
खल्ल (पुं०) खाल, चमड़ी, चर्म।

ਖਲਿਹਾਨ खलिहान् Khalihān [3] पुं०
खलधान (नपुं०) खलिहान, जहाँ फसलों की मड़ाई होती है।

ਖੱਲ खल्ल् Khall [3] स्त्री०
खल्ल (पुं०) खाल, चमड़ा, चर्म।

ਖੱਲੜ खल्लड़् Khallaṛ [1] पुं०
द्र०—ਖੱਲ।

ਖਵਾਉਣਾ खवाउणा Khavāuṇā [2] सक० क्रि०
खादयति (भ्वादि प्रेर०) खिलाना, खिलवाना।

ਖੜ खड़् Khaṛ [3] पुं०
खट (पुं०) पुआल; फूस; घास विशेष।

ਖੜਕਾਉਣਾ खड़्काउणा Khaṛkāuṇā [3] सक० क्रि०
खट्खटायते (नामधातु सक०) खटकाना, दस्तक देना; मारना-धमकाना।

ਖੜਜ खड़ज् Khaṛaj [3] पुं०
षड्ज (पुं०) राग का पहला स्वर।

ਖੜਾਉਂ खड़ाउँ Khaṛāū [3] स्त्री०
काष्ठपादुका (स्त्री०) खड़ाऊँ, चरण-पादुका।

ਖੜਿਆ खड़्या Khaṛyā [3] स्त्री०
खटिका (स्त्री०) खड़िया, चॉक।

ਖਾਈ खाई Khāī [3] स्त्री०
खात (नपुं०) खाई, गड्ढा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਖਾਸਣਾ खास्णा Khāsṇā [3] अक० क्रि०
कासते (भ्वादि अक०) खाँसना, खों-खों करना।

ਖਾਂਸਣਾ खाँस्णा Khãsṇā [3] अक० क्रि०
कासते (भ्वादि अक०) खाँसना, खों-खों करना।

ਖਾਂਸੀ खाँसी Khãsī [3] स्त्री०
कास (पुं०) खाँसी; कफ।

ਖਾਜ खाज् Khāj [3] स्त्री०
खर्जू (स्त्री०) खुजली, खाज; खुजलाहट।

ਖਾਜਾ खाजा Khājā [3] पुं०
खाद्य (नपुं०) खाद्य पदार्थ, भोज्य पदार्थ, रसद।

ਖਾਟ खाट् Khāṭ [3] स्त्री०
खट्वा (स्त्री०) खटिया, चारपाई।

ਖਾਣ खाण् Khāṇ [3] स्त्री०
खनि (स्त्री०) खान, खदान।

ਖਾਣਾ खाणा Khāṇā [3] सक० क्रि०
खादति (भ्वादि सक०) खाना, भोजन करना, भक्षण करना।

ਖਾਤ खात् Khāt [3] पुं०
खात्र (नपुं०) खात, गड्ढा, गर्त।

ਖਾਤੀ खाती Khātī [3] पुं०
क्षतृ (वि०) काटने वाला; बढ़ई।

ਖਾਧਾ खाधा Khādhā [3] वि०
खादित (वि०) खाया हुआ, खा लिया गया, भुक्त।

ਖਾਪਰ खापर् Khāpar [1] पुं०
खर्पर (पुं०) खपड़ा, खपरैल, खप्पड़।

ਖਾਰ खार् Khār [3] पुं०/वि०
क्षार (पुं०/वि०) पुं०—शीरा, रस, क्षारीय पदार्थ, काला नमक। वि०—खारा।

ਖਾਰਨਾ खार्ना Khārnā [3] सक० क्रि०
क्षारयति (भ्वादि प्रेर०) बहाना, द्रवीभूत करना।

ਖਾਰਾ खारा Khārā [3] वि०
क्षार (वि०) खारा, अति नमकीन; तीखा।

ਖਾਲ खाल् Khāl [3] पुं०, स्त्री०
खल्ल (पुं०) खाल, गड्ढा, खान; नाला।

ਖਾਵਣਾ खाव्णा Khāvṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਖਾਲਾ।

ਖਿਆਤ ख्यात् Khyāt [3] वि०
ख्यात (वि०) ख्यात, विख्यात, प्रसिद्ध।

ਖਿਆਨ ख्यान् Khyān [1] पुं०
ख्यान (नपुं०) आख्यान, कथन।

ਖਿਸਕਣਾ खिसक्ना Khiskanā [3] अक० क्रि०
स्खलति (भ्वादि० सक०) अपने स्थान से हटना, सरकना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਖਿਚੜੀ[1] खिच्ड़ी Khicṛī [3] स्त्री०
खिच्चा (स्त्री०) खिचड़ी, चावल और दाल का मिश्रित भोजन।

ਖਿਚੜੀ[2] खिच्ड़ी Khicṛī [3] स्त्री०
कृसरा (स्त्री०) खिचड़ी, चावल और दाल से निर्मित भोजन।

ਖਿੱਚੜ खिच्चड़् Khiccaṛ [2] पुं०
खिच्चा (स्त्री०) खिचड़ी, चावल और दाल से निर्मित भोजन।

ਖਿਣ खिण् Khiṇ [3] पुं०
क्षण (नपुं०) पल, समय का छोटा भाग।

ਖਿੰਥਾ खिन्था Khinthā [2] स्त्री०
कन्था (स्त्री०) गूदड़ी, चिथड़ा।

ਖਿੱਦੋ खिद्दो Khiddo [3] पुं०
गेन्दुक (पुं०) गेंद, बॉल।

ਖਿਮਾ खिमा Khimā [3] स्त्री०
क्षमा (स्त्री०) क्षमा, सहने की चित्त-वृत्ति; माफी।

ਖਿਰਨੀ खिर्नी Khirnī [1] स्त्री०
क्षीरिणी (स्त्री०) एक प्रकार का वृक्ष, मौलसरी की जाति का एक दुधारू वृक्ष अर्थात् दूधवाला वृक्ष।

ਖਿਲਾਉਣਾ खिलाउणा Khilāuṇā [3] सक० क्रि०
खेलयति (भ्वादि प्रेर०) खेल कराना, खेलाना।

ਖਿਲਾਣ खिलाण् Khilāṇ [3] वि०
खेलक (वि०) खेलने वाला, खिलाड़ी।

ਖਿੜਕ खिड़्क् Khiṛk [3] पुं०
खटक्किका (स्त्री०) खिड़की, पार्श्व-द्वार।

ਖਿੜਕਾ खिड़्का Khiṛkā [3] पुं०
द्र०—ਖਿੜਕ।

ਖਿੜਕੀ खिड़्की Khiṛkī [3] स्त्री०
खटक्किका (स्त्री०) खिड़की, पार्श्व-द्वार।

ਖੀਣ खीण् Khīṇ [3] वि०
क्षीण (वि०) पतला-दुबला; कमजोर; घटा हुआ; हीन।

ਖੀਰ खीर् Khīr [3] स्त्री०
क्षीर (नपुं०) खीर, पायस, दूध से निर्मित भोजन।

ਖੀਰਾ खीरा Khīrā [3] पुं०
क्षीरक (पुं०) खीरा; सुगन्धित पौधे का नाम।

ਖੀਰੀ खीरी Khīrī [3] स्त्री०
क्षीरिन् (पुं/वि०) पुं०—थन, दुग्ध-कोश। वि०—क्षीर-युक्त।

ਖੀਵਣਾ खीव्णा Khīvṇā [3] अक० क्रि०
क्षीबते (भ्वादि अक०) मदोन्मत्त होना; मस्त होना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਖੀਵਾ खीवा Khīvā [3] पुं०
क्षीब (वि०) मत्त, मतवाला ।

ਖੁਆਣਾ ख्वाणा Khvāṇā [3] सक० क्रि०
खादयति (भ्वादि प्रेर०) खिलाना, भोजन कराना ।

ਖੁਸ਼ਕ खुश्क् Khuśk [3] वि०
शुष्क (वि०) सूखा, खुश्क ।

ਖੁੰਢ खुण्ढ् Khuṇḍh [2] पुं०
मुण्डक (पुं०) ठूंठ, शाखाहीन पेड़ ।

ਖੁੰਢਾ खुण्ढा Khuṇḍhā [2] वि०
कुण्ठ (वि०) मुड़ी हुई धार वाला, कुन्द, कुण्ठित; मन्द-बुद्धि ।

ਖੁਣਨਾ खुण्ना Khuṇnā [3] सक० क्रि०
खनति (भ्वादि सक०) खनना, खोदना ।

ਖੁੱਥੀ खुत्थी Khutthī [3] स्त्री०
कुस्त्री (स्त्री०) खराब स्त्री, फूहड़ स्त्री ।

ਖੁਧਾ खुधा Khudhā [3] स्त्री०
क्षुधा (स्त्री०) भूख, खाने की इच्छा ।

ਖੁਧਿਆਰਥ खुध्यारथ् Khudhyārath [3] वि०
क्षुधार्त्त (वि०) भूख से पीडित, क्षुधा से व्याकुल ।

ਖੁਨਸ खुनस् Khunas [3] वि०
खिन्नमनस् (वि०) दुःखी मन वाला, उदास ।

ਖੁੰਬ[1] खुम्ब् Khumb [2] पुं०
क्षाराम्बु (नपुं०) खारा पानी ।

ਖੁੰਬ[2] खुम्ब् Khumb [3] स्त्री०
क्षुम्प (पु०) कुकुरमुत्ता, छत्रक ।

ਖੁਭਣ खुभण् Khubhaṇ [3] पुं०
क्षोभण (नपुं०) क्षुब्ध होने का भाव ।

ਖੁਭਣਾ खुभ्णा Khubhṇā [3] सक० क्रि०
क्षोभते (भ्वादि सक०/अक०) सक०—मथना । अक०—क्रोध करना, गुस्सा होना ।

ਖੁਰ खुर् Khur [3] पुं०
खुर (पुं०) खुर, टाप ।

ਖੁਰਕਣਾ खुरक्णा Khurakṇā [3] सक० क्रि०
क्षुरति (तुदादि सक०) खुजलाना, खुरेचना ।

ਖੁਰਚਣਾ[1] खुर्च्णा Khurcṇā [3] पुं०
क्षुरचयन (नपुं०) तीखे धारवाले यन्त्र से किसी वस्तु को छीलने अथवा इकट्ठा करने का भाव ।

ਖੁਰਚਣਾ[2] खुर्च्णा Khurcṇā [3] सक० क्रि०
क्षुरति (तुदादि सक०) खुरेचना; खरोचना ।

ਖੁਰਨਾ खुर्ना Khurnā [3] अक० क्रि०
क्षरति (भ्वादि अक०) क्षरण होना, क्षीण होना अथवा रिसना ।

ਖੁਰਪਾ खुर्पा Khurpā [3] पुं०
क्षुरप्र (पुं०) खुरपा; कुदाली ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਖੁਰਪੀ खुर्पी Khurpī [3] स्त्री०
क्षुरप्री (स्त्री०) खुरपी, छोटा खुरपा; कुदाल फावड़ा।

ਖੁਰੀ खुरी Khurī [3] स्त्री०
खुरी (स्त्री०) पशुओं की छोटी खुर।

ਖੁੱਲਾ खुल्ला Khullā [1] पुं०
क्षुल्ल (वि०) क्षुद्र, नीच।

ਖੁੱਲ੍ਹਣਾ खुल्ह्णा Khullhṇā [3] अक० क्रि०
खोल्यते (भ्वादि कर्म०) खुलना, उद्घाटित होना।

ਖੂਹ खूह् Khūh [3] पुं०
कूप (पुं०) कुआँ, कूप।

ਖੂਹਣੀ खूह्णी Khūhṇī [3] स्त्री०
अक्षौहिणी (स्त्री०) अक्षौहिणी सेना, चतुरंगिनी सेना; सेना का एक परिमाण।

ਖੇਹਨ खेह्नू Khehnū [3] पुं०
गेन्दुक (पुं०, नपुं०) गेंद, कन्दुक।

ਖੇਡ खेड् Kheḍ [3] स्त्री०
खेला (स्त्री०) खेल, क्रीड़ा।

ਖੇਡਣਾ खेड्णा Kheḍṇā [3] अक० क्रि०
खेलति (भ्वादि अक०) खेलना, क्रीडा करना।

ਖੇਤ खेत् Khet [3] पुं०
क्षेत्र (नपुं०) खेत, भूमि, जमीन।

ਖੇਤਪਾਲ खेत्पाल् Khetpāl [3] पुं०
क्षेत्रपाल (वि० / पुं०) वि०—खेत का रखवाला। पुं०—देवता-विशेष।

ਖੇਤਰ खेतर् Khetar [3] पुं०/स्त्री०
क्षेत्र (नपुं०) क्षेत्र, प्रदेश।

ਖੇਤਰਪਾਲ खेतर्पाल् Khetarpāl [3] पुं०
क्षेत्रपाल (वि० / पुं०) वि०—क्षेत्रपाल, क्षेत्र का रक्षक। पुं०—गोत्र-विशेष।

ਖੇਤਰਫਲ Khetarphal [3] पुं०
क्षेत्रफल (नपुं०) क्षेत्रफल, भूमि का परिमाण।

ਖੇਤਰੀ खेत्री Khetrī [3] वि०
क्षेत्रीय (वि०) क्षेत्रीय, प्रादेशिक।

ਖੇਤੀ खेती Khetī [3] स्त्री०
क्षेत्रीय (वि०) खेती, फसल।

ਖੇਪ खेप् Khep [3] स्त्री०
क्षेप (पुं०) खेप, फेरा, क्षेपण, फेंकने का भाव।

ਖੇਪਕ खेपक् Khepak [3] पुं०
क्षेपक (वि०) फेंकने वाला।

ਖੇਮ खेम् Khem [3] स्त्री०
क्षेम (पुं०, नपुं०) कुशलता, कुशल-क्षेम; मोक्ष, छुटकारा, मुक्ति।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਖ਼ੇਮਕੁਸ਼ਲ खेम्कुशल् Khemkuśal [3] स्त्री०
क्षेमकुशल (नपुं०) कुशल-क्षेम, कुशलता, कुशल-मङ्गल।

ਖੇਲ खेल् Khel [3] पुं०
क्ष्वेल (पुं०) खेल, क्रीडा।

ਖੇਲਣ खेलण् Khelaṇ [3] पुं०
क्ष्वेलन (नपुं०) खेलने का भाव।

ਖੇਲਣਾ खेल्णा Khelṇā [3] अक० क्रि०
खेलति (भ्वादि अक०) खेलना, क्रीडा करना।

ਖੇਵਟ खेवट् Khevaṭ [3] पुं०
कैवर्त (पुं०) केवट, नौका चलाने वाला, मल्लाह, धीवर।

ਖੇਵਣ खेवण् Khevaṇ [2] पुं०
क्षेपण (नपुं०) नौका चलाने का भाव, नाव खेने की क्रिया।

ਖ਼ੇਵਣਾ खेव्णा Khevṇā [3] सक० क्रि०
क्षिपति (तुदादि सक०) खेना, नौका चलाना।

ਖ਼ੇਵਾ खेवा Khevā [1] पुं०
क्षेपक (पुं०) केवट, मल्लाह।

ਖੇੜਾ खेड़ा Kheṛā [3] पुं०
खेट (पुं०) ग्राम, गाँव।

ਖ਼ੈ[1] खै Khai [3] स्त्री०
क्षति (स्त्री०) हानि, नुकसान।

ਖ਼ੈ[2] खै Khai [3] क्रि० वि०
खादित्वा (क्रि० वि०) खाकर, भोजन करके।

ਖ਼ੈ-ਕਾਲ खै-काल् Khai-Kāl [3] वि०
क्षयकार (वि०) नाश करने वाला, विनाशक; हानिप्रद।

ਖ਼ੈਰ खैर् Khair [3] स्त्री०
खदिर (पुं०) खैर, कत्था।

ਖ਼ੈਰਾ खैरा Khairā [2] पुं०
खदिरक (वि०) खैरा, कत्थई।

ਖੋਆ खोआ Khoā [3] पुं०
क्षुदपयस् (नपुं०) दूध का मावा, खोआ।

ਖੋਹ[1] खोह् Khoh [1] स्त्री०
खनि (स्त्री०) खान, गुफा।

ਖੋਹ[2] खोह् Khoh [1] स्त्री०
क्षुधा (स्त्री०) भूख, बुभुक्षा।

ਖੋਟ खोट् Khoṭ [3] पुं०
खोट (पुं०) दोष, त्रुटि; सुवर्ण आदि उत्तम वस्तु में बुरी वस्तु की मिलावट।

ਖੋਟਾ खोटा Khoṭā [3] पुं०
खोटि (वि०) खोटा, खराब।

ਖੋਣਾ खोणा Khoṇā [3] सक० क्रि०
क्षपयति (चुरादि सक०) नष्ट करना, खोना; बिताना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਖੋਪੜ खोपड़् Khopaṛ [3] पुं०
द्र०—ਖੋਪੜੀ।

ਖੋਪੜੀ खोप्ड़ी Khopṛī [3] स्त्री०
खर्पर (पुं०) खोपड़ी, कपाल।

ਖੋਲ खोल् Khol [2] स्त्री०
खोलि (पुं०) खोल, पोल।

ਖੋੜਾ खोड़ा Khoṛā [1] अ०
षोढा (अ०) छः प्रकार का।

ਖੌ खौ Khau [3] पुं०
क्षय (पुं०) नाश, हानि।

ਖੰਘਣਾ खंघ्णा Khaṅghaṇā [3] अक० क्रि०
कासते (भ्वादि अक०) खाँसना, खों-खों करना।

ਖੰਘਾਲਨਾ खंघाल्ना Khaṅghālnā [3] सक० क्रि०
संक्षालयति (चुरादि सक०) अच्छी तरह धोना, खंघालना।

ਖੰਡ[1] खण्ड् Khaṇḍ [3] पुं०
खण्ड (पुं०, नपुं०) खण्ड, भाग, टुकड़ा।

ਖੰਡ[2] खण्ड Khaṇḍ [3] स्त्री०
खण्डु (पुं, स्त्री०) खाँड, शक्कर।

ਖੰਡਰ खण्डर् Khaṇḍar [3] पुं०
खण्डघर (पुं०) खँडहर, खण्डहर, टूटा घर।

ਖੱਨਾ खन्ना Khannā [3] पुं०
खण्ड (पुं०, नपुं०) टुकड़ा, भाग, हिस्सा।

ਖੰਭ खम्भ् Khambh [3] पुं०
स्कम्भ (पुं०) पंख, पक्षियों के पर।

ਖੰਭਾ खम्भा Khambhā [3] पुं०
स्तम्भ/स्कम्भ (पुं०) खम्भा, स्तम्भ।

ਗ

ਗਉਰੀ गउरी Gaurī [3] स्त्री०
गौरी (स्त्री०) गौरी, पार्वती।

ਗਊ गऊ Gaū [3] स्त्री०
गो (स्त्री०/पुं०) स्त्री०—गाय। पुं०—बैल।

ਗਹਣ गहण् Gahaṇ [3] वि०
गहन (वि०) कठिन, मुश्किल।

ਗਹਾਉਣਾ गहाउणा Gahāuṇā [3] सक० क्रि०
ग्राहयति (क्र्यादि प्रेर०) ग्रहण कराना, पकड़ाना।

ਗਹਿਣ गहिण् Gahiṇ [3] वि०
गहन (वि०) गहरा, गहन, गभीर।

ਗਹਿਣਾ गहिणा Gahiṇā [1] सक० क्रि०
गृह्णाति (क्र्यादि सक०) पकड़ना, लेना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਹਿਬਰ गहिबर् Gahibar [3] वि०
गह्वर (वि० / नपुं०) वि०—गहिरा। नपुं०—गुफा; गड्ढा।

ਗਹਿਬਰ-ਬਣ गहिबर्-बण् Gahibar-baṇ [3] पुं०
गह्वरवन (नपुं०) गहन वन, घना जंगल।

ਗਹਿਰਾ गहिरा Gahirā [3] पुं०
गभीर (वि०) गहरा, गभीर।

ਗਹੀਰਾ गहीरा Gahīrā [3] वि०
गभीर (वि०) गहरा; अथाह।

ਗਗਨ गगन् Gagan [3] पुं०
गगन (नपुं०) गगन, आसमान।

ਗੱਛਣਾ गच्छ्णा Gacchṇā [3] सक० क्रि०
गच्छति (भ्वादि सक०) जाना, गमन करना।

ਗਜਾਉਣਾ गजाउणा Gajāuṇā [3] सक० क्रि०
गर्जयति (भ्वादि, चुरादि प्रेर०) गर्जन कराना, जोर का शब्द कराना।

ਗੱਜਣਾ गज्ज्णा Gajjṇā [3] अक० क्रि०
गर्जति (भ्वादि अक०) गरजना, दहाड़ना।

ਗਠਜੋੜ गठ्जोड़् Gaṭhjoṛ [3] पुं०,
ग्रन्थियोग (पुं०) गठबंधन, गाँठ का जोड़, समझौता, तालमेल।

ਗਠੜੀ गठड़ी Gaṭhṛī [3] स्त्री०
ग्रन्थिका (स्त्री०) गाँठ; गठरी, पोटली।

ਗੱਠ गट्ठ् Gaṭṭh [3] पुं०
ग्रन्थि (स्त्री०) गाँठ, जोड़।

ਗੱਠਣਾ गट्ठणा Gaṭṭhaṇā [3] सक० क्रि०
ग्रथ्नाति (क्र्यादि सक०) जोड़ना, बाँधना; गूँथना, पिरोना।

ਗੱਠਾ[1] गट्ठा Gaṭṭhā [3] पुं०
ग्रथ्न (पुं०) गुच्छा, पुंज।

ਗੱਠਾ[2] गट्ठा Gaṭṭhā [3] पुं०
पलाण्डु (पुं०) प्याज, सब्जी-विशेष।

ਗਡਰੀਆ गड्रीआ Gadrīā [2] पुं०
गड्डरीक (पुं०) गड़ेरिया, भेड़ पालने और चराने वाली जाति।

ਗੱਡੀ गड्डी Gaddī [3] स्त्री०
गन्त्री (स्त्री०) गाड़ी; रेलगाड़ी।

ਗੱਢਾ गड्ढा Gaḍḍhā [3] पुं०
गर्त (नपुं०) गड्ढा, खाई, खन्दक।

ਗਣਪਤ गण्पत् Gaṇpat [3] पुं०
गणपति (पुं०) गणपति, गणेश देवता।

ਗਣਿਕਾ गणिका Gaṇikā [3] स्त्री०
गणिका (स्त्री०) वेश्या, रण्डी।

ਗਣਿਤ गणित् Gaṇit [3] पुं०
गणित (नपुं०) गणित, अंकशास्त्र।

ਗਤ गत् Gat [3] स्त्री०
गति (स्त्री०) गति; सद्गति; मोक्ष।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਤੀ गती Gatī [3] स्त्री०
गति (स्त्री०) गति, गमन, पहुँच।

ਗਦਹਾ गद्हा Gadhā [3] पुं०
गर्दभ (पुं०) गदहा, गधा।

ਗਦਾ गदा Gadā [3] स्त्री०
गदा (स्त्री०) गदा, आयुध-विशेष, मुद्गर।

ਗੱਦੋਂ गद्दों Gaddō [3] पुं०
द्र०—ਗਧਾ।

ਗਧਾ गधा Gadhā [3] पुं०
गर्दभ (पुं०) गधा, गदहा।

ਗਧੀ गधी Gadhī [3] स्त्री०
गर्दभी (स्त्री०) गदही, गधी।

ਗੱਪ गप्प् Gapp [3] स्त्री०
जल्प (पुं०) गप्प; डींग; दर्प।

ਗੱਪੀ गप्पी Gappī [3] पुं०
जल्पिन् (वि०) डींग मारने वाला, मिथ्याभिमानी।

ਗੱਬਰ गब्बर् Gabbar [3] पुं०
गर्बर (वि०) अभिमानी, घमण्डी।

ਗੱਭ गब्भ् Gabbh [3] पुं०
गर्भ (पुं०) गर्भाशय, भ्रूण; गर्भावस्था।

ਗੱਭਣ गब्भण् Gabbhaṇ [3] स्त्री०
गर्भिणी (स्त्री०) गाभिन, गर्भयुक्त पशु।

ਗੱਭਰੂ गब्भ्रू Gabbhrū [3] पुं०
गर्भरूप (पुं०) युवक, जवान; पति।

ਗੱਭਾ गब्भा Gabbhā [3] पुं०
गर्भ (पुं०) बछड़ा; मध्य, बीच में।

ਗਮਤਾ गम्ता Gamtā [3] स्त्री०
गम्यता (स्त्री०) पहुँच, सामर्थ्य।

ਗਮਨ गमन् Gaman [3] पुं०
गमन (नपुं०) स्त्रीगमन, सम्भोग।

ਗਮਰੁੱਠ गम्रुट्ठ् Gamruṭṭh [3] पुं०
रुष्ट (वि०) रुष्ट, रूठा हुआ, नाराज।

ਗਰਗ गरग् Garag [3] पुं०
गर्ग (पुं०) वितत्य के पुत्र एक प्राचीन ऋषि जो ज्योतिष विद्या के आचार्य कहे गये हैं।

ਗਰਤ गरत् Garat [3] पुं०
गर्त (नपुं, पुं०) गड्ढा, खाई; बिल।

ਗਰਧਬ गर्धब् Gardhab [1] पुं०
द्र०—ਗਧਾ।

ਗਰਬ गरब् Garab [3] पुं०
गर्व (पुं०) अहङ्कार, अभिमान, घमंड।

ਗਰਬੀ गर्बी Garbī [3] वि०
गर्विन् (वि०) गर्व वाला, अभिमानी, घमंडी।

ਗਰਬੇਣ गर्बेण् Garbeṇ [3] क्रि० पुं०
गर्वेण (पुं० तृतीयान्त) गर्व से, घमण्ड से।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਰਬੇਨ गर्बेन् Garben [3] क्रि० वि०
द्र०—ਗਰਬੇਣ ।

ਗਰਭ गर्भ् Garbh [3] पुं०
गर्भ (पुं०) गर्भ; गर्भ का बच्चा ।

ਗਰਭਣੀ गर्भणी Garbhaṇī [3] स्त्री०
गर्भिणी (स्त्री०) गर्भिणी, गर्भवती ।

ਗਰਭਵਤੀ गर्भ्वती Garbhvatī [3] स्त्री०
गर्भवती (स्त्री०) गर्भिणी, गर्भ से युक्त ।

ਗਰਭਾਸ਼ਾ गर्भाशा Garbhāśā [3] पुं०
गर्भाशय (पुं०) गर्भस्थान, बच्चेदानी ।

ਗਰਭਿਤ गर्भित् Garbhit [3] वि०
गर्भित (वि०) गर्भयुक्त; भरा हुआ ।

ਗਰਮਾਈ गर्माई Garmāī [3] स्त्री०
ग्रीष्मता (स्त्री०) गर्मी, उष्णता ।

ਗਰਰ गरर् Garar [1] पुं०
गरुड़ (पुं०) गरुड़, पक्षियों का राजा ।

ਗਰਲ गरल् Garal [3] स्त्री०
गरल (पुं०) जहर; सर्पविष ।

ਗਰਵ गर्व् Garv [3] पुं०
गर्व (पुं०) गर्व, घमण्ड ।

ਗਰਵੀਲਾ गर्वीला Garvīlā [1] पुं०
गर्विल (वि०) गर्वीला, घमण्डी ।

ਗਰਾਂ गराँ Garā̃ [3] पुं०
ग्राम (पुं०) गाँव, ग्राम ।

ਗਰਾਈਂ ग्राईं Grāī̃ [3] पुं०
ग्रामिन् (वि०) गाँव वाला, ग्रामवासी ।

ਗਰਾਸ गरास् Garās [3] पुं०
ग्रास (पुं०) कौर, कवल, ग्रास ।

ਗਰਾਹ गराह् Garāh [1] पुं०
ग्रास (पुं०) मुँहभर, ग्रास, कवल ।

ਗਰਾਹੀ ग्राही Grāhī [3] स्त्री०
ग्रास (पुं०) मुँहभर, भोज्य, ग्रास, कवल ।

ਗਰਾਲ गराल् Garāl [3] स्त्री०
लालारस (पुं०) लार, मुँह का लालारस ।

ਗਰਸਿਤ गर्सित् Garsit [1] वि०
द्र०—ਗ੍ਰਸਤ ।

ਗਰਿਹਸਥੀ गरिहस्थी Garihasthi [3] पुं०
गार्हस्थ्य (नपुं०) गृहस्थी, गृहस्थ का भाव या कर्म ।

ਗਰੁੜ गरुड़ Garuṛ [2] वि०
गारुड (वि०) गरुड़ देवता से सम्बन्धित मन्त्र या ओषधि आदि ।

ਗਰੁੜਾਗੀ गरुड़ागी Garuṛāgī [1] पुं०
गारुडिक (वि०) गरुड़ मन्त्र का ज्ञाता, साँप का विष दूर करने वाला ।

ਗਲ गल् Gal [3] पुं०
गल (पुं०) गला, गर्दन ।

ਗਲਹੱਥਾ गल्हत्था Galhatthā [3] पुं०
गलहस्त (पुं०) धकेलने के लिये गले पर रखा हुआ चन्द्र के आकार का हाँथ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਲਣ गलण् Galaṇ [3] पुं०
गलन (नपुं०) गलने या पिघलने का भाव।

ਗਲਣਾ गल्णा Galṇā [3] अक० क्रि०
गलति (भ्वादि अक०) गलना; पिघलना।

ਗਲਤੀ गल्ती Galtī [3] स्त्री०
गलवलित (नपुं०) गले में लपेटी चादर, उत्तरीय।

ਗਲਮਾਂ गल्मां Galmā̃ [1] पुं०
द्र०—ਗਲਾਵਾਂ।

ਗਲਵਾਂ गल्वां Galvā̃ [1] पुं०
द्र०—ਗਲਾਵਾਂ।

ਗਲਾ गला Galā [3] पुं०
द्र०—ਗਲ।

ਗਲਾਸ गलास् Galās [3] पुं०
गल्वर्क (पुं०) गिलास, पानी पीने का पात्र।

ਗਲਾਵਾਂ गलावाँ Galāvā̃ [3] पुं०
गलदामन् (नपुं०) गुलेबन्द; गले की रस्सी; कुर्ता या कमीज आदि का कॉलर।

ਗਲੋ गलो Galo [2] स्त्री०
गुडूची (स्त्री०) नीम गिलोय, एक प्रकार की लता जो ज्वर में दवा के रूप में प्रयुक्त होती है।

ਗੱਲ गल्ल् Gall [3] स्त्री०
जल्प (पुं०) कथन; गप्प; तर्क, बहस।

ਗੱਲ੍ਹ गल्ल्ह् Gallh [3] स्त्री०
गल्ल (पुं०) गाल, कपोल।

ਗਵਾਂਢ गवाँढ् Gavā̃ḍh [3] पुं०
ग्रामार्द्ध (पुं०) ग्राम के समीप; पड़ोस।

ਗਵਾਂਢਣ गवाँढण् Gavā̃ḍhaṇ [3] स्त्री०
ग्रामार्धिनी (स्त्री०) पड़ोसिन, प्रतिवेशिनी।

ਗਵਾਂਢੀ गवाँढी Gavā̃ḍhī [3] पुं०
द्र०—ਗੁਆਂਢੀ।

ਗਵਾਰ गवार् Gavār [3] पुं०
ग्रामनर (पुं०) गाँव का आदमी, देहाती; असभ्य, अशिक्षित।

ਗਵਾਲਾ गवाला Gavālā [3] पुं०
गोपाल (पुं०) ग्वाला, चरवाहा।

ਗੜਵਈ गड़्वई Gaṛvaī [3] पुं०
गडुकवाह (वि०) गड़वा उठाने वाला, सेवक, पानी पिलाने वाला।

ਗੜਵਾ गड़्वा Gaṛvā [3] पुं०
गडुक (पुं०) गड़वा, झारा; लोटा।

ਗੜਾ गड़ा Gaṛā [3] पुं०
गड (पुं०) ओला, हिम-उपल।

ਗੜ੍ਹ गढ़् Gaṛh [3] पुं०
गडु (पुं०) घेंघ, गले आदि में एक प्रकार का शोथ-रोग।

ਗਾਂ गाँ Gā̃ [3] स्त्री०
गो (स्त्री०) गाय, गौ, गऊ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਾਉ गाउ Gāu [2] स्त्री०
द्र०—गां ।

ਗਾਉਂ गाउँ Gāũ [3] पुं०
ग्राम (पुं०) ग्राम, गाँव ।

ਗਾਉਣਾ गाउणा Gāuṇā [2] अक० क्रि०
गायति (भ्वादि सक०) गाना, गीत गाना ।

ਗਾਇਕ गाइक् Gāik [3] पुं०
गायक (वि०) गायक, गान करने वाला ।

ਗਇਣ गाइण् Gāiṇ [3] पुं०
गान (नपुं०) गाने का भाव ।

ਗਾਇਤਰੀ गाइत्री Gāitri [3] स्त्री०
गायत्री (स्त्री०) गायत्री मंत्र या गायत्री देवी ।

ਗਾਇਨ गाइन् Gāin [3] पुं०
गान (नपुं०) गाना, गीत, गाने का भाव ।

ਗਾਈ गाई Gāī [2] स्त्री०
गो (स्त्री०) गाय, गऊ ।

ਗਾਹ गाह्, Gāh [3] पुं०
गाहन (नपुं०) अवगाहन, निमज्जन, नहाने का भाव; तोड़ने, हिलाने या नष्ट करने का भाव ।

ਗਾਹਕ गाहक् Gāhak [3] वि०
ग्राहक (वि०) ग्राहक, लेने वाला, खरीदने वाला ।

ਗਾਹਕੀ गाह्की Gāhkī [3] स्त्री०
ग्राहकता (स्त्री०) ग्राहकी, खरीददार का भाव या कर्म ।

ਗਾਹਣਾ गाह्णा Gāhṇā [3] सक० क्रि०
गाहते (भ्वादि सक०) विलोडन करना; कुचलना; मसलना । जल में गोता लगाना ।

ਗਾਹੁਣਾ गाहुणा Gāhuṇā [3] सक० क्रि०
गाहते (भ्वादि सक०) रौंदना; घूमना; खोजना, ढूँढना ।

ਗਾਹੂ गाहू Gāhū [3] पुं०
ग्राहुक (पुं०) पकड़ने वाला ।

ਗਾਗਨਾ गाग्ना Gāgnā [1] पुं०
कङ्कण (नपुं०) कंगना, कंगन ।

ਗਾਗਰ गागर् Gāgar [3] स्त्री०
गर्गर (पुं०) गागर, घड़ा ।

ਗਾਗਰੀ गाग्री Gāgrī [2] स्त्री०
द्र०—गागर ।

ਗਾਜਰ गाजर् Gājar [3] स्त्री०
गार्जर (पुं०) गाजर, एक प्रकार का कन्द जिसे खाया जाता है ।

ਗਾਂਜਾ गाँजा Gãjā [3] पुं०
गञ्जा (स्त्री०) गाँजा; भांग ।

ਗਾਟਾ गाटा Gāṭā [3] पुं०
गट्टक (पुं०) गर्दन, गला, जिसमें जल पीते समय 'गट्-गट्' की ध्वनि होती है ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਾਠੜੀ गाठ्ड़ी Gāṭhṛī [1] स्त्री०
द्र०—गठड़ी।

ਗਾਡਰੂ गाड्रू Gāḍrū [1] पुं०
गारुड (पुं०) गारुड मणि, पन्ना; सर्पों को वशीभूत करने वाला मन्त्र।

ਗਾਤਰਾ गात्रा Gātrā [3] पुं०
गात्र (नपुं०) देह, शरीर, अङ्ग।

ਗਾਦ गाद् Gād [3] पुं०
गाध (वि०/नपुं०) वि०—पार होने योग्य, उथला। नपुं०—उथली जगह।

ਗਾਂਧਰਵ गान्ध्रव् Gādhrav [3] वि०/पुं०
गान्धर्व (वि०/नपुं०/पुं०) वि०—गन्धर्व से सम्बन्धित। नपुं०—संगीत विद्या। पुं०—घोड़ा; विवाह की एक विधि।

ਗਾਂਧੀ गाँधी Gādhī [1] पुं०
गान्धिक (पुं०) इत्र-विक्रेता, गान्धी एक जाति।

ਗਾਬਾ गाबा Gābā [2] पुं०
गोपोत (पुं०) गाय का दूध पीता बछड़ा।

ਗਾਬੀ गाबी Gābī [2] स्त्री०
गोपोती (स्त्री०) गाय की दूध पीती बछिया।

ਗਾਭਣੀ गाभ्णी Gābhṇī [1] स्त्री०
द्र०—गॉभण।

ਗਾਰਵ गारव् Gārav [1] पुं०
द्र०—गौरव।

ਗਾਰੜੀ गार्ड़ी Gārṛī [3] पुं०
गारुडिक (पुं०) गरुड़-मंत्र का ज्ञाता, सर्पों का विष झारने वाला व्यक्ति।

ਗਾਰੜੂ गार्ड़ू Gārṛū [1] पुं०
द्र०—गारड़ी।

ਗਾਲਣਾ गाल्णा Gālṇā [3] सक० क्रि०
गालयति (भ्वादि प्रेर०) गलाना, पिघलाना।

ਗਾਲ੍ਹ गाल्ह् Gālh [3] स्त्री०
गालि (स्त्री०) गाली, अपशब्द।

ਗਾਵਣਾ गावणा Gāvṇā [2] पुं०
गायन (नपुं०) गायन करना, गाना।

ਗਾਂਵੜਾ गाँव्ड़ा Gāvṛā [1] पुं०
ग्राम / ग्रामटिका (पुं, स्त्री०) गाँव, छोटा गाँव।

ਗਾਵਾਦੂਧ गावादूध् Gāvādūdh [3] पुं०
गोदुग्ध (नपुं०) गोदुग्ध, गाय का दूध।

ਗਾੜ੍ਹ गाढ़् Gāṛh [3] वि०
गाढ (वि०) घना; गहरा; अतिशय, अत्यन्त।

ਗਾੜ੍ਹਾ गाढ़ा Gāṛhā [3] पुं०
गाढ (वि०) गाढ़ा, घना; गहरा; अतिशय; पक्का।

ਗਿਆ गिआ Giā [3] वि०
गत (वि०) गया हुआ, बीता हुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਿਆਤ ग्यात् Gyāt [3] वि०
ज्ञात (वि०) जाना हुआ, ज्ञात, विदित।

ਗਿਆਤਾ ग्याता Gyātā [3] पुं०
ज्ञातृ (वि०) जानने वाला, ज्ञानी।

ਗਿਆਨ ग्यान् Gyān [3] पुं०
ज्ञान (नपुं०) ज्ञान, बोध, समझ; बुद्धि।

ਗਿਆਨਣ ग्यानण् Gyānaṇ [3] स्त्री०
ज्ञानिनी (स्त्री०) ज्ञानी स्त्री, बोध-युक्ता, समझदार।

ਗਿਆਨਮਤੀ ग्यान्मती Gyānmatī [3] स्त्री०
ज्ञानवती (स्त्री०) ज्ञान से युक्त स्त्री।

ਗਿਆਨ-ਵਿਹੂਣਾ ग्यान्-विहूणा Gyān-vihūṇā [3] वि०
ज्ञानविहीन (वि०) ज्ञान विहीन, अज्ञानी।

ਗਿਆਨਵੰਤ ग्यान्वन्त् Gyānvant [3] पुं०
ज्ञानवत् (वि०) ज्ञानवान्, ज्ञान से युक्त।

ਗਿਆਨੀ ग्यानी Gyānī [3] वि०
ज्ञानिन् (वि०) जानने वाला, ज्ञाता।

ਗਿਆਰਸ ग्यारस् Gyāras [2] स्त्री०
एकादशी (स्त्री०) एकादशी तिथि या व्रत।

ਗਿਆਰਾਂ ग्याराँ Gyārā̃ [3] वि०
एकादशन् (वि०) ग्यारह, 11 संख्या; ग्यारह संख्या से युक्त।

ਗਿਝਣਾ गिझ्णा Gijhṇā [3] सक० क्रि०
गृध्यति (दिवादि सक०) इच्छा करना; लोभ करना।

ਗਿੱਠਾ गिट्ठा Giṭṭhā [3] वि०
ग्रन्थिल (वि०) ठिगना, नाटा, बौना।

ਗਿੱਡ गिड्ड् Giḍḍ [2] स्त्री०
किट्ट (नपुं०) नेत्र का मैल; कीट।

ਗਿਣਤਕਾਰ गिणत्कार् Giṇatkār [3] पुं०
गणितकार (पुं०) लेखाकार, गणितज्ञ; ज्योतिषी।

ਗਿਣਤੀ गिण्ती Giṇtī [3] स्त्री०
गणिति (स्त्री०) गिनती, गिनने का भाव।

ਗਿਣਨਾ गिण्ना Giṇnā [3] सक० क्रि०
गणयति (चुरादि सक०) गिनना, गिनती करना।

ਗਿੱਦੜ गिद्दड़् Giddaṛ [3] पुं०
गृध्नुतर (पुं०) गीदड़, सियार।

ਗਿੱਧ गिद्ध् Giddh [3] पुं०
गृध्र (पुं०) गीध, गिद्ध पक्षी।

ਗਿਰਹੀ गिर्ही Girhī [1] पुं०
गृहिन् (वि०) गृही, गृहस्थ।

ਗਿਰਗਟ गिर्गट् Girgaṭ [3] पुं०
गलगति (पुं०) गिरगिट, सरट।

ਗਿਰਝ गिरझ् Girajh [3] स्त्री०
द्र०—ਗਿੱਧ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਿਰਨਾ गिर्ना Girnā [3] अक० क्रि०
गिरति (तुदादि अक०) गिरना; टपकना।

ਗਿਰਵਰ गिर्वर् Girvar [3] पुं०
गिरिवर (पुं०) श्रेष्ठ पर्वत; हिमालय पर्वत।

ਗਿਰਾਂ गिरां Girã [3] पुं०
ग्राम (पुं०) ग्राम, गाँव।

ਗਿਰਾਉਂ गिराउँ Girāũ [3] पुं०
द्र०—ਗਿਰਾਂ।

ਗਿਰਾਸ गिरास् Girās [3] पुं०
ग्रास (पुं०) ग्रास, कौर; भक्ष्य; नित्य भोजन; निगलना।

ਗਿਰਾਮ गिराम् Girām [1] पुं०
द्र०—ਗਿਰਾਂ।

ਗਿਲਾਨੀ गिलानी Gilānī [3] स्त्री०
ग्लानि (स्त्री०) ग्लानि, घृणा; खिन्नता।

ਗਿਲੋ गिलो Gilo [3] स्त्री०
गुडूची/गिलोय (स्त्री०) नीमगिलोय, एक प्रकार की लता जो ज्वर में दवा के रूप में प्रयुक्त होती है।

ਗਿਲੋਟ गिलोट् Gilot [3] पुं०
गिलोडच (नपुं०) आलू की जाति का एक जंगली कन्द।

ਗੀਤ गीत् Gīt [3] पुं०
गीत (नपुं०) गीत, गाना।

ਗੁਆਂਢ ग्वाँढ् Gvãḍh [3] पुं०
ग्रामार्ध (नपुं०) पड़ोस, सामीप्य।

ਗੁਆਂਢਣ ग्वाँढण् Gvãḍhaṇ [3] स्त्री०
ग्रामार्धिनी (स्त्री०) पड़ोसिन, घर के पास रहने वाली।

ਗੁਆਂਢੀ ग्वाँढी Gvãḍhī [3] पुं०
ग्रामार्द्धिन् (वि०) पड़ोसी, प्रतिवेशी।

ਗੁਆਲ ग्वाल् Gvāl [3] पुं०
गोपाल (पुं०) ग्वाला; चरवाहा; ग्वाला जाति-विशेष।

ਗੁਆਲਾ ग्वाला Gvālā [3] पुं०
गोपालक (पु०) ग्वाल, ग्वाला।

ਗੁਸਈਆ गुसईआ Gusaīā [1] पुं०
द्र०—ਗੁਸਾਂਈ।

ਗੁਸਈਆਂ गुसईआँ Gusaīã [1] पुं०
द्र०—ਗੁਸਾਈਂ।

ਗੁਸਾਇਣ गुसाइण् Gusāiṇ [3] स्त्री०
गोस्वामिनी (वि० / स्त्री०) वि०—गायों की मालकिन, गोस्वामी या गोसाईं-जाति विशेष की स्त्री।

ਗੁਸਾਇਣੀ गुसाइणी Gusāiṇī [1] स्त्री०
द्र०—ਗੁਸਾਇਣ।

ਗੁਸਾਈਂ गुसाईं Gusāī [3] पुं०
गोस्वामिन् (वि०/पुं०) वि०—गोस्वामी, गायों का मालिक। पुं०—गोस्वामी या गोसाईं जाति-विशेष।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗੁਹਜ गुहज् Guhaj [3] वि०
गुह्य (वि०) गुप्त, छिपा हुआ।

ਗੁੱਗਲ गुग्गल् Guggal [3] पुं०
गुग्गुल/गुग्गुलु (पुं०) गूगल, सुगन्धित पदार्थ-विशेष।

ਗੁੱਛਾ गुच्छा Gucchā [3] पुं०
गुच्छ (पुं०) फल-फूल आदि का गुच्छा।

ਗੁਜਰਾਤ गुज्रात् Gujrāt [3] पुं०
गुर्जरराष्ट्र (नपुं०) गुर्जरप्रान्त, गुजरात।

ਗੁਜਰੀ गुज्री Gujrī [3] स्त्री०
गुर्जरी (स्त्री०) गूजरी, गूजर जाति की स्त्री।

ਗੁੱਜਰ गुज्जर् Gujjar [3] पुं०
गुर्जर (पुं०) ग्वालों की एक जाति, गूजर।

ਗੁੱਝ गुज्झ् Gujjh [3] स्त्री०
गुह्य (वि० / नपुं०) वि०—गुप्त, गोप्य। नपुं०—चर्खे का एक गुप्त भाग, चर्खे की धुरी।

ਗੁੱਝਾ गुज्झा Gujjhā [3] वि०
गुह्य (वि०) गुप्त, छिपा हुआ, रहस्य।

ਗੁਟਕਾ गुट्का Guṭkā [1] स्त्री०
गुटिका (स्त्री०) गुटिका, दवा आदि की वटी; लकड़ी आदि का छोटा टुकड़ा।

ਗੁਣ गुण् Guṇ [3] पुं०
गुण (पुं०) उत्तम शील, सद्वृति; सत्त्व आदि गुण।

ਗੁਣ-ਗਾਹਕ गुण्गाहक् Guṇgāhak [3] वि०
गुणग्राहक (वि०) गुणग्राही, गुणों का सम्मान करने वाला।

ਗੁਣੱਗ गुणग्ग् Guṇagg [3] वि०
गुणज्ञ (वि०) गुण को जानने वाला, गुणग्राही।

ਗੁਣਨਾ गुण्ना Guṇnā [3] सक० क्रि०
गुणयति/ते (चुरादि सक०) गिनना, हिसाब करना; गुणा करना।

ਗੁਣਨਿਧਾਨ गुण्निधान् Guṇnidhān [3] वि०
गुणनिधान (वि०) गुण-निधान, गुणों की खान।

ਗੁਣਬਾਣੀ गुण्बाणी Guṇbāṇī [1] स्त्री०
गुणवाणी (स्त्री०) गुणवाणी, गुणों से विभूषित-वाणी, सद्-वचन।

ਗੁਣਵਾਨ गुण्वान् Guṇvān [3] पुं०
गुणवत् (वि०) गुणवान्, गुणी, अच्छे भावों वाला।

ਗੁਣਵੰਤਾ गुण्वन्ता Guṇvantā [3] वि०
द्र०—ਗੁਣਵਾਨ।

ਗੁਣਾ गुणा Guṇā [3] वि०
गुणित (वि०) गुना, कई बार गिना हुआ।

ਗੁਣਾਢ गुणाढ् Guṇāḍh [3] वि०
गुणाढ्य (वि०) गुणों से परिपूर्ण, गुणों का धनी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗੁਣਾਧਾਰ गुणाधार् Guṇādhār [3] पुं०
गुणाधार (पुं०) गुणों का आधार, उन्नत भावों का आश्रय।

ਗੁਣੀ-ਗਹੀਰ गुणी-गहीर् Guṇī-Gahīr [3] वि०
गुणगभीर (वि०) गुणों से गम्भीर, अच्छे भावों के कारण महान्।

ਗੁਣੀ-ਗਹੀਰਾ गुणी-गहीरा Guṇī-Gahīrā [3] वि०
द्र०—ਗੁਣੀ-ਗਹੀਰ।

ਗੁਣੀ-ਗਹੇਰਾ गुणी-गहेरा Guṇī-gaherā [1] वि०
द्र०—ਗੁਣੀ-ਗਹੀਰਾਂ।

ਗੁਣੀ-ਜਨ गुणीजन् Guṇījan [3] पुं०
गुणिजन (पुं०) गुणीजन, गुणवान् लोग।

ਗੁਣੀਤਾ गुणीता Guṇītā [3] पुं०
गुणवत् (वि०) गुणवान्, गुणी।

ਗੁਥਾਉਣਾ गुथाउणा Guthāuṇā [3] सक० क्रि०
ग्रन्थयति (भ्वादि प्रेर०) गुँथवाना, गूँथने की प्रेरणा देना।

ਗੁੱਥਣਾ गुत्थणा Gutthaṇā [3] सक० क्रि०
ग्रथ्नाति/ग्रन्थते (क्र्यादि/भ्वादि सक०) गूँथना, पिरोना।

ਗੁੰਦਣਾ गुन्द्णा Gundṇā [3] सक० क्रि०
ग्रन्थते (भ्वादि सक०) गूँथना, पिरोना।

ਗੁੱਦ गुद्द् Gudd [3] पुं०
गोर्द (नपुं०) गुद्दा, फल के भीतर का भाग।

ਗੁੱਦਾ गुद्दा Guddā [3] पुं०
द्र०—ਗੁੱਦ।

ਗੁੰਨਹਣਾ गुन्न्हणा Gunnhaṇā [2] सक० क्रि०
ग्रन्थयति (चुरादि सक०) गूँथना; गूँधना।

ਗੁਨਹਾਉਣਾ गुन्हाउणा Gunhāuṇā [2] सक० क्रि०
ग्रन्थयति (भ्वादि प्रेर०) गुँथाना, गूँथने की प्रेरणा देना।

ਗੁਪਤ गुपत् Gupat [3] वि०/पुं०
गुप्त (वि० / पुं०) वि०—रक्षित; छिपा हुआ। पुं०—वैश्य जाति की उपाधि; एक ऐतिहासिक राजवंश।

ਗੁਪਤਾ गुप्ता Guptā [3] स्त्री०
गुप्ता (स्त्री०) काव्य शास्त्र के अनुसार गुप्ता नायिका जो अपने अभिसरण को छिपाती है।

ਗੁਪਤੀ गुप्ती Guptī [3] स्त्री०
गुप्ति (स्त्री०) गुप्ति, शस्त्र-विशेष।

ਗੁਪਾਲ गुपाल् Gupāl [3] पुं०
गोपाल (वि० / पुं०) वि०—गायों का रखवाला। पुं०—ग्वाला; भगवान् श्रीकृष्ण।

ਗੁਫਾ गुफा Guphā [3] स्त्री०
गुहा (स्त्री०) गुफा, कन्दरा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗੁੰਮ गुम्म् Gumm [3] वि०
लुम्बित (वि०) खोया हुआ, गुम ।

ਗੁੰਮਹੀ गुम्म्ही Gummhī [1] पुं०
गुल्म (पुं०) गूमड़ा, आघात इत्यादि से उत्पन्न व्रण या शोथ ।

ਗੁਰ गुर् Gur [3] पुं०
गुरु (पुं०) गुरु, उपदेशक ।

ਗੁਰ-ਉਪਦੇਸ਼ गुर्-उपदेश् Gur-updeś [3] पुं०
गुरूपदेश (पुं०) गुरु का उपदेश, गुरु की शिक्षा ।

ਗੁਰ-ਅੰਸ਼ गुर्-अंश् Gur-ãś [3] पुं०
गुरुवंशज (पुं०) गुरु के वंश में उत्पन्न, गुरु वंश का ।

ਗੁਰ-ਸਬਦ गुर्सबद् Gur-sabad [3] पुं०
गुरुशब्द (पुं०) गुरू के उपदेश; गुरु-मंत्र ।

ਗੁਰਸਾਖੀ गुर्साखी Gursākhī [3] स्त्री०
गुरुशिक्षा (स्त्री०) गुरु-कथा, गुरु-शिक्षा ।

ਗੁਰਕਾਰ गुर्कार् Gurkār [1] पुं०
गुरुकार्य (नपुं०) गुरु का कार्य, गुरु-सेवा ।

ਗੁਰ-ਕਿਰਪਾ गुर्-किर्पा Gur-Kirpā [3] स्त्री०
गुरुकृपा (स्त्री०) गुरु की कृपा, गुरु की दया ।

ਗੁਰ-ਗਿਆਨ गुर्ग्यान् Gur-gyān [3] पुं०
गुरुज्ञान (नपुं०) गुरु द्वारा प्रदत्त ज्ञान, गुरु से प्राप्त बोध ।

ਗੁਰ-ਗਿਆਨੀ गुर्-ग्यानी Gur-gyānī [3] पुं०
गुरुज्ञानिन् (वि०) बहुत ज्ञानी, परम ज्ञानवान् ।

ਗੁਰ-ਜੋਤੀ गुर्-जोती Gur-jotī [3] स्त्री०
गुरुज्योतिस् (नपुं०) महान् ज्योति, आत्मिक प्रकाश, ब्रह्म का साक्षात्कार कराने वाला ज्ञान ।

ਗੁਰ-ਦੱਛਣਾ गुर्-दच्छ्णा Gur-dacchṇā [3] स्त्री०
गुरुदक्षिणा (स्त्री०) गुरु दक्षिणा, गुरु के लिये भेंट ।

ਗੁਰਦਵਾਰਾ गुरद्वारा Gurdvārā [3] पुं०
गुरुद्वार (नपुं०) गुरुद्वारा, सिक्खों का धार्मिक स्थान ।

ਗੁਰ-ਦੀਖਿਆ गुर्दीख्या Gurdīkhyā [3] स्त्री०
गुरुदीक्षा (स्त्री०) गुरुदीक्षा, गुरु से मंत्र लेने का संस्कार-विशेष ।

ਗੁਰਦੁਆਰਾ गुर्द्वारा Gurdvārā [3] पुं०
द्र०—ਗੁਰਦਵਾਰਾ ।

ਗੁਰਦੇਵ गुर्देव् Gurdev [3] पुं०
गुरुदेव (पुं०) गुरुदेव, गुरु, उपदेशक ।

ਗੁਰਧਾਮ गुर्धाम् Gurdhām [3] पुं०
गुरुधामन् (नपुं०) गुरुधाम, गुरु का स्थान ।

ਗੁਰਪ੍ਰਸਾਦ गुर्प्रसाद् Gurprasād [3] पुं०
गुरुप्रसाद (पुं०) गुरु का प्रसाद, गुरु की कृपा ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗੁਰਬਾਣੀ गुर्बाणी Gurbāṇī [3] स्त्री०
गुरुवाणी (स्त्री०) गुरुवाणी, गुरुवचन।

ਗੁਰਬੰਸ਼ गुर्बंश् Gurbanś [3] पुं०
गुरुवंश (पुं०) गुरु का वंश, गुरु का कुल।

ਗੁਰੂ गुरू Gurū [3] पुं०
गुरु (पुं०) गुरु, गुरुदेव; शिक्षक।

ਗੁਰੋਚਨ गुरोचन् Gurocan [3] पुं०
गोरोचना (स्त्री०) गोरोचन, जिसका मस्तक या शरीर में लेप किया जाता है।

ਗੁਲਾਲ गुलाल् Gulāl [3] पुं०
गुलाल (नपुं०) गुलाल, रंग-विशेष।

ਗੁਲੂਬੰਦ गुलूबन्द् Gulūband [3] पुं०
गलबन्ध (पुं०) गुलेबन्द, कान बाँधने का ऊनी वस्त्र-खण्ड।

ਗੁਲ੍ਹਰ गुल्हर् Gulhar [1] पुं०
द्र०—ਗੂਲਰ।

ਗੁੜ गुड़् Guṛ [3] पुं०
गुड (पुं०) गुड़।

ਗੁੜੰਬਾ गुड़म्बा Guṛambā[3] पुं०
गुडाम्र (नपुं०) गुड़म्बा, कच्चे आम का मुरब्बा।

ਗੁੜੰਭਾ गुड़म्भा Guṛambhā [1] पुं०
द्र०—ਗੁੜੰਬਾ।

ਗੂੰਹ गूँह् Gūh [3] पुं०
गूथ (पुं०, नपुं०) विष्ठा, मल।

ਗੂੰਜਣਾ गूंज्णा Gūjṇā [3] अक० क्रि०
गुञ्जति (भ्वादि अक०) गुंजार करना; अस्पष्ट बोलना।

ਗੂਠਾ गूठा Gūṭhā [1] पुं०
द्र०—ਅੰਗੂਠਾ।

ਗੂਣ गूण् Gūṇ [3] स्त्री०
गोणी (स्त्री०) सन का बोरा या बोरी।

ਗੂਣੀ गूणी Gūṇī [3] स्त्री०
गोणी (स्त्री०) बोरा या बोरी।

ਗੂਤਰ गूतर् Gūtar [1] पुं०
गोमूत्र (नपुं०) गोमूत्र, गाय का मूत्र।

ਗੂਲਰ गूलर् Gūlar [3] पुं०
उदुम्बर (पुं० / नपुं०) पुं०—गूलर का वृक्ष। नपुं०—गूलर का फल।

ਗੂੜ੍ਹ गूढ़् Gūṛh [3] वि०
गूढ (वि०) गुप्त, छिपा हुआ।

ਗੂੜ੍ਹਾਰਥ गूढ़ार्थ् Gūṛhārth [3] पुं०
गूढार्थ (पुं०) गुप्त अर्थ, छिपा हुआ भाव; दूसरा अर्थ।

ਗੇਂਦ गेंद् Gēd [3] स्त्री०
गेन्दुक (पुं०) गेंद, कन्दुक।

ਗੇਰਵਾ गेर्वा Gervā [3] वि०
गैरिक (वि०) गेरू रंग का, गेरुआ।

ਗੇਰੀ गेरी Gerī [1] स्त्री०
द्र०—ਗੇਰੂ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗੇਰੂ गेरू Gerū [3] पुं०
गैरिक (स्त्री०) गेर; कषाय रंग।

ਗੈਂਡਾ गैंडा Gaiḍā [3] पुं०
गण्डक (पुं०) गैंडा, एक जंगली जानवर।

ਗੈਂਡੀ गैंडी Gaiḍī [3] स्त्री०
गण्डी (स्त्री०) गैंडी (पशु), मादा गैंडा।

ਗੈਂਤੀ गैंती Gaitī [3] स्त्री०
खनित्री (स्त्री०) गैंती, कठिन भूमि खोदने का पतले मुँह का फावड़ा, विशेष प्रकार की खन्ती।

ਗੋਇੰਦ गोइन्द् Goind [3] पुं०
गोविन्द (पुं०) गोविन्द, भगवान् विष्णु।

ਗੋਇਲ गोइल् Goil [1] पुं०
गोकुल (नपुं०) गोशाला; चरागाह।

ਗੋਇਲੀ गोइली Goilī [1] पुं०
द्र०—ਗੋਇਲ।

ਗੋਸ਼ਟ गोशट् Goṡaṭ [2] पुं०
द्र०—ਗੋਸ਼ਟੀ।

ਗੋਸ਼ਟੀ गोश्टी Goṡṭī [3] स्त्री०
गोष्ठी (स्त्री०) गोष्ठी, सभा, विद्वत्-समुदाय।

ਗੋਹ गोह् Goh [3] स्त्री०
गोधा (स्त्री०) सर्प जाति का एक विषधर कीड़ा, गोह।

ਗੋਹਰਨ गोह्रन् Gohran [1] स्त्री०
गुदरन्ध्र (पुं०) मलद्वार, गुदा।

ਗੋਹਟਾ गोह्टा Gohṭā [2] पुं०
गोविष्ठा (स्त्री०) गोबर; उपले।

ਗੋਹਾ गोहा Gohā [3] पुं०
गोशकृत् (नपुं०) गोबर, गाय-बैल या भैंस का पुरीष।

ਗੋਹਿਆ गोहिआ Gohiā [1] पुं०
द्र०—ਗੋਹਾ।

ਗੋਕਲ गोकल् Gokal [3] पुं०
गोकुल (नपुं०) गोकुल-ग्राम।

ਗੋਖਰੂ गोख्रू Gokhrū [3] पुं०
गोक्षुर (नपुं०) गोखरू, एक प्रकार का काँटा।

ਗੋਚਰਮ गोचर्म् Gocarm [1] पुं०
गोचर्मन् (नपुं०) गाय अथवा बैल का चमड़ा, खाल।

ਗੋਠ गोठ् Goṭh [3] स्त्री०
गोष्ठी (स्त्री०) बैठने का ढंग, घुटनों के बल बैठने का भाव।

ਗੋਣਾ गोणा Goṇā [3] सक० क्रि०
गुम्फति (भ्वादि सक०) गूँथना; गुम्फन करना; वस्त्रादि सीना।

ਗੋਤ गोत् Got [3] स्त्री०
गोत्र (नपुं०) कुल, वंश, कुटुम्ब।

ਗੋਤਰ गोतर् Gotar [3] स्त्री०
द्र०—ਗੋਤ।

ਗੋਧੂਲ गोधूल् Godhūl [1] स्त्री०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

गोधूलि (स्त्री०) गोधूलि बेला, सायंकाल।

ਗੋਪਕਰਣ गोप्करण् Gopkaraṇ [1] पुं०
गोपकरण (नपुं०) गोपन, छिपाने का भाव।

ਗੋਪਨੀ गोप्नी Gopnī [3] वि०
गोपनीय (वि०) गोपनीय, छिपाने लायक।

ਗੋਪਾਲਕ गोपालक् Gopālak [3] पुं०
गोपालक (वि०) ग्वाला, गायों का पालन करने वाला।

ਗੋਪੀ गोपी Gopī [3] स्त्री०
गोपी (स्त्री०) गोपी, ग्वाले की पत्नी।

ਗੋਪੀਆ गोपिआ Gopiā [3] स्त्री०
गोपिका (स्त्री०) ग्वालिन, गोपी।

ਗੋਬਰ गोबर् Gobar [3] पुं०
गार्वर (नपुं०) गोबर, गोमय।

ਗੋਬਰੀ गोब्री Gobrī [2] स्त्री०
द्र०—ਗੋਬਰ।

ਗੋਬਲਾ गोब्ला Gablā [3] वि०
कोमल (वि०) कोमल, मृदु।

ਗੋਬਿੰਦ गोबिन्द् Gobind [3] पुं०
गोविन्द (पुं०/वि०) पुं०—गोविन्द, भगवान् विष्णु। वि०—गायों को रखने वाला।

ਗੋਬਿੰਦਪੁਰੀ गोबिन्द्-पुरी Gobind-purī [3] स्त्री०
गोविन्दपुरी (स्त्री०) वैकुण्ठलोक, विष्णुधाम।

ਗੋਬੰਸ ਗੋबंश् Gobanś [3] पुं०
गोवंश (पुं०) गोवंश, गायों का वंश।

ਗੋਭੀ गोभी Gobhī [3] स्त्री०
गोजिह्विका (स्त्री०) गोभी, सब्जी-विशेष।

ਗੋਰਖ गोरख् Gorakh [3] पुं०
गोरक्षक (पुं०) पृथ्वीपालक; इन्द्रियों का रक्षक आत्मा।

ਗੋਰਾ गोरा Gorā [3] पुं०
गौर (वि०/पुं०) वि०—गोरा, गौर वर्ण वाला। पुं०—गौर वर्ण।

ਗੋਰੋਚਨ गोरोचन् Gorocan [3] पुं०
गोरोचना (स्त्री०) गोरोचन, एक सुगन्धित पदार्थ जिसका मस्तक व शरीर में लेप किया जाता है।

ਗੋਲ[1] गोल् Gol [3] पुं०
गोल (पुं०) गोल, आवृत्त, घेरा।

ਗੋਲ[2] गोल् Gol [1] पुं०
गोकुल (नपुं०) गोशाला, गोष्ठ।

ਗੋਲਕ गोलक् Golak [3] पुं०
गोलक (पुं०, नपुं०) गुल्लक, एक प्रकार की पेटी जिसमें रुपये-पैसे रखे जाते हैं।

ਗੋਲਾ गोला Golā [3] पुं०
गोल (पुं०) गेंद, कन्दुक; गोला; गोल वस्तु।

ਗੋਲੀ गोली Golī [3] स्त्री०
गुलिका (स्त्री०) बच्चों के खेलने की गोली या औषध की गोली।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗੋੱਲਾ गोल्ला Gollā [3] पुं०
गोलक (पुं०) राजाओं से दासियों में उत्पन्न पुत्र—गोला।

ਗੌਣ गौण् Gauṇ [3] वि०
गौण (वि०) गौण, अप्रधान।

ਗੌਰਜਾਂ गौर्जाँ Gaurjā̃ [3] स्त्री०
गिरिजा (स्त्री०) गिरिजा, पार्वती।

ਗੌਰਵ गौरव् Gaurav [3] पुं०
गौरव (नपुं०) गौरव; यश; महत्त्व।

ਗੌਰਾ गौरा Gaurā [3] वि०
गह्वर (वि०) विशाल, महान्।

ਗੌਰਾਂ गौराँ Gaurā̃ [3] स्त्री०
गौरी (स्त्री०) गौरी, पार्वती।

ਗੌੜ गौड़् Gauṛ [3] पुं०/वि०
गौड (पुं०/वि०) पुं०—पूर्व बंगाल और उड़ीसा के मध्य का देश; ब्राह्मणों का एक वर्ग। वि०—गुड़ से निर्मित खाद्य पदार्थ।

ਗੌੜੀ गौड़ी Gauṛī [3] स्त्री०
गौडिकी (स्त्री०) गुड़ की शराब।

ਗੰਗਾਜਲੀ गंगाज्ली Gaṅgājlī [3] स्त्री०
गङ्गाजलिन् (वि०) गंगाजल से भरा पात्र-विशेष।

ਗੰਗਾਤਾ गंगाता Gaṅgātā [1] पुं०
गङ्गायात्रा (स्त्री०) स्नान के लिये की जाने वाली तीर्थ-यात्रा।

ਗੰਜ गंज् Gañj [3] पुं०
गञ्ज (पुं०) खान, खजाना, भण्डार, ढेर; गाँजने का भाव।

ਗੰਠੀਆ गँठिआ Gā̃ṭhiā [3] पुं०
ग्रन्थिका/ग्रन्थिवात (स्त्री०/पुं०) ग्रन्थि; गँठिया रोग।

ਗੰਡਕਾ गण्ड्का Gaṇḍkā [3] स्त्री०
गण्डिका/गण्डकी (स्त्री०) गण्डकी या नारायणी नदी जो उत्तर-प्रदेश और बिहार प्रान्त की सीमा पर बहती है।

ਗੰਡਾ गण्डा Gaṇḍā [3] पुं०
गण्डक (पुं०) चार कौड़ी का एक सिक्का; गैंडा; चिह्न; विघ्न।

ਗੰਡੋਆ गँडोआ Gā̃ḍoā [3] पुं०
गण्डुपद (पुं०) केंचुआ, एक बरसाती घिनौना लम्बा कीड़ा।

ਗੰਢ गण्ढ् Gaṇḍh [3] स्त्री०
ग्रन्थि (पुं०) गाँठ, जोड़।

ਗੰਢਣਾ गण्ढ्णा Gaṇḍhṇā [3] सक० क्रि०
ग्रन्थयति (चुरादि सक०) बाँधना, जोड़ना, गाँठ लगाना।

ਗੰਢੀ गण्ढी Gaṇḍhī [3] स्त्री०
ग्रन्थि (स्त्री०) गाँठ, बन्धन, जोड़।

ਗੰਦਕ गन्दक् Gandak [1] पुं०
द्र०—ਗੰਧਕ।

ਗੰਧ गन्ध् Gandh [3] स्त्री०
गन्ध (पुं०) सुगन्ध, बास, महक।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗੰਧਕ गन्धक् Gandhak [3] पुं०
गन्धक् (पुं०) गन्धक नाम का द्रव्य जो औषध आदि में प्रयुक्त होता है।

ਗੰਧਰਕ गन्धरक् Gandharak [1] पुं०
द्र०—गंधक।

ਗੰਭੀਰ गंभीर् Gambhīr [3] वि०
गम्भीर (वि०) गम्भीर, गहिरा।

ਗੰਭੀਰਤਾ गम्भीर्ता Gambhīrtā [3] स्त्री०
गम्भीरता (स्त्री०) गम्भीरता, गहराई, गाम्भीर्य।

ਗ੍ਰਸਣਾ ग्रस्णा Grasṇā [3] सक० क्रि०
ग्रसते (भ्वादि सक०) जोर से पकड़ना, ग्रसना; निगलना।

ਗ੍ਰਸਤ ग्रसत् Grasat [3] वि०
ग्रस्त (वि०) ग्रस्त; निगला हुआ; अधीन, वशीभूत।

ਗ੍ਰਹ ग्रह् Grah [3] पुं०
गृह (नपुं०, ब० व० में पुं०) गृह, घर।

ਗ੍ਰਹਿ[1] ग्रह् Grah [3] पुं०
गृह (नपुं०) गृह, घर।

ਗ੍ਰਹਿ[2] ग्रैह् Graih [3] पुं०
ग्रह (पुं०) ग्रह; नक्षत्र।

ਗ੍ਰਹਿਸਥ ग्रैह्सथ् Graihsath [3] पु०
गृहस्थ (पुं०) घर में रहने वाला, घरबारी पुरुष; गृहस्थाश्रम।

ਗ੍ਰਹਿਸਥੀ ग्रैह्स्थी Graihsthī [3] पुं०
गृहस्थिन् (वि०) गृहस्थाश्रम में रहने वाला, घरबारी पुरुष।

ਗ੍ਰਹਿਣ ग्रहिण् Grahiṇ [3] पुं०
ग्रहण (नपुं०) ग्रहण; धारण, पकड़।

ਗ੍ਰਹਿਣੀ ग्रैह्णी Graihṇī [3] स्त्री०
गृहिणी (स्त्री०) गृहिणी, पत्नी।

ਗ੍ਰਹੀਤ ग्रहीत् Grahīt [3] वि०
गृहीत (वि०) ग्रहण किया हुआ, लिया हुआ; पकड़ा हुआ; ज्ञात।

ਗ੍ਰਾਸ ग्रास् Grās [3] स्त्री०
ग्रास (पुं०) ग्रास, गास, कवल, कौर।

ਗ੍ਰਾਹੀ ग्राही Grāhī [3] स्त्री०
ग्रास (पुं०) गास, कवल, मुँह भर।

ਗ੍ਰਹਸਥੀ ग्रैह्स्थी Graihsthī [3] पुं०
गार्हस्थ्य (नपुं०) गृहस्थी, गृहस्थ का कार्य या भाव, घर का काम-काज।

ਗ੍ਰੀਖਮ ग्रीखम् Grīkham [3] स्त्री०
ग्रीष्म (पुं०) ग्रीष्म-ऋतु, गर्मी का मौसम।

ਘ

ਘਸਣ घसण् Ghasaṇ [3] पुं०
घर्षण (नपुं०) घिसने का भाव, रगड़; टकराहट।

ਘਸਣਾ घस्णा Ghasṇā [3] सक० क्रि०
घर्षति (भ्वादि सक०) घिसना, रगड़ना; पीसना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਘਸਮਰ घस्मर् Ghasmar [3] **वि०**
घस्मर (वि०) खाऊ, पेटू, भक्षणशील ।

ਘਸਵੱਟੀ घस्वट्टी Ghasvaṭṭī [1] **स्त्री०**
कषपट्टी (स्त्री०) कसौटी, पत्थर जिसपर घिसकर सोने की परख की जाती है ।

ਘਸਾਉਣਾ घसाउणा Ghasāuṇā [3] **सक० क्रि०**
कषति (भ्वादि सक०) घिसना, रगड़ना ।

ਘਸੀਟਣਾ घसीट्णा Ghasīṭṇā [3] **सक० क्रि०**
घर्षति (भ्वादि सक०) घसीटना या घिसना, रगड़ना ।

ਘੱਸਾ घस्सा Ghassā [3] **पुं०**
घर्ष (पुं०) घर्षण, रगड़ ।

ਘਗਰਾ घग्रा Ghagrā [3] **पुं०**
घर्घरी (स्त्री०) बड़ी घगरी, घागरा, लहँगा ।

ਘਗਰੀ घग्री Ghagrī [3] **स्त्री०**
घर्घरी (स्त्री०) घगरी, स्त्रियों का लहँगा ।

ਘੱਗਰ घग्गर् Ghaggar [2] **स्त्री०**
दृषद्वती (स्त्री०) घग्गर, पंजाब देश की एक नदी ।

ਘੱਗਰਾ घग्ग्रा Ghaggrā [3] **पुं०**
घर्घरी (स्त्री०) घघरा, लहंगा ।

ਘੱਗਰੀ घग्ग्री Ghaggrī [3] **स्त्री०**
घर्घरी (स्त्री०) घघरी, लहँगा; पेटीकोट ।

ਘਟ घट् Ghaṭ [3] **पुं०**
घटी (स्त्री०) घड़ी ।

ਘਟਣਾ[1] घट्णा Ghaṭṇā [3] **अक० क्रि०**
घर्षति (भ्वादि अक०) कम होना, न्यून होना; घिसना ।

ਘਟਣਾ[2] घट्णा Ghaṭṇā [3] **अक० क्रि०**
घटते (भ्वादि अक०) घटित होना ।

ਘਟਨਾ घट्ना Ghaṭnā [3] **स्त्री०**
घटना (स्त्री०) घटना; रचना; जोड़ ।

ਘਟਾ घटा Ghaṭā [3] **स्त्री०**
घटा (स्त्री०) घटा, बादल ।

ਘਟਾਉਣਾ घटाउणा Ghaṭāuṇā [3] **सक० क्रि०**
घर्षयति (भ्वादि प्रेर०) कम करना, न्यून करना ।

ਘਣ घण् Ghaṇ [3] **पुं०**
घन (पुं०) हथौड़ा, घन ।

ਘਣਾ घणा Ghaṇā [3] **पुं०**
घन (वि०) घना, गहन; अधिक ।

ਘੱਤਣਾ घत्तणा Ghattṇā [3] **अक०/सक० क्रि०**
घारयति (चुरादि प्रेर०) टपकना; टपकाना; ढालना; डालना ।

ਘਨੇਰਾ घनेरा Ghanerā [3] **वि०**
घनतर (वि०) अधिक; अधिक घना, आपेक्षिक गहन ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਘਰ घर् Ghar [3] पुं०
घर (पुं०) घर, गृह, मकान।

ਘਰਾਟ घराट् Gharāṭ [3] पुं०
घरट्ट (पुं०) चक्की; गेहूँ पीसने की मशीन; पनचक्की।

ਘੜਨਾ घड़्ना Ghaṛnā [3] सक० क्रि०
घटयति / घटते (चुरादि भ्वादि सक०) गढ़ना; बनाना, रचना।

ਘੜਵੰਜੀ घड़्वंजी Ghaṛvañjī [3] स्त्री०
घटमञ्च (पुं०) जल से पूर्ण घटादि पात्रों को रखने का स्थान।

ਘੜਾ घड़ा Ghaṛā [3] पुं०
घट (पुं०) घड़ा, कलश।

ਘੜੀ घड़ी Ghaṛī [3] स्त्री०
घटी (स्त्री०) घड़ी।

ਘੜੌਂਚ घड़ौंच् Ghaṛaũc [3] पुं०
द्र०—ਘੜਵੰਜੀ।

ਘੜੌਂਚਾ घड़ौंचा Ghaṛaũcā [1] पुं०
द्र०—ਘੜਵੰਜੀ।

ਘੜੌਂਚੀ घड़ौंची Ghaṛaũcī [3] स्त्री०
द्र०—ਘੜਵੰਜੀ।

ਘਾ घा Ghā [2] पुं०
द्र०—ਘਾਉ।

ਘਾਉ घाउ Ghāu [3] पुं०
घात (पुं०) घाव, चोट, छिलन।

ਘਾਇਕ घाइक् Ghāik [3] वि०
घातक (वि०) मारने वाला, घात करने वाला, हिंसक।

ਘਾਹ घाह् Ghāh [3] पुं०
घास (पुं०) घास, पशुओं का चारा।

ਘਾਹੀ[1] घाही Ghāhī [3] पुं०
घोष (पुं०) अहीरों की बस्ती।

ਘਾਹੀ[2] घाही Ghāhī [3] पुं०
घासिन् (वि०) घास खोदने वाला, घास काटने वाला।

ਘਾਟ घाट् Ghāṭ [3] पुं०/वि०
घट्ट (पुं०/वि०) पुं०—घाट, पानी भरने या स्नान करने का स्थान; रास्ता; संकल्प। वि०—कम, न्यून।

ਘਾਟਾ घाटा Ghāṭā [3] पुं०
घट्टता (स्त्री०) घाटा, न्यूनता, कमी; नुकसान।

ਘਾਠ घाठ् Ghāṭh [3] पुं०
वाट्य (नपुं०) छिलका रहित भूने हुये जौ।

ਘਾਣ घाण् Ghāṇ [2] पुं०
घातन (नपुं०) वध करने का भाव, हत्या करने की क्रिया, हिंसा।

ਘਾਣੀ घाणी Ghāṇī [3] स्त्री०
घार (नपुं०) गारा, दिवाल निर्माण हेतु मिट्टी और जल का घोल।

ਘਾਲ घाल् Ghāl [3] स्त्री०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

घारणा (स्त्री०) पिघलने या टपकने का भाव; परिश्रम, मेहनत ।

ਘਾਲਣਾ घाल्णा Ghālṇā [3] **अक० क्रि०**
घारयति (चुरादि अक०) पिघलना, टपकना; अधिक परिश्रम करना ।

ਘਿਉ घिउ Ghiu [3] **पुं०**
घृत (नपुं०) देशी घी, घृत ।

ਘਿਉਰ घिउर् Ghiur [3] **पुं०**
घृतपूर (पुं०) घेवर; मालपूआ, पूआ ।

ਘਿਆਂਡਾ घिआँडा Ghiāḍā [3] **पुं०**
घृतभाण्ड (नपुं०) घी रखने का पात्र ।

ਘਿਣ घिण् Ghiṇ [2] **स्त्री०**
घृणा (स्त्री०) घृणा, घिन; अरुचि; दया, रहम; तिरस्कार ।

ਘਿਣਾਉਣਾ घिणाउणा Ghiṇāuṇā [3] **वि०**
घृणावत् (वि०) घिनौना, घृणित; तिरस्कृत; दया का पात्र; धिक्कृत ।

ਘਿੰਨਣਾ घिन्न्णा Ghinnṇā [3] **सक० क्रि०**
गृह्णाति (क्र्यादि सक०) लेना; खरीदना; ले जाना ।

ਘਿਰਣਾ घिर्णा Ghirṇā [3] **स्त्री०**
घृणा (स्त्री०) घृणा, नफरत, तिरस्कार; धिक्कार ।

ਘਿਰਣਿਤ घिर्णित् Ghirṇit [2] **वि०**
घृणित (वि०) घृणित, घृणास्पद; धिक्कृत; तिरस्कृत ।

ਘਿਰਨਾ घिर्ना Ghirnā [3] **अक० क्रि०**
घूर्णते (भ्वादि अक०) चक्राकार घूमना; सिर चकराना; घेरे में आना, घिरना ।

ਘੀ घी Ghī [3] **पुं०**
घृत (नपुं०) देशी शुद्ध घी ।

ਘੀਸੀ घीसी Ghīsī [3] **स्त्री०**
घर्षित (नपुं०) शौच के पश्चात् बच्चे की गुदा को भूमी पर घसीट कर साफ करने की क्रिया ।

ਘੁੱਗੂ घुग्गू Ghuggū [2] **पुं०**
घूक (पुं०) उल्लू पक्षी ।

ਘੁੱਟੀ घुट्टी Ghuṭṭī [3] **स्त्री०**
घुटी (स्त्री०) बच्चों की दवा की गोली, चूर्ण अथवा रसायन ।

ਘੁੰਡ घुंड् Ghuṇḍ [3] **पुं०**
अवगुण्ठन (नपुं०) घूँघट, नकाब ।

ਘੁਣ घुण् Ghuṇ [3] **पुं०**
घुण (पुं०) घुन, काठ या अनाज का कीट-विशेष ।

ਘੁੰਮਣ घुंमण् Ghummaṇ [3] **पुं०**
घूर्णन (नपुं०) घूमने का भाव, भ्रमि ।

ਘੁੰਮਣ ਘੇਰ घुम्मण्-घेर् Ghummaṇ-gher [3] **स्त्री०**
घूर्णन (नपुं०) चक्कर, जल का आवर्त ।

ਘੁੰਮਣਾ घुम्म्णा Ghummṇā [3] **अक० क्रि०**
घूर्णते (भ्वादि अक०) घूमना, चक्कर लगाना, चक्राकार घूमना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਘੁਮਾਰ घुमार् Ghumār [3] पुं०
कुम्भकार (पुं०) कुम्हार, मिट्टी का पात्र गढ़ने वाला जाति-विशेष।

ਘੁਮਾਰੀ घुमारी Ghumārī [3] स्त्री०
कुम्भकारी (स्त्री०) कुम्हारिन, कुम्भकार की स्त्री।

ਘੁਮਿਆਰ घुम्यार् Ghumyār [3] पुं०
कुम्भकार (पुं०) कुम्हार, मिट्टी का पात्र गढ़ने वाला जाति-विशेष।

ਘੁਮਿਆਰੀ घुम्यारी Ghumyārī [3] स्त्री०
द्र०—ਘੁਮਾਰੀ।

ਘੁਲਣਾ[1] घुल्णा Ghulṇā [3] अक० क्रि०
घोरति (भ्वादि अक०) घुलना, मिलना।

ਘੁਲਣਾ[2] घुल्णा Ghulṇā [3] अक० क्रि०
घुरति (तुदादि अक०) कुश्ती में गुँथना, कुश्ती लड़ना; गुर्राना; घूरना।

ਘੁੜਸਾਲ घुड़्साल् Ghuṛsāl [3] पुं०
घोटकशाला (स्त्री०) घुड़शाला, घोटकशाला, अस्तबल।

ਘੂਰਨਾ घूर्ना Ghūrnā [3] अक० क्रि०
घूर्णते (भ्वादि / तुदादि अक०) घूरना; चक्राकार घूमना; सिर चकराना।

ਘੇ घे Ghe [3] पुं०
द्र०—ਘਿਉ।

ਘੋਸ਼ घोष् Ghoṣ [3] पुं०
घोष (पुं०) गर्जने का शब्द, ऊँची ध्वनि, ऊँची आवाज।

ਘੋਸ਼ਣਾ घोष्णा Ghoṣṇā [3] अक० क्रि०
घोषयति / ते (चुरादि सक०) घोषणा करना; ढिंढोरा पीटना; मन में विचार करना; रटना; प्रशंसा करना।

ਘੋਸ਼ਨਾ घोष्ना Ghoṣnā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਘੋਸ਼ਣਾ।

ਘੋਸੀ घोसी Ghosī [3] पुं०
घोष (पुं०) अहीरों की बस्ती।

ਘੋਹਾ घोहा Ghohā [3] पुं०
घोष (पुं०) घोषणा करने या जोर से बोलकर जताने का भाव।

ਘੋਗਾ घोगा Ghogā [3] पुं०
घोङ्घ (पुं०) घोंघा, नदी या तालाब के तट पर पाया जाने वाला जीव-विशेष, शम्बूक।

ਘੋਟਣਾ घोट्णा Ghoṭṇā [3] सक० क्रि०
घट्टयति / घोटते (चुरादि/भ्वादि सक०) घोटना; पीसना; रगड़ना; चूर्ण करना।

ਘੋਲਣਾ घोल्णा Gholṇā [3] सक० क्रि०
घोलयति/घोरयति (भ्वादि प्रेर०) घोलना; मिलाना।

ਘੋੜ घोड़् Ghoṛ [3] पुं०
द्र०—ਘੋੜਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਘੋੜਸਵਾਰ घोड़स्वार् Ghoṛ-svār [3] पुं०
घोटकाश्वारोह (पुं०) घुड़सवार, घोड़े की सवारी करने वाला।

ਘੋੜਸਵਾਰੀ घोड़्-स्वारी Ghoṛ-svārī [3] स्त्री०
घोटकाश्वारोहीय (नपुं०) घुड़सवारी, घोड़े की सवारी का कर्म या भाव।

ਘੋੜਾ घोड़ा Ghoṛā [3] पुं०
घोटक (पुं०) घोड़ा, अश्व।

ਘੋੜੀ घोड़ी Ghoṛī [3] स्त्री०
घोटकी (स्त्री०) घोड़ी, घोड़े की मादा।

ਘੌਣਾ घौणा Ghauṇā [3] सक० क्रि०
घर्षति (भ्वादि सक०) घिसना; पीसना; पेरना; रगड़ना।

ਘੰਗਾਲਣਾ घंगाल्णा Ghãgālṇā [3] सक० क्रि०
क्षालयति (चुरादि सक०) खंगालना, क्षालन करना, धोना, स्वच्छ करना।

ਘੰਗੋਲਣਾ घंगोल्णा Ghãgolṇā [1] सक० क्रि०
द्र०—ਘੰਗਾਲਣਾ।

ਘੰਟਕ घण्टक् Ghaṇṭak [3] पुं०
घण्टा (स्त्री०) घण्टा-घड़ियाल, एक वाद्यविशेष।

ਘੰਟਾ घण्टा Ghaṇṭā [3] पुं०
घण्टा (स्त्री०) हिलाकर बजाये जाने वाला घण्टा वाद्य।

ਘੰਟੀ घण्टी Ghaṇṭī [3] स्त्री०
घण्टी / घण्टिका (स्त्री०) छोटा घण्टा, घण्टी।

ਘੰਡਾ घण्डा Ghaṇḍā [1] पुं०
द्र०—ਘੰਟਾ।

ਘੰਡੀ घण्डी Ghaṇḍī [3] स्त्री०
घण्टिका (स्त्री०) पशु आदि के गले में बाँधे जाने वाली घण्टिका, घाँटी।

ਚ

ਚਸਕ चसक् Casak [1] पुं०
चषक (नपुं०) प्याला, पान-पात्र, शराब पीने का पात्र।

ਚਹਾ चहा Cahā [2] पुं०
चाष (पुं०) नीलकण्ठ पक्षी।

ਚਹੁੰ चहुँ Cahũ [3] वि०
चतुर् (वि०) चार, चार संख्या से युक्त।

ਚਹੇ चहे Cahe [1] पुं०
चक्षुस् (नपुं०) नेत्र, आँख।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਕਚੁੰਧਰ चक्चूँधर् Cakcūndhar [3] स्त्री०
द्र० — ਛਛੁੰਦਰ ।

ਚਕਰੀ चक्री Cakrī [3] स्त्री०
चक्रिका (स्त्री०) भँवरी, जलावर्त ।

ਚਕਲੀ चक्ली Caklī [3] स्त्री०
चक्रल (पुं०) घुमावदार गोल तथा चौड़ा चक्का ।

ਚਕਵਾ चक्वा Cakvā [3] पुं०
चक्रवाक (पुं०) चकवा, पक्षी-विशेष ।

ਚਕਵੀ चक्वी Cakvī [3] स्त्री०
चक्रवाकी (स्त्री०) चकवी, चकवे की मादा ।

ਚਕਾਰਾ[1] चकारा Cakārā [3] पुं०
छिक्कार (पुं०) कृष्णसार मृग; मृग-शावक ।

ਚਕਾਰਾ[2] चकारा Cakārā [3] पुं०
चीत्कार (पुं०) चिग्घाड़; शोर-गुल, हल्ला-गुल्ला ।

ਚਕੂੰਧਰ चकून्धर् Cakūndhar [2] स्त्री०
चुच्छुन्दरी (स्त्री०) छछुन्दरी, चूहे की जाति का प्राणी, मादा छछुन्दर ।

ਚਕੇਟੀ चकेटी Caketī [2] स्त्री०
चेटी (स्त्री०) चेरी, दासी ।

ਚਕੋਨਾ चकोना Cakonā [3] वि०
द्र०—ਚੋਕੋਨਾ ।

ਚਕੋਰ चकोर् Cakor [3] पुं०
चकोर (पुं०) चकोर पक्षी, पहाड़ी तीतर ।

ਚਕੋਰਾ चकोरा Cakorā [2] पुं०
चारक/परिचारक (पुं०) चाकर, नौकर ।

ਚੱਕ चक्क् Cakk [3] पुं०
चक्र (नपुं०, पुं०) चक्का, पहिया ।

ਚੱਕਰ चक्कर् Cakkar [3] पुं०
चक्र (नपुं, पुं०) गोल चक्का, पहिया; गोलाई में घूमने का भाव, चक्कर; जल की भौरी; देश; दिशा; आदेश ।

ਚੱਕਰਵਰਤੀ चक्कर्-वर्ती Cakkar-vartī [3] पुं०
चक्रवर्तिन् (पुं०) चक्रवर्ती; सम्राट् ।

ਚੱਕਰਵਿਊਹ चक्कर्-व्यूह् Cakkar-vyūh [3] पुं०
चक्रव्यूह (पुं०) चक्रव्यूह, युद्ध-भूमि में युद्ध करने की एक संरचना ।

ਚਕਰੀ चक्करी Cakkarī [3] स्त्री०
चक्री (स्त्री०) गेहूँ आदि पीसने की छोटी चक्की; चकरी ।

ਚੱਕਲਾ चक्क्ला Cakklā [3] पुं०
चक्र/चक्रल (नपुं०) चकला, रोटी बेलने की चौकी ।

ਚੱਕੀ चक्की Cakkī [3] स्त्री०
चक्री (स्त्री०) चक्की, गेहूँ आदि पीसने की चक्की ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਕ੍ਰਿਤ चक्रित् Cakrit [3] वि०
चकित (वि०) चकित, चौंका हुआ।

ਚਖਸ਼ੂ चख्शू Cakhśū [2] स्त्री०
चक्षुस् (नपुं०) चक्षु, आँख, नेत्र।

ਚਖਾਉਣਾ चखाउणा Cakhāuṇā [3] सक० क्रि०
चाषयति (भ्वादि प्रेर०) चखाना; खिलाना, भक्षण कराना।

ਚੱਖਣਾ चक्ख्णा Cakkhṇā [3] सक० क्रि०
चषति / ते (भ्वादि सक०) चखना स्वाद लेना।

ਚਚੀਂਡਾ चचींडा Cacīṇḍā [3] पुं०
चचेण्डा (स्त्री०) चीचीहड़ा, एक प्रकार की बेल और उसका फल जो पतला और लम्बा होता है तथा जिसकी सब्जी बनती है।

ਚਚੂੰਧਰ चचून्धर् Cacūndhar [3] स्त्री०
चुच्छुन्दरी (स्त्री०) छछुन्दरी, चूहे के आकार का एक जीव।

ਚਟਸਾਲ चट्साल् Caṭsāl [2] स्त्री०
चटुशाला (स्त्री०) पाठशाला, विद्यालय।

ਚਟਕਣਾ चटक्णा Caṭakṇā [3] अक० क्रि०
चाटयति (चुरादि अक०) चटकना, तड़क कर टूटना।

ਚਟਾਣਾ चटाणा Caṭāṇā [3] पुं०
चाटकेर (पुं०) चिड़िये का बच्चा।

ਚੱਠ[1] चट्ठ् Caṭṭh [3] स्त्री०
चष्टि (स्त्री०) भोजन; भोजनोत्सव।

ਚੱਠ[2] चट्ठ् Caṭṭh [3] पुं०
चैत्येष्टि (स्त्री०) घर की ईंट; गृह प्रवेश के समय का यज्ञ।

ਚਣਾ चणा Caṇā [3] पुं०
चणक (पुं०) चना अन्न।

ਚਤਰਾ चत्रा Catrā [3] वि०
चतुर (वि०) चतुर, चालाक, निपुण।

ਚਤੁਰ चतुर् Catur [3] वि०
चतुर (वि०) चतुर, चालाक।

ਚਤੁਰਤਾ चतुर्ता Caturtā [3] स्त्री०
चतुरता (स्त्री०) चतुरता, चतुराई, चातुरी।

ਚਤੁਰਭੁਜ चतुर्भुज् Caturbhuj [3] पुं०
चतुर्भुज (पुं०) चतुर्भुज भगवान् विष्णु।

ਚਤੁਰਭੁਜਾ चतुर्भुजा Caturbhujā [3] स्त्री०
चतुर्भजी (स्त्री०) चार भुजाओं वाली।

ਚਤੁਰਵਰਣ चतुर्-वरण् Catur-varaṇ [3] पुं०
चतुर्वर्ण (पुं०) चारों वर्ण, ब्राह्मण क्षत्रिय वैश्य और शूद्र जाति।

ਚਤੁਰਾਈ चतुराई Caturāī [3] स्त्री०
चातुरी (स्त्री०) चातुरी, चतुरता, चतुराई।

ਚਤੁਰਾਂਗ चतुराँग् Caturāg [3] पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

चतुरङ्ग (नपुं०) चतुरङ्गिनी सेना जिसमें रथ, हाथी, और घोड़ों के अतिरिक्त पैदल सेना भी रहती है।

ਚਨਾਠੀ चनाठी Canāṭhī [3] **स्त्री०**
चन्दनकाष्ठ (नपुं०) चन्दन की लकड़ी का छोटा भाग, चन्दन की गेंड़ी।

ਚਪੇਟ चपेट् Capeṭ [3] **स्त्री०**
द्र०—ਚਪੇੜ।

ਚਪੇਟਾ चपेटा Capeṭā [1] **पुं०**
द्र०—ਚਪੇੜ।

ਚਪੇੜ चपेड़् Capeṛ [3] **स्त्री०**
चपेटा (स्त्री०) चपेटा, थप्पड़।

ਚਪੇੜਨਾ चपेड़्ना Capeṛnā [3] **सक० क्रि०**
चपेटयति (नामधातु सक०) चपेटा मारना, थप्पड़ लगाना, झापड़ देना।

ਚਬਾਉਣਾ[1] चबाउणा Cabāuṇā [3] **सक० क्रि०**
चर्बयति (भ्वादि प्रेर०) चबवाना, चर्बण कराना, खिलाना।

ਚਬਾਉਣਾ[2] चबाउणा Cabāuṇā [3] **सक० क्रि०**
चर्बति (भ्वादि सक०) चबाना; खाना।

ਚਬਾਣਾ चबाणा Cabāṇā [3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਚਬਾਉਣਾ[2]।

ਚਬੀਣਾ चबीणा Cabīṇā [3] **वि०**
चर्वणीय (वि०) चबाने योग्य वस्तु, भूने हुये दाने आदि।

ਚਬੂਤਰਾ चबूत्रा Cabūtrā [3] **पुं०**
चत्वर (नपुं०) चबूतरा, समतल भूमि, चौराहा।

ਚੱਬਣ चब्बण् Cabbaṇ [3] **पुं०**
चर्वण (नपुं०) चबाने का भाव।

ਚੱਬਣਾ चब्बणा Cabbṇā [3] **सक० क्रि०**
चर्बति (भ्वादि सक०) चबाना, चर्बण करना, खाना।

ਚਮਕਣਾ चमक्णा Camakṇā [3] **अक० क्रि०**
चमत्करोति (तनादि / अदादि अक०) चमकना, प्रकाशित होना।

ਚਮਕਾਰ चम्कार Camkār [3] **पुं०**
चमत्कार (पुं०) चमकार, प्रभा, प्रकाश।

ਚਮਜੂੰ चम्जूं Camjū [3] **स्त्री०**
चर्मयूका (स्त्री०) चमड़ी में लिपटने वाली जूं।

ਚਮਰ चमर् Camar [3] **स्त्री०**
चमरी (स्त्री०) चमरी गाय, जिसके बाल का चँवर बनता है।

ਚਮੜਾ चम्ड़ा Camṛā [3] **पुं०**
चर्मन् (नपुं०) चमड़ा, खाल, चमड़ी, त्वचा।

ਚਮਾਰ चमार् Camār [3] **पुं०**
चर्मकार (पुं०) चमार, चमड़े का काम करने वाला।

ਚਮਾਰੀ चमारी Camārī [3] **स्त्री०**

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

चर्मकारी (स्त्री०) चमारिन, चमार या हरिजन की पत्नी।

ਚਮਿਯਾਰ चम्यार् Camyār [3] पुं०
द्र०—ਚਮਾਰ।

ਚਮਿਆਰੀ चम्यारी Camyārī [3] स्त्री०
द्र०—ਚਮਾਰੀ।

ਚਮੇਲੀ चमेली Cameli [3] स्त्री०
द्र०—ਚੰਬੇਲੀ।

ਚਮੇੜਨਾ चमेड़्ना Cameṛnā [3] सक० क्रि०
चर्पयति (चुरादि सक०) चिपकाना, सटाना।

ਚਮੋਟਾ चमोटा Camoṭā [1] पुं०
चर्मपट्ट (पुं०) चर्मरज्जु, चमड़े का पट्टा।

ਚਰਕਣਾ चर्क्णा Carkṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਚਟਕਣਾ।

ਚਰਜ चरज् Caraj [3] पुं०
द्र०—ਅਸਚਰਜ।

ਚਰਣ चरण् Caraṇ [3] पुं०
चरण / आचरण (नपुं०) आचरण, व्यवहार।

ਚਰਣਾਠੀ चर्णाठी Carṇāṭhī [2] स्त्री०
द्र०—ਚਨਾਠੀ।

ਚਰਣਾਮਤ चर्णामत् Carṇāmat [3] पुं०
चरणामृत (नपुं०) चरणामृत, चरणोदक, मन्दिर में भगवान् के चरणों का धोवन जल।

ਚਰਨਾ चर्ना Carnā [3] सक० क्रि०
चरति (भ्वादि सक०) चरना, खाना; आचरण करना; जाना।

ਚਰਨਾਠੀ चर्नाठी Carnāṭhī [3] स्त्री०
द्र०—ਚਨਾਠੀ।

ਚਰਮਖ चर्मख् Carmakh [2] पुं०
चर्माक्ष (नपुं०) चरखे के तकुले की आधारभूत कीली।

ਚਰਵਾਹਾ चर्वाहा Carvāhā [3] पुं०
चरवाह (वि०) चरवाहा, पशु चराने वाला।

ਚਰਵਾਕ चर्वाक् Carvāk [1] पुं०
द्र०—ਚਰਵਾਹਾ।

ਚਰਾਉਣਾ चराउणा Carāuṇā [3] सक० क्रि०
चारयति (भ्वादि प्रेर०) चराना, खिलाना; भेजना।

ਚਰਾਹਾ चराहा Carāhā [1] पुं०
द्र०—ਚਰਵਾਹਾ।

ਚਲਣਾ चल्णा Calṇā [3] अक० क्रि०
चलति (भ्वादि अक० / सक०) अक०—चलना, हिलना-डुलना, काँपना। सक०—जाना।

ਚਲਾਉਣਾ चलाउणा Calāuṇā [3] सक० क्रि०
चलयति / चालयति (भ्वादि प्रेर०) चलाना, हिलाना-डुलाना, कँपाना; भेजना, गति देना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਲਾਉ चलाऊ Calāū [3] पुं०
चालक (वि०) चलाने वाला, चालक।

ਚਲਾਇਮਾਨ चलाइमान् Calāimān [3] वि०
चलायमान (वि०) चलायमान, चञ्चल, अस्थिर।

ਚਲਾਣਾ चलाणा Calāṇā [3] पुं०
चलन (नपुं०) प्रयाण; मौत, मृत्यु।

ਚਲਿੱਤਰ चलित्तर् Calittar [3] पुं०
चरित्र (नपुं०) चरित्र, चाल-चलन; वृत्तान्त।

ਚਲੀਠਾ चलीठा Calīṭhā [3] पुं०
चणपिष्ठ (नपुं०) चने का आटा, चूर्ण, बेसन।

ਚੱਲਣਾ चल्लणा Callṇā [3] अक० क्रि०
चलति (भ्वादि अक० / सक०) अक०—चलना, हिलना - डुलना; काँपना। सक०—जाना।

ਚਵ੍ਹੀ चव्ही Cavhī [3] वि०
चतुर्विंशति (स्त्री०) चौबीस (24); चौबीस वस्तुयें।

ਚਾਉ चाउ Cāu [3] पुं०
उत्साह (पुं०) उत्साह, उमंग, आनन्द की लहर।

ਚਾਉਣਾ चाउणा Cāuṇā [2] सक० क्रि०
चाययति / उत्थापयति (भ्वादि प्रेर०) उठाना; खड़ा करना।

ਚਾਕਰ चाकर् Cākar [3] पुं०
चारक (पुं०) परिचारक, नौकर, सेवक।

ਚਾਕੀ चाकी Cākī [3] स्त्री०
चक्रिका/चक्री (स्त्री०) आटा पीसने का यन्त्र, चक्की।

ਚਾਟ चाट् Cāṭ [2] स्त्री०
चपेटा (स्त्री०) चाँटा, चपेटा, चपत, थप्पड़।

ਚਾਣਾ चाणा Cāṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਚਾਉਣਾ।

ਚਾਤਰਤਾਈ चातर्ताई Cātartāī [1] स्त्री०
द्र०—ਚਤੁਰਾਈ।

ਚਾਤੁਰ चातुर् Cātur [3] वि०
चतुर (वि०) चतुर, चालाक, निपुण।

ਚਾਂਦੀ चाँदी Cādī [3] स्त्री०
चान्द्री (स्त्री०) चाँदी, धातु-विशेष।

ਚਾਨਣ चानण् Cānaṇ [3] पुं०
चान्द्री (वि०) चाँदनी, चन्द्र-किरण; प्रकाश, रोशनी।

ਚਾਨਣਾ चान्णा Cānṇā [2] वि०
द्र०—ਚਾਨਣ।

ਚਾਨਣੀ चान्णी Cānṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਚਾਨਣ।

ਚਾਰ चार् Cār [3] वि०
चतुर (वि०) चार संख्या से युक्त।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਾਰਵਾਕ चार्वाक् Cārvāk [3] पुं०
चार्वाक (पुं०) चार्वाक, नास्तिक ।

ਚਾਰਵਾਕੀਆ चार्वाकिआ Cārvākiā [3] पुं०
चार्वाकीय (वि०) चार्वाक सम्प्रदाय का, चार्वाक से सम्बन्धित ।

ਚਾਰੇਪਹਿਰ चारेपैह्र् Cārepaihr [3] क्रि० वि०
चतुःप्रहर (नपुं०) चार पहर, दिन भर ।

ਚਾਲ चाल् Cāl [3] स्त्री०
चल्या (स्त्री०) व्यवहार, चाल-चलन; गति; रीति ।

ਚਾਲਾ चाला Cālā [3] पुं०
चाल (पुं०) चाल-चलन; व्यवहार; रीति; गति ।

ਚਾਲੀ चाली Cālī [3] वि०
चत्वारिंशत् (स्त्री०) चालीस संख्या; चालीस वस्तुयें ।

ਚਾਵਲ चावल् Cāval [3] पुं०
तण्डुल (पुं०) चावल, तुष रहित धान ।

ਚਿਕਣਾ चिक्णा Cikṇā [3] पुं०
चिक्कण (वि०) चिकना, मुलायम, मसृण, पिच्छिल ।

ਚਿਕਨਾ चिक्ना Ciknā [1] पुं०
द्र०—ਚਿਕਣਾ ।

ਚਿੰਕਾਰ चिंकार् Ciṅkār [3] पुं०
चीत्कार (पुं०) चिग्घाड़, चिल्लाने का शब्द, चिल्लाहट ।

ਚਿਕਾਰਾ चिकारा Cikārā [2] पुं०
द्र०—ਚਕਾਰਾ[2] ।

ਚਿਕਿਤਸਕ चिकित्सक् Cikitsak [3] पुं०
चिकित्सक (पुं०) चिकित्सक, वैद्य, डाक्टर, हकीम ।

ਚਿਕਿਤਸਾ चिकित्सा Cikitsā [3] स्त्री०
चिकित्सा (स्त्री०) चिकित्सा, इलाज, उपचार ।

ਚਿੱਕੜ चिक्कड़् Cikkaṛ [3] पुं०
चिकिल (पुं०) कीचड़, पङ्क ।

ਚਿੱਟਾ चिट्टा Citṭā [3] पुं०
श्वित्र (वि०) गोरा, गौर, सफेद ।

ਚਿਣਨਾ चिण्ना Ciṇnā [3] सक० क्रि०
चिनोति (स्वादि सक०) जड़ना; इकट्ठे करना; जोड़ना ।

ਚਿਤਕਬਰਾ चित्-कब्रा Cit-kabrā [3] पुं०
चित्रकर्बुर (वि०) चितकबरा, अनेक रंगों से युक्त; धब्बेदार ।

ਚਿੰਤਨ चिन्तन् Cintan [3] पुं०
चिन्तन (नपुं०) चिन्तन, ध्यान, स्मृति-जनक मानसिक विचार ।

ਚਿਤਰਾ चित्रा Citrā [3] पुं०
चित्रक (पुं०) चीता, एक जंगली जानवर ।

ਚਿਤਲਾ चित्ला Citlā [2] पुं०
चित्रक (वि०) धब्बेदार, चितकबरा ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਿਤਵਾ चित्वा Citvā [3] पुं०
द्र०—ਚਿਤਰਾ ।

ਚਿੰਤਾ चिन्ता Cintā [3] स्त्री०
चिन्ता (स्त्री०) चिन्ता, सोच, शोक; ध्यान, चिन्तन ।

ਚਿਤਾਉਣਾ चिताउणा Citāuṇā [3] सक० क्रि०
चेतयति (भ्वादि/चुरादि प्रेर०) सावधान करना, चेताना; होश में लाना ।

ਚਿਤਾਸਾ चितासा Citāsā [1] पुं०
चित्ताशय (पुं०) हृदयस्थल, हृद्देश; अन्तःकरण का अभिप्राय ।

ਚਿੰਤਾਤੁਰ चिन्तातुर् Cintātur [3] वि०
चिन्तातुर (वि०) चिन्तातुर, चिन्ता से व्याकुल, शोकाकुल ।

ਚਿੰਤਿਤ चिन्तित् Cintit [3] वि०
चिन्तित (वि०) चिन्तित, चिन्तायुक्त, चिन्तातुर ।

ਚਿਤੇਰਾ चितेरा Citerā [3] पुं०
चित्रकार (पुं०) चित्रकार; रङ्गसाज, रञ्जक; नक्कास ।

ਚਿਤੌੜ चितौड़् Citauṛ [3] पुं०
चतुष्कोट (पुं०) चित्तौड़, राजस्थान प्रान्त का एक क्षेत्र ।

ਚਿੱਤ चित्त् Citt [3] पुं०
चित्त (नपुं०) चित्त, अन्तःकरण, मन ।

ਚਿੱਤਣਾ चित्त्णा Cittṇā [3] सक० क्रि०
चित्रयति (चुरादि सक०) रँगना; सजाना; चित्र बनाना ।

ਚਿੱਤਬਿਰਤੀ चित्तबिर्ती Cittabirtī [3] स्त्री०
चित्तवृत्ति (स्त्री०) चित्तवृत्ति, प्रवृत्ति; झुकाव, रुझान ।

ਚਿੱਤਰਕਲਾ चित्तर्कला Cittarkalā [3] स्त्री०
चित्रकला (स्त्री०) चित्रकला, चित्र बनाने, रँगने या सजाने की कला ।

ਚਿੱਤਰਕਾਰ चित्तर्कार् Cittarkār [3] पुं०
चित्रकार (पुं०) चित्र रँगने या सजाने वाला ।

ਚਿੱਤਰਨਾ चित्तर्ना Cittarnā [3] सक० क्रि०
चित्रयति (चुरादि सक०) चित्र बनाना, चित्रित करना ।

ਚਿੱਤਰਾ चित्त्रा Cittrā [3] पुं०
चित्र (नपुं०) चित्र, तस्वीर ।

ਚਿੱਤਾ चित्ता Cittā [3] पुं०
चित्रक (पुं०) चीता, जंगल का पशु-विशेष ।

ਚਿਤ੍ਰੇਰਾ चित्रेरा Citrerā [3] पुं०
द्र०—ਚਿਤੇਰਾ ।

ਚਿੰਨ੍ਹ चिन्ह् Cinnh [3] पुं०
चिह्न (नपुं०) चिह्न, लक्षण, निशान ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਿੱਭੜ चिब्भड़् Cibbhaṛ [2] पुं०
चिर्भट (नपुं०) खरीफ की फसल में होने वाला एक फल जो खटमीठा होता है।

ਚਿਰ चिर् Cir [3] क्रि० वि०
चिर (क्रि० वि०) बहुत दिन का, बहुत समय बाद, देरी, विलम्ब।

ਚਿਰਕ चिरक् Cirak [2] क्रि० वि०
चिरकाल (नपुं०) चिरकाल से, दीर्घकाल से, बहुत समय बाद।

ਚਿਰਕਾਲ चिर्काल् Cirkāl [3] क्रि० वि०
चिरकाल (नपुं०) चिरकाल से, बहुत देर बाद, अति विलम्ब से।

ਚਿਰਾਇਤਾ चिराइता Cirāitā [3] पुं०
चिरतिक्त (नपुं०) चिरायता, पहाड़ों पर होने वाली एक औषधि जो कड़वी और खुश्क होती है तथा ज्वर में दवा के काम आती है।

ਚਿਰਾਕਾ चिराका Cirākā [3] क्रि० वि०
द्र०—चिरकाल।

ਚਿਰੀਂ चिरीं Cirī [1] क्रि० वि०
द्र०—चिर।

ਚਿਰੋਕਣਾ चिरोक्णा Cirokṇā [3] वि०
चिरन्तन (वि०) चिरन्तन, पुराना, प्राचीन, चिरकालिक।

ਚਿਰੰਕਾਲ चिरंकाल् Cirankāl [3] क्रि० वि०
द्र०—चिरकाल।

ਚਿਰੰਜੀਵੀ चिरंजीवी Cirañjīvī [3] वि०
चिरजीविन् (वि०) चिरजीवी, बहुत दिनों तक जीनेवाला।

ਚਿਲਮਿਲਾ चिल्मिला Cilmilā [3] स्त्री०
चिलमिलिका (स्त्री०) विद्युत्, बिजली।

ਚਿੜਾ चिड़ा Ciṛā [3] पुं०
चटक (पुं०) चिड़कला, गौरैया।

ਚਿੜਾਉਣਾ चिड़ाउणा Ciṛāuṇā [3] सक० क्रि०
चण्डयति (भ्वादि प्रेर०) चिढ़ाना, क्रुद्ध, करना, कुपित करना।

ਚਿੜੀ चिड़ी Ciṛī [3] स्त्री०
चटका (स्त्री०) चिड़ी, चिरई, मादा, गौरैया।

ਚੀਹੜਾ चीह्ड़ा Cīhṛā [3] पुं०
चीडा (वि०) कठोर स्वभाव का, चिड़चिड़ा।

ਚੀਕ चीक् Cīk [3] स्त्री०
चीत्कार (पुं०) चीत्कार, चीख।

ਚੀਕਣਾ[1] चीक्णा Cīkṇā [3] पुं०
द्र०—चिकणा।

ਚੀਕਣਾ[2] चीक्णा Cīkṇā [3] अक० क्रि०
चीत्करोति (तनादि अक०) चीखना, चिल्लाना।

ਚੀਕੁਣਾ चीकुणा Cīkuṇā [3] पुं०
द्र०—चिरणा।

ਚੀਜਵਹੁਟੀ चीज्बहुटी Cījvahuṭī [3] स्त्री०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

इन्द्रवधू (स्त्री०) वीरबहूटी, बरसात में होने वाला एक कीड़ा जिसके रोयें मखमल जैसे होते हैं।

ਚੀਂਟਾ चींटा Cīṭā [1] पुं०

चिण्टक (पुं०) चींटा, नर चींटी।

ਚੀਂਟੀ चींटी Cīṭī [3] स्त्री०

चिण्टकी (स्त्री०) चींटी, एक छोटा कीड़ा।

ਚੀਣਾ चीणा Cīṇā [3] पुं०

चीन (पुं०) चीना, अन्न-विशेष।

ਚੀਤਰ चीतर् Cītar [3] पुं०

चित्रमृग (पुं०) चितकबरा मृग, धब्बेदार हिरन।

ਚੀਤਾ चीता Cītā [3] पुं०

चित्रक (पुं०) चीता, जंगली पशु-विशेष।

ਚੀਰ चीर् Cīr [3] पुं०

चीर (नपुं०) फटा-पुराना वस्त्र, चिथड़ा; धज्जी; छिद्र।

ਚੀਰਣਾ चीर्णा Cīrṇā [3] सक० क्रि०

चीरयति (नामधातु सक०) चीरना, फाड़ना, टुकड़े करना।

ਚੀਰਨਾ चीर्ना Cīrnā [3] सक० क्रि०

द्र०—चीरणा।

ਚੀਲ चील् Cīl [3] स्त्री०

चीडा > चिल्ला (स्त्री०) सरल वृक्ष, तारपीन का वृक्ष।

ਚੀਲ੍ਹ चील्ह् Cīlh [2] स्त्री०

चिल्लि (पुं०) चील्ह, एक प्रकार का शिकारी पक्षी।

ਚੀੜ੍ਹ[1] चीढ़ Cīṛh [3] स्त्री०

द्र०—चील।

ਚੀੜ੍ਹ[2] चीढ़ Cīṛh [3] स्त्री०

चीड (पुं०) चिड़चिड़ापन; ढिठाई, धृष्टता।

ਚੀੜ੍ਹਾ चीढ़ा Cīṛhā [3] पुं०

चीड (वि०) कठोर स्वभाव का, चिड़चिड़े स्वभाव का।

ਚੁਆਉਣਾ चुवाउणा Cuvāuṇā [3] सक० क्रि०

च्योतयति (भ्वादि प्रेर०) चुवाना, टपकाना, बूँद-बूँद गिराना।

ਚੁਸਾਈ चुसाई Cusāī [3] स्त्री०

चूषण (नपुं०) चुसाई, चूसने का भाव।

ਚੁਹੱਤਰ चुहत्तर् Cuhattar [3] वि०

चतुस्सप्तति (स्त्री०) चौहत्तर 74, चौहत्तर संख्या से युक्त।

ਚੁਹੱਤਰਮਾਂ चुहत्तर्माँ Cuhattarmā̃ [3] वि०

चतुःसप्ततितम / चतुसप्तत (वि०) चौहत्तरवाँ।

ਚੁਹੱਤਰਵਾਂ चुहत्तर्वाँ Cuhattarvā̃ [3] वि०

चतुःसप्ततितम / चतुःसप्तत (वि०) चौहत्तरवाँ।

ਚੁਕਾਠ चुकाठ् Cukāṭh [2] स्त्री०

चतुष्काष्ठ (नपुं०) चौकठ, ड्योढ़ी, दरवाजा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚੁਕੰਨਾ चुकन्ना Cukannā [3] पुं०
चतुष्कर्ण (वि०) चौकन्ना, सावधान।

ਚੁਗਾਠ चुगाठ् Cugāṭh [3] स्त्री०
चतुष्काष्ठ (नपुं०) चौखट, द्वार-फ्रेम; ड्योढ़ी।

ਚੁੰਗੀ चुंगी Cuṅgī [3] स्त्री०
शुल्क (नपुं०, पुं०) चुंगी, कर, टैक्स।

ਚੁੰਘਣਾ चुंघ्णा Cuṅghṇā [3] सक० क्रि०
चूषति (भ्वादि सक०) चूसना।

ਚੁੰਘੜੀਆ चुंघड़िआ Cuṅghaṛiā [3] पुं०
चातुर्घटिक (वि०) चौघड़िया, चार घटी काल का मुहूर्त्त।

ਚੁੰਝ चुंझ् Cuñjh [3] स्त्री०
चञ्चु > चुञ्च (स्त्री०) चोंच, चंचु, पक्षियो के मुख का अग्रभाग।

ਚੁੰਝ-ਗਿਆਨ चुंझ्-ग्यान् Cuñjh-gyān [3] पुं०
चञ्चुज्ञान (नपुं०/वि०) नपुं०—अल्पज्ञान। वि०—थोड़ी जानकारी वाला।

ਚੁਟਕੀ चुट्की Cuṭkī [3] स्त्री०
छोटिका (स्त्री०) चुटकी, अंगुष्ठ और मध्यमा अंगुलियों का अग्रभाग या उससे की गयी ध्वनि अथवा उसका परिमाण।

ਚੁਟੀਆ चुटिया Cuṭiyā [3] स्त्री०
चोटी (स्त्री०) शिर की चोटी, शिखा।

ਚੁੱਡ चुड्ड् Cuḍḍ [3] स्त्री०
चुत (पुं०) चूत, भग, योनि; गुदाद्वार।

ਚੁਣਨਾ चुण्ना Cuṇnā [3] सक० क्रि०
चिनोति (स्वादि सक०) चुनना, बटोरना, संग्रह करना।

ਚੁਤਾਲਾ चुताला Cutālā [3] पुं०
चतुस्ताल (पुं०) चौताल, संगीत का एक विशेष गान और ताल।

ਚੁਤਾਲੀ चुताली Cutālī [3] वि०
चतुश्चत्वारिंशत् (स्त्री०) चौवालीस, 44 संख्या या इससे युक्त वस्तु।

ਚੁੱਤੜ चुत्तड़् Cuttaṛ [3] पुं०
चुततर (पुं०) चूतर, नितम्ब, कमर का पिछला उभरा हुआ भाग।

ਚੁਥਾਈ चुथाई Cuthāī [3] स्त्री०
चतुर्थपादिका (स्त्री०) चौथाई, चौथा भाग।

ਚੁਧਰਾਣੀ चुध्राणी Cudhrāṇī [3] स्त्री०
चतुर्धुरीणा (स्त्री०) चौधराइन, चौधरी की पत्नी।

ਚੁਧਰਿਆਣੀ चुध्र्याणी Cudhryāṇī [1] स्त्री०
द्र०—ਚੁਧਰਾਣੀ।

ਚੁਪੱਤਾ चुपत्ता Cupattā [3] पुं०
चतुष्पत्र (नपुं०/पुं०) नपुं०—चार पत्तों का समूह। पुं०—एक पौधा जिसके वृन्त में चार-चार पत्ते साथ रहते हैं।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚੁਪੱਤੀ चुपत्ती Cupattī [3] स्त्री०
चतुष्पत्री (स्त्री०) जिसके वृन्त में चार-चार पत्ते साथ रहते हैं, चार पत्तों का समूह।

ਚੁਪਾਇਆ चुपाइआ Cupāiā [3] पुं०
चतुष्पाद (पुं०) चौपाया, पशु, जानवर।

ਚੁਪਾਈ चुपाई Cupāī [3] स्त्री०
चतुष्पदी (स्त्री०) चौपाई, हिन्दी का एक छन्द, चार पदों वाला श्लोक जिसमें 32 अक्षर होते हैं।

ਚੁਪੇੜ चुपेड़् Cupeṛ [3] स्त्री०
द्र०—ਚਪੇੜ।

ਚੁਬਾਰਾ चुबारा Cubārā [3] पुं०
चतुर्द्वार (वि०/नपुं०) वि०—चार द्वारों वाला, जिसमें चारों ओर से दरवाजे हों। नपुं०—चार दरवाजे, चार द्वारों का समूह।

ਚੁੰਮਣ चुम्मण् Cummaṇ [3] पुं०
चुम्बन (नपुं०) चुम्बन, चूमने का भाव।

ਚੁੰਮਣਾ चुम्मणा Cummṇā [3] सक० क्रि०
चुम्बति / ते (भ्वादि सक०) चूमना, चुम्बन करना।

ਚੁਮਾਸਾ चुमासा Cumāsā [3] पुं०
चातुर्मास्य (नपुं०) चौमासा, वर्षा ऋतु के चार मास; इस काल में किया जाने वाला एक पौराणिक व्रत; कार्तिक, फाल्गुन और आषाढ़ के प्रारम्भ में अनुष्ठेय यज्ञ-विशेष।

ਚੁਮਾਹਾ चुमाहा Cumāhā [3] पुं०
द्र०— ਚੁਮਾਸਾ।

ਚੁੰਮੀ चुम्मी Cummī [3] स्त्री०
चुम्बन (नपुं०) चुम्बन, चूमने का भाव।

ਚੁਮੁਖੀਆ चुमुखिआ Cumukhiā [3] वि०
द्र०—ਚੁਮੁੱਖਾ।

ਚੁਮੁੱਖਾ चुमुक्खा Cumukkhā [3] वि०/पुं०
चतुर्मुख (वि०/पुं०/नपुं०) वि०—चौमुख, चार मुखों वाला। पुं०—ब्रह्मा, विधाता। नपुं०—चार द्वारों वाला घर।

ਚੁਰਸਤਾ चुरस्ता Curastā [3] पुं०
चतुष्पथ (पुं०) चौराहा, चौमुहानी।

ਚੁਰਾਉਣਾ चुराउणा Curāuṇā [3] सक० क्रि०
चोरयति / ते (चुरादि सक०) चुराना, चोरी करना।

ਚੁਰਾਸੀ चुरासी Curāsī [3] वि०
चतुरशीति (स्त्री०) चौरासी, 84 संख्या या इससे युक्त।

ਚੁਰਾਸੀਵਾਂ चुरासिवाँ Crāsivā̃ [3] वि०
चतुरशीतितम (वि०) चौरासीवाँ।

ਚੁਰਾਹਾ चुराहा Curāhā [3] पुं०
चतुष्पथ (पुं०) चौराहा; चौमुहानी।

ਚੁਰਾਨਵੇਂ चुरान्वें Curānvē [3] वि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

चतुर्णवति (स्त्री०) चौरानवें, 94 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਚੁਰੰਗਾ चुरंगा Curṅgā [3] पुं०
चतूरङ्ग (वि०) चौरंगा, चार रंगों वाला ।

ਚੁਰੰਜਾ चुरंजा Curañjā [3] वि०
चतुःपञ्चाशत् (स्त्री०) चौवन, 54 संख्या से परिच्छिन्न कोई वस्तु ।

ਛਨਿੱਛਰ छनिच्छर् Chanicchar [2] पुं०
शनैश्चर (पुं०) शनिग्रह; शनिवार ।

ਚੁਲਾ चुला Culā [3] पुं०
चुलुक (पुं०) चुल्लू, अञ्जलि; छोटा बर्तन ।

ਚੁਲੀ चुली Culī [3] स्त्री०
चुलुक (पुं०) चुल्लू, मुँहभर जल; अञ्जली ।

ਚੁੱਲ੍ਹ चुल्ह् Cullh [2] पुं०
चुल्लि (स्त्री०) बड़ा चूल्हा ।

ਚੁਲ੍ਹਾ चुल्हा Culhā [3] पुं०
चुल्लि (स्त्री०) चूल्हा ।

ਚੁੱਲ੍ਹੀ चुल्ही Cullhī [1] स्त्री०
चुल्लिका (स्त्री०) चुल्ही, छोटा चूल्हा ।

ਚੂਸਣਾ चूस्णा Cūsṇā [2] सक० क्रि०
चूषति (भ्वादि सक०) चूसना ।

ਚੂਸੂ चूसू Cūsū [3] वि०
चूषक (वि०) चूसने वाला ।

ਚੂਚੀ चूंची Cucī [3] स्त्री०
चूचुक (नपुं०) स्तन, स्तनाग्रभाग, चूची के ऊपर की घुण्डी ।

ਚੂੰਡਣਾ चूण्ड्णा Cūṇḍṇā [3] सक० क्रि०
चुण्टति/चुण्टयति (भ्वादि/चुरादि सक०) चूर-चूर करना; कतरना; तोड़ना; चुंटिया भरना; नोचना ।

ਚੂੰਡਾ चूण्डा Cūṇḍā [3] पुं०
चूडा (स्त्री०) जूड़ा; चोटी; चुटिया; चूडाकरण संस्कार; मुर्गा या मोर के सिर की कलँगी ।

ਚੂੰਡੀ चूण्डी Cūndī [3] स्त्री०
चुण्टा/चुण्डा (स्त्री०) चूँटी; थोड़ी सी मात्रा; हौज; छोटा कुआँ; छोटी तलैया ।

ਚੂਨ चून् Cūn [3] पुं०
चूर्ण (नपुं०) चून, गेहूँ आदि का पिसा हुआ आटा; चूरा; धूल ।

ਚੂਨਾ चूना Cūnā [3] पुं०
चूर्ण (पुं०) चूना, खड़िया ।

ਚੂਰ चूर् Cūr [3] पुं०
चूर्ण (नपुं०) बारीक कण; धूलि ।

ਚੂਰਣਾ चूर्णा Cūrṇā [3] सक०/अक० क्रि०
चूर्यते (दिवादि सक०/अक०) सक०—चूर्ण करना, धूल बना देना; जलाना, भस्म करना । अक०—चूरना; दाल आदि का गलना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚੂਰਨ चूरन् Cūran [3] पुं०
चूर्ण (नपुं०) चूर्ण, चूरन, घिसा हुआ चन्दन; खुशबूदार चूर्ण; धूवल।

ਚੂਰਨਾ चूर्ना Cūrnā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਚੂਰਣਾ।

ਚੂਰਾ चूरा Cūrā]3] पुं०
चूर्ण (पुं०, नपुं०) चूर्ण, चूरा; खुशबूदार चूर्ण, पावडर।

ਚੂਲ चूल् Cūl [3] पुं०
क्षुद्र/छिद्र (नपुं०) चूल, लकड़ी आदि के पाये इत्यादि का छिद्र।

ਚੂੜ चूड़् Cūṛ [3] स्त्री०
चूडा (स्त्री०) चोटी, शिखा; कलँगी।

ਚੂੜਾ चूड़ा Cūṛā [3] पुं०
चूडा (स्त्री०) कलाई का आभूषण, चूड़ी; कंकण, वलय।

ਚੂੜਾਮਣੀ चूड़ामणी Cūṛāmaṇī [3] पुं०
चूडामणि (पुं०) चूड़ामणि या जूड़े में धारण करने का मणिजटित आभूषण-विशेष; सर्वोत्तम, सर्वोत्कृष्ट।

ਚੂੜੀ चूड़ी Cūṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਚੂੜਾ।

ਚੇਸ਼ਟਾ चेश्टा Ceśṭā [3] स्त्री०
चेष्टा (स्त्री०) यत्न, उद्योग; हाव-भाव; आचरण।

ਚੇਤ चेत् Cet [3] पुं०
चैत्र (पुं०) चैत्र मास जिससे नया विक्रम संवत् प्रारम्भ होता है।

ਚੇਤਕੀ चेत्की Cetkī [3] स्त्री०
चैत्रकीय (वि०) चैत महीने में पकने वाली फसल।

ਚੇਤਣਾ चेत्णा Cetṇā [3] सक० क्रि०
चेतयते (चुरादि सक०) चिन्तन करना, विचार करना; स्मरण करना।

ਚੇਤਨ चेतन् Cetan [3] वि०/पुं०
चेतन (वि०/पुं०) वि०—चेतन, सजीव, जीवित; दृश्यमान्। पुं०—जीवित प्राणी; जीवात्मा; मन; परमात्मा।

ਚੇਤਨਤਾ चेतन्ता Cetantā [3] स्त्री०
चेतनता (वि०) चेतनता, संज्ञा; समझ; सजीवता।

ਚੇਤਰ चेतर् Cetar [3] पुं०
चैत्र (पुं०) चैत्र मास, जिससे नये विक्रम संवत् का प्रारम्भ होता है।

ਚੇਤੀ चेती Cetī [3] वि०
चैत्रीय (वि०) चैत्रमास से संबन्धित या उस मास में पकने वाली फसल।

ਚੇਤੰਨ चेतन्न् Cetann [3] वि०
चेतन (वि०) चेतन, सजीव, जीवित।

ਚੇਤੱਨੀ चेतन्नी Cetannī [3] स्त्री०
चतन्य (नपुं०) चेतनता, सजीवता, संज्ञा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚੇਰਾ चेरा Cerā [1] पुं०
चेट (पुं०) दास, नौकर।

ਚੇਲਾ चेला Celā [3] पुं०
चेटक (पुं०) चेला, शिष्य।

ਚੋਸਾ चोसा Cosā [3] वि०
चोष्य (वि०) चूसने योग्य, स्वादिष्ट, स्वादु, रुचिकर।

ਚੋੱਖਾ चोक्खा Cokkhā [3] पुं०
चोक्ष (वि०) अच्छा; साफ-सुथरा; शुद्ध; सच्चा; चतुर; प्रिय; मनोहर; तेज।

ਚੋਜ चोज् Coj [3] पुं०
चेतोज (पुं०) उत्साह; कौतुक।

ਚੋਟ चोट् Coṭ [3] स्त्री०
चोट (पुं०) चोट, घाव, जख्म; आघात।

ਚੋਟੀ चोटी Coṭī [2] स्त्री०
चूडा (स्त्री०) शिखर, चोटी; शिखा, चुटिया; केशों का जूड़ा।

ਚੋਣਾ[1] चोणा Coṇā [3] अक० क्रि०
च्यवते (भ्वादि अक०) चूना, रिसना टपकना।

ਚੋਣਾ[2] चोणा Coṇā [3] सक० क्रि०
च्यावयति/ते (भ्वादि० प्रेर०) चुवाना, टपकाना; दोहन करना।

ਚੋਬਾ चोबा Cobā [2] पुं०
चतुर्वेद (पुं०/वि०) पुं०—चौबे ब्राह्मण, ब्राह्मणों का एक वर्ग। वि०—चारों वेदों का अध्येता या ज्ञाता।

ਚੋਮਾਹਾ चोमाहा Comāhā [3] पुं०
द्र०—ਚੁਮਾਸਾ।

ਚੋਰ चोर् Cor [3] पुं०
चोर (पुं०) चोर, चोरी करने वाला।

ਚੋਰੀ चोरी Corī [3] स्त्री०
चौर्य (नपुं०) चोरी, चोर का कर्म।

ਚੋਲਾ चोला Colā [3] पुं०
चोड/चोल (पुं०) चोला, कुर्ता, जैकेट।

ਚੋਲੀ चोली Colī [3] स्त्री०
चोली (स्त्री०) चोली, कुर्ती, अँगिया।

ਚੌਸਰ चौसर् Causar [3] पुं०
चतुस्सारि (पुं०) चौपड़, चौपड़ का खेल।

ਚੌਸਾ[1] चौसा Causā [3] पुं०
चोष्य (वि०) चौसा, एक प्रकार का आम।

ਚੌਸਾ[2] चौसा Causā [3] पुं०
चतुरस्त्रिका (स्त्री०) बढ़ई का उपकरण विशेष, जिससे लकड़ी में चौकोर छिद्र किया जाता है।

ਚੌਸੀਮਾ चौसीमा Causīmā [3] स्त्री०
चतुस्सीमा (स्त्री०) चारों तरफ की सीमा, चारों ओर की हद।

ਚੌਂਹਟ चौंहट् Cauhaṭ [3] पुं०
चतुष्षष्टि (स्त्री०) चौसठ, 64 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੌਹੱਟਾ चौहट्टा Cauhaṭṭā [1] पुं०
चतुर्हट्ट (पुं०) चौराहे पर स्थित हाट, चौराहे का बाजार।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚੌਂਹਠ चौंहठ् Caũhaṭh [1] वि०
द्र०—ਚੌਂਹਟ ।

ਚੌਂਕ चौंक् Caũk [3] पुं०
चतुष्क (नपुं०) चौक, चौराहा ।

ਚੌਂਕਾ चौंका Caũkā [3] पुं०
चतुष्क (नपुं०) चौका, रोटी बेलने का काठ का गोलाकार चौका; चार का अंक ।

ਚੌਂਕੀ चौंकी Caũkī [3] स्त्री०
चतुष्की (स्त्री०) चौकी, लकड़ी का तखत ।

ਚੌਕੋਣਾ चौकोणा Caukoṇā [3] पुं०
चतुष्कोण (वि०) चौकोना, चार कोने वाला ।

ਚੌਖਟ चौखट् Caukhaṭ [3] स्त्री०
चतुष्काष्ठ (नपुं०) चौखठ, द्वार-फ्रेम ।

ਚੌਖਰ चौखर् Caukhar [1] पुं०
चतुष्खुर (पुं०) चार खुरों का पशु ।

ਚੌਗਣਾ चौग्णा Caugṇā [3] पुं०
द्र० —ਚੌਗੁਣਾ ।

ਚੌਗੁਣਾ चौगुणा Cauguṇā [3] पुं०
चतुर्गुण (वि०) चौगुना, चतुर्गुणित ।

ਚੌਣਾ चौणा Cauṇā [3] पुं०
चतुर्गुण (वि०) चौगुणा; चौड़ा ।

ਚੌਤਰੀ चौत्री Cautrī [1] स्त्री०
चतुस्त्रिंशत् (स्त्री०) चौंतीस (34) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

F. 27

ਚੌਤਾਰ चौतार् Cautār [3] पुं०
चतुस्ताल (पुं०) चौताल, संगीत का एक गायन-प्रकार या एक ताल ।

ਚੌਤਾਲ चौताल् Cautāl [3] पुं०
द्र०—ਚੌਤਾਰ ।

ਚੌਤਾਲੀ चौताली Cautālī [3] वि०
चतुश्चत्वारिंशत् (स्त्री०) चौवालीस (44) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਚੌਂਤੀ चौंती Caũtī [3] वि०
चतुस्त्रिंशत् (स्त्री०) चौंतीस (34) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਚੌੱਤੀ चौत्ती Cauttī [3] स्त्री०
द्र०—ਚੌਤਰੀ ।

ਚੌਥ चौथ् Cauth [3] स्त्री०
चतुर्थी (स्त्री०) चौथ, चान्द्रमास की एक तिथि; भाद्रपद शुक्ल की चतुर्थी तिथि जिसे पत्थर चौथ कहते हैं ।

ਚੌਥਾ चौथा Cauthā [3] पुं०
चतुर्थ (वि०) चौथा, चतुर्थ ।

ਚੌਥਾਈ चौथाई Cauthāī [3] स्त्री०
द्र०—ਚੁਥਾਈ ।

ਚੌਦਸ[1] चौदस् Caudas [3] स्त्री०
चतुर्दशी (स्त्री०) चान्द्रमास की चतुर्दशी तिथि, चौदहवीं तिथि ।

ਚੌਦਸ਼ चौदश् Caudaś [3] वि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

चतुर्दशन् (वि०) चौदह (14) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਚੌਦਰਾ चौद्रा Caudrā [3] **वि०**
चतुर्द्वार (वि०) चार द्वारों वाला, जिसमें चारों ओर से दरवाजे हों ।

ਚੌਦਾਂ चौदाँ Caudā̃ [3] **पुं०**
चतुर्दशन् (वि०) चौदह (14) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਚੌਦੇਂ चौदें Caudē [3] **स्त्री०**
चतुर्दशी (स्त्री०) चन्द्रमास की चौदहवीं तिथि ।

ਚੌਦ੍ਹਵਾਂ चौद्ह्वाँ Caudhvā̃ [3] **पुं०**
चतुर्दश (वि०) चौदहवाँ ।

ਚੌਧਰਨੀ चौधर्नी Caudharnī [3] **स्त्री०**
चतुर्धरी (स्त्री०) चौधरानी, मुखिया या प्रधान की स्त्री ।

ਚੌਧਰੀ चौध्री Caudhrī [3] **पुं०**
चतुर्धर (पुं०) चौधरी, मुखिया; जाति विशेष ।

ਚੌਧਵਾਂ चौध्वाँ Caudhvā̃ [3] **पुं०**
चतुर्दश (वि०) चौदहवाँ ।

ਚੌਪਈ चौपई Caupaī [3] **स्त्री०**
चतुष्पदी (स्त्री०) चौपाई; चार चरणों वाली कविता ।

ਚੌਂਪਕਲੀ चौंप्कली Caũpkalī [3] **स्त्री०**
चम्पाकली (स्त्री०) चम्पाकली, चम्पा पुष्प की कलिका ।

ਚੌਪਟ चौपट् Caupaṭ [3] **पुं०**
चतुष्पट्ट (पुं०) चौकोर वस्त्र; रेशमी वस्त्र ।

ਚੌਪੱਤਾ चौपत्ता Caupattā̃ [2] **पुं०**
द्र०—ਚੁਪੱਤਾ ।

ਚੌਪੱਤੀ चौपत्ती Caupattī [2] **स्त्री०**
द्र०—ਚੁਪੱਤੀ ।

ਚੌਪੜ चौपड़् Caupaṛ [3] **पुं०**
चतुष्पट (पुं०) चौपड़, पासा खेलने का वस्त्र ।

ਚੌਪਾਇਆ चौपाइआ Caupāiā [2] **पुं०**
चतुष्पाद (पुं०) चार पैरों वाला, चौपाया, पशु ।

ਚੌਪਾਈ चौपाई Caupāī [3] **स्त्री०**
चतुष्पादिका (स्त्री०) चार पंक्तियों या चरणों का पद्य; चौपाई ।

ਚੌਬਾ चौबा Caubā [3] **पुं०**
चतुर्वेदिन् (वि०/पुं०) वि०—चार वेदों का ज्ञाता । पुं०—ब्राह्मणों की एक उपाधि ।

ਚੌਬਾਰਾ चौबारा Caubārā [1] **पुं०**
द्र०—ਚੁਬਾਰਾ ।

ਚੌਬੀ चौबी Caubī [3] **वि०**
चतुर्विंशति (स्त्री०) चौबीस (24) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚੌਮਾਸਾ चौमासा Caumāsā [3] पुं०
द्र०—ਚੁਮਾਸਾ ।

ਚੌਮਾਸੀ चौमासी Caumāsī [3] वि०
चातुर्मासिक (वि०) चौमासी, चार मास में समाप्य; चार मास से सम्बन्धित ।

ਚੌਮੁਖਾ चौमुखा Caumukhā [3] पुं०
चतुर्मुख (वि०) चौमुखा, चार मुखों वाला; चार द्वारों वाला ।

ਚੌਮੁੱਖਾ चौमुक्खा Caumukkhā [3] वि०
द्र०—ਚੌਮੁਖਾ ।

ਚੌਰ चौर् Caur [3] पुं०
चामर (पुं०, नपुं०) चँवर, चामर ।

ਚੌਰਸ चौरस् Cauras [3] पुं०
चतुरस्र (पुं०) चार कोने वाला, चतुष्कोण; वर्गाकार ।

ਚੌਰਾਸੀ चौरासी Caurāsī [3] वि०
चतुरशीति (स्त्री०) चौरासी (84) संख्या या इससे परिच्छिन्न संख्येय ।

ਚੌਰੀ चौरी Caurī [3] स्त्री०
द्र०—ਚੰਵਰੀ ।

ਚੌਲ चौल् Caul [2] पुं०
तण्डुल (पुं०) चावल, तण्डुल ।

ਚੌਵੀ चौवी Cauvī [3] स्त्री०
चतुर्विंशति (स्त्री०) चौबीस (24) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਚੌਵੀਹਾ चौवीहा Cauvīhā [3] पुं०
चतुर्विंश (वि०) चौबीसवाँ ।

ਚੌਵੀਵਾਂ चौवीह्वाँ Cauvīhvā̃ [3] वि०
द्र०—ਚੌਵੀਹਾ ।

ਚੌੜਾ चौड़ा Cauṛā [3] पुं०
चतुष्पथ (पुं०) चौड़ा; चौराहा ।

ਚੰਗੜਾ चंग्ड़ा Caṅgṛā [2] पुं०
चङ्ग (वि०) चंगा; अच्छा; नीरोग, हृष्ट-पुष्ट ।

ਚੰਗਾ चंगा Caṅgā [3] पुं०
चङ्ग (वि०) स्वस्थ; अच्छा ।

ਚੰਗੇਰ चंगेर् Caṅger [3] स्त्री०
चङ्गेरी (स्त्री०) टोकरी ।

ਚੰਗੇਰਾ चंगेरा Caṅgerā [3] पुं०
चङ्गतर (पुं०) अधिक अच्छा, अधिक स्वस्थ ।

ਚੰਘਾੜ चंघाड़् Caṅghāṛ [1] स्त्री०
चीत्कार (पुं०) चिग्घाड़, जोर की ध्वनि; दहाड़ ।

ਚੰਚਲ चंचल् Cañcal [3] वि०
चञ्चल (वि०) चंचल, अस्थिर, चपल ।

ਚੰਡਾਲ चण्डाल् Caṇḍāl [3] पुं०
चाण्डाल (पुं०/वि०) पुं०—चाण्डाल, अन्त्यज वर्ग में सबसे नीची जाति, डोम । वि०—क्रूर, नीच कर्म करने वाला व्यक्ति ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚੰਡਾਲਣ चण्डालण् Caṇḍālaṇ [3] **स्त्री०**
चाण्डाली (स्त्री०) चाण्डाल की पत्नी, डोमिन; निम्न कर्म करने वाली स्त्री।

ਚੰਡਾਲਣੀ चण्डाल्णी Caṇḍālṇī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਚੰਡਾਲਣ।

ਚੰਦ चन्द् Cand [3] **पुं०**
चन्द्र (पुं०) चन्द्रमा, चाँद।

ਚੰਦਗ੍ਰਹਿਣ चन्दग्रैह्ण् Candagraihṇ [3] **पुं०**
चन्द्रग्रहण (नपुं०) चन्द्रग्रहण, पौराणिक मत से राहु द्वारा चन्द्रमा का ग्रसन।

ਚੰਦਨ चन्दन् Candan [3] **पुं०**
चन्दन (पुं०, नपुं०) चन्दन, एक वृक्ष जिसकी लकड़ी सुगन्धित होती है, सन्दल।

ਚੰਦਰਮਾ चन्दर्मा Candarmā [3] **पुं०**
चन्द्रमस् (पुं०) चन्द्रमा, चाँद।

ਚੰਦੋਆ चंदोआ Candoā [3] **पुं०**
चन्द्रोदय (पुं०) चाँदनी, चन्द्रोदय; ऊपर तानने का वस्त्र, चाँदनी वस्त्र।

ਚੰਨ चन्न् Cann [3] **पुं०**
द्र०—ਚੰਦ।

ਚੰਨਣ चन्नण् Cannaṇ [3] **पुं०**
चन्दन (पुं०, नपुं०) चन्दन, एक वृक्ष जिसकी लकड़ी सुगन्धित होती है, संदल।

ਚੰਪਾ चम्पा Campā [2] **पुं०**
चम्पक (पुं० / नपुं०) पुं०—चम्पा का वृक्ष। नपुं०—चम्पा का फूल।

ਚੰਬਾ चम्बा Cambā [3] **पुं०**
द्र०—ਚੰਪਾ।

ਚੰਬੇਲੀ चँबेली Cambelī [3] **स्त्री०**
चम्पवेल्लि (स्त्री०) चमेली, मालती लता या पुष्प।

ਚੰਮ चम्म् Camm [3] **पुं०**
चर्मन् (नपुं०) चमड़ा, चाम, खाल, त्वचा।

ਚੰਵਰ चँवर् Cãvar [3] **पुं०**
चमर (पुं०) चँवर, चमरी गाय की पूँछ।

ਚੰਵਰੀ चँव्री Cãvrī [3] **स्त्री०**
चामर (नपुं०) चँवर, चौरी।

ਛ

ਛਹਿਣਾ छहिणा Chahiṇā [3] **अक० क्रि०**
क्षयति (भ्वादि अक०) क्षय होना, नष्ट होना; कम होना; छिपना।

ਛਕਣਾ छक्णा Chakṇā [3] **सक० क्रि०**
छमति (भ्वादि सक०) खाना, भोजन करना, तृप्त होना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛਕੜਾ छक्ड़ा Chakṛā [3] पुं०
शकट (नपुं०, नपुं०) छकड़ा, बैलगाड़ी।

ਛਕਾਉਣਾ छकाउणा Chakāuṇā [3] सक० क्रि०
छमयति (भ्वादि प्रेर०) भोजन कराना, तृप्त करना।

ਛੱਕਾ छक्का Chakkā [3] पुं०
षट्क (नपुं०) छः का समूह अथवा समवाय।

ਛਛੂੰਦਰ छछूँदर् Chachūdar [3] स्त्री०
चुच्छुन्दरी (स्त्री०) छछुँदर, चूहे की जाति का जन्तु विशेष।

ਛੱਜਾ छज्जा Chajjā [3] पुं०
छदि (स्त्री०) छज्जा, बराण्डे आदि से आगे की ओर निकली हुई छत।

ਛਟ छट् Chaṭ [3] स्त्री०
षष्ठी (स्त्री०) षष्ठी तिथि या छठ व्रत।

ਛਟਾਂਕ छटाँक् Chaṭāk [3] पुं०
षट्टङ्कः (पु०) छटाँक, सेर का 16वाँ भाग।

ਛਟੀ छटी Chaṭī [3] स्त्री०
षष्ठी (स्त्री०) षष्ठी, छठवीं।

ਛੱਟਣਾ छट्टणा Chaṭṭaṇā [3] सक० क्रि०
छुटति (तुदादि सक०) अन्न आदि को मूसल से छाँटना या साफ करना।

ਛਠ छठ् Chaṭh [3] स्त्री०
द्र०—ਛਠੀ।

ਛਠੀ छठी Chaṭhī [3] स्त्री०
षष्ठी (स्त्री०) षष्ठी तिथि, चान्द्रमास की छठी तिथि; नामकरण संस्कार का दिन; छठ व्रत।

ਛੱਡਣਾ छड्डणा Chaḍḍaṇā [3] सक० क्रि०
क्षिवडयति (दिवादि सक०) छोड़ना, त्यागना।

ਛਣਨਾ छण्णा Chaṇṇā [3] सक० क्रि०
स्रवति (भ्वादि सक०) चूना, टपकना; बहना।

ਛਤਰ छतर् Chatar [3] पुं०
छत्र (नपुं०) छत्र, राजचिह्न।

ਛਤਾਲੀ छताली Chatālī [3] वि०
षट्चत्वारिंशत् (स्त्री०) छियालिस (46) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛੱਤ छत्त् Chatt [3] स्त्री०
छत्ति (स्त्री०) छत, छज्जा; छादन।

ਛੱਤਕ छत्तक् Chattak [3] पुं०
छत्रक (नपुं०) छत्ता, शहद का छत्ता; कुकुरमुत्ता; छतरी।

ਛੱਤਰੀ छत्त्री Chattrī [3] पुं०
क्षत्रिय (पुं०) क्षत्रिय, चार वर्णों में द्वितीय वर्ण, राजपूत।

ਛੱਤਾ छत्ता Chattā [3] पुं०
छत्र (नपुं०) छाता, छतरी; मधुमक्खियों का छत्ता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛੱਤੀਸ छत्तीस् Chattīs [3] वि०
षट्त्रिंशत् (स्त्री०) छत्तीस (36) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛਦਮ छदम् Chadam [3] पुं०
छद्मन् (नपुं०) छद्म, छल, कपट, धोखा; लुकाव-छिपाव; व्याज, बहाना।

ਛਨਿੱਛਰ छनिच्छर् Chanicchar [2] पुं०
शनैश्चर (पुं०) शनिग्रह; शनिवार।

ਛਨਿੱਛਰਵਾਰ छनिच्छर्वार् Chaniccharvār [3] पुं०
शनैश्चरवार (नपुं०) शनिवार।

ਛਪੰਜਾ छपञ्जा Chapañjā [3] वि०
षट्पञ्चाशत् (स्त्री०) छप्पन (56) संख्या या इससे परिच्छिन्न संख्येय वस्तु।

ਛੱਪਰ छप्पर् Chappar [3] पुं०
छत्वर (पुं०) घास फूस का छप्पर; झोपड़ी; घर; लतामण्डप।

ਛੱਪਰੀ छप्परी Chapparī [3] स्त्री०
छत्वरी (स्त्री०) छोटा छप्पर, झोंपड़ी।

ਛਬ छब् Chab [2] स्त्री०
छवि (स्त्री०) छवि, शोभा।

ਛੱਬੀ छब्बी Chabbī [3] वि०
षड्विंशति (स्त्री०) छब्बीस (26) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛੱਬੀਵਾਂ छब्बीवाँ Chabbīvā̃ [3] पुं०
षड्विंशतितम (वि०) छब्बीसवाँ, 26वाँ।

ਛਮੱਛਰੀ छमच्छरी Chamaccharī [3] स्त्री०
संवत्सरी (स्त्री०) जैनियों का संवत्सरी नामक पर्व।

ਛਮਾ छमा Chamā [1] स्त्री०
क्षमा (स्त्री०) क्षमा, सहनशीलता, धैर्य।

ਛੱਰਾ छर्रा Charrā [3] स्त्री०
क्षरहरा (स्त्री०) छर्रा, बन्दूक की गोली।

ਛਲ छल् Chal [3] पुं०
छल (नपुं०) छल, धोखा, कपट।

ਛਲਣਾ छल्णा Chalṇā [3] सक० क्रि०
छलयति (नामधातु०) छलना, धोखा देना।

ਛਲਨਾ छल्ना Chalnā[3] सक० क्रि०
द्र०—ਛਲਣਾ।

ਛਲਨੀ छल्नी Chalnī [2] स्त्री०
चालनी (स्त्री०) चालनी, छाननी।

ਛਲੀ छली Chalī [1] वि०
छलिन् (वि०) छली, कपटी, धोखेबाज।

ਛਲੀਆ छलिआ Chaliā [3] वि०
छलिन् (वि०) छली, कपटी, धोखेबाज।

ਛਵੰਜਾ छवंजा Chavañjā [1] वि०
द्र०—ਛਪੰਜਾ।

ਛੜੀ छड़ी Chaṛī [3] स्त्री०
यष्टि (स्त्री०) छड़ी, सोटी, यष्टिका।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛਾਂ छां Chā̃ [3] स्त्री०
छाया (स्त्री०) छाया, परछाई।

ਛਾਉਂ छाऊँ Chāũ [3] स्त्री०
द्र०—ਛਾਂ।

ਛਾਉਣਾ छाउणा Chāuṇā [3] अक० क्रि०
छादयति / ते (चुरादि अक०) छाना, ढकना, आच्छादन करना।

ਛਾਉਣੀ छाउणी Chāuṇī [3] स्त्री०
छादन (नपुं०) छाजन, छाउणी, आच्छादन।

ਛਾਇਆ छाइआ Chāiā [3] स्त्री०
द्र०—ਛਾਂ।

ਛਾਇਆਵਾਨ छाइआवान् Chāiāvān [3] वि०
छायावत् (वि०) छायावाला, छायेदार; सामियाना, तम्बू।

ਛਾਈ छाई Chāī [2] स्त्री०
छादि (स्त्री०) छाई, राख, भस्म।

ਛਾਹ छाह् Chāh [3] स्त्री०
छञ्छिका (स्त्री०) छाछ, तक्र, मट्ठा।

ਛਾਂਗਾ छाँगा Chā̃gā [3] पुं०
षडङ्गुलिक (वि०) छः अंगुलियों वाला।

ਛਾਂਟਣਾ छाँट्णा Chā̃ṭṇā [3] सक० क्रि०
छन्दति (भ्वादि, चुरादि सक०) छाँटना, अलग करना।

ਛਾਤਰ छातर् Chātar [3] पुं०
छात्र (पुं०) छात्र, शिष्य, विद्यार्थी।

ਛਾਤਰਾ छात्रा Chātrā [3] स्त्री०
छात्रा (स्त्री०) छात्रा, शिष्या, विद्यार्थिनी।

ਛਾਤਾ छाता Chātā [3] पुं०
द्र०—ਛੱਤਾ।

ਛਾਨਣੀ छान्णी Chanṇī [3] स्त्री०
चालनी (स्त्री०) चालनी, चलनी, आटा आदि छानने का साधन।

ਛਾਲਣੀ छाल्णी Chālṇi [3] स्त्री०
चालनी (स्त्री०) चलनी, आटा आदि चालने का साधन।

ਛਾਲਾ छाला Chālā [3] पुं०
छल्लि/छल्ली (स्त्री०) छाल, छिल्का।

ਛਿਆਉਣਾ छ्याउणा Chyāuṇā [3] पुं०
षड्गुण (वि०) छह गुना।

ਛਿਆਸੀ छ्यासी Chyāsī [3] वि०
षडशीति (स्त्री०) छियासी, 86 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛਿਆਹਟ छ्याहट् Chyāhaṭ [3] वि०
षट्षष्टि (स्त्री०) छियासठ, 66 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛਿਆਹਠ छ्याहठ् Chyāhaṭh [1] वि०
द्र०—ਛਿਆਹਟ।

ਛਿਆਨਵੇਂ छ्यान्वें Chyānvē [3] वि०
षण्णवति (स्त्री०) छियानबे, 96 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛਿਆਲੀ छ्याली Chyālī [3] वि०
षट्चत्वारिंशत् (स्त्री०) छियालीस, 46 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛਿਹੱਤਰ छिहत्तर् Chīhattar [3] वि०
षट्सप्तति (स्त्री०) छिहत्तर, 76 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛਿਕੜਾ छिक्ड़ा Chikṛā [2] पुं०
शकट (पुं०, नपुं०) छकड़ा, बैलगाड़ी।

ਛਿਕੋਣ छिकोण् Chikoṇ [3] पुं०
षट्कोण (नपुं०/वि०) नपुं०—षट्कोण, छह कोण। वि०—छह कोणों वाला।

ਛਿੱਕ छिक्क् Chikk [3] स्त्री०
छिक्का (स्त्री०) छींक, जुकाम आदि के कारण होने वाली नाक की ध्वनि।

ਛਿੱਕਾ[1] छिक्का Chikkā [3] पुं०
शिक्य (नपुं०) छिक्का, सिकहर, दूध-दही के भाण्ड को रखने का स्थान।

ਛਿੱਕਾ[2] छिक्का Chikkā [3] पुं०
षट्क (नपुं०) छः का समूह; ताश का छक्का।

ਛਿੱਕੀ छिक्की Chikkī [3] स्त्री०
द्र०—ਛਿੱਕਾ[1]।

ਛਿੱਕੂ छिक्कू Chikkū [3] पुं०
द्र०—ਛਿੱਕਾ[1]।

ਛਿਗੁਣਾ छिगुणा Chiguṇā [3] पुं०
षड्गुण (वि०) छह गुना।

ਛਿੱਜਣਾ छिज्ज्णा Chijjṇā [3] अक० क्रि०
छिद्यते (रुधादि कर्मवा०) पृथक् होना; फट जाना।

ਛਿੱਟਾ छिट्टा Chiṭṭā [3] पुं०
श्वित्र (नपुं०) छींटा; दाग; कलंक।

ਛਿਣ छिण् Chiṇ [3] पुं०
क्षण (नपुं०) क्षण, निमेष, सूक्ष्म काल।

ਛਿਣ-ਭੰਗਰ छिण्-भंगर् Chiṇ Bhaṅgar [3] वि०
क्षणभङ्गुर (वि०) क्षणभंगुर, नश्वर, नाशवान्।

ਛਿਣ-ਮਾਤਰ छिण्-मातर् Chiṇ-Mātar [3] क्रि० वि०
क्षणमात्र (क्रि० वि०) क्षणमात्र, क्षणभर।

ਛਿਤਾਲੀ छिताली Chitālī [3] वि०
षट्चत्वारिंशत् (स्त्री०) छियालीस, 46 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਛਿਦਣਾ छिद्णा Chidṇā [3] सक० क्रि०
छेदयति/ते (चुरादि सक०) छेदना, छेद करना; कतरना।

ਛਿਦਰਾ छिद्रा Chidrā [3] पुं०
द्र०—ਛਿੱਦਾ।

ਛਿੱਦਰ छिद्दर् Chiddar [3] पुं०
छिद्र (नपुं०) छेद, सुराख, अवकाश।

ਛਿੱਦਾ छिद्दा Chiddā [3] पुं०
छिद्र (वि०) छिदा हुआ, छेददार।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛਿਨਾਲ छिनाल् Chināl [3] स्त्री०
छिन्ननारी (स्त्री०) व्यभिचारिणी स्त्री, दुश्चरित्र स्त्री।

ਛਿਮਾਹਰ छिमाहर् Chimāhar [3] वि०
षाण्मासिक (वि०) छमाही, छः मास में होने वाला, अर्द्धवार्षिक।

ਛਿਮਾਹੀ छिमाही Chimāhī [3] स्त्री०
षाण्मासिकी (स्त्री०) छः महीने में होने वाली, अर्द्धवार्षिकी।

ਛਿਲਕਾ छिल्का Chilkā [3] पुं०
शल्क (नपुं०) छिल्का, ऊपरी परत; त्वचा।

ਛਿਲਾਰ छिलार् Chilār [3] पुं०
छगल (पुं०) बकरी का बच्चा, अज-शिशु।

ਛਿਲਾਰੂ छिलारू Chilārū [3] स्त्री०
द्र०—ਛਿਲਾਰ।

ਛੀ छी Chī [2] वि०
षष् (वि०) छह, 6 संख्या से परिच्छिन्न।

ਛੀ-ਛੀ छी-छी Chī-Chī [3] अ०
छि (अ०) घृणा या आरोप सूचक शब्द।

ਛੁਹ छुह् Chuh [3] पुं०
छोप/स्पर्श (पुं०) छूने का भाव, स्पर्श।

ਛੁਹਣਾ छुह्णा Chuhṇā [3] सक० क्रि०
स्पृशति (तुदादि सक०) छूना, स्पर्श करना।

ਛੁਹਾਰਾ छुहारा Chuhārā [3] पुं०
क्षारक (नपुं०) छुहारा, खजूर का फल।

ਛੁਟੇਰਾ छुटेरा Chuṭerā [3] पुं०
तुच्छतर (वि०) अपेक्षाकृत छोटा, बहुत छोटा।

ਛੁਡਾਉਣਾ छुडाउणा Chudāuṇā [3] सक० क्रि०
छुरति (तुदादि सक०) छुड़ाना, बन्धन-मुक्त करना; तोड़ना।

ਛੁਰਾ छुरा Churā [3] पुं०
क्षुर (पुं०) छुरा, उस्तरा।

ਛੁਰੀ छुरी Churī [3] स्त्री०
छुरिका (स्त्री०) छुरी, चाकू।

ਛੂਹ छूह् Chūh [3] स्त्री०
द्र०—ਛੋਹ।

ਛੂਛਕ छूछक् Chūchak [3] स्त्री०
सूतकीय (वि०) बच्चा पैदा होने के बाद माँ एवं बच्चे को उपहार में मिलने वाली वस्तुएँ।

ਛੂਛਾ छूछा Chūchā [3] पुं०
तुच्छ (वि०) खाली, रिक्त; हल्का; छोटा; थोड़ा; नीच; निकम्मा।

ਛੂਤ छूत् Chūt [3] स्त्री०
छुप्ति (स्त्री०) छूने का भाव, स्पर्श।

ਛੇ छे Che [3] वि०
षष् (वि०) छः, 6 संख्या से परिच्छिन्न।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛੇਕ छेक् Chek [3] पुं०
छेद (पुं०) छेद, छिद्र, सुराख।

ਛੇਕਣਾ छेक्णा Chekṇā [3] सक० क्रि०
छेदयति / ते (चुरादि सक०) खण्डन करना, बहिष्कार करना; छेद करना।

ਛੇਕਨਾ छेक्ना Cheknā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਛੇਕਣਾ।

ਛੇਕੜ छेकड़् Chekaṛ [3] स्त्री०
छेद (पुं०) छेद, सुराख; अन्त, अवसान।

ਛੇਜ छेज् Chej [1] स्त्री०
शय्या (स्त्री०) सेज, विस्तर।

ਛੇਜਾ छेजा Chejā [3] पुं०
द्र०—ਛੇਜ।

ਛੇਤਰ छेतर् Chetar [1] पुं०
क्षेत्र (नपुं०) खेत, फसल उपजाने की भूमि।

ਛੇਦਣਾ छेद्णा Chedṇā [3] सक० क्रि०
छेदयति/ते (चुरादि सक०) छेदना, छेद करना; कतरना।

ਛੇਲ छेल् Chel [3] पुं०
छेलक (पुं०) छौना, मेमना।

ਛੇਲਾ छेला Chelā [3] पुं०
छगल (पुं०) छाग, बकरी का एक साल का बच्चा।

ਛੇਲੀ छेली Chelī [3] स्त्री०
छगली (स्त्री०) छागी, बकरी, बकरी की बच्ची।

ਛੇਵਾਂ छेवाँ Chevā̃ [3] पुं०
षष्ठ (वि०) छठा, छठवाँ।

ਛੈਣੀ छैणी Chaiṇī [3] स्त्री०
छेदनी (स्त्री०) छेनी, छेद करने का उपकरण।

ਛੋਹ छोह् Choh [3] स्त्री०
स्पर्श (पुं०) स्पर्श, छूने का भाव।

ਛੋਹਣਾ छोह्णा Chohṇā [3] सक० क्रि०
छुपति / स्पृशति (तुदादि सक०) छूना, स्पर्श करना।

ਛੋਹਰ छोहर् Chohar [1] पुं०
शावक (पुं०) शिशु; छोकरा, बच्चा।

ਛੋਕਰਾ छोक्रा Chokrā [3] पुं०
उत्सवकर (पुं०) छोकरा, लड़का।

ਛੋਕਰੀ छोक्री Chokrī [3] स्त्री०
उत्सवकरी (स्त्री०) छोकरी, लड़की, बच्ची।

ਛੌਰ छौर् Chaur [3] पुं०
क्षौर (पुं०) मुण्डन; मुण्डन-संस्कार।

ਛੰਤ छन्त् Chant [3] पुं०
छन्दस् (नपुं०) छन्द, वृत्त।

ਛੰਦ छन्द् Chand [3] पुं०
द्र०—ਛੰਤ।

ਛੰਦਕ छन्दक् Chandak [1] वि०
छान्दस (वि०) छन्द-सम्बन्धी; छन्दः शास्त्र का; वैदिक।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛੰਦ-ਬੱਧ छन्द्-बद्ध् Chand-Badh [3] वि०
छन्दोबद्ध (वि०) छन्द में रची गयी कविता आदि।

ਛੰਦੋਗ छन्दोग् Chandog [3] पुं०
छान्दोग (वि०) सामवेद का गायक।

ਛੰਨ छन्न् Chann [3] स्त्री०
छन्नि (स्त्री०) घास-फूस का छप्पर, छान्ह।

ਜ

ਜਸ जस् Jas [3] पुं०
यशस् (नपुं०) यश, कीर्ति, बड़ाई।

ਜਸਪਤ जस्पत् Jaspat [3] पुं०
यशःपति (पुं०) यशस्वी, प्रसिद्ध।

ਜਸਪਤੀ जस्पती Jaspatī [3] पुं०
द्र०—ਜਸਪਤ।

ਜਸਵੰਤ जस्वन्त् Jasvant [3] पुं०
यशस्वत् (वि०) यश वाला, यशस्वी; प्रसिद्ध।

ਜਸੀ जसी Jasī [2] वि०
यशस्विन् (वि०) यशस्वी, ख्याति वाला।

ਜਹਾਉਣਾ जहाउणा Jahāuṇā [3] सक० क्रि०
यभयति (भ्वादि प्रेर०) मैथुन की प्रेरणा देना, संभोग कराना।

ਜਹਿਣਾ जहिणा Jahiṇā [3] सक० क्रि०
यभति (भ्वादि सक०) मैथुन करना, संभोग करना।

ਜਕੜਨਾ जकड़्ना Jakaṛnā [3] सक० क्रि०
यतते (भ्वादि सक०) जकड़ना, संयमित करना, बाँधना।

ਜੱਖ जक्ख् Jakkh [1] पुं०
यक्ष (पुं०) यक्ष, देवयोनि-विशेष।

ਜਗਾਉਣਾ जगाउणा Jagāuṇā [3] सक० क्रि०
जागरयति (अदादि प्रेर०) जगाना, नींद से उठाना।

ਜਗਾਦਿ जगादि Jagādi [1] पुं०
यज्ञादि (वि०) यज्ञ इत्यादि।

ਜਗਿਆਸਾ जग्यासा Jagyāsā [2] स्त्री०
द्र०—ਜਿਗਿਆਸਾ।

ਜਗਿਆਸੂ जग्यासू Jagyāsū [3] पुं०
जिज्ञासु (वि०) जिज्ञासु, किसी बात को जानने का इच्छुक।

ਜੱਗ[1] जग्ग् Jagg [3] पुं०
जगत् (नपुं०) जगत्, संसार।

ਜੱਗ[2] जग्ग् Jagg [3] पुं०
यज्ञ (पुं०) यज्ञ, याग, धार्मिक अनुष्ठान।

ਜੱਗ-ਬੇਦੀ जग्ग्-बेदी Jagg-bedī [3] स्त्री०
यज्ञवेदी (स्त्री०) यज्ञ की वेदी, यज्ञ-स्थल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੱਗ-ਵੇਦੀ जग्ग्-वेदी Jagg-vedī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਜੱਗ-ਬੇਦੀ ।

ਜਜਮਾਨ जज्मान् Jajmān [3] **पुं०**
यजमान (पुं०) यजमान, यज्ञ का फल-भोक्ता ।

ਜਜਮਾਨੀ जज्मानी Jajmānī [3] **स्त्री०**
यजमानीय (नपुं०) यजमान-संबन्धी कर्म, यजमानी ।

ਜਟ जट् Jaṭ [3] **स्त्री०**
जटा (स्त्री०) जटा, उलझे और आपस में चिपके हुए बाल ।

ਜਟਧਾਰ जट्धार् Jaṭdhār [3] **पुं०**
जटाधारिन् (त्रि०/पुं०) वि०—जटाधारी, ब्रह्मचारी । पुं०—शिव, महादेव ।

ਜਟਾ जटा Jaṭā [3] **स्त्री०**
जटा (स्त्री०) जटा, उलझे लम्बे बाल ।

ਜਟਿਆਰਾ जट्यारा Jaṭyārā [3] **पुं०**
जटिल (वि०/पुं०) वि०—जटिल, जटाधारी । पुं०—शिव, महादेव ।

ਜਟੀਲਾ जटीला Jaṭīlā [3] **वि०/पुं०**
जटिल (वि०/पुं०) वि०—जटा वाला; कठिन; ब्रह्मचारी । पुं०—बब्बर शेर; शिव ।

ਜੱਟ जट्ट् Jaṭṭ [3] **पुं०**
जट्ट (पुं०) जाट, जाति-विशेष ।

ਜੱਟੀ जट्टी Jaṭṭī [3] **स्त्री०**
जट्टी (स्त्री०) जाटिन, जाट की पत्नी ।

ਜਠਰ-ਰੋਗ जठर्-रोग् Jaṭhar-rog [3] **पुं०**
जाठररोग (पुं०) उदर-रोग, पेट की बीमारी ।

ਜਠਰਾਗਨੀ जठ्राग्नी Jaṭhrāgnī [3] **स्त्री०**
जठराग्नि (पुं०) जठराग्नि, पेट के भीतर खाये हुए अन्न को पचाने वाली आग ।

ਜਠਾਣੀ जठाणी Jaṭhāṇī [3] **स्त्री०**
ज्येष्ठपत्नी (स्त्री०) जिठानी, पति के बड़े भाई की पत्नी ।

ਜਠੀ जठी Jaṭhī [1] **स्त्री०**
ज्येष्ठदुहितृ (स्त्री०) जेठ की लड़की, पति के बड़े भाई की पुत्री ।

ਜਠੁੱਤ जठुत्त् Jaṭhutt [3] **पुं०**
ज्येष्ठपुत्र (पुं०) जेठ का लड़का, पति के बड़े भाई का पुत्र ।

ਜਠੁੱਤਰ जठुत्तर् Jaṭhuttar [3] **पुं०**
द्र०—ਜਠੁੱਤ ।

ਜਠੇਰਾ जठेरा Jaṭherā [3] **पुं०**
ज्येष्ठतर (पुं०) सबसे बड़े जेठ, पति का सबसे बड़ा भाई ।

ਜਣਨ जणन् Jaṇan [3] **पुं०**
जनन (नपुं०) जनन, उत्पत्ति ।

ਜਣਨਾ जण्ना Jaṇnā [3] **सक० क्रि०**
जनयति (दिवादि प्रेर०) जनन करना, उत्पन्न करना ।

ਜਣਨੀ जण्नी Jaṇnī [3] **स्त्री०**
जननी (स्त्री०) जननी, माता, माँ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਣਾ जणा Jaṇā [3] पुं०
जन (पुं०) पुरुष, मनुष्य ।

ਜਣਾਉਣਾ जणाउणा Jaṇāuṇā [3] सक० क्रि०
जनयति (दिवादि प्रेर०) पैदा करना, उत्पन्न करना ।

ਜਣੀ जणी Jaṇī [3] स्त्री०
जनि (स्त्री०) पत्नी, वधू ।

ਜਤਨ जतन् Jatan [3] पुं०
यत्न (पुं०) प्रयत्न, प्रयास; उपाय, साधन ।

ਜਤਲਾਉਣਾ जत्लाउणा Jatlāuṇā [3] सक० क्रि०
ज्ञापयति/ते (चुरादि सक०) बतलाना, समझाना ।

ਜਤਾਉਣਾ जताउणा Jatāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਜਤਲਾਉਣਾ ।

ਜਤੀ जती Jatī [3] पुं०
यतिन् (वि०) जितेन्द्रिय; संन्यासी; ब्रह्मचारी ।

ਜਥਾਯੋਗ जथायोग् Jathāyog [3] क्रि० वि०
यथायोग्य (क्रि० वि०) यथायोग्य, योग्यता के अनुसार ।

ਜੱਥਾ जत्था Jatthā [3] पुं०
यूथ (पुं०) जत्था, झुण्ड, समूह ।

ਜਦ जद् Jad [3] क्रि० वि०
यदा (अ०) जब, जिस समय ।

ਜਦਾ जदा Jadā [3] क्रि० वि०
द्र०—ਜਦ ।

ਜੱਧਣਾ जद्धणा Jaddhṇā [3] अक० क्रि०
यभति (भ्वादि अक०) मैथुन करना, संभोग करना ।

ਜੱਧੜ जद्धड़् Jaddhaṛ [3] स्त्री०
यब्ध्री (स्त्री०) कामातुर स्त्री, कामुकी ।

ਜੱਧੋ जद्धो Jaddho [3] स्त्री०
द्र०—ਜੱਧੜ ।

ਜਨ जन् Jan [3] पुं०
जन (पुं०) जन, लोग, आदमी ।

ਜਨਤਾ जन्ता Jantā [3] स्त्री०
जनता (स्त्री०) जनता, प्रजा ।

ਜਨਤੰਤਰ जन्तंतर् Jantantar [3] पुं०
जनतन्त्र (नपुं०) जनतन्त्र, प्रजातन्त्र, जनता का शासन ।

ਜਨਮ जनम् Janam [3] पुं०
जन्मन् (नपुं०) जन्म, उत्पत्ति ।

ਜਨਮ ਉਤਸਵ जनम्-उत्सव् Jnam-Utsav [3] पुं०
जन्मोत्सव (पुं०) जन्म दिन का त्यौहार ।

ਜਨਮੇਜ जन्मेज् Janmej [3] पुं०
जनमेजय (पुं०) अर्जुन का प्रपौत्र, एक राजा ।

ਜਨੇਊ जनेऊ Janeū [3] पुं०
यज्ञोपवीत (नपुं०) जनेऊ, ग्रन्थियुक्त सूत्र-

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

विशेष जिसे बाँये कन्धे से शरीर में धारण किया जाता है।

ਜਨੇਤ जनेत् Janet [3] स्त्री०
जन्ययात्रा (स्त्री०) बारात, वर-यात्रा।

ਜਨੇਤਰ जनेतर् Janetar [1] पुं०
द्र०—ਜਨੇਤੀ।

ਜਨੇਤੜ जनेतड़् Janetaṛ [1] पुं०
जन्ययात्रिन् (पुं०) बाराती, बारात के लोग।

ਜਨੇਤਾ जनेता Janetā [3] पुं०
जनयितृ (पुं०) जनयिता, जन्म देने वाला, पिता।

ਜਨੇਤੀ जनेती Janetī [3] पुं०
जन्ययात्रिन् (पुं०) बाराती, बारात के लोग।

ਜਨੇਤੀਆ जनेतिआ Janetiā [1] पुं०
द्र०—ਜਨੇਤੀ।

ਜਨੌਰ जनौर् Janaur [3] पुं०
जन्तु (पुं०) जानवर, जन्तु।

ਜਪਣਾ जप्णा Japṇā [3] सक० क्रि०
जपति (भ्वादि सक०) जपना, जप करना।

ਜਪਨਾ जप्ना Japnā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਜਪਣਾ।

ਜਪਨੀ जप्नी Japnī [3] स्त्री०
जपनी (स्त्री०) जपमाली, गोमुखी।

ਜਮ जम् Jam [3] पुं०
यम (पुं०) यमराज, मृत्यु के देवता।

ਜਮਰਾਈ जम्राई Jamrāī [2] स्त्री०
जृम्भायित (नपुं०) जम्हाई, जृम्भा।

ਜਮਕਾਲ जम्काल् Jamkāl [3] पुं०
जन्मकाल (पुं०) जन्म काल, जन्म-का समय।

ਜਮਡੰਡ जम्डण्ड् Jamḍaṇḍ [3] पुं०
यमदण्ड (पुं०, नपुं०) यमराज का दण्ड, कालदण्ड।

ਜਮਦੂਤ जम्दूत् Jamdūt [3] पुं०
यमदूत (पुं०) यमराज का दूत; काक।

ਜਮਨਾ जम्ना Jamnā [3] स्त्री०
यमुना (स्त्री०) यमुना नदी, सूर्यदेव की पुत्री।

ਜਮਬਾਹਣ जम्बाहण् Jambāhaṇ [1] पुं०
यमवाहन (पुं०) यमराज का वाहन, भैंसा।

ਜਮਰਾਜ जम्राज् Jamrāj [3] पुं०
यमराज (पुं०) यम, मृत्यु के देवता।

ਜਮਾਉਣਾ जमाउणा Jamāuṇā [3] सक० क्रि०
जेमयति (भ्वादि प्रेर०) जिमाना, भोजन कराना, खिलाना।

ਜਮਾਇਣ जमाइण् Jamāiṇ [2] स्त्री०
द्र०—ਅਜਵਾਇਣ।

ਜਮਾਈ जमाई Jamāī [3] पुं०
जामातृ (पुं०) जामाता, दामाद।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਮਾਤਰਾ जमात्रा Jamātrā [1] पुं०
द्र०—ਜਮਾਈ ।

ਜਮੂਆ जमूआ Jamūā [1] पुं०
यमदूत (पुं०) यम का दूत; काक पक्षी ।

ਜਮੈਣ जमैण् Jamaiṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਅਜਵਾਇਣ ।

ਜੱਮੂਣ जम्मूण् Jammūṇ [3] पुं०
जम्बूल (पुं० / नपुं०) पुं०—जामुन का वृक्ष । नपुं०—जामुन का फल ।

ਜਰਜਰ जर्जर् Jarjar [3] वि०
जर्जर (वि०) जीर्ण, फटा हुआ; बूढ़ा ।

ਜਰਜਰਾ जर्जरा Jarjarā [3] वि०
द्र०—ਜਰਜਰ ।

ਜਰਨਾ जर्ना Jarnā[3] अक० क्रि०
ज्वरति (भ्वादि अक०) बुखार आना, ज्वर होना ।

ਜਲਹਰ जल्हर् Jalhar [3] पुं०
जलधर (पुं०) मेघ, बादल ।

ਜਲਹਰੀ जल्हरी Jalharī [2] स्त्री०
जलधरी (स्त्री०) शिव लिङ्ग के ऊपर स्थित जल-कलश, जलहरी ।

ਜਲਕੁੱਕੜ जल्कुक्कड़् Jalkukkaṛ [3] पुं०
जलकुक्कुट (पुं०) जलपक्षी, मुर्गाबी, जलमुर्गी ।

ਜਲਕੌਂ जल्कौं Jalkaū [3] पुं०
जलकाक (पुं०) जल-कौआ, एक प्रकार का जल-पक्षी ।

ਜਲਜਾਈ जल्जाई Jaljāī [3] वि०
जलजात (वि०) जल से उत्पन्न कमल इत्यादि ।

ਜਲਜੰਤ जल्जन्त् Jaljant [3] पुं०
जलजन्तु (पुं०) जल का प्राणी, जलचर ।

ਜਲਣਾ जल्णा Jalṇā [3] अक० क्रि०
ज्वलति (भ्वादि अक०) जलना; प्रकाशित होना ।

ਜਲਤੁਰਾ जल्तुरा Jalturā [1] पुं०
जलतुरग (पुं०) दरियाई घोड़ा, जलचर-विशेष ।

ਜਲਪਣਾ जल्पणा Jalpaṇā [3] अक० क्रि०
जल्पति (भ्वादि सक०/अक०) सक०—कहना, बकना । अक०—शेखी बघारना ।

ਜਲਮਈ जल्मई Jalmaī [3] वि०
जलमय (वि०) जलमय, जल से भरपूर ।

ਜਲਮਾਹਣੂ जल्माह्णू Jalmāhṇū [3] पुं०
जलमानुष (पुं०) जल-मानुष, जल में रहने वाला मनुष्य की आकृति का प्राणी-विशेष ।

ਜਲਾਉਣਾ जलाउणा Jalāuṇā [3] सक० क्रि०
ज्वलयति (भ्वादि प्रेर०) जलाना; प्रकाशित करना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਲਾਸ਼ਾ जलाशा Jalāśā [3] पुं०
जलाश्रय (पुं०) जल का भण्डार; समुद्र ।

ਜਲਾਜਲ जलाजल् Jalājal [3] पुं०
जलाञ्चल (पुं०, नपुं०) झरना, सोता ।

ਜਲਾਵਰਤ जलावरत् Jalāvarat [3] पुं०
जलावर्त (पुं०) जलचक्र, जल की भौंरी ।

ਜਲਿਆ जलिआ Jaliā [3] वि०
ज्वलित (वि.) जला हुआ; प्रकाशित ।

ਜਲੋਦਰ जलोदर् Jalodar[3] पुं०
जलोदर (नपुं०) जलोदर रोग, जिसमें पेट में पानी भर जाता है ।

ਜਵਾਇਣ ज्वाइण् Jvāiṇ [2] स्त्री०
द्र०—ਅਜਵਾਇਣ ।

ਜਵਾਈ जवाई Javāī [3] पुं०
द्र०—ਜਮਾਈ ।

ਜਵਾਂਹ जवाँह् Javāh [1] पुं०
यवास (पुं०) जवास, गर्मी में होने वाली एक घास ।

ਜਵਾਨ जवान् Javān [3] वि०
युवन् (पुं०) जवान, युवक ।

ਜਵਾਰ[1] ज्वार् Jvār [3] पुं०
यवाकार (स्त्री०) ज्वार अन्न, एक प्रकार का मोटा अनाज ।

ਜਵਾਰ[2] ज्वार् Jvār [3] पुं०
ज्वाला (स्त्री०) ज्वार, समुद्री पानी का चढ़ाव ।

ਜਵਾਲਾ ज्वाला Jvālā [3] स्त्री०
ज्वाला (स्त्री०) आग की लपट, ताप, दाह ।

ਜਵਾਲਾਦੇਵੀ ज्वालादेवी Jvālādevī [3] स्त्री०
ज्वालादेवी (स्त्री०) ज्वाला देवी, भगवती का एक रूप

ਜਵਾਲਾਮੁਖੀ ज्वालामुखी Jvālāmukhī [3] पुं०
ज्वालामुखी (स्त्री०) ज्वालामुखी, आतिशी पहाड़ ।

ਜਵਿੱਤਰੀ जवित्त्री Javittrī[3] स्त्री०
जातिपत्र (नपुं०) जावित्री, ओषधि-विशेष ।

ਜਵੈਣ जवैण् Javaiṇ [1] पुं०
द्र०—ਅਜਵਾਇਣ ।

ਜੜ[1] जड़् Jaṛ [3] स्त्री०
जटा (स्त्री०) जड़, मूल ।

ਜੜ[2] जड़् Jaṛ [3] वि०
जड (वि०) निर्जीव, अचेतन; मूर्ख, बुद्धि-हीन; सुन्न; अध्ययन में असमर्थ ।

ਜੜਨਾ जड़्ना Jaṛnā [3] सक० क्रि०
जटति (भ्वादि सक०) जड़ना, संयुक्त करना ।

ਜੜੀ जड़ी Jaṛī [3] स्त्री०
जटी (स्त्री०) जड़ी-बूटी ।

ਜੜੁੱਤ जड़ुत्त् Jaṛutt [3] वि०
युक्त (वि०) संयुक्त, जुड़ा हुआ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੜ੍ਹਤਾ जढ़्ता Jaṛhtā [3] स्त्री०
जडता (स्त्री०) जड़ता।

ਜਾਂ जां J̃ā [3] अ०
यदि (अ०) यदि, अगर।

ਜਾਉ जाउ Jāu [1] पुं०
जात (पुं०) जातक, शिशु, बच्चा।

ਜਾਉਣਾ जाउणा Jāuṇā [2] अक० क्रि०
जायते (दिवादि अक०) जन्म लेना, उत्पन्न होना।

ਜਾਇਆ जाइआ Jāiā [3] पुं०
जातक (पुं०) पुत्र, जात।

ਜਾਇਦਾਦ जाइदाद् Jāidād[3] स्त्री०
दायाद्य (नपुं०) दायाद, जायदाद, पैत्रिक संपत्ति।

ਜਾਈ जाई Jāī [3] स्त्री०
जाता (स्त्री०) पुत्री, लड़की।

ਜਾਏਆ जाएआ Jāeā [3] पुं०
द्र०—ਜਾਉ।

ਜਾਹੂ जाहू Jāhū [2] पुं०
याभुक (वि०) कामुक, मैथुनेच्छुक।

ਜਾਗਣਾ जाग्णा Jāgṇā [3] अक० क्रि०
जागर्त्ति (अदादि अक०) जागना, नींद से उठना।

ਜਾਗਦਾ जाग्दा Jāgdā [3] वि०
जागृत (वि०) सावधान, सचेत।

ਜਾਗਨਾ जाग्ना Jāgnā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਜਾਗਣਾ।

ਜਾਗਰਤਾ जागर्ता Jāgartā [3] स्त्री०
द्र०—ਜਾਗਰਤੀ।

ਜਾਗਰਤੀ जागर्ती Jāgartī [3] स्त्री०
जागर्ति (स्त्री०) जागृति, जागरण, जागने का भाव।

ਜਾਗਰਾ जाग्रा Jāgrā [3] पुं०
जागरा (स्त्री०) जागने का भाव, जागरण।

ਜਾਗਰਿਤ जाग्रित् Jāgrit [3] वि०/स्त्री०
जागरित (वि०/नपुं०) वि०—जागा हुआ, सावधान। नपुं०—जागृति, सावधानी।

ਜਾਗੋਟੀ जागोटी Jāgoṭī [3] स्त्री०
जङ्घापट (पुं०) कौपीन, साधुओं की लँगोटी।

ਜਾਗ੍ਰਿਤੀ जाग्रिती Jāgritī [2] स्त्री०
जागर्ति (स्त्री०) जागृति, जागरण, जागने का भाव।

ਜਾਂਘ जाँघ् J̃āgh [3] स्त्री०
जङ्घा (स्त्री०) जाँघ, घुटना और नितम्ब के बीच का भाग।

ਜਾਂਘਿਆ जांघिआ J̃āghiā [3] पुं०
जाङ्घिक (नपुं०) जाँघिया, कच्छी, लँगोट।

ਜਾਚਕ जाचक् Jācak [3] पुं०
याचक (वि०) याचक, माँगने वाला, भिक्षुक।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਾਚਣ जाचण् Jācaṇ [3] पुं०
याचन (नपुं०) माँगने का भाव, माँगना।

ਜਾਚਣਾ जाच्णा Jācṇā [3] सक० क्रि०
याचते (भ्वादि सक०) याचना करना, माँगना।

ਜਾਜਕ जाजक् Jājak [1] पुं०
याजक (वि०) यज्ञ करने वाला, यष्टा, यज्ञ-फल का भोक्ता।

ਜਾਣ जाण् Jāṇ [3] स्त्री०
ज्ञान (नपुं०) ज्ञान, बोध।

ਜਾਣਨਾ जाण्ना Jāṇṇā [3] सक० क्रि०
जानाति (क्र्यादि सक०) जानना, ज्ञात करना।

ਜਾਣਾ जाणा Jaṇā [3] अक० क्रि०
याति (अदादि सक०) जाना, गमन करना।

ਜਾਣੂ जाणू Jaṇū [3] वि०
ज्ञातृ (वि०) ज्ञाता, जानने वाला।

ਜਾਣੋ जाणो Jāṇo [3] सक० क्रि०
जानातु (क्र्यादि सक० लोट्) जानो।

ਜਾਤ जात् Jāt [3] स्त्री०
जाति (स्त्री०) जाति; जन्म से निश्चित होने वाली जाति।

ਜਾਤਕ जातक् Jātak [3] पुं०
जातक (वि०) शिशु, बच्चा-बच्ची।

ਜਾਤ-ਪਾਤ जात्-पात् Jāt-pāt [3] स्त्री०
जातिपङ्क्ति (स्त्री०) जाति और गोत्र।

ਜਾਤਰਾ जात्रा Jātrā [3] स्त्री०
यात्रा (स्त्री०) यात्रा, सफर।

ਜਾਤਰੀ जात्री Jātrī [3] वि०
यात्रिन् (वि०) यात्री, तीर्थस्थान आदि की यात्रा करने वाला।

ਜਾਤਰੂ जात्रू Jātrū [3] पुं०
द्र०—ਜਾਤਰੀ।

ਜਾਤ੍ਰਾ जात्रा Jātrā [3] स्त्री०
द्र०—ਜਾਤਰਾ।

ਜਾਪ जाप् Jāp [3] पुं०
जप (पुं०) जप, किसी मन्त्र की बार-बार आवृत्ति।

ਜਾਫਰ जाफर् Jāphar [3] पुं०
जातिफल (नपुं०) जायफल, ओषधि-विशेष।

ਜਾਫਲ जाफल् Jāphal [3] पुं०
द्र०—ਜਾਫਰ।

ਜਾਮਣ जामण् Jāmaṇ [3] पुं०
जम्बु (पुं०/नपुं०) पुं०—जामुन का वृक्ष। नपुं०—जामुन का फल।

ਜਾਮਣੂ जाम्णू Jāmṇū [2] पुं०
द्र०—ਜਾਮਣ।

ਜਾਮਨੂ जाम्नू Jāmnū [1] स्त्री०
द्र०—ਜਾਮਣ।

ਜਾਰ जार् Jār [3] पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

जार (पुं०) जार, उपपति, आशिक; व्यभिचारी।

ਜਾਰੀ जारी Jārī [3] **स्त्री०**
जारीय (नपुं०) जार-कर्म; व्यभिचार।

ਜਾਲ जाल् Jāl [3] **पुं०**
जाल (नपुं०) मछली या चिड़िया आदि पकड़ने का जाल, पास, फन्दा।

ਜਾਲਕ जालक् Jālak [3] **पुं०**
ज्वालक (वि०) जलाने वाला, दाहक।

ਜਾਲਣਾ जाल्ण Jālṇā [3] **सक० क्रि०**
ज्वलयति (भ्वादि प्रेर०) जलाना, तपाना, दाह करना।

ਜਾਲਾ जाला Jālā [3] **पुं०**
जाल (नपुं०) मकड़ी का जाला।

ਜਾਲੀ जाली Jālī [3] **स्त्री०**
जाल (नपुं०) छोटी जाल, फन्दा।

ਜਾਵਿੱਤਰੀ जावित्तरी Jāvittrī [3] **स्त्री०**
जातिपत्र (नपुं०) जावित्री, एक प्रकार की ओषधि।

ਜਾੜ੍ਹ जाढ़् Jāṛh [3] **स्त्री०**
दंष्ट्रा (स्त्री०) दाढ़, चबाने वाला दाँत, बड़ा दाँत।

ਜਿਉਂ जिउँ Jiū [3] **क्रि० वि०**
यादृश (क्रि० वि०) जैसे, जिस प्रकार।

ਜਿਉਣ जिउण् Jiuṇ [3] **पुं०**
जीवन (नपुं०) जीवन, जिन्दगी।

ਜਿਉਣਾ जिउणा Jiuṇā [3] **अक० क्रि०**
जीवति (भ्वादि अक०) जीना, जीवित रहना।

ਜਿਉਂਦਾ जिउँदा Jiūdā [3] **वि०**
जीवित (वि०) जीवित, जिन्दा।

ਜਿਉਨਾਰ जिउनार् Jiunār [2] **स्त्री०**
जेमनार्ह (पुं०) जेवनार, भोज; भोज्य, रसोई।

ਜਿਉੜਾ जिउड़ा Jiuṛā [3] **पुं०**
जीव (पुं०) जीव, प्राण।

ਜਿਊਣ जिऊण् Jiūṇ [3] **पुं०**
जीवन (नपुं०) जीवन, जिन्दगी।

ਜਿਹੜਾ जिह्ड़ा Jihṛā [3] **क्रि० वि०**
यथा (अ०) जैसे, जिस तरह।

ਜਿਹਾ जिहा Jihā [3] **वि०**
यादृश (वि०) जैसा, जिस प्रकार का।

ਜਿਗਿਆਸਾ जिग्यासा Jigyāsā [3] **स्त्री०**
जिज्ञासा (स्त्री०) किसी बात को जानने की इच्छा।

ਜਿਗਿਆਸੂ जिग्यासू Jigyāsū [3] **वि०**
जिज्ञासु (वि०) जिज्ञासु, जिज्ञासा वाला।

ਜਿਠਾਣੀ जिठाणी Jiṭhāṇī [3] **स्त्री०**
ज्येष्ठराज्ञी (स्त्री०) जेठ की पत्नी।

ਜਿਠੀ जिठी Jiṭhī [1] **स्त्री०**
ज्येष्ठपुत्री (स्त्री०) जेठ की पुत्री।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਿੱਤ जित्त् Jitt [3] स्त्री०
जित (नपुं०) जीत, जय, विजय।

ਜਿੱਤਣਾ जित्त्णा Jittṇā [3] सक० क्रि०
जयति (भ्वादि सक०) जीतना, विजय पाना।

ਜਿੱਥੇ जित्थे Jitthe [3] क्रि० वि०
यस्मिन् स्थाने (क्रि० वि०) जहाँ, जिस स्थान पर।

ਜਿੰਦ-ਦਾਤਾ जिन्द्-दाता Jind dātā [2] पुं०
जीवनदातृ (वि०) जीवनदाता, जीवन देने वाला।

ਜਿੰਦਰਾ जिन्द्रा Jindrā [3] पुं०
यन्त्र (नपुं०) ताला; मिट्टी आदि खींचने की फरुही।

ਜਿੱਦਣ जिद्दण् Jiddaṇ [3] क्रि० वि०
यस्मिन् दिने (क्रि० वि०) जिस दिन।

ਜਿਮਾਉਣਾ जिमाउणा Jimāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਜਮਾਉਣਾ।

ਜਿਵਣਾ जिव्णा Jīvṇā [1] अक० क्रि०
द्र०—ਜਿਉਣਾ।

ਜਿਵਾਉਣਾ[1] जिवाउणा Jivāuṇā [3] सक० क्रि०
जीवयति (भ्वादि प्रेर०) जिलाना, बचाना, जीवित करना।

ਜਿਵਾਉਣਾ[2] जिवाउणा Jivāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਜਮਾਉਣਾ।

ਜਿਵਾਲਣਾ जिवाल्णा Jivālṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਜਿਵਾਉਣਾ[1]।

ਜਿਵੇਂ जिवें Jivẽ [3] अ०
यथा (अ०) यथा, जैसे, जिस तरह।

ਜੀ जी Jī [3] पुं०
जीव (पुं०) जीव, प्राणी, शरीरधारी।

ਜੀਉ जीउ Jīu]3] पुं०
जीव (पुं०) आत्मा; प्राण; प्राणी।

ਜੀਉਕਾ जीउका Jīukā [1] स्त्री०
द्र०—ਜੀਵਕਾ।

ਜੀਉਣ जीउण् Jīuṇ [3] पुं०
जीवन (नपुं०) जीवन, जिन्दगी।

ਜੀਉਣ-ਬੂਟੀ जीउण्-बूटी Jīuṇ-Būṭī [3] स्त्री०
जीवनवटी (स्त्री०) संजीवनीबूटी, औषध-विशेष।

ਜੀਉਣਾ जीउणा Jīuṇā [3] अक० क्रि०
जीवति (भ्वादि अक०) जीना, जीवित रहना।

ਜੀਉੜਾ जीउड़ा Jiuṛā [3] पुं०
द्र०—ਜੀਅੜਾ।

ਜੀਅ जीअ Jīa [3] पुं०
द्र०—ਜੀ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੀਅੜਾ जीअड़ा Jīaṛā [2] पुं०
जीव (पुं०) जीव; हृदय; मन।

ਜੀਆਘਾਤ जीआघात् Jīāghāt [3] पुं०
जीवघात (पुं०) जीव-हिंसा, प्राणि-वध।

ਜੀਆਘਾਤੀ जीआघाती Jīāghātī [3] पुं०
जीवघातिन् (वि०) जीव-हिंसक, हत्यारा।

ਜੀਆਦਾਨ जीआदान् Jīādān [3] पुं०
जीवदान (नपुं०) जीवन-दान, प्राण का दान, प्राणोत्सर्ग।

ਜੀਣਾ जीणा Jīṇā [3] अक० क्रि०
जीवति (भ्वादि अक०) जीना, जीवन धारण करना।

ਜੀਂਦਾ जींदा Jīndā [3] पुं०
जीवित (वि०) जीवित, जीवन-युक्त।

ਜੀਭ जीभ् Jībh [3] स्त्री०
जिह्वा (स्त्री०) जीभ, रसना।

ਜੀਰਣ[1] जीरण् Jīraṇ [3] वि०
जीर्ण (वि०) जीर्ण, पुराना, कटा-फटा।

ਜੀਰਣ[2] जीरण् Jīraṇ [3] स्त्री०
अजीर्ण (नपुं०) अजीर्ण, अनपच, बदहजमी।

ਜੀਰਨ जीरन् Jīran [3] वि०
द्र०—ਜੀਰਣ[1]।

ਜੀਰਾ जीरा Jīrā [3] पुं०
जीरक (नपुं०) जीरा, मसाला-विशेष।

ਜੀਰੀ जीरी Jīrī [3] स्त्री०
जीरक (पुं०) धान; चावल का एक प्रकार।

ਜੀਵਕਾ जीव्का Jīvkā [3] स्त्री०
जीविका (स्त्री०) जीविका, वृत्ति, रोजी।

ਜੀਵਨ जीवन् Jīvan [3] पुं०
जीवन (नपुं०) जीवन, जिन्दगी।

ਜੀਵਾਉਣਾ जीवाउणा Jīvāuṇā [3] सक० क्रि०
जीवयति (भ्वादि प्रेर०) जिलाना, जीवन देना।

ਜੀਵਾਲਣਾ जीवाल्णा Jīvālṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਜੀਵਾਉਣਾ।

ਜੀਵਿਤ जीवित् Jīvit [3] वि०
जीवित (वि०) जीवित, जिन्दा।

ਜੁਅਰ ज्वर् Jvar [3] पुं०
ज्वर (पुं०) ज्वर, ताप, बुखार।

ਜੁਆਈ ज्वाई Jvāī [3] पुं०
जामातृ (पुं०) जामाता, दामाद।

ਜੁਆਨ ज्वान् Jvān [3] पुं०
युवन् (पं०) युवक, जवान।

ਜੁਆਨੀ ज्वानी Jvānī [3] स्त्री०
यौवन (नपुं०) जवानी, यौवन, युवावस्था।

ਜੁਆਰ ज्वार् Jvār [3] स्त्री०
यवाकार (पुं०) ज्वार, अन्न-विशेष।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜ਼ੁਵਾਰਨ ज्वारन् Jvāran [3] **स्त्री०**
द्यूतकारिणी (स्त्री०) जुआरी स्त्री, जुआ खेलने वाली।

ਜ਼ੁਆਰੀ जुआरी Juārī [3] **पुं०**
द्यूतकारिन् (वि०) जुआरी, जुआ खेलने वाला।

ਜ਼ੁਆਰੀਆ जुआरीआ Juārīā [3] **पुं०**
द्र०—ਜ਼ੁਆਰੀ।

ਜ਼ੁਆਲਾ ज्वाला Jvālā [3] **स्त्री०**
ज्वाला (स्त्री०) ज्वाला, आग की लपट।

ਜ਼ੁਆਲਾਮੁਖੀ ज्वालामुखी Jvālāmukhī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਜ਼ਵਾਲਾਮੁਖੀ।

ਜ਼ੁਗ जुग् Jug [3] **पुं०**
युग (नपुं०) जोड़ा; जगत्; सत्ययुग आदि चारों युग।

ਜ਼ੁਗਤ[1] जुगत् Jugat [3] **वि०**
युक्त (वि०) जुड़ा हुआ, संयुक्त।

ਜ਼ੁਗਤ[2] जुगत् Jugat [3] **स्त्री०**
युक्ति (स्त्री०) युक्ति, उपाय; तर्क; ढंग।

ਜ਼ੁਗਮ जुगम् Jugam [3] **पुं०**
युग्म (नपुं०) जोड़ा; मिलन, समागम।

ਜ਼ੁਗਲ जुगल् Jugal [3] **पुं०**
युगल (नपुं०) जोड़ा, युग्म।

ਜ਼ੁਗਾਦਿ जुगादि Jugādi [3] **पुं०**
युगादि (पुं०) युग का आरम्भ।

ਜ਼ੁਗਾਂਤ जुगांत् Jugānt [3] **पुं०**
युगान्त (पुं०) युग का अन्त, युवावस्था।

ਜ਼ੁਗੇਸ਼ जुगेश् Jugeś [3] **पुं०**
योगेश (पुं०) योगेश्वर, भगवान् कृष्ण या शिव।

ਜ਼ੁਗੰਤਰ जुगन्तर् Jugantar [3] **पुं०**
युगान्तर (नपुं०) दूसरा युग, अन्य युग।

ਜ਼ੁਜ जुज् Juj [1] **पुं०**
यजुष् (नपुं०) यजुर्वेद; गद्य-भाग।

ਜ਼ੁਝਊਆ जुझऊआ Jujhaūā [3] **पुं०**
योद्धृ (वि०) जुझारू, लड़ाकू।

ਜ਼ੁਝਣਾ जुझ्णा Jujhṇā [3] **अक० क्रि०**
युद्धयते (दिवादि अक०) जूझना, युद्ध करना।

ਜ਼ੁਝਾਰ जुझार् Jujhār [3] **पुं०**
योद्धृ (वि०) जुझारू, लड़ाकू।

ਜ਼ੁੱਝ जुज्झ् Jujjh [2] **स्त्री०**
युद्ध (नपुं०) युद्ध, लड़ाई, संग्राम।

ਜ਼ੁਟਣਾ जुट्णा Juṭṇā [3] **अक० क्रि०**
जटति (भ्वादि अक०) जुड़ना, युक्त होना।

ਜ਼ੁਠ जुठ् Juṭh [1] **स्त्री०**
द्र०—ਜ਼ੂਠ।

ਜ਼ੁਠਾਉਣਾ जुठाउणा Juṭhāuṇā [3] **सक० क्रि०**
जुषते (तुदादि सक०) जूठा करना, उच्छिष्ट करना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੁਠਾਲਣਾ जुठाल्णा Juṭhalṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਗੁਠਾਉਣਾ ।

ਜੁੱਠਾ जुट्ठा Juṭṭhā [2] पुं०
द्र०—ਜੂਠਾ ।

ਜੁਤਣਾ जुत्णा Jutṇā [3] अक० क्रि०
युनक्ति (रुधादि अक०) जुटना, युक्त होना, संलग्न होना ।

ਜੁਤਾਉਣਾ जुताउणा Jutāuṇā [3] सक० क्रि०
योजयति (रुधादि प्रेर०) जोड़ना, युक्त करना ।

ਜੁੱਤਾ जुत्ता Juttā [3] पुं०
युक्तक (नपुं०) जूता, पनही ।

ਜੁੱਤੀ जुत्ती Juttī [3] स्त्री०
युक्तकी (स्त्री०) जूती, छोटा जूता ।

ਜੁੱਧ जुद्ध् Juddh [3] पुं०
युद्ध (नपुं०) युद्ध, लड़ाई, संग्राम ।

ਜੁਵਾਰ जुवार् Juvār [3] पुं०
द्र०—ਜੁਆਰ ।

ਜੁੜਨਾ जुड़्ना Juṛnā [3] अक० क्रि०
जुडति (तुदादि अक०) जुड़ना, मिलना ।

ਜੂੰ जूँ Jū̃ [3] स्त्री०
यूका (स्त्री०) जूँ, सिर के बालों में होने वाला जीव-विशेष ।

ਜੂਆ जूआ Jūā [3] पुं०
द्यूत (नपुं०) जूआ, चौपड़ का खेल ।

ਜੂਝਣਾ जूझ्णा Jūjhṇā [3] अक० क्रि०
युद्धयते (दिवादि अक०) जूझना, युद्ध करना, लड़ना ।

ਜੂਠ जूठ् Jūṭh [3] वि०
जुष्ट (नपुं०) जूठा, उच्छिष्ट ।

ਜੂਠਾ जूठा Jūṭhā [3] पुं०
द्र०—ਜੂਠ ।

ਜੂਨੀ जूनी Jūnī [3] स्त्री०
योनि (स्त्री०) योनि, उत्पत्ति-स्थान ।

ਜੂੜਾ जूड़ा Jūṛā [3] पुं०
जूट (पुं०) जूड़ा, केश-पाश ।

ਜੂੜੀ जूड़ी Jūṛī [3] स्त्री०
जूटिका (स्त्री०) छोटा जूड़ा ।

ਜੇ जे Je [3] अ०
यदि (अ०) यदि, अगर ।

ਜੇਉਣਾ जेउणा Jeuṇā [2] सक० क्रि०
जेमति/ते (भ्वादि सक०) जीमना, भोजन करना ।

ਜੇਉੜਾ जेउड़ा Jeuṛā [3] पुं०
ज्या (स्त्री०) रस्सा; डोर ।

ਜੇਉੜੀ जेउड़ी Jeuṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਜੇਉੜਾ ।

ਜੇਹਾ जेहा Jehā [3] अ०
द्र०—ਜਿਹਾ ।

ਜੇਹਾ-ਕੇਹਾ जेहा-केहा Jehā-Kehā [3] अ०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

यथा-कथा (अ०) जैसे तैसे, जिस किसी तरह से।

ਜੇਹੀ-ਤੇਹੀ जेही-तेही Jehī-Tehī [3] अ०
यथा-तथा (अ०) जैसा-तैसा, जिस किसी तरह।

ਜੇਠ जेठ् Jeṭh [3] पुं०
ज्येष्ठ (पुं०) जेठ, पति का बड़ा भाई; ज्येष्ठ मास।

ਜੇਠਲ जेठल् Jeṭhal [3] स्त्री०
ज्येष्ठा (स्त्री०) पत्नी की सबसे बड़ी बहन।

ਜੇਠਾ जेठा Jeṭhā [3] पुं०
ज्येष्ठ (वि०) सबसे बड़ा।

ਜੇਤਾ जेता Jetā [1] सर्व०
यावत् (सर्व०) जितना।

ਜੇਤੂ जेतू Jetū [3] पुं०
जेतृ (वि०) जेता, जीतने वाला।

ਜੇਰ जेर् Jer [3] स्त्री०
जरायु (नपुं०) गर्भाशय के ऊपर की झिल्ली, गर्भाशय; भग।

ਜੇਰਜ जेरज् Jeraj [3] वि०
जरायुज (वि०) गर्भ की झिल्ली से पैदा होने वाले जीव।

ਜੈਸਲ जैसल् Jaisal [3] पुं०
जयशाल (पुं०) यदुवंशी भट्टी राजपूत दुशाज के पुत्र रावल जैशल जिन्होंने सन् 1156 में जैसलमेर नगर बसाया था।

ਜੈਸਾ जैसा Jaisā [3] पुं०
यादृश (वि०) जैसा, जिस तरह का।

ਜੈਸੀ जैसी Jaisī [3] स्त्री०
यादृशी (स्त्री०) जैसी, जिस प्रकार की।

ਜੈਕਾਰਾ जैकारा Jaikārā [3] पुं०
जयकार (पुं०) जयकार, विजय-घोष।

ਜੈਂਡ जैंड् Jāid [1] वि०
जड (वि०) जड़, मूर्ख।

ਜੈਂਡਾ जैंडा Jāidā [1] सर्व०
यस्य (सर्व० षष्ठ्यन्त) जिसका।

ਜੈਂਦਾ जैंदा Jāidā [1] सर्व०
द्र०—ਜੈਂਡਾ।

ਜੈਪਾਲ जैपाल् Jaipāl [3] पुं०
जयपाल (पुं०) जयपाल, हिन्तपाल का पुत्र और पंजाब का एक ब्राह्मण राजा। इसकी राजधानी लाहौर और भटिण्डा थी।

ਜੈਫਲ जैफल् Jaiphal [3] पुं०
जातिफल (नपुं०) जायफल, ओषधि-विशेष।

ਜੋ जो Jo [3] सर्व०
यः (सर्व० प्रथमान्त) जो।

ਜੋਸੀ जोसी Josī [3] पुं०
ज्योतिषिन् (पुं०) ज्योतिषी; ब्राह्मणों की एक उपाधि।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੋਕ जोक् Jok [3] स्त्री०
जलूका (स्त्री०) जोंक, जलीय जन्तु-विशेष।

ਜੋਗ जोग् Jog [3] पुं०
योग (पुं०) योग; जोड़; संबन्ध; व्यायाम; ज्योतिष में काल सूचक योग जिनकी संख्या 27 है।

ਜੋਗਣ जोगण् Jogaṇ [3] स्त्री०
योगिनी (स्त्री०) योगिनी, योग करने वाली; संन्यासिनी।

ਜੋਗਣੀ जोग्णी Jogṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਜੋਗਣ।

ਜੋਗਨਾਥ जोग्नाथ् Jognāth [3] पुं०
योगिनाथ (पुं०) योगिनाथ, भगवान् शिव।

ਜੋਗਨਿੰਦਰਾ जोग्निन्द्रा Jognindrā [3] स्त्री०
योगनिद्रा (स्त्री०) योग की समाधि; योग-माया; भगवान् की प्रलयकालिक नींद।

ਜੋਗਨੀ जोग्नी Jognī [2] स्त्री०
द्र०—ਜੋਗਣ।

ਜੋਗਾ जोगा Jogā [3] वि०
योग्य (वि०) उचित, ठीक, समीचीन।

ਜੋਗਾਸਣ जोगासण् Jogāsaṇ [3] पुं०
योगासन (नपुं०) योग-साधन का आसन, समाधि में बैठने की विशेष रीति।

ਜੋਗਾਧਾਰੀ जोगाधारी Jogādhārī [3] पुं०
योगधारिन् (वि०) योग लगाने वाला, योगी।

ਜੋਗੀ जोगी Jogī [3] पुं०
योगिन् (वि०) योगी, सिद्ध महात्मा, अलौकिक शक्ति से सम्पन्न।

ਜੋਗੀਸ਼ਰ जोगीशर् Jogīśar [3] पुं०
योगीश्वर (पुं०) योगिराज, भगवान् श्रीकृष्ण या शिव।

ਜੋਗੀਸ਼ਵਰ जोगीश्वर् Jogīśvar[2] पुं०
द्र०—ਜੋਗੀਸ਼ਰ।

ਜੋਗੀੜਾ जोगीड़ा Jogīṛā [1] पुं०
योगिन् (पुं०) योगी, सिद्ध पुरुष।

ਜੋਣਾ जोणा Joṇā [3] सक० क्रि०
योजयति (रुधादि प्रेर०) जोड़ना; कार्य प्रारम्भ करना।

ਜੋਤ[1] जोत् Jot [3] स्त्री०
ज्योतिष् (नपुं०) ज्योति, प्रकाश; तेज, चमक।

ਜੋਤ[2] जोत् Jot [3] पुं०
योक्त्र (नपुं०) जोता, हल के जुए की रस्सी, रस्सी।

ਜੋਤਸ਼ ज़ोतष् Jotaṣ [3] पुं०
ज्योतिष् (नपुं०) ज्योति, प्रकाश, रोशनी; नक्षत्र; ज्योतिष शास्त्र।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੋਤਸ਼ੀ जोत्षी Jotṣī [3] पुं०
ज्योतिषिन् (वि०) ज्योतिषी, ज्योतिष शास्त्र का ज्ञाता, नक्षत्रों की स्थिति-वशात् शुभाशुभ फल का वक्ता।

ਜੋਤਣਾ जोत्णा Jatṇā [3] सक० क्रि०
योक्त्रयति (नामधातु सक०) जोड़ना, बाँधना, संबद्ध करना।

ਜੋਤਮਾਨ जोत्मान् Jotmān [3] पुं०
ज्योतिषमत् (वि०) चमकीला, चमकदार।

ਜੋਤਰ जोत्र Jotar [3] स्त्री०
योक्त्र (नपुं०) जोता, चर्मरज्जु, चमड़े की रस्सी।

ਜੋਤਰਾ जोत्रा Jatrā [3] पुं०
द्र०—ਜੋਤਰ।

ਜੋਤਾ जोता Jotā [3] पुं०
ज्यौतिष (वि०) दिन का पूर्वार्द्ध, प्रथम प्रहर।

ਜੋਧਾ जोधा Jodhā [3] पुं०
योद्धृ (वि०) योद्धा, वीर, सैनिक।

ਜੋਨੀ जोनी Jonī [3] स्त्री०
द्र०—ਜੂਨੀ।

ਜੋਬਨ जोबन् Joban [3] पुं०
यौवन (नपुं०) यौवन, जवानी, युवावस्था।

ਜੋਵਾਰ जोवार् Jovār [3] पुं०
द्र०—ਜੁਆਰ।

ਜੋੜ जोड़् Joṛ [3] पुं०
योग/जोट (पुं०) जोड़, योग।

ਜੋੜੀ जोड़ी Joṛī [3] स्त्री०
युगल (नपुं०) जोड़ी, युग्म।

ਜੌ जौ Jau [3] अ०
यदि (अ०) यदि, अगर।

ਜੌਂ जौं Jaū [3] पुं०
यव (पुं०) जौ, रवी फसल का एक अन्न।

ਜੌਖਾਰ जौखार् Jaukhār [3] पुं०
यवक्षार (पुं०) जौ की राख से निर्मित अम्लीय औषध-विशेष।

ਜੌੜਾ जौड़ा Jauṛā [3] पुं०
यम (पुं०) जुड़वाँ, सहजात दो बच्चे।

ਜੰਗਲ जंगल् Jañgal [3] पुं०
जङ्गल (पुं०, नपुं०) जङ्गल, वन।

ਜੰਘ जंघ् Jaṅgh [3] स्त्री०
जङ्घा (स्त्री०) जाँघ, कटि और घुटने के बीच का भाग।

ਜੰਞ जंज् Jañj [3] स्त्री०
जन्या (स्त्री०) बारात, वर-यात्रा।

ਜੰਞੂ जंजू Jañjū [3] पुं०
यज्ञोपवीत (नपुं०) जनेऊ, ग्रन्थि-युक्त सूत्र-विशेष जिसे बाँये कन्धे से शरीर में धारण करते हैं।

ਜੰਤ जन्त Jant [3] पुं०
जन्तु (पुं०) जन्तु, प्राणी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੰਤਰ जन्तर् Jantar [3] पुं०
यन्त्र (नपुं०) यन्त्र, औजार, मशीन।

ਜੰਤਰਿਕ जन्त्रिक् Jantrik [3] वि०
यान्त्रिक (वि०) यन्त्र-सम्बन्धी।

ਜੰਤਾ जन्ता Jantā [3] स्त्री०
जनता (स्त्री०) जनता, प्रजा।

ਜੰਤੂ जन्तू Jantū [3] पुं०
जन्तु (पुं०) जन्तु, प्राणी, जीव।

ਜੰਦ जन्द् Jand [3] पुं०
यन्त्र (नपुं०) पनचक्की, पानी से चलने वाली गेहूँ आदि पीसने की मशीन।

ਜੰਦਰਾ जन्द्रा Jandrā [3] पुं०
द्र—ਜੰਦਾ।

ਜੰਦਰੀ जन्द्री Jandrī [3] स्त्री०
द्र०—ਜੰਦੀ।

ਜੰਦਾ जन्दा Jandā [3] पुं०
यन्त्र (नपुं०) ताला; मशीन।

ਜੰਦੀ जन्दी Jandī [3] स्त्री०
यन्त्र (नपुं०) छोटा ताला, तार बनाने की मशीन।

ਜੰਨ जन्न् Jann [3] स्त्री०
जन्या (स्त्री०) बारात, वर-यात्रा।

ਜੰਬੂਲ जंबूल् Jambūl [3] पुं०
जम्बूल (पुं० / नपुं०) पुं०—जामुन का वृक्ष। नपुं०—जामुन का फल।

ਜੰਮਣ जंमण् Jammaṇ [3] पुं०
जन्मन् (पुं०) जन्म, उत्पत्ति; उगना।

ਜੰਮਣ-ਮਰਨ जम्मण्-मरन् Jammaṇ-Maran [3] पुं०
जन्म-मरण (नपुं०) जन्म-मरण, जीना-मरना।

ਜੰਮਣਾ जम्मणा Jammṇā [3] अक० क्रि०
जायते (दिवादि अक०) उत्पन्न होना; उगना।

ਜੰਮੂ जम्मू Jammū [2] पुं०
जम्बू (स्त्री०) जामुन का वृक्ष या फल।

ਝ

ਝੱਸਣਾ झस्सणा Jhassaṇā [3] सक० क्रि०
झषति (भ्वादि सक०) मारना, दुःख देना; मसलना।

ਝਹਾ झहा Jhahā [3] पुं०
जहका (स्त्री०) झाउ चूहा; साँप की केंचुली।

ਝੱਜਰ झज्जर् Jhajjar [3] पुं०, स्त्री०
अलिञ्जर (पुं०) पानी की झारी, सुराही, झज्झर।

ਝਟਪਟ झट्पट् Jhaṭpaṭ [3] क्रि० वि०
झटिति (अ०) झट-पट, जल्दी, तुरन्त।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਝਟਾਕ झटाक् Jhaṭāk [2] **क्रि० वि०**
द्र०—झटपट ।

ਝਟਾਪਟ झटापट् Jhaṭāpaṭ [2] **क्रि० वि०**
द्र०—झटपट ।

ਝਣਕਾਰ झण्कार् Jhaṇkār [3] **पुं०, स्त्री०**
झङ्कार (पुं०) झंकार, मधुर ध्वनि ।

ਝਣਝਣਾਉਣਾ झण्झणाउणा Jhaṇjhaṇāuṇā [3] **सक० क्रि०**
झणझणायते (नामधातु सक०) झन-झनाना, झङ्कार करना ।

ਝਨਕਾਰ झन्कार् Jhankār [3] **पुं० स्त्री०**
द्र०—झणकार ।

ਝਰਨਾ झर्ना. Jharnā[3] **पुं०**
झरणा (नपुं०) झरना, निर्झर ।

ਝਰਨੀ झर्नी Jharnī [3] **स्त्री०**
निर्झरणी (स्त्री०) छोटा झरना ।

ਝਲਕਣਾ झल्कणा Jhalkaṇā [3] **अक० क्रि०**
झल्लिकायते (नामधातु अक०) झलकना, चमकना, प्रकाशित होना ।

ਝਲਕਾ झल्का Jhalkā [3] **पुं०**
झल्लिका (स्त्री०) झलक, चमक; प्रकाश ।

ਝੜਨਾ झड़्ना Jhaṛnā [3] **अक० क्रि०**
झृणाति (क्र्यादि अक०) फूल पत्तियों का झड़ना, डाली से टूटकर गिरना ।

ਝਾਉ झाऊ Jhāū [3] **पुं०**
झावु/झावुक (पुं०) झाऊ नामक पौधा जिससे झाड़ू या टोकरी इत्यादि बनाई जाती है ।

ਝਾਈ झाई Jhāī [3] **स्त्री०**
उपाध्यायी (स्त्री०) माता, माँ, जननी; आचार्य की पत्नी ।

ਝਾਂਜਰ झांजर् Jhājar [3] **स्त्री०**
झांजर (पुं०) झाँझ, मजीरा ।

ਝਾਂਜਾ झांजा Jhājā [3] **पुं०**
झञ्झा (स्त्री०) झंझावात, अन्धड़ ।

ਝਾਮਾ झामा Jhāmā [3] **पुं०**
झामक (नपु०) झाँवा ईंट, बहुत जली हुई ईंट ।

ਝਾਰ झार् Jhār [3] **पुं०**
झाट (पु०) झाड़, कुँज, लता से ढका स्थान ।

ਝਾਰਾ झारा Jhārā [3] **पुं०**
झार (पुं०) चलनी, छानने का उपकरण ।

ਝਾਰੀ झारी Jhārī [3] **स्त्री०**
द्र०—झँजर ।

ਝਾਲ झाल् Jhāl [3] **स्त्री०**
ज्वाल (पुं०) ज्वाला, आग की लपट ।

ਝਾਲਰ झालर् Jhālar [3] **स्त्री०**
झल्लरी (स्त्री०) झांझ, मजीरा, झालर ।

ਝਾਲਰੀ झाल्री Jhalrī [3] **स्त्री०**
द्र०—झालर ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਝਾਲਾ झाला Jhālā [3] स्त्री०
ज्वाल (पुं०) तेज, प्रकाश ।

ਝਾਂਵਾਂ झाँवाँ Jhāvā̃ [3] पुं०
द्र०—ਝਾਮਾ ।

ਝਾੜ झाड़् Jhāṛ [3] पुं०
झाट (पुं०) झाड़ी, कुंज, लताच्छन्न स्थान ।

ਝਾੜਨਾ झाड़्ना Jhāṛnā [3] सक० क्रि०
झर्झति (भ्वादि सक०) फटकारना, निन्दा करना ।

ਝਾੜੀ झाड़ी Jhāṛī [3] स्त्री०
झटि (स्त्री०) छोटी झाड़ी, काँटेदार छोटी बेल ।

ਝਿਊਰ झिऊर् Jhiūr [3] पुं०
धीवर (पुं०) मल्लाह, मछुआरा ।

ਝਿੰਕਾਰ झिंकार् Jhiṅkār [1] स्त्री०
द्र०—ਝਣਕਾਰ ।

ਝਿੰਗ झिंग् Jhiṅg [3] स्त्री०
झोरुका (स्त्री०) झींगुर, कीट-विशेष ।

ਝਿੱਲੀ झिल्ली Jhillī [3] स्त्री०
झिल्लि (स्त्री०) झिंगुर, कीट-विशेष ।

ਝਿੜੀ झिड़ी Jhiṛī [3] स्त्री०
झटि (स्त्री०) झाड़ी, काँटेदार छोटी बेल ।

ਝੀਉਰ झीउर् Jhīur [3] पुं०
द्र०—ਝਿਊਰ ।

ਝੀਉਰੀ झीउरी Jhīurī [3] स्त्री०
धीवरी (स्त्री०) मल्लाहिन, मछुआरिन ।

ਝੀਂਗਰ झींगर् Jhīngar [3] पुं०
झीरुका (स्त्री०) झींगुर, कीट-विशेष ।

ਝੀਣਾ झीणा Jhīṇā [3] पुं०
क्षीण (वि०) नष्ट; दुर्बल, कृश ।

ਝੀਨਾ झीना Jhīnā [3] पुं०
द्र०—ਝੀਣਾ ।

ਝੁੰਡ झुण्ड् Jhuṇḍ [3] पुं०
झुण्ट (पुं०) झाड़ी, गिरोह, टोली ।

ਝੁਣਕਾਰ झुण्कार् Jhuṇkār [1] स्त्री०
द्र०—ਝਣਕਾਰ ।

ਝੂਣਨਾ झूण्ना Jhūṇnā [3] सक० क्रि०
धूनोति (स्वादि सक०) हिलाना, कम्पन करना ।

ਝੂਣਾ झूणा Jhūṇā [3] पुं०
धून (नपुं०) धूनना; कम्पन, हिलाने का भाव ।

ਝੂਨਾ झूना Jhūnā [3] पुं०
द्र०—ਝੂਣਾ ।

ਝੂਲਣਾ झूल्णा Jhūlṇā [3] अक० क्रि०
हिन्दोलयति/ते (चुरादि अक०) झूला, झूलना; उचकना; हिलना-डुलना,

ਝੂਲਾ झूला Jhūlā [3] पुं०
हिन्दोल (पुं०) हिंडोला, झूला ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਟ

ਟਹਾਕਾ टहाका Ṭahākā [1] पुं०
अट्टहास (पुं०) ठहाका, जोर की हँसी।

ਟਕਸਾਲ टक्साल् Ṭaksāl [3] पुं०
टङ्कशाला (स्त्री०) टकसाल, कोषागार।

ਟਕਾ टका Ṭakā [3] पुं०
टङ्क (नपुं०, पुं०) सिक्का।

ਟਕਾਣਾ टकाणा Ṭakāṇā [1] पुं०
द्र०—ਠਿਕਾਣਾ।

ਟਕੋਰ टकोर् Ṭakor [3] पुं०
टङ्कार (पुं०) धनुष खींचने की ध्वनि, टंकार; आवाज।

ਟਟੀਹਰੀ टटीह्री Ṭaṭīhrī [3] स्त्री०
टिट्टिभ (पुं०) टिटिहरी चिड़िया।

ਟਣਕਾਰ टण्कार् Ṭaṇkār [3] स्त्री०
द्र०—ਟਕੋਰ।

ਟਣਕੋਰ टण्कोर् Ṭaṇkor [2] स्त्री०
द्र०—ਟਕੋਰ।

ਟੱਬਰ टब्बर् Ṭabbar [3] पुं०
कुटुम्ब (पुं०, नपुं०) बाल-बच्चे, संतान, परिवार।

ਟਰਕਾਉਣਾ टर्काउणा Ṭarkāuṇā [3] सक० क्रि०
टालयति (भ्वादि प्रेर०) टरकाना, टालना।

ਟਰਕਾਣਾ टर्काणा Ṭarkāṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਟਰਕਾਉਣਾ।

ਟਰਨਾ टर्ना Ṭarnā [3] अक० क्रि०
टलति (भ्वादि अक०) हटना; खिसकना; दुःखित होना।

ਟਲਣਾ टल्णा Ṭalṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਟਰਨਾ।

ਟੱਲੀ टल्ली Ṭallī [3] स्त्री०
घण्टाली (स्त्री०) छोटा घण्टा, घण्टी।

ਟਾਂਕਣਾ टांक्णा Ṭāṅkṇā [3] सक० क्रि०
टङ्कति (भ्वादि, चुरादि सक०) बाँधना, जोड़ना, टाँकना।

ਟਾਂਕਾ टांका Ṭāṅkā [3] पुं०
टङ्कण (नपुं०) जोड़, बन्धन।

ਟਾਕੂਆ टाकूआ Ṭākūā [3] पुं०
तर्कु (पुं०) टेकुआ, तकुआ।

ਟਾਲਣਾ टाल्णा Ṭālṇā [3] सक० क्रि०
टालयति (भ्वादि प्रेर०) टालना, हटाना, खिसकाना।

ਟਿਕ टिक् Ṭik [1] स्त्री०
यष्टिका (स्त्री०) छड़ी, लाठी।

ਟਿਕਾਉਣਾ टिकाउणा Ṭikāuṇā [3] सक० क्रि०
टेकते (भ्वादि प्रेर०) टिकाना, रखना; वश में करना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਟਿਕਾਣਾ टिकाणा Ṭikāṇā [2] पुं०
द्र०—ठिकाणा ।

ਟਿੱਡ टिड्ड Ṭiḍḍ [3] पुं०
टिट्टिभ (पुं०) टिड्डा, नर टिड्डी ।

ਟੀਟ टीट् Ṭīṭ [3] वि०
तिक्त (वि०) तीता, कड़वा ।

ਟੀਰਾ टीरा Ṭīrā [3] पुं०
टेरक (वि०) कैरा, ऐंचाताना, भैंगा ।

ਟੁੱਚਾ टुच्चा Ṭuccā [3] पुं०
तुच्छ (वि०) लुच्चा, कमीना, नीच ।

ਟੁੱਟਣਾ टुट्टणा Ṭuṭṭṇā [3] अक० क्रि०
त्रुट्यति (तुदादि सक०) टूटना, खण्डित होना ।

ਟੁੰਡਾ टुण्डा Ṭuṇḍā [3] पुं०
रुण्ड (पुं०, नपुं०) धड़, कबन्ध, शिर-रहित शरीर ।

ਟੁਰਨਾ टुर्ना Ṭurnā [3] अक० क्रि०
त्वरते (भ्वादि अक०) जल्दी करना, शीघ्र जाना ।

ਟੂਟੀ टूटी Ṭūṭī [3] स्त्री०
तुण्ड (नपुं०) पानी की टोंटी; नासा, नाक ।

ਟੇਕਣਾ टेक्णा Ṭeknā [3] सक० क्रि०
टेकते (भ्वादि सक०) मस्तक आदि टेकना; रखना, सहारा देना ।

ਟੇਕਨਾ टेक्ना Ṭeknā [3] सक० क्रि०
द्र०—टेकणा ।

ਟੋਟਾ टोटा Ṭoṭā [3] स्त्री०
त्रुटि (स्त्री०) कमी, घाटा, अभाव ।

ਟੰਗ टंग् Ṭaṅg [3] स्त्री०
टङ्क (पुं०) टाँग, पैर ।

ठ

ਠਉਂ ठउँ Ṭhaū [1] पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान, जगह ।

ਠਹਾਕਾ ठहाका Ṭhahākā [3] पुं०
अट्टहास (पुं०) ठहाका, जोर की हँसी ।

ਠਹਿਰਨਾ ठहिर्ना Ṭhahirnā [3] अक० क्रि०
तिष्ठति (भ्वादि अक०) ठहरना, खड़ा होना; स्थित होना, रुकना ।

ਠਹਿਰਾਉਣਾ ठहिराउणा Ṭhahirāuṇā [3] सक० क्रि०
स्थापयति (भ्वादि प्रेर०) ठहराना, स्थिर करना, रोकना ।

ਠਗ ठग् Ṭhag [3] वि०
स्थग (वि०) धूर्तता से धन हरनेवाला, वञ्चक ।

ਠੱਪਣਾ ठप्पणा Ṭhappṇā [3] सक० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

स्थापयति (भ्वादि प्रेर०) स्थापित करना; बन्द करना; दृढ़ निश्चय करना ।

ਠਰ ठर् Ṭhar [3] पुं०
ठार (पुं०) ठंडा होने की दशा; पाला ।

ਠਰਨਾ ठर्ना Ṭharnā [3] अक० क्रि०
स्थलति (भ्वादि अक०) ठरना, ठंडा होना; पाला पड़ना ।

ਠਾਹ ठाह् Ṭhāh [3] पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान, जगह ।

ਠਾਕਰ ठाकर् Ṭhākar [3] पुं०
ठक्कुर (पुं०) देवता; स्वामी, राजा; राजपूतों की एक उपाधि ।

ਠਾਣ ठाण् Ṭhāṇ [3] पुं०
स्थान (नपुं०) ठाँव, स्थान, जगह ।

ਠਾਰਨਾ ठार्ना Ṭhārnā [3] सक० क्रि०
स्थिरयति (नामधातु सक०) ठंडा करना, शीतल करना ।

ਠਿਕਾਣਾ ठिकाणा Ṭhikāṇā [3] पुं०
स्थान (नपुं०) ठिकाना, आवास-स्थान, पता ।

ਠਿੰਗਾ ठिंगा Ṭhiṅgā [1] पुं०
द्र०—ਠੇਂਗਾ ।

ਠੁੱਲ੍ਹਾ ठुल्ल्हा Ṭhullhā [3] पुं०
स्थूल (वि०) मोटा; बड़े आकार का ।

ਠੇਂਗਾ ठेंगा Ṭhēgā [3] पुं०
दण्ड > दण्डा > डण्डा > डेंगा > ठेंगा (पुं०) डण्डा, लाठी ।

ਠੇਰਾ ठेरा Ṭherā [3] पुं०
स्थविर (पुं०) वृद्ध, बूढा ।

ਠੋਸਾ ठोसा Ṭhosā [3] पुं०
अङ्गुष्ठ (पुं०) अंगूठा ।

ਠੋਡੀ ठोडी Ṭhoḍī [3] स्त्री०
तुण्ड (नपुं०) मुख, चोंच ।

ਡ

ਡਸ डस् Ḍas [1] पुं०
दंश (पुं०) काटने या डसने का भाव ।

ਡਸਣਾ डस्णा Ḍasṇā [3] सक० क्रि०
दशति/दंशति (भ्वादि सक०) डँसना, मारना, काटना ।

ਡਸਵਾਉਣਾ डस्वाउणा Ḍasvāuṇā [3] सक० क्रि०
दंशयति/ते (भ्वादि, चुरादि प्रेर०) डँसना, डंक मारना, काटना ।

ਡਸਾਉਣਾ डसाउणा Ḍasāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਡਸਵਾਉਣਾ ।

ਡਹਾਯਾ डहाया Ḍahāyā [3] पुं०
दशगात्र (नपुं०) दशगात्र, मृत्यु के दशवें दिन की रीति ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਡਕਾਰ डकार Ḍakār [3] पुं०
उद्गार (पुं०) डकार, ऊपर निकलने वाली वायु।

ਡੱਡ डड्ड Ḍaḍḍ [3] स्त्री०
दर्दुरी (स्त्री०) दादुर, मेढकी।

ਡੱਡੀ डड्डी Ḍaḍḍī [3] स्त्री०
द्र०—ਡੱਡ।

ਡੱਡੂ डड्डू Ḍaḍḍū [3] पुं०
दर्दुर (पुं०) दर्दुर, दादुर, मेढक।

ਡੱਧਨਾ डद्धना Ḍaddhanā [1] सक० क्रि०
दह्यते > दग्ध (भ्वादि कर्म०) जलना, दग्ध होना।

ਡੱਨਣਾ डन्नणा Ḍannaṇā [1] सक० क्रि०
दण्डयति/ते (चुरादि सक०) दण्ड देना, जुर्माना करना।

ਡੱਨਾ डन्ना Ḍannā [1] पुं०
द्र०—ਡੰਡਾ।

ਡੱਨੀ डन्नी Ḍannī [1] स्त्री०
द्र०—ਡੰਡੀ।

ਡਮਰੂ डम्रू Ḍamrū [3] पुं०
डमरु (पुं०) डमरू, ढक्का।

ਡਰ डर् Ḍar [3] पुं०
दर (पुं०) डर, भय।

ਡਰਣਾ डर्णा Ḍarṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਡਰਨਾ।

ਡਰਨਾ डर्ना Ḍarnā [3] अक० क्रि०
दरति (भ्वादि अक०) डरना, भयभीत होना।

ਡਰਾਉਣਾ डराउणा Ḍarāuṇā [3] सक० क्रि०
दरयति (भ्वादि प्रेर०) डराना, भयभीत करना।

ਡਰਾਕੁਲ डराकुल् Ḍarākul [3] वि०
दराकुल (वि०) डर से व्याकुल, भयभीत।

ਡਲਾ डला Ḍalā [3] पुं०
डलक/डल्लक (नपुं०) डला, डली; ढेला।

ਡਵ डव् Ḍav [1] पुं०
दव (पुं०) दावानल, वन की आग।

ਡਾਇਣ डाइण् Ḍāiṇ [3] स्त्री०
डाकिनी (स्त्री०) डाकिनी, डाइन; काली की अनुचरी।

ਡਾਹ डाह् Ḍāh [3] पुं०
दाह (पुं०) डाह, जलन, ईर्ष्या।

ਡਾਹਣਾ डाह्णा Ḍāhṇā [3] सक० क्रि०
दहति (भ्वादि सक०) जलाना, तपाना।

ਡਾਂਕ डाँक् Ḍāk [3] पुं०
दंश (पुं०) डंक मारने का भाव, डसने का भाव।

ਡਾਕਣ डाकण् Ḍākaṇ [1] स्त्री०
द्र०—ਡਾਇਣ।

ਡਾਕੂ डाकू Ḍākū [3] पुं०
दस्यु (पुं०) डाकू, लुटेरा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਡਾਂਗ डाँग् Ḍāg [3] पुं०
डक्क (पुं०) छड़ी, यष्टिका।

ਡਾਂਡੀ डाँडी Ḍāḍī [3] वि०/पुं०
दण्डिन् (त्रि०/पुं०) वि०—दण्ड रखने वाला। पुं०—यमराज, मृत्यु के देवता।

ਡਾਢ डाढ् Ḍāḍh [1] स्त्री०
दार्ढ्य (नपुं०) दृढ़ता, मजबूती।

ਡਾਢਾ डाढा Ḍāḍhā [3] वि०
दृढ (वि०) दृढ़, मजबूत; कठोर।

ਡਾੱਬੀ डाब्बी Ḍābbī [1] स्त्री०
दर्वी (स्त्री०) करछुल, बड़ा चम्मच, कड़छी।

ਡਾਲ डाल् Ḍāl [3] पुं०
डाल (पुं०) डाल, डाली, शाखा।

ਡਾਲਾ डाला Ḍālā [2] पुं०
डाल (पुं०) बड़ी डाल, शाखा।

ਡਾਲੀ डाली Ḍālī [3] स्त्री०
द्र०—ਡਾਲ।

ਡਿਉਢਾ डिउढा Ḍiuḍhā [3] वि०
सार्द्धैक (वि०) डेढ़, 1½।

ਡਿੰਘ डिंघ् Ḍiṅgh [3] स्त्री०
द्व्यङ्घ्रि (स्त्री०) दो पैर; डेढ़ गज की लम्बाई; दो कदम की दूरी।

ਡਿੱਠ डिट्ठ् Ḍiṭṭh [3] वि०
दृष्ट (वि०) दृष्ट, देखा हुआ, अवलोकित।

ਡੁਗਡੁਗੀ डुग्डुगी Ḍugḍugī [3] स्त्री०
दुन्दुभि (स्त्री०) डुगडुगी, बड़ा ढोल, नगाड़ा।

ਡੁਬਕੀ डुब्की Ḍubkī [3] स्त्री०
ब्रुडन (नपुं०) डुबकी, डूबने का भाव।

ਡੁਬਾਉ डुबाउ Ḍubāu [3] पुं०
ब्रुडन (नपुं०) डुबकी, गोता।

ਡੁੱਬਣਾ डुब्बणा Ḍubbaṇā [3] अक० क्रि०
ब्रुडति (तुदादि अक०) डूबना, गोता लगाना।

ਡੂਗਰ डूगर् Ḍūgar [3] पुं०
तुङ्गगिरि (पुं०) ऊँचा पहाड़, पर्वत की चोटी।

ਡੂਨਾ डूना Ḍūnā [3] पुं०
द्रोण (पुं०, नपुं०) दोना, पत्तों का पात्र-विशेष; 16 या 32 सेर का काष्ठ का एक माप।

ਡੂਮ डूम् Ḍūm [3] पुं०
डेम (पुं०) डोम, निम्न वर्ण का व्यक्ति।

ਡੂਮਣਾ डूम्णा Ḍūmṇā [2] पुं०
डेम (पुं०) डोम जाति जिसका काम टोकरी बनाना है।

ਡੂਮਣੀ डूम्णी Ḍūmṇī [3] स्त्री०
डेमी (स्त्री०) डोम जाति की स्त्री।

ਡੂਮੜਾ डूम्ड़ा Ḍūmṛā [1] पुं०
द्र०—ਡੂਮਣਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਡੇਹਰਾ डेह्‌रा Ḍehrā[1] पुं०
देवघर (पुं०) देवघर, देवालय, मन्दिर।

ਡੇਮੂੰ डेमूँ Ḍemū̃]3] पुं०
द्विमुख (पुं०) दो मुँह वाला जहरीला जीव, विषैला साँप।

ਡੇਰਾ डेरा Ḍerā [3] पुं०
देवघर (पुं०) आश्रम; विश्राम-स्थान।

ਡੈਣ डैण् Ḍaiṇ [1] स्त्री०
द्र—ਡਾਇਣ।

ਡੋਈ डोई Ḍoī [3] स्त्री०
दर्वी (स्त्री०) करछुल, कड़छी।

ਡੋਗਰ डोगर् Ḍogar [3] पुं०
दोग्धृ (पुं०/वि०) पुं०—एक जाति जो राजपूतों से निकली है और इसका मुख्य व्यवसाय दूध का व्यापार है। वि०—दूहने वाला।

ਡੋਗਰਾ डोग्‌रा Ḍograā [3] पुं०
तुङ्गगिरीय (वि०/पुं०) वि०—ऊँचे पहाड़ पर रहने वाली जाती। पुं०—जम्मू का राजवंश और वहाँ के लोग।

ਡੋਗਰੀ डोग्‌री Ḍogrī [3] स्त्री०
तुङ्गगिरीया (स्त्री०) डोगरा जाति की स्त्री; डोगरा लोगों की भाषा।

ਡੋਂਗਾ डोंगा Ḍōgā [3] पुं०
उडुप (पुं०) छोटी नौका, नाँव।

ਡੋਨਾ डोना Ḍonā [3] पुं०
द्र०—ਡੁਨਾ।

ਡੋਬਣਾ डोब्‌णा Ḍobṇā [3] सक० क्रि०
व्रोडयति (तुदादि प्रेर०) डुबाना, डूबने की प्रेरणा देना।

ਡੋਮੜਾ डोम्‌ड़ा Ḍomṛā [1] पुं०
द्र०—ਡੂਮ।

ਡੋਰ डोर् Ḍor [3] स्त्री०
दवर (पुं०) रस्सी डोरी; डोरा, धागा।

ਡੋਰਾ डोरा Ḍorā [3] पुं०
द्र०—ਡੋਰ।

ਡੋਰੀ डोरी Ḍorī [3] स्त्री०
द्र०—ਡੋਰ।

ਡੋਲ डोल् Ḍol [3] पुं०
दोल (पुं०) दोल, रहट के पहिए की डोलची; पानी का डोल।

ਡੋਲਣਾ डोल्‌गा Ḍolṇā [3] अक० क्रि०
दोलयति / ते (चुरादि अक०) हिलना-डुलना।

ਡੋਲਾ डोला Ḍolā [3] पुं०
दोला (स्त्री०) डोला, डोली, पालकी।

ਡੋਲੀ डोली Ḍolī [3] स्त्री०
द्र०—ਡੋਲਾ।

ਡੌ डौ Ḍau [1] पुं०
दव (पुं०) दावाग्नि; आग की लपट।

ਡੌਣੀ डौणी Ḍauṅī [3] स्त्री०
उडुप (पुं०) डोंगी, छोटी नौका।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਡੌਰੂ डौरू Ḍaurū [3] पुं०
डमरु (पुं०) डमरू, ढक्का।

ਡੰਗਣਾ डंग्णा Ḍaṅgṇā [3] सक० क्रि०
दंशति (भ्वादि सक०) डँसना, डंक मारना।

ਡੰਗਰ डंगर् Ḍaṅgar [3] पुं०
डङ्गर (पुं०) भूसा; सेवक; नीच।

ਡੰਡ डंड् Ḍaṇḍ [1] पुं०
दण्ड (पुं०) सजा, दण्ड।

ਡੰਡਣਾ डंड्णा Ḍaṇḍṇā [1] सक० क्रि०
दण्डयति (चुरादि सक०) दण्ड देना, सजा देना।

ਡੰਡਧਰ डंड्धर् Ḍaṇḍdhar [1] पुं०
दण्डधर (वि०/पुं०) वि०—दण्ड धारण करने वाला। पुं०—दण्डी, संन्यासी।

ਡੰਡਾ डंडा Ḍaṇḍā [3] पुं०
दण्ड (पुं०, नपुं०) डण्डा, लाठी, दण्ड।

ਡੰਡੀ डंडी Ḍaṇḍī [3] स्त्री०
दण्ड (पुं०, नपुं०) डण्डी; छड़ी।

ਡੰਡੌਤ डंडौत् Ḍaṇḍaut [3] पुं०
दण्डवत् (अ०) दण्डे के समान सीधे सोकर प्रणाम करने की क्रिया।

ਡੰਨ डन्न् Ḍann [3] पुं०
दण्ड (पुं०, नपुं०) दण्ड; जुर्माना; सजा।

ਡੰਭਣਾ डम्भ्णा Ḍambhṇā [3] अक०/सक० क्रि०
दहति > दग्ध (भ्वादि अक० / सक०) अक०—जलना। सक०—जलाना।

ਢ

ਢਹਿਣਾ ढैह्णा Ḍhaihṇā [3] अक० क्रि०
ध्वंसते (भ्वादि अक०) ढहना, ध्वंस होना, गिरना।

ਢਕਣਾ ढक्णा Ḍhakṇā [3] सक० क्रि०
पिधत्ते (जुहोत्यादि सक०) ढकना, आच्छादन करना।

ਢੱਕਣ ढक्कण् Ḍhakkaṇ [3] पुं०
ढक्कन (नपुं०) ढक्कन, ढकने का भाव, दरवाजा बन्द करने का भाव।

ਢਾਉਣਾ ढाउणा Ḍhāuṇā [3] सक० क्रि०
ध्वंसयति (भ्वादि प्रेर०) ढाहना, गिराना; फेंकना।

ਢਾਈ ढाई Ḍhāī [3] वि०
सार्द्धद्वि (वि०) ढाई, 2½ भाग।

ਢਾਹ ढाह् Ḍhāh [3] पुं०
ध्वंस (पुं०) कटाव, पतन, गिरने का भाव।

ਢਾਹਣਾ ढाह्णा Ḍhāhṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਢਾਉਣਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਢਾਣਾ ढाणा Ḍhāṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਢਾਉਣਾ ।

ਢਾਰਸ ढारस् Ḍhāras [3] पुं०
धैर्य (नपुं०) ढाढस, धीरज, धीरता ।

ਢਾਲ ढाल् Ḍhāl [3] स्त्री०
ढाल (नपं०) ढाल, तलवार आदि के के आघात को रोकने के लिए लोहे का बना कछुए की आकृति का एक साधन ।

ਢਾਲਚੀ ढाल्ची Ḍhālci [3] पुं०
ढालधृत् (वि०) ढाल रखने वाला योद्धा ।

ਢਾਵੀ ढावी Ḍhāvī [1] स्त्री०
धव (पुं०) वृक्ष-विशेष जिसकी जड़, फूल, पत्ती आदि दवा के काम आती है ।

ਢੀਂਗ[1] ढींग् Ḍhīg [3] पुं०
ध्वाङ्क्ष (पुं०) काक पक्षी, कौआ ।

ਢੀਂਗ[2] ढींग् Ḍhīg [3] पुं०
ढेङ्क (पुं०) लम्बी टाँग और लम्बी चोंच वाला एक पक्षी ।

ਢੀਠ ढीठ् Ḍhīṭh [3] वि०
धृष्ट (वि०) ढीठ; साहसी; हठी; अशिष्ट ।

ਢੀਠਤਾ ढीठ्ता Ḍhīṭhtā [3] स्त्री०
धृष्टता (स्त्री०) ढिठाई, अशिष्टता ।

ਢੀਠਤਾਈ ढीठ्ताई Ḍhīṭhtāī [3] स्त्री०
द्र०—ਢੀਠਤਾ ।

ਢੀਠਾ ढीठा Ḍhīṭhā [1] पुं०
द्र०—ਢੀਠ ।

ਢੁਆਉਣਾ ढुआउणा Ḍhuāuṇā [3] सक० क्रि०
ढौकयति (भ्वादि प्रेर०) ढुलाना, वहन कराना ।

ਢੁੱਕਣਾ ढुक्क्णा Ḍhukkṇā [3] अक० क्रि०
ढौकते (भ्वादि सक०) पहुँचना, जाना ।

ਢੂੰਡਣਾ ढूंड्णा Ḍhūṇḍṇā [3] सक० क्रि०
ढुण्ढति (भ्वादि सक०) ढूंढना, खोजना, अन्वेषण करना ।

ਢੇਲਾ ढेला Ḍhelā [3] पुं०
लोष्ठ (नपुं०) ढेला, डला, मिट्टी आदि का रोड़ा ।

ਢੇੜ ढेड़् Ḍheṛ [3] पुं०
ध्वाङ्क्ष (पुं०) कौआ; चमार; मूर्ख ।

ਢੋਆ ढोआ Ḍhoā [3] पुं०
ढौक (पुं०) भेंट, उपहार ।

ਢੋਣਾ ढोणा Ḍhoṇā [3] सक० क्रि०
ढौकते (भ्वादि सक०) ढोना, भार वहन करना ।

ਢੋਰ ढोर् Ḍhor [3] पुं०
धुर्य (पुं०) ढोर, हल या गाड़ी में जोतने योग्य पशु ।

ਢੋਲ ढोल् Ḍhol [3] पुं०
ढोल (पुं०) ढोलक, ढोल-वाद्य ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਢੋਲਕੀਆ ढोल्किआ Ḍholkiā [3] पुं०
ढोलिन् (पुं०) ढोली, ढोल बजाने वाली जाति का पुरुष।

ਢੋਲਣ ढोलण् Ḍholaṇ [3] स्त्री०
ढोलिनी (स्त्री०) ढोल बजाने वाली जाति की स्त्री।

ਢੰਡੋਰਚੀ ढँडोर्ची Ḍhãḍorcī [3] पुं०
ढक्कारिन् (वि०) ढँढोरची, ढोल बजाने वाला।

ਢੰਡੋਰਾ ढँडोरा Ḍhãḍorā [3] पुं०
ढक्कारव (पुं०) ढँडोरा, नगारे की ध्वनि।

ਤ

ਤਸਕਰ तस्कर् Taskar [3] पुं०
तस्कर (पुं०) चोर, ठग।

ਤਸਮਈ तस्मई Tasmaī [3] स्त्री०
तोषमयी (स्त्री०) खीर, आनन्द देने वाली, संतुष्ट करने वाली।

ਤੱਸ तस्स् Tass [1] स्त्री०
तर्ष (पुं०) तृषा, प्यास, पानी पीने की इच्छा।

ਤੱਕ तक्क् Takk [2] स्त्री०
तर्क (पुं०) ऊहा-पोह; अनुमान, अन्दाज; युक्ति।

ਤੱਕਣਾ तक्कणा Takkṇā [3] सक० क्रि०
तर्कयति (चुरादि सक०) ताकना, झाँकना; अनुमान करना, तर्क करना

ਤੱਕਲਾ तक्कला Takklā [3] पुं०
तर्कु (पुं०) तकुआ, टेकुआ।

ਤੱਕਲੀ तक्कली Takklī [3] स्त्री०
तर्कु (पुं०) तकली, छोटा तकुआ।

ਤਖਾਣ तखाण् Takhāṇ [3] पुं०
तक्षन् > तक्षाणः (पुं०) बढ़ई, लकड़ी का काम करने वाला।

ਤਖਾਣੀ तखाणी Takhāṇī [3] स्त्री०
तक्षणी (स्त्री०) बढ़ई की स्त्री, खातिन।

ਤਖਾਨ तखान् Takhān [3] पुं०
द्र०—ਤਖਾਣ।

ਤੱਛਣਾ तच्छणा Tacchaṇā [2] सक० क्रि०
तक्षति (भ्वादि सक०) काटना; छीलना; चीरना; पैना करना।

ਤੱਛਨਾ तच्छना Tacchanā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਤੱਛਣਾ।

ਤਜਣਾ तज्णा Tajṇā [3] सक० क्रि०
त्यजति (भ्वादि सक०) तजना, छोड़ना; देना, दान करना।

ਤਜਨਾ तज्ना Tajnā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਤਜਣਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਣਨਾ तण्ना Taṇnā [3] सक० क्रि०
तनोति / तनुते (भ्वादि सक०) तानना, फैलाना, बढ़ाना।

ਤਣਾ[1] तणा Taṇā [3] पुं०
प्रतान (पुं०) वृक्ष का तना, डाली, शाखा।

ਤਣਾ[2] तणा Taṇā [1] पुं०
तनय (पु०) पुत्र, सन्तान।

ਤਣਾਉ[1] तणाओ Taṇāo [3] पुं०
तनन (नपुं०) तनाव, फैलाव।

ਤਣਾਉਣਾ तणाउणा Taṇāuṇā [3] सक० क्रि०
तानयति (भ्वादि प्रेर०) तनवाना, विस्तार कराना।

ਤਣੀ तणी Taṇī [3] स्त्री०
तनिका (स्त्री०) तनी, बन्धनी; पाश; रस्सी।

ਤਤਕਾਲ तत्काल् Tatkāl [3] क्रि० वि०
तत्काल (क्रि० वि०) उसी समय, तत्क्षण, फौरन।

ਤਤਖਿਣ तत्खिण् Tatkhiṇ [3] क्रि० वि०
द्र०—ਤਤਛਣ।

ਤਤਛਣ तत्छण् Tatchaṇ [3] क्रि० वि०
तत्क्षण (क्रि० वि०) तत्काल, फौरन।

ਤਤਛਿਣ तत्छिण् Tatchiṇ [3] क्रि० वि०
द्र०—ਤਤਛਣ।

ਤਤੀਖਿਆ ततीख्या Tatīkhyā [3] स्त्री०
तितिक्षा (स्त्री०) तितिक्षा, सहिष्णुता, सहनशीलता।

ਤੱਤ तत्त् Tatt [3] पुं०
तत्त्व (नपुं०) जगत् का मूल; पञ्चमहाभूत; परब्रह्म; सार; मक्खन; वास्तविकता।

ਤੱਤਵ-ਵੇਤਾ तत्तव्-वेता Tattav-Vetā [3] वि०
तत्त्ववेतृ (वि०) तत्त्ववेत्ता, तत्त्व को जानने वाला।

ਤੱਤਾ तत्ता Tattā [3] पुं०
तप्त (वि०) गर्म, उष्ण, ताप-युक्त।

ਤੱਥ तत्थ् Tatth [3] पुं०
तथ्य (नपुं०) यथार्थता; सारांश।

ਤਦ तद् Tad [3] क्रि० वि०
तदा (अ०) तब, उस समय।

ਤਦਾਂ तदाँ Tadā̃ [2] क्रि० वि०
द्र०—ਤਦੋਂ।

ਤਦਿਨ तदिन् Tadin [2] क्रि० वि०
तद्दिन (क्रि० वि०) उस दिन।

ਤਦੇ तदे Tade [3] क्रि० वि०
तदैव (अ०) तभी, उसी समय।

ਤਦੋਂ तदों Tadō [3] क्रि० वि०
तदा (अ०) तब, उस समय।

ਤਨ तन् Tan [3] पुं०
तनु (स्त्री०) तन, शरीर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਪਸ तपस् Tapas [3] पुं०
तपस् (नपुं०/पुं०) नपुं०—व्रत; तपस्या; नियम; धर्म। पुं०—सूर्य; चन्द्रमा; पक्षी; माघ मास।

ਤਪੱਸਣ तपस्सण् Tapassaṇ [3] स्त्री०
तपस्विनी (स्त्री०) तापसी, तपस्या करने वाली स्त्री।

ਤਪੱਸਣੀ तपस्सणी Tapassaṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਤਪੱਸਣ।

ਤਪੱਸਵੀ तपस्सवी Tapassavī [3] पुं०
तपस्विन् (वि०) तपस्वी, तापस।

ਤਪੱਸੀ तपस्सी Tapassī [1] पुं०
द्र०—ਤਪੱਸਵੀ।

ਤਪਣਾ तप्णा Tapṇā [3] अक० क्रि०
तपते (भ्वादि अक०) तपना, गर्म होना, जलना।

ਤਪਤ तपत् Tapat [3] वि०
तप्त (वि०) तपा हुआ, अति उष्ण।

ਤਪਾਉ तपाउ Tapāu [3] पुं०
ताप (पुं०) ताप, आँच, जलन, तपने का भाव।

ਤਪਾਉਣਾ तपाउणा Tapāuṇā [3] सक० क्रि०
तापयति (भ्वादि प्रेर०) तपाना, जलाना; पिघलाना।

ਤਮਚਰ तम्चर् Tamcar [3] पुं०
तमश्चर (वि०/पुं०) वि०—अन्धकार में घूमने वाला। पुं०—चोर; उल्लू; राक्षस।

ਤਮਾਖੂ तमाखू Tamākhū [3] पुं०
ताम्राक्ष (पुं०) तमाकू, जर्दा।

ਤਰਸਣ तर्सण् Tarsaṇ [3] पुं०
तर्षण (नपुं०) तृषा, प्यास; इच्छा, अभिलाषा।

ਤਰਕ तरक् Tarak [3] पुं०
तर्क (पुं०) तर्क, युक्ति; विचार।

ਤਰਕਣ तर्कण् Tarkaṇ [3] पुं०
तर्कण (नपुं०) बहस, चर्चा, तर्क करने का भाव।

ਤਰਕਣਾ तर्कना Tarkanā [1] सक० क्रि०
तर्कयति (चुरादि सक०) तर्क करना, चर्चा करना।

ਤਰੱਕਲਾ तर्क्क्ला Tarkklā [3] पुं०
तर्कु (पुं०) तकला, तकुआ।

ਤਰਖਾਣ तर्खाण् Tarkhāṇ [3] पुं०
तक्षन् (पुं०) बढ़ई, लकड़ी का कारीगर, खाती।

ਤਰਜਨ तर्जन् Tarjan [3] पुं०
तर्जन (नपुं०) ताड़ने की क्रिया, धमकी; क्रोध।

ਤਰਜਨੀ तर्जनी Tarjanī [3] स्त्री०
तर्जनी (स्त्री०) वह अँगुली जिससे तर्जन किया जाय, अँगूठे के पास की अँगुली।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਰਣਾ तर्णा Tarṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਤਰਨਾ ।

ਤਰਨ तर्न् Tarn [1] पुं०
तरुण (वि०) तरुण, युवक; कोमल ।

ਤਰਨਾ तर्ना Tarnā [3] अक० क्रि०
तरति (भ्वादि सक० / अक०) सक०—तैरना, पार करना । अक०—बहना ।

ਤਰਨੀ तर्नी Tarnī [3] स्त्री०
तरणी (स्त्री०) नौका, किश्ती ।

ਤਰਬੂਜ तर्बूज् Tarbūj [3] पुं०
तरम्बूज (नपुं०) तरबूज, मतीरा ।

ਤਰਵਰ तर्वर् Tarvar [3] पुं०
तरुवर (पुं०) उत्तम वृक्ष, फलदार पेड़ ।

ਤਰਵਾਰ तर्वार् Tarvār [1] स्त्री०
तरवारि (पुं०) तलवार, कृपाण, खड्ग ।

ਤਰਾਮਾ तरामा Tarāmā [1] पुं०
द्र०—ਤਾਂਬਾ ।

ਤਰਿਆਸੀ तर्यासी Taryāsī [1] वि०
द्र०—ਤਿਰਾਸੀ ।

ਤਰਿਆਨਵਾਂ तर्यान्वाँ Taryānvā̃ [1] वि०
द्र०—ਤਿਰਾਨਵਾਂ ।

ਤਰਿਆਨਵੇਂ तर्यान्वें Taryānvē̃ [2] वि०
त्रिनवति (स्त्री०) तिरानवे (93) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਤਰਿਹਾਣਾ तरिहाणा Tarihāṇā [1] पुं०
त्रिहायण (वि०) तीन वर्ष का बच्चा ।

ਤਰਿਣੀ तरिणी Tariṇī [1] स्त्री०
तरणी (स्त्री०) नौका, नाव ।

ਤਰੁੱਟਣਾ तरुट्टणा Truṭṭaṇā [3] अक० क्रि०
त्रुटयति (दिवादि अक०) टूटना; फटना ।

ਤਰੁੱਟਾ तरुट्टा Taruṭṭā [3] वि०
त्रुटित (वि०) टूटा हुआ; फटा हुआ ।

ਤਰੁਣਾਈ तरुणाई Taruṇāī [3] स्त्री०
तारुण्य (नपुं०) तरुणाई, यौवन, जवानी ।

ਤਰੇਹ त्रेह् Trch [3] स्त्री०
तृषा (स्त्री०) प्यास, पिपासा, पानी पीने की इच्छा ।

ਤਰੇਹਟ त्रेहट् Trehaṭ [3] वि०
त्रयष्षष्टि (स्त्री०) तिरसठ (63) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु ।

ਤਰੇਰ त्रेर् Trer [1] स्त्री०
द्र०—ਤੇੜ ।

ਤਰੇੜ त्रेड़् Treṛ [3] स्त्री०
द्र०—ਤੇੜ ।

ਤਰੌਦਸੀ त्रौदशी Traudaśī [3] स्त्री०
त्रयोदशी (स्त्री०) त्रयोदशी, तेरस तिथि या व्रत ।

ਤਰੰਗ तरङ्ग् Taraṅg [3] स्त्री०
तरङ्ग (पुं०) तरंग, लहर ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਲਵਾਰ तल्वार् Talvār [3] **स्त्री०**
तरवारि (पुं०) तलवार, कृपाण, खड्ग ।

ਤਲਾ[1] तला Talā [3] **पुं०**
तडाग (पुं०) तालाब, सर, सरोवर ।

ਤਲਾ[2] तला Talā [3] **पुं०**
तल (पुं०, नपुं०) तला, निचला हिस्सा, अधोभाग ।

ਤਲਾਉ तलाउ Talāu [3] **पुं०**
द्र०—ਤਲਾ[1] ।

ਤਲੀ[1] तली Talī [1] **स्त्री०**
तल (नपुं०, पुं०) सतह, पेंदी, अधोभाग ।

ਤਲੀ[2] तली Talī [3] **स्त्री०**
हस्ततल (नपुं०) हथेली, करतल ।

ਤਲੂਣੀ तलूणी Talūṇī [3] **स्त्री०**
तैलकुण्ड (नपुं०) तेल रखने का मिट्टी का पात्र या भाण्ड ।

ਤਲੋਲਾ तलोला Talolā [1] **पुं०**
तिल (पुं०) तिल, तिल का पौधा या फल; शरीर पर का तिल या मस्सा ।

ਤਾ ता Tā [1] **पुं०**
ताप (पुं०) ताप, गर्मी, उष्णता ।

ਤਾਂ[1] तॉं Tã [3] **क्रि० वि०**
तदा (अ०) तब, उस समय ।

ਤਾਂ[2] तॉं Tã [3] **अ०**
तथापि (अ०) तो भी, पुनरपि, फिर भी ।

ਤਾਓ ताओ Tāo [3] **पुं०**
द्र०—ਤਾ ।

ਤਾਉਣਾ ताउणा Tāuṇā [3] **सक० क्रि०**
तापयति (भ्वादि प्रेर०) तपाना, तप्त करना, गर्म करना ।

ਤਾਉਣੀ ताउणी Tāuṇī [3] **स्त्री०**
ताप (पुं०) ताप; सेंक, सेंकने का भाव; पसीना ।

ਤਾਉੜਾ ताउड़ा Tāuṛā [1] **पुं०**
तपक (पुं०) चूल्हे पर चढ़ाने का मृद्भाण्ड या तवा ।

ਤਾਉੜੀ ताउड़ी Tāuṛī [1] **स्त्री०**
तपकी (स्त्री०) तवी, छोटा तवा ।

ਤਾਇਆ ताइआ Tāiā [3] **वि०**
तापित (वि०) तपाया हुआ; दुःखी किया हुआ ।

ਤਾਖ ताख् Tākh [1] **वि०**
तीक्ष्ण (वि०) तीखा, तीव्र ।

ਤਾਣ[1] ताण् Tāṇ [3] **पुं०**
त्राण (नपुं०) त्राण, रक्षा ।

ਤਾਣ[2] ताण् Tāṇ [3] **स्त्री०**
तान (पुं०) आलाप, संगीत की ध्वनि ।

ਤਾਣਨਾ ताण्ना Tāṇṇā [3] **सक० क्रि०**
तनोति (स्वादि सक०) तानना, फैलाना, विस्तार करना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਾਤ[1] तात् Tāt [1] पुं०
तात (पुं०) तात; ताऊ, चाचा।

ਤਾਤ[2] तात् Tāt [1] स्त्री०
तन्तु (पुं०) ताँत, चमड़े की रस्सी।

ਤਾਂਤ तांत् Tāt [3] स्त्री०
तन्तु (पुं०) ताँत; धागा, सूत।

ਤਾਤਪਰਜ तात्परज् Tātparaj [3] पुं०
तात्पर्य (नपुं०) तात्पर्य, आशय।

ਤਾਤਪਰਯ तात्परय् Tātparay [3] पुं०
द्र०—ਤਾਤਪਰਜ

ਤਾਦਾਤਮ तादातम् Tādātam [3] पुं०
तादात्म्य (नपुं०) तादात्म्य, तद्रूपता, एक रूपता; कार्यकारण का संबन्ध; व्यञ्जना शक्ति का संबन्ध-विशेष।

ਤਾਨ तान् Tān [3] स्त्री०
तान (नपुं०) तान, आलाप, संगीत-ध्वनि।

ਤਾਪ ताप् Tāp [3] पुं०
ताप (पुं०) ताप, गर्मी; सन्ताप, पीड़ा।

ਤਾਪਣ तापण् Tāpaṇ [1] स्त्री०
तापिनी (स्त्री०) ताप या ज्वर से युक्त स्त्री।

ਤਾਪੀ तापी Tāpī [1] पुं०
तापिन् (वि०) ताप या ज्वर से युक्त।

ਤਾਂਬਾ ताँबा Tāba [3] पुं०
ताम्रक (नपुं०) ताँबा धातु।

ਤਾਮੜਾ तामड़ा Tāmṛā [3] वि०
ताम्रिक (वि०) ताँबे का, ताँबा से संबन्धित।

ਤਾਯਾ ताया Tāyā [3] पुं०
तात (पुं०) ताऊ, पिता का बड़ा भाई।

ਤਾਰਨਾ तार्ना Tārnā [3] सक० क्रि०
तारयति (भ्वादि प्रेर०) पार कराना, उद्धार करना।

ਤਾਰਾ तारा Tārā [3] स्त्री०
तारक (नपुं०) तारा, नक्षत्र।

ਤਾਰੀ तारी Tārī [2] स्त्री०
तारिका (स्त्री०) आँख की पुतली।

ਤਾਲ[1] ताल् Tāl [3] पुं०
ताल (पुं०) ताली, करतल-ध्वनि; हथेली।

ਤਾਲ[2] ताल् Tāl [3] पुं०
तल्ल (पुं०) ताल, तलैया, तालाब।

ਤਾਲਾ ताला Tālā [3] पुं०
ताल (पुं०) सन्दूक आदि में बन्द करने का ताला।

ਤਾਲੀ[1] ताली Tālī [3] स्त्री०
ताली / तालिका (स्त्री०) छोटा ताला; चाबी।

ਤਾਲੀ[2] ताली Tālī [3] स्त्री०
ताल (पुं०) ताली, करतल-ध्वनि।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਾਲੂਆ तालुआ Tāluā [3] पुं०
तालु (नपुं०) तालु, मुख के अन्दर जीभ से ऊपर का भाग।

ਤਾੜ ताड़ Tāṛ [3] पुं०
ताड/ताल (पुं०) ताड़ का वृक्ष।

ਤਾੜਨਾ ताड़ना Tāṛnā [3] सक० क्रि०
ताडयति (चुरादि सक०) ताड़ना, मारना।

ਤਾੜੀ ताड़ी Tāṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਤਾਲੀ[2]।

ਤਾਲੂ ताळू Tāḷū [3] पुं०
तालु (नपुं०) तालु, मुख के अन्दर जीभ से ऊपर का भाग।

ਤਾਲੂਆ ताळुआ Tāḷuā [3] पुं०
द्र०—ਤਾਲੂ।

ਤਿਉਹਾਰ त्युहार् Tyuhār [3] पुं०
तिथिवार (नपुं०) त्यौहार, पर्व-दिन।

ਤਿਉਣਾ त्योणा Tyoṇā [1] पुं०
त्रिगुण (वि०) तिगुना, त्रिगुणित।

ਤਿਉਰ त्युर् Tyur [3] पुं०
त्रिवल (नपुं०) तेवर, भृकुटी, भौंह।

ਤਿਉੜੀ त्योड़ी Tyoṛī [3] स्त्री०
भृकुटि > त्रिकुटी (स्त्री०) तेवर, भ्रूभंग, भौंहों की कुटिलता।

ਤਿਊਣਾ तिऊणा Tiūṇā [1] वि०
द्र०—ਤਿਉਣਾ।

ਤਿਉੜੀ तिउड़ी Tiuṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਤਿਉੜੀ।

ਤਿਓੜੀ त्योडी Tyoṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਤਿਉੜੀ।

ਤਿਅਕਤ त्यकत् Tyakat [3] वि०
त्यक्त (वि०) त्यागा हुआ, छोड़ा हुआ।

ਤਿਆਸ त्यास् Tyās [1] स्त्री०
तृषा (स्त्री०) प्यास, पिपासा।

ਤਿਆਹ त्याह् Tyāh [2] स्त्री०
द्र०—ਤਿਆਸ।

ਤਿਆਗ त्याग् Tyāg [3] पुं०
त्याग (पुं०) छोड़ने या पृथक् होने का भाव; भेंट या दान।

ਤਿਆਗਣਾ त्याग्णा Tyāgṇā [3] सक० क्रि०
त्यजति (भ्वादि सक०) त्यागना, छोड़ना; देना, दान करना।

ਤਿਆਗੀ त्यागी Tyāgī [3] वि०
त्यागिन् (वि०) त्यागी, त्यागने वाला; दानी।

ਤਿਸ तिस् Tis [1] स्त्री०
तृष् (स्त्री०) तृषा, प्यास, पिपासा।

ਤਿਸਨਾ तिस्ना Tisnā [3] वि०
तृष्णा (स्त्री) तृष्णा, चाह, लोभ।

ਤਿਹੱਤਰ तिहत्तर् Tihattar [2] वि०
त्रिसप्तति (स्त्री०) तिहत्तर (73) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਿਹੱਤਰਵਾਂ तिहत्तर्वाँ Tihattarvā̃ [3] पुं०
त्रिसप्ततितम (वि०) तिहत्तरवाँ, 73वाँ।

ਤਿਹਰ तिहर् Tihar [3] पुं०
त्रिहल्य (नपुं० / वि०) नपुं०—तीन बार जमीन जोतने की क्रिया। वि०—तीन बार जोती गयी भूमि।

ਤਿਹਾ[1] तिहा Tihā [2] स्त्री०
तृषा (स्त्री०) तृषा, प्यास, पिपासा।

ਤਿਹਾ[2] तिहा Tihā [2] वि०
तादृश (वि०) वैसा, उस प्रकार का।

ਤਿਹਾਇਆ तिहाया Tihāyā [3] वि०
तृषार्त्त (वि०) प्यासा, पिपासु।

ਤਿਹਾਈ तिहाई Tihāī [3] वि०
तृतीयभाग (पुं०) तिहाई, तीसरा भाग।

ਤਿਕਾਲ तिकाल् Tikāl [3] स्त्री०
त्रिकाल (पुं०) तीनों काल, प्रातः मध्याह्न और सायंकाल।

ਤਿਕੂਣਾ तिकूणा Tikūṇā [3] वि०
द्र०—ਤਿਕੋਣਾ।

ਤਿਕੋਣਾ तिकोणा Tikoṇā [3] पुं०
त्रिकोण (वि०) त्रिकोण, तिकोना, तीन कोणों वाला।

ਤਿੱਕ तिक्क् Tikk [3] पुं०
त्रिक (नपुं०) कटि देश, रीढ़ का अधोभाग जहाँ कूल्हे की हड्डियाँ मिलती हैं।

ਤਿੱਕਲ तिक्कल् Tikkal [3] पुं०
द्र०—ਤਿੱਕ।

ਤਿਖ तिख् Tikh [1] स्त्री०
तृष् (स्त्री०) तृषा, प्यास, पिपासा।

ਤਿੱਖਣਾ तिक्खणा Tikkhṇā [1] पुं०
तीक्ष्ण (वि०) तीखा; चुभने वाली बात आदि।

ਤਿੱਖੜ तिक्खड़ Tikkhaṛ [3] वि०
द्र०—ਤਿੱਖਣਾ।

ਤਿੱਖਾ तिक्खा Tikkhā [3] पुं०
तीक्ष्ण (वि०) तीखा, तेज, नुकीला।

ਤਿੱਗੁਣਾ तिग्गुणा Tigguṇā [3] वि०
त्रिगुण (वि०) तिगुना, तीन-गुना।

ਤਿਣ तिण् Tiṇ [1] पुं०
द्र०—ਤ੍ਰਿਣ।

ਤਿਤਾਲੀ तिताली Titālī [3] वि०
त्रयश्चत्वारिंशत् (स्त्री०) तैंतालीस (43) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤਿਤਾਲੀਵਾਂ तितालीवाँ Titālīvā̃ [3] पुं०
त्रिचत्वारिंशत्तम (वि०) तैंतालीसवाँ, 43वाँ।

ਤਿੱਤਰ तित्तर् Tittar [3] पुं०
तित्तिर (पुं०) तीतर पक्षी।

ਤਿੱਤਰੀ तित्तरी Tittrī [3] स्त्री०
तित्तिरी (स्त्री०) तीतर पक्षी (मादा)।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਿਥੀ तिथी Tithī [3] स्त्री०
तिथि (स्त्री०) तिथि, चन्द्रकलाओं के भाग से होने वाली प्रतिपदा आदि तिथियाँ, चान्द्र दिनमान।

ਤਿਦਣ तिदण् Tidaṇ [3] क्रि० वि०
तद्दिन (क्रि० वि०) उस दिन।

ਤਿਦਰਾ तिद्रा Tidrā [3] वि०
त्रिद्वार (वि०) तीन द्वारों या दरवाजों वाला।

ਤਿੰਦੂ तिन्दू Tindū [1] पुं०
द्र०—ਤੇਂਦੂ।

ਤਿਨ तिन् Tin [3] पुं०
तृण (नपुं०) तिनका, घास-फूस।

ਤਿੱਨ तिन्न् Tinn [3] वि०
त्रि (वि०) तीन संख्या वाला।

ਤਿਪਤ[1] तिपत् Tipat [2] वि०
तृप्त (वि०) तृप्त, संतुष्ट।

ਤਿਪਤ[2] तिपत् Tipat [3] स्त्री०
तृप्ति (स्त्री०) तृप्ति, संतुष्टि।

ਤਿਪੱਤੀ तिपत्ती Tipattī [3] स्त्री०
त्रिपत्रिन् (वि०) तीन पत्तों वाली घास आदि।

ਤਿਪੱਤੀਆ तिपत्तिआ Tipattiā [3] वि०
द्र०—ਤਿਪੱਤੀ।

ਤਿਪਾਈ तिपाई Tipāī [3] स्त्री०
त्रिपादी (स्त्री०) तिपाई, तीन पैरों से युक्त काष्ठ की चौकी आदि।

ਤਿਮਰ तिमर् Timar [3] पुं०
तिमिर (पुं०, नपुं०) अन्धकार, अन्धेरा।

ਤਿਰਸਕਾਰ तिरस्कार् Tiraskār [3] पुं०
तिरस्कार (पुं०) अनादर, अपमान।

ਤਿਰਹਾਇਆ तिर्हाया Tirhāyā [3] वि०
तृषार्त्त (वि०) प्यासा, पिपासु।

ਤਿਰਕਾਲਾਂ तिर्कालाँ Tirkālā̃ [3] स्त्री०
तृतीयकाल (पुं०) तीसरा काल, सायं काल।

ਤਿਰਛਾ तिर्छा Tirchā [3] पुं०
तिरश्च (अ०) तिरछा, टेढ़ा-मेढ़ा।

ਤਿਰਤਾਲੀ तिर्ताली Tirtālī [3] वि०
त्रयश्चत्वारिंशत् (स्त्री०) तैंतालीस (43) संख्या या इससे परिच्छिन्न।

ਤਿਰਵੈਣੀ तिर्वैणी Tirvaiṇī [3] स्त्री०
त्रिवेणी (स्त्री०) त्रिवेणी, गंगा यमुना और सरस्वती नदियों का संगम-स्थल।

ਤਿਰਵੰਜਾ तिर्वंजा Tirvañjā [3] वि०
त्रिपञ्चाशत् (स्त्री०) तिरपन (53) संख्या या इससे परिच्छिन्न।

ਤਿਰਾਸੀ तिरासी Tirāsī [3] वि०
त्र्यशीति (स्त्री०) तिरासी (83) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਿਰਾਨਵਾਂ तिरान्वाँ Tirānvā̃ [3] **वि०**
त्रिनवतितम (वि०) तिरान्वेवाँ, 93वाँ।

ਤਿਰਾਨਵੇਂ तिरान्वें Tirānvẽ [3] **वि०**
त्रिनवति (स्त्री०) तिरानवे (93) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤਿਰਿਆ तिर्या Tiryā [2] **स्त्री०**
स्त्री (स्त्री०) नारी, महिला।

ਤਿਲ तिल् Til [3] **पुं०**
तिल (पुं०) तिल, अन्न; शरीर पर का तिल या मस्सा।

ਤਿਵੰਜਾ तिवंजा Tivañjā [1] **वि०**
द्र०—ਤਿਰਵੰਜਾ।

ਤੀਆ[1] तीआ Tīā [2] **वि०**
त्रिक (नपुं०) तीन का समूह, तीन।

ਤੀਆ[2] तीआ Tīā [3] **पुं०**
तृतीय (वि०) तीसरा, तृतीय।

ਤੀਆਂ तीआँ Tīā̃ [3] **स्त्री०**
तृतीया (स्त्री०) तीज तिथि; श्रावण शुक्ल तृतीया का पर्व।

ਤੀਸਰਾ तीस्रा Tīsrā [3] **पुं०**
तृतीय (वि०) तृतीय, तीसरा।

ਤੀਸੀ तीसी Tīsī [1] **स्त्री०**
अतसी (स्त्री०) अलसी धान्य जिससे तेल निकलता है।

ਤੀਹ तीह् Tīh [3] **वि०**
त्रिंशत् (स्त्री०) तीस (30) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤੀਹਰ तीहर् Tīhar [1] **स्त्री०**
द्र०—ਤਿਹਰ।

ਤੀਹਰਾ तीह्रा Tīhrā [3] **वि०**
त्रिहल्य (वि०) तिहरा, तीन तहों में मुड़ा हुआ वस्त्र आदि।

ਤੀਹਵਾਂ तीह्वां Tīhvā̃]3] **पुं०**
त्रिंशत्तम (वि०) तीसवाँ, 30वाँ।

ਤੀਖਣਤਾ तीखण्ता Tīkhaṇtā [3] **स्त्री०**
तीक्ष्णता (स्त्री०) तीखापन।

ਤੀਛਣਤਾ तीछण्ता Tīchaṇtā [1] **स्त्री०**
द्र०—ਤਿਖਣਤਾ।

ਤੀਜ तीज् Tīj [3] **स्त्री०**
तृतीया (स्त्री०) तृतीया तिथि, तीज।

ਤੀਜਾ तीजा Tījā [3] **पुं०**
तृतीय (वि०) तीसरा।

ਤੀਣਾ तीणा Tīṇā [3] **वि०**
त्रिगुण (वि०) तीन गुना, तिगुना।

ਤੀਬਰ तीबर् Tībar [3] **वि०/पुं०**
तीव्र (वि०/पुं०) वि०—अत्यन्त, बहुत; तीखा, तेज। पुं०—संगीत में आरोही स्वर; शिव; नदी का किनारा।

ਤੀਰ तीर् Tīr [3] **पुं०**
तीर (नपुं०) तीर, बाण।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤੀਰਥ तीरथ् Tīrath [3] पुं०
तीर्थ (पुं०, नपुं०) तीर्थ, धार्मिक या पवित्र स्थान।

ਤੀਰਥੀ तीर्थी Tīrthī [3] पुं०
तीर्थिक (पुं०) तीर्थयात्री, धार्मिक या पवित्र स्थानों की यात्रा करने वाला।

ਤੀਰਥੀਆ तीर्थीआ Tīrthīā [3] पुं०
द्र०—ਤੀਰਥੀ।

ਤੁਸ तुस् Tus [3] पुं०
तुष (पुं०) तुष, अन्न के ऊपर का छिलका, भूसी।

ਤੁਸਾਂ तुसाँ Tusā̃ [3] सर्व०
युष्मद् (सर्व०) तू, तुम, मध्यम पुरुष।

ਤੁਸੀਂ तुसीं Tusī [3] सर्व०
द्र०—ਤੁਸਾਂ।

ਤੁਹਾਡਾ तुहाडा Tuhāḍā [3] सर्व०
तव (सर्व० षष्ठ्यन्त) तुम्हारा, तुम्हारी।

ਤੁਖਾਰ तुखार् Tukhār [3] पुं०
तुषार (पुं०) अथर्ववेद के अनुसार हिमालय के उत्तर-पश्चिम का देश।

ਤੁੱਖਣਾ तुक्ख्णा Tukkhṇā [3] स्त्री०
धुक्षण (नपुं०) भड़काहट, उत्तेजन।

ਤੁਗ तुग् Tug [1] पुं०
त्वच् (स्त्री०) छिलका, त्वचा।

ਤੁੰਗ तुंग् Tuṅg [1] पुं०
तुङ्ग (पुं०) चोटी, शिखर।

ਤੁਚਾ तुचा Tucā [3] स्त्री०
त्वचा (स्त्री०) छिलका; खाल; चमड़ी।

ਤੁੱਛ तुच्छ् Tucch [3] वि०
तुच्छ (वि०) हेय, व्यर्थ, बेकार।

ਤੁਟਣਾ तुट्णा Tuṭṇā [1] अक० क्रि०
त्रुट्यति (दिवादि अक०) टूटना, फूटना; अलग होना।

ਤੁਠਣਾ तुट्ठणा Tuṭṭhaṇā [3] अक० क्रि०
तुष्यति (दिवादि अक०) तुष्ट होना, प्रसन्न होना।

ਤੁੱਠਾ तुट्ठा Tuṭṭhā [3] वि०
तुष्ट (वि०) संतुष्ट, प्रसन्न।

ਤੁਣਕਾ तुण्का Tuṇkā [3] पुं०
टङ्कार (पुं०) टंकार, जोर की ध्वनि।

ਤੁੰਨ तुन्न् Tunn [3] स्त्री०
द्र०—ਧੁੰਨੀ।

ਤੁੰਬ तुम्ब् Tumb [1] पुं०
तुम्ब (पुं०) तूंबा, लौकी।

ਤੁੰਬੀ तुम्बी Tumbī [1] स्त्री०
द्र०—ਤੁੰਬੀ।

ਤੁਰ तुर् Tur [1] स्त्री०
तुरी (स्त्री०) करघे का तार या तुर, औजार विशेष जिससे बाने का सूत भरा जाता है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤੁਰਤ तुर्त् Turt [3] क्रि० वि०
त्वरित (नपुं०) तुरत, तुरन्त ।

ਤੁਰੀ तुरी Turī [3] स्त्री०
तूर (पुं०) तुरही, वाद्य-यन्त्र, एक बाजा ।

ਤੁਰੀਆ तुरिआ Turiā [3] स्त्री०
तुर्या (स्त्री०) चौथी अवस्था, सुषुप्ति ।

ਤੁਰੰਗਣੀ[1] तुरंग्णी Turaṅgṇī [2] स्त्री०
चतुरङ्गिणी (स्त्री०) चार अंगों (गज, अश्व, रथ तथा पैदल) से सुसज्जित सेना, अक्षौहिणी सेना ।

ਤੁਰੰਗਣੀ[2] तुरंग्णी Turaṅgṇī [3] स्त्री०
तुरङ्गी (स्त्री०) घोड़ी, अश्वी ।

ਤੁਰੰਤ तुरन्त् Turant [3] क्रि० वि०
त्वरित (क्रि० वि०) तुरन्त, शीघ्र ।

ਤੁਰੰਤਾ तुरन्ता Turantā [3] स्त्री०
तूर्णता (स्त्री०) शीघ्रता, जल्दीबाजी ।

ਤੁਲਸੀ तुल्सी Tulsī [3] स्त्री०
तुलसी (स्त्री०) तुलसी का पौधा ।

ਤੁਲਣਾ तुल्णा Tulṇā [3] सक० क्रि०
तोलति (भ्वादि सक०) तौलना, माप करना, वजन करना ।

ਤੁਲਾ तुला Tulā [2] स्त्री०
तुला (स्त्री०) तराजू; वजन, भार ।

ਤੁਲਾਉਣਾ तुलाउणा Tulāuṇā [3] सक० क्रि०
तोलयति (भ्वादि, चुरादि प्रेर०) तुलाना, माप कराना, वजन कराना ।

ਤੁੱਲ तुल्ल् Tull [3] वि०
तुल्य (वि०) समान, सदृश, जैसा ।

ਤੁੱਲਤਾ तुल्लता Tullatā [3] स्त्री०
तुल्यता (स्त्री०) तुल्यता, समानता ।

ਤੂੰ तूँ Tū [3] सर्व०
त्वम् (सर्व० प्रथमान्त) तू, तुम ।

ਤੂਤ तूत् Tūt [3] पुं०
तूत (पुं०/नपुं०) पुं०—शहतूत का वृक्ष ।
नपुं०—शहतूत का फल ।

ਤੂੰਬੜਾ तूंब्ड़ा Tūmbṛā [3] पुं०
द्र०—ਤੂੰਬੀ ।

ਤੂੰਬੜੀ तूम्ब्ड़ी Tūmbṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਤੂੰਬੀ ।

ਤੂੰਬੀ तूंबी Tūmbī [3] स्त्री०
तुम्बिका (स्त्री०) तुम्बी, लौका का एक पात्र ।

ਤੂਲ तूल् Tūl [1] स्त्री०
तूल (पुं, नपुं०) गद्दे आदि की रूई ।

ਤੂਲਕਾ तूल्का Tūlkā [3] स्त्री०
तूलिका (स्त्री०) तूलिका, चित्रकार की कूंची ।

ਤੂੜੀ तूड़ी Tūṛī [3] स्त्री०
तुण्ड (नपुं०) तूंड़, जौ आदि अन्न का नुकीला अग्रभाग ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤੇਈ तेई Teī [3] वि०
त्रयोविंशति (स्त्री०) तेईस (23) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤੇਈਵਾਂ तेईवाँ Teīvā̃ [3] पुं०
त्रयोविंशतितम (वि०) तेईसवाँ, 23वाँ।

ਤੇਹ[1] तेह् Teh [3] स्त्री०
तृष्/तृषा (स्त्री०) प्यास, पिपासा।

ਤੇਹ[2] तेह् Teh [1] वि०
त्रि (वि०) तीन (3) संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਤੇਹਾ तेहा Tehā [3] पुं०
तादृश (वि०) वैसा, उस प्रकार का।

ਤੇਤਰੀ तेत्री Tetrī [1] वि०
त्रयस्त्रिंशत् (स्त्री०) तैंतीस (33) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤੇਤੀ तेती Tetī [3] वि०
द्र०—ਤੇਤਰੀ।

ਤੇਤੀਵਾਂ तेतीवाँ Tetīvā̃ [3] पुं०
त्रयस्त्रिंशत्तम (वि०) तैंतीसवाँ, 33वाँ।

ਤੇਂਦੂ तेन्दू Tendū [1] पुं०
तिन्दुक (पुं०) तेंदू का पेड़।

ਤੇਰਸ तेरस् Teras [3] स्त्री०
त्रयोदशी (स्त्री०) त्रयोदशी तिथि या व्रत।

ਤੇਰਾ तेरा Terā [3] सर्व०
तव (सर्व० षष्ठ्यन्त) तेरा, तुम्हारा, तुम्हारी।

ਤੇਰਾਂ तेराँ Terā̃ [3] वि०
त्रयोदशन् (वि०) तेरह (13) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤੇਰ੍ਹਵਾਂ तेर्ह्वाँ Terhvā̃ [3] पुं०
त्रयोदश (वि०) तेरहवाँ, 13वाँ।

ਤੇਰ੍ਹਵੀਂ तेर्ह्वीं Terhvī [3] स्त्री०
त्रयोदशी (स्त्री०) तेरहवीं, 13वीं।

ਤੇਲ तेल् Tel [3] पुं०
तैल (नपुं०) तेल, स्नेह।

ਤੇਲਕ तेलक् Telak [1] पुं०
तैलिक (पुं०) तेली, तेल का व्यापारी।

ਤੇਲਣ तेलण् Telaṇ [3] स्त्री०
तैलिकी (स्त्री०) तेलिन, तेल बेचने वाली।

ਤੇਲੀ तेली Telī [3] पुं०
तैलिक (पुं०) तेली, तेल विक्रेता।

ਤੇਲੀਆ तेलिआ Teliā [3] वि०
तैलीय (वि०) तेल से संबन्धित, तेल-युक्त।

ਤੇੜ तेड़् Teṛ [3] स्त्री०
तृदि (पुं०) फटाव, फटन, दरार।

ਤੈਹਕਣਾ तैह्कणा Taihkaṇā [3] अक० क्रि०
त्रसति/त्रस्यति (दिवादि अक०) डरना, भयभीत होना।

ਤੈਤਰੀਜ तैत्रीय् Taitrīy [3] वि०
तैत्तिरीय (वि०) कृष्ण यजुर्वेद की एक शाखा या उसके अध्येता और ज्ञाता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤੈਰਨਾ तैर्ना Tairnā [3] सक० क्रि०
तरति (भ्वादि सक०) तैरना, पार करना।

ਤੋਹ तोह् Toh [3] पुं०
तुष (पुं०) भूसी, छिलका।

ਤੋਖਣਾ तोख्णा Tokhṇā [2] सक० क्रि०
तोषयति (दिवादि प्रेर०) संतुष्ट करना; तृप्त करना।

ਤੋਖਤ तोखत् Tokhat [1] वि०
तुष्ट (वि०) संतुष्ट, प्रसन्न।

ਤੋਂਦ तोंद् Tōd [1] पुं०
तुन्द (नपुं०) तोंद, पेट, उदर।

ਤੋਰੀ तोरी Torī [3] पुं०
तोरी (स्त्री०) तोरी, एक सब्जी।

ਤੋਲ तोल् Tol [3] पुं०
तोल (पुं०) तौल, माप, वजन।

ਤੋਲਣਾ तोल्णा Tolṇā [3] सक० क्रि०
तोलयति (चुरादि सक०) तौलना, माप करना, वजन करना।

ਤੋਲਣੀ तोल्णी Tolṇī [3] स्त्री०
तोलन (नपुं०) तौलने का काम या भाव।

ਤੋਲਾ[1] तोला Tolā [3] पुं०
तोल (पुं०) तोला, 12 मासे का एक भाग।

ਤੋਲਾ[2] तोला Tolā [3] पुं०
तोलक (वि०) तोलने वाला, वजन करने वाला।

ਤੋਲੀ तोली Tolī [3] पुं०
तौलिन् (वि०) तोलने वाला, माप करने वाला।

ਤੋੜਣਾ तोड़्णा Toṛṇā [3] सक० क्रि०
त्रोटयति (दिवादि प्रेर०) तोड़ना, अलग करना।

ਤੌਣੀ तौणी Tauṇī [3] स्त्री०
ताप (पुं०) गर्मी; पसीना।

ਤੌੜਾ तौड़ा Tauṛā [3] पुं०
तपक (पुं०) मटका, घड़ा।

ਤੌੜੀ[1] तौड़ी Tauṛī [3] स्त्री०
तपकी (स्त्री०) मटकी, हाँडी, कलशी।

ਤੌੜੀ[2] तौड़ी Tauṛī [1] स्त्री०
ताली (स्त्री०) ताल, करतल-ध्वनि।

ਤੰਦ तन्द् Tand [3] स्त्री०
तन्तु (पुं०) धागा, सूत्र।

ਤੰਦਲ तन्दल् Tandal [1] पुं०
तण्डुल (पुं०) चावल, तुष रहित धान।

ਤੰਦੜਾ तंद्ड़ा Tandṛā [2] पुं०
तन्तु (पुं०) तार; सूत, डोरा।

ਤੰਬੂਰਾ तम्बूरा Tambūrā [3] पुं०
तुम्बुरुवीणा (स्त्री०) तानपूरा, तुम्बुरु गन्धर्व से निर्मित वीणा।

ਤੰਬੋਲ तम्बोल् Tambol [3] पुं०
ताम्बूल (नपुं०) पान, पान का पत्ता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤੰਬੋਲਣ तम्बोलण् Tambolaṇ [3] स्त्री०
ताम्बूलिका (स्त्री०) तमोली की स्त्री, पान बेचने वाली।

ਤੰਬੋਲੀ तम्बोली Tamboli [3] पुं०
ताम्बूलिक (पुं०) तमोली, पान-विक्रेता।

ਤੰਮੋਲ तम्मोल् Tammol [1] पुं०
द्र०—ਤੰਬੋਲ।

ਤ੍ਰਸਤ त्रस्त् Trast [3] वि०
त्रस्त (वि०) भयभीत, डरा हुआ।

ਤ੍ਰਹਿਣਾ त्रैह्णा Traihṇā [3] अक० क्रि०
त्रसति/त्रस्यति (दिवादि अक०) डरना, भयभीत होना।

ਤ੍ਰਾਸ त्रास् Trās [3] पुं०
त्रास (पुं०) भय; संकट।

ਤ੍ਰਾਹਣਾ त्राह्णा Trāhṇā [3] सक० क्रि०
त्रासयति (दिवादि प्रेर०) त्रास देना, डराना।

ਤ੍ਰਾਹ-ਤ੍ਰਾਹ त्राह्-त्राह् Trāh-Trāh [3] सक० क्रि०
त्रायस्व-त्रायस्व (दिवादि सक० लोट्) त्राहि-त्राहि, बचाओ-बचाओ।

ਤ੍ਰਾਮਾ त्रामा Trāmā [1] पुं०
द्र०—ਤਾਂਬਾ।

ਤ੍ਰਿਆ त्रिआ Triā [3] स्त्री०
स्त्री (स्त्री०) स्त्री, नारी, औरत।

ਤ੍ਰਿਸ਼ਨਾ त्रिश्ना Triśnā [3] स्त्री०
तृष्णा (स्त्री०) चाह, लालच; प्यास।

ਤ੍ਰਿਖਾ त्रिखा Trikhā [3] स्त्री०
तृषा (स्त्री०) प्यास, पिपासा।

ਤ੍ਰਿਣ त्रिण् Tirṇ [3] पुं०
तृण (नपुं०) तिनका, खरपात, घास।

ਤ੍ਰਿਦੋਖ त्रिदोख् Tridokh [3] पुं०
त्रिदोष (पुं०) त्रिदोष, वात-पित्त और कफ की विषमता।

ਤ੍ਰਿਨੁੱਕਰਾ त्रिनुक्करा Trinukkarā [3] वि०
त्रिकोण (वि०) त्रिकोण, तिकोना, तीन कोणों वाला।

ਤ੍ਰਿਪਤਣਾ त्रिपत्णा Tripatṇā [2] अक० क्रि०
तृप्यति (दिवादि अक०) तृप्त होना, संतुष्ट होना।

ਤ੍ਰਿਪਤਾਸਣਾ त्रिप्तास्णा Triptāsṇā [2] अक० क्रि०
द्र०—ਤ੍ਰਿਪਤਣਾ।

ਤ੍ਰਿਪਤਾਣਾ त्रिप्ताणा Triptāṇā [3] सक० क्रि०
तर्पयति (दिवादि प्रेर०) तृप्त करना, संतुष्ट करना।

ਤ੍ਰਿਵੰਜਾ त्रिवंजा Trivañjā [2] वि०
त्रिपञ्चाशत् (स्त्री०) तिरपन (53) संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਤੁੱਠਣਾ त्रुट्ठणा Truṭṭhṇā [3] अक० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

तुष्यति (दिवादि अक०) तुष्ट होना, प्रसन्न होना।

ਤੁੱਠਾ त्रुट्ठा Truṭṭhā [3] स्त्री०
द्र०—ਤੁੱਠਾ।

ਤ੍ਰੇੜ ਤ੍ਰੇੜ Treṛ [3] स्त्री०
तृदि (पुं०) फटाव, दरार।

ਤ੍ਰੈ त्रै Trai [3] वि०
त्रयः (सर्व० प्रथमान्त) तीन (3) संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਤ੍ਰੋੜਨਾ त्रोड़्ना Troṛnā [3] सक० क्रि०
त्रोटयति (दिवादि प्रेर०) तोड़ना, अलग करना।

ਤ੍ਰੌਦਸੀ त्रौद्सी Traudsī [1] स्त्री०
द्र०—ਤਰੋਦਸ਼ੀ।

ਥ

ਥਓਂ थओं Thaō [1] पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान, ठाँव, जगह।

ਥਹਿ थहि Thahi [1] पुं०
द्र०—ਥਾਂ।

ਥਹੁ थहु Thahu [1] पुं०
द्र०—ਥਾਂ।

ਥਕਣਾ थक्णा Thakṇā [3] अक० क्रि०
स्थगति (भ्वादि अक०) थकना, ठहरना, रुकना।

ਥਕਾ थका Thakā [3] पुं०
स्थगन (नपुं०) थकान, थकावट; रुकावट।

ਥਕਾਣ थकाण् Thakāṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਥਕਾ।

ਥਕਿਆ थक्या Thakyā [3] पुं०
स्थगित (वि०) थकित, थका हुआ; रुका हुआ।

ਥਕੀਲਾ थकीला Thakīlā [1] वि०
द्र०—ਥਕਿਆ।

ਥੱਕਣਾ थक्क्णा Thakkṇā [3] अक० क्रि०
स्थगति (भ्वादि अक०) थकना; रुकना।

ਥਣ थण् Thaṇ [3] पुं०
स्तन (पुं०) थन, स्तन; कुच।

ਥਨੇਸਰ थनेसर् Thanesar [3] पुं०
स्थाण्वीश्वर (पुं०) कुरुक्षेत्र के अन्तर्गत हिन्दुओं का एक प्रसिद्ध तीर्थस्थान।

ਥੱਪਣਾ थप्पणा Thappaṇā [3] सक० क्रि०
स्थापयति (भ्वादि प्रेर०) थापना, स्थापित करना, प्रतिष्ठित करना; रखना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਥੱਬਾ थब्बा Thabbā [3] पुं०
स्तबक (पुं०, नपुं०) गुलदस्ता, फूल आदि का गुच्छा।

ਥਰੀ थरी Tharī [1] स्त्री०
त्सरु (पुं०) तलवार या अन्य हथियार की मूँठ।

ਥਲ थल् Thal [3] पुं०
स्थल (नपुं०) स्थल, स्थान, शुष्क भूमि।

ਥੱਲੜਾ थल्ल्ड़ा Thallṛā [3] वि०
तलीय (वि०) तल भाग का, नीचे का, सतही।

ਥੱਲਾ थल्ला Thallā [3] पुं०
तल (पुं०) तल, सतह, अधोभाग।

ਥੜਾ थड़ा Thaṛā [3] पुं०
स्थण्डिल (नपुं०) चबूतरा, चौरस की हुई भूमि।

ਥਾਂ थां Thā̃ [3] स्त्री०
स्थान (नपुं०) स्थान, जगह।

ਥਾਉਂ थाउँ Thāū̃ [2] स्त्री०
द्र०—थां।

ਥਾਹ थाह् Thāh [3] स्त्री०
स्थाघ (पुं०) थाह, निचली सतह, गहराई।

ਥਾਣਾ थाणा Thāṇā [3] पुं०
स्थानक (नपुं०) थाना, पुलिस स्टेशन।

ਥਾਨ थान् Thān [1] स्त्री०
स्थान (नपुं०) स्थान, जगह; धर्मस्थान; अस्तबल।

ਥਾਪਣਾ थाप्णा Thāpṇā [3] सक० क्रि०
स्थाप्यते (भ्वादि प्रेर० कर्म०) स्थापित किया जाना; गोबर के उपले आदि बनाते समय थप-थप करना; थपथपाना।

ਥਾਮਾ थामा Thāmā [1] पुं०
स्तम्भ (पुं०) खम्बा, थूना।

ਥਾਲ थाल् Thāl [3] पुं०
स्थाली (स्त्री०) थाल-पात्र, भोजन करने का पात्र।

ਥਾਲੀ थाली Thālī [3] स्त्री०
स्थाली (स्त्री०) थाली, भोजन करने का पात्र।

ਥਾਵਰ थावर् Thāvar [1] पुं०
स्थावर (पुं०) पहाड़, पर्वत; जड़ वस्तु।

ਥਾਵੇਂ थावें Thāvẽ [3] क्रि० वि०
स्थाने (क्रि० वि०) स्थान पर।

ਥਿਤ थित् Thit [1] स्त्री०
तिथि (स्त्री०) तिथि, चद्रकलाओं के अनुसार होने वाली प्रतिपदा आदि तिथियाँ।

ਥਿੰਦਾ थिन्दा Thindā [1] वि०
स्निग्ध (वि०) चिकना, तैलीय, स्नेहिल।

ਥਿਰ थिर् Thir [3] वि०
स्थिर (वि०) स्थिर, दृढ़, अचल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਥਿਰਤਾ थिर्ता Thirtā [3] स्त्री०
स्थिरता (स्त्री०) स्थिर होने का भाव, ठहराव।

ਥੀਂ थीं Thī [1] वि०
स्थित (वि०) स्थित, अचल, कायम।

ਥੁੱਕ थुक्क् Thukk [3] पुं०
थूत्क (नपुं०) थूक, खँखार।

ਥੱਕਣਾ थुक्क्णा Thukkṇā [3] पुं०
थूत्करण (नपुं०) थूकने या थूत्कारने का भाव।

ਥੁਥਨੀ थुथ्नी Thuthnī [3] स्त्री०
तुण्ड (पुं०, नपुं०) सूअर घोड़ा आदि पशुओं का आगे का निकला हुआ मुख।

ਥੂਹਣੀ थूह्णी Thūhṇī [1] स्त्री०
स्थूणा (स्त्री०) थूनी, खम्भा।

ਥੂਹਾ थूहा Thūhā [1] पुं०
स्थूणा (स्त्री०) थूना, खम्भा; सहारा।

ਥੂਣੀ थूणी Thūṇī [2] स्त्री०
स्थूणा (स्त्री०) थूनी, खंभा।

ਥੂਥਣਾ थूथ्णा Thuthṇā [1] पुं०
द्र०—ਥੁਥਨੀ।

ਥਥਣੀ थूथ्णी Thūthṇī [3] स्त्री०
तुण्ड (नपुं०) सूअर आदि पशुओं का आगे का निकला हुआ मुख भाग।

ਥੂਲ ਥੂਲ् Thūl [1] वि०
स्थूल (वि०) स्थूल, मोटा।

ਥੇਲੀ थेली Thelī [1] स्त्री०
हस्ततल (नपुं०) हथेली, करतल।

ਥੈਲਾ थैला Thailā [3] पुं०
स्थवि (पुं०) थैला, झोला।

ਥੈਲੀ थैली Thailī [3] स्त्री०
स्थवि (पुं०, स्त्री०) थैली, झोली।

ਥੋਹਲੂ थोह्लू Thohlū [2] पुं०
स्थौल (पुं०) स्थूलता, मोटापा।

ਥੋਕ थोक् Thok [3] पुं०
स्तबक (पुं०, नपुं०) इकट्ठा सामान, पूरी राशि।

ਥੋਯਾ थोया Thoyā [1] वि०
स्थापित (वि०) स्थापित, रखा गया।

ਥੋੜ ਥੋड़् Thoṛ [3] स्त्री०
स्तोक (नपुं०) थोड़ा, कमी, अल्पता।

ਥੋੜਾ थोड़ा Thoṛā [3] वि०
स्तोक (वि०) थोड़ा, कम, अल्प।

ਥੌਂ थौं Thaū [1] स्त्री०
द्र०—ਥਾਂ।

ਥੰਦਾ थन्दा Thandā [1] वि०
स्निग्ध (वि०) चिकना, स्नेहिल, तैलीय।

ਥੰਭ थम्भ् Thambh [2] पुं०
द्र०—ਥੰਭ।

ਥੰਭਣਾ थम्भ्णा Thambhṇā [1] सक० क्रि०
द्र०—ਥੰਮ੍ਹਣਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਥੰਮ थम्म् Thamm [3] पुं०
स्तम्भ (पुं०) खम्भा, स्तम्भ ।

ਥੰਮ੍ਹਣ थम्म्हण् Thammhaṇ [1] स्त्री०
स्तम्भन (नपुं०) रुकने या ठहरने का भाव।

ਥੰਮ੍ਹਣਾ थम्म्ह्णा Thammhṇā [3] सक० क्रि०
स्तम्भयति (भ्वादि प्रेर०) थामना; ठहराना, रोकना।

ਥੰਮ੍ਹਲਾ थम्म्हला Thammhalā [3] पुं०
स्तम्भ (पुं०) खम्बा, थूना।

ਥਮ੍ਹਾਓਣਾ थम्हाओणा Thamhāoṇā [3] सक० क्रि०
स्तम्भयति (भ्वादि प्रेर०) थम्हाना, सहारा देना, पकड़ाना।

ਦ

ਦਇਆ दइआ Daiā [3] स्त्री०
दया (स्त्री०) दया, कृपा।

ਦਸ दस् Das [3] वि०
दशन् (वि०) दस (10) संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਦਸਹਿਰਾ दसैह्रा Dasaihrā [3] पुं०
दशहरा (स्त्री०) दसहरा, शारद या गंगा दशहरा।

ਦਸਮ दसम् Dasam [3] वि०
द्र०—ਦਸਵਾਂ।

ਦਸਵਾਂ दस्वाँ Dasvā̃ [3] पुं०
दशम (वि०) दसवाँ, 10वाँ।

ਦਸਵੀਂ दस्वी Dasvī [3] स्त्री०
दशमी (स्त्री०) दसवीं; दशमी तिथि।

ਦਸਾਉਣਾ दसाउणा Dasāuṇā [1] सक० क्रि०
दर्शयति (भ्वादि प्रेर०) दिखाना, दर्शन करना।

ਦਸਾਸੂਲ दसासूल् Dasāsūl [1] पुं०
दिशाशूल (पुं०) दिशाशूल, किसी दिशा में यात्रा का निषिद्ध दिन।

ਦਸਾਹਾ दसाहा Dasāhā [3] पुं०
दशाह (पुं०) दसाह, मृत्यु के दसवें दिन की क्रिया, दसवाँ।

ਦਸੂਣਾ दसूणा Dasūṇā [3] पुं०
दशगुण (वि०) दसगुना, दशगुणित।

ਦਸੌਣਾ दसौणा Dasauṇā [3] वि०
द्र०—ਦਸੂਣਾ।

ਦਸੌਰ दसौर् Dasaur [3] पुं०
देशावर (पुं०) विदेश, परदेश।

ਦੱਸਣਾ दस्सणा Dassaṇā [3] सक० क्रि०
दिशति (तुदादि सक०) बताना, निर्देश करना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਹਾ दहा Dahā [1] वि०
दशन् वि० दस, 10 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु ।

ਦਹਿਸਿਰ दैह्सिर् Daihsir [3] पुं०
दशशिरस् (पुं०) दशशिर, रावण ।

ਦਹਿਸਿਰਾ दैह्सिरा Daihsirā [3] पुं०
द्र०—ਦਹਿਸਿਰ ।

ਦਹਿਕ दहिक् Dahik [3] पुं०
दाहक (वि०) दाह करने वाला, जलाने वाला ।

ਦਹਿਕਣਾ दैह्कणा Daihkaṇā [3] अक० क्रि०
दहति (भ्वादि अक०) जलना, दहकना ।

ਦਹਿਣਾ[1] दैह्णा Daihṇā [3] अक० क्रि०
दहति (भ्वादि अक०) जलना, दहकना ।

ਦਹਿਣਾ[2] दैह्णा Daihṇā [1] पुं०
दक्षिण (वि०) दाहिना, दायाँ ।

ਦਹੀ दही Dahī [3] स्त्री०
दधि (नपुं०) दही, दधि ।

ਦਹੀਂ दहीं Dahī [3] पुं०
द्र०—ਦਹੀ ।

ਦਹੀਂਡਾ दहीण्डा Dahīṇḍā [1] स्त्री०
द्र०—ਦਹੀਂਡੀ ।

ਦਹੀਂਡੀ दहीण्डी Dahīṇḍī [1] स्त्री०
दधिभाण्ड (नपुं०) दहेड़ी, दही जमाने का पात्र ।

ਦਖਸ਼ਣਾ दख्शणा Dakhśaṇā [3] स्त्री०
द्र०—ਦੱਖਣਾ ।

ਦਖੂਤਰਾ दखूत्रा Dahkūtrā [3] पुं०
दुःखमूत्र > मूत्रकृच्छ्र (नपुं०) पथरी, पेट का एक रोग ।

ਦੱਖਣ दक्खण् Dakkhaṇ [3] पुं०
दक्षिणा (स्त्री०) दक्षिण दिशा ।

ਦੱਖਣਾ दक्खणा Dakkhaṇā [3] स्त्री०
दक्षिणा (स्त्री०) दक्षिणा, ब्राह्मण को धार्मिक कृत्य में देय द्रव्य ।

ਦੱਖਣਾਇਨ दक्ख्णाइन् Dakkhṇāin [3] स्त्री०
दक्षिणायन (नपुं०) दक्षिणायन, सूर्य की दक्षिण दिशा की ओर गति ।

ਦੱਖਣੀ दक्खणी Dakkhaṇī [3] वि०
दक्षिणीय (वि०) दक्षिण दिशा का, दाक्षिणात्य ।

ਦਗਧ दगध् Dagadh [3] वि०
दग्ध (वि०) दाह-युक्त, जला हुआ ।

ਦੱਛ दच्छ् Dacch [3] पुं०/वि०
दक्ष (पुं० / वि०) पुं०—दक्ष प्रजापति । वि०—चतुर, कुशल ।

ਦੱਛਣਾ दच्छणा Dacchaṇā [3] स्त्री०
द्र०—ਦੱਖਣਾ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੱਥਰ दत्थर् Datthar [2] पुं०
प्रस्तर (पुं०) कीमती पत्थर, हीरा जवाहरात आदि रत्न ।

ਦੱਥਲ दत्थल् Datthal [1] पुं०
द्र०—ਦੱਥਰ ।

ਦੱਦ दद्द् Dadd [3] स्त्री०
दद्रु (पुं०) दाद, दिनाय रोग ।

ਦੱਦਰ दद्दर् Daddar [2] स्त्री०
द्र०—ਦੱਦ ।

ਦੱਦਰੀ दद्दरी Daddarī [1] स्त्री०
द्र०—ਦੱਦ ।

ਦਧ दध् Dadh [3] पुं०
दधि (नपुं०) दधि, दही ।

ਦਧੀ दधी Dadhī [3] स्त्री०
द्र०—ਦਧ ।

ਦਧੀਚੀ दधीची Dadhīcī [3] पुं०
दधीची (पुं०) अथर्वा के पुत्र महर्षि दधीचि ।

ਦੱਧ दद्ध् Daddh [3] पुं०
दग्ध (नपुं०) दाह, जलन ।

ਦੱਧਾ दद्धा Daddhā [3] वि०
दग्ध (वि०) जला-भुना; क्रुद्ध, रुष्ट ।

ਦਭ दभ् Dabh [3] स्त्री०
दर्भ (पुं०) डाभ, कुशा ।

ਦੱਭ दब्भ् Dabbh [3] स्त्री०
द्र०—ਦਭ ।

ਦਮਤੂਰਾ दम्तूरा Damtūrā [3] पुं०
द्र०—ਧਤੂਰਾ ।

ਦਮਨ दमन् Daman [3] पुं०
दमन (नपुं०) दबाने का भाव, दबाना ।

ਦਮੋਦਰ दमोदर् Damodar]3] पुं०
दामोदर (पुं०) भगवान् श्रीकृष्ण, विष्णु ।

ਦਯਾਲਗੀ दयाल्गी Dayālgī [1] स्त्री०
दयालुता (स्त्री०) दया, कृपा ।

ਦਯਾਲੂ दयालू Dayālū [2] वि०
दयालु (वि०) दया-युक्त, कृपालु ।

ਦਰਈਂ दर्ईं Darī [1] पुं०
दृति (पुं०) चमड़े का डोल, चर्म-पात्र ।

ਦਰਸ਼ਕ दर्शक् Darśak [3] वि०
दर्शक (वि०) दर्शक, देखने वाला ।

ਦਰਸਨ दर्सन् Darsan [1] पुं०
दर्शन (नपुं०) दर्शन, देखने का भाव ।

ਦਰਸ਼ਨੀ दर्शनी Darśanī [3] वि०
दर्शनीय (वि०) देखने योग्य, सुन्दर, सुरूप ।

ਦਰਸ਼ਨੀਆ दर्शनिआ Darśaniā [1] वि०
द्र०—ਦਰਸ਼ਨੀ ।

ਦਰਸ਼ਨੀਕ दर्शनीक् Darśanīk [1] वि०
द्र०—ਦਰਸ਼ਨੀ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਰਸਾਉਣਾ दर्सावणा Darsāuṇā [3] सक० क्रि०
दर्शयति (भ्वादि प्रेर०) दर्शाना, दिखाना, दर्शन कराना।

ਦਰਸਾਇਆ दर्साइआ Darsāiā [1] वि०
दर्शित (वि०) दिखाया गया, दर्शन कराया हुआ।

ਦਰਸਾਰ दर्सार् Darsār [1] पुं०
द्र०—दरसन।

ਦਰਸਾਵਾ दर्सावा Darsāvā [1] पुं०
द्र०—दरसन।

ਦਰਸੀ दर्सी Darsī [2] वि०
दर्शिन् (वि०) देखने का विचार करने वाला।

ਦਰਪ दरप् Darap [3] पुं०
दर्प (पुं०) घमण्ड, अहंकार; उत्साह; कस्तूरी मृग।

ਦਰਬ दरब् Darab [3] पुं०
द्रव्य (नपुं०) वस्तु, पदार्थ; धन, दौलत; सामग्री; औषध।

ਦਰਬੀ[1] दर्बी Darbī [3] स्त्री०
दर्वी (स्त्री०) कड़छी, चमचा; साँप का फण।

ਦਰਬੀ[2] दर्बी Darbī [3] वि०
द्रव्यिन् (वि०) द्रव्य वाला; धनी।

ਦਰਾ दरा Darā [2] पुं०
दर (पुं०) दर्रा, पहाड़ की घाटी का मार्ग।

ਦਰਾਖ दराख् Darākh [1] स्त्री०
द्राक्षा (स्त्री०) अंगूर की बेल या फल।

ਦਰਾਣੀ दराणी Drāṇī [3] स्त्री०
देवरपत्नी (स्त्री०) देवरानी, देवर की पत्नी।

ਦਰਾਰ दरार् Darār [2] स्त्री०
दराकार (पुं०) दरार, फटी जमीन; तरेड़।

ਦਰਾਵੜ दरावड़् Darāvaṛ [3] वि०
द्रविड़ (वि०) द्रविड़ देश का मूल निवासी, दाक्षिणात्य।

ਦਰਾਵੜੀ दरावड़ी Darāvṛī [2] स्त्री०
द्राविड (वि०) द्रविड देश की भाषा, तमिल भाषा।

ਦਰਿਘਾ दरिघा Darighā [1] वि०
दीर्घ (वि०) दीर्घ, लम्बा।

ਦਰਿਦਰਨ दरिद्रन् Daridran [3] स्त्री०
द्र०—ਦਰਿੱਦਰਣ।

ਦਰਿੱਦਰ दरिद्दर् Dariddar [3] पुं०
दरिद्र (वि०) दरिद्र, कंगाल, निर्धन।

ਦਰਿੱਦਰਣ दरिद्दरण् Dariddraṇ [3] स्त्री०
दरिद्रा (स्त्री०) दरिद्र स्त्री, निर्धन स्त्री।

ਦਰਿੱਦਰਤਾ दरिद्दरता Dariddratā [3] स्त्री०
दरिद्रता (स्त्री०) दरिद्रता, निर्धनता गरीबी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਰਿੱਦਰਤਾਈ द्रिद्दर्ताई Driddartāī [1] स्त्री०
द्र०—ਦਰਿੱਦਰਤਾ ।

ਦਰੀ दरी Darī [3] वि०
द्वारिन् (वि०) द्वार-युक्त, द्वारों वाला ।

ਦਰੋਈ द्रोई Droī [3] स्त्री०
द्रोहिणी (स्त्री०) द्रोह या डाह करने वाली स्त्री ।

ਦਰੋਹ द्रोह् Droh [3] पुं०
द्रोह (पुं०) द्रोह, द्वेष; अपकार; विरोध ।

ਦਲ दल् Dal [3] पुं०
दल (नपुं०) समूह, झुण्ड ।

ਦਲਣਾ दल्णा Dalṇā [3] सक० क्रि०
दलति (भ्वादि सक०) दलना; फाड़ना, चीरना; कुचलना ।

ਦਲਿਤ दलित् Dalit [3] वि०
दलित (वि०) दलित, कुचला हुआ; शोषित ।

ਦਲਿਦਰਣ दलिद्रण् Dalidraṇ [1] स्त्री०
दरिद्रा (स्त्री०) दरिद्र स्त्री, निर्धन स्त्री ।

ਦਲਿਦਰੀ दलिद्री Dalidrī [1] पुं०
दरिद्र (वि०) दरिद्र, निर्धन, गरीब ।

ਦਲਿੱਦਰ दलिद्दर् Daliddar [1] पुं०
दारिद्र्य (नपुं०) दरिद्रता, निर्धनता; अलसता ।

ਦਲਿੱਦਰਤਾ दलिद्दर्ता Daliddartā [1] स्त्री०
दरिद्रता (स्त्री०) दरिद्रता, निर्धनता, गरीबी ।

ਦਲਿੱਦਰਤਾਈ दलिद्दर्ताई Daliddartāī [1] स्त्री०
द्र०—ਦਲਿੱਦਰਤਾ ।

ਦਲਿੱਦਰੀ दलिद्री Daliddrī [3] पुं०
दरिद्र/दरिद्रिन् (वि०) दरिद्री, गरीब; आलसी ।

ਦਲੀਆ दलिआ Daliā [3] वि०
दलित (वि०) दला हुआ अन्न ।

ਦਵਾਖੜੀ द्वाखड़ी Dvākhṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਦਵਾਖੀ ।

ਦਵਾਖੀ द्वाखी Dvākhī [3] स्त्री०
दीपवृक्ष (पुं०) दीवट, दीपक रखने का काष्ठ-स्तम्भ ।

ਦਵੀਪ द्वीप् Dvīp [3] पुं०
द्वीप (नपुं०, पुं०) द्वीप, टापू ।

ਦਵੈਤ द्वैत् Dvait [3] स्त्री०
द्वैत (नपुं०) दो होने का भाव; जोड़ा, युगल; भेद-दृष्टि; द्वैतवाद ।

ਦਵੰਦ द्वन्द् Dvand [3] पुं०
द्वन्द्व (पुं०) द्वन्द्व; कलह; विरोध ।

ਦਵੰਦਾਤਮਕ द्वन्दात्मक् Dvandātmak [3] वि०
द्वन्द्वात्मक (वि०) युगल स्वरूप वाला, दो परस्पर विरुद्ध स्वभाव का ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੜ-ਹੁੱਤ दड़्-हुत् Daṛ-Hutt [1] पुं०
द्र०—दड़ुत ।

ਦੜੁਤ दड़ुत् Daṛut [2] पुं०
देवरपुत्र (पुं०) देवर का पुत्र ।

ਦੜ੍ਹਤ दढ़त् Daṛhat [1] पुं०
द्र०—दड़ुत ।

ਦਾਉਣ दाओण् Dāoṇ [2] स्त्री०
दामन् (नपुं०) रस्सी, रज्जु ।

ਦਾਇਆ दाइआ Dāiā [3] स्त्री०
द्र—दाई ।

ਦਾਇਕ दाइक् Dāik [3] पुं०
दायक (वि०) देनेवाला, दाता ।

ਦਾਈ दाई Dāī [3] स्त्री०
धात्री (स्त्री०) धाय, दाई, पालन पोषण करने वाली नौकरानी ।

ਦਾਸਤਾ दास्ता Dāstā [3] स्त्री०
दासता (स्त्री०) दास होने का भाव, गुलामी ।

ਦਾਸਾਨਦਾਸ दासान्दास् Dāsāndās [3] पुं०
दासानुदास (पुं०) दासों का दास, भगवद्भक्तों का भक्त ।

ਦਾਹ[1] दाह् Dāh [1] पुं०
दाह (पुं०) जलन, जलने का भाव; डाह, ईर्ष्या ।

ਦਾਹ[2] दाह् Dāh [1] पुं०
दशन् (वि०) दस, 10 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु ।

ਦਾਹਣਾ दाह्णा Dāhṇā [3] सक० क्रि०
दहति (भ्वादि सक०) दाह करना, जलाना ।

ਦਾਹੜਕ दाह्ड़क् Dāhṛak [3] पुं०
दाडिम (नपुं० / पुं०) नपुं०—अनार का फल । पुं०—अनार का वृक्ष ।

ਦਾਹਾ दाहा Dāhā [1] पुं०
दशक (नपुं०) दस का समूह ।

ਦਾਖ दाख् Dākh [3] स्त्री०
द्राक्षा (स्त्री०) दाख, अंगूर ।

ਦਾਜ दाज् Dāj [3] पुं०
दायाद्य (नपुं०) उत्तराधिकार, विरासत, दाय ।

ਦਾਤ दात् Dāt [3] पुं०
दात्र (नपुं०) दराती, हँसिया, फसल काटने का साधन ।

ਦਾਤਣ दातण् Dātaṇ [3] स्त्री०
दन्तपवन (नपुं०) दातून, दन्तधावन ।

ਦਾਤਰੀ दात्री Dātrī [3] स्त्री०
द्र०—दाती ।

ਦਾਤੜਾ दात्ड़ा Dātṛā [1] पुं०
दातृ (वि०) दाता, देने वाला ।

ਦਾਤਾਰ दातार् Dātār [3] वि०
दातृ (वि०) दाता, देने वाला ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਾਤੀ दाती Dātī [3] स्त्री०
दात्र (नपुं०) दराती, हँसिया, फसल-घास आदि काटने का उपकरण।

ਦਾੱਤਰ दात्तर् Dattar [3] पुं०
दात्र (नपुं०) बड़ी दराँती, बड़ा हँसिया।

ਦਾਦਰ दादर् Dādar [1] पुं०
दर्दुर (पुं०) दादुर, मेढक।

ਦਾਦੁਰ दादुर् Dādur [1] पुं०
द्र०—ਦਾਦਰ।

ਦਾਂਦੂ दाँदू Dãdū [3] वि०
द्र०—ਦੰਦਲ।

ਦਾਂਦੋ दाँदो Dãdo [3] स्त्री०
दन्तुरा (स्त्री०) उठे या बाहर निकले दांतों वाली।

ਦਾਧਾ दाधा Dādhā [1] वि०
दग्ध (वि०) दाह-युक्त, जला हुआ।

ਦਾਨ दान् Dān [3] पुं०
दान (नपुं०) दान, विधिपूर्वक द्रव्य त्याग।

ਦਾਨ-ਪਾਤਰ दान्-पातर् Dān-Pātar [3] पुं०
दानपात्र (नपुं०) दानपात्र, जिसमें दान दिया जाय वह पेटी, पात्र या व्यक्ति।

ਦਾਨੀ दानी Dānī [3] पुं०
दानिन् (वि०) दानी, दान देने वाला।

ਦਾਨੂ दानू Dānū [1] पुं०
दाडिम्ब (पुं० / नपुं०) पुं०—अनार का वृक्ष। नपुं०—अनार का फल।

ਦਾਮਨੀ दामनी Dāmnī [3] स्त्री०
दामिनी (स्त्री०) बिजली, विद्युत्!

ਦਾਰਸ਼ਨਿਕ दार्शनिक् Dārśanik [3] पुं०
दार्शनिक (वि०) दार्शनिक, दर्शन-शास्त्र का ज्ञाता या अध्येता अथवा उससे संबद्ध।

ਦਾਰਮ दारम् Dāram [3] पुं०
दाडिम (पुं० / नपुं०) पुं०—अनार का वृक्ष। नपुं०—अनार का फल।

ਦਾਰੀ दारी Dārī [1] स्त्री०
दार (पुं० बहु०) दारा, पत्नी, भार्या।

ਦਾਲ दाल् Dāl [3] स्त्री०
दाल (पुं०) दाल, अरहर-मूँग इत्यादि की दाल।

ਦਾੜ੍ਹ दाढ़् Dāṛh [3] स्त्री०
द्र०—ਜਾੜ੍ਹ।

ਦਾੜ੍ਹਾ दाढ़ा Dāṛhā [3] पुं०
दाढिका (स्त्री०) बड़ी दाढ़ी-मूँछ।

ਦਾੜ੍ਹੀ दाढ़ी Dāṛhī [3] स्त्री०
दाढिका (स्त्री०) दाढ़ी-मूँछ।

ਦਿਉ दिउँ Diū [3] पुं०
दिन (नपुं०) दिन, दिवस, वासर।

ਦਿਉਸ दिउस् Dius [3] पुं०
दिवस (पुं०) दिवस, दिन।

ਦਿਉਹਾੜੀ दिउहाड़ी Diuhāṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਦਿਹਾੜੀ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਿਉਕਾਜ ਦ्योकाज् Dyokāj [3] पुं०
देवकार्य (नपुं०) देवकार्य; क्षत्रियों में प्रचलित बच्चे के बाल उतारने की प्रथा।

ਦਿਉਣੀ दिउणी Diuṇī [3] स्त्री०
देवयोनि (स्त्री०) डाइन, भूतनी, चुड़ैल।

ਦਿਉਤਾ द्योता Dyotā [3] पुं०
देवता (स्त्री०) देवता, देव।

ਦਿਉਦਾਰ दिउदार् Diudār [3] पुं०
द्र०—ਦਿਆਰ।

ਦਿਓ दिओ Dio [3] पुं०
देवयोनि (पुं०) भूत, जिन्न, देव-जाति-विशेष।

ਦਿਉਤਾ द्योता Dyotā [3] पुं०
देवता (स्त्री०) देवता, देव, सुर।

ਦਿਉਰ द्योर् Dyor [3] पुं०
देवर (पुं०) देवर, पति का छोटा भाई।

ਦਿਆ दिआ Diā [1] स्त्री०
दया (स्त्री०) दया, कृपा।

ਦਿਆਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ द्याद्रिश्टी Dyādriśṭī [1] स्त्री०
दयादृष्टि (स्त्री०) दया की दृष्टि, कृपा-दृष्टि।

ਦਿਆਰ द्यार् Dyār [2] पुं०
देवदारु (पुं०, नपुं०) देवदार का वृक्ष।

ਦਿਆਲ द्याल् Dyāl [3] वि०
दयालु (वि०) दया-युक्त, कृपालु।

ਦਿਆਲਗੀ द्याल्गी Dyālgī [3] स्त्री०
दयालुता (स्त्री०) दयालुता, कृपालुता।

ਦਿਆਲਤਾ द्याल्ता Dyāltā [3] स्त्री०
द्र०—ਦਿਆਲਗੀ।

ਦਿਆਲੂ द्यालू Dyālū [3] वि०
द्र०—ਦਿਆਲ।

ਦਿਆਵਾਨ द्यावान् Dyāvān [3] पुं०
द्र०—ਦਿਆਵੰਤ।

ਦਿਆਵੰਤ द्यावन्त् Dyāvant [3] वि०
दयावत् (वि०) दयावान्, कृपावान्।

ਦਿਸ[1] दिस् Dis [3] स्त्री०
दिश् (स्त्री०) दिशा; तरफ, ओर।

ਦਿਸ[2] दिस् Dis [3] स्त्री०
दृश् (स्त्री०) दृष्टि, आँख।

ਦਿਸਟ दिसट् Disaṭ [3] स्त्री०
दृष्टि (स्त्री०) दृष्टि, नेत्र, आँख; ज्ञान।

ਦਿਸ਼ਟ दिश्ट् Diśṭ [1] स्त्री०
द्र०—ਦਿਸਟ।

ਦਿਸ਼ਟਕੂਟ दिश्ट्-कूट् Diśṭ-kūṭ [3] स्त्री०
दृष्टकूट (नपुं०) पहेली, प्रहेलिका, बुझौवल।

ਦਿਸ਼ਟਾਂਤ दिश्टान्त् Diśṭānt [1] पुं०
दृष्टान्त (पुं०) दृष्टान्त, उदाहरण; एक अलंकार।

ਦਿਸਣਾ दिस्णा Disṇā [3] सक० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

दृश्यते (भ्वादि कर्म०) दिखना, दिखाई देना।

ਦਿਸਦਾ दिस्दा Disdā [3] वि०
दृश्यमान (वि०) दिखाई पड़ने वाला।

ਦਿਸਾਉਰ दिसाउर् Disāur [1] पुं०
द्र०—ਦਿਸੌਰ।

ਦਿਸਾਉਰੀ दिसाउरी Disāurī [3] वि०
देशावरीय (वि०) परदेश संबन्धी, विदेशी।

ਦਿਸੀਣਾ दिसीणा Disīṇā [1] अक० क्रि०
दृश्यते (भ्वादि कर्म०) दिखाई देना, दृष्ट होना।

ਦਿਸੇਰਾ दिसेरा Diserā [1] पुं०
द्विसेटक (नपुं०) दो सेर का बाट।

ਦਿਸੇਰੀ दिसेरी Diserī [1] स्त्री०
द्र०—ਦਿਸੇਰਾ।

ਦਿਸੌਰੀ दिसौरी Dīsaurī [3] वि०
द्र०—ਦਿਸਾਉਰੀ।

ਦਿਸੰਤਰ दिसन्तर् Disantar [3] पुं०
देशान्तर (नपुं०) अन्य देश, दूसरा देश।

ਦਿੱਸਣਾ[1] दिस्स्णा Dissṇā [3] अक क्रि०
दृश्यते (भ्वादि कर्म०) दिखना, देखा जाना।

ਦਿੱਸਣਾ[2] दिस्स्णा Dissṇā [3] सक० क्रि०
दिशति (तुदादि सक०) बताना, कहना; सिखाना।

ਦਿਹ दिह् Dih [1] पुं०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿੰਹ दिंह् Dīh [1] पुं०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਲੀ देह्ली Dehlī [3] स्त्री०
देहली (स्त्री०) देहली, दहलीज़, डचोढ़ी।

ਦਿਹੜੀ दिह्ड़ी Dihṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਦਿਹਲੀ।

ਦਿਹਾਂ दिहाँ Dihã [1] पुं०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਾਂਤ दिहान्त् Dihānt [2] पुं०
देहान्त (पुं०) देहान्त, मृत्यु।

ਦਿਹਾਰ दिहार् Dihār [3] स्त्री०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਾਰਾ दिहारा Dihārā [1] पुं०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਾੜ दिहाड़् Dihāṛ [3] पुं०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਾੜਾ दिहाड़ा Dihāṛā [3] पुं०
द्र०—ਦਿਉਂ।

ਦਿਹਾੜੀ दिहाड़ी Dihāṛī [3] स्त्री०
दिवसीय (वि०) दिवस संबन्धी; एक दिन की मजदूरी।

ਦਿਹੁੰ दिहुँ Dihũ [3] पुं०
द्र०—ਦਿਉਂ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਿਖਣਾ दिख्णा Dikhṇā [3] अक० क्रि०
दृश्यते (भ्वादि कर्म०) दिखना, दिखाई देना।

ਦਿਖਲਾਉਣਾ दिख्लाउणा Dikhlāuṇā [3] सक० क्रि०
दर्शयति (भ्वादि प्रेर०) दिखलाना, दर्शन कराना।

ਦਿਖਲਾਵਣਾ दिख्लाव्णा Dikhlāvṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਦਿਖਲਾਉਣਾ।

ਦਿਖਾਉਣਾ दिखाउणा Dikhāuṇā [3] सक० क्रि०
दर्शयति (भ्वादि प्रेर०) दिखलाना, दर्शन कराना।

ਦਿਖਾਲਣਾ दिखाल्णा Dikhālṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਦਿਖਾਉਣਾ।

ਦਿਗ दिग् Dig [1] स्त्री०
दृश् (स्त्री०) दृग, दृष्टि, आँख।

ਦਿੱਗ दिग्ग् Digg [3] स्त्री०
दिश् (स्त्री०) दिशा; निर्देश, संकेत।

ਦਿੱਤ दित्त् Ditt [3] वि०
दत्त (वि०) प्रदत्त, दिया हुआ; दान-दहेज।

ਦਿੱਤਾ दित्ता Dittā [3] वि०
दत्त (वि०) दिया हुआ; दान।

ਦਿਨ दिन् Din [3] पुं०
दिन (नपुं०) दिन, दिवस।

ਦਿਨਸ दिनस् Dinas [3] पुं०
दिवस (पुं०) दिवस, दिन, वासर।

ਦਿਨ-ਸੁਧ दिन्-सुध् Din-Sudh [1] पुं०
शुद्धदिन (नपुं०) शुभ-दिन, मुहूर्त्त का दिन।

ਦਿਨਕਰ दिन्कर् Dinkar [3] पुं०
दिनकर (पुं०) दिनकर, सूर्य।

ਦਿਨ-ਪਤਰੀ दिन्-पत्री Din-Patrī [3] स्त्री०
दिनपत्री (स्त्री०) दैनिक बही, रोज-नामचा, दैनन्दिनी।

ਦਿਨਪ੍ਰਤੀ दिन्प्रति Dinprati [3] क्रि० वि०
प्रतिदिन (क्रि० वि०) प्रतिदिन, प्रत्येक दिन, हररोज।

ਦਿਨੀਅਰ दिनिअर् Diniar [3] पुं०
द्र०—ਦਿਨਕਰ।

ਦਿਨੰਤ दिनन्त् Dinant [3] पुं०
दिनान्त (पुं०) दिन का अन्तिम भाग, सूर्यास्त काल।

ਤਿਬਸਰੂਪ दिब्सरूप् Dibsarūp [3] पुं०
दिव्यस्वरूप (नपुं०) अलौकिक रूप, बहुत सुन्दर स्वरूप।

ਦਿਬ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟ दिब्-द्रिशट् Dib-drišaṭ [3] स्त्री०
दिव्यदृष्टि (स्त्री०) दैवी दृष्टि, अलौकिक ज्ञान।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਿਬ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ दिब्-द्रिश्टी Dib drisṭī [3] स्त्री०
द्र०—ਦਿਬ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟ ।

ਦਿਬ-ਦੇਹ दिब्-देह् Dib-deh [3] पुं०
दिव्यदेह (पुं०) अलौकिक शरीर, मनोहर शरीर ।

ਦਿਬਨ-ਦ੍ਰਿਸਟ दिबन्-द्रिसट् Diban-drisaṭ [1] स्त्री०
द्र०—ਦਿਬਦ੍ਰਿਸ਼ਟ ।

ਦਿਯਾਲੂ दियालू Diyālū [1] वि०
द्र०—ਦਿਆਲੂ ।

ਦਿਰਾਣੀ दिराणी Dirāṇī [1] स्त्री०
द्र०—ਦਰਾਣੀ ।

ਦਿਵਸ दिवस् Divas [3] पुं०
दिवस (पुं०) दिवस, दिन, वासर ।

ਦਿਵਾਖਾ दिवाखा Divākhā [2] पुं०
द्र०—ਦਵਾਖੀ ।

ਦਿਵਾਖੀ दिवाखी Divākhī [2] स्त्री०
द्र०—ਦਵਾਖੀ ।

ਦਿਵਾਲੀ दिवाली Divālī [3] स्त्री०
दीपावली (स्त्री०) दीपावली उत्सव;

ਦਿਵ੍ਹਾਰ दिव्हार् Divhār [1] स्त्री०
द्र०—ਦਿਉਂ ।

ਦਿੱਵ-ਜੋਤੀ दिव्व्-जोती Divv-jotī [3] स्त्री०
दिव्यज्योतिस् (नपुं०) अलौकिक प्रकाश, सुन्दर ज्योति ।

ਦਿੜ दिड़् Diṛ [1] वि०
दृढ (वि०) दृढ़, पुष्ट, मजबूत ।

ਦ੍ਰਿੜ੍ਹਤਾ द्रिढ़्ता Driṛhtā [3] स्त्री०
दृढता (स्त्री०) दृढ़ता, पुष्टि, मजबूती ।

ਦੀਉਟ दीउट् Dīuṭ [1] स्त्री०
दीपवर्ति (स्त्री०) दीवट, दीपस्तम्भ ।

ਦੀਆ दिआ Diā [2] पुं०
दीप (पुं०) दीप, दीपक ।

ਦੀਂਹ दींह् Dīh [1] पुं०
दिवस (पुं०) दिवस, दिन, वासर ।

ਦੀਖਸ਼ਤ दीख्शत् Dīkhśat [3] वि०
दीक्षित (वि०) दीक्षित, दीक्षा-प्राप्त, मन्त्रोपदिष्ट ।

ਦੀਖਿਅਤ दीख्यत् Dīkhyat [3] वि०
द्र०—ਦੀਖਸ਼ਤ ।

ਦੀਖਿਆ दीख्या Dīkhyā [3] स्त्री०
दीक्षा (स्त्री०) दीक्षा, मन्त्रोपदेश ।

ਦੀਖਿਆਗੁਰੂ दीख्यागुरू Dīkhyāgurū [3] पुं०
दीक्षागुरु (पुं०) दीक्षा देने वाले गुरु, मन्त्रोपदेशक ।

ਦੀਨ-ਕਿਰਪਾਲ दीन्-किर्पाल् Dīn-kirpāl [3] वि०
दीनकृपालु (वि०) दीनकृपालु, दीन-दुखियों पर दया करने वाला ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੀਨਬੰਧ दीनबन्ध् Dīnbandh [3]पुं०
दीनबन्धु (पुं०) दीनबन्धु, दीन-दुखियों का सहारा।

ਦੀਪਕ दीपक् Dīpak [3] पुं०
दीपक (पुं०) दीपक, दीप।

ਦੀਨ-ਦਿਆਲ दीन्-दिआल् Dīn-diāl [3] वि०
दीनदयालु (वि०) दीनदयाल, दीन-दुखियों पर दया करने वाला।

ਦੀਪਤ दीपत् Dīpat [3] वि०
दीप्त (वि०) प्रकाशित, चमकदार।

ਦੀਪਾਲੀ दीपाली Dīpālī [1] स्त्री०
दीपाली (स्त्री०) दीपावली पर्व; दीपमालिका।

ਦੀਰਘ दीरघ् Dīragh [3] वि०
दीर्घ (वि०) दीर्घ, लम्बा, बड़ा।

ਦੀਰਘਾਂਤ दीर्घान्त् Dīrghānt [3] वि०
दीर्घान्त (वि०) दीर्घान्त, जिस पद के अन्त में दीर्घ मात्रा हो।

ਦੀਰਣ दीरण् Dīraṇ [3] वि०
दीर्ण (वि०) विदीर्ण, फाड़ा हुआ, चीरा हुआ।

ਦੀਵਟ दीवट् Dīvaṭ [3] स्त्री०
दीपवर्ति (स्त्री०) दीवट, दीपक रखने का स्तम्भ।

ਦੀਵਟੀ दीव्टी Dīvṭī [3] स्त्री०
द्र०—दीवट।

ਦੀਵੜਾ दीव्ड़ा Dīvṛā [3] पुं०
द्र०—दीपक।

ਦੀਵਾ दीवा dīvā [3] पुं०
दीपक (पुं०) दीपक, दीप।

ਦੁਅੱਖਾ दुअक्खा Duakkhā [3] पुं०
द्व्यक्ष (वि०) दो आँखों वाला।

ਦੁਅਰਥੀ दुअर्थी Duarthī [3] वि०
द्व्यर्थिन् (वि०) दो अर्थों वाला, श्लिष्टार्थक।

ਦੁਅਰਥੀਆ दुअर्थिआ Duarthiā [3] वि०
द्व्यर्थक (वि०) दो अर्थों वाला, श्लिष्टार्थक।

ਦੁਆਦਸੀ दुआद्सी Duādsī [3] स्त्री०
द्वादशी (स्त्री०) द्वादशी तिथि।

ਦੁਆਨੀ दुआनी Duānī [3] स्त्री०
द्व्याणकी (स्त्री०) दुअन्नी, दो आने का सिक्का।

ਦੁਆਪਰ दुआपर् Duāpar [3] पुं०
द्वापर (नपुं०, पुं०) द्वापर युग, चार युगों में से एक युग।

ਦੁਆਰ दुआर् Duār [3] पुं०
द्वार (नपुं०) द्वार, दरवाजा।

ਦੁਆਰਕਾ दुआर्का Duārkā [3] स्त्री०
द्वारका (स्त्री०) द्वारका पुरी।

ਦੁਆਰਪਾਲ दुआर्पाल् Duārpāl [3] पुं०
द्वारपाल (पुं०) द्वारपाल, पहरेदार।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੁਐਤ दुऐत् Duait [3] स्त्री०
द्वैत (नपुं०) द्वैत, दो होने का भाव; भेद-दृष्टि; द्वैतवाद; अज्ञान, मोह।

ਦੁਇ दुइ Dui [1] वि०
द्वि (वि०) दो, 2 संख्या से परिच्छन्न वस्तु।

ਦੁਸ दुस् Dus [1] पुं०
दोष (पुं०) दोष, त्रुटि, भूल।

ਦੁਸਹਿ दुस्हि Dushi [3] वि०
दुस्सह (वि०) असह्य, दारुण।

ਦੁਸੈਹਰਾ दुसैह्रा Dusaihrā [3] पुं०
दशहरा (स्त्री०) दसहरा पर्व, विजया-दशमी।

ਦੁਸ਼ਟ दुशट् Duśaṭ [3] पुं०
दुष्ट (वि०) दुष्ट, दोष-युक्त, खल।

ਦੁਸ਼ਟਣ दुशटण् Duśṭaṇ [3] स्त्री०
दुष्टा (स्त्री०) दुष्ट स्त्री, खल नारी।

ਦੁਸ਼ਟਣੀ दुशटणी Duśṭaṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਦੁਸ਼ਟਣ।

ਦੁਸ਼ਟਤਾ दुशटता Duśṭatā [3] स्त्री०
दुष्टता (स्त्री०) नीचता, खोटापन, दुष्ट का भाव।

ਦੁਸ਼ਟ-ਭਾਵ दुशट्-भाव् Duśaṭ-Bhāv [3] पुं०
दुष्टभाव (पुं०) दुष्टता, बुरे विचार।

ਦੁਸ਼ਪਚ दुशपच् Duśpac [3] वि०
दुष्पच (वि०) अपचकारी, कठिनाई से पचने योग्य, गरिष्ठ भोजन।

ਦੁਸ਼ਾਲਾ दुशाला Duśālā [3] पुं०
द्विःशाल (नपुं०) दुशाला वस्त्र, ऊनी उत्तरीय।

ਦੁਸਿਰਾ दुसिरा Dusirā [3] पुं०
द्विशिरस् (वि०) दो शिरों वाला साँप इत्यादि जन्तु।

ਦੁਸੇਰ दुसेर् Duser [3] पुं०
द्विसेटक (नपुं०) दुसेरा, दो सेर का बाट।

ਦੁਸੇਰਾ दुसेरा Duserā [3] पुं०
द्र०—ਦੁਸੇਰ।

ਦੁਸੇਰੀ दुसेरी Duserī [3] स्त्री०
द्र०—ਦੁਸੇਰ।

ਦੁਹ दुह् Duh [1] वि०
द्वि (वि०) दो, 2 संख्या से युक्त।

ਦੁਹਕਰਮ दुह्करम् Duhkaram [3] पुं०
दुष्कर्मन् (नपुं०) दुष्कर्म, कुकर्म, बुरा कार्य।

ਦੁਹਕ੍ਰਿਤ दुह्क्रित् Duhkrit [1] पुं०
दुष्कृत (नपुं०) दुष्कर्म, कुकर्म।

ਦੁਹਣਾ दोह्णा Dohṇā [3] सक० क्रि०
दोग्धि (अदादि सक०) दूहना, गाय इत्यादि का दूध दोहन करना।

ਦੁਹਤ दुह्त Duht [1] पुं०
दौहित्र (पुं०) पुत्री का पुत्र, नाती।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੁਹਤ-ਪੋਤ दुह्त्-पोत Duht-Pot [3] पुं०
दौहित्र पौत्र (पुं०) दौहित्र-पौत्र, नाती-पोता।

ਦੁਹਤ-ਬਹੂ दुह्त्-बहू Duht-Bahū [3] स्त्री०
दौहित्रवधू (स्त्री०) दौहित्र की पत्नी, नाती की भार्या।

ਦੁਹਤਰਾ दुह्तरा Duhtrā [3] पुं०
दौहित्र (पुं०) पुत्री का पुत्र, नाती।

ਦੁਹਤਰੀ दुह्तरी Duhtrī [3] स्त्री०
दौहित्री (स्त्री०) पुत्री की पुत्री, नातिन।

ਦੁਹਰ दुहर् Duhar [3] स्त्री०
द्विहल्य (नपुं०) दूसरी बार हल चलने का भाव।

ਦੁਹਾਗ दुहाग् Duhāg [3] पुं०
दुर्भाग्य (नपुं०) मन्दभाग्य, खोटी किस्मत।

ਦੁਹਾਗਣ दुहागण् Duhāgaṇ [3] स्त्री०
दुर्भाग्य (स्त्री०) अभागिन, दुर्भाग्य वाली।

ਦੁਹਾਜੂ दुहाजू Duhājū [3] पुं०
द्विभार्य (वि०) दूसरा विवाह करने वाला, दो पत्नियों वाला।

ਦੁੱਕ दुक्क् Dukk [3] वि०
द्वि (वि०) दो, 2 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਦੁਖ दुख् Dukh [3] पुं०
द्र०—ਦੁੱਖ।

ਦੁਖਣਾ दुख्णा Dukhṇā [3] अक० क्रि०
दुखति (भ्वादि अक०) दुःखित होना, पीड़ित होना।

ਦੁਖਦਾ दुख्दा Dukhdā [3] वि०
दुःखद (वि०) दुःख देने वाला, दुःखदायी।

ਦੁਖਦਾਇਕ दुख्दाइक् Dukhdāik [3] वि०
दुःखदायक (वि०) दुःखदायक, कष्टकारक।

ਦੁਖਦਾਇਣ दुख्दाइण् Dukhdāiṇ [3] स्त्री०
दुःखदायिनी (स्त्री०) दुःख देने वाली, दुःखदायिका।

ਦੁਖਦਾਈ दुख्दाई Dukhdāī [3] पुं०
दुःखदायिन् (वि०) दुःखदायी, दुःख देने वाला।

ਦੁਖਦਾਰੀ दुख्दारी Dukhdārī [2] पुं०
दुःखदारिन् (वि०) दुःख को दूर करने वाला, दुःख-दलन।

ਦੁਖਾਉ दुखाउ Dukhāu [3] वि०
द्र०—ਦੁਖਦਾਇਕ।

ਦੁਖਾਉਣਾ दुखाउणा Dukhāuṇā [3] सक० क्रि०
दुःखयति (नामधातु सक०) दुःख देना, दुखाना।

ਦੁਖਾਂਤੀ दुखान्ती Dukhānti [3] वि०
दुःखान्त (वि०) दुःखान्त, दुःख से अन्त होने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੁਖਿਆਰ दुखिआर् Dukhiār [3] वि०
द्र०—दुखी ।

ਦੁਖਿਆਰਣ दुखिआरण् Ḍukhīāraṇ [3] स्त्री०
दुःखिता (स्त्री०) दुःख से युक्त स्त्री, पीड़िता ।

ਦੁਖਿਆਰਾ दुख्यारा Dukhyārā [3] पुं०
द्र०—दुखी ।

ਦੁਖਿਆਰੀ दुख्यारी Dukhyārī [2] स्त्री०
द्र०—दुखिआरण ।

ਦੁਖਿਤ दुखित् Ḍukhit [3] वि०
दुःखित (वि०) दुःखी, दुःख से युक्त ।

ਦੁਖੀ दुखी Ḍukhī [3] वि०
दुःखिन् (वि०) दुःखी, दुःख से युक्त ।

ਦੁਖੀਆ दुखीआ Ḍukhīā [3] पुं०
द्र०—दुखी ।

ਦੁੱਖ दुक्ख् Ḍukkh [3] पुं०
दुःख (नपुं०) दुःख, कष्ट, पीड़ा ।

ਦੁੱਖੜਾ दुक्खड़ा Ḍukkhaṛā [3] पुं०
द्र०—दुक्ख ।

ਦੁਗਣਾ दुग्णा Dugṇā [3] वि०
द्र०—दुगुणा ।

ਦੁਗੁਣਾ दुगुणा Duguṇā [3] पुं०
द्विगुण (वि०) दूना, दुगुना ।

ਦੁਚਿਤ[1] दुचित् Ducit [3] पुं०
दुश्चित्त (नपुं०) संशयात्मा; घबराहट, चिन्ता ।

ਦੁਚਿਤ[2] दुचित् Ḍucit [3] वि०
द्विचित्त (वि०) संशयालु, सन्देही ।

ਦੁਜਣ दुजण् Dujaṇ [1] वि०
दुर्जन (वि०) दुर्जन, दुष्टजन, खल ।

ਦੁਤੀਆ दुतीआ Ḍutīā [2] वि०
द्वितीय (वि०) द्वितीय, दूसरा ।

ਦੁੰਦ-ਯੁੱਧ दुन्द्-युद्ध् Dund-Yuddh [3] पुं०
द्वन्द्वयुद्ध (नपुं०) मल्लयुद्ध, दो व्यक्तियों में परस्पर होने वाला युद्ध ।

ਦੁੱਧ दुद्ध् Ḍuddh [3] पुं०
दुग्ध (नपुं०) दूध, क्षीर, पय ।

ਦੁਧਘਰ दुद्ध्-घर् Ḍuddh-Ghar [3] पुं०
दुग्धघर (पुं०) दूध का घर, दूध मिलने का स्थान ।

ਦੁੱਧ-ਧੋਤਾ दुद्ध्-धोता Ḍuddh-Dhotā [3] पुं०
दुग्धधौत (वि०) दूध का धोया हुआ, निष्कलंक ।

ਦੁੱਧ-ਨਹਾਤਾ दुद्ध्-नहाता Ḍuddh-Nahātā [3] पुं०
दुग्धस्नात (वि०) दूध से नहाया हुआ, निष्कलङ्क ।

ਦੁੱਧੀ दुद्धी Duddhī [3] वि०
दुग्धिन् (वि०) दुग्धमय, दूध से युक्त; स्तन ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੁਨਾਲੀ दुनाली Dunālī [3] स्त्री०
द्विनाली / द्विनालिका (स्त्री०) दो नाल वाली; दुनली बन्दूक।

ਦੁਪਹਰੀਆ दुप्ह्रीआ Ḍuphrīā [3] वि०
द्विप्रहरीय (वि०) दोपहर का, दोपहर संबन्धी।

ਦੁਪਟਕਾ दुपट्का Dupaṭkā [1] पुं०
द्र०—ਦੁਪੱਟਾ।

ਦੁਪੱਟ दुपट्ट Ḍupaṭṭ [1] पुं०
द्र०—ਦੁਪੱਟਾ।

ਦੁਪੱਟਾ दुपट्टा Dupaṭṭā [3] पुं०
द्विपट्ट (नपुं०) दुपट्टा, उत्तरीय वस्त्र।

ਦੁਪਦਾ दुप्दा Ḍupdā [3] पुं०
द्विपद (वि०) द्विपद, दोपाया, दो पदों वाला।

ਦੁਪਾਯਾ दुपाया Dupāyā [3] पुं०
द्विपाद (पुं०) दो पैरों वाला, मनुष्य।

ਦੁਪੈਹਰ दुपैह्र् Dupaihr [3] स्त्री०
द्विप्रहर (नपुं०, पुं०) दोपहर, मध्याह्न।

ਦੁਪੈਹਰਾ दुपैह्रा Dupaihrā [3] पुं०
द्र०—ਦੁਪੈਹਰ।

ਦੁਬਲ दुबल् Dubal [1] वि०
दुर्बल (वि०) दुर्बल, कमजोर।

ਦੁਬਲਤਾ दुबल्ता Dubaltā [1] स्त्री०
दुर्बलता (स्त्री०) दुर्बलता, कमजोरी।

ਦੁਬਲਤਾਈ दुबल्ताई Dubaltāī [1] स्त्री०
द्र०—ਦੁਬਲਤਾ।

ਦੁਬਲਾ दुब्ला Ḍublā [1] पुं०
दुर्बल (वि०) दुर्बल, कमजोर।

ਦੁਬਲਾਈ दुब्लाई Dublāi [1] स्त्री०
द्र०—ਦੁਬਲਤਾ।

ਦੁਬਿਧਾ दुबिधा Ḍubidhā [3] पुं०
द्वैविध्य (नपुं०) दो प्रकार के भाव, द्वैतभाव।

ਦੁੰਬਾ दुम्बा Dumbā [3] पुं०
दुम्बक (पुं०) दूमदार, मोटी पूंछ वाला भेंड़ा।

ਦੁਭਤਾ दुभ्ता Dubhtā [1] स्त्री०
द्र०—ਦੁਬਿਧਾ।

ਦੁਮਾਸ਼ੀਆ दुभाशीया Dubhāśīā [3] पुं०
द्विभाषिन् (वि०) दुभाषिया, दो भाषाओं को बोलने वाला।

ਦੁਭਾਖੀਆ दुभाखीआ Dubhākhīā [1] पुं०
द्र०—ਦੁਭਾਸ਼ੀਆ।

ਦੁੱਭਰ दुब्भर् Ḍubbhar [3] वि०
दुर्भर (वि०) कठिन, जिसका भरण या वहन कठिन हो।

ਦੁਮੁੱਖਾ दुमुक्खा Dumukkhā [3] पुं०
द्विमुख (वि०) दुमूंहा, दो मुखों वाला।

ਦੁਮੂੰਹਾ दुमूंहा Dumūhā [3] पुं०
द्र०—ਦੁਮੁੱਖਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੁਮੂਹਾਂ दुमूहाँ Dumūhā̃ [3] पुं०
द्र०—ਦੁਮੁੱਖਾ ।

ਦੁਮੂੰਹੀ दुमूंही Dumū̃hī [3] स्त्री०
द्विमुखी (स्त्री०) दुमूंही, दो मुखों वाली ।

ਦੁਰਗ दुरग् Durag [3] पुं०
दुर्ग (नपुं०) किला, गढ़ ।

ਦੁਰਗਾਹ दुर्गाह् Durgāh [3] वि०
दुर्गाह्य (वि०) जिसका अवगाहन करना कठिन है, दुरवगाह ।

ਦੁਰਗਾਦ दुरगाद् Durgād [1] स्त्री०
द्र०—ਦੁਰਗੰਧੀ ।

ਦੁਰਗਾਧ दुर्गाध् Durgādh [1] स्त्री०
द्र०—ਦੁਰਗੰਧੀ ।

ਦੁਰਗਾਪੂਜਾ दुर्गापूजा Durgāpūjā [3] स्त्री०
दुर्गापूजा (स्त्री०) दुर्गापूजा, दुर्गा देवी की आराधना ।

ਦੁਰਗੰਧੀ दुर्गन्धी Durgandhī [3] स्त्री०
दुर्गन्ध (पुं०) दुर्गन्ध, बुरी गन्ध, बदबू ।

ਦੁਰਤ दुरत् Durat [1] पुं०
दुरित (नपुं०) पाप, दोष ।

ਦੁਰਦਸ਼ਾ दुर्दशा Duadaśā [3] स्त्री०
दुर्दशा (स्त्री०) दुर्दशा, खराब स्थिति ।

ਦੁਰਨੀਤੀ दुर्नीती Durnītī [3] स्त्री०
दुर्नीति (स्त्री०) दुर्नीति, खराब नीति ।

ਦੁਰਬਲ दुर्बल Durbal [3] वि०
दुर्बल (वि०) दुर्बल, कमजोर ।

ਦੁਰਬਲਤਾ दुरबल्ता Durbaltā [2] स्त्री०
दुर्बलता (स्त्री०) दुर्बलता, कमजोरी ।

ਦੁਰਬਲਤਾਈ दुर्बलताई Durbaltāī [2] स्त्री०
द्र०—ਦੁਰਬਲਤਾ ।

ਦੁਰਬੁੱਧੀ दुर्बुद्धी Durbuddhī [3] वि०/स्त्री०
दुर्बुद्धि (वि० / स्त्री०) वि०—दुष्ट बुद्धि वाला । स्त्री०—खराब बुद्धि ।

ਦੁਰਬੋਧ दुर्बोध् Durbodh [3] वि०
दुर्बोध (वि०) दुर्बोध, जिसका ज्ञान कठिन हो ।

ਦੁਰਭਰ दुर्भर् Durbhar [3] वि०
दुर्भर (वि०) दुर्भर, जिसका भरण या वहन कठिन हो ।

ਦੁਰਭਾਉ दुर्भाउ Durbhāu [3] पुं०
दुर्भाव (पुं०) दुर्भाव, दुर्भावना; अपमान ।

ਦੁਰਭਾਗ दुर्भाग् Durbhāg [3] पुं०/वि०
दुर्भाग्य (नपुं० / वि०) नपुं०—अभाग्य, दुर्भाग्य । वि०—अभागा ।

ਦੁਰਭਿਖ दुर्भिख् Durbhikh [3] पुं०
दुर्भिक्ष (नपुं०) दुर्भिक्ष, अकाल, भुखमरी ।

ਦੁਰਭਿੱਛ दुर्भिच्छ Durbhicch [3] पुं०
द्र०—ਦੁਰਭਿਖ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੁਰਮਤੀ दुर्मती Durmatī [3] वि०/स्त्री० दुर्मति (वि०/स्त्री०) वि०—दुर्मति, दुष्ट बुद्धि वाला। स्त्री—दुष्ट बुद्धि, कुमति।

ਦੁਰਮੱਤ दुर्मत्त् Durmatt [3] वि०/पुं० द्र०—दुरमती।

ਦੁਰਮਿਲਾ दुर्मिला Durmilā [3] स्त्री० दुर्मिला (स्त्री०) दुर्मिला एक छन्द विशेष।

ਦੁਰਲਭ दुर्लभ् Durlabh [3] वि० दुर्लभ (वि०) दुर्लभ, कठिनाई से प्राप्त होने योग्य।

ਦੁਰਲੰਘ दुर्लंघ् Durlaṅgh [3] वि० दुर्लङ्घ्य (वि०) कठिनाई से लंघनीय, जिसको पार करना कठिन हो।

ਦੁਰਾਉ दुराउ Durāu [1] पुं० दूर (नपुं०) दूर, आँखों से दूर होने का भाव।

ਦੁਰਾਇ दुराइ Durāi [1] पुं० द्र०—दुराउ।

ਦੁਰਾਸੀਸ दुरासीस् Durāsīs [3] स्त्री० दुराशिस् (नपुं०) दुराशीष, शाप, बददुआ।

ਦੁਰਾਗ੍ਰਹਿ दुराग्रहि Durāgrahi [3] पुं० दुराग्रहिन् (वि०) दुराग्रही, हठी।

ਦੁਰਾਚਾਰਣ दुराचारण् Durācāraṇ [3] स्त्री० दुराचारिणी (स्त्री०) बुरे आचरण वाली, दुश्चरित्रा।

ਦੁਰਾਚਾਰਨ[1] दुराचारन् Durācāran [3] पुं० दुराचरण (नपुं०) खराब आचरण।

ਦੁਰਾਚਾਰਨ[2] दुराचारन् Durācāran [3] स्त्री० द्र०—दुराचारण।

ਦੁਰਾਚਾਰੀ दुराचारी Durācārī [3] पुं० दुराचारिन् (वि०) दुराचारी, बुरे आचरण वाला।

ਦੁਰਾਛੈ दुराछै Durāchai [1] स्त्री० दुरिच्छा (स्त्री०) कुत्सित इच्छा, बुरी वासना।

ਦੁਰਾਂਝ दुराँझ् Durājh [1] पुं० द्वैत (वि०) दो, युगल।

ਦੁਰਾਂਝਾ दुराँझा Durājhā [1] पुं० द्र०—दुरांझ।

ਦੁਰਾਡ दुराड् Durāḍ [3] स्त्री० दूरता (स्त्री०) दूरी, दूर होने का भाव।

ਦੁਰਾਡਲਾ दुराड्ला Durāḍlā [1] वि० दूरतर (वि०) अधिक दूर।

ਦੁਰਾਡਾ दुराडा Durāḍā [3] वि० दूरतर (वि०) अधिक दूर।

ਦੁਰਾੱਡਾ दुराड्डा Durāḍḍā [3] क्रि० वि० दूर (क्रि० वि०) दूरी पर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੁਰੇਡ दुरेड् Dureḍ [3] पुं०
द्र०—ਦੁਰਾਡ ।

ਦੁਰੇਡਾ दुरेडा Dureḍā [3] वि०
दूरतर (वि०) अधिक दूर ।

ਦੁਰੇਡੇ दुरेडे Dureḍe [3] क्रि० वि०
दूरतर (क्रि० वि०) अधिक दूरी पर ।

ਦੁਰੈਤ दुरैत् Durait [1] वि०
द्वैत (वि०) दो, युगल ।

ਦੁਰੈਤਭਾਵ दुरैत्भाव् Duraitbhāv [1] पुं०
द्वैतभाव (पुं०) द्वैतभाव, भेद दृष्टि ।

ਦੁਲਹਿਨ दुल्हन् Dulhan [3] स्त्री०
दुर्लभ (वि०) दुलहिन, नव विवाहिता ।

ਦੁਲਹਾ दुल्हा Dulhā [3] पुं०
दुर्लभ (वि०) दुल्हा, वर ।

ਦੁਲੰਭ दुलम्भ् Dulambh [3] वि०
दुर्लम्भ (वि०) दुर्लभ, कठिनाई से प्राप्य ।

ਦੁਵਿਧਾ दुविधा Duvidhā [3] स्त्री०
द्विविधा (स्त्री०) दुविधा, शंका, सन्देह ।

ਦੂਆ दूआ Dūā [2] पुं०
द्वितीय (वि०) दूसरा, अन्य ।

ਦੂਈ दूई Dūī [3] स्त्री०
द्र०—ਦੂਜੀ ।

ਦੂਈਭਾਵ दूईभाव् Dūībhāv [3] पुं०
द्वैतभाव (पुं०) भेदभाव, भेद-दृष्टि ।

ਦੂਸਣਾ दूस्णा Dūsṇā [3] पुं०
दूषण (नपुं०) दूषण, दोष, कलङ्क ।

ਦੂਸ਼ਣਾ दूश्णा Dūśṇā [3] सक० क्रि०
दूष्यति (दिवादि सक०) दूषित करना, मलिन करना ।

ਦੂਸ਼ਤ दूशत् Dūśat [3] वि०
दूषित (वि०) दोष युक्त; नष्ट; कलंकित ।

ਦੂਜ दूज् Dūj [3] स्त्री०
द्वितीया (स्त्री०) द्वितीया तिथि ।

ਦੂਜੜਾ दूज़्ड़ा Dūjṛā [3] पुं०
द्र०—ਦੂਆ ।

ਦੂਜਾ दूजा Dūjā [3] पुं०
द्र०—ਦੂਆ ।

ਦੂਜੀ दूजी Dūjī [3] स्त्री०
द्वितीया (स्त्री०) दूसरी, अन्य ।

ਦੂੱਜਾ दूज्जा Dūjjā [3] पुं०
द्र०—ਦੂਆ ।

ਦੂਣ दूण् Dūṇ [3] वि०
द्विगुण (वि०) दून, दूना ।

ਦੂਣਾ दूणा Dūṇā [3] पुं०
द्विगुण (वि०) दूना, दुगुना ।

ਦੂਣੀ दूणी Dūṇī [3] स्त्री०
द्विगुण (वि०) दूनी, दुगुनी ।

ਦੂਤ दूत् Dūt [3] पुं०
यमदूत (पुं०) यमदूत, यमराज का दूत ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੂਤੀ दूती Dūtī [3] स्त्री०
दूती (स्त्री०) दूत की पत्नी, मध्यस्थ स्त्री।

ਦੂਧਾਹਾਰੀ दूधाहारी Dūdhāhārī [3] पुं०
दुग्धाहारिन् (वि०) दूध से निर्वाह करने वाला; जिसके दाँत न निकले हों।

ਦੂਧਾਧਾਰੀ दूधाधारी Dūdhadhārī [1] पुं०
द्र०—ਦੂਧਾਹਾਰੀ।

ਦੂਧੀਆ दूधिआ Dūdhiā [3] वि०
दुग्धीय (वि०) दूधिया, दूध के समान रंग वाला।

ਦੂਧੀਆ-ਪੱਥਰ दूधिआ-पत्थर् Dūdhiā-patthar [3] पुं०
दुग्धप्रस्तर (पुं०, नपुं०) दूधिआ पत्थर, दूध के समान सफेद पत्थर।

ਦੂਨ दून् Dūn [3] स्त्री०
द्रोणी (स्त्री०) पर्वत की घाटी।

ਦੂਬ दूब् Dūb [3] स्त्री०
दूर्वा (स्त्री०) दूर्वा, दूब, घास-विशेष।

ਦੂਬੜਾ दूब्ड़ा Dūbṛā [1] पुं०
द्र०—ਦੂਬ।

ਦੂਰ दूर् Dūr [3] वि०
दूर (नपुं०) दूर।

ਦੂਰਦਰਸ਼ਤਾ दूर्दर्शता Dūrdarśatā [3] स्त्री०
दूरदर्शिता (स्त्री०) दूरदर्शिता, बहुत दूर तक सोचने बिचारने की शक्ति।

ਦੂਰਧਿਆਨੀ दूर्धिआनी Dūrdhiānī [3] वि०
दूरध्यानिन् (वि०) दूरदर्शी, दूर तक ध्यान रखने वाला।

ਦੂਰਪਾਰਦਾ दूर्पार्दा Dūrpārdā [3] वि०
दूरेत्य (वि०) दूर का।

ਦੂਰਬੀਨੀ दूर्बीनी Dūrbīnī [3] स्त्री०
दूरवीक्षण (नपुं०) दूरदृष्टि, सूक्ष्म विचार-शक्ति।

ਦੂਰਾਈ दूराई Dūrāī [3] स्त्री०
दूरता (स्त्री०) दूरता, दूर होने का भाव।

ਦੂਰੋਂ-ਪਾਰੋਂ दूरों-पारों Dūrō-pārō [3] क्रि० वि०
द्र०—ਦੂਰ ਪਾਰ ਦਾ।

ਦੂਰੰਤਰ दूरन्तर् Dūrantar [2] वि०
दुरन्त (वि०) भयानक; दुःखान्त।

ਦੂੜ दूड़् Dūṛ [1] पुं०
धूर्त (वि०) चोर, ठग।

ਦੂੜਾ दूड़ा Dūṛā [1] पुं०
दूत/दूतक (पुं०) दूत, संदेश-वाहक, सन्देश-हर।

ਦੂੜ੍ਹਾ दूढ़ा Dūṛhā [1] पुं०
धावक (वि०) दौड़ने वाला; दूत।

ਦੇ¹ दे De [1] स्त्री०
देवी (स्त्री०) देवी, भगवती।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੇ² दे De [1] वि०
दैवी (स्त्री०) देव संबन्धी, अलौकिक शक्ति।

ਦੇ³ दे De [1] पुं०
देव (पुं०) देवयोनि, जिन्न, भूत।

ਦੇਈ देई Deī [1] स्त्री०
देवी (स्त्री०) देवी, भगवती।

ਦੇਸ-ਚਾਲ देस्-चाल् Des-Cāl [1] स्त्री०
देशचाल (पुं०) देश की प्रथा, देश परम्परा।

ਦੇਸਣ देसण् Desaṇ [3] वि०
देशीय (वि०) देश से संबन्धित, देश का।

ਦੇਸ-ਦਸੰਤਰ देस्-दसन्तर् Des-Dasantar [3] पुं०
देशदेशान्तर (नपुं०) देश-देशान्तर, अन्य देश।

ਦੇਸ਼-ਧ੍ਰੋਹ देश्-ध्रोह् Deś-dhroh [3] पुं०
देश-द्रोह (पुं०) देश-द्रोह, स्वदेश का विरोध।

ਦੇਸ਼-ਧ੍ਰੋਹੀ देश्-ध्रोही Deś-dhrohī [3] पुं०
देशद्रोहिन् (वि०) देश-द्रोही, स्वदेश से द्रोह रखने वाला।

ਦੇਸੜੀ देस्ड़ी Desṛī [1] वि०
देशीय (वि०) देश से संबन्धित, देशी तम्बाकू आदि।

ਦੇਸਾ देसा Desā [1] पुं०
दाशक/दासक (वि०) दाता, दानी, देने वाला।

ਦੇਸਾਚਾਰ देसाचार् Desācār [3] स्त्री०
देशाचार (पुं०) देशाचार, लोकाचार।

ਦੇਸਾਚਾਲ देसाचाल् Desācāl [1] स्त्री०
द्र०—ਦੇਸਾਚਾਰ।

ਦੇਸੀ देसी Desī [3] वि०
देशिन् (वि०) देशी, देश का।

ਦੇਹ देह् Deh [3] स्त्री०
देह (पुं०) देह, शरीर।

ਦੇਹ-ਅਧਿਆਸ देह्-अधिआस् Deh-Adhiās [3] पुं०
देहाध्यास (पुं०) आत्मा में देह का अध्यास, शरीर को आत्मा समझने का भाव।

ਦੇਹ-ਪਰਾਣ देह्-पराण् Deh-Parāṇ [3] पुं०
देहप्राण (पुं०) देह और प्राण।

ਦੇਹਰਾ देह्रा Dehrā [3] पुं०
देवघर (पुं०) देवघर, मन्दिर, देवालय।

ਦੇਹਲੀ देह्ली Dehlī [3] स्त्री०
देहली (स्त्री०) दहलीज, ड्योढ़ी, दरवाजे का चौखट।

ਦੇਹੜ देहड़् Dehaṛ [1] स्त्री०
देह (पुं०) देह, शरीर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੇਹਾਂਤ देहांत् Dehānt [3] पुं०
देहान्त (पुं०, नपुं०) देहान्त, मृत्यु ।

ਦੇਹੀ देही Dehī [3] स्त्री०
देह (पुं०) शरीर, देह, काया ।

ਦੇਹੁਰਾ देहुरा Dehurā [3] पुं०
द्र०—ਦੇਹਰਾ ।

ਦੇਖਣਾ देख्णा Dekhṇā [3] क्रि०
दर्शन / ईक्षण (नपुं०) दर्शन, देखने का भाव ।

ਦੇਣਾ देणा Deṇā [3] सक० क्रि०
ददाति (जुहोत्यादि सक०) देना, दान करना ।

ਦੇਵਸੀ देव्सी Devsī [3] सक० क्रि०
दास्यति (जुहोत्यादि सक० भविष्यत्) देगा, दान करेगा ।

ਦੇਵਦਾਰ देव्दार् Devdār [3] पुं०
देवदारु (पुं०, नपुं०) देवदारु का वृक्ष ।

ਦੇਵਰ देवर् Devar [1] पुं०
द्र०—ਦਿਓਰ ।

ਦੇਵਾ देवा Devā [1] पुं०
देवता (स्त्री०) देवता, देव-गण ।

ਦੇਵਾਲਾ देवाला Devālā [2] पुं०
देवालय (पुं०) देवालय, मन्दिर ।

ਦੈਤ दैत् Dait [3] पुं०
दैत्य (पुं०) दैत्य, दानव ।

ਦੈਂਤ दैंत् Daĩt [3] पुं०
द्र०—ਦੈਤ ।

ਦੈਂਤਣੀ दैंत्णी Daitaṇi [3] स्त्री०
द्र०—ਦੈਂਤਣੀ ।

ਦੈਂਤਣੀ दैंत्णी Daĩtṇī [3] स्त्री०
दैत्या (स्त्री०) दैत्या, राक्षसी ।

ਦੈਵੱਗ दैवग्ग् Daivagg [3] पुं०
दैवज्ञ (पुं०) ज्योतिषी, नक्षत्र-विद्या को जानने वाला ।

ਦੋ दो Do [3] वि०
द्वि (सर्व०) दो, 2 ।

ਦੋਊ दोऊ Doū [2] वि०
द्वितीय (वि०) दूसरा, अन्य ।

ਦੋਈ दोई Doī [2] वि०
द्र०—ਦੋ ।

ਦੋਏ-ਵੇਲੇ दोए-वेले Doe-Vele [3] क्रि० वि०
द्विवेल (नपुं०) दोनों वेला, साम-सबेरे ।

ਦੋਸ दोस् Dos [3] पुं०
दोष (पुं०) दोष, त्रुटि ।

ਦੋਸ਼ਣ दोशण् Doṡaṇ [3] स्त्री०
दोषिणी (स्त्री०) दोष-युक्त स्त्री, अपराधिनी ।

ਦੋਸ਼ਣਾ दोस्णा Doṡṇā [3] क्रि०
द्र०—ਦੋਸ਼ਣਾ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੋਸ਼ਣਾ दोश्णा Dośṇā [3] सक० क्रि०
दूष्यति (दिवादि सक०) दोष देना, दूषित करना।

ਦੋਸ਼ਨੀ दोश्नी Dośnī [1] स्त्री०
दोष (पुं०) दोष, त्रुटि।

ਦੋਸਾ दोसा Dosā [1] पुं०
दोषिन् (वि०) दोषी, अपराधी।

ਦੋਂਹ दोंह् Dŏh [2] वि०
द्र०—ਦੋ।

ਦੋਹਜ दोहज् Dohaj [1] पुं०
दोह (पुं०) दूध दूहने का भाव या कार्य।

ਦੋਹਣਾ[1] दोह्णा Dohṇā [3] सक० क्रि०
दोग्धि (अदादि सक०) दूहना, दूध निकालना।

ਦੋਹਣਾ[2] दोह्णा Dohṇā [2] पुं०
दोहन (नपुं०) दुग्धपात्र, दूहने का पात्र।

ਦੋਹਣੀ दोह्णी Dohṇī [3] स्त्री०
दोहनी (स्त्री०) दुधैड़ी, दूध दूहने का पात्र।

ਦੋਹਤ-ਜੁਆਈ दोह्त-जुआई Dohat-Juāī [3] पुं०
दुहितृजामातृ (पुं०) बेटी-दामाद पुत्री-जामाता।

ਦੋਹਤ ਪੋਤ दोह्त पोत् Dohat Pot [3] पुं०
दौहित्रपौत्र (पुं०) नाती-पोता।

ਦੋਹਤ ਬਹੂ दोह्त बहू Doht-Bahū [3] स्त्री०
दुहितृवधू (स्त्री०) पुत्री की बहू।

ਦੋਹਤਰਵਾਣ दोह्तर्वाण् Dohtarvāṇ [3] पुं०
दुहितृसन्तान (पुं०) पुत्री की सन्तान।

ਦੋਹਤਰਾ दोह्त्रा Dohtrā [3] पुं०
दौहित्र (पुं०) दौहित्र, नाती।

ਦੋਹਤਰੀ दोह्तरी Dohtarī [3] स्त्री०
दौहित्री (स्त्री०) दौहित्री, नातिन।

ਦੋਹਤਵਾਣ दोह्तवाण् Dohtavāṇ [3] पुं०
द्र०—ਦੋਹਤਰਵਾਣ।

ਦੋਹਤਾ दोह्ता Dohtā [3] पुं०
द्र०—ਦੂਹਤ।

ਦੋਹਤੀ दोह्ती Dohtī [3] स्त्री०
दौहित्री (स्त्री०) पुत्री की पुत्री।

ਦੋਹੱਥਾ दोहत्था Dohatthā [3] पुं०
द्विहस्तक (वि०) दो हाथ लम्बा व्यक्ति, बौना।

ਦੋਹਰ दोहर् Dohar [3] स्त्री०
द्विहल्य (नपुं०) दूसरी बार हल चलाने की क्रिया।

ਦੋਹਾ दोहा Dohā [3] पुं०
दोहक (वि०) दूहने वाला।

ਦੋਹਾਂ दोहाँ Dohā̃ [3] वि०
द्र०—ਦੋ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੋਹੀ[1] दोही Dohī [1] पुं०
दोहिन् (वि०) दूहने वाला; ग्वाला।

ਦੋਹੀ[2] दोही Dohī [3] वि०
द्रोहिन् (वि०) द्रोही, द्रोह करने वाला।

ਦੋਕਣੀ दोक्णी Dokṇī [2] स्त्री०
धुक्षणी (स्त्री०) धौंकनी, भाथी।

ਦੋਖ दोख् Dokh [3] पुं०
द्वेष (पुं०) द्वेष, ईर्ष्या, जलन।

ਦੋਖਣ दोखण् Dokhaṇ [3] स्त्री०
दोषिणी (स्त्री०) दोषयुक्त स्त्री, अपराधिनी।

ਦੋਖਣਾ दोख्णा Dokhṇā [3] सक० क्रि०
दूष्यति (दिवादि सक०) दोष लगाना, दूषित करना।

ਦੋਖਲਾ दोख्ला Dokhlā [1] पुं०
उलूखल (पुं०) ओखली, ऊखल।

ਦੋਖੀ दोखी Dokhī [3] वि०
दोषिन् (वि०) दोषवाला, कलंकी।

ਦੋਘੜ दोघड़् Doghaṛ [3] पुं०
द्विघट (पुं०) सिर पर रखे गये दो घड़े जो एक दूसरे के ऊपर होते हैं।

ਦੋ-ਜੀਭਾ दो-जीभा Do-Jībhā [3] वि०
द्विजिह्व (वि०) झूठा; ठग; साँप।

ਦੋਜੀਵੀ दो-जीवी Do-Jīvī [3] स्त्री०
द्विजीवा (स्त्री०) दो जीव वाली अर्थात् गभवती।

ਦੋਝਣ दोझण् Dojhaṇ [3] स्त्री०
दोग्ध्री (स्त्री०) दूध दूहने वाली स्त्री।

ਦੋਝੀ दोझी Dojhī [3] पुं०
दोग्धृ (वि०) दूध दूहने वाला।

ਦੋਥਣੀ दोथ्णी Dothaṇī [3] स्त्री०
द्विस्तनी (स्त्री०) जिसके दो थनों में ही दूध हो।

ਦੋਦਰਾ दोद्रा Dodrā [3] वि०
द्विद्वारक (वि०) दो द्वारों वाला मकान।

ਦੋਂਦਾ दोंदा Dōdā [3] पुं०
द्विदत् (वि०) जिसके अभी दो दाँत निकले हों।

ਦੋ ਦਾਹਾ दो-दाहा Do-Dāhā [1] वि०
द्विदिवसीय (वि०) दो दिन का।

ਦੋਧਣ दोधण् Dodhaṇ [3] स्त्री०
दोधी (स्त्री०) ग्वालिन, ग्वाले की पत्नी।

ਦੋਧਲ दोधल् Dodhal [3] स्त्री०
दोग्ध्री (स्त्री०) दुधारु, दूध देने वाली गाय।

ਦੋਧੀ दोधी Dodhī [3] पुं०
दोध/दुग्धिन् (पुं०) दूध-विक्रेता।

ਦੋਧੀਆ दोधीआ Dodhīā [3] वि०
दुग्धीय (वि०) दुधिया, दूध संबन्धी।

ਦੋਨਾਂ दोनां Donā̃ [3] वि०
द्र०—ਦੋਨੋਂ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੋਨੋਂ दोनों Donō [3] वि०
द्वौ (वि० प्रथमान्त) दो, दोनों।

ਦੋਵੇਂ दोवें Dovē [3] क्रि० वि०
द्वावेव (क्रि० वि०) दोनों को, प्रत्येक को।

ਦੌਸ दौस् Daus [1] पुं०
दासेर (पुं०) दासी-पुत्र, एक प्रकार की गाली।

ਦੌਸਣ दौसण् Dausaṇ [3] स्त्री०
दासेरी (स्त्री०) दासी-पुत्री, एक प्रकार की गाली।

ਦੌਣ दौण् Dauṇ [3] स्त्री०
दामन् (नपुं०) रस्सी, रज्जु।

ਦੌੜਣਾ दौड़्णा Dauṛṇā [3] अक क्रि०
द्रवति (भ्वादि अक०) दौड़ना।

ਦੰਡਣਾ दण्डणा Daṇḍaṇā [3] सक० क्रि०
दण्डयति (चुरादि सक०) दण्ड देना, दण्डित करना।

ਦੰਡਾਉਤ दण्डाउत् Daṇḍāut [3] स्त्री०
दण्डवत् वि०) दण्डवत्, वन्दना।

ਦੰਤ दन्त् Dant [1] पुं०
दन्तिन् (पुं०) हाथी, गज।

ਦੰਦ दन्द् Dand [3] पुं०
दन्त (पुं०) दाँत, दन्त।

ਦੰਦਲ दन्दल् Dandal [3] पुं०
दन्तुर (वि०) ऊँचे या निकले दाँतों वाला।

ਦੰਦਲੂ दन्दलू Danalū [1] वि०
द्र०—ਦੰਦਲ।

ਦੰਦੂਰਾ दन्दूरा Dandūrā [1] पुं०
धत्तूर (पुं०) धतूरा, एक विषैला पौधा।

ਦੰਭ दम्भ् Dambh [3] पुं०
दम्भ (पुं०) पाखण्ड, आडम्बर।

ਦੰਭਣ दम्भण् Dambhaṇ [3] स्त्री०
दम्भिनी (स्त्री०) दम्भ से युक्त स्त्री।

ਦੰਭਣਾ दम्भ्णा Dambhṇā [1] सक० क्रि०
दम्भयति (चुरादि पद) निन्दा करना; पीड़ा पहुँचाना।

ਦੰਮ दम्म Damm [2] पुं०
दम्म (नपुं०) मुद्रा-विशेष, एक सिक्का।

ਦ੍ਰਸ਼ਟਾ द्रश्टा Draśṭā [3] वि०
द्रष्टृ (वि०) द्रष्टा, देखने वाला।

ਦ੍ਰਬ द्रब् Drab [1] पुं०
द्रव्य (नपुं०) धन-सम्पत्ति; घास-विशेष।

ਦ੍ਰਭ द्रभ् Drabh [1] पुं०
द्र०—ਦਭ।

ਦ੍ਰਵਾਉਣਾ द्रवाउणा Dravāuṇā [2] सक० क्रि०
द्रावयति (क्रि० प्रेर०) पिघलाना, द्रवित करना।

ਦ੍ਰਵਿਤ द्रवत् Dravat [3] वि०
द्रवित (वि०) द्रवित, पिघला हुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦ੍ਰਿਸ਼ द्रिश् Driś [3] वि०/पुं०
दृश्य (वि० / नपुं०) वि०—दृश्य, देखने योग्य। नपुं०—नाटक का एक दृश्य।

ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਾ द्रिश्टा Driśṭā [3] पुं०
द्र०—ਦ੍ਰਸ਼ਟਾ।

ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਾਉਣਾ द्रिश्टाउणा Driśṭāuṇā [3] सक० क्रि०
दर्शयति (भ्वादि प्रेर०) दिखलाना, दर्शन कराना।

ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਾਂਤ द्रिश्टांत् Driśṭānt [3] पुं०
दृष्टान्त (पुं०) दृष्टान्त, उदाहरण।

ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਾਂਤਕ द्रिश्टान्तक् Driśṭāntak [3] वि०
दार्ष्टान्तिक (वि०) दृष्टान्त से युक्त, जिसके लिये दृष्टान्त हो वह।

ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਜਾ द्रिस्टीजा Driṣṭījā [1] वि०
दृष्टिज (वि०) दृष्टि से उत्पन्न, नेत्र से उत्पन्न।

ਦ੍ਰਿੜ੍ਹ द्रिढ़् Driṛh [3] वि०
दृढ (वि०) दृढ़, अटल।

ਦ੍ਰਿੜ੍ਹਤਾ द्रिढ़्ता Driṛhtā [3] स्त्री०
दृढता (स्त्री०) दृढ़ता, स्थिरता, मजबूती।

ਦ੍ਰੋਹਾ द्रोहा Drohā [1] पुं०
द्रोहिन् (वि०) द्रोह करने वाला, अपकारी।

ਦ੍ਵੈਸ਼ द्वैश् Dvaiś [3] स्त्री०
द्र०—ਦ੍ਵੈਖ।

ਦ੍ਵੈਸ਼ੀ द्वैशी Dvaiśī [1] पुं०
द्र०—ਦ੍ਵੈਖੀ।

ਦ੍ਵੈਖ द्वैख् Dvaikh [1] पुं०
द्वेष (पुं०) द्वैष, ईर्ष्या, जलन।

ਦ੍ਵੈਖੀ द्वैखी Dvaikhī [3] पुं०
द्वेषिन् (वि०) द्वेष करने वाला, ईर्ष्यालु, जलनशील।

ਧ

ਧਉਲ धउल् Dhaul [3] वि०
धवल (वि०) उज्ज्वल, श्वेत, गौर।

ਧਸਾਕਾ ध्साका Dhsākā [1] पुं०
कास (पुं०) खाँसी रोग।

ਧੱਕ[1] धक्क् Dhakk [3] पुं०
द्र०—ਧੱਕਾ।

ਧੱਕ[2] धक्क् Dhakk [1] पुं०
धाक (पुं०) खम्बा, स्तम्भ।

ਧੱਕਣਾ धक्कणा Dhakkṇā [3] सक० क्रि०
धक्कयति (चुरादि सक०) धक्का देना, ठेलना, हटाना।

ਧੱਕਾ धक्का Dhakkā [3] पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

धक्क (पुं०) धक्का, आघात, ठेलने का भाव।

ਧਜਾ धजा Dhajā [3] **स्त्री०**
ध्वज (पुं०) ध्वजा, पताका।

ਧਣਖ धणख् Dhaṇakh [1] **पुं०**
द्र०—ਧਨੁਖ।

ਧਣੁਖ धणुख् Ḍhaṇukh [3] **पुं०**
धनुस् (नपुं०) धनुष, कमान, कोदण्ड।

ਧਣੁਖਾਕਾਰ धणुखाकार् Ḍhaṇukhākār [3] **वि०**
धनुषाकार (वि०) धनुष के आकार वाला।

ਧਣੁਖੀ धणुखी Dhaṇukhī [1] **स्त्री०**
धनुस् (नपुं०) छोटा धनुष, धनुही।

ਧਤੂਰਾ धतूरा Ḍhatūrā [3] **पुं०**
धत्तूर (पुं०) धतूरा, एक विषैला पौधा।

ਧਨ[1] धन् Dhan [3] **स्त्री०**
धनूराशि (पुं०) धनुराशि, मेष आदि बारह राशियों में से एक।

ਧਨ[2] धन् Dhan [3] **पुं०**
धन (नपुं०) धन, सम्पत्ति।

ਧਨਾਢ धनाढ् Ḍhanāḍh [3] **वि०**
धनाढ्य (वि०) धनाढ्य, धनी।

ਧਨੀ धनी Dhanī [3] **वि०**
धनिन् (वि०) धनी, धन वाला।

ਧਨੀਆਂ धनिआँ Dhaniā̃ [3] **पुं०**
धान्याक (नपुं०) धनिया, एक प्रकार का मशाला।

ਧਨੁਖ धनुख् Dhanukh [3] **पुं०**
धनुस् (नपुं०) धनुष, शरासन, कोदण्ड।

ਧਨੇਓ धनेओ Dhaneo [1] **स्त्री०**
धेनुका (स्त्री०) दुधारु गौ, दूध देने वाली गौ।

ਧਨੰਜੈ धनंजै Dhanañjai [3] **पुं०**
धनञ्जय (पुं०) अग्निदेव, आग।

ਧਨੰਤਰ धनन्तर् Dhanantar [3] **पुं०**
धन्वन्तरि (पुं०) भगवान् धन्वन्तरि जो आयुर्वेद शास्त्र के प्रवर्तक हैं।

ਧਰ[1] धर् Ḍhar [2] **स्त्री०**
धरा (स्त्री०) पृथिवी; आश्रय।

ਧਰ[2] धर् Dhar [2] **स्त्री०**
धरणि (स्त्री०) धरन, शहतीर।

ਧਰਚਕ੍ਰ धर्चक्र् Dharcakr [1] **पुं०**
धराचक्र (नपुं०) धराचक्र, भूमण्डल।

ਧਰਤ धर्त् Dhart [3] **स्त्री०**
धरित्री (स्त्री०) धरती, पृथिवी।

ਧਰਤੀ धर्ती Dhartī [3] **स्त्री०**
धरित्री (स्त्री०) धरती, पृथिवी, भूमि।

ਧਰਨ धरन् Dharan [3] **स्त्री०**
धरिणी (स्त्री०) नस, नाड़ी, शिरा।

ਧਰਨਾ धर्ना Dharnā [3] **अक० क्रि०**

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

धरति/ते (भ्वादि सक०) धरना, पकड़ना; धारण करना, रखना; धरना देना।

ਧਰਮਸਾਲ धरम्साल् Dharamsāl [3] स्त्री०
धर्मशाला (स्त्री०) धर्मशाला; गुरुद्वारा।

ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ धरम्शाला Dharamśālā [3] स्त्री०
द्र०—धरमसाल।

ਧਰਮੱਗ धर्मग्ग् Dharmagg [3] पुं०
धर्मज्ञ (वि०) धर्म को जानने वाला, धर्मवेत्ता।

ਧਰਮਣ धर्मण् Dharmaṇ [3] स्त्री०
धर्मिणी (स्त्री०) धर्मिणी, धार्मिक स्त्री।

ਧਰਮਧ੍ਵਜੀ धरम्ध्वजी Dharamdhvajī [3] पुं०
धर्मध्वजिन् (वि०) पाखण्डी, दम्भी।

ਧਰਮਪਤਨੀ धरम्पत्नी Dharampatnī [3] स्त्री०
धर्मपत्नी (स्त्री०) धर्मपत्नी, समाज में स्वीकृत पत्नी, भार्या।

ਧਰਮਯੁੱਧ धरम्युद्ध Dharamyuddh [3] पुं०
धर्मयुद्ध (नपु०) धर्मयुद्ध, युद्ध जो धर्म-पूर्वक या नीतिपूर्वक हो।

ਧਰਮਰਾਇ धरम्राए Dharamrāe [3] पुं०
धर्मराज (पुं०) धर्मराज, देव-विशेष।

ਧਰਮਾ धर्मा Dharmā [3] पुं०
धर्मिन् (वि०) धर्मी, धार्मिक।

ਧਰਮਾਉਤਣ धर्माउतण् Dharmāutaṇ [1] स्त्री०
धर्मात्मनी (स्त्री०) धर्मात्मा स्त्री, धार्मिक स्त्री।

ਧਰਮਾਤਮਾ धर्मात्मा Dharamātmā [3] पुं०
धर्मात्मन् (वि०) धर्मात्मा, धार्मिक।

ਧਰਮਾਤਾ धर्माता Dharmātā [3] पुं०
धर्मात्मन् (वि०) धर्मात्मा, धार्मिक।

ਧਰਮਾਦਾ धर्मादा Dharmādā [3] पुं०
धर्मार्थ (पुं०) आय से धर्मार्थ निकाला गया धन, धर्म का धन।

ਧਰਮੀਗੱਲ धर्मीगल्ल् Dharmīgall [3] स्त्री०
धर्मिगल्प (पुं०) सही बात, तथ्य कथा।

ਧਰਮੀੜ धर्मीड़् Dharmīṛ [3] वि०
धर्मीड्य (वि०) धर्मात्माओं से प्रशंसित, धार्मिकों से स्तुत्य।

ਧਰੜਨਾ धरड़्ना Dharṛanā [2] सक० क्रि०
ध्राडते (भ्वादि सक०) मारना, चीरना।

ਧਰਾਇਣ ध्राइण् Dhrāiṇ [3] पुं०
धारक (वि०) धारण करने वाला, रखने वाला।

ਧਰਾਸ ध्रास् Dhrās [3] पुं०
धैर्याशा (स्त्री०) धैर्य, धीरता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਧਰਾਸਣਾ ध्रास्णा Dhrāsṇā [3] सक० क्रि०
धर्षयति (भ्वादि सक०) धर्षित करना, अपमानित करना।

ਧਰਾਖ ध्राख् Dhrākh [1] स्त्री०
द्राक्षा (स्त्री०) दाख, अंगूर।

ਧਰਾਪਣਾ ध्राप्णा Dhrāpṇā [1] अक० क्रि०
ध्रायति (भ्वादि अक०) सन्तुष्ट होना,

ਧਰਿੱਗ ध्रिग्ग् Dhrigg [3] पुं०
धिक् (अ०) धिक्कार, फटकार।

ਧਰੂ ध्रू Dhrū [3] पुं०
ध्रुव (पुं०) भक्त ध्रुव, ध्रुव तारा।

ਧਰੇਲ ध्रेल् Dhrel [3] स्त्री०
धरणीया (स्त्री०) रखैल स्त्री।

ਧਰੋਈ ध्रोई Dhroī [3] वि०
द्र०—ਧਰੋਹੀ।

ਧਰੋਹ ध्रोह् Dhroh [3] पुं०
द्रोह (पुं०) द्रोह, द्वेष, अपकार।

ਧਰੋਹਣਾ ध्रोह्णा Dhrohṇā [3] अक० क्रि०
द्रुह्यति (दिवादि अक०) द्रोह करना, अपकार करना।

ਧਰੋਹਾ ध्रोहा Dhrohā [3] पुं०
द्र०—ਧਰੋਹ।

ਧਰੋਹੀ ध्रोही Dhrohī [3] पुं०
द्रोहिन् (वि०) द्रोही, द्वेषी; धोखेबाज, कपटी।

ਧਰੋਹੀਆ ध्रोहिआ Dhrohiā [1] वि०
द्र०—ਧਰੋਹੀ।

ਧਵਜ धवज् Dhvaj [3] स्त्री०
द्र०—ਧਜਾ।

ਧਵਲ धवल् Dhaval [3] वि०
धवल (वि०) उज्ज्वल, श्वेत, गौर।

ਧਵਲਾ धव्ला Dhavlā [3] वि०
धवल (वि०) सफेद, सफेद गन्ना आदि।

ਧਵਾਂਖ ध्वाँख् Dhvāṁkh [3] पुं०
धूम्राक्ष (पुं०, नपुं०) धूएँ की मलिनता, धूम-कालुष्य।

ਧੜਵਈ धड़्वई Dhaṛvaī [3] पुं०
धटवाहिन् (वि०) तराजू तौलने वाला।

ਧੜਾ धडा Dhaṛā [3] पुं०
धट (पुं०) तराजू; तराजू के दोनों पलड़ों को समान करने वाला भार।

ਧਾਉਣਾ धाउणा Dhāuṇā [1] अक० क्रि०
धावति (भ्वादि अक०) दौड़ना।

ਧਾਉਣੀ धाउणी Dhāuṇī [1] स्त्री०
धावन (नपुं०) धावा, आक्रमण।

ਧਾਈ धाई Dhāī [3] स्त्री०
धावन (नपुं०) दौड़ना; आक्रमण।

ਧਾਈਂ धाईं Dhāī [1] पुं०
धान्य (नपुं०) धान, सतुष चावल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਧਾਣਾ[1] धाणा Dhāṇā [1] सक० क्रि०
धापयति (जुहोत्यादि प्रेर०) आधान करवाना, रखवाना।

ਧਾਣਾ[2] धाणा Dhāṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਧਾਉਣਾ।

ਧਾਣਾ[3] धाणा Dhāṇā [1] स्त्री०
धाना (स्त्री०) भुना हुआ जौ-चावल आदि अन्न, लावा, लाजा।

ਧਾਤ धात् Dhāt [3] स्त्री०
धातु (पुं०) धातु, खनिज पदार्थ; वीर्य; शब्द की मूल इकाई।

ਧਾਤੀ धाती Dhātī [3] वि०
धात्वीय (वि०) धातु से सम्बद्ध।

ਧਾਤੂ धातू Dhātū [3] स्त्री०
द्र०—ਧਾਤ।

ਧਾਨ[1] धान् Dhān [3] पुं०
धान (नपुं०) आधार; पोषण; आधान।

ਧਾਨ[2] धान् Dhān [3] पुं०
धान्य (नपुं०) अन्न, अनाज।

ਧਾਨਕ धानक् Dhānak [2] पुं०
धानुष्क (वि०) रुई पींजने वाला, पेंजा, धुनकिया।

ਧਾਨ੍ਹਾਂ धान्हां Dhānhā̃ [1] पुं०
धान्याक (नपुं०) धनिया एक प्रकार का मसाला।

ਧਾਪਣਾ धाप्णा Dhāpṇā [3] सक० क्रि०
ध्रायति (भ्वादि अक०) तृप्त होना,

ਧਾਮਣ धामण् Dhāmaṇ [1] पुं०
धर्मण (पुं०) धामिन, सर्प जाति विशेष।

ਧਾੱਮਾ धाम्मा Dhāmmā [3] पुं०
धार्म (वि०) ब्राह्मण भोजन का निमन्त्रण; धार्मिक कार्य।

ਧਾਰ[1] धार् Dhār [3] स्त्री०
धार (पुं०) धारा; झरना।

ਧਾਰ[2] धार् Dhār [3] स्त्री०
धारा (स्त्री०) शस्त्र की धार; पर्वत-पृष्ठ देश।

ਧਾਰਨ धारन् Dhāran [3] स्त्री०
धारण (नपुं०) ग्रहण, पकड़।

ਧਾਰਨਾ धार्ना Dhārnā [3] सक० क्रि०
धरति/ते (भ्वादि सक०) धारण करना, पहनना।

ਧਾਰਵੀ धार्वी Dhārvī [1] पुं०
धारक (वि०) धारक, धारण करने वाला।

ਧਾਰਾ धारा Dhārā [3] स्त्री०
धार (पुं०) धारा, झरना।

ਧਾਰਿਣ धारिण् Dhāriṇ [3] स्त्री०
धारिन्/धातृ (पुं० / वि०) पुं०—ब्रह्मा। वि०—कर्ता; धारण करने वाला।

ਧਾਰੀ धारी Dhārī [3] स्त्री०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

धारणी (स्त्री०) धारी, पंक्ति, रेखा; किनारा।

ਧਾਵਣਾ धावणा Dhāvṇā [3] अक० क्रि०
धावति (भ्वादि अक०) दौड़ना।

ਧਾਵਣੀ धावणी Dhāvṇī [3] स्त्री०
धावन (नपुं०) दौड़ने का भाव, धावन।

ਧਾਵਤ धावत् Dhāvat [1] पुं०
धावत् (वि०) दौड़ता हुआ।

ਧਾਵਾ[1] धावा Dhāvā [3] पुं०
धाव (पुं०) धावा, आक्रमण।

ਧਾਵਾ[2] धावा Dhāvā [1] पुं०
धव (पुं०) धव, महुआ।

ਧਾਵਾ[3] धावा Dhāvā [1] पुं०
धावक (वि०) धावक, हरकारा।

ਧਾਵਾਕਾਰ धावाकार् Dhāvākār [3] पुं०
धावनकार (वि०) धावा बोलने वाला, आक्रमणकारी।

ਧਾੜਾ धाड़ा Dhāṛā [3] पुं०
धाटी (स्त्री०) धावा, आक्रमण।

ਧਿਆਉਣਾ धिआउणा Dhiāuṇā [3] सक० क्रि०
ध्यायति (भ्वादि सक०) ध्यान करना, चिन्तन करना।

ਧਿਆਈ धिआई Dhiāī [2] पुं०
ध्यातृ (वि०) ध्यान-मग्न, ध्यान करने वाला।

ਧਿਆਣ धिआण् Dhiāṇ [1] स्त्री०
दुहितृजन (पुं०) पुत्री; पुत्री की पुत्री।

ਧਿਆਣਾ धिआणा Dhiāṇā [1] पुं०
दुहितृजन (पुं०) पुत्री; नाती।

ਧਿਆਣੀ धिआणी Dhiāṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਧਿਆਣ।

ਧਿਆਤਾ धिआता Dhiātā [3] पुं०
ध्यातृ (वि०) ध्याता, ध्यान धरने वाला।

ਧਿਆਨ धिआन् Dhiān [3] पुं०
ध्यान (नपुं०) ध्यान, किसी के स्वरूप का चिन्तन।

ਧਿਆਨਗੋਚਰੇ धिआन्गोच्रे Dhiāngocre [3] वि०
ध्यानगोचर (वि०) ध्यान का विषय, विचाराधीन।

ਧਿਆਨਣ धिआनण् Dhiānaṇ [3] स्त्री०
ध्यात्री (स्त्री०) ध्यान करने वाली।

ਧਿਆਨਣਾ धिआन्णा Dhiānṇā [3] सक० क्रि०
ध्यायति (भ्वादि सक०) ध्यान करना, विचारना, सोचना।

ਧਿਆਨਵਾਨ धिआन्वान् Dhiānvān [3] वि०
ध्यानवत् (वि०) ध्यान रखने वाला, सावधान।

ਧਿਆਨੀ धिआनी Dhiānī [3] पुं०
ध्यानिन् (वि०) ध्यानी, ध्यान लगाने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਧਿੱਕਾਰ धिक्कार् Dhikkār [3] पुं०
धिक्कार (पुं०) भर्त्सना, तिरस्कार।

ਧਿੱਕਾਰਨਾ धिक्कार्ना Dhikkārnā [3] सक० क्रि०
धिक्करोति (तनादि सक०) धिक्कारना, तिरस्कार करना।

ਧਿਗ धिग् Dhig [1] अ०
धिक् (अ०) धिक्, धिक्कार।

ਧਿਤਕਾਰ धित्कार् Dhitkār [2] पुं०
द्र०—ਧਿੱਕਾਰ।

ਧਿਤਕਾਰਨਾ धित्कार्ना Dhitkārnā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਧਿੱਕਾਰਨਾ।

ਧਿਰ धिर् Dhir [3] स्त्री०
धारा (स्त्री०); धारा; पक्ष।

ਧਿਰਕਾਰ धिर्कार् Dhirkār [3] स्त्री०
द्र०—ਧਿੱਕਾਰ।

ਧਿਰਕਾਰਨਾ धिर्कार्ना Dhirkārnā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਧਿੱਕਾਰਨਾ।

ਧੀ धी Dhī [3] स्त्री०
दुहितृ (स्त्री०) पुत्री, बेटी।

ਧੀਰਜ धीरज् Dhīraj [3] पुं०
धैर्य (नपुं०) धीरज, धैर्य, धीरता।

ਧੀਰਜਤਾ धीरज्ता Dhīrajtā [3] स्त्री०
धीरता (स्त्री०) धीरता, धैर्य।

ਧੀਰਜਤਾਈ धीरज्ताई Dhīrajtāī [3] स्त्री०
द्र०—ਧੀਰਜਤਾ।

ਧੀਰਜਮਾਨ धीरज्मान् Dhīrajmān [3] पुं०
धैर्यवत् (वि०) धैर्यवान्, धीर।

ਧੀਰਜਵਾਨ धीरज्वान् Dhīrajvān [3] पुं०
द्र०—ਧੀਰਜਮਾਨ।

ਧੀਰਤਾਈ धीर्ताई Dhīrtāī [1] स्त्री०
द्र०—ਧੀਰਜਤਾ।

ਧੀਰਾ धीरा Dhīrā [3] वि०
धीर (वि०) धैर्ययुक्त, गम्भीर।

ਧੀਰੇ धीरे Dhīre [2] क्रि० वि०
धीर (क्रि० वि०) सुस्ती से, धीरे-धीरे।

ਧੁਆਹਾਂ धुआहाँ Dhuāhã [3] वि०
द्र०—ਧੁਮਾਹਾ।

ਧੁਆਂਖਾ धुआँखा Dhuãkhā [3] वि०
धूम्राक्ष (वि०) धूएँ से मलिन; धुमैले रंग का।

ਧੁਆਖਿਆ धुआखिआ Dhuākhiā [3] वि०
द्र०—ਧੁਆਂਖਾ।

ਧੁਆਂਖਿਆ धुआँखिआ Dhuãkhiā [3] वि०
द्र०—ਧੁਆਂਖਾ।

ਧੁੱਸੜ धुस्सड़् Dhussaṛ [3] पुं०
दूष्य (नपुं०) धूसा, मोटा कपड़ा, मोटे सूत का चद्दर।

ਧੁੱਸਾ धुस्सा Dhussā [3] पुं०
दूष्य (नपुं०) अच्छी किस्म का ऊनी वस्त्र।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਧੁਖਣਾ धुख्णा Dhukhṇā [3] **अक० क्रि०**
धुक्षते (भ्वादि अक०) जलना, संतप्त होना।

ਧੁਣਕਣਾ धुणक्णा Dhuṇakṇā [2] **सक० क्रि०**
धुनाति (क्र्यादि सक०) धूनना; क्षुब्ध करना।

ਧੁਣਖਣਾ धुणख्णा Dhuṇakhṇā [3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਧੁਣਕਣਾ।

ਧੁਣਖਵਾ धुणख्वा Dhuṇakhvā [3] **पुं०**
धनुर्वात (पुं०) धनुर्वात, धनुष्टंकार रोग, टिटनेस।

ਧੁਣਖਵਾਉ धुणख्वाउ Dhuṇakhvāu [3] **पुं०**
द्र०—ਧੁਣਖਵਾ।

ਧੁਣਨ धुणन् Dhuṇan [3] **पुं०**
धूनन (नपुं०) हिलाने का भाव, कम्पन।

ਧੁੰਦ धुन्द् Dhund [3] **स्त्री०**
धूमान्ध (पुं०) धुन्ध, कुहरा।

ਧੁੱਦਲ धुद्दल् Dhuddal [3] **स्त्री०**
दलितधूलि (स्त्री०) पैरों से बारीक की गई रास्ते की धूलि, रजकण।

ਧੁੰਧਾਰ धुन्धार् Dhundhār [1] **पुं०**
धूमधारा (स्त्री०) धुआँधार; अत्यधिक, लगातार; धुएँ की धारा।

ਧੁਨ धुन् Dhun [3] **स्त्री०**
ध्वनि (स्त्री०) ध्वनि, आवाज; धुन।

ਧੁੰਨ धुन्न् Dhunn [3] **पुं०**
तुन्दि (स्त्री०) नाभि के बीच का छोटा गर्त।

ਧੁੰਨੀ धुन्नी Dhunnī [3] **स्त्री०**
तुण्डि (स्त्री, पुं०) नाभि, पेट के बीच का गर्त।

ਧੁਨੀਕਾਰ धुनीकार् Dhunīkār [3] **पुं०**
ध्वनिकार (पुं०) एक प्रकार का बाजा।

ਧੁਪਾਲਾ धुपाला Dhupālā [3] **वि०**
धूपित (वि०) धूप दिया हुआ, सुगन्ध युक्त किया हुआ।

ਧੁਪਿਆਲਾ धुपिआला Dhupiālā [3] **वि०**
द्र०—ਧੁਪਾਲਾ।

ਧੁਪੀਲਾ धुपीला Dhupīlā [3] **वि०**
द्र०—ਧੁਪਾਲਾ।

ਧੁੱਪ धुप्प् Dhupp [3] **स्त्री०**
धूप (पुं०) धूप, घाम; धूप द्रव्य जिसे आग में छोड़ने पर सुगन्धित धुआँ निकलता है।

ਧੁੱਪੀਲਾ धुप्पीला Dhuppīlā [3] **वि०**
द्र०—ਧੁਪਾਲਾ।

ਧੁਮਾਹਾ धुमाहा Dhumāhā [3] **वि०**
धूमाभ (वि०) धूमिल, धूँए के रंग जैसा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਧੁਰ धुर् Dhur [3] पुं०
धुर् (स्त्री०) अन्तिम; किनारा, छोर।

ਧੁਰਨਾ धुर्ना Dhurnā [1] सक० क्रि०
ध्वरति (भ्वादि सक०) मारना, हिंसा करना।

ਧੁਰਪਤ धुर्पत् Dhurpat [1] पुं०
ध्रुपद (नपुं०) ध्रुपद ताल, राग-विशेष।

ਧੁਰਾ[1] धुरा Dhurā [3] पुं०
धुरा (स्त्री०) शिरा, चोटी।

ਧੁਰਾ[2] धुरा Dhurā [3] पुं०
धुरा (स्त्री०) धूरा; जुआ; धुरी के छोरों की कीलें जो पहियों को निकलने से रोकती हैं।

ਧੁਰੀ धुरी Dhurī [3] स्त्री०
धुरिका (स्त्री०) धुरी, कीली।

ਧੁਰੂਹ धुरूह् Dhurūh [3] पुं०
ध्रुव (पुं०) ध्रुव-तारा, भक्त-ध्रुव।

ਧੁਲਹੰਡੀ धुल्हण्डी Dhulhaṇḍī [3] स्त्री०
धूलिहिण्डन (नपुं०) धुलेंडी, होलिका-दाह के दूसरे दिन का रंग-खेलने का पर्व।

ਧੁਲਾਉਣਾ धुलाउणा Dhulāuṇā [3] सक० क्रि०
धावयति/ते (भ्वादि प्रेर०) धुलवाना, साफ कराना।

ਧੁਲ੍ਹੜਾ धुल्हड़ा Dhulhaṛā [1] पुं०
धूसर/धूलिहिण्डित (वि०) धूलि मिश्रित, धूल भरा हुआ।

ਧੂੰ धूँ Dhū̃ [3] पुं०
धूम (पुं०) धुआँ, धूम्र।

ਧੂਆਂ धूआँ Dhūā̃ [3] पुं०
धूम (पुं०) धुआँ, धूम।

ਧੂਈ धूई Dhūī [3] स्त्री०
धूमिन् (वि०) धूनी; धूम-युक्त।

ਧੂਸਲਾ धूस्ला Dhūslā [3] वि०
धूसरक (वि०) धूसर, धूमिल, मटमैला।

ਧੂਣਾ धूणा Dhūṇā [3] पुं०
धूनन (नपुं०) धूनना; खींचना।

ਧੂਤਾ धूता Dhūtā [3] पुं०
धूर्त (वि०) धूर्त, चुगलखोर।

ਧੂਤੀ धूती Dhūṭī [3] स्त्री०
धूर्ता/दूती (स्त्री०) कुटनी, चुगलखोर।

ਧੂਤੂ धूतू Dhūtū [3] पुं०
धूक (पुं०) धूक, घुग्घू, उल्लू।

ਧੂਫ धूफ् Dhūph [3] स्त्री०
धूप (नपुं०) धूप, घाम; सुगन्धित द्रव्य।

ਧੂਫਣਾ धूफ्णा Dhūphṇā [3] सक० क्रि०
धूपयति (नामधातु सक०) धूप देना, अग्नि में सुगन्धित धूप द्रव्य डालना।

ਧੂਫਦਾਨ धूफ्दान् Dhūphdān [3] पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

धूपाधान (नपुं०) धूपदान, धूपदानी, धूप रखने का पात्र ।

ਧੂਫਦਾਨੀ धूफ्दानी Dhūphdānī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਧੂਫਦਾਨ ।

ਧੂਮ धूम् Dhūm [3] **पुं०**
धूम (पुं०) धूम, धुआँ ।

ਧੂਰ धूर् Dhūr [1] **स्त्री०**
धूलिका (स्त्री०) कुहरा, कुहासा ।

ਧੂਰਤ धूरत् Dhūrat [3] **पुं०**
धूर्त (वि०, छली, कपटी

ਧੂਰੀ धूरी Dhūrī [1] **स्त्री०**
धूलि (स्त्री०) धूलि, धूल, गर्दा ।

ਧੂਲ धूल् Dhūl [1] **स्त्री०**
द्र०—ਧੂਰੀ ।

ਧੂੜ धूड़् Dhūṛ [3] **स्त्री०**
द्र०—ਧੂਰੀ ।

ਧੂੜਾ धूड़ा Dhūṛā [3] **पुं०**
द्र०—ਧੂਰੀ ।

ਧੂੜੀ धूड़ी Dhūṛī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਧੂਰੀ ।

ਧੇਣ धेण् Dheṇ [1] **स्त्री०**
धेनु (स्त्री०) दुधारु गाय, दूध देने वाली गौ ।

ਧੇਣਵਾਂ धेण्वाँ Dheṇvā̃ [3] **पुं०**
धैनव (वि०) धेनु से संबन्धित, गाय का ।

ਧੋ धो Dho [2] **पुं०**
द्रोह (पुं०) द्रोह; डाह, शत्रुता ।

ਧੋਆਵਣਾ धोआव्णा Dhoāvaṇā [1] **सक० क्रि०**
धावयति (भ्वादि प्रेर०) धुलवाना, साफ कराना ।

ਧੋਈ धोई Dhoī [3] **वि०**
धौत (वि०) धुला हुआ, प्रक्षालित ।

ਧੋਹਾ धोहा Dhohā [3] **पुं०**
द्रोहक (वि०) द्रोह करने वाला, द्वेषी ।

ਧੋਹੀ धोही Dhohī [3] **पुं०**
द्रोहिन् (वि०) द्रोह करने वाला, विद्वेषी ।

ਧੋਣਾ धोणा Dhoṇā [3] **सक० क्रि०**
धावति (भ्वादि सक०) धोना, साफ करना ।

ਧੋਤ धोत् Dhot [3] **स्त्री०**
धौत (नपुं०) धोना, प्रक्षालन ।

ਧੋਤਰ धोतर् Dhotar [1] **स्त्री०**
धोत्र (नपुं०) झीना एवं रूखा कपड़ा ।

ਧੋਤਵਾਂ धोत्वाँ Dhotvā̃ [3] **वि०**
धौत (वि०) धोया हुआ, साफ-सुथरा ।

ਧੋਤਾ धोता Dhotā [3] **वि०**
धौत (वि०) धोया हुआ, प्रक्षालित ।

ਧੋਤੀ धोती Dhotī [3] **स्त्री०**
धोत्र (नपुं०) धोती वस्त्र ।

ਧੋਬੀ धोबी Dhobī [1] **पुं०**

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

धावक (पुं०) धोबी, कपड़े धोने वाली एक जाति ।

ਧੋਰ धोर् Dhor [1] पुं०
धूलि (स्त्री०) धूल, गर्दा ।

ਧੋਰੀ धोरी Dhorī [1] वि०
धौरेय (वि०) बोझ ढोने योग्य पशु, भारवाहक; अगुआ ।

ਧੌਣ ધૌણ્ Dhauṇ [3] स्त्री०
धमनी (स्त्री०) ग्रीवा, गरदन ।

ਧੌਲ ધૌલ્ Dhaul [3] वि०
धवल (वि०) सफेद, श्वेत; स्वच्छ ।

ਧੌਲਾ ધૌલા Dhaulā [3] वि०
धवल (वि०) उज्ज्वल, श्वेत ।

ਧੌੜ ધૌડ્ Dhauṛ [3] पुं०
धुर् (स्त्री०) धूह, ऊँचा टीला ।

ਧੌੜਾ ધૌડા Dhauṛā [3] पुं०
द्र०—ਧੌੜ ।

ਧੰਗਾੜਾ ધંગાડા Dhaṅgāṛā [3] पुं०
स्कन्ध (पुं०) कन्धा, कन्धरा ।

ਧੰਗੇੜਾ ધંગેડા Dhaṅgeṛā [3] पुं०
द्र०—ਧੰਗਾੜਾ ।

ਧੰਨ धन्न् Dhann [3] वि०
धन्य (वि०) धन्य; धन-प्राप्त; सुखी ।

ਧੰਨੀ धन्नी Dhannī [3] वि०
द्र०—ਧੰਨ ।

ਧ੍ਰਿਗ ધ્રિગ્ Dhrig [3] अ०
धिक् (अ०) धिक्कार, फटकार ।

ਧ੍ਰੋਹ ધ્રોહ્ Dhroh [3] पुं०
द्रोह (पुं) द्रोह, वैर, विरोध, द्वेष ।

ਧ੍ਰੋਹੀ ધ્રોહી Dhrohī [3] पुं०
द्रोहिन् (वि०) द्रोही, दुश्मन, द्रोह करने वाला ।

ਨ

ਨਉਆ નઉઆ Nauā [1] पुं०
नापित (पुं०) नाई, हजाम ।

ਨਈ નઈ Naī [3] स्त्री०
नदी (स्त्री०) नदी, सरिता ।

ਨਈਂ નઈં Naī [1] अ०
न हि (अ०) नहीं, निषेध ।

ਨਸ નસ્ Nas [3] स्त्री०
स्नसा (स्त्री०) नस, नाड़ी, स्नायु, मांस-पेशी ।

ਨਸ਼ਕਾਰਨਾ નશ્કાર્ના Naśkārnā [3] सक० क्रि०
नमस्करोति (सोपपद तनादि सक०) नमस्कार करना, प्रणाम करना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਸਟ नसट् Nasaṭ [3] वि०
नष्ट (वि०) नाश हुआ; खोया हुआ; खराब हुआ।

ਨਸਾਉਣਾ नसाउणा Nasāuṇā [3] सक० क्रि०
नाशयति (दिवादि प्रेर०) भगाना, दौड़ाना।

ਨਸਾਰ नसार् Nasār [3] पुं०
सारणि (स्त्री०) पानी की थाल; पतली नाली।

ਨੱਸਣਾ नस्स्णा Nassṇā [3] अक० क्रि०
नश्यति (दिवादि अक०) नष्ट होना, गायब होना।

ਨਹਾਉਣ नहाउण् Nahāuṇ [3] पुं०
स्नान (नपुं०) स्नान, नहाने का भाव।

ਨਹਾਉਣਾ नहाउणा Nahāuṇā [3] अक० क्रि०
स्नाति (अदादि, अक०) नहाना, स्नान करना।

ਨਹੀਂ नहीं Nahī [3] अ०
न हि (अ०) नहीं, निषेध।

ਨਹੁੰ नहुँ Nahū [3] पुं०
नख (पुं०) नख, नाखून।

ਨਹੇਰਨਾ नहेर्ना Nahernā [3] पुं०
नखहरण (नपुं०) नख काटने का साधन, नहरनी।

ਨਹੇਰਨੀ न्हेर्नी Nhernī [3] स्त्री०
नखहरणी (स्त्री०) नख काटने की नहरनी।

ਨਕਾਰ नकार् Nakār [3] पुं०
नकार (पुं०) इन्कार, मनाही, अस्वीकार।

ਨਕੇਲ नकेल् Nakel [3] स्त्री०
नासाकील (पुं०) नकेल, पशुओं को वश में करने के लिए नाक में पहनाई गयी गुल्ली-छल्ला या नथ।

ਨੱਕ नक्क् Nakk [3] स्त्री०
नासिका (स्त्री०) नाक, नासा।

ਨੱਕ-ਸਿੱਖ नक्क्-सिक्ख् Nakk-Sikkh [3] वि०
नखशिख (वि०) नखशिख, नख से लेकर शिखा तक का।

ਨਖੱਤਰ नखत्तर् Nakhattar [2] पुं०
नक्षत्र (नपुं०) नक्षत्र, तारा, तारक-पुँज।

ਨਖੱਤਰਾ नखत्त्रा Nakhattrā [3] पुं०
निःक्षत्र (वि०) राज्य-हीन; सम्पत्ति-विहीन, निर्धन।

ਨਗਨ नगन् Nagan [3] वि०
द्र०—ਨੰਗ।

ਨਗਰ नगर् Nagar [3] पुं०
नगर (नपुं०) नगर, शहर।

ਨਗਰੀ नग्री Nagrī [3] वि०
नगरीय (वि०) नगर संबन्धी, नगर का।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਗਰੋਟਾ नग्रोटा Nagaroṭā [3] पुं०
नगरक (नपुं०) छोटा नगर, कस्बा ।

ਨਚਵਈਆ नच्वइआ Nacvaiā [3] पुं०
नर्तक (वि०) नर्तक, नाचने वाला ।

ਨਚਾਉਣਾ नचाउणा Nacāuṇā [3] सक० क्रि०
नर्तयति (दिवादि प्रेर०) नाच कराना, नचाना ।

ਨਚਾਰ नचार् Nacār [3] पुं०
नृत्यकार (वि०) नाच कराने वाला, नृत्य कराने वाला ।

ਨਚਿੰਤ नचिन्त् Nacint [3] वि०
निश्चिन्त (वि०) निश्चिन्त, चिन्ता-रहित, बेफिक्र ।

ਨੱਚਣਾ[1] नच्चणा Naccṇā [3] अक० क्रि०
नृत्यति (दिवादि अक०) नाचना, नृत्य करना ।

ਨੱਚਣਾ[2] नच्चणा Naccṇā [3] पुं०
नर्तन (नपुं०) नाच, नृत्य ।

ਨਛੱਤਰ नछत्तर् Nachattar [3] पुं०
नक्षत्र (नपुं०) नक्षत्र, तारा ।

ਨਟ नट् Naṭ [3] पुं०
नट (पुं०) अभिनेता; खेल दिखाने वाला; नट; नेटुआ ।

ਨਟਣੀ नट्णी Naṭṇī [3] स्त्री०
नटी (स्त्री०) नट की स्त्री; नाचने वाली स्त्री; अभिनय करने वाली स्त्री ।

ਨਟਵਟ नट्वट् Naṭvaṭ [3] क्रि० वि०
नटवत् (अ०) नट के समान, नर्तक के समान ।

ਨਟਵਿੱਦਿਆ नट्विद्दिआ Naṭviddiā [3] स्त्री०
नटविद्या (स्त्री०) नट विद्या, अभिनय कला ।

ਨੱਠਣਾ नट्ठणा Naṭṭhṇā [3] अक० क्रि०
नश्यति (दिवादि अक०) भाग जाना, नष्ट होना ।

ਨਣਦ नणद् Naṇd [3] स्त्री०
ननान्दृ (स्त्री०) ननद, पति की भगिनी ।

ਨਣਦੋਈ नण्दोई Naṇdoī [3] पुं०
द्र०—ਨਣਦੋਈਆ ।

ਨਣਦੋਈਆ नण्दोइआ Naṇdoiā [3] पुं०
ननान्दृपति (पुं०) ननदोई, ननद के पति ।

ਨਣਾਨ नणान् Naṇān [3] स्त्री०
द्र०—ਨਣਦ ।

ਨਣਾਨਵਈਆ नणान्वइआ Naṇānvaiā [3] पुं०
द्र०—ਨਣਦੋਈਆ ।

ਨੱਤ नत्त् Natt [3] पुं०
नस्त (पुं०) नथ; नाथ; सुँघनी ।

ਨੱਤਾ नत्ता Nattā [3] पुं०
नप्तृ (पुं०) नाती, पुत्री का पुत्र ।

ਨੱਤੀ नत्ती Nattī [3] स्त्री०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

अनन्त (पुं०) धागे या धातु का बना हुआ आभूषण विशेष जिसे बाजू में धारण किया जाता है।

ਨੱਥ नत्थ् Natth [3] **स्त्री०**
नाथ (पुं०) नथ, नाक का आभूषण; नकेल, नाथ।

ਨੱਥਣਾ नत्थणा Natthaṇā [3] **सक० क्रि०**
नाथन (नपुं०) नाथने का भाव, नाक में रस्सी देने का भाव।

ਨੱਥਨਾ नत्थना Natthanā [3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਨੱਥਣਾ।

ਨੱਥਲ नत्थल् Natthal [3] **वि०**
नाथित (वि०) नाथा हुआ बैल आदि पशु।

ਨੱਥੂ नत्थू Natthū [3] **वि०**
द्र०—ਨੱਥਲ।

ਨਦਰੋੜ नद्रोड़् Nadroṛ [1] **वि०**
निमन्त्रित (वि०) निमन्त्रण में आने वाले लोग।

ਨਦੀ नदी Nadī [3] **स्त्री०**
नदी (स्त्री०) नदी, सरिता।

ਨਦੀਣ नदीण् Nadīṇ [3] **वि०**
नादेय (वि०) नदी में उगा हुआ, नदी का।

ਨਧਾਣਾ नधाणा Nadhāṇā [3] **पुं०**
नद्धक (नपुं०) पशुओं को बाँधने की रस्सी, साँकल।

ਨਨਾਣ ननाण् Nanāṇ [3] **स्त्री०**
द्र०—ਨਣਦ।

ਨਨਾਣਵਈਆ ननाण्वइआ Nanāṇvaiā [1] **पुं०**
द्र०—ਨਣਦੋਈਆ।

ਨਨੂਤਰ ननूतर् Nanūtar [3] **पुं०**
ननान्दृपुत्र (पुं०) ननद का पुत्र।

ਨਨੋਤਰ ननोतर् Nanotar [3] **पुं०**
द्र०—ਨਨੂਤਰ।

ਨਨ੍ਹਾ नन्हा Nanhā [3] **वि०**
न्यून (वि०) कम; छोटा।

ਨਪਾਣ नपाण् Napāṇ [3] **पुं०**
मापन (नपुं०) नाप, तौल।

ਨਪਿੱਤਣਾ नपित्त्णा Napittṇā [3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਨਪੀੜਨਾ।

ਨਪੀੜਨਾ[1] नपीड़्ना Napīṛnā [3] **पुं०**
निष्पीडन (नपुं०) दबाने अथवा निचोड़ने का भाव।

ਨਪੀੜਨਾ[2] नपीड़्ना Napīṛnā [3] **सक० क्रि०**
निष्पीडयति (चुरादि सक०) निचोड़ना, दबाना।

ਨਪੁੰਸਕ नपुंसक् Napunsak [3] **पुं०**
नपुंसक (नपुं०) नपुंसक, हिजड़ा; डरपोक; नपुंसकलिङ्ग।

ਨਪੁੱਤਾ नपुत्ता Naputtā [3] **पुं०**
निष्पुत्र (पुं०) पुत्र-हीन, पुत्र-रहित।

ਨੱਪਣਾ नप्पणा Nappaṇā [3] **सक० क्रि०**

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

निष्पीडयति (चुरादि सक०) पीड़ित करना, दबाना।

ਨਭ नभ् Nabh [3] **पुं०**

नभस् (नपुं०) आकाश, नभ, आसमान; श्रावण मास; सामीप्य; आश्रय; शिव; जल; मेघ; वर्षा।

ਨਮਸਕਾਰ नमस्कार् Namaskār [3] **पुं०**

नमस्कार (पुं०) नमस्कार, प्रणाम, वन्दन।

ਨਮਸਕਾਰਨਾ नमस्कार्ना Namaskārnā [3] **सक० क्रि०**

नमस्करोति (सोपपद तनादि सक०) नमस्कार करना, प्रणाम करना।

ਨਮਿੱਤ नमित्त् Namitt [3] **पुं०**

निमित्त (पुं०) हेतु, कारण; चिह्न, लक्षण; उद्देश्य।

ਨਮਿੱਤਣਾ नमित्तणा Namittaṇā [3] **सक० क्रि०**

नियतते / नियामयति (भ्वादि, चुरादि सक०) नियत करना, निश्चय करना।

ਨਮੋਹਾ नमोहा Namohā [3] **वि०**

निर्मोह (वि०) मोह रहित, दया से शून्य।

ਨਮੋਹਾਪਣ नमोहापण् Namohāpaṇ [3] **पुं०**

निर्मोह (पुं०) निर्मोह, दया का अभाव, ज्ञान-शून्यता।

ਨਮੋਲੀ नमोली Namolī [3] **स्त्री०**

निम्बगुलिका (स्त्री०) निमोली, नीम का पका फल।

ਨਰ नर् Nar [2] **पुं०**

नर (पुं०) नर, पुरुष, आदमी।

ਨਰਕ नरक् Narak [3] **पुं०**

नरक (नपुं०) नरक, वह स्थान जहाँ मरने के बाद जीव को पाप का दण्ड मिलता है।

ਨਰਕਣ नर्कण् Narkaṇ [1] **स्त्री०**

नारकिनी (स्त्री०) नारकीय कर्म करने वाली स्त्री, पापिनी।

ਨਰਕੀ नर्की Narkī [3] **पुं०**

नारकिन् (वि०) नारकी, पापी।

ਨਰਬਦ नर्बद् Narbad [3] **वि०**

निरवद्य (वि०) अवचनीय, अकथ्य, अनिन्द्य।

ਨਰਾਇਣ नराइण् Narāiṇ [3] **पुं०**

नारायण (पुं०) भगवान् विष्णु।

ਨਰਾੱਤਾ नरात्ता Narāttā [3] **पुं०**

नवरात्र (नपुं०) नवरात्र, आश्विन और चैत्र के शुक्लपक्ष के प्रारम्भिक नौ दिन।

ਨਰੇਲ नरेल् Narel [2] **पुं०**

द्र०—ਨਾਰੀਅਲ।

ਨਰੈਣ नरैण् Naraiṇ [3] **पुं०**

नारायण (पुं०) नारायण, भगवान् विष्णु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਰੈਣੀ नरैणी Naraiṇī [3] **वि०**
नारायणीय (वि०) नारायण भगवान् से संबन्धित।

ਨਰੋਆ नरोआ Naroā [3] **वि०**
नीरोग (वि०) नीरोग, रोग-रहित, स्वस्थ।

ਨਰੋਆਪਣ नरोआपण् Naroāpaṇ [3] **पुं०**
नीरोगपण (पुं०) नीरोगपना, आरोग्य।

ਨਰੋਇਆ नरोइआ Naroiā [1] **वि०**
द्र०—ਨਰੋਆ।

ਨਰੰਗੀ नरङ्गी Naraṅgī [3] **स्त्री०**
नारङ्ग (नपुं०) छोटा नारंगी-फल।

ਨਲੀ नली Nalī [3] **स्त्री०**
नलिका (स्त्री०) नली, लोहे आदि की पतली लम्बी डण्डी जिसमें अन्दर छिद्र हो।

ਨਲ੍ਹਾਉਣਾ नल्हाउणा Nalhāuṇā [3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਨਹਾਉਣਾ।

ਨਵਗ੍ਰਹਿ नव्ग्रह् Navgrah [3] **पुं०**
नवग्रह (पुं०) सूर्य आदि नौ ग्रहों का समूह।

ਨਵਨਿਰਮਾਣ नव्निर्माण Navnirmāṇ [3] **पुं०**
नवनिर्माण (नपुं०) नवनिर्माण, नई रचना।

ਨਵ-ਵਿਆਹਿਆ नव्विआहिआ Nav-Viāhiā [3] **स्त्री०**
नवविवाहिता (स्त्री०) नवविवाहिता, वह स्त्री जिसका नया विवाह हुआ हो।

ਨਵਾਂ नवाँ Navā̃ [3] **वि०**
नव (वि०) नवीन, नया।

ਨਵਾਰ नवार् Navār [3] **स्त्री०**
नैवारिक (नपुं०) नेवार, पलंग की नेवार।

ਨਵਾਰੀ नवारी Navārī [3] **वि०**
नीवारीय (वि०) निवार धान की रस्सी नेवार आदि।

ਨਵੀਨਤਾ नवीन्ता Navīntā [3] **स्त्री०**
नवीनता (स्त्री०) नवीनता, नयापन।

ਨਵੀਂ-ਨਿਕੋਰ नवी-निकोर् Nvī-Nikor [3] **वि०**
नवीन (वि०) नव, नया, बिल्कुल नया।

ਨਵੇਕਲਾਪਣ नवेक्लापण् Naveklāpaṇ [3] **पुं०**
एकाकिपण (पुं०) अकेलापन, अकेले रहने का भाव।

ਨਵੇਲ नवेल् Navel [3] **वि०**
नव (वि०) नया, नवीन।

ਨਵੇਲਾ नवेला Navelā [3] **पुं०**
नव (वि०) नया, नवीन।

ਨਵੇਲੀ नवेली Navelī [3] **स्त्री०**
नव (वि०) नया, नवीन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨੱਵੇ नव्वे Navve [3] वि०
नवति (स्त्री०) नव्वे, 90।

ਨੜ नड़् Naṛ [3] पुं०
नाडी (स्त्री०) नाड़ी, कलाई पर की नाड़ी, धमनी।

ਨੜਾ नड़ा Naṛā [3] पुं०
नड (पुं०) बेंत की जाति की एक वनस्पति, नरकट।

ਨੜਿੰਨਵੇਂ नड़िन्वें Naṛīnvē [3] वि०
नवनवति (स्त्री०) निन्यानबे, 99।

ਨੜੀ नड़ी Naṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਨੜ।

ਨਾ ना Nā [3] अ०
न (अ०) नहीं, निषेध।

ਨਾਂ नाँ Nā̃ [3] पुं०
नामन् (नपुं०) नाम, किसी व्यक्ति या वस्तु का निर्देश करने वाला शब्द, संज्ञा।

ਨਾਉ नाउ Nāu [3] स्त्री०
नौ (स्त्री०) नाव, नौका।

ਨਾਉਂ नाउँ Nāū [3] पुं०
नामन् (नपुं०) नाम, संज्ञा, किसी वस्तु या व्यक्ति का निर्देश करने वाला शब्द।

ਨਾਇਕ नाइक् Nāik [3] पुं०
नायक (वि०) नेता अगुआ, स्वामी; काव्य का नायक।

ਨਾਈ नाई Nāī [3] पुं०
नापित (पुं०) नाई, हजाम।

ਨਾਸ नास् Nās [3] स्त्री०
नासापुट (पुं०) नासिका का एक भाग।

ਨਾਸ਼ नाश् Nāś [3] पुं०
नाश (पुं०) नाश, ध्वंस।

ਨਾਸ਼ਕ नाशक् Nāśak [3] वि०
नाशक (वि०) नाश करने वाला, बरबाद करने वाला।

ਨਾਸਕਾ नास्का Nāskā [3] स्त्री०
नासिका (स्त्री०) नासिका, नाक।

ਨਾਸਤਿਕ नास्तिक् Nāstik [3] वि०
नास्तिक (वि०) नास्तिक, वेद-निन्दक।

ਨਾਸਤਿਕਤਾ नास्तिक्ता Nāstiktā [3] स्त्री०
नास्तिकता (स्त्री०) नास्तिकता, वेदों अथवा ईश्वर में श्रद्धा न रखने का भाव।

ਨਾਸਤਿਕਤਾਵਾਦੀ नास्तिक्तावादी Nāstiktāvādī [3] पुं०
नास्तिकतावादिन् (वि०) नास्तिकतावादी, वेद अथवा ईश्वर में विश्वास न रखने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਾਸ਼ਮਾਨ नाश्मान् Nāśmān [3] **वि०**
नाशवत् (वि०) नाशवान्, नष्ट होने वाला।

ਨਾਸ਼ਵਾਨ नाश्वान् Nāśvān [3] **वि०**
नाशवत् (वि०) नाशवान्, विनाशी।

ਨਾਸ਼ਵੰਤ नाश्वन्त् Nāśvant [3] **वि०**
नाशवत् (वि०) नाशवान्, नष्ट होने वाला।

ਨਾਸਿਕ नासिक् Nāsik [3] **वि०**
नासिक्य (वि०) नाक से संबिन्धत; नासिका से उत्पन्न ध्वनि।

ਨਾਂਹ नाँह् Nāh [3] **अ०**
न हि (अ०) नहीं, निषेध।

ਨਾਹੀਂ नाहीं Nāhī [2] **अ०**
न हि (अ०) नहीं, निषेध।

ਨਾਗ नाग् Nāg [3] **पुं०**
नाग (पुं०) नाग, साँप।

ਨਾਂਗ नाँग् Nāg [3] **पुं०**
नग्न (वि०) नग्न, नंगा।

ਨਾਗਣ नागण् Nāgaṇ [3] **स्त्री०**
नागिनी (स्त्री०) नागिनी, सर्पिणी।

ਨਾਗਦਉਣ नाग्दउण् Nāgdauṇ [3] **स्त्री०**
नागदन्ती (स्त्री०) एक प्रकार का पौधा, कुंभा नामक सर्पविष-निवारक औषधि; सूर्यमुखी फूल।

ਨਾਗਦਾਉਣ नाग्दाउण Nāgdāuṇ [3] **स्त्री०**
द्र०—ਨਾਗਦਉਣ।

ਨਾਗਦੌਣ नाग्दौण् Nāgdauṇ [3] **स्त्री०**
द्र०—ਨਾਗਦਉਣ।

ਨਾਗਰਤਾ नागर्ता Nāgartā [1] **स्त्री०**
नागरता (स्त्री०) नागरिकता, नागरिक होने का भाव।

ਨਾਗਰਮੋਥਾ नागर्मोथा Nāgarmothā [3] **पुं०**
नागरमुस्त (नपुं०) नागरमोथा।

ਨਾਗਾ नागा Nāgā [3] **पुं०**
नग्न (पुं०) नागा साधु (नागा साधु नंगे रहते हैं)।

ਨਾਚ नाच् Nāc [3] **पुं०**
नृत्य (नपुं०) नृत्य, नाच, नर्तन।

ਨਾਚਾ नाचा Nācā [3] **पुं०**
नर्तक (वि०) नर्तक, नाचने वाला।

ਨਾਚੀ नाची Nācī [3] **स्त्री०**
नर्तिका (स्त्री०) नर्तिका, नाचने वाली।

ਨਾਚੂ नाचू Nācū [1] **पुं०**
द्र०—ਨਾਚਾ।

ਨਾਟਕ नाटक् Nāṭak [3] **पुं०**
नाटक (नपुं०) नाटक, रूपक के दस भेदों में से एक; दृश्यकाव्य।

ਨਾਟਕੀ नाट्की Nāṭkī [3] **वि०**
नाटकीय (वि०) नाटकीय, नाटक संबन्धी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਾਥੀ नाथी Nāthī [1] स्त्री०
नाथीय (वि०) नाथ-संबन्धी, प्रभु-संबन्धी।

ਨਾਂਦ नाँद् Nād [3] पुं०
नन्दा (स्त्री०) नाँद, मिट्टी का छोटा पात्र।

ਨਾਦ-ਵਿਦਿਆ नाद्-विद्या Nād-Vidyā [3] स्त्री०
नाद-विद्या (स्त्री०) संगीत विद्या।

ਨਾਨਾ नाना Nānā [3] वि०
न्यून (वि०) कम; छोटा।

ਨਾਪਣਾ नाप्णा Nāpṇā [3] पुं०
मापन (नपुं०) नापने का भाव, तोलने का भाव।

ਨਾਪਨਾ नाप्ना Nāpnā [3] पुं०
मापन (नपुं०) नापने का भाव, तोलने का भाव।

ਨਾਭ नाभ् Nābh [3] स्त्री०
नाभि (स्त्री०, पुं०) नाभि, ढोंढी; चक्र-मध्य, पहिए का मध्य भाग।

ਨਾਭੀ नाभी Nābhī [3] स्त्री०
नाभि (स्त्री०) नाभि, सुण्डी।

ਨਾਮ नाम् Nām [3] पुं०
नामन् (नपुं०) नाम, अभिधान।

ਨਾਮਦੇਵ नाम्देव Nāmdev [3] पुं०
नामदेव (पुं०) नामदेव, महाराष्ट्र के एक भक्त।

ਨਾਮਧਾਰੀਆ नाम्धारिआ Nāmdhāriā [3] वि०
नामधारीय (वि०) नामधारी संप्रदाय का।

ਨਾਂਮਾਤਰ नाँमातर् Nāmātar [3] क्रि० वि०
नाममात्र (नपुं०) नाममात्र, अत्यल्प, कहने भर का।

ਨਾਰ नार् Nār [3] स्त्री०
नारी (स्त्री०) नारी, स्त्री।

ਨਾਰਦੀ नार्दी Nārdī [3] वि०
नारदीय (वि०) नारद द्वारा प्रोक्त (उपदिष्ट), नारद-संबन्धी।

ਨਾਰਿਆਲ नारिआल् Nāriāl [3] पुं०
नारिकेल (पुं०/नपुं०) पुं०—नारियल का वृक्ष। नपुं०—नारियल का फल।

ਨਾਰੀਅਲ नारिअल् Nārial [3] पुं०
नारिकेल (पुं०/नपुं०) पुं०—नारियल का वृक्ष। नपु०—नारियल का फल।

ਨਾਰੀਤਵ नारीत्व् Nārītv [3] पुं०
नारीत्व (नपुं०) नारीत्व, स्त्रीत्व।

ਨਾਰੇਲ नारेल् Nārel [2] पुं०
नारिकेल (पुं०/नपुं०) नारियल का वृक्ष या फल।

ਨਾਰੰਗੀ नारङ्गी Nāraṅgī [3] स्त्री०
नारङ्ग (पुं०/नपुं०) पुं०—नारङ्गी का वृक्ष। नपुं०—नारङ्गी का फल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਾਲ਼ नाळ् Nāḷ [3] पुं०
नाल (पुं०) नहर या झरना।

ਨਾਲੀ नाली Nālī [3] स्त्री०
नाल (नपुं०) कमल आदि की डण्डी।

ਨਾਵ नाव् Nāv [3] स्त्री०
नौका / नौ (स्त्री०) नाव, नौका; जहाज, पोत।

ਨਾਂਵ नाँव् Nā̃v [3] पुं०
नामन् (नपुं०) नाम, अभिधान।

ਨਾਵਾ नावा Nāvā [3] पुं०
द्र०—ਨਾਵ।

ਨਾੜ नाड़् Nāṛ [3] स्त्री०
नाडी (स्त्री०) शिरा, धमनी।

ਨਾੜਾ नाड़ा Nāṛā [3] पुं०
नाल (पुं०) बच्चे की नाल, धमनी; नाड़ा।

ਨਾੜੀ[1] नाड़ी Nāṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਨਾੜ।

ਨਾੜੀ[2] नाड़ी Nāṛī [3] स्त्री०
नालि/नाली (स्त्री०) खोखली नलकी, लोहे आदि की पतली छड़ी जो अन्दर पोली हो।

ਨਾੜੂ नाड़ू Nāṛū [3] पुं०
नाल (पुं०) बढ़ी हुई नाभि, बच्चे की नाल; नस, धमनी; नाड़ा।

ਨਾੜੂਆ नाड़ूआ Nāṛūā [3] पुं०
द्र०— ਨਾੜੂ।

ਨਿਉਣਾ न्योणा Nyoṇā [3] सक० क्रि०
नमति (भ्वादि अक० / सक०) नमन करना; झुकना।

ਨਿਉਤਾ न्योता Nyotā [2] पुं०
निमन्त्रण (नपुं०) न्योता, किसी उत्सव आदि में सम्मिलित होने का निवेदन, बुलावा।

ਨਿਉਂਦਣਾ निउँद्णा Niūdṇā [3] सक० क्रि०
निमन्त्रयति (चुरादि सक०) न्योता देना, उत्सव आदि में सम्मिलित होने के लिए बुलावा भेजना।

ਨਿਉਂਦਰਾ निउँद्रा Niūdrā [3] पुं०
द्र०—ਨਿਉਂਦਾ।

ਨਿਉਂਦਾ निउँदा Niūdā [3] पुं०
निमन्त्रण (नपुं०) न्योता, बुलावा।

ਨਿਉਲ न्योल् Nyol [3] पुं०
नीवि (स्त्री०) जंजीर या रस्सी जो पशुओं को भागने से रोकने के लिए उनके पैरों में डाली जाती है।

ਨਿਉਲਾ न्योला Nyolā [3] पुं०
नकुल (पुं०) नेवला, नेउर।

ਨਿਉਲੀ न्योली Nyolī [3] स्त्री०
नकुली (स्त्री०) नेवला की मादा, नेवली।

ਨਿਊਨ निऊन् Niūn [3] वि०
न्यून (वि०) न्यून, अल्प, कम।

ਨਿਊਨਤਮ निऊन्तम् Niūntam [3] वि०
न्यूनतम (वि०) न्यूनतम, अत्यन्त कम।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਨਿਊਨਤਾ निऊन्ता Niūntā [3] स्त्री०
न्यूनता (स्त्री०) अल्पता, कमी।

ਨਿਆਂ निआँ Niā̃ [3] पुं०
न्याय (पुं०) न्याय, औचित्य।

ਨਿਆਇ निआए Niāe [3] पुं०
न्याय (पुं०) न्याय-दर्शन, न्याय-शास्त्र।

ਨਿਆਇ-ਸ਼ਾਸਤਰ निआइ-शास्तर् Niāi-śāstar [3] पुं०
न्यायशास्त्र (नपुं०) न्याय-शास्त्र, न्याय-दर्शन।

ਨਿਆਇ-ਸ਼ੀਲ निआइ-शील् Niāi-Śīl [3] वि०
न्यायशील (वि०) न्यायशील, न्याय पसन्द।

ਨਿਆਇ-ਸੂਤਰ निआइ-सूतर् Niāi-Sūtār [3] पुं०
न्यायसूत्र (नपुं०) न्यायसूत्र, महर्षि गौतम-प्रणीत न्याय-दर्शन के सूत्र।

ਨਿਆਇ-ਹੀਣ निआइ-हीण् Niāi-hīṇ [3] वि०
न्यायहीन (वि०) न्यायहीन, न्याय-विरुद्ध, अन्याय; अनुचित।

ਨਿਆਇਕਾਰ निआइकार् Niāikār [3] पुं०
न्यायकार (वि०) न्याय करने वाला।

ਨਿਆਈ निआई Niāī [3] पुं०
न्यायिन् (वि०) न्याय करने वाला, न्याय-प्रिय।

ਨਿਆਈ[1] न्याइँ Nyāī [3] अ०
न इव (अ०) भाँति, नाईं, उपमा-बोधक शब्द।

ਨਿਆਈ[2] निआइँ Niāī [3] पुं०
नैयायिक (वि०) न्यायशास्त्र को जानने वाला, न्याय वेत्ता; न्यायाधीश।

ਨਿਆਈ[3] निआइँ Niāī [3] स्त्री०
निकटभूमि (स्त्री०) गाँव के पास की भूमि; नजदीक, समीप।

ਨਿਆਸ निआस् Niās [3] स्त्री०
न्यास (पुं०) न्यास, अमानत, धरोहर।

ਨਿਆਸਰਾ निआस्रा Niāsrā [3] वि०
निराश्रय (वि०) निराश्रय, निराधार, निरवलम्ब; अनाथ।

ਨਿਆਸੀ निआसी Niāsī [3] पुं०
न्यासिन् (वि०) न्यास रखने वाला, धरोहर रखने वाला।

ਨਿਆਣਾ निआणा Niāṇā [3] पुं०
निदान (नपुं०) छान, बँधना, गोदोहन के समय गाय का पैर बाँधने की रस्सी।

ਨਿਆਰਾ न्यारा Nyārā [3] पुं०
अन्याकार (वि०) न्यारा, भिन्न, अलग।

ਨਿਆਲਾ निआला Niālā [3] पुं०
न्यायालय (पुं०) न्यायालय, कचहरी।

ਨਿਅੰਤਾ निअन्ता Niantā [3] पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

नियन्तृ (वि०) नियमन करने वाला; प्रेरक, चालक।

ਨਿਸ निस् Nis [3] **स्त्री०**
निश् (स्त्री०) निशा, रात्रि, रात।

ਨਿਸ਼ਕਰਸ਼ निष्करष् Niṣkaraṣ [3] **पुं०**
निष्कर्ष (पुं०) निचोड़, सार, तत्त्व; निश्चय।

ਨਿਸਕਾਰਨਾ निस्कार्ना Niskārnā [3] **सक० क्रि०**
नमस्करोति (सोपपद तनादि सक०) नमस्कार करना, प्रणाम करना।

ਨਿਸਚਰ निस्चर् Niscar [3] **पुं०**
निशिचर (पुं०) निशचर, राक्षस।

ਨਿਸਚਲਤਾ निस्चल्ता Niscaltā [3] **स्त्री०**
निश्चलता (स्त्री०) निश्चलता, निस्पन्दता।

ਨਿਸ਼ਚਾ निश्चा Niścā [3] **पुं०**
निश्चय (पुं०) निश्चय, संशयरहित ज्ञान; निर्णय।

ਨਿਸ਼ਚਿਤ निश्चित् Niścit [3] **वि०**
निश्चित (वि०) निश्चित, पक्का; निर्णीत।

ਨਿਸ਼ਚਿੰਤ निश्चिन्त् Niścint [3] **वि०**
निश्चिन्त (वि०) निश्चिन्त, चिन्ता-मुक्त, बेफिक्र।

ਨਿਸ਼ਚੇ निश्चे Niścc [3] **क्रि० वि०**
निश्चय (क्रि० वि०) निश्चय, विश्वास-पूर्वक।

ਨਿਸਤਰਨਾ निस्तर्ना Nistarnā [3] **अक० क्रि०**
निस्तरति (भ्वादि अक०) मुक्त होना, छुटकारा पाना।

ਨਿਸਤਾਰ निस्तार् Nistār [3] **पुं०**
निस्तार (पुं०) छुटकारा, मुक्ति, उद्धार।

ਨਿਸਤਾਰਾ निस्तारा Nistārā [3] **पुं०**
द्र०—ਨਿਸਤਾਰ।

ਨਿਸਤਾਰੀ निस्तारी Nistārī [1] **पुं०**
निस्तारिन् (वि०) पार करने वाला, निस्तारक, उद्धारक।

ਨਿਸੱਤਾ निसत्ता Nisattā [3] **वि०**
निःसत्त्व (वि०) सत्ता-रहित, अस्तित्व-हीन।

ਨਿਸਫਲ निस्फल् Nisphal [3] **वि०**
निष्फल (वि०) निष्फल, फल-रहित, व्यर्थ।

ਨਿਸਬਾਸਰ निस्बासर् Nisbāsar [1] **क्रि० वि०**
निशिवासर (क्रि० वि०) रात-दिन, अहर्निश।

ਨਿਸਾ निसा Nisā [3] **स्त्री०**
निशा (स्त्री०) निशा, रात।

ਨਿਸਾਸ निसास् Nisās [1] **पुं०**
निःश्वास (पुं०) उसाँस, श्वाँस को बाहर निकालने का भाव; आह भरना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਸਾਰ निसार् Nsār [3] पुं०
निस्सार (वि०) सार-हीन, तत्त्वहीन।

ਨਿਸਾਰਾ निसारा Nisārā [3] पुं०
निस्सार (पुं०) खिलाव, फुटाव, प्रस्फुटन।

ਨਿਸੰਗ निसंग् Nisaṅg [2] वि०
निःशङ्क (वि०) निडर, निर्भय।

ਨਿਸੰਗਤਾ निसंग्ता Nisaṅgtā [3] स्त्री०
निःशङ्कता (स्त्री०) निर्भयता, निडरता।

ਨਿੱਸਰਨਾ निस्सर्ना Nissarnā [3] अक० क्रि०
निस्सरति (भ्वादि अक०) निकलना; खिलना; फूटना; फैलना।

ਨਿੱਸਲ निस्सल् Nissal [3] वि०
निश्शल्य (वि०) श्रम-रहित, थकावट से मुक्त।

ਨਿੱਸਲਤਾ निस्सल्ता Nissaltā [3] स्त्री०
अलसता (स्त्री०) आलस्य, सुस्ती, शिथिलता।

ਨਿੱਸਲਾ निस्स्ला Nisslā [3] वि०
निस्सरल (वि०) अत्यन्त सरल, बिल्कुल सीधा।

ਨਿਹਕਪਟ निह्कपट् Nihkapaṭ [3] वि०
निष्कपट (वि०) छल रहित, सरल, निश्छल।

ਨਿਹਕਰਮਣ निह्कर्मण Nihkarmaṇ [3] स्त्री०
निष्कर्मिणी (स्त्री०) काम न करने वाली स्त्री, अकर्मण्य।

ਨਿਹਕਰਮੀ निह्कर्मी Nihkarmī [3] पुं०
निष्कर्मन् (वि०) काम न करने वाला, निकम्मा, अकर्मण्य।

ਨਿਹਕਲੰਕ निह्कलंक Nihkalaṅk [3] वि०
निष्कलङ्क (वि०) निर्दोष, निरपराध।

ਨਿਹਕਾਮ निह्काम् Nihkām [3] वि०
निष्काम (वि०) कामना-रहित, निष्प्रयोजन।

ਨਿਹਕੇਵਲ निह्केवल Nihkeval [3] वि०
निष्केवल (वि०) मुक्त, परमानन्द को प्राप्त।

ਨਿਹਚਲ निह्चल् Nihcal [3] वि०
निश्चल (वि०) निश्चल, निष्कम्प, स्थिर, अचल।

ਨਿਹਚਾ नेह्चा Nehcā [2] पुं०
निश्चय (पु०) निर्णय, संशय-रहित ज्ञान।

ਨਿਹਚਾਧਾਰੀ निह्चाधारी Nihcādhārī [3] पुं०
निश्चयधारिन् / निष्ठाधारिन् (वि०) श्रद्धालु, आस्तिक।

ਨਿਹਤਾਣ निह्ताण् Nihtāṇ [3] वि०
निस्त्राण (वि०) अशक्त, दुर्बल; अरक्षित।

ਨਿਹੱਥਲ निहत्थल् Nihatthal [3] पुं०
द्र०—ਨਿਹੱਥਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਹੱਥਾ निहत्था Nihatthā [3] पुं०
निर्हस्त (वि०) हस्त-हीन, बिना हाथ के, लूला।

ਨਿਹਫਲ निह्फल् Nihphal [3] वि०
निष्फल (वि०) निष्फल, जिसका कोई परिणाम न हो, फल-रहित।

ਨਿਹਾਈ निहाई Nihāi [3] स्त्री०
निघाति (स्त्री०) लोहार की निहाई।

ਨਿਹਾਲਣਾ निहाल्णा Nhālṇā [1] सक० क्रि०
निभालयति/निहारयति (चुरादि सक०) निहारना, देखना।

ਨਿਹੁੰ निहुँ Nihū [3] पुं०
स्नेह (पुं०) स्नेह, प्यार, प्रेम।

ਨਿਹੁਲੀ निहुली Nihulī [1] वि०
स्नेहिल (वि०) नेहभरी, प्रेम-युक्त।

ਨਿਹੰਗ निहंग् Nihaṅg [3] वि०
निरहन्त्व (वि०) निरभिमान; विरक्त।

ਨਿਹੰਗਤਾ निहंग्ता Nihaṅgtā [3] स्त्री०
निरहन्ता (स्त्री०) अभिमान-हीनता, निरभिमानिता।

ਨਿਕਸਣਾ निकस्णा Nikasṇā [3] सक० क्रि०
निष्कसति (भ्वादि अक०) निकलना, बाहर जाना।

ਨਿਕਟੀ निक्टी Nikṭī [3] वि०
नैकटिक/नैकटीय (वि०) निकट का, समीप का।

ਨਿਕਰਮ निकर्म् Nikarm [3] पुं०
निष्कर्मन् (वि०) निकम्मा; अभागा।

ਨਿਕਰਮਣ निकर्मण् Nikarmaṇ [3] स्त्री०
निष्कर्मणी (स्त्री०) निकम्मी स्त्री, अकर्मण्य स्त्री।

ਨਿਕਰਮਾ निकर्मा Nikarmā [3] पुं०
निष्कर्मन् (वि०) निकम्मा, अकर्मण्य।

ਨਿਕਲਣਾ निकल्णा Nikalṇā [3] अक० क्रि०
निष्कलयति (चुरादि अक०) निकलना, पृथक् होना।

ਨਿਕਾਇ निकाइ Nikāi [3] पुं०
निकाय (पुं०) समूह, राशि, ढेर।

ਨਿਕਾਸ निकास् Nikās [3] पुं०
निकास/निष्काश (पुं०) निकास; मकान का बराण्डा इत्यादि; निकलने का भाव।

ਨਿਕਾਸਣਾ निकास्णा Nikāsṇā [3] सक० क्रि०
निष्कासयति (चुरादि सक०) निकालना, निष्कासित करना।

ਨਿਕਾਲਣਾ निकाल्णा Nikālṇā [3] सक० क्रि०
निकालयति (चुरादि सक०) निकालना, बाहर करना, पृथक् करना।

ਨਿਕੰਮਾ निकम्मा Nikammā [3] पुं०
निष्कर्मन् (वि०) निकम्मा, अकर्मण्य।

ਨਿਖੱਟੂ निखट्टू Nikhaṭṭū [3] वि०
निःक्षत्र (वि०) न कमाने वाला, निकम्मा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਖੱਤਰ निखत्तर् Nikhattar [1] पुं०
नक्षत्र (नपुं०) नक्षत्र, तारा ।

ਨਿਖਰਨਾ निखर्ना Nikharnā [3] अक० क्रि०
निःक्षरति (भ्वादि अक०) क्षरण होना, टपकना, चूना; अलग होना ।

ਨਿਖਰਬ निखरब् Nikharab [3] वि०
निखर्व (पुं०) दश खरब; वामन, बौना ।

ਨਿਖਲ निखल् Nikhal [3] वि०
निखिल (वि०) निखिल, सम्पूर्ण, सब ।

ਨਿਖਾਦ निखाद् Nikhād [3] पुं०
निषाद (पुं०) संगीत का सप्तम स्वर ।

ਨਿਖਾਰਨਾ निखार्ना Nikhārnā [3] सक० क्रि०
निःक्षालयति (चुरादि सक०) निखारना, स्वच्छ करना, धोना ।

ਨਿਖਿੱਧ निखिद्ध् Nikhiddh [1] वि०
निषिद्ध (वि०) वर्जित, मना किया हुआ ।

ਨਿਖੇਧ निखेध् Nikhedh [3] पुं०
निषेध (पुं०) निषेध, मनाही, वर्जन, रोक ।

ਨਿਖੇਧਣਾ निखेध्णा Nikhedhṇā [3] सक० क्रि०
निषेधति (भ्वादि सक०) निषेध करना, रोकना ।

ਨਿਖੇਧਤਾ निखेध्ता Nikhedhtā [3] स्त्री०
निषिद्धता (स्त्री०) निषेध, रोक, मनाही ।

ਨਿਖੇਧਾਤਮਕ निखेधात्मक् Nikhedhātmak [3] वि०
निषेधात्मक (वि०) निषेधात्मक, निषेध रूप ।

ਨਿਖੇਧੀ निखेधी Nikhedhī [3] स्त्री०
निषेध (पुं०) निषेध, मनाही, रोक ।

ਨਿਗਲਣਾ निगल्णा Nigalṇā [3] सक० क्रि०
निगलति (भ्वादि सक०) निगलना, किसी वस्तु को गले के नीचे उतारना; खाना ।

ਨਿਗੁਣਾ निगुणा Niguṇā [3] पुं०
निर्गुण (वि०) गुण-हीन, गुण-रहित ।

ਨਿਗੁਣੀ निगुणी Niguṇī [3] स्त्री०
निर्गुणा (स्त्री०) गुण-हीना स्त्री ।

ਨਿਗੁਣੀਆ निगुणिआ Niguṇiā [3] स्त्री०
द्र०—ਨਿਗੁਣੀ ।

ਨਿਗੁਰਾ निगुरा Nigurā [3] वि०
निर्गुरु (वि०) गुरु-हीन, जिसका शिक्षक न हो ।

ਨਿਗੂਣਾ निगूणा Nigūṇā [3] पुं०
निर्गुण (वि०) निर्गुण, गुण-हीन ।

ਨਿਘਾਸ निघास् Nighās [3] पुं०
निदाघ (पुं०) गर्मी, ताप; सेक ।

ਨਿੱਘ निग्घ् Niggh [3] पुं०
निदाघ (पुं०) गर्मी, ताप, सेक ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿੱਘਾ निग्घा Niggha [3] **वि०**
निदाघिन् (वि०) गर्म, ताप-युक्त ।

ਨਿੱਘਾਪਣ निग्घापण् Nigghāpaṇ [3] **पुं०**
निदाघपण (पुं०) गर्मी, ताप, सेक ।

ਨਿਚਲਾ निच्ला Niclā [1] **वि०**
नीच (वि०) निचला, नीचे का ।

ਨਿਚੱਲ निचल्ल् Nicall [3] **वि०**
निश्चल (वि०) स्थिर, अचल, अडिग ।

ਨਿਚੱਲਾ निचल्ला Nicallā [3] **वि०**
निश्चल (वि०) निश्चल, अचल, स्थिर ।

ਨਿਚਾਣ निचाण् Nicāṇ [3] **पुं०**
नीचस्थान (नपुं०) निचली जगह, निम्न स्थान ।

ਨਿਚਿੰਤ निचिन्त् Nicint [3] **वि०**
निश्चिन्त (वि०) चिन्ता रहित, चिन्ता-मुक्त, बेफिक्र ।

ਨਿਚੁੜਨਾ निचुड़्ना Nicuṛnā [3] **अक० क्रि०**
निश्च्योतति (भ्वादि अक०) स्वयं सूखना, जल हीन होना ।

ਨਿਚੋੜ निचोड़् Nicoṛ [3] **पुं०**
निश्च्योत (पुं०) निचोड़, निचोड़ने का भाव ।

ਨਿਚੋੜਨਾ निचोड़ना Nicoṛnā [3] **सक० क्रि०**
निश्च्योतयति (चुरादि प्रेर०) निचोड़ना, वस्त्रादि से जल निकालना ।

ਨਿੱਛ निच्छ् Nicch [3] **स्त्री०**
छिक्का (स्त्री०) छींक ।

ਨਿਝੱਕ निझक्क् Nijhakk [3] **वि०**
निर्भय (वि०) भयरहित, निडर ।

ਨਿਝਰ निझर् Nijhar [3] **पुं०**
निर्झर (पुं०) झरना, जल का स्रोत ।

ਨਿਠੁਰ निठुर् Niṭhur [3] **वि०**
निष्ठुर (वि०) कठोर, कड़ा ।

ਨਿਠੁਰਤਾ निठुर्ता Niṭhurtā [3] **स्त्री०**
निष्ठुरता (स्त्री०) कठोरता, बेरहमी; सख्ती ।

ਨਿਡਰ निडर् Niḍar [3] **वि०**
निर्दर (वि०) निडर, निर्भय ।

ਨਿਤਾਣਾ निताणा Nitāṇā [3] **वि०**
निस्तान (वि०) शिथिल, कमजोर ।

ਨਿਤਾਪ੍ਰਤਿ निताप्रति Nitāprati [3] **अ०**
नित्यप्रति (अ०) प्रतिदिन, निशदिन ।

ਨਿਤਾਰਨਾ नितार्ना Nitārnā [3] **सक० क्रि०**
निस्तारयति (चुरादि सक०) निथारना, निचोड़ना; निस्तार करना ।

ਨਿੱਤ नित्त् Nitt [3] **क्रि० वि०**
नित्य (क्रि० वि०) नित्य, सदा ।

ਨਿਥਾਂਵਾਂ निथावाँ Nithāvā̃ [3] **वि०**
निस्स्थान (वि०) स्थान-हीन, आश्रय-रहित ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿੰਦਣਾ निन्द्णा Nindṇā [3] सक० क्रि०
निन्दति (भ्वादि सक०) निन्दा करना, बुराई करना।

ਨਿੰਦਨੀ निन्द्नी Nindnī [3] वि०
निन्दनीय (वि०) निन्दनीय, निन्दा करने योग्य।

ਨਿੰਦਰ निन्दर् Nindar [1] स्त्री०
निद्रा (स्त्री०) नींद, निद्रा, स्वाप।

ਨਿਦਰਾ निद्रा Nidrā [1] स्त्री०
निद्रा (स्त्री०) नींद, स्वाप।

ਨਿੰਦਰਾ निंद्रा Nindrā [1] स्त्री०
द्र०—ਨੀਂਦ।

ਨਿਦਰਾਲਾ निद्राला Nidrālā [1] पुं०
निद्रालु (वि०) निद्रालु, उनींदा, जिसे नींद आ रही हो।

ਨਿਦਰਾਲੂ निद्रालू Nidrālū [3] वि०
द्र०—ਨਿਦਰਾਲਾ।

ਨਿੰਦਾ निन्दा Nindā [3] स्त्री०
निन्दा (स्त्री०) निन्दा, बुराई।

ਨਿੰਦਿਆ निंदिआ Nindiā [3] स्त्री०
निन्दा (स्त्री०) निन्दा, बुराई।

ਨਿੰਦਿਤ निन्दित् Nindit [3] वि०
निन्दित (वि०) निन्दित, निन्दा से युक्त।

ਨਿਦਿਰਿਸ਼ਟ निदिरिषट् Nidirisat [3] वि०
नदृष्ट (वि०) अदृष्ट, अनदेखा।

ਨਿਦੋਸਾ निदोसा Nidosā [3] पुं०
निर्दोष (वि०) निर्दोष, कलंक रहित।

ਨਿਧ निध् Nidh [3] पुं०
निधि (पुं०) निधि, भण्डार, खजाना।

ਨਿਧਾਨ निधान् Nidhān [3] पुं०
निधान (नपुं०) निधान, भण्डार, खजाना; स्थित होने का भाव।

ਨਿਧਿਆਸਨ निध्यासन् Nidhyāsan [3] स्त्री०
निदिध्यासन (नपुं०) बार-बार चित्त-वृत्ति को ध्यान में लाने की क्रिया।

ਨਿਧਿਰਾ निधिरा Nidhirā [3] वि०
निर्धार/निर्धर (वि०) निष्पक्ष, निर्गुट।

ਨਿਧੀ निधी Nidhī [3] पुं०
निधि (पुं०) निधि, भण्डार, खजाना।

ਨਿਨਾਣ निनाण् Ninān [3] स्त्री०
द्र०—ਨਣਦ।

ਨਿਪਟਣਾ निपट्णा Nipaṭṇā [3] पुं०
निवर्तन (नपुं०) निवृत्त होना, छुट्टी पाना; समाप्त होना।

ਨਿਪੱਤਰ निपत्तर् Nipattar [3] वि०
निष्पत्र (वि०) पत्र-रहित, बेपात।

ਨਿਪੁੰਸਕ निपुंसक् Nipunsak [3] पुं०
नपुंसक (नपुं०) नपुंसक, हिजड़ा, नामर्द।

ਨਿਪੁੱਤ निपुत्त् Niputt [3] पुं०
निष्पुत्र (वि०) पुत्र-हीन, पुत्र-रहित।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਪੁੱਤਰ निपुत्तर् Niputtar [3] पुं०
निष्पुत्र (वि०) पुत्र हीन, पुत्र-रहित ।

ਨਿਪੁੰਨ निपुन्न् Nipunn [3] वि०
निपुण (वि०) निपुण, प्रवीण, कार्य-कुशल ।

ਨਿਪੁੰਨਤਾ निपुन्नता Nipunntā [3] स्त्री०
निपुणता (स्त्री०) नपुणता, प्रवीणता ।

ਨਿਪੰਗ निपंग् Nipaṅg[3] वि०
निष्पङ्क (वि०) पंक-रहित, स्वच्छ ।

ਨਿਫਲ निफल् Niphal [3] वि०
निष्फल (वि०) निष्फल, जिसका फल न हो, व्यर्थ ।

ਨਿੰਬਲ निम्बल् Nimbal [3] वि०
निर्मल (वि०) निर्मल, उज्ज्वल, साफ ।

ਨਿਬਾਹ निबाह् Nibāh [3] पुं०
निर्वाह (पुं०) सम्पादन; समापन, परिपूर्त्ति ।

ਨਿਬਾਹੁਣਾ निबाहुणा Nibāhuṇā [3] सक० क्रि०
निर्वाहयति (चुरादि सक०) निर्वाह करना, निभाना; सम्पादन करना ।

ਨਿੰਬੂ निंबू Nibū [3] पुं०
निम्बू (पुं०/नपुं०) पुं०—नींबू का वृक्ष । नपु०—नींबू का फल ।

ਨਿਬੇੜਨਾ निबेड़्ना Niberṇā [3] सक० क्रि०
निर्वर्तयति (चुरादि सक०) निष्पन्न करना ।

ਨਿਬੰਧ निबन्ध् Nibandh [2] पुं०
निबन्ध (पुं०) निबन्ध, लेख ।

ਨਿੱਬੜਨਾ निब्बड़्ना Nibbaṛnā [3] अक० क्रि०
निर्वर्तते (भ्वादि अक०) निष्पन्न होना ।

ਨਿਭਣਾ निभ्णा Nibhṇā [3] अक० क्रि०
निर्वहति (भ्वादि अक०) निभना, सम्पन्न होना ।

ਨਿਭਰਨਾ निभर्ना Nibharnā [3] वि०
निर्भ्रम (वि०) भ्रम-रहित, निर्भ्रान्त, असन्दिग्ध, निःसन्देह ।

ਨਿਭਾ निभा Nibhā [3] पुं०
निर्वाह (पुं०) निर्वाह, गुजारा, निभना ।

ਨਿਭਾਉ निभाउ Nibhāu [3] पुं०
निर्वाह (पुं०) निर्वाह, गुजारा; पालन ।

ਨਿਭਾਉਣਾ निभाउणा Nibhāuṇā [3] सक० क्रि०
निर्वाहयति (भ्वादि प्रेर०) निभाना, निबाहना, निर्वाह करना ।

ਨਿਭਾਗ निभाग् Nibhāg [3] पुं०
निर्भाग्य (वि०) अभागा, भाग्य-हीन ।

ਨਿਭਾਗਾ निभागा Nibhāgā [3] पुं०
द्र०—ਨਿਭਾਗ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਭਾਣਾ निभाणा Nibhāṇā [3] पुं०
निर्वाहण (नपुं०) निभाने का भाव, निर्वाह।

ਨਿੰਮ निम् Nimm [3] स्त्री०
निम्ब (पुं०) नीम का वृक्ष।

ਨਿਮਖ निमख् Nimakh [3] पुं०
निमिष (नपुं०) निमेष, एक क्षण का काल।

ਨਿਮਗਨ निमगन् Nimagan [3] वि०
निमग्न (वि०) निमग्न, लीन, डूबा हुआ।

ਨਿਮਨ निमन् Niman [3] वि०
निम्न (वि०) निम्न, नीचा।

ਨਿਮਨਾਂਕਿਤ निम्नांकित् Nimnākit [3] वि०
निम्नाङ्कित (वि०) निमांकित, नीचे लिखा।

ਨਿਮਰ निमर् Nimar [3] वि०
नम्र (वि०) नम्र, विनीत।

ਨਿਮਰਤਾ निमर्ता Nimartā [3] स्त्री०
नम्रता (स्त्री०) नम्रता, विनीतता।

ਨਿਮਰਤਾਈ निमर्ताई Nimartāī [1] स्त्री०
द्र०—ਨਿਮਰਤਾ।

ਨਿਮਾਣ निमाण् Nimāṇ [3] पुं०
नीप (पुं०) निचली भूमि, निम्न भूमि, गहरी जमीन; निम्न तल, घाटी।

ਨਿਮਾਣਾ निमाणा Nimāṇā [3] वि०
निर्मान (वि०) निरभिमान, अभिमान-रहित।

ਨਿਮਿੱਤ निमित्त् Nimitt [3] पुं०
निमित्त (नपुं०) निमित्त, हेतु, कारण।

ਨਿਮੰਤ੍ਰਣ निमन्त्रण् Nimantraṇ [3] पुं०
निमन्त्रण (नपुं०) निमन्त्रण, बुलावा।

ਨਿਯੁਕਤ नियुकत् Niyukat [3] पुं०
नियुक्त (वि०) अच्छी तरह जोड़ा गया; किसी काम में लगाया गया।

ਨਿਯੁਕਤੀ नियुक्ती Niyuktī [3] स्त्री०
नियुक्ति (स्त्री०) नियुक्ति, नियोजन।

ਨਿਰਉਦੱਮੀ निर्उदम्मी Nirudammī [3] वि०
निरुद्यमिन् (वि०) उद्यम से रहित, आलसी।

ਨਿਰ-ਅਪਰਾਧ निर्-अप्राध् Nir-Aprādh [3] वि०
निरपराध (वि०) निरपराध, अपराध-रहित, निर्दोष।

ਨਿਰਖ निरख् Nirakh [3] स्त्री०
निरीक्षा (स्त्री०) निरखा, पहचान; खोज, तलाश।

ਨਿਰਖਣਾ निरख्णा Nirakhṇā [3] सक० क्रि०
निरीक्षते (भ्वादि सक०) निरीक्षण करना, देखना; ढूँढना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਰੱਖਰ निरक्खर् Nirakkhar [3] वि०
निरक्षर (वि०) निरक्षर, अक्षर ज्ञान से वंचित, अनपढ़ ।

ਨਿਰਗੁਣਿਆਰ निर्गुणिआर Nirguṇiār [3] वि०
निर्गुणक (वि०) निर्गुण, गुण-हीन ।

ਨਿਰਗੁਣਿਆਰਾ निर्गुणिआरा Nirguṇiārā [3] वि०
द्र०—ਨਿਰਗੁਣਿਆਰ ।

ਨਿਰਜੀਵ निर्जीव् Nirjīv [3] वि०
निर्जीव (वि०) निर्जीव, प्राण-रहित ।

ਨਿਰਜੋਗ निर्जोग् Nirjog [3] वि०
निर्योग (वि०) निर्लेप, अनासक्त, असंग ।

ਨਿਰਣਾ निर्णा Nirṇā [3] पुं०
निर्णय (पुं०) निर्णय, निश्चय ।

ਨਿਰਣਾਜਨਕ निर्णाजनक् Nirṇājanak [3] वि०
निर्णयजनक (वि०) निर्णयजनक, निश्चायक ।

ਨਿਰਣਿਤ निर्णित् Nirṇit [3] वि०
निर्णीत (वि०) निर्णीत, निश्चित ।

ਨਿਰਤ निरत् Nirat [3] पुं०
नृत्य (नपुं०) नृत्य, नाच ।

ਨਿਰਤਕ निर्तक् Nirtak [3] पुं०
नर्तक (वि०) नर्तक, नाचने वाला ।

ਨਿਰਦਇਤਾ निर्दइता Nirdaitā [3] स्त्री०
निर्दयता (स्त्री०) निर्दयता, कठोरता, क्रूरता ।

ਨਿਰਦਈ निर्दई Nirdaī [3] वि०
निर्दयिन् (वि०) निर्दयी, कठोर, क्रूर ।

ਨਿਰਦੈਤਾ निर्दैता Nirdaitā [1] स्त्री०
द्र०—ਨਿਰਦਇਤਾ ।

ਨਿਰਦੋਸ਼ निर्दोश् Nirdoś [3] पुं०
निर्दोष (वि०) निर्दोष, निरपराध ।

ਨਿਰਦੋਸ਼ਣ निर्दोशण् Nirdośaṇ [3] स्त्री०
निर्दोषिणी (स्त्री०) दोष रहित-स्त्री, निरपराधिन ।

ਨਿਰਦੋਖ निर्दोख् Nirdokh [3] पुं०
निर्दोष (वि०) निर्दोष, निरपराध ।

ਨਿਰਦੋਖਣ निर्दोखण् Nirdokhaṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਨਿਰਦੋਸ਼ਣ ।

ਨਿਰਦੋਖੀ निर्दोखी Nirdokhī [3] पुं०
निर्दोषिन् (वि०) निर्दोषी, निरपराधी ।

ਨਿਰਧਨ निर्धन् Nirdhan [3] वि०
निर्धन (वि०) निर्धन, गरीब ।

ਨਿਰਧਨਤਾ निर्धन्ता Nirdhantā [3] स्त्री०
निर्धनता (स्त्री०) निर्धनता, गरीबी ।

ਨਿਰਧਾਰਨਾ निर्धार्ना Nirdhārnā [3] सक० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

निर्धारयति (भ्वादि प्रेर०) निर्धारित करना, निश्चित करना।

ਨਿਰਧਾਰਿਤ निर्धारित् Nirdhārit [3] **वि०**
निर्धारित (वि०) निर्धारित, जिसका निर्धारण किया गया हो।

ਨਿਰਨਾ निर्ना Nirnā [3] **वि०**
निरन्न (वि०) अन्न नहीं खाने वाला, निराहार।

ਨਿਰਨੇ निर्ने Nirne [3] **क्रि० वि०**
निरन्नम् (नपुं०) निराहार, विना कुछ खाये पीये।

ਨਿਰਪ निरप् Nirap [1] **पुं०**
नृप (पुं०) नृप, राजा।

ਨਿਰਪੇਖ निर्पेख् Nirpekh [3] **वि०**
निरपेक्ष (वि०) निरपेक्ष; उदासीन, निष्पक्ष, मध्यस्थ।

ਨਿਰਪੱਖ निर्पक्ख् Nirpakkh [3] **वि०**
निष्पक्ष (वि०) निष्पक्ष, पक्षपात-रहित; निरपेक्ष।

ਨਿਰਪੱਖਤਾ निर्पक्खता Nirpakkhtā [3] **स्त्री०**
निष्पक्षता/निरपेक्षता (स्त्री०) निष्पक्षता, पक्षपात-राहित्य; निरपेक्षता, उदासीनता।

ਨਿਰਬਲ निर्बल् Nirbal [3] **वि०**
निर्बल (वि०) निर्बल, कमजोर।

ਨਿਰਬਾਹ निर्बाह् Nirbāh [3] **पुं०**
निर्वाह (पुं०) निर्वाह, गुजारा।

ਨਿਰਬੀਜ निर्बीज् Nirbīj [3] **वि०**
निर्बीज (वि०) बीज-रहित, कारण-हीन।

ਨਿਰਭਉ निर्भउ Nirbhau [3] **वि०**
निर्भय (वि०) निर्भय, भयरहित, निडर।

ਨਿਰਭਰ निर्भर् Nirbhar [3] **वि०**
निर्भर (वि०) निर्भर, आश्रित।

ਨਿਰਭਾਉ निर्भाउ Nirbhāu [3] **पुं०**
निर्वाह (पुं०) निर्वाह, गुजारा।

ਨਿਰਭੈ निर्भै Nirbhai [3] **वि०**
निर्भय (वि०) भय-रहित, निडर।

ਨਿਰਮਲ निर्मल् Nirmal [3] **वि०**
निर्मल (वि०) जिसमें मैल न हो, स्वच्छ; पाप-रहित।

ਨਿਰਮਲੀਆ निर्मलीआ Nirmalīā [3] **वि०**
निर्मल (वि०) मल-रहित, निर्मल; निर्मल सम्प्रदाय का सदस्य।

ਨਿਰਮਾਣ[1] निर्माण Nirmāṇ [3] **पुं०**
निर्माण (नपुं०) निर्माण, रचना।

ਨਿਰਮਾਣ[2] निर्माण् Nirmāṇ [3] **वि०**
निर्मान (वि०) निरभिमान, अभिमान-रहित।

ਨਿਰਮੁੱਲਾ निर्मुल्ला Nirmullā [3] **वि०**
निर्मूल्य (वि०) निर्मूल्य, अमूल्य।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਰਮੂਲ निर्मूल् Nirmūl [3] वि०
निर्मूल (वि०) मूल-रहित, कारण-रहित; निराधार, असत्य ।

ਨਿਰਮੋਹਾ निर्मोहा Nirmohā [3] पुं०
निर्मोह (वि०) निर्मोह, मोह-रहित; ज्ञानी; अनासक्त ।

ਨਿਰਰਥਕ निरर्थक् Nirarthak [3] वि०
निरर्थक (वि०) निरर्थक, व्यर्थ, निष्प्रयोजन ।

ਨਿਰਲੰਬ निर्लम्ब् Nirlamb [3] वि०
निर्लम्ब/निरालम्ब (वि०) अवलम्ब-हीन, आश्रय-रहित ।

ਨਿਰਲੇਪ निर्लेप् Nirlep [3] वि०
निर्लेप (वि०) निर्लिप्त, अनासक्त ।

ਨਿਰਵਾਸਨ निर्वासन् Nirvāsan [3] पुं०
निर्वासन (नपुं०) निर्वासन, निष्कासन; देश-निकाला ।

ਨਿਰਵਾਸਿਤ निर्वासित् Nirvāsit [3] वि०
निर्वासित (वि०) निर्वासित, निष्कासित, देश से निकाला हुआ ।

ਨਿਰਵਾਣ निर्वाण Nirvāṇ [3] पुं०
निर्वाण (नपुं०) निर्वाण, मोक्ष (बौद्धों की मोक्ष प्राप्ति का नाम) ।

ਨਿਰਵਿਕਾਰ निर्विकार् Nirvikār [3] वि०
निर्विकार (वि०) निर्विकार, विकार-हीन ।

ਨਿਰਵਿਖ निर्विख् Nirvikh [3] वि०
निर्विष (वि०) विष-रहित, बिना जहर ।

ਨਿਰਵਿਘਨ निर्विघन् Nirvighan [3] वि०
निर्विघ्न (वि०) विघ्न-रहित, बाधा-रहित ।

ਨਿਰਵੈਰ निर्वैर Nirvair [3] वि०
निर्वैर (वि०) वैर से मुक्त, शत्रुता से रहित ।

ਨਿਰਾ निरा Nirā [3] पुं०
निकर (पुं०) ढेर, राशि ।

ਨਿਰਾਸ निरास् Nirās [3] वि०
निराश (वि०) आशा-रहित, हताश ।

ਨਿਰਾਸਰਾ निरास्रा Nirāsrā [3] वि०
निराश्रय (वि०) आश्रय-हीन, अवलम्ब-रहित ।

ਨਿਰਾਸ਼ਾ निराशा Nirāśā [3] स्त्री०
निराशा (स्त्री०) निराशा, आशा का अभाव ।

ਨਿਰਾਹਾਰ निराहार् Nirāhār [3] वि०
निराहार (वि०) आहार से रहित, अन्न ग्रहण न करने वाला ।

ਨਿਰਾਧਾਰ निराधार् Nirādhār [3] वि०
निराधार (वि०) निराधार, निराश्रय, आधार-रहित ।

ਨਿਰਾਲਮ निरालम् Nirālam [2] वि०
निरालम्ब (वि०) निरालम्ब, बेसहारा ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਰੀਖਕ निरीखक् Nirīkhak [3] पुं०
निरीक्षक (वि०) निरीक्षक; तलाश करने वाला।

ਨਿਰੀਖਣ निरीखण् Nirīkhaṇ [3] पुं०
निरीक्षण (नपुं०) निरीक्षण; पहचान; तलाश।

ਨਿਰੁਕਤੀ निरुक्ती Nirukti [3] स्त्री०
निरुक्ति (स्त्री०) निरुक्ति, निर्वचन, व्याख्या; एक अलंकार।

ਨਿਰੂਪ निरूप् Nirūp [3] वि०
नीरूप (वि०) रूप से रहित, अरूप, निराकार।

ਨਿਰੂਪਣ निरूपण् Nirūpaṇ [3] पुं०
निरूपण (नपुं०) प्रतिपादन, वर्णन, विस्तृत कथन।

ਨਿਰੂਪਣਾ निरूप्णा Nirūpṇā [3] सक० क्रि०
निरूपयति (चुरादि सक०) निरूपण करना, बताना।

ਨਿਰੰਕਾਰ निरंकार् Nirańkār [3] वि०
निराकार (वि०) निराकार, आकार-रहित, निर्गुण ब्रह्म।

ਨਿਰੰਕਾਰੀ निरंकारी Nirańkārī [3] पुं०
निराकारिन् (वि० / पुं० / नपुं०) वि०—निरंकारी, निराकारी। पुं०—निरंकार पन्थ या उसका सदस्य। नपुं०—निर्गुण ब्रह्म।

ਨਿਰੰਕੁਸ਼ निरंकुश् Nirańkuś [3] वि०
निरङ्कुश (वि०) बन्धन-मुक्त, स्वतन्त्र; उद्दण्ड।

ਨਿਰੰਜਨ निरंजन् Nirañjan [3] पुं०
निरञ्जन (पुं०) निरञ्जन, माया-मुक्त, परब्रह्म।

ਨਿਰੰਤਰ निरन्तर् Nirantar [3] क्रि० वि०
निरन्तर (क्रि० वि०/वि०) क्रि० वि०—निरन्तर, सदा। वि०—व्यापक।

ਨਿਲੱਜ निलज्ज् Nilajj [3] वि०
निर्लज्ज (वि०) लज्जा-हीन, बेशर्म।

ਨਿਲੱਜਾ निलज्जा Nilajjā [3] पुं०
निर्लज्ज (वि०) निर्लज्ज, बेशर्म।

ਨਿਵਾਉਣਾ निवाउणा Nivāuṇā [3] सक० क्रि०
नमयति (भ्वादि प्रेर०) नवाना, झुकाना; नमन करना।

ਨਿਵਾਸ[1] निवास् Nivās [3] पुं०
निर्वास (पुं०) निर्वासन, बाहर निकालने का भाव।

ਨਿਵਾਸ[2] निवास् Nivās [3] पुं०
निवास (पुं०) निवास, रहने का भाव, रहना; घर, डेरा।

ਨਿਵਾਣ निवाण् Nivāṇ [3] पुं०
नीपस्थान (नपुं०) पर्वत की तलहटी, घाटी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਵਾਰਨਾ निवार्ना Nivārnā [3] सक० क्रि०
निवारयति (चुरादि सक०) निवारण करना; अलग करना; मुक्त करना।

ਨਿਵੇਦਨ निवेदन Nivedan [3] पुं०
निवेदन (नपुं०) निवेदन, प्रार्थना; सौंपने का भाव।

ਨਿਵ੍ਰਿੱਤੀ निव्रित्ती Nivritti [3] स्त्री०
निवृत्ति (स्त्री०) वापसी; समाप्ति; विरक्ति, संन्यास।

ਨੀਂਹ नींह Nīh [3] स्त्री०
नेमि (स्त्री०) भवन आदि की नींव; मूल भाग।

ਨੀਹਲ नीहल् Nīhal [1] वि०
नीच (वि०) निम्न, नीचा।

ਨੀਚ नीच् Nīc [3] वि०
नीच (वि०) नीचा, निम्न।

ਨੀਚਾ नीचा Nīcā [3] पुं०
द्र०—ਨੀਚ।

ਨੀਤੱਗ नीतग्ग् Nītagg [3] वि०
नीतिज्ञ (वि०) नीतिज्ञ, नीति-वेत्ता।

ਨੀਤੀ नीती Nītī [3] स्त्री०
नीति (स्त्री०) ले जाने की क्रिया; पथ-प्रदर्शन; राज्य की रक्षा के लिए काम में लायी जाने वाली युक्ति।

ਨੀਤੀ-ਵਾਕ नीती-वाक् Nīti-Vāk [3] पुं०
नीतिवाक्य (नपुं०) नीति के वाक्य, नीति-वचन।

ਨੀਤੀਵੇਤਾ नीतीवेता Nītivetā [3] पुं०
नीतिवेत्ता (वि० प्रथमान्त) नीति-वेत्ता, नीति का जानकार।

ਨੀਂਦ नींद् Nīd [3] स्त्री०
निद्रा (स्त्री०) नींद, निद्रा।

ਨੀਂਦਰ नींदर् Nīdar [3] स्त्री०
द्र०—ਨੀਂਦ।

ਨੀਂਦਰਾਇਆ नींद्राइआ Nīdrāiā [3] पुं०
निद्रालु (वि०) निद्रालु; सोने वाला, निद्रा-शील।

ਨੀਂਦਰਾਲਾ नींद्राला Nīdrālā [3] पुं०
द्र०—ਨੀਂਦਰਾਇਆ।

ਨੀਂਦਰਾਵਲਾ नींद्रावला Nīdrāvlā [3] पुं०
द्र०—ਨੀਂਦਰਾਇਆ।

ਨੀਂਦੜੀ नींद्ड़ी Nīdṛī [1] स्त्री०
निद्रा (स्त्री०) नींद, निद्रा, स्वाप।

ਨੀਰਸ नीरस् Nīras [3] वि०
नीरस (वि०) नीरस, रस-रहित।

ਨੀਰਸਤਾ नीरस्ता Nīrastā [3] स्त्री०
नीरसता (स्त्री०) नीरसता, शुष्कता।

ਨੀਰਾ नीरा Nīrā [3] पुं०
नीर (नपुं०) नीर, पानी, जल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨੀਲ नील् Nīl [3] पुं०
नील (नपुं०) वस्त्रों में लगाने का नील-पदार्थ।

ਨੀਲਕੰਵਲ नील्कँवल् Nīlcāval [3] पुं०
नीलकमल (नपुं०) नीलकमल, नीले वर्ण का कमल।

ਨੀਲਗਊ नील्गऊ Nīlgaū [3] स्त्री०
द्र०—ਨੀਲਗਾਂ।

ਨੀਲਗਰ नील्गर् Nīlgar [3] पुं०
नीलकार (वि०) रंगरेज, कपड़े रंगना जिसका व्यवसाय हो।

ਨੀਲਗਰੀ नील्गरी Nīlgarī [3] पुं०
नीलकारीय (नपुं०) रंगरेज का काम या व्यवसाय।

ਨੀਲਗਾਂ नील्गाँ Nīlgā̃ [3] स्त्री०
नीलगो (स्त्री०) नील गाय, पशु-विशेष।

ਨੀਲਮਣੀ नील्मणी Nīlmaṇī [3] स्त्री०
नीलमणि (पुं०) नीलमणि; नीलम पत्थर।

ਨੀਲਾ नीला Nīlā [3] वि०
नील (वि०) नीला, नीले वर्ण वाला।

ਨੀਲਾਰਣ नीलारण् Nīlāraṇ [3] स्त्री०
नीलकारिणी/नीलकारी (स्त्री०) रँगरेज स्त्री; रँगरेज की स्त्री।

ਨੀਲਾਰਨੀ नीलार्नी Nīlārnī [3] स्त्री०
द्र०—ਨੀਲਾਰਣ।

ਨੀਲਾਰੀ नीलारी Nīlārī [3] स्त्री०
द्र०—ਨੀਲਾਰਣ।

ਨੀਵਾਂ[1] नीवाँ Nīvā̃ [3] पुं०।
नीप (पुं०) निम्न वर्ण, नीच जाति।

ਨੀਵਾਂ[2] नीवाँ Nīvā̃ [3] वि०
निम्न (वि०) निम्न, नीचे का।

ਨੁਹਾਉਣਾ नुहाउणा Nuhāuṇā [3] सक० क्रि०
स्नपयति (अदादि प्रेर०) नहलाना, स्नान कराना।

ਨੁਹਾਲਣਾ नुहाल्णा Nuhāḷṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਨੁਹਾਉਣਾ।

ਨੁਹੌਣਾ नुहौणा Nuhauṇā [1] सक० क्रि०
द्र०—ਨੁਹਾਉਣਾ।

ਨੁਚੜਨਾ नुचड़्ना Nucaṛnā [3] सक० क्रि०
निश्च्योत्यते (भ्वादि कर्मवाच्य क्रि०) निचुड़ना, रस का निकल जाना।

ਨੁੱਚੜਨਾ नुच्चड़्ना Nuccaṛnā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਨੁਚੜਨਾ।

ਨੁਰਾੱਤਾ नुरात्ता Nurattā [1] पुं०
द्र०—ਨਰਾੱਤਾ।

ਨੁਰਾਤ੍ਰਾ नुरात्रा Nurātrā [1] पुं०
द्र०—ਨਰਾੱਤਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨੁਲਹਾਉਣਾ नुल्हाउणा Nulhāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਨੁਹਾਉਣਾ ।

ਨੂੰਹ नूँह् Nūh [3] स्त्री०
स्नुषा (स्त्री०) पुत्रवधू, पुत्र की पत्नी ।

ਨੂਣ नूण् Nūṇ [3] पुं०
लवण (नपुं०) नमक, लोन ।

ਨੂਤਨ नूतन् Nūtan [3] वि०
नूतन (वि०) नूतन, नया ।

ਨੂਨ नून् Nūn [1] पुं०
द्र०—ਨੂਣ ।

ਨੂਪੁਰ नूपुर् Nūpur [3] स्त्री०
नुपुर (नपुं०) नूपुर, पायल ।

ਨੇਸਤੀ नेस्ती Nestī [3] वि०
निःसत्त्व (वि०) अस्तित्व-हीन; निर्बल ।

ਨੇਹੀ नेही Nehī [1] वि०
स्नेहिन् (वि०) स्नेही, चिक्कण, स्निग्ध; प्रेमी ।

ਨੇਹੁ नेहु Nehu [3] स्त्री०
स्नेह (पुं०) नेह, स्नेह, प्रेम ।

ਨੇਹੂੰ नेहूँ Nehū [3] स्त्री०
द्र०—ਨੇਹੁ ।

ਨੇਣਾ नेणा Neṇā [1] सक० क्रि०
नयति (भ्वादि सक०) रास्ता दिखाना; ले जाना, पहुँचाना; ढोना ।

ਨੇਤਕ नेतक् Netak [2] वि०
नैत्यिक (वि०) नित्य का, प्रतिदिन का, नियमित रूप से अनुष्ठेय ।

ਨੇਤਕੀ नेत्की Netakī [2] वि०
द्र०—ਨੇਤਕ ।

ਨੇਤਰ नेतर् Netar [3] स्त्री०
नेत्र (नपुं०) नेत्र, आँख ।

ਨੇਤਰਾ नेत्रा Netrā [3] पुं०
नेत्र (नपुं०) मथानी की रस्सी ।

ਨੇਤਾ नेता Netā [3] वि०
नेतृ (वि०) नेता, पथ-प्रदर्शक ।

ਨੇਤ੍ਰਾ नेत्रा Netrā [3] पुं०
नेत्र (नपुं०) मथानी की रस्सी ।

ਨੇਪੱਥ नेपत्थ् Nepatth [3] पुं०
नेपथ्य (नपुं०) नेपथ्य, रंगमंच के पर्दे के पीछे का भाग ।

ਨੇਂਬੂ नेम्बू Nembū [3] पुं०
द्र०—ਨਿੰਬੂ ।

ਨੇਮ नेम् Nem [3] पुं०
नियम (पुं०) नियम, विधान; बँधा हुआ क्रम ।

ਨੇਮਾਵਲੀ नेमाव्ली Nemāvlī [3] स्त्री०
नियमावली (स्त्री०) नियमावली, नियमों की पुस्तक ।

ਨੇਵਰ नेवर् Nevar [2] स्त्री०
नूपुर (नपुं०) पायल, पायजेब ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨੇੜਾ नेड़ा Neṛā [3] अ०
निकटता (स्त्री०) निकटता, सामीप्य।

ਨੇੜੇ नेड़े Neṛe [3] क्रि० वि०
निकट (क्रि० वि०) निकट, समीप, पास।

ਨੈ नै Nai [3] स्त्री०
नदी (स्त्री०) नदी, सरिता।

ਨੈਣ[1] नैण् Naiṇ [3] पुं०
नयन (नपुं०) नयन, नेत्र, आँख।

ਨੈਣ[2] नैण् Naiṇ [3] स्त्री०
नापिती (स्त्री०) नाई की पत्नी, नाईन।

ਨੈਰਤ नैरत् Nairat [3] स्त्री०
नैर्ऋती (स्त्री०) नैर्ऋत्य-कोण, दक्षिण-पश्चिम का कोना।

ਨੌ नौ Nau [3] वि०
नव (वि०) नवीन, नया।

ਨੌਂ नौं Naū [3] वि०
नवन् (वि०) नव संख्या (9), नौ।

ਨੌਕਾ नौका Naukā [3] स्त्री०
नौका (स्त्री०) नौका, नाव।

ਨੌਣੀ नौणी Nauṇī [1] स्त्री०
नवनीत (नपुं०) नवनीत, मक्खन।

ਨੌਂਥੇਹ नौंथेह् Naūtheh [3] पुं०
नामस्थान (नपुं०) पता-ठिकाना।

ਨੌਂਦੁਆਰ नौंदुआर् Naūduār [3] पुं०
नवद्वार (नपुं०) शरीर आदि के नव द्वार; नौ छिद्र।

ਨੌਨਿਧ नौनिध् Naunidh [3] स्त्री०
नवनिधि (पुं०) नव निधि, नौ प्रकार की संपत्तियाँ।

ਨੌਰਸ नौरस् Nauras [3] पुं०
नवरस (पुं०) नवरस, नया रस; शृंगारादि नौ रस।

ਨੌਰਾਤਰੇ नौरात्रे Naurātre [3] पुं०
द्र०—ਨੌਰਾਤਾ।

ਨੌਰਾਤਾ नौराता Naurātā [3] पुं०
नवरात्र (नपुं०) नवरात्र, आश्विन और चैत्र शुक्ल पक्ष के प्रारम्भ के नव दिन।

ਨੌਵਾਂ नौवाँ Nauvā̃ [3] पुं०
नवम (वि०) नवम, नौवाँ।

ਨੌਵੀਂ नौवीं Nauvī [3] स्त्री०
नवमी (स्त्री०) नवमी तिथि; नौवीं।

ਨੰਗ नंग् Naṅg [3] पुं०
नग्न (वि०) नंगा; गरीब; नंगा साधु।

ਨੰਗਾ नंगा Naṅgā [3] पुं०
नग्न (वि०) नंगा, निर्वस्त्र।

ਨੰਦੂ नन्दू Nandū [3] वि०
नन्दित (वि०) आनन्दित, प्रसन्न।

ਨੰਦੋ नन्दो Nando [3] स्त्री०
आनन्दिता (स्त्री०) आनन्द युक्त स्त्री, प्रसन्न स्त्री।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨੰਦੋਈ नंदोई Nandoī [3] पुं०
द्र०—ਨੰਦੋਈਆ ।

ਨੰਦੋਈਆ नँदोइआ Nādoiā [3] पुं०
ननान्दृपति (पुं०) ननदोई, ननद का पति ।

ਨੰਨਾ नन्ना Nannā [3] अ०
न न (अ०) कदापि नहीं ।

ਨੰਨ੍ਹਾ नन्हा Nannhā [3] पुं०
श्लक्ष्ण (वि०) नन्हाँ, छोटा ।

ਨ੍ਰਿਤ ऋित् Nrit [3] पुं०
नृत्य (नपुं०) नृत्य, नाच ।

ਪ

ਪਉਆ[1] पउआ Pauā [3] पुं०
पादुका (स्त्री०) चरण-पादुका, खड़ाऊँ; पाव, चतुर्थांश ।

ਪਉਆ[2] पउआ Pauā [3] पुं०/वि०
प्रस्थ (पुं०/वि०) एक पाव का माप, एक पाव (कोई वस्तु ।)

ਪਇਆਣਾ पइआणा Paiāṇā [2] पुं०
प्रयाण (नपुं०) प्रयाण, चले जाने का भाव, कूच करने या आक्रमण करने का भाव ।

ਪਸਚਾਤਾਪ पस्चाताप् Pascātāp [3] पुं०
पश्चात्ताप (पुं०) पश्चात्ताप, पछतावा, आत्म-ग्लानि ।

ਪਸਮਾਉਣਾ पस्माउणा Pasmāuṇā [3] प्रेर० क्रि०
प्रस्रावयति (भ्वादि प्रेर०) टपकाना, चुलाना ।

ਪਸਰਨਾ पसर्ना Pasarnā [3] अक० क्रि०
प्रसरति (भ्वादि अक०) पसरना, फैलना ।

ਪਸਰਾਉ पस्राउ Pasrāu [3] पुं०
प्रसार (पुं०) प्रसार, फैलाव, विस्तार ।

ਪਸਰਾਉਣਾ पस्राउणा Pasrāuṇā [3] सक० क्रि०
प्रसारयति (भ्वादि प्रेर०) प्रसार करना, फैलाना ।

ਪਸਾਉ पसाउ Pasāu [2] पुं०
द्र०—ਪਸਰਾਉ ।

ਪਸਾਉਣਾ पसाउणा Pasāuṇā [2] सक० क्रि०
प्रस्रावयति (भ्वादि प्रेर०) भात आदि पसाना; जल आदि चुलाना ।

ਪਸਾਰ पसार् Pasār [3] पुं०
प्रसार/प्रसर (पुं०) विस्तार, फैलाव ।

ਪਸਾਰਨਾ पसार्ना Pasārnā [3] क्रि०
प्रसारयति (भ्वादि प्रेर०) प्रसार करना, फैलाना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਸਾਰਾ पसारा Pasārā [3] पुं०
प्रसार (पुं०) पसारा, फैलाव, विस्तार।

ਪਸੀਨਾ पसीना Pasīnā [3] पुं०
प्रस्वेद (पुं०) अधिक पसीना।

ਪੱਸਰਣਾ पस्सर्णा Passarṇā [1] अक० क्रि०
द्र०—ਪਸਰਨਾ।

ਪੱਸਰਵਾਂ पस्सर्वाँ Passarvā̃ [3] वि०
प्रसृत (वि०) बिखरा हुआ, फैला हुआ।

ਪੱਸਲੀ पस्स्ली Passlī [3] स्त्री०
पर्शु (पुं०) पसली, पार्श्वास्थि, पाँजर।

ਪਹਾ पहा Pahā [3] पुं०
पथिन् (पुं०) पथ, मार्ग, रास्ता, पगडण्डी।

ਪਹਿਆ पहिआ Pahiā [3] पुं०
पथिन् (पुं०) मार्ग, रास्ता; सड़क; कच्चा रास्ता, पगडण्डी।

ਪਹਿਚਾਨ पहिचान् Pahicān [3] स्त्री०
प्रतिज्ञान (नपुं०) पहिचान, परिचय, जानकारी।

ਪਹਿਰ पहिर् Pahir [3] पुं०
प्रहर (पुं०) पहर, अहोरात्र का 1/8वाँ भाग, 3 घण्टे का समय; पहरा, चौकसी; रक्षा।

ਪਹਿਰਾਉਣਾ पहिराउणा Pahirāuṇā [3] सक० क्रि०
परिधापयति (जुहोत्यादि प्रेर०) पहनाना, पहनने की प्रेरणा देना।

ਪਹਿਲ पहिल् Pahil [3] वि०
प्रथम (वि०) पहिला, प्रथम।

ਪਹਿਲਾ पहिला Pahilā [3] पुं०
प्रथम (वि०) पहला, प्रथम।

ਪਹੀਆ पहिआ Pahiā [3] वि०
पथिक (वि०) पथिक, राही।

ਪਹੇਲੀ पहेली Paheli [3] स्त्री०
प्रहेलिका (स्त्री०) पहेली, बुझौअल।

ਪਕਣਾ पक्णा Pakṇā [3] पुं०
पचन (नपुं०) पकने की क्रिया, पकना।

ਪਕਵਾਨ पक्वान् Pakvān [3] पुं०
पक्वान्न (नपुं०) पका हुआ अन्न, घी से निर्मित खाने की वस्तु।

ਪਕਾਉ पकाउ Pakāu [3] पुं०
पाक (पुं०) पाक, पकने का भाव।

ਪਕਾਉਣਾ पकाउणा Pakāuṇā [3] सक० क्रि०
पाचयति (भ्वादि प्रेर०) पकाना, पकाने की प्रेरणा देना।

ਪਕੌੜੀ पकौड़ी Pakauṛī [3] स्त्री०
पक्ववटी (स्त्री०) पकौड़ी, तेल अथवा घी से पकी हुई बड़ी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੱਕ पक्क् Pakk [3] वि०
पक्व (वि०) पका हुआ; पक्का, प्रौढ; निर्णीत।

ਪੱਕਣਾ पक्कणा Pakkṇā [3] अक० क्रि०
पच्यते (भ्वादि कर्म वाच्य) पकना, पाक होना।

ਪੱਕਾ पक्का Pakkā [3] पुं०
पक्व (वि०) पका हुआ; पक्का, प्रौढ; निर्णीत।

ਪਖਵਾੜਾ पख्वाड़ा Pakhvāṛā [3] पुं०
द्र०—ਪੱਖ।

ਪਖਾਣ पखाण् Pakhāṇ [3] पुं०
पाषाण (पुं०) पाषाण, पत्थर।

ਪਖਾਣਾ पखाणा Pakhāṇā [1] पुं०
प्रख्यान (नपुं०) कहावत, उपाख्यान।

ਪਖਾਵਜ पखावज् Pakhāvaj [3] पुं०
पक्षवाद्य (नपुं०) पखावज बाजा।

ਪਖੰਡ पखण्ड् Pakhaṇḍ [3] पुं०
पाषण्ड/पाखण्ड (पुं०) पाखण्ड, ढोंग, आडम्बर; छल।

ਪਖੰਡਣ पखण्डण् Pakhaṇḍaṇ [3] स्त्री०
पाषण्डिनी/पाखण्डिनी (स्त्री०) पाखण्डी स्त्री, धूर्त नारी।

ਪਖੰਡੀ पखण्डी Pakhaṇḍī [3] पुं०
पाखण्डिन् (वि०) पाखण्डी पुरुष, धूर्त।

ਪੱਖ पक्ख् Pakkh [3] पुं०
पक्ष (पुं०) दल, गुट; पक्ष, 15 दिनों का समय (शुक्ल पक्ष/कृष्ण पक्ष)।

ਪੱਖਪਾਤ पक्खपात् Pakkhpāt [3] पुं०
पक्षपात (पुं०) पक्षपात, भेद-दृष्टि, तरफदारी।

ਪੱਖਪਾਤੀ पक्खपाती Pakkhpātī [3] पुं०
पक्षपातिन् (वि०) पक्षपाती, तरफदार।

ਪੱਖਪੂਰਤੀ पक्खपूर्ती Pakkhpūrtī [3] स्त्री०
पक्षपूर्ति (स्त्री०) पक्षपात करने का भाव।

ਪੱਖਵਾਦ पक्खवाद् Pakkhvād 3] पुं०
पक्षवाद (पुं०) पक्षपात, पक्ष-विशेष का कथन।

ਪੱਖਵਾਦੀ पक्खवादी Pakkhvādī [3] वि०
पक्षवादिन् (वि०) पक्षपाती, पक्ष-विशेष का कथन करने वाला।

ਪੱਖਾ पक्खा Pakkhā [3] पुं०
पक्ष (पुं०) पंख; पंखा।

ਪੱਖੀ[1] पक्खी Pakkhī [3] वि०
पक्षिन् (वि०) किसी एक पक्ष से संबन्धित।

ਪੱਖੀ[2] पक्खी Pakkhī [1] स्त्री०
पक्षिन् (पुं०) चिड़िया, पक्षी, पंखी।

ਪਗ पग् Pag [3] पुं०
पद (पुं०) पग, पाद, पैर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਪਚਣਾ पच्णा Pacṇā [3] पुं०
पचन (नपुं०) पचना, भक्षित अन्न के पचने का भाव।

ਪਚਵੰਝਾ पच्वंझा Pacvañjhā [3] वि०
पञ्चपञ्चाशत् (स्त्री०) पचपन; 55 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪਚਾਉਣਾ पचाउणा Pacāuṇā [3] सक० क्रि०
पाचयति (भ्वादि प्रेर०) पचाना, खाये हुए अन्न का परिपाक करना; पकाना, पाक की प्रेरणा देना।

ਪਚਾਸੀ पचासी Pacāsī [3] वि०
पञ्चाशीति (स्त्री०) पचासी; 85 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪਚਾਂਗ पचाँग् Pacãg [3] पुं०
पञ्चाङ्क (पुं०) पाँच अंक।

ਪਚਾਨਵੇਂ पचान्वे Pacānvẽ [3] वि०
पञ्चनवति (स्त्री०) पंचानवें; 95 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪੱਚੀ पच्ची Pacci [3] वि०
पञ्चविंशति (स्त्री०) पच्चीस; 25 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪਛਤਾਉਣਾ पछ्ताउणा Pachtāuṇā [3] अक० क्रि०
पश्चात्तपति (भ्वादि अक०) पछताना, पश्चात्ताप करना।

ਪਛਤਾਵਾ पछ्तावा Pachtāvā [3] पुं०
पश्चात्ताप (पुं०) पछतावा, अफसोस।

ਪਛਾਣਨਾ पछाण्ना Pachāṇṇā [3] सक० क्रि०
प्रत्यभिजानाति (क्र्यादि सक०) पहचानना, अनुस्मरण करना।

ਪਛਾੜੀ पछाड़ी Pachāṛī [3] स्त्री०
पश्चार्ध (वि०) पीछे वाला भाग, अपरार्ध, शेषार्ध; पश्चिमी भाग।

ਪੱਛਮ पच्छम् Paccham [3] पुं०
पश्चिम (पुं०) पश्चिम दिशा।

ਪੱਛੀ पच्छी Pacchī [3] स्त्री०
पक्षिन् (पुं०) पक्षी, चिड़िया।

ਪੱਛੋਂ पच्छों Pacchõ [3] पुं०
पश्चिमा (स्त्री०) पश्चिम दिशा, पश्चिम दिशा से आने वाली हवा, पछुवा हवा।

ਪਜੌਣਾ पजौणा Pajauṇā [1] वि०
द्र०—ਪੰਜੌਣਾ।

ਪਟ पट् Paṭ [3] पुं०
पट्ट (नपुं०) पटरा, तख्ता।

ਪਟਨ पटन् Paṭan [2] पुं०
पत्तन (नपुं०) नगर, पुर, शहर।

ਪਟਰਾਣੀ पट्राणी Paṭraṇī [3] स्त्री०
पट्टराज्ञी (स्त्री०) पटरानी, राजा की धर्मपत्नी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਟਵਾਰਨ पट्वारन् Paṭvāran [3] स्त्री०
पट्टधारिणी (स्त्री०) पटवारी की स्त्री।

ਪਟਾ पटा Paṭā [3] पुं०
पट्ट (नपुं०) धारीदार वस्त्र।

ਪਟਾਰ पटार् Paṭār [3] पुं०
पिटक > पेट्टार (पुं०, नपुं०) पिटारी, टोकरी, पेटी।

ਪਟਾਰਾ पटारा Paṭārā [3] पुं०
द्र०—ਪਟਾਰ।

ਪਟਾਰੀ पटारी Paṭārī [3] स्त्री०
द्र०—ਪਟਾਰ।

ਪਟੋਕੀ पटोकी Paṭokī [3] स्त्री०
चपेटिका (स्त्री०) चपेड़, थप्पड़।

ਪੱਟ पट्ट् Paṭṭ [3] पुं०
पट्ट (पुं०, नपुं०) रेशम का वस्त्र, रेशमी कपड़ा।

ਪੱਟਾ पट्टा Paṭṭā [1] पुं०
पट्ट (पुं०, नपुं०) श्यामपट्ट; फट्टा।

ਪੱਟੀ पट्टी Paṭṭī [3] स्त्री०
पट्टी (स्त्री०) लिखने की पट्टिका, तख्ती; घाव बाँधने की पट्टी; लम्बा कपड़ा।

ਪਠਾਉਣਾ पठाउणा Paṭhāuṇā [3] सक० क्रि०
प्रस्थापयति (भ्वादि प्रेर०) पठाना, भेजना।

ਪਠਾਣਾ पठाणा Paṭhāṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਪਠਾਉਣਾ।

ਪੱਠਾ पट्ठा Paṭṭhā [3] पुं०
पुष्ट (वि०) पुष्ट, मजबूत, पट्ठा।

ਪਡੋਲ पडोल् Paḍol [3] पुं०
पटोल (पुं०) परवल-सब्जी।

ਪੱਡ पड्ड् Paḍḍ [2] पुं०
पर्द (पुं०) अपान वायु, पाद।

ਪਤਨੀ पत्नी Patnī [3] स्त्री०
पत्नी (स्त्री०) पत्नी, भार्या।

ਪਤਲਾ पत्ला Patlā [3] वि०
प्रतनु (वि०) पतला, कृश।

ਪਤਾਕਨੀ पताक्नी Patāknī [3] स्त्री०
पताकिनी (स्त्री०) पताका रखने वाली सेना, फौज।

ਪਤਾਲੂ पतालू Patālū [3] वि०
पतयालु (वि०) पतनशील, गिरने योग्य।

ਪਤਿਆਉਣਾ पत्याउणा Patyāuṇā [3] क्रि०
प्रत्याययति (भ्वादि प्रेर०) विश्वास दिलाना, प्रतीति कराना; भरोसा देना।

ਪਤਿਆਰ पत्यार् Patyār [1] पुं०
प्रत्यय (पुं०) विश्वास, प्रतीति, भरोसा; ज्ञान, समझ।

ਪਤਿਆਰਾ पत्यारा Patyārā [1] पुं०
प्रत्यय (पुं०) विश्वास, यकीन; प्रतीति, ज्ञान।

ਪਤਿਤ पतित् Patit [3] वि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

पतित (वि०) पतित, गिरा हुआ; नीच, अधम।

ਪਤੀ पती Patī [3] पुं०
पति (पुं०) पति, स्वामी।

ਪਤੀਜਣਾ पतीज्णा Patījṇā [3] सक० क्रि०
प्रत्येति (अदादि सक०) विश्वास करना, प्रतीति करना; जानना, समझना।

ਪਤੀਬਰਤਾ पतीबर्ता Patībartā [3] स्त्री०
पतिव्रता (स्त्री०) पतिव्रता, पतिपरायणा।

ਪਤੰਦਰ पतन्दर् Patandar [3] पुं०
पत्यन्तर (नपुं०) बलपूर्वक बना पति, दूसरा पति।

ਪੱਤ पत्त् Patt [3] पुं०
पत्र (नपुं०) पत्ता, पात।

ਪੱਤਣ पत्तण् Pattaṇ [3] पुं०
पत्तन (नपुं०) नगर; बन्दरगाह।

ਪੱਤਰ पत्तर् Pattar [3] पुं०
पत्र (नपुं०) पत्र, पत्ता; पत्र, चिट्ठी।

ਪੱਤਰਕਾ पत्तर्का Pattarkā [3] स्त्री०
पत्रिका (स्त्री०) पत्रिका; छोटा लेख या पत्र।

ਪੱਤਰ-ਵਿਹਾਰ पत्तर्-विहार् Pattar-Vihār [3] पुं०
पत्रव्यवहार (पुं०) पत्रव्यवहार, पत्राचार।

ਪੱਤਰਾ पत्त्रा Pattrā [3] पुं०
पत्र (नपुं०) पत्र, पत्ता; धातु की पतली चादर।

ਪੱਤਰੀ पत्त्री Pattrī [3] स्त्री०
पत्री (स्त्री०) जन्मपत्री, जन्मकुण्डली; धातु की पतली चादर।

ਪੱਤਲ पत्तल् Pattal [3] स्त्री०
पत्रल (नपुं०) पत्तल, पत्ते का बना भोजन-पात्र।

ਪੱਤਾ पत्ता Pattā [3] पुं०
पत्र (नपु०) पत्ता, पात।

ਪੱਤੀ पत्ती Pattī [3] स्त्री०
पत्र (नपुं०) छोटा पत्ता, पत्ती।

ਪਥ पथ् Path [3] पुं०
पथिन् (पुं०) पथ, मार्ग।

ਪਥਰੀ पथ्री Pathrī [3] स्त्री०
प्रस्तरी (स्त्री०) पथरी, छोटा पत्थर।

ਪਥਰੀਲਾ पथ्रीला Pathrīlā [3] वि०
प्रास्तरिक (वि०) पथरीला, पत्थर-युक्त; कठोर।

ਪੱਥਰ पत्थर् Patthar [3] पुं०
प्रस्तर (पुं०) पत्थर, शिलाखण्ड।

ਪਦ[1] पद् Pad [3] पुं०
पद्य (नपुं०) पद्य, कविता।

ਪਦ[2] पद् Pad [3] पुं०
पाद > पद् (पुं०) पाद, पग, पैर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਦਮਣੀ पद्मणी Padmaṇī [3] स्त्री०
पद्मिनी (स्त्री०) कमल का पौधा; कोक-शास्त्र के अनुसार स्त्रियों की चार जातियों में से सर्वोत्तम जाति।

ਪਦਾਰਥ पदारथ् Padārath [3] पुं०
पदार्थ (पुं०) पदार्थ, वस्तु; धन।

ਪਦਾਰਥਕ पदार्थक् Padārthak [3] वि०
पादार्थिक (वि०) पदार्थ-संबन्धी, वस्तु से संबन्धित।

ਪਦਾਰਥ-ਵਿਗਿਆਨ पदारथ्-विग्यान् Padārath-Vigyān [3] पुं०
पदार्थविज्ञान (वि०) पदार्थ-विज्ञान, भौतिक-शास्त्र।

ਪੱਦ पद्द् Padd [3] पुं०
पर्द (पुं०) पाद, अपान वायु।

ਪੱਦਣਾ पद्दना Paddanā [3] अक० क्रि०
पर्दते (भ्वादि अक०) पादना, अपानवायु छोड़ना।

ਪੱਧਤੀ पद्धती Paddhatī [3] स्त्री०
पद्धति (स्त्री०) पद्धति, रीति, तरीका।

ਪੱਧਰਾ पद्धरा Paddhrā [3] वि०
प्रतल (वि०) समतल, बराबर।

ਪਨਵਾੜੀ[1] पन्वाड़ी Panvāṛī [3] स्त्री०
पर्णवाटी/पर्णवाटिका (स्त्री०) पान का बाग, पान की बाड़ी।

ਪਨਵਾੜੀ[2] पन्वाड़ी Panvāṛi [3] पुं०
पर्णवाटिन् (वि०) पान बेचने वाला, पान का धन्धा करने वाला।

ਪਨਿਹਰ पनिहर् Panihar [3] पुं०
पानीयहार (पुं०) जलवाहक, पनिहार, पानी भरने वाली जाति।

ਪਨਿਹਾਰਨ पनिहारन् Panihāran [3] स्त्री०
पानीयहारिका (स्त्री०) जलवाहिका, पनिहारिन, पनिहार जाति की स्त्री।

ਪਪੜੀ पप्ड़ी Papṛī [3] स्त्री०
पर्पटी (स्त्री०) पपड़ी, पापड़ी, छोटा पापड़।

ਪੱਬੀ पब्बी Pabbī [3] स्त्री०
पर्वतक (पुं०) छोटा पहाड़, पहाड़ी; पर्वत।

ਪਯਾਲ पयाल् Payāl [3] पुं०
पाताल (न०, पुं०) पाताल, नीचे के सप्त लोकों में से अन्तिम लोक।

ਪਰ[1] पर् Par [3] अ०
परम् (अ०) परन्तु, लेकिन।

ਪਰ[2] पर् Par [3] पुं०
पक्ष/पक्ष्मन् (नपुं०) पंख, पाँख।

ਪਰ[3] पर् Par [3] अ०
परुत् (अ०) पर साल, गतवर्ष, गये साल।

ਪਰ-ਉਪਕਾਰ पर्-उप्कार् Par-Upkār [3] पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

परोपकार (पुं०) परोपकार, दूसरे की भलाई, पर-हित।

ਪਰ-ਉਪਕਾਰੀ पर्-उप्कारी Par-Upkārī [3] पुं०

परोपकारिन् (वि०) परोपकारी, दूसरे की भलाई करने वाला।

ਪਰਸਣ पर्सण् Parsaṇ [1] पुं०

स्पर्शन (नपुं०) स्पर्श, छूने का भाव।

ਪਰਸਣਾ पर्स्णा Parsṇā [1] सक० क्रि०

स्पृशति (तुदादि सक०) स्पर्श करना, छूना।

ਪਰਸਪਰ परस्पर् Paraspar [3] क्रि० वि०

परस्पर (क्रि० वि०) परस्पर, आपस में।

ਪਰਸਾ पर्सा Parsā [3] पुं०

परशु (पुं०) फरसा, कुल्हाड़ा।

ਪਰਸਾਦ पर्साद् Parsād [2] पुं०

प्रसाद (पुं०) प्रसाद, वह भोज्य पदार्थ जो देवता को निवेदित किया गया हो।

ਪਰਸ਼ਾਦ परशाद् Parśād [3] पुं०

प्रसाद (पुं०) प्रसाद, देवता को निवेदित भोज्य वस्तु।

ਪਰਸਿਉ पर्सिउ Parsiu [3] पुं०

प्रस्वेद (पुं०) पसीना, स्वेद-विन्दु।

ਪਰਸਿਉਣਾ पर्सिउणा Parsiuṇā [3] अक० क्रि०

प्रस्विद्यति (दिवादि अक०) पसीना होना; पसीजना।

ਪਰਸਿੱਜਣਾ पर्सिज्ज्णा Parsijjṇā [3] अक० क्रि०

प्रस्विद्यति (दिवादि अक०) पसीजना, पसीना होना।

ਪਰਸੀਨਾ पर्सीना Parsinā [2] पुं०

प्रस्विन्न (नपुं०) पसीना, प्रस्वेद।

ਪਰਸੂੰ पर्सूँ Parsū̃ [1] अ०

परश्वस् (अ०) परसों, दो दिन पूर्व या पर का दिन।

ਪਰਸੇ पर्से Parse [1] पुं०

प्रस्वेद (पुं०) पसीना, पसेउ।

ਪਰਸੇਉ पर्सेउ Parseu [3] पुं०

प्रस्वेद (पुं०) पसीना, स्वेद-विन्दु।

ਪਰਸੋਂ पर्सों Parsõ [1] अ०

परश्वस् (अ०) परसों, दो दिन पूर्व या पर का दिन।

ਪਰਹੱਥੀਂ पर्हत्थीं Parhatthī̃ [3] क्रि० वि०

परहस्ते (क्रि० वि०) दूसरे हाथ पर।

ਪਰਹਾਸ पर्हास् Parhās [3] पुं०

परिहास (पुं०) परिहास, मजाक।

ਪਰ੍ਹਾਂ पर्हाँ Parhā̃ [3] क्रि० वि०

पर (क्रि० वि०) दूर, आगे।

ਪਰਕਾਜ पर्काज् Parkāj [3] पुं०

परकार्य (नपुं०) परकाज, दूसरे का काम।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਕਰਮਾ पर्करमा Parkarmā [3] स्त्री०
परिक्रमा (स्त्री०) परिक्रमा, प्रदक्षिणा; चारो ओर घूमना।

ਪਰਕਿਰਤ पर्किरत् Parkirat [2] पुं०
परकृत्/परकृत्य (नपुं०) दूसरे का काम।

ਪਰਕੀਆ पर्कीआ Parkīā [3] स्त्री०
परकीया (स्त्री०) परकीया, दूसरे पुरुष की पत्नी; नायिका काएक भेद।

ਪਰਕੰਮਿਆ पर्कम्मिआ Parkammiā [1] स्त्री०
परिक्रमा (स्त्री०) परिक्रमा, प्रदक्षिणा; चारों ओर घूमना।

ਪਰਖ परख् Parakh [3] स्त्री०
परीक्षा (स्त्री०) परख, परीक्षण, जाँच।

ਪਰਖਣਾ पर्ख्णा Parkhṇā [3] सक० क्रि०
परीक्षते (भ्वादि सक०) परखना, परीक्षा करना।

ਪਰਖਾਉਣਾ पर्खाउणा Parkhāuṇā [3] सक० क्रि०
परीक्षयति (भ्वादि प्रेर०) परखना, परखने का काम करना; परीक्षण कराना।

ਪਰਚਾਰਕ पर्चारक् Parcārak [3] पुं०
प्रचारक (वि०) प्रचारक, प्रचार करने वाला।

ਪਰਛਾਈਂ पर्छाइँ Parchāī [3] स्त्री०
प्रतिच्छाया (स्त्री०) परछाइँ, छाया।

ਪਰਛਾਵਾਂ पर्छावाँ Parchāvā [3] पुं०
द्र०—ਪਰਛਾਈਂ।

ਪਰਛਿੰਨਾ पर्छिन्ना Parchinnā [2] वि०
प्रच्छन्न (वि०) छिपा हुआ, तिरोहित।

ਪਰਜਾ पर्जा Parjā [3] स्त्री०
प्रजा (स्त्री) प्रजा, जनता।

ਪਰਜਾਤ पर्जात् Parjāt [3] वि०
परजातीय (वि०) दूसरी जाति का, विजातीय।

ਪਰਜਾਤੀ पर्जाती Parjātī [3] स्त्री०
परजाति (स्त्री०) दूसरी जाति, विजाति।

ਪਰਜਾਤੰਤਰ पर्जातन्तर् Parjātantar [3] पुं०
प्रजातन्त्र (नपुं०) प्रजातन्त्र, प्रजा के प्रतिनिधियों द्वारा परिचालित शासन-व्यवस्था।

ਪਰਜਾਤੰਤਰੀ पर्जातन्त्री Parjātantrī [3] वि०
प्रजातन्त्रीय (वि०) प्रजातन्त्र से संबन्धित।

ਪਰਜਾਪਤੀ पर्जापती Parjāpatī [3] पुं०
प्रजापति (पुं०) प्रजापति, सृष्टिकर्ता; राजा, मालिक।

ਪਰਜਾਪਾਲਕ पर्जापालक् Parjāpālak [3] पुं०
प्रजापालक (वि०) राजा; प्रजा का पालन करने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਜਾਲਣਾ पर्जाल्णा Parjālṇā
[3] सक० क्रि०
प्रज्वलयति (भ्वादि प्रेर०) जलाना, प्रज्ज्वलित करना।

ਪਰਣਾਉਣਾ पर्णाउणा Parṇāuṇā
[3] सक० क्रि०
परिणाययति (भ्वादि प्रेर०) परिणय (विवाह) करवाना।

ਪਰਤਣਾ पर्तणा Partaṇā [3] अक० क्रि०
परिवर्तते (भ्वादि अक०) वापस आना, लौटना; वचन से फिरना।

ਪਰਤਾਪ पर्ताप् Partāp [3] पुं०
प्रताप (पुं०) प्रताप, प्रभाव, तेजस्विता।

ਪਰਤਾਪਵਾਨ पर्ताप्वान् Partāpvān
[3] पुं०
प्रतापवत् (वि०) प्रतापवान्, प्रतापी, तेजस्वी।

ਪਰਤਾਪੀ पर्तापी Partāpī [3] वि०
प्रतापिन् (वि०) प्रतापी, तेजस्वी, प्रभावी।

ਪਰਤਿਆਉਣਾ पर्त्याउणा Partyāuṇā
[3] सक० क्रि०
प्रत्येति (अदादि सक०) भरोसा करना; परखना।

ਪਰਤਿਆਵਾ पर्त्यावा Partyāvā [3] पुं०
प्रत्यय (पुं०) परख, जाँच; भरोसा।

ਪਰਤੀਖਿਆ परतीख्या Partīkhyā [3] स्त्री०
प्रतीक्षा (स्त्री०) पतीक्षा, इन्तजार।

ਪਰਤੰਤਰ पर्तन्तर् Partantar [3] वि०
परतन्त्र (वि०) परतन्त्र, पराधीन।

ਪਰਤੰਤਰਤਾ पर्तन्तर्ता Partantartā
[3] स्त्री०।
परतन्त्रता (स्त्री०) परतन्त्रता, पराधीनता।

ਪਰਦੱਖਣਾ पर्दक्ख्णा Pardakkhṇā
[3] स्त्री०
प्रदक्षिणा (स्त्री०) प्रदक्षिणा, परिक्रमा, चारों ओर घूमने का भाव।

ਪਰਦੱਛਣਾ पर्दच्छणा Pardacchaṇā
[3] स्त्री०
द्र०—ਪਰਦੱਖਣਾ।

ਪਰਦਾਰਾ पर्दारा Pardārā [3] स्त्री०
परदारा (पुं०) पराई स्त्री, दूसरे पुरुष की पत्नी।

ਪਰਦੇਸ਼ पर्देश् Pardeś [3] पुं०
परदेश (पुं०) परदेश, दूर देश, विदेश।

ਪਰਦੇਸਣ पर्देसण् Pardesaṇ [3] स्त्री०
परदेशिनो (स्त्री०) दूसरे देश में रहने वाली स्त्री।

ਪਰਦੇਸੀ पर्देसी Pardesī [3] पुं०
परदेशीय (वि०) परदेशी, दूसरे देश का।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਨਾਉਣਾ पर्नाउणा Parnāuṇā [3] सक० क्रि०
परिणाययति (भ्वादि प्रेर०) परिणय/विवाह कराना।

ਪਰਨਾਲਾ पर्नाला Parnālā [3] पुं०
प्रनाड/प्रणाल (पुं०) बरसाती या गन्दे जल का नाला।

ਪਰਨੀਣਾ पर्नीणा Parnīṇā [3] सक० क्रि०
परिणीयते (भ्वादि कर्म वाच्य) विवाहित होना, व्याहा जाना।

ਪਰਪੁਰਖ पर्पुरख् Parpurakh [3] पुं०
परपुरुष (पुं०) पराया पुरुष, पराई स्त्री का पति।

ਪਰਬ परब् Parab [3] पुं०
पर्वन् (नपुं०) पर्व, त्योहार।

ਪਰਬਤ पर्बत् Parbat [3] पुं०
पर्वत (पुं०) पर्वत, पहाड़।

ਪਰਬਤੀ पर्बती Parbatī [3] वि०
पर्वतीय (वि०) पर्वतीय, पर्वत से संबन्धित।

ਪਰਭ परभ् Parabh [1] पुं०
प्रभु (पुं०) प्रभु, भगवान्, स्वामी।

ਪਰਭਵਣ पर्भवण् Parbhavaṇ [2] पुं०
परिभ्रमण (नपुं०) परिभ्रमण, घूमने का भाव।

ਪਰਭਾਉ पर्भाउ Parbhāu [1] पुं०
प्रभाव (पुं०) प्रभाव, असर, तेज।

ਪਰਮਗਤ परम्गत् Paramgat [3] स्त्री०
परमगति (स्त्री०) परमगति, मोक्ष।

ਪਰਮ-ਗਿਆਨ परम्-गिआन् Param-Giān [3] पुं०
परमज्ञान (नपुं०) परम ज्ञान, आत्म-ज्ञान।

ਪਰਮਤੱਤ परम्तत्त् Paramtatt [3] पुं०
परमतत्त्व (नपुं०) परमतत्त्व, आत्मज्ञान; अन्तिम स्वरूप।

ਪਰਮਪੁਰਖ परम्पुरख् Parampurakh [3] पुं०
परमपुरुष (पुं०) परम पुरुष, परमात्मा।

ਪਰਮਲ परमल् Parmal [3] पुं०
परिमल (नपुं०) गन्ध, सुगन्ध; सुगन्धित चावल-विशेष।

ਪਰਮਾਣਤ पर्माणत् Parmāṇat [3] वि०
प्रमाणित (वि०) प्रमाणित, प्रमाण-युक्त, तर्क संगत।

ਪਰਮਾਣੂ पर्माणू Parmāṇū [3] पुं०
परमाणु (पुं०) परमाणु, किसी वस्तु का सबसे छोटा भाग जिसका विभाग न हो सके, अणु से छोटा।

ਪਰਮਾਨੰਦ पर्मानन्द Parmānand [3] पुं०
परमानन्द (पुं०) परमानन्द, सर्वोत्तम सुख।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਮਾਰਥ पर्मारथ् Parmārath [3] पुं०
परमार्थ (पुं०) परमार्थ, परोपकार।

ਪਰਮਾਰਥਕ पर्मार्थक् Parmārthak [3] वि०
पारमार्थिक (वि०) परमार्थ-संबन्धी, दूसरों के हित का; धार्मिक।

ਪਰਮੇਸਰ पर्मेसर् Parmesar [2] पुं०
परमेश्वर (पुं०) परमेश्वर, परमात्मा।

ਪਰਮੇਸ਼ਰ पर्मेशर् Parmeśar [3] पुं०
परमेश्वर (पुं०) परमेश्वर, परमात्मा।

ਪਰਮੇਸ਼ਰੀ पर्मेश्री Parmeśrī [3] वि०
परमेश्वरीय (वि०) ईश्वरीय, ईश्वर से संबन्धित।

ਪਰਮੇਹ पर्मेह् Parmeh [3] पुं०
प्रमेह (पुं०) प्रमेह, मधुमेह, मूत्र-संबन्धी एक रोग।

ਪਰਯੋਗਸ਼ਾਲਾ पर्योगशाला Paryogśālā [3] स्त्री०
प्रयोगशाला (स्त्री०) प्रयोगशाला, जहाँ रासायनिक या अन्य प्रकार के प्रयोग किये जाते हैं।

ਪਰਯੰਤ पर्यन्त् Paryant [3] अ०
पर्यन्तम् (अ०) पर्यंत, तक।

ਪਰਲੋਂ पर्लों Parlō [3] पुं०/स्त्री०
प्रलय (पुं०) प्रयल, नाश, लय को प्राप्त होना।

ਪਰਲੋਕ पर्लोक् Parlok [3] पुं०
परलोक (पुं०) परलोक, स्वर्गलोक।

ਪਰਲੋਂਕਾਲ पर्लोंकाल् Parlōkāl [3] पुं०
प्रलयकाल (पुं०) प्रलय-काल, नाश का समय।

ਪਰਵਸ पर्वस् Parvas [3] वि०
परवस (वि०) परवश, पराधीन।

ਪਰਵਸੀ पर्वसी Parvasī [3] स्त्री०
पारवश्य/परवशता (नपुं०, स्त्री०) परवशता, पराधीन।

ਪਰਵਰਤੀ पर्वर्ती Parvartī [3] वि०
परवर्तिन् (वि०) परवर्ती, बाद में होने वाला।

ਪਰਵਾਸਣ पर्वासण् Parvāsaṇ [3] पुं०
प्रवासन (नपुं०) प्रवासन, देश-निकाला।

ਪਰਵਾਸੀ पर्वासी Parvāsī [3] पुं०
प्रवासिन् (वि०) प्रवासी, परदेश में रहने वाला।

ਪਰਵਾਹ पर्वाह् Parvāh [3] पुं०
प्रवाह (पुं०) प्रवाह, धारा, बहाव।

ਪਰਾ परा Parā [3] वि०
पर (वि०) परे, उत्कृष्ट, श्रेष्ठ, सुन्दर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਾਇਆ पराइआ Parāiā [3] वि०
परकीय (वि०) परकीय, पराया, गैर।

ਪਰਾਇਣ[1] पराइण् Parāiṇ [3] वि०
परायण (वि०) परायण, तत्पर, उद्यत।

ਪਰਾਇਣ[2] पराइण् Parāiṇ [3] स्त्री०
प्राजन (नपुं०, पुं०) अंकुश, कोड़ा, चाबुक।

ਪਰਾਸਰੀਰਕ परास्रीरक् Parāsrīrak [3] वि०
परशारोरक (वि०) जीवात्मा से परे, प्रकृति से पर, परब्रह्म।

ਪਰਾਹਾਂ पराहाँ Parahā̃ [2] क्रि० वि०
परम्/परस्थानम् (क्रि० वि०) परे, दूर।

ਪਰਾਹੁਣਗੀਰੀ पराहुण्गीरी Parāhuṇgīrī [2] स्त्री०
प्राघुणता (स्त्री०) पहुनाई, आतिथ्य, मेहमानदारी।

ਪਰਾਹੁਣਚਾਰੀ पराहुण्चारी Parāhuṇcārī [3] स्त्री०
प्राघुणचर्या (स्त्री०) पहुनाई, आतिथ्य, मेहमानदारी।

ਪਰਾਹੁਣਾ पराहुणा Parāhuṇā [3] पुं०
प्राघुणिक (पुं०) पाहुन, अतिथि, मेहमान।

ਪਰਾਹੁਣਾਚਾਰੀ पराहुणाचारी Parāhuṇācārī [3] स्त्री०
प्राघुणचर्या (स्त्री०) पहुनाई, आतिथ्य, मेहमानदारी।

ਪਰਾਕ੍ਰਮ पराक्रम् Parākram [3] पुं०
पराक्रम (पुं०) पराक्रम, शक्ति, बल।

ਪਰਾਕ੍ਰਮੀ पराक्रमी Parākramī [3] वि०
पराक्रमिन् (वि०) पराक्रमी, शक्तिशाली।

ਪਰਾਗ पराग् Parāg [3] पुं०
पराग (पुं०) पराग, फूलों के बीच लम्बे केसरों पर जमा रज या धूल।

ਪਰਾਜੈ पराजै Parājai [3] स्त्री०
पराजय (पुं०) पराजय, हार।

ਪਰਾਤ परात् Parāt [3] स्त्री०
पात्र (नपुं०) परात, बड़ी थाली, थाल।

ਪਰਾਤਮ परातम् Parātam [3] पुं०
परात्मन् (पुं०) परमात्मा, भगवान्।

ਪਰਾਤੜਾ परात्ड़ा Parātṛā [3] पुं०
पात्र (नपुं०) परात, काठ का कठौता।

ਪਰਾਰ परार् Parār [3] अ०
परारि (अ०) परार साल, दो वर्ष पूर्व।

ਪਰਾਰਧ परारध् Parāradh [3] पुं०
परार्ध (नपुं०) परार्ध, सबसे बड़ी संख्या।

ਪਰਾਰਾ परारा Parārā [3] वि०
पलालीय (वि०) पलाल का, भूसे का।

ਪਰਾਲ पराल् Parāl [3] पुं०
पलाल (नपुं०) पुआल, भूँसा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਾਲਬਧ परालब्ध् Parālabdh [3] स्त्री०
प्रारब्ध (नपुं०) प्रारब्ध, तीन प्रकार के कर्मों से वह कर्म जिसका फल भोगा जा रहा हो; भाग्य ।

ਪਰਾਲੀ पराली Parālī [3] स्त्री०
द्र०—ਪਰਾਲ ।

ਪਰਿਆਇ पर्याय् Paryāy [3] पुं०
पर्याय (पुं०) पर्याय, समानार्थ का वाचक शब्द ।

ਪਰਿਸਿਥਿਤਿ परिस्थिति Paristhiti [3] स्त्री०
परिस्थिति (स्त्री०) परिस्थिति, अवस्था, दशा ।

ਪਰਿਸ਼੍ਰਮ परिश्रम् Pariśram [3] पुं०
परिश्रम (पुं०) परिश्रम, मेहनत ।

ਪਰਿਸ਼੍ਰਮੀ परिश्रमी Pariṛśarmī [3] वि०
परिश्रमी (वि०) परिश्रम करने वाला, मेहनती ।

ਪਰਿਚਤ परिचत् Paricat [3] वि०
परिचित (वि०) परिचित, जाना-पहचाना ।

ਪਰਿਚਯ परिचय् Paricay [3] पुं०
परिचय (पुं०) परिचय, पहचान ।

ਪਰਿਛੇਦ परिछेद् Pariched [3] पुं०
परिच्छेद (पुं०) परिच्छेद; छाँट कर अलग करने का भाव; किसी ग्रन्थ का खण्ड या अध्याय ।

ਪਰਿਣਾਮ परिणाम् Pariṇām [3] पुं०
प्रणाम (पुं०) प्रणाम, नमस्कार ।

ਪਰਿਤਿਆਗ परित्याग् Parityāg [3] पुं०
परित्याग (पुं०) परित्याग, पूरी तरह छोड़ देना ।

ਪਰਿਪੱਕ परिपक्क् Paripakk [3] वि०
परिपक्व (वि०) परिपक्व, प्रौढ़, निपुण ।

ਪਰਿਪੱਕਤਾ परिपक्कता Paripakkatā [3] स्त्री०
परिपक्वता (स्त्री) परिपक्वता, प्रौढ़ता, निपुणता ।

ਪਰਿਪਾਟੀ परिपाटी Paripāṭī[3] स्त्री०
परिपाटी (स्त्री०) परिपाटी, परम्परा, रीति ।

ਪਰਿਪੂਰਣ परिपूरण् Paripūraṇ [3] वि०
परिपूर्ण (वि०) परिपूर्ण, सम्पूर्ण, बिल्कुल भरा हुआ ।

ਪਰਿਪੂਰਣਤਾ परिपूरणता Paripūraṇtā [3] स्त्री०
पारिपूर्णता (स्त्री०) पारिपूर्णता, परिपूर्ण होने का भाव ।

ਪਰਿਭਾਸ਼ਕ परिभाषक् Paribhāṣak [3] वि०
परिभाषिक (वि०) परिभाषिक, जिसका अर्थ परिभाषा द्वारा सूचित किया जाय ।

ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ परिभाषा Paribhāṣā [3] स्त्री०
परिभाषा (स्त्री०) परिभाषा, लक्षण ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਿਮਾਣ परिमाण् Parimāṇ [3] पुं०
परिमाण (नपुं०) परिमाण, तौल, माप।

ਪਰਿਵਰਤਕ परिवर्तक् Parivartak [3] पुं०
परिवर्तक (वि०) परिवर्तन करने वाला, बदलने या विनिमय करने वाला।

ਪਰਿਵਰਤਨ परिवर्तन् Parivartan [3] पुं०
परिवर्तन (नपुं०) परिवर्तन, घुमाव; हेर-फेर, अदला-बदली।

ਪਰਿਵਰਤਿਤ परिवर्तित् Parivartit [3] वि०
परिवर्तित (वि०) परिवर्तित, बदला हुआ।

ਪਰਿਵਾਰ परिवार् Parivār [3] पुं०
परिवार (पुं०) कुटुम्ब; आश्रित जन।

ਪਰਿਵਾਰਕ परिवारक् Parivārak [3] वि०
पारिवारिक (वि०) पारिवारिक, परिवार-संबन्धी।

ਪਰੀਹਣਾ परीह्णा Parīhṇā [3] सक० क्रि०
परिवेषति (भ्वादि सक०) परोसना, जिमाना।

ਪਰੀਹਣੀ परीह्णी Parīhṇī [2] स्त्री०
परिवेशिनी/परिवेषिणी (स्त्री०) भोजन परोसने वाली।

ਪਰੀਹਾ परीहा Parīhā [2] पुं०
परिवेषक / परिवेशक (वि०) भोजन परोसने वाला।

ਪਰੀਖਕ परीखक् Parīkhak [3] वि०
परीक्षक (वि०) परीक्षक, परीक्षा करने वाला।

ਪਰੀਖਿਆ परीख्या Parīkhyā [3] स्त्री०
परीक्षा (स्त्री०) परीक्षा, जाँच।

ਪਰੁੱਚਣਾ परुच्चणा Paruccaṇā [3] सक० क्रि०
प्रवते (भ्वादि सक०) पिरोना, सूई में धागा डालना, डोरे में मनका आदि गूँथना या पूरना।

ਪਰੁੱਤਾ परुत्ता Paruttā [3] वि०
प्रोत (वि०) पिरोया हुआ, अनुस्यूत।

ਪਰੇ परे Pare [3] अ०
परम् (अ०) आगे; बाहर; पश्चात्; किन्तु।

ਪਰੇਡੇ परेडे Pareḍe [3] सर्व०
द्र०—ਪਰੇ।

ਪਰੇਣ परेण् Pareṇ [2] पुं०
परायणी (स्त्री०) अंकुश, अंकुशी।

ਪਰੇਤ परेत् Paret [3] वि०
परेत/प्रेत (वि०) मृत, मरा हुआ, भूत-प्रेत।

ਪਰੇਰੇ परेरे Parere [3] वि०
परतर (वि०) दूरतर, अपेक्षाकृत पर।

ਪਰੋਸਣਾ परोस्णा Parosṇā [3] सक० क्रि०
परिवेषति / परिवेशयति (भ्वादि प्रेर०) परोसना, जिमाना।

ਪਰੋਸਾ परोसा Parosā [3] पुं०
परिवेशन / परिवेषण (नपुं०) परोसने का भाव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰੋਹਤੀ परोह्ती Parohtī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਪੁਰੋਹਿਤਾਈ ।

ਪਰੋਖ परोख् Parokh [3] **वि०**
परोक्ष (वि०) परोक्ष, ओझल, अप्रत्यक्ष ।

ਪਰੋਖਾ परोखा Parokhā [3] **पुं०**
परोक्ष (वि०) परोक्ष, अदृश्य, आँखों से ओझल ।

ਪਰੋਖੇ परोखे Parokhe [3] **क्रि० वि०**
परोक्षे (सप्तम्यन्त) परोक्ष रूप में, गुप्त रूप में ।

ਪਰੋਣਾ परोणा Paroṇā [3] **सक० क्रि०**
द्र०—ਪਰੁੱਚਣਾ ।

ਪਰੰਤੂ परन्तू Parantū [3] **अ०**
परन्तु (अ०) परन्तु, किन्तु, लेकिन ।

ਪਰੰਪਰਾ परम्परा Paramparā [3] **स्त्री०**
परम्परा (स्त्री०) अविच्छिन्न क्रम, परिपाटी ।

ਪਰੰਪਰਾਈ परम्पराई Paramparāī [3] **वि०**
परम्परागत (वि०) परम्परागत, परम्परा से प्राप्त ।

ਪਲ पल् Pal [3] **पुं०**
पल (नपुं०) क्षण, समय का एक लघु विभाग जो 60 विपल अर्थात् 24 सेकेण्ड के बराबर होता है ।

ਪਲਕ पलक् Palak [3] **स्त्री०**
पक्ष्मन् (नपुं०) पलक, बरौनी ।

ਪਲਣਾ पल्णा Palṇā [3] **अक० क्रि०**
पाल्यते (कर्मवाच्य) पालित होना, संरक्षित होना ।

ਪਲੱਥੀ पलत्थी Palatthī [3] **स्त्री०**
पर्यस्तिका / पर्यस्ति (स्त्री०) पलत्थी, दोनों पैरों को समेट कर आराम से बैठने का आसन, सुखासन ।

ਪਲਪੀਹੀ पल्पीही Palpīhī [3] **स्त्री०**
पिपीलिका (स्त्री०) चींटी ।

ਪਲਮਣਾ पल्मणा Palmaṇā [3] **अक० क्रि०**
प्रलम्बते (भ्वादि अक०) लटकना, झूलना ।

ਪਲਾ पला Palā [1] **पुं०**
पल (नपुं०) पली, तरल पदार्थों का माप-विशेष ।

ਪਲਾਉਣਾ पलाउणा Palāuṇā [3] **अक० क्रि०**
पलायते (भ्वादि अक०) आगे दौड़ना, भागना, पलायन करना ।

ਪਲਾਇਨ पलाइन् Palāin [3] **स्त्री०**
पलायन (नपुं०) पलायन; भागने का भाव ।

ਪਲਾਇਨਵਾਦ पलाइन्वाद् Palāinvād [3] **पुं०**
पलायनवाद (पुं०) पलायनवाद, कर्तव्यों से पराङ्मुख होने का सिद्धान्त ।

ਪਲਾਇਨਵਾਦੀ पलाइन्वादी Palāinvādī [3] **पुं०**

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

पलायनवादिन् (वि०) भागने अर्थात् कर्त्तव्यों से विमुख होने वाला व्यक्ति।

ਪਲਾਸ पलास् Palās [3] पुं०
पलाश (पुं०) पलाश, पलास एक वृक्ष-विशेष।

ਪਲਾਹ पलाह् Palāh [2] पुं०
पलाश (नपुं०) पत्ते-पत्ती, पर्णावली, ढाक।

ਪਲਾਖ पलाख् Palākh [2] पुं०
पलाख (पुं०) पलाश, ढाक, टेसू।

ਪਲਾਂਘ पलाँघ् Palāgh [3] पुं०
प्रलङ्घ (पुं०) उछाल, कुदान, लाँघने का भाव।

ਪਲਾਣ पलाण् Palāṇ [3] पुं०
पल्याण (नपुं०) ऊँट आदि पशुओं की पीठ पर रखने की जीन या काठी, पालान।

ਪਲਾਲ पलाल् Palāl [1] पुं०
प्रलाप (पुं०) व्यर्थ की बात, प्रलाप, गप-शप।

ਪਲਿਯਾ पल्या Palyā [3] वि०
पालित (वि०) पालित, पाला हुआ।

ਪਲੂਣ पलूण् Palūṇ [2] स्त्री०
पलिक्नी (स्त्री०) पहली बार ब्याई हुई गौ।

ਪਲੋਣਾ पलोणा Paloṇā [1] सक० क्रि०
प्रलोपयति (दिवादि प्रेर०) उच्छिन्न करना, नष्ट करना।

ਪਲੰਘ पलंघ् Palaṅgh [3] पुं०
पल्यङ्क/पर्यङ्क (पुं०) पलँग, बड़ी खाट।

ਪਲੰਗੀਰੀ पलंगीरी Palaṅgīrī [1] स्त्री०
पल्यङ्क/पर्यङ्क (पुं०) पलंग, शय्या।

ਪਲੰਘੜੀ पलंघड़ी Palaṅghṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਪਲੰਗੀਰੀ।

ਪੱਲ पल्ल् Pall [1] स्त्री०
पल्य/पल्ल (नपुं० / पुं०) नपुं०—अनाज रखने या नापने का बोरा। पुं०—बाँस से निर्मित ढाँचा जिसमें प्रभूत मात्रा में अन्नादि रखा जाता है; अनाज का भण्डार या बखार।

ਪਵਨ पवन् Pavan [3] पुं०
पवन (पुं०) वायु, हवा, समीर।

ਪਵਿੱਤਰ पवित्तर् Pavittar [3] वि०
पवित्र (वि०) पवित्र, पावन।

ਪਵਿੱਤਰਤਾ पवित्तर्ता Pavittartā [3] स्त्री०
पवित्रता (स्त्री०) पवित्रता, शुद्धता।

ਪੜਸਾਂਗ पड़्साँग Paṛsāg [3] स्त्री०
प्रश्रङ्ग (पुं०) बहुत लम्बी लाठी; बड़ी सीढ़ी।

ਪੜਦੋਹਤਰੀ पड़्दोह्तरी Paṛdohtarī [3] स्त्री०
प्रदौहित्री (स्त्री०) परदोहती, परनातिन, नातिन की पुत्री।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੜਦੋਹਤਾ पड़दोह्ता Paṛdohtā [3] पुं०
प्रदौहित्र (पुं०) परदोहता, परनाती।

ਪੜਦੋਹਤੀ पड़्दोह्ती Paṛdohtī [3] स्त्री०
द्र०—ਪੜਦੋਹਤਰੀ।

ਪੜਨੱਤਾ पड़्नत्ता Paṛnattā [3] पुं०
प्रनप्तृ (पुं०) नाती का पुत्र।

ਪੜਨੱਤੀ पड़्नत्ती Paṛnattī [3] स्त्री०
प्रनप्त्री (स्त्री०) नाती की पुत्री।

ਪੜਪੋਤਰਾ पड़्पोत्रा Paṛpotrā [3] पुं०
प्रपौत्र (पुं०) परपोता, प्रपौत्र।

ਪੜਪੋਤਾ पड़्पोता Paṛpotā [3] पुं०
द्र०—ਪੜਪੋਤਰਾ।

ਪੜੋਸ पड़ोस् Paṛos [3] पुं०
प्रतिवेश (पुं०) पड़ोस, आस-पास के आवास।

ਪੜੋਸਣ पड़ोसण् Paṛosaṇ [3] स्त्री०
प्रतिवेशिनी (स्त्री०) पड़ोसिन, पास के के मकान में रहने वाली।

ਪੜੋਸੀ पड़ोसी Paṛosī [3] पुं०
प्रतिवेशिन् (पुं०) पड़ोसी, पास का निवासी।

ਪੜੋਤਰਾ पड़ोत्रा Paṛotrā [2] पुं०
प्रपौत्र > प्रतिपौत्र (पुं०) परपोता, पौत्र का पुत्र।

ਪੜੋਤਰੀ पड़ोत्री Paṛotrī [2] स्त्री०
प्रपौत्री < प्रतिपौत्री (स्त्री०) परपोती, पौत्र की पुत्री।

ਪੜੋਤਾ पड़ोता Paṛotā [3] पुं०
द्र०—ਪੜੋਤਰਾ।

ਪੜੋਤੀ पड़ोती Paṛotī [3] स्त्री०
द्र०—ਪੜੋਤਰੀ।

ਪੜ੍ਹਨਾ पढ़्ना Paṛhnā [3] सक० क्रि०
पठति (भ्वादि सक०) पढ़ना, पठन करना।

ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ पढाउणा Paṛhāuṇā [3] सक० क्रि०
पाठयति (भ्वादि प्रेर०) पढ़ाना, पठन कराना।

ਪਾ पा Pā [3] पुं०
पाद (पुं०) चतुर्थांश, चौथाई, चौथा भाग।

ਪਾਂ पाँ Pā̃ [3] स्त्री०
पामन् (पुं०) खुजली, खाज।

ਪਾਉ पाउ Pāu [3] पुं०
द्र०—ਪਾ।

ਪਾਉਣਾ[1] पाउणा Pāuṇā [3] सक० क्रि०
पातयति (भ्वादि प्रेर०) गिराना, चुवाना।

ਪਾਉਣਾ[2] पाउणा Pāuṇā [3] सक० क्रि०
प्रापयति (स्वादि प्रेर०) प्राप्त कराना, पहुँचाना।

ਪਾਈ पाई Pāī [3] स्त्री०
पादिका (स्त्री०) पाई, चतुर्थांश, 1/12 आना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਾਈਆ पाईया Pāīā [3] वि०
पादीय (वि०) पाव भर, चौथाई।

ਪਾਸ पास् Pās [3] अ०
पार्श्वम् (अ०) पास, समीप, नजदीक।

ਪਾਸਕ पासक् Pāsak [3] पुं०
प्रासङ्ग (नपुं०) पासंग, पसंगा।

ਪਾਸਲਾ पास्ला Paslā [3] पुं०
पार्श्वल (वि०) बगल-सम्बन्धी, बगल का।

ਪਾਸ਼ਵਿਕ पाश्विक Pāśvik [3] वि०
पाशविक (वि०) पशु संबन्धी; निन्दित; निर्मम-क्रूर।

ਪਾਸ਼ਵਿਕਤਾ पाश्विक्ता Pāśviktā [3] स्त्री०
पाशविकता (स्त्री०) पशु-सम्बन्धी भाव, जंगलीपन; निन्दित कर्म; क्रूरता।

ਪਾਸ਼ਵੀ पाश्वी Pāśvī [3] वि०
पाशविक (वि०) पशु-सम्बन्धी।

ਪਾਸਾ पासा Pāsā [3] पुं०
पाश (पुं०) पासा, अक्षपाश; यमपाश; फाँस, फन्दा।

ਪਾਸੇ पासे Pāse [3] क्रि० वि०
पार्श्वे (क्रि० वि०) पास में, समीप में।

ਪਾਸੋਂ पासों Pāsō [3] क्रि० वि०
पार्श्वेन (तृतीयान्त पद) पास से, समीप से।

ਪਾਹ पाह् Pāh [3] अ०
पार्श्वम् (अ०) पास, समीप।

ਪਾਕ पाक् Pāk [3] पुं०
पाक (पुं०) पाक, पकाने की क्रिया या भाव।

ਪਾਕਸਾਰ पाक्सार् Pāksār [3] स्त्री०
पाकशाला (स्त्री०) भोजनालय, रसोई-घर।

ਪਾਕਸਾਜ पाक्साज् Pāksāj [3] स्त्री०
पाकशाला (स्त्री०) भोजनालय, रसोई-घर।

ਪਾਕਾ पाका Pākā [3] पुं०
पक्व (वि०) पका हुआ, पका।

ਪਾਖਰ[1] पाखर् Pākhar [3] पुं०
प्रखर (पुं०) हाथी या घोड़े का पाखर (कवच)।

ਪਾਖਰ[2] पाखर् Pākhar [3] पुं०
प्लक्ष (पुं०) पाकड़ या पकड़ी का वृक्ष।

ਪਾਟਣਾ पाट्णा Pāṭṇā [3] अक० क्रि०
पाट्यते (चुरादि कर्मवाच्य) विभक्त होना, फटना।

ਪਾਠ पाठ् Pāṭh [3] पुं०
पाठ (पुं०) पाठ, पुस्तक का वह भाग जो किसी विषय से सम्बद्ध हो।

ਪਾਠਕਾ पाठ्का Pāṭhkā [3] स्त्री०
पाठिका (स्त्री०) पाठिका, पढ़ने वाली स्त्री।

ਪਾਠੀਆ पाठीआ Pāṭhīā [3] पुं०
पाठक (वि०) पाठक, पढ़ने वाला, पाठ करने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਾਂਡੂ पाँडू Pāṇḍū [3] **वि०**
पाण्डु (वि०) स्वच्छ, सफेद, कुछ पीला-सफेद।

ਪਾਂਡੋ पांडो Pāṇḍo [3] **पुं०**
पाण्डव (पुं०) पाण्डव, राजा पाण्डु के पाँचों पुत्र।

ਪਾਣਾ पाणा Pāṇā [3] **पुं०**
पान (नपुं०) पशुओं का उष्ण पेय, बाँटा इत्यादि।

ਪਾਣੀ पाणी Pāṇī [3] **पुं०**
पानीय (नपुं०) पानी, जल।

ਪਾਤ पात् Pāt [1] **पुं०**
पातक (नपुं०) पातक, पाप।

ਪਾਤਣੀ पात्णी Pātṇī [3] **पुं०**
पत्तनीय (वि०) पत्तन का निवासी, नागरिक, शहरी।

ਪਾਤਰ पातर् Pātar [3] **पुं०**
द्र०—ਪਰਾਤ।

ਪਾਤੀ[1] पाती Pātī [1] **पुं०**
पातिन् (वि०) गिरने वाला; फिसलने वाला।

ਪਾਤੀ[2] पाती Pātī [3] **पुं०**
पत्र (नपुं०) पत्र, चिट्ठी।

ਪਾਂਦ पाँद् Pā̃d [3] **स्त्री०**

पादान्त (पुं०) पैर का छोर, अंगुली; पाद का अन्त।

ਪਾਂਧਣ पाँधण् Pā̃dhaṇ [3] **स्त्री०**
पान्थी (स्त्री०) पथिक स्त्री, राहगीरनी।

ਪਾਧਾ पाधा Pādhā [3] **पुं०**
पुरोधस् (पुं०) पुरोधा, पुरोहित।

ਪਾਂਧੀ पाँधी Pā̃dhī [3] **पुं०**
पान्थ (वि०) पथिक, राही।

ਪਾਪ पाप् Pāp [3] **पुं०**
पाप (नपुं०) पाप, अघ, अधार्मिक कृत्य।

ਪਾਪਣ पापण् Pāpaṇ [3] **स्त्री०**
पापिनी (स्त्री०) पाप करने वाली स्त्री।

ਪਾਪੜ पापड़् Pāpaṛ [3] **पुं०**
पर्पट (पुं०) पापड़, उड़द या मूँग के आटे से निर्मित खाद्य पदार्थ।

ਪਾਪੜੀ पापड़ी Pāpṛī [3] **स्त्री०**
पर्पटी (स्त्री०) छोटा पापड़, पपड़ी, पापड़ी; पापड़ से छोटे आकार में आटे से बनी खाद्य वस्तु।

ਪਾਪਾਤਮਾ पापात्मा Pāpātmā [3] **पुं०**
पापात्मन् (वि०) पापात्मा, पापी।

ਪਾਰ पार् Pār [3] **पुं०**
पार (पुं०, नपुं०) पार, उस पार, दूसरा छोर, अपर तट।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਾਰਸੀ पार्सी P.rsī [3] पुं०, स्त्री०
पारसिक / पारसीक (वि०) फारश देश (ईरान) की भाषा, परम्परा या वहाँ का निवासी।

ਪਾਰਗਾਮੀ पार्गामी Pārgāmī [3] पुं०
पारगामिन् (वि०) पारगामी, पारंगत, निष्णात।

ਪਾਰਦਰਸ਼ਕ पार्दर्शक् Pārdarśak [3] वि०
पारदर्शक (वि०) पारदर्शक, पार दिखलाई देने वाला।

ਪਾਰਦਰਸ਼ੀ पार्दर्शी Pārdarśī [3] वि०
पारदर्शिन् (वि०) पारदर्शी, उस पार देखने वाला; दूरदर्शी; परिणामविद्।

ਪਾਰਲਾ पार्ला Pārlā [3] पुं०
पारीण (वि०) उस पार का; पारंगत।

ਪਾਰਾ पारा Pārā [3] पुं०
पारद (पुं०) पारा धातु।

ਪਾਰੇ पारे Pāre [3] पुं०
पारे (सप्तम्यन्त पद) उस पार में, अपर तट में।

ਪਾਰੰਗਤ पारंगत् Paraṅgat [1] स्त्री०
परमगति (स्त्री०) परमगति, मोक्ष, मुक्ति।

ਪਾਲਕ[1] पालक् Pālak [3] स्त्री०
पालक्या (स्त्री०) पालक साग।

ਪਾਲਕ[2] पालक् Pālak [3] पुं०
पालक (वि०) पालक, पालन करने वाला।

ਪਾਲਣਾ पाल्णा Pālṇā [3] सक० क्रि०
पालयति (चुरादि सक०) पालन-पोषण करना, संरक्षण करना।

ਪਾਲਤੀ पाल्ती Paltī [1] स्त्री०
द्र०—पलॅथी।

ਪਾਲਤੂ पाल्तू Pāltū [3] वि०
पालित (वि०) पालतू, पाला हुआ।

ਪਾਲਨ पालन् Pālan [3] पुं०
पालन (नपुं०) पालन-पोषण, संरक्षण।

ਪਾਲਾ पाला Pālā [3] पुं०
प्रालेय (नपुं०) पाला, सर्दी, ठंड।

ਪਾਲੀ[1] पाली Pālī [3] पुं०
पाल (पुं०) गड़ेरिया, गड़रिया; ग्वाला।

ਪਾਲੀ[2] पाली Pālī [3] स्त्री०
पालि / पाली (स्त्री०) किनारा, छोर; रेखा।

ਪਾਵਾ पावा Pāvā [3] पुं०
पाद (पुं०) चारपाई आदि आसन का पावा।

ਪਾੜਨਾ पाड़्ना Pāṛnā [3] सक० क्रि०
उत्पाटयति (चुरादि सक०) खोदना; उखाड़ना; फाड़ना।

ਪਾੜਾ पाड़ा Pāṛā [3] पुं०
पाट (पुं०) क्रीडांगन का एक भाग जिसमें एक पक्ष के खिलाड़ी रहते हैं।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਾੜ੍ਹਾ पाढ़ा Pāṛhā [3] पुं०
पाठक (वि०) पढ़ाने वाला गुरु; पढ़ने वाला, विद्यार्थी।

ਪਿਉ पिउ Piu [3] पुं०
पितृ (पुं०) पिता-माता।

ਪਿਊਸ पिऊस् Piūs [2] पुं०
पीयूष (नपुं०) पीयूष, अमृत, सुधा।

ਪਿਆਉ प्याउ Pyāu [3] पुं०
प्रपा (स्त्री०) प्याऊ, पौसला।

ਪਿਆਉਣਾ प्याउणा Pyāuṇā [3] सक० क्रि०
पाययति (भ्वादि प्रेर०) पिलाना, पीने की प्रेरणा देना।

ਪਿਆਸ प्यास् Pyās [3] स्त्री०
पिपासा (स्त्री०) प्यास, पीने की इच्छा।

ਪਿਆਸਾ प्यासा Pyāsā [3] पुं०
पिपासित (वि०) प्यासा, पीने का इच्छुक।

ਪਿਆਨ प्यान् Pyān [1] पुं०
प्रयाण (नपुं०) अन्तिम गति, मरण; मृत्यु के समय शरीर त्यागने का भाव।

ਪਿਆਲਣਾ प्याल्णा Pyāḷṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਪਿਆਉਣਾ।

ਪਿਸਣਾ पिस्णा Pisṇā [3] सक० क्रि०
पिनष्टि (रुधादि सक०) पीसना, चूर्ण करना।

ਪਿਸਾਉਣਾ पिसाउणा Pisāuṇā [3] सक० क्रि०
पेषयति (रुधादि प्रेर०) पिसाना, पिसवाना, पीसने की प्रेरणा देना।

ਪਿਸ਼ਾਚਣੀ पिशाच्णी Piśācṇī [3] स्त्री०
पिशाची (स्त्री०) पिशाची, प्रेतिनी, एक निम्न देवयोनि की स्त्री।

ਪਿਸ਼ਾਚੀ पिशाची Piśācī [3] स्त्री०
पैशाची (स्त्री०) पैशाची भाषा; पिशाचों की भाषा।

ਪਿੱਸੂ पिस्सू Pissū [3] पुं०
प्लुषि (पुं०) क्षुद्र जन्तु, घृण्य जीव।

ਪਿਹਾਉਣਾ पिहाउणा Pihāuṇā [3] सक० क्रि०
पेषयति (रुधादि प्रेर०) पिसाना, पिसवाना।

ਪਿੰਗਲਾ पिंग्ला Piglā [3] पुं०
पङ्गुल (वि०) पंगु, लँगड़ा, खोड़ा।

ਪਿੰਗਲੀ पिंग्ली Piglī [3] स्त्री०
पङ्गुली (स्त्री०) लँगड़ी, खोड़ी।

ਪਿਚਕਣਾ पिचक्णा Picakṇā [3] अक० क्रि०
पिच्चयति (नामधातु अक०) पिचकना, दबना।

ਪਿਚਕਾਉਣਾ पिच्काउणा Pickāuṇā [3] सक० क्रि०
पिच्चाययति (नामधातु प्रेर०) पिचकाना।

ਪਿਛਗਾਮੀ पिछ्गामी Pichgāmī [3] वि०
पश्चगामिन् (वि०) पीछे जाने वाला, अनुगामी, पिछलग्गू।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਿਛਵਾੜ ਪिछ्वाड़् Pichvāṛ [3] स्त्री०
पश्चवाट (पुं०) पिछवाड़ा; पृष्ठ-प्रदेश ।

ਪਿਛਵਾੜਾ पिछ्वाड़ा Pichvāṛā [3] पुं०
द्र०—ਪਿਛਵਾੜ ।

ਪਿਛਾਂਹ पिछाँह् Pichāh [3] वि०
पश्चिम (वि०) पीछे की ओर, पृष्ठ-भाग ।

ਪਿਛੌਟੀ पिछौटी Pichauṭī [3] स्त्री०
पश्चपट्ट (पुं०) पृष्ठ-भार को बाँधने की रज्जु; पिछौटा ।

ਪਿੱਛ पिच्छ् Picch [3] स्त्री०
पिच्छा (स्त्री०) चावल का माँड़ ।

ਪਿੱਛਾ पिच्छा Picchā [3] वि०
पश्चार्ध (वि०) पिछला भाग, अपरार्ध, शेषार्ध ।

ਪਿੱਛੇ पिच्छे Picche [3] अ०
पश्चात् (अ०) पीछे, पीछे से; अन्त में, अन्ततोगत्वा ।

ਪਿੰਜਣ पिंजण् Piñjaṇ [3] पुं०
पिञ्जनं (नपुं०) रुई धुनने की धुनकी या यन्त्र ।

ਪਿੰਜਣਾ पिंजणा Piñjṇā [3] सक० क्रि०
पिञ्जयति (चुरादि सक०) धुनना, पींजना; मारना-पीटना ।

ਪਿੰਜਣੀ पिंजणी Piñjṇī [3] स्त्री०
पिण्डि/पिण्डी (स्त्री०) पिण्डली, टांग की पिण्डुरी ।

ਪਿੰਜਰ पिंजर् Piñjar [3] पुं०
पिञ्जर / पञ्जर (पुं०, नपुं०) अस्थि-पंजर, कंकाल ।

ਪਿੰਜਰਾ पिंजरा Piñjrā [3] पुं०
पिञ्जर/पञ्जर (पुं०, नपुं०) पिंजड़ा ।

ਪਿੰਜੇਰਾ पिंजेरा Piñjerā [3] पुं०
पिञ्जक (वि०) धुनिया, रुई धुनने वाला ।

ਪਿੱਠ पिट्ठ् Piṭṭh [3] स्त्री०
पृष्ठ/पृष्टि/पृष्टी (नपुं० / स्त्री०) पीठ, मेरुदण्ड ।

ਪਿੱਠਭੂਮੀ पिट्ठ्भूमी Piṭṭh-Bhūmī [3] स्त्री०
पृष्ठभूमि (स्त्री०) पृष्ठभूमि, पिछला भाग; प्रसंग ।

ਪਿਡ पिड् Piḍ [3] पुं०
पिण्ड (पुं०) पिण्ड, देह ।

ਪਿੰਡ पिण्ड् Piṇḍ [3] पुं०
द्र०— ਪਿਡ ।

ਪਿੰਡਾ पिण्डा Piṇḍā [3] पुं०
पिण्ड (नपुं०, पुं०) पिण्ड, पिण्डा, खीर आदि का पिण्ड जो पितरों के लिए होता है ।

ਪਿਤਰੀ¹ पित्री Pitrī [3] पुं०
पितृ (पुं०) पितर, मृत पूर्वज आदि ।

ਪਿਤਰੀ² पित्री Pitrī [3] वि०
पित्र्य (वि०) पितरों से सम्बन्धित, पितृ-कर्म आदि ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਿਤਰੀ-ਕਰਮ पित्री-करम् Pitrī-Karam [3] पुं०
पितृकर्मन् (नपुं०) पितृ-कर्म, श्राद्ध आदि कर्म।

ਪਿਤਰੀ-ਧਨ पित्री-धन् Pitrī-Dhan [3] पुं०
पितृधन (नपुं०) पैत्रिक सम्पत्ति।

ਪਿਤਰੀ-ਰਿਣ पित्री-रिण् Pitrī-Riṇ [3] पुं०
पितृऋण / पितृण (नपुं०) पितृ-ऋण, प्रजोत्पादन।

ਪਿਤਰੀ-ਲੋਕ पित्री-लोक् Pitrī-Lok [3] पुं०
पितृलोक (पुं०) पितृलोक, यमलोक।

ਪਿਤਾਮਾ पितामा Pitāmā [3] पुं०
पितामह (पुं०) पितामह, दादा, बाबा।

ਪਿਤਾਵਤ पितावत् Pitāvat [3] क्रि० वि०
पितृवत् (अ०) पितृ-तुल्य, पिता के समान।

ਪਿਤੰਬਰ पितम्बर् Pitambar [3] स्त्री०
पीताम्बर (नपुं०) पीताम्बर, पीलावस्त्र।

ਪਿਤੰਬਰਧਾਰੀ पितम्बर्-धारी Pitambar-Dhārī [3] पुं०
पीताम्बरधारिन् (वि०) पीताम्बरधारी, पीला वस्त्र धारण करने वाला।

ਪਿੱਤ पित्त् Pitt [3] पुं०, स्त्री०
पित्त (नपुं०) पित्त, एक तरल पदार्थ जो शरीर के भीतर यकृत् में बनता है।

ਪਿੱਤਲ पित्तल् Pittal [3] पुं०
पित्तल (नपुं०) पीतल धातु।

ਪਿੱਤਲੀ पित्तली Pittalī [3] वि०
पित्तलीय (वि०) पीतल का, पीतल से सम्बन्धित।

ਪਿੱਤਾ पित्ता Pittā [3] पुं०
पित्त (नपुं०) पित्त, एक तरल पदार्थ जो शरीर के भीतर यकृत् में बनता है।

ਪਿਦੜਾ पिद्ड़ा Pidṛā [3] पुं०
पिद्व (पुं०) छोटे कद की एक चिड़िया।

ਪਿਦੜੀ पिद्ड़ी Pidṛī [3] स्त्री०
पिद्वी (स्त्री०) छोटे कद की एक मादा चिड़िया।

ਪਿੱਦਾ पिद्दा Piddā [3] पुं०
पिद्व (पुं०) छोटे कद की एक चिड़िया।

ਪਿੱਦੀ पिद्दी Piddī [3] स्त्री०
पिद्वी (स्त्री०) छोटे कद की एक चिड़िया।

ਪਿੰਨ पिन्न् Pinn [3] पुं०
पिण्ड (नपुं०, पुं०) खीर आदि पिण्ड जो पितरों के लिए होता है।

ਪਿੰਨਣਾ पिन्नणा Pinnaṇā [3] अक० क्रि०
पिण्डयति (चुरादि सक०) संकलित करना, इकट्ठा करना; पिण्ड बनाना।

ਪਿੰਨਾ पिन्ना Pinnā [3] पुं०
पिण्ड (वि०) रस्सी की लूंडी, रस्सी का लपेटा हुआ गोला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਿੰਨੀ पिन्नी Pinnī [3] स्त्री०
पिण्डि/पिण्डो (स्त्री०) टाँग की पिण्डली; गीली रेत का पिण्ड।

ਪਿਪਲੀਹੀ पिप्लीही Piplīhī [3] पुं०
पिपील (पुं०) चींटा, एक बड़ा काला कीड़ा।

ਪਿੱਪ पिप्प् Pipp [1] स्त्री०
पिप्लु (पुं०) मस्सा, तिल, शरीर पर होने वाली चित्ती, एक रोग-विशेष

ਪਿੱਪਲ पिप्पल् Pippal [3] पुं०
पिप्पल (पुं० / नपुं०) पुं०—पीपल का वृक्ष। नपुं०—पीपल का फल।

ਪਿੱਪਲਾ-ਮੂਲ पिप्प्ला-मूल् Piplā-Mūl [3] पुं०
पिप्पली (स्त्री०) पीपर, ओषधि-विशेष।

ਪਿੱਪਲੀ पिप्प्ली Pipplī [3] स्त्री०
पिप्पल (पुं०) पीपल का छोटा पेड़।

ਪਿਰਥਮੇ पिर्थमे Pirthame [1] अ०
प्रथमम् (क्रि० वि०) पहले, सबसे पहले।

ਪਿਰਥਵੀ पिर्थ्वी Pirthvī [3] स्त्री०
पृथ्वी (स्त्री०) पृथ्वी, धरती।

ਪਿਰਮ पिरम् Piram [1] पुं०
प्रेमन् (नपुं०) प्रेम, अनुराग।

ਪਿਰਾਉਣਾ पिराउणा Pirāuṇā [1] अक० क्रि०
पीड्यते (चुरादि कर्मवाच्य) पीड़ित होना, दुःखना।

ਪਿਲਾਉਣਾ पिलाउणा Pilāuṇā [3] अक० क्रि०
पाययति (भ्वादि प्रेर०) पिलाना, पीने की प्रेरणा देना।

ਪਿੜਾ पिड़ा Piṛā [2] स्त्री०
पिटक (पुं०, नपुं०) ढक्कनदार छोटी टोकरी।

ਪੀ पी Pī [3] पुं०
प्रिय (वि०) प्यारा; मित्र।

ਪੀਂ पीं Pī [1] वि०
पीत (वि०) पीला, पीत वर्ण से युक्त।

ਪੀਆ पीआ Pīā [3] पुं०
प्रिय (पुं०) प्रिय, प्रेमी; पति।

ਪੀਸਕ पीसक् Pīsak [1] पुं०
पिष्टक (नपुं०) चूर्ण; लुगदी; आटा।

ਪੀਹਣ पीहण् Pīhaṇ [3] स्त्री०
पेषणीय (वि०) पीसने के लिये रखा हुआ अन्न।

ਪੀਸਣਾ पीस्णा Pīsṇā [3] सक० क्रि०
पिनष्टि (रुधादि सक०) पीसना, चूर्ण करना।

ਪੀਹਣਾ पीह्णा Pīhṇā [3] सक० क्रि०
पिनष्टि (रुधादि सक०) पीसना, चूर्ण करना।

ਪੀਂਘ पींघ् Pīgh [3] स्त्री०
प्रेङ्ख (पुं०) पेंग; पालना, झूला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੀਚਣਾ पीच्णा Pīcṇā [3] सक० क्रि०
पिच्चयति (नामधातु सक०) पीचना, दोनों ओर से दबाना।

ਪੀਠਣਾ पीठ्णा Pīṭhṇā [3] सक० क्रि०
पिनष्टि (रुधादि सक०) पीसना, चूर्ण करना।

ਪੀਠਾ पीठा Pīṭhā [1] पुं०
पिष्ट (नपुं०, पुं०) आटा, पीठी।

ਪੀਠੀ पीठी Pīṭhī [3] स्त्री०
पिष्टि (स्त्री०) पीठी, आटे या चावल का बना खाद्य पदार्थ।

ਪੀਣਾ पीणा Pīṇā [3] सक० क्रि०
पिबति (भ्वादि सक०) पीना, पान करना।

ਪੀਤੰਬਰ पीतम्बर् Pītāmbar [3] पुं०
पीताम्बर (वि०) पीत वस्त्रों वाला।

ਪੀਤੰਬਰਧਾਰੀ पीतम्बर्धारी Pītambardhārī [3] पुं०
पीताम्बरधारिन् (वि०) पीत वस्त्र धारण करने वाला।

ਪੀਲਪਾਵਾ पील्पावा Pīlpāvā [3] पुं०
पीनपाद (पुं०) फीलपाँव, एक प्रकार का पैर का रोग।

ਪੀਲਾ पीला Pīlā [3] वि०
पीत (वि०) पीला, पीले वर्ण से युक्त।

ਪੀੜਨਾ पीड़्ना Pīṛnā [3] सक० क्रि०
पीडयति (चुरादि सक०) दबाना, पीड़ित करना।

ਪੀੜਿਤ पीड़ित् Pīṛit [3] वि०
पीडित (वि०) पीड़ित, दुःखी।

ਪੀੜ੍ਹਾ पीढ़ा Pīṛhā [3] पुं०
पीठ (नपुं०, पुं०) बैठने के लिए काष्ठ का बना आसन, पीठ, पीढ़ा।

ਪੀੜ੍ਹੀ पीढ़ी Pīṛhī [3] स्त्री०
पीठिका (स्त्री०) पीढ़ी, छोटी पीढ़ी।

ਪੁਆਉਣਾ प्वाउणा Pvāuṇā [3] सक० क्रि०
प्रपातयति (भ्वादि प्रेर०) गिराना; ढलवाना।

ਪੁਸ਼ਟ पुशट् Puśaṭ [3] वि०
पुष्ट (वि०) पुष्ट, तगड़ा।

ਪੁਸ਼ਟੀ पुश्टी Puśtī [3] स्त्री०
पुष्टि (स्त्री०) पुष्टि, पोषण; समर्थन।

ਪੁਸ਼ਟੀਕਾਰ पुश्टीकार् Puśṭīkār [3] पुं०
पुष्टिकार (वि०) पुष्टि करने वाला, समर्थक।

ਪੁਸ਼ਟੀਕਾਰਕ पुश्टीकारक् Puśṭīkārak [3] वि०
पुष्टिकारक (वि०) पुष्टिकारक, पोषिटक, बल-वर्द्धक।

ਪੁਸਤਕ पुस्तक् Pustak [3] स्त्री०
पुस्तक (नपुं०, पुं०) पुस्तक, ग्रन्थ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੁਸਤਕਾਲਾ पुस्तकाला Pustakālā [1] पुं०
पुस्तकालय (पुं०) पुस्तकालय, ग्रन्थालय।

ਪੁਸਤਿਕਾ पुस्तिका Pustikā [3] स्त्री०
पुस्तिका (स्त्री०) छोटी-पुस्तक; कापी।

ਪੁਸ਼ਪ पुशप् Puśap [3] पुं०
पुष्प (नपुं०) पुष्प, फूल।

ਪੁਸ਼ਪੀ पुश्पी Puśpī [3] स्त्री०
शङ्खपुष्पी (स्त्री०) शंखपुष्पी नामक एक वनस्पति।

ਪੁਹਾਰਾ पुहारा Puhārā [1] पुं०
प्रसार (पुं०) बुखार या चेचक का विस्तार, फैलाव।

ਪੁੱਗਣਾ पुग्गणा Puggṇā [3] अक० क्रि०
पूर्यते (दिवादि कर्मवाच्य) पूर्ण होना, भरा जाना।

ਪੁਛਾਉਣਾ पुछाउणा Puchāuṇā [3] सक० क्रि०
प्रच्छयति (तुदादि प्रेर०) पुछवाना, पूछने की प्रेरणा देना।

ਪੁੱਛ पुच्छ् Pucch [3] स्त्री०
पृच्छा (स्त्री०) पूछने की इच्छा।

ਪੁੱਛਣਾ पुच्छ्णा Pucchṇā [3] सक० क्रि०
पृच्छति (तुदादि सक०) पूछना, प्रश्न करना।

ਪੁਜਾਉਣਾ[1] पुजाउणा Pujāuṇā [3] अक० क्रि०
पूज्यते (चुरादि कर्मवाच्य) पूजा कराना, पूजित होना।

ਪੁਜਾਉਣਾ[2] पुजाउणा Pujāuṇā [1] सक० क्रि०
पूरयति (चुरादि सक०) भरना, पूरा करना।

ਪੁਜਾਰੀ पुजारी Pujārī [3] पुं०
पूजाचारिन् (वि०) पुजारी, पूजा करने वाला।

ਪੁੱਜਣਾ पुज्ज्णा Pujjṇā [3] सक० क्रि०
प्राप्नोति (स्वादि सक०) पहुँचना, प्राप्त करना।

ਪੁੱਠ पुट्ठ् Puṭṭh [3] पुं०
पुट (पुं०) परत, आच्छादन।

ਪੁੱਠਾ[1] पुट्ठा Puṭṭhā [3] पुं०
पृष्ठ (नपुं०) पृष्ठ प्रदेश, पीठ; पशुओं का पुट्ठा।

ਪੁੱਠਾ[2] पुट्ठा Puṭṭhā [3] वि०
पुष्ट (वि०) पुष्ट, मजबूत, दृढ़।

ਪੁਣਨਾ पुण्ना Puṇṇā [3] सक० क्रि०
पुनाति (क्र्यादि सक०) छानना, शुद्ध करना।

ਪੁਣੀਣਾ पुणीणा Puṇīṇā [3] सक० क्रि०
पूयते (क्र्यादि कर्मवाच्य) पुनीत होना, शुद्ध होना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੁਤਲਾ पुत्ला Putlā [3] पुं०
पुत्रक > पुत्रल (पुं०) पुतला, पुतली; कठ-पुतली; आँख का गोलक।

ਪੁਤਲੀ पुत्ली Putlī [3] स्त्री०
पुत्रिका (स्त्री०) पुतली, कठपुतली।

ਪੁੱਤ पुत्त् Putt [3] पुं०
पुत्र (पुं०) पुत्र, सुत, बेटा।

ਪੁੱਤਰ पुत्तर् Puttar [3] पुं०
द्र०—ਪੁੱਤ।

ਪੁੱਤਰਵਾਨ पुत्तर्वान् Puttarvān [3] पुं०
पुत्रवत् (वि०) पुत्रवान्, पुत्रवाला।

ਪੁੱਤਰਵੰਤੀ पुत्तर्वन्ती Puttarvantī [3] स्त्री०
पुत्रवती (स्त्री०) पुत्रवती, पुत्रवाली।

ਪੁੱਤਰੀ पुत्तरी Puttarī [3] स्त्री०
पुत्री (स्त्री०) पुत्री, बेटी, कन्या।

ਪੁੰਨ पुन्न् Punn [3] पुं०
पुण्य (अ०) पुण्य, धर्म, सुकृत्।

ਪੁਨਰ पुनर् Punar [3] अ०
पुनर् (अ०) पुनः, फिर।

ਪੁਨਰੁਕਤੀ पुनरुक्ती Punruktī [3] स्त्री०
पुनरुक्ति (स्त्री०) पुनरुक्ति दुहराने की क्रिया।

ਪੁੰਨਾਤਮਾ पुन्नात्मा Punnātmā [3] वि०
पुण्यात्मन् (वि०) पुण्यात्मा, धर्मात्मा।

ਪੁੰਨਾਰਥ पुन्नारथ् Punnārath [3] पुं०
पुण्यार्थ (पुं०) पुण्यार्थ, धर्मार्थ।

ਪੁੰਨਿਆਂ पुन्निआँ Punniā̃ [3] पुं०
पूर्णिमा (स्त्री०) पूर्णिमा, पूनम, शुक्ल पक्ष की अन्तिम तिथि।

ਪੁੰਨੀ पुन्नी Punnī [3] वि०
पुण्यिन् (वि०) पुण्यशाली, धर्मात्मा।

ਪੁਨੀਤ पुनीत् Punīt [3] वि०
पुनीत (वि०) पुनीत, पवित्र।

ਪੁਰ पुर् Pur [1] क्रि० वि०
उपरि (अ०) ऊपर, ऊर्ध्व।

ਪੁਰਸ਼ਾਰਥ पुर्शारथ् Purśārath [3] पुं०
पुरुषार्थ (पुं०) पुरुषार्थ, उद्यम।

ਪੁਰਸ਼ਾਰਥੀ पुर्शार्थी Purśārthī [3] पुं०
पुरुषार्थिन् (वि०) पुरुषार्थी, उद्यमी।

ਪੁਰਸ਼ੋਤਮ पुरशोतम् Puaśotam [3] पुं०
पुरुषोत्तम (पुं० / वि०) पुं०—भगवान् पुरुषोत्तम, ईश्वर। वि०—श्रेष्ठ पुरुष।

ਪੁਰਖ पुरख् Purakh [3] पुं०
पुरुष (पुं०) पुरुष, आदमी, नर।

ਪੁਰਖਵਾਚਕ पुरख्वाचक् Purakhvācak [3] वि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

पुरुषवाचक (वि०) पुरुष से संबन्धित; व्याकरण का एक पारिभाषिक शब्द।

ਪੁਰਖਾ पुर्खा Purkhā [3] पुं०
पुरुष (पुं०) प्राचीन पुरुष, पूर्वज।

ਪੁਰਖਾਰਥ पुर्खारथ् Purkhārath [3] पुं०
पुरुषार्थ (पुं०) पुरुषार्थ, उद्यम।

ਪੁਰਖਾਰਥੀ पुर्खार्थी Purkhārthī [3] पुं०
द्र०—ਪੁਰਸ਼ਾਰਥੀ।

ਪੁਰਬ पुरब Purab [3] पुं०
पर्वन् (नपुं०) पर्व, उत्सव।

ਪੁਰਬਾਸੀ पुर्बासी Purbāsī [1] वि०
पुरवासिन् (वि०) नगर-निवासी, नागरिक।

ਪੁਰਵਾ पुर्वा Purvā [2] स्त्री०/वि०
पूर्व (स्त्री० / वि०) स्त्री०—पूर्व दिशा। वि०—पहले का।

ਪੁਰਵਾਈ पुर्वाई Purvāī [3] स्त्री०
पुरोवात (पुं०) पूर्वी हवा, पूर्वीय वायु।

ਪੁਰਾ पुरा Purā [3] पुं०
पुरोवात (पुं०) पूर्वी वायु, पुरवैया।

ਪੁਰਾਣਾ पुराणा Purāṇā [3] पुं०
पुराण (वि०) पुराना, प्राचीन।

ਪੁਰਾਣਿਕ पुराणिक् Purāṇik [3] वि०
पौराणिक (वि०) पौराणिक, पुराण से संबन्धित, पुराण का प्रवक्ता, व्यास, कथावाचक।

ਪੁਰਾਤਨ पुरातन् Purātan [3] वि०
पुरातन (वि०) पुरातन, पुराना, प्राचीन।

ਪੁਰਾਤੱਤਵ-ਵਿਗਿਆਨ पुरातत्तव्-विग्यान् Purātattav-Vigyān [3] पुं०
पुरातत्त्वविज्ञान (नपुं०) पुरातत्त्व विज्ञान, अध्ययन की एक शाखा।

ਪੁਰਾਤਨਤਾ पुरातन्ता Purātantā [3] स्त्री०
पुरातनता (स्त्री०) पुरातनता, प्राचीनता।

ਪੁਰਾਨ पुरान् Purān [3] वि०/पुं०
पुराण (वि० / नपुं०) वि०—पुराना, प्राचीन। नपुं०—अट्ठारह पुराण।

ਪੁਰਾਵਿਦਿਆ पुराविद्या Purāvidyā [3] स्त्री०
पुराविद्या (स्त्री०) पुराविद्या, अध्यात्म-ज्ञान-आत्म-विज्ञान।

ਪੁਰੋਹਤ पुरोहत् Purohat [3] पुं०
पुरोहित (पुं०) पुरोहित, पुरोधा।

ਪੁਰੋਹਿਤਾਈ पुरोहिताई Purohitāī [3] स्त्री०
पौरोहित्य (नपुं०) पौरोहित्य, पुरोहित का कर्म या भाव।

ਪੁਲਕਿਤ पुल्कित् Pulkit [3] वि०
पुलकित (वि०) पुलकित, रोमांचित (प्रसन्नता की स्थिति में)।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੁੜਾ पुड़ा Puṛā [3] पुं०
पुट (पुं०, नपुं०) पुड़िया, पैकेट ।

ਪੁੜੀ पुड़ी Puṛī [3] स्त्री०
पुट (पुं०) पुड़िया, छोटी पैकेट ।

ਪੂਛ पूछ् Pūch [3] स्त्री०
पुच्छ (नपुं०, पुं०) पूँछ, दुम ।

ਪੂੰਛ पूँछ् Pũch [3] स्त्री०
द्र०—ਪੂਛ ।

ਪੂਛਲ पूछल् Pūchal [3] स्त्री०
द्र०—ਪੂਛ ।

ਪੂਜਣਾ पूज्णा Pūjṇā [3] सक० क्रि०
पूजयति (चुरादि सक०) पूजना, सम्मानित करना ।

ਪੂਜਨੀਕ पूज्नीक् Pūjnīk [3] वि०
पूजनीय (वि०) पूजनीय, पूजा के योग्य ।

ਪੂਜਾ पूजा Pūjā [3] स्त्री०
पूजा (स्त्री०) पूजा, अर्चना, आराधना ।

ਪੂਜਾਚਾਰ पूजाचार् Pūjācār [3] स्त्री०
पूजाचार (पुं०) पूजा करने की प्रक्रिया या विधि ।

ਪੂੰਜੀ पूँजी Pũjī [3] स्त्री०
पुञ्ज (पुं०) ढेर, राशि, समूह ।

ਪੂੰਝਣ पूँझण् Pũjhaṇ [3] पुं०
प्रोञ्छन (नपुं०) झाड़न, झाड़ने का भाव ।

ਪੂੰਝਣਾ पूँझ्णा Pũjhṇā [3] सक० क्रि०
प्रोञ्छति (भ्वादि सक०) पोंछना, झाड़ना ।

ਪੂਨਾ पूना Pūnā [3] पुं०
पुन्नामन् (पुं०) पुन्नाग वृक्ष, वृक्ष-विशेष ।

ਪੂਰ पूर् Pūr [3] पुं०
पूर (पुं०) समूह, खेप ।

ਪੂਰਣ पूरण् Pūraṇ [3] वि०
पूर्ण (वि०) पूर्ण, भरा हुआ, सम्पूर्ण ।

ਪੂਰਣਮਾਸ਼ੀ पूरण्माशी Pūraṇmāśī [3] स्त्री०
पूर्णमासी (स्त्री०) पूर्णमासी, पूर्णिमा ।

ਪੂਰਣਿਮਾ पूर्णिमा Pūrṇimā [3] स्त्री०
पूर्णिमा (स्त्री०) पूर्णिमा तिथि, पूर्णमासी ।

ਪੂਰਤੀ पूर्ती Purtī [3] स्त्री०
पूर्त्ति (स्त्री०) पूर्त्ति, समाप्ति ।

ਪੂਰਨਾ पूर्ना Pūrnā [3] सक० क्रि०
पूरयति (चुरादि सक०) पूर्ण करना, भरना ।

ਪੂਰਬ पूरब् Pūrab [3] वि०/पुं०
पूर्व (वि०/स्त्री) वि०—पूर्व, पहले, प्रथम । स्त्री०—पूर्व दिशा ।

ਪੂਰਬਕ पूर्बक् Pūrbak [3] क्रि० वि०
पूर्वक (क्रि० वि०) पूर्वक, सहित ।

ਪੂਰਬਕਾਲੀ पूरब्काली Pūrabkālī [3] वि०
पूर्वकालिक (वि०) पूर्वकालीन, पहले का ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੂਰਬਾਰਧ पूर्बारध् Pūrbāradh [3] वि०
पूर्वार्द्ध (वि०) पूर्वार्द्ध, पहला आधा।

ਪੂਰਬੀ पूर्बी Pūrbī [3] वि०
पूर्वीय (वि०) पूर्वीय, पूर्व का, पहले का; पूर्व दिशा का।

ਪੂਰਬੀਆ पूर्बिआ Pūrbiā [3] वि०
पूर्वीय (वि०) पूर्वीय, पूर्व दिशा का; पहले का।

ਪੂਰਬੋਕਤ पूर्बोकत् Pūrbokat [3] वि०
पूर्वोक्त (वि०) पहले कहा हुआ, पूर्व में कथित।

ਪੂਰਬੋਤਰ पूर्बोतर् Pūrbotar [3] पुं०
पूर्वोत्तर (नपुं०) पूर्वोत्तर, पूर्व और उत्तर।

ਪੂਰਵ पूरव् Pūrav [3] क्रि० वि०
पूर्व (क्रि० वि०) पूर्व, पहले।

ਪੂਰਵਜ पूर्वज् Pūrvaj [3]पुं०
पूर्वज (पुं०) पूर्वज, पुरखे।

ਪੂਰਵ-ਪੱਖ पूरव्-पक्ख् Pūrav-Pakkh [3] पुं०
पूर्वपक्ष (पुं०) पूर्वपक्ष, खण्डनीय पक्ष।

ਪੂਰਵਾਰਧ पूर्वारध् Pūrvāradh [3] वि०
पूर्वार्द्ध (वि०) पहला आधा।

ਪੂਰਾ पूरा Pūrā [3] पुं०
पूर्ण (वि०) पूर्ण, सारा।

ਪੂਰੀ पूरी Pūrī [3] स्त्री०
पूर (पुं०) पूड़ी, पूरी।

ਪੂਲਾ पूला Pūlā [3] पुं०
पूल (पुं०) तृण आदि का ढेर, पूला।

ਪੂਲੀ पूली Pūlī [3] स्त्री०
पूलिका (स्त्री०) तृण आदि की छोटी ढेरी।

ਪੂੜਾ पूड़ा Pūṛā [2] पुं०
अपूप/पूप (पुं०, नपुं०) पूआ, मालपूआ।

ਪੂੜੀ पूड़ी Pūṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਪੂਰੀ।

ਪੇਖਣ पेखण् Pekhaṇ [3] पुं०
प्रेक्षण (नपुं०) प्रेक्षण, देखने की क्रिया।

ਪੇਖਣਾ पेख्णा Pekhṇā [3] सक० क्रि०
प्रेक्षते (भ्वादि सक०) देखना, अवलोकन करना।

ਪੇਪੜੀ पेप्ड़ी Pepṛī [3] स्त्री०
पर्पटी (स्त्री०) पपड़ी, शुष्क कीचड़ की परत।

ਪੇਮੀ पेमी Pemī [1] पुं०
प्रेमिन् (वि०) प्रेमी, प्रेम करने वाला।

ਪੇਲਣਾ पेल्णा Pelṇā [3] सक० क्रि०
प्रपीडयति (सोपसर्ग चुरादि सक०) दण्डादि व्यायाम करना; गन्ने आदि का पेरना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੇੜ पेड़् Peṛ [3] पुं०
पेट (नपुं०, पुं) लोहार या स्वर्णकार के उपकरण को रखने का झोला।

ਪੈਸਾ पैसा Paisā [3] पुं०
पणक/पण (पुं०) पैसा।

ਪੈਂਹਠ पैंह्ठ् Paiṅhṭh [3] वि०
पञ्चषष्टि (स्त्री०) पैंसठ, 65 संख्या से परिछिन्न वस्तु।

ਪੈਂਹਠਵਾਂ पैंह्ठवाँ Paiṅhṭhavā̃ [3] पुं०
पञ्चषष्टितम (वि०) पैंसठवाँ, 65वाँ।

ਪੈਜ पैज् Paij [3] स्त्री०
प्रतिज्ञा (स्त्री०) प्रतिज्ञा, शपथ।

ਪੈਂਡਾ पैंडा Paiṅḍā [3] पुं०
पददण्ड (पुं०) पगदण्डी, पतला रास्ता, छोटा मार्ग।

ਪੈਣਾ पैणा Paiṇā [3] अक० क्रि०
पतति (भ्वादि अक०) लोटना; गिरना, पड़ना।

ਪੈਂਤੜਾ पैंत्ड़ा Paiṅtṛā [3] पुं०
पदान्तर (नपुं०) पैंतरा, दृष्टिकोण का परिवर्तन।

ਪੈਂਤੀ पैंती Paiṅtī [3] वि०
पञ्चत्रिंशत् (स्त्री०) पैंतीस; 35 संख्या से युक्त वस्तु।

ਪੈਂਤੀਵਾਂ पैंतीवाँ Paiṅtīvā̃ [3] पुं०
पञ्चत्रिंशत्तम (वि०) पैंतीसवाँ, 35वाँ।

ਪੈਂਦ पैंद् Paiṅd [3] स्त्री०
द्र०—पांद।

ਪੈਦਲ पैदल् Paidal [3] वि०
पदाति (स्त्री०) पैदल चलने वाला यात्री, सेना का सिपाही।

ਪੈਨਾ पैना Painā [3] पुं०
प्रतीक्ष्ण (नपुं०) अत्यन्त तीखा, तेज।

ਪੈਰ पैर् Pair [3] पुं०
पाद (पुं०) पैर, पाँव।

ਪੋਆ पोआ Poā [1] पुं०
पोट (पुं०) किसलय, वृक्षादि का कोंपल।

ਪੋਈ पोई Poī [1] स्त्री०
पूतिका (स्त्री०) पोय का साग, पोई।

ਪੋਸਣ पोसण् Posaṇ [3] पुं०
पोषण (नपुं०) पोसने का भाव, पालन, पोषण।

ਪੋਹ पोह् Poh [3] पुं०
पौष (पुं०) पौस मास।

ਪੋਹਣਾ पोह्णा Pohṇā [3] सक० क्रि०
प्रबोधयति (भ्वादि प्रेर०) प्रभावित करना, बोधन करना।

ਪੋਹਲੋ पोह्लो Pohlo [3] वि०
द्र०—पुहलो।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੋਖਰ पोखर् Pokhar [1] पुं०
पुष्कर (पुं०) तालाब; सरोवर।

ਪੋੱਗਾ पोग्गा Poggā [2] पुं०
प्रोद्गत (वि०) अंकुर।

ਪੋਚਣਾ पोच्णा Pocṇā [3] सक० क्रि०
पोतन (नपुं०) पोंछना, पोतना, लीपना।

ਪੋਚਾ पोचा Pocā [3] पुं०
पोत (पुं०) पोंछा लगाने का वस्त्र, प्रोञ्छन।

ਪੋਂਡਾ पोण्डा Poṇḍā [3] पुं०
पौण्ड्र (पुं०) ईख या गन्ना विशेष।

ਪੋਣਾ पोणा Poṇā [3] पुं०
पवन (नपुं०) कपड़े का छोटा टुकड़ा जिससे दूध आदि छाना जाता है, रसोई घर का वह वस्त्र जिससे गर्म पात्र पकड़ा या उतारा जाता है।

ਪੋਤ पोत् Pot [3] पुं०
पौत्र (पुं०) पोता, पुत्र का पुत्र।

ਪੋਤਣਾ पोत्णा Potṇā [3] सक० क्रि०
पवते (भ्वादि सक०) पोंछना, पोतना, लीपना।

ਪੋਤਰ पोतर् Potar [3] पुं०
पुत्र (पुं०) पुत्र, बेटा।

ਪੋਤੜਾ पोत्ड़ा Potṛā [3] पुं०
पोत्र (नपुं०) बच्चे का निचला या अधोवस्त्र, कच्छा।

ਪੋਤੀ पोती Potī [3] स्त्री०
पौत्री (स्त्री०) पोती, पुत्र की पुत्री।

ਪੋਥਾ पोथा Pothā [3] पुं०
पुस्तक (पुं०, नपुं०) पोथा, मोटी पुस्तक।

ਪੋਥੀ पोथी Pothī [3] स्त्री०
पुस्तक (पुं०, नपुं०) छोटी पुस्तक, पोथी।

ਪੋਨਾ पोना Ponā [3] पुं०
द्र०—ਪੋਂਡਾ।

ਪੋਲੀ पोली Polī [3] स्त्री०
पोलिका / पोली (स्त्री०) पतली रोटी, रोटी।

ਪੌਸ਼ਟਿਕ पौष्टिक् Pauṣṭik [3] वि०
पौष्टिक (वि०) पुष्टिकारक, बलवर्द्धक।

ਪੌਣ पौण् Pauṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਪਵਨ।

ਪੌਣ-ਚੱਕੀ पौण्-चक्की Pauṇ-Cakkī [3] स्त्री०
पवनचक्की (स्त्री०) पनचक्की।

ਪੌਣਾ पौणा Pauṇā [3] वि०
पादोन (वि०) पौन, ¾ भाग।

ਪੌਰਾਣਿਕ पौराणिक् Paurāṇik [3] पुं०/वि०
पौराणिक (वि०/पुं०) वि०—पुराणों का ज्ञाता, पुराण-संबन्धी। पुं०—पुराण-वाचक, व्यास।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੌਲਾ पौला Paulā [3] पुं०
पादुका (स्त्री०) जूता, पनही, खड़ाऊँ।

ਪੌਲੀ पौली Paulī [3] स्त्री०
पादोन (वि०) रूपये का चौथा हिस्सा, चवन्नी।

ਪੌੜ पौड़ Pauṛ [3] पुं०
पादु (पुं०) घोड़े का खुर।

ਪੰਸੇਰਾ पंसेरा Panserā [3] वि०
पञ्चसेटक (नपुं०) पसेरा, पाँच सेर का बाट।

ਪੰਸੇਰੀ पंसेरी Panserī [3] स्त्री०
पञ्चसेटिका (स्त्री०) पसेरी, पाँच सेर का एक माप।

ਪੰਕ पंक् Paṅk [3] पुं०
पङ्क (पुं०) पंक; धूली।

ਪੰਖ पंख् Paṅkh [3] पुं०
पक्ष (पुं०) पंख, पाँख।

ਪੰਖਬਸੇਰਾ पंख्बसेरा Paṅkh-Baserā [3] पुं०
पक्षिवास (पुं०) पक्षियों का आवास स्थान, घोंसला।

ਪੰਖੇਰੂ पंखेरू Paṅkherū [3] पुं०
पक्षिरूप (पुं०) पक्षी, चिड़िया।

ਪੰਗਤ पंगत् Paṅgat [3] स्त्री०
पङ्क्ति (स्त्री०) पंक्ति, कतार।

ਪੰਗੂ पंगू Paṅgū [3] पुं०
पङ्गु (पुं०) लंगड़ा, पंगु।

ਪੰਘਾਰਨਾ पंघार्ना Paṅghārnā [3] सक० क्रि०
प्रगालयति (भ्वादि प्रेर०) गलाना।

ਪੰਚਤੰਤਰ पंचतन्तर् Pañcatantar [3] पुं०
पञ्चतन्त्र (नपुं०) पञ्चतन्त्र नामक ग्रन्थ।

ਪੰਚਾਇਤ पंचाइत् Pañcāit [3] स्त्री०
पञ्चायतन (नपुं०) पंचायत, पंचों की सभा।

ਪੰਜ पंज् Pañj [3] वि०
पञ्चन् (वि०) पाँच, 5।

ਪੰਜਕ पंजक् Pañjak [3] वि०
पञ्चक (वि०) पाँच का समूह, 5 संख्या से सम्पन्न।

ਪੰਜਤਾਲੀ पंज्ताली Pañjtālī [3] वि०
पञ्चचत्वारिंशत् (स्त्री०) पैंतालीस, 45 संख्या से युक्त वस्तु।

ਪੰਜਭੂਤ पंज्भूत् Pañjbhūt [3] पुं०
पञ्चभूत (नपुं०) क्षिति, जल, पावक, गगन, समीर ये पाँच तत्त्व।

ਪੰਜਮ पंजम् Pañjam [1] वि०
पञ्चम (वि०) पाँचवाँ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੰਜਰਤਨ पंज्-रतन् Pañj-Ratan [3] पुं०
पञ्चरत्न (नपुं०) सोना, हीरा, नीलम, लाल और मोती ये पाँच रत्न।

ਪੰਜਲੂਣ पंज्लूण् Pañjlūṇ [1] पुं०
पञ्चलवण (नपुं०) समुद्री, सौवर्चल, बिड़, सेंधा और साँभर—ये पाँच प्रकार के नमक।

ਪੰਜਵਾਂ पंज्वाँ Pañjvā̃ [3] पुं०
पञ्चम (वि०) पाँचवाँ, 5वाँ।

ਪੰਜਵੀਂ पंज्वीं Pañjvī [3] स्त्री०
पञ्चमी (स्त्री०) पञ्चमी तिथि।

ਪੰਜਾਹ पंजाह् Pañjāh [3] वि०
पञ्चाशत् (स्त्री०) पचास, 50।

ਪੰਜਾਂਗ पंजांग् Pañjāṅg [3] पुं०
पञ्चाङ्ग (पुं०) पाँच का अंक।

ਪੰਜੀਰੀ पंजीरी Pañjīrī [1] स्त्री०
पञ्चजीरक (नपुं०) पंजीरी।

ਪੰਜੂਣਾ पंजूणा Pañjūṇā [1] वि०
पञ्चगुण (वि०) पाँचगुना।

ਪੰਜੋਕੜਾ पंजोक़ड़ा Pañjokṛā [2] वि०
पञ्चक (वि०) पाँच का समूह।

ਪੰਜੌਣਾ पंजौणा Pañjauṇā [3] वि०
पञ्चगुण (वि०) पाँचगुना।

ਪੰਝ पंझ् Pañjh [3] वि०
पञ्चन् (वि०) पाँच, 5।

ਪੰਝੱਤਰ पंझत्तर् Pañjhattar [3] वि०
पञ्चसप्तति (स्त्री०) पचहत्तर, 75 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪੰਝੱਤਰਵਾਂ पंझत्तर्वाँ Pañjhattarvā̃ [3] पुं०
पञ्चसप्ततितम (वि०) पचहत्तरवाँ।

ਪੰਝੀ पंझी Pañjhī [3] वि०
पञ्चविंशति (स्त्री०) पच्चीसवाँ, 25 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਪੰਝੀਵਾਂ पंझीवाँ Pañjhīvā̃ [3] वि०/पुं०
पञ्चविंशतितम (वि०) पच्चीसवाँ।

ਪੰਡਾ पण्डा Paṇḍā [3] पुं०
पण्डित (पुं०) तीर्थों का पण्डा।

ਪੰਡੋਲ पण्डोल Paṇḍol [3] पुं०
पटोल (पुं०) परवल, सब्जी-विशेष।

ਪੰਤਾਲੀ पंताली Pantālī [3] वि०
पञ्चचत्वारिंशत् (स्त्री०) पैंतालीस, 45 संख्या से युक्त वस्तु।

ਪੰਤਾਲੀਵਾਂ पंतालीवाँ Pantālīvā̃ [3] वि०/पुं०
पञ्चचत्वारिंशत्तम (वि०) पैंतालीसवाँ, 45वाँ।

ਪੰਥ पन्थ् Panth [3] पुं०
पन्थाः (प्रथमान्त) पन्थ, पथ, मार्ग।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੰਦਰਵਾਂ पन्दर्वाँ Pandarvā̃ [3] पुं०
पञ्चदश (वि०) पन्द्रहवाँ, 15वाँ

ਪੰਦਰਾਂ पन्द्राँ Pandrā̃ [3] वि०
पञ्चदशन् (वि०) पन्द्रह, 15 संख्या से युक्त वस्तु।

ਪੰਧ पन्ध् Pandh [3] पुं०
पन्थाः (प्रथमान्त एक व०) मार्ग, पथ, रास्ता, सड़क।

ਪੰਨਾ पन्ना Pannā [3] पुं०
पर्ण (पुं०) पत्ता; पृष्ठ, पेज।

ਪ੍ਰਸਤਾਰ प्रस्तार् Prstār [3] पुं०
प्रस्तार (पुं०) विस्तार, फैलाव।

ਪ੍ਰਸ਼ਨ प्रश्न् Praśn [3] पुं०
प्रश्न (पुं०) प्रश्न, सवाल।

ਪ੍ਰਸ਼ਨੋਤਰੀ प्रश्नोत्री Praśnotrī [3] स्त्री०
प्रश्नोत्तरी (स्त्री०) प्रश्नोत्तरी; प्रश्नों और उनके उत्तरों की पुस्तक।

ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ प्रशासक् Praśāsak [3] पुं०
प्रशासक (पुं०) प्रशासक, शासन करने वाला।

ਪ੍ਰਸਾਰ प्रसार् Prasār [3] पुं०
प्रसार (पुं०) प्रसार, फैलाव।

ਪ੍ਰਸਿੱਧ प्रसिद्ध् Prasiddh [3] वि०
प्रसिद्ध (वि०) प्रसिद्ध, विख्यात।

ਪ੍ਰਸਿੱਧੀ प्रसिद्धी Prasiddhī [3] स्त्री०
प्रसिद्धि (स्त्री०) प्रसिद्धि, ख्याति।

ਪ੍ਰਸੂਤ प्रसूत् Prasūt [3] पुं०
प्रसूति (स्त्री०) प्रसव, जनन, उत्पत्ति; उद्भव; सन्तति।

ਪ੍ਰਸੂਤਕਾ प्रसूत्का Prasūtkā [3] स्त्री०
प्रसूतिका (स्त्री०) प्रसूतिका, जच्चा स्त्री, वह स्त्री जिसके हाल में बच्चा पैदा हुआ हो।

ਪ੍ਰਸੂਤਾ प्रसूता Prasūtā [3] स्त्री०
प्रसूता (स्त्री०) जच्चा स्त्री, प्रसूतिका।

ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਕ प्रशंसक् Praśansak [3] पुं०
प्रशंसक (वि०) प्रशंसा करने वाला, गुण वर्णन करने वाला।

ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਨੀ प्रशंस्नी Praśansnī [3] वि०
प्रशंसनीय (वि०) प्रशंसनीय, प्रशंसा के योग्य।

ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ प्रशंसा Praśansā [3] स्त्री०
प्रशंसा (स्त्री०) प्रशसा, बड़ाई।

ਪ੍ਰਸੰਗ प्रसंग् Prasaṅg [3] पुं०
प्रसङ्ग (पुं०) सम्बन्ध; उपयुक्त काल।

ਪ੍ਰਸੰਨ प्रसन्न् Prasann [3] वि०
प्रसन्न (वि०) प्रसन्न, खुश।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਸੰਨਤਾ प्रसन्नता Prasannatā [3] स्त्री०
प्रसन्नता (स्त्री०) प्रसन्नता, खुशी ।

ਪ੍ਰਕਰਣ प्रक्रण Prakraṇ [3] पुं०
प्रकरण (नपुं०) प्रकरण, प्रसंग ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ प्रकाश् Prakāś [3] पुं०
प्रकाश (पुं०) प्रकाश, चमक, आभा ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕ प्रकाशक् Prakāśak [3] पुं०
प्रकाशक (वि०) प्रकाश करने वाला ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਣਾ प्रकाश्णा Prakāśṇā [3] सक० क्रि०
प्रकाशयति (भ्वादि प्रेर०) प्रकाशित करना ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ प्रकाशन् Prakāśan [3] पुं०
प्रकाशन (नपुं०) प्रकाशन, प्रकाश में लाने का काम ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਵਾਨ प्रकाश्वान् Prakāśvān [3] वि०
प्रकाशवत् (वि०) प्रकाशवान्, प्रकाश से युक्त ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ प्रकाशित् Prakāśit [3] वि०
द्र०—ਪਰਕਾਸ਼ਤ ।

ਪ੍ਰਕਾਰ प्रकार् Prakār [3] पुं०
प्रकार (पुं०) प्रकार, तरह, ढंग, तौर-तरीका ।

ਪ੍ਰਕਿਰਤਕ प्रकिर्तक् Prakirtak [3] वि०
प्राकृतिक (वि०) प्राकृतिक, प्रकृति से सम्बन्धित ।

ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ प्रकिर्ती Prakirtī [3] स्त्री०
प्रकृति (स्त्री०) प्रकृति, स्वभाव ।

ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ प्रकिरिआ Prakiriā [3] स्त्री०
प्रक्रिया (स्त्री०) प्रक्रिया, ढंग ।

ਪ੍ਰਗਟ प्रगट् Pragaṭ [3] वि०
प्रकट (वि०) जो दिखलाई पड़े, प्रत्यक्ष, स्पष्ट ।

ਪ੍ਰਗਟਾਉ प्रग्टाउ Pragṭāu [3] पुं०
प्रकटन (नपुं०) प्रकट होने का भाव ।

ਪ੍ਰਗਟਾਉਣਾ प्रग्टाउणा Pragṭāuṇā [3] सक० क्रि०
प्रकटयति (भ्वादि प्रेर०) प्रकट करना ।

ਪ੍ਰਗਤੀ प्रग्ती Pragtī [3] स्त्री०
प्रगति (स्त्री०) प्रगति, उन्नति ।

ਪ੍ਰਗੂੜ੍ਹ प्रगूढ़् Pragūṛh [3] वि०
प्रगूढ (वि०) प्रगूढ़, अधिक गहरा; गुप्त ।

ਪ੍ਰਚਲਿਤ प्रच्लित् Praclit [3] वि०
प्रचलित (वि०) प्रचलित, चालू ।

ਪ੍ਰਚਾਰ प्रचार् Pracār [3] पुं०
प्रचार (पुं०) प्रचार, किसी वस्तु का निरन्तर उपयोग में आना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਚਾਰਕ प्रचारक् Pracārak [3] पुं०
प्रचारक (वि०) प्रचारक, प्रचार करने वाला।

ਪ੍ਰਚਾਰਕਾ प्रचार्का Pracārkā [3] स्त्री०
प्रचारिका (स्त्री०) प्रचार करने वाली।

ਪ੍ਰਚੰਡ प्रचण्ड् Pracaṇḍ [3] वि०
प्रचण्ड (वि०) प्रचण्ड, प्रखर; बलवान्; तेजस्वी।

ਪ੍ਰਚੰਡਤਾ प्रचण्डता Pracaṇḍatā [3] स्त्री०
प्रचण्डता (स्त्री०) प्रचण्डता, प्रखरता; तेजस्विता।

ਪ੍ਰਜ੍ਵਲਿਤ प्रज्वलित् Prajvalit [3] वि०
प्रज्वलित (वि०) प्रज्वलित, आग की लपट से युक्त।

ਪ੍ਰਣਾਮ प्रणाम् Praṇām [3] पुं०
प्रणाम (पुं०) प्रणाम, नमस्कार, नमन।

ਪ੍ਰਣਾਲੀ प्रणाली Praṇālī [3] स्त्री०
प्रनाडी / प्रणाली (स्त्री०) छोटी नाली; रीति-रिवाज।

ਪ੍ਰਤੱਖ प्रतक्ख् Pratakkh [3] क्रि० वि०
प्रत्यक्ष (क्रि० वि०) प्रत्यक्ष, आँखों के सामने।

ਪ੍ਰਤਯਾਹਾਰ प्रत्याहार् Pratyāhār [3] पुं०
प्रत्याहार (पुं०) प्रत्याहार, योग के आठ अंगों में से एक अंग।

ਪ੍ਰਤਿ प्रति Prati [3] अ०
प्रति (अ०) प्रति, ओर, तरफ।

ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਠਾ प्रतिष्ठा Pratiṣṭhā [3] स्त्री०
प्रतिष्ठा (स्त्री०) प्रतिष्ठा, मान।

ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਠਾਵਾਨ ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਠਾਵਾਨ् Pratiṣṭhāvān [3] पुं०
प्रतिष्ठावत् (वि०) प्रतिष्ठावान्, इज्जतदार।

ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਠਿਤ प्रतिष्ठित् Pratiṣṭhit [3] वि०
प्रतिष्ठित (वि०) प्रतिष्ठित, सम्मानित।

ਪ੍ਰਤਿਗਿਆ प्रतिगिआ Pratigiā [3] स्त्री०
प्रतिज्ञा (स्त्री०) प्रतिज्ञा, प्रण, दृढ़ संकल्प; भरोसा, विश्वास।

ਪ੍ਰਤਿਗਿਆ-ਪੱਤਰ प्रतिगिआ-पत्तर् Pratigiā-Pattar [3] स्त्री०
प्रतिज्ञा-पत्र (नपुं०) प्रतिज्ञा-पत्र, शपथ-पत्र।

ਪ੍ਰਤਿਦਵੰਦੀ प्रतिद्वन्दी Pratidvandī [3] पुं०
प्रतिद्वन्द्विन् (वि०) प्रतिद्वन्द्वी, विरोधी।

ਪ੍ਰਤਿਧੁਨੀ प्रतिधुनी Pratidhunī [3] स्त्री०
प्रतिध्वनि (पुं०) प्रतिध्वनि, गूँज।

ਪ੍ਰਤਿਨਿਧ प्रतिनिध् Pratinidh [3] पुं०
प्रतिनिधि (पुं०) प्रतिनिधि, वह व्यक्ति जो दूसरे के बदले काम करने के लिये नियुक्त किया जाय।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਤਿਪਾਲ प्रतिपाल Pratipāl [3] वि०
प्रतिपाल (वि०) प्रतिपाल, प्रतिपालन करने वाला।

ਪ੍ਰਤਿਪਾਲਣਾ प्रतिपाल्णा Pratipāḷṇā [3] स्त्री०
प्रतिपालना (स्त्री०) प्रतिपालन, पालन करने का भाव।

ਪ੍ਰਤਿਬਿੰਬ प्रतिबिम्ब् Pratibimb [3] पुं०
प्रतिबिम्ब (पुं०, नपुं०) प्रतिबिम्ब, प्रतिच्छाया।

ਪ੍ਰਤਿਬਿੰਬਤ प्रतिबिम्बत् Pratibimbat [3] वि०
प्रतिबिम्बित (वि०) प्रतिबिम्बित, जिसकी छाया पड़ती हो; जिसका आभास होता है।

ਪ੍ਰਤਿਬੰਧ प्रतिबन्ध् Pratibandh [3] पुं०
प्रतिबन्ध (पुं०) प्रतिबन्ध, बाधा, रुकावट।

ਪ੍ਰਤਿਮਾ प्रतिमा Pratimā [3] स्त्री०
प्रतिमा (स्त्री०) प्रतिमा, मूर्ति, अनुकृति, चित्र।

ਪ੍ਰਤਿਯੋਗਤਾ प्रतियोग्ता Pratiyogtā [3] स्त्री०
प्रतियोगिता (स्त्री०) प्रतियोगिता, प्रतिस्पर्धा, होड़।

ਪ੍ਰਤੀਖਿਆ प्रतिखीआ Pratīkhiā [3] स्त्री०
प्रतीक्षा (स्त्री०) प्रतीक्षा, इन्तजार।

ਪ੍ਰਤੀਤ प्रतीत् Pratīt [3] पुं०
प्रतीति (स्त्री०) प्रतीति, विश्वास, भरोसा।

ਪ੍ਰਤੀਤਮਾਨ प्रतीत्मान् Pratītmān [3] वि०
प्रतीतिमत् (वि०) प्रतीतिमान्, विश्वसनीय।

ਪ੍ਰਥਮ प्रथम् Pratham [3] वि०
प्रथम (वि०) प्रथम, पहला।

ਪ੍ਰਥਾ प्रथा Prathā [3] स्त्री०
प्रथा (स्त्री०) प्रथा, परम्परा, रीति।

ਪ੍ਰਦੱਖਣਾ प्रदक्खणा Pradakkhaṇā [3] स्त्री०
प्रदक्षिणा (स्त्री०) प्रदक्षिणा, परिक्रमा, फेरी।

ਪ੍ਰਦੱਛਣਾ प्रदच्छणा Pradacchaṇā [3] स्त्री०
द्र०—ਪ੍ਰਦੱਖਣਾ।

ਪ੍ਰਦੀਪ प्रदीप् Pradīp [3] पुं०
प्रदीप (पुं०) प्रदीप, दीपक।

ਪ੍ਰਦੀਪਤ प्रदीपत् Pradīpat [3] वि०
प्रदीप्त (वि०) प्रदीप्त, जगमगाता हुआ।

ਪ੍ਰਦੇਸ਼ प्रदेश् Pradeś [3] पुं०
प्रदेश (पुं०) प्रदेश, राज्य।

ਪ੍ਰਧਾਨ प्रधान् Pradhān [3] वि०
प्रधान (वि०) प्रधान, मुख्य।

ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ प्रधान्गी Pradhāngī [3] स्त्री०
प्रधानता (स्त्री०) मुख्यता, अध्यक्षता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਧਾਨਤਾ प्रधान्ता Pradhāntā [3] स्त्री०
द्र०—ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ।

ਪ੍ਰਪੰਚ प्रपंच् Prapañc [3] पुं०
प्रपञ्च (पुं०) प्रपंच; जाल, धोखा ।

ਪ੍ਰਪੰਚੀ प्रपंची Prapañcī [3] पुं०
प्रपञ्चिन् (वि०) प्रपंची, कपटी, धोखेबाज ।

ਪ੍ਰਫੁੱਲਤ प्रफुल्लत् Praphullat [3] वि०
प्रफुल्लित (वि०) प्रफुल्लित, प्रसन्न, आनन्दित ।

ਪ੍ਰਫੁੱਲਤਾ प्रफुल्लता Praphullatā [3] स्त्री०
प्रफुल्लता (स्त्री०) प्रफुल्लता, प्रसन्नता ।

ਪ੍ਰਬਲ प्रबल् Prabal [3] वि०
प्रबल (वि०) प्रबल, बलशाली ।

ਪ੍ਰਬਲਤਾ प्रबल्ता Prabaltā [3] स्त्री०
प्रबलता (स्त्री०) प्रबलता, दृढ़ता ।

ਪ੍ਰਬੀਣ प्रबीण् Prabīṇ [3] वि०
प्रवीण (वि०) प्रवीण, निपुण, चतुर ।

ਪ੍ਰਬੀਣਤਾ प्रबीण्ता Prabīṇtā [3] स्त्री०
प्रवीणता (स्त्री०) प्रवीणता, चतुराई, कुशलता ।

ਪ੍ਰਬੁੱਧ प्रबुद्ध् Prabuddh [3] वि०
प्रबुद्ध (वि०) प्रबुद्ध, जाग्रत; ज्ञानी ।

ਪ੍ਰਬੁੱਧਤਾ प्रबुद्धता Prabuddhatā [3] स्त्री०
प्रबुद्धता (स्त्री०) प्रबुद्धता, जागरूकता, ज्ञान ।

ਪ੍ਰਬੋਧ प्रबोध् Prabodh [3] पुं०
प्रबोध (पुं०) प्रबोध, ज्ञान ।

ਪ੍ਰਬੋਧਣਾ प्रबोध्णा Prabodhṅā [3] सक० क्रि०
प्रबोधयति (भ्वादि प्रेर०) जगाना; ज्ञान देना, प्रकाशित करना ।

ਪ੍ਰਬੰਧ प्रबन्ध् Prabandh [3] पुं०
प्रबन्ध (पुं०) प्रबन्ध, इन्तजाम; उपाय ।

ਪ੍ਰਬੰਧਕ प्रबन्धक् Prabandhak [3] पुं०
प्रबन्धक (वि०) प्रबन्धक, व्यवस्थापक ।

ਪ੍ਰਭ प्रभ् Prabh [2] पुं०
प्रभु (पुं०) ईश्वर, ब्रह्म ।

ਪ੍ਰਭਾ प्रभा Prabhā [3] स्त्री०
प्रभा (स्त्री०) प्रभा, ज्योति, चमक ।

ਪ੍ਰਭਾਉ प्रभाउ Prabhāu [1] पुं०
प्रभाव (पुं०) प्रभाव, असर ।

ਪ੍ਰਭਾਕਰ प्रभाकर् Prabhākar [3] पुं०
प्रभाकर (पुं०) प्रभाकर, सूर्य ।

ਪ੍ਰਭਾਤ प्रभात् Prabhāt [3] पुं०
प्रभात (नपुं०) प्रभात, सबेरा ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਭਾਤੀ प्रभाती Prabhātī [3] **वि०**
प्रभातीय (वि०) प्रभाती राग; प्रभात से संबन्धित।

ਪ੍ਰਭਾਵ प्रभाव् Prabhāv [3] **पुं०**
प्रभाव (पुं०) प्रभाव, असर।

ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ प्रभाव्शाली Prabhāvśālī [3] **पुं०**
प्रभावशालिन् (वि०) प्रभावशाली, प्रभाव वाला।

ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ੀਲ प्रभाव्शील् Prabhāvśīl [3] **वि०**
प्रभावशील (वि०) प्रभावशील, प्रभावी।

ਪ੍ਰਭਾਵਕ प्रभावक् Prabhāvak [3] **पुं०**
प्रभावक (वि०) प्रभावक, प्रभाव वाला, प्रभावी।

ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ प्रभावित् Prabhāvit [3] **वि०**
प्रभावित (वि०) प्रभावित, प्रभाव से युक्त या आकृष्ट।

ਪ੍ਰਭੁਤਾ प्रभुता Prabhutā [3] **स्त्री०**
प्रभुता (स्त्री०) प्रभु का भाव, स्वामित्व, मालिकपन।

ਪ੍ਰਭੂ प्रभू Prabhū [3] **पुं०**
प्रभु (पुं०) प्रभु, स्वामी, मालिक।

ਪ੍ਰਮਾਣ प्रमाण् Pramāṇ [3] **पुं०**
प्रमाण (वि०) तुल्य, समान; प्रमाण, सबूत।

ਪ੍ਰਮਾਣਕ प्रमाणक् Pramāṇak [3] **वि०**
प्रामाणिक (वि०) प्रामाणिक, प्रमाण-युक्त।

ਪ੍ਰਮਾਣਕਤਾ प्रमाणक्ता Pramāṇaktā [3] **स्त्री०**
प्रामाणिकता (स्त्री०) प्रामाणिकता, प्रमाण।

ਪ੍ਰਮਾਣ-ਪੱਤਰ प्रमाण्-पत्तर् Pramāṇ-Pattar [3] **पुं०**
प्रमाणपत्र (नपुं०) प्रमाणपत्र, वह लिखा हुआ कागज जिसका लेख किसी बात का प्रमाण हो।

ਪ੍ਰਮਾਣਿਤ प्रमाणित् Pramāṇit [3] **वि०**
प्रमाणित (वि०) प्रमाणित, प्रमाण-युक्त।

ਪ੍ਰਮੁੱਖ प्रमुक्ख् Pramukkh [3] **वि०**
प्रमुख (वि०) प्रमुख, मुख्य।

ਪ੍ਰਮੋਦ प्रमोद् Pramod [3] **पुं०**
प्रमोद (पुं०) प्रमोद, आनन्द।

ਪ੍ਰਯਤਨ प्रयत्न Prayatn [3] **पुं०**
प्रयत्न (नपुं०) प्रयत्न, प्रयास, कोशिश।

ਪ੍ਰਯਤਨਸ਼ੀਲ प्रयतनशील् Prayatanśīl [3] **पुं०**
प्रयत्नशील (वि०) प्रयत्नशील, यत्नवान्।

ਪ੍ਰਯੁਕਤ प्रयुकत् Prayukat [3] **वि०**
प्रयुक्त (वि०) प्रयुक्त, व्यवहार में लाया हुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਯੋਗ प्रयोग् Prayog [3] पुं०
प्रयोग (पुं०) प्रयोग, व्यवहार।

ਪ੍ਰਯੋਗ-ਸ਼ਾਲਾ प्रयोग्-शाला Prayog-Śālā [3] स्त्री०
प्रयोगशाला (स्त्री०) प्रयोगशाला।

ਪ੍ਰਯੋਗਸ਼ੀਲਤਾ प्रयोग्शील्ता Prayogśīltā [3] स्त्री०
प्रयोगशीलता (स्त्री०) प्रयोगशीलता।

ਪ੍ਰਯੋਗਕ प्रयोगक् Prayogak [3] पुं०
प्रयोगिन् (वि०) प्रयोगी, प्रयोग कर्ता।

ਪ੍ਰਯੋਗਵਾਦ प्रयोग्वाद् Prayogvād [3] पुं०
प्रयोगवाद (पुं०) प्रयोगवाद।

ਪ੍ਰਯੋਗਵਾਦੀ प्रयोग्वादी Prayogvādī [3] पुं०
प्रयोगवादिन् (वि०) प्रयोगवादी।

ਪ੍ਰਯੋਜਨ प्रयोजन् Prayojan [3] पुं०
प्रयोजन (नपुं०) प्रयोजन, उद्देश्य; अपेक्षा।

ਪ੍ਰਯੋਜਨੀ प्रयोज्नी Prayojnī [3] वि०
प्रयोजनीय (वि०) प्रयोजनीय, व्यवहरणीय।

ਪ੍ਰਯੰਤ प्रयन्त् Prayant [3] अ०
पर्यन्तम् (अ०) पर्यन्त, तक।

ਪ੍ਰਲਾਪ प्रलाप् Pralāp [3] पुं०
प्रलाप (पुं०) व्यर्थ की बकवाद, अनापशनाप बातचीत।

ਪ੍ਰਲਾਪਕ प्रलापक् Pralāpak [3] वि०
प्रलापीय / प्रलाप्यक (वि०) प्रलाप की बात।

ਪ੍ਰਲਾਪੀ प्रलापी Pralāpī [3] पुं०
प्रलापिन् (वि०) प्रलापी, प्रलाप करने वाला।

ਪ੍ਰਲੈ प्रलै Pralai [3] स्त्री०
प्रलय (पुं०) प्रलय, सृष्टि का अन्त।

ਪ੍ਰਲੈਕਾਰੀ प्रलैकारी Pralaikārī [3] पुं०
प्रलयकारिन् (वि०) प्रलयकारी, नाश करने वाला।

ਪ੍ਰਲੋਭ प्रलोभ् Pralobh [3] पुं०
प्रलोभ (पुं०) प्रलोभन, लालच।

ਪ੍ਰਲੋਭਨ प्रलोभन् Pralobhan [3] पुं०
प्रलोभन (नपुं०) प्रलोभन, लालच।

ਪ੍ਰਵਕਤਾ प्रवक्ता Pravaktā [3] पुं०
प्रवक्तृ (वि०) प्रवक्ता, बोलने वाला।

ਪ੍ਰਵਾਸ प्रवास् Pravās [3] पुं०
प्रवास (पुं०) प्रवास, परदेश में निवास।

ਪ੍ਰਵਿਸ਼ਟ प्रविशट् Praviśaṭ [3] वि०
प्रविष्ट (वि०) घुसा हुआ, संलग्न।

ਪ੍ਰਵਿਰਤੀ प्रविर्ती Pravirtī [3] स्त्री०
प्रवृत्ति (स्त्री०) प्रवृत्ति, रुचि।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਵੇਸ਼ प्रवेश् Praveś [3] पुं०
प्रवेश (पुं०) पहुँच, पैठ, द्वार; किसी विषय की जानकारी।

ਪ੍ਰਵੇਸ਼ਕ प्रवेशक् Praveśak [3] पुं०
प्रवेशक (वि०) प्रवेशक, प्रवेश करने वाला व्यक्ति।

ਪ੍ਰਵੇਸ਼-ਪੱਤਰ प्रवेश्-पत्तर् Praveś-Pattar [3] पुं०
प्रवेशपत्र (नपुं०) प्रवेश-पत्र।

ਪ੍ਰਵੇਸ਼ਿਕਾ प्रवेशिका Praveśikā [3] स्त्री०
प्रवेशिका (स्त्री०) प्राक्कथन, पुरोवाक्।

ਪ੍ਰਾਇਦੀਪ प्रायदीप् Prāydīp [3] पुं०
प्रायद्वीप (नपुं०, पुं०) प्रायद्वीप, जिसके तीन ओर पानी तथा एक ओर स्थल हो।

ਪ੍ਰਾਸ਼ਚਿਤ प्राश्चित् Prāścit [3] पुं०
प्रायश्चित्त (नपुं०) प्रायश्चित्त, पश्चात्ताप।

ਪ੍ਰਾਕ प्राक् Prāk [3] वि०
प्राक् (प्राच्) (वि०) पहले का, पहला।

ਪ੍ਰਾਕਥਨ प्राकथन् Prākathan [3] पुं०
प्राक्कथन (नपुं०) प्राक्कथन, भूमिका, पुरोवाक्।

ਪ੍ਰਾਕਿਰਤਕ प्राकिर्तक् Prākirtak [3] वि०
प्राकृतिक (वि०) प्राकृतिक, स्वाभाविक।

ਪ੍ਰਾਚੀਨ प्राचीन् Prācīn [3] वि०
प्राचीन (वि०) प्राचीन, पुराना।

ਪ੍ਰਾਣ प्राण् Prāṇ [3] पुं०
प्राण (पुं० बहुव०) प्राण, साँस, प्राणवायु।

ਪ੍ਰਾਣ-ਪਤੀ प्राण्-पती Prāṇ-Patī [3] पुं०
प्राणपति (पुं०) प्राणपति, प्राणनाथ।

ਪ੍ਰਾਣਾਯਾਮ प्राणायाम् Prāṇāyām [3] पुं०
प्राणायाम (पुं०) प्राणायाम, साँस को रोकने की प्रक्रिया।

ਪ੍ਰਾਤਾਕਾਲ प्राताकाल् Prātākāl [3] पुं०
प्रातःकाल (पुं०) प्रातः काल, सवेरे।

ਪ੍ਰਾਦੇਸ਼ਿਕ प्रादेशिक् Prādeśik [3] वि०
प्रादेशिक (वि०) प्रादेशिक, प्रदेश-सम्बन्धी।

ਪ੍ਰਾਪਕ प्रापक् Prāpak [3] पुं०
प्रापक (वि०) प्रापक, प्राप्त-कर्ता।

ਪ੍ਰਾਪਤ प्रापत् Prāpat [3] वि०
प्राप्त (वि०) प्राप्त, उपलब्ध।

ਪ੍ਰਾਪਤੀ प्रापती Prāptī [3] स्त्री०
प्राप्ति (स्त्री०) प्राप्ति, लाभ।

ਪ੍ਰਾਰਥਕ प्रार्थक् Prārthak [3] पुं०
प्रार्थक (वि०) प्रार्थी, याचक।

ਪ੍ਰਾਰਥਨਾ प्रार्थना Prārthanā [3] स्त्री०
प्रार्थना (स्त्री०) प्रार्थना, विनय।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਾਰਬਧ प्रारबध् Prārabadh [3] **स्त्री०**
प्रारब्ध (नपुं०) प्रारब्ध, भाग्य।

ਪ੍ਰਾਰੰਭ प्रारम्भ् Prārambh [3] **पुं०**
प्रारम्भ (पुं०) प्रारम्भ, आरम्भ।

ਪ੍ਰਾਰੰਭਕ प्रारम्भक् Prārambhak [3] **वि०**
प्रारम्भिक (वि०) प्रारम्भिक, आरम्भ का।

ਪ੍ਰਾਰੰਭਣਾ प्रारम्भणा Prārambhaṇā [3] **सक० क्रि०**
प्रारम्भते (भ्वादि सक०) प्रारम्भ करना, शुरू करना।

ਪ੍ਰਾਰੰਭਿਕ प्रारम्भिक् Prārambhik [3] **वि०**
प्रारम्भिक (वि०) प्रारम्भ में होने वाला।

ਪ੍ਰਾਲਬਧ प्रालबध् Prālabadh [3] **स्त्री०**
प्रारब्ध (नपुं०) प्रारब्ध, भाग्य।

ਪ੍ਰਿਅ प्रिअ Pria [3] **वि०/पुं०**
प्रिय (वि० / पुं०) वि०—प्रिय, इष्ट, अभिलषित। पुं०—प्रेमी; पति।

ਪ੍ਰਿਆ प्रिआ Priā [3] **स्त्री०**
प्रिया (स्त्री०) प्रिया, प्रेमिका।

ਪ੍ਰਿਸ਼ਠਭੂਮੀ प्रिशठ्भूमी Priṣaṭhbhūmī [3] **स्त्री०**
पृष्ठभूमि (स्त्री०) पृष्ठभूमि, आधार।

ਪ੍ਰਿਤਪਾਲ प्रित्पाल् Pritpāl [3] **पुं०**
प्रतिपाल (वि०) प्रतिपालक, रक्षक।

ਪ੍ਰਿਤਪਾਲਕ प्रित्पालक् Pritpālak [3] **पुं०**
प्रतिपालक (वि०) पालन करने वाला, रक्षक।

ਪ੍ਰਿਤਪਾਲਣਾ प्रित्पाल्णा Pritpāḷṇā [3] **पुं०**
प्रतिपालन (नपुं०) प्रतिपालन, रक्षा।

ਪ੍ਰਿਤਪਾਲਾ प्रित्पाला Pritpālā [3] **पुं०**
प्रतिपाल (पुं०) प्रतिपालक, रक्षक।

ਪ੍ਰਿਥਕ प्रिथक् Prithak [3] **क्रि० वि०**
पृथक् (अ०) पृथक् अलग।

ਪ੍ਰਿਥਵੀ प्रिथ्वी Prithvī [3] **स्त्री०**
पृथवी (स्त्री०) पृथ्वी, धरती।

ਪ੍ਰਿਥਵੀਪਾਲ प्रिथ्वीपाल् Prithvīpāl [3] **पुं०**
पृथवीपाल (पुं०) पृथ्वीपाल, राजा।

ਪ੍ਰਿਥੀਪਾਲ प्रिथीपाल् Prithīpāl [3] **पुं०**
पृथ्वीपाल (पुं०) पृथ्वीपाल, भूपाल, राजा।

ਪ੍ਰੀਤ प्रीत् Prīt [3] **स्त्री०**
प्रीति (स्त्री०) प्रीति, प्रेम।

ਪ੍ਰੀਤਮ प्रीतम् Prītam [3] **पुं०**
प्रियतम (वि० / पुं०) वि०—प्रियतम, सबसे प्रिय। पुं०—पति।

ਪ੍ਰੀਤਮਾ प्रीत्मा Prītmā [3] **स्त्री०**
प्रियतमा (स्त्री०) प्रियतमा, सबसे अधिक प्रिय; भार्या, पत्नी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰੀਤਵਾਨ प्रीतवान् Prītvān [3] पुं०
प्रीतिमत् (वि०) प्रेम रखने वाला, प्रेमी।

ਪ੍ਰੀਤਵੰਤ प्रीत्वन्त् Prītvant [3] वि०
प्रीतिमत् (वि०) प्रीतिमान्, प्रेमपूर्ण।

ਪ੍ਰੀਤੀ प्रीती Prītī [3] स्त्री०
प्रीति (स्त्री०) प्रेम, रुचि।

ਪ੍ਰੇਤਜੂਨ प्रेत्जून् Pretjūn [3] स्त्री०
प्रेतयोनि (स्त्री०) प्रेत-योनि, भूत-योनि।

ਪ੍ਰੇਤਤਾ प्रेत्ता Prettā [3] स्त्री०
प्रेतता (स्त्री०) प्रेत होने का भाव या कर्म।

ਪ੍ਰੇਤਪੁਣਾ प्रेत्पुणा Pretpuṇā [3] पुं०
प्रेतपण (पुं०) प्रेत होने का भाव।

ਪ੍ਰੇਮ प्रेम् Prem [3] पुं०
प्रेमन् (नपुं०) प्रेम, प्रीति।

ਪ੍ਰੇਮਕਾ प्रेम्का Premkā [3] स्त्री०
प्रेमिका (स्त्री०) प्रेमिका, प्रियतमा; पत्नी।

ਪ੍ਰੇਮਣ प्रेमण् Premaṇ [3] स्त्री०
प्रेमिणी (स्त्री०) प्रेमिणी, प्रेमिका।

ਪ੍ਰੇਮ-ਪਾਤਰ प्रेम्-पातर् Prem-Pātar [3] वि०
प्रेमपात्र (नपुं०) प्रेम-पात्र।

ਪ੍ਰੇਮੀ प्रेमी Premī [3] पुं०
प्रेमिन् (वि०) प्रेमी, प्रेम करने वाला।

ਪ੍ਰੇਰਕ प्रेरक् Prerak [3] पुं०
प्रेरक (वि०) प्रेरक, प्रेरणा देने वाला।

ਪ੍ਰੇਰਣਾ प्रेर्णा Prerṇā [3] स्त्री०
प्रेरणा (स्त्री०) प्रेरणा, किसी को किसी कार्य में प्रवृत्त करने का भाव, उत्तेजित करने का भाव।

ਪ੍ਰੇਰਿਤ प्रेरित् Prerit [3] वि०
प्रेरित (वि०) प्रेरित, प्रेरणा-प्राप्त।

ਪ੍ਰੋਤਸਾਹਨ प्रोत्साहन् Protsāhan [3] पुं०
प्रोत्साहन (नपुं०) प्रोत्साहन, अतिशय उत्साह।

ਪ੍ਰੌਢ प्रौढ् Prauḍh [3] पुं०
प्रौढ (वि०) प्रौढ; वृद्ध; निपुण।

ਪ੍ਰੌਢਤਾ प्रौढ्ता Prauḍhtā [3] स्त्री०
प्रौढता (स्त्री०) प्रौढता; वृद्धता; निपुणता।

ਫ

ਫਸਣਾ फस्णा Phasṇā [3] अक० क्रि०
स्पश्यते (भ्वादि कर्मवा०) फँसना, बँधना।

ਫਸਾਉਣਾ फसाउणा Phasāuṇā [3] सक० क्रि०
पाशयति (चुरादि० सक०) फँसाना, जाल में डालना।

ਫਹਾਉਣਾ फहाउणा Phahāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਫਾਹਣਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਫਗਵਾੜਾ फग्वाड़ा Phagvāṛā [1] पुं०
फल्गु (स्त्री०) गूलर, वृक्ष-विशेष ।

ਫਗਵਾੜੀ फग्वाड़ी Phagvāṛī [1] स्त्री०
द्र० —ਫਗਵਾੜਾ ।

ਫਗੂੜਾ फगूड़ा Phagūṛā [2] पुं०
फल्गु (स्त्री०) गूलर, एक वृक्ष का फल ।

ਫੱਗਣ फग्गण् Phaggaṇ [3] पुं०
फाल्गुन (पुं०) फागुन मास, फरवरी-मार्च का समय ।

ਫਟਕ फटक् Phaṭak [1] पुं०
स्फटिक (पुं०) स्फटिक मणि, बिल्लौर ।

ਫਟਕਣਾ फटक्णा Phaṭakṇā [3] अक० क्रि०
स्फटति (भ्वादि सक०) फटकना, शूप आदि से अनाज को साफ करना; ओसाना; फड़-फड़ाना; पंखा झलना ।

ਫਟਕੜੀ फट्कड़ी Phaṭkaṛī [2] स्त्री०
स्फटिका (स्त्री०) फिटकिरी ।

ਫਟਕਾਰਣਾ फट्कार्णा Phaṭkārṇā [3] सक० क्रि०
स्फटति (भ्वादि सक०) फटकारना; हिलाना, ओसाना ।

ਫਟਣਾ फट्णा Phaṭṇā [3] अक० क्रि०
स्फटति (भ्वादि अक०) फटना, विभक्त होना ।

ਫੱਟ फट्ट् Phaṭṭ [3] पुं०
स्फाट (पुं०) फूटने का भाव, फाट; घाव फोड़ा ।

ਫਣ फण् Phaṇ [3] स्त्री०
फण (पुं०) साँप का फन ।

ਫਣੀ फणी Phaṇī [3] पुं०
फणिन् (पुं०) फनवाला साँप ।

ਫਨ फन् Phan [1] पुं०
द्र०—ਫਣ ।

ਫਨੀਅਰ फनिअर् Phaniar [3] पुं०
फणिन् (पुं०) फणी, फन वाला साँप ।

ਫਫੋਲਾ फफोला Phapholā [3] पुं०
प्रस्फोट (पुं०) फफोला, छाला ।

ਫਰ फर् Phar [3] पुं०
फलक (नपुं०) कन्धे की हड्डी, स्कन्धास्थि ।

ਫਰਸਾ फर्सा Pharsā [3] पुं०
परशु (पुं०) फरसा, कुल्हाड़ा ।

ਫਰਕਣਾ फरक्णा Pharakṇā [3] अक० क्रि०
स्फुरति (तुदादि अक०) फड़कना, स्फुरित होना, स्पन्दित होना ।

ਫਰਾਹਾ फराहा Pharāhā [3] पुं०
स्पाश (पुं०) बन्धन, जाल, फन्दा ।

ਫਰਾਹੀ फराही Pharāhī [3] स्त्री०
द्र० —ਫਰਾਹਾ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਫਰੀ फरी Pharī [3] स्त्री०
फलक (नपुं०) ढाल, फरी, रक्षक वस्तु ।

ਫਰੂਹਾ फरूहा Pharūhā [3] पुं०
परुष (वि०) चितकबरा वस्त्र आदि ।

ਫਰ੍ਹ फर्ह् Pharh [3] स्त्री०
द्र०—फरी ।

ਫਰ੍ਹਾ फर्हा Pharhā [3] पुं०
फल (नपुं०) किसी शस्त्र की धार, तीर आदि का नोक ।

ਫਰ੍ਹੀ फर्ही Pharhī [3] स्त्री०
द्र०—फरी ।

ਫਲ फल् Phal [3] पुं०
फल (नपुं०) हथियार की धार या नोक ।

ਫਲ਼ फळ Phaḷ [3] पुं०
फल (नपुं०) वृक्ष का फल; परिणाम; कर्मों का फल ।

ਫਲ਼ਨਾ फळ्ना Phaḷnā [3] अक० क्रि०
फलति (भ्वादि अक०) फलना; सफल होना ।

ਫਲਵਾਨ फल्वान् Phalvān [1] पुं०
फलवत् (फलवान्) (पुं०) फलदार वृक्ष ।

ਫਲਾਇਰ फलाइर् Phalāir [1] स्त्री०
द्र०—फलाहार ।

ਫਲਾਹਰ फलाहर् Phalāhar [1] स्त्री०
द्र०—फलाहार ।

ਫਲਾਹਲ फलाहल् Phalāhal [1] स्त्री०
द्र०—फलाहार ।

ਫਲਾਹਾਰ फलाहार् Phalāhār [3] स्त्री०
फलाहार (पुं०) फलों का भोजन, व्रतादि में खाद्यफल, फलों का आहार ।

ਫਲੀ फली Phalī [3] स्त्री०
फल (पुं०) फली, मटर, सेम, सरसों इत्यादि की फली जिसके अन्दर दाने हों ।

ਫਲੀਰਾ फलीरा Phalīrā [3] पुं०
स्फाल (पुं०) हल की फाल ।

ਫਲੀਰੀ फलीरी Phalīrī [2] स्त्री०
द्र०—फलीरा ।

ਫਲੋਹਾਰ फलोहार् Phalohār [3] पुं०
द्र०—फलाहार ।

ਫਲੋਹਾਰੀ फलोहारी Phalohārī [3] पुं०
फलाहारिन् (वि०) फलाहारी ।

ਫਲੌਰੀ फलौरी Phalaurī [3] स्त्री०
फुल्लपूर (पुं०) फुलौरी, फूली हुई बड़ी ।

ਫਲ੍ਹਾ फल्हा Phalhā [3] पुं०
फलक (नपुं०) तख्ता, पट्ट, पट्टी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਫੜਕਣਾ फड़क्णा Phaṛakṇā [3] अक० क्रि० स्फुरति (तुदादि अक०) फड़कना।

ਫਾਉਣਾ फाउणा Phāuṇā [3] सक० क्रि० पाशयति (चुरादि सक०) फाँसना, बाधा में डालना, उलझाना।

ਫਾਂਸੀ फाँसी Phāsī [3] स्त्री० स्पाश/पाश (पुं०) फाँसी, फाँस, फन्दा।

ਫਾਹ फाह् Phāh [3] पुं० पाश (पुं०) फाँसी, फाँस, फन्दा।

ਫਾਹਣਾ फाह्णा Phāhṇā [3] सक० क्रि० पाशयति (चुरादि सक०) बाँधना, फँसाना।

ਫਾਹਾ फाहा Phāhā [3] पुं० स्पाश/पाश (पुं०) फाँस, बन्धन, जाल।

ਫਾਹੀ फाही Phāhī [3] स्त्री० द्र०—ਫਾਹਾ।

ਫਾਹੁਣਾ फाहुणा Phāhuṇā [3] क्रि० द्र०—ਫਾਹਣਾ।

ਫਾਗ[1] फाग् Phāg [3] स्त्री० फल्गु (स्त्री०) फगुआ, फाग, वसन्त ऋतु।

ਫਾਗ[2] फाग् Phāg [2] पुं० फल्गु (पुं०) गूलर/अंजीर का वृक्ष।

ਫਾਂਟ फाँट् Phāṭ [3] पुं० फाण्ट (पुं०) फटने अथवा टुकड़े-टुकड़े होने का भाव, विभाग।

ਫਾਟਣਾ फाट्णा Phāṭṇā [2] सक० क्रि० स्फटयते (भ्वादि कर्मवा०) फटना, विदीर्ण होना।

ਫਾਂਧਣ फाँधण् Phādhaṇ[1] स्त्री० द्र०—ਫਾਂਧੀ।

ਫਾਂਧੀ फाँधी Phādhī [3] पुं० स्पाशिन् / पाशिन् (पुं०) बहेलिया, चिड़ीमार।

ਫਾਲਾ फाला Phālā [3] पुं० फाल (नपुं०, पुं०) हल का नुकीला लोहा, जिससे जमीन खुदती है, कुसी।

ਫਾਲੀ फाली Phālī [3] स्त्री० द्र०—ਫਾਲਾ।

ਫਾੜਣਾ फाड़्णा Phāṛṇā [3] सक० क्रि० स्फाटयति (भ्वादि प्रेर०) फाड़ना, विदीर्ण करना।

ਫਿਟਕਾਰ फिट्कार् Phiṭkār [3] पुं० फेटकार (पुं०) फटकार, डाँट।

ਫੀਲਪਾ फील्पा Phīlpā [3] पुं० श्लीपद (पुं०) एक रोग जिसमें पैर भारी हो जाता है, फीलपाँव रोग।

ਫੁਕਾਰ फुकार् Phukār [3] स्त्री० फूत्कार (पुं०) फूत्कार, फुँकार।

ਫੁੰਕਾਰ फुंकार् Phuṅkār [3] स्त्री० फूत्कार (पुं०) फुँफकार, फुंकार।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਫੁਕਾਰਣਾ फुकार्णा Phukārṇā [1] क्रि०
द्र०—ਫੂੰਕਾਰਣਾ ।

ਫੂੰਕਾਰਣਾ फुंकार्णा Phuṅkārṇā [3] पुं०
फूत्कारण (नपुं०) शंखादि फूंकने या बजाने का भाव ।

ਫੁਕਾਰਾ फुकारा Phukārā [1] पुं०
फूत्कार (पुं०) साँप का फुत्कार, फुंकार ।

ਫੁਟਾਰ फुटार् Phuṭār [1] स्त्री०
स्फोट (पुं०) दरार ।

ਫੁਟਾਲ फुटाल् Phuṭāl [1] पुं०
द्र०—ਫੁਟਾਰ ।

ਫੁਟਾੜ फुटाड़् Phuṭāṛ [1] स्त्री०
द्र०—ਫੁਟਾਰ ।

ਫੁੱਟਣਾ फुट्ट्णा Phuṭṭṇā [3] अक० क्रि०
स्फुटति (तुदादि अक०) फूटना, स्फुटित होना ।

ਫੁਰਕਣਾ फुरक्णा Phurakṇā [2] अक० क्रि०
स्फुरति (तुदादि अक०) अंगादि का फड़कना, स्फुरण होना ।

ਫੁਰਨਾ फुर्ना Phurnā [3] अक० क्रि०
स्फुरति (तुदादि अक०) सूझना, स्फुरित होना ।

ਫੁਲਵਾੜ फुल्वाड़् Phulvāṛ [1] स्त्री०
फुल्लवाटी (स्त्री०) फुल्लवाड़ी, पुष्पोद्यान ।

ਫੁਲਵਾੜੀ फुल्वाड़ी Phulvāṛī [3] स्त्री०
फुल्लवाटी (स्त्री०) पुष्पोद्यान, फूलों का बाग ।

ਫੁਲਾ फुला Phulā [3] पुं०
फुल्लन (नपुं०) फूलने का भाव, फुलाव ।

ਫੁਲਾਉ फुलाउ Phulāu [3] पुं०
द्र०—ਫੁਲਾ ।

ਫੁਲਾਉਣਾ फुलाउणा Phulāuṇā [3] सक० क्रि०
फुल्लयति (भ्वादि प्रेर०) फुलाना ।

ਫੁਲਾਣਾ फुलाणा Phulāṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਫੁਲਾਉਣਾ ।

ਫੁਲੇਲ फुलेल् Phulel [3] पुं०
फुल्लतैल (नपुं०) सुगन्धित तेल-विशेष, तेल-फुलेल ।

ਫੁਲੇਲਣ फुलेलण् Phulelaṇ [3] स्त्री०
फुल्लतैलिनी (स्त्री०) सुगन्धित तेल बेचने वाली ।

ਫੁਲੇਲੀ फुलेली Phulelī [3] पुं०
फुल्लतैलिन् (वि०) सुगन्धित तेल बेचने वाला ।

ਫੁੱਲ फुल्ल् Phull [3] पुं०
फुल्ल (नपुं०) खिला हुआ पुष्प, फूल ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਫੁੱਲਣਾ फुल्ल्णा Phullṇā [3] अक० क्रि०
फुल्लति (भ्वादि अक०) फूलना, विकसित होना।

ਫੂਕ फूक् Phūk [3] स्त्री०
फूत्/फूक (पुं०) फूँक।

ਫੂਕਣਾ फूक्णा Phūkṇā [3] पुं०
फूत्करण (नपुं०) फूँकना, शंख आदि बजाना।

ਫੂਟਣਾ फूट्णा Phūṭṇā [3] अक० क्रि०
स्फोटन (नपुं०) फूटना।

ਫੇਣੀ फेणी Pheṇī [3] स्त्री०
फेणिका (स्त्री०) फेणी, फेनी, सूतफेनी।

ਫੇਣੂ फेणू Pheṇū [1] वि०
फेणिल/फेनिल (वि०) फेनिल, फेन-युक्त।

ਫੇਫੜਾ फेफ़ड़ा Phephṛā [2] पुं०
फुप्फुस (पुं०) फेफड़ा।

ਫੈਣ फैण् Phaiṇ [2] स्त्री०
फेन/फेण (पुं०) फेन, झाग।

ਫੈਲਾਉਣਾ फैलाउणा Phailāuṇā [3] सक० क्रि०
प्रथयति / ते (चुरादि सक०) फैलाना, विस्तार करना।

ਫੈਲਾਰਣਾ फैलार्णा Phailārṇā [1] सक० क्रि०
द्र०—ਫੈਲਾਉਣਾ।

ਫੋੱਲਾ फोल्ला Pholla [3] पुं०
फुल्ल (नपुं०) आँख का फूला रोग।

ਫੋੜਣਾ फोड़्णा Phoṛṇā [3] सक० क्रि०
स्फोटयति (भ्वादि प्रेर०) फोड़ना।

ਫੋੜਨਾ फोड़्ना Phoṛnā [3] पुं०
स्फोटन (नपुं०) फोड़ने का भाव।

ਫੋੜਾ फोड़ा Phoṛā [3] पुं०
स्फोट (पुं०) फोड़ा, घाव।

ਫੌਹੀ फौही Phauhī [1] पुं०
फेरू (पुं०) सियार, शृगाल।

ਫੰਘ फंघ् Phaṅgh [2] पुं०
पक्ष (पुं०) पंख, पाँख।

ਫੰਦਾ फन्दा Phandā [1] पुं०
स्पाश (पुं०) फन्दा, पाश, जाल।

ਫੰਧਣਾ फन्ध्णा Phandhṇā [3] सक० क्रि०
पाशयति (चुरादि सक०) फाँसना, बाँधना।

ਫੰਧਾ फन्धा Phandhā [3] पुं०
द्र०—ਫੰਦਾ।

ਫੰਬ फंब् Phamb [1] स्त्री०
पक्ष्मन् (नपुं०) कपास या ऊन का महीन धागा।

ਫੰਭ फम्भ् Phambh [3] स्त्री०
द्र०—ਫੰਬ।

ਫੰਮ੍ਹਣ फम्म्हण् Phammhaṇ [3] पुं०
पक्ष्मन् (नपुं०) पलक, बरौनी, निमेष।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬ

ਬਉਰਾ बउरा Baurā [3] वि०
वातूल (वि०) बावला, पागल, वात-दोष से जिसका दिमाग खराब हो; मस्त, बेपरवाह।

ਬਸਤਰ बस्तर् Bastar [3] पुं०
वस्त्र (नपुं०) वस्त्र, कपड़ा, पोशाक।

ਬਸਤਾ बस्ता Bastā [3] पुं०
वेष्टन (नपुं०) बेठन; बस्ता।

ਬਸਤੀ बस्ती Bastī [3] स्त्री०
वसति (स्त्री०) बस्ती, ग्राम या निवास स्थान।

ਬਸੇਖ बसेख् Basekh [3] वि०
विशेष (पुं०) विशेष।

ਬਸੋਆ बसोआ Basoā [3] पुं०
वर्षोदय (पुं०) वर्ष का प्रथम दिन, वर्ष का आरम्भ।

ਬਸੰਤ बसन्त् Basant [3] स्त्री०
वसन्त (पुं०) वसन्तु ऋतु।

ਬਸੰਤ-ਰੁੱਤ बसन्त्-रुत्त् Basant-Rutt [3] स्त्री०
वसन्तर्तु (पुं०) वसन्त ऋतु।

ਬੱਸ बस्स् Bass [2] पुं०
वश (पुं०, नपुं०) वश, अधिकार।

ਬਹੱਤਰ बहत्तर् Bahattar [3] वि०
द्वासप्तति (स्त्री०) बहत्तर, 72 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਹਾਰੂ बहारू Bahārū [1] स्त्री०
द्र०—ਬੁਹਾਰੀ।

ਬਹਿਣਾ[1] बहिणा Bahiṇā [3] अक० क्रि०
वसति (भ्वादि अक०) ठहरना, निवास करना, बैठना।

ਬਹਿਣਾ[2] बहिणा Bahiṇā [3] अक० क्रि०
वहति (भ्वादि अक०) बहना, जल का बहना।

ਬਹਿਤ੍ਰ बहित्र् Bahitr [1] पुं०
वहित्र (वि०) बोझ उठाने वाला पशु।

ਬਹਿਨੋਈ बहिनोई Bahinoī [3] पुं०
भगिनीपति (पुं०) बहनोई, बहन का पति।

ਬਹਿਰੂਪ बहिरूप् Bahirūp [3] पुं०
बहुरूप (नपुं०) बहुरूप, अनेक रूप बदलने का भाव, स्वाँग।

ਬਹਿਰੂਪਿਆ बहिरूपिया Bahirūpiyā [3] पुं०
बहुरूपिन् (वि०) बहुरूपिया, बहरूपिया।

ਬਹੀ बही Bahī [3] स्त्री०
वहिका (स्त्री०) बही-खाता, लेखा-पुस्तिका।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਹੁ बहु Bahu [3] वि०
बहु (वि०) बहुत, अधिक; बड़ा।

ਬਹੁਤ बहुत् Bahut [3] वि०
बहुत्व (नपुं०) बहुत, आधिक्य।

ਬਹੁਤਾ बहुता Bahutā [3] वि०
बहुत्व (नपुं०) बहुत, आधिक्य।

ਬਹੁਤੇਰਾ बहुतेरा Bahuterā [3] वि०
बहु (वि०) बहुत, अधिक; बड़ा।

ਬਹੁਮੁੱਲਾ बहुमुल्ला Bahumullā [3] वि०
बहुमूल्य (वि०) बहुमूल्य, कीमती।

ਬਹੁਰੂਪੀਆ बह्रूपिया Bahrūpiyā [3] पुं०
बहुरूपिन् (वि०) बहुरूपिया अनेकों रूप धारण करने वाला।

ਬਹੁਲਤਾ बहुल्ता Bahultā [3] स्त्री०
बहुलता (स्त्री०) बहुलता, अधिकता।

ਬਹੁਲੋ बहुलो Bahulo [1] वि०
बहुल (वि०) बहुल, अधिक।

ਬਹੁੜਨਾ बौह्ड़्णा Bauhṛṇā [3] अक० क्रि०
व्यावृटति (तुदादि अक०) बहुरना, लौटना, पहुँचना।

ਬਹੂ बहू Bahū [3] स्त्री०
वधू (स्त्री०) बहू, पुत्र की पत्नी, दुलहन।

ਬਹੇੜਾ बहेड़ा Baheṛā [3] पुं०
विभीतक (पुं० / नपुं०) पुं०—बहेड़े का वृक्ष। नपुं०—बहेड़ा का फल।

ਬਹੋਲਾ बहोला Baholā [2] पुं०
वाशी (स्त्री०) वसूला, वढ़ई का एक औजार।

ਬਕਬਾਦੀ बक्बादी Bakbādī [3] पुं०
वग्वन् (वि०) बहुत बोलने वाला।

ਬੱਕ बक्क् Bakk [1] स्त्री०, पुं०
वल्क (पुं०) वृक्ष की छाल।

ਬੱਕਰ बक्कर् Bakkar [1] पुं०
बर्कर (पुं०) बकरा; भेंड़ा।

ਬੱਕਰਾ बक्क्रा Bakkrā [3] पुं०
बर्कर (पुं०) बकरा; भेंड़ा।

ਬੱਕਰੀ बक्क्री Bakkrī [3] स्त्री०
बर्करी (स्त्री०) बकरी, भेड़।

ਬੱਕਰੂ बक्करू Bakkarū [1] पुं०
द्र०—ਬੱਕਰ।

ਬਖਾਣ बखाण् Bakhāṇ [3] पुं०
व्याख्यान (नपुं०) कथन; कथा, व्याख्यान।

ਬਖਾਣਨਾ बखाण्ना Bakhāṇṇā [3] क्रि०
व्याख्याति (अदादि सक०) व्याख्यान करना, भाषण देना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਖਾਰ बखार् Bakhār [3] पुं०
विक्रयागार (पुं०) अनाज की कोठी, वह स्थान जहाँ बेचने के लिये अन्न रखा जाय।

ਬਖਾਰਾ बखारा Bakhārā [2] पुं०
वक्षस्कार (पुं०) टोकरा, अन्नागार।

ਬਖਾਰੀ बखारी Bakhārī [2] स्त्री०
द्र०—ਬਖਾਰਾ।

ਬਖਿਆਣ बखिआण् Bakhiāṇ [1] पुं०
द्र०—ਬਖਾਣ।

ਬਖੇਰਨਾ बखेर्ना Bakhernā [3] सक० क्रि०
विक्षरति (भ्वादि सक०) विखेरना।

ਬਖੇੜਾ बखेड़ा Bakheṛā [3] पुं०
व्यक्षेप (पुं०) कलह-करना, बवाल पैदा करना।

ਬੱਖ बक्ख् Bakkh [1] स्त्री०
वक्षस् (नपुं०) बगल, वक्षस्थल।

ਬੱਖੀ बक्खी Bakkhī [3] स्त्री०
वक्षस् (नपुं०) बगल, वक्षस्थल।

ਬਗਣਾ बग्णा Bagṇā [1] अक० क्रि०
व्रजति (भ्वादि सक०) भागना, पलायन करना।

ਬਗਲਾ बग्ला Baglā [3] पुं०
बक/वक (पुं०) बगुला पक्षी।

ਬੱਗ बग्ग् Bagg [2] पुं०
वर्ग (पुं०) वर्ग, समूह, दल।

ਬਘਾਰ बघार् Baghār [1] पुं०
व्याघार (पुं०) छौंक (साग इत्यादि का)।

ਬਘਾਰਨਾ बघार्ना Baghārnā [1] सक० क्रि०
व्याघारयति (चुरादि सक०) बघारना, छौंक लगाना, छौंकना।

ਬਘਿਆੜੀ बघिआड़ी Baghiāṛī [3] स्त्री०
व्याघ्री (स्त्री०) व्याघ्री, बाघ की मादा।

ਬਚਾਉਣਾ बचाउणा Bacāuṇā [3] सक० क्रि०
वञ्चति / वञ्चयति (भ्वादि प्रेर०) बचाना, रक्षा करना।

ਬੱਚ बच्च Bacc [1] पुं०
अपत्य (नपुं०) पुत्र, बच्चा, सन्तान।

ਬੱਚਾ बच्चा Baccā [3] पुं०
द्र०—ਬੱਚ।

ਬਛਰੂ बछ्रू Bachrū [1] पुं०
द्र०—ਬੱਛਾ।

ਬਛੇਰਾ बछेरा Bacherā [2] पुं०
वत्सतर (पुं०) बड़ा बछड़ा।

ਬੱਛਾ बच्छा Bacchā [2] पुं०
वत्स (पुं०) गाय का बछड़ा।

ਬੱਛੀ बच्छी Bacchī [2] स्त्री०
द्र०—ਬੱਛਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਜਰੰਗ बज्रंग् Bajraṅg [3] पुं०
वज्राङ्ग (वि० / पुं०) वि०—वज्र के समान कठोर अंग वाला। पुं०—हनुमान् (एक देवता)।

ਬਜਰੰਗੀ बज्रंगी Bajraṅgī [3] वि०/पुं०
वज्राङ्गिन् (वि० / पुं०) वि०—वज्र के समान कठोर अंग वाला। पुं०—हनुमान्।

ਬਜਾਉਣਾ बजाउणा Bajāuṇā [1] सक० क्रि०
वादयते (चुरादि सक०) बजाना।

ਬੱਜਰ बज्जर् Bajjar [3] पुं०
वज्र (नपुं, पुं०) वज्र, इन्द्र का अस्त्र-विशेष।

ਬੱਜਰ-ਪਾਤ बज्जर्-पात् Bajjar-Pāt [3] पुं०
वज्रपात (पुं०) वज्रपात, बिजली गिरने का भाव।

ਬੱਜਾ बज्जा Bajjā [1] पुं०
वाद्य (नपुं०) बाजा, वाद्य।

ਬੱਝਣਾ बज्झ्णा Bajjhṇā [3] अक० क्रि०
बध्यते (भ्वादि कर्म वा०) बँधना, बद्ध होना।

ਬਟਣਾ[1] बट्णा Baṭṇā [3] अक० क्रि०
वृ यते (दिवादि सक०) सेवा करना, चाकरी करना, कमाना।

ਬਟਣਾ[2] बट्णा Baṭṇā [3] अक० क्रि०
प्रत्यावर्त्यते (भ्वादि कर्म वा०) विनिमय होना, अदला-बदली होना, बदल जाना।

ਬਟਨਾ बट्ना Baṭnā [3] पुं०
उद्वर्तन (नपुं०) तेल आदि से शरीर की मालिस, मर्दन।

ਬਟਲੋਹਾ बट्लोहा Baṭlohā [1] पुं०
द्र०—ਬਲਟੋਹ।

ਬਟਾਉਣਾ बटाउणा Baṭāuṇā [1] सक० क्रि०
परिवर्तयति/ते (चुरादि प्रेर०) परिवर्तित कराना, मुद्रा विनिमय।

ਬਟੇਰ बटेर् Baṭer [3] पुं०
वर्तिक/वर्तक (पुं०) बटेर पक्षी।

ਬਟੇਰਾ बटेरा Bāṭerā [3] पुं०
द्र०—ਬਟੇਰ।

ਬਟੇਰੀ बटेरी Baṭerī [3] स्त्री०
वर्तिका / वर्तका (स्त्री०) बटेरी पक्षी, मादा बटेर।

ਬੱਟੀ बट्टी Baṭṭī [1] स्त्री०
द्र०—ਬੱਤੀ[1]।

ਬਢਈ बढ़ई Baḍhī [3] पुं०
वर्धकि (पुं०) बढ़ई, काठ का काम करने वाला, काष्ठकार।

ਬਣ बण् Baṇ [3] पुं०
वन (नपुं०) वन, जंगल, अरण्य।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਣ-ਮਾਹਣੂ बण्-माह्णू Baṇ-Māhṇū [3] पुं०
वनमानुष (पुं०) वनमानुष।

ਬਤਵਾਲ बत्वाल् Bat-Vāl [1] पुं०
वर्त्मपाल (पुं०) चौकीदार, मार्ग-रक्षक।

ਬਤਾਲੀ बतालो Batālī [1] वि०
द्वाचत्वारिंशत् (स्त्री०) बयालीस; 42 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਤੀਸੀਆ बतीस्या Batīsyā [1] पुं०
द्वात्रिंश (वि०) बत्तीसवाँ, 32वाँ।

ਬਤੀਤ बतीत् Batīt [3] वि०
व्यतीत (वि०) व्यतीत, अतीत।

ਬੱਤਰੀ बत्री Battrī [1] वि०
द्वात्रिंशत् (स्त्री०, वि०) बत्तीस; 32 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਬੱਤੀ[1] बत्ती Battī [3] स्त्री०
वर्ति/वर्ती (स्त्री०) दीपक की बत्ती।

ਬੱਤੀ[2] बत्ती Battī [3] वि०
द्वात्रिंशत् (स्त्री०, वि०) बत्तीस, 32 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਥੇਰਾ बथेरा Bathera [3] पुं०
बहुतर (वि०) अधिक, बहुत।

ਬਦਖਸਾਂ बदख्साँ Badkhsā̃ [3] पुं०
वदक्सान (नपुं०) अफगानिस्तान के उत्तरी सीमा का एक नगर जहाँ के लाल रत्न मशहूर हैं।

ਬਦਰੰਗ बद्रंग् Badraṅg [3] वि०
विवर्ण (वि०/पुं०) वि०—बुरे रंग का। पुं०—प्रेम-भंग।

ਬਦਾਮੀ बदामी Badāmī [3] वि०
वातादीय (वि०) बदामी, बादाम के रंग का।

ਬਦੀ बदी Badī [3] अ०
बदी (अ०) बदी, कृष्ण पक्ष।

ਬਦੂਹਣਾ बदूह्णा Badūhṇā [1] सक० क्रि०
विदूषयति (दिवादि प्रेर०) कलंकित करना, आरोप लगाना, निन्दा करना।

ਬਦੇਸ बदेस् Bades [1] पुं०
विदेश (पुं०) विदेश, परदेश।

ਬੱਦਲ बद्दल् Baddal [3] पुं०
वर्दल (नपुं, पुं०) बादल।

ਬਧਨਾ बध्ना Badhnā [1] पुं०
वर्धनी (स्त्री०) जल का घड़ा, जल-घट।

ਬਧਾਈ बधाई Badhāī [3] स्त्री०
वर्धापन (नपुं०) बधाई, मंगल-कामना।

ਬਧੂਆ बधूआ Badhūā [1] वि०, पुं०
द्र०—ਬੰਧੂਆ।

ਬੱਧ बद्ध Baddh [1] स्त्री०
वर्धमन्/व्रध्म (पुं०) ग्रन्थि, कौड़ी, गिल्टी।

ਬੱਧਰੀ बद्धरी Baddhrī [2] स्त्री०
वर्ध्र (पुं०) चमड़े का धागा, चर्म रज्जु, चमड़े की पतली पट्टी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬੱਧਾ बद्धा Baddhā [3] पुं०
बद्ध (वि०) कैदी, बँधा हुआ।

ਬੱਧੀ बद्धी Baddhī [1] स्त्री०
द्र०—ਬੱਧਤੀ।

ਬਨ बन् Ban [2] पुं०
वन (नपुं०) वन, जंगल।

ਬਨਵਾਸਣ बन्वासण् Banvāsaṇ [3] स्त्री०
वनवासिनी (स्त्री०) वनवासिनी, वन में रहने वाली।

ਬਨਵਾਸੀਆ बन्वासिआ Banvāsiyā [1] पुं०
वनवासिन् (वि०) वनवासी, वन में रहने वाला।

ਬਨੀਆ बनिआ Baniā [3] पुं०
वणिज् (पुं०) बनिया, व्यापारी।

ਬਨੋਵਾਸ बनोवास् Banovās [1] पुं०
वनवास (पुं०) वनवास, वन में रहने का भाव।

ਬਨ੍ਹਾਉਣਾ बन्हाउणा Banhāuṇā
[3] सक० क्रि०
बन्धयति (क्र्यादि प्रेर०) बँधवाना, बन्धन कराना।

ਬੰਨਾ बन्ना Bannā [3] पुं०
वन्द्य (पुं०) वर, दूल्हा।

ਬੰਨੀ बन्नी Bannī [3] स्त्री०
वन्द्या (स्त्री०) वधू, दूल्हन।

ਬਫਾਉਣਾ बफाउणा Baphāuṇā
[3] अक० क्रि०
वाष्पायते (नामधातु अक०) भाप देना; फूलना, गर्व करना।

ਬਫਾਰਾ बफारा Baphārā [3] पुं०
वाष्पायन (नपुं०) भाप होने की क्रिया।

ਬਬਰਾਨਾ बब्राना Babrānā [1] स्त्री०
बर्वर (पुं०) घुँघराले बाल।

ਬਬੂਲ बबूल् Babūl [3] पुं०
बब्बूल (पुं०) बबूल का वृक्ष।

ਬਭੂਤੀ बभूती Babhūtī [2] स्त्री०
विभूति (स्त्री०) राख, भस्म।

ਬਰਸ बरस् Baras [3] पुं०
वर्ष (नपुं०) वर्ष, साल।

ਬਰਸਣਾ बर्सणा Barsaṇā [3] अक० क्रि०
वर्षति (भ्वादि अक०) बरसना, आकाश से जल गिरना, बरसात होना।

ਬਰਸਨਾ बर्सना Barsanā [3] अक० क्रि०
वर्षयति (भ्वादि अक०) बरसना, वर्षा होना।

ਬਰਸਾਉਣਾ बर्साउणा Barsāuṇā
[3] सक० क्रि०
वर्षयति (भ्वादि प्रेर०) वर्षा कराना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਰਸਾਉ बर्साऊ Barsāū [3] पुं०
वर्षक (त्रि०) बरसने वाला।

ਬਰਸਾਤ बर्सात् Barsāt [3] स्त्री०
वर्षर्तु (पुं०) बरसात, वर्षा का मौसम।

ਬਰਸੀ बर्सी Barsī [3] स्त्री०
वार्षिकी (वि०) बरसी, एक वर्ष पर होने वाला कृत्य।

ਬਰਖ बरख् Barakh [2] पुं०
द्र०—ਬਰਸ।

ਬਰਖਣਾ बर्खणा Barkhaṇā [1] अक० क्रि०
वर्षति (भ्वादि अक०) बरसना, वर्षा होना।

ਬਰਖਾ बर्खा Barkhā [3] स्त्री०
वर्षा (स्त्री० बहुव०) बरखा, वर्षा।

ਬਰਖਾ-ਰੁੱਤ बर्खा-रुत्त् Barkhā-Rutt [3] स्त्री०
वर्षर्तु (पुं०) वर्षा ऋतु, वर्षा का मौसम।

ਬਰਤ बरत् Barat [3] स्त्री०
वरत्रा (स्त्री०) चमड़े का तसमा/रज्जु, लौहपट्टी।

ਬਰਨਾ बर्ना Barnā [1] पुं०
वरण (पुं०) वरुण; वरुना नामक वृक्ष।

ਬਰਬਰ बर्बर् Barbar [3] पुं०
वर्वर (पुं०) अफ्रीका का उत्तरी समभाग।

ਬਰਭੰਡ बर्भण्ड् Barbhaṇḍ [1] पुं०
ब्रह्माण्ड (पुं०, नपुं०) भूगोल एवं खगोल रूप जगत्, तीनों लोक एवं चौदहों भुवन।

ਬਰਮੀ बर्मी Barmī [2] स्त्री०
वम्रिय / वम्रीय (पुं०) दीमक की थूह, वाँबी, बल्मीक।

ਬਰਾਉਣਾ बराउणा Barāuṇā [3] सक० क्रि०
विरामयति (भ्वादि प्रेर०) बच्चों का दिल बहलाना, (विशेषतया कथादि से)।

ਬਰਾਗ बराग् Barāg [1] पुं०
वैराग्य (नपुं०) वैराग्य, संसार से उदासीनता।

ਬਰਾਗਣ बरागण् Barāgaṇ [1] स्त्री०
वैरागिणी (स्त्री०) वैरागन, विरागिणी।

ਬਰਾਗਣਾ बरागणा Barāgṇā [1] अक० क्रि०
विराज्यते (दिवादि अक०) वैराग्य धारण करना, संसार से उदासीन होना।

ਬਰਾਗੀ बरागी Barāgī [1] पुं०
वैरागिन् (वि०) वैरागी, उदासीन।

ਬਰਾਂਡਾ बराण्डा Barāṇḍā [3] पुं०
वरण्ड (पुं०) बरामदा, बराण्डा।

ਬਰਾਤ बरात् Barāt [3] स्त्री०
वरयात्रा (स्त्री०) बरात; वरमाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਰਾਤੀ बराती Barātī [3] वि०
वरयात्रिक (वि०) बराती, बरात के लोग ।

ਬਰੋਟਾ बरोटा Barotā [3] पुं०
वट (पुं०) बरगद का पेड़ ।

ਬਲ बल् Bal [3] पुं०
बल (नपुं०) शक्ति, ताकत ।

ਬਲਟੋਹ Baltoh [3] स्त्री०
वर्तलोह (नपुं०) काँसे, लोहे या पीतल का भाण्ड, बटलोहा ।

ਬਲਣਾ बल्णा Balṇā [3] अक० क्रि०
ज्वलति (भ्वादि अक०) जलना ।

ਬਲਦ बल्द् Bald [3] पुं०
वलिवर्द (पुं०) बैल ।

ਬਲਵਾਨ बल्वान् Balvān [3] वि०
बलवत् (वि०) बलवान्, शक्तिशाली ।

ਬਲਾਉਣਾ बलाउणा Balāuṇā [3] सक० क्रि०
विलासयति (भ्वादि० प्रेर०) सहानुभूति प्रगट करना, विलास करना, मनोरंजन करना ।

ਬਲੀ¹ बली Balī [3] वि०
बलिन् (वि०) बलवान्, शक्तिमान् ।

ਬਲੀ² बली Balī [3] स्त्री०
बलि (पुं०) उपहार, अर्चा, किसी देवता को भेंट किया हुआ अन्न; बलिदान ।

ਬਲੇਦ बलेद् Baled [2] पुं०
द्र०—ਬਲੇਦੀ ।

ਬਲੇਦਾ बलेदा Bledā [1] पुं०
द्र०—ਬਲੇਦੀ ।

ਬਲੇਦੀ बलेदी Baledī [3] पुं०
वलिवर्दिन् (वि०) बैलों का चरवाहा !

ਬਲੋਣਾ बलोणा Baloṇā [1] सक० क्रि०
विलोडयति (भ्वादि सक०) विलोना, मथना ।

ਬਲ੍ਹਦ बल्हद् Balhad [3] पुं०
द्र०—ਬਲਦ ।

ਬੱਲ बल्ल् Ball [2] स्त्री०
वल्लि (स्त्री०) बेल, लता ।

ਬੱਲਮ बल्लम् Ballam [3] पुं०
भल्ल (पुं०) बल्लम, भाला ।

ਬਵੰਜਾ बवंजा Bavañjā [3] वि०
द्वापञ्चाशत् (स्त्री०) बावन; 52 संख्या से युक्त वस्तु ।

ਬੜ बड़् Baṛ [3] पुं०
वट (पुं०) वट-वृक्ष, बरगद का वृक्ष ।

ਬੜਾ¹ बड़ा Baṛā [3] पुं०
वड्र (वि०) बड़ा, महान् ।

ਬੜਾ² बड़ा Baṛā [3] पुं०
वटक (पुं०, नपुं०) बड़ा, पकौड़ा ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬੜੀ बड़ी Baṛī [3] स्त्री०
वटिका (स्त्री०) बड़ी, पकौड़ी।

ਬਾਂ बाँ Bā̃ [1] स्त्री०
वापी (स्त्री०) बावड़ी, छोटा जलाशय।

ਬਾਉਰ बाउर् Bāur [3] स्त्री०
वागुरा (स्त्री०) जाल, फन्दा।

ਬਾਂਉਰ बाँउर Bā̃ur [1] स्त्री०
वागुरा (स्त्री०) पशुओं के मुख का जाल या फन्दा जिसे ग्रामीण भाषा में 'जाब' कहते हैं।

ਬਾਂਉਰਾ बाँउरा Bā̃urā [1] पुं०
द्र०— ਬਾਵਰਾ।

ਬਾਉਰੀਆ बाउरिआ Bāuriā [1] पुं०
वागुरिक (वि०) जाल फैलाने वाला, बहेलिया।

ਬਾਉਲੀ बाउली Bāulī [3] स्त्री०
वापी (स्त्री०) बावली, छोटा जलाशय।

ਬਾਉੜੀ बाउड़ी Bāuṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਬਾਉਲੀ।

ਬਾਇਆਂ बायाँ Bāyā̃ [3] वि०
वाम (वि०) वाम, बायाँ।

ਬਾਈ बाई Bāī [3] वि०
द्वाविंशति (स्त्री०) बाईस, 22 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਾਈਵਾਂ बाईवाँ Bāīvā̃ [3] पुं०
द्विविंशतितम (वि०) बाइसवाँ, 22वाँ।

ਬਾਸ बास् Bās [3] स्त्री०
वास (पुं०) सुगन्धि, महँक, खुशबू।

ਬਾਂਸ बाँस् Bā̃s [3] पुं०
वंश (पुं०) बाँस।

ਬਾਸਨ[1] बासन् Bāsan [1] पुं०
वसन (नपुं०) वासा, निवास, घर।

ਬਾਸਨ[2] बासन् Bāsan [1] स्त्री०
वासना (स्त्री०) वासना, इच्छा।

ਬਾਸਨ[3] बासन् Bāsan [3] पुं०
वासन (नपुं०) बासन, बर्तन; निवास, घर।

ਬਾਸਰੀ बास्री Bāsrī [1] पुं०
वसिन् (वि०) निवासी, रहने वाला।

ਬਾਸਲੋਚਨ बासलोचन् Bāslocan [3] पुं०
वंशलोचन (नपुं०) बंसलोचन।

ਬਾਸੀ बासी Bāsī [3] वि०
वासित (वि०) बासी, स्वादहीन।

ਬਾਸੁਰ बासुर Bāsur [1] पुं०
वासर (नपुं०) वासर, दिन।

ਬਾਸ਼ੇਖਕ बाशेखक् Bāśekhak [3] वि०
वैशेषिक (वि०) वैशेषिक दर्शन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਾਂਹ बाँह् Bãh [3] स्त्री०
बाहु (पुं०) बाँह, हाथ, भुजा।

ਬਾਹਠ बाहठ् Bāhaṭh [3] वि०
द्वाषष्टि (स्त्री०) बासठ, 62 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਾਹਠਵਾਂ बाहठ्वाँ Bāhaṭhvã [3] पुं०
द्विषष्टितम (वि०) बासठवाँ, 62वाँ।

ਬਾਹਮਣ बाह्मण् Bāhmaṇ [2] पुं०
ब्राह्मण (पुं०) ब्राह्मण, विप्र।

ਬਾਹਰ बाहर् Bāhar [3] अ०
बहिस् (अ०) बाहर।

ਬਾਹਰਲਾ बाहर्ला Bāharlā [3] पुं०
बहिरङ्ग (वि०) बाहरी, बाहर का।

ਬਾਹਰਾ बाह्रा Bāhrā [3] वि०
द्र०—ਬਾਹਰਲਾ।

ਬਾਹਰੀ बाह्री Bāhrī [3] वि०
द्र०—ਬਾਹਰਲਾ।

ਬਾਹਲਾ बाह्ला Bāhlā [3] वि०
बहुल (वि०) अधिक, बहुत।

ਬਾਹੁਲੀ बाहुली Bāhulī [3] स्त्री०
बाहुल (नपुं०) आस्तीन, बाहु-कवच।

ਬਾਂਕਾ बांका Bãkā [3] पुं०
वङ्क/वङ्किम (वि०) बाँका, बाँकपन से युक्त।

ਬਾਖੜਾ बाख्ड़ा Bākhṛā [1] स्त्री०
वष्कयणी/वष्कयिणी (स्त्री०) चिर प्रसूता गौ, बहुत दिनों की ब्याई हुई गाय, वकेन गौ।

ਬਾਂਗਣਾ बाँग्णा Bãgṇā [3] क्रि०
उपाञ्जन (नपुं०) लेप करना।

ਬਾਘ बाघ् Bāgh [3] पुं०
व्याघ्र (पुं०) बाघ, शेर।

ਬਾਘੰਬਰ बाघम्बर् Bāghambar [1] पुं०
व्याघ्राम्बर (नपुं०) बाघम्बर, बाघ की खाल।

ਬਾਛਣਾ बाछ्णा Bāchṇā [1] सक० क्रि०
द्र०—ਬਾਂਛਣਾ।

ਬਾਂਛਣਾ बाँछ्णा Bãchṇā [3] सक० क्रि०
वाञ्छति (भ्वादि सक०) चाहना, इच्छा करना।

ਬਾਂਛਤ बांछत् Bãñchat [3] वि०
वाञ्छित (वि०) वांछित, इच्छित।

ਬਾਛਰ बाछर् Bāchar [1] पुं०
वत्सतर (पुं०) बछेड़ा, बछेड़ा।

ਬਾਂਛਾ बांछा Bãñchā [3] स्त्री०
वाञ्छा (स्त्री०) इच्छा, अभिलाषा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਬਾਜ਼ ਬाज् Bāj [3] पुं०
वाज (पुं०) बाज पक्षी ।

ਬਾਜ਼ਰਾ बाज्रा Bājrā [3] पुं०
वर्जरी / वज्रान्न (स्त्री०) बाजरा, मोटा अनाज ।

ਬਾਜ਼ਰੀ बाज्री Bājrī [3] स्त्री०
वर्जरी (स्त्री०) बाजरा, मोटा अनाज ।

ਬਾਜ਼ਿੰਤ੍ਰ बाजिन्त्र् Bājintr [1] पुं०
वाद्ययन्त्र (नपुं०) वाद्ययन्त्र, बाजा ।

ਬਾੱਜਾ बाज्जा Bājjā [3] पुं०
वाद्य (नपुं०) बाजा, वाद्य-यन्त्र ।

ਬਾਝ बाझ् Bājh [3] वि०
बाह्य (वि०) बाहरी, बाहर का ।

ਬਾਂਝ बाँझ् Bājh [3] स्त्री०
बन्ध्या (स्त्री०) बाँझ, सन्तान-रहित स्त्री या गौ ।

ਬਾਂਝਾ बाँझा Bājhā [1] स्त्री०
द्र०—ਬਾਂਝ ।

ਬਾਝੋਂ बाझों Bājhō [3] वि०
बाह्य (वि०) बाहरी, बाहर का ।

ਬਾੱਝੋਂ बाज्झों Bajjhō [3] वि०
बाह्य (वि०) बाहरी, बाहर का ।

ਬਾਟ बाट् Bāṭ [3] स्त्री०
वर्त्मन् (नपु०) मार्ग, राह ।

ਬਾਂਟਣਾ बाँट्णा Bāṭṇā [3] सक० क्रि०
वण्टयति / ते (चुरादि सक०) बाँटना, विभाग करना ।

ਬਾਟੀ बाटी Bāṭī [3] स्त्री०
वर्त्मन् (नपुं०) मार्ग, रास्ता, पथ ।

ਬਾਂਡਾ बांडा Bāḍā [3] पुं०
वण्ड (वि०) पङ्गु; बिना पूँछ का बैल ।

ਬਾਢ बाढ् Bāḍh [2] स्त्री०
वर्ध (स्त्री०) काटना, कर्तन, छेदन ।

ਬਾਢੀ बाढी Bāḍhī [2] स्त्री०
वृद्धि (स्त्री०) फसल की कटाई, कटनी ।

ਬਾੱਢੀ बाड्ढी Bāḍḍhī [1] पुं०
वर्धकि/वर्धकिन् (पुं०) बढ़ई, तक्षक ।

ਬਾਣ[1] बाण् Bāṇ [3] स्त्री०
व्यसन (नपु०) आदत, स्वभाव ।

ਬਾਣ[2] बाण् Bāṇ [3] पुं०
बाण (पुं०) सरपत, रस्सी बनाने की कच्ची वस्तु घास इत्यादि ।

ਬਾਣ[3] बाण् Bāṇ [3] पुं०
बाण (पु०) तीर, बाण ।

ਬਾਣਾ[1] बाणा Bāṇā [3] पुं०
वान (नपुं०) बुनने की क्रिया ।

ਬਾਣਾ[2] बाणा Bāṇā [1] पुं०
बाण (पुं०) बाण, तीर ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਾਣੀਆ बाणिआ Bāṇiā [2] पुं०
वणिक् (पुं०) बनिया, व्यापारी।

ਬਾਤ बात् Bāt [3] स्त्री०
वार्त / वार्ता (पुं०/स्त्री०) समाचार, संवाद, खबर।

ਬਾਤਚੀਤ बात्चीत् Bātcīt [3] स्त्री०
वार्ता (स्त्री०) बातचीत, वार्तालाप।

ਬਾਤੀ बाती Bātī [3] स्त्री०
वस्तु (नपुं०) वस्तु, चीज।

ਬਾਥੂ बाथू Bāthū [3] पुं०
वास्तुक (नपुं०) बथुआ, एक प्रकार का साग।

ਬਾਂਦਰ बांदर् Bādar [3] पुं०
वानर (पुं०) वानर, बन्दर।

ਬਾਂਦਰੀ बांद्री Bādrī [3] स्त्री०
वानरी (स्त्री०) बन्दरी, वानरी।

ਬਾਨਵੇ बान्वे Bānve [3] वि०
द्विनवति (स्त्री०) बानवे; 92 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਬਾਨਵੇਵਾਂ बान्वेवाँ Bānvevā [3] पुं०
द्विनवतितम (त्रि०) बानबेवाँ, 92वाँ।

ਬਾਨੀਆ बानिआ Bāniā [2] पुं०
वणिक् (पुं०) बनिया, व्यापारी।

ਬਾਰ[1] बार् Bār [3] पुं०
द्वार (नपुं०) द्वार, दरवाजा।

ਬਾਰ[2] बार् Bār [3] पुं०
वार (नपुं०) बारी, अवसर।

ਬਾਰਤਾ बार्ता Bārtā [3] स्त्री०
वार्ता (स्त्री०) वार्ता, समाचार; बात।

ਬਾਰਨਾ बार्ना Bārnā [3] सक० क्रि०
वारयति (चुरादि सक०) वारण करना, हटाना।

ਬਾਰਾ बारा Bārā [1] वि०
द्वादश (वि०) बारह; 12 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਾਰਾਂ बाराँ Bārā̃ [3] वि०
द्वादश (वि०) बारह; 12 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਾਰੀ बारी Bārī [3] स्त्री०
द्वारी (स्त्री०) खिड़की, गवाक्ष।

ਬਾਰੋ बारो Bāro [1] पुं०
बालक (पुं०) बालक, बच्चा।

ਬਾਰੰਤਰੀ बारन्तरी Bārantarī [3] क्रि० वि०
बहिरन्तस् (क्रि० वि०) बाहर-भीतर।

ਬਾਰੰਬਾਰ बारम्बार् Bārambār [3] क्रि० वि०
वारंवार (अ०) बार-बार, कई बार, फिर-फिर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਾਰ੍ਹਾ बार्हा Bārhā [3] पुं०
द्वादशाह (पुं०) मृतक के बारहवें दिन की क्रिया।

ਬਾਲ बाल् Bāl [3] पुं०
बाल (पुं०) बालक, बच्चा।

ਬਾਲਘਾਤਨੀ बाल्घात्नी Bālghātnī [3] स्त्री०
बालघातिनी (स्त्री०) बालघातिनी, बालक की हत्या करने वाली।

ਬਾਲਣ बालण् Bālaṇ [3] पुं०
ज्वालन (नपुं०) ईन्धन।

ਬਾਲਣਾ बाल्णा Bālṇā [3] अक० क्रि०
ज्वालयति (भ्वादि प्रेर०) जलाना, बालना।

ਬਾਲਮੱਤ बाल्मत्त् Bālmatt [3] स्त्री०
बालमति (स्त्री०) बालमति, बालबुद्धि।

ਬਾਲਾ बाला Bālā [1] स्त्री०
बाला (स्त्री०) बालिका, बच्ची, शिशु।

ਬਾਲੂ[1] बालू Bālū [3] स्त्री०
वालुका/बालुका (स्त्री०) बालू, रेत।

ਬਾਲੂ[2] बालू Bālū [1] पुं०
भल्लूक (पुं०) भालू, रीछ।

ਬਾਵਣਾ वाव्णा Bāvṇā [1] पुं०
वामन (वि०) वामन, बौना, ठिंगना।

ਬਾਵਨ बावन् Bāvan [3] पुं०
वामन (पुं०/वि०) पुं०—वामन अवतार। वि०—बौना, वामन, ठिंगना।

ਬਾਵਰਾ बाव्रा Bāvrā [3] पुं०
वायुर/वातुल (वि०) पागल, विक्षिप्त।

ਬਾੜ बाड़् Bāṛ [2] स्त्री०
वाट (पुं०) बाड़ा, घेरा, हाता।

ਬਾੜਾ बाड़ा Bāṛā [3] पुं०
वाट (पुं०) बाड़ा, घेरा, हाता; भवन।

ਬਾੜੀ बाड़ी Bāṛī [2] स्त्री०
वाटिका (स्त्री०) फुलवारी, बगीचा, उद्यान।

ਬਿਉਹਾਰ बिउहार् Biuhār [3] पुं०
व्यवहार (पुं०) बर्ताव, आचरण; धन्धा; रीति-रिवाज।

ਬਿਉਹਾਰੀ बिउहारी Biuhārī [3] पुं०
व्यवहारिन् (वि०) कारोबार करने वाला व्यक्ति, व्यापारी; मुकदमेबाज।

ਬਿਉਪਾਰ बिउपार् Biupār [3] पुं०
व्यापार (पुं०) व्यापार, तिजारत।

ਬਿਉਪਾਰਕ बिउपारक् Biupārak [3] वि०
व्यापारिक (वि०) व्यापार-संबन्धी।

ਬਿਉਪਾਰੀ बिउपारी Biupārī [3] पुं०
व्यापारिन् (वि०) व्यापारी, तिजारती।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਿਓਰਾ ब्योरा Byorā [1] पुं०
विवरण (नपुं०) विवरण, ब्योरा।

ਬਿਅਰਥ ब्यरथ् Byarath [1] वि०
व्यर्थ (वि०) व्यर्थ, बेकार।

ਬਿਆਈ बिआई Biāī [3] स्त्री०
विपादिका (स्त्री०) पैर का एक रोग, बेवाई।

ਬਿਆਸ बिआस Biās [3] स्त्री०
विपाश् (स्त्री०) व्यास नदी।

ਬਿਆਸਾ बिआसा Biāsā [3] पुं०
विपाशा (पुं०) व्यास नदी।

ਬਿਆਸੀ बिआसी Biāsī [3] वि०
द्व्यशीति (स्त्री०) बयासी; 82 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਿਆਸੀਵਾਂ बिआसिवां Biāsivā̃ [3] पुं०
द्व्यशीतितम (वि०) बयासिवां 82वाँ।

ਬਿਆਹ ब्याह् Byāh [1] पुं०
विवाह (पुं०) विवाह, परिणय, शादी।

ਬਿਆਹਣਾ ब्याह्णा Byāhṇā [3] सक० क्रि०
विवाहयति (भ्वादि प्रेर०) विवाह करना।

ਬਿਆਹਾ ब्याहा Byāhā [1] पुं०
विवाहित (वि०) जिसका विवाह हो गया हो, विवाहित।

ਬਿਆਹਿਆ ब्याहिया Byāhiā [3] पुं०
विवाहित (वि०) विवाहित, जिसका विवाह हो गया हो।

ਬਿਆਣਵੇਂ ब्याण्वें Byāṇvẽ [1] वि०
द्वानवति (स्त्री०) बानवे; 92 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਿਆਧ ब्याध् Byādh [3] स्त्री०
व्याधि (पुं०) रोग, व्याधि।

ਬਿਆਲੀ बिआली Biālī [3] वि०
द्विचत्वारिंशत् / द्वाचत्वारिंशत् (स्त्री०) बयालीस; 42 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬਿਸਟਾ बिस्टा Bisṭā [2] स्त्री०
विष्ठा (स्त्री०) विष्ठा, पुरीष, मल।

ਬਿਸਠਾ बिसठा Bisṭhā [2] स्त्री०
द्र०—ਬਿਸਟਾ।

ਬਿਸਤ੍ਰਿਤ बिस्त्रित् Bistrit [3] वि०
विस्तृत (वि०) फैला हुआ, विस्तार-युक्त।

ਬਿਸਨ बिसन् Bisan [2] पुं०
विष्णु (पुं०) विष्णु भगवान्।

ਬਿਸ਼ਨ बिशन् Biśan [2] पुं०
द्र०—ਬਿਸਨ।

ਬਿਸਨੀ बिस्नी Bisnī [1] वि०, पुं०
द्र०—ਬਿਸ਼ਨੀ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਿਸ਼ਨੀ बिश्नी Biśnī [1] वि०/पुं०
विषयिन् (वि०/पुं०) वि०—विषयासक्त, विलासी। पुं०—संसार में फँसा हुआ आदमी।

ਬਿਸਮ बिसम् Bisam [3] पुं०
विस्मय (नपुं०) आश्चर्य, हैरानी।

ਬਿਸਮਨ बिस्मन् Bīsman [3] पुं०
विस्मयन (नपुं०) विस्मय होने का भाव।

ਬਿਸਮਾ बिस्मा Bismā [1] वि०
विस्मित (वि०) विस्मित, चकित।

ਬਿਸਮੈ बिस्मै Bīsmai [3] पुं०
विस्मय (पुं०) विस्मय, आश्चर्य।

ਬਿਸਮ੍ਰਿਤ विस्म्रत् Bismrat [3] वि०
विस्मृत (वि०) विस्मृत, भूला हुआ।

ਬਿਸਰਾਮ बिस्राम् Bisrām [3] पुं०
विश्राम (पुं०) आराम; विराम; शान्ति।

ਬਿਸਵਾਸ बिस्वास् Bisvās [2] पुं०
विश्वास (पुं०) विश्वास, भरोसा।

ਬਿਸਾਹੁਣਾ बिसाहुणा Bisāhuṇā [3] अक० क्रि०
विश्वासयति (अदादि प्रेर०) विश्वास दिलाना, विश्वस्त करना।

ਬਿਸਾਖਾ बिसाखा Bisākhā [3] स्त्री०
विशाखा (स्त्री०) विशाखा नक्षत्र।

ਬਿਸਾਂਧ बिसांध् Bisādh [3] स्त्री०
विस्रगन्ध (पुं०) दुर्गन्ध, सड़ाँध।

ਬਿਸਾਂਧਾ बिसांधा Bisādhā [3] वि०
विस्रगन्ध (वि०) सडाँध युक्त, दुर्गन्ध युक्त, बदबूदार।

ਬਿਸਾਰਨਾ बिसार्ना Bisārnā [3] सक० क्रि०
विस्मारयति (भ्वादि प्रेर०) भुलाना, विस्मृत करना।

ਬਿਸੀਅਰ बिसीअर् Bisīar [3] पुं०
विषधर (पुं०) विषधर, सर्प।

ਬਿਸੁਰਤੀ बिसुर्ती Bisurtī [2] स्त्री०
विस्मृति (स्त्री०) विस्मृति, बेसुधि।

ਬਿਸੂਚਕਾ बिसूच्का Bisūckā [2] पुं०
विषूचिका (स्त्री०) विसूचिका, हैजा।

ਬਿਸੰਭਰ बिसंभर् Bisambhar [3] पुं०
विश्वम्भर (पुं०) विश्व का भरण करने वाला, परमात्मा, भगवान्।

ਬਿੱਸਰਣਾ बिस्सर्णा Bissarṇā [3] सक० क्रि०
विस्मरति (भ्वादि सक०) भूलना, विस्मृत होना।

ਬਿਹ बिह् Bih [1] स्त्री०
विष (नपुं०) विष, जहर।

ਬਿਹਬਲ बिह्बल् Bihbal [3] वि०
विह्वल (वि०) व्याकुल, बेचैन; भायाकुल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਿਹਬਲਤਾ बिह्बल्ता Bihbaltā [3] स्त्री०
विह्वलता (स्त्री०) व्याकुलता, बेचैनी; भय, डर।

ਬਿਹਾ बिहा Bihā [3] पुं०
उषित (वि०) पर्युषित, बचा हुआ, बासी अन्न।

ਬਿਹੁ बिहु Bihu [3] स्त्री०
विष (नपुं०) जहर, विष।

ਬਿਹੰਗਮ बिहंगम् Bihaṅgam [3] पुं०
विहङ्गम (पुं०) विहंगम, पक्षी।

ਬਿਕਟ बिकट् Bikaṭ [3] वि०
विकट (वि०) विकट, कठिन; भयानक।

ਬਿਕਣਾ बिकणा Bikṇā [3] सक० क्रि०
विक्रीयते (क्र्यादि कर्म वा०) बेचा जाना, बिकना।

ਬਿਕਰਮੀ बिकर्मी Bikarmī [3] स्त्री०
विकर्मन् (नपुं०) दुष्कर्म, बुरे कार्य।

ਬਿਕਲ बिकल् Bikal [1] वि०
विकल (वि०) व्याकुल, बेचैन, भयाकुल।

ਬਿਕਾਉਣਾ बिकाउणा Bikāuṇā [3] सक० क्रि०
विक्राययति (क्र्यादि प्रेर०) बेचवाना, विक्रय कराना।

ਬਿੱਕ बिक्क् Bikk [3] पुं०, स्त्री०
वल्क (पुं०) पेड़ की छाल, वल्कल।

ਬਿਖ बिख् Bikh [3] स्त्री०
विष (नपुं०) विष, जहर।

ਬਿਖਈ बिखई Bikhī [1] पुं०
विषयिन् (वि०) संसारी; विलासी।

ਬਿਖਮ बिखम् Bikham [3] वि०
विषम (वि०) असमान; कठिन; प्रतिकूल; दो से पूरा-पूरा न बंटने वाला अंक।

ਬਿਖਯੰਤ बिख्यन्त् Bikhyant [1] वि०
विषयवत् (वि०) विलासी, विषयों में लिप्त।

ਬਿਖਰਣਾ बिख्रणा Bikharṇā [3] क्रि०
विष्किरति (तुदादि प्रेर०) बिखरना, बिखर जाना।

ਬਿਖਰਾਉਣਾ बिख्राउणा Bikhrāuṇā [3] सक० क्रि०
विक्षारयति (भ्वादि प्रेर०) बिखेरना, फैलाना।

ਬਿਖਲੀਆ बिख्लिआ Bikhliā [1] वि०
विषलिन् (वि०) विषैला, विष-युक्त।

ਬਿਖਾਗਨ बिखागन् Bikhāgan [1] स्त्री०
विषाग्नि (पुं०) विषाग्नि, विषरूपी आग।

ਬਿਖਿਆ[1] बिखिआ Bikhiā [1] पुं०
द्र०—विष।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਿਖਿਆ² बिखिआ Bikhiā [3] पुं०
विषय (पुं०) ज्ञानेन्द्रियों द्वारा गृहीत होने वाले पदार्थ—रूप, रस, गन्धादि, लौकिक आनन्द या भोग।

ਬਿਖਿਆਸਕਤ बिखिआसकत् Bikhiāsakat [1] पुं०
विषयासक्त (वि०) भोग में आसक्त, विलासी।

ਬਿਖੈ बिखै Bikhai [1] पुं०
विषय (पुं०) इन्द्रियों का विषय (रूप, रस, गन्ध, स्पर्श एवं शब्द)।

ਬਿਖੰਡਣਾ बिखण्डणा Bikhaṇḍaṇā [3] सक० क्रि०
विखण्डयति (चुरादि प्रेर०) खण्डन करना।

ਬਿੰਗ बिंग् Biṅg [2] पुं०
व्यङ्ग्य (नपुं०) गूढ अथवा छिपा हुआ अर्थ; ताना, चुटकी।

ਬਿਗੜਨਾ बिगड़्ना Bigaṛnā [3] अक० क्रि०
विघटते (भ्वादि अक०) खराब होना, विघटित होना।

ਬਿਗਾੜ बिगाड़ Bigāṛ [3] पुं०
विघटन (नपुं०) तोड़ने या अलग करने का भाव, बरबादी, नाश।

ਬਿਚਖਣ बिच्खण् Bickhaṇ [2] वि०
विचक्षण (वि०) विचक्षण, चतुर, बुद्धिमान्।

ਬਿਚਲਨਾ बिचल्ना Bicalnā [3] अक० क्रि०
विचलति (भ्वादि अक०) विचलित होना, पथभ्रष्ट होना।

ਬਿਚਾਲਨਾ विचाल्ना Bicālnā [3] सक० क्रि०
विचालयति (भ्वादि प्रेर०) विचलित करना; नष्ट करना।

ਬਿਛੂਆ बिछूआ Bichūā [3] पुं०
द्र०—ਬਿੱਛੂ।

ਬਿਛੋੜਣਾ बिछोड़्णा Bichoṛṇā [3] सक० क्रि०
विच्छोटयति (चुरादि प्रेर०) छुड़ाना, पृथक् करना।

ਬਿਛੋੜਨਾ बिछोड़्ना Bichoṛṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਵਿਛੋੜਣਾ।

ਬਿੱਛੂ बिच्छू Bicchū [3] पुं०
वृश्चिक (पुं०) बिच्छू, डंक वाला एक विषैला जन्तू।

ਬਿਜਣਾ बिज्णा Bijṇā [1] क्रि०
विबुध्यते (दिवादि अक०) जगना, जग जाना, निद्रा से उठना।

ਬਿਜਲੀ बिज्ली Bijlī [3] स्त्री०
विद्युल्लता (स्त्री०) बिजली, विद्युत्।

ਬਿੱਜ बिज्ज् Bijj [3] स्त्री०
विद्युत् (स्त्री०) विद्युत्, बिजली।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਿਠਲ बिठल् Biṭhal [3] पुं०
विट्ठल (पुं०) भगवान् श्रीकृष्ण, विष्णु ।

ਬਿੱਠ बिट्ठ् Biṭṭh [3] स्त्री०
विष्ठा (स्त्री०) पुरीष, मल ।

ਬਿਣਨਾ बिण्ना Biṇnā [3] सक० क्रि०
वयते (भ्वादि सक०) विनना, बुनना ।

ਬਿਤਾਉਣਾ बिताउणा Bitāuṇā [3] सक० क्रि०
व्यत्येति (अदादि सक०) बिताना, समय बिताना, काल-यापन करना ।

ਬਿਤਾਲੀ बिताली Bitālī [3] वि०
द्विचत्वारिंशत् / द्वाचत्वारिंशत् (स्त्री०) बयालीस, 42 सख्या से युक्त वस्तु ।

ਬਿਥਾਰਨਾ बिथार्ना Bithārnā [1] सक० क्रि०
विस्तारयति (भ्वादि प्रेर०) विस्तार करना, फैलाना ।

ਬਿੰਦ बिन्द् Bind [3] स्त्री०
बिन्दु (पुं०) बूंद; बिंदिया ।

ਬਿੰਦਲੀ बिन्द्ली Bindlī [1] स्त्री०
द्र०—ਬਿੰਦ ।

ਬਿੰਦਾ बिन्दा Bindā [1] पुं०
द्र०—ਬਿੰਦ ।

ਬਿੰਦੀ बिन्दी Bindī [3] स्त्री०
बिन्दु (पुं०) बिन्दी, माथे की बिन्दी ।

ਬਿਧ-ਮਾਤਾ विध्माता Bidh-Mātā [3] स्त्री०
विधिमातृ (स्त्री०) भाग्य, किस्मत ।

ਬਿਨ बिन् Bin [3] अ०
विना (अ०) बिना, वगैर ।

ਬਿਨਉ बिनउ Binau [1] स्त्री०
विनय (पुं०) विनय, नम्रता ।

ਬਿਨਸ Binas [1] पुं०
विनाश (पुं०) विनाश, हानि ।

ਬਿਨਸਣਾ विनस्णा Binasṇā [3] सक० क्रि०
विनश्यति (दिवादि अक०) विनष्ट होना ।

ਬਿਨਤ बिनत् Binat [1] स्त्री०
विनति (स्त्री०) विनय, नम्रता ।

ਬਿਨਤੀ बिन्ती Bintī [3] स्त्री०
विज्ञप्ति (स्त्री०) अनुरोध, प्रार्थना, सूचना ।

ਬਿਨਾ बिना Binā [3] अ०
विना (अ०) बिना, वगैर ।

ਬਿਨੀਤ बिनीत् Binīt [3] पुं०
विनीत (वि०) विनीत, विनम्र ।

ਬਿਨੇ बिने Bine [3] स्त्री०
विनय (पुं०) विनय, नम्रता ।

ਬਿਪ बिप् Bip [1] पुं०
विप्र (पुं०) विप्र, ब्राह्मण ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਿਪਤ बिपत् Bipat [3] स्त्री०
विपद् (स्त्री०) विपदा, विपत्ति ।

ਬਿਪਤਾ बिपता Biptā [3] स्त्री०
विपदा (स्त्री०) विपदा, आफत ।

ਬਿਪਾਸ बिपास् Bipās [1] पुं०
विपाशा (स्त्री०) व्यास नदी ।

ਬਿਭੂਖਣ बिभूखण् Bibhūkhaṇ [1] पुं०
विभूषण (नपुं०) आभूषण, गहना; सौन्दर्य ।

ਬਿਭੂਤ बिभूत् Bibhūt [2] पुं०
विभूति (स्त्री०) वैभव, संपत्ति; भस्म ।

ਬਿਭੂਤੀ बिभूती Bibhūtī [3] स्त्री०
द्र०—ਬਿਭੂਤ ।

ਬਿਰਹ बिरह् Birah [3] पुं०
विरह (पुं०) वियोग, विछोह ।

ਬਿਰਹਨ बिर्हन् Birhan [3] स्त्री०
विरहिणी (स्त्री०) वह स्त्री जिसका अपने पति या प्रियतम से वियोग हो गया हो ।

ਬਿਰਹਾ बिर्हा Birhā [3] पुं०
द्र०—ਬਿਰਹ ।

ਬਿਰਹੀ बिर्ही Birhī [3] पुं०
विरहिन् (वि०) विरही, वियोगी ।

ਬਿਰਹੋਂ बिर्होंं Birhō̃ [3] पुं०
विरह (पुं०) विरह, वियोग ।

ਬਿਰਖ बिरख् Birakh [3] पुं०
वृक्ष (पुं०) वृक्ष, पेड़ ।

ਬਿਰਛ बिरछ् Birach [3] पुं०
वृक्ष (पुं०) वृक्ष, पेड़ ।

ਬਿਰਜ बिरज् Biraj [3] स्त्री०
व्रज (पुं०) मथुरा और वृन्दावन के आस-पास का क्षेत्र ।

ਬਿਰਤ[1] बिरत् Birat [3] पुं०
वृत्त (नपुं०) गोल परिधि, गोल घेरा ।

ਬਿਰਤ[2] बिरत् Birat [1] स्त्री०
वृत्ति (स्त्री०) वृत्ति, जीविका, रोजगार ।

ਬਿਰਤਾਂਤ बिर्तान्त् Birtānt [3] पुं०
वृत्तान्त (नपुं०) किसी बीती हुई घटना का विवरण, इतिहास; कथा, कहानी; संवाद, समाचार ।

ਬਿਰਤਾਂਤੀ बिर्तान्ती Birtāntī [3] पुं०
वृत्तान्तिन् (वि०) वृत्तान्त वाला ।

ਬਿਰਤੀ बिर्ती Birtī [3] स्त्री०
वृत्ति (स्त्री०) जीविका, रोजगार ।

ਬਿਰਥਾ बिर्था Birthā [3] अ०
वृथा (अ०) व्यर्थ, बेकार, वृथा ।

ਬਿਰਧ बिरध् Biradh [3] पुं०
वृद्ध (वि०) वृद्ध, बूढ़ा ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਿਰਧੀ बिर्धी Birdhī [2] स्त्री०
वृद्धि (स्त्री०) बढ़ती, उन्नति, समृद्धि; लाभ।

ਬਿਰਮਣਾ बिरम्णा Biramṇā [2] अक० क्रि०
विरमति (भ्वादि अक०) रुकना, विराम लेना।

ਬਿਰਮਾਉਣਾ विर्माउणा Birmāuṇā [3] सक० क्रि०
विरमयति (भ्वादि प्रेर०) रुकवाना, विराम दिलाना।

ਬਿਰਲਾ बिर्ला Birlā [3] वि०
विरल (वि०) दुर्लभ; थोड़ा, कम; पतला।

ਬਿਰਵਾ बिर्वा Birvā [3] पुं०
वीरुध (नपुं०) पौधा, पौध।

ਬਿਰੁੱਧ बिरुद्ध Biruddh [1] वि०
विरुद्ध (वि०) विपरीत, खिलाफ।

ਬਿਲ बिल् Bil [3] पुं०
बिल्व (नपुं० / पुं०) नपुं०—बेल-पत्र। पुं०—बेल का वृक्ष।

ਬਿਲਕ बिलक् Bilak [3] स्त्री०
द्र०—ਬਿੱਕ।

ਬਿਲਮ बिलम् Bilam [3] पुं०
विलम्ब (पुं०) देर, सुस्ती।

ਬਿਲਮਾਉਣਾ बिल्माउणा Bilmāuṇā [3] सक० क्रि०
विलम्बयति (भ्वादि प्रेर०) बिलमाना, विलम्ब कराना।

ਬਿਲਲਾਉਣਾ बिल्लाउणा Billāuṇā [3] अक० क्रि०
विलपति (भ्वादि अक०) विलाप करना, रोना।

ਬਿਲਲਾਟ बिल्लाट् Billāṭ [3] स्त्री०
द्र०—ਬਿਲਾਪ।

ਬਿਲਾਸ बिलास् Bilās [2] पुं०
विलास (पुं०) प्रेमपूर्ण, आमोद-प्रमोद, नाज-नखड़ा।

ਬਿਲਾਪ बिलाप् Bilāp [3] पुं०
विलाप (पुं०) विलाप, रुदन।

ਬਿਲਾਪਣਾ बिलाप्णा Bilāpṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਬਿਲਲਾਉਣਾ।

ਬਿਲੋਣਾ बिलोणा Biloṇā [2] सक० क्रि०
विलोडति (भ्वादि सक०) बिलोना; मथना।

ਬਿਲੋਵਣਾ बिलोव्णा Bilovṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਬਿਲੋਣਾ।

ਬਿੱਲਮਣਾ बिल्लम्णा Billamṇā [1] अक० क्रि०
विलम्बते (भ्वादि अक०) बिलम्ब करना, देर करना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਿੱਲਾ बिल्ला Billā [3] पुं०
विडाल (पुं०) बिलाव, बिल्ला।

ਬਿੱਲਾਉਣਾ बिल्लाउणा Billāuṇā
[3] अक० क्रि०
विलापयति (भ्वादि प्रेर०) विलाप करना या कराना।

ਬਿੱਲੀ बिल्ली Billī [3] स्त्री०
विडाली (स्त्री०) बिल्ली, मांदा बिलाव।

ਬੀ बी Bī [3] पुं०
बीज (नपुं०) वह दाना या गुठली जिससे पेड़-पौधे या अंकुर उगे; वीर्य।

ਬੀਹ बीह Bīh [3] पुं०
विंशति (स्त्री०) बीस; 20 संख्या से युक्त वस्तु।

ਬੀਹੀ बीही Bīhī [3] स्त्री०
वीथी (स्त्री०) गली, मार्ग, रास्ता।

ਬੀਜਨਾ बीज्ना Bījnā [1] पुं०
व्यजन (नपुं०) पंखा।

ਬੀਜ-ਮਾਤਰ बीज्-मातर Bīj-Mātar [3] वि०
बीजमात्र (नपुं०) बीजमात्र, नाममात्र।

ਬੀਠਲ बीठल् Bīṭhal [3] पुं०
द्र०—ਬਿਠਲ।

ਬੀਣ बीण् Bīṇ [3] स्त्री०
वीणा (स्त्री०) वीणा, बीन।

ਬੀਨ बीन् Bīn [3] स्त्री०
बीन (नपुं०) बीन बाजा।

ਬੀਰਜ बीरज् Bīraj [3] पुं०
वीर्य (नपुं०) वीर्य, पराक्रम।

ਬੀਰਤਾਈ वीर्ताई Bīrtāī [3] स्त्री०
वीरता (स्त्री०) वीरता, बहादुरी, पराक्रम।

ਬੀੜਾ बीड़ा Bīṛā [3] पुं०
वीटी (स्त्री०) पान का बीड़ा या खिल्ली।

ਬੁਹਾਰਾ बुहारा Buhārā [3] पुं०
द्र०—ਬੁਹਾਰੀ।

ਬੁਹਾਰੀ बुहारी Buhārī [3] स्त्री०
बहुकरी (स्त्री०) बुहारी, झाड़ू, बढ़नी।

ਬੁਝਣਾ बुझ्णा Bujhṇā [3] अक० क्रि०
बुध्यते (दिवादि सक०) बूझना, समझना, पहेली आदि बूझना।

ਬੁੱਝਣਾ बुज्झ्णा Bujjhṇā [3] सक० क्रि०
बुध्यते (दिवादि सक०) समझना, जानना।

ਬੁੰਡ बुण्ड् Buṇḍ [3] पुं०
बुध्न (पुं०) पेंदी, तल-भाग।

ਬੁਡਾਣਾ बुडाणा Buḍāṇā [2] सक० क्रि०
बोडयति (चुरादि प्रेर०) डुबोना।

ਬੁੱਢ बुड्ढ् Buḍḍh [1] पुं०
द्र०—ਬੁੱਢਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬੁੱਢਾ बुड्ढा Buḍḍhā [3] पुं०
वृद्ध (वि०) बूढ़ा, वृद्ध ।

ਬੁੱਢੀ बुड्ढी Buḍḍhī [3] स्त्री०
वृद्धा (स्त्री०) वृद्धा, बूढ़ी ।

ਬੁਣਨਾ बुण्ना Buṇnā [3] सक० क्रि०
वयति/ते (भ्वादि सक०) बुनना; बँटना ।

ਬੁਣਾਈ बुणाई Buṇāī [3] स्त्री०
वयन (नपुं०) बुनाई, बुनने का भाव ।

ਬੁੱਤੀ बुत्ती Buttī [3] स्त्री०
वृत्ति (स्त्री०) सेवा; निःशुल्क सेवा, बेगारी; सहायता ।

ਬੁੰਦ बुन्द Bund [1] स्त्री०
विन्दु (पुं०) बूँद, जलकण ।

ਬੁੱਧ[1] बुद्ध Buddh [3] पुं०
बुध (पुं०) बुध ग्रह; बुधवार ।

ਬੁੱਧ[2] बुद्ध Buddh [3] स्त्री०
बुद्धि (स्त्री०) ज्ञान, बोध ।

ਬੁੱਧਮਾਨ बुद्धमान् Buddhmān [3] पुं०
बुद्धिमत् (वि०) बुद्धिमान्, समझदार, चतुर ।

ਬੁੱਧਵਾਦ बुद्धवाद Buddhvād [3] पुं०
बुद्धिवाद (पुं०) बुद्धिवाद, वह सिद्धान्त जिसमें विचारधारा का आधार बुद्धि मानी जाती है ।

ਬੁੱਧਵਾਨ बुद्धवान् Buddhavān [3] पुं०
द्र०—ਬੁੱਧਮਾਨ ।

ਬੁੱਧਵੰਤ बुद्धवंत् Buddhavant [3] वि०
द्र०—ਬੁੱਧਮਾਨ

ਬੁੱਧਵੰਤਾ बुद्धवन्ता Buddhavantā [3] वि०
द्र०—ਬੁੱਧਮਾਨ ।

ਬੁੱਧੀ बुद्धी Buddhī [3] स्त्री०
बुद्धि (स्त्री०) बुद्धि, मस्तिष्क, दिमाग ।

ਬੁਰਸਣਾ बुर्स्णा Bursṇā [1] क्रि०
द्र० —ਬੁਰਛਣਾ ।

ਬੁਰਛਣਾ बुर्छ्णा Burchṇā [1] अक० क्रि०
वृश्चति (तुदादि सक०) धोरे से काटना, छीलना, रेतना ।

ਬੁੱਲਾ बुल्ला Bullā [3] पुं०
बुदबुद् (नपुं) पानी का बुलबुला ।

ਬੁੜ੍ਹਾ बुढ़ा Buṛhā [3] पुं०
द्र०—ਬੁੱਢਾ ।

ਬੁੜ੍ਹੀ बुढ़ी Buṛhī [3] स्त्री०
वृद्धा (स्त्री०) बूढ़ी, वृद्धा ।

ਬੂਝਣਾ बूझ्णा Būjhṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਬੁੱਝਣਾ ।

ਬੂੜਣਾ बूड्णा Būḍṇā [3] अक० क्रि०
बूडति (तुदादि अक०) डूबना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਬੇਹਾ बेहा Behā [3] वि०
द्र० ਬਿਹਾ ।

ਬੇਨਤੀ बेनती Bentī [3] स्त्री०
विनति (स्त्री०) विनय, प्रार्थना ।

ਬੇਰ बेर् Ber [3] पुं०
बदर (नपुं०) बेर फल ।

ਬੇਲ बेल् Bel [2] स्त्री०
वेल्लि (नपुं०) बेल, लता ।

ਬੇਲਣਾ बेल्णा Belṇā [3] पुं०
वेल्लन (नपुं०) बेलन ।

ਬੇਵਾ बेवा Bevā [2] स्त्री०
विधवा (स्त्री०) विधवा, जिसका पति मर गया हो ।

ਬੇੜਾ बेड़ा Beṛā [3] पुं०
बेडा (स्त्री०) नौका, नाव ।

ਬੇੜੀ बेड़ी Beṛī [3] स्त्री०
बेडा (स्त्री०) छोटी नौका, किस्ती; बेड़ी, पैर को बाँधने की जंजीर ।

ਬੈਂਗਣ बैंगण् Baiṅgaṇ [2] पुं०
वातिङ्गण (पुं०) बैंगन-सब्जी ।

ਬੈਠਣਾ बैठ्णा Baiṭhṇā [3] अक० क्रि०
उपविशति (तुदादि अक०) बैठना ।

ਬੈਠਵਾਂ बैठ्वाँ Baiṭhvā̃ [3] वि०
उपविष्ट (वि०) बैठा हुआ; दबा हुआ ।

ਬੈਣ बैण् Baiṇ [1] पुं०
वचन (नपुं०) कथन, भाषण ।

ਬੈਤ बैत Bait [3] पुं०
वेत्र (नपुं०) बेंत ।

ਬੈਂਤ बैंत् Baīt [3] स्त्री०
वेत्र (नपुं०) बेंत ।

ਬੈਨ बैन् Bain [1] पुं०
द्र०—ਬੈਣ ।

ਬੈਰਾਈ बैराई Bairāī [1] पुं०
वैरिन (वि०) वैरी, शत्रु ।

ਬੋਹਣੀ बोह्णी Bohṇī [3] स्त्री०
वर्धनी (स्त्री०) बोहनी, दुकान खुलने पर सबसे पहले की बिक्री, बेंचने की क्रिया ।

ਬੋੜ बोह्ड़् Bohṛ [1] पुं०
वट (पुं०) बड़, वट-वृक्ष ।

ਬੋੱਝਾ बोज्झा Bojjhā [3] वि०
वह्य (वि०) बोझा, भार, ढोने योग्य ।

ਬੋਣਾ बोणा Boṇā [2] सक० क्रि०
वपति (भ्वादि सक०) बोना, बीज बोना ।

ਬੋਧ बोध् Bodh [3] पुं०
बोध (पुं०) ज्ञान, समझ ।

ਬੋਧਾਉਣਾ बोधाउणा Bodhāuṇā [2] सक० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

बोधयति (भ्वादि प्रेर०) बोध कराना, समझाना।

ਬੋਧੀ बोधी Bodhī [3] **पुं०**
बोधिन् (वि०) ज्ञानी, ज्ञानवान्।

ਬੋਲਣਾ बोल्णा Bolṇā [3] **सक० क्रि०**
वदति (भ्वादि सक०) बोलना, कथन करना।

ਬੌਹਲੀ बौह्ली Bauhlī [3] **स्त्री०**
द्र०—ਬਾਹੁਲੀ।

ਬੌਣਾ बौणा Bauṇā [1] **पुं०**
वामन (पुं०) बौना, ठिंगना।

ਬੌਨਾ बौना Baunā [3] **पुं०**
वामन (पुं०/वि०) पुं०—विष्णु का एक अवतार वामन भगवान्। वि०—बौना, ठिंगना।

ਬੌਰ बौर् Baur [1] **स्त्री०**
वागुरा (स्त्री०) पशुओं के मुख का जाल या फन्दा जिसे ग्रामीण भाषा में जाब कहते हैं।

ਬੌਰਾ बौरा Baurā [3] **पुं०**
वायुर/वातुल (वि०) पागल, विक्षिप्त।

ਬੌਰੀਆ बौरिआ Bauriā [3] **पुं०**
वागुरिक (पुं०) हिरण पकड़ने वाली एक प्रकार की निम्न जाति।

ਬੌਲਾ बौला Baulā [2] **पुं०**
वातुल (वि०) बावला, विक्षिप्त।

ਬੰਸ बंस् Bans [3] **पुं०**
वंश (पुं०) वंश, कुल, खानदान।

ਬੰਸਰੀ बंसरी Bansarī [3] **स्त्री०**
वंशी (स्त्री०) वंशी, बाँसुरी।

ਬੰਸਾਵਲੀ बंसावली Bansāvalī [3] **स्त्री०**
वंशावली (स्त्री०) वंशावली, किसी वंश में उत्पन्न पुरुषों की पूर्वोत्तर क्रम से सूची।

ਬੰਸੀ बंसी Bansī [3] **वि०**
वंशीय (वि०) वंश का।

ਬੰਸੀਆ बंसीआ Bansīā [1] **वि०**
द्र०—ਬੰਸੀ।

ਬੰਗ बंग् Baṅg [1] **पुं०**
बङ्ग (नपुं०) सीसा, राँगा।

ਬੰਝ[1] बंझ् Bañjh [1] **पुं०**
वंश (पुं०) बाँस।

ਬੰਝ[2] बंझ् Bañjh [1] **स्त्री०**
बन्ध्या (स्त्री०) बाँझ, बन्ध्या स्त्री या गौ।

ਬੰਝਲੀ बंझ्ली Bañjhlī [2] **स्त्री०**
द्र०— ਬੰਝੁਲੀ।

ਬੰਝੁਲੀ बंझुली Bañjhulī [1] **स्त्री०**
वंशी (स्त्री०) बाँसुरी, छोटी-बाँसुरी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬੰਦਣਾ बन्द्णा Bandṇā [3] सक० क्रि०
वन्दते (भ्वादि सक०) वन्दना करना, प्रशंसा करना।

ਬੰਦਰ बन्दर् Bandar [3] पुं०
वानर (पुं०) बन्दर, वानर।

ਬੰਦੀ बन्दी Bandī [3] पुं०
बन्दी/बन्दि (वि०) कैदी; दास।

ਬੰਧਣ बन्धण् Bandhaṇ [3] पुं०
बन्धन (नपुं०) बाँधने की क्रिया, बन्धन।

ਬੰਧਾ बन्धा Bandhā [3] पुं०
बन्ध (पुं०) बाँध; पकड़, गिरफ्तारी।

ਬੰਧੁਆ बँधुआ Bādhuā [3] पुं०
बन्धित (वि०) बँधा हुआ, कैद में पड़ा हुआ।

ਬੰਨ੍ਹ बन्न्ह् Bannh [3] पुं०
बन्ध (पुं०) बाँध, बन्धन, पकड़।

ਬੰਨ੍ਹਣ बन्न्हण् Bannhaṇ [2] पुं०
द्र० – ਬੰਧਣ।

ਬੰਨ੍ਹਣਾ बन्न्ह्णा Bannhṇā [3] क्रि०
बध्नाति (क्र्यादि सक०) बाँधना, पकड़ना।

ਬ੍ਰਹਸਪਤ ब्रहस्पत् Brahaspat [2] पुं०
बृहस्पति (पुं०) बृहस्पति ग्रह; देवगुरु।

ਬ੍ਰਹਸਪਤੀ ब्रहस्पती Brahaspatī [3] पुं०
बृहस्पति (पुं०) बृहस्पति ग्रह; देवगुरु।

ਬ੍ਰਹਮਣ ब्रह्मण Brahmaṇ [3] पुं०
ब्राह्मण (पुं०) चारों वर्णों में प्रथम और श्रेष्ठ वर्ण, ब्राह्मण।

ਬ੍ਰਹਮਣੀ ब्रह्मणी Brahmaṇī [3] स्त्री०
ब्राह्मणी (स्त्री०) ब्राह्मणी, ब्राह्मण जाति की स्त्री।

ਬ੍ਰਹਿਮੰਡ ब्रहिमण्ड् Brahimaṇḍ [3] पुं०
ब्रह्माण्ड (नपुं०) ब्रह्माण्ड, अण्डाकार भुवन कोष जिसके भीतर से यह सारा जगत् उत्पन्न हुआ।

ਬ੍ਰਾਹਮਣ ब्राह्मण् Brāhmaṇ [3] पुं०
ब्राह्मण (पुं०) ब्राह्मण-जाति।

ਬ੍ਰਾਹਮਣੀ ब्राह्मणी Brāhmaṇī [3] स्त्री०
ब्राह्मणी (स्त्री०) ब्राह्मण-स्त्री।

ਭ

ਭਉ भउ Bhau [3] पुं०
भय (नपुं०) भय, डर।

ਭਈ भई Bhai [3] पुं०
भ्रातृ (पुं०) सम्बोधन-वाचक (भ्राता के अर्थ में)।

ਭਈਆ भइआ Bhaiā [2] पुं०
द्र०—ਭਈ।

ਭਈਆਦੂਜ भइआदूज् Bhaiādūj [3] पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

भ्रातृद्वितीया (स्त्री०) भैया दूज, दीपावली के ठीक बाद की द्वितीया।

ਭਸਮ भसम् Bhasam [3] **स्त्री०**
भस्मन् (नपुं०) भस्म, राख।

ਭਸਮਧਾਰੀ भसम्धारी Bhasamdhārī [3] **पुं०**
भस्मधारिन् (वि०) शरीर पर भस्म रमाने वाला अवधूत साधु।

ਭਸਮਾਭੂਸ भस्माभूस् Bhasmābhūs [1] **वि०**
भस्मीभूत (वि०) भस्मीभूत, जो राख हो गया; बिल्कुल समाप्त।

ਭਸਮੀ भस्मी Bhasmī [1] **स्त्री०**
द्र०—ਭਸਮ।

ਭਸਮੰਦਰ भस्मन्दर् Bhasmandar [3] **पुं०**
भस्ममन्दिर (नपुं०) राख का मकान; नाशवान्।

ਭੱਸ भस्स् Bhass [3] **स्त्री०**
भस्मन् (नपुं०) भस्म, राख।

ਭੱਸਰ भस्सर् Bhassar [3] **स्त्री०**
भस्मर (वि०) धूलि-बहुल।

ਭਖਣਾ[1] भख्णा Bhakhṇā [3] **अक० क्रि०**
धुक्षते (भ्वादि अक०) सुलगना, जलना।

ਭਖਣਾ[2] भख्णा Bhakhṇā [3] **सक० क्रि०**
भक्षति (भ्वादि सक०) खाना, भोजन करना।

ਭਖਾਰੀ भखारी Bhakhārī [3] **पुं०**
भिक्षाचारिन् (वि०) भिखारी, भीख माँगने वाला।

ਭੱਖਣਾ भक्ख्णा Bhakkhṇā **सक० क्रि०** [3]
भक्षयति (चुरादि प्रेर०) निगलना, भक्षण करना।

ਭਗਉਤੀ भग्उती Bhagautī [3] **स्त्री०**
भगवती (स्त्री०) भगवती, देवी दुर्गा।

ਭਗਤਣੀ भग्तणी Bhagtaṇī [3] **स्त्री०**
भक्ता (स्त्री०) भक्ति करने वाली, भक्त की पत्नी।

ਭਗਤ भगत् Bhagat [3] **पुं०**
भक्त (वि०) उपासक, सेवक, भक्त।

ਭਗਤਮਾਲ भगत्माल् Bhagatmāl [3] **स्त्री०**
भक्तमाल (नपुं०) भक्तमाल ग्रन्थ।

ਭਗਤਮਾਲਾ भगत्माला Bhagatmālā [3] **स्त्री०**
द्र०—ਭਗਤਮਾਲ।

ਭਗਤ-ਵਛਲ भगत्-वछल् Bhagat-Vachal [3] **पुं०**
भक्तवत्सल (पुं०) भक्तवत्सल, भक्तों पर वात्सल्यभाव रखने वाला।

ਭਗਤੀ भग्ती Bhagtī [3] **स्त्री०**
भक्ति (स्त्री०) सेवा; अनुराग; भजन; श्रद्धा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭਗਵੰਤ भग्वन्त् Bhagvant [3] पुं०
भाग्यवत् (वि०) भाग्यवान् ।

ਭਗੌਤੀ भगौती Bhagautī [3] स्त्री०
द्र०—ਭਗਉਤੀ ।

ਭੱਛ भच्छ् Bhacch [2] वि०
भक्ष्य (वि०) भक्ष्य, खाने योग्य ।

ਭੱਛਕ भच्छक् Bhacchak [3] पुं०
भक्षक (वि०) भक्षक, खाने वाला ।

ਭੱਛਣਾ भच्छ्णा Bhacchṇā [1] सक० क्रि०
द्र०—ਭੱਖਣਾ ।

ਭਜਣਾ भज्णा Bhajṇā [3] सक० क्रि०
भजते (भ्वादि सक०) सेवा करना, भजना ।

ਭਟਕਾਉਣਾ भट्काउणा Bhaṭkāuṇā [3] सक० क्रि०
भ्रंशयति (भ्वादि प्रेर०) भटकाना, कुमार्ग पर चलाना ।

ਭਟੇਟਾ भटेटा Bhaṭeṭā [3] पुं०
भट्टपुत्र (पुं०) भाँट का पुत्र ।

ਭਟੇਟੀ भटेटी Bhaṭeṭī [3] स्त्री०
भट्टपुत्री (स्त्री०) भाँट की पुत्री ।

ਭੱਟ भट्ट् Bhaṭṭ [3] पुं०
भट्ट (पुं०) भाँट, एक वर्ण संकर जाति ।

ਭੱਟਣ भट्टण् Bhaṭṭaṇ [2] स्त्री०
भट्टिनी (स्त्री०) भाँट की स्त्री, भाँट जाति की स्त्री ।

ਭੱਟਣੀ भट्टणी Bhaṭṭaṇī [2] स्त्री०
द्र०—ਭੱਟਣ ।

ਭਠਿਆਰਨ भठिआरन् Bhaṭhiāran [3] स्त्री०
भृष्टकारी (स्त्री०) भड़भूँजे की पत्नी ।

ਭਠਿਆਰਾ भठिआरा Bhaṭhiārā [3] पुं०
भृष्टकार (पुं०) भड़भूँजा ।

ਭਠਿਆਰੀ भठिआरी Bhaṭhiārī [3] स्त्री०
द्र०—ਭਠਿਆਰਾ ।

ਭਠੂਰਾ भठूरा Bhaṭhūrā [3] पुं०
भ्राष्टपूर (नपुं०) भट्ठी के तवे पर तैयार पक्वान्न, भठूरा ।

ਭੱਠ भट्ठ् Bhaṭṭh [2] पुं०
भ्राष्ट्र (नपुं०, पुं०) भट्ठी; दाना भूनने का पात्र ।

ਭੱਠਾ भट्ठा Bhaṭṭhā [3] पुं०
भ्राष्ट्र (नपुं०, पुं०) आँवा, आपाक; भट्ठा ।

ਭੱਠੀ भट्ठी Bhaṭṭhī [3] स्त्री०
भ्राष्ट्री (स्त्री०) भट्ठी, आँवा ।

ਭਣਵਈਆ भणवइआ Bhaṇvaiā [3] पुं०
भगिनिपति (पुं०) बहनोई, बहन का पति ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭਣੇਆ भणेआ Bhaṇeā [2] पुं०
भागिनेय (पुं०) भगिना, वहन का पुत्र।

ਭਣੇਈ भणेई Bhaṇeī [2] स्त्री०
भागिनेयी (स्त्री०) बहन की पुत्री, भांजी।

ਭਣੇਵਾਂ भणेवाँ Bhaṇevā̃ [3] पुं०
द्र०—ਭਣੇਆ।

ਭਣੇਵੀਂ भणेवीं Bhaṇvī̃ [3] स्त्री०
द्र०—ਭਣੇਈ।

ਭਣੋਈਆ भणोइआ Bhaṇoiā [3] पुं०
भगिनीपति (पुं०) बहन का पति।

ਭਤਾਰ भतार् Bhatār [3] पुं०
भर्तृ (भर्तार) (पुं०/वि०) पुं०—भर्ता, पति। वि०—पालक, स्वामी।

ਭਤੀਜ भतीज् Bhatīj [3] पुं०
भ्रातृज (पुं०) भतीजा, भाई का पुत्र।

ਭਤੀਜਾ भतीजा Bhatījā [3] पुं०
द्र०—ਭਤੀਜ।

ਭਤੀਜੀ भतीजी Bhatījī [3] स्त्री०
भ्रातृजा (स्त्री०) भाई की पुत्री, भतीजी।

ਭੱਤ भत्त् Bhatt [2] पुं०
भक्त (नपुं०) भात, पका चावल।

ਭੱਤਾ भत्ता Bhattā [3] पुं०
भ्रातृ (भ्राता) (पुं०) भ्राता, भाई।

ਭਤ੍ਰੀਜਾ भत्रीजा Bhatrījā [2] पुं०
द्र०—ਭਤੀਜ।

ਭੱਦਣ भद्दण् Bhaddaṇ [3] पुं०
भद्राकरण (नपुं०) मुण्डन, शिरोमुण्डन।

ਭੱਦਣਾ भद्दणा Bhaddṇā [2] अक० क्रि०
भद्रयति (नामधातु प्रेर०) शिर मुँडवाना।

ਭੱਦਾ भद्दा Bhaddā [3] पुं०
अभद्र (वि०) भद्दा, कुरूप, बेढब।

ਭਨਵਾਉਣਾ भनवाउणा Bhanvāuṇā [3] सक० क्रि०
भञ्जयति (रुधादि प्रेर०) तोड़वाना।

ਭਨੋਈਆ भनोइआ Bhanoiā [3] पुं०
भगिनीपति (पुं०) बहनोई, बहिन का पति।

ਭਰ भर् Bhar [1] वि०
भर (वि०) अधिक, बहुत।

ਭਰਜਾਈ भर्जाई Bharjāī [3] स्त्री०
भ्रातृजाया (स्त्री०) भौजाई, भाई की पत्नी।

ਭਰਨਾ भर्ना Bharnā [3] अक० क्रि०
भरति (भ्वादि सक०) ढोना, भरण करना।

ਭਰੱਪਣ भरप्पण् Bharappaṇ [2] वि०
भ्रातृपण / भ्रातृत्व (नपुं०) भाईपना, भ्रातृत्व।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭਰਮ भरम् Bharam [1] पुं०
भ्रम (पुं०) भ्रम, सन्देह ।

ਭਰਮਣ भर्मण् Bharmaṇ [3] पुं०
भ्रमण (नपुं०) भ्रमण, घूमना ।

ਭਰਮਣਾ भरम्णा Bharamṇā [3] अक० क्रि०
भ्रमति/भ्राम्यति (भ्वादि अक०) घूमना-फिरना, टहलना ।

ਭਰਮਾਈ भर्माई Bharmāī [3] स्त्री०
द्र०—ਭਰਮ ।

ਭਰਮੀ भर्मी Bharmī [3] वि०
भ्रमिन् (वि०) भ्रम-युक्त, सन्देहास्पद ।

ਭਰਮੀਆ भर्मिआ Bharmiā [3] वि०
द्र०—ਭਰਮੀ ।

ਭਰਾ भरा Bharā [3] पुं०
भ्रातृ (पुं०) भ्राता, भाई ।

ਭਰੀ भरी Bharī [3] स्त्री०
भर (पुं०) बोझ, भार ।

ਭਲਾਵਾ भलावा Bhalāvā [3] पुं०
भल्लातक (पुं० / नपुं०) पुं०—भिलावा, एक वृक्ष । नपुं०—भिलावा का फल ।

ਭਲੇਰਾ भलेरा Bhalerā [3] वि०
भद्र (वि०) अच्छा; कल्याण-युक्त, मंगलमय ।

ਭਵਣ भवण् Bhavaṇ [3] पुं०
भवन (नपुं०) अधिष्ठान, मन्दिर ।

ਭਵਣਾ भव्णा Bhavṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਭਰਮਣਾ ।

ਭਵਨਾ भव्ना Bhavnā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਭਰਮਣਾ ।

ਭਵਾਂ भवाँ Bhavā̃ [3] स्त्री०
भ्रू (स्त्री०) भौंहे, भौं ।

ਭਵਿੱਖ भविक्ख् Bhavikkh [3] पुं०
भविष्यत् (नपुं०) भविष्य, आगे आने वाला समय; भाग्य ।

ਭਵਿੱਖਤ भविक्खत् Bhavikkhat [3] पुं०
द्र०—ਭਵਿੱਖ ।

ਭੜਭੂੰਜਾ भड़्भूंजा Bhaṛbhūjā [3] पुं०
भाष्ट्रभर्जक (पुं०) भड़भूजा ।

ਭਾ[1] भा Bhā [3] पुं०
भाव (पुं०) वास्तविकता; स्वभाव; आदर, प्रेम; मूल्य; अभिप्राय, अर्थ ।

ਭਾ[2] भा Bhā [2] स्त्री०
भास् (स्त्री०) चमक, प्रकाश ।

ਭਾਉ भाउ Bhāu [3] पुं०
भाव (पुं०) भाव; अस्तित्व; आदर, प्रेम ।

ਭਾਉਣਾ[1] भाउणा Bhāuṇā [3] सक० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

भाति (अदादि अक०) भाना, अच्छा लगना।

ਭਾਉਣਾ² भाउणा Bhāuṇā [3] पुं०
भावना (स्त्री०) कल्पना, विचार।

ਭਾਈ भाई Bhāī [3] पुं०
भ्रातृ (पुं०) भाई, भ्राता।

ਭਾਈਆ भाइआ Bhāiā [1] पुं०
द्र०—ਭਾਈ।

ਭਾਸ਼ भाश् Bhāś [3] पुं०
भाष्य (नपुं०) भाष्य, व्याख्या, विस्तृत टीका।

ਭਾਸ਼ਕਾਰ भाश्कार् Bhāśkār [3] पुं०
भाष्यकार (वि०) भाष्यकार, टीकाकार।

ਭਾਸ਼ਣ भाशण् Bhāśaṇ [3] पुं०
भाषण (नपुं०) भाषण, व्याख्यान।

ਭਾਸਣਾ भास्णा Bhāsṇā [3] अक० क्रि०
भासते (भ्वादि अक०) प्रतीत होना, सूझना।

ਭਾਸ਼ਨਕਾਰ भाषन्कार् Bhāṣankār [3] पुं०
भाषणकार (वि०) भाषण करने वाला।

ਭਾਸਮਾਨ भास्मान् Bhāsmān [3] पुं०
भास्वत् (भास्वान्) (पुं०) भास्कर, सूर्य।

ਭਾਹ भाह् Bhāh [3] पुं०
भास (पुं०) चमक, प्रकाश।

ਭਾਖਣਾ भाख्णा Bhākhṇā [1] सक० क्रि०
भाषते (भ्वादि सक०) बोलना, कहना।

ਭਾਖਾ भाखा Bhākhā [3] स्त्री०
भाषा (स्त्री०) भाषा, वाणी।

ਭਾਗ भाग् Bhāg [3] पुं०
भाग्य (नपुं०) प्रारब्ध, भाग्य, किस्मत।

ਭਾਗਸ਼ਾਲਤਾ भाग्शाल्ता Bhāgśāltā [1] स्त्री०
भाग्यशालिता (स्त्री०) भाग्यशाली होने का भाव।

ਭਾਗਸ਼ਾਲੀ भाग्शाली Bhāgśālī [3] पुं०
भाग्यशालिन् (वि०) भाग्यशाली।

ਭਾਗਹੀਣ भाग्हीण् Bhāghīṇ [3] पुं०
भाग्यहीन (वि०) अभागा, मंदभाग्य।

ਭਾਗਣ भागण् Bhāgaṇ [3] स्त्री०
भागिनी (स्त्री०) हिस्सेदार या साझेदार स्त्री।

ਭਾਗਵਾਦੀ भाग्वादी Bhāgvādī [3] पुं०
भाग्यवादिन् (वि०) भाग्यवादी, भाग्य को ही सब कुछ माननेवाला व्यक्ति।

ਭਾਗਵਾਨ भाग्वान् Bhāgvān [3] पुं०
भाग्यवत् (वि०) भाग्यवान्, भाग्यशाली, खुशकिस्मत।

ਭਾਗੀ भागी Bhāgī [3] पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

भागिन् (वि०) भागी, भागवाला, हिस्से-दार, भागीदार।

ਭਾਂਡ भाण्ड Bhāṇḍ [3] पुं०
भाण्ड (नपुं०) पात्र, बर्तन।

ਭਾਂਡਾ भांडा Bhāṇḍā [3] पुं०
भाण्ड (नपुं०) भोजन बनाने का पात्र।

ਭਾਣ भाण् Bhāṇ [3] स्त्री०
भानु (पुं०) किरण, प्रकाश।

ਭਾਣਜਾ भाण्जा Bhāṇjā [3] पुं०
भागिनेय (पुं०) भांजा, भगिना, बहिन का पुत्र।

ਭਾਣਜੀ भाण्जी Bhāṇjī [3] स्त्री०
भागिनेयी (स्त्री०) भाँजी, बहिन की पुत्री।

ਭਾਂਤ भांत् Bhāt [3] पुं०
भक्ति (स्त्री०) प्रकार, वर्ग, पार्थक्य।

ਭਾਦਰੋਂ भाद्रों Bhādrō [3] पुं०
द्र०—ਭਾਦੋਂ।

ਭਾਦੋਂ भादों Bhādō [3] पुं०
भाद्रपद (पुं०) भाद्रमास, अगस्त-सितम्बर मास।

ਭਾਨ भान् Bhān [3] पुं०
भानु (पुं०) भानु, सूर्य।

ਭਾਫ भाफ् Bhāph [3] स्त्री०
वाष्प (नपुं०) भाप, वाष्प।

ਭਾਫਣਾ भाफ्णा Bhāphṇā [3] अक० क्रि०
वाष्पायते (नामधातु सक०) भाप लेना, अन्तःश्वसन।

ਭਾਰ भार् Bhār [3] पुं०
भार (पुं०) बोझ, भार।

ਭਾਰਾ भारा Bhārā [3] पुं०
भारिक (वि०) भारी, बोझ युक्त, कुली।

ਭਾਰੀ भारी Bhārī [3] वि०
भारिन् (वि०) भारी, बोझ युक्त कुली।

ਭਾਲਣਾ भाल्णा Bhālṇā [3] सक० क्रि०
भालयते (चुरादि० सक०) ढूँढना, खोजना, देखना।

ਭਾੱਲਾ भाल्ला Bhāllā [3] पुं०
भल्ल (पुं०, नपुं०) भाला, शस्त्र-विशेष।

ਭਾਵੁਕ भावुक् Bhāvuk [3] वि०
भावुक (वि०) रसज्ञ, सहृदय।

ਭਾਵੁਕਤਾ भावुक्ता Bhāvuktā [3] स्त्री०
भावुकता (स्त्री०) भावुकता, सहृदयता।

ਭਾੜਾ भाड़ा Bhāṛā [3] पुं०
भाटक (पुं०) मजदूरी, किराया, भाड़ा।

ਭਿਆਣਾ भ्याणा Bhyāṇā [2] पुं०
भियान (वि०) डरा हुआ, बेचैन, उत्तेजित।

ਭਿਖਾਰਨ भिखारन् Bhikhāran [3] स्त्री०
भिक्षुणी (स्त्री०) भिखारिन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭਿਖਾਰੀ भिखारी Bhikhārī [3] पुं०
भिक्षाचारिन् (वि०) भिक्षुक, भिखारी, भिखमंगा।

ਭਿੱਖ भिक्ख् Bhīkkh [3] स्त्री०
भिक्षा (स्त्री०) भीख, भिक्षा।

ਭਿੱਖਕ भिक्खक् Bhikkhak [3] पुं०
भिक्षुक (पुं०) भिखारी, भिक्षुक।

ਭਿੱਖਿਆ भिक्ख्या Bhikkhyā [3] पुं०
भिक्षुक (पुं०) भिखारी, भिक्षु।

ਭਿੱਛਿਆ भिच्छ्या Bhicchyā [1] स्त्री०
भिक्षा (स्त्री०) भिक्षा, भीख।

ਭਿਜਵਾਉਣਾ भिज्वाउणा Bhijvāuṇā [3] सक० क्रि०
भाजयति (चुरादि प्रेर०) भिजवाना, भेजना; पृथक् करना।

ਭਿੰਡੀ भिण्डी Bhiṇḍī [3] स्त्री०
भिण्डा (स्त्री०) भिण्डी, सब्जी।

ਭਿੰਡੀਪਾਲ भिण्डीपाल् Bhiṇḍīpāl [1] पुं०
भिन्दिपाल (पुं०) एक छोटा डण्डा जिससे प्रचीन काल में फेंक कर मारा जाता था। गुलेल, जिसमें कंकड़ या पत्थर रखकर उससे निशाना लगाया जाता है।

ਭਿੰਨ-ਭਿੰਨ भिन्न्-भिन्न् Bhinn-Bhinn [3] वि०
भिन्न-भिन्न (वि०) पृथक्-पृथक्; अलग-अलग।

ਭਿਲਾਵਾ भिलावा Bhilāvā [2] पुं०
भल्लात/भल्लातक (पुं०) भिलारे का वृक्ष।

ਭੀਸ਼ਮ भीशम् Bhiśam [3] वि०/पुं०
भीष्म (वि०/पुं०) वि०—भयावह, डरावना। पुं०—शिव; भीष्म पितामह।

ਭੀਖਣ भीखण् Bhikhaṇ [2] वि०
भीषण (वि०) भयानक, खौफनाक।

ਭੀਤ भीत् Bhīt [3] स्त्री०
भित्ति (स्त्री०) भीत, दीवार।

ਭੀਤਰ भीतर् Bhītar [3] क्रि० वि०
अभ्यन्तर (क्रि० वि०) भीतर, अन्दर, बीच, मध्य में।

ਭੀਲ भील् Bhīl [3] पुं०
भिल्ल (पुं०) जंगली, असभ्य जाति।

ਭੁਆਉਣਾ भुआउणा Bhuāuṇā [3] वि०
भ्रामयति (भ्वादि प्रेर०) घुमाना, घुमाने की प्रेरणा देना।

ਭੁਅੰਗ भुअंग Bhuaṅg [1] पुं०
भुजङ्ग (पुं०) सर्प, साँप।

ਭੁਈਂ भुईं Bhuī [3] स्त्री०
भूमि (स्त्री०) भूमि, धरती।

ਭੁਸ भुस् Bhus [3] स्त्री०
बुस (नपुं०) भूसा, भूसी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਭੁੱਸੀ भुस्सी Bhussī [3] स्त्री०
बुस (नपुं०) भूसा, भूसी।

ਭੂਹੇ भूहे Bhūhe [3] वि०
भर्ज (वि०) क्रुद्ध, खफा।

ਭੁਕਤ भुकत् Bhukat [3] वि०
भुक्त (वि०) खाया हुआ, भोग किया हुआ।

ਭੁੱਖੜ भुक्खड़ Bhukkhaṛ
द्र०—ਭੁੱਖਾ।

ਭੁੱਖਾ भुक्खा Bhukkhā [3] पुं०
बुभुक्षु/बुभुक्षित (वि०) भूखा, क्षुधित।

ਭੁਗਤਾ भुग्ता Bhugtā [3] पुं०
भोक्तृ (भोक्ता) (वि०) भोक्ता; भोग करने वाला।

ਭੁਚਾਲ भुचाल् Bhucāl [3] पुं०
भूचाल (पुं०) भूकम्प, भूचाल।

ਭੁੱਜਣਾ भुज्ज्णा Bhujjṇā [3] क्रि०
भृज्यते (भ्वादि कर्म वा०) भूनना।

ਭੁੱਜੀ भुज्जी Bhujjī [3] स्त्री०
द्र०—ਭੁਰਜੀ।

ਭੁਨਾਉਣਾ भुनाउणा Bhunāuṇā
[3] सक० क्रि०
भ्रस्जयति (तुदादि प्रेर०) भुजवाना, भुनाना।

ਭੁੰਨਣਾ भुन्नणा Bhunnṇā [3] पुं०
भर्जन (नपुं०) भूँजने अथवा भूनने का भाव।

ਭੁਰਜੀ भुर्जी Bhurjī [3] स्त्री०
भृजित/भर्जित (वि०) भुना हुआ।

ਭੁਰਜੂ भुर्जू Bhurjū [3] वि०
भुर्जित (वि०) भुना हुआ।

ਭੁਰਭੁਰਾ भुर्भुरा Bhurbhurā [3] वि०
भूर्णि (वि०) चंचल, तेज, तीव्रगामी।

ਭੂੰ भूँ Bhū̃ [3] स्त्री०
भूमि (स्त्री०) पृथ्वी, जमीन, भूमि।

ਭੂਸਲਾ भूस्ला Bhūslā [3] वि०
धूसर (वि०) धूसर, मटमैला।

ਭੂਹਾਲੂ भूहालू Bhūhālū [2] पुं०
बुसशाला (स्त्री०) भुसौला, भूसा रखने का घर।

ਭੂਖਣ भूखण् Bhūkhaṇ [3] पुं०
भूषण (नपुं०) अलंकार, गहना।

ਭੂਤ भूत् Bhūt [3] पुं०
भूत (पुं०) भूत-प्रेत; पाँच तत्त्व; भूतकाल।

ਭੂਪਤ भूपत् Bhūpat [3] पुं०
भूपति (पुं०) नृपति, राजा।

ਭੂਮ भूम् Bhūm [3] स्त्री०
भूमि (स्त्री०) भूमि, पृथ्वी।

ਭੂਮੀ भूमी Bhūmī [3] स्त्री०
भूमि (स्त्री०) भूमि, धरती, पृथ्वी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭੂਰਾ भूरा Bhūrā [3] वि०
बभ्रु > भूर (वि० / नपुं) वि०—भूरा।
नपुं०—भूरा रंग।

ਭੇਂ भें Bhē [3] पुं०
बिस (नपुं०) कमलनाल, कमल का दण्ड।

ਭੇਸ भेस् Bhes [3] पुं०
वेश (पुं०) वेश, पहिनावा, पोशाक।

ਭੇਜਾ भेजा Bhejā [3] पुं०
मेदुर (नपुं०) शिर का माँस, मगज।

ਭੇਡ भेड़् Bheḍ [3] स्त्री०
भेड (पुं०) मेष, भेंड़ा।

ਭੇਡਾ भेडा Bheḍā [3] पुं०
भेड (पुं०) भेड़ा, मेष; छाग।

ਭੇਡੂ भेड़ू Bheḍū [3] पुं०
भेड (पुं०) भेड़; छाग; मेष।

ਭੇਤ भेत् Bhet [3] पुं०
भेद (पुं०) भेद, रहस्य।

ਭੇਤੀ भेती Bhetī [3] पुं०, वि०
भेदिन् (वि०) भेदी, भेद या रहस्य को जानने वाला।

ਭੇਤੀਆ भेतिआ Bhetiā [3] वि०, पुं०
द्र०—ਭੇਤੀ।

ਭੇਦੀਆ भेदिआ Bhediā [3] पुं०, वि०
द्र०—ਭੇਤੀ।

ਭੇਰ भेर् Bher [2] पुं०
भेरी (स्त्री०) भेरी, नगाड़ा।

ਭੇਰਾ भेरा Bherā [3] पुं०
द्र०—ਭੇਰ।

ਭੈ भै Bhai [3] पुं०
भय (नपुं०) भय, डर।

ਭੈਂਸ भैंस् Bhaĩs [2] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) महिषी, भैंस।

ਭੈਂਸਾ भैंसा Bhaĩsā [3] पुं०
महिष (पुं०) भैंसा।

ਭੈਣ[1] भैण् Bhaiṇ [3] स्त्री०
भगिनी (स्त्री०) बहिन, बहन।

ਭੈਣ[2] भैण् Bhaiṇ [3] पुं०
भ्रमण (नपुं०) भ्रमण, चक्कर।

ਭੈਣਾ भैणा Bhaiṇā [3] अक० क्रि०
भ्रमति (भ्वादि अक०) घूमना, चक्कर काटना।

ਭੈਭੀਤ भैभीत् Bhaibhīt [3] वि०
भयभीत (वि०) भय से डरा हुआ, भयाक्रान्त।

ਭੈਰੋਂ भैरों Bhairō [3] पुं०
भैरव (पुं०) शिव के गण-विशेष जो उन्हीं के अवतार माने जाते हैं, भैरव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭੋ भो Bho [3] पुं०
द्र०— ਭੁੱਮੀ ।

ਭੋਇੰ भोइँ Bhoĩ [3] स्त्री०
द्र०—ਭੂਮੀ ।

ਭੋਗ भोग् Bhog [3] पुं० ।
भोग (पुं०) उपभोग, उपभोग के लिये पदार्थ; भोज ।

ਭੋਗਣਾ भोग्णा Bhogṇā [3] सक० क्रि०
भुनक्ति (रुधादि सक०) भोगना, भोग करना ।

ਭੋਗਾ भोगा Bhogā [1] पुं०
भोक्तृ (वि०) भोक्ता, भोग करने वाला ।

ਭੋਗੀਆ भोगिआ Bhogiā [1] पुं०
भोगिन् (वि०) भोगी, भोग करने वाला ।

ਭੋਛਣ भोछण् Bhochaṇ [3] स्त्री०
प्रोञ्छन (नपुं०) पोंछने का वस्त्र, मार्जन ।

ਭੋਜ[1] भोज् Bhoj [2] पुं०
भूर्ज (पुं०) भोज-पत्र का वृक्ष ।

ਭੋਜ[2] भोज् Bhoj [3] पुं०
भोज्य (नपुं०) भोज्य पदार्थ; भोजोत्सव ।

ਭੋਜਕ भोजक् Bhojak [2] पुं०
भोजक (पुं०) ब्राह्मणों की एक जाति ।

ਭੋਜਕੀ भोज्की Bhojkī [2] पुं०
भोजकीय (वि०) भोजक ब्राह्मणों का कुल या कर्म ।

ਭੋਜਨ भोजन् Bhojan [1] पुं०
भोजन (नपुं०) खाने योग्य वस्तु, खाद्य पदार्थ ।

ਭੋਜਨ-ਬਿੰਜਨ भोजन्-बिंजन् Bhojan-Biñjan [3] पुं०
भोजनव्यञ्जन (नपुं०) अनेक प्रकार के खाद्य-पदार्थ, भाँति-भाँति की खाद्य-सामग्री ।

ਭੋਜ-ਪੱਤਰ भोज्-पत्तर् Bhoj-Pattar [3] पुं०
भूर्जपत्र (नपुं०) भोज-पत्र ।

ਭੋਰ भोर् Bhor [3] पुं०
भ्रमर (पुं०) भौंरा, भ्रमर ।

ਭੋਰਾ भोरा Bhorā [3] पुं०
भौमघर (पुं०) तहखाना, अन्न-प्रकोष्ठ ।

ਭੌ भौ Bhau [1] पुं०
भाग (पुं०) हिस्सा, भाग ।

ਭੌ[1] भौं Bhaũ [3] पुं०
द्र०—ਭੁਵਾਂ ।

ਭੌ[2] भौं Bhaũ [3] पुं०
भ्रम (पुं०) चक्कर, घुमरी ।

ਭੌਂਚਲ भौंचल् Bhaũcal [3] पुं०
द्र०—ਭੁਚਾਲ ।

ਭੌਂਚਾਲ भौंचाल् Bhaũcāl [3] पुं०
द्र० ਭੁਚਾਲ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭੌਣ भौण् Bhauṇ [3] पुं०
भवन (नपुं०) भवन, मकान, मन्दिर।

ਭੌਣਾ भौणा Bhauṇā [3] अक० क्रि०
भ्रमति (भ्वादि अक०) घूमना, भ्रमण करना।

ਭੌਤਿਕ भौतिक् Bhautik [3] वि०
भौतिक (वि०) चेतन-अचेतन संबन्धी, भूत संबन्धी; संसारी।

ਭੌਨੀ भौनी Bhaunī [3] स्त्री०
भ्रमणी (स्त्री०) घिरनी जिस पर पानी निकालने का रस्सा घूमता है।

ਭੌਰ भौर् Bhaur [3] पुं०
द्र० – ਭੰਵਰੇ।

ਭੌਰਾ भौरा Bhaurā [3] पुं०
भ्रमर (पुं०) भौरा, भ्रमर-कीट।

ਭੌਰੀ भौरी Bhaurī [2] स्त्री०
भ्रमरक (पुं०, नपुं०) घुँघराले बाल, कुन्तल केश।

ਭੰਗ भंग् Bhaṅg [3] स्त्री०
भङ्ग (पुं०) भाँग, विजया।

ਭੰਗਣਾ भंगणा Bhaṅgṇā [3] स्त्री०
भञ्जन (नपुं०) रुकावट डालने या बाधा पहुँचाने का भाव।

ਭੰਜਣਾ भंजणा Bhañjṇā [3] सक० क्रि०
भनक्ति (रुधादि सक०) भग्न करना, तोड़ना।

ਭੰਜਨਾ भंजना Bhañjnā [3] सक० क्रि०
द्र – ਭੰਜਣਾ।

ਭੰਡ भण्ड् Bhaṇḍ [3] पुं०
भण्ड (पुं०) भाँड़; विदूषक; वर्ण संकर जाति।

ਭੰਡਣਾ भण्डणा Bhaṇḍṇā [3] सक० क्रि०
भण्डते (भ्वादि सक०) निन्दा फैलाना, उपहास करना।

ਭੰਡਾਰ भण्डार् Bhaṇḍār [3] पुं०
भाण्डागार (नपुं०) भण्डार, मालगोदाम, गोदाम।

ਭੰਡਾਰੀ भण्डारी Bhāṇḍārī [3] पुं०
भाण्डागारिक (पुं०) भण्डारी, मालगोदाम का अधिकारी।

ਭੰਨਣਾ भन्णणा Bhannṇā [3] सक० क्रि०
भनक्ति (रुधादि सक०) तोड़ना, भग्न करना।

ਭੰਵਰ[1] भँवर् Bhãvar [1] पुं०
भ्रमर (पुं०) भौंरा, भ्रमर-कीट।

ਭੰਵਰ[2] भँवर् Bhãvar [3] पुं०
भ्रमर (नपुं०) भँवर, आवर्त, जलावर्त।

ਭੰਵਰਾ भँवरा Bhãvarā [2] पुं०
द्र० – ਭੰਵਰ[1]

ਭ੍ਰਿਸ਼ਟ भ्रिषट् Bhriṣaṭ [3] वि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

भ्रष्ट (वि०) भ्रष्ट, पतित, दुराचारी।

ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਣਾ भ्रिषट्णा Bhriśaṭṇā [3] अक० क्रि० भ्रंशते (भ्वादि अक०) भ्रष्ट होना, पतित होना, नीचे गिरना।

ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਿਆ भृश्टिआ Bhriśṭiā [3] वि० द्र०—ਭ੍ਰਿਸ਼ਟ।

ਭ੍ਰਿਤ भ्रित् Bhrit [2] पुं० भृत्य (पुं०) भृत्य, नौकर, सेवक।

ਮ

ਮਇਆ मइआ Maiā [3] सर्व० मया (सर्व० तृ०) मेरे द्वारा।

ਮਸ਼ਕ मशक् Maśak [3] स्त्री० मशक (पुं०) मशक, जो भिस्तियों के पास रहती है।

ਮਸ਼ਟਾਨ मश्टान् Maśṭān [3] पुं० मिष्टान्न (नपुं०) मिष्टान्न, मिठाई।

ਮਸਰ मसर् Masar [3] पुं० मसूर (पुं०) मसूर अन्न या उसकी दाल।

ਮਸਰੀ मस्री Masrī [3] स्त्री० मसूरा (स्त्री०) मसूर अन्न या मसूर की दाल।

ਮਸਲਣਾ मसल्णा Masalṇā [3] वि० मषति (भ्वादि सक०) मसलना, रगड़ना; कुचलना।

ਮਸਵਾਣੀ मस्वाणी Masvāṇī [3] स्त्री० मसिदानी (स्त्री०) मसीपात्र, स्याही की दावात।

ਮਸਾਣ मसाण् Masāṇ [3] पुं० श्मशान (नपुं०) मसान, दाह-स्थान, मरघट।

ਮਸਾਣਾਂ मसाणाँ Masāṇā̃ [3] स्त्री० द्र०—ਮਸਾਣ।

ਮਸਾਣੀ मसाणी Masāṇī [2] पुं० श्माशानिक (पुं०) श्मशान में मुर्दा जलाने वाला।

ਮਸਾਣੀਆ मसाणिआ Masāṇiā [3] पुं० द्र०—ਮਸਾਣੀ।

ਮਸਾਤ मसात् Masāt [1] पुं० मातुःस्वसृपुत्र (पुं०) मौसी का पुत्र, मौसेरा भाई।

ਮਸਾਂਦ मसाँद् Masā̃d [1] पुं०, स्त्री० मासान्त (पुं०) मासान्त, महीने का अन्तिम दिन।

ਮਸਿਅਹੁਰਾ मसिअहुरा Masiahurā [3] पुं० मातुष्वसृश्वसुर > मातुःष्वसृश्वश्रू (पुं०) मौसेरा श्वसुर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਸੂੜਾ मसूह्ड़ा Masūhṛā [3] पुं०
मांसपुटक (नपुं०) मसूड़ा।

ਮਸੇਹਸ मसेहस् Masehas [3] स्त्री०
मातुःष्वसृश्वश्रू (स्त्री०) मौसेरी सास, सास की बहन।

ਮਸੇਰ मसेर् Maser [3] पुं०
मातास्वस्त्रीय (पुं०) मौसेरा भाई।

ਮਸੇਰਾ मसेरा Maserā [3] पुं०
द्र०—ਮਸੇਰ।

ਮੱਸ[1] मस्स् Mass [1] स्त्री०
श्मश्रु (नपुं०) मूँछ, दाढ़ी-मूँछ।

ਮੱਸ[2] मस्स् Mass [1] स्त्री०
मसि (स्त्री०, पुं०) मसी, स्याही; कज्जल, काजल।

ਮੱਸਾ मस्सा Massā [3] पुं०
मशक (पु०) मस्सा, मसा नामक चर्म रोग।

ਮੱਸਿਆ मस्स्या Massyā [3] स्त्री०
अमावस्या (स्त्री०) अमावस, कृष्ण पक्ष की अन्तिम तिथि।

ਮਹਤ महत् Mahat [1] वि०
महत् (वि०) बड़ा, विपुल; बड़े महत्त्व का।

ਮਹੱਤਤਾ महत्तता Mahattatā [3] स्त्री०
महत्ता (स्त्री०) महत्त्व, बड़प्पन।

ਮਹੱਤਵ महत्त्व् Mahattv [3] पुं०
महत्त्व (नपुं०) महत्ता, बड़प्पन, गुरुता।

ਮਹਲੀ मह्ली Mahlī [2] स्त्री०
महिला (स्त्री०) महिला, स्त्री, औरत।

ਮਹਾਜਨ महाजन् Mahājan [3] पुं०
महाजन (पुं०) महान् जन, श्रेष्ठ जन।

ਮਹਾਤਮਤਾਈ महातम्ताई Mahātamtāī [3] स्त्री०
महात्मता (स्त्री०) महात्मता, महात्मा होने का भाव।

ਮਹਾਮਨ महामन् Mahāman [3] वि०
महामनस् (वि०) उदार दिल वाला, बड़े दिल वाला।

ਮਹਾਵਟ महावट् Mahāvaṭ [1] पुं०
माघवृष्टि (स्त्री०) माघ की वर्षा, जाड़े की वर्षा।

ਮਹਾਵਤ महावत् Mahāvat [3] पुं०
महामात्र (पुं०) महावत, हस्ति-चालक।

ਮਹਿੰ महिं Mahī [3] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) भैंस, महिषी।

ਮਹਿੰਆਂ महिआँ Mahiā [3] पुं०
महिष (पुं०) भैंसा।

ਮਹਿੰਗਾ मैंह्गा Maihṅgā [3] पुं०
महार्घ (वि०) मँहगा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਹਿੰਦੀ मैंह्दी Maihdī [3] स्त्री०
मेन्धी, मेन्धिका (स्त्री०) मेंहदी ।

ਮਹਿਰੂ महिरू Mahirū [3] वि०
महिषरूप (वि०) भैंस, भैंस जैसा ।

ਮਹੀ मही Mahī [2] स्त्री०
द्र०—ਮਹਿ ।

ਮਹੀਂ महीँ Mahī̃ [2] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) भैंस ।

ਮਹੀਓਂ महिओं Mahiõ [3] सर्व०
अहमेव (सर्व०) मैं ही ।

ਮਹੀਅਰ महीअर् Mahīar [3] पुं०
महिषचर (पुं०) भैंस का चरवाहा, भैंस चराने वाला ।

ਮਹੀਅਲ महीअल् Mahīal [1] स्त्री०
महीतल (पुं०) महीतल, भूतल, धरती की सतह ।

ਮਹੀਨ महीन् Mahīn [3] वि०
मार्त्सन (वि०) महीन, बारीक ।

ਮਹੀਪਤ महीपत् Mahīpat [3] पुं०
महीपति (पुं०) महीपति, भूपति, राजा ।

ਮਹੀਂਵਾਲ महींवाल् Mahīvāl [3] पुं०
महिषीपाल (वि०) भैंस चराने वाला ।

ਮਹੁਕਾ महुका Mahukā [3] पुं०
द्र०—ਮੱਸਾ ।

ਮਹੂਰਤ महूरत् Mahūrat [3] पुं०
मुहूर्त्त (नपुं०) मुहूर्त्त, काल का एक मान जो 48 मिनट का होता है; विवाह यात्रा आदि के लिए शुभाशुभ काल ।

ਮਹੇਸਰ महेसर् Mahesar [2] पुं०
महेश्वर (पुं०) महेश्वर, भगवान्, शिव ।

ਮਹੇਣਵਾਂ म्हेण्वाँ Maheṇvā̃ [2] पुं०
मन्दधैनव (नपुं०) कम दूध ।

ਮਹੈਂਸ महैंस Mhaīs [3] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) भैंस ।

ਮਹੋਛਾ महोछा Mahochā [3] पुं०
महोत्सव (पुं०) महोत्सव, समारोह (महन्थ की गद्दीनसीनी का समारोह)।

ਮਹੌਤ महौत् Mahaut [1] पुं०
द्र०—ਮਹਾਵਤ ।

ਮਕ मक् Mak [3] स्त्री०
मर्कक > मर्कटक (पुं०) मक्का, मकई (अन्न विशेष) ।

ਮਕਈ मक्ई Makī [3] स्त्री०
मर्कक (पुं०) मकई, मक्का ।

ਮਕਨਾ मक्ना Maknā [1] पुं०
मत्कुण (पुं०) छोटा हाथी, बेदाँत का हाथी ।

ਮਕੜੀ मक्ड़ी Makṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਮੱਕੜੀ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਕੋੜਾ मकोड़ा Makoṛā [1] पुं०
द्र०—ਮਕੌੜਾ ।

ਮਕੌੜਾ मकौड़ा Makauṛā [3] पुं०
मर्कोटक (पुं०) मकौड़ा, बड़ी काली चींटी, बड़ा काला चींटा ।

ਮੱਕੜ मक्कड़ Makkaṛ [2] पुं०
मर्कट (पुं०) मकड़ा-जन्तु ।

ਮੱਕੜੀ मक्कड़ी Makkaṛī [3] स्त्री०
मर्कटी (स्त्री०) मकड़ी-जन्तु ।

ਮੱਕਾ मक्का Makkā [3] पुं०
मर्कक > मर्कटक (पुं०) मक्का, मकई ।

ਮੱਕੀ मक्की Makkī [3] स्त्री०
मर्कक > मर्कटक (पुं०) मकई, मक्का ।

ਮਖਣੀ मख्णी Makhṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਮੱਖਣ ।

ਮਖਣੀਆ मखणिआ Makhṇiā [2] पुं०
आक्षणिक (वि०) मक्खन-विक्रेता ।

ਮਖਾਸਰ मखासर् Makhāsar [1] पुं०
महिषासुर (पुं०) महिषासुर राक्षस ।

ਮਖਾਣਾ मखाणा Makhāṇā [3] पुं०
माक्षिककण (पुं०) चीनी में पका हुआ इलायची आदि का दाना ।

ਮਖੀਰ मखीर् Makhīr [3] पुं०
मक्षिका (स्त्री०) शहद की मक्खी, मधुमक्खी ।

ਮਖੀਰਾ मखीरा Makhirā [2] पुं०
द्र०—ਮਖੀਰ ।

ਮਖੁ मखु Makhu [1] अ०
मा खलु (अ०) बिल्कुल नहीं ।

ਮੱਖ मक्ख् Makkh [2] पुं०
मक्षा/मक्षिका (स्त्री०) मक्खी ।

ਮੱਖਣ मक्खण् Makkhaṇ [3] पुं०
म्रक्षण (नपुं०) मक्खन; तेल; उबटन ।

ਮੱਖੀ मक्खी Makkhī [3] स्त्री०
मक्षा/मक्षिका (स्त्री०) मक्खी ।

ਮਗਨਤਾ मगन्ता Magantā [3] स्त्री०
मग्नता (स्त्री०) मग्नता, तल्लीनता ।

ਮਗਨਤਾਈ मगन्ताई Magantāī [3] स्त्री०
द्र०—ਮਗਨਤਾ ।

ਮਗਰ मगर् Magar [2] पुं०
मकर (पुं०) मगरमच्छ ।

ਮਗਰਮੱਛ मगर्मच्छ् Magarmacch [3] पुं०
मकरमत्स्य (पुं०) मगरमच्छ, घड़ियाल, ग्राह ।

ਮੱਗ मग्ग् Magg [2] पुं०
मार्ग (पुं०) मार्ग, रास्ता ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਮਘਵਾ मघ्वा Maghvā [2] पुं०
मघवन् (मघवा) (पुं०) इन्द्र देवता।

ਮਘੇਰ मघेर् Magher [3] पुं०
द्र०—ਮੱਘਰ।

ਮੱਘਰ मग्घर् Magghar [3] पुं०
मार्गशीर्ष (पुं०) मार्गशीर्ष, अगहन मास।

ਮੱਘਾ मग्घा Magghā [3] पुं०
मघा (स्त्री०) मघा नक्षत्र।

ਮਛਹਿਰੀ मछ्हिरी Machhirī [3] स्त्री०
मशहरी (स्त्री०) मसहरी, मच्छरदानी।

ਮਛਰੀ मछ्री Machrī [1] स्त्री०
द्र०—ਮੱਛ।

ਮਛਿਆਂਧ मछिआँध् Machiãdh [3] पुं०
मत्स्यगन्ध (पुं०) मछली की गन्ध।

ਮਛਿਆਰਾ मछिआरा Machiārā [3] पुं०
मच्छमार / मत्स्यमार (पुं०) मछुआ, मछुआरा।

ਮਛੁਲੀ मछुली Machulī [1] स्त्री०
द्र०—ਮੱਛ।

ਮਛੂਆ मछूआ Machūā [2] पुं०
द्र०—ਮਛਿਆਰਾ।

ਮੱਛ[1] मच्छ् Macch [3] पुं०
मच्छ (पुं०) बड़ी मछली।

ਮੱਛ[2] मच्छ् Macch [3] पुं०
मत्स्य (पुं०) बड़ी मछली।

ਮੱਛਰ[1] मच्छर् Macchar [3] पुं०
मत्सर (पुं०) मच्छर, मश।

ਮੱਛਰ[2] मच्छर् Macchar [3] पुं०
मत्सर (पुं०) मत्सर, डाह, ईर्ष्या।

ਮੱਛੀ मच्छी Macchī [3] स्त्री०
मत्स्य (पुं०) छोटी मछली।

ਮੱਛੀ-ਹੱਟਾ मच्छी-हट्टा Macchī-Haṭṭā [2] पुं०
मत्स्यहट्ट/मच्छहट्ट (पुं०) मछली-बाजार।

ਮੱਛੀਮਾਰ मच्छीमार् Macchimār [3] पुं०
द्र०—ਮਛਿਆਰਾ।

ਮਜਨ मजन् Majan [3] पुं०
मज्जन (नपुं०) मज्जन, स्नान।

ਮਜਨੀਠਾ मज्नीठा Majnīṭhā [3] पुं०
इष्टमज्जन (नपुं०) मनभाता स्नान।

ਮਜਾਨ मजान् Majān [1] पुं०
द्र०—ਮਜਨ।

ਮਜੀਠ मजीठ् Majiṭh [3] स्त्री०
मञ्जिष्ठ (पुं०) मजीठ, मजीठा।

ਮਜੀਠੜਾ मजीठ्ड़ा Majīṭhṛā [2] पुं०
द्र०—ਮਜੀਠ।

ਮਜੀਠਾ मजीठा Majīṭhā [2] पुं०
मञ्जिष्ठ (पुं०) मजीठ, औषध के काम आने वाली।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਜੀਰਾ मजीरा Majīrā [1] पुं०
मञ्जीर (नपुं०) मजीरा, झाल।

ਮਜੂਲਾ मजूला Majūlā [2] पुं०
द्र०—ਮੰਜੂਲਾ।

ਮਝਲਾ मझ्ला Majhlā [3] पुं०
मध्यम (वि०) मझला, बीच का।

ਮਝਾਹਿ मझाहि Majhāhi [1] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਝਾ।

ਮਝਾਹੂ मझाहू Majhāhū [1] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਝਾ।

ਮਝਾਰ मझार् Majhār [3] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਝਾ।

ਮਝੂਰ मझूर् Majhūr [1] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਝਾ।

ਮਝੇਰੂ मझेरू Majherū [3] पुं०
महिषीझुण्ट (पुं०) भैंसों का समूह, या झुण्ड।

ਮਝੇਲੂ मझेलू Majhelū [3] पुं०
मध्यम (वि०) मझला, बीच का, मध्यम।

ਮਝੋਲਾ मझोला Majholā [1] वि०
द्र०—ਮਝਲਾ।

ਮਝੋਲੀ मझोली Majholī [3] स्त्री०
द्र०—ਮਝੋਲਾ।

ਮਝੋਲੀਆ मझोलिआ Majholiā [2] वि०
द्र०—ਮਝਲਾ।

ਮੱਝ मज्झ् Majjh [3] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) महिषी, भैंस।

ਮੱਝੀ मज्झी Majjhī [1] स्त्री०
द्र०—ਮੱਝ।

ਮੱਝੂ मज्झू Majjhū [2] पुं०
महिषीझुण्ट (पुं०) भैंसों का समूह।

ਮਟ मट् Maṭ [1] पुं०
द्र०—ਮੱਟ।

ਮਟਮੈਲਾ मट्मैला Maṭmailā [3] वि०
मृन्मलिन (वि०) मटमैला।

ਮਟੀ मटी Maṭī [3] स्त्री०
मठी (स्त्री०) छोटा मठ।

ਮਟੀਆ मटिआ Maṭiā [1] स्त्री०
मृत्तिका (स्त्री०) मिट्टी।

ਮੱਟ मट्ट् Maṭṭ [3] पुं०
मार्तिक (वि०) मटका, मिट्टी का बड़ा घड़ा।

ਮੱਟੀ[1] मट्टी Maṭṭī [3] स्त्री०
मार्त्तिकी (स्त्री०) मटकी, मिट्टी का घड़ा।

ਮੱਟੀ[2] मट्टी Maṭṭī [3] स्त्री०
मृत्तिका (स्त्री०) मिट्टी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਠ मठ् Maṭh [3] पुं०
मठ (पुं०) मठ, मन्दिर ।

ਮਠਿਆਈ मठ्याई Maṭhyāī [3] स्त्री०
द्र०—ਮਿਠਾਈ ।

ਮੱਠਾ[1] मट्ठा Maṭṭhā [2] पुं०
मृष्ट (नपुं०) बड़ी मठड़ी, स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ ।

ਮੱਠਾ[2] मट्ठा Maṭṭhā [3] वि०
मन्दिष्ठ (वि०) मन्द, बहुत धीमा ।

ਮੱਠਾ[3] मट्ठा Maṭṭhā [3] पुं०
मथित (नपुं०) मट्ठा, मथित दही ।

ਮੱਠੀ मट्ठी Maṭṭhī [3] स्त्री०
मृष्ट (नपुं०) मठड़ी, स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ ।

ਮਣ मण् Maṇ [3] पुं०
मण (पुं०) मन, अनाज तौलने का परिमाण-विशेष 37½ किलो, 40 सेर ।

ਮਣਕਾ मण्का Maṇkā [3] पुं०
मणि (पुं०) मनका, माला का दाना ।

ਮਣਿਆਰ मणिआर् Maṇiār [2] पुं०
द्र०—ਮਣਿਆਰਾ ।

ਮਣਿਆਰਾ मणिआरा Maṇiārā [2] पुं०
मणिकार (पुं०) मणिहार, चूड़ीहार ।

ਮਣੀ मणी Maṇī [3] स्त्री०
मणि (पुं०) मणि, बहुमूल्य रत्न, जवाहर ।

ਮਣੀਕਾਰ मणीकार Maṇīkār [3] पुं०
मणिकार (पुं०) जौहरी, मनिहार ।

ਮਤ मत् Mat [3] पुं०
मत (नपुं०) विचार; धारणा; सलाह; सिद्धान्त ।

ਮਤਸਰ मत्सर् Matsar [1] पुं०
मत्सर (पुं०) मत्सर, जलन, ईर्ष्या ।

ਮਤਰੇਆ मत्रेआ Matreā [3] पुं०
विमात्रीय (पुं०) सौतेला भाई ।

ਮਤਰੇਈ मत्रेई Matreī [3] स्त्री०
विमातृ (स्त्री०) विमाता, सौतेली माँ ।

ਮਤਰੇਰਾ मत्रेरा Matrerā [2] वि०
द्र०—ਮਤਰੇਆ ।

ਮਤਰੇਰੀ मत्रेरी Matrerī [2] स्त्री०
द्र०—ਮਤਰੇਆ ।

ਮਤਵਾਰ मत्वार् Matvār [1] वि०
द्र०—ਮਤਵੰਤਾ ।

ਮਤਵਾਲਾ मत्वाला Matvālā [3] पुं०
मत्त (वि०) मतवाला, उन्मत्त, मस्त ।

ਮਤਵੰਤਾ मत्वन्ता Matvantā [2] पुं०
मत्त (वि०) मतवाला, उन्मत्त ।

ਮਤੜੀ मत्ड़ी Maṭṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਮੱਤ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਤਾ मता Matā [2] पुं०
मत (नपुं०) सलाह; विचार, धारणा; सिद्धान्त।

ਮਤੀ मती Matī [3] स्त्री०
मति (स्त्री०) बुद्धि; समझदारी; विचार; सलाह।

ਮੱਤ[1] मत्त् Matt [3] स्त्री०
मत/मति (नपुं०/स्त्री०) मत, सम्मति; सम्प्रदाय; विचार, सलाह।

ਮੱਤ[2] मत्त् Matt [3] स्त्री०
मति (स्त्री०) मति, बुद्धि; विचार, परामर्श।

ਮੱਤਹੀਣਤਾ मत्त्हीण्ता Matthīṇtā [3] स्त्री०
मतिहीनता (स्त्री०) बुद्धिहीनता; विचार-शून्यता।

ਮੱਤਾ मत्ता Mattā [3] पुं०
मत्त (वि०) मतवाला, उन्मत्त, मस्त।

ਮੱਤਿਆ मत्त्या Mattyā [1] पुं०
मत्त (वि०) मतवाला, मद-मस्त।

ਮਥ मथ् Math [3] पुं०
मत (नपुं०) मत, सिद्धान्त।

ਮਥਣਾ मथ्णा Mathṇā [3] सक० क्रि०
मथ्नाति (क्र्यादि सक०) मथना, मंथन करना।

ਮੱਥਾ मत्था Matthā [3] पुं०
मस्तक (पुं०, नपुं०) मस्तक, मत्था।

ਮਦਰਾ मद्रा Madrā [3] स्त्री०
मदिरा (स्त्री०) मदिरा, शराब।

ਮਦੀਰ मदीर् Madīr [1] स्त्री०
मञ्जीर (पुं०, नपुं०) पायल; बिछिया।

ਮਧ[1] मध् Madh [1] पुं०
मधु (नपुं०) मधु, शहद।

ਮਧ[2] मध् Madh [2] क्रि० वि०
मध्ये (क्रि० वि०) मध्य में, बीच में।

ਮਧਮੱਖੀ मध्मक्खी Madhmakkhī [3] स्त्री०
मधुमक्षिका/मधुमक्षा (स्त्री०) मधुमक्खी।

ਮਧਲਾ मध्ला Madhlā [1] वि०
द्र०—ਮਝਲਾ।

ਮਧਾਣਾ मधाणा Madhāṇā [2] पुं०
मन्था (प्रथमान्त पुं०) मथानी, दही बिलोने का दण्ड।

ਮਧਾਣੀ मधाणी Madhāṇī [3] स्त्री०
मन्था (प्रथमान्त पुं०) मथानी, दही बिलोने का छोटा दण्ड।

ਮਧਿਅਸਤ मधिअस्त् Madhiasat [2] पुं०
मध्यस्थ (वि०) मध्यवर्ती, मझोली, दो के बीच झगड़े को मिटाने वाला व्यक्ति, पंच।

ਮਧੁਕਰੀ मधुक्री Madhukrī [2] स्त्री०
मधुकरी (स्त्री०) भौंरी, भ्रमरी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਮਧੁਪ मधुप् Madhup [1]पुं०
मधुप (पं०) मधुप, भौंरा।

ਮਧੁਰਤਾਈ मधुर्ताई Madhurtāī [3] स्त्री०
मधुरता (स्त्री०) मधुरता, मीठापन।

ਮਧੁਰਿਆ मधुरिआ Madhuriā [1] स्त्री०
मधुरिमन् (पुं०) मधुरता, मिठास।

ਮਧੂ मधू Madhū [3] पुं०
मधु (नपुं०) मधु, शहद।

ਮਧੇ मधे Madhe [3] क्रि० वि०
मध्ये (सप्तम्यन्त) मध्य में।

ਮੱਧਣਾ मद्धणा Maddhṇā [3] सक० क्रि०
मन्थति (भ्वादि सक०) मथना, आलोडन करना।

ਮੱਧਮਾ मद्धमा Maddhmā [3] स्त्री०
मध्यमा (स्त्री०) मध्यमा अंगुली, बीच की अँगुली।

ਮੱਧੇ मद्धे Maddhe [3] क्रि० वि०
मध्ये (क्रि० वि०) मध्य में।

ਮਨ मन् Man [3] पुं०
मनस् (नपुं०) प्राणियों में वह शक्ति जिसके द्वारा उनको वेदना, संकल्प, इच्छा, द्वेष, प्रयत्न, बोध और विचार आदि का अनुभव होता है, अन्तः-करण, चित्त।

ਮਨਸਾ मन्सा Mansā [3] वि०
मानस (वि०) मन का, मन से संबन्धित।

ਮਨੱਖਾ मनक्खा Manakhā [3] पुं०
मन्दाक्ष (वि०) मन्दाक्ष, मन्द दृष्टि वाला।

ਮਨਾਉਣਾ मनाउणा Manāuṇā [3] सक० क्रि०
मानयति (दिवादि प्रेर०) मनाना, प्रसन्न करना; संमानित करना।

ਮਨਾਕ मनाक् Manāk [3] अ०
मनाक् (अ०) थोड़ा, किंचित्।

ਮਨਾਖਾ मनाखा Manākhā [1] वि०
द्र०—ਮਨੱਖਾ।

ਮਨਿਆਰ मनिआर् Maniār [3] पुं०
मणिकार (पुं०) जौहरी।

ਮਨਿਆਰਾ मनिआरा Maniārā [2] पुं०
द्र०—ਮਨਿਆਰ।

ਮਨੀ मनी Manī [2] स्त्री०
मणि (पुं०) मणि, बहुमूल्य रत्न।

ਮਨੁਸ मनुस् Manus [1] पुं०
मनुष्य (पुं०) मनुष्य, मानव।

ਮਨੁੱਖ मनुक्ख् Manukkh [3] पुं०
मनुष्य (पुं०) मनुष्य, मानव।

ਮਨੁੱਖਹਾਰ मनुक्ख्हार् Manukkhhār [3] वि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

मनुष्याकार (वि०) मनुष्य के आकार वाला, मनुष्यवत्।

ਮਨੁੱਖਤਾ मनुक्ख्ता Manukkhtā [3] **स्त्री०**
मनुष्यता (स्त्री०) मनुष्य का गुण, मानवता।

ਮਨੁੱਖਤਾਵਾਦ मनुक्ख्तावाद् Manukkhtāvād [3] **पुं०**
मनुष्यतावाद (पुं०) मनुष्यतावाद, मानवतावाद।

ਮਨੁੱਖਤਵ मनुक्ख्त्तव Manukkhattv [3] **पुं०**
मनुष्यत्व (नपुं०) मनुष्यत्व, मनुष्यता; मनुष्य के गुण।

ਮਨੁੱਖਮਾਤਰ मनुक्ख्मातर् Manukkhmātar [3] **पुं०**
मनुष्यमात्र (नपुं०) मनुष्यमात्र।

ਮਨੁੱਖਰੂਪ मनुक्ख्रूप् Manukkhrūp [3] **वि०**
मनुष्यरूप (वि०) मनुष्य की आकृति वाला।

ਮਨੁੱਖਾ मनुक्खा Manukkhā [2] **वि०**
मानुष्य (वि०) मनुष्य का, मनुष्य संबन्धी।

ਮਨੁੱਖਾਕਾਰ मनुक्खाकार् Manukkhākār [3] **वि०**
द्र०—ਮਨੁੱਖਹਾਰ।

ਮਨੁੱਖੀ मनुक्खी Manukkhī [3] **स्त्री०**
मानुषी (स्त्री०) मनुष्य की।

ਮਨੁੱਖੀਕਰਣ मनुक्खीकरण् Manukkhīkaraṇ [3] **पुं०**
मानुषीकरण (नपुं०) मानवीकरण।

ਮਨੂਆ मनूआ Manūā [1] **पुं०**
द्र०—ਮਨ।

ਮਨੋਵੇਗਤਾ मनोवेग्ता Manovegtā [3] **स्त्री०**
मनोवेगता (स्त्री०) मनोवेगता, मनोवेग उठने का भाव।

ਮਨੋਵੇਗੀ मनोवेगी Manovegī [3] **पुं०**
मनोवेगिन् (वि०) मनोवेग से पूर्ण।

ਮਨੋਵੇਧਕ मनोवेधक् Manovedhak [3] **वि०**
मनोवेधक (वि०) मन को बींधने वाला।

ਮਪਾਉਣਾ मपाउणा Mapāuṇā [2] **सक० क्रि०**
मापयति (अदादि प्रेर०) मापने का काम करवाना।

ਮੱਪਣਾ मप्पणा Mappaṇā [1] **सक० क्रि०**
मापयति (अदादि प्रेर०) मापना, नापना।

ਮਮਤਾ मम्ता Mamtā [3] **स्त्री०**
ममता (स्त्री०) अपनेपन का भाव, अपनापन; स्नेह।

ਮਰਹਣ मर्हण् Marhaṇ [3] **पुं०**
मरघट्ट (पुं०) श्मशान, जहाँ मुर्दा जलाया जाता है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਰਚ मरच् Marac [1] स्त्री०
द्र०—ਮਿਰਚ ।

ਮਰਜਾਦ मर्जाद् Marjād [2] स्त्री०
मर्यादा (स्त्री०) सीमा, हद, अन्त, छोर; शिष्टता की मर्यादा ।

ਮਹਜਾਦਾ मर्जादा Marjādā [1] स्त्री०
द्र०—ਮਹਜਾਦ ।

ਮਰਜੰਗ मर्जंग् Marjaṅg [1] पुं०
मृदङ्ग (नपुं०) ढोल की तरह काएक बाजा, मुरज, मृदंग ।

ਮਰਣਾਊ मर्णाऊ Marṇāū [2] वि०
मरणीय (वि०) मरने योग्य ।

ਮਰਤ मरत् Marat [1] पुं०
मृत्युलोक (पुं०) मृत्युलोक संसार ।

ਮਰਤਬਾਨ मर्तबान् Martabān [3] पुं०
मृद्भाण्ड (नपुं०) मर्तबान, अँचार आदि रखने का पात्र ।

ਮਰਤੰਜਾ मरतंजा Martañjā [1] पुं०
मृत्युञ्जय (पुं०) मृत्युञ्जय महादेव, शिव ।

ਮਰਦਕ मर्दक् Mardak [1] वि०
मृतक (वि०) मृतक, मरा हुआ ।

ਮਰਦੰਗ मर्दंग् Mardaṅg [3] पुं०
मृदङ्ग (पुं०) ढोल के आकार का एक बाजा, मुरज, मृदंग ।

ਮਰਦੰਗੀ मर्दंगी Mardaṅgī [3] पुं०
मृदङ्गिन् (वि०) मृदंगी, मृदंग बजाने वाला ।

ਮਰਨ मरन् Maran [3] स्त्री०
मरण (नपुं०) मृत्यु, मौत ।

ਮਰਨਾ मर्ना Marnā [3] अक० क्रि०
मरण (नपुं०) मरना, मृत्यु को प्राप्त होना ।

ਮਰਨੀ मर्नी Marnī [3] स्त्री०
मरण (नपुं०) मरण, मृत्यु ।

ਮਰਮ मरम् Maram [3] पुं०
मर्मन् (नपुं०) शरीर का मर्मस्थल; रहस्य; तत्त्व ।

ਮਰਮੱਗ मर्मग्ग् Marmagg [3] पुं०
मर्मज्ञ (वि०) मर्मज्ञ, वह जो किसी का मर्म या गूढ रहस्य जानता हो, रहस्य का जानकार, तत्त्वज्ञ ।

ਮਰਵਾਉਣਾ मर्वाउणा Marvāuṇā [3] प्रेर० क्रि०
मारयति (क्र्यादि प्रेर०) मरवाना, मारने की प्रेरणा देना ।

ਮਰਾ मरा Marā [1] पुं०
द्र०—ਮਰਨ ।

ਮਰਾਉਣਾ मराउणा Marāuṇā [3] सक० क्रि०
मारयति (क्र्यादि प्रेर०) मरवाना, मारने की प्रेरणा देना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਰਾਲਣ मरालण् Marālaṇ [3] स्त्री०
मराली (स्त्री०) मादा हंस, हंसी।

ਮਰੀ मरी Marī [3] स्त्री०
मरक/महामारी (पुं०) महामारी, संक्रामक रोग जिससे अनेक लोगों की मृत्यु तत्काल होती है जैसे हैजा, प्लेग, इत्यादि।

ਮਰੀਆ मरिआ Mariā [1] स्त्री०
द्र०—ਮਰਨ।

ਮਰੀਖ मरीख् Marīkh [2] पुं०
मृगशिरस् (पुं०) मृगशिरा नक्षत्र।

ਮਰੂਆ मरुआ Mruā [3] पुं०
मरुव (पुं०) दवना, मरुआ वन तुलसी पौधा न्याजबो।

ਮਲ਼ मळ् Mal [3] पुं०
मल (नपुं०) मैल, गन्दगी, विष्ठा।

ਮਲਣਾ मल्णा Malṇā [3] सक० क्रि०
मर्दयति (भ्वादि प्रेर०) मर्दन करना, कुचलना, मसलना।

ਮਲਤਾ मल्ता Maltā [3] स्त्री०
मलता (स्त्री०) मल का भाव।

ਮਲਨ मलन् Malan [1] वि०
मलिन (वि०) मैला, गन्दा; काला।

ਮਲਭਖ मल्भख् Malbhakh [3] पुं०
मलभक्ष्य (नपुं०) अशुद्ध भोजन, अपवित्र भोजन।

ਮਲਾਉਣਾ मलाउणा Malāuṇā [1] सक० क्रि०
मेलयति (तुदादि प्रेर०) मिलना, दो वस्तुओं को मिलाना या जोड़ना।

ਮਲਾਰ मलार् Malār [3] पुं०
मल्लार (पुं०) मल्हार राग।

ਮਲਿਅਹੁਰਾ मल्यहुरा Malyahurā [3] पुं०
मातुलश्वसुर (पुं०) ममेरा ससुर, पति या पत्नी की माँ का भाई।

ਮਲਿਆਗਰ मल्यागर् Malyāgar [3] पुं०
मलयगिरि (पुं०) मलयाचल, मलयगिरि।

ਮਲਿਹਸ मलिहस् Malihas [2] स्त्री०
द्र०—ਮਲੇਹਸ।

ਮਲੀਆਗਰ मलिआगर् Maliāgar [1] पुं०
द्र०—ਮਲਿਆਗਰ।

ਮਲੀਨਤਾਈ मलीन्ताई Malīntāī [3] स्त्री०
मलिनता (स्त्री०) मलिनता।

ਮਲੂਕਤਾ मलूक्ता Malūktā [3] स्त्री०
मृदुलता (स्त्री०) मृदुलता, कोमलता।

ਮਲੇਹਸ मलेहस् Malehas [3] स्त्री०
मातुलश्वश्रू (स्त्री०) ममेरी सास।

ਮਲੇਛ मलेछ् Malech [3] वि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

म्लेच्छ (वि०) म्लेच्छ, अनार्य या जंगली जाति के लोग।

ਮਲੇਛਣੀ मलेछ्णी Malechṇi [3] **स्त्री०**
म्लेच्छा (स्त्री०) म्लेच्छा, अनार्य जाति की स्त्री।

ਮਲੇਰ मलेर् Maler [2] **वि०**
मातुलेय (वि०) मातुल अर्थात् मामा का, मामा-सम्बन्धी।

ਮਲ੍ਹਾਰ मल्हार् Malhār [3] **पुं०**
मल्लारी (स्त्री०) मल्हार राग, संगीत की विशेष ध्वनि।

ਮੱਲ मल्ल् Mall [3] **पुं०**
मल्ल (पुं०) पहलवान, ताकतवर आदमी।

ਮੱਲਣਾ मल्लणा Mallaṇā [3] **सक० क्रि०**
मल्लते (भ्वादि सक०) अधिकृत करना, हथिआना।

ਮੜਿਹਾਣ मड़िहाण् Maṛihāṇ [3] **स्त्री०**
मृतकगन्ध (पुं०) मृतक (शव) के जलने की दुर्गन्ध।

ਮਾਂ[1] मां Mā̃ [3] **वि०**
मौखिक (वि०) मौखिक; जबानी।

ਮਾਂ[2] माँ Mā̃ [3] **स्त्री०**
मातृ (स्त्री०) माँ, माता, जननी।

ਮਾਉ माउ Māu [1] **स्त्री०**
द्र०—ਮਾਂ[2]।

ਮਾਂਉ माँउ Mā̃u [2] **स्त्री०**
द्र०—ਮਾਂ[2]।

ਮਾਇਆ[1] माइआ Māiā [1] **स्त्री०**
द्र०—ਮਾਈ।

ਮਾਇਆ[2] माइआ Māiā [3] **स्त्री०**
माया (स्त्री०) कपट, छल, ऐन्द्रजाल।

ਮਾਈ माई Māī [3] **स्त्री०**
मातृ (स्त्री०) माँ; बूढ़ी औरत, सेविका।

ਮਾਏ माए Māe [3] **क्रि० वि०**
मध्ये (क्रि० वि०) मध्य में, बीच में, भीतर।

ਮਾਸ[1] मास् Mās [3] **पुं०**
मांस (नपुं०) मांस, गोश्त।

ਮਾਸ[2] मास् Mās [2] **पुं०**
मास (पुं०) मास, माह, महीना।

ਮਾਸਹਾਰਾ मास्हारा Māshārā [3] **पुं०**
मांसाहार (वि०) मांसाहारी, मांस खाने वाला।

ਮਾਸਕ मासक् Masak [3] **वि०**
मासिक (वि०) मासिक, मास से संबन्धित।

ਮਾਸ਼ਕੀ माश्की Māśkī [3] **पुं०**
मशकिन् (पुं०) मश्की, भिश्ती।

ਮਾਸਲ मासल् Māsal [3] **वि०**
मांसल (वि०) मांस-युक्त, मोटा, स्थूल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਾਸੜ मासड़् Māsaṛ [3] पुं०
मातुष्वसृपति (पुं०) मौसा।

ਮਾਸੀ मासी Māsī [3] स्त्री०
मातृष्वसृ (स्त्री०) मौसी।

ਮਾਸੇਹਸ मासेहस् Māsehas [3] स्त्री०
मातुष्वसृश्वश्रू (स्त्री०) मौसेरी सास।

ਮਾਹ¹ माह् Māh [1] पुं०
माघ (पुं०) माघ मास।

ਮਾਹ² माह् Māh [3] पुं०
मास (पुं०) मास, महीना।

ਮਾਂਹ माँह् Mãh [3] पुं०
माष (पुं०) उड़द।

ਮਾਂਹਗ मैंह्ग Maĩhg [1] पुं०
द्र०—ਮਹਿੰਗਾ।

ਮਾਂਹਗਾ मैंह्गा Maĩhgā [1] वि०
द्र०—ਮਹਿੰਗਾ।

ਮਾਹਣੂੰ माह्णूँ Māhṇũ [3] पुं०
द्र०—ਮਾਣਸ।

ਮਾਹੀ माही Māhī [1] पुं०
माहिष (वि०) भैंस चराने वाला।

ਮਾਹੋਂ माहों Mahõ [1] स्त्री०
माष (पुं०) उड़द।

ਮਾਖਿਓਂ माख्यों Mākhyõ [3] पुं०
माक्षिकमधु (नपुं०) मधु, शहद।

ਮਾਖੋ माखो Mākho [1] पुं०
माक्षिकमधु (नपुं०) मधु, शहद।

ਮਾਂਗ माँग् Mãg [3] स्त्री०
मङ्ग (पुं०) माँग, सीमन्त।

ਮਾਂਗਨੂ माँग्नू Māgnū [1] पुं०
मत्कुण (पुं०) खटमल।

ਮਾਘ माघ् Māgh [1] पुं०
माघ (पुं०) माघ मास, माघ महीना।

ਮਾਘੀ माघी Māghī [3] वि०
माघीय (वि०) माघ की संक्रान्ति, मेला आदि, माघ-संबन्धी।

ਮਾਛਣ माछण् Māchaṇ [3] स्त्री०
मत्स्यहन् > मत्स्यघ्नी (स्त्री०) मछियारिन, मल्लाहिन।

ਮਾਛੀ माछी Māchī [3] पुं०
मात्सिक (पुं०) माझी, मछुआरा, धीवर।

ਮਾਂਜਣਾ¹ माँज्णा Mãjṇā [3] सक० क्रि०
मार्जति (चुरादि सक०) माँजना, बर्तन इत्यादि की सफाई करना।

ਮਾਂਜਣਾ² माँज्णा Mãjṇā [3] पुं०
मार्जन (नपुं०) माँजने या साफ करने का का भाव, झाड़ने-पोछने का भाव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਾਂਜਾ माँजा Mãjā [3] पुं०
मार्जक (वि०) झाड़ू बुहारी

ਮਾਂਝ माँझ् Mãjh [3] क्रि० वि०
मध्ये (क्रि० वि०) मध्य में, भीतर।

ਮਾਂਝਾ माँझा Mãjhā [1] वि०
माध्य (वि०) पंजाब के एक भाग का नाम।

ਮਾਂਡ मांड् Mãḍ [3] स्त्री०
मण्ड (पुं०, नपुं०) माँड़, चिकना तरल पदार्थ, पके हुए चावल का पानी।

ਮਾਂਡਨਾ माँड्ना Mãḍnā [3] सक० क्रि०
मण्डयति (चुरादि सक०) भूषित करना, अलंकृत करना।

ਮਾਣ माण् Māṇ [3] पुं०
मान (पुं०) अभिमान, घमण्ड, सम्मान।

ਮਾਣਸ माणस् Māṇas [3] पुं०
मानुष (पुं०) मानुष, मनुष्य।

ਮਾਣਕ माणक् Māṇak [3] पुं०
माणिक्य (नपुं०) लाल रंग का रत्न, माणिक्य, माणिक।

ਮਾਣਤਾ माण्ता Māṇtā [3] स्त्री०
द्र०—ਮਾਨਤਾ।

ਮਾਣਨੀ माण्नी Māṇnī [3] वि०
माननीय (वि०) माननीय, सम्मान के योग्य।

ਮਾਤ मात् Māt [3] स्त्री०
मातृ (स्त्री०) माँ, माता।

ਮਾਤਭਾਸ਼ਾ मात्भाषा Mātbhāṣā [3] स्त्री०
मातृभाषा (स्त्री०) मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा।

ਮਾਤਰ[1] मातर् Mātar [3] अ०
मात्र (नपुं०) मात्र, केवल।

ਮਾਤਰ[2] मातर् Mātar [3] स्त्री०
द्र०—ਮਾਂ।

ਮਾਤਾ माता Mātā [3] पुं०
मत्त (वि०) मत्त, उन्मत्त; मस्त, मद-मस्त; अभिमानी।

ਮਾਂਦਰੀ माँद्री Mãdrī [3] पुं०
मान्त्रिक (पुं०) झाड़-फूँक करने वाला, ओझा।

ਮਾਦਲ मादल् Mādal [3] पुं०
मर्दल (पुं०) मृदंग के आकार का एक प्राचीन बाजा।

ਮਾਨਸ मानस् Mānas [3] पुं०
मानुष (पुं०) मनुष्य, मानव।

ਮਾਨਤਾ मान्ता Māntā [3] स्त्री०
मान्यता (स्त्री०) मान्यता, मनौती; आदर-सत्कार।

ਮਾਨਾ माना Mānā [3] अ०
समान (वि०) समान, सदृश, तुल्य।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਾਪਣਾ मापणा Māpṇā [3] सक० क्रि०
मापयति (चुरादि सक०) माँपना, नापना, तौलना।

ਮਾਮੀ मामी Māmī [3] स्त्री०
मामी/मातुली/मातुलानी (स्त्री०) मामी, मामा की पत्नी।

ਮਾਯਾ माया Māyā [3] स्त्री०
माया (स्त्री०) माया, दया, कृपा।

ਮਾਰ मार् Mār [3] पुं०
मार (पुं०) मार, कामदेव।

ਮਾਰਕ मारक् Mārak [1] पुं०
मारक (वि०) मारक, मारने वाला।

ਮਾਰਗ मारग् Mārag [3] पुं०
मार्ग (पुं०) पथ, राह, रास्ता।

ਮਾਰਜਨੀ मार्जनी Mārjanī [1] स्त्री०
मार्जनी (स्त्री०) सफाई करने वाली; झाड़ू, बुहारी।

ਮਾਰਨਾ मार्ना Mārnā [3] सक० क्रि०
मारयति (क्र्यादि प्रेर०) मारना, हत्या करना।

ਮਾਰੂਥਲ मारूथल् Mārūthal [3] पुं०
मरुस्थल (नपुं०) मरुस्थल, रेगिस्तान।

ਮਾਲ माल् Māl [3] पुं०
माल (नपुं०) धन; माल; पशुधन।

ਮਾਲਣ मालण् Mālaṇ [3] स्त्री०
मालिनी (स्त्री०) मालिन, माली की पत्नी।

ਮਾਲਤੀ माल्ती Māltī [3] स्त्री०
मालती (स्त्री०) मालती पुष्प; मालती छन्द।

ਮਾਲੀ माली Mālī [3] पुं०
मालिन् (पुं०) माली, फूलों का व्यापार करने वाला।

ਮਾਲ੍ਹ माल्ह् Mālh [3] स्त्री०
माला (स्त्री०) चर्खा घूमाने वाला धागा; रहट की माला।

ਮਿਸ਼ਟ मिशट् Miśaṭ [3] वि०
मिष्ट (वि०) मीठा, मधुर; स्वादिष्ठ।

ਮਿਸ਼ਟਾਨ मिश्टान् Miśṭān [3] पुं०
मिष्टान्न (नपुं०) मिष्टान्न, मिठाई।

ਮਿੱਸ मिस्स् Miss [3] पुं०
मिश्र (नपुं०) मिलावट, मिलाने का भाव।

ਮਿੱਸਾ मिस्सा Missā [3] वि०
मिश्रित (वि०) मिला हुआ।

ਮਿੱਸੀ मिस्सी Missī [3] स्त्री०
मसी (स्त्री०) दाँतों को रंगने वाली एक काली वस्तु, मिस्सी।

ਮਿਹਣਾ मिह्णा Mihṇā [3] भाव० सं०
मेथन (नपुं०) ताना देने, का भाव, आक्षेप।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਿਹਤਰ मिह्तर् Mihtar [3] पुं०
महत्तर (पुं०) शूद्र, भंगी, जमादार।

ਮਿਹਰੀ मिह्री Mihrī [2] स्त्री०
महिला (स्त्री०) महिला, औरत, स्त्री।

ਮਿੱਝ मिज्झ् Mijjh [3] स्त्री०
मज्जन् (पुं०) मज्जा, गूदा।

ਮਿੱਟੀ मिट्टी Miṭṭī [3] स्त्री०
मृत्तिका (स्त्री०) मिट्टी, मृत्तिका।

ਮਿਠਾਈ मिठाई Miṭhāī [3] स्त्री०
मिष्टान्न (नपुं०) मिठाई, मिष्टान्न।

ਮਿੱਠਤਾ मिट्ठता Miṭṭhtā [3] स्त्री०]
मिष्टता (स्त्री०) मिष्टता, मधुरता, मिठास।

ਮਿੱਠਾ मिट्ठा Mlṭṭhā [3] पुं०
मृष्ट/मिष्ट (वि०) मीठा, स्वादिष्ट, मधुर।

ਮਿਣਤੀ मिण्ती Miṇtī[3] स्त्री०
मिति (स्त्री०) मापना, नापने की क्रिया।

ਮਿਣਨਾ मिण्ना Miṇnā [3] सक० क्रि०
माति (अदादि सक०) नापना, मापना।

ਮਿਣਾਉਣਾ मिणाउणा Miṇāuṇā [3] सक० क्रि०
मापयति (अदादि प्रेर०) नपाना, मापने का काम कराना।

ਮਿਤ मित् Mit [1] स्त्री०
मिति (स्त्री०) सीमा, हद; शक्ति।

ਮਿੱਤ मित्त् Mitt [3] पुं०
मित्र (नपुं०) मित्र, मीत, दोस्त।

ਮਿੱਤਰ मित्तर् Mittar [3] पुं०
मित्र (नपुं०) मित्र, दोस्त।

ਮਿੱਤਰਤਾ मित्तर्ता Mittartā [3] स्त्री०
मित्रता (स्त्री०) मित्रता, दोस्ती।

ਮਿੱਤਰਤਾਈ मित्तर्ताई Mittartāī [3] स्त्री०
मित्रता (स्त्री०) मित्रता, दोस्ती।

ਮਿਥਲੀ मिथ्ली Mithlī [3] स्त्री०
मैथिली (स्त्री०) मिथिला प्रदेश की भाषा, लिपि आदि।

ਮਿਥਿਆ मिथ्या Mithyā [3] अ०
मिथ्या (अ०) मिथ्या, झूठ।

ਮਿਥਿਹਾਸ मिथिहास् Mithihās [3] पुं०
मिथ्येतिहास (पुं०) कल्पित इतिहास।

ਮਿੱਧਣਾ मिद्धणा Middhṇā [3] क्रि०
मेदति (भ्वादि सक०) रौंदना, गूंधना, दबाना।

ਮਿਰਗ मिरग् Mirag [3] पुं०
मृग (पुं०) मृग, हरिण।

ਮਿਰਗਾਣੀ मिर्गाणी Mirgāṇī [3] स्त्री०
मृगाजिन (नपुं०) मृग-छाला, मृग-चर्म।

ਮਿਰਗਾਨੀ मिर्गानी Mirgānī [3] स्त्री०
मृगी (स्त्री०) मादा मृग, हिरनी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਿਰਚ मिर्च Mirc [3] स्त्री०
मरिच / मरीच (नपुं०) काली या लाल मिर्च।

ਮਿਰਤ मिरत् Mirat [3] वि०
मृत (वि०) मृत, मरा हुआ।

ਮਿਰਤਕ मिर्तक Mirtak [3] वि०
मृतक (वि०) मृतक, मरा हुआ।

ਮਿਰਤ-ਮੰਡਲ मिरत्-मण्डल Mirat-Maṇḍal [3] पुं०
मृत्युमण्डल (नपुं०) मृत्युलोक, संसार।

ਮਿਰਤ-ਲੋਕ मिरत्-लोक् Mirat-Lok [3] पुं०
मृत्युलोक (पुं०) मृत्युलोक, संसार।

ਮਿਰਤੂ मिरतू Mirtū[3] स्त्री०
मृत्यु (पुं०) मृत्यु, मौत।

ਮਿਲਣਾ मिल्णा Milṇā [3] अक० क्रि०
मिलति (तुदादि सक०) मिलना।

ਮਿਲਾਉਣਾ मिलाउणा Milāuṇā [2] सक० क्रि०
मेलयति (तुदादि प्रेर०) मिलाना।

ਮਿਲਾਈ मिलाई Milāī [3] स्त्री०
मेलन (नपुं०) मिलाने का भाव, मेल।

ਮੀਂਹ मींह् Mīh [3] पुं०
मेघ/मेह (पुं०) मेघ, बादल; वर्षा।

ਮੀਢਾ मीढा Mīḍhā [2] पुं०
द्र०—ਮੀਂਢਾ।

ਮੀਂਢਾ मींढा Mīḍhā [2] पुं०
मेण्ढ (पुं०) मेंढा, भेंड़ नर भेंड़।

ਮੀਢੀ मीढी Mīḍhī [3] स्त्री०
मेण्ढी (स्त्री०) मादा भेंड़।

ਮੀਤ मीत् Mīt [3] पुं०
द्र०—ਮਿੱਤ।

ਮੁਸਟ मुसट् Musaṭ [1] पुं०
मुष्टि (स्त्री०) मुष्टि, मुक्का।

ਮੁਸਣਾ मुस्णा Musṇā [1] क्रि०
मुष्यते (स्वादि कर्मवा०) चुराया जाना; लुटना।

ਮੁਹਰੀ[1] मुह्री Muhrī [3] पुं०
मुखर (पुं०) मुखर, बातूनी; अग्रणी नेता; कुर्ता अथवा जाकेट की बाँह का सिरा, पाजामे की टांग का सिरा।

ਮੁਹਰੀ[2] मुह्री Muhrī [3] पुं०
मुखाग्र (पुं०) कुर्ते अथवा जाकेट की बाँह का सिरा, पाजामे की टांग का सिरा।

ਮੁਹਲਾ मुह्ला Muhlā [3] पुं०
मुसल (पुं०, नपुं०) मूसल जिससे अनाज की भूसी निकाली जाती है।

ਮੁਹਲੀ मुह्ली Muhlī [3] स्त्री०
मुसली (स्त्री०) छोटा मूसल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੁਹਾਣ मुहाण् Muhāṇ [3] पुं०
मुखायन (नपुं०) मुहाना, नदी का मुख, नदी का स्रोत; दिशा।

ਮੁਹਾਂਦਰਾ मुहाँद्रा Muhādrā [3] वि०
मुखचन्द्र (वि०) मुखाकृति, चेहरा।

ਮੁਹੁੜ मुहुड़् Muhuṛ [3] पुं०
मूढ (वि०) मूढ़, मूर्ख।

ਮੁਕਤਾ मुक्ता Muktā [3] वि०
मुक्त (वि०) बन्धन-रहित, स्वतन्त्र किया हुआ।

ਮੁਕਰ मुकर् Mukar [1] पुं०
मुकुर (पुं०) दर्पण, शीशा।

ਮੁਕੰਦ मुकन्द् Mukand [3] पुं०
मुकुन्द (पुं०) मुकुन्द, भगवान् श्रीकृष्ण, विष्णु, परमेश्वर।

ਮੁੱਕਾ मुक्का Mukkā [3] पुं०
मुष्टिका (स्त्री०) मुक्का, मुष्टि।

ਮੁਖੀਆ मुखिआ Mukhiā [3] पुं०
मुख्य (वि०) मुखिया, प्रधान, मुख्य।

ਮੁੱਖ[1] मुक्ख् Mukkh [3] पुं०
मुख (नपुं०) मुख, चेहरा।

ਮੁੱਖ[2] मुक्ख् Mukkh [3] वि०
मुख्य (वि०) मुख्य, प्रधान।

ਮੁਗਧਤਾ मुग्धता Mugdhatā [3] स्त्री०
मुग्धता (स्त्री०) मुग्धता, भोलापन।

ਮੁਗਧਾ[1] मुग्धा Mugdhā [3] वि०
मुग्ध (वि०) मुग्ध, भोला, मोहित।

ਮੁਗਧਾ[2] मुग्धा Mugdhā [3] स्त्री०
मुग्धा (स्त्री०) मुग्धा नायिका।

ਮੁੰਚਣਾ मुंच्णा Muñcṇā [2] सक० क्रि०
मुञ्चति (तुदादि सक०) छोड़ना, त्यागना।

ਮੁਛਲਾ मुछ्ला Muchlā [1] पुं०
श्मश्रुल (वि०) मूँछों वाला।

ਮੁਛਲੀਆਲਾ मुछ्लिआला Muchliālā [1] पुं०
श्मश्रुवत् (वि०) मूँछों वाला।

ਮੁਛੈਲ मुछैल् Muchail [3] पुं०
द्र०—ਮੁਛਲਾ।

ਮੁਛੈਲਾ मुछैला Muchailā [2] पुं०
द्र०—ਮੁੱਛਲ।

ਮੁੱਛ मुच्छ् Mucch [3] स्त्री०
श्मश्रु (नपुं०) मूँछ।

ਮੁੱਛਲ मुच्छल् Mucchal [3] पुं०
श्मश्रुल (वि०) दाढ़ी-मूँछ वाला।

ਮੁਜ मुंज् Muñj [3] स्त्री०
मुञ्ज (पुं०) मूँज, एक प्रकार की घास, जिससे रस्सी आदि बनाई जाती है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੁੰਜਣ मुंजण् Muñjaṇ [1] सक० क्रि०
मुञ्चति (तुदादि सक०) भेजना; छोड़ना।

ਮੁੰਜਣਾ मुंज्णा Muñjṇā [1] सक० क्रि०
द्र०—ਮੁੰਜਣ।

ਮੁੰਜਰ मुंजर् Muñjar [2] स्त्री०
मञ्जरी (स्त्री०) वृक्ष या पौधे में फूलों अथवा फलों के स्थान में एक सींके में लगे हुए अनेक दानों का समूह, धानों की मंजरी या बाली।

ਮੁੰਜਾਲ मुंजाल् Muñjāl [1] स्त्री०
द्र०—ਮੁੰਜ।

ਮੁੰਜਾਲੀ मुंजाली Muñjālī [1] स्त्री०
द्र०—ਮੁੰਜ।

ਮੁਠੜੀ मुठ्ड़ी Muṭhṛī [1] स्त्री०
द्र०—ਮੁੱਠ।

ਮੁੱਠ मुट्ठ् Muṭṭh [3] स्त्री०
मुष्टि (स्त्री०) मुट्ठी, मूंठ।

ਮੁੱਠਣਾ मुट्ठ्णा Muṭṭhṇā [3] सक० क्रि०
मुष्णाति (क्र्यादि सक०) चुराना, लूटना।

ਮੁੱਠਾ मुट्ठा Muṭṭhā [3] पुं०
मुष्टक (नपुं०) गट्ठा, हैण्डिल या दस्ता।

ਮੁੱਠੀ मुट्ठी Muṭṭhī [3] स्त्री०
मुष्टि (स्त्री०) मुट्ठी, मूंठ।

ਮੁੰਡ मुण्ड् Muṇḍ [1] पुं०
मुण्ड (वि०) मूंड़ा हुआ या गंजा शिर; माथा, मस्तक।

ਮੁੰਡਾ मुण्डा Muṇḍā [1] पुं०
मुण्ड (वि०) मनुष्य जिसका सिर मूंड़ा हुआ हो, मुण्डित।

ਮੁੰਡੀ मुण्डी Muṇḍī [2] स्त्री०
मुण्डक (नपुं०) मूंड़ा आ हुआ गंजा शिर; शिर, मस्तक।

ਮੁੰਡੀਆ मुण्डिआ Muṇḍiā [3] पुं०
मुण्डिन् (वि०) वैरागी, संन्यासी।

ਮੁੰਢ मुण्ढ् Muṇḍh [1] पुं०
द्र०—ਮੁੱਢ।

ਮੁੱਢ मुड्ढ् Muḍḍh [3] पुं०
मूर्धन् (पुं०) प्रारम्भ; उत्स।

ਮੁਣਸ मुणस् Muṇas [3] पुं०
मनुष्य (पुं०) मनुष्य, मानव।

ਮੁੱਥਾ मुत्था Muttha [3] पुं०
मुस्त (नपुं०, पुं०) मोथा, एक प्रकार की घास।

ਮੁਦ मुद् Mud [1] स्त्री०
मुद् (स्त्री०) मोद, प्रसन्नता, खुशी।

ਮੁਦਕਰ मुद्कर् Mudkar [1] पुं०
मुद्गर (पुं०) मुद्गर, काठ का बना हुआ एक प्रकार का दण्ड जो मूंठ की ओर पतला और आगे की ओर भारी होता है, गदा, मोगरा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੁੰਦਣਾ मुन्द्णा Mundṇā [3] सक० क्रि०
मुद्रयति (चुरादि सक०) बन्द करना, मूँदना।

ਮੁੰਦਰ मुन्दर् Mundar [1] पुं०
मुद्रा/मुद्रिका (स्त्री०) कर्णफूल, एक प्रकार का आभूषण; मुद्रिका, अँगूठी।

ਮੁੰਦਰਾ मुन्द्रा Mundrā [3] स्त्री०
द्र०—ਮੁੰਦਰ।

ਮੁੰਦਰਾਂ मुन्द्रां Mundrā̃ [3] स्त्री०
द्र०—ਮੁੰਦਰ।

ਮੁੰਦਰੀ मुन्द्री Mundrī [3] स्त्री०
मुद्रिका (स्त्री०) नाम या चिह्न खुदी हुई अँगूठी।

ਮੁੰਦੀ मुन्दी Mundī [2] स्त्री०
मुद्रा/मुद्रिका (स्त्री०) मुद्रिका, अँगूठी।

ਮੁੱਦਰਕਾ मुद्दर्का Muddarkā [1] स्त्री०
मुद्रिका (स्त्री०) मुद्रिका, अँगूठी जिस पर नाम या कोई चिह्न खुदा हुआ हो।

ਮੁਦਕਾ मुद्र्का Mudrkā [1] स्त्री०
द्र०—ਮੁੱਦਰਕਾ।

ਮੁੰਦ੍ਰਾ मुन्द्रा Mundrā [3] स्त्री०
द्र०—ਮੁੰਦਰ।

ਮੁਧਕਦ मुध्कर् Mudhkar [1] पुं०
द्र०—ਮੁਦਕਰ।

ਮੁਨਸ मुनस् Munas [1] पुं०
मनुष्य (पुं०) मनुष्य; पति।

ਮੁਨਸੜਾ मुनस्ड़ा Munasṛā [1] पुं०
द्र०—ਮੁਣਸ।

ਮੁੰਨਣ मुँनण् Mũnaṇ [3] सक० क्रि०
मुण्डति (भ्वादि सक०) मुण्डन करना, शिर मूँड़ना।

ਮੁੰਨਣਾ मुँन्णा Mũnṇā [3] सक० क्रि०
मुण्डति (भ्वादि सक०) मुण्डन करना, शिर मूँडना।

ਮੁਨਾਉਣਾ मुनाउणा Munāuṇā [3] क्रि०
मुण्डापयति (भ्वादि प्रेर०) मुँडवाना, मुण्डन की प्रेरणा देना।

ਮੁਨਿ मुनि Muni [3] पुं०
मुनि (पुं०) मुनि, ऋषि।

ਮੁਨਿਆਰ मुनिआर् Muniār [3] पुं०
द्र०—ਮਨਿਆਰ।

ਮੁਨਿਆਰਨ मुनिआरन् Muniāran [3] स्त्री०
द्र०—ਮਨਿਆਰ।

ਮੁਨਿਆਰਾ मुनिआरा Muniārā [2] सं०
द्र०—ਮਨਿਆਰ।

ਮੁਨਿਆਰੀ मुनिआरी Muniārī [3] वि०
मणिकारीय (वि०) मणिहार से संबन्धित।

ਮੁਨੀ मुनी Munī [3] पुं०
द्र०—ਮੁਨਿ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੁੰਮਾ मुम्मा Mummā [2] पुं०
द्र०—ਮੰਮਾ ।

ਮੁਮੁੱਖੂ मुमुक्खू Mumukkhū [1] वि०
मुमुक्षु (वि०) मुमुक्षु, मोक्ष-प्राप्ति का इच्छुक, बन्धन से छूटने का इच्छुक ।

ਮੁਰਲੀ मुर्ली Murlī [3] स्त्री०
मुरली (स्त्री०) मुरली, बंशी, बाँसुरी ।

ਮੁਰਾਰ मुरार् Murār [3] पुं०
मुरारि (पुं०) मुरारि, मुरा राक्षस के हन्ता श्रीकृष्ण ।

ਮੁਲੱਠੀ मुलट्ठी Mulaṭṭhī [3] स्त्री०
मधुयष्टि / मुलैठिका (स्त्री०) मुलट्ठी, मुलेठी, एक जड़ी ।

ਮੁਲਤਾਨ मुल्तान् Multān [3] पुं०
मूलत्राण (नपुं०) पंजाब के एक मण्डल का प्रधान नगर ।

ਮੁਲਾਂਕਣ मुलांकण् Mulāṁkaṇ [3] पुं०
मूल्याङ्कन (नपुं०) मूल्याङ्कन, किसी वस्तु के मूल्य को आंकने की प्रक्रिया ।

ਮੁਲਿਅੰਕਣ मुलिअंकण् Muliāṁkaṇ [1] पुं०
द्र०—ਮੁਲਾਂਕਣ ।

ਮੁੱਲ मुल्ल् Mull [3] पुं०
मूल्य (नपुं०) मूल्य, कीमत ।

ਮੁੱਲਵਾਨ मुल्लवान् Mullavān [3] पुं०
मूल्यवत् (वि०) मूल्यवान्, कीमती ।

ਮੂਸ मूस् Mūs [2] पुं०
द्र०—ਮੂਸਾ ।

ਮੂਸ਼ मूश् Mūś [2] पुं०
द्र०—ਮੂਸਾ ।

ਮੂਸਲ मूसल् Mūsal [3] पुं०
मुसल/मूसल (नपुं०, पुं०) मूसल, जिससे धान इत्यादि कूटा जाता है ।

ਮੂਸਲੀ मूस्ली Mūslī [3] स्त्री०
मुसली/मुसल (स्त्री०, पुं०, नपुं०) छोटा मूसल ।

ਮੂਸਾ मूसा Mūsā [2] पुं०
मूष (पुं०) मूसक, चूहा ।

ਮੂੰਹ मूँह् Mūh [3] पुं०
मुख (नपुं०) मुख, मुँह ।

ਮੂਹਰਲਾ मूहर्ला Mūharlā [1] वि०
द्र०—ਮੋਹਰਲਾ ।

ਮੂੰਹਾਂ मूंहाँ Mūhāṁ [2] पुं०
मुख (नपुं०) मुँहाना, नदी के दोनों ओर का वह भूभाग जहाँ वह नदी समुद्र में गिरती हो ।

ਮੂਗ मूग् Mūg [1] पुं०
मुद्ग (पुं०) मूँग, एक प्रकार का अन्न ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੂੰਗਲੀ मूँग्ली Mũgli [3] पुं०
मुद्गल (पुं०) मुद्गर, मोगरा, काठ का बना हुआ एक प्रकार का दण्ड जो मूंठ की ओर पतला और आगे की ओर मोटा तथा भारी होता है।

ਮੂੰਗੀ मूँगी Mũgī [3] स्त्री०
मुद्ग (पुं०) मूँग, एक प्रकार का अन्न।

ਮੂੰਡ मूंड् Mũṇd [2] पुं०
मुण्ड (वि०) मुड़ा हुआ शिर, माथा, मस्तक।

ਮੂਤ मूत् Mūt [3] पुं०
द्र०—ਮੂਤਰ।

ਮੂਤਣਾ मूत्णा Mūtṇā [2] अक० क्रि०
मूत्रयति (चुरादि सक०) मूतना, पेशाब करना।

ਮੂਤਨੀ मूत्नी Mūtnī [3] स्त्री०
मूत्रनाली (स्त्री०) मूत्रनाली, मूत्रेन्द्रिय।

ਮੂਤਰ मूतर् Mūtar [3] पुं०
मूत्र (नपुं०) मूत, मूत्र।

ਮੂਤਰਨਾ मूतर्ना Mūtarnā [3] अक० क्रि०
मूत्रयति (चुरादि अक०) मूतना, पेशाब करना।

ਮੂਤਰੀ मूत्री Mūtrī [3] स्त्री०
मूत्रिन् (वि०) मूत्रेन्द्रिय, मूत्र-नलिका।

ਮੂਤੀ मूती Mūtī [3] स्त्री०
द्र०—ਮੂਤਰ।

ਮੂਤ੍ਰਣ मूत्रण् Mūtraṇ [3] अक० क्रि०
मूत्रयति (चुरादि सक०) मूतना, मूत्र त्याग करना।

ਮੂਰਖਣੀ मूरख्णी Mūrakhṇī [3] स्त्री०
मूर्खा (स्त्री०) मूर्ख स्त्री।

ਮੂਰਖਤਾ मूरख्ता Mūrakhtā [3] स्त्री०
मूर्खता (स्त्री०) मूर्खता, बेवकूफी।

ਮੂਰਖਮੱਤ मूरखमत्त् Mūrakhmatt [3] पुं०
मूर्खमति (वि०) मूर्ख बुद्धि वाला, मन्द बुद्धि।

ਮੂਰਛਿਤ मूर्छित् Mūrchit [3] वि०
मूर्च्छित (वि०) मूर्च्छित, बेहोश।

ਮੂਰਤ मूरत् Mūrat [3] स्त्री०
मूर्ति (स्त्री०) मूर्ति; आकृति, सूरत।

ਮੂਰਤੀ मूर्ती Mūrtī [3] स्त्री०
मूर्ति (स्त्री०) मूर्ति, आकृति, सूरत।

ਮੂਰਤੀਕਾਰ मूर्तीकार् Mūrtīkār [3] पुं०
मूर्तिकार (वि०) मूर्तिकार, मूर्ति बनाने वाला।

ਮੂਰਤੀਪੂਜ मूर्तीपूज् Mūrtīpūj [3] पुं०
मूर्तिपूजक (वि०) मूर्तिपूजक, मूर्ति की पूजा करने वाला।

ਮੂਰਧਨੀ मूर्ध्नी Mūrdhnī [3] वि०
मूर्धन्य (वि०) मूर्धन्य, श्रेष्ठ; मूर्धा से उत्पन्न।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੂਰਧਾ मूर्धा Wūrdhā [2] पुं०
मूर्धन् (पुं०) मूर्धा, मस्तक, शिर।

ਮੂਰੀ मूरी Mūrī [3] स्त्री०
मूल (नपुं०) जड़; जड़ी-बूटी; किसी वस्तु के सबसे नीचे का भाग।

ਮੂਲ਼ मूळ् Mūḷ [3] पुं०
मूल (नपुं०) मूल, जड़; आधार।

ਮੂਲਕ मूलक् Mūlak [3] वि०
मौलिक (वि०) मौलिक, आरम्भिक।

ਮੂਲ਼ੀ मूळी Mūḷī [3] स्त्री०
मूली/मूलिका (स्त्री०) मूली, एक प्रकार का खाद्य व्यंजन।

ਮੂੜਮਤੀਆ मूड़्मतिआ Mūṛmatiā [3] वि०
मूढमति (वि०) मूर्ख, मन्द बुद्धि वाला।

ਮੂੜਮੱਤ मूड़्मत्त् Mūṛmatt [3] वि०
मूढमति (वि०) मूढ़मति, मन्द बुद्धि।

ਮੂੜ੍ਹ मूढ़् Mūṛh [3] पुं०
मूढ (वि०) मूढ, मूर्ख।

ਮੂੜ੍ਹਤਾ मूढ़्ता Mūṛhtā [3] स्त्री०
मूढता (स्त्री०) मूढ़ता, मूर्खता।

ਮੇਉ मेउ Meu [3] पुं०
मेद (पुं०) निषाद, वर्णसंकर जाति विशेष, मेवात का निवासी।

ਮੇਉਣੀ मेउणी Meuṇī [3] स्त्री०
मेदी (स्त्री०) निषाद जाति की स्त्री, वर्ण संकर जाति विशेष।

ਮੇਹਣਾ मेह्णा Mehṇā [3] अक० क्रि०
मेथति (भ्वादि सक०) निन्दा करना, भर्त्सना करना, तिरस्कार करना।

ਮੇਹਦਾ मेह्दा Mehdā [3] पुं०
मेदस् (नपुं०) मेदा, आमाशय।

ਮੇਹਰੂ मेह्रू Mehrū [3] पुं०
महिषरूप (पुं०) भैंसा।

ਮੇਹਾ मेहा Mehā [2] पुं०
मेघ (पुं०) मेघ, बादल।

ਮੇਖ मेख् Mekh [3] पुं०
मेष (पुं०) मेष, भेड़ा, मेढ़ा; मेष राशि।

ਮੇਖਲੀ मेख्ली Mekhlī [3] स्त्री०
मेखला (स्त्री०) मेखला, करधनी।

ਮੇਘ मेघ् Megh [3] पुं०
मेघ (पुं०) मेघ, बादल।

ਮੇਘਲਾ मेघ्ला Meghlā [2] पुं०
मेघ (पुं०) मेघ, बादल।

ਮੇਂਘਲਾ मेंघ्ला Mēghlā [1] पुं०
द्र०—ਮੇਘ।

ਮੇਘਾ मेघा Meghā [2] पुं०
द्र०—ਮੇਘ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੇਟਣਾ मेट्णा Meṭṇā [3] क्रि० स०
मोटति (भ्वादि सक०) मेटना, नाश करना।

ਮੇਂਡਕ मेंडक् Mĕḍak [3] पुं०
मण्डूक (पुं०) मेढक।

ਮੇਂਡਕੀ मेंड्की Mĕḍkī [3] स्त्री०
मण्डूकी (स्त्री०) मेढकी।

ਮੇਂਢੀ मेंढी Mĕḍhī [3] स्त्री०
मेण्ढी (स्त्री०) मेढी, भेंड़।

ਮੇਥਰਾ मेथ्रा Methrā [2] पुं०
मेथि / मेथिका / मेथिनी (स्त्री०) मेथी (पौधा या दाना), मेथी का दाना मसाले के काम में आता है।

ਮੇਥਰੀ मेथ्री Methrī [3] स्त्री०
द्र० —ਮੇਥੀ।

ਮੇਥੀ मेथी Methī [3] स्त्री०
मेथी/मेथिका/मेथिनी (स्त्री०) मेथी का पौधा या दाना।

ਮੇਥੇ मेथे Methe [3] पुं०
मेथि/मेथिक/मेथिनी (स्त्री०) मेथी का पौधा या दाना, मेथी का दाना जो मसाले के रूप में प्रयोग में लाया जाता है।

ਮੇਦ मेद् Med [1] स्त्री०
मेदस् (नपुं०) मेदा, आमाशय।

ਮੇਦਨੀ मेद्नी Medni [2] स्त्री०
मेदिनी (स्त्री०) पृथ्वी, धरती।

ਮੇਰਦੰਡ मेर्दण्ड् Merdaṇḍ [1] पुं०
मेरुदण्ड (पुं०, नपुं०) मेरुदण्ड, रीढ़।

ਮੇਰਾ मेरा Merā [3] सर्व०
मम (षष्ठ्यन्त सर्व०) मेरा।

ਮੇਰੁ मेरु Merū [3] पुं०
मेरु (पुं०) पुराणोक्त सोने का पर्वत; माला के बीच का मनका, जहाँ से जप प्रारंभ किया जाता है।

ਮੇਰੂ मेरू Merū [3] पुं०
द्र०—ਮੇਰੁ।

ਮੇਲ मेल् Mel [3] पुं०
मेल (पुं०) मेल-जोल, मित्रता; मुलाकात, संगम।

ਮੇਲਣ मेलण् Melaṇ [3] पुं०
मेलन (नपुं०) मिलाने का भाव।

ਮੇਲਣਾ मेल्णा Melṇā [3] सक० क्रि०
मेलयति (तुदादि प्रेर०) मिलाना।

ਮੇਲਾ मेला Melā [3] पुं०
मेला (स्त्री०) मेला; सभा, समाज।

ਮੇਲ੍ਹਣਾ मेल्ह्णा Melhṇā [3] क्रि०
मेलन (नपुं०) मस्ती में झूमना; मृदुल होना, पिघलना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੇੜ੍ਹ मेढ़् Meṛh [3] वि०
मिथुन (वि०) युगल, जोड़ी, दो का समूह।

ਮੈ[1] मैं Maĩ [3] स्त्री०
मद (पुं०) नशा; पागलपन; घमण्ड, अहङ्कार।

ਮੈ[2] मैं Maĩ [3] सर्व०
अहम् (सर्व० प्रथमान्त) मैं।

ਮੈਂਹਗਾ मैंह्गा Maĩhgā [3] वि०, पुं०
महर्घ (वि०) मँहगा, कीमती, मूल्यवान्।

ਮੈਂਹਾ मैंहा Maĩhā [2] पुं०
द्र०—ਮਹਿੰ।

ਮੈਣਾ मैणा Maiṇā [3] पुं०
मदना/मदनी (स्त्री०) बेल, पौधा विशेष।

ਮੈਣੀ मैणी Maiṇī [3] स्त्री०
द्र०—ਮੈਣਾ।

ਮੈਤਰੀ मैत्री Maitrī [3] स्त्री०
मैत्री (स्त्री०) मैत्री, मित्रता।

ਮੈਥੋਂ मैथों Maithõ [3] सर्व०
मत्तः (पञ्चम्यन्त) मुझसे।

ਮੈਨਾ मैना Mainā [3] स्त्री०
मदनसारिका (स्त्री०) मैना, सारिका।

ਮੈਰਾ मैरा Mairā [3] पुं०
मर्यादा (स्त्री०) नदी के तट की रेतीली और ऊँची जमीन।

ਮੈਲ मैल् Mail [3] पुं०
मल (नपुं०) मल, मैल, गन्दगी।

ਮੈਲਾ मैला Mailā [3] पुं०
मलिन (वि०) मलिन मैला।

ਮੋਇਆ मोया Moyā [3] पुं०
मृत (वि०) मृतक; मरा हुआ, एक प्रकार की गाली।

ਮੋਇਰ मोइर् Moir [1] पुं०
मयूर (पुं०) मोर पक्षी।

ਮੋਹ मोह् Moh [3] पुं०
मोह (पुं०) मोह, माया; भ्रम; नेह।

ਮੋਹਣਾ मोह्णा Mohṇā [3] सक० क्रि०
मोहयति (दिवादि प्रेर०) मोहित करना, आकर्षित करना।

ਮੋਹਰਲਾ मोहर्ला Moharlā [3] पुं०
मुखर (वि०) अग्रणी; मुखर।

ਮੋਹਰੀ मोह्री Mohrī [2] पुं०
द्र०—ਮੁਹਰੀ।

ਮੋਹਲਾ मोह्ला Mohlā [2] पुं०
द्र०—ਮੁਹਲਾ।

ਮੋਹਿਤ मोहित् Mohit [3] वि०
मोहित (वि०) मोहित, मोह-प्राप्त, लुभाया हुआ।

ਮੋਹੀ मोही Mohī [1] सर्व०
माम् (सर्व० द्वितीयान्त) मुझको या मुझे।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੋਹੇ मोहे Mohe [1] सर्व०
माम् (सर्व० द्वितीयान्त) मुझे, मुझको।

ਮੋਕਲਾ मोक्ला Moklā [3] वि०
मुक्त (वि०) मुक्त; शिथिल, ढीला; खुला; स्वतन्त्र।

ਮੋਖ मोख् Mokh [3] पुं०
मोक्ष (पुं०) मोक्ष, मुक्ति; छुटकारा।

ਮੋਖਸ਼ मोखश् Mokhaś [1] स्त्री०
द्र०—ਮੋਖ।

ਮੋਖਦੁਆਰ मोख्दुआर् Mokhduār [3] पुं०
मोक्षद्वार (नपुं०) मोक्ष का द्वार।

ਮੋਗਲਾ मोग्ला Moglā [1] पुं०
द्र०—ਮੁਗਲਾ।

ਮੋਚੀ मोची Mocī [3] पुं०
मोचिक (पुं०) मोची, चमार।

ਮੋਠ मोठ् Moṭh [3] पुं०
मुकुष्ठ / मकुष्ठ (पुं०) मोंठ नामक अन्न, वन-मूंग।

ਮੋਡਾ मोडा Moḍā [3] पुं०
मुण्डित (वि०) मुण्डन किया हुआ; साधु।

ਮੋਣ मोण् Moṇ [3] पुं०
मोदन (नपुं०) मोयन, आटा आदि में मिलाया जाने वाला घृतादि।

ਮੋਣਾ मोणा Moṇā [3] क्रि०
मोदयति (चुरादि प्रेर०) मिलाना, घृतादि मिलाकर मुलायम करना।

ਮੋਤੀ मोती Motī [3] पुं०
मौक्तिक (नपुं०) मोती।

ਮੋਥਰਾ मोथ्रा Mothrā [3] पुं०
मुस्त (नपुं०, पुं०) नागर मोथा, एक प्रकार की घास जो दवा के काम आती है।

ਮੋਥਾ मोथा Mothā [3] पुं०
मुस्त (नपुं०, पुं०) मोथा, एक प्रकार की घास।

ਮੋੱਥਾ मोत्था Motthā [3] पुं०
मुस्त (नपुं०, पुं०) मोथा, एक प्रकार की घास।

ਮੋਨ मोन् Mon [1] स्त्री०
मौन (नपुं०) मौन, चुप्पी, खामोशी।

ਮੋਨਵਰਤੀ मोन्वर्ती Monvartī [3] पुं०
मौनव्रतिन् (वि०) मौन-व्रती, मौन-व्रत धारण करने वाला।

ਮੋਨਾ मोना Monā [3] पुं०
मौण्डच (नपुं०, पुं०) मुण्डित, शिर के बाल मुड़ाया हुआ।

ਮੋਨੀ मोनी Monī [2] पुं०
मौनिन् (वि०) मौनी, मौन व्रत धारण करने वाला व्यक्ति या संन्यासी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੋਰ मोर् Mor [3] पुं०
मयूर (पुं०) मोर पक्षी।

ਮੋਰਛੜ मोर्छड़् Morchaṛ [3] पुं०
मयूरपिच्छ (नपुं०) मोर का पंख, मोर के पंख का चँवर।

ਮੋਰਝਲ मोर्झल् Morjhal [2] पुं०
द्र०—ਮੋਰਛੜ।

ਮੋਰਨੀ मोर्नी Mornī [3] स्त्री०
मयूरी (स्त्री०) मोरनी, मयूरी।

ਮੌਸ मौस् Maus [2] पुं०
अमावास्या (स्त्री०) अमावास्या तिथि, मावस।

ਮੌਲ मौल् Maul [1] पुं०
मुकुल (नपुं०) मुकुल, नई कोंपल, कली।

ਮੌਲਣਾ मौल्णा Maulṇā [3] अक० क्रि०
मुकुलयति (नामधातु अक०) खिलना, मुकुलित होना, विकसित होना।

ਮੌਲਿਕ मौलिक् Maulik [3] वि०
मौलिक (वि०) मौलिक; मुख्य, प्रधान; जो किसी की छाया, उलथा आदि न हो।

ਮੌਲਿਕਤਾ मौलिक्ता Mauliktā [3] स्त्री०
मौलिकता (स्त्री०) मौलिकता, प्रधानता।

ਮੰਗ मंग् Maṅg [3] पुं०,
मार्ग्य (वि०) मँगेतर, कोई वस्तु जो माँगी जाय, मांग।

ਮੰਗਣਾ मंग्णा Maṅgṇā [3] अक० क्रि०
मृग्यति (दिवादि सक०) माँगना; खोजना; पूछना।

ਮੰਗਣੀ मंग्णी Maṅgṇī [3] स्त्री०
मार्गण (नपुं०) माँगने, याचना करने या खोजने का भाव; सगाई।

ਮੰਗਨਾ मंग्ना Maṅgnā [3] पुं०
मार्गण (नपुं०) माँगने या खोजने का भाव।

ਮੰਗਲ मंगल् Maṅgal [3] वि०/पुं०
मङ्गल (वि० / नपुं० / पुं०) वि०—मंगल, शुभ। नपुं०—कुशल, आनन्द। पुं०—मंगल-ग्रह; ग्रह।

ਮੰਗਲਾ मंग्ला Maṅglā [1] पुं०
द्र०—ਮੰਗਲ।

ਮੰਗਲਾਰੀਂ मंग्लारीं Maṅglārī [1] क्रि० वि०
मङ्गलवारे (सप्तम्यन्त) मंगलवार को।

ਮੰਗਲਾਰੇਂ मंग्लारें Maṅglārē [1] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਗਲਾਰੀਂ।

ਮੰਗਾਲੈਂ मंगालैं Maṅgālaī [1] क्रि० वि०
द्र०—ਮੰਗਲਾਰੀਂ।

ਮੰਘਰ मंघर् Maṅghar [1] पुं०
द्र०—ਮੱਘਰ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੰਜਵਾਈ मंज्वाई Mañjvāī [3] स्त्री०
मार्जन (नपुं०) बर्तन इत्यादि माँजने या साफ करने का भाव ।

ਮੰਜਾ मंजा Mañjā [3] पुं०
मञ्च (पुं०) मंच, खाट, चारपाई ।

ਮੰਜਾਊ मंजाऊ Mañjāū [3] वि०
मार्जनीय (वि०) माँजने योग्य ।

ਮੰਜਾਈ मंजाई Mañjāī [3] स्त्री०
द्र०—ਮੰਜਵਾਈ ।

ਮੰਜੀ मंजी Mañjī [3] स्त्री०
मञ्चिका (स्त्री०) छोटी खाट, खटोला, मँचिया ।

ਮੰਜੀਠ मंजीठ् Mājīṭh [1] स्त्री०
द्र०—ਮਜੀਠ ।

ਮੰਜੀਠਾ मँजीठा Mājīṭhā [1] पुं०
मञ्जिष्ठ (नपु०) मजीठ; गहरा लाल रंग, मजीठ रंग ।

ਮੰਜੀਰਾ मँजीरा Mājīrā [3] पुं०
मञ्जीर (पुं०, नपुं०) झाँझ, मँजोरा, द्यवा-विशेष ।

ਮੰਜੂ मंजू Mañjū [1] पुं०
द्र०—ਮੰਜਾ ।

ਮੰਜੂਲਾ मँजूला Mājūlā [2] पुं०
मुञ्जपूलक (पुं०) मूँज का गट्ठर ।

ਮੰਝ मंझ् Mañjh [3] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) महिषी, भैंस ।

ਮੰਝਲਾ मंझ्ला Mañjhlā [3] वि०
द्र०—ਮਝਲਾ ।

ਮੰਝਾ मंझा Mañjhā [1] क्रि० वि०
मध्ये (क्रि० वि०) बीच में, मध्य में ।

ਮੰਝੀ मंझी Mañjhī [1] स्त्री०
महिषी (स्त्री०) महिषी, भैंस ।

ਮੰਝੋਲਾ मंझोला Mañjholā [2] वि०
द्र०—ਮਝਲਾ ।

ਮੰਝੋਲੀ मंझोली Mañjholī [2] स्त्री०
द्र०—ਮਝਲਾ ।

ਮੰਡਣਾ मण्डणा Maṇḍaṇā [3] सक० क्रि०
म्रदते (भ्वादि सक०) मलना, मालिश करना ।

ਮੰਡਪ मण्डप् Mṇḍap [3] पुं०
मण्डप (पुं०, नपुं०) मण्डप; छप्पर ।

ਮੰਡਲ मण्डल् Maṇḍal [3] पुं०
मण्डल (नपुं०) मण्डल, घेरा, अक्ष ।

ਮੰਡਲੀ मण्ड्ली Maṇḍlī [3] स्त्री०
मण्डल (नपुं०) सभा, मण्डली, टोली ।

ਮੰਡੁਆ मण्डुआ Maṇḍuā [3] पुं०
मण्डप (पुं०) मंडप, तम्बू ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੰਤਰ मन्तर् Mantar [3] पुं०
मन्त्र (पुं०) मन्त्र, वह शब्द या शब्द-समूह जिससे किसी देवता की सिद्धि या अलौकिक शक्ति की प्राप्ति होती है।

ਮੰਤਰੀ[1] मन्त्री Mantrī [3] पुं०
मान्त्रिक (वि०) मन्त्र का वेत्ता या प्रयोक्ता, तान्त्रिक।

ਮੰਤਰੀ[2] मन्त्री Mantrī [3] पुं०
मन्त्रिन् (पुं०) मंत्री, वज़ीर।

ਮੰਤਾ मन्ता Mantā [3] पुं०
मन्त्र (पुं०) मन्त्र।

ਮੰਥਣਾ मन्थ्णा Manthṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਮਥਣਾ।

ਮੰਦ मन्द् Mand [3] वि०
मन्द (वि०) मन्द, सुस्त; मन्द-बुद्धि; उदासीन, तटस्थ।

ਮੰਦਰ मन्दर् Mandar [3] पुं०
मन्दिर (नपुं०) मन्दिर, देवालय।

ਮੰਦਰਾ मन्दरा Mandarā [2] पुं०
मन्दार (पुं०) मदार, आक; इन्द्र के नन्दन-वन के पाँच वृक्षों में से एक वृक्ष।

ਮੰਦਲ[1] मन्दल् Mandal [1] पुं०
मर्दल (पुं०) मृदङ्ग के आकार का एक प्राचीन बाजा।

ਮੰਦਲ[2] मन्दल् Mandal [3] पुं०
द्र०—ਮੰਦਰਾ।

ਮੰਦਲੀਆ मँद्लिआ Mādliā [1] पुं०
मार्दलिक (वि०) ढोलकिया, ढोलक बजाने वाला।

ਮੰਦੜਾ मन्द्ड़ा Mandṛā [2] वि०
द्र०—ਮੰਦ।

ਮੰਦਾ मन्दा Mandā [3] पुं०
मन्द (वि०) सुस्त, धीमा; मन्द बुद्धि का; कमजोर; सस्ता।

ਮੰਦੀਲਰਾ मन्दील्रा Mandīlrā [1] पुं०
द्र०—ਮੰਦਲ[1]।

ਮੰਦੀਲਾ मन्दीला Mandīlā [1] पुं०
द्र०—ਮੰਦਲ[2]।

ਮੰਦ੍ मन्द्र् Mandr [1] पुं०
मन्त्र (पुं०) मन्त्र, वह शब्द या शब्द समूह जिससे किसी देवता की सिद्धि या आलौकिक शक्ति की प्राप्ति हो; जादू-टोना।

ਮੰਧਾਣੀ मन्धाणी Mandhāṇī [1] स्त्री०
द्र०—ਮਧਾਣਾ।

ਮੱਨ मन् Mann [3] पुं०
महदन्न (नपुं०) रोट, मोटा पूआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੱਨਣਾ मन्नणा Mannaṇā [3] सक० क्रि०
मन्यते (दिवादि सक०) स्वीकार करना, मनन करना; पूजना।

ਮੰਨੀ मन्नी Mannī [3] स्त्री०
द्र०—ਮੰਨ।

ਮ੍ਰਿਦ म्रिद् Mrid [1] वि०
मृदु (वि०) मृदु, कोमल, मुलायम।

ਯ

ਯਸ਼ यश् Yaś [3] पुं०
यशस् (नपुं०) यश, कीर्ति, बड़ाई।

ਯਹਿਣਾ यैह्णा Yaihṇā [3] सक० क्रि०
यभति (भ्वादि सक०) संभोग या मैथुन करना।

ਯਕ यक् Yak [3] वि०
एक (वि०) एक; 1।

ਯੱਕਾ यक्का Yakkā [3] वि०
एकल (वि०) अकेला; एकाकी।

ਯਖ यख् Yakh [3] पुं०
यक्ष (पुं०) यक्ष, देवजाति-विशेष।

ਯੱਗ यग्ग् Yagg [3] पुं०
यज्ञ (पुं०) यज्ञ, याग, पूजनादि।

ਯਜੁਰ यजुर् Yajur [3] पुं०
यजुस् (नपुं०) यजुर्वेद, यजुर्वेद संहिता के वे मन्त्र जो यज्ञ के समय पढ़े जाते हैं।

ਯਜੁਰਵੇਦ यजुर्वेद् Yajurved [3] पुं०
यजुर्वेद (पुं०) यजुर्वेद, वेदत्रयी में दूसरा वेद। यजुर्वेद की दो मुख्य शाखायें हैं—तैत्तिरीय या कृष्ण यजुर्वेद और वाजसनेयी अथवा शुक्ल यजुर्वेद।

ਯਜੁਰਵੇਦੀ यजुर्वेदी Yajurvedī [3] पुं०
यजुर्वेदिन् (वि०) यजुर्वेद का अध्येता या ज्ञाता, यजुर्वेद शाखा से संबद्ध।

ਯਤਨ यतन् Yatan [3] पुं०
यत्न (पुं०) यत्न, ऊद्योग; उपाय; परिश्रम।

ਯਤਿ यति Yati [3] स्त्री०
यति (स्त्री०) संगीत में विश्राम, छन्द में स्थायी या विराम, पाठच्छेद।

ਯਤੀ यती Yatī [3] पुं०
यति (पुं०) संन्यासी जिसने अपनी इन्द्रियों को अपने वश में कर रखा हो और जो सांसारिक जंजाल से विरक्त हो।

ਯਥਾਯੋਗ यथायोग् Yathāyog [3] क्रि० वि०
यथायोग्य (क्रि० वि०) यथोचित, योग्यतानुसार, मुनासिब।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਯਥਾਰਥ यथारथ् Yathārath [3] वि०
यथार्थ (वि०) यथार्थ, वास्तविक।

ਯੱਧਣਾ यद्धणा Yaddhṇā [2] सक० क्रि०
यभति (भ्वादि सक०) संभोग या मैथुन करना।

ਯਮ यम् Yam [3] पुं०
यम (पुं०) यमराज, मृत्यु के देवता, भूत-प्रेतादि का स्वामी।

ਯਾਤਰੀ यात्री Yātrī [3] वि०
यात्रिन् (वि०) यात्री, यात्रा करने वाला, मुसाफिर।

ਯਾਤਰੂ यात्रू Yātrū [3] पुं०
यात्रिन् (वि०) यात्री, यात्रा करने वाला, मुसाफिर।

ਯਾਰ यार् Yār [2] पुं०
जार (पुं०) उपपति; मित्र, दोस्त।

ਯਾਰਾਂ यारां Yārā̃ [2] वि०
एकादशन् (वि०) ग्यारह; 11 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਯਾਰੀ यारी Yārī [3] स्त्री०
जारीय (वि०) यारी, मित्रता।

ਯੁਕਤ युकत् Yukat [3] वि०
युक्त (वि०) संयुक्त, जुड़ा हुआ, मिला हुआ, सहित, संगत, उचित।

ਯੁਗ-ਪਲਟਾਊ युग्-पल्टाऊ Yug-Palṭāū [3] पुं०
युगप्रवर्तक (वि०) युग-प्रवर्तक, युग पुरुष।

ਯੁਗਮ युगम् Yugam [3] वि०/पुं०
युग्म (वि०/नपुं०) वि०—दो की संख्या वाला (व्यक्ति, पदार्थ आदि)। नपुं—जोड़ा, युगल।

ਯੁੱਧ-ਖੇਤਰ युद्ध-खेतर् Yuddh-Khetar [3] पुं०
युद्धक्षेत्र (नपुं०) युद्ध-क्षेत्र, लड़ाई का मैदान।

ਯੁਵਕ युवक् Yuvak [3] पुं०
युवक (पुं०) युवा, जवान।

ਯੁਵਕੀ युव्की Yuvkī [3] स्त्री०
युवती (स्त्री०) युवती, युवा स्त्री।

ਯੋਗਕ योगक् Yogak [3] वि०
यौगिक (वि०) यौगिक, संयुक्त; योग-संबन्धी।

ਯੋਗਤਾ योग्ता Yogtā [3] स्त्री०
योग्यता (स्त्री०) योग्यता, क्षमता।

ਯੋਜਨ योजन् Yojan [3] पुं०
योजन (नपुं०) योजन, मार्ग का एक माप, चार कोश।

ਯੋਧਾ योधा Yodhā [3] पुं०
योद्धृ (वि०) युद्ध करने वाला, लड़ाकू वीर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਯੰਤਰਕ यंत्रक् Yantrak [3] वि०
यान्त्रिक (वि०) यन्त्र-संबन्धी।

ਯੰਤਰਾਤਮਕ यन्तरात्मक् Yantarātmak [3] वि०
यन्त्रात्मक (वि०) यन्त्र रूप, यन्त्रमय।

ਰ

ਰਉ रउ Rau [3] पुं०
रय (पुं०) वेग; जल-प्रवाह; नदी।

ਰਉਣਾ रउणा Rauṇā [2] अक० क्रि०
रमते (भ्वादि अक०) रमण करना, विहार करना; लीन होना।

ਰਸ रस् Ras [3] पुं०
रस (पुं०) रस; सार-तत्त्व; द्रव पदार्थ; प्रेम; प्रीति।

ਰਸਕਸ रस्कस् Raskas [3] पुं०
षड्रस (पुं०) (कषाय इत्यादि) छः रस।

ਰਸਗੁੱਲਾ रस्गुल्ला Rasgullā [3] पुं०
रसगोलक (पुं०) रसगुल्ला, पनीर की एक मिठाई।

ਰਸੱਗ रसग्ग् Rasagg [3] पुं०
रसज्ञ (वि०) रस-ज्ञ ता, रस-मर्मज्ञ, रसिक, सहृदय।

ਰਸਣਾ रस्णा Rasṇā [3] अक० क्रि०
रसयते (चुरादि अक०) रस युक्त होना; रिसना।

ਰਸਨ रसन् Rasan [3] स्त्री०
रसना (स्त्री०) रसना, जिह्वा, जीभ।

ਰਸਪਤੀ रस्पती Raspatī [3] पुं०
रसपति (पुं०) रस के स्वामी; वरुण; जीभ।

ਰਸਪੂਰਣ रस्पूरण् Raspūraṇ [1] वि०
रसपूर्ण (वि०) रसमय, रस से भरा।

ਰਸ-ਭਰਿਆ रस्भर्या Rasbharyā [3] वि०
रसभरित (वि०) रस से भरा, रसपूर्ण।

ਰਸਭਿੰਨੜਾ रस्भिन्ड़ा Rasbhinṇṛā [3] वि०
रसभिन्न (वि०) रस से भरा रसपूर्ण।

ਰਸਭਿੰਨਾ रस्भिना Rasbhinnā [3] वि०
द्र० -ਰਸਭਿੰਨੜਾ।

ਰਸਮਈ रस्मई Rasmaī [3] वि०
रसमय (वि०) रसीला, रसमय।

ਰਸਮੱਤਾ रस्मत्ता Rasmattā [3] वि०
रसमत्त (वि०) रस में मग्न, रस में सराबोर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਸਲ रसल् Rasal [1] वि०
रसाल (वि०) रसीला, रस वाला।

ਰਸਵਤੀ रस्वती Rasvatī [3] स्त्री०
रसवती (स्त्री०) रस वाली, रस से युक्त।

ਰਸਵੰਤ रस्वन्त् Rasvant [3] पुं०
रसवत् (वि०) रसवाला, रस से भरा।

ਰਸਾ रसा Rasā [3] पुं०
रस (पुं०) रस, सत्त्व, द्रव-पदार्थ।

ਰਸਾਉਣਾ रसाउणा Rasāuṇā [3] सक० क्रि०
रसयति (चुरादि सक०) रस से भरना, आनन्दित करना।

ਰਸਾਇਣ रसाइण Rasāiṇ [3] स्त्री०
रसायन (नपुं०) रसायन-शास्त्र।

ਰਸਾਇਣਕ रसाइणक् Rasāiṇak [3] वि०
रासायनिक (वि०) रसायन-संबन्धी।

ਰਸਾਇਣੀ रसाइणी Rasāiṇī [3] पुं०
रासायनिक (वि०) रसायन-विद्, रसायन-शास्त्र का ज्ञाता।

ਰਸਾਕ रसाक् Rasāk [2] वि०
रसदायक (वि०) रसदाता, रस देने वाला।

ਰਸਾਤਮਕਤਾ रसात्मक्ता Rasātmaktā [3] स्त्री०
रसात्मकता (स्त्री०) रस-रूपता, रसमयता।

ਰਸਾਲੂ रसालू Rasālū [3] वि०
रसाल (वि०) रसदार, रसयुक्त।

ਰਸਿਕ रसिक् Rasik [3] पुं०
रसिक (वि०) रसिया, रस-ज्ञाता, गुण-ग्राही, सहृदय, भावुक।

ਰਸੀਆ रसिया Rasiā [3] पुं०
रसिक (पुं०) रसिक, रसिया।

ਰਸੀਣ रसीण् Rasīṇ [3] वि०
रसलीन (वि०) रस में लीन।

ਰਸੋਈ रसोई Rasoī [3] स्त्री०
रसवती (स्त्री०) रसोई, भाजनालय।

ਰਸੌਂਤ रसौंत् Rasaūt [3] पुं०
रसोद्भूत (नपुं०) दारुहल्दी, ओषधि-विशेष।

ਰੱਸਾ रस्सा Rassā [3] पुं०
रश्मि (पुं०) मोटी रस्सी, रस्सा, डोर।

ਰੱਸੀ रस्सी Rassī [3] स्त्री०
रश्मि (पुं०) रस्सी, पतली रस्सी।

ਰਹੱਸ रहस्स् Rahass [3] पुं०
रहस्य (नपुं०) रहस्य, गुप्त विषय या वार्ता।

ਰਹੱਸਮਈ रहस्समई Rahassamaī [3] वि०
रहस्यमय (वि०) रहस्यमय, गुप्त भेद-सहित।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਹੱਸਵਾਦ रहस्सवाद् Rahassavād [3] पुं०
रहस्यवाद (पुं०) रहस्यवाद, हिन्दी काव्य की एक विधा।

ਰਹੱਸਵਾਦੀ रहस्सवादी Rahassavādī [3] पुं०
रहस्यवादिन् (वि०) रहस्यवादी, रहस्यवाद का अनुयायी।

ਰਹੱਸਾਤਮਕ रहस्सात्मक् Rahassātmak [3] क्रि०
रहस्यात्मक (वि०) रहस्यमय, गोपनीय।

ਰਹਿਣਾ रहिणा Rahiṇā [3] अक० क्रि०
रहति (भ्वादि अक०) रह जाना, शेष बचना; त्यक्त होना; निवास करना।

ਰਹਿਲ रहिल् Rahil [2] स्त्री०
रेखा (स्त्री०) रेखा, लकीर।

ਰਹਿਲਾ रहिला Rahilā [1] पुं०
रथ (पुं०) गाड़ी, ताँगा, एक्का।

ਰਹਿਲੀ रहिली Rahilī [1] स्त्री०
द्र०—ਰਹਿਲਾ।

ਰਹੁ रहु Rahu [3] स्त्री०
रस (पुं०) रस, गन्ने आदि का रस, द्रव के रूप में तत्त्व या सार।

ਰਕਤ रकत् Rakat [3] वि०/पुं०
रक्त (वि०/नपुं०) वि०—लाल रंग वाला, अनुरक्त। नपुं०—लहु, खून, रुधिर।

ਰਖਸ਼ਾਬੰਧਨ रख्शाबन्धन् Rakhśābandhan [3] पुं०
रक्षाबन्धन (नपुं०) रक्षाबन्धन, राखी।

ਰਖਪਾਲ रख्पाल् Rakhpāl [1] पुं०
रक्षपाल (वि०) रखवारा, रक्षक।

ਰਖਵਈਆ रख्वैया Rakhvaiyā [3] वि०
द्र०—ਰੱਖਿਅਕ।

ਰਖਵਾਲ रख्वाल् Rakhvāl [3] वि०
द्र०—ਰਖਵਾਲਾ।

ਰਖਵਾਲਾ रख्वाला Rakhvālā [3] पुं०
रक्षपाल (पुं०) रखवाला, चौकीदार।

ਰਖੇਣ रखेण् Rakheṇ [3] पुं०
रक्षणे (नपुं० सप्तम्यन्त) रक्षा करने में।

ਰੱਖ रक्ख् Rakkh [3] स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) रक्षा-सूत्र या यन्त्र; रखने का भाव।

ਰੱਖਣਾ रक्ख्णा Rakkhṇā [3] सक० क्रि०
रक्षति (भ्वादि सक०) रखना, रक्षा करना।

ਰੱਖਣੀ रक्ख्णी Rakkhṇī [3] स्त्री०
रक्षण (नपुं०) रक्षा सम्मान; पालन।

ਰੱਖੜੀ रक्ख्ड़ीं Rakkhṛī [3] स्त्री०
रक्षणी (स्त्री०) रक्षा-सूत्र जो कलाई पर बाँधी जाती है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰੱਖਿਅਕ रक्ख्यक् Kakkhyak [3] वि०
रक्षक (वि०) रखवाला, रक्षा करने वाला।

ਰੱਖਿਅਤ रक्ख्यत् Rakkhyat [3] वि०
रक्षित (वि०) रक्षा से युक्त, सुरक्षित।

ਰੱਖਿਆ रक्ख्या Rakkhyā [3] स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) सुरक्षा, बचाने की क्रिया।

ਰੱਖਿਆਮੰਤਰੀ रक्ख्यामन्त्री Rakkhyāmantrī [3] पुं०
रक्षामन्त्रिन् (वि०) रक्षामन्त्री।

ਰਗੜਨਾ रगड़्ना Ragaṛnā [3] सक० क्रि०
रदति (भ्वादि सक०) रगड़ना, छीलना,

ਰਗੜਾਉਣਾ रगड़ाउणा Ragṛāuṇā [3] सक० क्रि०
रदयति (भ्वादि प्रेर०) रगड़ने, छीलने या घीसने का काम करवाना, रगड़वाना, छिलवाना, घिसवाना।

ਰਚ रच् Rac [3] स्त्री०
रचना (स्त्री०) रचना, निर्माण; रची हुई वस्तु।

ਰਚਣ रचण् Racaṇ [3] स्त्री०
रचना (स्त्री०) कृति, निर्माण।

ਰਚਣਾ रच्णा Racṇā [3] सक० क्रि०
रचयति (चुरादि सक०) रचना, निर्माण करना, तैयार करना; लिखना, निबन्धादि रचना।

ਰਚਨਾਕਾਰ रच्नाकार् Racnākār [3] वि०/पुं०
रचनाकार (वि०/पुं०) वि०—रचना करने वाला। पुं०—परमात्मा।

ਰਚਨਾਕਾਰੀ रच्नाकारी Racnākārī [3] स्त्री०
रचनाकारिता (स्त्री०) रचना करने वाले का काम।

ਰਚਿਤ रचित् Racit [3] वि०
रचित (वि०) रचा हुआ, निर्मित; लिखित।

ਰਚੇਤਾ रचेता Racetā [3] पुं०
रचयितृ (वि०) रचयिता, रचनाकार; निर्माता; लेखक।

ਰਛਪਾਲ रछ्पाल् Rachpāl [3] पुं०
रक्षपाल (वि०) रक्षक, रक्षा करने वाला; पहरेदार, चौकीदार।

ਰਛਪਾਲਕ रछ्पालक् Rachpālak [3] पुं०
रक्षपालक (वि०) रक्षा करने वाला, रक्षक।

ਰਛਾਣੀ रछाणी Rachāṇī [3] स्त्री०
रथ्यधानी (स्त्री०) नाई के औजार रखने की पेटी।

ਰਛਿਆ रछिआ Rachiā [3] स्त्री०
द्र०—ਰੱਛਾ।

ਰੱਛ[1] रच्छ् Racch [3] पुं०
रक्षस् (नपुं०) राक्षस, दानव, निशाचर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰੱਛ² रच्छ् Racch [3] पुं०
रक्षा/रक्ष (स्त्री०/पुं०) सुरक्षा, बचाव, रखवाली।

ਰੱਛ³ रच्छ् Racch [3] पुं०
रथ्य (वि०) राछ जिससे कपड़ा बुना जाता है।

ਰੱਛਕ रच्छक् Racchak [1] पुं०
रक्षक (वि०) रक्षक, रक्षा करने वाला।

ਰੱਛਾ रच्छा Racchā [3] स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) रक्षासूत्र, राखी जो कलाई पर बाँधी जाती है।

ਰਜਵਾੜਾ रज्वाड़ा Rajvāṛā [3] पुं०
राज्यवाट (पुं०) राज्य की सीमा, राज्य-भाग; राज्य चलाने वाला, जागीरदार।

ਰਜਾਉਣਾ रजाउणा Rajāuṇā [3] सक० क्रि०
रञ्जयति (भ्वादि प्रेर०) तृप्त करना, संतुष्ट करना।

ਰਜਾਈ रजाई Rajāī [3] स्त्री०
राजाज्ञा (स्त्री०) राजाज्ञा, राजा का आदेश।

ਰਜੂਹ रजूह् Rajūh [3] पुं०
रुचि (स्त्री०) रुचि, अभिरुचि, इच्छा, अभिलाषा; झुकाव, प्रवृत्ति।

ਰਜੋਗੁਣ रजोगुण् Rajoguṇ [3] पुं०
रजोगुण (पुं०) तीन गुणों में से दूसरा गुण, रजोगुण।

ਰੱਜ रज्ज् Rajj [3] पुं०
रक्ति (स्त्री०) तृप्ति, सन्तोष।

ਰੱਜਣ रज्जण् Rajjaṇ [3] अक० क्रि०
रज्यते (दिवादि अक०) तृप्त होना, सन्तुष्ट होना।

ਰੱਜਣਾ रज्जणा Rajjṇā [3] अक० क्रि०
रज्यते (दिवादि अक०) तृप्त होना, सन्तुष्ट होना।

ਰਟ रट् Raṭ [3] स्त्री०
रट/रटन (पुं०/नपुं०) किसी बात को बार-बार रटने का भाव।

ਰਟਣਾ रट्णा Raṭṇā [3] सक० क्रि०
रटति (भ्वादि सक०) रटना, बार-बार दुहराना; चीख मारना।

ਰਟੰਤ रटन्त् Raṭant [1] वि०
रटित (वि०) कण्ठस्थ, रटा हुआ।

ਰਠੌਰ रठौर् Raṭhaur [3] पुं०
राष्ट्रमौलि (पुं०) रियासत का मुकुट; राजपूतों की एक जाति।

ਰਣ रण् Raṇ [3] पुं०
रण (नपुं०, पुं०) रण, संग्राम, लड़ाई का मैदान।

ਰਣਕ रणक् Raṇak [3] स्त्री०
रणक (पुं०) नूपुर आदि की झंकार।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਣਕਣਾ रणक्णा Raṇakṇā [2] अक० क्रि०
रणति (भ्वादि अक०) रुनझुन का शब्द करना, झुनझुनाना, नूपुर आदि की झंकार होना।

ਰਣ-ਖੇਤਰ रण्-खेतर् Raṇ-Khetar [3] पुं०
रणक्षेत्र (नपुं०) रण-भूमि, युद्ध का मैदान।

ਰਣ-ਖੰਭਾ रण्-खम्भा Raṇ-Khambhā [3] पुं०
रणस्कम्भ/रणस्तम्भ (पुं०) वह स्तम्भ विशेष, जिस पर लड़ाई के समय झंडा झूलता है।

ਰਣ-ਚੰਡੀ रण्-चण्डी Raṇ-Caṇḍī [3] स्त्री०
रणचण्डी (स्त्री०) युद्ध की देवी, दुर्गा; तलवार, खड्ग।

ਰਣਜੀਤ रण्जीत् Raṇjīt [3] वि०
रणजित (वि०) रण या युद्ध जीतने वाला।

ਰਣ-ਜੇਤੂ रण्जेतू Raṇ-Jetū [3] पुं०
रणजेतृ (वि०) रण जेता, युद्ध जीतने वाला।

ਰਣ-ਧੀਰ रण्-धीर् Raṇ-Dhīr [3] पुं०
रणधीर (वि०) रण में धैर्य धारण करने वाला, बहादुर व्यक्ति।

ਰਣ-ਭੂਮੀ रण्-भूमी Raṇ-Bhūmī [3] स्त्री०
रणभूमि (स्त्री०) रण-स्थल, युद्ध-क्षेत्र, संग्राम-क्षेत्र।

ਰਣ-ਯੋਧਾ रण्योधा Raṇ-Yodhā [3] पुं०
रणयोद्धृ (वि०) रण योद्धा, शूर-वीर।

ਰਤ रत् Rat [3] स्त्री०
रात्रि (स्त्री०) रात, रात्रि, निशा।

ਰਤਜਾਗਾ रत्जागा Ratjāgā [3] पुं०
रात्रिजागरा (स्त्री०) रात्रि-जागरण, रात में जागने की क्रिया।

ਰਤਨ रतन् Ratan [3] पुं०
रत्न (नपुं०) रत्न, बहुमूल्य छोटे और चमकीले पत्थर।

ਰਤਨ-ਮਾਲਾ रतन्-माला Ratan-Mālā [3] स्त्री०
रत्नमाला (स्त्री०) रत्नों की माला, मणि-माला।

ਰਤਨੀ रत्नी Ratnī [3] पुं०
रत्निन् (वि०) रत्नों वाला।

ਰਤੀ रती Ratī [3] स्त्री०
रति (स्त्री०) अनुराग, प्रेम; सम्भोग, काम-क्रीड़ा; कामदेव की पत्नी।

ਰਤੌਂਧਾ रतौंधा Rataūdhā [2] पुं०
रात्र्यन्ध (वि०) जिसे रात में दिखाई न पड़े, रतौंधी से युक्त।

ਰਤੌਂਧੀ रतौंधी Kataūdhī [3] स्त्री०
रात्र्यान्ध्य (नपुं०) रतौंधी, नेत्र का रोग-विशेष।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰੱਤ रत्त् Ratt [3] पुं०
रक्त (नपुं० / वि०) नपुं०—रक्त, खून, लहू। वि०—लाल, रञ्जित।

ਰੱਤ-ਹੀਣ रत्त्-हीण् Ratt-Hīṇ [3] वि०
रक्तहीन (वि०) रक्तहीन, विना रक्त के; दुर्बल।

ਰੱਤੜਾ रत्तड़ा Rattaṛā [3] पुं०
रञ्जित (वि०) लाल रंग से रंगा हुआ, रंगीन।

ਰੱਤਾ रत्ता Rattā [3] वि०/पुं०
रक्त (वि०/नपुं०) वि०—रञ्जित, लाल। नपुं०—रक्त वर्ण।

ਰੱਤੀ रत्ती Rattī [3] स्त्री०
रक्तिका (स्त्री०) रत्ती, गुञ्जा, घुंघची; एक माप।

ਰਥ रथ् Rath [3] पुं०
रथ (पुं०) रथ, यात्रा या युद्धोपयोगी प्राचीन कालीन एक सवारी, जिसमें घोड़े जुते होते हैं।

ਰਥਵਈਆ रथ्वैया Rathvaiyā [3] पुं०
द्र०—ਰਥਵਾਹ।

ਰਥਵਾਹ रथ्वाह् Rathvāh [3] पुं०
रथवाहक (वि०) रथ चलाने वाला, सारथि।

ਰਥਵਾਹੀ रथ्वाही Rathvāhī [3] पुं०
रथवाहिन् (वि०) रथ चलाने वाला, रथवाहक।

ਰਥਵਾਹੀਆ रथ्वाह्या Rathvāhyā [3] पुं०
द्र०—ਰਥਵਾਹ।

ਰਥਵਾਨ रथ्वान् Rathvān [3] पुं०
रथवत् (वि०) रथवाला, रथी।

ਰਮਣਾ रम्णा Ramṇā [3] अक० क्रि०
रमते (भ्वादि सक०/अक०) सक०—रमण या संभोग करना। अक०—क्रीडा करना, खेलना; विचरना।

ਰਮਣੀਕ रम्णीक् Ramṇīk [3] वि०
रमणीक (वि०) मनोरम, सुन्दर।

ਰਮਣੀਕਤਾ रम्णीक्ता Ramṇīktā [3] स्त्री०
रमणीयता (स्त्री०) रमणीयता, सुन्दरता।

ਰਮਨਾ रम्ना Ramnā [3] स्त्री०
रमणा (स्त्री०) रमणी, स्त्री।

ਰਮਾਉਣਾ रमाउणा Ramāuṇā [1] प्रेर० क्रि०
रमयति (भ्वादि प्रेर०) समा जाना; रमाना।

ਰਮਾਇਣ रमाइण् Ramāiṇ [3] स्त्री०
रामायण (नपुं०) श्रीमद्वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण-ग्रन्थ।

ਰਵਾ रवा Ravā [3] पुं०
रव (पुं०) पशुओं की नस्ल; सूजी आदि का कण।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਵਾਂਹ रवाँह् Ravãh [3] पुं०
राजमाष (पुं०) राजमा—अन्नविशेष, राजमाष।

ਰਵਿੰਦ रविन्द् Ravind [3] पुं०
रवीन्द्र (पुं०) रवि और इन्दु, सूर्य-चन्द्र।

ਰਾਉ राउ Rāu [2] पुं०
द्र०—ਰਾਇ।

ਰਾਇ राइ Rāi [3] पुं०
राजन् (पुं०) राजा, नृप।

ਰਾਈ राई Rāī [3] स्त्री०
राजिका (स्त्री०) राई, सरसों की जाति का एक अन्न।

ਰਾਸ[1] रास् Rās [3] स्त्री०
राशि (पुं०) राशि, ढेर, पुञ्ज।

ਰਾਸ[2] रास् Rās [3] पुं०
रास (पुं०) कोलाहल, शोरगुल, हल्ला; रासलीला, गोपों की प्राचीन काल की कीड़ा, जिसमें वे सब मण्डल बना कर एक साथ नाचते थे।

ਰਾਕਸ਼ राकश् Rākaś [3] पुं०
राक्षस (पुं०) राक्षस, दैत्य, निशाचर।

ਰਾਖ राख् Rākh [2] स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) राख, भस्म।

ਰਾਖਸ਼ राखश् Rākhaś [3] पुं०
द्र०—ਰਾਕਸ਼।

ਰਾਖਸ਼ਣੀ राख्शणी Rākhśaṇī [3] स्त्री०
राक्षसी (स्त्री०) राक्षसी, दानवी।

ਰਾਖਸੀ राख्सी Rākhsī [3] वि०
राक्षसीय (वि०) राक्षसी, राक्षस-संबन्धी।

ਰਾਖਣ-ਹਾਰ राखण्-हार् Rākhaṇ-Hār [1] पुं०
रक्षाकार (वि०) राखनहार, रक्षा करने वाला।

ਰਾਖਾ राखाँ Rākhā [3] पुं०
रक्षक (वि०) रखवाली करने वाला, रखवाला।

ਰਾਗ राग् Rāg [3] पुं०
राग (पुं०) संगीत-संबन्धी राग।

ਰਾਗਣੀ राग्णी Rāgṇī [3] स्त्री०
रागिणी (स्त्री०) संगीत-संबन्धी रागिनियाँ, जिनकी संख्या 30 या 36 है।

ਰਾਗ-ਦਵੈਖ राग्-द्वैख् Rāg-Dvaikh [3] पुं०
रागद्वेष (पुं०) राग-द्वेष, अनुराग-विरोध।

ਰਾਂਗਾ राँगा Rãgā [3] पुं०
द्र०—ਰਾਂਗ।

ਰਾਜ राज् Rāj [3] पुं०
राज्य (नपुं०) वह देश जिसमें एक राज्य का शासन हो, शासन, हुकूमत।

CC-0: Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਾਜ-ਸੱਤਾ राज्-सत्ता Rāj-Sattā [3] स्त्री०
राजसत्ता (स्त्री०) राज्य-शासन, राज्याधिकार।

ਰਾਜਹੰਸ राज्हंस Rājhans [2] पुं०
राजहंस (पुं०) राजहंस, एक प्रकार का हंस, जिसे सुवर्ण पक्षी भी कहते हैं।

ਰਾਜਕੀ राज्की Rājkī [3] वि०
राजकीय (वि०) शासक या राज्यसत्ता से संबन्धित, शासकीय।

ਰਾਜਕੁਆਰੀ राजकुआरी Rājkuārī [3] स्त्री०
राजकुमारी (स्त्री०) राजकुमारी।

ਰਾਜਜੋਗ राज्जोग Rājjog [3] पुं०
राजयोग (पुं०) ग्रहों का एक योग, जिसके जन्म-कुण्डली में पड़ने से राजा या राजा के तुल्य फल होता है; राज्य होने पर भी उदासीन रहने का भाव।

ਰਾਜਜੋਗੀ राज्जोगी Rājjogī [3] पुं०
राजयोगिन् (वि०/पुं०) वि०—सांसारिक सुख होने पर भी विरक्त रहने वाला व्यक्ति। पुं०—राजयोगी।

ਰਾਜਦੁਆਰ राज्दुआर् Rājduār [3] पुं०
राजद्वार (नपुं०) राज-दरबार, राजमहल की ड्योढ़ी, कचहरी।

ਰਾਜ-ਦੰਡ राज-दण्ड् Rāj-Daṇḍ [3] पुं०
राजदण्ड (पुं०, नपुं०) राजदण्ड, सरकारी दण्ड।

ਰਾਜ-ਧਰੋਹ राज्-धरोह् Rāj-Dharoh [3] पुं०
राजद्रोह (पुं०) राज-द्रोह, बगावत, ऐसा काम, जिससे राजा या राज्य के अनिष्ट की संभावना है।

ਰਾਜ-ਧਰੋਹੀ राज्धरोही Rāj-Dharohī [3] पुं०
राजद्रोहिन् (वि०) राजद्रोही, बागी।

ਰਾਜਧਾਨੀ राज्धानी Rājdhānī [3] स्त्री०
राजधानी (स्त्री०) राजधानी, वह प्रधान नगर जहाँ किसी देश का राजा या शासक निवास करे।

ਰਾਜਨੀਤਿਕ राजनीतिक् Rājnītik [3] वि०
राजनीतिक (वि०) राजनीति-ज्ञाता; राजनीति से संबन्धित।

ਰਾਜਪਤ राजपत् Rajpat [1] पुं०
राज्यपति (वि०) राज्य का स्वामी, राजा।

ਰਾਜਪਤੀ राज्पती Rājpatī [3] पुं०
द्र०—ਰਾਜਪਤ।

ਰਾਜਬੰਸੀ राज्बंशी Rājbansī [3] वि०
राजवंशीय (वि०) राजकुल से संबन्धित।

ਰਾਜਰੋਗ राज्रोग् Rājrog [3] पुं०
राजरोग (पुं०) राजरोग, यक्ष्मा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਾਠ राठ् Rāṭh [3] पुं०
राष्ट्रकूट (पुं०) राजपूतों की एक जाति; ऐंठू, बहादुर पुरुष।

ਰਾਂਡ राँड Rāḑ [1] स्त्री०
द्र०—ਰੰਡ।

ਰਾਣਾ राणा Rāṇā [3] पुं०
राजन्य (पुं०) राजा; प्रमुख, मुखिया; गोत्र-विशेष।

ਰਾਣੀ राणी Rāṇī [3] स्त्री०
राज्ञी (स्त्री०) रानी, राजा की पत्नी।

ਰਾਤ रात् Rāt [3] स्त्री०
रात्रि/रात्री (स्त्री०) रात, निशा, रजनी।

ਰਾਤੜੀ रातड़ी Rāṭṛī [1] स्त्री०
रात्रि/रात्री (स्त्री०) रात, निशा, रजनी।

ਰਾਤਾ राता Rātā [3] वि०
रक्तक (वि०) लाल, रक्त; लाल वर्ण का वस्त्र आदि।

ਰਾਤੀਂ रातीं Ratī [3] क्रि० वि०
रात्रिं/रात्रीम् (स्त्री० द्वितीयान्त) रात को, रात में।

ਰਾਤੇ राते Rāte [3] क्रि० वि०
रात्रौ (क्रि० वि०, अधि०) रात में, रात के समय।

ਰਾਮ राम् Rām [3] पुं०
राम (पुं०) राम, परमात्मा; व्यापक, विभु।

ਰਾਮਸਨੇਹੀ रामसनेही Rāmsanehī [3] पुं०
रामस्नेहिन् (पुं०) रामस्नेही संप्रदाय या उसका साधु।

ਰਾਲ[1] राल् Rāl [3] स्त्री०
लाला (स्त्री०) लार, लालारस; थूक।

ਰਾਲ[2] राल् Rāl [3] स्त्री०
राल (पुं०) धूना, राल।

ਰਾਵੀ रावी Rāvī [3] स्त्री०
इरावती (स्त्री०) रावी नदी।

ਰਾੜ राड़ Rāṛ [3] स्त्री०
राटि (स्त्री०) रार, झगड़ा।

ਰਿਉਹ रिउह् Riuh [2] पुं०
इक्षुरस (पुं०) गन्ने का रस; रस।

ਰਿਆਇਤਾ र्याइता Ryāitā [3] स्त्री०
राजिकाक्त (नपुं०) रायता, राई (सरसों), दही, लौकी इत्यादि से निर्मित खाद्य पदार्थ।

ਰਿਸ਼ਟ रिषट् Riṣaṭ [3] वि०
रिष्ट (वि०) त्रुटित, भग्न, खोया हुआ।

ਰਿਸ਼ਟ-ਪੁਸ਼ਟ रिषट्-पुषट् Riśaṭ Puṣaṭ [3] वि०
हृष्ट पुष्ट (वि०) प्रसन्न और शक्तिशाली; मोटा-ताजा।

ਰਿਸਣਾ रिस्णा Risṇā [3] अक० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ऋषति (तुदादि अक०) बहना, पानी का टप-टप चूना।

ਰਿਸ਼ਮ रिशम् Riśam [3] स्त्री०
रश्मि (पुं०) रश्मि, किरण।

ਰਿਹੜਾ रिह्ड़ा Rihṛā [3] पुं०
रथ (पुं०) गाड़ी, ऐसी गाड़ी, जिसमें घोड़े जुते हों।

ਰਿਹੜੀ रिह्ड़ी Rihṛī [3] स्त्री०
रथिका (स्त्री०) छोटा रथ, ताँगा या एक्का।

ਰਿਹਾੜ रिहाड़् Rihāṛ [3] स्त्री०
रेषति (भ्वादि सक०) जिद्द, हठ।

ਰਿਕਤਾ रिक्ता Riktā [3] स्त्री०
रिक्ता (स्त्री०) रिक्ता (चतुर्थी, नवमी एवं चतुर्दशी) तिथि।

ਰਿਖ रिख् Rikh [1] पुं०
ऋषि (पुं०) ऋषि, मुनि।

ਰਿੰਗਣਾ रिंग्णा Riṅgṇā [3] अक० क्रि०
रणति (भ्वादि अक०) गाय का बोलना, बाँय-बाँय करना।

ਰਿੱਛ रिच्छ् Ricch [3] पुं०
ऋक्ष (पुं०) रीछ, भालू।

ਰਿਝਾਉਣਾ रिझाउणा Rijhāuṇā [3] सक० क्रि०
रञ्जयति (भ्वादि प्रेर०) रिझाना, प्रसन्न करना, रञ्जन करना।

ਰਿੱਝਣਾ रिज्झणा Rijjhaṇā [3] सक० क्रि०
रध्यति (दिवादि सक०) रीन्हना, पकाना।

ਰਿੱਝਿਆ रिज्झ्या Rijjhyā [3] वि०
रद्ध (वि०) पक्व, पका हुआ।

ਰਿੰਡ रिंड् Riṇḍ [3] स्त्री०
द्र०—ਅਰਿੰਡ।

ਰਿਣ रिण् Riṇ [3] पुं०
ऋण (नपुं०) ऋण, कर्ज, उधार।

ਰਿਣੀ रिणी Riṇī [3] वि०
ऋणिक (वि०) ऋणी, कर्जदार; अनुगृहीत।

ਰਿਤੁਮਾਨ रितुमान् Ritumān [3] स्त्री०
ऋतुमती (स्त्री०) रजस्वला स्त्री।

ਰਿਤੂ[1] रितू Ritū [3] पुं०
ऋत (नपुं०) ऋषि-अन्न; मोक्ष; जल; कर्म-फल; यज्ञ; सत्य; प्रकाशमान; पूजित।

ਰਿਤੂ[2] रितू Ritū [3] स्त्री०
ऋतु (पुं०) ऋतु, मौसम।

ਰਿਦਾ रिदा Ridā [3] पुं०
हृत् (नपुं०) हृदय, मन।

ਰਿੱਧ रिद्ध् Riddh [2] स्त्री०
ऋद्धि (स्त्री०) समृद्धि; सफलता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਿੱਧਾ रिद्धा Riddhā [3] वि०
रन्धित (वि०) पकाया हुआ।

ਰਿੱਧੀ रिद्धी Riddhī [3] स्त्री०
ऋद्धि (स्त्री०) समृद्धि; सफलता।

ਰਿਨ੍ਹਾਉਣਾ रिन्हाउणा Rinhāuṇā [3] सक० क्रि०
रन्धयति (दिवादि प्रेर०) पकाने का काम करना।

ਰਿੰਨ੍ਹਣਾ रिन्हणा Rinnhaṇā [3] सक० क्रि०
रध्यति (दिवादि सक०) रीन्हना, पकाना।

ਰਿਪ रिप् Rip [3] पुं०
रिपु (पुं०) रिपु, शत्रु।

ਰਿੜਕਣਾ रिड़क्णा Riṛakṇā [3] सक० क्रि०
रिण्वति (भ्वादि सक०) बिलोना, विलोडन करना।

ਰੀਠਾ रीठा Rīṭhā [3] पुं०
अरिष्ट (नपुं०) रीठा का वृक्ष या फल। रीठा कपड़े धोने के काम में आता है।

ਰੀਣ रीण् Rīṇ [3] स्त्री०
रेणु (पुं०) धूलि, रज-कण, रेत; पुष्पराग।

ਰੀਤ रीत् Rīt [3] स्त्री०
रीति (स्त्री०) रीति, रिवाज, चलन।

ਰੀਤਣਾ रीत्णा Rītṇā [1] अक० क्रि०
रिणक्ति / रिङ्क्ते (रुधादि अक०) रिक्त होना, खाली होना।

ਰੀਤੀ रीती Rītī [3] स्त्री०
द्र०—ਰੀਤ।

ਰੁਆਉਣਾ रुआउणा Rūāuṇā [3] प्रेर० क्रि०
रोदयति (अदादि प्रेर०) रुलाना।

ਰੁਸਣਾ रुस्णा Rusṇā [3] अक० क्रि०
रोषयति (चुरादि अक०) क्रोध करना, गुस्सा करना।

ਰੁੱਸਣਾ रुस्स्णा Russṇā [3] अक० क्रि०
रुष्यति (दिवादि अक०) रूठना; क्रुद्ध होना।

ਰੁਕਮ रुकम् Rukam [3] पुं०
रुक्म (नपुं०) सोना, कञ्चन; धतूरा; चाँदी; लोहा; नागकेशर।

ਰੁਖੜਾ रुख्ड़ा Rukhṛā [3] पुं०
द्र०—ਰੁੱਖ।

ਰੁੱਖ रुक्ख् Rukkh [3] पुं०
वृक्ष > रुक्ष > रुक्ख (पुं०) वृक्ष, रूख, पेड़।

ਰੁੱਖਾ रुक्खा Rukkhā [3] पुं०
रूक्ष (वि०) रूखा, सूखा।

ਰੁੱਖਾ-ਸੁੱਖਾ रुक्खा-सुक्खा Rukkhā-Sukkhā [3] पुं०
रूक्षशुष्क (वि०) रूखा-सूखा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰੁਚਣਾ रुच्णा Rucṇā [3] अक० क्रि०
रोचते (भ्वादि० अक०) रुचना, अच्छा लगना, पसन्द होना।

ਰੁਚੀ रुची Rucī [ ] स्त्री०
रुचि (स्त्री०) रुचि, इच्छा; स्वाद, जायका।

ਰੁਝਣ रुझण् Rujhaṇ [3] पुं०
रुद्ध (नपुं०) काम में लगना, व्यस्त होना।

ਰੁਝਾਉਣਾ रुझाउणा Rujhāuṇā [3] प्रे० क्रि०
रोधयति (रुधादि प्रेर०) काम में लगाना, व्यस्त करना।

ਰੁੱਝਣਾ रुज्झ्णा Rujjhṇā [3] अक० क्रि०
रुणद्धि/रुन्धे (रुधादि अक०) काम में लगना, व्यस्त होना।

ਰੁਠਾਉਣਾ रुठाउणा Ruṭhāuṇā [3]/सक० क्रि०
रोषयति (चुरादि सक०) रुष्ट करना, क्रोधित करना।

ਰੁੱਠਣਾ रुट्ठ्णा Ruṭṭhṇā [3] अक० क्रि०
रुष्ट (नपुं०) रुष्ट होने या क्रुद्ध होने का भाव।

ਰੁੱਠੜਾ रुट्ठ्डा Ruṭṭhṛā [1] पुं०
रुष्ट (वि०) रुष्ट, क्रुद्ध।

ਰੁੱਠਾ रुट्ठा Ruṭṭhā [3] पुं०
रुष्ट (वि०) रुष्ट, क्रुद्ध।

ਰੁੱਤੜੀ रुत्तड़ी Rutṛī [2] स्त्री०
ऋतु (पुं०) ऋतु, मौसम; वसन्तादि छः ऋतुएँ।

ਰੁਦਰ रुदर् Rudar [3] पुं०
रुधिर (नपुं०) लहू, रुधिर, रक्त।

ਰੁਦ੍ਰਾਖ रुद्राख् Rudrākh [3] पुं०
रुद्राक्ष (पुं०/नपुं०) पुं०—रुद्राक्ष का वृक्ष। नपुं०—रुद्राक्ष का फल।

ਰੁੱਧਾ रुद्धा Ruddhā [3] वि०
रुद्ध (वि०) अवरुद्ध, कार्यव्यस्त, आकुल।

ਰੁਪਈਆ रुपय्या Rupayyā [3] पुं०
रूप्यक (नपुं०) रुपया, नोट।

ਰੁਪਣਾ रुप्णा Rupṇā [3] अक० क्रि०
आरोप्यते (चुरादि क्रि०) आरोपित होना, थोपा जाना।

ਰੁੱਪਾ रुप्पा Ruppā [3] पुं०
रूप्य (नपुं०/वि०) नपुं०—चाँदी। वि०—सुन्दर; मुद्रित, मुद्रा-युक्त।

ਰੁਮਾਂਚਕ रुमांचक् Rumāñcak [3] वि०
रोमाञ्चक (वि०) रोमांचक, पुलकित।

ਰੁਮਾਂਚਕਤਾ रुमांचक्ता Rumāñcaktā [3] स्त्री०
रोमाञ्चकता (स्त्री०) रोमांचकता, पुलकित होने का भाव, आनन्द या भय से शरीर के रोंगटों का खड़ा होना।

ਰੂੰ रूँ Rū [3] पुं०
रोमन् (नपुं०) रोम, रोआँ; रुई।

ਰੂਪਵੰਤ रूप्वन्त Rūpvant [3] पुं०
रूपवत् (वि०) रूपवान्, सुन्दर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰੂਪੀ रूपी Rūpī [3] वि०
रूपिन् (वि०) तुल्य, सदृश; बहुरूपिया।

ਰੂੜੀ रूड़ी Rūṛī [3] स्त्री०
रूढि (स्त्री०) प्रसिद्धि, ख्याति; प्रथा, चाल; शब्द की शक्ति जो यौगिक न होने पर भी अर्थ स्पष्ट करती है।

ਰੇਖਾ रेखा Rekhā [3] स्त्री०
रेखा (स्त्री०) रेखा, लकीर, धारी।

ਰੇਠਾ रेठा Reṭhā [2] पुं०
द्र०—ਰੀਠਾ।

ਰੇਣ रेण् Reṇ [3] स्त्री०
रेणु (पुं०) रेणु, धूलि, रज, कण।

ਰੇਣਕਾ रेण्का Reṇkā [3] स्त्री०
रेणुका (स्त्री०) धूलि, धूल, गर्दा।

ਰੇਤ रेत् Ret [3] स्त्री०
रेत्र (नपुं०) रेत, बालू।

ਰੇਤਾ रेता Retā [3] पुं०
रेत्र (नपुं०) रेत, बालू।

ਰੇਤੀ रेती Retī [3] स्त्री०
रेत्री (स्त्री०) रेती, लोहे से निर्मित औजार विशेष।

ਰੇੜਨਾ रेढ़ना Reṛhnā [3] सक० क्रि०
लोठति (भ्वादि सक०) लुढ़काना, खेलना, धक्के से जमीन पर चलाना।

ਰੈਣ रैण् Raiṇ [3] स्त्री०
रजनी (स्त्री०) रैन, रात, रात्रि।

ਰੈਣੀ[1] रैणी Raiṇī [3] स्त्री०
रजनी (स्त्री०) रजनी, रात, रात्रि।

ਰੈਣੀ[2] रैणी Raiṇī [3] स्त्री०
रजन (नपुं०) रंग-विशेष; धन की बहुतायत।

ਰੋਸ रोस् Ros [3] पुं०
रोष (पुं०) रोष, क्रोध।

ਰੋਸਾ रोसा Rosā [3] पुं०
रोष (पुं०) रोष, क्रोध, कोप; रूठने का भाव।

ਰੋਹ रोह् Roh [3] पुं०
रोष (पुं०) रोष, क्रोध।

ਰੋਹਣਾ रोह्णा Rohṇā [2] अक० क्रि०
रोषयति (चुरादि अक०) नष्ट होना, क्रोधित होना।

ਰੋਹਾ रोहा Rohā [3] पुं०
रोषक (वि०) रोष वाला, क्रोध-युक्त।

ਰੋਹੀ रोही Rohī [3] स्त्री०
अरुह (स्त्री०) वृक्षहीन भूमि, बंजर, ऊसर।

ਰੋਕਣਾ रोक्णा Rokṇā [3] पुं०
रोधन (नपुं०) रोकने का भाव, प्रतिबन्ध।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰੋਗ रोग् Rog [3] पुं०
रोग (पुं०) रोग, बीमारी; कष्ट, झंझट।

ਰੋਗਣ रोगण् Rogaṇ [3] स्त्री०
रोगिणी (स्त्री०) रोगिणी, बीमार स्त्री।

ਰੋਗੀ रोगी Rogī [3] पुं०
रोगिन् (वि०) रोगी, बीमार।

ਰੋਝ रोझ् Rojh [3] स्त्री०
रोहि < रोह्य = रोहिय (पुं०) नील गाय, मृग-विशेष।

ਰੋਝਾ रोझा Rojhā [3] वि०
द्र०—ਰੋਝ।

ਰੋਟ रोट् Roṭ [3] पुं०
रोटिका (स्त्री०) रोटी, मोटी रोटी।

ਰੋਟਾ रोटा Roṭā [1] पुं०
द्र०—ਰੋਟ।

ਰੋਟੀ रोटी Roṭī [3] पुं०
रोटी (स्त्री०) रोटी।

ਰੋਣ रोण् Roṇ [3] पुं०
रोदन (नपुं०) रोने का भाव, रुदन।

ਰੋਣਾ रोणा Roṇā [3] अक० क्रि०
रोदिति (अदादि अक०) रोना।

ਰੋਪਨੀ रोप्नी Ropnī [3] स्त्री०
रोपण (नपुं०) रोपने का भाव, पौधा लगाने की क्रिया।

ਰੋਮ रोम् Rom [3] पुं०
रोमन्/लोमन् (नपुं०) रोयाँ, रोंगटा, रोम।

ਰੋਵਣਾ रोव्णा Rovṇā [3] अक० क्रि०
रोदिति (अदादि अक०) रोना।

ਰੋਵਨਾ रोव्ना Rovnā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਰੋਵਣਾ।

ਰੋੜ੍ਹਨਾ रोढ़्ना Roṛhnā [3] सक० क्रि०
लोठयति (भ्वादि प्रेर०) चलाना, गति देना, लुढ़काना।

ਰੌ रौ Rau [3] पुं०
रय (पुं०) मनः स्थिति; नदी का प्रवाह, धारा; वेग; उत्साह, धुन।

ਰੌਹ रौह् Rauh [3] पुं०
द्र०—ਰੌਂਗੀ।

ਰੌਂਗ रौंग् Raũg [1] स्त्री०
रस (पुं०) गन्ने का रस, रस।

ਰੌਂਗਟਾ रौंग्टा Raũgṭā [3] पुं०
द्र०—ਰੋਮ।

ਰੌਂਗੀ रौंगी Raũgī [3] स्त्री०
राजमुद्ग (पुं०) लोबिया, एक सब्जी का बीज जिसकी दाल वगैरह बनती है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰੌਲਾ रौला Raulā [3] पुं०
रव (पुं०) चीख, शोरगुल; ध्वनि, शब्द।

ਰੰਗ रङ्ग् Raṅg [3] पुं०
रङ्ग (पुं०, नपुं०) रङ्ग, वर्ण; कलई अथवा राँगा धातु।

ਰੰਗਣ रंगण् Raṅgaṇ [3] स्त्री०
रञ्जन (नपुं०) प्रभाव, असर।

ਰੰਗਣਾ रंगणा Raṅgṇā [3] सक० क्रि०
रञ्जयति (भ्वादि प्रेर०) रँगना, रंग चढ़ाना।

ਰੰਗਾਉਣ रंगाउण् Raṅgāuṇ [3] स्त्री०
रञ्जन (नपुं०) रंगने का भाव, रंग चढ़ाने की क्रिया।

ਰੰਗਾਉਣਾ रंगाउणा Raṅgāuṇā [3] सक० क्रि०
रञ्जयति (भ्वादि प्रेर०) रंगवाना, रँगना।

ਰੰਗਾਈ रँगाई Rãgāī [3] स्त्री०
रञ्जन (नपुं०) रँगाई, रंग चढ़ाने का भाव।

ਰੰਗੀਨ रंगीन् Raṅgīn [3] वि०
रञ्जित (वि०) रंगीला, सुन्दर, मनोरम।

ਰੰਗੀਲ रंगील् Raṅgīl [2] वि०
रञ्जित (वि०) रँग से रँगा हुआ, रञ्जित।

ਰੰਗੀਲਾ[1] रंगीला Raṅgīlā [3] पुं०
रञ्जित (वि०) रँगा हुआ, रंगदार।

ਰੰਗੀਲਾ[2] रंगीला Raṅgīlā [3] पुं०
रङ्गिन् (वि०/पुं०) वि०—रंगीला, सुन्दर।
पुं०—विलासी, रसिया।

ਰੰਗੇਤੜਾ रंगेत़ड़ा Raṇgetṛā [1] वि०
रञ्जित (वि०) रंगा हुआ, रंजित।

ਰੰਚ रंच् Rañc [3] क्रि० वि०
किञ्चित् (क्रि० वि०) कुछ-कुछ, थोड़ा-सा।

ਰੰਚਕ रंचक् Rañcak [3] क्रि० वि०
द्र०—ਰੰਚ।

ਰੰਚਕ-ਮਾਤਰ रंचक्-मातर् Rañcak-Mātar [3] क्रि० वि०
किञ्चिन्मात्र (क्रि० वि०) थोड़ा-सा, कुछ-कुछ।

ਰੰਡ रण्ड् Raṇḍ [3] स्त्री०
रण्डा (स्त्री०) विधवा; फूहड़ स्त्री; स्त्री के लिए एक गाली; वेश्या।

ਰੰਡੜੀ रण्ड़ी Raṇḍṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਰੰਡੀ।

ਰੰਡਾ रण्डा Raṇḍā [3] वि०
रण्ड (वि०) रँडुआ, वह पुरुष जिसका ब्याह न हुआ हो अथवा सन्तान हीन हो, विधुर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰੰਡਾਪਾ रण्डापा Raṇḍāpā [3] पुं०
रण्डत्व (नपुं०) विधवापन, रण्डी होने का भाव।

ਰੰਡੀ रण्डी Raṇḍī [3] स्त्री०
रण्डा (स्त्री०) विधवा अथवा फूहड़ स्त्री, राँड; वेश्या; स्त्री के लिए एक गाली।

ਰੰਡੇਪਣਾ रण्डेप्णा Raṇḍepṇā [3] पुं०
द्र०—ਰੰਡਾਪਾ।

ਰੰਡੇਪਾ रण्डेपा Raṇḍepā [3] पुं०
द्र०—ਰੰਡਾਪਾ।

ਰੰਦਣਾ रन्द्णा Randṇā [3] सक० क्रि०
रदति (भ्वादि सं०) राँदना, तरासना, छीलना।

ਰੰਭਣਾ रम्भ्णा Rambhṇā [3] अक०, सक० क्रि०
रम्भते (भ्वादि अक०, सक० क्रि०) अक०—रँभाना, रम्हणा। सक०--आरम्भ करना।

ਲ

ਲਸਣ लसण् Lasaṇ [3] पुं०
लशुन (नपुं०) लहसुन।

ਲੱਸ[1] लस्स् Lass [3] स्त्री०
रश्मि (पुं०) रस्सा, रस्सी।

ਲੱਸ[2] लस्स् Lass [3] स्त्री०
लसन (नपुं०) चमक, आभा।

ਲਹਿਰ लहिर् Lahir [3] स्त्री०
लहरि/लहरी (स्त्री०) लहर, तरंग; उमंग।

ਲਹੁਕਾ लहुका Lahukā [2] पुं०
लघु (वि०) लघु, छोटा।

ਲਹੁਕੀ लहुकी Lahukī [3] स्त्री०
अलाबू (स्त्री०) लौकी, कद्दू, घीया।

ਲਹੂ लहू Lahū [3] पुं०
लोहित (नपुं०) लहु, रक्त, खून।

ਲਕਸ਼ लकश् Lakaś [3] पुं०
लक्ष्य (नपुं०) उद्देश्य; निशान, चिह्न।

ਲਕੜੀ लक्ड़ी Lakṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਲਕੜੀ।

ਲੱਕੜ लक्कड़् Lakkaṛ [3] पुं०
लकुट > लक्कुट (पुं०) लकड़ी।

ਲੱਕੜੀ लक्कड़ी Lakkaṛī [3] स्त्री०
द्र०—ਲੱਕੜ।

ਲਖਣਾਰਥ लख्णारथ् Lakhṇārath [3] पुं०
लक्षणार्थ / लाक्षणिकार्थ (पुं०) लक्षणा शक्ति से प्राप्त अर्थ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲਖਾਉਣਾ लखाउणा Lakhāuṇā [3] सक० क्रि०
लक्षयति (चुरादि सक०) समझाना, शोध कराना।

ਲਖਾਇਕ लखाइक् Lakhāik [3] वि०
लक्षक (वि०) बोध कराने वाला, सूचक।

ਲਖੇਰਾ लखेरा Lakherā [3] पुं०
लाक्षाकार (पुं०) लाख अथवा गोंद बनाने वाला।

ਲੱਖ[1] लक्ख् Lakkh [3] पुं०
लक्ष (नपुं०) एक लाख; 100000 संख्या से परिछिन्न वस्तु।

ਲੱਖ[3] लक्ख् Lakkh [3] पुं०
लक्ष्य (नपुं०) लक्ष्य, उद्देश्य।

ਲੱਖਣ लक्खण् Lakkhaṇ [3] पुं०
लक्षण (नपुं०) लक्षण, चिह्न; प्रतीक।

ਲੱਖਣਾ लक्खणा Lakkhaṇā [3] सक० क्रि०
लक्षयति (चुरादि सक०) लखना, देखना; पहचानना, निरूपण करना।

ਲੱਖਪਤੀ लक्खपती Lakkhapatī [3] वि०
लक्षपति (वि०) लखपति, लाखों का स्वामी, धनवान् आदमी।

ਲੱਖਮੀ लक्ख्मी Lakkhmī [3] स्त्री०
लक्ष्मी (स्त्री०) धन, संपत्ति; शोभा, चमक; धन की देवी, जो पुराणानुसार विष्णु की पत्नी हैं।

ਲੱਖੀ लक्खी Lakkī [3] वि०
लक्षिन् (वि०) लाखों वाला, लखपति।

ਲਗਨ लगन् Lagan [3] वि०/पुं०
लग्न (वि० / पुं०) वि०—लगा हुआ, संलग्न। पुं०—मेषादि राशियों का उदय, शुभ मुहूर्त्त।

ਲਜਾਉਣਾ लजाउणा Lajāuṇā [3] अक० क्रि०
लज्जते (तुदादि अक०) लजाना, लज्जित होना।

ਲਜਾਵਣਾ लजावणा Lajāvaṇā [3] अक० क्रि०
लज्जते (तुदादि अक०) लजाना, लज्जित होना।

ਲਜਿਆਣਾ[1] लज्याणा Lajyāṇā [3] अक० क्रि०
लज्जते (तुदादि अक०) लजाना, लज्जा करना।

ਲਜਿਆਣਾ[2] लज्याणा Lajyāṇā [3] प्रेर० क्रि०
लज्जयति (तुदादि प्रेर०) लज्जित करना।

ਲੱਜ[1] लज्ज् Lajj [3] स्त्री०
रज्जु (स्त्री०) रस्सी, डोरी।

ਲੱਜ[2] लज्ज् Lajj [3] स्त्री०
लज्जा (स्त्री०) लज्जा, शर्म।

ਲੱਜਣ लज्जण् Lajjaṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਲੱਜ[2]।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੱਜਿਆ लज्ज्या Lajjyā [3] स्त्री०
द्र० —ਲੱਜਾ ।

ਲੱਜਿਆਮਾਨ लज्ज्यामान् Lajjyāmān [3] पुं०
लज्जावत् (वि०) लज्जा से युक्त, लजीला, शर्मीला ।

ਲੱਜਿਤ लज्जित् Lajjit [3] वि०
लज्जित (वि०) लज्जायुक्त, शर्मिन्दा ।

ਲਝਾਉਣਾ लझाउणा Lajhāuṇā [2] पुं०
लब्ध (नपुं०) प्राप्त करने का भाव, प्राप्ति ।

ਲੱਝਣਾ लज्झ्णा Lajjhṇā [2] पुं०
लब्ध (नपुं०) प्राप्त करने का भाव, अधिकार में करने का भाव ।

ਲੱਠ लट्ठ् Laṭṭh [3] पुं०
यष्टि/लगुड (स्त्री/पुं०) लाठी, छड़ी, दण्ड ।

ਲਡਾਉਣਾ लडाउणा Laḍāuṇā [3] सक० क्रि०
लाडयति (चुरादि सक०) प्यार देना, लाड़ करना ।

ਲਡਿਆਉਣਾ लड्याउणा Laḍyāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਲਡਾਉਣਾ ।

ਲੱਧਣਾ लद्धणा Laddhṇā [2] क्रि०
लब्ध (नपुं०) लब्ध होना, प्राप्त होना ।

ਲੱਧਾ लद्धा Laddhā [2] वि०
लब्ध (वि०) लब्ध, प्राप्त ।

ਲਪਸੀ लप्सी Lapsī [3] स्त्री०
लप्सिका (स्त्री०) लप्सी, लापसी, निम्न कोटि का हलुआ ।

ਲਪਾਈ लपाई Lapāī [3] स्त्री०
लेपन (नपुं०) लिपाई, लीपने का काम ।

ਲਬਧ लबध् Labadh [3] स्त्री०
लब्धि (स्त्री०) लाभ, प्राप्ति ।

ਲੱਭਣਾ लब्भ्णा Labbhṇā [3] सक० क्रि०
लभते (भ्वादि सक०) प्राप्त होना, मिलना ।

ਲੱਭਤ लब्भत् Labbhat [3] स्त्री०
लब्धता (स्त्री०) लब्धि, लाभ, प्राप्ति ।

ਲਮਕਣਾ लम्कणा Lamkaṇā [3] अक० क्रि०
लम्बते (भ्वादि अक०) लटकना, किसी के साथ लगना या नत्थी होना ।

ਲਮਿਆਈ लम्याई Lamyāī [3] स्त्री०
द्र०—ਲਮਿਆਣ ।

ਲਮਿਆਣ लम्याण् Lamyāṇ [3] स्त्री०
लम्बता (स्त्री०) लम्बाई ।

ਲਮੂਤਰਾ लमूत्रा Lamūtrā [3] पुं०
लम्बतर (वि०) लम्बा, बड़ा, दीर्घ ।

ਲਲਾਰਨ ललारन् Lalāran [3] स्त्री०
नीलकारी (स्त्री०) रँगरेज की पत्नी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲਲਾਰੀ ललारी Lalārī [3] पुं०
नीलकार (वि०) रंगरेज, कपड़े रंगने वाला।

ਲਲਿਤ ललित् Lalit [3] वि०
ललित (वि०) मनोहर, सुन्दर।

ਲਲਿਤਾ ललिता Lalitā [3] स्त्री०
ललिता (स्त्री०, वि०) राधा जी की एक सखी; कस्तूरी; दुर्गा; सुन्दर, मनोहर।

ਲਵਣ लवण् Lavaṇ [3] पुं०
लवण (पुं०) नमक, लोन।

ਲਵਾ[1] लवा Lavā [3] पुं०
लव (नपुं०) टुकड़ा, खण्ड; बहुत थोड़ी मात्रा; नर्म।

ਲਵਾ[2] लवा Lavā [3] पुं०
लव (पुं०) बटेर, पक्षी-विशेष।

ਲੜਕਾ लड़्का Laṛkā [3] पुं०
लटक (पुं०) लड़का।

ਲੜਕੀ लड़्की Laṛki [3] स्त्री०
लटका (स्त्री०) लड़की ;

ਲੜੀ लड़ी Laṛī [3] स्त्री०
लटी (स्त्री०) लड़ी, मनकों की माला।

ਲਾਉਣਾ लाउणा Lāuṇā [3] सक० क्रि०
लिम्पति (तुदादि सक०) लीपना, लेपन करना; चिपकाना।

ਲਾਸ[1] लास् Lās [3] स्त्री०
रज्जु (स्त्री०) रस्सी; चोट का चिह्न।

ਲਾਸ[2] लास् Lās [3] पुं०
लास्य (नपुं०) लास्य नृत्य, शृंगारिक नृत्य।

ਲਾਹਾ लाहा Lāhā [3] पुं०
लाभ (पुं०) आय, प्राप्ति, फायदा।

ਲਾਖ[1] लाख् Lākh [3] वि०
लक्ष्य (वि०) लक्ष्य, जो देखा या पहचाना जा सके।

ਲਾਖ[2] लाख् Lākh [3] स्त्री०
लाक्षा (स्त्री०) लाख या लाह।

ਲਾਗ लाग् Lāg [3] स्त्री०
लग्नता (स्त्री०) लगे, चिपके या जुड़े होने का भाव, सामीप्य।

ਲਾਂਘ लाँघ् Lāgh [3] स्त्री०
लङ्घन (नपुं०) लाँघना, फाँदना।

ਲਾਂਘਾ लाँघा Lāghā [3] पुं०
द्र०—ਲਾਂਘ।

ਲਾਚੀ लाची Lācī [3] स्त्री०
एला (स्त्री०) इलायची।

ਲਾਜ लाज् Lāj [3] स्त्री०
लज्जा (स्त्री०) लज्जा, शर्म।

ਲਾਜਵੰਤੀ लाज्वन्ती Lājvantī [3] स्त्री०
लज्जावती (स्त्री०) लजीली, शर्मीली।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲਾਜਾ लाजा Lājā [1] स्त्री०
लाज (पुं०) धान का लावा, खील, भुना हुआ अन्न।

ਲਾਠੀ लाठी Lāṭhī [3] स्त्री०
द्र०—ਲੱਠ।

ਲਾਡ लाड् Lāḍ [3] पुं०
लाड (पुं०) लाड़-प्यार।

ਲਾਡਲਾ लाड्ला Lāḍlā [3] पुं०
लाडित (वि०) लाडला।

ਲਾਪਸੀ लाप्सी Lāpsī [3] स्त्री०
द्र—ਲਪਸੀ।

ਲਾਪਣਾ लाप्णा Lāpṇā [3] सक० क्रि०
लुनाति (क्र्यादि सक०) काटना, कतरना; तरासना।

ਲਾਭ लाभ् Lābh [3] पुं०
लाभ (पुं०) लाभ, मुनाफा; प्राप्ति।

ਲਾਰ लार् Lār [3] स्त्री०
लाला (स्त्री०) लार्, थूक।

ਲਾਲਾਂ लालाँ Lālā̃ [2] पुं०
द्र—ਲਾਰ।

ਲਾਵਾ लावा Lāvā [3] पुं०
लावक (पुं०) खेत की फसल इत्यादि को काटने वाला व्यक्ति।

ਲਾਵੀ[1] लावी Lāvī [3] स्त्री०
लाविका (स्त्री०) कटाई करने वाली स्त्री।

ਲਾਵੀ[2] लावी Lāvī [3] स्त्री०
लाव (पुं०) कटाई की मजदूरी।

ਲਿਉੜ ल्योड़् Lyoṛ [3] पुं०
लेपन (नपुं०) लेपन; लीपने का भाव।

ਲਿਆਉਣਾ ल्याउणा Lyāuṇā [3] सक० क्रि०
आनयति (भ्वादि सक०) लाना, ले आना।

ਲਿਆਣਾ लिआणा Liāṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਲਿਆਉਣਾ।

ਲਿਆਵਣਾ लिआवणा Liāvaṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਲਿਆਉਣਾ।

ਲਿਸ਼ਕਣ लिश्कण् Liskaṇ [3] स्त्री०
लसन (नपुं०) चमक, ज्योति, प्रकाश।

ਲਿਸ਼ਕਣਾ लिश्कणा Liśkṇā [3] अक० क्रि०
लसति (भ्वादि अक०) चमकना, प्रकाशित होना।

ਲਿਸ਼ਕਾਉਣਾ लिश्काउणा Liśkāuṇā [3] प्रेर० क्रि०
लासयति (भ्वादि प्रेर०) चमकाना, प्रकाशित करना।

ਲਿਸ਼ਕਾਰ लिश्कार् Liśkār [3] पुं०
हस्कार (पुं०) बिजली की चमक।

ਲਿਹਣਾ लिह्णा Lihṇā [3] सक० क्रि०
लेढि (अदादि सक०) चाटना, बछड़े के द्वारा गाय का दूध पीना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲਿਖਣ लिखण् Likhaṇ [3] सक० क्रि०
लिखति (तुदादि सक०) लिखना।

ਲਿਖਣਹਾਰਾ लिखण्हारा Likhaṇhārā [3] पुं०
लेखनकार (वि०) लिखने वाला।

ਲਿਖਣਾ लिख्णा Likhṇā [3] अक० क्रि०
लिखति (चुरादि अक०) लिखना।

ਲਿਖਤ लिखत् Likhat [3] वि०
लिखित (वि०) लिखित, लिखा हुआ।

ਲਿਖਤੀ लिख्ती Likhtī [3] वि०
द्र०—ਲਿਖਤ।

ਲਿਖਵਈਆ लिख्वइया Likhvaiyā [3] पुं०
लेखक (वि०) लिखने वाला, रचयिता, रचनाकार।

ਲਿਖਵਾਉਣਾ लिख्वाउणा Likhvāuṇā [3] सक० क्रि०
लेखयति (तुदादि प्रेर०) लिखवाना, लिखने का काम कराना।

ਲਿਖਾਈ लिखाई Likhāī [3] स्त्री०
लेखन (नपुं०) लिखाई, लिखने का भाव।

ਲਿਖਿਆ लिख्या Likhyā [3] वि०
द्र०—ਲਿਖਤ।

ਲਿੰਗ लिंग् Liṅg [3] पुं०
लिङ्ग (नपुं०) लिंग, जननेन्द्रिय; चिह्न।

ਲਿਡੱਕਾ लिडक्का Liḍakkā [3] पुं०
लाडित (वि०) लाडला, प्यारा।

ਲਿਡੱਕੀ लिडक्की Liḍakkī [3] स्त्री०
लाडिता (स्त्री०) लाडली, प्यारी।

ਲਿੱਦ लिद्द् Lidd [3] स्त्री०
लेण्ड (नपुं०) लीद, घोड़े-गधे आदि की विष्ठा।

ਲਿਪਕ लिपक् Lipak [3] पुं०
लिपिक (पुं०) लिपिक, लिखने वाला, क्लर्क।

ਲਿਪਤ लिपत् Lipat [3] वि०
लिप्त (वि०) लिप्त, लीन हुआ।

ਲਿਪਵਾਉਣਾ लिप्वाउणा Lipvāuṇā [3] सक० क्रि०
लेपयति (तुदादि प्रेर०) लीपने का काम कराना, लिपाना।

ਲਿਪਵਾਈ लिप्वाई Lipvāī [3] स्त्री०
लेपन (नपुं०) लिपाई, लीपने का काम।

ਲਿਪੀਅੰਤਰ लिप्यन्तर् Lipyantar [3] पुं०
लिप्यन्तर (नपुं०) एक लिपि से दूसरी लिपि में लिखने का भाव।

ਲਿਪੀਅੰਤਰਣ लिप्यन्तरण् Lipyantaraṇ [3] पुं०
लिप्यन्तरण (नपुं०) लिपि का परिवर्तन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲਿੱਪਣਾ लिप्पणा Lippṇā [3] सक० क्रि०
लिम्पति / ते (तुदादि सक०) लीपना, लेपन करना।

ਲਿੱਫ लिप्फ् Lipph [3] स्त्री०
प्लीहन् (पुं०) तिल्ली का बढ़ाव।

ਲਿੰਬਣਾ लिम्ब्णा Limbṇā [3] सक० क्रि०
लिम्पति/ते (तुदादि सक०) लीपना, लेपन करना।

ਲਿਲਾਟ लिलाट् Lilāṭ [3] पुं०
ललाट (नपुं०) ललाट, मस्तक।

ਲਿਲਾਰੀ लिलारी Lilārī [2] स्त्री०
द्र०—ਲਲਾਰੀ।

ਲਿਵ लिव् Liv [3] स्त्री०
द्र०—ਲਿਉ।

ਲਿਵਲੀਨ लिव्लीन् Livlīn [3] वि०
द्र०—ਲਿਉ।

ਲਿਵਲੀਨਤਾ लिव्लीन्ता Livlīntā
लीनता (स्त्री०) तल्लीनता, ध्यान-मग्नता।

ਲੀਹ लीह् Līh [3] स्त्री०
लेखा/रेखा (स्त्री०) लीख, पंक्ति, लकीर।

ਲੀਹਣਾ लीह्णा Lihṇā [3] पुं०
लेहन (नपुं०) चाटना; चुसक-चुसक कर पीना।

ਲੀਹਾ लीहा Līhā [3] पुं०
लेखा/रेखा (स्त्री०) मार्ग, रेखा, लीक।

ਲੀਕਣ लीकण् Likaṇ [3] अक० क्रि०
लिखति (तुदादि अक०) रेखा खींचना।

ਲੀਕਣਾ लीक्णा Likṇā [3] अक० क्रि०
लिखति (चुरादि अक०) रेखा खींचना।

ਲੀਖ लीख् Likh [3] स्त्री०
लिक्षा (वि०) लीख, जूँ, ढील।

ਲੀਂਡ लींड् Līḍ [3] पुं०
लेण्ड (नपुं०) बँधा हुआ मल, कड़ी विष्ठा।

ਲੀਨ लीन् Līn [3] वि०
लीन (वि०) लीन, मग्न, व्यापृत।

ਲੀਪਤ लीपत् Lipat [3] वि०
लिप्त (वि०) आसक्त; डूबा हुआ; सना हुआ।

ਲੀਲਾ लीला Līlā [3] स्त्री०
लीला (स्त्री०) क्रीडा, केलि।

ਲੁਹਾਂਡਾ लुहाँडा Luhāḍā [1] पुं०
लोहभाण्ड (नपुं०) लौहपात्र।

ਲੁਹਾਰ लुहार् Luhār [3] पुं०
लोहकार / लौहकार (पुं०) लोहार, लुहार, लोहे का व्यवसाय करने वाला।

ਲੁਹਾਰੀ लुहारी Luhārī [3]] स्त्री०
लौहकारी (स्त्री०) लोहार की पत्नी।

ਲੁਕਣਾ लुक्णा Lukṇā [3] अक० क्रि०
लुप्यति (दिवादि अक०) लुप्त होना, लुकना, छिप जाना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੁਕਾਉਣਾ लुकाउणा Lukāuṇā [3] सक० क्रि०
लोपयति (दिवादि प्रेर०) छिपाना, लुप्त करना।

ਲੁਕਾਈ लुकाई Lukāī [3] स्त्री०
लोक (पुं०) लोक; संसार।

ਲੁਕਾਣਾ लुकाणा Lukāṇā [2] सक० क्रि०
द्र०—ਲੁਕਾਉਣਾ।

ਲੁਕਿਆ लुक्या Lukyā [3] वि०
लुप्त (वि०) लोप-युक्त, अदृश्य, छिपा हुआ; नष्ट।

ਲੁਕੋਣਾ लुकोणा Lukoṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਲੁਕਾਉਣਾ।

ਲੁਟਾਈ लुटाई Luṭāī [3] पुं०
लुण्टन (नपुं०) लूटने की क्रिया।

ਲੁਟੇਰਾ लुटेरा Luterā [3] पुं०
लुण्ठाक/लुण्टाक (वि०) लुटेरा, डाकू।

ਲੁੱਟ लुट्ट Luṭṭ [3] स्त्री०
लुण्टन (नपुं०) लूटने का भाव, चोरी-डकैती।

ਲੁੱਟਣਾ लुट्टणा Luṭṭṇā [3] सक० क्रि०
लुण्टति (म्वादि सक०) लूटना, बदमाशी करना।

ਲੁੰਡੀ लुण्डी Luṇḍī [3] स्त्री०
लुण्डिका (स्त्री०) सूत, सन आदि का लपेटा हुआ गुच्छा।

ਲੁਣ लुण् Luṇ [3] वि०
लून (वि०) काटा हुआ; नष्ट किया हुआ।

ਲੁਣਨਾ लुण्ना Luṇṇā [3] क्रि०
लुनाति (क्र्यादि प्रेर०) फसल काटना।

ਲੁਣਾਈ लुणाई Luṇāī [3] स्त्री०
लवन (नपुं०) फसल की कटाई।

ਲੁਪਤ लुपत् Lupat [3] वि०
लुप्त (वि०) छिपा हुआ, ढका हुआ; नष्ट।

ਲੁਪਰੀ लुप्री Luprī [3] स्त्री०
लोत्प्री (स्त्री०) फोड़े आदि पर बाँधने की टिक्की या लेप।

ਲੁਬਧ लुबध् Lubadh [3] वि०
लुब्ध (वि०) लोभी; शिकारी, बहेलिया।

ਲੂੰ लूँ Lū̃ [3] स्त्री०
लोमन् (नपुं०) लोम, रोयें।

ਲੂਈਂ लूईं Lūī̃ [2] स्त्री०
द्र०—ਲੂੰ।

ਲੂਸਣਾ लूस्णा Lūsṇā [3] सक० क्रि०
लूषयति (चुरादि सक०) जलाना, जला देना।

ਲੂਹਣਾ लूह्णा Lūhṇā [3] सक० क्रि०
लूषयति (चुरादि सक०) जलाना, जला देना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੂਠਾ लूठा Lūṭhā [1] वि०
प्लुष्ट (वि०) जला हुआ, दग्ध ।

ਲੂਣ लूण् Lūṇ [3] पुं०
लवण (पुं०, नपुं०) नमक, लोन ।

ਲੂਣਕਾ लूण्का Lūṇkā [3] वि०
लावणिक (वि०) नमकीन, नमक-युक्त ।

ਲੂਣਨਾ लूण्ना Lūṇnā [3] सक० क्रि०
लुनाति (क्र्यादि सक०) काटना, कतरना ।

ਲੂਣਾ लूणा Lūṇā [3] वि०
द्र०—ਲੂਣਕਾ ।

ਲੂਣੀ लूणी Lūṇī [3] वि०
लवणित (वि०) नमकीन, नमक-युक्त ।

ਲੂਤ लूत् Lūt [3] स्त्री०
लूता (स्त्री०) लुत्ता रोग, चर्मरोग-विशेष, वह रोग जो मकड़ी के संसर्ग से हो जाता है ।

ਲੂੰਬੜੀ लूंब्ड़ी Lūbṛī [3] स्त्री०
लोमटिका (पुं०) लोमड़ी ।

ਲੇ ले Le [3] पुं०
लेप (पुं०) पोतने या चुपड़ने की चीज, लेप, उबटन आदि; लेपने, या पोतने की क्रिया ।

ਲੇਉ लेउ Leu [3] पुं०
द्र०—ਲੇ ।

ਲੇਸ[1] लेस् Les [3] स्त्री०
श्लेष्मन् (पुं०) श्लेष्मा; लेस, चिपचिपाहट ।

ਲੇਸ[2] लेस् Les [3] स्त्री०
लेश (पुं०) लेश, थोड़ा ।

ਲੇਸਣਾ लेस्णा Lesṇā [1] प्रेर० क्रि०
श्लेषयति (चुरादि प्रेर०) मिलाना, जोड़ना ।

ਲੇਹਜ लेहज् Lehaj [1] वि०
लेह्य (वि०) चाटने योग्य, वह वस्तु जो चाटकर खाई जाये ।

ਲੇਖ लेख् Lekh [3] पुं०
लेख (पुं०) भाग्य; लेख, निबन्ध आदि ।

ਲੇਖਣ[1] लेखण् Lekhaṇ [3] पुं०
लेखन (नपुं०) लिखने का भाव; रचना ।

ਲੇਖਣ[2] लेखण् Lekhaṇ [2] पुं०
लेखनी (स्त्री०) लेखनी, कलम ।

ਲੇਖਣੀ लेख्णी Lekhṇī [3] स्त्री०
लेखनी (स्त्री०) लेखनी, कलम, पेन ।

ਲੇਖਾ लेखा Lekhā [3] स्त्री०
लेखा (स्त्री०) लेखा-जोखा, हिसाब-किताब ।

ਲੇਖਾਧਾਰੀ लेखाधारी Lekhādhārī [1] पुं०
लेखाधारिन् (वि०) लेखा रखने वाला, हिसाब रखने वाला ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੇਖੂ लेखू Lekhū [1] पुं०
लेखक (वि०) लिखने वाला; क्लर्क; लेखक, ग्रन्थकार।

ਲੇਟਣਾ लेट्णा Leṭṇā [3] अक० क्रि०
लेटयति (भ्वादि अक०) लेटना, सोना।

ਲੇਡਣਾ लेड्णा Leḍṇā [1] पुं०
लेण्ड (नपुं०) लीद, घोड़े आदि की विष्ठा।

ਲੇਡਾ लेडा Leḍā [3] पुं०
लेण्ड (नपुं०) लीद, घोड़े आदि की विष्ठा।

ਲੇਪ लेप् Lep [3] पुं०
लेप्य (वि०) लेपने या पोतने की चीज, उबटन, लेप।

ਲੇਪੜ लेपड़् Lepaṛ [3] पुं०
लेपन (नपुं०) पलस्तर, पपड़ी, उबटन आदि।

ਲੇਪਾ लेपा Lepā [2] पुं०
लेप (पुं०) लेपन या पोतने की क्रिया, लिपाई।

ਲੇਪੀ लेपी Lepī [3] स्त्री०
द्र०—ਲੇਪਾ।

ਲੇਂਬੀ लेंबी Lēbī [3] स्त्री०
लिम्पा (स्त्री०) लीपने वाली; लीपने या पोतने का काम करने वाली स्त्री।

ਲੇਵੀ लेवी Levī [3] स्त्री०
लेपकी (स्त्री०) लेई, चिपकाने हेतु निर्मित आटे का घोल आदि।

ਲੈ लै Lai [3] पुं०
लय (पुं०) संगीत की लय—द्रुत, मध्य एवं विलम्बित, संगीत की ताल या तान।

ਲੈਣਾ लैणा Laiṇā [3] पुं०
लभन (नपुं०) लेना, प्राप्त करना।

ਲੋ लो Lo [3] स्त्री०
आलोक (पुं०) प्रकाश, आलोक।

ਲੋਅ लोअ Loa [3] पुं०
लोक (पुं०) लोग, जनता, संसार, लोक।

ਲੋਇਣ लोइण् Loiṇ [1] पुं०, स्त्री०
लोचन (नपुं०) लोचन, आँख।

ਲੋਇਨੀ लोइनी Loinī [2] स्त्री०
(मृग) लोचनी (स्त्री०) नैनों वाली, आंखों वाली।

ਲੋਈ लोई Loī [3] स्त्री०
लोमवती (स्त्री०) लोई, ओढ़ने या बिछाने की रोयेंदार चादर।

ਲੋਸਟ लोसट् Losaṭ [1] पुं०
लोष्ट (नपुं०) लोहे की मैल, मण्डूर भस्म; मिट्टी का ढेला।

ਲੋਹ¹ लोह् Loh [3] स्त्री०
लोही (स्त्री०) बड़ा तवा।

ਲੋਹ² लोह् Loh [3] पुं०
लौह/लोह (पुं०) लोहा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੋਹ-ਸਾਰ लोह्-सार् Loh-Sār [3] पुं०
लोहसार (पुं०) बढ़िया लोहा, इस्पात।

ਲੋਹ-ਕਣ लोह्-कण् Loh-Kaṇ [3] पुं०
लोहकण (पुं०) लोहे के कण।

ਲੋਹ-ਚੂਰ लोह्-चूर्, Loh-Cūr [3] पुं०
लोहचूर्ण (नपुं०) लोहे का चूर्ण।

ਲੋਹਟੀਆ लोह्टिआ Lohṭiā [3] पुं०
लोहहट्टिका (स्त्री०) लोहटिया, लोहे का बाजार।

ਲੋਹ-ਤ੍ਰਾਣ लोह्-त्राण् Loh-Trāṇ [3] पुं०
लोहत्राण (नपुं०) लोहे का कवच।

ਲੋਹ-ਭੇਦ लोह्-भेद् Loh-Bhed [3] वि०
लोह-भेद (वि०) लोहे को भेदने वाला।

ਲੋਹਾ लोहा Lohā [3] पुं०
लोह (पुं०) लोहा।

ਲੋਹਾਰ लोहार् Lohār [3] पुं०
लोहकार (पुं०) लोहार।

ਲੋਹਾਰੀ लोहारी Lohārī [3] स्त्री०
लोहकारीय (वि०) लोहार का काम, लोहारी।

ਲੋਹੀ लोही Lohī [2] वि०
लोहित (वि०) लाल रंग का, लोहू के रंग का।

ਲੋਹੂ लोहू Lohū [2] पुं०
द्र०—ਲਹੂ।

ਲੋਹੰਡਾ लोहण्डा Lohaṇḍā [3] पुं०
लौहभाण्ड (नपुं०) लोहे के बर्तन।

ਲੋਕ लोक् Lok [3] पुं०
लोक (पुं०) लोग, संसार। सामान्यतः लोक तीन हैं—स्वर्ग, पृथिवी और पाताल। किन्तु विशेष रूप से वर्णन करने वालों ने लोकों की संख्या 14 मानी है। सात ऊर्ध्व लोक और सात अधः लोक।

ਲੋਕ-ਅਲੋਕ लोक्-अलोक् Lok-Alok [3] पुं०
लोकालोक (पुं०) इहओक और परलोक।

ਲੋਕ-ਪੱਖੀ लोक्-पक्खी Lok-Pakkhī [3] वि०
लोकपक्षीय (वि०) लोगों से संबन्धित।

ਲੋਕ-ਪ੍ਰਸਿੱਧੀ लोक्-प्रसिद्धी Lok-Prasiddhī [3] स्त्री०
लोकप्रसिद्धि (स्त्री०) लोक में ख्याति, विश्वविख्यात।

ਲੋਕ-ਭਾਵ लोक्-भाव् Lok-Bhāv [3] पुं०
लोकभाव (पुं०) लोगों के भाव अथवा व्यवहार।

ਲੋਕ-ਭਾਵਨਾ लोक्-भावना Lok-Bhāvnā [3] स्त्री०
लोकभावना (स्त्री०) लोक-भावना, लोकोपकार की भावना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੋਕ-ਮਾਰੂ लोक्-मारू Lok-Mārū [3] वि०
लोकमारक (वि०) लोगों की हानि करने वाला।

ਲੋਕ-ਰਾਜਕ लोक्-राजक् Lok-Rājak [3] वि०
लोकराजकीय (वि०) लोकराज्य, गण-तन्त्र से संबन्धित।

ਲੋਕ-ਲੱਜਿਆ लोक्-लज्ज्या Lok-Lajjyā [3] स्त्री०
लोकलज्जा (स्त्री०) लोक-लज्जा, लोक-लाज।

ਲੋਕਾਚਾਰ लोकाचार Lokācār [3] पुं०
लोकाचार (पुं०) लोकाचार, लोक-रीति या रिवाज।

ਲੋਚਣਾ लोच्णा Locṇā [3] सक० क्रि०
लुञ्चति (भ्वादि सक०) नोंचना, उखाड़ना; बालों को उखाड़ने का भाव।

ਲੋਟਣਾ लोट्णा Loṭṇā [1] अक० क्रि०
लोटति/लोठति (भ्वादि अक०) लोटना।

ਲੋਟੂ लोटू Loṭū [3] वि०
लुण्टक (वि०) लुटेरा, लूटने वाला।

ਲੋਦਰ लोदर् Lodar [1] पुं०
लोध्र (पुं०) लोध का पेड़। इसमें लाल एवं सफेद फूल लगते हैं।

ਲੋਂਦਾ लोंदा Lōdā [1] पुं०
लोष्ठ (नपुं०) मिट्टी का ढेला; गीली मिट्टी का लोंदा।

ਲੋਧ लोध् Lodh [1] पुं०
द्र०—ਲੋਦਰ।

ਲੋਪ लोप् Lop [3] पुं०
लोप (पुं०) लोप, अदर्शन, अभाव।

ਲੋਪੀਕਰਣ लोपीकरण् Lopīkaraṇ [3] पुं०
लोपीकरण (नपुं०) लुप्त होने का भाव, लोपीकरण।

ਲੋਭ लोभ् Lobh [3] पुं०
लोभ (पुं०) लोभ, लालच।

ਲੋਭਕ लोभक् Lobhak [2] वि०
लोभक (वि०) लोभ करने वाला, लोभी, लालची।

ਲੋਭਣ लोभण् Lobhaṇ [3] स्त्री०
लोभिनी (स्त्री०) लोभी या लालची स्त्री।

ਲੋਭੀ लोभी Lobhī [3] पुं०
लोभिन् (वि०) लोभी, लालची।

ਲੋੜਨਾ लोड़्ना Loṛnā [3] सक० क्रि०
आलोडति (भ्वादि) ढूंढना, तलाश करना।

ਲੋੜ੍ਹਾ लोड़्हा Loṛhā [3] पुं०
लोठ (पुं०) अत्याचार, जुल्म।

ਲੌ लौ Lau [3] पुं०
लव (पुं०) कटाई; कटी हुई फसल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੌਹ लौह् Lauh [3] पुं०
द्र०—ਲੋਹ ।

ਲੌਂਹਡਾ लौंह्ड़ा Laũhḍā [2] पुं०
द्र०—ਲੁਹਾਂਡਾ ।

ਲੌਕਾ लौका Laukā [1] पुं०
अलाबू (स्त्री०) लौका, बड़ी लौकी ।

ਲੌਕੀ लौकी Laukī [3] स्त्री०
अलाबू (स्त्री०) लौकी, छोटी लौकी ।

ਲੌਂਗ लौंग् Laũg [3] पुं०
लवङ्ग (पुं०/नपुं०) पुं०—लौंग का वृक्ष ।
नपुं०—लौंग का फल ।

ਲੌਢਾ लौढ़ा Lauṛhā [3] स्त्री०
लोहितवेला (स्त्री०) सायम्, शाम ।

ਲੌਣ लौण् Lauṇ [3] पुं०
लून (वि०) कटी फसल ।

ਲੰਗੂਰ लंगूर् Laṅgūr [3] पुं०
लाङ्गूलिन् (वि०/पुं०) वि०—पूंछवाला ।
पुं०—लंगूर, बन्दर ।

ਲੰਗੂਰਨੀ लङ्गूर्नी Laṅgūrnī [3] स्त्री०
लाङ्गूलिनी (स्त्री०) लंगूर की मादा बन्दरी ।

ਲੰਗੂਰੀ लंगूरी Laṅgūrī [3] स्त्री०
द्र०—ਲੰਗੂਰਨੀ ।

ਲੰਗੋਟ लंगोट् Lãgoṭ [3] स्त्री०
लङ्गपट्ट (नपुं०) लँगोट ।

ਲੰਗੋਟਾ लँगोटा Laṅgoṭā [2] पुं०
द्र०—ਲੰਗੋਟ ।

ਲੰਗੋਟੀ लँगोटी Laṅgoṭī [3] स्त्री०
द्र०—ਲੰਗੋਟ ।

ਲੰਘਣਾ लंघ्णा Laṅghṇā [3] क्रि०
लङ्घन (नपुं०) लाँघना, पार करना; फाँदना ।

ਲੰਘਾਉਣਾ लंघाउणा Laṅghāuṇā [3] प्रेर० क्रि०
लङ्घयते (भ्वादि प्रेर०) लँघाना, पार कराना, गुजारना ।

ਲੰਘਾਣੀ लंघाणी Laṇghāṇī [1] स्त्री०
लङ्घणी (स्त्री०) खेतों की बाड़ में लगी लकड़ी विशेष, जिसे केवल मनुष्य ही पार कर सकते हैं, पशु नहीं ।

ਲੰਘਾਵਣਾ लंघाव्णा Laṅghāvṇā [1] प्रेर० क्रि०
द्र०—ਲੰਘਾਉਣਾ ।

ਲੰਝਾ लंझा Lañjhā [3] पुं०
लञ्जिन् (पुं० / वि०) वि०—लम्बी पूँछ वाला । पुं०—मोर ।

ਲੰਬ लम्ब् Lamb [3] पुं०
लम्ब (नपुं०) समकोण, दीर्घ, लम्बा ।

ਲੰਬਾ लम्बा Lambā [3] वि०
लम्ब (पुं०, वि०) लम्बा, लम्बा होने का भाव; समकोण ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੰਬਾਉਣਾ[1] लम्बाउणा Lambāuṇā
[1] सक० क्रि०
लम्बयति (भ्वादि प्रेर०) लम्बा करना; लटकाना।

ਲੰਬਾਉਣਾ[2] लम्बाउणा Lambāuṇā
[1] अक० क्रि०
विलम्बते (भ्वादि अक०) विलम्ब करना, देर करना।

ਲੰਬਿਆਉਣਾ लम्ब्याउणा Lambyāuṇā
[1] अक० क्रि०
द्र०—ਲੰਬਾਉਣਾ।

ਲੰਬੂ लम्बू Lambū [3] वि०
लम्ब (वि०) लम्बा, दीर्घ।

ਲੰਬੋਦਰ लम्बोदर् Lambodar [3] पुं०
लम्बोदर (वि०/पुं०) वि०—लम्बोदर, बड़ी तोंद वाला। पुं०—भगवान् गणेश।

ਲੰਮਾ लम्मा Lammā [3] पुं०
द्र०—ਲੰਬਾ।

ਲੰਮਿਆਉਣਾ लम्म्याउणा Lamyāuṇā
[3] सक० क्रि०
द्र०—ਲੰਬਾਉਣਾ।

ਲੰਮੂਤਰਾ लम्मूत्रा Lammūtrā [3] वि०
द्र०—ਲਮੂਤਰਾ।

ਵ

ਵਈ वई Vaī [1] पुं०
भातृ (पुं०) सम्बोधन वाचक (भ्राता के अर्थ में)

ਵਈਆ वइआ Vaiā [3] पुं०
वचन (नपुं०) वचन, वायदा।

ਵਸ वस् Vas [3] पुं०
वश (पुं०, नपुं०) वश, शक्ति, सामर्थ्य; अधिकार।

ਵਸਣ वसण् Vasaṇ [3] अक० क्रि०
वसति (भ्वादि अक०) बसना, रहना, निवास करना।

ਵਸਨਾ वस्ना Vasnā [3] अक० क्रि०
वसति (भ्वादि अक०) निवास करना, रहना।

ਵਸਤ वसत् Vasat [3] स्त्री०
वस्तु (नपुं०) वस्तु, चीज; धन-दौलत।

ਵਸਤਰ वस्तर् Vastar [3] पुं०
वस्त्र (नपुं०) वस्त्र, कपड़ा, पोशाक।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਸਤੀ वसती Vastī [3] स्त्री०
वसति (स्त्री०) बस्ती, आबादी; निवास, घर।

ਵਸਤੀ-ਵਾਸੀ वस्ती-वासी Vastī-Vāsī [3] पुं०
वसतिवासिन् (वि०) बस्ती या घर में रहने वाला।

ਵਸਤੂ वस्तू Vastū [3] स्त्री०
द्र०—ਵਸਤ।

ਵਸਾਉਣਾ[1] वसाउणा Vasāuṇā [3] सक० क्रि०
वासयति (भ्वादि प्रेर०) बसाना, आबाद करना।

ਵਸਾਉਣਾ[2] वसाउणा Vasāuṇā [3] सक० क्रि०
वर्षयति (भ्वादि प्रेर०) वर्षा कराना।

ਵਸਾਊ वसाऊ Vasāū [3] पुं०
वासक (वि०) बसाने वाला।

ਵਸਾਹ वसाह् Vasāh [3] पुं०
विश्वास (पुं०) विश्वास, भरोसा, यकीन; निश्चय।

ਵਸਾਣਾ वसाणा Vasāṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵਸਾਉਣਾ[1]।

ਵਸ਼ੀਕਰਣ वशीकरण् Vaśīkaraṇ [3] पुं०
वशीकरण (नपुं०) वश में करने का भाव।

ਵਸੇਖ वसेख् Vasekh [3] वि०
द्र०—ਵਿਸੇਸ।

ਵਸੇਰਾ वसेरा Vaserā [3] वि०
वास (वि०) आवास, निवास, घर।

ਵਸੰਦਾ वसन्दा Vasandā [3] वि०
वासिन् (वि०) निवासी, वासी।

ਵਹਾ वहा Vahā [3] पुं०
प्रवाह (पुं०) जल का बहाव, प्रवाह, धार, स्रोत।

ਵਹਾਉ वहाउ Vahāu [3] पुं०
प्रवाह (पुं०) बहाव, धारा, पानी का वेग।

ਵਹਾਉਣਾ वहाउणा Vahāuṇā [3] सक० क्रि०
वाहयति (भ्वादि प्रेर०) बहाना; हल चलवाना।

ਵਹਾਣਾ वहाणा Vahāṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵਹਾਉਣਾ।

ਵਹਿੰਗਾ वहिंगा Vahiṅgā [3] पुं०
विहङ्गिका (स्त्री०) बँहगी, जिसके दोनों शिरों पर बोझ लटका कर जाया जा सके।

ਵਹਿੰਗੀ वहिंगी Vahiṅgī [3] स्त्री०
विहङ्गिका (स्त्री०) बँहगी, जिसके दोनों शिरों पर बोझ लटका कर ढोया जाता है।

ਵਹਿਣ वहिण् Vahiṇ [3] पुं०
वहन (पुं०, नपुं०) प्रवाह, बहाव, स्रोत।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਹਿਣਾ वहिणा Vahiṇā [3] अक० क्रि०
वहति (भ्वादि अक०) बहना, प्रवाहित होना।

ਵਹਿਤਰ वहितर् Vahitar [3] पुं०
वहित्र (नपुं०) वाहन, सवारी।

ਵਹਿੰਦਾ वहिन्दा Vahindā [3] वि०
वहत् (वि०) बहता हुआ जल; बहने वाला।

ਵਹੀ वही Vahī [3] स्त्री०
वहिका (स्त्री०) हिसाब-किताब लिखने की पुस्तक, बही।

ਵਹੀਣ[1] वहीण् Vahīṇ [3] पुं०
विभेदन (नपुं०) नाली, मोरी।

ਵਹੀਣ[2] वहीण् Vahīṇ [3] वि०
विहीन (वि०) रहित, बिना।

ਵਹੀਣ[3] वहीण् Vahīṇ [3] पुं०
वहन (नपुं०) नदी या जल का बहाव, प्रवाह।

ਵਹੁਟੀ वहुटी Vahuṭī [3] स्त्री०
वधूटी (स्त्री०) बहू, पत्नी, भार्या।

ਵਹੋਲਾ वहोला Vaholā [3] पुं०
वासि (पुं०) बसूला जिससे बढ़ई लकड़ी का समान बनाता है।

ਵਕਸ਼ਥਲ वक्शथल् Vakśathal [1] पुं०
वक्षःस्थल (नपुं०) वक्षस्थल, छाती।

ਵਕਤਾ वक्ता Vaktā [3] वि०
वक्तृ (वक्ता) (वि०) वक्ता, बोलने वाला।

ਵਕੁੰਠ वकुण्ठ् Vukuṇṭh [1] पुं०
वैकुण्ठ (पुं०, नपुं०) वैकुण्ठ, गोलोक, भगवान् विष्णु का परमधाम।

ਵੱਕਣਾ वक्कणा Vakkaṇā [3] अक० क्रि०
विक्लवते (भ्वादि अक०) भागना, दौड़ना; चलना।

ਵੱਕਮਣਾ वक्कमणा Vakkamṇā [1] अक० क्रि०
विक्लवते (भ्वादि अक०) आसन्न प्रसवा होना, गाय, भैंस, बकरी आदि का बच्चा जनने के समीप होना।

ਵੱਕੋਂਦੀ वक्कोंदी Vakkōdī [1] स्त्री०
विक्लवा (स्त्री०) आसन्न प्रसवा, प्रसव वेदना से युक्त, समीप प्रसूतावस्था वाली (गाय, भैंस आदि)।

ਵਖਰਤ वखरत् Vakhrat [3] स्त्री०
विष्कीर्णता (स्त्री०) पृथक्ता, अलगाव।

ਵਖਰਤਾ वखर्ता Vakhartā [3] स्त्री०
विष्कीर्णता (स्त्री०) पृथक्ता, अलगाव।

ਵਖਰਿਆਉਣਾ वखरिआउणा Vakhriāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵੱਖਰਾਉਣਾ।

ਵਖਾਣ वखाण् Vakhāṇ [3] पुं०
व्याख्यान (नपुं०) भाषण, किसी शास्त्रीय संदर्भ का निरूपण, प्रतिपादन।

ਵਖਾਧ वखाध् Vakhādh [3] पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

विक्षोभ (पुं०) विक्षोभ, वैर, विरोध शत्रुता।

ਵਖਾਧਣ वखाधण् Vakhādhaṇ [3] स्त्री० विक्षोभण (नपुं०) वैर, विरोध, शत्रुता।

ਵਖਾਧੀ वखाधी Vakhādhī [3] पुं० विक्षोभिन् (वि०) विक्षोभी, झगड़ालू।

ਵਖਾਨਣਾ वखान्णा Vakhānṇā [3] सक० क्रि० व्याख्याति (अदादि सक०) व्याख्या करना, व्योरा देना।

ਵਖਿਆਣ वख्याण् Vakhyāṇ [1] पुं० द्र०—ਵਖਾਣ।

ਵਖਿਆਨ वख्यान् Vakhyān [3] पुं० द्र०—ਵਖਾਣ।

ਵਖਿਆਨਕਾਰ वख्यान्कार् Vakhyānkār [3] पुं० व्याख्यानकार (वि०) व्याख्यान करने वाला, वक्ता।

ਵਖਿਆਨਣਾ वख्यान्णा Vakhyānṇā [1] सक० क्रि० द्र०—ਵਖਾਨਣਾ।

ਵਖੇਪ वखेप् Vakhep [1] पुं० विक्षेप (पुं०) विक्षेप, विघ्न, रुकावट।

ਵਖੇਰਨਾ वखेर्ना Vakhernā [1] सक० क्रि० विष्किरति (तुदादि सक०) बिखेरना, फैलाना, छींटना।

ਵਖੇੜਾ वखेड़ा Vakheṛā [1] पुं० द्र०—ਬਖੇੜਾ।

ਵਖੌਣਾ वखौणा Vakhauṇā [3] सक० क्रि० वीक्षयति (भ्वादि प्रेर०) दिखाना।

ਵੱਖ वक्ख् Vakkh [3] स्त्री० वखति (भ्वादि अक०) अलग होना।

ਵੱਖਰ बक्खर् Vakkhar [2] पुं० उपस्कर (पुं०) सामान, सामग्री, वस्तु, उपकरण।

ਵੱਖਰਤਾ वक्खर्ता Vakkhartā [3] स्त्री० विष्कीर्णता (स्त्री०) पृथक्ता, अलगाव।

ਵੱਖਰਾ वक्खरा Vakkharā [3] वि० विष्कीर्ण (वि०) बखरा, भिन्न, पृथक्।

ਵੱਖਰਾਉਣਾ वक्ख्राउणा Vakkhrāuṇā [3] सक० क्रि० विष्किरति (तुदादि सक०) बिखेरना, छींटना, पृथक् करना।

ਵੱਖਰਿਆਉਣਾ वक्खर्याउणा Vakkharyāuṇā [3] सक० क्रि० द्र०—ਵੱਖਰਾਉਣਾ।

ਵੱਖੀ वक्खी Vakkhī [3] स्त्री० पक्ष (पुं०) पार्श्व, दायां या बायां भाग।

ਵਗਣਾ वग्णा Vagṇā [3] वि० वल्गनम् (नपुं०) बहना, तेजी से निकलना, जाना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਗਾਉਣਾ वगाउणा Vagāuṇā [3] सक० क्रि०
वल्गयति (भ्वादि प्रेर०) चलाना।

ਵਗਾਣਾ वगाणा Vagāṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵਗਾਉਣਾ।

ਵਗਾਵਣਾ वगावणा Vagāvṇā [1] सक० क्रि०
द्र०—ਵਗਾਉਣਾ।

ਵੱਗ वग्ग् Vagg [3] पुं०
वर्ग (पुं०) वर्ग, समूह, दल, टोली।

ਵੱਗਾ वग्गा Vaggā [3] पुं०
वङ्कि (पुं०) छत का शहतीर।

ਵਚਵਾਲ वच्वाल् Vacvāl [2] पुं०
विक्रेतृ/विक्रायक (वि०) बेचने वाला।

ਵਚਵਾਲੀ वच्वाली Vacvālī [2] स्त्री०
विक्रय (पुं०) बेचने का भाव या क्रिया, विक्री।

ਵਚਾਰ वचार् Vacār [1] स्त्री०
विचार (पुं०) विचार, राय, ख्याल, परामर्श; संकल्प।

ਵਚਾਰਾ वचारा Vacārā [1] पुं०
बराक (वि०) बेचारा, असहाय।

ਵਚਿੱਤਰ वचित्तर् Vacittar [3] वि०
विचित्र (वि०) विचित्र, अद्भुत, अनोखा।

ਵਛਰੂ वछ्रू Vachrū [1] पुं०
द्र०—ਵੱਛਾ।

ਵਛੜਾ वछ्ड़ा Vachṛā [3] पुं०
वत्सतर (पुं०) गाय का नर बच्चा, बछड़ा, बछरू।

ਵਛੜੀ वछ्ड़ी Vachṛī [3] स्त्री०
वत्सतरी (स्त्री०) गाय का मादा बच्चा, बछड़ी, बछिया!

ਵਛਾਉਣਾ वछाउणा Vachāuṇā [2] पुं०
विच्छादन (नपुं०) विस्तर, बिछौना।

ਵਛਾਈ वछाई Vachāī [2] स्त्री०
द्र०—ਵਛਾਉਣਾ।

ਵਛੁੰਨਾ वछुन्ना Vachunnā [2] वि०
विच्छिन्न (वि०) टुकड़ा किया हुआ, पृथक् हुआ, पृथक् या जुदा।

ਵਛੇਰਾ वछेरा Vacherā [3] पुं०
(अश्व) वत्सर (पुं०) घोड़े का नर बच्चा।

ਵਛੇਰੀ वछेरी Vacherī [3] स्त्री०
(अश्व) वत्सतरी (स्त्री०) घोड़े का मादा बच्चा।

ਵਛੋੜਾ वछोड़ा Vachoṛā [2] पुं०
विच्छेद (पुं०) टुकड़े करने की क्रिया, तोड़ने या पृथक् करने की क्रिया; विरह।

ਵੱਛਲ वच्छल् Vacchal [1] वि०
वत्सल (वि०) वात्सल्य भाव से युक्त, पुत्र या संतान के प्रति स्नेह-युक्त।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵੱਛਲਤਾ वच्छल्ता Vacchaltā [3] स्त्री०
वत्सलता (स्त्री०) वात्सल्य, स्नेह।

ਵੱਛਾ वच्छा Vacchā [3] पुं०
वत्स (पुं०) गाय का नर बछड़ा, बछड़ा।

ਵੱਛੀ वच्छी Vacchī [3] स्त्री०
गाय का मादा बच्चा, बछिया, बछड़ी।

ਵਜਾਉਣਾ वजाउणा Vajāuṇā [3] सक० क्रि०
वादयति (भ्वादि प्रेर०) बजाना, शब्द निकालना।

ਵਜੋਗ वजोग् Vajog [2] पुं०
वियोग (पुं०) संयोग का अभाव, विरह, विछोह।

ਵੱਜਣਾ वज्ज्णा Vajjṇā [3] अक० क्रि०
वाद्यते (भ्वादि कर्मवा०) बजना।

ਵਟਣਾ[1] वट्णा Vaṭṇā [3] पुं०
उद्वर्तन (नपुं०) उबटन, लेप।

ਵਟਣਾ[2] वट्णा Vaṭṇā [3] सक० क्रि०
विपरिवर्त्यते (कर्म वा०) बदलना, बदल जाना।

ਵਟਵਾਂ वट्वाँ Vaṭvā̃ [3] वि०
परिवर्तित (वि०) परिवर्तित, बदला हुआ।

ਵਟਵਾਉਣਾ वट्वाउणा Vaṭvāuṇā [3] सक० क्रि०
परिवर्तयति (भ्वादि प्रेर०) परिवर्तित कराना, बदलवाना।

ਵਟਾਂਦਰਾ वटाँद्रा Vaṭā̃drā [3] पुं०
वर्तान्तिर (वि०) विनिमय, बदलाव।

ਵੱਟ वट्ट् Vaṭṭ [3] स्त्री०
वर्त्मन् (नपुं०) वर्त्म, मार्ग, रास्ता।

ਵੱਟਣਾ वट्टणा Vaṭṭaṇā [3] अक० क्रि०
वटति (भ्वादि अक०) बँटना, ऐंठन देना; अर्जित करना, कमाई करना।

ਵੱਟਣੀ वट्टणी Vaṭṭaṇī [3] स्त्री०
वर्तनी (स्त्री०) छोटा तकुआ, तकली।

ਵੱਟਣੂ वट्टणू Vaṭṭaṇū [3] पुं०
वर्तन (नपुं०) बड़ा तकुआ, बड़ा तकला।

ਵੱਟਮਾਰ वट्टमार् Vaṭṭamār [3] वि०
वर्त्ममार (वि०) लुटेरा, राहजन।

ਵੱਟਮਾਰੀ वट्टमारी, Vaṭṭmārī[3] स्त्री०
वर्त्ममारीय (नपुं०) बँटमारी, राहजनी।

ਵੱਟਾ वट्टा Vaṭṭā [3] पुं०
वर्तुल (वि०) छोटा पत्थर, कंकड़; तौलने का एक पत्थर।

ਵੱਟੀ[1] वट्टी Vaṭṭī [3] स्त्री०
वर्ति (स्त्री०) लैंप या दीपक की बत्ती, घाव में भरने की बत्ती; घाव पर बाँधने की पट्टी।

ਵੱਟੀ[2] वट्टी Vaṭṭī [3] स्त्री०
वटक, वटी (स्त्री०) गोली या टिकिया।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵੱਟੀ³ वट्टी Vaṭṭī [2] स्त्री०
वर्तुला (स्त्री०) गोल छोटा पत्थर; तौलने का एक पत्थर।

ਵਡਤਮ वड्तम् Vaḍtam [3] वि०
वड्तम (वि०) सर्वश्रेष्ठ, सबसे बड़ा।

ਵਡੱਤਣ वडत्तण् Vaḍattaṇ [3] स्त्री०
वड्ता (स्त्री०) बड़प्पन, बड़ाई।

ਵਡਿਆਈ वड्याई Vaḍyāī [3] स्त्री०
वड्रिका (स्त्री०) बड़ाई, प्रशंसा।

ਵਡਿੱਤਣ वडित्तण् Vadittaṇ [3] स्त्री०
द्र०—ਵਡੱਤਣ।

ਵਡੇਰਾ वडेरा Vaderā [1] पुं०
वड्तर (वि०) बडेरा, अधिक बड़ा।

ਵੱਡਾ वड्डा Vaḍḍā [3] पुं०
वड् (वि०) बड़ा, दीर्घाकार।

ਵੱਡੀ वड्डी Vaḍḍī [3] स्त्री०
वड्री (स्त्री०) बड़ी, बहुत, अधिक।

ਵੱਢ वड्ढ Vaḍḍh [3] पुं०
वर्ध (पुं०) छीलने या काटने का भाव; तराश।

ਵੱਢਣਾ वड्ढ्णा Vaḍḍhṇā [3] अक० क्रि०
वर्धयति (चुरादि सक०) काटना, (फसल आदि); चीरना।

ਵਣ वण् Vaṇ [3] पुं०
वन (नपुं०) जंगल, वन।

ਵਣਜ वणज् Vaṇaj [3] पुं०
वाणिज्य (नपुं०) वनिज, व्यापार।

ਵਣਜਣਾ वण्जणा Vaṇjaṇā [3] सक० क्रि०
पणते (भ्वादि सक०) व्यापार करना।

ਵਣਜਾਰ वण्जार Vaṇjār [2] वि०
पण्य (वि०) सौदा करने योग्य वस्तु।

ਵਣਜਾਰਨ वण्जारन् Vaṇjāran [3] स्त्री०
वणिजी (स्त्री०) व्यापारी की पत्नी, व्यापार करने वाली स्त्री।

ਵਣਜਾਰਾ वण्जारा Vaṇjārā [3] पुं०
वणिज (पुं०) व्यापारी, बनिया।

ਵਣਰੱਖਿਅਕ वण्रख्यक् Vaṇrakkhyak [3] पुं०
वनरक्षक (वि०) वन का रक्षक।

ਵਤ वत् Vat [3] अ०
वत् (प्रत्यय, अ०) वत्, समान, तरह।

ਵਤਸਲ वत्सल् Vatsal [3] वि०
वत्सल (वि०) वात्सल्य-युक्त, स्नेही।

ਵੱਤਣ वत्तण् Vattaṇ [1] अक० क्रि०
आवर्तते (भ्वादि अक०) घूमना-फिरना।

ਵਦਣਾ वद्णा Vadṇā [3] अक० क्रि०
वदति (भ्वादि सक०) बोलना, कहना।

ਵਦਾਣਾ वदाणा Vadāṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵਦਣਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਦੀ वदी Vadī [3] पुं०
वदि (अ०) वदि, कृष्ण पक्ष ।

ਵਧਣਾ वधणा Vadhṇā [2] अक० क्रि०
वर्द्धते (भ्वादि अक०) बढ़ना, उन्नत होना ।

ਵਧਾਉਣਾ वधाउणा Vadhāuṇā [3] सक० क्रि०
वर्धापयति (भ्वादि प्रेर०) आगे बढ़ाना, बढ़ाना; बधाई देना ।

ਵਧਾਊ वधाऊ Vadhāū [3] पुं०
वर्धक (वि०) बढ़ने वाला, बढ़ाने वाला ।

ਵਧਾਈ वधाई Vadhāī [3] स्त्री०
वर्धापन (नपुं०) बधाई, मुबारकवाद ।

ਵਧੀਕ वधीक् Vadhīk [3] वि०
अधिक (वि०) अधिक, ज्यादा ।

ਵਧੀਕਤਾ वधीक्ता Vadhīktā [3] स्त्री०
अधिकता (स्त्री०) अधिकता, बढ़ती, विशेषता ।

ਵਧੇਰਾ वधेरा Vadherā [3] वि०
वृद्धतर (वि०) वृद्धतर, आपेक्षिक बड़ा; अधिक ।

ਵਧੌਤਰ वधौतर् Vadhautar [1] वि०
द्र०—ਵਧੇਰਾ ।

ਵਧੌਤਰੀ वधौत्री Vadhautrī [3] स्त्री०
द्र०—ਵਧੇਰਾ ।

ਵਧੌਤੀ वधौती Vadhautī [3] स्त्री०
द्र०—ਵਧੇਰਾ ।

ਵੱਧ वद्ध Vaddh [3] वि०
वृद्ध (वि०) वृद्ध; बढ़ा हुआ; ज्यादा, अधिक; उन्नत; ज्येष्ठ; श्रेष्ठ ।

ਵੱਧਰੀ वद्धरी Vaddhrī [3] स्त्री०
वर्ध्र (पुं०) चमड़े का धागा, चर्मरज्जु; चमड़े की पतली पट्टी ।

ਵਨ वन् Van [3] पुं०
वन (नपुं०) वृक्ष-समुदाय, जंगल ।

ਵਨਾਸਪਤੀ वनास्पती Vanāspatī [3] स्त्री०
वनस्पति (पुं०) बड़ा जंगली वृक्ष, वृक्ष-मात्र, वनस्पति ।

ਵੱਨਗੀ वन्नगी Vannagī [3] स्त्री०
वर्णक (पुं०, नपुं०) बानगी, नमूना ।

ਵਪਾਰ वपार् Vapār [3] पुं०
व्यापार (पुं०) व्यापार, व्यवसाय ।

ਵਪਾਰਕ व्यारक् Vapārak [3] वि०
व्यापारिक (वि०) व्यापारिक, व्यापार-संबन्धी ।

ਵਪਾਰਨ वपारन् Vapāran [3] स्त्री०
व्यापारिणी (स्त्री०) व्यापार करने वाली, व्यापारी की स्त्री ।

ਵਪਾਰੀ वपारी Vapārī [3] पुं०
व्यापारिन् (वि०) व्यापारी, व्यवसायी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਭਿੱਨ वभिन्न Vabhinn [1] वि०
विभिन्न (वि०) विभिन्न, अलग किया हुआ, तोड़ा हुआ।

ਵਰ वर् Var [3] पुं०
वर (पुं०) दूल्हा, वर; श्रेष्ठ; वरण; वरदान।

ਵਰਸ वरस् Varas [1] पुं०
वर्ष (नपुं०) वर्ष, साल।

ਵਰਸ਼ਾ वर्शा Varśā [3] स्त्री०
वर्षा (स्त्री०) वर्षा, बरसात।

ਵਰਸਾਉ वर्साउ Varsāu [3] पुं०
वर्षुक (वि०) वर्षक, बरसाने वाला, वर्षा करने वाला।

ਵਰਹੀ वर्ही Varhī [3] वि०
वार्षिक (वि०) वार्षिक, सालाना, वर्ष भर का।

ਵਰਖਾ वर्खा Varkhā [3] स्त्री०
वर्षा (स्त्री०) वर्षा, बरसात।

ਵਰਖਾਈ वर्खाई Varkhāī [1] स्त्री०
द्र०—ਵਰਸ਼ਾ।

ਵਰਗ वर्ग् Varg [3] पुं०
वर्ग (पुं०) दल, समूह; कवर्गादि वर्ग; समकोण।

ਵਰਗਖੇਤਰ वरग्खेतर् Varag-Khetar [3] पुं०
वर्गक्षेत्र (नपुं०) वर्ग-क्षेत्र, समभुज या समकोण जमीन।

ਵਰਗ-ਵਿਤਕਰਾ वर्ग्-वित्करा Varg-Vitkarā [3] पुं०
वर्गव्यतिकर (पुं०) वर्ग-भेद।

ਵਰਗੀ वर्गी Vargī [3] वि०
वर्गीय (वि०) वर्ग-संबन्धी, वर्गीय; वर्गाकार।

ਵਰਗੀਆ वर्गीआ Vargīā [1] वि०
वर्गीय (वि०) वर्गीय, वर्ग का।

ਵਰਘਰ वर्घर् Varghar [3] पुं०
वरघर (पुं०) कन्या के लिए रिश्ता, वर का घर।

ਵਰਚ वरच् Varac [3] स्त्री०
वचा (स्त्री०) वच नामक ओषधि या जड़-विशेष।

ਵਰਜਣਾ वर्ज्णा Varjṇā [3] सक० क्रि०
वर्जयति (चुरादि सक०) रोकना, मना करना।

ਵਰਜੇਵਾਂ वर्जेवाँ Varjevā̃ [3] पुं०
वर्जनाज्ञा (स्त्री०) वर्जन, रोकने की आज्ञा, निषेधाज्ञा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਰਣ वरण् Varaṇ [3] पुं०
वर्ण (पुं०) वर्ण, ब्राह्मणादि चारों वर्ण; अक्षर; रंग।

ਵਰਣ-ਸੰਕਰਤਾ वरण्-संकर्ता Varaṇ-Saṅkartā [3] स्त्री०
वर्णसंकरता (स्त्री०) रंगों का मिश्रण; वह व्यक्ति या जाति जो भिन्न-भिन्न जातियों के स्त्री-पुरुष के संयोग से उत्पन्न हो।

ਵਰਣਨਕਾਰ वर्णन्कार् Varṇankār [3] वि०
वर्णनकार (वि०) वर्णन या व्याख्या करने वाला।

ਵਰਣਨ-ਗੋਚਰਾ वर्णन्-गोच्रा Varṇan-Gocrā [3] वि०
वर्णनगोचर (वि०) वर्णन का विषय, वर्णनीय।

ਵਰਣਨਾਉਣਾ वरण्नाउणा Varaṇnāuṇā [1] सक० क्रि०
वर्णयति (चुरादि सक०) वर्णन करना, बयान करना।

ਵਰਣ-ਵਿਚਾਰ वरण्-विचार Varaṇ-vicār [3] पुं०
वर्णविचार (पुं०) वर्ण-विचार, भाषा-विज्ञान का वह भाग जिसमें वर्णों के उच्चारण-सम्बन्धी नियमों का विवरण दिया गया हो।

ਵਰਣ-ਵਿੱਥ वर्ण्-वित्थ् Vrṇ Vitth [3] स्त्री०
वर्णवृत्ति (स्त्री०) वर्णों अथवा जाति के आधार पर की गयी सामाजिक व्यवस्था या व्यवहार।

ਵਰਣਿਕ वर्णिक् Varṇik [3] वि०
वर्णिक (वि०) वर्णों अथवा अक्षरों से संबन्धित।

ਵਰਣਿਤ वर्णित् Varṇit [3] वि०
वर्णित (वि०) वर्णन किया हुआ, व्याख्यात, निरूपित, कथित।

ਵਰਤ वर्त् Vart [3] पुं०
व्रत (नपुं०) संकल्प, प्रतिज्ञा; पुण्य के साधन उपवासादि नियम-विशेष।

ਵਰਤਣ वर्तण् Vartaṇ [3] स्त्री०
व्रतिनी (स्त्री०) व्रत रखने वाली स्त्री।

ਵਰਤਣਾ वर्तणा Vartaṇā [3] सक० क्रि०
वर्तयति (भ्वादि प्रेर०) वर्तना, प्रयोग में लाना, इस्तेमाल करना।

ਵਰਤਮਾਨਜੁਗ वरत्मान्जुग् Varatmānjug [3] पुं०
वर्तमानयुग (नपुं०, पुं०) वर्तमान युग।

ਵਰਤਵਰਤਾ वरत्वर्ता Varatvartā [1] पुं०
वर्तितता (स्त्री०) बरताव, रीति-रिवाज।

ਵਰਤਾਉ वर्ताउ Vartāu [3] पुं०
वर्तन (नपुं०) व्यवहार, वर्ताव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਰਤਾਉਣਾ वर्ताउणा Vartāuṇā [3] सक० क्रि०
वर्तयति (चुरादि सक०) वर्तना, व्यवहार करना, आचरण करना।

ਵਰਤਾਰਾ वर्तारा Vartārā [3] पुं०
वर्तित (नपुं०) व्यवहार, वर्ताव।

ਵਰਤਿਆ वरत्या Vartyā [3] वि०
वर्तित (वि०) उपयोग में लाया हुआ, व्यवहृत।

ਵਰਤੀਜਣਾ वर्तीज्णा Vartijṇā [3] अक० क्रि०
वर्त्यते (कर्मवा०) प्रयुक्त किया जाना, प्रयोग में लाया जाना।

ਵਰਤੀਣਾ वर्तीणा Vartiṇā [3] अक० क्रि०
द्र०—ਵਰਤੀਜਣਾ।

ਵਰਤੋਂ वर्तों Vartō [3] स्त्री०
वर्तन (नपुं०) वर्ताव; प्रयोग, व्यवहार।

ਵਰਦਾਇਕ वर्दाइक् Vardāik [3] पुं०
वरदायक (वि०) वरदायक, वर देने वाला।

ਵਰਧਨ वर्धन् Vardhan [3] पुं०
वर्धन (नपुं०) वृद्धि, बढ़ोत्तरी।

ਵਰਨ-ਅਵਰਨ वर्न्-अवर्न् Varn-Avarn [3] वि०
वर्णावर्ण्य (वि०) वर्णों (अक्षरों) से अवर्णनीय, वर्णनातीत।

ਵਰਨ-ਵਿਚਿੱਤਰਤਾ वर्न्-विचित्तर्ता Varn-Vicittartā [3] स्त्री०
वर्णविचित्रता (स्त्री०) वर्णों की विचित्रता, रंग-विरंगापन।

ਵਰਨ-ਵਿਪਰਜ वर्न्-विप्रज् Varn-Vipraj [3] पुं०
वर्णविपर्यय (पुं०) वर्ण-विपर्यय, वर्णों का विपरीत-क्रम।

ਵਰਨਾ वर्ना Varnā [3] सक० क्रि०
वरयति (चुरादि सक०) वरण करना, शादी करना; चाहना।

ਵਰਨੀ वर्नी Varnī [3] स्त्री०
वरण (नपुं०) वरण, वरणी, ब्राह्मणों द्वारा जप पूजा अनुष्ठान आदि कराने का भाव या क्रिया।

ਵਰਮਾ वर्मा Varmā [3] पुं०
वम्र (पुं०) वर्मा (औजार-विशेष)।

ਵਰਮਾਉਣਾ वर्माउणा Varmāuṇā [3] सक० क्रि०
वम्रयति (नामधातु सक०) वर्मा द्वारा छेद करना।

ਵਰਮੀ वर्मी Varmī [3] स्त्री०
वम्री (स्त्री०) बाँबी; साँप का बिल; छोटा वर्मा।

ਵਰਾਉਣਾ वराउणा Varāuṇā [3] अक० क्रि०
विरामयति (भ्वादि प्रेर०) बच्चे को चुप कराना, बहलाना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਰਾਗਣਾ वराग्णा Varāgṇā [3] अक० क्रि०
विरज्यते (भ्वादि अक०) विरक्त होना, वैराग्य लेना।

ਵਰੀੜਾ वरीड़ा Varīṛā [1] स्त्री०
व्रीडा (स्त्री०) व्रीडा, लज्जा।

ਵਰੋਸਾਉਣਾ वरोसाउणा Varosāuṇā [3] सक० क्रि०
वर्षयति (भ्वादि प्रेर०) वर्षा बरसाना।

ਵਰੋਲਣਾ वरोल्णा Varolṇā [3] सक० क्रि०
विलोडति (भ्वादि सक०) बिलोणा, मथना।

ਵਰ੍ਹਨਾ वर्हना Varhanā [3] अक० क्रि०
वर्षति (भ्वादि अक०) बरसना।

ਵਰ੍ਹਾ वर्हा Varhā [3] पुं०
वर्ष (पुं०, नपुं०) वर्ष, साल।

ਵਰ੍ਹਾਊ वर्हाऊ Varhāū [3] वि०
वर्षुक (वि०) वर्षा करने वाला, वर्षक।

ਵਲ[1] वल् Val [3] पुं०
बल (नपुं०) बल, शक्ति।

ਵਲ[2] वल् Val [3] पुं०
वलन (नपुं०) वलन, चक्कर; लपेट।

ਵਲ[3] वल् Val [3] पुं०
वलि (स्त्री०) झुर्री, सिकुड़न।

ਵਲਸਣਾ वल्सणा Valsaṇā [2] सक० क्रि०
वलते (भ्वादि सक०) लपेटना, मरोड़ना।

ਵਲਟੋਣਾ वल्टोणा Valtoṇā [3] पुं०
वर्तुल (नपुं०) बड़ा पात्र-विशेष।

ਵਲਣਾ वल्णा Valṇā [3] क्रि०
वलते (भ्वादि प्रेर०) लपेटना, मरोड़ना।

ਵਲਾ वला Valā [3] पुं०
वलय (नपुं०) चक्कर; घुमाव।

ਵਲਾਉਣਾ वलाउणा Valāuṇā [3] सक० क्रि०
वलयति (भ्वादि प्रेर०) घुमाना, वापिस करना, लौटाना।

ਵਲੀ वली Valī [3] पुं०
बलिन् (वि०) बली, बलवान्।

ਵਲੀਣਾ वलीणा Valīṇā [3] अक० क्रि०
वल्यते (कर्म वा०) घेरे अथवा चक्कर में आना।

ਵੱਲ[2] वल्ल् Vall [3] स्त्री०
वल्लरी (स्त्री०) बेल, लता।

ਵੱਲਭ वल्लभ् Vallabh [3] पुं०
वल्लभ (वि०) वल्लभ, सर्वोपरि प्रिय, प्रेमी।

ਵੜਨਾ वड़्ना Vaṛnā [3] अक० क्रि०
उपपतति (भ्वादि अक०)/वरण्यति (क्र्यादि अक०) प्रवेश करना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵੜਾ वड़ा Vaṛā [3] पुं०
वट/वटक (पुं०, नपुं०) बड़ा, पकौड़ा।

ਵੜੀ वड़ी Vaṛī [3] स्त्री०
वटी (स्त्री०) बड़ी, पकौड़ी।

ਵਾ वा Vā [3] पुं०
वायु (पुं०) वायु, पवन।

ਵਾਉ वाउ Vāu [3] स्त्री०
वायु (पुं०) वायु, वात।

ਵਾਈ वाई Vāī [3] स्त्री०
वात (पुं०) वायु-रोग, वात-रोग।

ਵਾਸ वास् Vās [3] स्त्री०
वास (पुं०) निवास, आवास।

ਵਾਸਤਵਿਕ वास्तविक् Vāstavik [3] वि०
वास्तविक (वि०) परमार्थ, सत्य; ठीक, यथार्थ।

ਵਾਸ਼ਨਾ वाश्ना Vāśnā [3] स्त्री०
वासना (स्त्री०) चाह, इच्छा, अभिलाषा।

ਵਾਸ਼ਨਾਤਮਕ वाश्नात्मक Vāśnātmak [3] वि०
वासनात्मक (वि०) वासना-स्वरूप।

ਵਾਸ਼ਪ वाशप् Vāśap [3] पुं०
वाष्प (पुं०, नपुं०) वाष्प, भाप।

ਵਾਸਾ वासा Vāsā [3] स्त्री०
वास (पुं०) आवास, निवास।

ਵਾਸੀ वासी Vāsī [3] पुं०
वासिन् (वि०) निवासी, रहने वाला।

ਵਾਸੂਲ वासूल् Vāsūl [3] पुं०
वायुशूल (पुं०, नपुं०) पेट में वायु-जन्य पीड़ा।

ਵਾਹ[1] वाह् Vāh [3] पुं०, स्त्री०
वश (पुं०) अधिकार, स्वामित्व, शक्ति, प्रभाव।

ਵਾਹ[2] वाह् Vāh [3] स्त्री०
वाह/प्रवाह (पुं०) जल-प्रवाह।

ਵਾਹ[3] वाह Vāh [3] अ०
अहा (अ०) हर्ष सूचक शब्द।

ਵਾਹਕ वाहक् Vāhak [3] पुं०
वाहक (वि०) हल जोतने वाला, खेती करने वाला।

ਵਾਹਣ वाहण् Vāhaṇ [3] पुं०
वाहन (नपुं०) वाहन, सवारी।

ਵਾਹਣਾ वाह्णा Vāhṇā [2] सक० क्रि०
वाहयति (भ्वादि प्रेर०) गाड़ी चलाना अथवा हाँकना।

ਵਾਹਰਨਾ वाहर्ना Vahrnā [3] अक० क्रि०
वाश्रयति (नाम धातु) पशु में मैथुनेच्छा का होना।

ਵਾਹਰੀ वाह्री Vahrī [1] स्त्री०
वाश्रा (स्त्री०) भोग की इच्छा वाली।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਾਹਾ वाहा Vāhā [3] वि०
द्र० –ਵਾਹਕ ।

ਵਾਹੁਣਾ वाहुणा Vāhuṇā [3] क्रि०
वाहयति (भ्वादि प्रेर०) रथ या गाड़ी चलाना अथवा हाँकना ।

ਵਾਕ वाक् Vāk [3] पुं०
वाक्य (नपुं०) वाक्क, वचन, शब्द ।

ਵਾਕ-ਸਿੱਧ वाक्-सिद्ध् Vāk-Siddh [3] वि०
वाक्सिद्ध (वि०) वाक्-सिद्ध, जिसकी वाणी सही सिद्ध हो ।

ਵਾਕ-ਛਲ वाक्-छल् Vak-Chal [3] पुं०
वाक्छल (नपुं०) वाक्-छल, वाक्यों अथवा शब्दों के हेर-फेर से कोई अन्य अर्थ निकालने का भाव या क्रिया ।

ਵਾਕ-ਬੋਧ वाक्-बोध Vāk-Bodh [3] पुं०
वाक्यबोध (पुं०) वाक्य-बोध, भाषा का ज्ञान ।

ਵਾਕ-ਯੁੱਧ वाक्-युद्ध् Vāk-Yuddh [3] पुं०
वाग्युद्ध (नपुं०) वाग् युद्ध, मौखिक लड़ाई, शाब्दिक वाद-विवाद ।

ਵਾਕ-ਰਚਨਾ वाक्-रचना Vāk-Racnā [3] स्त्री०
वाक्य-रचना (स्त्री०) वाक्य-रचना ।

ਵਾਕਾਂਸ਼ वाकांश् Vākāś [3] पुं०
वाक्यांश (पुं०) वाक्य का अंश, वाक्य खण्ड ।

ਵਾਗ वाग् Vāg [3] स्त्री०
वल्गा (स्त्री०) लगाम, रास ।

ਵਾਚ वाच् Vāc [3] स्त्री०
वाच् (स्त्री०) वाणी, भाषा ।

ਵਾਚਣ वाचण् Vācaṇ [3] सक० क्रि०
वाचयति (चुरादि सक०) बाँचना, पढ़ना ।

ਵਾਚਣਾ वाचणा Vācṇā [3] सक० क्रि०
वाचयति (चुरादि सक०) बाँचना, पढ़ना ।

ਵਾਚਨਾਲਾ वाचनाला Vācnālā [3] पुं०
वाचनालय (पुं०) वाचनालय ।

ਵਾਚਾਰਥ वाचारथ् Vācārath [3] पुं०
वाच्यार्थ (पुं०) वाच्यार्थ, अभिधेयार्थ ।

ਵਾਜਾ वाजा Vājā [3] पुं०
वाद्य (नपुं०) बाजा ।

ਵਾਟ वाट् Vāṭ [3] स्त्री०
वाट (नपुं०) रास्ता, मार्ग, बाट ।

ਵਾਟੇ वाटे Vāṭe [3] क्रि० वि०
वाटे (सप्त, अधि०) वाट में, मार्ग में ।

ਵਾੜੀ वाड़ी Vāḍrī [3] स्त्री०
वाटिका (स्त्री०) बाड़ा, उद्यान ।

ਵਾਢ वाढ् Vāḍh [3] स्त्री०
वर्धयति (चुरादि प्रेर०) काटना, चीरना ।

ਵਾਢੀ वाढी Vāḍhī [3] पुं०
द्र०—ਘਾਢੀ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਾਣ वाण् Vāṇ [3] पुं०
वट (पुं०) बान, रस्सी।

ਵਾਤ वात् Vāt [1] स्त्री०
वात (पुं०) वातरोग, गठिया रोग।

ਵਾਤਸਲ वात्सल् Vātsal [3] पुं०
वात्सल्य (नपुं०) स्नेह जो अपने से छोटों के प्रति होता है, वात्सल्य-भाव।

ਵਾਦ वाद् Vād [3] पुं०
वाद (पुं०) बातचीत, कथन, वाद-विवाद; पक्ष।

ਵਾਦੀ वादी Vādī [3] वि०
वादिन् (वि०) वादी, अभियोगी, मुद्दई।

ਵਾਧ वाध् Vādh [3] स्त्री०
वृद्धि (स्त्री०) वृद्धि, उन्नति, बढ़ोत्तरी।

ਵਾਧਾ वाधा Vādhā [3] पुं०
वर्धन (नपुं०) वृद्धि, लाभ।

ਵਾਧੂ वाधू Vādhū [3] वि०
वृद्ध (वि०) वृद्धि को प्राप्त, बढ़ा हुआ।

ਵਾਪਰਨਾ वापर्ना Vāparnā [3] अक० क्रि०
व्याप्नोति (स्वादि अक०) व्याप्त होना; प्रभावित करना, फैलना।

ਵਾਮ वाम Vām [3] वि०
वाम् (वि०) वाम, उल्टा, विरोधी।

ਵਾਯੂ वायू Vāyū [3] पुं०
वायु (पुं०) वायु, पवन, अनिल।

ਵਾਯੂਗੋਲਾ वायुगोला Vāyugolā [3] पुं०
वातगुल्म (पुं०) वात के विकार से होने वाला वायुगोला।

ਵਾਰ[1] वार Vār [3] पुं०
वार (पुं०) वार, दिन।

ਵਾਰ[2] वार Vār [3] अ०
वार (नपुं०) एक वार, एक दिन।

ਵਾਰ[3] वार् Vār [2] पुं०
वार (पुं०, नपुं०) बारी, दफा।

ਵਾਰ-ਸਾਹਿਤ वार्-साहित् Vār-Sāhit [3] पुं०
वीरसाहित्य (नपुं०) वीर रस का साहित्य।

ਵਾਰਸ਼ਿਕ वार्षिक् Vārṣik [3] वि०
वार्षिक (वि०) वार्षिक, सालाना; वर्षा ऋतु से संबद्ध।

ਵਾਰਸ਼ਿਕੀ वार्षिकी Vārṣikī [3] पुं०
वार्षिकी (स्त्री०) वर्ष के अन्त में प्राप्त होने वाला भत्ता।

ਵਾਰਤਾ वार्ता Vartā [3] स्त्री०
वार्ता (स्त्री०) वृत्तान्त, हाल; बातचीत।

ਵਾਰਨਾ वार्ना Vārnā [3] सक० क्रि०
वारयति (चुरादि प्रेर०) वारना, दूल्हे आदि के लिए वारना।

ਵਾਰੀ वारी Vārī [3] अ०
वार (नपुं०) बारी, दफा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਾਲ वाल् Vāl [3] पुं०
बाल (पुं०) बाल, केश ।

ਵਾਲਾ वाला Vālā [3] पुं०
वलय (पुं०) कानों में पहनी जाने वाली बड़ी बाली, मुँदरा ।

ਵਾਲੀ वाली Vālī [3] स्त्री०
वलय (पुं०) बाली, कुण्डल ।

ਵਾੜ वाड़् Vāṛ [3] स्त्री०
वाट (पुं०) बाड़, घेरा; सीमा ।

ਵਾੜਨਾ वाड़्ना Vāṛnā [3] सक० क्रि०
उपपातयति (भ्वादि प्रेर०) प्रवेश कराना, भीतर करना ।

ਵਾੜਾ वाड़ा Vāṛā [3] पुं०
वाड (पुं०) कटीली झाड़ियों, पौधों आदि से घेरा हुआ स्थान, बाड़ा, घेरा ।

ਵਾੜੀ वाड़ी Vāṛī [3] स्त्री०
वाड (पुं०) वाटिका; घेरा ।

ਵਿਉਂਤਣਾ व्युँत्णा Vyūtṇā [3] सक० क्रि०
व्यवच्छिनत्ति (रुधादि सक०) काटना, छेदन करना ।

ਵਿਓਂਤ व्योंत् Vyōt [3] स्त्री०
व्यूयन (नपुं०) योजना, युक्ति ।

ਵਿਓਂਤਣਾ व्योंत्णा Vyōtṇā [3] सक० क्रि०
व्यूयते (भ्वादि सक०) कपड़े को काटना, नापना, योजना बनाना ।

ਵਿਅਸਤ व्यसत् Vyasat [3] वि०
व्यस्त (वि०) लगा हुआ, आकुल; अस्त-व्यस्त, बिखरा हुआ ।

ਵਿਅਸਨ विअसन् Viasan [3] पुं०
व्यसन (नपुं०) व्यसन, बुरी आदत, बुरी लत; विपत्ति, संकट ।

ਵਿਅਕਤਕ विअक्तक् Viaktak [3] वि०
वैयक्तिक (वि०) वैयक्तिक, व्यक्तिगत ।

ਵਿਅਤਿਰੇਕ व्यतिरेक् Vyatirek [3] पुं०
व्यतिरेक (पुं०) भेद, अन्तर; व्यतिरेक अलंकार जिसमें उपमान से उपमेय उत्कृष्ट होता है ।

ਵਿਅਥਾ व्यथा Vyathā [3] स्त्री०
व्यथा (स्त्री०) व्यथा, पीड़ा; कष्ट; चिन्ता ।

ਵਿਅਰਥ व्यरथ् Vyarath [3] वि०
व्यर्थ (वि०) निरर्थक, बेकार; निष्फल ।

ਵਿਅਰਥਤਾ व्यर्थता Vyarthatā [3] स्त्री०
व्यर्थता (स्त्री०) व्यर्थता, निरर्थकता ।

ਵਿਅਰਥਾ व्यर्था Vyarthā [3] वि०
व्यर्थ (वि०) व्यर्थ, बेकार; निष्फल ।

ਵਿਆਈ विआई Viāī [1] स्त्री०
विपादिका (स्त्री०) बेवाई, पैर का एक रोग ।

ਵਿਆਹ व्याह् Vyāh [3] पुं०
विवाह (पुं०) विवाह, शादी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਆਹਣੂ ब्याह्णू Vyāhṇū [1] वि०
वैवाहिक (वि०) विवाह-संबन्धी।

ਵਿਆਹੁਣਾ ब्याहुणा Vyāhuṇā [3] अक० क्रि०
विवाहयति (भ्वादि प्रेर०) ब्याहना, विवाह करना।

ਵਿਆਹੁਤਾ ब्याहुता Vyāhutā [3] स्त्री०
विवाहिता (स्त्री०) विवाहित स्त्री।

ਵਿਆਕਰਣ ब्याक्रण् Vyākraṇ [3] पुं०
व्याकरण (नपुं०) व्याकरण।

ਵਿਆਕਰਣੀ ब्याकर्णी Vyākarṇī [3] वि०
व्याकरणिन् (वि०) वैयाकरण, व्याकरण जानने वाला।

ਵਿਆਕਰਨੀ ब्याकर्नी Vyākarnī [3] वि०
व्याकरणिन् (वि०) व्याकरण का ज्ञाता, वैयाकरण।

ਵਿਆਕੁਲ ब्याकुल् Vyākul [3] वि०
व्याकुल (वि०) आकुल, परेशान; भयभीत, डरा हुआ।

ਵਿਆਕੁਲਤਾ ब्याकुल्ता Vyākultā [3] स्त्री०
व्याकुलता (स्त्री०) आकुलता, घबड़ाहट।

ਵਿਆਖਿਆਉਣਾ ब्याख्याउणा Vyākhyāuṇā [3] अक० क्रि०
व्याख्याति (अदादि सक०) व्याख्या करना, व्याख्यान देना।

ਵਿਆਖਿਆਕਾਰ ब्याख्याकार् Vyākhyākār [3] वि०
व्याख्याकार (पुं०) व्याख्याकार, व्याख्या करने वाला।

ਵਿਆਖਿਆਤ ब्याख्यात् Vyākhyāt [3] वि०
व्याख्यात (वि०) व्याख्या-युक्त, विवेचित।

ਵਿਆਜ ब्याज् Vyāj [3] स्त्री०
व्याज (पुं०) व्याज, बहाना; कपट; व्याजस्तुति।

ਵਿਆਧ[1] ब्याध् Vyādh [3] स्त्री०
व्याधि (स्त्री०) व्याधि, रोग; पीड़ा।

ਵਿਆਧ[2] ब्याध् Vyādh [2] पुं०
व्याध (पुं०) व्याध, शिकारी, बहेलिया।

ਵਿਆਪਕ ब्यापक् Vyāpak [3] वि०
व्यापक (वि०) व्यापक, चारों ओर फैला हुआ।

ਵਿਆਪਕਤਾ ब्यापक्ता Vyāpaktā [3] स्त्री०
व्यापकता (स्त्री०) चारों ओर फैलाने का भाव, व्याप्ति।

ਵਿਆਪਣਾ ब्यापणा Vyāpṇā [3] अक० क्रि०
व्याप्नोति (स्वादि सक०) व्याप्त होना, फैलना।

ਵਿਆਪਤੀ ब्याप्ती Vyāptī [3] स्त्री०
व्याप्ति (स्त्री०) व्याप्त होने का भाव, व्याप्ति, फैलाव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਆੜ विआड़् Viāṛ [3] पुं०
बीजार्ह (नपुं०) बीज डालने योग्य खेत, बिआड़ ।

ਵਿਅੰਗ विअँग् Viaṅg [3] पुं०
व्यङ्ग्य (नपुं०) व्यंग्य, गूढार्थ, कटाक्ष ।

ਵਿਅੰਗਕਰਤਾ विअँग्कर्ता Viaṅg-Kartā [3] पुं०
व्यङ्ग्यकर्तृ (वि०) व्यंग्य करने वाला ।

ਵਿਅੰਗਕਾਰ विअँग्कार् Viaṅg-Kār [3] वि०
व्यङ्ग्यकार (पुं, वि०) व्यंग्यकार, व्यंग्य करने वाला व्यक्ति या लेखक ।

ਵਿਅੰਗੀ विअँगी Viaṅgī [3] वि०
व्यङ्गिन् (वि०) व्यंग्यी, व्यंग्य करने वाला ।

ਵਿਅੰਜਨ व्यंजन् Vyañjan [3] पुं०
व्यञ्जन (नपुं०) शाग-सब्जी; मसाला-अचार आदि ।

ਵਿਸ विस् Vis [3] पुं०
द्र०—विश ।

ਵਿਸ਼ विष् Viṣ [3] पुं०
विष (नपुं०) विष, जहर ।

ਵਿਸ਼ਈ विषई Viṣaī [3] पुं०
विषयिन् (वि०) विषयासक्त, विलासी, भोग-लिप्त ।

ਵਿਸਤਾਰ विस्तार् Vistār [3] पुं०
विस्तार (पुं०) विस्तार, फैलाव ।

ਵਿਸ਼ਤਾਰਨਾ विस्तार्ना Vistārnā [3] सक० क्रि०
विस्तारयति (भ्वादि प्रेर०) विस्तृत करना, फैलाना ।

ਵਿਸਤਾਰਮਈ विस्तार्मई Vistārmaī [3] वि०
विस्तारमय (वि०) विस्तार-बहुल, विस्तार-सहित ।

ਵਿਸ਼ਤ੍ਰਿਤ विश्त्रित् Viśtrit [3] वि०
विस्तृत (वि०) विस्तार-युक्त, फैला हुआ, व्याप्त; विशाल, बहुत बड़ा ।

ਵਿਸ਼ਥਾਪਨਾ विश्थाप्ना Viśthāpnā [3] सक० क्रि०
विस्थापयति (भ्वादि प्रेर०) उजाड़ना, विस्थापित करना ।

ਵਿਸਥਾਪਿਤ विस्थापित् Visthāpit [3] वि०
विस्थापित (वि०) विस्थापित, उजाड़ा हुआ, निर्वासित ।

ਵਿਸ਼-ਭਰਿਆ विष्-भर्या Viṣ-Bharyā [3] वि०
विषभरित (वि०) विष-भरा, विषैला, विषाक्त ।

ਵਿਸਮ विसम् Visam [3] पुं०
विस्मय (नपुं०) विस्मय, आश्चर्य ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਸਮਣਾ विसम्णा Visamṇā [3] अक० क्रि०
विश्रामयति (दिवादि सक०) विश्राम करना, आराम करना।

ਵਿਸ਼ਮਤਾ विशम्ता Viśamtā [3] स्त्री०
विषमता (स्त्री०) विषमता, असमानता।

ਵਿਸਮਰਨਾ विस्मर्ना Vismarnā [3] सक० क्रि०
विस्मरति (भ्वादि सक०) विस्मृत करना, भूलना।

ਵਿਸਮਾਉਣਾ विस्माउणा Vismāuṇā [3] अक० क्रि०
विस्मयते (भ्वादि अक०) विस्मित होना, हैरान होना।

ਵਿਸਮੇਕਾਰੀ विस्मेकारी Vismekārī [3] वि०
विस्मयकारिन् (वि०) विस्मयकारी, आश्चर्यजनक।

ਵਿਸਰਜਨ विसर्जन् Visarjan [3] पुं०
विसर्जन (नपुं०) विसर्जन, त्याग, समाप्ति।

ਵਿਸਰਜਿਤ विसर्जित् Visarjiṭ [3] वि०
विसर्जित (वि०) विसर्जित, त्यक्त; समाप्त।

ਵਿਸਰਨਾ विसर्ना Visarnā [3] सक० क्रि०
विस्मरति (भ्वादि सक०) विस्मरण करना, भूलना, विसरना।

ਵਿਸਲ विसल् Visal [1] वि०
विषल (वि०) विषैला, विष-भरा।

ਵਿਸ਼ਵਾਸ विश्वास् Viśvās [3] पुं०
विश्वास (पुं०) विश्वास, भरोसा।

ਵਿਸ਼ਵਾਸੀ विश्वासी Viśvāsī [3] पुं०
विश्वासिन् (वि०) विश्वास युक्त, भरोसेमन्द।

ਵਿਸ਼ਾ विशा Viśā [3] पुं०
विषय (पुं०) विषय, इन्द्रियों द्वारा ग्राह्य पदार्थ।

ਵਿਸਾਹ विसाह् Visāh [3] पुं०
द्र०—ਵਿਸ਼ਵਾਸ।

ਵਿਸ਼ਾਹਘਾਤ विसाह्घात् Visāhghāt [3] पुं०
विश्वासघात (नपुं०) विश्वासघात, किसी के विश्वास के विरुद्ध की गयी क्रिया।

ਵਿਸਾਹਘਾਤੀ विसाह्घाती Visāhghātī [3] पुं०
विश्वासघातिन् (वि०) विश्वासघाती, दगाबाज।

ਵਿਸਾਖ विसाख् Visākh [3] पुं०
वैशाख (पुं०) वैशाख मास।

ਵਿਸਾਖੀ विसाखी Visākhī [1] स्त्री०
वैशाखी (स्त्री०) वैशाख मास की पूर्णिमा; वैसाखी नामक पंजाब में होने वाला उत्सव।

ਵਿਸ਼ਾਦ विशाद् Viśād [3] पुं०
विषाद (पुं०) विषाद, दुःख।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਸ਼ਾਦੀ विशादी Viśādī [3] वि०
विषादिन् (वि०) विषाद-युक्त, उदास ।

ਵਿਸਾਂਧ विसाँध् Visādh [2] स्त्री०
द्र०—ਬਿਸਾਂਧ ।

ਵਿਸਾਂਧਾ विसाँधा Visādhā [2] वि०
विस्रगन्ध (वि०) सड़ाँध-युक्त, दुर्गन्ध-युक्त, बदबूदार ।

ਵਿਸਾਰਨਾ विसार्ना Visārnā [3] सक० क्रि०
विस्मरति (भ्वादि सक०) विसारना, भूलना-भुलाना ।

ਵਿਸਾਰਾ विसारा Visārā [3] पुं०
विस्मार (पुं०) विस्मरण, भुलाने का भाव ।

ਵਿਸ਼ਾਲ विशाल् Viśāl [3] वि०
विशाल (वि०) विशाल, बड़ा, प्रशस्त, लंबा-चौड़ा; महान् ।

ਵਿਸ਼ਾ-ਵਸਤੂ विशा-वस्तू Viśā-Vastū [3] पुं०
विषयवस्तु (नपुं०) विषय-वस्तु, वर्णन का विषय, प्रसंग ।

ਵਿਸ਼ਿਸ਼ਟ विशिशट् Viśiśṭ [3] वि०
विशिष्ट (वि०) विशेषता से युक्त, गुणी; प्रसिद्ध, मशहूर ।

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ विशेश् Viśeś [3] वि०
विशेष (पुं०) असाधारण, विलक्षण, विशेष; भेद, अन्तर ।

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ विशेशण् Viśeśaṇ [3] पुं०
विशेषण (नपुं०) विशेषण-किसी प्रकार की विशेषता बताने वाला, भेदक ।

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾ विशेश्ता Viśeśtā [3] स्त्री०
विशेषता (स्त्री०) विशेषता, भेदता ।

ਵਿੱਸਰਨਾ विस्सर्ना Vissarnā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵਿਸਮਰਨਾ ।

ਵਿਸ਼ੂ विश्व् Viśv [3], पुं० सर्व०
विश्व (पुं०/सर्व०) पुं०—विश्व, संसार । सर्व०—समस्त, सब ।

ਵਿਹਲੜ वेह्लड़् Vehlaṛ [3] पुं०
अलस (वि०) निकम्मा ।

ਵਿਹਲਾ वेल्हा Velhā [3] वि०
विरिक्त/अलस (वि०) बेकार ।

ਵਿਹੜਾ वेह्ड़ा Vehṛā [3] पुं०
वेष्ट (पुं०) घेरा, चारदीवारी; आँगन ।

ਵਿਹਾਜਣਾ विहाज़णा Vihājṇā [3] अक० क्रि०
विवाह्यते (भाव वा०) विवाहित होना, विवाहा जाना ।

ਵਿਹਾਰ विहार् Vihār [3] पुं०
व्यवहार (पुं०) व्यवहार, लेन-देन; व्यापार ।

ਵਿਹਾਰਕ विहारक् Vihārak [3] वि०
व्यावहारिक (वि०) व्यापार-संबन्धी ।

ਵਿਹਾਰਕਤਾ विहारक्ता Vihāraktā [3] स्त्री०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

व्यावहारिकता (स्त्री०) पारस्परिक व्यवहार अथवा लेन-देन; व्यावहारिकता।

ਵਿਹੀਨ विहीन् Vihīn [3] **वि०**
विहीन (वि०) विहीन, रहित।

ਵਿਹੁ विहु Vihu [3] **स्त्री०**
द्र०—ਵਿਸ਼।

ਵਿਹੁਲਾ विहुला Vihulā [3] **वि०**
विषल (वि०) विषैला, विषयुक्त।

ਵਿਹੂਣਾ विहूणा Vihūṇā [3] **वि०**
विहीन (वि०) वंचित, विहीन, रहित।

ਵਿਕਸਣਾ विकस्णा Vikasṇā [3] **अक० क्रि०**
विकसति (भ्वादि अक०) विकसति होना, खिलना; प्रफुल्लित होना, प्रसन्न होना।

ਵਿਕਸਿਤ विक्सित् Viksit [3] **वि०**
विकसित (वि०) विकसित, खिला हुआ; प्रसन्न।

ਵਿਕਣਾ विक्णा Vikṇā [3] **क्रि०**
विक्रीयते (क्र्यादि कर्मवा०) बेचा जाना,

ਵਿਕਰਮ विकर्म् Vikarm [3] **पुं०**
विकर्मन् (नपुं०) विरुद्ध कर्म, खराब कर्म।

ਵਿਕਲਪ विकलप् Vikalap [1] **पुं०**
विकल्प (नपुं०) भिन्न कल्पना; संदेह, संशय।

ਵਿਕਾਉਣਾ विकाउणा Vikāuṇā [3] **क्रि०**
विक्राययति (क्र्यादि प्रेर०) बेचना; बिकवाना।

ਵਿਕਾਊ विकाऊ Vikāū [3] **वि०**
विक्रय्य (वि०) बिकाऊ, बेचने योग्य।

ਵਿਕਾਸਣਾ विकास्णा Vikāsṇā [3] **सक० क्रि०**
विकासयति (भ्वादि प्रेर०) विकसित कराना; प्रसन्न करना।

ਵਿਕੀਰਣਾ विकीर्णा Vikīrṇā [3] **सक० क्रि०**
विकिरति (तुदादि सक०) बिखेरना, पृथक्-पृथक् फैलाना।

ਵਿੱਕਰੀ विक्करी Vikkrī [3] **स्त्री०**
विक्रय (पुं०) विक्री, बेचने का भाव।

ਵਿਖ विख् Vikh [3] **स्त्री०**
विष (नपुं०) विष, जहर।

ਵਿਖਮ विखम् Vikham [3] **वि०**
विषम (वि०) विषम, असमान।

ਵਿਖਰਣਾ विखर्णा Vikharṇā [1] **क्रि०**
द्र०—ਵਿਖਾਰਣਾ।

ਵਿਖਾਣ विखाण् Vikhāṇ [2] **पुं०**
विषाण (नपुं०) सींग।

ਵਿਖਾਲਣਾ विखाल्णा Vikhāḷṇā [3] **प्रेर० क्रि०**
वीक्षयति (भ्वादि प्रेर०) दिखलाना, दर्शाना।

ਵਿਖਿਆਤ विख्यात् Vikhyāt [3] **वि०**
विख्यात (वि०) विख्यात, प्रसिद्ध, मशहूर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਖਿਪਤ विखिपत् Vikhipat [3] स्त्री०
विक्षिप्तता (स्त्री०) विक्षिप्तता, व्याकुलता, पागलपन।

ਵਿਖੇਪ विखेप् Vikhep [3] पुं०
विक्षेप (पुं०) विक्षेप, विघ्न, बाधा, रुकावट।

ਵਿਖੇਪਣ विखेपण् Vikhepaṇ [3] पुं०
विक्षेपण (नपुं०) विक्षेपण, इधर-उधर फेंकने की क्रियां।

ਵਿਖੇਪਤਾ विखेप्ता Vikheptā [3] स्त्री०
द्र०—ਵਿਖਿਪਤ।

ਵਿੰਗ विंग् Viṅg [3] पुं०
वङ्क (नपुं०) टेढ़ा।

ਵਿਗਸਾਉਣਾ विग्साउणा Vigsāuṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵਿਕਾਸਣਾ।

ਵਿਗਤ विगत् Vigat [3] वि०
विगत (वि०) बीता हुआ, व्यतीत।

ਵਿਗਤੀ विग्ती Vigtī [1] स्त्री०
विगति (स्त्री०) विगति, दुर्गति।

ਵਿੰਗੜ विंगड़् Viṅgaṛ [3] वि०
द्र०—ਵਿੰਗਾ।

ਵਿਗੜਨਾ विगड़्ना Vigaṛnā [3] अक० क्रि०
विघटते (भ्वादि अक०) बिगड़ना, खराब होना।

ਵਿੰਗਾ विंगा Viṅgā [3] पुं०
वङ्क/वङ्किम (वि०) बाँका, टेढ़ा।

ਵਿਗਾੜ विगाड़् Vigāṛ [3] पुं०
विघटन (नपुं०) बिगाड़ने का भाव; विरोध, विग्रह।

ਵਿਗਾੜਨਾ विगाड़्ना Vigāṛnā [3] सक० क्रि०
विघटयति (भ्वादि प्रेर०) बिगाड़ना, खराब करना।

ਵਿਗਿਆਨ विग्यान् Vigyān [3] पुं०
विज्ञान (नपुं०) विज्ञान।

ਵਿਗਿਆਪਤ विग्यापत् Vigyāpat[3] वि०
विज्ञापित (वि०) विज्ञापित, प्रकाशित।

ਵਿਗੁਚਣਾ विगुच्णा Vigucṇā [3] अक० क्रि०
विकुञ्चति (भ्वादि अक०) सिकुड़ना; मुरझाना; खिन्न होना।

ਵਿਗੁਣ विगुण् Vīguṇ [1] वि०
विगुण (वि०) विगुण, गुण-हीन; निर्गुण।

ਵਿਗ੍ਰਹਿ विग्रह् Vigrah [1] पुं०
विग्रह (पुं०) विग्रह, कलह, युद्ध।

ਵਿਘਨ विघन् Vighan [3] स्त्री०
विघ्न (नपुं०) विघ्न, रुकावट, बाधा।

ਵਿਚੱਖਣ विचक्खण् Vicakkhaṇ [3] वि०
विचक्षण (वि०) बुद्धिमान्, विद्वान्; निपुण, चतुर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਚਰਨਾ विचर्ना Vicarnā [3] अक० क्रि०
विचरति (भ्वादि अक०) विचरना, चलना, घूमना।

ਵਿਚਲਨਾ विचल्ना Vicalnā [3] क्रि०
विचलति (भ्वादि अक०) विचलित होना, पथभ्रष्ट होना; सिद्धान्त से हटना, एक विचार पर स्थिर न रहना।

ਵਿਚਾਲਣਾ विचाल्णा Vicāḷṇā [3] सक० क्रि०
विचालयति (भ्वादि प्रेर०) फूट डालना; विचलित कराना।

ਵਿਚਾਲਨਾ विचाल्ना Vicālnā [3] क्रि०
विचालयति (भ्वादि प्रेर०) विचलित या पथभ्रष्ट करना।

ਵਿਚਿੱਤਰਤਾ विचित्तर्ता Vicittartā [3] स्त्री०
विचित्रता (स्त्री०) अनोखापन, विलक्षणता।

ਵਿਚੇਤਨ विचेतन् Vicetan [3] वि०
विचेतन (वि०) चेतना-रहित, अचेत, बेहोश।

ਵਿਛਣਾ विछ्णा Vichṇā [3] क्रि०
विच्छदति (चुरादि सक०) बिछना, फैलना, विस्तृत होना।

ਵਿਛੜਨਾ विछड़्ना Vichaṛnā [3] अक० क्रि०
विच्छुटति (तुदादि अक०) बिछुड़ना, अलग होना।

ਵਿਛਾਉਣਾ[1] विछाउणा Vichāuṇā [3] पुं०
विच्छादन (नपुं०) बिछौना, गद्दा।

ਵਿਛਾਉਣਾ[2] विछाउणा Vichāuṇā [3] क्रि०
विच्छादयति (चुरादि सक०) बिछाना, फैलाना।

ਵਿਛੰਨਾ विच्छुन्ना Vichunnā [3] वि०
विच्छिन्न (वि०) विच्छिन्न, बिछुड़ा हुआ।

ਵਿਛੇਦ विछेद् Viched [3] पुं०
विच्छेद (पुं०) विच्छेद, पृथक्ता, अलगाव।

ਵਿਛੇਪ विछेप् Vichep [1] स्त्री०
विक्षेप (पुं०) विक्षेप, बेचैनी, घबड़ाहट; भय, डर।

ਵਿਛੋੜਨਾ विछोड़्ना Vichoṛnā [3] सक० क्रि०
विच्छोटयति (चुरादि सक०) छोटा करना; बिखेरना; पृथक् करना।

ਵਿਛੋੜਾ विछोड़ा Vichoṛā [3] पुं०
विच्छोट (पुं०) विछोह, अलगाव, जुदाई।

ਵਿਛੌਣਾ विछौणा Vichauṇā [1] क्रि०
द्र०—ਵਛਾਉਣਾ।

ਵਿਜਈ विज्ई Vijī [3] पुं०
विजयिन् (वि०) विजयी, जीतने वाला।

ਵਿਜੋਗ विजोग् Vijog [3] पुं०
वियोग (पुं०) वियोग, विरह, विछोह।

ਵਿਜੋਗਣੀ विजोग्णी Vijogṇī [3] स्त्री०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

वियोगिनी (स्त्री०) वियोगिनी, विरह-युक्ता ।

ਵਿਜੋਗੀ विजोगी Vijogī [3] पुं०
वियोगिन् (वि०) वियोगी, विरही ।

ਵਿੰਝਾ विज्झा Vijjhā [1] वि०
विद्ध (वि०) बिंधा हुआ, घायल किया हुआ ।

ਵਿੱਠ विट्ठ Viṭṭh [3] स्त्री०
विष्ठा (स्त्री०) विष्ठा, मल ।

ਵਿਣਸਣਾ विणस्णा Viṇasṇā [1] वि०
विनाशन (वि०) विनष्ट होने वाला ।

ਵਿਤ वित् Vit [3] स्त्री०
वित्त (नपुं०) वित्त, धन-दौलत ।

ਵਿਤਕਰਾ वित्करा Vitkarā [3] पुं०
व्यतिरेक (पुं०) व्यतिरेक, भेद-भाव, अलगाव ।

ਵਿਤਰਿਕਤ वित्रिक्त् Vitrikt [1] वि०
व्यतिरिक्त (वि०) अतिरिक्त, भिन्न ।

ਵਿਤਰੇਕ वितरेक् Vitrek [3] पुं०
व्यतिरिक्त (वि०) अतिरिक्त, भिन्न ।

ਵਿਤਰੇਕਤਾ वित्रेक्ता Vitrektā [3] स्त्री०
व्यतिरिक्तता (स्त्री०) अतिरिक्तता, अतिरेक, आधिक्य; भेद ।

ਵਿਤੰਡਾ वितण्डा Vitaṇḍā [3] स्त्री०
वितण्डा (स्त्री०) व्यर्थ का झगड़ा अथवा कहा-सुनी, बखेड़ा ।

ਵਿੱਤ वित्त् Vitt [3] स्त्री०
वित्त (नपुं०) धन-सम्पत्ति ।

ਵਿਥਰ विथर् Vithar [1] वि०
विस्तृत (वि०) विस्तार-युक्त, फैला हुआ ।

ਵਿਥਰਣ विथ्रण् Vithraṇ [1] सक० क्रि०
विस्तारयति (भ्वादि सक०) फैलाना, विस्तार करना ।

ਵਿੱਥ वित्थ् Vitth [3] पुं०
वितस्ति (स्त्री०) फासला, अन्तर ।

ਵਿਦਲ विदल् Vidal [3] वि०
विदल (वि०) दल-हीन, निर्दल ।

ਵਿਦਵਾਨ विद्वान् Vidvān [3] पुं०
विद्वान् (प्रथमान्त पुं०) विद्वान्, पण्डित ।

ਵਿਦਿਅਕ विद्यक् Vidyak [3] वि०
विद्यिक (वि०) विद्या से संबन्धित ।

ਵਿਦਿਆਰਥਣ विद्यार्थण् Vidyārthaṇ [3] स्त्री०
विद्यार्थिनी (स्त्री०) विद्यार्थिनी, छात्रा ।

ਵਿਦਿਆਰਥੀ विद्यार्थी Vidyārthī [3] पुं०
विद्यार्थिन् (पुं०) विद्यार्थी, छात्र ।

ਵਿਦਿਸ਼ਾ विदिशा Vidiśā [3] स्त्री०
विदिशा (स्त्री०) एक प्राचीन नगर का नाम जो वर्तमान में भेलसा के नाम से जाना जाता है; मालवा की एक नदी का नाम ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਦਿਤ विदित् Vidit [3] वि०
विदित (वि०) विदित, ज्ञात।

ਵਿਦੂਸ਼ਕ विदूषक् Vidūṣak [3] पुं०
विदूषक (पुं०) नाटक का एक हास्य कलाकार, तमाशा करने वाला एक नट; दोष लगाने वाला, निन्दक।

ਵਿਦੇਸ਼ਣ विदेशण् Videśaṇ [3] स्त्री०
विदेशिनी (स्त्री०) विदेशी स्त्री, विदेश में रहने वाली स्त्री।

ਵਿੱਦਮਾਨ विद्मान् Viddmān [3] वि०
विद्यमान (वि०) विद्यमान, वर्तमान, मौजूद।

ਵਿੱਦਿਅਕ विद्यक् Viddyak [3] वि०
विद्यिक (वि०) विद्या से संबन्धित।

ਵਿਧਣ विधण् Vidhaṇ [3] पुं०
वेधन (नपुं०) छेदन, बींधने की क्रिया।

ਵਿਧਣਾ विध्णा Vidhṇā [3] क्रि०
द्र०—ਵਿੰਨ੍ਹਣਾ।

ਵਿਧਨ विधन् Vidhan [3] वि०
विधन (वि०) निर्धन, धन-हीन।

ਵਿਧਨਾ विध्ना Vidhnā [3] स्त्री०
विधि (पुं०) विधि, भाग्य; विधाता।

ਵਿਧਰਮ विध्रम् Vidhram [3] पुं०
विधर्मन् (वि०) धर्म-हीन, अधर्मी।

ਵਿਧਾਨਕ विधानक् Vidhānak [3] वि०
वैधानिक (वि०) वैधानिक, विधान-सम्मत।

ਵਿਧਾਨੀ विधानी Vidhānī [3] वि०
द्र०—ਵਿਧਾਨਕ।

ਵਿੱਧ विद्ध् Viddh [3] वि०
विद्ध (वि०) विद्ध, बिंधा हुआ; घायल किया हुआ।

ਵਿਨਾ विना Vinā [1] अ०
विना (अ०) बिना, वगैर, अभाव में; अतिरिक्त, छोड़कर।

ਵਿਨਾਸ਼ विनाश् Vināś [3] पुं०
विनाश (पुं०) नाश, बरबादी, क्षय।

ਵਿਨਾਸ਼ਣਾ विनाश्णा Vināśṇā [3] सक० क्रि०
विनाशयति (दिवादि प्रेर०) विनाश करना, लुप्त करना।

ਵਿਨਾਸ਼ੀ विनाशी Vināśī [3] पुं०
विनाशिन् (वि०) विनाशी, नाश करने वाला।

ਵਿੰਨ੍ਹਣਾ विन्हणा Vinnhaṇā [3] सक० क्रि०
विध्यति (दिवादि सक०) बेधना, छेद करना।

ਵਿਪੱਖ विपक्ख् Vipakkh [3] वि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

विपक्षमन्/विपक्ष (वि०) पंखहीन; विपक्षी, विरोधी।

ਵਿਪਥ विपथ् Vipath [3] पुं०
विपथ (पुं०) कुमार्ग, कुपथ; कुमार्गगामी, कुपथ पर चलने वाला।

ਵਿਪਥਿਕ विप्थिक् Vipthik [3] वि०
विपथिक (वि०) कुमार्गगामी, कुपथ पर चलने वाला व्यक्ति।

ਵਿਪੱਥ विपत्थ Vipatth [3] पुं०
विपथ (पुं०) कुमार्ग, कुपथ, उल्टा रास्ता।

ਵਿਪਰਖਣਾ विपरख्णा Viparakhṇā [3] सक० क्रि०
विपरीक्षते (भ्वादि सक०) अच्छी तरह से परखना।

ਵਿਪਰਜ विप्रज् Vipraj [3] पुं०
विपर्यय (पुं०) विपर्यय, वर्णों का व्यतिक्रम।

ਵਿਪਰਜਣਾ विपर्ज्णा Viparjṇā [3] सक० क्रि०
विपर्येति (अदादि सक०) विपर्यय करना, उलटना।

ਵਿਪਰਜਤ विपर्जत् Viparjat [1] वि०
विपर्यस्त (वि०) विपर्यस्त, विपरीत, उल्टा।

ਵਿਪਰੀਤਤਾ विप्रीत्ता Viprittā [3] स्त्री०
विपरीतता (स्त्री०) विपरीतता, विपर्यय।

ਵਿਪੁਲ विपुल् Vipul [1] वि०
विपुल (वि०) विपुल, विशाल, बड़ा।

ਵਿਪ੍ਰੀਤਤਾ विप्रीत्ता Viprittā [3] स्त्री०
विपरीतता (स्त्री०) विपरीत, विपर्यय, उल्टापन।

ਵਿਫਲ विफल् Viphal [3] वि०
विफल (वि०) बिना फल का, निष्फल; व्यर्थ।

ਵਿਭਚਾਰਨ विभ्चारन् Vibhcāran [3] स्त्री०
व्यभिचारिणी (स्त्री०) व्यभिचार करने वाली स्त्री, छिनाल औरत।

ਵਿਭਿੰਨਤਾ विभिन्नता Vibhinnatā [3] स्त्री०
विभिन्नता (स्त्री०) तोड़ने अथवा अलग करने का भाव; अनेकता।

ਵਿਯੋਜਕ व्योजक् Vyojak [3] वि०
व्योजक (वि०) वियोग करने वाला, पृथक् करने वाला।

ਵਿਰਸ विरस् Viras [1] वि०
विरस (वि०) विरस, रस-हीन।

ਵਿਰਕਤ विर्कत् Virkat [3] पुं०
विरक्त (वि०) विराग-युक्त, वैरागी।

ਵਿਰਲ विरल् Viral [3] स्त्री०
विरल (वि०) विरल, सघन नहीं; जिसके बीच-बीच में अवकाश या खाली जगह हो।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਰਲਾ विर्ला Virlā [3] पुं०
विरल (पुं०) विरल, दुर्लभ, थोड़ा, कम।

ਵਿਰਲਾਪ विर्लाप् Virlāp [3] पुं०
विलाप (पुं०) विलाप, विलख-विलख कर रोने की क्रिया, रोकर दुःख प्रकट करने की क्रिया।

ਵਿਰਲਾਪਣਾ विर्लाप्णा Virlāpṇā [3] अक० क्रि०
विलपति (भ्वादि अक०) विलाप करना, विलख-विलख कर रोना।

ਵਿਰੁੱਧ विरुद्ध् Viruddh [3] पुं०
विरुद्ध (वि०) विरुद्ध, विपरीत।

ਵਿਰੋਧ विरोध् Virodh [3] पुं०
विरोध (पुं०) विपरीत भाव, उल्टी स्थिति; वैर, कलह; मतभेद; अवरोध, रुकावट।

ਵਿਰੋਧਣ विरोधण् Virodhaṇ [3] स्त्री०
विरोधिनी (स्त्री०) विरोधिनी, विरोध करने वाली।

ਵਿਲਕਣਾ विलक्णा Vilakṇā [3] अक० क्रि०
विलपति (भ्वादि अक०) विलाप करना, विलख-विलख कर रोना।

ਵਿਲਕਾਉਣਾ विल्काउणा Vilkāuṇā [3] सक० क्रि०
विलापयति (भ्वादि प्रेर०) रुलाना, तड़पाना।

ਵਿਲੱਖਣ विलक्खण् Vilakkhaṇ [3] वि०
विलक्षण (वि०) विशेष लक्षण से युक्त, विलक्षण; अलौकिक, अनोखा, अनूठा।

ਵਿਲਪ विलप् Vilap [3] पुं०
विलाप (पुं०) विलाप, विलख-विलख कर रोने का भाव।

ਵਿਲਮ विलम् Vilam [3] पुं०
विलम्ब (पुं०) विलम्ब, देर।

ਵਿਲਮਣਾ विलम्णा Vilamṇā [1] क्रि०
विलम्बते (भ्वादि अक०) विलम्ब करना, देर करना।

ਵਿਲਾਸ-ਮੱਤਾ विलास्-मत्ता Vilās-Mattā [3] वि०
विलासमत्त (वि०) विलास में पागल, कामासक्त।

ਵਿਲੋਕਣਾ विलोक्णा Vilokṇā [1] सक० क्रि०
विलोकते (भ्वादि सक०) देखना; विचार करना।

ਵਿਲੰਬ विलम्ब् Vilamb [3] पुं०
विलम्ब (पुं०) विलम्ब, देर।

ਵਿਵਸਾਇ विव्साइ Vivsāi [3] पुं०
व्यवसाय (पुं०) व्यवसाय, काम, धन्धा, व्यापार।

ਵਿਵਸਾਈ विव्साइ Vivsāi [3] पुं०
व्यवसायिन् (वि०) व्यवसायी, व्यापारी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਵਰਣ विव्रण् Vivraṇ [3] पुं०
विवरण (नपुं०) खोलकर सबके समक्ष विचार रखने की क्रिया, विवरण, ब्योरा।

ਵਿਵਾਹਿਤ विवाहित् Vivāhit [3] वि०
विवाहित (वि०) विवाह-सम्पन्न, जिसका विवाह हो गया हो।

ਵਿਵਾਦ विवाद् Vivād [3] पुं०
विवाद (पुं०) किसी विषम बात को लेकर वाग् युद्ध अथवा झगड़ा, प्रतिवाद, विवाद।

ਵਿਵਾਦੀ विवादी Vivādī [3] पुं०
विवादिन् (वि०) विवादी, विवाद करने वाला।

ਵਿਵੇਕ विवेक् Vivek [3] पुं०
विवेक (पुं०) भली-बुरी वस्तु के ज्ञान की शक्ति, विवेक, विचार-शक्ति।

ਵੀ वी Vī [3] वि०
द्वि (वि०) दो, दोनों।

ਵੀਹ वीह् Vīh [3] वि०
विंशति (स्त्री०) बीस, 20।

ਵੀਹਵਾਂ वीह्वाँ Vīhvā̃ [3] पुं०
विंशतितम (वि०) बीसवाँ, 20वाँ।

ਵੀਹੀ वीही Vīhī [3] स्त्री०
द्र०—धीही।

ਵੀਟੀ वीटी Vīṭī [ ] स्त्री०
वीटा (स्त्री०) प्राचीन काल का एक खेल, खेल की गोली।

ਵੀਣ वीण् Viṇ [1] स्त्री०
बीन (नपुं०) बीन, बाजा।

ਵੀਣਾ वीणा Viṇā [3] स्त्री०
वीणा (स्त्री०) वीणा, बीन।

ਵੀਥਰਨਾ वीथर्ना Vītharnā [3] अक० क्रि०
विस्तीर्यते (स्वादि कर्मवा०) फैलना, विस्तृत होना।

ਵੀਰ वीर् Vīr [3] पुं०
वीर (पुं०) वीर, बहादुर, शूर।

ਵੀਰਾਂਗਣੀ वीरांग्णी Vīrāṅgṇī [3] स्त्री०
वीराङ्गना (स्त्री०) वीर ललना या स्त्री।

ਵੁਹਾਰ वुहार् Vuhār [1] पुं०
द्र०—ਬੁਹਾਰ।

ਵੁੱਠਾ वुट्ठा Vuṭṭhā [3] वि०
वृष्ट (वि०) बरसा हुआ, (मेघ आदि) बरस गया।

ਵੇਸਣ वेसण् Vesaṇ [3] पुं०
वेसन (नपुं०) बेसन, चने का चूर्ण।

ਵੇਸਵਾ वेस्वा Vesvā [3] स्त्री०
वेश्या (स्त्री०) वेश्या, रण्डी।

ਵੇਖਣ वेखण् Vekhaṇ [3] पुं०
वीक्षण (नपुं०) अच्छी तरह देखने का भाव, निरीक्षण; खोज।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵੇਖਣਾ वेख्णा Vekhṇā [3] सक० क्रि०
वीक्षते (भ्वादि प्रेर०) देखना, वीक्षण करना।

ਵੇਖਣੀ[1] वेख्णी Vekhṇī [3] वि०
वीक्षणीय (वि०) दर्शनीय, देखने योग्य।

ਵੇਖਣੀ[2] वेख्णी Vekhṇī [3] स्त्री०
वीक्षण (नपुं०) देखने की क्रिया या भाव, निरीक्षण।

ਵੇਗ वेग् Veg [3] पुं०
वेग (पुं०) वेग, गति, रफ्तार; प्रवाह, बहाव; उत्तेजना।

ਵੇਗੀ वेगी Vegī [3] वि०
वेगिन् (वि०) वेग-युक्त, गतिशील, तीव्र।

ਵੇਚਣਾ वेच्णा Vecṇā [3] सक० क्रि०
विक्रीणाति / विक्रीणीते (क्र्यादि सक०) विक्रय करना, बेचना।

ਵੇਣੀ वेणी Veṇī [3] स्त्री०
वेणि (स्त्री०) जल का समुदाय; प्रवाह; पंजाब की एक नदी।

ਵੇਤਰਨਾ वेतर्ना Vetarnā [3] सक० क्रि०
व्यवकर्तति (चुरादि सक०) काटना, तरासना।

ਵੇਦ वेद् Ved [3] पुं०
वेद/वेदी (स्त्री०) वेदी, यज्ञादि का स्थान।

ਵੇਦਨਾ वेद्ना Vednā [3] स्त्री०
वेदना (स्त्री०) वेदना, पीड़ा, कष्ट।

ਵੇਧ वेध् Vedh [3] पुं०
वेध (पुं०) वेध, छेद, बीधने का भाव।

ਵੇਧਸ਼ਾਲਾ वेध्शाला Vedhśālā [3] स्त्री०
वेधशाला (स्त्री०) वेधशाला, नक्षत्रादि की गति का ज्ञान करने वाली शाला।

ਵੇਧਨੀ वेध्नी Vedhnī [3] स्त्री०
वेधनी (स्त्री०) वेधनी, छेद करने का औजार, वर्मा आदि।

ਵੇਧੀ वेधी Vedhī [3] पुं०
वेधिन् (वि०) वेधी, वेध करने वाला।

ਵੇਰ वेर् Ver [3]
द्र०—ਵਾਰ[2]।

ਵੇਰਵਾ वेर्वा Vervā [3] पुं०
विवरण (नपुं०) व्योरा, किसी बात को पूरी तरह स्पष्ट रूप से कहना।

ਵੇਰੀ बेरी Verī [3] स्त्री०
वार (पुं०)बारी, दफा।

ਵੇਲ वेल् Vel [3] स्त्री०
वेल्लि (स्त्री०) बेल, वल्लरी, लता।

ਵੇਲਣ वेलण् Velaṇ [2] स्त्री०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

वेल्लन (नपु०) बेलन जिससे रोटी, पूड़ी आदि बेली जाती है।

ਵੇਲਣਾ[1] वेल्णा Velṇā [3] **सक० क्रि०**
वेल्लति (भ्वादि सक०) बेलना, बेलना से रोटी आदि फैलाने की क्रिया।

ਵੇਲਣਾ[2] वेल्णा Velṇā [3] **पुं०**
वेलन(नपुं०) बेलना।

ਵੇਲਾ वेला Velā [3] **पुं०**
वेला (स्त्री०) समय, काल।

ਵੇੜ੍ਹ वेढ़् Veṛh [3] **पुं०**
वेष्टन (नपुं०) घेरा, हाता; कमरबन्द, पट्टिका आदि।

ਵੇੜ੍ਹਨਾ वेढ़्ना Veṛhnā [3] **सक० क्रि०**
वेष्टयति (भ्वादि प्रेर०) लपेटना, उमेंठना, मरोड़ना आदि।

ਵੈਸ਼ वैश् Vaiś [3] **पुं०**
वैश्य (पुं०) वैश्य, तृतीय वर्ण का मनुष्य।

ਵੈਸ਼ਣਾ वैस्णा Vaisṇā [3] **अक० क्रि०**
विशति (तुदादि सक०) जाना।

ਵੈਸ਼ਨਵੀ वैश्नवी Vaiśnavī [3] **स्त्री०**
वैष्णवी (स्त्री०) विष्णु-पत्नी, विष्णु-शक्ति; विष्णु से सम्बन्धित।

ਵੈਂਗਣ वैंगण् Vaiganṇ [2] **पुं०**
वातिङ्गण (पुं०) बैगन, भण्टा।

ਵੈਣ वैण् Vaiṇ [3] **पुं०**
वचन (नपुं०) कथन, भाषण।

ਵੈਦ वैद् Vaid [3] **पुं०**
वैद्य (पुं०) वैद्य, चिकित्सक।

ਵੈਦਗੀ वैद्गी Vaidgī [3] **स्त्री०**
वैद्यक (नपुं०) वैद्यों का काम अथवा चिकित्सा-शास्त्र।

ਵੈਰ वैर् Vair [3] **पुं०**
वैर (नपुं०) वैर, शत्रुता, विरोध।

ਵੈਰਨ वैरन् Vairan [3] **स्त्री०**
वैरिणी (स्त्री०) वैरिन, विरोधिनी।

ਵੈਰੀ वैरी Vairī [3] **पुं०**
वैरिन् (वि०) वैरी, शत्रु, विरोधी।

ਵੰਸ਼-ਕ੍ਰਮ वंश्-क्रम् Vanś-Kram [3] **पुं०**
वंशक्रम (पुं०) वंश का क्रम, वंशावली।

ਵੰਸ਼ਜ वंशज् Vanśaj [3] **वि०**
वंशज (वि०) वंशज, एक ही वंश में उत्पन्न पुत्र इत्यादि।

ਵੰਸੀ[1] वंसी Vansī [3] **स्त्री०**
वंशी (स्त्री०) वंशी, मुरली।

ਵੰਸੀ[2] वंसी Vansī [3] **वि०**
वंशीय (वि०) वंश का, कुल का।

ਵੰਗ वंग् Vaṅg [3] **स्त्री०**
वङ्ग (नपुं०) चूड़ी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵੰਗਜ वंगज् Vaṅgaj [3] वि०
वङ्गज (वि०) वंगदेशीय, बंगाल का ।

ਵੰਗਾ वंगा Vaṅgā [1] पुं०
वङ्ग (पुं०) खीरे की तरह का फल-विशेष ।

ਵੰਚ वंच् Vañc [2] पुं०
वञ्च/वञ्चन (पुं०/नपुं०) वंचना, ठगी ।

ਵੰਚਕ वंचक् Vañcak [3] पुं०
वञ्चक (वि०) वंचक, ठग, धूर्त, छलिया ।

ਵੰਚਣਾ वंचणा Vañcṇā [3] सक० क्रि०
वञ्चते (चुरादि सक०) ठगना, वंचित करना ।

ਵੰਚਤ वंचत् Vañcat [3] वि०
वञ्चित (वि०) वंचित, ठगा हुआ, अलग किया हुआ, रहित ।

ਵੰਚੀਆ वंचीआ Vañcīā [2] वि०
द्र०—ਵੰਚਕ ।

ਵੰਛਤ वंछत् Vañchat [2] वि०
वाञ्छित (वि०) वांछित, अभिलषित, चाहा हुआ ।

ਵੰਜਣਾ वञ्जणा Vañjṇā [3] अक० क्रि०
व्रजति (भ्वादि सक०) जाना ।

ਵੰਝ वञ्झ् Vañjh [3] पुं०
वंश (पुं०) बाँस ।

ਵੰਝਣਾ वंझणा Vañjhṇā [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵੰਜਣਾ ।

ਵੰਝਲੀ वंझली Vañjhlī [3] स्त्री०
वंशी (स्त्री०) वंशी, मुरली, बाँसुरी ।

ਵੰਡ वण्ड् Vaṇḍ [3] स्त्री०
वण्ड (पुं०) बाँट, बँटवारा, विभाजन; पशुओं का दाना ।

ਵੰਡਣ वण्डण् Vaṅḍaṇ [3] सक० क्रि०
द्र०—ਵੰਡਣਾ ।

ਵੰਡਣਾ वण्डणा Vaṇḍṇā [3] सक० क्रि०
वण्टति (चुरादि सक०) बाँटना, विभाग करना ।

ਵੰਡਾਉਣਾ वण्डाउणा Vaṇḍāuṇā [3] सक० क्रि०
वण्टयति (चुरादि सक०) बाँटना, विभाजित करना ।

ਵੰਡਾਈ वण्डाई Vaṅḍāī [3] स्त्री०
वण्टन/वण्डन (नपुं०) बाँट, विभाजन ।

ਵੰਡਾਰਾ वँडारा Vāḍārā [3] पुं०
वण्टन (नपुं०) बाँट, बटवारा ।

ਵੰਡੀਣਾ वण्डीणा Vaṇḍīṇā [3] अक० क्रि०
वण्ड्यते / वण्ट्यते (चुरादि कर्मवा०) बाँटा जाना ।

ਵੰਡੇਵਾ वण्डेवा Vaṇḍevā [1] पुं०
वण्टन (नपुं०) बाँट, भाग ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵੰਦਨਾ वन्दना Vandanā [3] सक० क्रि०
वन्दते (भ्वादि सक०) वन्दन करना, प्रणाम करना ।

ਵੰਨਗੀ वन्नगी Vannagī [3] स्त्री
वर्णक (पुं०, नपुं०) बानगी, प्रकार, नमूना ।

ਵੰਨਾ[1] वन्ना Vannā [3] वि०
वर्णित (वि०) रंग वाला, रंगा हुआ ।

ਵੰਨਾ[2] वन्ना Vannā [3] पुं०
वन्द्य (वि०) वर, दूल्हा ।

ਵੁੱਠਾ वुट्ठा Vuṭṭhā [2] वि०
वृष्ट (वि) वर्षा हुई ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

परिशिष्ट

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

परिशिष्ट

ੳ

ੳ उ U पुं०/अ०
उ (पुं०/अ०) पुं०—उमेश, शिव; ब्रह्मा। अ०—स्वीकृति, प्रश्न या आश्चर्य का बोधक शब्द; संबोधन।

ੳਂ उँ Ŭ अ०
उ (अ०) प्रश्न, क्रोध या निषेध का बोधक शब्द।

ੳਆਹਿ उआहि Uāhi सर्व०
अमुष्य (षष्ठ्यन्त सर्व०) उसका; यह विभक्ति सहित रूप है।

ੳਸਕਣਾ उस्कणा Uskaṇā पुं०
औत्सुक्य (नपुं०) उतावलापन, उत्सुकता।

ੳਸਕਨਾ उस्कना Uskanā पुं०
द्र०—ੳਕਸਣਾ।

ੳਸਟਰੁ-ਨੈਨ उसट्रु-नैन् Usaṭru-Nain पुं०
ओष्ठनयन (नपुं०) आष्ठ और नयन, होठ और आँख।

ੳਹੁ उहु Uhu सर्व०
द्र०—ੳਹ।

ੳਕਸਾਉਣਾ उक्साउणा Uksāuṇā पुं०
उत्कषण (नपुं०) उकसाने अथवा उभारने का भाव।

ੳਕੇਰੀਆ उकेर्या Ukeryā पुं०
उत्किरक (पुं०) उत्कीर्ण करने वाला, नक्काशी करने वाला।

ੳੱਕਤ उक्कत् Ukkat स्त्री०
युक्ति (स्त्री०) युक्ति, उपाय।

ੳੱਕਤਣ उक्कतण् Ukkataṇ स्त्री०
युक्तिनी (स्त्री०) युक्तिमती, सूझ-बूझ वाली स्त्री।

ੳੱਕਰਣਾ उक्करणा Ukkarṇā सक० क्रि०
उत्किरति (तुदादि सक०) खोदना; उत्कीर्ण करना, पच्चीकारी करना।

ੳਖਾ उखा Ukhā स्त्री०
उषा (स्त्री०) उषःकाल, भोर, तड़का।

ੳੱਖੁਲ उक्खुल् Ukkhul पुं०
उलूखल (नपुं०) ओखली; खलवट्टा।

ੳੱਖੁਲੀ उक्खुली Ukkhulī स्त्री०
द्र० – ੳੱਖਲ।

ੳਗਣਾ उग्णा Ugṇā अक० क्रि०
उद्गच्छति (भ्वादि अक०) उगना, अंकुरित होना; निकलना।

ੳਗਮਣਾ उग्मणा Ugmaṇā अक० क्रि०
उद्गच्छति (भ्वादि अक०) उगना, अंकुरित होना।

ੳਗਰਣ उग्रण् Ugraṇ सक० क्रि०
उद्गिरति (तुदादि सक०) उगलना; उल्टी करना, वमन करना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਗਰਾਹੁਣਾ उग्राहुणा Ugrāhuṇā सक० क्रि०
उद्ग्राहयति (क्र्यादि प्रेर०) उगाहना, वसूल करना, चन्दा आदि इकट्ठा करना।

ਉਂਗਲ उंगल् Uṅgal पुं०/वि०
अङ्गुल (पुं० / वि०) पुं०—अंगुलि। वि०—एक अंगुल का परिमाण।

ਉਂਗਲੀ उंगली Uṅgalī स्त्री०
द्र०—ਉਂਗਲ।

ਉਗਾਹਨਾ उगाह्ना Ugāhnā सक० क्रि०
उद्गृह्णाति (क्र्यादि सक०) उगाहना, वसूल करना; जमा करना, इकट्ठा करना।

ਉਗਾਹਿ उगाहि Ugāhi पुं०
उद्ग्राह (पुं०) उठाने का भाव; प्रत्युत्तर; प्रतिवाद।

ਉਂਗੁਰਨਾ उँगुर्ना Uṅgurnā क्रि०
अङ्कुरयति (चुरादि सक०) अङ्कुरित होना, अंकुर आना।

ਉਂਗੁਰੀ उँगुरी Uṅgurī स्त्री०
द्र०—ਅੰਗੂਰੀ।

ਉਂਗੁਲ उँगुल् Uṅgul स्त्री०
अङ्गुलि (स्त्री०) अंगुली जिनके नाम यथाक्रम अंगुष्ठा, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका तथा कनिष्ठिका हैं।

ਉਂਗੁਲੀ उँगुली Uṅgulī स्त्री०
द्र०—ਉਂਗਲ।

ਉੱਗਮਣਾ उग्गम्णा Uggamṇā पुं०
उद्गमन (नपुं०) सूर्य के उगने का भाव, उछलने या प्रवेश करने का भाव।

ਉੱਗੁਰਣਾ उग्गुर्णा Uggurṇā सक० क्रि०
उद्गुरते (तुदादि सक०) भयभीत को उठाना अथवा प्रोत्साहित करना; भर्रायी आवाज को ठीक करना।

ਉੱਗੁਲਣਾ उग्गुल्णा Uggulṇā सक० क्रि०
उद्गिलति (तुदादि सक०) उगलना, वमन करना; थूकना; निकालना।

ਉਘਾੜਨਾ उघाड़्णा Ughāṛṇā सक० क्रि०
उद्घाटयति (चुरादि सक०) उघाड़ना, खोलना।

ਉਘੁੜਵਾਉਣਾ उघुड़्वाउणा Ughuṛvāuṇā सक० क्रि०
उद्घाटयति (चुरादि प्रेर०) अनावृत कराना, खोलवाना।

ਉਘੇੜਨਾ उघेड़्णा Ugheṛṇā सक० क्रि०
द्र०—ਉਘਾੜਨਾ।

ਉੱਘੜਨਾ उग्घड़्णा Uggharṇā सक० क्रि०
उद्घाटयति (चुरादि सक०) प्रकटित होना।

ਉਚ उच् Uc वि०
उच्च (वि०) ऊँचा, लम्बा; बड़ा, श्रेष्ठ; तेज, जोरदार, बुलन्द।

ਉਚਰਨਾ उचर्ना Ucarnā सक० क्रि०
उच्चरति (भ्वादि सक०) बोलना; उच्चारण करना।

ਉਚਾਲਣਾ उचाल्णा Ucāluṇā सक० क्रि०
उच्चालयति (भ्वादि प्रेर०) उठाना, उछालना; उत्तेजित करना।

ਉਚੇਰਾ उचेरा Ucerā वि०
उच्चतर (वि०) उच्चतर, अधिक ऊँचा।

ਉਛਲਨਾ उछल्ना Uchalnā अक० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

उच्छलति (भ्वादि अक०) उछलना, कूदना।

ਉਛਾਹ उछाह् Uchāh पुं०
उत्साह (पुं०) उछाह, उमङ्ग; जोश, हौसला।

ਉਛਿਹਣਾ उछिह्णा Uchihṇā अक० क्रि०
द्र०—ਉੱਛਣਾ।

ਉਛੇਹਣਾ उछेह्णा Uchehṇā क्रि०
उच्छेदयति (रुधादि प्रेर०) कष्ट देना, पीड़ित करना।

ਉਜਲ उजल् Ujal वि०
उज्ज्वल (वि०) उजला, साफ; चमकीला।

ਉਜਾੜ उजाड़् Ujāṛ पुं०
उज्जाट (पुं०) उजाड़, उजाड़ने का भाव।

ਉੱਜੜਣਾ उज्जड़्णा Ujjaṛṇā अक० क्रि०
उज्जटति (भ्वादि अक०) उजड़ना, नष्ट होना।

ਉਠਿ उठि Uṭhi क्रि० वि०
उत्थाय (क्रि० वि०) उठकर।

ਉਡਰਿ उड्रि Uḍri क्रि० वि०
उड्डीय (क्रि० वि०) उड़कर।

ਉਡਿ उडि Uḍi क्रि० वि०
द्र०—ਉਡਰਿ।

ਉਣਤਾਲੀ उण्ताली Uṇtālī वि०
ऊनचत्वारिंशत् (स्त्री०) उनतालीस, 39।

ਉਤਕੇਪਣ उत्क्षेपण् Utkṣepaṇ पुं०
उत्क्षेपण (नपुं०) ऊपर फेंकने का भाव।

ਉਤਕ੍ਰਿਸ਼ਟ उत्क्रिष्ट Utkriṣṭa वि०
उत्कृष्ट (वि०) उत्तम, श्रेष्ठ।

ਉਤਣਾ उत्णा Utṇā वि०
तावत्क (वि०) उतना।

ਉਤਪ੍ਰੇਕਾ उत्प्रेक्षा Utprekṣā स्त्री०
उत्प्रेक्षा (स्त्री०) अनुमान, कल्पना; एक अर्थालंकार।

ਉਤਪ੍ਰੇਖਯਾ उत्प्रेख्या Utprekhyā स्त्री०
द्र०—ਕਤਪ੍ਰੇਕਾ।

ਉਤਮ[1] उतम् Utam वि०/पुं०
उत्तम (वि०/पुं०) वि०—सर्वोत्कृष्ट, सर्वश्रेष्ठ; मुख्य, प्रधान। पुं०—ध्रुव का सौतेला बड़ा भाई।

ਉਤਮੁ उत्मु Utmu वि०
द्र०—ਉਤਮ।

ਉਤਰ उतर् Utar पुं०
उत्तर (नपुं० / स्त्री०) नपुं०—उत्तर, जवाब। स्त्री०—उत्तर दिशा।

ਉਤਰਸਿ उत्रसि Utrasi सक० क्रि०
उत्तरिष्यसि (भ्वादि सक० लृट्, म० पु०, ए० व०) उतरेगा, पार होवेगा।

ਉਤਾਰਣਾ उतार्णा Utārṇā सक० क्रि०
उत्तारयति (भ्वादि प्रेर०) उतारना।

ਉਤਾੜ उताड़् Utāṛ स्त्री०
उत्ताड (पुं०) उतरने की क्रिया या भाव; उतार, ढलान।

ਉਤਿ उति Uti क्रि० वि०
उतः (क्रि० वि०) उधर,उस तरफ, उस ओर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉੱਤਰਣਾ उत्तर्णा Uttarṇā अक० क्रि०
उत्तरति (भ्वादि अक०) उतरना।

ਉੱਤਰਪਕ उत्तर्पक्ष् Uttarpakṣ पुं०
उत्तरपक्ष (पु०) पूर्व पक्ष का उल्टा, शास्त्रार्थ में वह सिद्धान्त जो विवाद-ग्रस्त विषय का खण्डन करे।

ਉੱਤਰਾਯਣ उत्तरायण् Uttarāyaṇ पुं०
उत्तरायण (नपुं०) उत्तरायण, सूर्य की मकर संक्रांति से मिथुन संक्रान्ति तक छः मास का काल। 22 मार्च से 21 सितम्बर तक का समय।

ਉੱਤਿਸ੍ਹ उत्तिस्ट Uttiṣṭa अक० क्रि०
उत्तिष्ठ (भ्वादि अक० लोट् म० पु० ए० व०) उठो, खड़ा होओ।

ਉਤ੍ਰਾਇਣ उत्राइण् Utrāiṇ स्त्री०
उत्तरायण (नपुं०) मकर-संक्रान्ति से मिथुन-संक्रान्ति तक का काल।

ਉਤ੍ਰਾਯਣ उत्रायण् Utrāyaṇ पुं०
उत्तरायण (नपुं०) वे छः मास जिनमें सूर्य की गति उत्तर की ओर झुकी हुई होती है।

ਉਥਕਨ उथ्कन् Uthkan पुं०
स्थगन (नपुं०) स्थगित होना, रुद्ध होना; थकना।

ਉਥਤ उथत् Uthat वि०
द्र०—ਉਥਿਤ।

ਉਥਪਨ उथ्पन् Uthpan पुं०
उत्थापन (नपुं०) उठाने का भाव।

ਉਥਿਤ उथित् Uthit वि०
उत्थित (वि०) उठा हुआ, उभरा हुआ; बढ़ा हुआ।

ਉਦ[1] उद् Ud अ०
उद् (अ०) ऊपर; बाहर; लाभ।

ਉਦ[2] उद् Ud पुं०
उद (नपुं०) जल, उदक।

ਉਦਉ उदउ Udau पुं०
उदय (पुं०) उदय, उगना; उठना; उन्नति, वृद्धि।

ਉਦਇ उदइ Udai पुं०
द्र०—ਉਦਉ।

ਉਦਕਨਾ उद्कना Udkanā अक० क्रि०
उत्कूर्दते (भ्वादि अक०) ऊपर उछलना, कूदना।

ਉਦਗਾਤਾ उद्गाता Udgātā पुं०
उद्गातृ (पुं०) यज्ञ में सामवेद का गान करने वाला ब्राह्मण।

ਉਦਧ उदध् Udadh पुं०
उदधि (पुं०) समुद्र, सागर।

ਉਦਧਿ उद्धि Uddhi पुं०
द्र०—ਉਦਧ।

ਉਦਧਿਸੁਤ उदधिसुत् Udadhisut पुं०
उदधिसुत (पुं०) चन्द्रमा; मोती; अमृत; धन्वन्तरि।

ਉਦਪਾਨ उद्पान् Udpān पुं०
उदपान (नपुं०) प्याऊ; बाउली; कमण्डलु।

ਉਦਬਿਗਨ उद्बिगन् Udbigan वि०
उद्विग्न (वि०) व्याकुल, घबराया हुआ; दुःखी, सन्तप्त।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਦਬੇਗ उद्बेग् Udbeg पुं०
उद्वेग (पुं०) व्याकुलता, घबराहट।

ਉਦਭਟ उद्भट् Udbhaṭ वि०
उद्भट (वि०) प्रबल, प्रचण्ड; प्रसिद्ध; उत्तम।

ਉਦਭਿਜ उद्भिज् Udbhij पुं०
उद्भिज् (पुं०) वनस्पति।

ਉਦਮ उदम् Udam पुं०
उद्यम (पुं०) उद्यम, उद्योग, यत्न।

ਉਦਮਾਤਾ उद्माता Udmātā पुं०
उन्मत्त (वि०) मदमाता, मतवाला; पागल।

ਉਦਮਾਦੀ उद्मादी Udmādī पुं०
उन्मादिन् (वि०) उन्मादी, उन्मत्त, पागल।

ਉਦਯ उदय् Uday पुं०
उदय (पुं०) निकलना, प्रकट होना; उन्नति, अभ्युदय।

ਉਦਵਿਗਨ उद्विगन् Udvigan वि०
द्र०—ਉਦਬਿਗਨ।

ਉਦਾਸ उदास् Udās पुं०
उदास (स्त्री०) समीप बैठने की क्रिया।

ਉਦਾੱਤ उदात्त् Udātt पुं०
उदात्त (नपुं०) उच्च स्वर से उच्चारित वर्ण, उदात्त स्वर; एक अर्थालंकार।

ਉਦਿਤ उदित् Udit वि०
उदित (वि०) उगा हुआ; ऊपर चढ़ा हुआ; प्रकट, जाहिर।

ਉਦਿਮਾਨ उदिमान् Udimān पुं०
उद्यान (नपुं०) उद्यान, वाटिका।

ਉਦੁੰਬਰ उदुम्बर् Udumbar पुं०
उदुम्बर (पुं०/नपुं०) पुं०—गूलर का वृक्ष। नपुं०—गूलर का फल।

ਉਦੋਤ उदोत् Udot पुं०
उद्योत (पुं०) प्रकाश; भोर।

ਉਦੋਤਕ उदोतक् Udotak वि०
उद्योतक (वि०) प्रकाशक, प्रकाश करने वाला।

ਉੱਦੀਪਨ उद्दीपन् Uddīpan पुं०
उद्दीपन (नपुं०) उद्दीप्त करने की क्रिया; ऐसी वस्तु जो कामादि को उत्तेजित करे; उद्दीपन विभाव।

ਉੱਦੇਸ उद्देस् Uddes पुं०
उद्देश (पुं०) उद्देश्य, प्रयोजन; कारण; अभिलाषा।

ਉੱਦੇਸ਼ਜ उद्देश्य Uddeśya पुं०
उद्देश्य (नपुं०) लक्ष्य, प्रयोजन।

ਉਦ੍ਰਾਗਨਿ उद्रागनि Uddrāgni स्त्री०
उदराग्नि (पुं०) जठराग्नि, पेट की आग।

ਉੱਧ उद्ध Uddha वि०
ऊर्ध्व (वि०) ऊँचा; लम्बा; उन्नत।

ਉੱਧਤ उद्धत् Uddhat वि०
उद्धत (वि०) प्रबल; चतुर; अहंकारी; ऊपर उठाया हुआ।

ਉਧ੍ਰਿਤ उध्रित् Udhrit वि०
उद्धृत (वि०) उठाया हुआ; उद्धार किया

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

हुआ; चुना हुआ, किसी ग्रन्थ से लिया हुआ अंश।

ਉਂਨਤਿ उँनति Ũnati स्त्री०
उन्नति (स्त्री०) वृद्धि, तरक्की; श्रेष्ठता।

ਉਨਤ੍ਰੀ उनत्री Unatrī वि०
द्र०—ਉਨੱਤੀ।

ਉਨਮਤ उन्मत् Unmat पुं०
उन्मत्त (वि०) मतवाला; पागल।

ਉਨਮਦ उन्मद् Unmad पुं०
उन्माद (पुं०) पागलपन, रोग-विशेष।

ਉਨਮੀਲਨ उन्मीलन् Unmīlan पुं०
उन्मीलन (नपुं०) खिलने या खुलने का भाव; प्रफुल्लित होने का भाव।

ਉਨਮੀਲਿਤ उन्मीलित् Unmīlit वि०
उन्मीलित (वि०) खिला या खुला हुआ, प्रफुल्लित; एक अर्थालंकार।

ਉਨਵ उनव् Unav वि०
उन्नत (वि०) उठा हुआ, ऊँचा; आगे बढ़ा हुआ।

ਉਨਵੰਜਾ उन्वंजा Unvañjā वि०
ऊनपञ्चाशत् (स्त्री०) उनचास; 49 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਉਨਾਹਟ उनाहट् Unāhaṭ वि०
ऊनषष्टि (स्त्री०) उनसठ; 59 संख्या से युक्त वस्तु।

ਉਨਾਨਵੇ उनान्वे Unānve वि०
एकोननवति (स्त्री०) नवासो; 89 संख्या से युक्त वस्तु।

ਉਨਿਮੋ उनिमो Unimo (वाक्य)
ओम् नमः (वाक्य) परमात्मा को नमस्कार।

ਉਨੀਂਦਾ उनींदा Unīdā वि०
उन्निद्र (वि०) उनींदा, निद्रा-रहित; आलस्ययुक्त।

ਉਨ੍ਹਾਲ उन्हाल् Unhāl पुं०
उष्णकाल (पुं०) गर्मी का समय, ग्रीष्म ऋतु।

ਉੱਨਤਿ उन्नति Unnati स्त्री०
उन्नति (स्त्री०) वृद्धि, तरक्की; श्रेष्ठता।

ਉੱਨੀ उन्नी Unnī वि०
और्णिक (वि०) ऊन का, ऊन से निर्मित।

ਉਪ उप् Up अ०
उप (अ०) एक उपसर्ग, इसका प्रयोग संज्ञा-पदों अथवा क्रिया-पदों के आरम्भ में करने से समीपता, अधिकता, न्यूनता आदि अर्थ प्रकट होते हैं।

ਉਪਈਆ उप्इआ Upiā पुं०
उत्पादक (वि०) उत्पन्न करने वाला, रचने वाला।

ਉਪਸ उपस् Upas वि०
उपास्य (वि०) वह जिसकी उपासना अथवा सेवा की जाय, आराध्य।

ਉਪਸਾ उप्सा Upsā पुं०
अपस् (नपुं०) कार्य, कर्म।

ਉਪਸ੍ਥ उपस्थ Upastha पुं०
उपस्थ (नपुं०) स्त्री एवं पुरुष की जननेन्द्रिय; कूल्हा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਪਕਰਨਾ उप्कर्ना Upkarnā अक० क्रि० **उपकरोति** (तनादि सक०) उपकार करना।

ਉਪਕੰਠਿ उप्कण्ठि Upkaṇṭhi वि० **उपकण्ठ** (अ०) समीप; कण्ठ के पास; किनारे।

ਉਪਕ੍ਰਿਤਿ उप्क्रिति Upkriti स्त्री० **उपकृति** (स्त्री०) उपकार, भलाई, सहायता।

ਉਪਗਰਹ उप्ग्रह् Upgrah पुं० **उपग्रह** (पुं०) उपग्रह, छोटा ग्रह (राहु, केतु आदि)।

ਉਪਗੰਤਾ उप्गन्ता Upgantā वि० **उपगन्तृ** (वि०) समीप जाने वाला; जानकार।

ਉਪਜਨਾ उपज्ना Upajnā अक० क्रि० **उपजायते** (दिवादि अक०) उत्पन्न होना, उपजना; बढ़ना।

ਉਪਜੰਪ उप्जम्प् Upjamp वि० **उपयुक्त** (वि०) प्रयुक्त; ठीक, उचित; अनुकूल; योग्य।

ਉਪਜੰਪਿ उप्जम्पि Upjampi वि० द्र०—ਉਪਜੰਪ।

ਉਪਟਨ उप्टन् Upṭan पुं० **उत्पाटन** (नपुं०) उखाड़ना, निर्मूल करना।

ਉਪਠਿ उप्ठि Upṭhi वि० **उत्पृष्ठ** (वि०) विमुख।

ਉਪੱਠਾ उपट्ठा Upaṭṭhā वि० **उत्पृष्ठ** (वि०) अधोमुख।

ਉਪਤਿਸਟ उपतिसट् Uatisaṭ अक० क्रि० **उपतिष्ठ** (भ्वादि लोट् म० पु० ए० व०) समीप ठहरो, पास खड़े होओ।

ਉਪਦੇਸ उप्देस् Updes पुं० **उपदेश** (पुं०) शिक्षा; सत्परामर्श; गुरु-दीक्षामंत्र; प्रान्त।

ਉਪਦੇਸਕ उपदेसक् Updesak पुं० **उपदेशक** (वि०) उपदेश करने वाला, गुरु, शिक्षक।

ਉਪਦੇਸਟਾ उप्देस्टा Updesṭā वि० द्र०—ਉਪਦੇਸੀ।

ਉਪਦੇਸਿ उप्देसि Updesi क्रि० वि० **उपदिश्य** (क्रि० वि०) उपदेश करके।

ਉਪਦੇਸੀ उप्देसी Updesī पुं० **उपदेष्टृ** (वि०) उपदेश करने वाला, शिक्षक।

ਉਪਦ੍ਰਹ उप्द्रह् Updrah पुं० **उपद्रव** (पुं०) उत्पात, विघ्न; दंगा; विपदा।

ਉਪਦ੍ਰਵ उप्द्रव् Updrav पुं० द्र०—ਉਪਦ੍ਰਹ।

ਉਪਦ੍ਰਵੀ उप्द्रवी Updravī पुं० **उपद्रविन्** (वि०) उपद्रवी, उत्पाती।

ਉਪਦ੍ਰੀ उप्द्री Updrī वि० द्र०—ਉਪਦ੍ਰਵੀ।

ਉਪਧਾਤੁ उप्धातु Updhātu पुं० **उपधातु** (पुं०) धातु की मैल; दो धातुओं से मिश्रित धातु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਪਨਿਖਦ उप्निखद् Upnikhad पुं०
उपनिषद् (स्त्री०) उपनिषद् ग्रन्थ, वेदान्त, वेदों का अन्तिम भाग; पास बैठने की क्रिया।

ਉਪਨੇਤ੍ਰ उप्नेत्र् Upnetr पुं०
उपनेत्र (नपुं०) दूसरी आँख; विद्या; ऐनक, चश्मा।

ਉਪਪਤਿ उप्पति Uppati पुं०
उपपति (पुं०) दूसरा पति, जार।

ਉਪਪੱਤਿ उप्पत्ति Uppatti स्त्री०
उपपत्ति (स्त्री०) युक्ति, दलील; सिद्धि, कामयाबी; हेतु द्वारा किसी पदार्थ की स्थिति का निश्चय।

ਉਪਪਾਤਕ उप्पातक् Uppātak पुं०
उपपातक (नपुं०) छोटे पाप, पाप।

ਉਪਪਾਤੀ उप्पाती Uppātī वि०
उप्पातिन् (वि०) हठपूर्वक आया हुआ; अचानक उपस्थित।

ਉਪਪਾਦਨ उप्पादन् Uppādan पुं०
उपपादन (नपुं०) सिद्ध करने या युक्ति पूर्वक किसी विषय को समझाने का भाव।

ਉਪਬਾਹ उप्बाह् Upbāh पुं०
उद्वाह (पुं०) विवाह, शादी।

ਉਪਭੁਕਤ उप्भुक्त् Upbhukt वि०
उपभुक्त (वि०) भोगा हुआ, जूठा।

ਉਪਭੁਗਤ उप्भुगत् Upbhugat वि०
द्र०—ਉਪਭੁਕਤ।

ਉਪਰਜਨ उपर्जन् Uparjan पुं०
उपार्जन (नपुं०) पैदा करना, उत्पन्न करना; हासिल करना; जमा करना।

ਉਪਰਤਿ उप्रति Uprati स्त्री०
उपरति (स्त्री०) विरति, विषय से विराग; स्त्री-संभोग से अरुचि; उदासीनता; मृत्यु।

ਉਪਰਮ उप्रम् Upram पुं०
उपरम (पुं०) वैराग्य; उदासीनता; विश्रान्ति।

ਉਪਰਾਜਨ[1] उप्राजन् Uprājan पुं०
उपरञ्जन (नपुं०) रंगने का भाव।

ਉਪਰਾਜਨ[2] उप्राजन् Uprājan पुं०
उपार्जन (नपुं०) पैदा करना; कमाना; प्राप्ति करना।

ਉਪਰਿ उप्रि Upri क्रि० वि०
द्र०—ਉਪਰ।

ਉਪਰੋਧਾ उप्रोधा Uprodhā पुं०
पुरोधस् (पुं०) पुरोहित, हिन्दू-कुल का आचार्य ब्राह्मण।

ਉਪਲਕਿਤ उप्लक्षित् Uplakṣit वि०
उपलक्षित (वि०) जाना हुआ; अनुमानित।

ਉਪਲਖਿਤ उप्लखित् Uplakhit वि०
द्र०—ਉਪਲਕਿਤ।

ਉਪਲਬਧਿ उप्लब्धि Uplabdhi स्त्री०
उपलब्धि (स्त्री०) प्राप्ति; ज्ञान, बोध।

ਉਪਵੀਤ उप्वीत् Upvīt पुं०
उपवीत (नपुं०) यज्ञोपवीत, जनेऊ।

ਉਪਾਇਆ उपाइया Upāiyā वि०
उत्पादित (वि०) उत्पादित, पैदा किया हुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ઉપાસ उपास् Upās पुं०
उपास (स्त्री०) पास बैठने की क्रिया; उपासना, पूजन, सेवा।

ઉપાસક उपासक् Upāsak पुं०
उपासक (वि०) पूजक, भक्त; पास बैठने वाला।

ઉપાસન उपासन् Upāsan पुं०
उपासन (नपुं०) पास बैठने की क्रिया; सेवा, भक्ति, पूजा।

ઉપાસ્ય उपास्य Upāsya वि०
उपास्य (वि०) उपासना के योग्य।

ઉપાસિ उपासि Upāsi क्रि० वि०
उपास्य (क्रि० वि०) उपासना करके।

ઉપાંશુ उपांशु Upānśu पुं०
उपांशु (पुं०) उपांशु जप, जिस जप में होठों का संचालन नहीं होता है, मानसिक जप।

ઉપાખ્યાન उपाख्यान् Upākhyān पुं०
उपाख्यान (नपुं०) पुरानी कथा, इतिहास; किसी कथा से सम्बद्ध करने वाली कथा।

ઉપાટન उपाटन् Upāṭan पुं०
उत्पाटन (नपुं०) उखाड़ने, चीरने या फाड़ने की क्रिया या भाव।

ઉપાતિ उपाति Upāti स्त्री०
उत्पत्ति (स्त्री०) जन्म, पैदाइश।

ઉપાધ उपाध् Upādh स्त्री०
उपाधि (पुं०) उपाधि, उपनाम, प्रतिष्ठा-सूचक पदवी; छल, भ्रम; वस्तुबोधक वह कारण जो उस वस्तु से भिन्न हो।

ઉપાધ્યાય उपाध्याय् Upādhyāy पुं०
उपाध्याय (पुं०) अध्यापक, गुरु; पुरोहित।

ઉપાધાન उपाधान् Upādhān पुं०
उपधान (नपुं०) तकिया; मन्त्र-विशेष।

ઉપાધિ उपाधि Upādhi स्त्री०
द्र०—ઉપાધ।

ઉપાનહ उपानह् Upānah पुं०
उपानह् (स्त्री०) जूता।

ઉપાનત उपानत् Upānat पुं०
द्र०—ઉપાનહ।

ઉપાયન उपायन् Upāyan पुं०
उपायन (नपुं०) भेंट, उपहार; मुलाकात।

ઉપારજન उपार्जन् Upārjan पुं०
उपरञ्जन (नपुं०) रंगने या सँवारने का भाव।

ઉપારજના[1] उपार्ज्ना Upārjnā
अक० क्रि०
उपार्जयति (चुरादि प्रेर०) धनोत्पादन करना; जमा करना; प्राप्त करना।

ઉપારજના[2] उपार्ज्ना Upārjnā
[3] सक० क्रि०
उपरज्यति (दिवादि सक०) रंगना, सँवारना।

ઉપારણ[1] उपारण् Upāraṇ पुं०
द्र०—ઉપાટન।

ઉપારણ[2] उपारण् Upāraṇ पुं०
उपारण (नपुं०) अपराध, पाप।

ઉપારણ[3] उपारण् Upāraṇ पुं०
पारण (नपुं०) किसी व्रत या उपवास के दूसरे दिन किया जाने वाला पहला

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

भोजन या तत्संबंधी कृत्य, व्रत-समाप्ति पर भोजन, पारणा ।

ਉਪਾਰਨਾ[1] उपार्ना Upārnā अक० क्रि० **उत्पाटयति** (चुरादि सक०) उखाड़ना, चीरना, फाड़ना ।

ਉਪਾਰਨਾ[2] उपारना Upārnā पुं० द्र०—ਉਪਾਰਣ[2] ।

ਉਪਾਰਨਾ[3] उपार्ना Upārnā पुं० द्र०—ਉਪਾਰਣ[3] ।

ਉਪਾਰਾ[1] उपारा Upārā वि० **उत्पाटित** (वि०) उखाड़ा हुआ, चीरा हुआ, फाड़ा हुआ ।

ਉਪਾਰਾ[2] उपारा Upārā वि० **उपार्जित** (वि०) पैदा किया हुआ, जमा किया हुआ; प्राप्त किया हुआ ।

ਉਪਾਵ उपाव् Upāv पुं० **उपाय** (पुं०) उपाय; यत्न; साधन ।

ਉਪਾਵਣ उपावण् Upāvaṇ पुं० **उत्पादन** (नपुं०) पैदा करने या उपजाने का भाव ।

ਉਪਾੜਨ उपाड़न् Upāṛan पुं० द्र०– ਉਪਾਟਨ ।

ਉਪਾੜਿ उपाड़ि Upāṛi क्रि० वि० **उत्पाटच** (क्रि० वि०) उखाड़ करके, फाड़ करके ।

ਉਪਿੰਦ उपिन्द् Upind पुं० द्र०—ਉਪੇਂਦ੍ਰ ।

ਉਪਿੰਦ੍ਰ उपिन्द्र Upindra पुं० द्र०—ਉਪੇਂਦ੍ਰ ।

ਉਪੇਕਾ उपेक्षा Upekṣā स्त्री० **उपेक्षा** (स्त्री०) उदासीनता; निरादर, तिरस्कार; त्याग ।

ਉਪੇਂਦ੍ਰ उपेन्द्र Upendra पुं० **उपेन्द्र** (पुं०) भगवान् वामन, इन्द्र का अनुज ।

ਉਪੋਦਘਾਤ उपोद्घात् Upodghāt पुं० **उपोद्घात** (पुं०) प्रस्तावना, भूमिका; आरम्भ, उपक्रम; सामान्य कथन से भिन्न विशेष का वर्णन ।

ਉਪੰਨ उपन्न् Upann वि० **उत्पन्न** (वि०) पैदा हुआ, जन्म लिया, हुआ; निकला हुआ, उगा हुआ ।

ਉਪੰਨਾ उपन्ना Upannā वि० द्र०—ਉਪੰਨ ।

ਉੱਪਰ उप्पर् Uppar अ० **उपरि** (अ०) ऊपर ।

ਉੱਪੁਰ उप्पुर् Uppur अ० **उपरि** (अ०) ऊपर ।

ਉਫਨਨਾ उफन्ना Uphannā अक० क्रि० **उत्फलति** (भ्वादि अक०) उफनना, उबलना; जोश खाना ।

ਉਬਟਨਾ उब्टना Ubṭanā पुं० **उद्वर्तन** (नपुं०) चन्दन, तेल-फुलेल आदि पदार्थों के मिश्रण से तैयार किया गया लेप, उबटन ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਬਟਾਨਾ उब्टाना Ubṭānā सक० क्रि०
अपवर्तते (भ्वादि सक०) पीछे मोड़ना, पलटाना।

ਉਬਰਣ उब्रण् Ubraṇ पुं०
उद्धरण (नपुं०) ऊपर उठना; बुरी हालत से अच्छी दशा में होना।

ਉਬਰਨ उबरन् Ubran पुं०
द्र०—ਉਬਰਣ।

ਉਬਰਨਾ उबर्ना Ubarnā अक० क्रि०
उपब्रूते (अदादि सक०) बोलना, आवाज करना।

ਉਬਾਰਨਾ उबारना Ubāranā सक० क्रि०
उद्धारयति (भ्वादि प्रेर०) उद्धार करना, उठाना; मुक्त करना; बचाना, रक्षा करना।

ਉਬਾਲਨਾ उबाल्ना Ubālnā सक० क्रि०
उद्वालयति (भ्वादि प्रेर०) उबालना।

ਉਭ[1] उभ् Ubh वि०
उभय (वि०) दोनों।

ਉਭਨਾ उभ्ना Ubhnā सक० क्रि०
उभति (तुदादि सक०) भरना, पूर्ण करना।

ਉਭਯ उभय् Ubhay क्रि० वि०
द्र० · ਉਭ[1]।

ਉਭਰਣ उभ्रण् Ubhraṇ पुं०
उद्धरण (नपु०) ऊपर को ओर ले जाना, ऊपर उठना; ऋण से उऋण होना।

ਉਭਾਰਣਾ उभार्णा Ubhārṇā पुं०
उद्धारयति (भ्वादि प्रेर०) उभारना; ऊँचा करना; उठाना; उद्धार करना।

ਉਭੇਸਾਸ उभेसास् Ubhesās पुं०
ऊर्ध्वश्वास (पुं०) ऊँची साँस, शोक अथवा कफादि रोग से साँस का ऊँचा अथवा रुक-रुक कर चलना।

ਉਰਕਟ उर्कट् Urkaṭ वि०
अरङ्कृत (वि०) पकाया हुआ; निर्मित।

ਉਰਗਾਦ उर्गाद् Urgād पुं०
उरगाद् (पुं०) उरग को खाने वाला प्राणी अर्थात् गरुड़।

ਉਰਗਾਰਿ उर्गारि Urgāri पुं०
उरगारि (पुं०) उरग का शत्रु अर्थात् गरुड़, नेवला, मोर आदि।

ਉਰਝ उरझ् Urajh पुं०
अवरोध (पुं०) रुकावट, अटकाव।

ਉਰਝਨ उर्झन् Urjhan स्त्री०
अवरुन्धन (नपुं) रुकावट, अटकाव।

ਉਰਝਨਾ उरझ्ना Urajhnā अक० क्रि०
अवरुन्धे (रुधादि अक०) अटकना, रुकना।

ਉਰਧ उरध् Uradh क्रि० वि०/वि०
ऊर्ध्व (क्रि० वि०/वि०) क्रि० वि०—ऊपर की ओर। वि०— ऊँचा।

ਉਰਾਹਨ उराहन् Urāhan पुं०
उपालम्भ (पुं०) उलाहना; शिकायत, निन्दा।

ਉਰਾਹਨਾ उराह्ना Urāhnā सक० क्रि०
उपालम्भते (भ्वादि सक०) शिकायत करना, उलाहना देना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਰਿ उरि Uri अधिकरण
उरसि (सप्तम्यन्त) छाती पर, हृदय के ऊपर।

ਉਰਿਣ उरिण् Uriṇ वि०
अनृण (वि०) ऋणमुक्त, जिसने ऋण चुका दिया है।

ਉਰਿਣਤ उरिणत् Uriṇat वि०
द्र०—ਉਰਿਣ।

ਉਰੁ[1] उरु Uru पुं०
उरु (पुं०) जाँघ।

ਉਰੁ[2] उरु Uru वि०
उरु (वि०) विस्तृत, विशाल; लम्बा; ऊंचा।

ਉਰੂ उरू Urū वि०
द्र०—ਉਰੁ।

ਉਰੋਜ उरोज् Uroj पुं०
उरोज (पुं०) स्तन, स्त्रियों की छाती।

ਉਲਸਤ उल्सत् Ulsat वि०
उल्लसित (वि०) प्रकाशित, चमकदार; आनन्द युक्त, प्रसन्न।

ਉਲਸਿਤ उल्सित् Ulsit वि०
द्र०—ਉਲਸਤ।

ਉਲਹਣਾ उल्हणा Ulhaṇā सक० क्रि०
द्र० –ਉਰਾਹਨਾ।

ਉਲਹਤ उल्हत् Ulhat वि०
द्र०—ਉਲਸਤ।

ਉਲਝਨ उल्झन् Uljhan स्त्री०
द्र०—ਉਰਝਨ।

ਉਲਾਸਾ उलासा Ulāsā वि०
उल्लासित (वि०) चमकदार, आनन्दित।

ਉਲਾਹਣਾ उलाह्णा Ulāhṇā पुं०
उपालम्भन (नपुं०) उलाहना; शिकायत, निन्दा, भर्त्सना।

ਉਲਾਹਮਾ उलाह्मा Ulāhmā पुं०
उपालम्भ (पुं०) उलाहना, आरोप, भर्त्सना।

ਉਲੀਚਨ उलीचन् Ulīcan पुं०
उल्लुञ्चन (नपुं०) उलीचने का भाव।

ਉਲੀਚਨਾ उलीच्ना Ulīcnā अक० क्रि०
उल्लुञ्चति (भ्वादि सक०) हाथ अथवा बर्तन से पानी को बाहर निकालना, उलीचना।

ਉਲੂ उलू Ulū पुं०
उलूक (पुं०) उल्लू, घूक; वैशेषिकशास्त्र के कर्ता का नाम, कणाद।

ਉਲੂਕ उलूक् Ulūk पुं०
द्र०—ਉਲੂ।

ਉਲੂਖਲ उलूखल् Ulūkhal पुं०
उलूखल (नपुं०) उलूखल, ओखली, खरल।

ਉਲੰਘਨ उलंघन् Ulaṅghan पुं०
उल्लङ्घन (नपुं०) अतिक्रमण, लांघने की क्रिया; नियम तोड़ने या आज्ञा भङ्ग करने का भाव।

ਉੱਲਾਸ उल्लास् Ullās पुं०
द्र०– ਉਲਾਸਾ।

ਉੱਲੇਖ उल्लेख् Ullekh पुं०
उल्लेख (पुं०) लेख, लिपि; एक अर्थालंकार।

ਉਵਟ उवट् Uvaṭ पुं०
उद्वाट (पुं०) ऊबड़-खाबड़ मार्ग, विषम मार्ग।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਊ

ਊਸਾ ऊसा Ūsā स्त्री०
उषा (स्त्री०) भोर, प्रभात।

ਊਹ ऊह् Ūh स्त्री०
ऊहा (स्त्री०) अनुमान, अटकल; वाक्य में त्रुटि को पूरा करने का भाव।

ਊਖ ऊख् Ūkh पुं०
इक्षु (पुं०) ईख, गन्ना।

ਊਖਰ ऊखर् Ūkhar वि०
ऊषर (पुं०, नपुं०) ऊसर, अनुपजाऊ भूमि।

ਊਖਲ ऊखल् Ūkhal पुं०
उलूखल (पुं०) ऊखल, ओखली।

ਊਖਿਤ ऊखित् Ūkhit वि०
उषित (वि०) बिताया हुआ स्थान, ऐसा स्थान जहाँ कुछ काल व्यतीत किया गया हो अथवा रहा गया हो।

ਊਚਰਣ ऊच्रण् Ūcraṇ पुं०
उच्चारण (नपुं०) बोलने की क्रिया।

ਊਚੂ ऊचू Ūcū सिद्ध क्रियापद
ऊचुः (अदादि सक० लिट्, प्र० पु०, ब० व०) बोले।

ਊਜਲ ऊजल् Ūjal वि०
उज्ज्वल (वि०) उजला, श्वेत।

ਊਜਲਾ ऊज्ला Ūjlā पुं०
द्र०—ਊਜਲ।

ਊਂਟ ऊँट् Ūṭ पुं०
उष्ट्र (पुं०) ऊँट।

ਊਂਠ ऊँठ् Ūṭh पुं०
उष्ट्र (पुं०) ऊँट।

ਊਂਠਣੀ ऊँठ्णी Ūṭhṇī स्त्री०
उष्ट्री (स्त्री०) ऊँटनी।

ਊਠਿ ऊठि Ūṭhi क्रि० वि०
उत्थाय (क्रि० वि०) उठकर।

ਊਢ ऊढ् Ūḍh वि०
ऊढ (वि०) विवाहित, ब्याहा गया।

ਊਢਾ ऊढा Ūḍhā स्त्री०
ऊढा (स्त्री०) विवाहिता, ब्याही गयी स्त्री।

ਊਣਡਾ ऊण्डा Ūṇḍā वि०
अवमूर्ध (वि०) औंधा, उलटा कर रखा हुआ।

ਊਤਮ ऊतम् Ūtam वि०
उत्तम (वि०) अच्छा, श्रेष्ठ।

ਊਤਰ ऊतर् Ūtar पुं०
उत्तर (नपुं०) उत्तर, जवाब।

ਊਥ ऊथ् Ūth पुं०
द्र०—ਊਂਟ।

ਊਂਦਰ ऊँदर् Ūndar पुं०
उन्दुर (पुं०) चूहा, मूसक।

ਊਧਤ ऊधत् Ūdhat वि०
उद्धत (वि०) उद्देश्य, धृष्ट।

ਊਨ[1] ऊन् Ūn सक० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ऊनयति (चुरादि सक०) कम करना, घटाना; गिनना।

ੳੂਨ² ऊन् Ūn पुं०
ऊर्णा (स्त्री०) ऊन।

ੳੂਨ³ ऊन् Ūn वि०
ऊन (वि०) कम; अपकृष्ट, घटिया।

ੳੂਨਤ ऊनत् Ūnat वि०
उन्नत (वि०) ऊँचा, उठा हुआ; आगे बढ़ा हुआ।

ੳੂਨਾ ऊना Ūnā वि०
ऊन (वि०) न्यून, कम; घटिया।

ੳੂਪਰ ऊपर् Ūpar क्रि० वि०
उपरि (क्रि० वि०) ऊपर।

ੳੂਮ ऊम् Ūm वि०
ऊम (वि०) साथी, संगी।

ੳੂਰਜ ऊरज् Ūraj पुं०
द्र०—ੳੂਰੰਜ।

ੳੂਰਣ-ਨਾਭਿ ऊरण्-नाभि Ūraṇ-Nābhi पुं०
ऊर्णनाभि (पुं०) मकड़ा, रेशम का कीड़ा।

ੳੂਰਧ-ਪੁੰਡ੍ਰ ऊरध्-पुण्ड्र Ūradh-Puṇdr पुं०
ऊर्ध्व-पुण्ड्र (नपुं०) वैष्णवों का तिलक।

ੳੂਰਮਿ ऊर्मि Ūrmi स्त्री०
ऊर्मि (स्त्री०) लहर, तरंग; दुःख, षट्-क्लेश (सर्दी, गर्मी, भूख, प्यास, लोभ, मोह)।

ੳੂਰਮੀ ऊर्मी Ūrmī स्त्री०
द्र०—ੳੂਰਮਿ।

ੳ

ੳ¹ ओ O सर्व०
असौ (सर्व० प्रथमान्त) वह।

ੳ² ओ O अ०
ओम् (अ०). ऊँ, प्रणव, परमात्मा का वाचक शब्द।

ੳਅੰ ओअँ Oã अ०
द्र०—ੳ।

ੳਸਟ ओसट् Osaṭ पुं०
ओष्ठ (पुं०) होठ, विशेष रूप से ऊपरी होठ।

ੳਸਧੀ ओस्धी Osdhī स्त्री०
ओषधि (स्त्री०, पुं०) औषध, दवा, वनस्पति।

ੳਹ¹ ओह् Oh सर्व०
द्र०—ੳ¹।

ੳਹ² ओह् Oh अ०
अहो (अ०) ओह, अहो।

ੳਕੜੂ ओक्ड़् Okṛū पुं०
द्र०—ਉਕੜੂ।

ੳਂਕਾਰ ओङ्कार Oãkār पुं०
ओङ्कार (पुं०) प्रणव ध्वनि, ऊँ ध्वनि।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਉਕੁੜੂ ओकुड़ू Okuṛū पुं०
उत्कुटक (नपुं०) घुटने के वल बैठने की क्रिया; उत्तान या चित्त लेटने की क्रिया।

ਉਖ ओख् Okh सक० क्रि०
ओखति (भ्वादि सक०) अलंकृत करना, सँवारना।

ਉਖਦਿ ओख्दि Okhdi स्त्री०
द्र०—ਉਮਪੀ।

ਉਖਧਿ ओख्धि Okhdhi स्त्री०
द्र०—ਉਮਪੀ।

ਉਘ ओघ् Ogh पुं०
ओघ (पुं०) समूह, समुदाय; प्रवाह।

ਉਛਾ ओछा Ochā पुं०
तुच्छ (वि०) छोटा; थोड़ा; घटिया; नीच।

ਉਜਸ੍ਵੀ ओजस्वी Ojasvī पुं०
ओजस्विन् (वि०) शक्तिशाली, प्रतापी।

ਉਠ ओठ् Oṭh पुं०
द्र०—ਉਸਟ।

ਉੱਠਾ ओट्ठा Oṭṭhā वि०
औष्ट्रक (वि०) ऊँट-सम्बन्धी।

ਉਢਨੀ ओढ्नी Oḍhnī स्त्री०
अवगुण्ठन (नपुं०) ओढ़ने या ढकने का वस्त्र—ओढ़नी, घूँघट या बुर्का।

ਉਤਸਾਹ ओत्साह् Otsāh पुं०
उत्साह (पुं०) उछाह, जोश, हौशला।

ਉਤਾ ओता Otā वि०
तावत् (वि०) उतना, बुद्धिस्थ परिमाण बोधक।

ਓਦਨ ओदन् Odan पुं०
ओदन (पुं०) भिगोया अथवा दूध से पकाया हुआ अन्न, भात इत्यादि।

ਓਦਨਿਕ ओद्निक् Odnik पुं०
औदनिक (वि०) भोजन बनाने वाला, रसोइया।

ਓਦਰਣਾ ओदर्णा Odarṇā अक० क्रि०
अवदरति (भ्वादि अक०) उदास होना, दिल न लगना।

ਓਦਾਸੀ ओदासी Odāsī स्त्री०
उदासीनता (स्त्री०) उदासीनता; विरक्तता।

ਓਧ ओध Odh वि०
ऊर्ध्व (वि०) ऊँचा, ऊपर उठा हुआ, उन्नत।

ਓਨਾ-ਮਾਸੀ ਧੌਂ ओना-मासी धौं Onā-māsī Dhaũ वाक्य
ओम् नमः सिद्धम् (वाक्य) सिद्ध को नमस्कार है।

ਓਪਤ[1] ओपत् Opat स्त्री०
उत्पत्ति (स्त्री०) जन्म, पैदाइश; उदय होना; उत्पादन।

ਓਪਤ[2] ओपत् Opat स्त्री०
ओपश (पुं०) जूड़ा; गोमुखी, जिसके अन्दर हाथ रखकर माला फेरी जाती है, जपमाली।

ਓਪਮਾ ओप्मा Opmā स्त्री०
उपमा (स्त्री०) समान, तुल्य; तौलने की क्रिया; समानता; दृष्टान्त; एक अर्थालंकार।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਓਪਾਉ ओपाउ Opāu पुं०
उपाय (पुं०) उपाय; यत्न; साधन।

ਓਰ ओर् Or स्त्री०
अवर (नपुं०) समीप, पास, निकट; छोटा; पश्चिम।

ਓਲਾਮਾ ओलामा Olāmā पुं०
द्र०—ਉਲਾਹਣਾ।

ਓੜ ओड़् Oṛ स्त्री०
ओडा (स्त्री०) खूड़, हलरेखा, पहिये का चिह्न।

ਓੜਵ ओड़व् Oṛav पुं०
औडव (पुं०) पाँच स्वरों का राग जैसे—हिण्डोल, मालकोष।

ਅ

ਅਉਸਧ[1] अउसध् Ausadh स्त्री०
ओषधि (पुं०, स्त्री०) जड़ी, बूटी, वनस्पति।

ਅਉਸਧ[2] अउसध् Ausadh स्त्री०
औषध (नपुं०) दवा, ओषधि, जड़ी-बूटी;

ਅਉਸਧੀ[1] अउस्धी Ausdhī स्त्री०
द्र०—ਅਉਸਧ[1]।

ਅਉਸਧੀ[2] अउस्धी Ausdhī स्त्री०
द्र०—ਅਉਸਧ[2]।

ਅਉਸਰ अउसर् Ausar पुं०
अवसर (पुं०) समय, बेला; मौका; प्रस्ताव; प्रसङ्ग।

ਅਉਹਠ[1] अउहठ् Auhaṭh पुं०
अपहठ (पुं०) अयोग्य हठ, दुराग्रह।

ਅਉਹਠ[2] अउहठ् Auhaṭh वि०
अवहित (वि०) लवलीन, ध्यान-परायण, सावधान।

ਅਉਹਠ[3] अउहठ् Auhaṭh वि०
अपहत (वि०) नाश किया हुआ, मारा हुआ; पदच्युत।

ਅਉਹਠਿ[1] अउहठि Auhaṭhi क्रि० वि०
अपहत्य (क्रि० वि०) नष्ट करके, छलके।

ਅਉਹਠਿ[2] अउहठि Auhaṭhi स्त्री०
अपहति (स्त्री०) विनाश; खण्डन।

ਅਉਹਰਣ अउहरण् Auharaṇ पुं०
अपहरण (नपुं०) चुराना, लूटना; छिपाना।

ਅਉਹਾਣੀ अउहाणी Auhāṇī वि०
अपहरणीय (वि०) अपहार्य, चुराने योग्य, छिपाने योग्य; आयुहीन।

ਅਉਹਾਰ अउहार् Auhār पुं०
अपहार (पुं०) चोरी, लूट; छिपाव; हानि, क्षति।

ਅਉਹੇਰਣ अउहेरण् Auheraṇ पुं०
अवहेलन (नपुं०) अवज्ञा; अपमान।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਉਹੇਲਨ अउहेलन् Auhelan पुं०
द्र०—ਅਉਹੇਰਣ ।

ਅਉਖ अउख् Aukh पुं०
असुख (नपुं०) दुःख, कठिनाई; विपदा ।

ਅਉਖਦ अउखद् Aukhad स्त्री०
द्र०—ਅਉਸਧ[1] ।

ਅਉਖਦਿ अउख्दि Aukhdi स्त्री०
द्र०—ਅਉਸਧ[1] ।

ਅਉਖਾ अउखा Aukhā पुं०
द्र०—ਅਉਖ ।

ਅਉਗਣ अउगण् Augaṇ पुं०
अवगुण (पुं०) बुरा गुण, बुराई, ऐब ।

ਅਉਗਨ अउगन् Augan पुं०
द्र०—ਅਉਗੁਣ ।

ਅਉਗਾਨ अउगान् Augān पुं०
अग्रेगू (वि०) आगे चलने वाला, अग्रणी, नेता, अगुआई करने वाला ।

ਅਉਗੁਣ अउगुण् Auguṇ पुं०
अवगुण (पुं०) अवगुण, दोष, ऐब ।

ਅਉਗੁਣੀ अउगुणी Auguṇī वि०
अवगुणिन् (वि०) अवगुण वाला, दोषी, ऐब वाला ।

ਅਉਘ अउघ् Augh पुं०
द्र०—ਓਘ ।

ਅਉਘਟ अउघट् Aughaṭ वि०
अवघट्ट (वि०) अटपटा, बिखरा; ऊबड़-खाबड़ ।

ਅਉਘੜ अउघड़् Aughaṛ पुं०
अघोर (पुं०) औघड़, जिसने घरबार त्याग दिया हो; शिव; योगी-विशेष ।

ਅਉਛਕ अउछक् Auchak पुं०
औक्षक (पुं०) बड़े मौर (डिल्ला) वाला बैल, बैलों का झुण्ड ।

ਅਉਜ अउज् Auj पुं०
ओजस् (नपुं०) बल, ताकत; प्रकाश, तेज; काव्य का एक गुण ।

ਅਉਜਾਤਿ अउजाति Aujāti स्त्री०
अपजाति (पुं०) निम्न जाति, नीच कुल ।

ਅਉਤ अउत् Aut पुं०
अपुत्र (वि०) पुत्र-हीन, संतान-रहित ।

ਅਉਤਰ अउतर् Autar पुं०
अवतार (पुं०) उतार, नीचे आने का भाव; किसी देवता का पृथिवी पर प्रादुर्भाव या जन्म लेना ।

ਅਉਤਰਣ अउतरण् Autaraṇ पुं०
अवतरण (नपुं०) उतार, ऊपर से नीचे जाने का भाव; किसी देवता का पृथिवी पर जन्म लेना; नकल ।

ਅਉਤਰਿਆ अउतर्या Autaryā वि०
अवतरित (वि०) उतरा हुआ; अवतार लिया हुआ; जन्म धारण किया हुआ ।

ਅਉਤਾਰ अउतार् Autār पुं०
द्र०—ਅਉਤਰ ।

ਅਉਦਾਸ अउदास् Audās वि०
उदासीन (वि०) उदास; मोहर-हित, विरक्त ।

ਅਉਧ अउध् Audh पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

अयोध्या (स्त्री०) अयोध्या नगरी, कोशल देश।

ਅਉਧਿ अउधि Audhi **स्त्री०**
अवधि (पुं०) प्रदेश या काल की सीमा।

ਅਉਧੂ अउधू Audhū **पुं०**
अवधूत (पुं०) त्यागी, विरक्त, संन्यासी।

ਅਉਧੂਤ अउधूत् Audhūt **पुं०**
द्र०—ਅਉਧੂ।

ਅਇਆਣਾ अइआणा Aiāṇā **पुं०**
अज्ञानिन् (वि०) अज्ञानी, ज्ञान रहित।

ਅਇਆਨ अइआन् Aiān **पुं०**
अज्ञान (नपुं०) अज्ञान, ज्ञानाभाव, नासमझी।

ਅਇਆਨਤ अइआनत् Aiānat **स्त्री०**
अज्ञानता (स्त्री०) अज्ञानता, नासमझी।

ਅਇਆਲੀ अइआली Aiālī **पुं०**
अजापालिन् (वि०) अजापालक अर्थात् गड़ेरिया।

ਅਈ अई Aī **सर्व०**
अयम् (सर्व० प्रथमान्त) यह।

ਅਈਆ अइया Aiā **क्रि० वि०**
आगत्य (अ०) आकर, आकर के।

ਅਸ[1] अस् As **वि०**
ईदृश् (वि०) ऐसा।

ਅਸ[2] अस् As **पुं०**
अश्व (पुं०) घोड़ा, घोटक।

ਅਸਹ असह् Asah **वि०**
असह्य (वि०) असहनीय, जो सहा न जा सके।

ਅਸਕਤ[1] अस्कत् Askat **वि०**
अशक्त (वि०) शक्ति रहित, बलहीन, कमजोर।

ਅਸਕਤ[2] अस्कत् Askat **वि०**
असक्त (वि०) आसक्ति रहित; मुक्त; आजाद, स्वतन्त्र।

ਅਸ਼ਕੁਨ अशकुन् Aśkun **पुं०**
अपशकुन (नपु०) अपशकुन, असगुन।

ਅਸ਼ੱਕ अशक्क् Aśakk **वि०**
अशक्य (वि०) शक्ति से बाहर, असाध्य।

ਅਸੱਜਨ असज्जन् Asajjan **पुं०**
असज्जन (पुं०) दुष्ट, पामर।

ਅਸਟ असट् Asaṭ **वि०**
अष्टन् (वि०) आठ, 8 आठ की संख्या।

ਅਸਟ ਸਿੱਧਿ असट् सिद्धि Asaṭ Siddhi **स्त्री०**
अष्टसिद्धि (स्त्री०) अष्ट सिद्धि, अणिमादि आठ सिद्धियाँ।

ਅਸਟਕ अस्टक् Asṭak **वि०**
अष्टक (वि०) आठ वस्तुओं का समाहार; आठ श्लोकों या छन्दों का समूह; माधवी के उदर से विश्वामित्र का पुत्र, पाणिनीय व्याकरण।

ਅਸਟ ਦਸ असट् दस् Asaṭ Das **वि०**
अष्टादशन् (वि०) अठारह; 18।

ਅਸਟਪਦੀ असट् पदी Asaṭ Padī **स्त्री०**
अष्टपदी (स्त्री०) आठ प्रकार के छन्दों में लिखा हुआ ग्रन्थ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਸਟਮੀ अस्टमी Asṭamī स्त्री०
अष्टमी (स्त्री०) कृष्ण और शुक्ल पक्ष की आठवीं तिथि।

ਅਸਟਾਵਕ੍ਰ अस्टावक्र Asṭāvakr पुं०
अष्टावक्र (पुं०) एक ऋषि, उद्दालक की सुमति से कहोड ब्राह्मण द्वारा उत्पन्न पुत्र।

ਅਸਤਰ अस्तर् Astar पुं०
आस्तर (नपुं०) अस्तर, कोट के नीचे का अस्तर; चादर।

ਅਸਤੰਭ अस्तम्भ् Astambh पुं०
स्तम्भ (पुं०) खम्भा; आधार; सहारा।

ਅਸਤ੍ਰ अस्त्र् Astr पुं०
अस्त्र (नपुं०) फेंककर मारने वाला हथियार जैसे—चक्र, गोला आदि।

ਅਸਥ[1] अस्थ् Asth स्त्री०
अस्थि (नपुं०) हड्डी।

ਅਸਥ[2] अस्थ् Asth वि०
अस्थिर (वि०) चलायमान, चंचल।

ਅਸਥਕਿਤ अस्थकित् Asthakit वि०
स्थगित (वि०) थका हुआ; रुका हुआ; ढका हुआ।

ਅਸਥਨ अस्थन् Asthan पुं०
स्तन (पुं०) स्तन, कुच, थन।

ਅਸਥਲੀ अस्थली Asthalī स्त्री०
स्थली (स्त्री०) स्थल, स्थान; सूखी या ऊँची सम भूमि।

ਅਸਥਾਈ-ਭਾਵ अस्थाई-भाव् Asthāī-Bhāv पुं०
स्थायिभाव (पुं०) काव्य के नवरसों का आधार, रति-हासादि नव भाव।

ਅਸਥਾਨ अस्थान् Asthān पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान, आश्रय, ठिकाना।

ਅਸਥਾਪਨ अस्थापन् Asthāpan पुं०
स्थापन (नपुं०) स्थापना; ठहराने का भाव; देवादिकों की प्रतिष्ठा।

ਅਸਥਾਲਯ अस्थालय् Asthālay पुं०
अस्थ्यालय (नपुं०) अस्थियों का घर अर्थात् कब्र।

ਅਸਥਾਵਰ अस्थावर् Asthāvar वि०
स्थावर (वि०) अचल, अटल।

ਅਸਥਿ अस्थि Asthi स्त्री०
द्र०—ਅਸਥ[1]।

ਅਸਥਿਤ अस्थित् Asthit वि०
स्थित (वि०) गतिहीन, अचल; सख्त, ठोस, मजबूत।

ਅਸਥਿਤਿ अस्थिति Asthiti स्त्री०
स्थिति (स्त्री०) ठहरने या रहने का भाव; टिकाऊपन, ठहराव।

ਅਸਥੰਭ अस्थम्भ Asthambh पुं०
द्र०—ਅਸਤੰਭ।

ਅਸਥੰਭਨ अस्थम्भन् Asthambhan पुं०
स्तम्भन (नपुं०) रोकने की क्रिया, ठहराना; आधार।

ਅਸਦ असद् Asad वि०
असत् (वि०) सत् का अभाव; अनुत्तम, खराब।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਸਨ[1] असन् Asan पुं०
अशन (नपुं०) भोजन, खाद्य पदार्थ ।

ਅਸਨ[2] असन् Asan पुं०
असन (नपुं०) फेंकने की क्रिया ।

ਅਸਨੇਹ अस्नेह् Asneh पुं०
स्नेह (पुं०) नेह, प्रेम, प्यार ।

ਅਸਨੇਹੀ अस्नेही Asnehī वि०
स्नेहिन् (वि०) स्नेह वाला, प्रेमी, प्यारा, प्रिय ।

ਅਸਪਦ अस्पद् Aspad पुं०
आस्पद (नपुं०) स्थान, जगह; आश्रय, सहारा; पद ।

ਅਸਪਰਸ अस्परस् Asparas पुं०
अस्पर्श (पुं०) न छूने की क्रिया ।

ਅਸਪ੍ਰਿਹ अस्प्रिह् Asprih वि०
अस्पृह (वि०) निस्पृह, निर्लोभ ।

ਅਸਫੋਟ अस्फोट् Asphoṭ वि०
अस्फोट (वि०) अप्रकट; अप्रसिद्ध ।

ਅਸਭਯ असभ्य् Asabhy वि०
असभ्य (वि०) असभ्य, अशिक्षित ।

ਅਸਮ असम् Asam पुं०
अश्मन् (पुं०) पत्थर; पहाड़, पर्वत; बादल ।

ਅਸਮਦ अस्मद् Asmad सर्व०
अस्मद् (सर्व०) हमारा उत्तम पुरुष का बोधक ।

ਅਸਮਰਥ अस्मरथ् Asmarath वि०
असमर्थ (वि०) अशक्त, अयोग्य ।

ਅਸਮਿਤਾ अस्मिता Asmitā स्त्री०
अस्मिता (स्त्री०) दृश्य और द्रष्टा में अभेद दृष्टि; योगशास्त्र में वर्णित पंच क्लेशों में एक; वेदान्त के अनुसार हृदय ग्रन्थि ।

ਅਸਮੇਧ असमेध् Asmedh पुं०
अश्वमेध (पुं०) अश्वमेध यज्ञ जिसमें घोड़े का बलिदान किया जाता है ।

ਅਸਰਗ असर्ग् Asarg वि०
असर्ग (वि०) उत्पत्ति रहित ।

ਅਸਰਣ अस्रण Asraṇ वि०
अशरण (वि०) अनाश्रित; अरक्षित ।

ਅਸਰਾਉ अस्राउ Asrāu वि०
आश्रय (वि०) आसरा, सहारा; आधार; शरण, पनाह ।

ਅਸਰੂਪ अस्रूप् Asrūp पुं०
स्वरूप (नपुं०) आकार, शकल ।

ਅਸਵ असव् Asav पुं०
आसव (पुं०) मदिरा, शराब; अर्क ।

ਅਸਾਂਹ असाँह् Asāh सर्व०
अस्मासु (सर्व० सप्तम्यन्त) हमारे मध्य, हमारे बीच ।

ਅਸਾਜ੍ਯ असाज्य् Asājy वि०
असज्य (वि०) न साजने योग्य; ना-मुमकीन।

ਅਸ਼ਾਂਤਿ अशान्ति Aśānti स्त्री०
अशान्ति (स्त्री०) शान्ति का अभाव, क्षोभ ।

ਅਸਾਧੁ असाधु Asādhu वि०
असाधु (वि०) असज्जन, दुष्ट ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਸਾਰਥ असारथ् Asārath पुं०
असारार्थ (पुं०) असार पदार्थ, असार वस्तु।

ਅਸਾੜ ਅਸਾੜ Asāṛ पुं०
आषाढ (पुं०) आषाढ़ मास।

ਅਸਿ असि Asi स्त्री०
असि (पुं०) तलवार, कृपाण।

ਅਸਿਕਨੀ असिक्नी Asiknī स्त्री०
असिक्नी (स्त्री०) चन्द्रभागा या चनाब नदी; रात्रि; अन्तःपुर की दासी।

ਅਸਿੱਖਿਤ असिक्खित् Asikkhit वि०
अशिक्षित (वि०) शिक्षाहीन, शिक्षा रहित, गँवार।

ਅਸਿਤ असित् Asit वि०
असित (वि०) काले वर्ण वाला।

ਅਸਿਤਾ[1] असिता Asitā स्त्री०
असिता (स्त्री०) यमुना नदी; काले वर्ण वाली।

ਅਸਿਤਾ[2] असिता Asitā पुं०
अशितृ (वि०) भोजन करने वाला, भक्षक।

ਅਸਿਤਾ[3] असिता Asitā वि०
असितृ (वि०) फेंकने वाला, प्रक्षेपक।

ਅਸ਼ਿਵਾ अशिवा Aśivā स्त्री०
अशिवा (स्त्री०) अमङ्गलरूपा।

ਅਸੀਨ असीन् Asīn वि०
आसीन (वि०) बैठा हुआ, आसनस्थ।

ਅਸੁ[1] असु Asu पुं०
असु (पुं०) प्राण, चित्त।

ਅਸੁ[2] असु Asu पुं०
अश्रु (नपुं०) आँसू।

ਅਸੁ[3] असु Asu पुं०
अश्व (पुं०) घोड़ा।

ਅਸੁਆਸਨ असुआसन् Asuāsan पुं०
आश्वासन (नपुं०) सान्त्वना, दिलासा, तसल्ली, ढाढस।

ਅਸ਼ੁਚਿ अशुचि Aśuci वि०
अशुचि (वि०) मैला, गंदा; अपवित्र, अशुद्ध।

ਅਸੁਧ असुध् Asudh वि०
अशुद्ध (वि०) अपवित्र, मलिन; गलत।

ਅਸ਼ੁੱਧਿ अशुद्धि Aśuddhi स्त्री०
अशुद्धि (स्त्री०) अपवित्रता, मलिनता; भूल, त्रुटि।

ਅਸੁਨ असुन् Asun पुं०
आश्विन (पुं०) आश्विन मास, क्वार।

ਅਸੁਮੇਧ असुमेध् Asumedh पुं०
अश्वमेध (पुं०) अश्वमेध यज्ञ, राजा जनमेजय की दासी से उत्पन्न पुत्र।

ਅਸੁਰ ਗੁਰੁ असुर् गुरु Asur Guru पुं०
असुरगुरु (पुं०) असुरों के गुरु अर्थात् शुक्राचार्य।

ਅਸੂਆ असूआ Asūā स्त्री०
असूया (स्त्री०) ईर्ष्या, डाह।

ਅਸੇਅ असेअ Asea पुं०
आश्रय (पुं०) आधार, बसेरा; शरण, पनाह।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਸੇਸ असेस् Ases **वि०**
अशेष (वि०) पूरा, सम्पूर्ण; अनन्त, अपार।

ਅਸੇਖ असेख् Asekh **वि०**
द्र०—ਅਸੇਸ।

ਅਸੇਤ असेत् Aset **वि०**
अश्वेत (वि०) जो श्वेत न हो, काला, नीला आदि।

ਅਸੇ असै Asai **क्रि० वि०**
अवश्य (अ०) अवश्य, जरूर।

ਅਸੋਕ असोक् Asok **वि०/पुं०**
अशोक (वि०/पुं०) वि०—शोक रहित, प्रसन्न। पुं०—अशोक नामक वृक्ष-विशेष।

ਅਸੋਖ असोख् Ashokh **वि०**
अशोष्य (वि०) जो शुष्क न हो सके।

ਅਸੰਖਾਤ असंखात् Asaṅkhāt **वि०**
असङ्ख्यात (वि०) अगणित, जिसकी गणना न हो सके।

ਅਸੰਗਤਿ असंग्ति Asaṅgti **स्त्री०**
असंगति (स्त्री०) मेल का न होना; अनुपयुक्तता; एक अर्थालङ्कार।

ਅਸੰਗ੍ਰਹ असंग्रह् Asaṅgrah **पुं०**
असङ्ग्रह (पुं०) संग्रह का अभाव।

ਅਸੰਜਤ असंजत् Asañjat **वि०**
आसञ्जित (वि०) जोड़ा हुआ, मिलाया हुआ।

ਅਸੰਪ੍ਰਗਯਾਤ ਸਮਾਧਿ असंप्रग्यात् समाधि Asampragyāt Samādhi **स्त्री०**
असम्प्रज्ञात समाधि (पुं०) योग-दर्शन में वर्णित एक समाधि जिसमें त्रिपुटि समाप्त हो जाती है अर्थात् निर्विकल्पक समाधि।

ਅਸੰਪ੍ਰੇਹ असंप्रेह् Asampreh **वि०**
अस्पृह (वि०) इच्छा रहित; सन्तोषी; निर्लोभ।

ਅਸੰਭ[1] असम्भ् Asambh **वि०**
अशम्भु (वि०) अमंगल, अशुभ।

ਅਸੰਭ[2] असम्भ् Asambh **वि०**
असम्भव (वि०) ना-मुमकीन, जो संभव न हो।

ਅਸੰਮਕ असम्मक् Asammak **वि०**
असम्यक् (वि०) जो ठीक नहीं, अनुचित; मिथ्या।

ਅਸੰਮਤਿ असम्मति Asammati **स्त्री०**
असम्मति (स्त्री०) सम्मति का अभाव, असहमति।

ਅੱਸੀ अस्सी Assī **वि०**
अशीति (स्त्री०) अस्सी, 80।

ਅਸ਼ਟ अष्ट् Aṣaṭ **वि०**
द्र०—ਅਸਟ।

ਅਸ਼ਟੋਤਰ अष्टोतर् Aṣṭotar **वि०**
अष्टोत्तर (वि०) जिसमें आठ अधिक हो।

ਅਸ੍ਤ अस्त Asat **वि०**
अस्त (वि० / पुं०) वि०—छिपा हुआ, अन्तर्धान हुआ; नष्ट। पुं०—अस्ताचल।

ਅਸ੍ਤਿ अस्ति Asti **स्त्री०**
अस्ति (अ०) अस्तित्व, विद्यमानता।

ਅਸ੍ਤੇਯ अस्तेय् Astey **पुं०**
अस्तेय (नपुं०) चोरी का त्याग, अचौर्य।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਸ੍ਤ੍ਰੀ अस्त्री Astrī पुं०
अस्त्रिन् (वि०) हथियार बन्द, हथियार वाला अस्त्रधारी।

ਅਸ੍ਰ[1] अस्र् Asr पुं०
अश्रु (नपुं०) आँसू।

ਅਸ੍ਰ[2] अस्र् Asr पुं०
अस्र (नपुं० / वि०) नपुं—रक्त; आँसू, जल। वि०—फेंका हुआ।

ਅਸ੍ਰਮ अस्रम् Asram वि०
अश्रम (वि०) थकान रहित, क्लेश रहित।

ਅਸ੍ਵ अस्व् Asv वि०
अस्व (वि०) धन रहित, निर्धन।

ਅਸ਼੍ਵ अश्व् Aśv पुं०
अश्व (पुं०) घोड़ा, अश्व।

ਅਸ਼੍ਵੱਥ अश्वत्थ् Aśvatth पुं०
अश्वत्थ (पुं०) पीपल वृक्ष।

ਅਸ੍ਵਪਨ अस्वपन् Asvapan पुं०
अस्वपन (पुं०) देवता, सुर।

ਅਸ਼੍ਵਮੁਖ अश्वमुख् Aśvamukh पुं०
अश्वमुख (पुं०) किन्नर, जिनका मुख घोड़े के समान होता है तथा जो नाचने-गाने में बड़े निपुण होते हैं।

ਅਹ[1] अह् Ah क्रि०
अह्नोति (स्वादि अक०) फैलना, व्याप्त होना।

ਅਹ[2] अह् Ah सर्व०
असौ (सर्व०) वह।

ਅਹ[3] अह् Ah पुं०
अहन् (नपुं०/पुं०) नपुं०—दिन। पुं०—सूर्य; विष्णु।

ਅਹਹ अहह् Ahah अ०
अहह (अ०) आश्चर्य, खेद और शोक आदि भावों का बोधक शब्द।

ਅਹਕਰਣ अह्करण् Ahkaraṇ पुं०
अहंकरण (नपुं०) अहंकार, अभिमान।

ਅਹਣ अहण् Ahaṇ पुं०
अशनि (पुं०, स्त्री०) वज्र, कुलिश; ओले।

ਅਹਨ अहन् Ahan पुं०
अश्मघन (पुं०) ओला; वज्र, कुलिश।

ਅਹਨਿਸ अह्निस् Ahnis क्रि० वि०
अहर्निश (क्रि० वि०) रात-दिन; नित्य, निरन्तर।

ਅਹਬ अहब् Ahab पुं०
आहव (पुं०) युद्ध, संग्राम।

ਅਹਮ अहम् Aham पुं०
अहम् (अ०) अहंकार, अभिमान।

ਅਹਰ अहर् Ahar पुं०
अहर् (नपुं०) दिन, दिवस।

ਅਹਰੰਤ अह्रन्त् Ahrant पुं०
अर्हन्त (पुं०/वि०) पुं०—जैनियों के पूज्य देवता जिन, बौद्धों के पूज्य देवता बुद्ध। वि०—पूजा योग्य।

ਅਹਲਾ अह्ला Ahlā वि०
अलभ्य (वि०) दुर्लभ; वृथा, निष्फल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਹਲਾਦ अह्लाद् Ahlād पुं०
आह्लाद (पुं०) आनन्द, प्रसन्नता।

ਅਹਾਜ अहाज् Ahāj वि०
अहार्य (वि०) न ले जाने योग्य।

ਅਹਾਰ अहार् Ahār पुं०
आहार (पुं०) भोजन करने का भाव।

ਅਹਾੜੀ अहाड़ी Ahāṛī वि०
आषाढीय (वि०) आषाढ़ मास में बोये जाने वाली फसल; आषाढ़ मास से सम्बन्धित।

ਅਹਿ अहि Ahi पुं०
अहि (पुं०) सर्प, नाग।

ਅਹਿਨੀ अहिनी Ahinī स्त्री०
अहि (पुं०) अहि की स्त्री, नागिन, सर्पिणी।

ਅਹਿਫੇਨ अहिफेन् Ahiphen पुं०
अहिफेन (नपुं०) अफीम; साँप के मुख से निकला जहर।

ਅਹੀਰਾ अहीरा Ahīrā वि०
आहरित (वि०) तबाह किया गया, बर्बाद किया हुआ, विनष्ट।

ਅਹੇਰ अहेर् Aher पुं०
आखेट (पुं०) शिकार, मृगया।

ਅਹੇਰਾ अहेरा Aherā पुं०
द्र०—ਅਹੇਰ।

ਅਹੇਰੀ अहेरी Aherī पुं०
आखेटिन् (वि०) शिकारी, शिकार करने वाला।

ਅਹੋ अहो Aho अ०
अहो (अ०) शोक और आनन्दबोधक शब्द।

ਅਹੋਰਾਤ्र अहोरात्र् Ahorātr पुं०
अहोरात्रम् (नपुं०) दिन-रात।

ਅਹੰਕਰਣ अहंकरण् Ahaṅkaraṇ पुं०
अहंकरण (नपुं०) अहंकार, अभिमान, घमण्ड।

ਅਹੰਕਾਲ अहंकाल् Ahaṅkāl पुं०
अहंकार (पुं०) अभिमान, घमण्ड।

ਅਕ अक् Ak अक० क्रि०
अकति (भ्वादि अक०) जाना, टेढा जाना।

ਅਕੱਠ अकट्ठ् Akaṭṭh पुं०
द्र०—ਅਕੱਠਾ।

ਅਕੱਠਾ अकट्ठा Akaṭṭhā पुं०
एकस्थ (वि०) एकत्र स्थित, एक में रहने वाला।

ਅਕਤਾਲੀ अक्ताली Aktālī वि०
एकचत्वारिंशत् (स्त्री०) एकतालीस; 41 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਅਕੱਤੀ अकत्ती Akattī वि०
एकत्रिंशत् (स्त्री०) एकतीस; 31 संख्या से परिछिन्न वस्तु।

ਅਕਨ अकन् Akan पुं०
आकर्णन (नपुं०) सुनने की क्रिया, श्रवण।

ਅਕਰ अकर् Akar वि०
अकर (वि०) न करने योग्य, अकरणीय।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਕਰਖ अकरख् Akarakh पुं०
आकर्ष (पुं०) आकर्षण; खिचाव।

ਅਕਰਖਣ अकर्खण् Akarkhaṇ पुं०
आकर्षण (नपुं०) खींचने की क्रिया, खिचाव।

ਅਕਰਣ अकरण् Akaraṇ वि०
अकरणीय (वि०) न करने योग्य।

ਅਕਲਹ अकलह् Akalah वि०
अकलह (वि०) बिना कलह वाला, शान्त।

ਅਕਲਪਤ अकल्पत् Akalpat वि०
अकल्पित (वि०) कल्पना रहित, जिसकी कल्पना भी न की गई हो।

ਅਕਲਮਖ अकल्मख् Akalmakh वि०
अकल्मष (वि०) पाप रहित, निर्दोष।

ਅਕਲੀਣ अक्लीण् Aklīṇ वि०
अक्लिन्न (वि०) जो आर्द्र या भीगा न हो; निर्लेप।

ਅਕਲੁ अक्लु Aklu वि०
अकलुष (वि० / पुं०) वि०—दोष रहित, पाप रहित। पुं०—ईश्वर।

ਅਕਲੰਕ੍ਰਿਤ[1] अक्लङ्क्रित् Aklaṅkrit वि०
अकलङ्कित (वि०) धब्बा अथवा दाग से रहित; लाञ्छन अथवा अपकीर्ति से रहित।

ਅਕਲੰਕ੍ਰਿਤ[2] अक्लङ्क्रित् Aklaṅkrit वि०
अकलाकृति (स्त्री०) अखण्डरूप।

ਅਕੱਲ अकल्ल् Akall वि०
एकल (वि०) अकेले, एकाकी।

ਅਕੱਲਾ अकल्ला Akallā पुं०
एकल (वि०) अकेला।

ਅਕਵੰਜਾ अक्वंजा Akvañjā वि०
एकपञ्चाशत् (स्त्री०) इक्यावन, 51 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਅਕਾਸ अकास् Akās पुं०
आकाश (पुं) आकाश, गगन, देवलोक, स्वर्गलोक; ऊँचा पद।

ਅਕਾਸੀ अकासी Akāsī वि०
एकाशीति (स्त्री०) इक्यासी, 81 संख्या से युक्त वस्तु।

ਅਕਾਹਟ अकाहट् Akāhaṭ वि०
एकषष्टि (स्त्री०) एकसठ, 61 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਅਕਾਂਖਿਆ अकांख्या Akāṅkhyā स्त्री०
आकाङ्क्षा (स्त्री०) इच्छा, चाह।

ਅਕਾਜ अकाज् Akāj पुं०
अकार्य (वि० / नपुं०) वि०—न करने योग्य, अनुचित। नपुं०—बुरा कर्म, अपराध।

ਅਕਾਂਤ अकान्त् Akānt वि०
एकान्त (वि०) निर्जन, एकान्त।

ਅਕਾਥ अकाथ् Akāth वि०
अकार्थ (वि०) निष्प्रयोजन, निष्फल।

ਅਕਾਨਵੇਂ अकान्वें Akānvē वि०
एकनवति (स्त्री०) इक्यानबे; 91 संख्या से युक्त वस्तु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਕਾਰਜ अकारज् Akāraj पुं०
द्र०—ਅਕਾਜ ।

ਅਕਾਰਥ अकारथ् Akārath वि०
अकार्थ (वि०) दुःखपूर्ण; व्यर्थ ।

ਅਕਾਰਾ अकारा Akārā पुं०
एकचर (पुं०) अकेले घूमने वाला, अकेला, एकाकी ।

ਅਕਾੜਾ अकाड़ा Akāṛā पुं०
अक्षवाट/अक्षपाट (पुं०) अखाड़ा; कुश्ती का स्थल; रंगमंच, जन समूह के एकत्रित होने का स्थान ।

ਅਕਾੜ੍ਹਾ अकाढ़ा Akāṛhā पुं०
द्र०—ਅਕਾੜਾ ।

ਅਕਿੰਚਨ अकिंचन् Akiñcan वि०
अकिञ्चन (वि०) निर्धन, कंगाल ।

ਅਕਿਤ अकित् Akit वि०
अकृत (वि०/पुं०) वि०—जो किसी द्वारा कृत नहीं । पुं०—स्वयम्भू ।

ਅਕਿੱਤ अकित्त् Akitt स्त्री०
अकीर्ति (स्त्री०) अपयश, बदनामी ।

ਅਕਿਤਜ[1] अकित्य् Akity वि०
अकृत्य (वि०) न करने योग्य कर्म, बुरा कर्म ।

ਅਕਿਤਜ[2] अकित्य् Akity वि०
अकृत्रिम (वि०) जो बनावटी या नकली नहीं हो, स्वतः सिद्ध ।

ਅਕਿਰਤਘਨ अकिर्त्घन् Akirtghan वि०
कृतघ्न (वि०) जो किये हुए उपकार को न माने, उपकार भूल जाने वाला ।

ਅਕਿਲਬਿਖ अकिल्बिख़ Akilbikh वि०
अकिल्विष (वि०) निर्दोष, निष्पाप ।

ਅਕੀਰਤਿ अकीर्ति Akīrti स्त्री०
अकीर्ति (वि०) अपयश, अपकीर्ति ।

ਅਕੂਪਾਰ अकूपार् Akūpār पुं०
अकूपार (पुं०) समुद्र, सागर ।

ਅਕੋਤਰਸਉ अकोतर्सउ Akotarsau वि०
एकोत्तरशत (नपुं०) एक सौ एक, 101 ।

ਅਕੋਤਰਸੌ अकोतर्सौ Akotarsau वि०
एकोत्तरशत (नपुं०) एक सौ एक, 101 ।

ਅਕ੍ਰਿਤਘਨ अक्रितघन् Akritghan वि०
कृतघ्न (वि०) कृतघ्न, उपकार को न मानने वाला ।

ਅਖਲ अखल् Akhal वि०
अखिल (वि०) समग्र, समूचा, पूरा ।

ਅਖਾਜ अखाज् Akhāj वि०
अखाद्य (वि०) न खाने योग्य, अभक्ष्य ।

ਅਖਾਣ अखाण् Akhāṇ पुं०
आख्यान (नपुं०) कहावत, लोकोक्ति ।

ਅਖੁਟਿ अखुटि Akhuṭi स्त्री०
अखट्टि (स्त्री०) कुरीति, कुचाल; बालपन की स्मृति ।

ਅਖੈਬਟ अखैबट् Akhaibaṭ पुं०
अक्षयवट (पुं०) गंगा-यमुना-सरस्वती

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

के संगम पर स्थित वटवृक्ष जो प्रलय-काल में भी स्थित रहता है।

ਅਗਨਿਸਟੋਮ अग्निस्टोम Agnisṭom पुं०
अग्निष्टोम (पुं०) एक यज्ञ जो ज्योतिष्टोम नामक यज्ञ का रूपान्तर है और स्वर्ग की कामना से किया जाता है। यह यज्ञ पाँच दिनों में समाप्त होता है।

ਅਗਨਿਹੋਤ੍ਰ अग्निहोत्र् Agnihotr पुं०
अग्निहोत्र (नपुं०) एक यज्ञ, मंत्र-पूर्वक अग्नि-स्थापन करके सायं प्रातः नियम से किया जाने वाला होम।

ਅਗਨਿਜਿਹਵ अग्निजिहव् Agnijihav पुं०
अग्निजिह्व (पुं०) देवता, सुर।

ਅਗਨੇਯ अग्नेय् Agney वि०
आग्नेय (वि०) अग्नि से संबन्धित।

ਅਗਮਾਨ अग्मान् Agmān पुं०
अग्रयायिन् (वि०) आगे जाने वाला, नेता।

ਅਗਲਾ अग्ला Aglā वि०
अग्रिम (वि०) अगला, प्रथम, ज्येष्ठ।

ਅਗਵਾਹਾ अग्वाहा Agvāhā पुं०
अग्रवाह (पुं०) निर्देशक, मार्गदर्शक, अगुआ।

ਅਗਾਮਿ अगामि Agāmi वि०
आगामिन् (वि०) आगामी, आने वाला।

ਅਗਿਯਾਤ अगियात् Agiyāt वि०
अज्ञात (वि०) न जाना हुआ, अपरिचित।

ਅਗਿਯਾਨ अग्यान् Agiyān पुं०
अज्ञान (नपुं०) ज्ञान का अभाव, मूर्खता; अविद्या।

ਅਗੇਤ੍ਰੇ अगेत्रे Agetre वि०
अग्रेतन् (वि०) पूर्वभावी, पहले होने वाला।

ਅਗੰਤੁਕ अगन्तुक् Agantuk पुं०
आगन्तुक (वि०) आने वाला, अतिथि।

ਅਗੰਭ अगम्भ् Agambh वि०
अगम्भन् (वि०) अथाह, अगाध।

ਅੱਗਰ अग्गर् Aggar पुं०
अग्र (वि० / नपुं०) वि०—प्रथम, श्रेष्ठ; ज्येष्ठ। नपुं०—आगे का भाग या सिरा।

ਅੱਗਿਓ अग्गिओ Aggio वि०
अग्रिम (वि०/पुं०) वि०— अगाऊ; श्रेष्ठ, उत्तम। पुं०—ज्येष्ठ भ्राता।

ਅੱਗੋ अग्गो Aggo अ०
अग्रतः (अ०) आगे, आगे से।

ਅਗਯ अग्य् Agy वि०
अज्ञ (वि०) मूर्ख, जड़।

ਅਘ अघ् Agh पुं०
अघ (पुं०) पाप; दुष्कर्म, अपराध।

ਅਘੜਾ-ਦੁਘੜਾ अघ्ड़ा-दुघ्ड़ा Aghṛā-, Dughṛā वि०
दुर्घट (पुं०) विषम, ऊबड़-खाबड़; अस्त-व्यस्त।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਘੂਮਨ अघूमन् Aghūman पुं०
आघूर्णन (नपुं०) चक्कर खाने की क्रिया, चकराहट।

ਅਚਰਜ अच्रज् Acraj पुं०
आश्चर्य (नपुं०) विस्मय, अचम्भा।

ਅਚਰਣ अच्रण् Acraṇ पुं०
आचरण (नपुं०) व्यवहार, बर्ताव, चाल-चलन।

ਅਚਾਰਜ अचारज् Acāraj पुं०
आचार्य (पुं०) गुरु, शिक्षक; पुरोहित।

ਅਚੁਤ अचुत् Acut पुं०
अच्युत (वि०/पुं०) वि०—जो पतित नहीं हुआ, अटल, नित्य स्थित। पुं०—परमात्मा, कर्तार।

ਅਚੰਭਾ अचम्भा Acambhā पुं०
आस्कम्भन (नपुं०) अचम्भा, आश्चर्य।

ਅਛਾਦਨ अछादन् Achādan पुं०
आच्छादन (नपुं०) ढकने या छिपाने की क्रिया; ढक्कन, खोल; वस्त्र, पहनावा; छत, छाजन।

ਅਛਾਦਿਆ अछादिआ Achādiā वि०
आच्छादित (वि०) ढका हुआ।

ਅਛਾਨ अछान् Achān वि०
अच्छन्न (वि०) नहीं छाना हुआ; प्रकट; प्रसिद्ध।

ਅਛੂਪਾ अछूपा Achūpā वि०
अच्छुप (वि०) नंगा, न छूने योग्य, अस्पृश्य, अछूत।

ਅਛੇਪ अछेप् Achep पुं०
आक्षेप (पुं०) फेंकने या उछालने की क्रिया; एक अर्थालंकार।

ਅਛੇਪਕ अछेपक् Achepak पुं०
आक्षेपक (वि०) फेंकने वाला; करने वाला।

ਅੱਛਰ अच्छर् Acchar पुं०/वि०
अक्षर (पुं०/नपुं०/त्रि०) पुं०—अकारादि, वर्ण। नपुं०—अक्षर, ब्रह्म,। वि०—अविनाशी, नित्य।

ਅੱਛਰਾ अच्छरा Accharā स्त्री०
अप्सरस् (स्त्री०) अप्सरा, देवलोक की स्त्री, परी।

ਅੱਛਰੀ अच्छरी Accharī स्त्री०
द्र० —ਅੱਛਰਾ।

ਅੱਛਰੋ अच्छरो Accharo स्त्री०
द्र०—ਅੱਛਰਾ।

ਅਜਸ अजस् Ajas पुं०
अपयशस् (नपुं०) अपकीर्ति, बदनामी।

ਅਜਹੂ अजूहू Ajhū क्रि० वि०
अद्यापि (अ०) आज भी।

ਅਜਯਾ अज्या Ajyā स्त्री०
अजया (स्त्री०) भाँग, विजया।

ਅਜਿਨ अजिन् Ajin पुं०
अजिन (पुं०) चर्म, खाल।

ਅਜਿਰ अजिर् Ajir पुं०
अजिर (नपुं० / पुं०) नपुं०—आंगन, सहन; शरीर। पुं०—मेढक।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਜੰਭ अजम्भ् Ajambh पुं०
अजम्भ (वि० / पुं०) वि०—दन्तहीन, अदन्त। पुं०—मेढक।

ਅਞਾਣ अञाण् Añāṇ वि०
अज्ञान (वि०) अज्ञान, अनजान, नादान।

ਅਟੱਲ अटल्ल् Aṭall वि०
अटल (वि०) न टलने वाला, स्थिर, दृढ़।

ਅਟਾਲਾ अटाला Aṭālā पुं०
अट्टाल (पुं०) अट्टालिका, मचान, उच्च स्थान।

ਅਟੂਟ अटूट् Aṭūṭ वि०
अत्रुटित (वि०) न टूटा हुआ; त्रुटि रहित।

ਅੱਟਹਾਸ अट्टहास् Aṭṭhās पुं०
अट्टहास (पुं०) जोर की हँसी, कहकहा, खिलखिलाना।

ਅਠਸਠ अठ्सठ् Aṭhsaṭh वि०
अष्टषष्टि (स्त्री०) अड़सठ; 68 संख्या से युक्त वस्तु।

ਅਠਹੱਤਰ अठ्हत्तर् Aṭhhattar वि०
अष्टसप्तति (स्त्री०) अठहत्तर, 78 संख्या से युक्त वस्तु।

ਅਠੱਤੀ अठत्ती Aṭhattī वि०
द्र०—ਅਠੱਤ੍ਰੀ।

ਅਠੱਤ੍ਰੀ अठत्री Aṭhattrī वि०
अष्टात्रिंशत् (स्त्री०) अड़तीस, 38।

ਅਠਦਸ अठ्दस् Aṭhdas वि०
अष्टादशन् (वि०) अठारह, 18 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਅਠਯਾਨੀ अठ्यानी Aṭhyānī स्त्री०
अष्टाणकी (स्त्री०) आठ आना, अठन्नी।

ਅਠਵਹਾਰਾ अठव्हारा Aṭhvhārā पुं०
अष्टवार (नपुं०) सप्ताह, आठ दिन, अठवारा।

ਅਠਾਉਣਾ अठाउणा Aṭhāuṇā पुं०
अष्टगुण (वि०) अठगुना।

ਅਠਾਹਟ अठाहट् Aṭhāhaṭ वि०
अष्टषष्टि (स्त्री०) अड़सठ, 68 संख्या से युक्त वस्तु।

ਅਠਾਨਵੇਂ अठान्वें Aṭhānvē वि०
अष्टानवति (स्त्री०) अट्ठानवे, 98 संख्या से युक्त।

ਅਠਿਯਾਨੀ अठ्यानी Aṭhiyānī स्त्री०
अष्टाणक (नपुं०) अठन्नी, 50 पैसे।

ਅੱਠਮਾ अट्ठमा Aṭṭhamā पुं०
अष्टम (वि०) आठवाँ, 8वाँ।

ਅੱਠੋਂ अट्ठों Aṭṭhō पुं०
द्र०—ਅੱਠਮਾ।

ਅਡੀਠ अडीठ् Aḍīṭh वि०
अदृष्ट (वि०) जो देखा न जा सके, अगोचर; लुप्त, गायब।

ਅਢ अढ् Aḍh वि०
अर्ध (वि०) आधा।

ਅਣਥਕ अण्थक् Aṇthak वि०
स्थग > स्थगित > अन + स्थगित = अ-स्थगित (वि०) अनथक, अथक, बिना थके।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਣਪੜ੍ਹ अण्पढ़् Aṇpaṛh वि०
अपठित (वि०) अनपढ़, अशिक्षित ।

ਅਣਮਣਾ अण्मणा Aṇmaṇā पुं०
अन्यमनस् (वि०) अनमना, उन्मना, असावधान, उदासीन ।

ਅਣਮਣਾਉਣਾ अण्मनाउणा Aṇmanāuṇā क्रि०
द्र० —ਅਣਮਣਾ ।

ਅਣਮਣਾਣਾ अण्मनाणा Aṇmanāṇā पुं०
द्र०—ਅਣਮਣਾ ।

ਅਣਾਉਣਾ अणाउणा Aṇāuṇā पुं०
आनयन (नपुं०) लाने की क्रिया, लाना ।

ਅਤ[1] अत् At अ०
अति (अ०) अधिक, बहुत ।

ਅਤ[2] अत् At पुं०
अत (पुं०) बन्धन; पहुँचने का भाव ।

ਅਤਤਾਈ अत्ताई Attāī पुं०
आततायिन् (वि०) अत्याचारी, अति-दुःख देने वाला, हत्यारा ।

ਅਤਿਸੈ अतिसै Atisai वि०
अतिशय (वि०) अधिक, बहुत, ज्यादा ।

ਅਤਿਸੈਤਾ अतिसैता Atisaitā स्त्री०
अतिशयता (स्त्री०) अधिकता ।

ਅਤਿਪਤਿ अतिप्ति Atipti स्त्री०
अतृप्ति (स्त्री०) असन्तोष, तृप्ति का अभाव ।

ਅਤਿਵੰਤ अतिवन्त् Ativant वि०
अत्यन्त (वि०) अतिशय, बहुत ज्यादा ।

ਅਤੁਲਤ अतुलत् Atulat वि०
अतुलित (वि०) जो तौला न जा सके; असीमित; अप्रमाण ।

ਅਤ੍ਰ-ਪਤ੍ਰ अत्र-पत्र् Atra-Patr पुं०
आतपत्र (नपुं०) छाता, छत्र ।

ਅੱਤ੍ਰੂ अत्त्रुं Attrū वि०
आतृतीयम् (वि०) दो दिन छोड़कर तीसरे दिन, तीन दिन तक ।

ਅੱਥ੍ਰੂ अत्थ्रू Atthrū पुं०
अश्रु (नपुं०) आँसू ।

ਅਦਕਰ अदकर् Adkar पुं०
द्र० —ਅਦਰਕ ।

ਅਦਿਸਟ अदिसट् Adisaṭ वि०/पुं०
अदृष्ट (वि०/पुं०) वि०—अनदेखा । पुं०—कर्तार, प्रारब्ध, भाग्य ।

ਅਦੇਸ਼ अदेश् Adeś पुं०
आदेश (पुं०) आदेश, आज्ञा, हुक्म ।

ਅੱਦਾ अद्दा Addā पुं०
आर्द्रक (नपुं०) नम, तर, भीगा हुआ ।

ਅਦ੍ਰਿਸਾਰ अद्रिसार् Adrisār पुं०
अद्रिसार (पुं०) पर्वत से टपकने वाला, औषध विशेष, शिलाजित ।

ਅਧਪਤਿ अध्पति Adhpati पुं०
अधिपति (पुं०) स्वामी, राजा ।

ਅਧਾਰ अधार् Adhār पुं०
आधार (पुं०) आश्रय, सहारा, अवलम्ब ।

ਅਧਾਰੀ अधारी Adhārī पुं०
आधारिन् (वि०) अधार से युक्त, आश्रय देने वाला ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਧਿਭੂਤਕ अधिभूतक् Adhibhūtak वि०
आधिभौतिक (वि०) पंचभूतों से सम्बद्ध या उत्पन्न।

ਅਧੁਆੜ अधुआड़् Adhuāṛ पुं०
अर्धपाट (पुं०) किसी वस्तु का आधा भाग।

ਅਧੇ अधे Adhe क्रि० वि०
अधः (अ०) नीचे।

ਅਧੋਗੀ अधोगी Adhogī वि०
अध्वग् (वि०) पथिक, राही, मुसाफिर।

ਅਧੋਰਨਾ अधोर्ना Adhornā अक० क्रि०
उद्धरति (भ्वादि अक०) उभारना, उद्धृत होना।

ਅੱਧ अद्ध् Adh पुं०
अध्वन् (पुं०) मार्ग, रास्ता।

ਅੱਧੋਰਾਨਾ अद्धोराना Addhorānā वि०
अर्धपुराण (वि०) काफी पुराना।

ਅਨ अन् An अक० क्रि०
अनिति (अदादि अक०) जीना; समर्थ होना।

ਅਨਹਾਂ अन्हां Anhā̃ पुं०
अन्ध (वि०) अन्धा, नेत्रहीन।

ਅਨਹਾਰਾ अन्हारा Anhārā पुं०
अन्धकार (पुं०) अन्धकार, अन्धेरा।

ਅਨਮਾਰਗ अन्मारग् Anmārag पुं०
उन्मार्ग (पुं०) कुमार्ग, खोटी राह।

ਅਨਰਗਲ अनर्गल् Anargal वि०
अनर्गल (वि०) बन्धन रहित, निरंकुश।

ਅਨਰਾਗ अन्राग् Anrāg पुं०
अनुराग (पुं०) प्रेम, मुहब्बत, स्नेह।

ਅਨਾਉਣਾ अनाउणा Anāuṇā प्रेर० क्रि०
आनाययति (भ्वादि प्रेर०) मंगाना।

ਅਨਾਦ अनाद् Anād वि०/पुं०
अन्नाद (वि०/पुं०) वि०—भोजन करने वाला। पुं०—कर्तार, भगवान्।

ਅਨਾਰਾ अनारा Anārā पुं०
अनार्य (वि०) जो श्रेष्ठ न हो, असभ्य; अनार्य जाति।

ਅਨਾਵਨ[1] अनावन् Anāvan अक० क्रि०
स्नाति (अदादि अक०) स्नान् करना।

ਅਨਾਵਨ[2] अनावन् Anāvan सक० क्रि०
द्र०—ਅਨਾਉਣਾ।

ਅਨਾੜਣ अनाड़ण् Anāṛaṇ स्त्री०
द्र०—ਅਨਾਰਾ।

ਅਨਿਆਉ अन्याउ Anyāu पुं०
अन्याय (पुं०) अन्याय, न्याय का अभाव।

ਅਨਿਕ अनिक् Anik वि०
अनेक (वि०) बहुत, अधिक।

ਅਨਿਕਧਾ अनिक्धा Anikdhā क्रि० वि०
अनेकधा (क्रि० वि०) अनेक प्रकार से, कई तरह से।

ਅਨਿਰਤ अनिरत् Anirat पुं०
अनृत (नपुं०) असत्य, झूठ।

ਅਨੀਤ अनीत् Anīt वि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

अनित्य (वि०) जो नित्य न हो, नश्वर, नाशवान् ।

ਅਨੀਂਦਰ अनींदर् Anīdar **वि०**
उन्निद्र (वि०) थकान से नींद अनुभव करने वाला; निद्रारहित, जागा हुआ ।

ਅਨੀਂਦਰਾ अनींद्रा Anīdrā **पुं०**
उन्निद्र (वि०) नींद अनुभव करने वाला, निद्रालु; निद्रा-रहित ।

ਅਨੀਂਦਾ अनींदा Anīdā **वि०**
द्र०—ਅਨੀਂਦਰਾ ।

ਅਨੁਖੰਗ अनुखंग् Anukhaṅg **पुं०**
अनुषङ्ग (पुं०) दया, कृपा; सम्बन्ध ।

ਅਨੁਮੰਤਿ अनुमन्ति Anumanti **पुं०**
अनुमन्तृ (वि०) अनुमति देने वाला, सम्मति देने वाला ।

ਅਨੇਤ अनेत् Anet **वि०**
अनियत (वि०) अनिश्चित, अनियमित ।

ਅਨੰਦੀ अनन्दी Anandī **वि०**
आनन्दिन् (वि०) आनन्द से युक्त, खुश, प्रसन्न ।

ਅਪਸਮਾਰ अपस्मार् Apasmār **पुं०**
अपस्मार (पुं०) मिरगी रोग, मूर्च्छा ।

ਅਪਕਰਖ अप्करख् Apkarakh **पुं०**
अपकर्ष (पुं०) नीचे खींचने की क्रिया; उतार, अवनति; निरादर ।

ਅਪਕੀਰਤਿ अप्कीर्ति Apkīrtī **स्त्री०**
अपकीर्ति (स्त्री०) अपयश, बदनामी, निन्दा ।

ਅਪੱਥ अपत्थ् Apatth **पुं०**
अपथ्य (नपुं०) प्रतिकूल आहार, जो गुणकारी न हो; अहितकर, हानिकर ।

ਅਪੱਦਰ अपद्दर् Apaddar **पुं०**
उपद्रव (पुं०) उत्पात, सार्वजनिक संकट या आपत्ति; दंगा-फसाद ।

ਅਪਰਮਾ अपर्मा Aparmā **स्त्री०**
अप्रमा (स्त्री०) मिथ्या ज्ञान, अयथार्थ ज्ञान ।

ਅਪਰੰਪਰ अपरम्पर् Aparampar **वि०**
अपरस्पर (वि०) अन्योन्य से भिन्न, किसी की सहायता नहीं चाहने वाला; पृथक्-पृथक् ।

ਅਪਾਰਥ अपारथ् Apārath **पुं०**
अपार्थ (पुं०) कुत्सित अर्थ; काव्य का एक दोष ।

ਅਪੇਛਾ अपेछा Apecchā **स्त्री०**
अपेक्षा (स्त्री०) इच्छा, चाह; आवश्यकता ।

ਅਪੋਦਘਾਤ अपोद्घात् Apodghāt **पुं०**
द्र०—ਉਪੋਦਘਾਤ ।

ਅਪੌਰਖੇਯ अपौर्खेय् Apaurkhey **वि०**
अपौरुषेय (वि०) जो पुरुष का किया हुआ न हो, ईश्वरकृत या ईश्वर-रचित ।

ਅਫਹੀਮ अफ्हीम् Aphhīm **स्त्री०**
अहिफेन/अफेन (पुं० नपुं०) अफीम ।

ਅਫੁਰਣਾ अफुर्णा Aphurṇā **क्रि०**
अस्पृह (वि० पुं०) निष्पृह, इच्छारहित; ईश्वर ।

ਅੱਫਰਨਾ अफ्फर्ना Apphrnā **अक० क्रि०**
आस्फरति (तुदादि अक०) पेट का फूलना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਬਹੀ अब्ही Abhī क्रि० वि०
अधुनैव (अ०) अभी।

ਅਬੱਖ अबक्ख् Abakkh वि०
अभक्ष्य (वि०) अखाद्य, न खाने योग्य वस्तु, अभोज्य।

ਅਬਜ अबज् Abaj पुं०
अब्ज (नपुं०/पुं०) नपुं०—कमल। पुं०—चन्द्रमा।

ਅਬਧਿ अब्धि Abdhi स्त्री०
अब्धि (पुं०) समुद्र, सागर।

ਅਬਯਕਤ अब्यकत् Abyakat वि०/ पुं०
अव्यक्त (वि०/पुं०) वि०—जो व्यक्त या प्रत्यक्ष न हो। पुं०—परमात्मा, सत् श्री अकाल।

ਅਬਰਨ[1] अब्रन् Abran वि०
अवर्ण (वि०) रंग रहित, बदरंग।

ਅਬਰਨ[2] अब्रन् Abran वि०
अवर्ण्य (वि०) जिसका वर्णन नहीं किया जा सके, अवर्णनीय।

ਅਬਿਦਿਯਾ अबिदिद्या Abidyā स्त्री०
अविद्या (स्त्री०) अज्ञान, माया।

ਅਬਿਨਾਸ अबिनास् Abinās वि०
अविनाश (वि०) विनाश रहित, अनश्वर, शाश्वत।

ਅਬਿਬੇਕ अबिबेक् Abibek पुं०
अविवेक (पुं०) विचार का अभाव, अज्ञान, नादानी।

ਅਬੇਹ अबेह् Abeh पुं०
अवेध (पुं०) वेध-रहित, अछेद; अखण्ड।

ਅਬੇਚਲ अबेचल् Abecal वि०
अविचल (वि०) स्थिर; नित्य, शाश्वत।

ਅਬੰਚ अबञ्च् Abañc वि०
अवञ्च्य (वि०) जो ठगा नहीं जा सके, जो धोखा नहीं खा सके।

ਅਬੰਦਤਾ अबन्दता Abandatā स्त्री०
अबन्धता (स्त्री०) बन्धन का अभाव, रिहाई, मुक्ति।

ਅਭਅੰਤ अभन्त् Abhant पुं०/क्रि० वि०
अभ्यन्तर (नपुं० / क्रि० वि०) नपुं०—मध्यस्थान, बीच का स्थान; अन्तःकरण। क्रि० वि०—भीतरी, अंतरंग।

ਅਭਅੰਤਰ अभन्तर् Abhantar पुं०/क्रि० वि०
द्र०—ਅਭਅੰਤ।

ਅਭਅੰਤਰਿ अभन्त्रि Abhantri वि०
अभ्यन्तरीय (वि०) भीतरी; मानसिक।

ਅਭਖੁ अभ्खु Abhkhu वि०
अभक्ष्य (वि०) नहीं खाने योग्य, जिसका भक्षण धर्म-विरुद्ध हो।

ਅਭਗ[1] अभग् Abhag वि०
अभग्न (वि०) जो भग्न नहीं हो, अखण्ड।

ਅਭਗ[2] अभग् Abhag वि०
अभग (वि०) अभागा, मन्द भाग्य, बद-नसीब।

ਅਭਛ अभछ् Abhach वि०
द्र०—ਅਭਖੁ।

ਅਭਮਾਨ अभमान् Abhmān पुं०
अभिमान (पुं०) गर्व, घमण्ड, दर्प।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਭਰਕ अभ्रक् Abhrak पुं०
अभ्रक (नपुं०) अभ्रक एक खनिज पदार्थ ।

ਅਭਰਣ अभ्रण् Abhraṇ पुं०
आभरण (नपुं०) आभूषण, गहना ।

ਅਭਰਨ अभ्रन् Abhran पुं०
द्र०—ਅਭਰਣ ।

ਅਭਾ अभा Abhā स्त्री०
आभा (स्त्री०) शोभा; प्रकाश; दीप्ति, चमक ।

ਅਭਾਸ अभास् Abhās पुं०
आभास (पुं०) प्रतीति; प्रतिबिम्ब; चमक; झलक ।

ਅਭਾਖ अभाख् Abhākh पुं०
अभाषक (वि०) न बोलने वाला, मौनी ।

ਅਭਾਖਣ अभाखण् Abhākhaṇ पुं०
आभाषण (नपुं०) कथन, बयान ।

ਅਭਿਉ अभिउ Abhiu पुं०
अभ्यूह (पुं०) तर्क, दलील; अनुमान, आशंका ।

ਅਭਿਅ अभिअ Abhia वि०
अभय (वि०) बिना भयवाला, निडर ।

ਅਭਿਸੇਚ अभिसेच् Abhisec पुं०
अभिषेक (पुं०) अभिसिञ्चन, छिड़काव, कुश आदि से जल छिड़कने की क्रिया ।

ਅਭਿਖੇਕ अभिखेक् Abhikhek पुं०
द्र०—ਅਭਿਸੇਚ ।

ਅਭਿੱਖ अभिक्ख् Abhikh स्त्री०
अभिख्या (स्त्री०) यश, कीर्ति; शोभा ।

ਅਭਿਗਿਆ अभिग्या Abhigyā स्त्री०
अभिज्ञा (स्त्री०) स्मृति, पहचान ।

ਅਭਿਰਿੱਠਾ अभिरिट्ठा Abhiriṭṭhā वि०
अभीष्ट (वि०) मनोवांछित; सुखदायी ।

ਅਭੀ अभी Abhī क्रि० वि०
द्र०—ਅਬਹੀ ।

ਅਭੀਚੁ अभीचु Abhīcu वि०
अभीप्सित (वि०) वांछित, चाहा हुआ ।

ਅਭੀਰ अभीर् Abhīr पुं०
आभीर (पुं०) अहीर, ग्वाला ।

ਅਭੂਖਨ अभूखन् Abhūkhan पुं०
आभूषण (नपुं०) आभूषण, गहना, आभरण ।

ਅਭੇਉ अभेउ Abheu वि०
अभेद (वि०) भेद का अभाव, समान, एक-सा ।

ਅਭੇਤ अभेत् Abhet वि०
अभेद (वि०) अभेद, एकरूप ।

ਅਭੰਜ अभञ्ज् Abhañj वि०
अभञ्ज (वि०) अटूट, अखण्ड ।

ਅਭੰਜਨ अभंजन् Abhañjan पुं०
अभ्यञ्जन (नपुं०) तैलादि पदार्थ जिसका शरीर पर लेप होता है ।

ਅਭ੍ਰਕ अभ्रक् Abhrak पुं०
अभ्रक (नपुं०) अभ्रक, एक खनिज पदार्थ ।

ਅਮ अम् Am पुं०
अम (पुं०) रोग, बीमारी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਮਬਲਾ अम्बला Ambalā पुं०/वि०
अम्ल (वि० / पुं०) वि०—खट्टा। पुं०—खटाई, खट्टापन।

ਅਮਰਖ अम्रख् Amrakh पुं०
अमर्ष (पुं०) क्रोध, क्षमा का अभाव।

ਅਮਰਤ अम्रत् Amrat पुं०
अमृत (नपुं०) सुधा, अमर करने वाला पदार्थ जो समुद्र मंथन से निकला था।

ਅਮਰਤੁ अम्रतु Amratu पुं०
अमरत्व (नपुं०) अमरता, अमर होने का भाव।

ਅਮਲੀ अम्ली Amlī स्त्री०
अम्लिका/अम्लीका (स्त्री०) इमली।

ਅਮਲੁ अम्लु Amlu पुं०
द्र०—ਅਮਬਲਾ।

ਅਮਾ अमा Amā स्त्री०
अमा (स्त्री०) अमावस्या तिथि; निवास, घर।

ਅਮਾਉਸ अमाउस् Amāus स्त्री०
अमावस्या (स्त्री०) अमावस्या; कृष्ण पक्ष की अन्तिम तिथि।

ਅਮਾਤ अमात् Amāt पुं०
अमात्य (पुं०) मंत्री, वजीर।

ਅਮਿਉ अमिउ Amiu पुं०
द्र०—ਅਮਰਤ।

ਅਮਿਅ अमिअ Amia पुं०
द्र०—ਅਮਰਤ।

ਅਮੇਠਨ अमेठन् Ameṭhan पुं०
उद्वेष्टन (नपुं०) घुमाव, ऐंठन, मरोड़।

ਅਮੇਠਨਾ अमेठ्ना Ameṭhnā सक० क्रि०
उद्वेष्टते (भ्वादि सक०) मरोड़ना, घुमाना।

ਅਮੇਧ अमेध् Amedh वि०
अमेध्य (वि०) जो यज्ञ या हवन करने योग्य न हो; अपवित्र, अशुद्ध।

ਅਮੰਡ अमंड् Amaṇḍ वि०
अमण्डन (वि०) शृङ्गार रहित, शोभाहीन।

ਅਮੰਤ अमन्त् Amant वि०
अमन्तु (वि०) जिसको मंत्र नहीं दिया गया है; नहीं मानने वाला; अज्ञानी।

ਅਮੰਤੂ अमन्तू Amantū पुं०
आमन्त्रण (नपुं०) निमन्त्रण, न्योता।

ਅਮ੍ਰਿਤਾ अम्रिता Amritā स्त्री०
अमृता (स्त्री०) हरड़; पिप्पली; दूर्वा; गिलोय, गुड़ूच।

ਅਮ੍ਰੇਤ अम्रेत् Amret वि०
अमृत्यु (वि०) बिना मृत्यु वाला, अमर, अविनाशी।

ਅਯ अय् Ay पुं०
अयस् (नपुं०) अग्नि; लोहा; शस्त्र।

ਅਯਸ अयस् Ayas वि०
अयशस् (वि०) बदनाम, कलङ्कित।

ਅਯਸਕਾਂਤ अयस्कान्त् Ayaskānt पुं०
अयस्कान्त (पुं०) चुम्बक पत्थर।

ਅਯਾਚੀ अयाची Ayācī पुं०
अयाचिन् (वि०) न याचना करने वाला, संतोषी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੱਯੜ अय्यड़ Ayyaṛ पुं०
अविकट (पुं०) भेड़ों का समूह।

ਅਰਹ अर्ह् Arh वि०/पुं०
अर्ह (वि०/पुं०) वि०—योग्य; पूज्य।
पुं०—कर्तार, वाहि गुरु।

ਅਰਹਟ अर्हट् Arhaṭ पुं०
अरघट्ट (पुं०) रहट, घटी यन्त्र।

ਅਰਖਨ अर्खन् Arkhan पुं०
आर्षक्रम (पुं०) ऋषियों की मर्यादा, परिपाटी।

ਅਰਖੇਉ अर्खेउ Arkheu वि०
आर्षेय (वि०) ऋषि-सम्बन्धी।

ਅਰਗਣੀ अर्गणी Argaṇī स्त्री०
अर्गला (स्त्री०) बेड़ा, अगड़ी, सिटकिनी, किल्ली।

ਅਰਚਾਰ अर्चार् Arcār वि०
अर्चार्ह (वि०) अर्चा-पूजा के योग्य, सम्माननीय।

ਅਰਣਾ अर्णा Arṇā वि०
आरण्य (वि०) जंगल में रहने वाला, जंगली।

ਅਰਥਨਾ अर्थना Arthanā क्रि०
अर्थयते (चुरादि अक०, सक०) याचना करना।

ਅਰਦਨ अर्दन् Ardan पुं०
अर्दन (नपुं०) पीड़ा देने अथवा दलने की क्रिया, उत्पीड़न; याचना।

ਅਰਾਤੀ अराती Arātī पुं०
अराति (पुं०) शत्रु, दुश्मन।

ਅਰਾਧ अराध् Arādh वि०
आराध्य (वि०) पूज्य, अराधना के योग्य।

ਅਰਾਪਨ अरापन् Arāpan पुं०
अर्पण (नपुं०) भेंट, दान।

ਅਰਾਲਕ अरालक् Arālak वि०
आरालिक (वि०) बदचलन, कपटी।

ਅਰਿਸਟ अरिसट् Arisaṭ पुं०
अरिष्ट (नपुं०) विघ्न, कठिनाई।

ਅਰੁੱਝਨ अरुज्झन् Arujjhan पुं०
आरोहण (नपुं०) सवार होने या चढ़ने की क्रिया।

ਅਰੂੜੀ अरूड़ी Arūṛī स्त्री०
आरूढि (स्त्री०) घूरा, गोबर आदि कचरे का ढेर।

ਅਰੇਰੇ अरेरे Arere वि०
अवारीण (वि०) समीप, निकट।

ਅਰੋਗਣ अरोगण् Arogaṇ स्त्री०
अरोगिणी (वि०) रोगरहित स्त्री, स्वस्थ औरत।

ਅਰੰਨ अरन्न् Arann पुं०
अरण्य (नपुं०) जंगल, वन।

ਅਰੰਭ अरम्भ् Arambh पुं०
आरम्भ (पुं०) प्रारम्भ, आदि, प्रथम।

ਅਰੰਭਣਾ अरम्भ्णा Arambhṇā सक० क्रि०
आरम्भते (भ्वादि सक०) आरम्भ करना।

ਅਲਉਤੀ अलउती Alautī पुं०
अलिम्पक (पुं०) महुआ, मधूक।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਲਹ अलह् Alah वि०/पुं०
अलक्ष्य (वि०/पुं०) वि०—जो देखा न जा सके। पुं०—कर्त्तार, ईश्वर।

ਅਲਖ अलख् Alakh वि०/पुं०
द्र०—अलह।

ਅਲੱਗ अलग्ग् Alagg वि०
अलग्न (वि०) पृथक्, अलग।

ਅਲਾਉ अलाउ Alāu पुं०
अलाप (पुं०) कथन, बातचीत।

ਅਲਾਇਆ अलाइआ Alāiā वि०
आलापित (वि०) कथन किया हुआ; गाया गया।

ਅਲਾਸ अलास् Alās पुं०
उल्लास (पुं०) हर्ष, आनन्द।

ਅਲਾਪੀ अलापी Alāpī पुं०
आलापिन् (वि०) आलाप करने वाला।

ਅਲਾਂਭਾ अलाँभा Alābhā पुं०
उपालम्भ (पुं०) उलाहना; भर्त्सना, फटकार।

ਅਲਿਕ अलिक् Alik पुं०
अलिक (नपुं०) मस्तक, शिर।

ਅਲੀਆ अलीआ Alīā पुं०
अलीक (नपुं०) झूठ, असत्य।

ਅਲੋਅਨ अलोअन् Aloan पुं०
अवलोकन (नपुं०) देखने की क्रिया, देखना।

ਅਲੋਇ अलोइ Aloi वि०
अलौकिक (वि०) जो लोक में न मिलता हो; अद्भुत, विचित्र।

ਅਲੋਇਆ अलोइआ Aloiā वि०
अवलोकित (वि०) देखा हुआ, दृष्ट।

ਅਲੋਕ अलोक् Alok पुं०
आलोक (पुं०) प्रकाश; दर्शन।

ਅਲੋਕਨ अलोकन् Alokan पुं०
आलोकन (नपुं०) अवलोकन; जाँच-पड़ताल, निरीक्षण।

ਅਲੋਚਨਾ अलोच्ना Alocnā स्त्री०
आलोचना (स्त्री०) आलोचना, दोषगुण का स्पष्ट रूप से कथन।

ਅਲੰਕੀ अलंकी Alaṅkī वि०
अलंकृत (वि०) अलङ्कार-सहित, भूषित।

ਅਵਸੇਖ अव्सेख् Avsekh वि०
अवशेष (वि०) शेष, बाकी-बचा हुआ।

ਅਵਕੀਰਣ अव्कीरण् Avkīraṇ वि०
अवकीर्ण (वि०) बिखेरा हुआ, फैलाया हुआ।

ਅਵਗਣ अव्गण् Avgaṇ पुं०
अवगुण (पुं०) दोष, ऐब, बुराई।

ਅਵਤਾ अवता Avatā वि०
आवर्तिक (वि०) आवर्त के बीच में फँसा हुआ; विपरीत, विरुद्ध।

ਅਵਦ अवद् Avad वि०
अवद्य (वि०) निन्द्य; अवचनीय।

ਅਵਰਤ-ਏਥਹ अव्रत्-एथह् Avrat-Ethah अक० क्रि०
आवर्तयेथाः (चुरादि म० पु० अक०) पुनः पुनः उच्चारण करो।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅਵਲੋਇਨ अव्लोइन् Avloin पुं०
अवलोकन (नपुं०) देखने की क्रिया, निरीक्षण।

ਅਵਾਯ अवाय् Avāy वि०
अवार्य (वि०) जो रोका नहीं जा सके, अनिवार्य।

ਅਵਾਰਾ अवारा Avāra वि०
द्र०—ਅਵਾਯ।

ਅਵਿਗ अविग् Avig वि०
अविज्ञ (वि०) अज्ञानी, अनजान।

ਅਵਿਨੈ अविनै Avinai पुं०
अविनय (पुं०) अनम्रता, धृष्टता।

ਅਵੈਵ अवैव् Avaiv पुं०
अवयव (पुं०) शरीर का कोई अंग; अंश, भाग।

ਅਵਯਾਪਤੀ अव्याप्ती Avyāptī स्त्री०
अव्याप्ति (स्त्री०) व्याप्ति का अभाव, लक्षण का एक दोष।

ਅੜ अड़् Aṛ अक० क्रि०
अड्डति (भ्वादि अक०) अड़ना, अटकना; हठ करना।

ਅੜਾਉਣਾ अड़ाउणा Aṛāuṇā क्रि०
आ०√रट >आरड़ >अड़ाउ
आरटति (भ्वादि सक०) रटना; चिल्लाना।

ਆਂਉ ँ आँउं Āū स्त्री०
आम (पुं०, नपुं०) आँव, अजीर्ण रोग।

ਆਉਖਾ आउखा Āukhā पुं०
आयुष्य (नपुं०) आयु वर्द्धक, जीवनरक्षक।

ਆਉਣਾ आउणा Āuṇā पुं०
आगमन (नपुं०) पहुँच आना।

ਆਂਉਲਾ आँउला Āulā पुं०
आमलक (पुं०/नपुं०) पुं०—आँवला का वृक्ष। नपुं०—आँवला का फल।

ਆਇ आइ Āi स्त्री०
आयुष् (नपुं०) उम्र, जीवन की अवधि।

ਆਇਉ आइउ Āiu स्त्री०
आय (पुं०) धनागम; आमदनी, लाभ।

ਆਇਧ आइध् Āidh पुं०
आयुध (नपुं०) हथियार, शस्त्र।

ਆਸ਼ਕ आशक् Āśak वि०
आसक्त (वि०) आसक्त, किसी विषय में लगा हुआ।

ਆਸਗੰਧ आस्गन्ध् Āsgandh स्त्री०
अश्वगन्धा (स्त्री०) असगन्ध, एक प्रकार की काष्ठौषधी।

ਆਸਤ आसत् Āsat वि०
आस्तिक (वि०) ईश्वर और परलोक पर विश्वास करने वाला।

ਆਸਪਦ आस्पद् Āspad पुं०
आस्पद (नपुं०) स्थान, पद; पदवी; मान।

ਆਸਰ आसर् Āsar पुं०
आश्रय (पुं०) आसरा, सहारा, अवलम्ब।

ਆਸਾਇ आसाइ Asāi पुं०
आशय (पुं०) तात्पर्य; मनोरथ, इच्छा।

ਆਸਾਇਤੀ आसाइती Āsāitī स्त्री०
आशावती (स्त्री०) आशा वाली, उम्मीद वाली।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਸਾਸਨ आसासन् Āsāsan पुं०
आश्वासन (नपुं०) आश्वासन, दिलासा, तसल्ली।

ਆਸਾਵੰਤ आसावन्त् Āsāvant पुं०
आशावत् (वि०) कामना वाला, इच्छा वाला।

ਆਸਾੜ आसाड़् Āsāṛ पुं०
आषाढ (पुं०) आषाढ़ मास।

ਆਸਿਖ आसिख् Āsikh स्त्री०
आशिस् (स्त्री०) आशीर्वाद, मङ्गल-कामना।

ਆਸੀਰ आसीर् Āsīr स्त्री०
द्र० —ਆਸਿਖ।

ਆਸੁ[1] आसु Āsu पुं०
अश्रु (नपुं०) आँसू।

ਆਸੁ[2] आसु Āsu क्रि० वि०
आशु (अ०) शीघ्र, तुरन्त।

ਆਸੁਤੋਖ आसुतोख् Āsutokh पुं०
आशुतोष (वि०/पुं०) वि०—शीघ्र प्रसन्न होने वाला। पुं०—भगवान् शिव।

ਆਸੌਨ आसौन् Āsaun पुं०
अपशकुन (नपुं०) खराब शकुन, अमंगल सूचना।

ਆੱਸਰਾ आस्सरा Āssarā पुं०
द्र० —ਆਸਰ।

ਆਸ੍ਰਿਛ आस्रिछ् Āsrich वि०
आश्रित (वि०) निर्भर, अवलंबित।

ਆਹਮਣਾ-ਸਾਹਮਣਾ आह्मणा-साह्मणा Āhmṇā-Sāhmṇā अ०
आमुख (नपुं०) आमने-सामने, समक्ष।

ਆਹਿ आहि Āhi अक० वर्त० क्रि०
अस्ति (अदादि अक० लट्) है।

ਆਹਿਣ आहिण् Āhiṇ पुं०
अशनि (पुं०, स्त्री०) वज्र, कुलिश; ओले।

ਆਹੁਰ आहुर् Āhur स्त्री०
आसुरी (स्त्री०) राक्षसी या असुर की पत्नी; असुर-सम्बन्धी; राई।

ਆਕ आक् Āk पुं०
अर्क (पुं०) अकोआ, मदार; धतूरा।

ਆਂਕ आँक् Ā̃k पुं०
अङ्क (पुं०) अङ्क, संख्या।

ਆਕਰਖ आकर्ख् Ākarkh पुं०
आकर्ष (पुं०) कसौटी; चुम्बक; आकर्षण; परस्पर मनमुटाव।

ਆਕਰਖਨ आकर्खन् Ākarkhan पुं०
आकर्षण (नपुं०) खिचाव, कशिश; हल जोतने का कर्म।

ਆਕਲ आकल् Ākal वि०
आकुल (वि०) व्याकुल, घबराया हुआ।

ਆਕ੍ਰਿਤਿ आक्रिति Ākriti स्त्री०
आकृति (स्त्री०) आकृति, स्वरूप।

ਆਂਖ आँख् Ā̃kh स्त्री०
अक्षि (नपुं०) आँख, नेत्र।

ਆਖਤ आखत् Ākhat वि०
आख्यात (वि०) कही हुई बात।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਖਤ੍ਰੀ आख्त्री Ākhatrī स्त्री०
आख्यात्री (स्त्री०) कथन करने वाली; कहने वाली।

ਆਖਯਾ आख्या Ākhyā वि०
आख्यात (वि०) कथित, कहा हुआ; पढ़ा हुआ।

ਆਖਰ आखर् Ākhar पुं०
अक्षर (नपुं०) अकारादि वर्ण, अक्षर।

ਆਖਾਉਣਾ आखाउणा Ākhāuṇā क्रि०
आख्यापयति (अदादि सक० प्रेर०) कहलवाना, कथन कराना।

ਆਖਾਣ आखाण् Ākhāṇ पुं०
आख्यान (नपुं०) कथा, कहानी; व्याख्या; कथन।

ਆਖਾੜ आखाड़् Ākhāṛ पुं०
आषाढ (पुं०) आषाढ़ मास।

ਆਖਿ आखि Ākhi पुं०
आस्य (नपुं०) मुख, आनन।

ਆਖੀ आखी Ākhī स्त्री०
आख्यात (अदादि सक०) कथन, कहने का भाव।

ਆਖੇਰ आखेर् Ākher पुं०
आखेट (पुं०) शिकार, अहेर।

ਆੱਖਾ आक्खा Ākkhā पुं०
आख्यात (नपुं० / वि०) नपुं०—कथन। वि०—कहा हुआ।

ਆਗ आग् Āg स्त्री०
अग्नि (पुं०) आग, अनल।

ਆਗਹ आगह् Āgah पुं०
आग्रह (पुं०) हठ, जिद्द।

ਆਗਜ आगज् Āgaj पुं०
अग्रज (वि०) बड़ा भाई; प्रधान; ब्राह्मण।

ਆਗਨਤਾ आगन्ता Āgantā वि०
अगणित (वि०) असंख्य, अनगिनत।

ਆਗਰ आगर् Āgar पुं०
आकर (पुं०) खान, खजाना।

ਆਗਾਸ आगास् Āgās पुं०
आकाश (पुं०) आकाश, गगन।

ਆਗਾਹ आगाह् Āgāh वि०
अगाध (वि०) अथाह, गंभीर, अपार।

ਆਗਿਓ आगिओ Āgio स्त्री०
आज्ञा (स्त्री०) आदेश, आज्ञा।

ਆਂਗੁਰੀ आँगुरी Āgurī स्त्री०
अङ्गुली (स्त्री०) अंगुली।

ਆਘ आघ् Āgh पुं०
अर्घ (पुं०) मूल्य, कीमत।

ਆਚਨ आचन् Ācan पुं०
आचमन (नपुं०) किसी धर्मानुष्ठान के प्रारम्भ में दाहिने हाथ की हथेली में जल रखकर पीने की क्रिया।

ਆਚਰਿਆ आचरिआ Ācriā वि०
आचरित (वि०) व्यवहार में लाया हुआ, अमल किया हुआ।

ਆਛ आछ् Āch वि०
अच्छ (वि०) अच्छा, स्वच्छ; सुन्दर; स्वस्थ, नीरोग।

ਆਛਤ आछत् Āchat वि०
अक्षत (वि०) बिना घाव के, क्षत-रहित जो टूटा न हो, सम्पूर्ण।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਛਾ आछा Āchā वि०
अच्छ (वि०) अच्छा, निर्मल, सुन्दर।

ਆਛੇਪ आछेप् Āchep पुं०
आक्षेप (पुं०) फेंकने की क्रिया; दोषारोपण; एक अर्थालङ्कार।

ਆਜ ਆज् Āj क्रि० वि०
अद्य (अ०) आज।

ਆਜਾਨੰਤਾ आजानन्ता Ājānantā पुं०
अविजानत् (वि०) न जानने वाला, अज्ञानी।

ਆਟ आट् Āṭ पुं०
हठ (पुं०) जिद्द, हठ।

ਆੱਟਾ आट्टा Āṭṭā पुं०
अट्ट (नपुं०) आटा, अन्न का पिसा हुआ चूर्ण।

ਆਠ आठ् Āṭh वि०
अष्टन् (वि०) आठ, 8।

ਆਠੋ आठो Āṭho पुं०
अष्टम (वि०) आठवाँ, 8वाँ।

ਆਂਡ आण्ड Āṇḍ पुं०
आण्ड (नपुं०) अण्डकोश की थैली।

ਆਡੀਠ आडीठ् Āḍīṭh वि०
अदृष्ट (वि०) जो न देखा गया हो; भाग्य, प्रारब्ध।

ਆਢਿ आढि Āḍhi वि०
आढ्य (वि०) धनी, सम्पन्न; विपुल; सहित।

ਆਣਣ आणण् Āṇaṇ पुं०
आनयन (नपुं०) लाने का भाव।

ਆਣੀ आणी Āṇī वि०
आनीत (वि०) लाया हुआ।

ਆਤਮਜ आत्मज् Ātmaj पुं०
आत्मज (वि०/पुं०) वि०—अपने से पैदा हुआ। पुं०—पुत्र।

ਆਤਰ आतर् Ātar वि०
आर्त (वि०) दुःखित, पीडित; बाधित।

ਆਤਿਥ आतिथ् Ātith पुं०
आतिथ्य (नपुं०) अतिथि का सत्कार,

ਆਥ[1] आथ् Āth वि०
अस्त (वि०) लोप, नाश।

ਆਥ[2] आथ् Āth नपुं०
आत्त (वि०) प्राप्त; ग्रहण किया हुआ स्वीकृत।

ਆਥੱਣਾ आथण्णा Āthaṇṇā पुं०
अस्तमयन (नपुं०) सूर्यास्त समय, सायंकाल।

ਆਥਮਣਾ आथम्णा Āthamṇā अक० क्रि०
अस्तमेति (अदादि अक०) अस्त होना; घर जाना; रुकना।

ਆਥਰੀ आथ्री Āthrī स्त्री०
द्र०—ਆੱਥਰੀ।

ਆਥੁਣ आथुण् Āthuṇ पुं०
अस्तमय (नपुं०) सूर्य का डूबना, सूर्यास्त होने का भाव।

ਆਥੁੱਣਾ आथुण्णा Āthuṇṇā अक० क्रि०
द्र०—ਆਥੁਣ।

ਆੱਥਰੀ आत्थरी Ātthrī स्त्री०
आस्तर (पुं०) चद्दर, विस्तर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਦ आद् Ād पुं०/वि०
आदि (पुं० / वि०) पुं०—आरम्भ, मूल-कारण। वि०—पहला, मुख्य; तत्सदृश अन्य।

ਆਂਦ आँद् Ād स्त्री०
आन्त्र (नपुं०) आँत, अँतड़ी; भीतरी भाग।

ਆਦਮੀ आद्मी Ādmī पुं०
आदमिन् (पुं०) आदमी, संयमी।

ਆਂਦੜੀ आँद्ड़ी Ādṛī स्त्री०
द्र०—ਆਂਦ।

ਆਦਿੱਤ आदित्त् Ādītt पुं०
आदित्य (पुं०) अदिति की संतान, देवता; सूर्य।

ਆਦੀ आदी Ādī पुं०/वि०
आदि (पुं० / वि०) पुं०—आरम्भ, मूल-कारण। वि०—मुख्य, पहला; तत्सदृश अन्य।

ਆਂਧਰ आँधर् Ādhar पुं०
अन्ध (वि०) अन्धा, नेत्रहीन।

ਆਧਾ आधा Ādhā पुं०
अर्ध (वि०) आधा, अधूरा।

ਆਧੀਨ आधीन् Ādhīn वि०
अधीन (वि०) परतन्त्र, वश्य।

ਆਨ[1] आन् Ān वि०
अन्य (वि०) दूसरा, भिन्न, दूजा।

ਆਨ[2] आन् Ān स्त्री०
आनि (स्त्री०) आज्ञा, आदेश।

ਆਨਦ आनद् Ānad पुं०
आनन्द (पुं०) हर्ष, सुख, प्रसन्नता।

ਆਨਲ आनल् Ānal पुं०
अनल (पुं०) आग, अग्नि।

ਆਨਾ आना Ānā अक० क्रि०
आगच्छति (भ्वादि सक०) आना, लौटना।

ਆਨਿ आनि Āni क्रि० वि०
आनीय (क्रि० वि०) लाकर, ले आकर।

ਆਨੁਪੂਰਬੀ आनुपूर्बी Ānupūrbī वि०
आनुपूर्वीय (वि०) क्रमानुसार, सिल-सिलेवार।

ਆਨੇਤਾ आनेता Ānetā पुं०
आनेतृ (वि०) ले आने वाला।

ਆੱਨਾ आन्ना Ānnā पुं०
आण्डक (पुं०) आँख की पुतली।

ਆਪਸ आपस् Āpas वि०
आत्मन् (पुं०) स्वयं, खुद।

ਆਪਣਾ आप्णा Āpṇā वि०
द्र०—ਆਪਸ।

ਆਪਤ आपत् Āpat स्त्री०
आपत् (स्त्री०) आपत्ति, विपत्ति, विपदा।

ਆਪਤਿ[1] आप्ति Āpti स्त्री०
आपत्ति (स्त्री०) आपत्ति, विपत्ति, सङ्कट।

ਆਪਤਿ[2] आप्ति Āpti स्त्री०
आप्ति (स्त्री०) प्राप्ति, लाभ।

ਆਪਤੁ आप्तु Āptu पुं०
आत्मत्व (नपुं०) अपनापन, आत्मीयता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਪਾਉ आपाउ Āpāu पुं०
आप्यायन (नपुं०) तृप्ति; सेचन ।

ਆਫਤ आफत् Āphat स्त्री०
आपत् (स्त्री०) आपत्ति; आफत, विपद् ।

ਆਮਖ आमख् Āmakh पुं०
आमिष (नपुं०) मांस, गोश्त ।

ਆਮਣਾ आम्णा Āmṇā पुं०
आमनन (नपुं०) सहानुभूतिपूर्वक विचारना ।

ਆਮਨ आमन् Āman पुं०
आमनस् (पुं०) रोग, बीमारी ।

ਆਮਨਾਯ आम्नाय् Āmnāy पुं०
आम्नाय (पुं०) वेद; अभ्यास; रीति; सम्प्रदाय ।

ਆਮਰਖ आमर्ख् Āmarkh पुं०
आमर्ष (पुं०) क्रोध, गुस्सा ।

ਆਮਲਾ आम्ला Āmlā पुं०
आमलक (पुं / नपुं०) पुं—आँवला का वृक्ष । नपुं—आँवला का फल ।

ਆਮਲੀ आम्ली Āmlī स्त्री०
द्र०—ਆਮਲਾ ।

ਆਮੀਆਂ आमिआँ Āmiā̃ स्त्री०
आम्र (पुं०) कच्चा आम ।

ਆਰ आर् Ār स्त्री०
आरी (स्त्री०) मोची का छेद करने का औजार; लकड़ी चीरने का लम्बा एवं नुकीला दाँतेदार औजार ।

ਆਰਸ आरस् Āras पुं०
अलस (वि०) आलसी, सुस्त ।

ਆਰਸਤਾ आरस्ता Ārastā स्त्री०
अलसता (स्त्री०) आलस्य, सुस्ती ।

ਆਰਜਨੀ आर्जनी Ārjanī वि०
अर्जुनीय (वि०) अर्जुन के समान उज्ज्वल, गोरा; अर्जुन-सम्बन्धी ।

ਆਰਜਵ आर्जव् Ārjav पुं०
आर्जव (नपुं०) सरलता, निष्कपटता ।

ਆਰਤਿ आर्ति Ārti स्त्री०
आर्ति (स्त्री०) पीड़ा, कष्ट; दीनता ।

ਆਰਦ੍ ਆਰਦ्र Āradr वि०
आर्द्र (वि०) नम, तर, भीगा ।

ਆਰਯ आर्य् Ary वि०
आर्य (वि०) उत्तम, श्रेष्ठ; पूज्य ।

ਆਰਯਾਵਰਤ आर्यावरत् Āryāvarat पुं०
आर्यावर्त्त (पुं०) भारतवर्ष ।

ਆਰਾਤੀ आराती Ārātī पुं०
आराति (पुं०) शत्रु, वैरी, दुश्मन ।

ਆਰੁਹ आरुह् Āruh पुं०
आरोह (पुं०) चढ़ाई, चढ़ने का भाव ।

ਆਲ[1] आल् Āl वि०
आर्द्र (वि०) भींगा, नम, तर ।

ਆਲ[2] आल् Āl पुं०
आलय (पुं०) घर, रहने का स्थान ।

ਆਲਾਉ आलाउ Ālāu पुं०
आलाप (पुं०) संलाप, वार्तालाप, बात-चीत, कथोपकथन ।

ਆਲੀਣਾ आलीणा Ālīṇā वि०
आलीन (वि०) तल्लीन; अभिन्न ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਆਵ आव् Āv पुं०
आयुष् (नपुं०) आयु, उम्र, अवस्था।

ਆਵਧ आवध् Āvadh पुं०
आयुध (नपुं०) अस्त्र, हथियार।

ਆਵਰਦ आवरद् Āvarad पुं०
आवर्त (पुं०) भौरी, भँवर, पानी का चक्कर।

ਆਵਲਿ आवलि Āvali स्त्री०
आवलि (स्त्री०) पंक्ति, कतार।

ਆਵਿੰਧ आविन्ध् Āvindh अ०
आविन्ध्यम् (अ०) विन्ध्य तक।

ਆਵੇੜਨ आवेड़न् Āveṛan पुं०
आवेष्टन (नपुं०) ढकने या लपेटने की क्रिया।

ਆੜ आड़् Āṛ पुं०
आषाढ (पुं०) आषाढ़ मास।

ਆੜਿ आड़ि Āṛi स्त्री०
आडि (पुं०) मछली की एक जाति; बगुले का एक भेद।

ਐਸੁਰਜ ऐसुरज् Aisuraj पुं०
ऐश्वर्य (नपुं०) प्रभुता; धन, सम्पदा।

ਐਹਣ ऐहण् Aihaṇ पुं०/स्त्री०
अशनि (पुं०/स्त्री०) पुं०—इन्द्र का वज्र। स्त्री०—बिजली की कौंध।

ਐਹਰਨ ऐह्रन् Aihran स्त्री०
अधिकरणी (स्त्री०) एरण, निहाई।

ਐਖ ऐख् Aikh पुं०
इषु (पुं०) बाण, तीर।

ਐਚਨ ऐचन् Aican पुं०
आकुञ्चन (नपुं०) खींचना; सिकोड़ना।

ਐਤੁ ऐतु Aitu वि०
अयुत (नपुं०) दस हजार, 10,000।

ਐਥਾਉ ऐथाउ Aithāu क्रि० वि०
अस्मिन् स्थाने (क्रि० वि०) इस स्थान पर, यहाँ।

ਐਰਣ ऐरण् Airaṇ स्त्री०
द्र०—ਐਹਰਨ।

ਐਰਾਪਤ ऐरापत् Airāpat पुं०
ऐरावत (पुं०) ऐरावत हाथी जो समुद्र-मंथन से निकला था, इन्द्र का हाथी।

ਐਲ ऐल् Ail वि०
ऐल (वि०) इला से सम्बन्धित सन्तान आदि।

ਐਵੇ ऐवे Aive क्रि० वि०
एवमेव (अ०) यों ही, ऐसे ही।

ਔਸ औस् Aus सर्व०
असौ (प्रथमान्त सर्व०) वह।

ਔਸਦੀ औस्दी Ausdī स्त्री०
औषधि (स्त्री०) जड़ी-बूटी, चिकित्सा से संबन्धित वनस्पति पदार्थ।

ਔਸਾਣ औसाण् Ausāṇ पुं०
अवसान (नपुं०) अवसान, अन्त; परिणाम, फल।

ਔਹਠ औहठ् Auhaṭh पुं०
अपहठ (पुं०) दुराग्रह, बुरी जिद्द।

ਔਗਣ औगण् Augaṇ पुं०
द्र०—ਅਉਗੁਣ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੱਗਤ औगत् Augat वि०
अपगत (वि०) भागा हुआ; मृत।

ਅੱਗਤਿ औगति Augati स्त्री०
अपगति (स्त्री०) दुर्गति, मन्द दशा, निम्न गति।

ਅੱਗਾਹਨ औगाहन् Augāhan पुं०
अवगाहन (नपुं०) स्नान; छानबीन।

ਅੱਘ औघ् Augh पुं०
ओघ (पुं०) प्रवाह, बहाव।

ਅੱਜ औज् Auj पुं०
ओजस् (नपुं०) बल, शक्ति, उत्साह।

ਅੱਟਣਾ[1] औट्णा Auṭṇā अक० क्रि०
अपवर्तते (भ्वादि सक०) भूलना; भटकना।

ਅੱਟਣਾ[2] औट्णा Auṭṇā सक० क्रि०
आवर्तयति (भ्वादि प्रेर०) उबालना; गोलाई में घुमाना।

ਅੱਟਾਉਣਾ औटाउना Auṭāunā सक० क्रि०
उत्तापयति (चुरादि सक०) तप्त करना, उबालना; जोश देना।

ਅੱਟਾਨ औटान् Auṭān पुं०
उत्ताप (पुं०) उबाल; जोश।

ਅੱਣਾ औणा Auṇā वि०
आयाति (अदादि सक०) आना, पहुँचना।

ਅੱਤ औत् Aut पुं०
द्र०—ਅੱਤ्रा।

ਅੱਤਾਰ औतार् Autār पुं०
अवतार (पुं०) देवता का पृथ्वी पर प्रादुर्भाव या जन्म लेना, अवतार।

ਅੱਤ੍ਰਾ औत्रा Autrā पुं०
अपुत्र (वि०) पुत्र-हीन।

ਅੱਨ औन् Aun स्त्री०
अवनि (स्त्री०) पृथ्वी, धरती।

ਅੱਰਸ औरस् Auras पुं०
औरस (वि०) उर से सम्बन्ध रखने वाला; स्वयं की संतान।

ਅੱਉਲ अंउल् Āul स्त्री०
अवरा (स्त्री०) नाभि-नाल, नाभि से अपरा तक जाने वाली नली।

ਅੱਸ ऑस् Ās स्त्री०
अमावस्या (स्त्री०) अमावस्या, कृष्ण पक्ष की अन्तिम तिथि।

ਅੱਸੁਮਾਲ अंसुमाल् Ansumāl पुं०
अंशुमालिन् (पुं०) सूर्य, सूरज।

ਅੰਕਸ अंकस् Aṅkas पुं०
अङ्कुश (पुं०, नपुं०) लोहे का काँटा जिससे हाथी हाँका जाता है; दबाव; रोक-थाम।

ਅੰਖ अंख् Aṅkh स्त्री०
अक्षि (नपुं०) आँख, नेत्र।

ਅੰਗ अंग् Aṅg पुं०
अङ्ग (नपुं०) शरीर; अवयव, भाग।

ਅੰਗਯਾਰ अंग्यार् Aṅgyār पुं०
अङ्गार (पुं०, नपुं०) जलता हुआ कोयला।

ਅੰਗਯਾਰਾ अंग्यारा Aṅgyārā पुं०
द्र०—ਅੰਗਯਾਰ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੰਗਲੀ अंग्ली Aṅglī स्त्री०
अङ्गुलि (स्त्री०) अंगुली।

ਅੰਗਾ अंगा Aṅgā पुं०
अङ्गिन् (वि०) शरीर; भागीदार, हिस्सेदार।

ਅੰਗੁਸ अंगुस् Aṅgus पुं०
अङ्कुश (पुं०, नपुं०) लोहे का काँटा जिससे हाथी हाँका जाता है, अंकुश।

ਅੰਗੁਸਟ अंगुस्ट् Aṅgusṭ पुं०
अङ्गुष्ठ (पुं०) अंगूठा।

ਅੰਗੁਰੀ अंगुरी Aṅgurī स्त्री०
अङ्गुरि/री (स्त्री०) अंगुली।

ਅੰਗੁਲੀ अंगुली Aṅgulī स्त्री०
अङ्गुलि/ली (स्त्री०) अंगुली।

ਅੰਗੁਲੀਕ अंगुलीक् Aṅgulīk पुं०
अङ्गुलीयक (नपुं) अंगूठी; मुद्रा, मुंदरी।

ਅੰਗੂਠ अंगूठ् Aṅgūṭh पुं०
द्र०—ਅੰਗੁਸਟ।

ਅੰਗੂੱਠਾ अँगूट्ठा Aṅgūṭṭhā पुं०
द्र०—ਅੰਗੁਸਟ।

ਅੰਗੂਰੀ अंगूरी Aṅgūrī स्त्री०
अङ्कुर (पुं०) अंकुर।

ਅੰਗੇਆਰ अँगेआर् Ãgeār पुं०
द्र०—ਅੰਗਯਾਰ।

ਅੰਗੋੱਛਾ अंगोच्छा Aṅgochā पुं०
अङ्गोञ्छ (पुं०) अँगोछा, गमछा।

ਅੰਘ੍ਰੀ अंघ्री Aṅghrī स्त्री०
अङ्घ्रि (स्त्री०) चरण, पैर।

ਅੰਚਰਾ अँच्रा Ãcrā पुं०
अञ्चल (नपुं०, पुं०) आँचल, छोर, किनारा।

ਅੰਚਲਾ अँच्ला Ãclā पुं०
द्र०—ਅੰਚਰਾ।

ਅੰਜਣ अंजण् Añjaṇ स्त्री०
अञ्जन (नपुं०) सुरमा, काजल, आँजन।

ਅੰਜਾਣ अंजाण् Añjāṇ वि०
अज्ञान (वि०) अनजान, अज्ञानी, गँवार, मूर्ख।

ਅੰਝ अंझ् Añjh पुं०
अश्रु (नपुं०) आँसू।

ਅੰਝੂ अंझू Añjhū पुं०।
द्र० —ਅੰਝ।

ਅੰਤਸਥ अन्तस्थ् Antasth पुं०/वि०
अन्तःस्थ (पुं०/वि०) पुं०—अन्तःस्थ वर्ण (य-र-ल-व)। वि०—मध्य में स्थित।

ਅੰਤਹਪੁਰ अन्तह्पुर् Antahpur पुं०
अन्तःपुर (नपुं०) रानियों के रहने का महल।

ਅੰਤਰਿ अन्तरि Antari वि०
अन्तरीय (वि०) भीतरी, अन्दर का।

ਅੰਤਰਿੱਖ अन्तरिक्ख् Antarikkh पुं०
अन्तरिक्ष (नपुं०) पृथ्वी और स्वर्ग लोक के बीच का स्थान, आकाश; परलोक।

ਅੰਤਰੀਛ अन्तरीछ् Antarīch पुं०
द्र०—ਅੰਤਰਿੱਖ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਅੰਤ੍ਰਧਾਨ अन्त्र्धान् Antrdhān पुं०
अन्तर्धान (नपुं०) अन्तर्धान, आँखों से ओझल होने का भाव।

ਅੰਤ੍ਰਿਕ अन्त्रिक् Antrik वि०
आन्तरिक (वि०) भीतर का, अन्दर का।

ਅੰਨਚ अन्नच् Annac क्रि० वि०
अन्यच्च (अ०) और भी, पुनः और।

ਅੰਨਤ अन्नत् Annaṭ क्रि० वि०
अन्यत्र (क्रि० वि०) दूसरी जगह, अन्य स्थान।

ਅੰਨਥਾ अन्नथा Annathā अ०/वि०
अन्यथा (अ० / वि०) अ०—प्रकारान्तर, नहीं तो। वि०—मिथ्या से।

ਅੰਬਸਟ अम्ब्सट् Ambsaṭ पुं०
अम्बष्ठ (पुं०) महावत; ब्राह्मण पिता और वैश्य माता से उत्पन्न सन्तान।

ਅੰਬਲੀ अम्ब्ली Ambli स्त्री०
अम्ला/अम्लिका (स्त्री०) इमली का वृक्ष, या इमली का फल।

ਅੰਬਾਟ अम्बाट् Ambāṭ पुं०
आम्रदन (नपुं०) सूजन; थकावट

ਅੰਬੂਆ अम्बूआ Ambūā पुं०
आम्र (पुं०/नपुं०) पुं०—आम का वृक्ष। नपुं०—आम का फल।

ਇ

ਇਆ इआ Iā सर्व०
इदम् (सर्व०) यह।

ਇਆਣ इआण् Iāṇ वि०
अज्ञान (वि०) अज्ञानी; नादान।

ਇਆਨਥ इआनथ् Iānath पुं०
अज्ञानत्व (नपुं०) अज्ञानता, मूर्खता।

ਇਸਗੰਧ इस्गन्ध् Isgandh स्त्री०
अश्वगन्धा (स्त्री०) असगन्ध, काष्ठ औषध विशेष।

ਇਸ਼ਟੀ इश्टी Iṣṭī स्त्री०
इष्टि (स्त्री०) इच्छा, अभिलाषा।

ਇਸਥਿਰ इस्थिर Isthir वि०
स्थिर (वि०) स्थिर, अचल; दृढ़।

ਇਸ਼ਨਾਨਣ इश्नानण् Iṣnānaṇ स्त्री०
स्नानिनी/स्नायिनी (स्त्री०) नित्य स्नान करने वाली।

ਇਸਲੋਕ इस्लोक Islok पुं०
श्लोक (पुं०) पद्य, छन्दोबद्ध पद्य; यश, कीर्ति।

ਇਕਸ इकस् Ikas वि०
एक (वि०) एक; केवल।

ਇਕਸਠ इक्सठ् Iksaṭh वि०
एकषष्टि (स्त्री०) इकसठ, एकसठ; 61 संख्या से युक्त।

ਇਕਹਟ इक्हट् Ik-haṭ वि०
एकषष्टि (स्त्री०) एकसठ; 61 संख्या से युक्त वस्तु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਇਕਤ इकत् Ikat क्रि० वि०
एकत्र (अ०) एक साथ, एक स्थान पर।

ਇਕਤੀਸ इक्तीस् Iktīs वि०
एकत्रिंशत् (स्त्री०) इकतीस, 31।

ਇਕੱਤਰਿ इकत्तरि Ikattari स्त्री०
एकत्रिंशत् (स्त्री०) इकतीस; 31 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਇਕਦਾ इक्दा Ikdā अ०
एकदा (अ०) एक बार, एक समय।

ਇਕਲੌਤਾ इक्लौता Iklautā पुं०
एकलपुत्र (पुं०) इकलौता बेटा।

ਇਕਾਇਠ इकाइठ् Ikāiṭh वि०
एकषष्टि (स्त्री०) इकसठ; 61।

ਇਕਾਕੀ इकाकी Ikākī पुं०
एकाकिन् (वि०) अकेला, केवल, एकमात्र।

ਇਕਾਣਮੇਂ इकाण्में Ikāṇmē वि०
एकनवति (स्त्री०) इक्यानवे, 91 संख्या से युक्त वस्तु।

ਇਕਾਣਵੇਂ इकाण्वें Ikāṇvē वि०
द्र०—ਇਕਾਠਵੇਂ।

ਇਕਾਤ इकात् Ikāt पुं०
एकान्त (वि०) एकान्त; शून्य, निर्जन।

ਇਕੀਸ इकीस् Ikīs वि०
एकविंशति (स्त्री०) इक्कीस; 21 संख्या से युक्त वस्तु।

ਇੱਕ इक्क् Ikk वि०
एक (वि०) एक।

ਇਖ इख् Ikh पुं०
इक्षु (पुं०) ईख, गन्ना।

ਇਖਵਾਕ इख्वाक् Ikhvāk पुं०, वि०
इक्ष्वाकु (पुं० / वि०) पुं—इक्ष्वाकु वंश। वि०—इक्ष्वाकु वंश में पैदा हुआ।

ਇਖੁ इखु Ikhu पुं०
इषु (पुं०) तीर, बाण।

ਇਖੁਧੀ इखुधी Ikhudhī स्त्री०
इषुधि (पुं०) तरकस, जिसमें तीर रखे जाते हैं।

ਇੰਗਰਨਾ इंगर्ना Iṅgarnā अक० क्रि०
हिङ्करोति (तनादि अक०) गाय का बाँय-बाँय करना।

ਇਛਸਿ इछसि Ichasi सक० क्रि०
इच्छसि (तुदादि सक० म० पु०) इच्छा करते हो, चाहते हो।

ਇਛਤ इछत् Ichat वि०
इच्छित (वि०) अभिलषित, वांछित।

ਇੰਛਤ इंछत् Inchāt वि०
इच्छित (वि०) इच्छित, वांछित।

ਇਛਾ इछा Ichā स्त्री०
इच्छा (स्त्री०) चाह, कामना।

ਇੱਛਮ इच्छम् Iccham वि०
ईक्ष्य (वि०) इक्षणीय, देखने योग्य।

ਇੱਛਿਆ इच्छ्या Icchyā स्त्री०
इच्छा (स्त्री०) इच्छा, चाह।

ਇੰਝ इंझ् Iñjh पुं०
द्र०—ਅੰਝ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਇਠ इठ् Iṭh वि०
इष्ट (वि०) इच्छित, वांछित ।

ਇਤ-ਉਤ इत्-उत् It-Ut क्रि० वि०
इतस्ततः (अ०) इधर-उधर; इहलोक-परलोक ।

ਇਤਣਾ इत्णा Itṇā वि०
इयत् (वि०) इतना ।

ਇਤਾ इता Itā वि०
द्र०—ਇੱਤੋ[1] ।

ਇਤਿਹਾਸਿਕ इतिहासिक् Itihāsik वि०
ऐतिहासिक (वि०) इतिहास-संबन्धी ।

ਇੱਤਾ[1] इत्ता Ittā वि०
इयत् (वि०) इतना ।

ਇੱਤਾ[2] इत्ता Ittā वि०
एतावत् (वि०) इतना, इतनी मात्रा में ।

ਇਤਯੰਤ[1] इत्यन्त् Ityant क्रि० वि०
अत्यन्त (क्रि० वि०) अत्यन्त, अत्यधिक ।

ਇਤਯੰਤ[2] इत्यन्त् Ityant क्रि० वि०
इत्थङ्गत (क्रि० वि०) ऐसा, यों, इस प्रकार ।

ਇਤ੍ਰਾ इत्रा Itrā वि०
द्र०—ਇਤਣਾ ।

ਇਥਮ इथम् Itham क्रि० वि०
इत्थम् (क्रि० वि०) ऐसा, इस प्रकार ।

ਇਥਾਉ इथाउ Ithāu क्रि० वि०
अस्मिन्स्थाने (क्रि० वि०) इस स्थान पर, यहाँ; इस लोक में ।

ਇੰਦਰ-ਧਨਖ इन्दर्-धणख् Indar-Dhaṇakh पुं०
इन्द्रधनुष् (नपुं०) इन्द्रधनुष ।

ਇਦਾਨੀ इदानी Idānī क्रि० वि०
इदानीम् (अ०) इस समय, अब ।

ਇਨਦ੍ਰੀ इन्द्री Indrī पुं०
इन्द्रिय (नपुं०) इन्द्रिय; पुरुष का जननेन्द्रिय ।

ਇਮਬਲੀ इम्ब्ली Imblī स्त्री०
अम्लिका (स्त्री०) इमली का पेड़; इमली का फल ।

ਇਰਖਾ इर्खा Irkhā स्त्री०
ईर्ष्या (स्त्री०) द्वेष, डाह ।

ਇਰੰਡ इरण्ड् Iraṇḍ पुं०
एरण्ड (पुं० / नपुं०) पुं०—एरण्ड का पौधा । नपुं०—एरण्ड का फल ।

ਇਲਗਣ इल्गण् Ilgaṇ स्त्री०
द्र०—ਇਲੰਗਣ ।

ਇਲਾਯਚੀ इलाय्ची Ilāycī स्त्री०
एला (स्त्री०) इलायची ।

ਇਲੰਗਣ इलंगण् Ilaṅgaṇ स्त्री०
अधिलग्नी (स्त्री०) अरगनी, बाँस या रस्सी जिस पर वस्त्र सुखाया जाता है ।

ਇਲੰਗਣੀ इलंग्णी Ilaṅgṇī स्त्री०
द्र०—ਇਲਗਣ ।

ਈਸਾਨ ईसान् Īsān पुं०
ईशान (पुं०) शिव, रुद्र; पूर्व-उत्तर का कोण; स्वामी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਈਸ਼ਰ ईस्सर् Īssar पुं०
ईश्वर (पुं०) भगवान्; मालिक; अधिपति।

ਈਹਾਂ ईहाँ Īhā क्रि० वि०
द्र०—ਇਥਾਓਂ।

ਈਹਾਂ-ਊਹਾਂ ईहाँ-ऊहाँ Īhā-Ūhā क्रि० वि०
द्र०—ਇਤ-ਉਤ।

ਈਕ ईक् Īk वि०
एक (वि०) एक, 1।

ਈਖ ईख Īkh स्त्री०
इक्षु (पुं०) ईख, गन्ना।

ਈਖਣਾ ईख्णा Īkhṇā स्त्री०
एषणा (स्त्री०) इच्छा, चाह, रुचि।

ਈਖਨ ईखन् Īkhan पुं०
ईक्षण (नपुं०) नेत्र; देखने की क्रिया।

ਈਖਿ ईखि Īkhi स्त्री०
ईक्षा (स्त्री०) ईक्षण, दृष्टि-शक्ति, दृष्टि, ज्योति; निरीक्षण।

ਈਂਗਰ ईंगर् Īngar पुं०
हिङ्गुल (पुं०, नपुं) ईंगुर, जिससे स्त्रियाँ माथे का शृङ्गार करती हैं, लाल सिन्दूर।

ਈਂਟ ईंट् Īṭ स्त्री०
इष्टका (स्त्री०) ईंट।

ਈਠ ईठ् Īṭh वि०
द्र०—ਇਠ।

ਈਤੀ ईती Ītī स्त्री०
ईति (स्त्री०) आपत्ति, फसल सम्बन्धी उपद्रव।

ਈਧਣ ईधण् Īdhaṇ पुं०
इन्धन (नपुं०) जलावन, लकड़ी इत्यादि।

ਈਪਸਾ ईप्सा Īpsā स्त्री०
ईप्सा (स्त्री०) इच्छा, चाह, कामना।

ਏ

ਏ ए E सर्व०
एषः (प्रथमान्त सर्व०) यह, समीपस्थ वस्तु।

ਏਸੁਰ एसुर् Esur वि०
ऐश्वर (वि०) स्वामी से सम्बन्धित।

ਏਹ एह् Eh सर्व०
एतद् (सर्व०) यह।

ਏਹਾ एहा Ehā वि०
एतदेव (वि०) यह ही, यही।

ਏਕਤ[1] एकत् Ekat क्रि० वि०
एकत्र (अ०) एक स्थान पर, एक जगह।

ਏਕਤ[2] एकत् Ekat पुं०
एकत्व (नपुं०) एक होने का भाव, एकता।

ਏਕਾਸੀ एकासी Ekāsī स्त्री०
एकाशीति (स्त्री०) इक्यासी; 81 संख्या।

ਏਕਾਗਰ एकागर् Ekāgar वि०
एकाग्र (वि०) सावधान, ध्यानावस्थित।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਏੱਕਾ एक्का Ekkā पुं०
ऐक्य (नपुं०) एकता, एकत्व; समानता।

ਏਢਕ एढक् Eḍhak पुं०
एडक (पुं०) मेष, भेड़ा ;

ਏਤੱਝ एतज्झ् Etajjh पुं०
ऐतिह्य (नपुं०) ऐसा होने का भाव; परंपरा प्रसिद्ध बात, घटना, वृत्तान्त।

ਏਤਤ एतत् Etat सर्व०
एतत् (सर्व०) यह।

ਏਤਨਾ एत्ना Etnā वि०
एतावत् (वि०) इतना।

ਏੱਤਾ एत्ता Ettā वि०
इयत्तक (वि०) इतना।

ਏਰਣਾ एर्णा Erṇā वि०
आरण्य (वि०) जंगली, वनैला।

ਏਵਮ एवम् Evam अ०
द्र०—ਏਵੇ।

ਏਵਮਸਤੁ एव्मस्तु Evmastu अ०
एवमस्तु (अ०) ऐसा ही हो।

ਏਵੇ एवे Eve अ०
एवमेव (अ०) ऐसा ही, इस प्रकार ही।

ਸ

ਸਉ[1] सउ Sau वि०
शत (वि०) सौ, सैकड़ा; 100।

ਸਉ[2] सउ Sau पुं०
शयन (नपुं०) सोने का भाव; निद्रा।

ਸਉ[3] सउ Sau पुं०
शपथ (पुं०) शपथ, कसम।

ਸਉਂਹ सउँह Saũh पुं०
द्र०—ਸਉ[3]।

ਸਉਹਾਗ सउहाग् Sauhāg पुं०
सौभाग्य (नपुं०) सुहाग, अहिवात; अच्छा भाग्य, अच्छी किस्मत।

ਸਉਕਣ सउकण् Saukaṇ स्त्री०
सपत्नी (स्त्री०) सौतन, पति की दूसरी पत्नी।

ਸਉਡੀ सउडी Sauḍī वि०
सोढु (वि०) सहने वाला, सहनशील।

ਸਉਂਡੀ सउँडी Saũḍī पुं०
शुण्डिन् (पुं०) शुण्ड वाला, हाथी।

ਸਉਂਣ[1] सउँण् Saũṇ पुं०
शयन (नपुं०) सोने की क्रिया; निद्रा।

ਸਉਂਣ[2] सउँण् Saũṇ पुं०
शकुन (नपुं०) भले अथवा बुरे फल का सूचक, कारण, चिह्न इत्यादि।

ਸਉਣਾ सउणा Sauṇā अक० क्रि०
शेते (अदादि अक०) सोना, शयन करना, नींद लेना।

ਸਉਤ सउत् Sa-ut स्त्री०
द्र०—ਸਉਕਣ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਉਦਰਜ[1] सउदरज् Saudaraj पुं०
सौन्दर्य (नपुं०) सुन्दरता, खूबसूरती।

ਸਉਦਰਜ[2] सउदरज् Saudaraj पुं०
सौदर्य (नपुं०) सहोदरता, सोदरता, सगे भाई का संबन्ध।

ਸਉਪਣਾ सउपणा Saupṇā पुं०
समर्पण (नपुं०) अर्पण करने का भाव, सुपुर्दगी।

ਸਉਪਿ सउपि Saupi क्रि० वि०
समर्प्य (क्रि० वि०) सौंप करके, समर्पण करके।

ਸਉਰ सउर् Saur पुं०
स्वैर (नपुं०) स्वेच्छा, अपनी इच्छा।

ਸਉਰਭ सऊरभ् Saūrabh पुं०
सौरभ (नपुं०) सुगन्धि, खुशबू।

ਸਇ सइ Sai वि०
द्र०—ਸਉ[1]।

ਸਈਆਂ सईआँ Saiā̃ पुं०
स्वामिन् (पुं०) स्वामी; पति।

ਸਸ सस् Sas पुं०
शस्य (नपुं०) खेती, कृषि; फसल।

ਸਸਕ ससक् Sasak पुं०
शशक (पुं०) खरगोश।

ਸਸਕਾਰ ससकार् Saskār पुं०
संस्कार (पुं०) संस्कार, धार्मिक कृत्य; शव-संस्कार।

ਸਸਕੁਲੀ ससकुली Saskulī स्त्री०
शष्कुली (स्त्री०) पूड़ी-पक्वान्न आदि।

ਸਸਤ ससत् Sasat वि०
शस्त (वि०) प्रशंसित, सराहा हुआ।

ਸਸਤਾਉਣਾ ससताउना Sastāunā अक० क्रि०
श्वसिति (अदादि अक०) श्वास लेना, थोड़े समय तक विश्राम के लिए ठहरना।

ਸਸਤੀ सस्ती Sastī स्त्री०
शस्ति (स्त्री०) स्तुति, तारीफ।

ਸਸਾਂਕ ससांक् Sasāṅk पुं०
शशाङ्क (पुं०) चन्द्रमा, चन्द्र।

ਸਸੁ ससु Sasu स्त्री०
श्वस्रू (स्त्री०) सास, ससुर की पत्नी।

ਸਸੁਰ ससुर् Sasur पुं०
श्वसुर (पुं०) ससुर, श्वसुर।

ਸਸੁਰਾਲ ससुराल् Sasurāl स्त्री०
श्वसुरालय (पुं०) ससुर का घर।

ਸਸੂਖਾ ससूखा Sasūkhā स्त्री०
शुश्रूषा (स्त्री०) सेवा, परिचर्या; सम्मान, आदर।

ਸਸੰਬਰ ससम्बर् Sasambar पुं०
सस्यसम्वर (पुं०) एक वृक्ष जिसकी पत्तियाँ घोड़े के कान के समान होती हैं, साल वृक्ष।

ਸੱਸਾ सस्सा Sassā वि०
शस्य (वि०) हिंस्य, वध-योग्य।

ਸਹਇਆ सहइया Sahaiā वि०
सहायक (वि०) सहायता करने वाला।

ਸਹਸਕਿਰਤ सहसकिरत् Sahaskirat वि०
सहस्कृत (वि०) पुष्ट किया हुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਹਸਰਾਛ सहस्राछ् Sahasrāch पुं०
सहस्राक्ष (वि०/पुं०) वि०—हजार नेत्रों वाला। पुं०—इन्द्र; विष्णु; अकाल।

ਸਹਸਾ सह्सा Sahsā पुं०
संशय (पुं०) सन्देह, शंका।

ਸਹਸਾਇਆ सह्साइया Sahsāiā वि०
संशयालु (वि०) संशययुक्त, शंकालु।

ਸਹਘਾ सह्घा Sahghā वि०
समर्घ (वि०) सस्ता, किफायत।

ਸਹਜੁ सह्जु Sahju वि०/पुं०
सहज (वि०/पुं०) वि०—साथ पैदा होने वाला। पुं०—स्वभाव, आदत।

ਸਹੱਤ सहत्त् Sahatt पुं०
सहत्व (नपुं०) साथ होने का भाव; सहनशीलता।

ਸਹਾਉ सहाउ Sahāu पुं०
स्वभाव (पुं०) प्रकृति, आदत।

ਸਹੀ सही Sahī स्त्री०
सखी (स्त्री०) सहेली।

ਸਹੋਦ सहोद् Sahod पुं०
सोदर (वि०) सहोदर, सगा भाई।

ਸਕਟ सकट् Sakaṭ पुं०
शकट (नपुं०) गाड़ी, बैलगाड़ी; शरीर।

ਸਕਤ[1] सकत् Sakat वि०
सक्त (वि०) आसक्त, लगा हुआ, संबन्धित।

ਸਕਤ[2] सकत् Sakat वि०
शक्त (वि०) समर्थ, शक्तिशाली।

ਸਕਤਣੀ सक्तणी Saktaṇī स्त्री०
शक्तिमती (वि०) शक्ति अर्थात् हथियार विशेष (वर्छी) को धारण करने वाला।

ਸਕਤਾ सक्ता Saktā वि०
द्र०—ਸਕਤ[1]।

ਸਕਤਿ सक्ति Sakti स्त्री०
शक्ति (स्त्री०) ताकत, बल, प्रभाव।

ਸਕਯਥ सक्यथ् Sakyath पुं०
शक्यार्थ (नपुं०) मुख्यार्थ, अभिधेयार्थ।

ਸਕਰਾਂਦ सक्राँद् Sakrāṁd स्त्री०
संक्रान्ति (स्त्री०) संक्रान्ति, मेल; किसी ग्रह का एक से दूसरी राशि पर गमन।

ਸਕਾਈ सकाई Sakāī स्त्री०
स्वकीयता (स्त्री०) अपनापन, अपनत्व।

ਸਕਾਸ सकास् Sakās क्रि० वि०
सकाशम् (क्रि० वि०) समीप, निकट।

ਸਕਾਬਦ सकाबद् Sakābad पुं०
शकाब्द (पुं०) शकों के द्वारा प्रचारित वर्ष, शकाब्द।

ਸਕਾਰਥਾ सकार्था Sakārthā वि०
सार्थक (वि०) सार्थक, सफल।

ਸਕੁਚ सकुच् Sakuc पुं०
सङ्कोच (पुं०) सिकुड़न, संक्षेप।

ਸਕੁਚਿ सकुचि Sakuci क्रि० वि०
सङ्कोच्य (क्रि० वि०) संकुचित करके, संक्षेप करके।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਕੁੰਤ सकुन्त् Sakunt पुं०
शकुन्त (पुं०) पक्षी, चिड़िया।

ਸਕੁਨਿ सकुनि Sakuni स्त्री०
शकुनि (पुं०) पक्षी; नाग-विशेष।

ਸਕੁਲੀ सकुली Sakulī स्त्री०
द्र०—ਸਮਕੁਲੀ।

ਸਕੇਲਨ सकेलन Sakelan पुं०
सङ्कलन (नपुं०) अनेक वस्तुओं को इकट्ठा करने की क्रिया।

ਸਕੰਦ सकन्द् Sakand पुं०
स्कन्द (पुं०) कार्तिकेय, शिव के पुत्र।

ਸੱਕਣਾ सक्कणा Sakkṇā अक० क्रि०
शक्नोति (स्वादि अक०) सकना, समर्थ होना।

ਸੱਕਰ[1] सक्कर् Sakkar स्त्री०
शर्करा (स्त्री०) शक्कर, चीनी।

ਸੱਕਰ[2] सक्कर् Sakkar पुं०
सरस्तम्ब (पुं०) सरपत, सरकण्डा।

ਸੱਕੜ सक्कड़् Sakkaṛ पुं०
शक्य (वि०) सामर्थ्य के अनुकूल, करने योग्य।

ਸਕ੍ਰੰਦਨ सक्रन्दन् Sakrandan पुं०
संक्रन्दन (पुं०) इन्द्र, देवराज; श्रीकृष्ण भगवान् का नाम।

ਸਖ सख् Sakh पुं०
सखि (पुं०) साथी, मित्र।

ਸਖਣਾ सख्णा Sakhṇā वि०
क्षीण (वि०) खाली; दुर्बल।

ਸਖਲਨ सख्लन् Sakhlan पुं०
स्खलन (नपुं०) लड़खड़ाने अथवा डिगने की क्रिया; सत्पथ से भ्रष्ट होने का भाव; कम्प।

ਸਖਾਉਣਾ सखाउणा Sakhāuṇā सक० क्रि०
शिक्षयति (भ्वादि प्रेर०) सिखाना, शिक्षा देना।

ਸਖਾਇ सखाइ Sakhāi स्त्री०
सख्य (नपुं०) सखापन, मित्रता, दोस्ती; समानता।

ਸਖਾਣਾ सखाणा Sakhāṇā क्रि०
शिक्षण (नपुं०) शिक्षा, पढ़ाने का काम, तालीम।

ਸਗਣ सगण् Sagaṇ पुं०
शकुन (नपुं०) सगुन, शुभसूचक चिह्न या लक्षण।

ਸਗਰਾ सग्रा Sagrā पुं०
समग्र (वि०) समूचा, सम्पूर्ण।

ਸਗਾਰਥ सगारथ् Sagārath वि०
द्र०ਸਕਾਰਥਾ।

ਸਗੂੜ सगूड़् Sagūṛ वि०
गूढ (वि०) गुप्त, छिपा या ढका हुआ; प्रगाढ़, गहन; गुच्छा।

ਸੱਗ सग्ग् Sagg वि०
स्वक (वि०) सगा, अपना खास।

ਸਘਾਰਣ सघारण् Saghāraṇ सक० क्रि०
संहरति (भ्वादि सक०) संहार करना, मारना।

ਸਚ सच् Sac पुं०
सत्य (नपुं०) सत्य, अनृत।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਚਵ सचव् Sacav पुं०
सचिव (पुं०) मंत्री, सलाहकार।

ਸਚਾ सचा Sacā पुं०
सत्य (वि०) सच्चा, सत्यवादी, ईमानदार।

ਸਛੀਲਕ सछीलक् Sachīlak वि०
सशल्क (वि०) छिल्का सहित, छिल्का के साथ।

ਸਜ सज् Saj वि०
सज्य (वि०) ज्या (धनुष की डोरी) के साथ, धनुष आदि।

ਸਜਗ सजग् Sajag वि०
सजागर (वि०) जागरण-सहित; सावधान, जागरूक।

ਸਜਣ सजण् Sajaṇ वि०
सज्जन (वि०) भला आदमी, नेक जन।

ਸਜਣਈ सजन्ई Sajan-ī स्त्री०
सज्जनता (स्त्री०) नेकी, भलाई।

ਸਜੀਉ सजीउ Sajīu वि०
सजीव (वि०) जीव-सहित, चेतन।

ਸਜੀਵਨੀ सजीव्नी Sajīvnī स्त्री०
सञ्जीवनी (स्त्री०) जड़ी-बूटी-विशेष, संजीवनी।

ਸਜੁਤ सजुत् Sajut वि०
संयुक्त (वि०) जुड़ा हुआ, संबन्धित, मिला हुआ।

ਸਜੋਗੀ सजोगी Sajogī पुं०
संयोगिन् (वि०) संयोग कराने वाला, मिलाने वाला।

ਸਞਾਨ सञान् Sañān वि०
सज्ञान (वि०) ज्ञानवान्; बालिग, सयाना।

ਸਞਾਪਣ सञापण् Sañāpaṇ पुं०
संज्ञापन (नपुं०) ज्ञान कराने का भाव।

ਸਟਪਟ सट्पट् Saṭpaṭ अ०
झटिति (अ०) झटपट, तुरन्त।

ਸਠਿ सठि Saṭhi वि०
षष्टि (स्त्री०) साठ, 60।

ਸਠੋਰ सठोर् Saṭhor वि०
शठतर (वि०) अधिक धूर्त, लुच्चा।

ਸਣਖਤਾ[1] सण्खता Saṇkhatā स्त्री०
स्नुषा (स्त्री०) बेटे की स्त्री, बहू।

ਸਣਖਤਾ[2] सण्खता Saṇkhatā स्त्री०
सुनक्षत्रा (स्त्री०) अच्छे नक्षत्र वाली, सौभाग्य-शालिनी।

ਸਤਏਂ सत्-एँ Sat-ē पुं०
सप्तम (वि०) सातवाँ।

ਸਤਸਉ सत्सउ Satsa-u पुं०
सप्तशती (स्त्री०) सात सौ का समूह, सात शतक।

ਸਤਸਇਆ सत्सइआ Satsaiā वि०/पुं०
द्र०—ਸਤਸਉ।

ਸਤਸੀ सत्सी Satsī स्त्री०
सप्तसीता (स्त्री०) सात बार जोती गयी भूमि।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਤਸੰਧ सत्संध् Satsandh वि०
सत्यसंध (वि०) सत्य प्रतिज्ञा वाला, सत्य वचन वाला।

ਸਤਗੁਰਏ सत्गुरए Satgurae पुं०
सद्गुरवे (पुं० चतुर्थी) सद्गुरु के लिए।

ਸਤਗੁਰੂ सत्गुरू Satgurū पुं०
सद्गुरु (पुं०) सद्गुरु, सच्चा गुरु; परमात्मा।

ਸਤਤ੍ਰੀ सतत्री Satatrī वि०
द्र०—ਸੈਂਤੀ।

ਸਤਦ੍ਰੂ सतद्रु Satadru स्त्री०
शुतुद्रु (स्त्री०) सतलज नदी।

ਸਤਪਤ सत्पत् Satpat वि०
सतप्त (वि०) ताप-सहित, तपा हुआ।

ਸਤਪਤ੍ਰ सत्पत्र् Satpatr पुं०
शतपत्र (नपुं०) कमल, शतदल।

ਸਤਮ सतम् Satam वि०
सत्तम (वि०) उत्तम, श्रेष्ठ।

ਸਤਮਾਂ सत्माँ Satmā̃ पुं०
सप्तम (वि०) सातवाँ।

ਸਤਮੀ सत्मी Satmī स्त्री०
सप्तमी (स्त्री०) सप्तमी तिथि; सातवीं।

ਸਤਰਿ सत्रि Satri वि०
सप्तति (स्त्री०) सत्तर; 70।

ਸਤਲੁੱਦਰ सत्लुद्दर् Satluddar स्त्री०
शुतुद्रु (स्त्री०) सतलज नदी।

ਸਤਵਾਹਾਂ सत्वाहाँ Satvāhā̃ पुं०
सप्तमास (वि०) सातमास का, सतमासा।

ਸਤਾਈਸ सताईस् Satāīs वि०
सप्तविंशति (स्त्री०) सताईस, 27।

ਸਤਾੱਸੀ सतास्सी Satāssī वि०
सप्ताशीति (स्त्री०) सत्तासी, 87।

ਸਤਾਗਲ सतागल् Satāgal पुं०
शपथाङ्गुलीक (नपुं०) प्रतिज्ञापत्र तथा उस पर लगा हुआ अंगूठे का चिह्न।

ਸਤਾਨਵਾਂ सतान्वाँ Satānvā̃ पुं०
सप्तनवतितम (वि०) सतान्वाँ, 97वाँ।

ਸਤਾਨਾ सताना Satānā सक० क्रि०
सन्तापयति (चुरादि सक०) सताना, दुःख देना।

ਸਤਾਵਨ सतावन् Satāvan वि०
सप्तपञ्चाशत् (स्त्री०) सत्तावन, 57।

ਸਤਾਵੀ सतावी Satāvī वि०
सप्तविंशति (स्त्री०) सत्ताईस, 27।

ਸਤੁਤਿ सतुति Satuti स्त्री०
स्तुति (स्त्री०) प्रशंसा, श्लाघा, तारीफ।

ਸਤੇਈ सतेई Sateī स्त्री०
स्तेय (नपुं०) चोरी, चौर्य-कर्म।

ਸਤੈਠ सतैठ् Sataiṭh वि०
सप्तषष्टि (स्त्री०) सड़सठ, 67।

ਸੱਤ सत्त् Satt वि०
सत् (वि०) सत्य; असली; नेक; कुलीन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੱਤੂੰ सत्तूँ Sattū पुं०
सत्तु (पुं०) सत्तू, भुने हुए अन्न का पिसान।

ਸਥੰਡਲ सथण्डल् Sathaṇḍal पुं०
स्थण्डिल (नपुं०) यज्ञार्थ संस्कृत भूमि, चौकोर समतल बनाई हुई भूमि; चौतरा।

ਸਦਣਾ सद्णा Sadṇā अक०/सक० क्रि०
शब्दायते (नामधातु अक०/सक०) अक०—शब्द करना, आवाज देना। सक०—बुलाना।

ਸਦਮ सदम् Sadam पुं०
सद्मन् (नपुं०) घर, निवास-स्थान; युद्ध।

ਸਦੇਹ सदेह् Sadeh पुं०
सन्देह (पुं०) संशय, शंका।

ਸਦੋਹ सदोह् Sadoh पुं०
सन्दोह (पुं०) समूह, समुदाय।

ਸਧਣਾ सध्णा Sdhṇā सक० क्रि०
साध्नोति (स्वादि सक०) पूरा करना, साधना।

ਸਧੱਤਰ सधत्तर् Sadhattar वि०
सप्तसप्तति (स्त्री०) सतहत्तर, 77।

ਸਧਾ सधा Sadhā स्त्री०
श्रद्धा (स्त्री०) बड़ों के प्रति आदर की भावना, निष्ठा।

ਸਨਾਉ सनाउ Sanāu पुं०
स्नायु (पुं०) शिरा, नस।

ਸਨਾਹ सनाह् Sanāh पुं०
सन्नाह (वि०) अच्छी तरह बँधा हुआ; कवच।

ਸਨਾਂਹ सनाँह् Sanāh पुं०
सन्देश (पुं०) सन्देश, संवाद, खबर।

ਸ਼ਨਾਨ शनान् Śanān पुं०
स्नान (नपुं०) स्नान, नहान।

ਸਨੂਣਾ सनूणा Sanūṇā वि०
सलवण (वि०) नमकीन, नमक से युक्त।

ਸਨੂਨਾ सनूना Sanūnā पुं०/वि०
द्र०—ਸਨੂਣਾ।

ਸਨੇਹਾਂ सनेहाँ Sanehā पुं०
सन्देश (पुं०) सन्देश, समाचार, सूचना।

ਸਨੱਹਤਰ सन्हत्तर् Sanhattar वि०/पुं०
सप्तसप्तति (स्त्री०) सतहत्तर, 77।

ਸਪਸ਼ਟ सपस्ट् Sapasṭ वि०
स्पष्ट (वि०) साफ; जाहिर, प्रकट।

ਸਪਦ सपद् Sapad क्रि० वि०
सपदि (अ०) शीघ्र, फौरन, तुरन्त।

ਸਪਰਧ सपर्ध् Sapardh अक० धातु
स्पर्धते (भ्वादि अक०) ईर्ष्या करना, स्पर्धा करना, होड या प्रतियोगिता करना।

ਸਪਾੱਤਰ सपात्तर् Sapāttar पुं०
सुपात्र (वि०) सुपात्र, अच्छा पात्र।

ਸਪੀਅਲ सपीअल् Sapīal पुं०
सर्पिल (नपुं०) दूध, जिससे घी निकलता है।

ਸਪੋਲਾ सपोला Sapolā पुं०
सर्पपोतक (पुं०) छोटा साँप, साँप का बच्चा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਪ੍ਰਿਹ सप्रिह् Saprih सक० धातु
स्पृहयति/ते (चुरादि सक०) इच्छा करना, चाहना।

ਸਫਟ सफट् Saphaṭ अक० क्रि०
स्फटति / ते (भ्वादि अक०) फटना; खिलना; खुलना।

ਸਬਦਾ सब्दा Sabdā क्रि० वि०
सर्वदा (अ०) सदा, निरन्तर।

ਸਬੈਸ सबैस् Sabais वि०
सवयस् (वि०) समान वय वाला, समान आयु वाला।

ਸਭਤਾ सभ्ता Sabhtā स्त्री०
सभ्यता (स्त्री०) सभ्य होने का भाव।

ਸਭਤੁ सभ्तु Sabhtu अ०
सर्वत्र (अ०) सभी जगह।

ਸਮਏ समए Samae अधिकरण कारक
समये (सप्तम्यन्त पुं०) समय पर, समय के बीच।

ਸਮਸ੍ਰੁ समस्रु Samasru स्त्री०
श्मश्रु (नपुं०) दाढ़ी, मूँछ।

ਸਮਹਿਣਾ समहिणा Samhiṇā अक० क्रि०
समाह्रियते (कर्मवा०) समा जाना, समाहित होना; लीन होना।

ਸਮਕ समक् Samak अ०
सम्यक् (अ०) अच्छी तरह, ठीक तरह।

ਸਮਜਿਆ समजिआ Samjiā स्त्री०
समज्या (स्त्री०) सभा; कीर्ति, यश।

ਸਮਝਣਾ समझणा Samjhaṇā सक० क्रि०
सम्बुध्यते (दिवादि सक०) समझना, जानना।

ਸਮਥ समथ् Samath वि०
समर्थ (वि०) क्षम; शक्तिशाली, ताकतवर।

ਸਮੱਪਣ समप्पण् Samappaṇ पुं०
समर्पण (नपुं०) प्रतिष्ठापूर्वक अर्पण करने का भाव, भेंट; त्याग।

ਸਮਰਣੇਨ समर्णेन् Samarṇen तृतीयान्त
स्मरणेन (नपुं० तृतीयान्त) स्मरण करने से।

ਸਮਲਨਾ समल्ना Samalnā अक० क्रि०
सम्भलते (भ्वादि अक०) सम्भलना, सावधान होना।

ਸਮਾਇਲਾ समाइला Samāilā वि०
समवेत (वि०) समाया हुआ, लीन हुआ, अभिन्न।

ਸਮਾਹਾ समाहा Samāhā वि०
समाहृत (वि०) जमा किया हुआ, संकलित।

ਸਮਾਹਿਓ समाहिओ Samāhio वि०
समाहित (वि०) समाधि में स्थित, एकाग्र मन; उत्तरित, समाधान किया हुआ।

ਸਮਾਹਿਆ समाहिआ Samāhiā वि०
द्र०—ਸਮਾਹਿਓ।

ਸਮਾਚਰਿਓ समाच्रिओ Samācrio पुं०
समाचरण (नपुं०) सम्यक् आचरण, नेक चाल-चलन; अभ्यास करने का भाव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਮਾਪਤਿ समाप्ति Samāpti स्त्री०
समाप्ति (स्त्री०) प्राप्ति; अन्त, अवसान; भोग।

ਸਮਾਰਉ समारउ Samārau आज्ञार्थक क्रि०
स्मरतु (भ्वादि सक० लोट्) स्मरण करो, याद करो।

ਸਮਾਰਸਿ समारसि Samārasi सक० क्रि०
स्मरति (भ्वादि सक० लट्) स्मरण करता है, याद करता है।

ਸਮਾਰਨਾ समार्ना Samārnā सक० क्रि०
स्मारयति (भ्वादि प्रेर०) स्मरण कराना, याद दिलाना।

ਸਮਾਰਿਆ समारिआ Samāriā वि०
स्मृत (वि०) स्मरण किया हुआ; चिन्तित।

ਸਮਿਓ समिओ Samio पुं०
समय (पुं०) समय, बेला, काल।

ਸਮਿਆ समिआ Samiā क्रि० वि०
समया (अ०) समीप, पास।

ਸਮਿਗ੍ਰੀ समग्री Samagrī स्त्री०
सामग्री (स्त्री०) वस्तु, सामान, असबाब।

ਸਮੀਛਨ समीछन् Samīchan पुं०
समीक्षण (नपुं०) सम्यक् प्रकार से देखने का भाव; समीक्षा, आलोचना।

ਸਮੀਛਾ समीछा Samīchā स्त्री०
समीक्षा (स्त्री०) सम्यक् पर्यवेक्षण, विचार; समालोचना।

ਸਮੁਝਇ समुझइ Samujhai अक० वर्त० क्रि०
संबुध्यते (दिवादि सक० लट्०) समझता है, जानता है।

ਸਮੁਦ समुद् Samud पुं०
समुद्र (पुं०) सागर, समुद्र।

ਸਮੁੰਦਿ समुन्दि Samundi अधिकरण
समुद्रे (पुं० सप्तम्यन्त) समुद्र के मध्य, समुद्र में।

ਸਮੂਰਤੁ समूरतु Samūratu पुं०
सुमुहूर्त्त (पुं०) शुभ मुहूर्त्त, शुभ लग्न।

ਸਮੂਥ सम्रथ् Samrath वि०
समर्थ (वि०) क्षम, शक्तिशाली, ताकतवर।

ਸਯ say वि०
शत (नपुं०) सौ; 100।

ਸਯਹੜ sayhaṛ पुं०
शशक (पुं०) खरगोश, खरहा।

ਸਯੰਦਰੀ सयन्द्री Sayandrī स्त्री०
सैरन्ध्री (स्त्री०) हल जोतने वाली; शिल्पकारिणी; दासी; द्रौपदी।

ਸਰਸੇਰੁ सर्सेरु Sarseru पुं०
सरसिरुह (नपुं०) कमल, सरोज।

ਸਰਹੋਂ सर्हों Sarhō स्त्री०
सर्षप (पुं०) सरसों।

ਸਰਕੁੜਾ सर्कुड़ा Sarkuṛā स्त्री०
द्र०—ਸਰਕੜਾ।

ਸਰਖਾ सर्खा Sarkhā पुं०
द्र०—ਸਰੀਂਖਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਰਣ सरण् Saraṇ पुं०
शरण (नपुं०) शरण, आश्रय; घर ।

ਸਰਣਾਇ सर्णाइ Sarṇāi वि०
शरणागत (वि०) शरण में आया हुआ, शरणापन्न ।

ਸਰਬਸੁ सर्बसु Sarbasu पुं०
सर्वस्व (नपुं०) सारा धन, सारी विभूति ।

ਸਰਬਗ सर्बग् Sarbag पुं०
सर्वज्ञ (वि०) सब कुछ जानने वाला, सर्वज्ञाता ।

ਸਰਬਤਿ सर्बति Sarbati अ०
सर्वत्र (अ०) सब, तमाम; सब जगह, सभी स्थानों पर ।

ਸਰਬਤੁ सर्बतु Sarbatu अ०
द्र०—ਸਰਬਤਿ ।

ਸਰਜੋਂ सर्यों Saryō स्त्री०
सर्षप (पुं०) सरसों ।

ਸਰਵਾਹਾ सर्वाहा Sarvāhā स्त्री०
शिरोव्याधि (स्त्री०) शिर की पीड़ा ।

ਸਰਾਉਹਨਾ स्राउह्ना Srāuhnā सक० क्रि०
श्लाघते (भ्वादि सक०) सराहना, बड़ाई करना ।

ਸਰਾਪ सराप् Sarāp पुं०
शाप (पुं०) शाप, बद्-दुआ, अहित कामना सूचक वचन; गाली, भर्त्सना ।

ਸਰਿ सरि Sari वि०
सदृश (वि०) समान, तुल्य, बराबर ।

ਸਰੀਖਾ सरीक्खा Sarīkkhā पुं०
सदृक्ष (वि०) सरीखा, सदृश ।

ਸਰੀਰ-ਵਿਗਿਆਨ शरीर्-विग्यान Sarīr-Vigyān पुं०
शरीरविज्ञान (नपुं०) शरीर-विज्ञान, शरीर से सम्बन्धित विज्ञान ।

ਸਰੂਪਿ सरूपि Sarūpi पुं०
सुरूपिन् (वि०) सुन्दर रूप वाला, खूब सुन्दर ।

ਸਰੋਅ सरोअ Saroa स्त्री०
स्रुच् (स्त्री०) स्रुव, जिससे हवन में घी डाला जाता है ।

ਸਰੋਤਿ सरोति Saroti वि०
श्रोतव्य (वि०) सुनने योग्य ।

ਸਰੌਥਾ सरौथा Sarauthā पुं०
सारपत्र (नपुं०) सरौता ।

ਸਰੌਥੀ सरौथी Sarauthī स्त्री०
सारपत्री (स्त्री०) सरौती, छोटा सरौता ।

ਸਲਹੰਗ सल्हंग् Salhaṅg पुं०
शल्यशङ्कु (पुं०) पाँचा या अखइन, काष्ठ या बाँस की वह लम्बी लकड़ी, जिसके अग्र भाग में टेढ़ी एवं नुकीली एक, दो, चार या पाँच छोटी-छोटी लकड़ियाँ रहती हैं और उससे पुआल घास या भूसा आदि को फैलाया या इकट्ठा किया जाता है ।

ਸਲਹੰਗਾ सल्हंगा Salhaṅgā पुं०
द्र०—ਸਲਹੰਗ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਲਾਹਣਾ सलाह्णा Salāhṇā सक० क्रि०
श्लाघते (भ्वादि सक०) सराहना, बड़ाई करना।

ਸਲਿਤਾ सलिता Salitā स्त्री०
सरिता (स्त्री०) सरिता, नदी।

ਸਵਤ सवत् Savat स्त्री०
द्र०—ਸਉਕਣ।

ਸਵਦ सवद् Savad पुं०
शब्द (पुं०) शब्द; वर्ण; ध्वनि, आवाज।

ਸਵਾਉਣਾ[1] सवाउणा Savāuṇā सक० क्रि०
सावयति (भ्वादि प्रेर०) प्रजनन में सहयोग करना।

ਸਵਾਉਣਾ[2] सवाउणा Savāuṇā अक० क्रि०
समवैति (अदादि अक०) समा जाना, समाना, अटना।

ਸਵਾਸਥ सवासथ् Savāsath पुं०
स्वास्थ्य (नपुं०) स्वास्थ्य, तन्दुरुस्ती, निरोगता।

ਸਵਾਦੋ सवादो Savādo वि०
सपादद्वय (वि०) सवा दो।

ਸੜਣਾ सड़्णा Saṛṇā अक० क्रि०
शटति (भ्वादि अक०) सड़ना।

ਸਾਉ साउ Sāu पुं०
स्वाद (पुं०) स्वाद, जायका, रुचि।

ਸਾਉਂਕ साउँक् Sāuk पुं०
श्यामाक (पुं०) सावां, धान्य-विशेष।

ਸਾਇ[1] साइ Sāi सर्व० अ०
सैव (सर्व० अ०) वही।

ਸਾਇ[2] साइ Sāi पुं०
स्वामिन् (वि०) मालिक, स्वामी।

ਸਾਈਆਂ साइयां Sāiyā पुं०
द्र०—ਸਾਈਆਂ।

ਸਾਸਤ੍ਰਗਿ सास्त्रगि Sāstragi पुं०
शास्त्रज्ञ (वि०) शास्त्र जानने वाला।

ਸਾਸਨਿ सास्नि Sāsni स्त्री०
श्वासन (नपुं०) साँस लेने की क्रिया, प्राण-वायु के आने-जाने का भाव।

ਸਾਸਾ सासा Sāsā स्त्री०
श्वास (पुं०) साँस, श्वास।

ਸਾਂਸਾ साँसा Sāsā पुं०
संशय (पुं०) संशय, सन्देह।

ਸਾਸੁ सासु Sāsu स्त्री०
श्वास (पुं०) श्वास, सांस।

ਸਾਹਸੱਤ साह्सत्त् Sāhsatt पुं०
साहसशक्ति (स्त्री०) साहस-शक्ति, हिम्मत

ਸਾਹੜੀ साह्ड़ी Sāhṛī वि०
आषाढीय (वि०) आषाढ़ी, आषाढ़ मास की पूर्णिमा या आषाढ़ की फसल।

ਸਾਹੁਰਾ साहुरा Sāhurā पुं०
द्र०—ਸਾਪੁਕੜਾ।

ਸਾਕਉ साकउ Sāka-u अक० क्रि०
शक्नोति (स्वादि अक०) सकना, समर्थ होना, योग्य होना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਾਕਤੁ साक्तु Sāktu वि०
शाक्त (वि०) शक्ति का उपासक।

ਸਾਕੈ साकै Sākai क्रि०
द्र०—ਸਾਕਉ।

ਸਾਖਿ साखि Sākhi स्त्री०
साक्ष्य (नपुं०) साक्ष्य, गवाही।

ਸਾਗਉ सागउ Sāga-u पुं०
शाकद्रुम (पुं०) सागौन या सागवान का वृक्ष।

ਸਾਜਿ साजि Sāji क्रि० वि०
संसाज्य (क्रि० वि०) सज्जित कर के, तैयार करके।

ਸਾਜੁੱਜ साजुज्ज् Sājujj पुं०
सायुज्य (नपुं०) एक में इस प्रकार मिल जाने का भाव कि भेद न रहे; पांच प्रकार की मुक्तियों में से एक प्रकार का मोक्ष।

ਸਾਝ साझ् Sājh पुं०
सन्धि (स्त्री०) मेल-मिलाप, हिस्सेदारी।

ਸਾੱਢੇ साड्ढे Sāḍḍhe वि०
सार्द्ध (वि०) आधे के साथ।

ਸਾਣਹ साण्ह् Sāṇh पुं०
साण्ड (पुं०) सांड़।

ਸਾਥਈ साथ्ई Sāth-ī पुं०
सार्थिक (वि०) साथ देने वाला, साथी।

ਸਾੱਥੀ सात्थी Sātthī पुं०
सार्थिक (पुं०) साथी, साथ देने वाला।

ਸਾਨ सान् Sān पुं०
शाण (पुं०) कसौटी या सान का पत्थर, तीखा करने का पत्थर।

ਸਾਲਾਹਣਾ सालाह्णा Sālāhṇā क्रि०
द्र० ਸਲਾਹਣਾ।

ਸਾੜ੍ਹਾ साढ़ा Sāṛhā पुं०
शाट (पुं०) कमर में लपेट कर पहने जाने वाला वस्त्र, पेटीकोट, साया।

ਸਿਉਇਛਾ सिउइछा Siu-ichā स्त्री०
स्वेच्छा (स्त्री०) अपनी इच्छा।

ਸਿਉਕ सिउक् Siuk पुं०
सौमिक (पुं०) दीमक; लाल चींटी।

ਸਿਊਂਣਾ सिऊँणा Siūṇā सक० क्रि०
सीव्यति (दिवादि सक०) कपड़े आदि सीना, सिलाई करना।

ਸਿਉਨਾ सिऊना Siūnā पुं०
सुवर्ण (नपुं०/वि०) नपुं०—सोना, सुवर्ण। वि०—चमकीला।

ਸਿਸਟਾ सिस्टा Sisṭā पुं०
स्रष्टा (वि० / पुं०) वि०—रचने वाला, रचयिता। पुं०—कर्त्तार; ब्रह्मा।

ਸਿੱਸੂ सिस्सू Sissū पुं०
शिंशपा (स्त्री०) सीसम का वृक्ष।

ਸਿਹਾਂ सिहाँ Sihā̃ पुं०
सिंह (पुं०) सिंह, शेर।

ਸਿਹਾਰੁ सिहारु Sihāru पुं०
शिफारुह (पुं०) वट-वृक्ष, बरगद का पेड़।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਿਖਣਾ सिख्णा Sikhṇā सक० क्रि०
शिक्षते (भ्वादि सक०) शिक्षा ग्रहण करना, सीखना।

ਸਿਖਰੀ सिख्री Sikhrī वि०/पुं०
शिखरिन् (वि० / पुं०) वि०—चोटी वाला। पुं०—पहाड़; वृक्ष।

ਸਿੰਖਲਾ सिंख्ला Sinkhlā स्त्री०
शृङ्खला (स्त्री०) जंजीर, साँकल।

ਸਿਖਲਾਣਾ सिख्लाना Sikhlānā सक० क्रि०
शिक्षयति (भ्वादि प्रेर०) सिखलाना, पढ़ाना।

ਸਿਖਵਨ सिख्वन् Sikhvan पुं०
शिक्षण (नपुं०) शिक्षा तथा उपदेश देने का भाव, शिक्षण, नसीहत।

ਸਿਖਿਤ सिखित् Sikhit वि०
शिक्षित (वि०) शिक्षा-प्राप्त, पढ़ा-लिखा।

ਸਿਗਾਰਣਾ सिगार्णा Sigārṇā सक० क्रि०
शृङ्गारयति (नामधातु सक०) शृंगार करना, सजाना, शोभायुक्त करना।

ਸਿਗ੍ਰੀ सिग्री Sigri वि०
समग्र (वि०) सम्पूर्ण, सब।

ਸਿੰਘਣਾ सिंघ्णा Siṅghṇā सक० क्रि०
शिङ्घति (भ्वादि सक०) सूंघना।

ਸਿੰਘਦ੍ਵਾਰ सिंघ्द्वार् Singh-Dvār पुं०
सिंहद्वार (नपुं०) राजमहल का प्रमुख द्वार, सदर दरवाजा।

ਸਿੰਘਾਸਨ सिंघासन् Siṅghāsan पुं०
सिंहासन (नपुं०) राजाओं का श्रेष्ठ आसन, शाही तख्त; योगासन-विशेष।

ਸਿੰਘਾਤਾ सिंघाता Siṅghātā वि०/पुं०
सिंहातृ (वि०/पुं०) वि०—सिंह को खाने वाला। पुं०—शरभ।

ਸਿੰਞਾ सिङ्ञा Siṅṅā स्त्री०
सृङ्का (स्त्री०) मार्ग, राह।

ਸਿੰਞਿਆ सिञिआ Siṅṅiā स्त्री०
सिंहा (स्त्री०) नाड़ी, नस।

ਸਿੰਞੀ सिञी Siṅṅī वि०
शृङ्गिन् (वि०/पुं०) वि०—सिंगों वाला। पुं०—तुरही जो सींग की होती है।

ਸਿਚਾਨ सिचान् Sicān पुं०
सेचन (नपुं०) सींचने अथवा छिड़कने का भाव, सिञ्चन।

ਸਿਚਾਨਾ सिचाना Sicānā सक० क्रि०
सिञ्चति (तुदादि सक०) सींचना।

ਸਿੱਚਾ सिच्चा Siccā स्त्री०
शिक्षा (स्त्री०) उपदेश, शिक्षा।

ਸਿਜਾਉਣਾ सिजाउणा Sijāuṇā सक० क्रि०
सिञ्चयति (तुदादि प्रेर०) सिंचवाना, सिंचाना।

ਸਿਠਣੀ सिठ्णी Siṭhṇī स्त्री०
श्रेष्ठिनी (स्त्री०) सेठिनी; विवाह आदि में दी जाने वाली उपहासात्मिका गाली।

ਸਿਤ[1] सित् Sit वि०
शित (वि०) तीक्ष्ण, तेज।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਿਤ² सित् Sit वि०
सिक्त (वि०) सिक्त, आर्द्र, गीला।

ਸਿਤਤਾ सित्ता Sittā स्त्री०
श्वेतता (स्त्री०) सफेदी, उज्ज्वलता; गोरापन।

ਸਿਤਾ¹ सिता Sitā वि०
स्यूत (वि०) सीया हुआ; गुंथा हुआ।

ਸਿਤਾ² सिता Sitā स्त्री०
सिकता (स्त्री०) बालू, रेत।

ਸਿੱਤਾ सित्ता Sittā वि०
द्र०—ਸਿਤ²।

ਸਿਧ सिध् Sidh पुं०
सिद्ध (नपुं०) जाने अथवा अलग होने का भाव।

ਸਿਧਿ सिधि Sidhi स्त्री०
सिद्धि (स्त्री०) अलौकिक शक्ति; सफलता; सम्पदा, विभूति; विजय; बुद्धि।

ਸਿੱਧ-ਸੁਭਾਉ सिद्ध्-सुभाउ Siddh-Subhāu वि०
सिद्धस्वभाव (वि०) सरल स्वभाव वाला।

ਸਿੱਧਾ सिद्धा Siddhā वि०
सिद्ध (वि०) परिपूर्ण, प्रमाणित; सिद्धिप्राप्त महात्मा।

ਸਿਧਜਤੇ सिध्यते Sidhyate अक० क्रि०
सिध्यति (दिवादि अक०) सिद्ध होना।

ਸਿਨ सिन् Sin पुं०
सीमन् (स्त्री०) सीमा, सरहद।

ਸਿੰਨਹਾ सिन्न्हा Sinnhā वि०
स्निग्ध (वि०) भींगा हुआ, नम, सीलन युक्त।

ਸਿਪ सिप् Sip स्त्री०
शुक्ति (स्त्री०) सीप; शंख, घोंघा।

ਸਿੱਪ सिप्प् Sipp स्त्री०
द्र०—ਸਿਪ।

ਸਿਫਤੀ सिफ्ती Siphtī स्त्री०
स्तुति (स्त्री०) स्तुति, प्रशंसा।

ਸਿਫਾ सिफा Siphā स्त्री०
शिफा (स्त्री०) कमल की जड़, नाल, भें।

ਸਿਬਾਲ सिबाल् Sibāl स्त्री०
शैवाल (नपुं०) सेवार, पानी की काई।

ਸਿਮਰਣ सिम्रण् Simraṇ पुं०
स्मरण (नपुं०) चिन्तन, स्मरण।

ਸਿਮਰਣਿ सिमर्णि Simarṇī अ०
स्मरणेन (नपुं०, तृतीयान्त) स्मरण करने से।

ਸਿਮਰਣੇਨ सिमर्णेन् Simarṇen क्रि० वि०
द्र०—ਸਿਮਰਣਿ।

ਸਿਮਰਿ सिम्रि Simari क्रि० वि०
स्मृत्य > स्मृत्वा (क्रि० वि०) स्मरण करके।

ਸਿਮਰੰਤਿ सिम्रन्ति Simranti सक० क्रि०
स्मरन्ति (भ्वादि सक० लट्) स्मरण करते हैं।

ਸਿੱਮਲ सिम्मल् Simmal पुं०
शिम्बल/शिम्बा (पुं०/स्त्री०) सेम, फली, छीमी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਿਮ੍ਰਿਤ सिम्रित् Simrit वि०
स्मृत (वि०) याद किया हुआ, चिन्तित।

ਸਿਮ੍ਰਿਤਿ सिम्रिति Simriti स्त्री०
स्मृति (स्त्री०) स्मरण, याद।

ਸਿਰਠਿ सिर्ठि Sirṭhi स्त्री०
सृष्टि (स्त्री०) रचना, बनावट; जगत्, संसार।

ਸਿਰਤਿ सिर्ति Sirti स्त्री०
शिरोर्त्ति (स्त्री०) शिरोवेदना, सर दर्द।

ਸਿਰਾਰੀ सिरारी Sirārī स्त्री०
शिरीषिका (स्त्री०) शिरीष जाति का वृक्ष जो जलप्राय प्रदेश में होता है।

ਸਿਰਿਸ सिरिस् Siris पुं०
शिरीष (पुं० / नपुं०) पुं०—शिरीष का पौधा। नपुं०—शिरीष का पुष्प।

ਸਿਰੀ सिरी Sirī स्त्री०
श्री (स्त्री०) श्री, लक्ष्मी; कान्ति, शोभा।

ਸਿਰੀਸ सिरीस् Sirīs वि०
शिरस्य (वि०) सिर-सम्बन्धी; सिर के ऊपर होने वाली वस्तु, कलंगी, ताज, मुकुट।

ਸਿਰੀਂਹ सिरींह् Sirīh पुं०
शिरीष (पुं० नपुं०) शिरीष का पौधा, शिरीष का पुष्प।

ਸਿਲਸਿਤ सिल्सित् Silsit वि०
शिलाशितृ (वि०) खेतों में बिखरे दाने चुनकर जीवन निर्वाह करने वाला।

ਸਿਲੂਖ सिलूख् Silūkh पुं०
शैलूष (पुं०) नट-नर्तक, अभिनेता; धूर्त।

ਸਿੱਲਾ सिल्ला Sillā पुं०
शिल (पुं०, नपुं०) खेत कट जाने के पश्चात् उसमें बिखरे दाने या बालियाँ।

ਸਿਵਕ सिवक् Sivak पुं०
सेवक (पुं०) सेवा करने वाला, भृत्य, नौकर।

ਸਿਵਕਾ सिव्का Sivkā स्त्री०
शिविका (स्त्री०) डोली, पालकी।

ਸਿਵਕਾਈ सिव्काई Sivkāī स्त्री०
सेवकता (स्त्री०) सेवक का भाव, सेवा।

ਸਿਵਯਯਾ सिवय्या Sivayyā पुं०
सेवक (वि०) सेवा करने वाला; उपासक।

ਸਿਵਰਨ सिव्रन् Sivran पुं०
स्मरण (नपुं०) याद, स्मृति।

ਸਿਵਰਿ सिवरि Sivari क्रि० वि०
द्र०—ਸਿਮਰਿ।

ਸਿਵਾ सिवा Sivā स्त्री०
शिवा (स्त्री०) दुर्गा, पार्वती।

ਸਿਵਾਲ सिवाल् Sivāl पुं०
द्र०—ਸਿਬਾਲ।

ਸਿਵਾਲਾ सिवाला Sivālā पुं०
शिवालय (पुं०) शिव-मन्दिर।

ਸਿਵੈਯਾ सिवैया Sivaiyā पुं०
द्र०—ਸਿਵਯਯਾ।

ਸੀਂ सीं Sī स्त्री०
द्र०—ਸਿਠ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੀਉ सीउ Sīu स्त्री०
सीमा (स्त्री०) सीमा, हद; मर्यादा।

ਸੀਉਣ सीउण Sīuṇ स्त्री०
सीवन (नपुं०) सिलाई, सीने का भाव।

ਸੀਅਉ सीअउ Sīau सक० क्रि०
द्र०—ਸਿਉਂਣਾ।

ਸੀਅਲਾ सीअला Sīalā वि०
शीतल (वि०) शीतल, ठंडा।

ਸੀਆਲ सीआल् Sīāl पुं०
शीतकाल (पुं०) सर्दी का मौसम, पूस-माघ की ऋतु।

ਸੀਸ सीस् Sīs स्त्री०
आशिस् (स्त्री०) आशीर्वाद, मंगल-कामना।

ਸੀਸਮ सीसम् Sīsam पुं०
द्र०—ਸਿੱਸੂ।

ਸੀਸਾ[1] सीसा Sīsā पुं०
सीसक (नपुं०) शीशा नामक धातु।

ਸੀਸਾ[2] सीसा Sīsā पुं०
शिरस् >शीर्षन् (नपुं०) शिर, मस्तक।

ਸੀਸੋਂ सीसों Sīsō स्त्री०
द्र०—ਸਿੱਸੂ।

ਸੀਂਹ सींह् Sīh पुं०
द्र०—ਸਿਹਾਂ।

ਸੀਹਣੀ सीह्णी Sīhṇī स्त्री०
सिंही (स्त्री०) सिंहनी, शेरनी।

ਸੀਹੋਂ सीहों Sīhō स्त्री०
द्र०—ਸਿੱਸੂ।

ਸੀਕ सीक् Sīk स्त्री०
शिक्षा (स्त्री०) उपदेश, नसीहत, सीख।

ਸੀਕਰ सीकर् Sīkar पुं०
शीकर (नपुं०) जलकण, जल की फुहार; ओस।

ਸੀਖਕ सीखक् Sīkhak पुं०
शिक्षक (वि०) शिक्षा देने वाला, अध्यापक।

ਸੀਂਗ सींग् Sīg स्त्री०
शृङ्ग (पुं०) सींग; पर्वत की चोटी।

ਸੀਗਰੀਆ सीग्रीआ Sīgrīā वि०
शृङ्गारित (वि०) सज्जित, शृङ्गार किया हुआ; शोभायुक्त।

ਸੀਗਾਰ सीगार् Sīgār पुं०
शृङ्गार (पुं०) शृङ्गार, साज-सज्जा, सजावट।

ਸੀਗਾਰਨਾ सीगार्ना Sīgārnā सक० क्रि०
द्र०—ਸਿਗਾਰਣਾ।

ਸੀਚਨ सीचन् Sīcan पुं०
सेचन (नपुं०) सींचने अथवा छिड़कने का भाव, छिड़काव।

ਸੀਂਚਨਾ सींच्ना Sīcnā सक० क्रि०
सिञ्चति / ते (तुदादि सक०) सींचना, पटाना; छिड़काव करना।

ਸੀਛਤ सीछत् Sīchat वि०
शिक्षित (वि०) पढ़ा-लिखा, शिक्षा-प्राप्त।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੀਝਨਾ सीझ्ना Sījhnā अक० क्रि०
सिध्यति (दिवादि अक०) पकना, पाक होना।

ਸੀਢੀ सीढी Sīḍhī स्त्री०
निःश्रेणी (स्त्री०) सीढ़ी, नसैनी।

ਸੀਤ सीत् Sīt वि०
स्यूत (वि०) सीआ हुआ, गूँथा हुआ।

ਸੀਤਮੁ सीत्मु Sītmu वि०
स्यूत (वि०) सीआ हुआ, गूँथा हुआ।

ਸੀਤਰ सीतर् Sītar वि०
शीतल (वि०) ठण्डा, सर्द।

ਸੀਤੋਸਨ सीतोसन् Sītosan वि०
शीतोष्ण (वि०) ठण्डा-गर्म।

ਸੀਦ सीद् Sīd स्त्री०
कुसीद (नपुं०) ब्याज का धन्धा, सूदखोरी, ब्याजखोरी।

ਸੀਂਧ ਸੀਂਧ् Sīdh पुं०
सिन्धु (स्त्री०) सिन्धु नदी अथवा उसका प्रदेश।

ਸੀਂਧਨਾ सींध्ना Sīdhnā सक० क्रि०
सन्धत्ते (जुहोत्यादि सक०) चढ़ाना, सन्धान करना।

ਸੀਂਧਵ सींधव् Sīdhav पुं०
सैन्धव (पुं०, नपुं०) सेंधा नमक।

ਸੀਂਧਾ सींधा Sīdhā पुं०
सैन्धव (वि०) सिन्धु नदी से संबन्धित।

ਸੀਧਿ सीधि Sīdhi स्त्री०
सिद्धि (स्त्री०) सफलता; अलौकिक शक्ति।

ਸੀਂਧੀ सींधी Sīdhī वि०
सिद्ध (वि०) कपट-रहित, सरल।

ਸੀਨਾ सीना Sīnā सक० क्रि०
द्र०—ਸਿਉਂਣਾ।

ਸੀਪ सीप् Sīp स्त्री०
शुक्ति (स्त्री०) सीप, शुक्ति, सितुही जिससे बच्चों को दवा आदि पिलाई जाती थी।

ਸੀਮਣਾ सीम्णा Sīmṇā सक० क्रि०
द्र०—ਸਿਉਂਣਾ।

ਸੀਰਣ सीरण् Sīraṇ वि०
शीर्ण (वि०) टूटा-फूटा; सड़ा।

ਸੀਲ सील् Sīl वि०
शीतल (वि०) शीतल, ठंडा।

ਸੀਲਾ सीला Sīlā पुं०
द्र०—ਸੀਲ।

ਸੀਲ੍ਹਾ सील्हा Sīllhā पुं०
शीतल (वि०) शीलन से युक्त, नम, ठंडा।

ਸੀਂਵ सींव् Sīv स्त्री०
द्र०—ਸਿਨ।

ਸੀਵਣੀ सीव्णी Sīvṇī स्त्री०
सीवनी (स्त्री०) सूई, कपड़े सीने की सूई।

ਸੀਵਨਾ सीव्ना Sīvnā सक० क्रि०
द्र०—ਸਿਉਂਣਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੀਵਨਿ सीवनि Sīvni वि०
सीवनीय (वि०) सीने के योग्य, सीने लायक।

ਸੀਵਾਂ सीवाँ Sīvā स्त्री०
द्र०—ਸੀਂ।

ਸੀੜਣਾ सीड़णा Sīṛṇā सक० क्रि०
सीव्यति (दिवादि सक०) कपड़े सीना, सिलाई करना।

ਸੁਅ[1] सुअ Sua पुं०
सुत (पुं०) पुत्र, तनय।

ਸੁਅ[2] सुअ Sua पुं०
शुक (पुं०) तोता, सुग्गा।

ਸੁਅਸਤਿ सुअस्ति Suasti अ०
स्वस्ति (अ०) कुशल-मंगल बोधक; आशीर्वाद; हाँ, ठीक।

ਸੁਅਨ सुअन् Suan पुं०
सूनु (पुं०) पुत्र, तनय।

ਸੁਅਮ सुअम् Suam अ०
स्वयम् (अ०) स्वयं, अपने-आप, खुद।

ਸੁਅਮਬਰ सुअम्बर् Suambar पुं०
स्वयंवर (पुं०) स्वेच्छानुसार चुनाव, अपने आप (अपने लिये पति को) चुनने की क्रिया।

ਸੁਆਉ सुआउ Suāu पुं०
स्वाद (पुं०) रस, रुचि, जायका।

ਸੁਆਦਤੀ सुआदती Suādatī स्त्री०
स्वादुता (स्त्री०) स्वाद, जायका।

ਸੁਆਧੀਨ सुआधीन् Suādhīn वि०
स्वाधीन (वि०) स्वतन्त्र, आजाद।

ਸੁਆਰਣਾ सुआर्णा Suārṇā सक० क्रि०
संवरयति (भ्वादि प्रेर०) सवाँरना, सजाना।

ਸੁਇਨ सुइन् Suin पुं०
स्वर्ण (नपुं०) सोना, सुवर्ण।

ਸੁਇਨਾ सुइना Suinā पुं०
द्र०—ਸੁਇਨ।

ਸੁਈ[1] सुई Suī सर्व० अ०
सैव (सर्व० अ०) वही।

ਸੁਈ[2] सुई Suī स्त्री०
सूची (स्त्री०) सूई।

ਸੁਸਟੁ सुस्टु Susṭu क्रि० वि०
सुष्ठु (अ०) ठीक, अच्छा, श्रेष्ठ।

ਸੁਸਰੂਖਾ सुस्रूखा Susrūkhā स्त्री०
शुश्रूषा (स्त्री०) सेवा, चाकरी, आज्ञापालन।

ਸੁਸਾ सुसा Susā स्त्री०
स्वसृ (स्त्री०) बहन, भगिनी।

ਸੁਸਿੱਛ सुसिच्छ् Susicch वि०
सुशिक्षित (वि०) अच्छी तरह सिखाया हुआ।

ਸੁਸੂ सुसू Susū पुं०
श्वसुर (पुं०) ससुर, श्वसुर, पति या पत्नी का पिता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁਸੂਖਾ सुसूखा Susūkhā स्त्री०
द्र०—ਸੁਸਤੂਖਾ ।

ਸੁਹਾਗਾ सुहागा Suhāgā पुं०
सौभाग्य (नपुं०) सुहागा, सौभाग्य-शालिता, अच्छा भाग ।

ਸੁਹਾਂਣ सुहाँण् Suhāṅ वि०
शोभन (वि०) सुन्दर, शोभन ।

ਸੁਹੁਣਾ सुहुणा Suhuṇā वि०
शोभन (वि०) शोभन, सुन्दर ।

ਸੁਕ सुक् Suk वि०
शुष्क (वि०) सूखा, नीरस ।

ਸੁਕਚਨ सुक्चन् Sukcan पुं०
सङ्कोचन (नपुं०) सिकुड़न, संकोचन; झिझक ।

ਸੁਕਣਾ सुक्णा Sukṇā अक० क्रि०
शुष्यति (दिवादि अक०) सूखना, शुष्क होना ।

ਸੁਕਤਾ सुक्ता Suktā पुं०
शुक्ति (स्त्री०) सीपी, सीप, जल-जीव की हड्डी-विशेष ।

ਸੁਕਰਣੀ सुकर्णी Sukarṇī पुं०
सुकरणीय (नपुं०) उत्तम कृत्य, श्रेष्ठ-कार्य ।

ਸੁਕੜਣਾ सुकड़्णा Sukaṛṇā अक० क्रि०
संकुटति (तुदादि अक०) सिकुड़ना ।

ਸੁਕੀਅ सुकीअ Sukīa वि०
स्वकीय (वि०) अपना, निज का ।

ਸੁਕੁਤ्र सुकुत्र् Sukutr पुं०
सपत्नीपुत्र (पुं०) सौतेला पुत्र, विपुत्र ।

ਸੁੱਕਲਾ सुक्कला Sukkalā वि०
शुष्क (वि०) शुष्क; सूखा ।

ਸੁਖਦਾਵੀ सुख्दावी Sukhdāvī पुं०
सुखदायिन् (वि०) सुखदायी, सुख देने वाला ।

ਸੁਖਮ सुखम् Sukham पुं०
शुषा (स्त्री०) सनसनाहट, सन्नाटा ।

ਸੁਖਮਾ सुख्मा Sukhmā स्त्री०
सुषमा (स्त्री०) शोभा, सुन्दरता ।

ਸੁਖਰ सुखर् Sukhar पुं०
द्र०—ਸੁਖਿਰ ।

ਸੁਖਾਉਣਾ सुखाउणा Sukhāuṇā सक० क्रि०
शोषयति (दिवादि प्रेर०) सुखाना, शोषण करना ।

ਸੁਖਿਰ सुखिर् Sukhir वि०/पुं०
सुशिर / सुषिर (वि०/नपुं०/पुं०) वि०—छिद्र युक्त, पोला । नपुं०—छेद, सुराख, मुरली आदि बाजा । पुं०—चूहा; अग्नि ।

ਸੁਖੁਪਤਿ सुखुपति Sukhupati स्त्री०
सुषुप्ति (स्त्री०) गहरी नींद; अज्ञान ।

ਸੁੱਖਾਉਣਾ सुक्खाउणा Sukkhāuṇā सक० क्रि०
सुखायते (नामधातु) मन को भाना ।

ਸੁੰਗੜਨਾ सुंगड़्ना Suṅgaṛṇā अक० क्रि०
द्र०—ਸੰਗੜਨਾ ।

ਸੁਘਨ सुघन् Sughan वि०
सुघ्न (वि०) सरलता से मारने योग्य ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁਘਨਾ सुघ्ना Sughnā वि०
सुघन (वि०) बहुत गाढ़ा, अत्यन्त घना।

ਸੁੰਘਨਾ सुंघ्ना Suṅghnā सक० क्रि०
द्र०—ਸਿੰਘਣਾ।

ਸੁਘੜਾ सुघ्ड़ा Sughṛā वि०
सुघट (वि०) सुघड़, सुन्दर, भव्य।

ਸੁਚਜ सुचज् Sucaj पुं०
सुचर्या (स्त्री०) शिष्टाचार, नेक व्यवहार या चाल।

ਸੁਚਜਾ सुच्जा Sucjā वि०
सुचर्य (वि०) शुभ आचार वाला, नेक-चलन।

ਸੁਚਨਤਾ सुचन्ता Sucantā स्त्री०
सूचना (स्त्री०) ज्ञापन, बतलाने का भाव।

ਸੁਚਾਰ सुचार् Sucār पुं०
द्र०—ਸੁਚਜ।

ਸੁਚਿ सुचि Suci वि०
शुचि (वि०) पवित्र; अच्छा।

ਸੁਛੰਦ सुछन्द् Suchand वि०
स्वछन्द (वि०) अपनी इच्छानुसार चलने वाला, स्वाधीन, स्वतन्त्र।

ਸੁੱਛ सुच्छ् Succh वि०
स्वच्छ (वि०) साफ, निर्मल।

ਸੁੰਜਾ सुंजा Suñjā वि०
शून्य (वि०) शून्य, सूना।

ਸੁਜਾਣ सुजाण् Sujāṇ पुं०/वि०
सुज्ञान (नपुं०/वि०) नपुं०—उत्तम ज्ञान, यथार्थ ज्ञान। वि०—सुन्दर अथवा यथार्थ ज्ञान वाला, चतुर, ज्ञानी।

ਸੁਜੁਗੀਆ सुजुगीया Sujugīā वि०
सुयोगिन् (वि०) अच्छी तरह जुड़ा हुआ।

ਸੁਜੁਤ सुजुत् Sujut वि०
संयुक्त (वि०) साथ, सहित, मिला हुआ।

ਸੁਜੋਤਿ सुजोति Sujoti स्त्री०
सुज्योतिस् (नपुं० / वि०) नपुं०—उत्तम प्रकाश। वि०—श्रेष्ठ प्रकाश वाला।

ਸੁਝਣਾ सुझ्णा Sujhṇā सक०क्रि०
संबुध्यते (भ्वादि कर्मवा०) सूझना, प्रतीत होना।

ਸੁੰਞ सूंञ् Sūñ वि०
शून्य (वि०) शून्य, सूना।

ਸੁਟਣਾ सुट्णा Suṭṇā सक० क्रि०
सूत्क्षिपति/सेटति (तुदादि/भ्वादि सक०) गिराना, फेंकना, दूर भगाना; व्यर्थ खर्च करना।

ਸੁਠ सुठ् Suṭh वि०
सुष्ठु (अ०) श्रेष्ठ, उत्तम; सुन्दर; प्रशंसा योग्य।

ਸੁੰਠ सुंठ् Suṇṭh स्त्री०
शुण्ठी (स्त्री०) सोंठ, अदरक।

ਸੁੰਡਾਰ सुंडार् Suṇḍār पुं०
शुण्डार (वि०) सूँड़ वाला अर्थात् हाथी।

ਸੁਣੱਖਾ सुणक्खा Suṇakkhā पुं०/वि०
सुवर्णाक्ष/स्वर्णाक्ष (नपुं०, वि०) नपुं०—सुन्दर नयन। वि०—सुन्दर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁਣਣ सुणण् Suṇaṇ पुं०
श्रवण (नपुं०) सुनने का भाव या क्रिया।

ਸੁਣਿ सुणि Suṇi क्रि० वि०
श्रुत्य > **श्रुत्वा** (क्रि० वि०) सुनकर।

ਸੁਣਿਅਰ सुणिअर् Suṇiar पुं०
श्रवण (नपुं०) कान, श्रवणेन्द्रिय।

ਸੁਣਿਏ सुणिए Suṇie क्रि० वि०
श्रवणेन (नपुं० तृतीयान्त) सुनने से।

ਸੁਤਏ सुत्ए Sut-e अ०
स्वतः (अ०) अपने आप, स्वाभाविक।

ਸੁਤਾਰ सुतार् Sutār पुं०
सूत्रधार (पुं०) सूत्रधार; कर्णधार, अग्रणी।

ਸੁਤਾਰਿ सुतारि Sutāri स्त्री०
सुतरी (स्त्री०) उत्तम नौका, अच्छी नाव।

ਸਥਾਉ सुथाउ Suthāu पुं०
सुस्थल (नपुं०) साफ जगह; शुद्ध स्थान।

ਸਦੱਖਨ सुदक्खन् Sudakkhan वि०
सुदक्षिण (वि०) अत्यन्त चतुर, निपुण, कुशल।

ਸੁਦੱਛਨ सुदच्छन् Sudacchan वि०
द्र०—ਸੁਦੱਖਨ।

ਸੁੰਦਰਤਾਈ सुन्दर्ताई Sundartāī स्त्री०
सुन्दरता (स्त्री०) सुन्दरता, सौन्दर्य।

ਸੁੰਦਰਾਈ सुन्दराई Sundarāī स्त्री०
द्र०—ਸੁਦਰਤਾਈ।

ਸੁਦ੍ਰ सुद्र Sudra पुं०
शूद्र (पुं०) हिन्दू धर्म शास्त्र के अनुसार चार वर्णों में से चौथा वर्ण।

ਸੁੰਧਕਣਾ सुँधक्णा Sūdhakṇā अक० क्रि०
समिन्द्धे (रुधादि अक०) जलना, प्रज्वलित होना।

ਸੁੰਧਕਾਉਣਾ सुँध्काउणा Sūdhkāuṇā सक० क्रि०
समिन्धयति (रुधादि प्रेर०) जलाना, प्रज्वलित करना।

ਸੁਧਾਲ सुधाल् Sudhāl पुं०
सुधालय (पुं०) चन्द्रमा, जो सुधा का घर है।

ਸੁਧਿ सुधि Sudhi स्त्री०
शुद्धि (स्त्री०) शुद्धि, शुद्धता।

ਸੁਧਿੱਠ सुधिट्ठ् Sudhiṭṭh वि०
सुधृष्ट (वि०) बड़ा ढीठ।

ਸੁਧਿੱਠਾ सुधिट्ठा Sudhiṭṭhā पुं०
द्र०—ਸੁਧਿੱਠ।

ਸੁੱਧ[1] सुद्ध् Suddh वि०
शुद्ध (वि०) शुद्ध, निर्मल, पवित्र।

ਸੁੱਧ[2] सुद्ध् Suddh वि०
शुद्ध (वि०) शुद्ध, पवित्र; यथार्थ।

ਸੁਨ सुन् Sun सक० क्रि० आज्ञा
शृणु (भ्वादि सक० लोट्) सुनो, श्रवण करो।

ਸੁਨਤਾ सुन्ता Suntā वि०
श्रोतृ > **श्रोता** (वि०) सुनने वाला।

ਸੁਨਥਈ सुन्थई Sunthaī वर्त० सक० क्रि०
शृणोति (भ्वादि सक० लट्) सुनता है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁਨਾਰ सुनार् Sunār पुं०
द्र०—ਸੁਨੇਆਰ ।

ਸੁਨੀਜਾ सुनीजा Sunījā वि०
श्रवणीय (वि०) श्रवण के योग्य, सुनने लायक ।

ਸੁਨੇਆਰ सुनेआर् Suneār पुं०
स्वर्णकार (पुं०) स्वर्णकार, सुनार ।

ਸੁਨੇਆਰਾ सुनेआरा Suneārā पुं०
द्र०—ਸੁਨੇਆਰ ।

ਸੁਨੇਹੁੜਾ सुनेहुड़ा Sunehuṛā पुं०
सन्देश (पुं०) सन्देश, समाचार, वृत्तान्त ।

ਸੁੰਨ सुन्न् Sunn पुं०
शुण्डा (स्त्री०) हाथी की सूँड़ ।

ਸੁਪਚ सुपच् Supac पुं०
श्वपच (पुं०) चाण्डाल; नीच; पतित ।

ਸੁਪੱਛ सुपच्छ् Supacch वि०
सुपक्ष (वि०) सुन्दर पंखों वाला ।

ਸੁਪਨ सुपन् Supan पुं०
स्वप्न (पुं०) स्वप्न; सपना ।

ਸੁਪਰਣ सुपर्ण् Suparṇ वि०/पुं०
सुपर्ण (वि० / पुं०) वि०—सुन्दर पत्तों वाला । पुं०—वरुण का एक नाम ।

ਸੁਪਰਬਾਣ सुपर्बाण् Suparbāṇ पुं०
सुप्रमाण (नपुं०) उत्तम प्रमाण, श्रेष्ठ प्रमाण ।

ਸੁਪਰਵਨ सुपर्वन् Suparvan वि०/पुं०
सुपर्वन् (वि० / पुं०) वि०—सुन्दर पर्व अर्थात् सन्धियों वाला । पुं०—देवता; तीर ।

ਸੁਪਾਨ सुपान् Supān पुं०
सोपान (नपुं०) सीढ़ी, नसैनी, पौड़ी ।

ਸੁਫਣਾ सुफ्णा Suphṇā पुं०
स्वप्न (पुं०) स्वप्न, सपना ।

ਸੁਫਨ सुफन् Suphan पुं०
द्र०—ਸੁਫਣਾ ।

ਸੁਫਨਾ सुफ्ना Suphnā पुं०
द्र०—ਸੁਫਣਾ ।

ਸੁੰਫਿਆ सुम्फिआ Sumphiā स्त्री०
स्फूर्ति (स्त्री०) चतुराई, होशियारी; स्फूर्ति, चुस्ती ।

ਸੁਭਮਸਤ सुभम्सत् Subham-sat वाक्य
शुभमस्तु (वाक्य) कल्याण हो, शुभ हो, यह आर्शीर्वाद बोधक वाक्य है ।

ਸੁਭਾਵ सुभाव् Subhāv पुं०
स्वभाव (पुं०) स्वभाव, सुभाव ।

ਸੁਰਕਣਾ सुरक्णा Surakṇā अक० क्रि०
सरति (भ्वादि अक०) सरकना ।

ਸੁਰਖਿਅਤ सुरख्यत् Surakhayt वि०
सुरक्षित (वि०) सुरक्षित ।

ਸੁਰਰਿਦ सुर्रिद् Sur-Rid पुं०
सुहृद् (पुं०) मित्र; नेकदिल; शुभ-चिन्तक ।

ਸੁਰਿਜਨ सुरिजन् Surijan पुं०
सुहृज्जन (पुं०) मित्र जन; सज्जन व्यक्ति, नेक दिल व्यक्ति ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੁਰੁੰਗ सुरुंग् Suruṅg स्त्री०
सुरङ्गा (स्त्री०) सुरंग, भूमिगत मार्ग।

ਸੁਰੂਆ सुरूआ Surūā स्त्री०
स्रुच् (स्त्री०) स्रुआ, जिससे हवन में घृत छोड़ा जाता है।

ਸੁਰੋਦਾ सुरोदा Surodā पुं०
स्वरोदय (पुं०) एक तन्त्रशास्त्र जिससे स्वरों का विचार किया गया है।

ਸੁਲਖਣਾ सुलख्णा Sulakhṇā स्त्री०
सुलक्षणा (स्त्री०) शुभ लक्षणों वाली।

ਸੁਲਪ सुलप् Sulap वि०
स्वल्प (वि०) बहुत थोड़ा, अति न्यून।

ਸੁਲਬ सुलब् Sulab वि०
सुलभ (वि०) सरलता से प्राप्त, सुलभ।

ਸੁਲੱਭਾ सुलब्भा Sulabbhā वि०
सुलभ्य (वि०) सुलभ, सुगमता से प्राप्त होने वाला।

ਸੁਵਰਚਲਾ सुवर्चला Suvarcalā स्त्री०
सुवर्चला (स्त्री०) विश्वकर्मा की पुत्री एवं सूर्य की पत्नी जिससे अश्विनी कुमार का जन्म हुआ था; एक प्रकार का नमक।

ਸੁਵਰਨ सुवरन् Suvaran पुं०
सुवर्ण (पुं०/नपुं०) पुं०—उत्तम जाति; उत्तम रंग। नपुं०—उत्तम अक्षर; स्वर्ण, सोना।

ਸੁਵਾਉਣਾ सुवाउणा Suvāuṇā प्रेर० क्रि०
स्वापयति (अदादि प्रेर०) सुलाना, निद्रायुक्त करना।

ਸੁਵਿਨਾ सुविना Suvinā वि०
सौवर्ण (वि०) सोने से संबन्धित, सुनहरा।

ਸੁਵੱਨਵੀ सुवन्नवी Suvannavī स्त्री०
सुवर्णकी (स्त्री०) सुन्दर वर्ण की, खूबसूरत।

ਸੁਵੰਨੀ सुवन्नी Suvannī स्त्री०
सौवर्णी (स्त्री०) सुन्दर वर्ण वाली, अच्छे रंग की।

ਸੂਅ सूअ Sūa पुं०
सूनु (पुं०) पुत्र, सुत।

ਸੂਹਾ सूहा Sūhā पुं०
शुभ (वि०/नपुं) वि०—शुभ; चमकीला; कल्याणमय। नपुं०—कल्याण।

ਸੂਕ सूक् Sūk वि०
शुष्क (नपुं०) सूखा, नीरस।

ਸੂਕਣਾ सूक्णा Sūkṇā अक० क्रि०
शुष्यति (दिवादि अक०) सूखना, शुष्क होना।

ਸੂਖ सूख् Sūkh पुं०
सुख (नपुं०) आनन्द, हर्ष की अनुभूति।

ਸੂਖਮਤਾਈ सूखम्ताई Sūkhamtāī स्त्री०
सूक्ष्मता (स्त्री०) सूक्ष्मता, महीनी; तीक्ष्णता।

ਸੂਖਾ सूखा Sūkhā वि०
द्र०—ਸੂਖ।

ਸੂੰਘਣਾ सूंघ्णा Sūghṇā पुं०
सुघ्राण (नपुं०) सूंघने की क्रिया या भाव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੂਚਾ सूचा Sūcā वि०
शुचि (वि०) पवित्र, शुद्ध; निर्दोष ।

ਸੂਛਮ सूछम् Sūcham वि०
सूक्ष्म (वि०) सूक्ष्म, बहुत छोटा; तीक्ष्ण ।

ਸੂਛਾ सूछा Sūchā वि०
स्वच्छ (वि०) पवित्र; निर्मल, साफ ।

ਸੂਤਕੁ सूतकु Sūtku पुं०
सूतक (नपुं०) अशौच, समय की अशुद्धि जो जन्म एवं मरण के समय होती है ।

ਸੂਤਧਰ सूतधर् Sūtdhar पुं०
सूत्रधार (नपुं०) नट, नाटक खेलने वाला ।

ਸੂਤੜੀ सूतड़ी Sūtṛī स्त्री०
द्र०—ਸੂਤ੍ਰੀ ।

ਸੂਤ੍ਰੀ सूत्री Sūtrī स्त्री०
सूत्र (नपुं०) रस्सी, डोरी, सूतली ।

ਸੂਦਰਣੀ सूदर्णी Sūdarṇī स्त्री०
शूद्रा (स्त्री०) शूद्र जाति की स्त्री ।

ਸੂਦੀ सूदी Sūdī स्त्री०
शूद्री/शूद्रा (स्त्री०) शूद्र की पत्नी या स्त्री ।

ਸੂਨ सून् Sūn पुं०
प्रसून (नपुं०) फूल, पुष्प ।

ਸੂਨਾ सूना Sūnā वि०/पुं०
शून्य (वि० / नपुं०) वि०—सूना, रिक्त ।
नपुं०—शून्यता ।

ਸਰ सूर् Sūr पुं०
शूकर (पुं०) सूअर ।

ਸੂਰਜ-ਉਦਯ सूरज्-उदय् Sūraj-Uday पुं०
सूर्योदय (पुं०) सूर्योदय, सूरज का उगना ।

ਸੂਰਜ-ਅਸਤ सूरज्-असत् Sūraj-Ast पुं०
सूर्यास्त (नपुं०) सूर्यास्त, सूर्य का डूबना ।

ਸੂਰਣ सूरण् Sūraṇ पुं०
शूरण (पुं०) सूरण, जमींकन्द, ओल ।

ਸੂਰਤਣ सूर्तण् Sūrtaṇ पुं०
शूरत्व (नपुं०) शूरता, वीरता ।

ਸੂਰਪ सूरप् Sūrap पुं०
शूर्प (पुं०, नपुं०) सूप, छाजला ।

ਸੂੰਰੀ सूंरी Sūrī स्त्री०
सूकरी/शूकरी (स्त्री०) सूअर की मादा, सूअरी ।

ਸੇ से Se पुं०
सेवि (नपुं०) सेव नामक फल ।

ਸੇਉ सेउ Seu पुं०
शैव (वि०/पुं०) वि०—शिव से संबन्धित ।
पुं०—शिव का उपासक ।

ਸੇਉਣਾ सेउणा Seuṇā अक० क्रि०
स्विद्यति (दिवादि अक०) नम होना, पसीने से भींगना ।

ਸੇਉਣੀ सेउणी Seuṇī स्त्री०
सेविका (स्त्री०) सेवई, खाद्य पदार्थ ।

ਸੇਓਨਾ सेओना Seonā पुं०
स्वर्ण (नपुं०/वि०) नपुं०—सोना, स्वर्ण ।
वि०—चमकीला ।

ਸੇਆਲ सेआल् Seāl पुं०
शीतकाल (पुं०) सर्दी का मौसम ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੇਅੰਤ सेअन्त् Seant पुं०
स्वान्त (नपुं०) अन्तःकरण, मन; हृदय; सिद्धान्त ।

ਸੇਸ सेस् Ses वि०/पुं०
शेष (वि०/पुं०) वि०—बाकी, बचा हुआ; उच्छिष्ट; समाप्त । पुं०—शेषनाग; परिणाम ।

ਸੇਸ-ਸਾਈ सेस्-सायी Ses-Sāyī पुं०
शेषशायिन् (पुं०) शेषनाग पर सोने वाले भगवान् विष्णु ।

ਸੇਹੁੰਡ सेहुण्ड् Sehuṇḍ पुं०
सेहुण्ड (पुं०) सेहुँड़ का वृक्ष ।

ਸੇਕਾ सेका Sekā पुं०
सिञ्चित (वि०) सिंचित, सींचा हुआ ।

ਸੇਘ सेघ् Segh पुं०
शैघ्र्य (नपुं०) शीघ्रता, फुर्ती ।

ਸੇਂਘ सेंघ् Sēgh वि०
सैंह (वि०) सिंह से संबन्धित, शेर का ।

ਸੇਚਨਾ सेच्ना Secnā सक० क्रि०
सिञ्चति / ते (तुदादि सक०) सींचना, गीला करना ।

ਸੇਣਿ सेणि Seṇi स्त्री०
श्रेणी (स्त्री०) पंक्ति, कतार ।

ਸੇਂਦੁਰ सेंदुर् Sēdur पुं०
सिन्दूर (नपुं०) सिन्दूर जिससे स्त्रियाँ माँग भरती हैं ।

ਸੇਨ सेन् Sen वि०
स्विन्न (वि०) पसीने से युक्त, स्वेद-युक्त ।

ਸੇਮੀਆਂ सेमीयाँ Semīā स्त्री०
सेविका (स्त्री०) सेवइँ, सूतफेनी ।

ਸੇਮੁਖੀ सेमुखी Semukhī स्त्री०
शेमुषी (स्त्री०) बुद्धि, अक्ल ।

ਸੇਲ सेल् Sel स्त्री०
शिली (स्त्री०) भाला, बाण ।

ਸੇਲੂ सेलू Selū पुं०
शूलिन् (वि०) भाला रखने वाला ।

ਸੇਵ सेव् Sev पुं०
शेवधि (पुं०) खजाना, निधि ।

ਸੇਵਿ सेवि Sevī वि०
सेव्य (वि०) सेवा करने योग्य, उपास्य।

ਸੈਸਾਰ सैसार् Saisār पुं०
संसार (पुं०) विश्व, दुनियाँ ।

ਸੈਸਾਰਿ सैसारि Saisāri अधिकरण
संसारे (सप्तम्यन्त पुं०) संसार में, संसार के बीच ।

ਸੈਹਥੀ सैह्थी Saihthī स्त्री०
शक्ति (स्त्री०) बर्छी, अस्त्र-विशेष ।

ਸੈਹਨਾ सैह्ना Saihnā क्रि०
द्र०—ਸਹਿਣਾ ।

ਸੈਂਤਾਲੀ सैंताली Saitālī वि०
सप्तचत्वारिंशत् (स्त्री०) सैंतालीस, 47 ।

ਸੈਂਤੀ सैंती Saitī वि०
सप्तत्रिंशत् (स्त्री०) सैंतीस, 37 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੈਨ[1] सैन् Sain स्त्री०
संज्ञा (स्त्री०) चिह्न, पहिचान, संज्ञा ।

ਸੈਨ[2] सैन् Sain स्त्री०
सैन्य (नपुं०) सेना, फौज ।

ਸੈਂਯਾਂ सैंयां Saiyā̃ पुं०
स्वामिन् (पुँ०) स्वामी, पति; मालिक ।

ਸੈਰੰਧ੍ਰ सैरन्ध्र् Sairandhr पुं०
सीरंधर (पुं०) हलवाहा, जमींदार ।

ਸੈਰੰਧ੍ਰੀ सैरन्ध्री Sairandhrī स्त्री०
सैरन्ध्री (स्त्री०) हलवाही; दस्तकारी करने वाली स्त्री; दासी; द्रौपदी ।

ਸੈਲੂਖ सैलूख् Sailūkh पुं०
शैलूष (पुं०) नट, अभिनेता; बेल का पेड़ ।

ਸੋਉ सोउ Sou सर्व० अ०
सैव (सर्व० अ०) वही, दूरस्थ व्यक्ति ।

ਸੋਅਕ सोअक् Soak पुं०
श्यामाक (पुं०) सावाँ नाम का अनाज, अन्न-विशेष ।

ਸੋਆ सोआ Soā पुं०
सुप्त (वि०) सोया हुआ ।

ਸੋਆਂਜਣਾ सोआंज्णा Soā̃jṇā स्त्री०
शोभाञ्जन (पुं०) सहिजन का वृक्ष ।

ਸਇਰੀ सोइरी Soirī वि०
शावरिन् (वि०) शिवोपासक, तंत्रशास्त्र का ज्ञाता ।

ਸੋਈ सोई Soī पुं०
सूचिक (पुं०) दर्जी ।

ਸੋਸ सोस् Sos वि०
शुष्क (वि०) शुष्क, सूखा ।

ਸੋਸ਼ਣ सोषण् Soṣaṇ पुं०
शोषण (नपुं०) सुखाने का भाव ।

ਸੋਹ सोह् Soh स्त्री०
शोभा (स्त्री०) छवि, कान्ति ।

ਸੋਹਣਾ सोह्णा Sohṇā वि०
द्र०—ਸੁਹੁਣਾ ।

ਸੋਹਨਾ सोह्ना Sohnā वि०
द्र०—ਸੁਹੁਣਾ ।

ਸੋਹਾ सोहा Sohā वि०
शोभित (वि०) शोभा-युक्त, कान्तिमान् ।

ਸੋਹਾਗ सोहाग् Sohāg पुं०
सौभाग्य (नपुं०) सुहाग, अहिवात; अच्छा भाग्य ।

ਸੋਹੰ ਸੋ सोहम् सो Sohamso वाक्य
सोऽहम् अहं सः (वाक्य) 'वह मैं और मैं वह, अखण्ड बोधक वाक्य ।

ਸੋਹੰ-ਹੰਸਾ सोहं-हंसा Soham-Hamsā
द्र०—ਸੋਹੰਸੋ ।

ਸੋਹੰਦਾ सोहन्दा Sohandā वि०
शोभन (वि०) सुन्दर, शोभन ।

ਸੋਕੱਕਾ सोक्का Sokkā पुं०
शौष्क्य (नपुं०) सूखापन, शुष्कता ।

ਸੋਗੰਧ सोगन्ध् Sogandh स्त्री०
सुगन्ध (पुं०) उत्तम गन्ध, खुशबू ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਡਸੋਪਚਾਰ सोड्सोप्चार् Saḍsopcār पुं०
षोडशोपचार (पुं०) पूजन की सोलह सामग्रियों से पूजा करने का भाव।

ਸੋਣਿਤ सोणित् Soṇit पुं०/वि०
शोणित (नपुं०/वि०) नपुं०—रक्त, खून; केसर; ताम्बा। वि०—लाल।

ਸੋਤ सोत् Sot पुं०
शोथ (पुं०) शोथ, सूजन।

ਸੋਪਿ सोपि Sopi सर्व०, अ०
सोऽपि (सर्व०, अ०) वह भी।

ਸੋਭਨੀਅ सोभ्नीअ Sobhnīa वि०
शोभनीय (वि०) शोभा-युक्त।

ਸੋਭਾਇਕ सोभाइक् Sobhāik वि०
स्वाभाविक (वि०) स्वतः, स्वभाव से।

ਸੋਭਾਸੁਰ सोभासुर् Sobhāsur वि०
सुभास्वर (वि०) अतिप्रकाशमान।

ਸੋਭਾਦੂ सोभादू Sobhādū वि०
सुभद्र (वि०) अति श्रेष्ठ, अत्युत्तम।

ਸੋਮਪਾਕ सोम्पाक् Sompāk पुं०
स्वयंपाकिन् (वि०) स्वयं पकाने वाला, स्वपाकी।

ਸੋਰਹ सोरह् Sorah वि०
षोडशन् (वि०) सोलह, 16।

ਸੋਰਨ सोरन् Soran पुं०
स्मरण (नपुं०) स्मरण; आराधना।

ਸੋਲਹ सोलह् Shlah वि०
द्र०—ਸੋਰਹ।

ਸੋਲਾਂ सोलां Solã वि०
द्र०—ਸੋਰਹ।

ਸੌਂਹ सौंह् Saũh स्त्री०
शपथ (पुं०) शपथ, संकल्प।

ਸੌਹਰਾ सौह्रा Sauhrā पुं०
स्वसुर (पुं०) पत्नी या पति का पिता, ससुर; गाली के रूप में भी इस शब्द का प्रयोग होता है।

ਸੌਹਰੀ सौह्री Sauhrī स्त्री०
द्र०—ਸੌਹਰਾ।

ਸੌਹੁੰ सौहुँ Sauhũ स्त्री०
द्र०—ਸੌਂਹ।

ਸੌੱਕਣ सौक्कण् Saukkaṇ स्त्री०
सपत्नी (स्त्री०) सौत, दूसरी पत्नी।

ਸੌਗੰਦ सौगंद् Saugand स्त्री०
सुगन्ध (पुं०) उत्तम गन्ध, खुशबू।

ਸੌਂਚਰ सौंचर् Saũcar पुं०
सुवर्चल (नपुं०) सज्जी खार, सोंचर या साँचल नमक (एक विशेष प्रकार का नमक।)

ਸੌਣੀ सौणी Sauṇī स्त्री०
श्रावणिक (वि०) श्रावण से सम्बन्धित; श्रावण में बोयी गयी फसल।

ਸੌਨ सौन् Saun पुं०
शकुन (नपुं०) सगुन, शुभलक्षण।

ਸੌਪਤ੍ सौपत्र् Saupatr पुं०
शतपत्र (नपुं०) कमल, उत्पल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੌਰਜ सौरज् Sauraj पुं०
शौर्य (नपुं०) शूरता, वीरता, बहादुरी।

ਸੌਰੀ सौरी Saurī पुं०
सौर (वि०) सूर्योपासक।

ਸੌਲ सौल् Saul पुं०
शकुल (पुं०) सौरा मछली।

ਸੌਲਾ सौला Saulā पुं०
श्यामल (वि०) सांवला, श्यामवर्ण वाला।

ਸੌਂਲਾ सौंला Saũlā वि०
द्र०—ਸੌਲਾ।

ਸੰਕ संक् Saṅk स्त्री०
शङ्का (स्त्री०) संशय, सन्देह, शक।

ਸੰਕਰਖਣ संकर्खण् Saṅkarkhaṇ पुं०
सङ्कर्षण (नपुं०/पुं०) नपुं०—खींचने का भाव। पुं०—बलभद्र, बलराम।

ਸੰਕੀਰਨ संकीरन् Saṅkīran वि०
सङ्कीर्ण (वि०) बिखरा हुआ, व्याप्त; ढका हुआ; संकुचित।

ਸੰਕੁ संकु Saṅku पुं०
शङ्कु (पुं०) कील, खूंटी; स्थाणु, ठूंठ।

ਸੰਗ संग् Saṅg पुं०
सङ्घ (पुं०) संघ, समूह।

ਸੰਗਣਾ संग्ना Saṅgnā अक० क्रि०
शङ्कते (भ्वादि अक०) शङ्का करना; लजाना, शर्माना।

ਸੰਗਰਹਣ संगर्हण् Saṅgarhaṇ पुं०
सङ्ग्रहण (नपुं०) संग्रह करने अथवा इकट्ठा करने का भाव; अपने अधिकार में करने का भाव।

ਸੰਗੜਨਾ संगड़्ना Saṅgaṛnā अक० क्रि०
संकुटति (तुदादि अक०) सिकुड़ना, संकुचित होना, सिमटना।

ਸੰਗਾ संगा Saṅgā स्त्री०
द्र०—ਸੰਕ।

ਸੰਗਾਇਆ संगाइआ Saṅgāiā वि०
शङ्कित (वि०) शंका-युक्त; लज्जित।

ਸੰਗਾਰ संगार् Saṅgār पुं०
शृङ्गार (पुं०) साज-सज्जा, सजावट; साहित्य में एक रस।

ਸੰਗੁੱਚਣਾ संगुच्च्णा Sãguccṇā अक० क्रि०
संकुचति (तुदादि अक०) संकुचित होना, सिमटना।

ਸੰਗੂਚਣਾ संगूच्णा Sãgūcṇā क्रि०
द्र०—ਸੰਗੁੱਚਣਾ।

ਸੰਗੂਤਾ संगूता Saṅgūtā पुं०
संयुक्त (वि०) जुड़ा हुआ, मिला हुआ।

ਸੰਗੋਚ सँगोच् Sãgoc पुं०
संकोच (पुं०) सिकुड़ने का भाव, बन्द होने का भाव; लज्जा।

ਸੰਗੋੜਨਾ सँगोड़्ना Sãgoṛṇā प्रेर० क्रि०
संकोटयति (तुदादि प्रेर०) सिकोड़ना, समेटना।

ਸੰਘਰਣ संघ्रण् Saṅghraṇ पुं०
द्र०—ਸੰਗਰਹਣ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸੰਘਾਰਣਾ संघार्णा Sãghārṇā सक० क्रि०
संहारयति (भ्वादि प्रेर०) संहार करना।

ਸੰਘਾੜੀ संघाड़ी Saṅghāṛī स्त्री०
शृङ्गाटक (नपुं०/पुं०) नपुं०—सिंघाड़ा, एक प्रकार का जल-फल। पुं०—सिंघाड़े का पौधा।

ਸੰਘ੍ਰਤ संघ्रत् Sanghrat वि०
संहृत (वि०) इकट्ठा किया हुआ; संहार किया हुआ।

ਸੰਚਰਣਾ सञ्चर्णा Sañcarṇā अक० क्रि०
सञ्चरति (भ्वादि अक०) संचरण करना, घूमना, प्रवेश करना।

ਸੰਚਾ संचा Sañcā पुं०
सञ्चक (नपुं०) साँचा ईंट आदि ढालने का उपकरण-विशेष; ठप्पा।

ਸੰਜੋਰ संजोर् Sañjor वि०
संयोक्तृ (वि०) जोड़ने वाला, घटक।

ਸੰਝਾ संझा Sanjhā स्त्री०
सन्ध्या (स्त्री०) साँझ, सन्ध्या।

ਸੰਡਸੀ सण्डसी Saṇḍasī स्त्री०
संदंश (पुं०) सँड़सी।

ਸੰਤਾਉਣਾ सन्ताउणा Santāuṇā सक० क्रि०
सन्तापयति (चुरादि सक०) सन्तप्त, करना, तपाना; दुःखी करना।

ਸੰਦੂਰ सन्दूर् Sandūr पुं०
सिन्दूर (नपुं०) सिन्दूर।

ਸੰਧਉਰਾ सन्धउरा Sandhaurā पुं०
सन्धिराग (पुं०) सिन्दूर।

ਸੰਧਾ संधा Sandhā स्त्री०
सन्धि (पुं०) प्रतिज्ञा; अङ्गीकार।

ਸੰਧਿ सन्धि Sandhi स्त्री०
सन्धि (पुं०) समझौता, सुलह।

ਸੰਨਿਕਰਖ सन्निकरख् Sannikarakh पुं०
सन्निकर्ष (पुं०) खींचकर पास में लाने का भाव; समीपता; विषयों से इन्द्रियों का सम्बन्ध।

ਸੰਪ सम्प् Samp पुं०
सर्प (पुं०) साँप।

ਸੰਪਤਿ सम्पति Sampati स्त्री०
सम्पत्ति (स्त्री०) धन, ऐश्वर्य।

ਸੰਬੂਕ सम्बूक् Sambūk पुं०
शम्बुक/शम्बूक (पुं०) घोंघा; सीप।

ਸੰਭਉ संभउ Sambhau पुं०
द्र०—ਸੰਭਵਿਓ।

ਸੰਭਵਿਓ संभ्विओ Sambhvio पुं०
स्वयंभू (पुं०/वि०) पुं०—ब्रह्मा। वि०—स्वयं उत्पन्न होने वाला।

ਸੰਮਿਆ सम्मिआ Sammiā स्त्री०
शम्या (स्त्री०) आधार, टेक; खूँटी।

ਸੰਮ੍ਰਥ संम्रथ् Sammrath वि०
समर्थ (वि०) क्षम, शक्तिशाली, ताकतवर।

ਸ੍ਨਿਗਧ स्निगध् Snigadh वि०
स्निग्ध (वि०) चिकना, स्नेह-युक्त।

ਸਯਾਰ स्यार् Syār पुं०
शृगाल (पुं०) सियार, गीदड़।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਸਜਾਰਾ स्यारा Syārā पुं०
शीतकाल (पुं०) सर्दी का मौसम, जाड़ा।

ਸਜਾਰੀ स्यारी Syārī स्त्री०
शृगाली (स्त्री०) सियारी, गीदड़ी।

ਸ੍ਰਾਪ स्राप् Srāp पुं०
द्र०—ਸਰਾਪ।

ਸ੍ਰਿਸਟਿ स्रिस्टि Sristi स्त्री०
सृष्टि (स्त्री०) रचना, संसार की रचना।

ਸ੍ਰੀਸਟ स्रीसट् Srīsaṭ स्त्री०
सृष्टि (स्त्री०) रचना, बनावट; संसार की रचना।

ਸ੍ਰੀਂਗਮੜੀ स्रींग्मड़ी Srīgmaṛī पुं०
शृङ्गेरीमठ (पुं०) शृङ्गेरीमठ स्थान का का नाम है जो तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित शंकराचार्य का मठ है।

ਸ੍ਰੂਯ स्रूय् Srūy क्रि० वि०
श्रूय > श्रुत्वा (क्रि० वि०) सुनकर।

ਸ੍ਰੇਸਟਾਈ स्रेस्टाई Sreṣṭāī स्त्री०
श्रेष्ठता (स्त्री०) उत्तमत्ता, प्रशस्तता।

ਸ੍ਰੋਤ੍ਰੀ स्रोत्री Srotrī वि०/पुं०
श्रोत्रिय (वि० / पुं०) बि०—वेद पढ़ने वाला। पुं०—पण्डित, विद्वान्; मैथिल ब्राह्मणों का वर्ग-विशेष।

ਸ੍ਵਸਤਿ स्वस्ति Svasti अ०
स्वस्ति (अ०) कुशल-मंगल बोधक; आशीर्वाद; हाँ, ठीक।

ਸ੍ਵਸਤੈਨ स्वस्तैन् Svastain पुं०
स्वस्त्ययन (नपुं०) मंगल से युक्त, आशीर्वाद से युक्त।

ਸ੍ਵਰਾਜ स्वराज् Svarāj पुं०
स्वराज्य (नपुं०) अपना राज्य, स्वतन्त्र राज्य।

ਸ੍ਵਲਪ स्वलप् Svalap वि०
द्र०—ਸੁਲਪ।

ਸ੍ਵਾਸਥ स्वास्थ् Svāsth पुं०
स्वास्थ्य (नपुं०) स्वास्थ्य, तन्दुरुस्ती, निरोगता।

ਸ੍ਵਾਕੀ स्वाकी Svākī स्त्री०
स्वकीया (स्त्री०) अपनी धर्मपत्नी।

ਸ੍ਵੰਦ स्वन्द् Svand पुं०
स्वान्त (नपुं०) अन्तःकरण; मन।

ਹ

ਹਉਮੇ हउमे Haume अ० सर्व०
अहं मम (अ० / षष्ठ्यन्त) मैं, अथवा मेरे का भाव।

ਹਉਮੈ हउमै Haumai अ०
द्र०—ਹਉਮੇਂ।

ਹਇ[1] हइ Hai स्त्री०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

हति (स्त्री०) विनाश, तबाही ।

ਹਇ² हइ Hai पुं०
हय (पुं०) घोड़ा, अश्व ।

ਹਇਓ हइओ Haio वि०
हत (वि०) मारा हुआ, मृत; नष्ट ।

ਹਇਆ हइआ Haiā वि०
द्र०—ਹਇਓ ।

ਹਈਮਾਦ੍ਰਿ हइमाद्रि Haimādri पुं०
हिमाद्रि (पुं०) बर्फ का पहाड़, हिमालय ।

ਹਸਣ हसण् Hasaṇ पुं०
ह्रासन (नपुं०) घटाने अथवा क्षीण करने का भाव ।

ਹਸਣਾ हस्णा Hasṇā सक० क्रि०
ह्रासयति (भ्वादि प्रेर०) घटाना, क्षीण करना, ह्रास करना ।

ਹਸਤਿ हस्ति Hasti पुं०
हस्तिन् (पुं०) हाथी, गज ।

ਹਸਤੀ हस्ती Hastī स्त्री०
हसन्ती (स्त्री०) हँसती हुई ।

ਹਸਨ हसन् Hasan पुं०
हसन (नपुं०) हँसने का भाव, हास ।

ਹਸਨਾ हस्ना Hasnā अक० क्रि०
हसति (भ्वादि अक०) हँसना ।

ਹੱਸੀ हस्सी Hassī स्त्री०
हास्य (नपुं०) हँसी, हँसने की क्रिया ।

ਹਹਕਾਰ हह्कार् Hahkār पुं०
हाहाकार (पुं०) हा-हा की ध्वनि, मारपीट की आवाज, उपद्रव ।

ਹਹਰਾਟ हह्राट् Hahrāṭ स्त्री०
ह्रेषाध्वनि (स्त्री०) हिनहिनाने की ध्वनि, घोड़े का हिहहिनाना ।

ਹਹਿ हहि Hahi अक० क्रि०
अस्ति (अदादि अक०) है ।

ਹਛਿਆਈ हछ्याइ Hachyāī स्त्री०
अच्छता (स्त्री०) अच्छाई ।

ਹਜੀਰ हजीर् Hajīr स्त्री०
अञ्जीर (नपुं०/पुं०) नपुं०—अंजीर का फल । पुं०—अंजीर का वृक्ष, गूलर ।

ਹਟ हट् Haṭ पुं०
हट्ट (पुं०) बाजार; दुकान; हाट ।

ਹਟਤਾਰ हट्तार् Haṭ-tār स्त्री०
हट्टतालक (नपुं०) हड़ताल, तालाबन्दी ।

ਹਟਤਾਲ हट्ताल् Haṭ-tāl स्त्री०
द्र०—ਹਟਤਾਰ ।

ਹਠਾਹਾਂ हठाहाँ Haṭhāhā̃ क्रि० वि०
अधस्थान (क्रि० वि०) नीचे ।

ਹਠਾੜ हठाड़् Haṭhāṛ पुं०
अधस्थान (नपुं०) निम्न भू-भाग ।

ਹਠਿਲ हठिल् Haṭhil पुं०
हठिन् (वि०) हठी, जिद्दी, अड़ियल ।

ਹਠੀਆ हठीआ Haṭhīā पुं०
द्र० —ਹਠਿਲ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹਡ हड् Had स्त्री०
हड्ड (नपुं०) हाड़, हड्डी, अस्थि ।

ਹਤਨ हतन् Hatan पुं०
हनन (नपुं०) हत्या, वध ।

ਹਤਿ हति Hati स्त्री०
हति (स्त्री०) हत्या, वध, प्राणनाश ।

ਹਤੁ हतु Hatu पुं०
हत्नु (पुं०) व्याध, शिकारी; तीखा शस्त्र ।

ਹਤੇ हते Hate वि०
हत (वि०) वध किया हुआ, मृत ।

ਹਥ हथ् Hath पुं०
हस्त (पुं०) हाथ, भुजा, बाहु ।

ਹਥਾਸਾ हथासा Hathāsā पुं०
हस्ताश्रय (पुं०) हाथ का सहारा, हस्तालम्ब ।

ਹਥਿਨੀ हथिनी Hathinī स्त्री०
हस्तिनी (स्त्री०) हथिनी, मादा हाथी ।

ਹਥਿਯਾਰ हथियार् Hathiyār वि०/पुं०
हतिकार (वि०/नपुं०) वि०—हत्या करने वाला । नपुं०—घातक शस्त्र, औजार ।

ਹਥੌੜੀ हथोड़ी Hathoṛī स्त्री०
हस्तकूटिका (स्त्री०) हथौड़ी, छोटा हथौड़ा ।

ਹਥੌਰਾ हथौरा Hathaurā पुं०
हस्तकूट (पुं०) हथौड़ा, लोहे का एक उपकरण जिससे कूटकर लोहे को पतला और लम्बा किया जाता है ।

ਹਨਨਨਾਤ हनन्नात् Hanannāt क्रि० वि०
हननार्थं (क्रि० वि०) हत्या करने या मारने के लिए, वध के लिए ।

ਹਨੂੰ हनूँ Hanū स्त्री०
हनु (पुं०) हनु, ठोढ़ी; दाढ़ की हड्डी, जबड़ा ।

ਹਭ हभ् Habh सर्व०
सर्व (सर्व०) सब, सम्पूर्ण, सारा ।

ਹਮਤਾ हम्ता Hamtā स्त्री०
अहन्ता (स्त्री०) अहंता, अहंकार, दर्प ।

ਹਯਸਾਰ हय्सार् Haysār स्त्री०
हयशाला (स्त्री०) घोड़ों के रहने का स्थान, घुड़सार ।

ਹਯਾਉਂ हयाउँ Hayaū पुं०
हृदय (नपुं०) हृदय, दिल ।

ਹਰਸਨ हर्सन् Harsan वि०/पुं०
हर्षण (वि०/नपुं०) वि०—आनन्ददाता, आनन्ददायक । नपुं०—आनन्द, हर्ष, रोमांच ।

ਹਰਸਾਤ हर्सात् Harsāt अक० क्रि०
हृष्यति (दिवादि अक०) प्रसन्न होना, आनन्दित होना ।

ਹਰਹਟ हर्हट् Harhaṭ पुं०
अरघट्ट (पुं०) रहट; पानी निकालने का घटी-यंत्र ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹਰਜੱਛ हर्जच्छ् Harjacch पुं०
हर्यच्छ (वि०) पीली आँखों वाला।

ਹਰਣਖ हर्णख् Harṇakh पुं०
हिरण्याक्ष (वि०/पुं०) वि०—पीली आँखों वाला। पुं०—हिरण्याक्ष नाम का राक्षस।

ਹਰਣਾ हर्णा Harṇā सक० क्रि०
हरति (भ्वादि सक०) चुराना; पहुँचाना; ले जाना।

ਹਰਣਾਖੀ हर्णाखी Harṇākhī स्त्री०
हरिणाक्षी (स्त्री०) मृगनयनी, हरिण के समान आँखों वाली।

ਹਰਣੀ हर्णी Harṇī स्त्री०
हरिणी (स्त्री०) मृगी, मादा हरिण।

ਹਰਤ हरत् Harat वि०
हरित (वि०) हरा, हरे रंग का।

ਹਰਦਲ हर्दल् Hardal स्त्री०
हरिद्रा (स्त्री०) हरदी, हल्दी।

ਹਰਦੀ हर्दी Hardī स्त्री०
हरिद्रा (स्त्री०) हल्दी।

ਹਰਯਾਲ हर्याल् Haryāl वि०
हरित (वि०) हरित, हरे रंग का।

ਹਰਿਯਾਲ हरियाल् Hariyāl पुं०
द्र०—ਹਰਯਾਲ।

ਹਰੇਖਾ हरेखा Harekhā स्त्री०
ह्रेषा (स्त्री०) घोड़े के हिनहिनाने की ध्वनि, हिनहिनाहट।

ਹਲਣਾ हल्णा Halṇā अक० क्रि०
हिण्डते (भ्वादि अक०) हिलना, चलायमान होना।

ਹਲਧੀ हल्धी Haldhī स्त्री०
द्र०—ਹਰਦੀ।

ਹੱਲ हल्ल् Hall पुं०
हल् (पुं, नपुं०) स्वर हीन वर्ण, हलन्त।

ਹਵੀ हवी Havī स्त्री०
हविष् (नपुं०) हवन-सामग्री, होम की वस्तु।

ਹਾਉ हाऊ Hāū वि०
द्र०—ਹਾਤਕ।

ਹਾਸਤਾ हास्ता Hāstā अक० क्रि०
हसति (भ्वादि अक०) हँसना, हास्य करना।

ਹਾੱਸਾ हास्सा Hāssā पुं०
द्र०—ਹੱਸੀ।

ਹਾਟੀ हाटी Hāṭī स्त्री०
द्र०—ਹਟ।

ਹਾਡ हाड् Hāḍ पुं०
हड्ड (नपुं०) बड़ी हड्डी।

ਹਾਤਕ हातक् Hātak पुं०
घातक (वि०) घात करने वाला, हत्यारा; विघ्न।

ਹਾਧੋ हाधो Hādho वर्त० अक० क्रि०
भवति (भ्वादि अक०) होता है।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹਾਯ हाय् Hāy अ०
हन्त (अ०) हाय, दुःख-सूचक अव्यय।

ਹਾਰਦ हारद् Hārad वि०
हार्द (वि०) हृदय से संबन्धित, दिली, मन का; प्रेम; अभिप्राय।

ਹਾਲੀ हाली Hāli पुं०
हालिक (पुं०) हलवाला, हल चलाने वाला।

ਹਾਵ हाव् Hāv पुं०
आह्वान (नपुं०) बुलावा, निमंत्रण, न्योता।

ਹਿਉਂ हिउँ Hiū स्त्री०
हिम (नपुं) हिम, बर्फ।

ਹਿਉਂਦ हिउन्द् Hiund पुं०
हेमन्त (पुं०) हेमन्त-ऋतु।

ਹਿਉਂਧਾ हिउन्धा Hiundhā पुं०
द्र०—ਹਿਉਂਦ।

ਹਿਅ हिअ Hia पुं०
हृदय (नपुं०) चित्त, मन, अन्तःकरण।

ਹਿਆਉਂ हिआउँ Hiāū पुं०
द्र०—ਹਯਾਉਂ।

ਹਿਤੀਖਣ हितीखण् Hitīkhaṇ वि०
हितैषिन् (वि०) हितैषी, हित चाहने वाला, शुभ-चिन्तक।

ਹਿਥੀ हिथी Hithī अधिकरण
इह स्थाने (सप्तम्यन्त) इसी स्थान पर, यहीं।

ਹਿਥੇ हिथे Hithe अधिकरण
अस्मिन् स्थाने (सप्तम्यन्त) यहां, इस स्थान पर।

ਹਿੱਥੇ हित्थे Hitthe अधिकरण
अस्मिन् स्थाने (सप्तम्यन्त) यहाँ, इस स्थान पर।

ਹਿਯ हिय् Hiy पुं०
हृदय (नपुं०) मन, चित्त, अन्तःकरण।

ਹਿਰਣਾ हिर्णा Hirṇā सक० क्रि०
हरति (भ्वादि सक०) चुराना; लेजाना; पहुँचाना।

ਹਿਰਤ हिरत् Hirat वर्त० सक० क्रि०
हरति (भ्वादि सक०) चुराता है, लूटता है।

ਹਿਰਦਾਂ हिर्दाँ Hirdā पुं०
हृदय (नपुं०) हृदय, दिल।

ਹਿਵ हिव् Hiv पुं०
हिम (पुं०, नपुं०) बर्फ।

ਹੀਆਂ हीआँ Hiā पुं०
द्र०—ਹਯਾਉਂ।

ਹੀਹ हीह् Hīh स्त्री०
द्र०—ਹੀਂਹ।

ਹੀਂਹ हींह् Hīh स्त्री०
ईषा (स्त्री०) खाट की पाटी; हरिस।

ਹੀਕਣਾ हीक्णा Hīkṇā अक० क्रि०
हिक्कति/ते (भ्वादि अक०) छींक लेना, हिचकी आना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹੀਡੋਲ हीडोल् Hīḍol पुं०
हिन्दोल (पुं०) हिंडोला, झूला; पालकी; संगीत का एक राग।

ਹੀਣਸਯ हीणस्य Hīṇasy वाक्य
हीनोऽस्ति (वाक्य) हीन है; निन्दित है; न्यून है।

ਹੀਰਖਾ हीर्खा Hīrkhā स्त्री०
ईर्ष्या (स्त्री०) ईर्ष्या, जलन, डाह।

ਹੁੰ हुम् Hum अ०
हुं (अ०) हुँकार; निरादर; प्रश्न; अङ्गीकार।

ਹੁੰਡੂ हुण्डू Huṇḍū पुं०
हुडु (पुं०) मेष, मेढा, भेंड़ा।

ਹੁਨ हुन् Hun अ०
अधुना (अ०) अब, आजकल, इस समय।

ਹੂਤੀ हूती Hūtī स्त्री०
आहुति (स्त्री०) आहुति, होम, हवन।

ਹੇੱਕਾ हेक्का Hekkā पुं०
एक (वि०) अकेला, एकाकी।

ਹੇਠ हेठ् Heṭh क्रि० वि०
अधस्तात् (क्रि० वि०) नीचे, नीचे की ओर; अन्दर, भीतर।

ਹੇਠਾ हेठा Heṭhā वि०
अधस्तन (वि०) नीच; हीन, तुच्छ।

ਹੇਰੀ हेरी Herī पुं०
आभीर (पुं०) अहीर, अहेरी, शिकारी।

ਹੇਰੂਆ हेरूआ Herūā पुं०
प्रहरिन् (पुं०) प्रहरी, पहरेदार, चौकीदार; शिकारी, अहेरी।

ਹੈਮੇਧ हैमेध् Haimedh पुं०
हयमेध (पुं०) एक प्रसिद्ध यज्ञ जिसमें घोड़े की बलि दी जाती है, अश्वमेध यज्ञ।

ਹੈਵਰ हैवर् Haivar पुं०
हयवर (पुं०) उत्तम घोड़ा, श्रेष्ठ घोड़ा।

ਹੋ हों Hō आज्ञा० अक० क्रि०
भवन्तु (भ्वादि अक० लोट् ब० व०) हों।

ਹੋਸ हो्स् Hos भविष्यत् अक० क्रि०
भविष्यति (भ्वादि० लृट्) होगा, होवेगा।

ਹੋਸੀ होसी Hosī भविष्यत् अक० क्रि०
द्र०—ਹੋਸ।

ਹੋਹ होह् Hoh आज्ञा० अक० क्रि०
द्र०—ਹੋਂ।

ਹੋਹਾ होहा Hohā वर्त० अक० क्रि०
भवति (भ्वादि अक०) होता है।

ਹੋਹਿ होहि Hohi वर्त० अक० क्रि०
द्र०—ਹੋਹਾ।

ਹੋਛਉ होछ्उ Hoch-u वि०
तुच्छ (वि०) हीन, घटिया, अदना।

ਹੋਛਤਾ होछ्ता Hochtā स्त्री०
तुच्छता (स्त्री०) न्यूनता, नीचता, कमीनापन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਹੋਂਠ होंठ् Hōṭh पुं०
ओष्ठ (पुं०) होठ, ऊपर का होठ।

ਹੋਡ होड् Hoḍ स्त्री०
होड (पुं०) होड़, शर्त; हठ।

ਹੋਡੀ होडी Hoḍī वि०
हठिन् (वि०) जिद्दी, आग्रही, हठ करने वाला।

ਹੋਤਾਂ होतां Hotā̃ सर्व०
भवताम् (सर्व० षष्ठी ब० व०) उनका।

ਹੋਤ੍ਰੀ[1] होत्री Hotrī वि०
होतृ (वि०) होम करने वाला।

ਹੋਤ੍ਰੀ[2] होत्री Hotrī पुं०
होत्रिय (नपुं०) यज्ञशाला, होता से संबन्धित।

ਹੋਰਥੈ होर्थै Horthai अधिकरण
अपरस्मिन् स्थाने (सप्तम्यन्त) अन्यत्र, दूसरे स्थान में।

ਹੋਰਿ होरि Hori स्त्री०
होली (स्त्री०) होली होलिकोत्सव।

ਹੋਲੀ होल्ली Holli स्त्री०
होली/होल्ला (स्त्री०) होली का त्यौहार, फाल्गुनी पूर्णिमा।

ਹੋਵਨੀ होव्नी Hovnī स्त्री०
भाविनी (स्त्री०) होनी, भावी।

ਹੰਉ हँउ Hā̃u अ०
अहम् (सर्व० अ०) मैं, अहंकार।

ਹੌਂ हौं Haū अ०
अहं (अ०) अहंकार, अभिमान, घमण्ड।

ਹੌਣਾ हौणा Hauṇā अक० क्रि०
भवति (भ्वादि अक०) होना।

ਹੰਉ हँउ Hā̃u सर्व०/अ०
अहम् (सर्व०/अ०) सर्व०—मैं। अ०—अहं।

ਹੰਕ हंक् Haṅk वि०
अहंकारिन् (वि०) अहंकार करने वाला, घमंडी, अभिमानी।

ਹੰਜ हंज् Hañj स्त्री०
अश्रु (नपुं०) आँसू।

ਹਯਾਂ ह्याँ Hyā̃ वि०
इहत्य (वि०) यहाँ का।

ਕ

ਕਉਚ कउच् Kauc पुं०
कवच (नपुं०) कवच जिसे योद्धागण युद्ध में छाती पर धारण करते हैं; वर्म, जिरहबख्तर।

ਕਉਡੀ कउडी Kauḍī स्त्री०
कपर्दिका (स्त्री०) कौड़ी।

ਕਉਣ कउण् Kauṇ सर्व०
कः (सर्व० प्रथमान्त) कौन, किसने।

ਕਉਤਕ कउतक् Kautak पुं०
कौतुक (नपुं०) आश्चर्य, कौतूहल; तमाशा; खेल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਉਤਾ कउता Kautā स्त्री०
कविता (स्त्री०) कविता, रचना, गीत।

ਕਉਰ[1] कउर् Kaur पुं०
कुमार (पुं०) कुमार, बालक; राजकुमार।

ਕਉਰ[2] कउर् Kaur पुं०
कवल (नपुं०) कौर, ग्रास।

ਕਉਲਾਲੀ कउलाली Kaulālī स्त्री०
कुमुदाली (स्त्री०) कुमुदिनी; कुमुद पुष्प की पंक्ति।

ਕਉੜਤਣਿ कउड़्तणि Kauṛtaṇi पुं०
कटुत्व (नपुं०) कड़वापन, कड़वा होने का भाव, कटुता।

ਕਉੜੱਤਨ कउड़त्तन् Kauṛattan पुं०
द्र०—ਕਉੜਤਣਿ।

ਕਉੜਾ कउड़ा Kauṛā वि०
कटु (वि०) कड़वा, खारा; अप्रिय।

ਕਉੜੀ कउड़ी Kauṛī स्त्री०
द्र०—ਕਉਡੀ।

ਕਊਆਕਾਗ कऊआकाग् Kaūākāg पुं०
क्रव्यादकाग (पुं०) मुर्दाखाने वाला काग, शवभक्षी कौवा।

ਕਊਸਕ कऊसक् Kaūsak पुं०
कौसिक (पुं०) कुशक राजा का पुत्र, गाधि जो विश्वामित्र के पिता थे; विश्वामित्र; उल्लू; नेवला; रेशमी वस्त्र।

ਕਊਮਾਰੀ कऊमारी Kaūmārī स्त्री०
कौमारी (स्त्री०) कुमार की शक्ति; कुमारावस्था में रहने वाली दुर्गा।

ਕਸ कस् Kas पुं०
कष (पुं०) निकष, कसौटी; कसौटी पर घिसने का भाव।

ਕਸਉਟੀ कस्उटी Kasauṭī स्त्री०
कषपट्टी (स्त्री०) कसौटी, सोना परखने का पत्थर; हथियारों पर सान चढ़ाने का पत्थर।

ਕਸਟ कस्ट् Kasṭ पुं०
कष्ट (नपुं०) दुःख, पीडा; संकट, मुसीबत।

ਕਸ਼ਟਣੀ कश्टणी Kaśṭaṇī स्त्री०
कष्ट (नपुं०) कष्ट, दुःख, संकट।

ਕਸਨਾ कस्ना Kasnā सक० क्रि०
कर्षति (भ्वादि सक०) खींचना; दबाना; ठोकना; शुष्क करना।

ਕਸਮਲ कस्मल् Kasmal पुं०
कश्मल (नपुं०) मूर्च्छा; पाप, दोष।

ਕਸਮਿਨ कस्मिन् Kasmin सर्व० अधि०
कस्मिन् (सर्व० सप्त०) कहाँ, कहाँ पर।

ਕਸਮੀਰੀ कस्मीरी Kasmīrī वि०
काश्मीर (वि०) कश्मीर देश से संबिधत, कश्मीर का, काश्मीरी।

ਕਸਾਇ कसाइ Kasāi वि०
काषाय (वि०) कसैला; कत्थई; गेरुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਸਾਲਾ कसाला Kasālā पुं०
कश्मल (नपुं०) कष्ट, तकलीफ।

ਕਸਿਆਉਨਾ कस्याउना Kasyāunā
अक० क्रि०
कषायते (नामधातु) पीतल के पात्र में किसी वस्तु का स्वाद विकृत हो जाना, कषैला हो जाना।

ਕਸਿਪੁ कसिपु Kasipu पुं०
कशिपु (पुं०, नपुं०) चटाई; तकिया; खाट; पोशाक।

ਕਸੁੰਭ कसुम्भ् Kasumbh पुं०/वि०
कुसुम्भ (पुं० / वि०) पुं०—कुसुमी रंग; कुसुम्भ की बेल, कुसुम्म का पुष्प। वि०—कुसुम्ही रंग वाला।

ਕਸੁੰਭਾ कसुम्भा Kasumbhā पुं०
कुसुम्भ (नपुं०/पुं०) कुसुंभ, केसर।

ਕਸੰਮਲ कसंमल् Kasammal पुं०
कश्मल (नपुं०) पाप, दोष; कष्ट, तकलीफ।

ਕੱਸਪ कस्सप् Kassap पुं०/वि०
कश्यप (पुं०/वि०) पुं०—मरीचि के पुत्र कश्यप प्रजापति। वि०—शराब पीने वाला; काले दाँत वाला।

ਕਹ कह् Kah क्रि० वि०
कुह (अ०) कहाँ, किस स्थान पर, किधर।

ਕਹਣ कहण् Kahaṇ पुं०
कथन (नपुं०) कहने का भाव, बयान, वक्तव्य।

ਕਹਣਾ कह्णा Kahṇā सक० क्रि०
कथयति (चुरादि सक०) कहना, कथन करना।

ਕਹਣਿ कह्णि Kahṇi क्रि० वि०
कथयित्वा > कथ्य (क्रि० वि०) कहकर, कथन करके।

ਕਹਤਾ कह्ता Kahtā वि०
कथयितृ (वि०) कहने वाला, कथन करने वाला।

ਕਹਿਆ कहिआ Kahiā वि०
कथित (वि०) कथित, आदिष्ट, कहा हुआ।

ਕਹਿਤਾ कहिता Kahitā वि०
द्र०— ਕਹਤਾ।

ਕਹਿਰਾ कहिरा Kahirā पुं०
कृश (वि०) पतला-दुबला।

ਕਹੁ कहुँ Kahū क्रि० वि०
कुह/कुत्र (अ०) कहाँ, कहीं।

ਕਹੁੰ कहँ Kahã प्रत्यय
कृते (अ०) लिये, वास्ते, प्रति।

ਕਕਈ ककई Kakaī स्त्री०
कङ्कती (स्त्री०) कंघी, जिसके द्वारा केश सँवारा जाय; कंघा।

ਕਕਹੀ कक्ही Kak-hī स्त्री०
द्र०—ਕਕਈ।

ਕਕਨ ककन् Kakan पुं०
ककुद्मत् (पुं०) बैल, साँड़।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਕਰ ककर् Kakar पुं०
कर्कर (नपुं०) कंकड़; ओला।

ਕਕੜੀ कक्ड़ी Kakṛī स्त्री०
कर्कटी (स्त्री०) ककड़ी फल

ਕਖ कख् Kakh स्त्री०
कक्ष (पुं०) सूखी घास, तृण, भूसा।

ਕਖਾਟੀ कखाटी Kakhāṭī स्त्री०
कक्षपटी (स्त्री०) लँगोटी।

ਕਚ कच् Kac पुं०
काच (पुं०) काच, शीशा।

ਕਚਹਰੀ कच्हरी Kac-harī स्त्री०
कृत्यघरिका/कुत्सिहरी (स्त्री०) निन्दित कर्म को दूर करने वाली, न्यायालय, अदालत।

ਕਚਨਾਲ कच्नाल् Kacnāl पुं०
काञ्चनार (पुं० / नपुं०) पुं०—कचनार का वृक्ष। नपुं०—कचनार का फूल।

ਕਚੈਹਰੀ कचैह्री Kacaihrī स्त्री०
कृत्यघरिका (स्त्री०) कचहरी, अदालत।

ਕਛਉਟੀ कछउटी Kachauṭī स्त्री०
कच्छोटिका (स्त्री०) छोटी कच्छी, कछौटी, जाँघिया।

ਕਛੁ कछु Kachu अ०
किञ्चित् (अ०) कुछ।

ਕਛੋਪੜ कछोपड़् Kachopaṛ पुं०
कच्छप (पुं०) कछुआ।

ਕਜਰ कजर् Kajar पुं०
कज्जल (नपुं०) काजल, सुरमा, आँजन।

ਕਜਲੌਠੀ कज्लौठी Kajlauṭhī स्त्री०
कज्जलकोष्ठ (पुं०) कजरौटा, काजल रखने का पात्र।

ਕੱਜਣਾ कज्जना Kajjnā सक० क्रि०
कर्जति (भ्वादि सक०) ढकना, छिपाना।

ਕਟਹਰ कट्हर् Kaṭhar पुं०
कण्टकिफल (नपुं०) कटहल, पनस।

ਕਟਹਲ कट्हल् Kaṭhal पुं०
द्र०—कटहर।

ਕਟਹਿੜਾ कटैह्ड़ा Kaṭaihṛā पुं०
काष्ठघर (पुं०) कटघरा, दरवाजे की लकड़ी पर नक्काशी वाली चौखट; बाजार।

ਕਟਾਛ कटाछ् Kaṭāch पुं०
कटाक्ष (नपुं०) कटाक्ष, कनपटी से देखने का भाव।

ਕਟਾਣੂ कटाणू Kaṭāṇū पुं०
कीटाणु (पुं०) कीटाणु, कीड़ा।

ਕਟਿਤ कटित् Kaṭit वि०
कर्तित (वि०) कटा हुआ; छेदा हुआ।

ਕਟੁੰਬ कटुम्ब् Kaṭumb पुं०
कुटुम्ब (पुं०) कुटुम्ब, परिवार।

ਕਠਨ कठन् Kaṭhan वि०
कठिन (वि०) कठोर, कड़ा, सख्त; निर्दय।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਠਨਤਾਈ कठन्ताई Kaṭhantāī स्त्री०
कठिनता (स्त्री०) कठिनता, कठिनाई।

ਕਠੂਲ कठूल् Kaṭhūl वि०
कठोर (वि०) कठिन; कड़ा, ठोस।

ਕਣਕ कणक् Kaṇak पुं०
कणक (नपुं०) कणक, गेहूँ।

ਕਤ कत् Kat अ०
कुतः (अ०) कहाँ से, क्यों।

ਕਤਹੀ कत्ही Kathī अ०
कुत्रचित् (अ०) कहीं।

ਕਤਕ कतक् Katak पुं०
कार्तिक (पुं०) कार्तिक महीना; कृत्तिका वाली पूर्णिमा से युक्त।

ਕਤਣਾ कत्णा Katṇā अक० क्रि०
कृन्तति (तुदादि सक०) कातना; चरखे आदि पर सूत कातना, सूत बँटना।

ਕਤਧੌਂ कत्धौं Katdhaū अ०
द्र०—ਕਤਧੰਉ।

ਕਤਧੰਉ कत्धँउ Katdhãu अ०
कतिधा (अ०) कितने प्रकार या तरह का।

ਕਤਾਲੀ कताली Katālī वि०
एकचत्वारिंशत् (स्त्री०) एकतालीस, 41।

ਕਤੀ कती Katī स्त्री०
कर्त्री/कर्तरी (स्त्री०) कैंची; चाकू।

ਕਤੰਚ कतंच् Katañc क्रि० वि०
कुत्रचन (क्रि० वि०) कहीं।

ਕੱਤਰ कत्तर् Kattar पुं०
कर्त्तन (नपुं०) टुकड़ा।

ਕੱਤੀ[1] कत्ती Kattī वि०
एकत्रिंशत् (स्त्री०) इकतीस, 31।

ਕੱਤੀ[2] कत्ती Kattī स्त्री०
कर्तरी (स्त्री०) पतली और सीधी तलवार।

ਕਥਤ कथत् Kathat वर्त० सक० क्रि०
कथयति (चुरादि सक०) कहता है।

ਕਥਤਾ कथ्ता Kathtā पुं०
कथयितृ (वि०) कथन करने वाला, कहने वाला।

ਕਥਣਾ कथ्ना Kathnā सक० क्रि०
कथयति (चुरादि सक०) कहना, बयान करना।

ਕੱਥ कत्थ् Katth स्त्री०
कथा (स्त्री०) कथा, कहानी।

ਕੱਥਮ कत्थम् Kattham वि०
कथित (वि०) कहा हुआ; उच्चारित।

ਕਦਰਜ कदर्य Kadary पुं०
कातर्य (नपुं०) कायरता, भीरुता, बुज़दिली।

ਕਦਰਾਈ कद्राई Kadrāī स्त्री०
द्र०—ਕਦਰਜ।

ਕਦਵ कदव् Kadav पुं०
कन्दुक (नपुं०) गेंद, बॉल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਦਾਹੀ कदाही Kadāhī अ०
कदा हि (अ०) किसी समय।

ਕਦਾਚ कदाच् Kadāc अ०
कदाचन (अ०) संभवतः, शायद; कभी।

ਕਦਿ कदि Kadi क्रि० वि०
कदा (क्रि० वि०) कब, किस समय।

ਕਦੰਮ कदम्म् Kadamm पुं०
कदम्ब (पुं० / नपुं०) पुं०—कदम्ब का वृक्ष जिसमें गोल-पीले फूल लगते हैं। नपुं०—समूह, समुदाय।

ਕਨੇਡਾ कनेडा Kaneḍā पुं०
कर्णकण्डू (पुं०) कान के पीछे होने वाला फोड़ा।

ਕਨੇੱਡੂ कनेड्डू Kaneḍḍū पुं०
द्र०—ਕਨੇਡਾ।

ਕਨੋਤਰੇ कनोत्रे Kanotre पुं०
कर्णान्तर (नपुं०) कर्ण शष्कुली, कान के अन्दर का भाग।

ਕਨੌਤਿਆਂ कनौतिआं Kanautiā पुं०
कर्णपत्रक (नपुं०) कर्ण का अन्तिम छोर, लोर; कर्णशष्कुली; पशु के कान का बाहरी भाग।

ਕਨ੍ਹੇੜੂ कन्हेड़ू Kanheṛū पुं०
स्कन्ध (पुं०) कन्धा, भुजाओं का मूल-भाग।

ਕਪ कप् Kap पुं०
कपि (पुं०) कपि, बन्दर।

ਕਪਰਦ कपर्द् Kapard पुं०
कपर्द (पुं०) शिव का जटा; कौड़ी।

ਕਪੜ कपड़् Kapaṛ पुं०
कर्पट (पुं०, नपुं०) कपड़ा।

ਕਪੀਣ कपीण् Kapīṇ स्त्री०
कौपीन (नपुं०) कौपीन वस्त्र, लँगोटी।

ਕਪੁੱਤ कपुत्त् Kaputt पुं०
कुपुत्र (पुं०) कुपुत्र, विपरीत आचरण वाला पुत्र।

ਕਪੁੱਤਰ कपुत्तर् Kaputtar पुं०
द्र०—ਕਪੁੱਤ।

ਕੱਪੜੀ कप्प्ड़ी Kappṛī स्त्री०
द्र०—ਕਪੜ।

ਕਬਰਾ कब्रा Kabrā वि०
कर्बूर (वि०) चितकबरा, भूरा।

ਕਭੀ कभी Kabhī क्रि० वि०
कदापि (क्रि० वि०) कभी।

ਕਮੱਥ कमत्थ् Kamatth पुं०
कबन्ध (पुं०) धड़, शिर-रहित देह; बादल, मेघ; जल; राहु; पेट।

ਕਮਨੀ कम्नी Kamnī वि०
कमनीय (वि०) वाञ्छनीय, सुन्दर, मनोहर, प्रिय।

ਕਮਾਰਾ कमारा Kamārā पुं०
कुमार (पुं०) अविवाहित लड़का, क्वारा लड़का।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਮਾਰੀ कमारी Kamārī स्त्री०
कुमारी (स्त्री०) कुमारी, अविवाहित लड़की।

ਕਮੇਰ कमेर् Kamer पुं०
कुबेर (पुं०) धनपति, यक्षराज, कुबेर।

ਕਮੋਦਿਨੀ कमोदिनी Kamodinī स्त्री०
कुमुदिनी (स्त्री०) कुमुद पुष्प, कुमुद पुष्प का समूह।

ਕਰਆਜ कर्आज् Karāj पुं०
करज (पुं०) हाँथ की उँगली का नाखून, नख।

ਕਰਸਾਣ कर्साण् Karsāṇ पुं०
कृषाण (पुं०) किसान, खेतिहर।

ਕਰਸਾਯਰ कर्सायर् Karsāyar पुं०
कृष्णसार (पुं०) काला मृग, मृगों की एक जाति।

ਕਰਕਾਰੂ कार्कारू Karkārū पुं०
कर्कारू (पुं०) पेठा, कद्दू से निर्मित मिठाई।

ਕਰਖਣ कर्खण् Karkhaṇ पुं०
कर्षण (नपुं०) खींचना, हल से जोतना।

ਕਰਖਿਤ कर्खित् Karkhit वि०
कर्षित (वि०) खींचा हुआ; जोता हुआ।

ਕਰਛਾ कर्छा Karchā पुं०
कररक्ष (पुं०) कड़छा, करछुल।

ਕਰਛੀ कर्छी Karchī स्त्री०
कररक्ष (पुं०) करछी, करछुली।

ਕਰਣਾ कर्णा Karṇā पुं०
करण (नपुं०) करने का भाव।

ਕਰਤੱਤ कर्तत्त् Kartatt पुं०
कर्तृत्व (नपुं०) कर्ता का धर्म या भाव।

ਕਰਤਬ कर्तब् Kartab पुं०
कर्तव्य (नपुं०) करने योग्य, करणीय।

ਕਰਤਿਆ कर्तिआ Kartiā वि०
कारित (वि०) कराया हुआ।

ਕਰਦਲ कर्दल् Kardal पुं०
क्रन्दन (नपुं०) पुकारने का भाव, चिल्लाने अथवा रोने का भाव।

ਕਰਨਾਈ कर्नाई Karnāī स्त्री०
कारुण्य (नपुं०) दया, अनुकम्पा, रहम।

ਕਰਪਾਣ कर्पाण् Karpāṇ पुं०
कृपाण (पुं०) कृपाण, तलवार।

ਕਰਪਾਤੀ कर्पाती Karpātī वि०
करपात्री (वि०) कर ही जिसका भोजन-पात्र हो।

ਕਰਮਣਾ कर्मणा Karmaṇā तृतीयान्त पद
कर्मणा (नपुं० तृतीयान्त) कर्म से।

ਕਰਮਾਨ कर्मान् Karmān वि०
कर्मण्य (वि०) कर्म करने योग्य, कर्म-कुशल।

ਕਰਮਿਆ कर्मिआ Karmiā वि०
क्रमागत (वि०) क्रम से आया हुआ, क्रम-प्राप्त, सिलसिलेवार।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਰਵੀਲਾ करवीला Karvīlā पुं०
करीर (पुं०/नपुं०) पुं०—करील का वृक्ष। नपुं०—करील का फल।

ਕਰਵੀਲੂੰ करवीलूँ Karvīlū पुं०
द्र०—ਕਰਵੀਲਾ।

ਕਰਾਹ कराह् Karāh पुं०
कटाह (पुं०) कड़ाह, कड़ाहा।

ਕਰਾਹਾ कराहा Karāhā पुं०
द्र०—ਕਰਾਹ।

ਕਰਿਆਣਾ करिआणा Kariāṇā पुं०
क्रयाणक (नपुं०) विक्रय-वस्तु, किराना।

ਕਰੀ करी Karī पुं०
करिन् (पुं०) हाथी, गज।

ਕਰੀਹ करीह् Karīh पुं०
करीष (नपुं, पुं०) करसी, सूखा गोबर, कंडा।

ਕਰੀਂਹ करींह् Karīh पुं०
करीर (पुं०) करील, कटीला झाड़।

ਕਰੀਟ करीट् Karīṭ पुं०
किरीट (पुं०, नपुं०) मुकुट, कलंगी; व्यापारी।

ਕਰੂਆ करुआ Karuā पुं०
करक (पुं०, नपुं०) करवा, मिट्टी का कुल्हड़, जलपात्र।

ਕਰੂਪ करूप् Karūp पुं०
कुरूप (वि०) भद्दा रूप वाला।

ਕਰੈਲਾ करैला Karailā स्त्री०
कारवेल्लक (नपुं०) करैला, करेला, सब्जी-विशेष।

ਕਰੋ करो Karo पुं०
क्रम (पुं०) एक माप।

ਕਰੋਸ਼ करोश् Karoś पुं०
क्रोश (पुं०) क्रोश, कोस, दो मील।

ਕਰੋਹ करोह् Karoh पुं०
क्रोश (पुं०) कोस, कोश, दो मील।

ਕਰੋਧ करोध् Karodh पुं०
क्रोध (पुं०) गुस्सा, क्रोध, रोष।

ਕਰੋਰ करोर् Karor पुं०
कोटि (स्त्री०) करोड़ की संख्या।

ਕਰੌਤੇ करौते Karaute पुं०
करपत्र (नपुं०) आरा, लकड़ी चीरने का औजार।

ਕਰੰਤਾ करन्ता Karantā वि०/पुं०
कर्तृ (वि० / पुं०) वि०—करने वाला। पुं०—करतार, ब्रह्मा।

ਕਲਡੋਡਾ कल्डोडा Kalḍoḍā पुं०
कमलदण्ड (पुं०, नपुं०) कमलदण्ड, कमल नाल।

ਕਲਤ कलत् Kalat स्त्री०
कलत्र (नपुं०) पत्नी, भार्या, स्त्री।

ਕਲਪਣਾ कल्पणा Kalpaṇā स्त्री०
कल्पना (स्त्री०) कल्पना, रचने का भाव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਲਮਖ कल्मख् Kalmakh पुं०
कल्मष (नपुं०) दाग; कलंक; दोष, पाप।

ਕਲਵਟ कल्वट् Kalvaṭ स्त्री०
करावर्त (पुं०) करवट।

ਕਲਵਤ कल्वत् Kalvat पुं०
द्र०—ਕਲਵਟ।

ਕਲਵਤਰ कल्वतर् Kalvatar पुं०।
द्र०—ਕਲਵਟ।

ਕਲਵਾਰ कल्वार् Kalvār पुं०
कल्यपाल (पुं०) कलाल; शराब बनाने वाली जाति।

ਕਲਵਾਲੀ कल्वाली Kalvālī स्त्री०
कल्यपाली (स्त्री०) कलाली, शराब बेचने वाली।

ਕਲਾਣ कलाण् Kalāṇ पुं०
कल्याण (नपुं०) मंगल, कुशल।

ਕਲਾਰ कलार् Kalār पुं०
द्र०—ਕਲਵਾਰ।

ਕਲਾਵੜਾ कलाव्ड़ा Kalāvṛā पुं०
कलाप (पुं०) समूह, ढेर।

ਕਲਿਣਮ कलिणम् Kaliṇam वि०
कल्याणमय (वि०) मंगलरूप, कुशलयुक्त।

ਕਲਿੱਤਰ कलित्तर् Kalittar स्त्री०
द्र०—ਕਲਤ।

ਕਲਿੰਦ੍ਰ कलिन्द्र् Kalindr पुं०
कलिन्द (पुं०) बहेड़ा; सूर्य; एक पहाड़।

ਕਲਿਪਤਰੁ कलिप्तरु Kaliptaru पुं०
कल्पतरु (पुं०) कल्पवृक्ष, स्वर्ग का एक वृक्ष जो समुद्र-मंथन से निकले हुए 14 रत्नों में एक है तथा सभी मनोरथों को पूरा करने वाला है।

ਕਲੀਖ कलीख् Kalīkh पुं०
लिक्षा (स्त्री०) लीख, छोटी जूँ।

ਕਲੀਵ कलीव् Kalīv पुं०
क्लीब (नपुं०) नपुंसक; निर्बल; ओछा; सुस्त।

ਕਲੁਖ कलुख् Kalukh वि०
कलुष (वि०) मलिनता, मैल; कालिख; कलंक, पाप; क्रोध।

ਕਲੇਦ कलेद् Kaled पुं०
क्लेद (पुं०) गीलापन; पसीना; दुःख; वमन।

ਕਲੇਦਨ कलेदन् Kaledan पुं०
क्लेदन (नपुं०) नमी, तरी, गीला या तर करने का भाव।

ਕਲੈਹਣਾ कलैह्णा Kalaihṇā वि०
कलहिन् (वि०) झगड़ालू, कलहकारी।

ਕਲੈਰ कलैर् Kalair पुं०
कलाप (पुं०) समुदाय; मोर की पूंछ।

ਕਲੈਰੀ कलैरी Kalairī वि०/पुं०
कलापिन् (वि० / पुं०) वि०—समुदाय वाला। पुं०—मोर।

ਕਲ੍ਹ कल्ह् Kalh पुं०
कल्य (नपुं०) प्रातः भोर, सबेरा; आने वाला कल; बीता हुआ कल; शराब।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੱਲ कल्ल् Kall पुं०/अ०
कल्य (पुं०, नपुं०) पुं०—कलेवा। नपुं—कल।

ਕਵਡੀ कव्डी Kavḍī स्त्री०
कपर्दिका (स्त्री०) कौड़ी।

ਕਵਤਕ कव्तक् Kavtak पुं०
कौतुक (नपुं०) इच्छा; तमाशा; मन को आनन्दित करने वाली क्रिया; आश्चर्य।

ਕਵਤਾ कव्ता Kavtā स्त्री०
कविता (स्त्री०) कविता, पद्यमय रचना।

ਕਵਰਾ कव्रा Kavrā वि०
कटु (वि०) कड़वा, तीता।

ਕਵਰੀ कव्री Kavri स्त्री०
द्र०—ਕਵਡੀ।

ਕਵਾਰ[1] कवार् Kavār पुं०
कुमार (पुं०) अविवाहित लड़का।

ਕਵਾਰ[2] कवार् Kavār स्त्री०
घृतकुमारी (स्त्री०) घृतकुमारी, वनस्पति-विशेष जो ओषधि के काम आती है।

ਕਵਾਰਾ कवारा Kavārā पुं०
द्र०—ਕਵਾਰ[1]।

ਕਵਾਰੀ कवारी Kavārī पुं०
कुमारी (स्त्री०) कुमारी, अविवाहित लड़की।

ਕਵਾੜ कवाड़ Kavāṛ पुं०
कवाट (पुं०, नपुं०) कपाट, किवाड़, दरवाजा।

ਕਵਾੜੀ कवाड़ी Kavāṛī स्त्री०
कवाटी (स्त्री०) किवाड़ी, छोटे दरवाजे का पल्ला।

ਕਵਿਤ कवित् Kavit पुं०
कवित्व (नपुं०) कवि का भाव, कवि का कर्म या धर्म।

ਕਵਿਲਾਸ कविलास् Kavilās पुं०
कैलाश (पुं०) कैलाश पर्वत।

ਕਵੀਸਰ कवीसर् Kavīsar पुं०
कवीश्वर (पुं०) कवि-श्रेष्ठ, महाकवि।

ਕਵੇ कवे Kave सम्बन्ध पुं०
कवेः (पुं० षष्ठ्यन्त) कवि का, कवि-सम्बन्धी।

ਕਵੇਲਾ कवेला Kavelā पुं०
कुवेला (स्त्री०) कुवेला, कुसमय।

ਕਵੋਜ कवोज् Kavoj पुं०
कम्बोज (पुं०) अफगानिस्तान में हिन्दुकुश पर्वत के आस-पास का देश जहाँ के घोड़े प्रसिद्ध हैं।

ਕਵੰਜਾ कवञ्जा Kavañjā वि०
एकपञ्चाशत् (स्त्री०) एकावन, 51 संख्या से परिछिन्न वस्तु।

ਕੜਛ कड़छ् Kaṛach पुं०
कटच्छु (पुं०) कड़छुल, दर्वी, करछी।

ਕੜੂਚਾ कड़ूचा Kaṛūcā पुं०
कूर्च (पुं०, नपुं०) पूला, मुट्ठी भर कुश; दाढ़ी; मोर-पंख।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

कां कां Kã पुं०
काक (पुं०) कागला, कौवा, काक पक्षी।

काउ काउ Kāu सर्व०
कोऽपि (सर्व०) कोई।

काइ[1] काइ Kāi वि०
कतिपय (वि०) कुछ लोग; कुछ, कई।

काइ[2] काइ Kāi स्त्री०
काय (पुं०) देह, शरीर।

काइत काइत् Kāit सर्व०
कस्मैचित् (सर्व०) किसी के लिए।

काइथ काइथ् Kāith पुं०
कायस्थ (पुं०) कायस्थ, लेखन करने वाली जाति।

कांइथ कांइथ् Kãith पुं०
द्र०—काइथ।

कासट कासट् Kāsaṭ पुं०
काष्ठ (नपुं०) काठ, लकड़ी।

कासती कास्ती Kāstī स्त्री०
एकादशी (स्त्री०) एकादशी तिथि अथवा व्रत।

काशमीर काश्मीर् Kāśmīr वि०
काश्मीर (वि०) कश्मीर देश का।

कासिपी कासिपी Kāsipī स्त्री०
काश्यपी (स्त्री०) पृथ्वी; गरुड़।

कासी कासी Kāsī वि०
एकाशीति (स्त्री०) इक्यासी, 81।

कांसी कांस्सी Kãssī स्त्री०
कांस्य (नपुं०) काँसा धातु।

कांह काँह् Kãh पुं०
काश (पुं०) एक प्रकार की घास जो छप्पर छाने या चटाई बुनने के काम आती है।

काहट काहट् Kāhaṭ वि०
एकषष्टि (स्त्री०) एकसठ, 61।

काहे काहे Kāhe क्रि० वि०
कथम् (अ०) क्यों, किस लिए।

काक काक् Kāk पुं०
काक (पुं०) कौवा, पक्षी-विशेष।

काकणी काक्णी Kākṇī स्त्री०
काकी (स्त्री०) कौवे की मादा।

काकरी काक्री Kākrī स्त्री०
कर्कटी (स्त्री०) काकड़ी, एक प्रकार का खाद्य फल, ककड़ी।

काख काख् Kākh पुं०
कक्ष (नपुं०) सूखी घास, तिनका।

कांख[1] काँख् Kãkh स्त्री०
काङ्क्षा (स्त्री०) आकांक्षा, इच्छा।

कांख[2] काँख् Kãkh स्त्री०
कुक्षि (स्त्री०) गर्भाशय; काँख, बगल।

कांखा कांखा Kãkhā स्त्री०
काङ्क्षा (स्त्री०) आकांक्षा, इच्छा, चाह।

कांखिआ काँख्या Kãkhyā स्त्री०
द्र०—कांख[1]।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਾਖੀ काखी Kākhī पुं०
काङ्क्षिन् (वि०) आकांक्षी, चाहने वाला, इच्छावान् ।

ਕਾਂਖੀ कांखी Kā̃khī वि०
द्र०—काखी ।

ਕਾਚਾ काचा Kācā वि०
कच्च (वि०) कच्चा, अपक्व ।

ਕਾਂਚੁਰੀ काँचुरी Kā̃curī स्त्री०
कञ्चुलिका (स्त्री०) साँप की केचुली ।

ਕਾਛਰ काछर् Kāchar पुं०
कच्छ (पुं०) नदी या समुद्र के किनारे का प्रदेश, कछार ।

ਕਾਜ काज् Kāj पुं०
कार्य (नपुं०) कार्य, काम ।

ਕਾਜਰ काजर् Kājar पुं०
कज्जल (नपुं०) काजल, सुरमा, आँजन ।

ਕਾੱਜੀ काज्जी Kājjī पुं०
कार्यिन् (वि०) कार्य-व्यस्त, कार्यरत ।

ਕਾਟਕੂ काट्कू Kāṭkū स्त्री०
कटक (पुं०) सेना ।

ਕਾਟਕੂँ काट्कूँ Kāṭkū̃ स्त्री०
द्र०—कांटक ।

ਕਾਟਨਾ काट्ना Kāṭnā सक० क्रि०
कर्तयति (चुरादि सक०) काटना, टुकड़े करना; नष्ट करना ।

ਕਾਂਠਾ काँठा Kā̃ṭhā पुं०
उपकण्ठ (वि० / अ०) वि०—समीप का किनारा, तट आदि प्रदेश । अ०—गर्दन के ऊपर, कण्ठ के पास; सामीप्य ।

ਕਾਣਾ काणा Kāṇā पुं०
काण (वि०) काना, काण ।

ਕਾਂਤ काँत् Kā̃t पुं०
एकान्त (नपुं०, वि०) एकान्त ।

ਕਾਤਕ कातक् Kātak पुं०
कार्तिक (पुं०) कार्तिक मास ।

ਕਾਤਰਯ कातर्य् Kātary पुं०
कातर्य (नपुं०) कायरता, भीरुता ।

ਕਾਥ काथ् Kāth पुं०
क्वाथ (पुं०) काढ़ा ।

ਕਾਥੁਰੀ काथुरी Kāthurī स्त्री०
कस्तूरी (स्त्री०) कस्तूरी, गन्धमृग की नाभि ।

ਕਾਦਸ਼ੀ काद्शी Kādśī स्त्री०
एकादशी (स्त्री०) एकादशी तिथि या व्रत ।

ਕਾਦਾਚਿਤਕ कादाचितक् Kādācitak क्रि० वि०
कादाचित्क (क्रि० वि०) कभी-कभी होने वाला ।

ਕਾਨ कान् Kān पुं०
कर्ण (पुं०) कान, श्रवणेन्द्रिय ।

ਕਾਨਵੇਂ कान्वें Kānvē वि०
एकनवति (स्त्री०) इक्यानवे, 91 ।

ਕਾਪਰ कापर् Kāpar पुं०
कर्पट (पुं०, नपुं०) कपड़ा ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਾਪੜ कापड़ Kāpaṛ पुं०
द्र०—कापड़ ।

ਕਾਂਪਾ कांपा Kāpā पुं०
कम्प (पुं०) कम्पन, कपकपी ।

ਕਾਬ काब् Kāb पुं०
काव्य (नपुं०/पुं०) नपुं०—कवि का कर्म, रसयुक्त कविता । पुं०—शुक्राचार्य ।

ਕਾਂਬਰੀ काँब्री Kābrī स्त्री०
कम्बली / कम्बलिका (स्त्री०) कमली, छोटा कम्बल ।

ਕਾਮ काम् Kām पुं०
कर्मन् (नपुं०) काम, कार्य ।

ਕਾਮਕ कामक् Kāmak पुं०
कामुक (वि०) कामी, अभिलाषी; लम्पट, ऐयाश; प्रेमी ।

ਕਾਮਕੀ काम्की Kāmkī स्त्री०
कामुकी (स्त्री०) वासना रखने वाली, ऐयाश औरत; प्रेमिका ।

ਕਾਮਣਿ काम्णि Kāmṇi स्त्री०
कामिनी (स्त्री०) सुन्दर स्त्री; प्रेम करने वाली स्त्री; औरत ।

ਕਾਮਧੈਨ काम्धैन् Kāmdhain स्त्री०
कामधेनु (स्त्री०) समुद्र-मन्थन से निकली हुई एक गाय जो सब कामनाओं की पूर्ति करने वाली मानी जाती है ।

ਕਾੱਮਾਂ काम्मां Kāmmā पुं०
कार्म (वि०) परिश्रमी, खेत का मजदूर ।

ਕਾਰਸੀ कार्सी Kārsī स्त्री०
द्र०—काहसी ।

ਕਾਰਖਾਪਣ कार्खापण् Kārkhāpaṇ पुं०
कार्षापण (नपुं०) भारत में पुराने समय से चलने वाला एक सिक्का, सोलह कौड़ी या रत्ती ।

ਕਾਰਖਿਕ कार्खिक् Kārkhik पुं०
कार्षिक (नपुं०) कार्षापण, एक पुराना सिक्का ।

ਕਾਰਣੇਯ कार्णेय् Kārṇey वि०
कारणीय (वि०) कराने योग्य ।

ਕਾਰਮੰ कार्मम् Kārmam पुं०
कार्मुक (नपुं०) धनुष, कमान ।

ਕਾਰੀ कारी Kārī पुं०
कारिन् (वि०) कार्य करने वाला, श्रमिक ।

ਕਾਰੰਡ कारण्ड् Kāraṇḍ पुं०
कारण्डव (पुं०) एक प्रकार का हंस या बत्तख ।

ਕਾਲਿਮਾ कालिमा Kālimā स्त्री०
कालिमन् (पुं०) काला, श्यामता ।

ਕਾਲੁਖ कालुख् Kālukh पुं०
द्र०—वलुख ।

ਕਾਲੁਖਤ कालुखत् Kālukhat वि०
कलुषित (वि०) कलङ्कित, दोषी ।

ਕਾਲੇਖਾ कालेखा Kālekhā स्त्री०
कलुषता (स्त्री०) दोष, कालुष्य, कलङ्क ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਾਵਿਤਰੀ कावित्री Kāvitrī स्त्री०
कवयित्री (स्त्री०) कवयित्री, कविता करने वाली स्त्री।

ਕਾਵ काव्व् Kāvv पुं०
काव्य (नपुं०) काव्य, गद्य या पद्यमय रचना।

ਕਾੜਾ काड़ा Kāṛā पुं०
अक्षवाट (पुं०) अखाड़ा, मल्ल-भूमि, रंगमंच, लोगों के एकत्रित होने का स्थान।

ਕਾੜ੍ਹਨਾ काढ़्ना Kāṛhnā सक० क्रि०
क्वथति (भ्वादि सक०) खौलाना, काढ़ा बनाना।

ਕਾੜ੍ਹਾ काढ़ा Kāṛhā पुं०
क्वाथ (पुं०) क्वाथ, काढ़ा।

ਕਿਊਰ किऊर Kiūr पुं०
केयूर (नपुं०, पुं०) भुजबन्ध, बाजूबन्द।

ਕਿਅਹੁ किअहु Kiahu क्रि० वि०
कथम् (अ०) कैसे।

ਕਿਆਸੀ कियासी Kyāsī वि०
एकाशीति (स्त्री०) इक्यासी, 81।

ਕਿਆਰ क्आर् Kyār पुं०
केदार (पुं०) क्यारी, खेत।

ਕਿਆਰਾ क्यारा Kyārā पुं०
केदार (पुं०) खेत, जलमग्न क्यारी।

ਕਿਆੜਾ किआड़ा Kiāṛā पुं०
कृकाट (पुं०) गरदन का जोड़; शिर का पिछला भाग।

ਕਿਸਕਿੰਧ किस्किन्ध् Kiskīndh पुं०
किष्किन्ध (पुं०) मैसूर के आस-पास का देश तथा पर्वत।

ਕਿਸਥੈ किस्थै Kisthai क्रि० वि०
कस्मिन् स्थाने (क्रि० वि० सप्तम्यन्त) किस स्थान पर, किस जगह।

ਕਿਸੁਕ किसुक् Kisuk स्त्री०
कौशिकी (स्त्री०) नदी, दरिया, बिहार प्रान्त की एक नदी।

ਕਿਸੋਦਰਿ किसोद्रि Kisodri स्त्री०
कृशोदरी (स्त्री०) पतली कमर वाली स्त्री।

ਕਿਕਰਿ किक्रि Kikri पुं०
किङ्करात (पुं०) कीकर का वृक्ष, बबूल का पेड़।

ਕਿੱਕੁਰ किक्कुर् Kikkur क्रि० वि०
कथङ्कार (क्रि० वि०) किस प्रकार, कैसे।

ਕਿੰਚਲ किंचल् Kiñcal पुं०
किञ्चिलिक (पुं०) केंचुआ, एक प्रकार का लम्बा कीड़ा।

ਕਿੰਜਲਕ किंज्ल्क् Kiñjalk पुं०
किञ्जल्क (पुं०) कमल का पराग, किसी भी पुष्प का पराग; फूल।

ਕਿਣੀ किणी Kiṇī स्त्री०
कण (पुं०) जल-बिन्दु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕਿੱਤ कित्त् Kitt स्त्री०
कीर्ति (स्त्री०) यश, कीर्ति, प्रसिद्धि ।

ਕਿਦੂਰ किदूर् Kidūr क्रि० वि०
कियद्दूरम् (क्रि० वि०) कितनी दूर ।

ਕਿੱਦਨ किद्दन् Kiddan अ०
कस्मिन् दिने (सप्तम्यन्त) किस दिन, कब ।

ਕਿੰਪੁਰਖ किंपुरख् Kimpurakh पुं०
किंपुरुष (पुं०) निन्दित पुरुष; किन्नर ।

ਕਿਰਖ किरख् Kirakh स्त्री०
कृषि (स्त्री०) कृषि, खेती ।

ਕਿਰਖਾ किर्खा Kirkhā स्त्री०
कर्षण (नपुं०) हल चलाने या जोतने की क्रिया; खींचने की क्रिया ।

ਕਿਰਣ किरण् Kiraṇ स्त्री०
किरण (पुं०) प्रकाश, किरण; धूलि ।

ਕਿਰਪਾਣ किर्पाण् Kirpāṇ पुं०
कृपाण (पुं०) कृपाण, तलवार ।

ਕਿਰਪਾਯੀ किर्पायी Kirpāyī पुं०
कृपावत् (वि०) कृपावान्, कृपा करने वाला ।

ਕਿਰਪੰਤ किर्पन्त् Kirpant अ०
कृपातः (अ०) कृपा से ।

ਕਿਰਯਾ किर्या Kiryā स्त्री०
क्रिया (स्त्री०) क्रिया, कर्म; व्यापार, चेष्टा ।

ਕਿਰਵਾ किर्वा Kirvā पुं०
कृमि (पुं०) कीड़ा, छोटा जीव-जन्तु ।

ਕਿਰਾਖੀ किराखी Kirākhī वि०
कर्षित (वि०) जोता हुआ; खींचा गया ।

ਕਿਰਿੜਣਾ किरिड़्णा Kiriṛṇā अक० क्रि०
किटकिटायते (नामधातु अक०) दाँत आदि को किटकिटाना ।

ਕਿੱਲ किल्ल् Kill पुं०
कीलक (नपुं०) कील, खूँटी, खम्भा, खूंटा ।

ਕਿੱਲਣਾ किल्लणा Killaṇā पुं०
कीलन (नपुं०) रोकने अथवा गाड़ने की क्रिया ।

ਕਿਵੇਲਾ किवेला Kivelā स्त्री०
किंवेला (स्त्री०) कुसमय, असमय ।

ਕਿੱਵੇਂ किव्वें Kivvē अ०
कथम् (अ०) कैसे ।

ਕਿੜਕੜਉਣਾ किड़्कड़उणा Kiṛkaṛauṇā अक० क्रि०
किटकिटायते (नामधातु अक०) क्रोध में बोलना, दाँत पीसना ।

ਕੀਸਾਰ कीसार् Kīsār पुं०
किशारु (पुं०) यव, जौ अथवा धान की लम्बी टूंड़ ।

ਕੀੱਤਾ कीत्ता Kittā सक० क्रि०
कृत (< करोति भ्वादि तनादि) सम्पन्न किया हुआ ।

ਕੀਰਣ कीरण् Kīraṇ वि०
कीर्ण (वि०) खण्डित; बिखरा हुआ, फैला हुआ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੀੱਲਾ कील्ला Killā पुं०
कील > कील्ल (पुं०) लोहे की बड़ी कील, पच्चर; हल की मुठिआ, खूंटा।

ਕੀੱਲੀ कील्ली Killī स्त्री०
कील (पुं०) छोटी कील, किल्ली।

ਕੁਅਰ कुअर् Kuar पुं०
कुमार (पुं०) 5 वर्ष की अवस्था का बालक; राजपुत्र।

ਕੁੰਅਰ कुँअर् Kũar पुं०
द्र०—ਕੁਅਰ।

ਕੁਅਰਿ कुअरि Kuari स्त्री०
कुमारी (स्त्री०) 5 वर्ष की अवस्था तक की लड़की; राजकुमारी, राजपुत्री।

ਕੁਆਰ कुआर् Kuār स्त्री०
कुमारी (स्त्री०) घीकुआर, घृतकुमारी (पौधा)।

ਕੁਆਰਾ कुआरा Kuārā पुं०
कुमार (पुं०) अविवाहित लड़का।

ਕੁਆਰੀ कुआरी Kuārī स्त्री०
द्र०—ਕੁਅਰਿ।

ਕੁਈ कुई Kuī सर्व०
कोऽपि (सर्व० अ०) कोई।

ਕੁਸਟ कुसट् Kusaṭ पुं०
कुष्ठ (पुं०) कोढ़, रोग-विशेष।

ਕੁਸਤੀ कुस्ती Kustī स्त्री०
कुसृति (स्त्री०) इन्द्रजाल; असत्य, झूठ।

ਕੁਸਲਾਤ कुस्लात् Kuslāt स्त्री०
कुशलता (स्त्री०) कुशल का भाव, चतुराई।

ਕੁਸੁੰਭਾ कुसुम्भा Kusumbhā पुं०
कुसुम्भ (पुं०, नपुं०) केसर, एक विशेष फूल जिसका रंग कच्चा होता है।

ਕੁਸੁਮ੍ਹ कुसुम्ह् Kusumh पुं०
द्र०—ਕੁਸੁੰਭਾ।

ਕੁਸੂਰ कुसूर् Kusūr पुं०
कुशपुर (नपुं०) लाहौर जिले का एक नगर।

ਕੁਹਣਾ कुह्णा Kuhṇā सक० क्रि०
कषति (भ्वादि सक०) आघात करना, मारना; थपथपाना।

ਕੁਹੀਰ कुहीर् Kuhīr पुं०
कुहेडी (स्त्री०) कुहरा, धुन्ध, ओस।

ਕੁਹੁਰ कुहुर् Kuhur पुं०
कुहर (पुं०) कुहरा, कुहासा, धुँधलापन।

ਕੁਹੁੜ कुहुड़् Kuhuṛ पुं०
कुष्ठ (पुं०, नपुं०) कुष्ठ, कोढ़।

ਕੁੰਕਮ कुंकम् Kuṅkam पुं०
कुंकुम (नपुं०) केशर।

ਕੁੰਚਰ कुंचर् Kuñcar पुं०
कुञ्जर (पुं०) हाथी, गज।

ਕੁਚਰਜਾ कुचर्जा Kucarjā स्त्री०
कुचर्या (स्त्री०) निन्दित आचार, बदचलनी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੁੱਚ कुच्च् Kucc स्त्री०
कूर्च (पुं०) तूलिका, रँगने वाली कूँची; जुलाहे का ब्रश।

ਕੁੱਚੀ कुच्ची Kucci स्त्री०
द्र०—ਕੁੱਚ।

ਕੁਛਿਤ कुछित् Kuchit वि०
कुत्सित (वि०) निन्दित, खराब।

ਕੁੱਛੀ कुच्छी Kucchī स्त्री०
कुक्षि (पुं०) उदर, पेट, कोख।

ਕੁੰਜ कुंज् Kuñj स्त्री०
कञ्चु > कञ्चुक (पुं०) केंचुली, सर्पचर्म।

ਕੁਟਣਾ कुट्णा Kuṭṇā पुं०
कुट्टन (पुं०) कुटनाई करने वाला, दलाली करने वाला।

ਕੁਟਣੀ कुट्णी Kuṭṇī स्त्री०
कुट्टनी (स्त्री०) कुटनी, कुटनाई करने वाली, दूती।

ਕੁਟਲ कुटल् Kuṭal वि०
कुटिल (वि०) टेढ़ा; कपटी, धूर्त; गुच्छेदार।

ਕੁਠਾਉਂ कुठाउँ Kuṭhāū पुं०
कुस्थान (नपुं०) कुठाँव, खराब स्थान।

ਕੁਠੌਰ कुठौर् Kuṭhaur पुं०
कुस्थान (नपुं०) बुरी जगह; बे-मौका।

ਕੁਥਿਯਾ कुथिया Kuthiyā पुं०
कुतुप (पुं०, नपुं०) कुप्पी, चमड़े की कुप्पी।

ਕੁਨਾਲ कुनाल् Kunāl पुं०
कुण्ड (नपुं०) पानी रखने का कुंडा, मिट्टी का बड़ा मटका।

ਕੁਨਾਲੀ कुनाली Kunālī स्त्री०
द्र०—ਕੁਨਾਲ।

ਕੁਪਾਹ कुपाह् Kupāh स्त्री०
कर्पास (पुं०) कपास का पौधा अथवा रुई।

ਕੁਪਾਹਾ कुपाहा Kupāhā वि०
कार्पास (वि०) कपास या रुई का बना हुआ।

ਕੁਪਾਹੀ कुपाही Kupāhī वि०
कार्पासिक (वि०) कपास-निर्मित।

ਕੁਬਜਾ कुब्जा Kubjā स्त्री०
कुब्जा (स्त्री०) कुब्जा, कुबड़ी।

ਕੁਭਾਰ कुभार् Kubhār पुं०
कुम्भकार (पुं०) कुम्हार, मिट्टी के बर्तन बनाने वाली जाति।

ਕੁਮਹਾਰ कुम्हार् Kumhār पुं०
कुम्भकार (पुं०) कुम्हार, मिट्टी के बर्तन बनाने वाला।

ਕੁਮਹਾਰੀ Kumhārī स्त्री०
कुम्भकारी (स्त्री०) कुम्हारी, कुम्हार की स्त्री।

ਕੁਮ੍ਹਿਆਰ कुम्ह्यार् Kumhyār पुं०
द्र०—ਕੁਮਹਾਰ।

ਕੁਮ੍ਹਿਆਰੀ कुम्ह्यारी Kumhyārī स्त्री०
द्र०—ਕੁਮਹਾਰੀ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੁੱਮਾਂ कुम्मां Kummā स्त्री०
कूर्म (पुं०) कछुआ, कच्छप।

ਕੁੱਮੀ कुम्मी Kummī स्त्री०
कूर्मी (स्त्री०) कच्छपी, मादा कछुआ, कछुवी।

ਕੁਰਮ कुरम् Kuram पुं०
कूर्म (पुं०) कछुआ, कच्छप।

ਕੁਲ कुल् Kul पुं०
कुल (नपुं०) कुल, वंश।

ਕੁਵੀ कुवी Kuvī पुं०
कपोत (पुं०) कबूतर; पंडुक चिड़िया।

ਕੁਵੰਡ कुवण्ड् Kuvaṇḍ पुं०
कोदण्ड (पुं०, नपुं०) धनुष, कमान।

ਕੁੜਕੀ कुड़्की Kuṛkī स्त्री०
कुटकी (स्त्री०) कुड़की, कुर्की, सरकार के द्वारा की जाने वाली जब्ती।

ਕੁੜੱਤ कुड़त्त् Kuṛatt स्त्री०
कटुत्व (नपुं०) कटुता, कड़वापन।

ਕੂਅਟਾ कूअटा Kūaṭā पुं०
कूप (पुं०) कुआँ।

ਕੂਅਣਾ कूअणा Kūaṇā अक० क्रि०
कूजति (भ्वादि अक०) पक्षियों का चहचहाना या शब्द करना।

ਕੂਹਨੀ कूह्नी Kūhnī स्त्री०
कफोणी (स्त्री०) हाथ की कुहनी।

ਕੂਹੁਲ कूहुल् Kūhul स्त्री०
कुल्या (स्त्री०) नाला-नाली।

ਕੂਚ[1] कूच् Kūc पुं०
कूर्च (पुं०, नपुं०) दाढ़ी।

ਕੂਚ[2] कूच् Kūc पुं०
कूर्चिका (स्त्री०) कूँची, तूलिका।

ਕੂਚਣ कूचण् Kūcaṇ स्त्री०
कूर्चिका (स्त्री०) कूँची, तूलिका।

ਕੂਚਣੀ कूच्णी Kūcṇī स्त्री०
द्र०—ਕੂਚਣ।

ਕੂੱਚਾ कूच्चा Kūccā पुं०
कूर्च (पुं०) कूँची, तुलिका; लकड़ियों का गट्ठर।

ਕੂੱਚੀ कूच्ची Kūccī स्त्री०
कूर्चिका (स्त्री०) छोटी कूँची, छोटा ब्रश।

ਕੂੰਡਾ कूंडा Kūṇḍā पुं०
कुण्ड (नपुं, पुं०) भोजन पात्र, पाकपात्र; जलपात्र; दौरा।

ਕੂਣਾ कूणा Kūṇā पुं०
कोण (पुं०) कोना, कोण।

ਕੂਦਣਾ कूद्णा Kūdṇā क्रि०
कूर्दन (नपुं०) कूदने की क्रिया।

ਕੂਮਲ कूमल् Kūmal वि०
कोमल (वि०) कोमल, मुलायम।

ਕੂਲ कूल् Kūl स्त्री०
कुल्या (स्त्री०) बरसाती नदी, नाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੂਲਹ कूल्ह् Kūlh स्त्री०
कुल्या (स्त्री०) छोटी नदी, नहर।

ਕੂਲੜਾ कूल्ड़ा Kūlṛā वि०
द्र०—ਕੂੰਲਾ।

ਕੂਲਾ कूला Kūlā वि०
द्र०—ਕੂੰਲਾ।

ਕੂੰਲਾ कूँला Kūlā वि०
कोमल (वि०) मुलायम, नरम।

ਕੂੜਾ कूड़ा Kūṛā पुं०
कूट (पुं०) छल; असत्य।

ਕੇਉੜਾ केउड़ा Keuṛā पुं०
केतक (पुं०) केउड़ा, केवड़ा, केतक पुष्प।

ਕੇਆਰਾ केआरा Keārā पुं०
केदार (पुं०) क्यारी; क्षेत्र, खेत।

ਕੇਸੋ केसो Keso पुं०
केशव (पुं०) भगवान् श्रीकृष्ण।

ਕੇਹਰ केहर् Kehar पुं०
केसरिन् (पुं०) सिंह, केसरी, व्याघ्र।

ਕੇਹਰਿ केहरि Kehari पुं०
केसरिन् (पुं०) सिंह, व्याघ्र।

ਕੇਹਰੀ केह्री Kehrī पुं०
द्र०—ਕੇਹਰ।

ਕੇਹੁ केहु Kehu अ०
किञ्चित् (अ०) कुछ, थोड़ा।

ਕੇਲਾ केला Kelā पुं०
एकल (वि०) अकेला।

ਕੇੱਲਾ केल्ला Kellā पुं०
द्र०—ਕੇਲਾ।

ਕੈਹਨਾ कैह्ना Kaīhnā अक० क्रि०
कथयति (चुरादि सक०) कहना, बोलना, वर्णन करना।

ਕੈਥ कैथ् Kaith पुं०
कायस्थ (पुं०) कायस्थ, लेखन करने वाली जाति।

ਕੈਰ कैर् Kair पुं०
कापुरुष (पुं०) भीरु, कायर, साहसहीन।

ਕੈਰਉ कैरउ Kairau पुं०
कौरव (पुं०) कुरुवंशी।

ਕੈਵਲ कैवल् Kaīval पुं०
कैवल्य (नपुं०) अलिप्त भाव, परमगति, ब्रह्म के साथ अभेद, मोक्ष।

ਕੋਅੰਡ कोअण्ड् Koaṇḍ पुं०
कोदण्ड (पुं०, नपुं०) धनुष, कमान।

ਕੋਹਣੀ कोह्णी Kohṇī स्त्री०
कफोणि (स्त्री०, पुं०) हाथ की कुहनी।

ਕੋਹਨੀ कोह्नी Kohnī स्त्री०
द्र०—ਕੋਹਣੀ।

ਕੋਖ कोख् Kokh स्त्री०
कुक्षि (स्त्री०) कोख, उदर, पेट।

ਕੋਖੜੀ कोख्ड़ी Kokhṛī स्त्री०
द्र०—ਕੋਖ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੋਠਾ कोठा Koṭhā पुं०
द्र०—ਕੋੱਠਾ ।

ਕੋੱਠਾ कोट्ठा Koṭṭhā पुं०
कोष्ठ (नपुं०) प्रकोष्ठ, अन्नागार ।

ਕੋੱਠੀ कोट्ठी Koṭṭhī स्त्री०
कोष्ठिका / कोष्ठी (स्त्री०) कोठी; अन्नागार; महल ।

ਕੋਣਾ कोणा Koṇā पुं०
कोण (पुं०) कोना, कोण ।

ਕੋਦਕ कोदक् Kodak पुं०
कूर्दक (वि०) खेल करने वाला, कूदने वाला ।

ਕੋਦਲ कोदल् Kadal स्त्री०
द्र०—ਕੁਦਾਲ ।

ਕੋਦਲੀ कोद्ली Kodlī स्त्री०
कुद्दाल (पुं०, नपुं०) कुदाल, फावड़ा, खनित्र ।

ਕੋਦਾ कोदा Kodā पुं०
कोद्रव (पुं०) कोदो, धान्य-विशेष ।

ਕੋਦੋਂ कोदों Kodõ पुं०
द्र०—ਕੋਦਾ ।

ਕੋਦ੍ਰਾ कोद्रा Kodrā पुं०
द्र०—ਕੋਦਾ ।

ਕੋਪਿਆ कोपिया Kopiyā वि०
कुपित (वि०) क्रुद्ध, रुष्ट, कोप किया हुआ ।

ਕੋਯਲ कोयल् Koyal स्त्री०
कोकिल (पुं०) कोयल; नर कोकिल ।

ਕੋਰਿ कोरि Kori स्त्री०
कोटि (स्त्री०) करोड़, करोड़ की संख्या ।

ਕੋੜ੍ਹ कोढ़् Koṛh पुं०
कुष्ठ (पुं०, नपुं०) कोढ़, रोग ।

ਕੋੜ੍ਹਾ कोढ़ा Koṛhā पुं०
कुष्ठिन् (वि०) कोढ़ी, कुष्ठ रोग से ग्रस्त ।

ਕੌਚੀ कौची Kaucī पुं०
कवचिन् (वि०) कवचधारी ।

ਕੌੱਡੀ कौड्डी Kauḍḍī स्त्री०
कपर्दिका (स्त्री०) छोटी कौड़ी ।

ਕੌਰ कौर् Kaur पुं०
कवल (नपुं०) ग्रास, कौर; भोजन ।

ਕੌਲ कौल् Kaul पुं०
कमल (नपुं०) कमल पुष्प ।

ਕੌੜਾ कौड़ा Kauṛā वि०
कटुक (वि०) कड़ुआ, तीक्ष्ण, चरपरा ।

ਕੰਉ कँउ Kãu पुं०
काक (पुं०) काक पक्षी, कौवा, कागला ।

ਕੰਸੇਰਾ कंसेरा Knserā पुं०
कांस्यकार (पुं०) कांसा एवं पीतल का पात्र बनाने एवं बेचने वाला, कंसेरा ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਕੰਹਾਰ कम्हार् Kamhār पुं०
कुम्भकार (पुं०) कुम्भकार, मिट्टी के बर्तन बनाने वाला।

ਕੰਹੇਆਰ कंहेआर् Kamheār पुं०
द्र०—ਕੰਹਾਰ।

ਕੰਗਣ कंगण् Kaṅgaṇ पुं०
कङ्कण (नपुं०) कंगन, कँगना।

ਕੰਗਨ कंगन् Kaṅgan पुं०
कङ्कण (नपुं०) कंगन, कँगना।

ਕੰਚ कंच् Kañc पुं०
काच (पुं०) काच, शीशा।

ਕੰਢਲਾ कण्ढला Kaṇḍhalā पुं०
कण्ठिका (स्त्री०) गले में पहनने का हार; माला।

ਕੰਢਲੀ कण्ढली Kaṇḍhalī स्त्री०
द्र०—ਕੰਢਲਾ।

ਕੰਨ कन्न् Kann पुं०
कर्ण (पुं०) कान।

ਕੰਨਕਾਂ कन्नकाँ Kannkā̃ स्त्री०
कन्या (स्त्री०) कन्या, कुमारी, अविवाहित लड़की।

ਕੰਨ੍ਹਾ कन्न्हा Kannhā पुं०
स्कन्ध (पुं०) कन्धा, भुजाओं का मूल भाग।

ਕੰਮਲ कम्मल् Kammal स्त्री०
कम्बल (पुं०) कम्बल, ऊनी कंबल।

ਕੰਮਲੀ कम्मली Kammlī स्त्री०
द्र०—ਕੰਮਲ।

ਕਯੂੰ क्यूँ Kyū अ०
द्र०—ਕਯੋਂ।

ਕਯੋਂ क्यों Kyō अ०
किमु (अ०) क्यों।

ਕ੍ਰੋੜ क्रोड़् Kroṛ वि०
द्र०—ਕੋਟਿ।

ਖ

ਖਉਲਨਾ खउल्ना Khaulnā अक० क्रि०
क्ष्वेलति (भ्वादि सक०) उबालना; जाना; काँपना; कूदना।

ਖਉ खऊ Khaū पुं०
क्षय (पुं०) विनाश, नाश; रोग-विशेष।

ਖਸਕਨਾ खस्कना Khaskanā अक० क्रि०
स्खलति (भ्वादि अक०) अपने स्थल से हटना, सरकना।

ਖਸ਼ਟ खश्ट् Khaśṭ वि०
षट् (प्रथ० वि०) छह, 6।

ਖਸਟ खसट् Khasaṭ पुं०
षष्ठ (वि०) छठवाँ।

ਖਸ਼ਟਮ खश्टम् Khaśṭam पुं०
षष्ठ (वि०) छठवाँ, षष्ठ, छठा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਖਸ਼ਟਮੀ खश्टमी Khaśṭamī स्त्री०
षष्ठी (स्त्री०) षष्ठी तिथि, छठवीं।

ਖਸਟੀ खस्टी Khasṭī स्त्री०
द्र०—ਖਸ਼ਟਮੀ।

ਖਗਿਸ ख़गिस् Khagis पुं०
खगेश (पुं०) खगेश, गरुड़।

ਖਚਣਾ खच्णा Khacṇā सक० क्रि०
खचयति (चुरादि सक०) जोड़ना, मिलाना, खींचकर बाँधना।

ਖਜੂਰ खजूर् Khajūr स्त्री०
खर्जूर (पुं०/नपुं०) पुं०—खजूर का वृक्ष। नपुं०—खजूर का फल।

ਖਜੂਰਾ खजूरा Khajūrā पुं०
खर्जुकर्ण (पुं०) कनखजूरा, कान में घुसने वाला कीड़ा, गोजर।

ਖੱਜੀ खज्जी Khajjī स्त्री०
द्र०—ਖਜੂਰ।

ਖਟਹ खटह् Khaṭah पुं०
षट्क (पुं०) छः का समुदाय।

ਖਟਪਦ खट्पद् Khaṭpad पुं०
षट्पद (पुं०) छः पैरों वाला, भँवरा।

ਖਟਪਦੀ खट्पदी Khaṭpadī स्त्री०
षट्पदी (स्त्री०) 6 पैरों वाली, भँवरी; जूं; छिपकली।

ਖਟੀਆ खटीया Khaṭīyā स्त्री०
खट्वा (स्त्री०) खटिया, खाट, चारपाई।

ਖੱਟ खट्ट् Khaṭṭ स्त्री०
द्र०—ਖਟੀਆ।

ਖਤਰ खतर् Khatar पुं०
क्षत्र (नपुं०) जो क्षति से बचावे; राज्य शासन।

ਖਤੰਗ खतंग् Khataṅg वि०
क्षताङ्ग (वि०) घायल।

ਖੱਤਰੀ खत्री Khatrī पुं०
क्षत्रिय (पुं०) चतुर्वर्णों में दूसरे वर्ण का पुरुष।

ਖਨਨੀ खन्नी Khannī स्त्री०
खननी (स्त्री०) खोदने का साधन, कुदारी, फावड़ा इत्यादि।

ਖਪਰ खपर् Khapar पुं०
कर्पर (पुं०) खोपड़ी, शिर की हड्डी।

ਖਮਭ खम्भ् Khambh पुं०
स्कम्भ (पुं०) पंख, पक्षियों के पर।

ਖਮਭਾ खम्भा Khambhā पुं०
स्तम्भ/स्कम्भ (पुं०) खम्भा, स्तम्भ।

ਖਰਣਾ खर्णा Kharṇā अक० क्रि०
क्षरति (भ्वादि अक०) टपकना, चूना, बहना; झरना।

ਖਰਨਾ खर्ना Kharnā अक० क्रि०
क्षरति (भ्वादि अक०) बहना; क्षीण होना।

ਖਰੀਦਣਾ खरीद्णा Kharīdṇā सक० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

क्रीणाति (क्र्यादि सक०) खरीदना, मूल्य देकर वस्तु लेना।

ਖਲਵੇੜਾ खल्वेड़ा Khalveṛā पुं०
खलवाट (पुं०) खलिहान।

ਖਲਾਉਣਾ खलाउणा Khalāuṇā प्रेर० क्रि०
खेलयति (भ्वादि प्रेर०) खेलाना।

ਖਲਾਵਣਾ खलावणा Khalāvṇā प्रेर० क्रि०
खादयति (भ्वादि प्रेर०) खिलाना, भोजन कराना।

ਖਲਿਤ खलित् Khalit वि०
स्खलित (वि०) खिसका हुआ, सरका हुआ।

ਖੱਲੜੀ खल्लड़ी Khallaṛī स्त्री०
खल्ल (पुं०) खाल, चमड़ी, चर्म।

ਖੱਲਾ खल्ला Khallā पुं०
खल्ल (पुं०) खाल, चमड़ा, चर्म।

ਖੜਗੀ खड़्गी Khaṛgī पुं०
खड्गिन् (वि०/पुं०) वि०—खड्ग वाला। पुं०—गैंडा।

ਖੜਯਾ खड़्या Khaṛyā पुं०
द्र०—ਖੜੀ।

ਖੜੀ खड़ी Khaṛī स्त्री०
खटिका (स्त्री०) खड़िया, चॉक।

ਖਾ खा Khā आज्ञा सक० क्रि०
खाद (भ्वादि लोट् म० पु०) खाओ, भोजन करो।

ਖਾਉ खाउ Khāu पुं०
खादक (वि०) खाने वाला।

ਖਾਇ खाइ Khāi वर्त० सक० क्रि०
खादति (भ्वादि सक० लट्) खाता है, भोजन करता है।

ਖਾਇਣ खाइण् Khāiṇ पुं०
खादन (नपुं०) खाने की क्रिया; खाना, भोजन।

ਖਾਇਯਾ खाइया Khāiyā पुं०
खादित (वि०) खाया हुआ।

ਖਾਂਸੀ खाँसी Khāsī स्त्री०
कास (पुं०) खाँसी।

ਖਾਜ खाज् Khāj वि०
खाद्य (वि०) खाने योग्य पदार्थ।

ਖਾਡ खाड् Khāḍ स्त्री०
खण्ड (नपुं०) खांड़, गन्ने आदि के रस से निर्मित मधुर पदार्थ, चीनी, सफेद शक्कर।

ਖਾਣੀ खाणी Khāṇī स्त्री०
खानि (स्त्री०) खान; खनिज।

ਖਾੱਤਾ खात्ता Khattā वि०
क्षात्र (वि०) क्षत्रिय संबन्धी; क्षत्रिय का।

ਖਾਦਰ खादर् Khādar पुं०
निखदवर (पुं०) कीचड़, मिट्टी का गारा।

ਖਾਪਕ खापक् Khāpak पुं०
क्षेपक (वि०) फेंकने वाला।

ਖਾਰਣਾ खार्णा Kārṇā प्रेर० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

क्षारयति (भ्वादि प्रेर०) बहाना, द्रवीभूत करना।

ਖਾਵਣ खावण् Khāvaṇ पुं०
द्र०—ਖਾਇਣ।

ਖਾਵਤ खावत् Khāvat सक० क्रि०
द्र०—ਖਾਇ।

ਖਾਵਾ खावा Khāvā वि०/पुं०
खात (वि०/नपुं०) वि०—खोदा हुआ। नपुं०—गड्ढा।

ਖਿਆਹ खिआह् Khiāh पुं०
क्षयाह (पुं०) मृत्यु का दिन।

ਖਿਆਤਾ खिआता Khiātā वि०
ख्यात वि०) विख्यात, प्रसिद्ध।

ਖਿਸਾਨ खिसान् Khisān वि०
खिन्नमनस् (वि०) दुःखीमन वाला।

ਖਿੱਖਰਿ खिक्खरि Khikkhri स्त्री०
खिङ्खरि (स्त्री०) लोमड़ी।

ਖਿਚਰੀ खिच्री Khicrī स्त्री०
कृशरा (स्त्री०) खिचड़ी, चावल और दाल से निर्मित भोजन।

ਖਿੱਚੜ खिच्चड़् Khiccaṛ पुं०
खिच्चा (स्त्री०) खिचड़ी, चावल-दाल, से निर्मित भोजन।

ਖਿੰਥਾ खिन्था Khinthā स्त्री०
कन्था (स्त्री०) गूदड़ी, चिथड़ा।

ਖਿਦਰ खिदर् Khidar वि०
खिदिर (वि०/नपुं०) वि०—दीन, कंगाल। नपुं०—सुस्ती, आलस्य; नींद।

ਖਿੱਦੂ खिद्दू Khiddū पुं०
गेन्दुक (पुं०) गेंद।

ਖਿਨ खिन् Khin पुं०
क्षण (नपुं०)पल, समय का भाग।

ਖਿਨਵਾਰ खिन्वार् Khinvār क्रि० वि०
क्षणमात्र (नपुं०) क्षण भर में, पलमात्र।

ਖਿਪਰ खिपर् Kdipar अ०
क्षिप्रम् (अ०) शीघ्र, तत्काल, जल्दी।

ਖਿਰ खिर् Khir वि०
क्षर (वि०) नश्वर, नाश होने वाला, जंगम, चर।

ਖਿਰਨੀ खिर्णी Khirṇī पुं०
क्षीरिणी (स्त्री०) मौलसरी की जाति का एक दुधार वृक्ष।

ਖਿਰਤ खिरत् Khirat वि०
क्षरित (वि०) पका हुआ; नष्ट; झड़ा हुआ; पतित।

ਖਿਰਨਾ खिर्ना Khirnā अक० क्रि०
क्षरति (भ्वादि अक०) बिखरना; चूना; खिसकना; खिलना।

ਖਿਲਿ खिलि Khili स्त्री०
खिल (पुं०) अनजुती भूमि, बंजर भूमि।

ਖੀਉ खीउ Khīu वि०
क्षीब (वि०) मदमत्त, मतवाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਖੀਸ खीस् Khīs वि०
किष्क (वि०) नष्ट ।

ਖੀਣਾ खीणाँ Khīṇā वि०
क्षीण (वि०) पतला-दुबला, कमजोर; घटा हुआ ।

ਖੁੱਣਾ खुण्णा Khuṇṇā सक० क्रि०
खनति/ते (भ्वादि सक०) खनना, खोदना ।

ਖੁਨਮਨਾ खुन्मना Khunmanā पुं०
खिन्नमनस् (वि०) दुःखी मन वाला, उदास ।

ਖੁੰਭ खुँभ् Khūbh स्त्री०
कुम्भ (पुं०) घड़ा; ताम्र कलश ।

ਖੁਰਚਨਾ खुर्चना Khurcanā पुं०
क्षुरचयन (नपुं०) खुरचने, छीलने, तीखे धार वाले यन्त्र से किसी वस्तु को खुरच कर इकट्ठा करने का भाव ।

ਖੁਲਿਹਾਨ खुल्हान् Khulhān पुं०
खलधान (नपुं०) खलिहान ।

ਖੁੱਲਣਾ खुल्ल्णा Khullṇā सक० क्रि०
खोलति (भ्वादि सक०) खुलना ।

ਖੂੰਡਾ खूण्डा Khūṇḍā पुं०
कुण्ठित (वि०) मुड़ी हुई धार वाला; कुन्द ।

ਖੂਣੀ खूणी Khūṇī स्त्री०
अक्षौहिणी (स्त्री०) अक्षौहिणी सेना, चतुरंगिनी सेना, सेना का एक परिमाण ।

ਖੂਧਾ खूधा Khūdhā पुं०
क्षुधारत (वि०) भूखा ।

ਖੂਨਾ खूना Khūnā स्त्री०
क्षयोना (स्त्री०) न्यूनता, कमी, घाटा ।

ਖੂਲਹੀ खूल्ही Khūlhī वि०
क्षुल्ल (वि०) तुच्छ, नीच ।

ਖੇਤਾਰ खेतार् Khetār पुं०
केदार (पुं०) क्यारी, पानी भरे खेत ।

ਖੇੱਤਰ खेत्तर् Khettar स्त्री०
क्षेत्र (नपुं०) खेत, भूमि ।

ਖੇਤ੍ਰੁ खेत्रु Khetru पुं०
द्र—ਖੇੱਤਰ ।

ਖੇਨੁ खेनु Khenu पुं०
द्र०—ਖਿੱਦੂ ।

ਖੇਲਹਨਾ खेल्ह्ना Khelhnā क्रि०
खेलति (भ्वादि अक०) खेलना, क्रीडा करना ।

ਖੇਵਨ खेवन् Khevan पुं०
क्षेपण (नपुं०) नौका चलाने का भाव ।

ਖੇਵਨਾ खेव्ना Khevnā सक० क्रि०
क्षिपति (तुदादि सक०) खेना, नौका चलाना ।

ਖੈ-ਕਾਲ खै-काल् Khai-kāl पुं०
क्षयकार (वि०) नाश करने वाला, विनाशक ।

ਖੋਹੀ खोही Khohī स्त्री०
क्षुधिका (स्त्री०) भूख, क्षुधा ।

ਖੋੱਟਾ खोट्टा Khoṭṭā पुं०
खोटि (वि०) खोटा, खराब ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਖੋਂਦ खोंद् Khōd पुं०
क्षौद्र (नपुं०) अंगूरी शराब; शहद, मधु।

ਖੋਪਟ खोपट् Khopaṭ स्त्री०
खर्पर (पुं०) खोपड़ी, कपाल।

ਖੋਪਰ खोपर् Khopar पुं०
द्र०—ਖੋਪਟ।

ਖੋਭਣ खोभण् Khobhaṇ पुं०
क्षोभण (नपुं०) क्षुब्ध होने का भाव।

ਖੋੜਸ खोड़स् Khoṛas पुं०
षोडश (वि०) सोलहवाँ।

ਖੰਜੂਰ खँजुर् Khājur स्त्री०
द्र०—ਖਜੂਰ।

ਖੰਡਹਰ खण्ड्हर् Khaṇd-har पुं०
खण्डघर (पुं०) खँड़हर, खण्डहर, टूटा घर।

ਗ

ਗਉ गउ Gau पुं०
गमन (नपुं०) जाना, जाने का भाव।

ਗਉਹਰ गउहर् Gauhar वि०/पुं०
गह्वर (वि० / नपुं०) वि०—गहरा, घना।
नपुं०—गुफा, कन्दरा।

ਗਉਣ गउण् Gauṇ पुं०
द्र०—ਗਉ।

ਗਉਨ गउन् Gaun पुं०
गमन (नपुं०) गमन, जाने का भाव।

ਗਉਰਾ गउरा Gaurā पुं०
गौर (वि०) गोरा, गौर वर्ण का।

ਗਇ गइ Gai पुं०
गज (पुं०) हाथी।

ਗਹਣ[1] गहण् Gahaṇ पुं०
ग्रहण (नपुं०) लेने का भाव; विषय का ज्ञान।

ਗਹਣ[2] गहण् Gahaṇ वि०
गहन (वि०) कठिन, मुश्किल; घना; गंभीर।

ਗਹਬਰ गह्बर् Gahbar वि०
द्र०—ਗਉਹਰ।

ਗਹਾ गहा Gahā वि०
गृहीत (वि०) ग्रहण किया हुआ, स्वीकृत।

ਗਹਿਣ गहिण् Gahiṇ पुं०
द्र०—ਗਰਿਹਣ।

ਗਹਿਣਾ गहिणा Gahiṇā पुं०
ग्रहण (नपुं०) गहना, आभूषण।

ਗਹਿਬਰ गहिबर् Gahibar वि०
गह्वर (वि०) गहरा; घना।

ਗਹੀ गही Gahī वि०
गृहीत (वि०) ग्रहण किया हुआ, स्वीकृत।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਹੀਰ गहीर् Gahīr वि०
गभीर (वि०) गहरा; अथाह ।

ਗਹੀਲਾ गहीला Gahīlā पुं०
गृहयालु (वि०) ग्रहण करने वाला, धारक ।

ਗਹੈ गहै Gahai वर्त० सक० क्रि०
गृह्णाति (क्र्यादि सक० लट्) ग्रहण करता है ।

ਗੱਕਰ गक्कर् Gakkar पुं०
केकय (पुं०) कश्मीर देश में कक्का परगना के निवासी अथवा राजा ।

ਗਗਰਾ गग्रा Gagrā पुं०
गर्गर (पुं०) गगरा; कलश, घड़ा ।

ਗਗਰੀ गग्री Gagrī स्त्री०
द्र०—ਗਗਰਾ ।

ਗੱਗਰ गग्गर् Gaggar पुं०
गर्गरी (स्त्री०) गागर, गगरी ।

ਗਜਣਾ गज्णा Gajṇā अक० क्रि०
गर्जति (भ्वादि अक०) गर्जन करना, जोर का शब्द करना ।

ਗਜਨੀ गज्नी Gajnī स्त्री०
गजा (स्त्री०) मादा हाथी, हथिनी ।

ਗਜਿਯਾ गजिया Gajiyā वि०
गर्जित (वि०) गर्जन किया हुआ, गरजा हुआ ।

ਗੱਜਣਾ गज्जना Gajjanā अक० क्रि०
गर्जति (भ्वादि अक०) गरजना, गुर्राना ।

ਗਠ गठ् Gaṭh पुं०
ग्रन्थि (स्त्री०) गाँठ, जोड़ ।

ਗਠਜੋੜਾ गठ्जोड़ा Gaṭhjoṛā पुं०
ग्रन्थियोग (पुं०) गठ-बन्धन ।

ਗਠਾ गठा Gaṭhā पुं०
ग्रन्थिका (स्त्री०) प्याज, सब्जी-विशेष ।

ਗੱਠਣਾ गट्ठना Gaṭṭhanā सक० क्रि०
ग्रथ्नाति (क्र्यादि सक०) जोड़ना, बाँधना ।

ਗਡਸ गडस् Gaḍas पुं०
गण्डूष (पुं०) कुल्ला, गरारा, घूँट ।

ਗਡੀਰ गडीर् Gaḍīr पुं०
गाण्डीव (नपुं०) धनुष; धनुष-विशेष ।

ਗਢ गढ् Gaḍh पुं०
गर्त (नपुं०) गड्ढा, खाई, खन्दक ।

ਗਢਾਂ गढां Gaḍhā̃ पुं०
गर्दभ (पुं०) गदहा, गधा ।

ਗੱਢ गड्ढ Gaḍḍh पुं०
ग्रन्थि (स्त्री०) गाँठ, जोड़ ।

ਗਣਤ गणत् Gaṇat पुं०
गणित (नपुं०) गणित, हिसाब ।

ਗਣਾ गणा Gaṇā वि०
गण्य (वि०) गिनने योग्य; स्मरणीय ।

ਗਦਹਾ गद्हा Gadhā पुं०
गर्दभ (पुं०) गदहा, गधा ।

ਗਦਹੀ गद्ही Gadhī स्त्री०
गर्दभी (स्त्री०) गदही, गधी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਦਹੁ गद्हु Gadhu पुं०
द्र०—ਗਦਹਾ ।

ਗੱਦਾਂ गद्दां Gaddẽ पुं०
द्र०—ਗਦਹਾ ।

ਗਨਕਾ गन्का Gankā स्त्री०
गणिका (स्त्री०) वेश्या ।

ਗਨੀਬ गनीब् Ganīb वि०
गणनीय (वि०) गिनने योग्य; स्मरणीय, प्रतिष्ठित ।

ਗਬੁ गबु Gabu पुं०
गर्व (पुं०) अभिमान, अहंकार, घमंड ।

ਗੱਬਰੁ गब्ब्रु Gabbru पुं०
गर्भरूप (पुं०) युवक, जवान; पति ।

ਗੱਭਰੂ गब्भ्रू Gabbhrū पुं०
द्र०—ਗੱਬਰੁ ।

ਗੱਭੀਰ गब्भीर् Gabbhīr वि०
गम्भीर (वि०) गम्भीर; गहरा, अथाह ।

ਗਮਣ गमण् Gamaṇ पुं०
गमन (नपुं०) गमन; सम्भोग ।

ਗਯਉ गयउ Gayau वि०
गत (वि०) दूर हुआ; गया हुआ ।

ਗਯਾਤਿ गयाति Gayāti स्त्री०
ज्ञाति (स्त्री०) गोतिया, भाई-बन्धु, पट्टीदार ।

ਗਰ गर् Gar पुं०
गल (पुं०) गला, कण्ठ ।

ਗਰਹ गरह् Garah पुं०
ग्रह (पुं०) ग्रह, नव ग्रह ।

ਗਰਹਿਣ गर्हिण् Garhiṇ पुं०
ग्रहण (नपुं०) ग्रहण, धारण, पकड़ ।

ਗਰਹੁ गर्हु Garhu पुं०
द्र०—ਗਰਹ ।

ਗਰਠਾ गर्ठा Garṭhā पुं०
ग्रथित (वि०) गूँथा हुआ; दबाया हुआ ।

ਗਰਧਪ गर्धप् Gardhap पुं०
गर्दभ (पुं०) गदहा, गधा ।

ਗਰਨਾ गर्ना Garnā सक० क्रि०
गिरति (तुदादि सक०) निगलना, खाना ।

ਗਰਬਸਿ गर्बसि Garbasi वर्त० सक० क्रि०
गर्वति (भ्वादि अक०) गर्व करता है ।

ਗਰਬਹਿ गर्बहि Garbahi सक० क्रि०
द्र०—ਗਰਬਸਿ ।

ਗਰਭਾਸ गर्भास् Garbhās पुं०
गर्भाशय (पुं०) गर्भाशय, बच्चादानी ।

ਗਰਭਾਸ਼ਾ गर्भाशा Garbhāśā पुं०
द्र०—ਗਰਭਾਸ ।

ਗਰਭਾਸਿ गर्भासि Garbhāsi पुं० अधिकरण
गर्भाशये (पुं० सप्त०) गर्भाशय में, गर्भ के बीच ।

ਗਰਮਿਤਾ गर्मिता Garmitā स्त्री०
गरिमन् (पुं०) गरिमा, गुरुत्व, भारीपन; एक सिद्धि ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਰੜ गरड़ Garaṛ पुं०
गरुड (पुं०) गरुड़ पक्षी ।

ਗਰਾ गरा Garā पुं०
द्र०—गर ।

ਗਰਾਹ गराह् Garāh पुं०
ग्रास (पुं०) मुँह भर, ग्रास, कवल, कौर ।

ਗਰਾਹੀ ग्राही Grāhī स्त्री०
द्र० · गराह ।

ਗਰਾਮ ग्राम् Grām पुं०
ग्राम (पुं०) गाँव ।

ਗਰਾਮਨੋ गरामनो Garāmno पुं०
गामिन् (वि०) जाने वाला ।

ਗਰਾਵ गराव् Garāv पुं०
द्र०—गराम ।

ਗਰਾਂਵ गराँव् Garāv पुं०
ग्राम (पुं०) गाँव, ग्राम ।

ਗਰਿਸਤ गरिसत् Garisat पुं०
ग्रस्त (वि०) ग्रस्त; अधीन, वशीभूत; निगला हुआ ।

ਗਰਿਸਥ गरिसथ् Garisath पुं०
द्र०—गरिसत ।

ਗਰਿਸਥੀ गरिस्थी Garisthī पुं०
गार्हस्थ्य (नपुं०) गृहस्थी ।

ਗਰੀਸ਼ਟ गरीषट् Garīṣaṭ वि०
गरीष्ठ (वि०) भारी, वजनदार; जो सुपाच्य न हो ।

ਗਰੀਵ गरीव् Garīv वि०
गरीयस् (वि०) महान्, श्रेष्ठ; भारी ।

ਗਰੁਤਮੰਤ गरुत्मन्त् Garutmant पुं०
गरुत्वत् (वि०) पंख वाला पक्षी; गरुड़ ।

ਗਰੁਵ गरुव् Garuv वि०
गौरव (वि०) भारी, महान् ।

ਗਰੁੜਦੁਗਾਰ गरुड़्दुगार् Garuṛ-dugār पुं०
गरुडोद्गार (पुं०) सर्प का विष दूर करने वाली एक बूटी ।

ਗਰੁੜਾ गरुड़ा Garuṛā पुं०
गारित्र (नपुं०) भात, सिद्ध-चावल; चावल ।

ਗਰੂ गरू Garū वि०
द्र०—गरुव ।

ਗਲਤ गलत् Galat वि०
गलित (वि०) गला हुआ, सड़ा हुआ; पतित ।

ਗਲਾ गला Galā पुं०
द्र०—गर ।

ਗਲਾਹ गलाह् Galāh पुं०
ग्लाह (पुं०) दाँव पर रखी वस्तु ।

ਗਲਾਨਿ गलानि Galāni स्त्री०
ग्लानि (स्त्री०) घृणा, नफरत ।

ਗਲਾਵਾਣ गलावाण् Galāvāṇ पुं०
गलदामन् (नपुं०) गले की रस्सी; कालर ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਲਿਤ-ਕੁਸਟ गलित्-कुसट् Galit-Kusaṭ पुं०
गलितकुष्ठ (पुं०) वह कोढ़ जिसमें अंगों से खून आदि टपकता है, वह अंग झड़ जाता है।

ਗਲੂ गलू Galū पुं०
गल (पुं०) गला।

ਗਵ गव् Gav पुं०
गो (पुं०) बैल, साँड़।

ਗਵਰਾਜ गव्राज् Gavrāj पुं०
गोराज (पुं०) साँड़; श्रेष्ठ बैल।

ਗਵਾਸਿ गवासि Gavāsi भवि० सक० क्रि०
गास्यति (भ्वादि सक० लृट्) गायन करेगा।

ਗਵਾਸੀ गवासी Gavāsī भवि० प्रेर० क्रि०
गमयिष्यति (भ्वादि प्रेर० लृट्) गमन करावेगा, भेजेगा।

ਗਵਾਲ गवाल् Gavāl पुं०
गोपाल (पुं०) ग्वाल, ग्वाला।

ਗਵੇ गवे Gave विधि सक० क्रि०
गच्छेत् (भ्वादि सक० विधिलिङ्) जावे, जाना चाहिये।

ਗੜਤ गड़त् Gaṛat वि०
घटित (वि०) गढ़ा हुआ; रचित।

ਗੜਨ गड़न् Gaṛan पुं०
घटन (नपुं०) गढ़ने का भाव।

ਗੜਿਯਾ गड़िया Gaṛiyā वि०
द्र०—ਗੜਤ।

ਗਾ गा Gā वि०
गत (वि०) गया।

ਗਾਂ गाँ Gā̃ स्त्री०
गो (स्त्री०) गाय।

ਗਾਉਣਾ गाउणा Gāuṇā सक० क्रि०
गायति (भ्वादि सक०) गाना, गायन करना।

ਗਾਇਨ गाइण् Gāiṇ पुं०
गान (नपुं०) गायन, गीत।

ਗਾਸਿ गासि Gāsi भवि० सक० क्रि०
गास्यति (भ्वादि सक० लृट्) गायेगा, गायन करेगा।

ਗਾਹਰਾ गाह्रा Gāhrā वि०
गह्वर (वि०) गहरा, गड्ढा, घना।

ਗਾਢੜਾ गाह्ड़ा Gāḥṛā पुं०
गाढ (वि०) गाढ़ा, सघन।

ਗਾਹਾ गाहा Gāhā स्त्री०
गाथा (वि०) कथा, कहानी; एक छन्द।

ਗਾਖਣ गाखण् Gākhaṇ पुं०
गवेषणा (स्त्री०) खोज, तलाश।

ਗਾਖਣਾ गाखणा Gākhṇā सक० क्रि०
गवेषयति / ते (चुरादि सक०) ढूँढना, खोजना, प्रयत्न करना।

ਗਾਂਗਣਾ गाँग्ना Gāṅgnā पुं०
कङ्कण (नपुं०) कंगना, कंगन।

ਗਾਂਗੇਵ गांगेव् Gāṅgev वि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

गाङ्गेय (वि० / पुं०) वि०—गंगा से संबन्धित, गंगा का। पुं०—भीष्म पितामह।

गाॅगर गाग्गर् Gāggar स्त्री०
गर्गर (पुं०) गागर, घड़ा।

गाघिर गाघिर् Gāghir स्त्री०
द्र०—गाॅगर।

गाॅजर गाज्जर् Gājjar स्त्री०
गार्जर (पुं०) गाजर, कन्द।

गांठ गाँठ् Gāṭh स्त्री०
ग्रन्थिका (स्त्री०) गाँठ; गठरी, पोटली।

गांठची गाँठ्ची Gāṭhcī स्त्री०
ग्रन्थि (स्त्री०) गठरी, ग्रन्थि।

गांठना गाँठ्ना Gāṭhnā सक० क्रि०
ग्रन्थयति (चुरादि सक०) गाँठ बाँधना, ग्रन्थन करना।

गांठली गाँठ्ली Gāṭhlī स्त्री०
द्र०—गांठची।

गाड गाड् Gāḍ वि०
गाढ (वि०) अधिक, बहुत; गाढ़ा।

गाडर गाडर् Gāḍar स्त्री०
गड्डुरी (स्त्री०) भेड़।

गांडा गाँडा Gāḍā पुं०
गुडदण्ड (पुं०, नपुं०) गन्ना, ईख।

गाडी गाडी Gāḍī स्त्री०
गन्त्री (स्त्री०) गाड़ी, रेलगाड़ी।

गांढना गाँढ्ना Gāḍhnā सक० क्रि०
द्र०—गांठना।

गाढा गाढा Gāḍhā पुं०
गाढ (वि०) गाढ़ा, घना, पक्का।

गात गात् Gāt स्त्री०
गात्र (नपुं०) देह, शरीर, अंग।

गाती गाती Gātī स्त्री०
गति (स्त्री०) गति, चाल।

गात्री गात्री Gātrī स्त्री०
गायत्री (स्त्री०) गायत्री देवी या मन्त्र।

गान गान् Gān पुं०
ज्ञान (नपुं०) ज्ञान; विवेक।

गारी गारी Gārī स्त्री०
गालि/गाली (स्त्री०) गाली, अपशब्द।

गाल[1] गाल् Gāl पुं०
गल्ल (पुं०) गाल, कपोल।

गाल[2] गाल् Gāl स्त्री०
गालि (स्त्री०) गाली, अपशब्द।

गालह गाल्ह् Gālh पुं०
द्र०—गाल[1]।

गालना गाल्ना Gālnā सक० क्रि०
गालयति (भ्वादि प्रेर०) गलाना, पिघलाना।

गाली गाली Gālī स्त्री०
गाली (स्त्री०) गाली, अपशब्द।

गाॅली गाल्ली Gāllī स्त्री०
द्र०—गाल[2]।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗਾਵਹੀ गाव्ही Gāvhī वर्त० सक० क्रि०
गायति (भ्वादि सक० लट्) गाता है, गान करता है।

ਗਾਵਰਾ गाव्रा Gāvrā पुं०
ग्राम (पुं०) गाँव।

ਗਾੜਾ गाड़ा Gāṛā वि०
द्र०—गाढ़ा।

ਗਿਆਸ गिआस् Giās स्त्री०
एकादशी (स्त्री०) चन्द्रमा की ग्यारहवीं तिथि, एकादशी तिथि।

ਗਿਆਤੀ ग्याती Gyātī स्त्री०
ज्ञाति (स्त्री०) अपने गोत्र में उत्पन्न, भाई-बन्धु, पट्टीदार, गोतिया।

ਗਿਆਨੀ गिआनी Giānī वि०
ज्ञानिन् (वि०) ज्ञानी, ज्ञानवान्।

ਗਿਆਰਹ गिआरह् Giārah वि०
एकादशन् (वि०) ग्यारह, 11 संख्या से से युक्त वस्तु।

ਗਿੱਠੀ गिट्ठी Giṭṭhī स्त्री०
अग्निष्ठ (पुं०) अँगीठी।

ਗਿੰਦ गिन्द् Gind स्त्री०
कन्दुक (नपुं०) गेंद, खिद्दो।

ਗਿਰਸਤ गिर्सत् Girsat पुं०
ग्रस्त (वि०) खाया हुआ, निगला हुआ; अधीन, वशीभूत।

ਗਿਰਸਤੀ गिर्सती Girsatī स्त्री०
द्र०—गरिसघी।

ਗਿਰਹ गिरह् Girah पुं०
गृह (नपुं०) गृह, घर।

ਗਿਰਾਂ गिराँ Girā̃ पुं०
ग्राम (पुं०) गाँव।

ਗਿਰਾਹ गिराह् Girāh पुं०
ग्रास (पुं०) मुँह भर, कवल, ग्रास।

ਗਿਰਿਸਣਾ गिरिस्णा Girisṇā सक० क्रि०
ग्रसते (भ्वादि सक०) ग्रसना, निगलना; खाना।

ਗਿਲਹਟ गिल्हट् Gilhaṭ पुं०
गड्ड (पुं०) गिलट, कूबड़।

ਗਿਲਹਟਾ गिल्हटा Gilhaṭā पुं०
द्र०—गिलहट।

ਗਿਲਹਟੀ गिल्हटी Gilhaṭī स्त्री०
द्र०—गिलहट।

ਗਿੜਵੜ गिड़्वड़् Giṛvaṛ पुं०
गिरिवर (पुं०) श्रेष्ठ पर्वत, गिरिवर।

ਗੀਅ गीअ Gia वि०
गेय (वि०) गाने योग्य।

ਗੀਹਨਿ गीह्नि Gihni स्त्री०
गृहिणी (स्त्री०) घरवाली, पत्नी।

ਗੀਰਬਾਣ गीरबाण् Girbāṇ पुं०
गीर्वाण (पुं०) देवता, देव।

ਗੁਆਂਢ गुआँढ् Guā̃ḍh पुं०
ग्रामार्द्ध (नपुं०) पड़ोस, सामीप्य।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗੁਹਟਾ गुह्टा Guhṭā पुं०
गोविष्ठा (स्त्री०) गोबर, उपले; पाथी।

ਗੁਹਨ गुहन् Guhan पुं०
गुम्फन (नपुं०) गूँथने का भाव।

ਗੁਹਨਾ गुह्ना Guhnā सक० क्रि०
गुम्फति (तुदादि सक०) गूँथना।

ਗੁਹਾ गुहा Guhā पुं०
गोशकृत् (नपुं०) गोबर, गोमय।

ਗੁੱਗੁਲ गुग्गुल् Guggul पुं०
गुग्गुल / गुग्गुलु (पुं०) गुग्गल, सुगन्धित पदार्थ-विशेष।

ਗੁੰਜਤ गुंजत् Guñjat वि०
गुञ्जित (वि०) गुंजन से युक्त।

ਗੁੱਜਰੀ गुज्जरी Gujjarī स्त्री०
गुर्जरी (स्त्री०) गूजरी, गूजर जाति की स्त्री।

ਗੁਝਾਉਣਾ गुझाउणा Gujhāuṇā सक० क्रि०
गोफयति (तुदादि प्रेर०) गूँथना; मिलाना, सानना।

ਗੁੱਝਾ गुज्झा Gujjhā वि०
गुह्य (वि०) गुप्त, छिपा हुआ।

ਗੁਠਾਉਣਾ गुठाउणा Guṭhāuṇā सक० क्रि०
ग्रन्थयति (चुरादि सक०) गुँथाना; बँटवाना।

ਗੁੱਠਣਾ गुट्ठ्णा Guṭṭhṇā सक० क्रि०
ग्रन्थते (भ्वादि सक०) गूँथना, गूँधना।

ਗੁਣਗ गुणग् Guṇag पुं०
गुणज्ञ (वि०) गुण को जानने वाला, गुणी।

ਗੁਣਮਾਨ गुण्मान् Guṇmān पुं०
गुणवान् (पुं० प्रथमान्त) गुणवान्, गुणी।

ਗੁਣੀਤਾ गुणीता Guṇītā वि०
गुणित (वि०) गुणा किया हुआ।

ਗੁਥਣਾ गुथ्णा Guṭhṇā सक० क्रि०
ग्रन्थते (भ्वादि सक०) गूँथना।

ਗੁਨ गुन् Gun पुं०
गुण (पुं०) उत्तम विचार; शील, सद्वृत्ति; उपकार।

ਗੁਪਾਲਕ गुपालक Gupālak पुं०
गोपालक (वि०) ग्वाला, गायों का पालन करने वाला।

ਗੁਪੀਆ गुपीआ Gupīā स्त्री०
गोपी (स्त्री०) गोप की स्त्री।

ਗੁਬਰੀ गुब्री Gubrī पुं०
गर्विल (वि०) गर्वीला, घमण्डी।

ਗੁੰਫਿਆ गुंफिआ Gumphiā वि०
द्र०—ਗੁਮਫਤ।

ਗੁਬਾਰਾ गुबारा Gubārā वि०
द्र०—ਗੁਮਾਂਢ।

ਗੁਮਫਤ गुम्फत् Gumphat वि०
गुम्फित (वि०) गुँथा हुआ; उलझा हुआ।

ਗੁਮਰੁਠ गुम्रुठ् Gumruṭh पुं०
रुष्ट (वि०) रुष्ट, रूठा हुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗੁੱਮ गुम्म् Gumm वि०
लुम्बित (वि०) खोई हुई, खोया हुआ।

ਗੱਮ੍ਹਾ गुम्हा Gummhā पुं०
गुल्म (पुं०) गूमड़ा; घाव; सूजन।

ਗੁਰਗਮ गुर्गम् Gurgam पुं०
गुरुगम (पुं०) गुरु का मार्ग।

ਗੁਰਚਰਣ गुर्चरण् Gurcaraṇ पुं०
गुरुचरण (पुं०) गुरु के चरण।

ਗੁਰਦਕਸ਼ਨਾ गुर्दक्शना Gurdakśanā स्त्री०
गुरुदक्षिणा (स्त्री०) गुरुदक्षिणा, गुरु के लिये उपहार।

ਗੁਰਦੇਉ गुर्देउ Gurdeu पुं०
गुरुदेव (पुं०) गुरुदेव, पूज्य गुरु।

ਗੁਰਪਗ गुर्पग् Gurpag पुं०
गुरुपद (नपुं०) गुरु के पैर, गुरु के चरण।

ਗੁਰਵਾਰ गुर्वार् Gurvār पुं०
गुरुवार (नपुं०) गुरुवार, बृहस्पतिवार।

ਗੁਲਹਰ गुल्हर् Gulhar पुं०
उदुम्बर (पुं० / नपुं०) पुं०—गूलर का वृक्ष। नपुं०—गूलर का फल।

ਗੁਲਕ गुलक् Gulak पुं०
गोलक (पुं०) गुल्लक जिसमें पैसा जमा किये जाते हैं, पैसे की पेटी।

ਗੁਲਫ गुलफ् Gulaph पुं०
गुल्फ (पुं०) एड़ी के ऊपर की गाँठ, टखना।

ਗੁਲਬੰਧ गुल्बन्ध् Gulbandh पुं०
गलबन्ध (पुं०) गुलबन्द।

ਗੁਲਾਰ गुलार् Gulār पुं०
गुलाल (नपुं०) गुलाल, अबीर।

ਗੁਲੋਚਣ गुलोचण् Gulocaṇ पुं०
गोरोचन (नपुं०) गोरोचन एक सुगंधित पदार्थ जिसकी उत्पत्ति गाय के पित्त से मानी जाती है।

ਗੁਲ੍ਹੜ गुल्हड़् Gulhaṛ पुं०
द्र०—ਗੁਲਹਰ।

ਗੁੜੂਚੀ गुड़ूची Guṛūcī स्त्री०
गुडूची (स्त्री०) गिलोय, अमृता, ज्वरारि।

ਗੂਜਰ गूजर् Gūjar पुं०
गुर्जर (पुं०) ग्वालों की एक जाति, गूजरी।

ਗੂਜਰੀ गूज्री Gūjrī स्त्री०
गुर्जरी (स्त्री०) ग्वालिन, अहिर की स्त्री।

ਗੇਂ गें Gē स्त्री०
गति (स्त्री०) चाल, गति।

ਗੇਆ गेआ Geā पुं०
गत (वि०) गया हुआ।

ਗੇਹਣਿ गेह्णि Gehṇi स्त्री०
गेहिनी (स्त्री०) गृहणी, घरवाली, स्त्री, पत्नी।

ਗੈਹਣ¹ गैह्ण् Gaihṇ वि०
गहन (वि०) गहरा, गहन, गभीर।

ਗੈਹਣ² गैह्ण् Gaihṇ पुं०
द्र०—ਗਰਹਿਣ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗੈਣ गैण Gaiṇ पुं०
गमन (नपुं०) गमन, गति ।

ਗੈਂਤ੍ਰੀ गैंत्री Gāitrī स्त्री०
खनित्री (स्त्री०) गैंती, कठिन भूमि खोदने का पतले मुँह का फावड़ा-विशेष ।

ਗੈਨ गैन् Gain पुं०
द्र०—गैण ।

ਗੈਯਰ गैयर् Gaiyar पुं०
गजवर (पुं०) उत्तम हाथी ।

ਗੈਵਰ गैवर् Gaivar पुं०
द्र०—गैयर ।

ਗੋ गो Go स्त्री०
गोधा (स्त्री०) गोह, एक विषैला जन्तु ।

ਗੋਆਲਾ गोआला Goālā पुं०
द्र०—गुपालव ।

ਗੋਇਰਾ गोइरा Goirā पुं०
गौर (वि०) गोरा, गौर वर्ण वाला ।

ਗੋਏਰਾ गोएरा Goerā पुं०
द्र०—गोइरा ।

ਗੋਸਈਆਂ गोसइयाँ Gosaiā̃ पुं०
गोस्वामिन् (वि० / पुं०) वि०—गायों का मालिक । पुं०—गोस्वामी या गुसाईं एक जाति ।

ਗੋਸਟ गोसट् Gosaṭ स्त्री०
गोष्ठी (स्त्री०) सभा, विद्वत्-समुदाय; सामूहिक वार्तालाप ।

ਗੋਸ਼ਟਿ गोशटि Goṣṭi स्त्री०
द्र०—गोसट ।

ਗੋਹਟਾ गोह्टा Gohṭā पुं०
द्र०—गुहटा ।

ਗੋਗਰਾਸ गोग्रास् Gograās पुं०
गोग्रास (पुं०) गोग्रास, गाय के लिये निकाला गया भोजन ।

ਗੋਘਨ गोघन् Goghan पुं०
गोघ्न (वि०) गौ मारने वाला; जिसके निमित्त गाय मारी जाय ऐसा अतिथि ।

ਗੋਦ गोद् God स्त्री०
क्रोड (पुं०) गोद ।

ਗੋਧਯਮ गोध्यम् Godhyam वि०
गौधेय (वि०) गोह के चमड़े से निर्मित दस्ताना इत्यादि ।

ਗੋਪਆ गोप्आ Gopā स्त्री०
गोपी/गोपिका (स्त्री०) गोपी, ग्वालिन ।

ਗੋਪਤਾ[1] गोप्ता Goptā पुं०
गोप्तृ (वि०) रक्षक, रक्षा करने वाला ।

ਗੋਪਤਾ[2] गोप्ता Goptā पुं०
गोपति (पुं०) ग्वाला; गोप ।

ਗੋਪਨੀ-ਪ੍ਰੇਮ गोप्नी-प्रेम् Gopnī-Prem पुं०
गोपनीय प्रेमन् (नपुं०) गोपनीय प्रेम ।

ਗੋਰੀ गोरी Gorī स्त्री०
गोली (स्त्री०) गोली ।

ਗੋਲਾ गोला Golā पुं०
गोलक (पुं०) राजाओं से दासियों में उत्पन्न पुत्र ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਗੌ गौ Gau स्त्री०
गो (स्त्री०) गाय।

ਗੰਨ੍ਹ गन्ह् Gannh स्त्री०
गन्ध (पुं०) सुगन्ध, मँहक।

ਗੰਭੀਰਤਾਈ गम्भीर्ताई Gambhīrtāī स्त्री०
गम्भीरता (स्त्री०) गम्भीरता, गहनता, गहराई।

ਗ੍ਰਹ ग्रह् Grah पुं०
ग्रह (पुं०) ग्रह, नक्षत्र।

ਗ੍ਰਭ ग्रभ् Grabh पुं०
गर्भ (पुं०) गर्भ; उदर।

ਗ੍ਰਾਂ ग्राँ Grā पुं०
ग्राम (पुं०) गाँव।

ਗ੍ਰਾਹ ग्राह् Grāh पुं०
ग्रास (पुं०) मुँह भर, कवल, कौर।

ਘ

ਘਸਨ घसन् Ghasan पुं०
घर्षण (नपुं०) घिसने का भाव।

ਘਸੀਟਨਾ घसीट्ना Ghasīṭnā सक० क्रि०
घर्षति (भ्वादि सक०) घसीटना; घीसना।

ਘਸੌਟੀ घसौटी Ghasauṭī स्त्री०
कषपट्टी (स्त्री०) कसौटी, पत्थर जिसपर घिसकर सोने की परख होती है।

ਘਹਿਣਾ घहिणा Ghahiṇā सक० क्रि०
गृह्णाति (क्र्यादि सक०) पकड़ना; स्वीकार करना।

ਘਗਰਾ घग्रा Ghagrā पुं०
घर्घरा, घर्घरी (स्त्री०) घाघरा (पहनने का), अधिक घेरे वाला वस्त्र जो प्रायः राजस्थानी औरतें पहनती हैं।

ਘੱਗਰ घग्गर् Ghaggar स्त्री०
दृषद्वती (स्त्री०) पंजाब की एक नदी।

ਘੱਠਾ घट्ठा Ghaṭṭhā पुं०
घृष्ट (नपुं०) घट्ठा, चिह्न।

ਘਨਛਤ घन्छत् Ghanchat वि०
घनाच्छन्न (वि०) मेघाच्छन्न, मेघ से युक्त।

ਘਮਾਰ घमार् Ghamār पुं०
कुम्भकार (पुं०) कुम्हार, मिट्टी के पात्र बनाने वाली एक जाति।

ਘਮਿਆਰ घमिआर् Ghamiār पुं०
द्र०—ਘਮਾਰ।

ਘਮਿਆਰੀ घमिआरी Ghamiārī स्त्री०
द्र०—ਘੁਮਾਰੀ।

ਘਰਣੀ घर्णी Gharṇī स्त्री०
गृहणी (स्त्री०) भार्या, पत्नी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਘਰਮ घरम् Gharam पुं०
घर्म (पुं०) घाम, धूप; पसीना; गर्मी का मौसम।

ਘਰੁ घरु Gharu पुं०
घर (पुं०) घर, मकान, आवास।

ਘੜਾਵੰਜ घड़ावंज् Ghaṛāvãj स्त्री०
घटमञ्च (पुं०) जलपूर्ण पात्रों के रखने का स्थान।

ਘੜੌਂਜੀ घड़ौंजी Ghaṛaũjī स्त्री०
द्र०—ਘੜਾਵੰਜ।

ਘਾ घा Ghā पुं०
घास (पुं०) घास, पशुओं का चारा।

ਘਾਹ घाह् Ghāh पुं०
द्र०—ਘਾ।

ਘਾਕੀ घाकी Ghākī स्त्री०
घातिका (स्त्री०) मारने वाली।

ਘਾਗਰਾ घाग्रा Ghagrā पुं०
घर्घरी (स्त्री०) घाघरा, घघरी।

ਘਾਮ घाम् Ghām पुं०
द्र०—ਘਰਮ।

ਘਿਣਨਾ घिण्ना Ghiṇnā सक० क्रि०
गृह्णाति (क्र्यादि सक०) लेना, खरीदना; ले जाना।

ਘਿਤਾ घिता Ghitā वि०
गृहीत (वि०) ग्रहण किया हुआ।

ਘਿਨਣਾ घिन्णा Ghinṇā सक० क्रि०
द्र०—ਘਿਣਨਾ।

ਘਿਰਣਤ घिर्णत् Ghirṇat वि०
घृणित (वि०) घृणित, घृणा के योग्य।

ਘਿਰਤ घिरत् Ghirat पुं०
घृत (नपुं०) घी, घृत।

ਘੀਹਣਾ घीह्णा Ghīhṇā सक० क्रि०
घर्षते (भ्वादि सक०) शरीर खुजलाना, रगड़ना।

ਘੀਜ घीज् Ghīj वि०
ग्राह्य (वि०) ग्रहण करने योग्य।

ਘੁਘੂ घुघू Ghughū पुं०
घूक (पुं०) उल्लू।

ਘੁਮਣ घुमण् Ghumaṇ पुं०
घूर्णन (नपुं०) घूमना, घूमने का भाव।

ਘੁੰਮਣ घुम्मण् Ghummaṇ क्रि०
द्र०—ਘੁਮਣ।

ਘੁਮਾਰ घुमार् Ghumār पुं०
द्र०—ਘਮਾਰ।

ਘੁਮਾਰੀ घुमारी Ghumārī स्त्री०
कुम्भकारी (स्त्री०) कुम्हारिन, कुम्भकार की स्त्री।

ਘੁਮਿਆਰਨੀ घुमिआर्नी Ghumiārnī स्त्री०
द्र०—ਘੁਮਾਰੀ।

ਘੁਰਸਾਰ घुर्सार् Ghursār पुं०
घोटकशाला (स्त्री०) अस्तबल, घुड़साल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਘੁੜ घुड़् Ghuṛ पुं०
घोटक (पुं०) अश्व, घोड़ा ।

ਘੁੜਾਮੀ घुड़ामी Ghuṛāmī पुं०
घरकर्मिन् (वि०) घर बनाने वाला, घर छाने वाला ।

ਘੂਘਟ घूघट् Ghūghaṭ स्त्री०
अवगुण्ठन (नपुं०) घूँघट, नकाब ।

ਘੂਮਣਾ घूम्णा Ghūmṇā अक० क्रि०
घूर्णते / ति (भ्वादि अक०) चक्राकार घूमना, चक्कर खाना ।

ਘੇਉ घेउ Gheu पुं०
घृत (नपुं०) घी, घृत ।

ਘੇਓ घेओ Gheo पुं०
द्र०—ਘੇਉ ।

ਘੇਵਰ घेवर् Ghevar पुं०
घृतपूर (पुं०) घेवर; मालपूआ; पूआ ।

ਘੋਖ घोख् Ghokh पुं०
घोष (पुं०) गर्जन का शब्द, ऊँची ध्वनि ।

ਘੋਖਣਾ घोख्णा Ghokhṇā अक० क्रि०
घोषयति / ते (चुरादि अक०) घोषणा करना ।

ਘੋਘਾ घोघा Ghoghā पुं०
घोङ्घ (पुं०) घोंघा, नदी या तालाब तट पर पाया जाने वाला जीव-विशेष; शम्बूक ।

ਘੋੜਰਾ घोड़्रा Ghoṛrā पुं०
घोटक (पुं०) घोड़ा, अश्व ।

ਘੌਂਹ घौंह् Ghaũh पुं०
घर्षते (भ्वादि सक०) घसना; पीसना; पेरना ।

ਘੰਘਾਲਣਾ घंघाल्णा Ghaṅghālṇā सक० क्रि०
क्षालयति (चुरादि सक०) खंघालना, प्रक्षालन करना ।

ਚ

ਚਉਸਠ चउसठ् Causaṭh वि०
चतुष्षष्टि (स्त्री०) चौसठ, 64 ।

ਚਉਸਰ चउसर् Causar पुं०
चतुस्सारि (पुं०) चौपड़ खेल ।

ਚਉਸੀਮਾਂ चउसीमाँ Causīmã पुं०
चतुःसीमा (स्त्री०) चौगीर्द, चारों ओर की सीमा ।

ਚਉਸੀਵਾਂ चउसीवाँ Causīvã पुं०
द्र०—ਚਉਸੀਮਾਂ ।

ਚਉਹਟ चउहट् Cauhaṭ वि०
द्र० —ਚਉਸਠ ।

ਚਉਹੰਟ चउहँट् Cauhãṭ वि०
द्र०—ਚਉਸਟ ।

ਚਉਕੋਣਾ चउकोणा Caukoṇā वि०
चतुष्कोण (वि०) चौकोना, चौकोर

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਉਕੋਨਾ चउकोना Caukonā वि०
द्र०—ਚਉਕੋਣਾ ।

ਚਉਗਨਾ चउग्ना Caugnā वि०
चतुर्गुण (वि०) चौगुना ।

ਚਉਗੁਣਾ चउगुणा Cauguṇā वि०
द्र०—ਚਉਗਨਾ ।

ਚਉਤਾ चउता Cautā पुं०
चत्वर (नपुं०) चौराहा; कोतवाल की कचहरी ।

ਚਉਤਾਲੀ चउताली Cautālī वि०
चतुश्चत्वारिंशत् (स्त्री०) चौवालीस, 44।

ਚਉਤੀ चउती Cautī वि०
चतुस्त्रिंशत् (स्त्री०) चौंतीस, 34 ।

ਚਉਂਤੀ चउँती Cauṁtī वि०
चतुस्त्रिंशत् (स्त्री०) चौंतीस, 34।

ਚਉਥ चउथ् Cauth स्त्री०
चतुर्थी (स्त्री०) चन्द्रमा की चतुर्थी तिथि ।

ਚਉਥੜਾ चउथ्ड़ा Cauthṛā पुं०
चतुर्थ (वि०) चौथा ।

ਚਉਥਾ चउथा Cauthā पुं०
चतुर्थ (वि०) चौथा ।

ਚਉਦਸ਼ चउदश् Caudaś वि०
चतुर्दशन् (वि०) चौदह, 14।

ਹਉਦਸ चउदस् Caudas स्त्री०
चतुर्दशी (स्त्री०) चौदस, चन्द्रमा की चौदहवीं तिथि ।

ਚਉਦਸ਼ि चउदशि Caudśi स्त्री०
चतुर्दशी (स्त्री०) चन्द्रमा की चौदहवीं तिथि ।

ਚਉਦਹ चउदह् Caudaḥ वि०
द्र०—ਚਉਦਸ਼ि ।

ਚਉਦਹਿ चउदहि Caudahi स्त्री०
द्र—ਚਉਦਸ਼ि ।

ਚਉਦਾਂ चउदाँ Caudāṁ वि०
चतुर्दशन् (वि०) चौदह ।

ਚਉਦੇਂ चउदें Caudē स्त्री०
द्र०—ਚਉਦਸ ।

ਚਉਧਰੀ चउध्री Caudhrī वि०/पुं०
चतुर्धुरीण (वि० / पुं०) वि०—चौधरी; मुखिया । पुं०—हलधर, काश्तकार; कृषक ।

ਚਉਪਈ चउपई Chaupaī स्त्री०
चतुष्पादी/चतुष्पदी (स्त्री०) चौपाई ।

ਚਉਪੱਤੀ चउपत्ती Caupattī स्त्री०
चतुष्पत्री (स्त्री०) चार पत्तोंवाली ।

ਚਉਪਰ चउपर् Caupar पुं०
चतुष्पट (पुं०) चौपड़ खेल ।

ਚਉਪੜ चउपड़् Caupaṛ पुं०
द्र०—ਚਉਪਰ ।

ਚਉਪਾਇਆ चउपाइआ Caupāiā पुं०
चतुष्पद (पुं०) चौपाया जानवर ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਉਪਾਈ चउपाई Caupāī स्त्री०
चतुष्पादिका (स्त्री०) चौपाई; चारपाई, खाट।

ਚਉਬੀਸ चउबीस् Caubīs वि०
चतुर्विंशति (स्त्री०) चौबीस, 24।

ਚਉਮਾਸਾ चउमासा Caumāsā पुं०
चातुर्मास्य (नपुं०) चौमासा, वर्षा ऋतु के चार मास।

ਚਉਮਾਸੀ चउमासी Caumāsī स्त्री०
चातुर्मासिक (वि०) चौमासी।

ਚਉਮੁਖ चउमुख् Caumukh पुं०
चतुर्मुख (वि० / पुं०) वि०—चार मुँह वाला। पुं०—ब्रह्मा, विधाता।

ਚਉਮੁਖਾ चउमुखा Caumukhā पुं०
चतुर्मुख (वि०/पुं०) वि०—चौमुखा, चार मुख वाला। पुं०—ब्रह्मा।

ਚਉਰ चउर् Caur पुं०
चामर (पुं०, नपुं०) चँवर, चँवरी।

ਚਉਰਸ चउरस् Cauras वि०
चतुरस्र (वि०) चौरस, समतल।

ਚਉਰਢੂਲ चउर्ढूल् Caurḍhūl पुं०
चामरान्दोल (पुं०) चँवर डुलाने का भाव।

ਚਉਰਾਸੀ चउरासी Caurāsī वि०
चतुरशीति (स्त्री०) चौरासी, 84।

ਚਉਰਾਹਾ चउराहा Caurāhā पुं०
चत्वर (नपुं०) चौराहा, चौमुहानी।

ਚਉਰਾਨਵੇ चउरान्वे Caurānve वि०
चतुर्णवति (स्त्री०) चौरानवे, 94।

ਚਉਣ चऊण् Caūṇ पुं०
चतुर्गुण (वि०) चौगुना।

ਚਉਣਾ चऊणा Caūṇā वि०
द्र०—ਚਉਗਣਾ।

ਚਉਣੀ चऊणी Caūṇī स्त्री०
द्र०—ਚਉਗਣਾ।

ਚਉਨ चऊन् Caūn वि०
द्र०—ਚਉਗਣਾ।

ਚਹਿਲ चहिल् Cahil वि०
चत्वारिंशत् (स्त्री०) चालीस, 40।

ਚਕਈ चक्ई Cakī स्त्री०
चक्रवाकी (स्त्री०) चकवी, चक्रवाकी।

ਚਕਹੀ चक्ही Cakhī स्त्री०
चक्रिका (स्त्री०) चरखी।

ਚਕਟੀ चक्टी Cakṭī स्त्री०
चक्राटी (स्त्री०) विष दूर करने की एक औषधि।

ਚਕਰੀ चकरी Cakrī स्त्री०
चक्री (स्त्री०) छोटी चक्री।

ਚਕਾਬੂਝ चकाबूझ् Cakābūjh पुं०
चक्रव्यूह (पुं०) चक्रव्यूह, युद्ध-भूमि में युद्ध करने की एक संरचना।

ਚਕਾਰੀ चकारी Cakārī स्त्री०
चीत्कार (पुं०) चिग्घाड़, शोरगुल, हल्ला-गुल्ला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਕਿਤਸਕ चकित्सक् Cakitsak पुं०
चिकित्सक (पुं०) चिकित्सक, वैद्य।

ਚਕਿਤਸਾ चकित्सा Cakitsā स्त्री०
चिकित्सा (स्त्री०) चिकित्सा, इलाज, उपचार।

ਚਕੂਣਾ चकूणा Cakūṇā वि०
द्र०—ਚਉਕੋਣਾ।

ਚਕੰਤ चकंत् Cakant वि०
चकित (वि०) आश्चर्य चकित, हैरान,

ਚੱਕਰ चक्कर Cakkar पुं०
चक्र (पुं०) चक्र; चक्का; चक्कर।

ਚੱਕਲਾ चक्क्ला Cakkla पुं०
द्र०—ਚੱਕਲੀ।

ਚੱਕਲੀ चक्क्ली Cakklī स्त्री०
चक्कल (पुं०) घुमावदार, गोल तथा चौड़ा चक्का; चकला।

ਚਕ੍ਰਾਬਯੂਹ चक्राबयूह् Cakkrābayūh पुं०
चक्रव्यूह (पुं०) चक्रव्यूह, चक्राकार घेरा।

ਚਗੁਨ चगुन् Cagun वि०
द्र०—ਚਉਗਨਾ।

ਚਚਰਚਰੀ चचर्चरी Cacarcarī स्त्री०
चर्चरीक (नपुं०) माँग, केश-विन्यास।

ਚਚੁੰਧਰ चचुन्धर् Cacundhar स्त्री०
द्र०—ਛਛੂੰਦਰ।

ਚਟਸਾਰ चट्सार् Caṭsār स्त्री०
चटुशाला (स्त्री०) पाठशाला, विद्यालय।

ਚਟੁਕਾਰ चटुकार् Caṭukār वि०
चाटुकार (पुं०) खुशामदी।

ਚਤਰ चतर् Catar वि०
चतुर (वि०) चतुर, निपुण, चालाक।

ਚਤਰਣੀ चतर्णी Catarṇī स्त्री०
चित्रकारिणी (स्त्री०) चित्र बनाने वाली।

ਚਤਰਤਾ चतर्ता Catartā स्त्री०
चतुरता (स्त्री०) चतुराई; निपुणता।

ਚਤਰਦਸੀ चतर्दसी Catardasī स्त्री०
चतुर्दशी (स्त्री०) चतुर्दशी (तिथि या व्रत)।

ਚਤਰਭੁਜ चतर्भुज् Catarbhuj पुं०
चतुर्भुज (पुं०) चतुर्भुज भगवान् विष्णु।

ਚਤਰਭੁਜਾ चतर्भुजा Catarbhujā स्त्री०
चतुर्भुजा (स्त्री०) चार भुजाओं वाली देवी।

ਚਤਰਵਰਣ चतर्वरण् Catarvaraṇ पुं०
चतुर्वर्ण (पुं०) चारों वर्ण (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र)।

ਚਤਾਲੀ चताली Catālī वि०
द्र०—ਚਉਤਾਲੀ।

ਚਤੁਸਟੈ चतुस्टै Catusṭai वि०
चतुष्टय (वि०) चार वस्तुओं का समुदाय।

ਚਤੁਰਦਸ चतुर्दस् Caturdas वि०
चतुर्दशन् (वि०) चौदह, 14।

ਚਤੁਰੇਰਾ चतुरेरा Caturerā पुं०
चित्रकार (पुं०) चित्रकार, चितेरा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਤੇਰਾ चतेरा Caterā पुं०
चित्रकार (पुं०) चित्रकार, रंगसाज, नक्कास।

ਚਤੰਨ चतन्न् Catann वि०
चैतन्य (वि०) चेतन; समझदार।

ਚਤੰਨੀ चतन्नी Catannī स्त्री०
चैतन्य (नपुं०) चेतनता, सजीवता, संज्ञा।

ਚੱਤਰ चत्तर् Cattar वि०
द्र०—ਚਤਰ।

ਚਤ੍ਰਆਨ चत्रआन् Catrān पुं०
चतुरानन (पुं०) चतुरानन, ब्रह्मा।

ਚਤ੍ਰੇਰਾ चत्रेरा Catrerā पुं०
द्र०—ਚਤੇਰਾ।

ਚਨ चन् Can पुं०
चन्द्र (पुं०) चन्द्रमा, शशी।

ਚਨਣਾਠੀ चन्णाठी Canṇāṭhī स्त्री०
चन्दनकाष्ठ (नपुं०) चन्दन की लकड़ी का छोटा भाग, चन्दन की गेंडी।

ਚੱਨ चन्न् Cann पुं०
चन्द्र (पुं०) चन्द्रमा, चाँद।

ਚਬ चब् Cab स्त्री०
छवि (स्त्री०) छवि, सौन्दर्य।

ਚਬਣਾ चब्णा Cabṇā क्रि०
चर्बति (भ्वादि सक०) चबाना, चर्बण करना।

ਚੱਬੀ चब्बी Cabbī वि०
चतुर्विंशति (स्त्री०) चौबीस, 24।

ਡਮਤਕਾਰਾ चमत्कारा Camatkārā पुं०
चमत्कार (पुं०) चमत्कार; प्रभा, प्रकाश।

ਚਮਰ चमर् Camar पुं०
चामर (पुं०, नपुं०) चँवर, चामर।

ਚਮਰਾ चम्रा Camrā पुं०
चर्मन् (नपुं०) चमड़ा, चर्म।

ਚਮੜ चमड़् Camaṛ पुं०
द्र०—ਚਮਰਾ।

ਚਮਾਸਾ चमासा Camāsā पुं०
चातुर्मास्य (नपुं०) चौमासा, चार मास की अवधि (आषाढ़ मास की शुक्ला एकादशी से कार्तिक शुक्ला एकादशी तक की अवधि, उक्त अवधि का व्रत विशेष; वर्षा ऋतु।

ਚਮੁੱਖਾ चमुक्खा Camukkhā वि०/पुं०
चतुर्मुख (वि० / पुं०) वि०—चार मुखों वाला। पुं०—ब्रह्मा, विधाता।

ਚਮੇਆਰ चमेआर् Cameār पुं०
चर्मकार (पुं०) चमार, चमड़े का काम करने वाली एक जाति।

ਚਰਚਾਰ चर्चार् Carcār वि०
चर्चार्ह (वि०) चर्चा के योग्य; पूज्य।

ਚਰਜੁਗ चर्जुग् Carjug पुं०
चतुर्युग (नपुं०) चतुर्युग—सत्ययुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग।

ਚਰਣਰੈ चरण्रै Caraṇrai तृतीयाकरण पद
चरणेन (पुं० तृतीयान्त) चरण से।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਰਣਾ चर्णा Carṇā सक० क्रि०
चरति (भ्वादि सक०) विचरण करना।

ਚਰਨਾਠੀ चर्नाठी Carnāṭhī स्त्री०
द्र०—ਚਨਣਾਠੀ।

ਚਰਨਾਵੈ चर्नावै Carnāvai पुं०
चरणमेव (पुं० प्रथमान्त) चरण ही, केवल चरण।

ਚਰਮਣ चर्मण् Carmaṇ वि०
चर्मण्य (वि०) चमड़े से निर्मित सामग्री।

ਚਰਯ चरय् Caray वि०
चर्य (वि०) आचरण करने योग्य, कर्तव्य।

ਚਰਯਾ चर्या Caryā स्त्री०
चर्या (स्त्री०) आचरण; व्यवहार; क्रिया; चेष्टा; उपजीविका; खाने की क्रिया; गमन।

ਚਰਵਾਹਯਾ चर्वाह्या Carvāhyā पुं०
चरवाह (पुं०) चरवाहा, पशुओं को चराने वाला।

ਚਰੰਜੀਵੀ चरञ्जीवी Carañjīvī पुं०
चिरजीविन् (वि०) चिरजीवी, बहुत दिनों तक जीने वाला।

ਚਲਤ चलत् Calat स्त्री०
चरित (नपुं०) चरित्र, चरित।

ਚਲਨਾ चल्ना Calnā अक० क्रि०
चलति (भ्वादि सक०) चलना, जाना।

ਚਲਾਣਾ चलाणा Calāṇā पुं०
चालयति (भ्वादि प्रेर०) चलाना, चलने की प्रेरणा देना।

ਚਲਿੱਤ चलित्त् Calitt पुं०
चरित्र (नपुं०) चरित्र, चरित।

ਚਲੇਸਹि चलेस्हि Caleshi भविष्यत् अक० क्रि०
चलिष्यति (भ्वादि सक० लृट्) चलेगा।

ਚੱਲਨਾ चल्लना Callanā अक० क्रि०
द्र०—ਚਲਨਾ।

ਚਵ चव् Cav वि०
चतुर् (वि०) चार, 4 की संख्या।

ਚਵਾਠ चवाठ् Cavāṭh वि०
चतुष्षष्टि (स्त्री०) चौसठ, 64।

ਚਵ੍ਹੀਆਂ चव्हीआं Cavhīāṁ पुं०
चतुर्विंश (वि०) चौबीसवां।

ਚਾਈਆ चाईआ Cāīā वि०
उत्साहिन् (वि०) उत्साहवाला, आनन्द युक्त।

ਚਾਕੀ चाकी Cākī स्त्री०
चक्रिका (स्त्री०) आटा पीसने का यन्त्र, चक्की।

ਚਾਖਨਾ चाख्ना Cākhnā सक० क्रि०
चषति (भ्वादि सक०) चखना, स्वाद लेना।

ਚਾਖੁ चाखु Cākhu वि०
चाक्षुष (वि०) नेत्र से संबन्धित, नेत्र का।

ਚਾਗਾ चागा Cāgā वि०
चङ्ग (वि०) सुन्दर, शोभा-युक्त।

ਚਾਚੱਲ चाचल्ल् Cācall पुं०
चाञ्चल्य (नपुं०) चंचलता, चपलता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਾਣਾਕਾ चाणाका Cāṇākā स्त्री०
चाणकीय (वि०) चाणक्य नीति।

ਚਾਤਰ चातर् Cātar वि०
चतुर (वि०) चतुर, होशियार।

ਚਾਨਨੀ चान्नी Cānnī स्त्री०
चान्द्री (स्त्री०) चाँदनी, चन्द्र-किरण; प्रकाश।

ਚਾਪਣਾ चाप्णा Cāpṇā सक० क्रि०
चपयति / ते (चुरादि सक०) दबाना; पीसना; कूटना।

ਚਾਪਨਾ चाप्ना Cāpnā सक० क्रि०
द्र०—ਚਾਪਣਾ।

ਚਾਰ-ਬਿਚਾਰ चार्-बिचार् Cār-Bicār पुं०
आचार-विचार (पुं०) आचार-विचार।

ਚਾਲਸਿ चाल्सि Cālsi भविष्यत् अक० क्रि०
चलिष्यति (भ्वादि सक० लृट्) चलेगा।

ਚਾਲਣੀ चाल्णी Cālṇī स्त्री०
चालनी (स्त्री०) चलनी, चालने का साधन।

ਚਾਲੀ चाली Cālī वि०
द्र०—ਚਾਲੀਸ।

ਚਾਲੀਸ चालीस् Cālīs वि०
चत्वारिंशत् (स्त्री०) चालीस, 40।

ਚਾਵਥਾ चाव्था Cāvthā पुं०
चतुर्थ (वि०) चौथा।

ਚਿਹੜਾ चिह्ड़ा Cihṛā पुं०
चीडा (स्त्री०) चीड़ का वृक्ष, सुगन्धित वृक्ष।

ਚਿਕਣਤਾ चिकण्ता Cikaṇtā स्त्री०
चिक्कणता (स्त्री०) चिकनापन, चिकनाई।

ਚੀਕਨਾ चीक्ना Cīknā वि०
चिक्कण (वि०) चिकना; मसृण, कोमल, स्निग्ध।

ਚਿਕਰ चिकर् Cikar पुं०
चिकुर (पुं०) केश, बाल।

ਚਿਕੀਰਖਾ चिकीर्खा Cikīrkhā स्त्री०
चिकीर्षा (स्त्री०) करने की इच्छा; अभिलाषा, कामना।

ਚਿੰਚਾ चिंचा Ciñcā स्त्री०
चिञ्चा (स्त्री०) इमली का वृक्ष।

ਚਿਚੂੰਦਰ चिचूंदर् Cicūdar स्त्री०
छुच्छुन्दरी (स्त्री०) छछूंदर जीव।

ਚਿਚੂੰਧਰ चिचूंधर् Cicūdhar स्त्री०
छुच्छुन्दरी (स्त्री०) छछूंदर; चमगादड़।

ਚਿੰਜੁ चिंजु Ciñju स्त्री०
चञ्चू (स्त्री०) चोंच, पक्षी की चोंच।

ਚਿੰਜੂ चिंजू Cinjū स्त्री०
चञ्चू (स्त्री०) चोंच, पक्षी की चोंच।

ਚਿੰਤ चिन्त् Cint स्त्री०
चिन्ता (स्त्री०) चिन्ता, सोच फिकिर।

ਚਿਤਕਾਰ चित्कार Citkār पुं०
चित्रकार (वि०) चितेरा, रंगसाज।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚਿਤਕਾਰੀ चित्कारी Citkārī स्त्री०
चित्रकारीय (वि०) चित्रकारिता; नक्कासी।

ਚਿੰਤਤ चिन्तत् Cintat वि०
चिन्तित (वि०) चिन्तायुक्त, चिन्तित।

ਚਿਤਨ चितन् Citan वि०
चेतन (वि०) चेतन, सजीव; समझदार।

ਚਿਤਬਿਤ चित्बित् Citbit स्त्री०
चित्तवृत्ति (स्त्री०) चित्तवृत्ति, प्रवृत्ति, झुकाव।

ਚਿੰਤਾਤਰ चिन्तातर् Cintātar वि०
चिन्तातुर (वि०) चिन्तातुर, चिन्ता से पीड़ित।

ਚਿਤੇਨ चितेन् Citen पुं०
द्र०—चिंतन।

ਚਿਤੇਰਾ चितेरा Citerā पुं०
द्र०—चतेरा।

ਚਿੰਤੀ चितन्ती Citantī स्त्री०
द्र०—चिंतनता।

ਚਿੰਨ चितन्न् Citann पुं०
द्र०—चिंतन।

ਚਿੰਨਤਾ चितन्नता Citannatā स्त्री०
चेतनता (स्त्री०) चेतनता, सजीवता, बोध।

ਚਿੱਤਨਾ चित्ना Cittnā सक० क्रि०
चित्रयति/ते (चुरादि सक०) चित्र बनाना; रंगना, सजाना।

ਚਿੱਤ੍ਰਜੋਧੀ चित्रजोधी Cittrjodhī पुं०
चित्रयोधिन् (वि०) विचित्र युद्ध करने वाला।

ਚਿਤ੍ਰਕਾਰ चित्रकार् Citrakār पुं०
चित्रकार (पुं०) चित्रकार, चितेरा।

ਚਿਤ੍ਰਾ चित्रा Citrā पुं०
चित्रक (पुं०) चीता, जंगल का एक पशु-विशेष।

ਚਿਦ चिद् Cid स्त्री०
चित् (स्त्री०) चित्, ज्ञान; हृदय, मन।

ਚਿੰਦ चिन्द् Cind स्त्री०
द्र०—चिंत।

ਚਿੰਦਾ चिन्दा Cindā स्त्री०
द्र०—चिंत।

ਚਿਪਟਾ चिप्टा Cipṭā पुं०
चिपिट (वि०) दबी हुई वस्तु, चिपटा।

ਚਿਪੇੜ चिपेड़् Cipeṛ स्त्री०
चपेटा (स्त्री०) चपेटा, थप्पड़।

ਚਿਰਗਟ चिर्गट् Cirgaṭ पुं०
चटकगृह (नपुं०) पिंजड़ा; चिड़ियाघर।

ਚਿਰਭੜ चिर्भड़् Cirbhaṛ पुं०
चिर्भट (नपुं०) खरीफ की फसल में होने वाला एक फल जो खटमीठा होता है, ककड़ी की जाति का एक फल।

ਚਿਰਾਣਾ चिराणा Cirāṇā वि०
चिरत्न (वि०) चिरकालीन, पुराना।

ਚਿਰਾਤ चिरात् Cirāt क्रि० वि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

चिररात्र (नपुं० / क्रि० वि०) नपुं०—दीर्घकाल, चिरकाल । क्रि० वि०—चिरकाल से ।

ਚਿਰਾਨਾ चिराना Cirānā वि०
द्र०—ਚਿਰਾਣਾ ।

ਚਿਰੀਆ चिरीआ Cirīā स्त्री०
चेटिका (स्त्री०) चेटी, दासी, चेरी ।

ਚਿਲ चिल् Cil स्त्री०
शिला (स्त्री०) शिला, पत्थर ।

ਚਿੜਾ चिड़ा Ciṛā पुं०
चटक (पुं०) चिड़ा, नर-पक्षी ।

ਚੀਹਲ चीहल् Cīhal स्त्री०
चीडा > चिल्ला (स्त्री०) सरल वृक्ष, तारपीन का वृक्ष ।

ਚੀਹੜ चीह्ड़् Cīhṛ पुं०
द्र०—ਚਿਹੜਾ ।

ਚੀਟਾ चीटा Cīṭā पुं०
चिण्टक (पुं०) चींटा ।

ਚੀਟੀ चीटी Cīṭī स्त्री०
चिण्टकी (स्त्री०) चींटी ।

ਚੀਤਕਾਰੀ चीत्कारी Cītkārī स्त्री०
चीत्करण (नपुं०) चीत्कार, चीख ।

ਚੀਤਨਹਾਰ चीतन्हार् Citanhār पुं०
चित्रकार (पुं०) चित्रकार, चितेरा ।

ਚੀਰਣ चीरण् Cīraṇ वि०
चीर्ण (वि०) चीरा हुआ, फटा हुआ; कटा हुआ ।

ਚੀਲ चील् Cīl स्त्री०
चिल्लि (पुं०) चील पक्षी ।

ਚੀਲਹ चील्ह् Cīlh स्त्री०
द्र०—ਚੀਲ ।

ਚੀਲਾ चीला Cīlā पुं०
चीर (नपुं०) चीर, वस्त्र, कपड़ा ।

ਚੁਇਣਾ चुइणा Cuiṇā अक० क्रि०
च्योतति (भ्वादि अक०) चूना, टपकना, रिसना ।

ਚੁੰਸਨ चुँसन् Cūsan पुं०
चोषण (नपुं०) चूसने का भाव ।

ਚੁਸਾਕ चुसाक् Cusāk पुं०
चूषक (वि०) चूसने वाला ।

ਚੁਹੱਤਰਮਾਂ चुहत्तर्माँ Cuhattarmā̃ पुं०
चतुःसप्ततितम (वि०) चौहत्तरवाँ, 74वाँ

ਚੁਕੂਣਾ चुकूणा Cukūṇā पुं०
चतुष्कोण (वि०) चार कोणों वाला, चौकोर, चौकोना ।

ਚੁਚ चुच् Cuc स्त्री०
द्र०—ਚੁੰਚ ।

ਚੁੰਚ चुञ्च् Cuñc स्त्री०
चञ्चू (स्त्री०) चोंच, पक्षी की चोंच ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚੁੰਚ-ਗਿਆਨ चुंच्-गिआन् Cuñc-Giān पुं०
चञ्चुज्ञान (नपुं०) अल्पज्ञान।

ਚੁੰਚ-ਗਿਆਨੀ चुंच्-गिआनी Cuñc-Giānī पुं०
चञ्चुज्ञान (वि०) अल्पज्ञानी।

ਚੁੰਜ चुंज् Cuñj स्त्री०
चञ्चू (स्त्री०) पक्षी की चोंच।

ਚੁਣਨਾ चुण्ना Cuṇnā पुं०
चयन (नपुं०) चुनने का भाव।

ਚੁੰਮਾ चुम्मा Cummā पुं०
चुम्बन (नपुं०) चुम्बन, चूमने की क्रिया।

ਚੁਰਹੱਤਰ चुर्हत्तर् Curhattar वि०
चतुःसप्तति (स्त्री०) चौहत्तर, 74।

ਚੁਰਾਸੀ चुरासी Curāsī वि०
चतुरशीति (स्त्री०) चौरासी; 84।

ਚੁਰਾਸੀਆ चुरासीआ Curāsīā पुं०
चतुरशीतितम (वि०) चौरासीवाँ, 84वाँ।

ਚੁਰਾਸੀਵਾਂ चुरासीवाँ Curāsīvā वि०
द्र०—ਚੁਰਾਸੀਆ।

ਚੁਲਹ चुल्ह् Culh पुं०
चुल्हि (स्त्री०) चूल्हा।

ਚੁਲੁਮਭ चुलुम्भ् Culumbh वि०
चलम्भ (वि०) शीतल, आर्द्र।

ਚੂੰ चूँ Cū̃ पुं०
चयन (नपुं०) चुनने की क्रिया, चुनाव।

ਚੂਸਾਈ चूसाई Cūsāī स्त्री०
चूषण (नपुं०) चूसने का भाव, चोषणा।

ਚੂੰਢੀ चूण्ढी Cūṇḍhī स्त्री०
चुण्टा / चुण्डा (स्त्री०) चूँटी, थोड़ी-सी मात्रा; हौज; छोटा-सा कुआँ, छोटी तलैया।

ਚੂਨ चून् Cūn पुं०
चूर्ण (नपुं०) चूरा, बारीक पिसी हुई वस्तु।

ਚੂਰਣ चूरण् Cūraṇ पुं०
चूर्ण (पुं० / नपुं०) चूर्ण, चूरण, महीन पिसी हुई वस्तु।

ਚੂਰਣਾ चूर्णा Cūrṇā सक० क्रि०
चूर्णयति (चुरादि सक०) चूर्ण करना; चूरना।

ਚੂਰਨਾ चूर्ना Curnā सक० क्रि०
द्र०—ਚੂਰਣਾ।

ਚੂਵਨ चूवन् Cūvan पुं०
च्यवन (नपुं०) चूने या टपकने का भाव।

ਚੂੜ[1] चूड़् Cūṛ पुं०
चूड (पुं०) चोटी; कलाई का आभूषण, वलय।

ਚੂੜ[2] चूड़् Cūṛ स्त्री०
चूडा (स्त्री०) जूड़ा, चोटी, चुटिया; चूडाकरण संस्कार; मुर्गा या मोर के सिर की कलंगी।

ਚੂੜ[3] चूड़् Cūṛ स्त्री०
द्र०—ਚੂਨ।

ਚੂੜਾਮਨੀ चूड़ामनी Cūṛāmanī पुं०
चूडामणि (पुं०) चूडामणि, शिर में धार...

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

करने का मणिजटित आभूषण-विशेष; सर्वोत्तम, सर्वोत्कृष्ट।

ਚੇਸਟਾ चेस्टा Cestā स्त्री०
चेष्टा (स्त्री०) प्रयत्न, उद्योग; हाव-भाव; आचरण।

ਚੇਤਾਈ चेताई Cetāī स्त्री०
चेतनता (स्त्री०) संज्ञा, बोध; समझ, विवेक।

ਚੇਤੂ चेतू Cetū पुं०
चैतन्य (नपुं०) आत्मा, परमात्मा, परब्रह्म।

ਚੇਤ੍ਰ चेत्र Cetr पुं०
चैत्र (पुं०) चैत्र मास।

ਚੇਰਿ चेरि Ceri स्त्री०
चेटी (स्त्री०) चेरी, दासी, नौकरानी।

ਚੇਵਾ चेवा Cevā सक० क्रि०
चेतयते (चुरादि सक०) सूचना देना, सावधान करना।

ਚੇ चै Cai पुं०
चय (पुं०) समूह, राशि, ढेर।

ਚੈਤ चैत् Cait पुं०
द्र०—चेत्र।

ਚੈਤਕੀ चैत्की Caitkī पुं०
चैत्यतरु (पुं०) पीपल का वृक्ष।

ਚੈਤਰ चैतर् Caitar पुं०
द्र०—चेत्र।

ਚੈਤੰਨ चैतन्न् Caitann पुं०
चैतन्य (नपुं०) चेतना, बोध; आत्मा, परमात्मा।

ਚੋਸ चोस् Cos वि०
चोष्य (वि०) चूसने योग्य।

ਚੋਕਖਾ चोक्खा Cokkhā वि०
चोक्ष (वि०) साफ-सुथरा; शुद्ध; तेज; सच्चा।

ਚੋਖਤ चोखत् Cokhat वि०
चोषित (वि०) चूसा हुआ।

ਚੋਂਗੀ चोंगी Coṅgī स्त्री०
शुल्क (पुं०) चुंगी, कर।

ਚੋੱਟਾ चोट्टा Coṭṭā पुं०
चूड (पुं०) चोटी, चुटिया; चोटी, शिखर।

ਚੋੱਬਾ चोब्बा Cobbā पुं०
चतुर्वेद (पुं०) चारो वेदों का ज्ञाता, चौबे ब्राह्मण।

ਚੋਮਾਸਾ चोमासा Comāsā वि०
चातुर्मास्य (नपुं०) चौमासा, वर्षा ऋतु के चार मास; इस काल में किया जाने वाला एक पौराणिक व्रत।

ਚੋਰ चोर् Cor पुं०
चोर (पुं०) चोरी करने वाला, चोर, तस्कर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚੋਲੀ चोली Colī स्त्री०
चोली (स्त्री०) चोली, कुरती, कंचुकी; अंगिया।

ਚੋਵਿਠ चोविठ् Coviṭh वि०
चतुष्षष्टि (स्त्री०) चौंसठ, 64।

ਚੌं चौं Caū वि०
चतुर् (वि०) चार, चार की संख्या, 4।

ਚੌंਸਠ चौंसठ् Caūsaṭh वि०
चतुष्षष्टि (स्त्री०) चौंसठ, 64।

ਚੌਸਾ चौसा Causā वि०/पुं०
चतुश्शत (वि०/नपुं०) वि०—चार सौ। पुं०—चार सौ धागों के ताने वाला कपड़ा।

ਚੌਸਾਰ चौसार् Causār पुं०
चतुस्सारि (पुं०) चौपड़, खेल।

ਚੌਸੀਵਾं चौसीवाँ Causīvā स्त्री०
चतुस्सीमा (स्त्री०) चारों तरफ की सीमा, चारों सीमा की हद।

ਚੌंਹ चौंह् Caūh वि०
द्र०—चौं।

ਚੌਹਟ चौहट् Cauhaṭ वि०
चतुष्षष्टि (स्त्री०) चौसठ, 64 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੌਹੱਤਰ चौहत्तर् Cauhattar वि०
चतुःसप्तति (स्त्री०) चौहत्तर, 74 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੌਕ चौक् Cauk पुं०
चतुष्क (नपुं०) चौक, चौराहा।

ਚੌਕਟਾ चौक्टा Caukṭā स्त्री०
द्र०—ਚੌਕਠ।

ਚੌਕਠ चौकठ् Caukaṭh स्त्री०
चतुष्काष्ठ (नपुं०) चौकठ; दरवाजा।

ਚੌਕਾਠਾ चौकाठा Caukāṭhā पुं०
द्र०—ਚੌਕਠ।

ਚੌਕਾਂਠ चौकाँठ् Caukāṭh स्त्री०
द्र०—ਚੌਕਠ।

ਚੌਕੂਣਾ चौकूणा Caukūṇā पुं०
चतुष्कोण (वि०) चौकोना, चार कोने वाला।

ਚੌੱਗਨਾ चौग्गना Cauggnā पुं०
द्र०—ਚੌਕੂਣਾ।

ਚੌंਤਰੀ चौंत्री Caūtrī वि०
चतुस्त्रिंशत् (स्त्री०) चौंतीस, 34 संख्या या इससे परिच्छिन्न वस्तु।

ਚੌਤਾਲੀ चौताली Cautālī वि०
चतुश्चत्वारिंशत् (स्त्री०) चौवालिस, 44।

ਚੌਤ੍ਰੀ चौत्री Cautrī वि०
द्र०—ਚੌਤਰੀ।

ਚੌਥਾ चौथा Cauthā पुं०
द्र०—ਚੌੱਥਾ।

ਚੌੱਥਾ चौत्था Cautthā वि०
चतुर्थ (वि०) चौथा।

ਚੌਧਮਾ चौधमा Caudhmā पुं०
चतुर्दश (वि०) चौदहवाँ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਚੌਧਰਣੀ चौधर्णी Caudharṇī स्त्री०
चतुर्धुरीणा (स्त्री०) चौधरानी, चौधरी या मुखिया की पत्नी।

ਚੌਧਵਾਂ चौध्वाँ Caudhvā पुं०
चतुर्दश (वि०) चौदहवाँ, 14वाँ।

ਚੌਂਪਟ चौंपट् Caūpaṭ पुं०
चतुष्पट (पुं०) चौपड़, पाशा खेलने का वस्त्र।

ਚੌਂਪਾਕਲੀ चौंपाकली Caūpākalī स्त्री०
चम्पाकली (स्त्री०) चम्पा की कली, चम्पा।

ਚੌਬੀਸ चौबीस् Caubīs वि०
चतुर्विंशति (स्त्री०) चौबीस, 24।

ਚੌਬੀਹ चौबीह् Caubīh वि०
द्र०—ਚੌਬੀਸ।

ਚੌਰਾਸੀ चौरासी Caurāsī वि०
चतुरशीति (स्त्री०) चौरासी, 84।

ਚੌਰਾਨਮੇ चौरान्मे Caurānme वि०
चतुर्णवति (स्त्री०) चौरानवें, 94।

ਚੌਰੰਜਾ चौरंजा Caurañjā वि०
चतुःपञ्चाशत् (स्त्री०) चौवन, 54।

ਚੌਵੀਹਮਾ चौवीह्मा Cauvīhmā पुं०
चतुर्विंशतितम (वि०) चौबीसवाँ, 24वाँ।

ਚੌਵੀਹਵਾਂ चौवीह्वाँ Cauvīhvā पुं०
द्र —ਚੌਵੀਹਮਾ।

ਚੰਉਰ चँउर् Cāur पुं०
चामर (पुं०, नपुं०) चँवर, चौरी।

ਚੰਗਰਹਨ चंगर्हन् Caṅgarhan पुं०।
चन्द्रग्रहण (नपुं०) चन्द्र-ग्रहण।

ਚੰਚਰੀਟ चंच्रीट् Cañcrīṭ पुं०
चञ्चरीक (पुं०) भ्रमर, भौंरा।

ਚੰਡਾਰ चण्डार् Caṇḍār पुं०
चाण्डाल (पुं०) अन्त्यज वर्ग में सबसे निम्न मानी गयी जाति, डोम; क्रूर; नीच कर्म करने वाला व्यक्ति।

ਚੰਦਰਘਿਰਣ चन्दर्घिरण् Cadarghiraṇ पुं०
चन्द्रग्रहण (नपुं०) चन्द्र-ग्रहण।

ਚੰਦਰਾ चन्द्रा Cāndrā पुं०
चन्द्रारि (पुं०) चन्द्रमा का शत्रु, राहु।

ਚੰਦਾਕੀ चन्दाकी Candākī स्त्री०
चन्द्रिका (स्त्री०) चाँदनी, चन्द्र-किरण।

ਚੰਦਾਯਣ चन्दायण् Candāyaṇ पुं०
चान्द्रायण (नपुं०) मास भर का एक व्रत जो चन्द्रकला के क्षय और वृद्धि के अनुसार किया जाता है।

ਚੰਦੂਆ चन्दूआ Candūā पुं०
चन्द्रोदय (पुं०) चन्द्रोदय; चाँदनी।

ਚੰਦੋਆ चँदोआ Cādoā पुं०
द्र०—ਚੰਦੂਆ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

छ

ਛਉੜ छउड़् Cha-uṛ **वि०**
शोभन (वि०) सुन्दर; चमकीला।

ਛਉੜੀ छउड़ी Cha-uṛī **स्त्री०**
शोभना (स्त्री०) सुन्दरी, शोभायुक्त स्त्री।

ਛਇ छइ Cha-i **पुं०**
क्षय (पुं०) ह्रास, नाश; यक्ष्मा रोग।

ਛਈ छई Chaī **स्त्री०**
क्षय (पुं०) क्षय या यक्ष्मा रोग।

ਛਈ-ਮਈ छई-मई Chaī-Maī **वि०**
छायामय (वि०) छायादार, छायारूप।

ਛਹ छह् Chah **वि०**
षष् (वि०) छः, 6।

ਛਹੀਆ छहिआ Chahiā **स्त्री०**
छाया (स्त्री०) छाया, छाँह।

ਛਹੁੰਦਿਸ छहूँदिस् Chahūdis **क्रि० वि०**
चतुर्दिश (नपुं०) चारों ओर।

ਛਕੋਣ छकोण् Chakoṇ **वि०**
षट्कोण (वि०) वह वस्तु जिसके छः कोने हों, छः कोणों वाला।

ਛਟਾਛਟ छटाछट् Chaṭā-Chaṭ **क्रि० वि०**
झटिति (अ०) झटपट, तुरन्त, शीघ्र।

ਛਠਮ छठम् Chaṭham **वि०**
षष्ठ (वि०) छठा, छठवाँ।

ਛਣ छण् Chaṇ **पुं०**
क्षण (नपुं०) पल, निमेष काल; उपयुक्त या शुभ अवसर।

ਛਣਦਾ छण्दा Chaṇdā **स्त्री०**
क्षणदा (स्त्री०) रात, रात्रि, निशा।

ਛਤ छत् Chat **स्त्री०**
छदिस् / छदस् (स्त्री०, नपुं०) छत; घर की छत।

ਛਤਜ छतज् Chataj **पुं०**
क्षतज (नपुं०) रक्त, खून।

ਛਤਪ छतप् Chatap **पुं०**
छत्रप (पुं०) सम्राट्, चक्रवर्ती राजा।

ਛਤਪਤ੍ਰ छत्पत्र् Chat-Patr **पुं०**
शतपत्र (नपुं०) कमल, नलिन।

ਛੱਤਰ छत्तर् Chattar **पुं०**
छत्र (नपुं०) छत्र, छाता।

ਛੱਤੀਸ छत्तीस् Chattīs **वि०**
द्र०—ਛਤ੍ਰੀ।

ਛੱਤੀਮਾਂ छत्तीमाँ Chattīmā̃ **पुं०**
षट्त्रिंशत्तम (वि०) छत्तीसवाँ।

ਛਤ੍ਰ छत्र् Chatr **पुं०**
छत्र (नपुं०) छत्र, राजछत्र।

ਛਤ੍ਰੀ[1] छत्री Chatrī **वि०**
षट्त्रिंशत् (स्त्री०) छत्तीस, 36।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛਤ੍ਰੀ[2] छत्री Chattrī स्त्री०
छत्र (नपुं०) छाता, छतरी।

ਛਤ੍ਰੀ[3] छत्री Chatrī पुं०
क्षत्रिय (पुं०) राजपूत, द्वितीय वर्ण का पुरुष।

ਛਦਮ छदम् Chadam पुं०
छद्मन् (नपुं०) छल, कपट, धोखा।

ਛਨਿਕ छनिक् Chanik वि०
क्षणिक (वि०) नश्वर, विनाशी; क्षण भर में होने वाला कार्य।

ਛੱਨ छन्न् Chann पुं०
छन्दस् (नपुं०) छन्द, वृत्त।

ਛਪਸ छपस् Chapas पुं०
क्षपेश (पुं०) रजनीपति, चन्द्रमा।

ਛਪਾਂਕਾ छपाँका Chapākā पुं०
क्षिप्रता (स्त्री०) शीघ्रता, जल्दी।

ਛੱਪਨ छप्पन् Chappan वि०
षट्पञ्चाशत् (स्त्री०) छप्पन, 56।

ਛੱਪਯ छप्पय् Chappay पुं०
षट्पद (पुं०) भँवरा; हिन्दी का एक छन्द जिसमें 6 चरण होते हैं।

ਛਬਿ छबि Chabi स्त्री०
छवि (स्त्री०) छवि, शोभा।

ਛਬੀਸ छबीस् Chabīs वि०
षड्विंशति (स्त्री०) छब्बीस, 26।

ਛਬੀਹ छबीह् Chabīh वि०
द्र०—ਛਬੀਸ।

ਛਮਛਰ छम्छर् Chamchar वि०
द्र०—ਛਮਾਚਰ।

ਛਮਾਹਾ छमाहा Chamāhā पुं०
षाण्मासिक (वि०) छमाही, छः मास का।

ਛਮਾਹੀ छमाही Chamāhī स्त्री०
षाण्मासिकी (स्त्री०) 6 महीने में होने वाली, अर्धवार्षिकी, छमाही।

ਛਮਾਚਰ छमाचर् Cham car वि०
क्ष्माचर (वि०) पृथ्वी पर घूमने वाला मनुष्य।

ਛਯਾਨਮੇ छयान्मे Chayānme वि०
षण्णवति (स्त्री०) छिआनवे, 96।

ਛਰ छर् Char पुं०
छल (नपुं०) छल, कपट।

ਛਵਿੰਜਾ छविंजा Chaviñjā वि०
षट्पञ्चाशत् (स्त्री०) छप्पन, 56।

ਛਾ छा Chā पुं०
शावक (पुं०) बच्चा, शिशु; पारा।

ਛਾਉਂ छाउँ Chāũ स्त्री०
द्र०—ਛਾ।

ਛਾਉੜ छाउड़ Chāuṛ पुं०
द्र०—ਛਾਂਹ।

ਛਾਈਮਾਈ छाई-माई Chāī-Māī वि०
द्र०—ਛਈ-ਮਈ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛਾਂਹ छाँह् Chāh स्त्री०
छाया (स्त्री०) छाया, परछाईं ।

ਛਾਹੀ छाही Chāhī स्त्री०
द्र०—ਛਾਂਹ ।

ਛਾਛ छाछ् Chāch स्त्री०
छञ्छिका (स्त्री०) छाछ, तक्र, मट्ठा ।

ਛਾਤਾ छाता Chātā पुं०
छत्र (नपुं०) छाता, छतरी; मधु मक्खियों का छत्ता ।

ਛਾੱਤਾ छात्ता Chāttā पुं०
द्र०—ਛਤ੍ਰੀ[2] ।

ਛਾਰ छार् Chār पुं०
क्षार (वि०/नपुं०) वि०—खारा; क्षरणशील । नपुं०—नमक ।

ਛਾਰਕ छारक् Chārak वि०/पुं०
क्षारक (वि०/नपुं०) वि०—क्षार करने वाला । नपुं०—खजूर का फल ।

ਛਾਲਨ छालन् Chālan पुं०
क्षालन (नपुं०) धोने अथवा साफ करने का भाव ।

ਛਿ छि Chi वि०
द्र०—ਛਹ ।

ਛਿਆਟ छिआट् Chi·ṭ वि०
षट्षष्टि (स्त्री०) छियासठ, 66 ।

ਛਿਆਠ छिआठ् Chiāṭh वि०
द्र०—ਛਿਆਟ ।

ਛਿੱਕਾ छिक्का Chikkā स्त्री०
शिक्य (स्त्री०) छींका, सिकहर ।

ਛਿੱਠਾ छिट्ठा Chiṭṭhā पुं०
षष्ठ (वि०) छठवाँ ।

ਛਿਤ छित् Chit स्त्री०
क्षिति (स्त्री०) धरती, पृथ्वी ।

ਛਿਤਾਰ छितार् Chitār पुं०
क्षितिपाल (पुं०) राजा, भूपाल, भूप ।

ਛਿਤਾਲ छिताल् Chitāl पुं०
द्र०—ਛਿਤਾਰ ।

ਛਿੱਦਣਾ छिद्दणा Chiddṇā सक० क्रि०
छेदयति/ते (चुरादि सक०) छेदना, छेदन करना ।

ਛਿਨਬੇ छिन्बे Ghinbe स्त्री०
षण्णवति (स्त्री०) छियानवे, 96 ।

ਛਿਨਭੰਗਰ छिन्भंगर् Chinbhaṅgar वि०
क्षणभङ्गुर (वि०) क्षणभंगुर, नश्वर ।

ਛਿਨਮਾਤਰ छिन्मातर् Chinmātar क्रि० वि०
क्षणमात्र (अ०) क्षणमात्र, क्षणभर ।

ਛਿਨਾਰ छिनार् Chinār स्त्री०
छिन्ननारी (स्त्री०) व्यभिचारिणी स्त्री ।

ਛਿਨਾਲ छिनाल् Chināl स्त्री०
द्र०—ਛਿਨਾਰ ।

ਛਿਪ੍ छिप्र् Chipr क्रि० वि०
क्षिप्र (अ०) शीघ्र, तुरन्त ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛਿਮਨ छिमन् Chiman पुं०
क्षमापन (नपुं०) क्षमा करने का भाव।

ਛਿਯਾਸਠ छियासठ् Chiyāsaṭh वि०
षट्षष्टि (स्त्री०) छाछठ, 66।

ਛੀ छी Chī वि०
द्र०—ਛਹ।

ਛੀਂਕ छींक् Chiṅk स्त्री०
छिक्का (स्त्री०) छींक, सर्दी-जुकाम आदि के कारण नाक से होने वाली ध्वनि।

ਛੀਂਕਾ छींका Chiṅkā स्त्री०
शिक्य (स्त्री०) छींका, सिकहर।

ਛੀਂਡਾ छींडा Chiṇḍā पुं०
छिद्र (पुं०) छेद, सुराख।

ਛੀਣ छीण् Chiṇ वि०
क्षीण (वि०) कमजोर; दुबला-पतला; कंगाल।

ਛੀਣਤਾ छीण्ता Chiṇtā स्त्री०
क्षीणता (स्त्री०) कमी, घाटा; दरिद्रता।

ਛੀਣਨਾ छीण्ना Chiṇnā सक० क्रि०
छिनत्ति (रुधादि सक०) छीनना; कतरना, टुकड़े करना।

ਛੀਪਰੋ छीप्रो Chīpro पुं०
द्र०—ਛੀਪਾ।

ਛੀਪਾ छीपा Chīpā पुं०
शिल्पिन् (पुं०) वस्त्र में कशीदा करने वाला; छीपा जाति-विशेष।

ਛੀਬ छीब् Chīb पुं०
द्र०—ਖੀਬ।

ਛੀਰ छीर् Chīr पुं०
क्षीर (नपुं०) दूध से बना खाद्य पदार्थ; खीर, पायस।

ਛੀਰੋਧਜਾ छीरोध्जा Chīrodhjā स्त्री०
क्षीरोदजा (स्त्री०) लक्ष्मी, विष्णुपत्नी।

ਛੁਹਨਿ छुह्नि Chuhni स्त्री०
अक्षौहिणी (स्त्री०) सेना का एक परिमाण, एक अक्षौहिणी में 109350 पैदल सिपाही, 65610 घोड़े, 21870 रथ तथा 21870 हाथी रहते हैं।

ਛੁਹੁਣਾ छुहुणा Chuhuṇā सक० क्रि०
छुपति (तुदादि सक०) छूना, स्पर्श करना।

ਛੁਛ छुछ् Chuch वि०
तुच्छ (वि०) खाली, हल्का; एक बूटी।

ਛੁਛੂੰਦਰ छुछूंदर् Chuchūdar पुं०
छुच्छुन्दरि (पुं०) छुछूंदर जन्तु।

ਛੁਛੂੰਧਰ छुछूंधर् Chuchūdhar पुं०
द्र०—ਛੁਛੂੰਦਰ।

ਛੁਦਰਤਾ छुद्रता Chudrtā स्त्री०
क्षुद्रता (स्त्री०) लघुता, नीचता।

ਛੁਦ੍ਰ छुद्र् Chudr वि०
क्षुद्र (वि०) तुच्छ, छोटा; नीच, अधम; निर्धन; क्रूर।

ਛੁਦ੍ਰਾ छुद्रा Chudrā स्त्री०
क्षुद्रा (स्त्री०) छोटी मधुमक्खी; वेश्या; छोटी दाख।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛੁਧਾ छुधा Chudhā स्त्री०
क्षुधा (स्त्री०) भूख, खाने की इच्छा।

ਛੁੱਬ छुब्ब् Chubb पुं०
शुल्व (नपुं०) रस्सी, डोरी।

ਛੁਭ छुभ् Chubh पुं०
क्षोभ (पुं०) व्याकुलता, व्यग्रता, उद्विग्नता।

ਛੁਭਿਤ छुभित् Chubhīt वि०
क्षुभित (वि०) क्षोभ सहित, घबड़ाया हुआ।

ਛੁਰਕਾਰੀ छुर्कारी Churkārī स्त्री०
छुरिका (स्त्री०) छुरी, चाकू।

ਛੁਰਾਨਾ छुराना Churānā सक० क्रि०
छोटयति (तुदादि प्रेर०) छुड़ाना, तोड़ना, बन्धन-मुक्त करना।

ਛੂ छू Chū पुं०
छोपन (नपुं०) छूने का भाव।

ਛੂਹਤ छूहत् Chūhat स्त्री०
द्र०—ਛੂ।

ਛੇਹ छेह् Cheh पुं०
छेदन (नपुं०) काटने, फाड़ने अथवा चीरने का भाव; नाश।

ਛੇਹਜਾ छेह्जा Chehjā पुं०
शय्या (स्त्री०) विस्तर-युक्त खाट जो अन्तिम संस्कार में दी जाती है।

ਛੇਤ੍ਰ छेत्र् Chetr पुं०
क्षेत्र (नपुं०) खेत, फसल उपजाने की भूमि।

ਛੇਪ छेप् Chep पुं०
क्षेप (पुं०) विक्षेप, क्लेश; निन्दा; अहंकार।

ਛੇਮ छेम् Chem पुं०
क्षेम (पुं०/नपुं०) कुशल; शान्ति; प्रसन्नता; सुख, चैन।

ਛੇੱਲਾ छेल्ला Chellā पुं०
छगल (पुं०) छाग, बकरी का एक साल का बच्चा।

ਛੈ छै Chai अक० वर्त० क्रि०
अस्ति (अदादि अक० लट्) है, होता है।

ਛੈਨੀ छैनी Chainī स्त्री०
छेदनी (स्त्री०) छेनी, छेद करने का उपकरण।

ਛੋਹ छोह् Choh पुं०
क्षोभ (पुं०) क्षुब्धता; क्रोध।

ਛੋਹਰਾ छोह्रा Chohrā पुं०
शावक (पुं०) शिशु, छोकरा बच्चा; वन्य-जन्तु का शावक।

ਛੋਹਰੀ छोह्री Chohrī स्त्री०
द्र०—ਛੋਹਰਾ।

ਛੋਹਾਰਾ छोहारा Chohārā पुं०
क्षारक (नपुं०) छुहारा, खजूर का फल।

ਛੋਕ छोक् Chok पुं०
शोक (पुं०) दुःख, चिन्ता।

ਛੋਡਣਾ छोड़्णा Chḍṇā सक० क्रि०
क्ष्विद्यति (दिवादि सक०) छोड़ना, त्यागना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਛੋੜਨਾ छोड़्ना Choḍnā सक० क्रि०
द्र०—ਛੋਡਣਾ ।

ਛੋਣਿ छोणि Choṇi स्त्री०
क्षोणी (स्त्री०) पृथ्वी, भूमि ।

ਛੋਣੀ छोणी Choṇī स्त्री०
क्षोणी (स्त्री०) पृथ्वी, भूमि ।

ਛੌ[1] छौं Chaū स्त्री०
छाया (स्त्री०) छाँव, छाया, परछाईं ।

ਛੌਹੀ छौही Chouhī वि०
षड्विंशति (स्त्री०) छब्बीस, 26 ।

ਛੌਨਾ छौना Chaunā पुं०
सुनु (पुं०) बच्चा, शिशु, बालक ।

ਛੰਦਾ छन्दा Chandā स्त्री०
छन्द (पुं०) इच्छा, अभिलाषा ।

ਛੈ छ्वै Chvai क्रि० वि०
स्पृष्ट्वा > स्पृश्य (क्रि० वि०) छूकर, स्पर्श करके ।

ਜ

ਜਉ जउ Jau पुं०
यव (पुं०) जौ; धान्य-विशेष ।

ਜਉਤ जउत् Jaut अ०
यदि (अ०) यदि, अगर ।

ਜਊ जऊ Jaū अ०
द्र०—ਜਉਤ ।

ਜਊਧਿਸਟਰ जऊधिस्टर् Jaūdhiṣṭar वि०
यौधिष्ठिर (वि०) युधिष्ठिर से सम्बन्धित ।

ਜਅੰਪ जअंप् Ja-amp पुं०
जल्पन (नपुं०) कथन, कहने का भाव ।

ਜਇ जइ Jai पुं०
जय (पुं०) जीत, फतह, जय, ।

ਜਇਆ[1] जइआ Jaiā पुं०
जयकार (पुं०) जयध्वनि ।

ਜਇਆ[2] जइआ Jaiā वि०
जात (वि०) पैदा हुआ, उत्पन्न ।

ਜਇਅੰਪਹਿ जइअम्पहि Jai-ampahi
अक० वर्त० क्रि०
जल्पति (भ्वादि सक० लट्) उच्चारण करता है, कथन करता है ।

ਜਸ जस् Jas वि०
यादृश (वि०) जैसा ।

ਜਸਪਤਿ जस्पति Jaspati पुं०
यशःपति (पुं०) यशस्वी; प्रसिद्ध ।

ਜਸਪਦ जस्पद् Jaspad क्रि० वि०
सपदि (अ०) शीघ्र, झट, तत्काल ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਸਮਰਣੇਨ जस्मर्णेन् Jasmarṇen
हेतु बोधक शब्दसमूह
यस्य स्मरणेन (तृतीयान्त सर्व०, नपुं०) जिसका स्मरण करने से ।

ਜਸਮਾਤ जस्मात् Jasmāt हेतु सर्व०
यस्मात् (सर्व० पञ्चम्यन्त) जिससे, जिस कारण ।

ਜਹ जह् Jah क्रि० वि०
यत्र (अ०) जहाँ ।

ਜਹਤਾਜਹਤਿ जह्ताजह्ति Jahtājahti स्त्री०
जहदजहल्लक्षणा (स्त्री०) लक्षणा का एक भेद जिसमें वाच्यार्थ का कुछ त्याग और कुछ ग्रहण होता है ।

ਜਹਾ[1] जहा Jahā पुं०
जहका (स्त्री०) शल्यकी, कण्ठमूष, झाऊ चूहा ।

ਜਹਾ[2] जहा Jahā क्रि० वि०
द्र०—ਜਹ ।

ਜਹਾਂ जहाँ Jahā̃ क्रि० वि०
द्र०—ਜਹ ।

ਜਹਿਤ जहित् Jahit वि०
हात (वि०) त्यक्त, छोड़ा हुआ ।

ਜਹੇ जहँ Jahā̃ क्रि० वि०
द्र०—ਜਹ ।

ਜਖ जख् Jakh पुं०
यक्ष (पुं०) यक्ष, देवयोनि-विशेष ।

ਜਖਣ जखण् Jakhaṇ पुं०
जक्षण (नपुं०) खाने का भाव ।

ਜਗ जग् Jag पुं०
जगत् (नपुं०) जगत्, संसार ।

ਜਗਈ जगई Jagaī वर्त० अक० क्रि०
जागर्ति (अदादि अक० लट्) जागता है, सावधान होता है ।

ਜਗਜੋਨੀ जग्जोनी Jagjonī स्त्री०
जगद्योनि (स्त्री०/पुं०) स्त्री०—पृथ्वी । पुं०—ब्रह्मा; विष्णु ।

ਜਗਧ जगध् Jagadh वि०
जग्ध (वि०) खाया हुआ; भक्षित ।

ਜਗਧਿ जग्धि Jagdhi स्त्री०
जग्धि (स्त्री०) भोजन, भक्षण ।

ਜਗਨ जगन् Jagan पुं०
यज्ञ (पुं०) यज्ञ, याग, पूजन की क्रिया ।

ਜਗਨਾਥ जग्नाथ् Jagnāth पुं०
जगन्नाथ (पुं०) जगत् के स्वामी, भगवान् जगन्नाथ ।

ਜਗਨਿਵਾਸ जग्निवास् Jagnivās पुं०
जगन्निवास (पुं०) जगत् के धारक भगवान्, विष्णु ।

ਜਗਯਾਸੂ जग्यासू Jagyāsū वि०
जिज्ञासु (वि०) जिज्ञासु, जानने की इच्छा वाला ।

ਜਗਾ जगा Jagā पुं०
जागरण (नपुं०) जागने का भाव ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਗਾਨਾ जगाना Jagānā प्रेर० क्रि०
जागरयति (अदादि प्रेर०) जगाना, नीद से उठाना।

ਜਗਿਸਵੀ जगिस्वी Jagisvī पुं०
योगीश्वर (पुं०) योगिराज, बड़ा जोगी।

ਜਗੀਸ जगीस् Jagīs पुं०
जगदीश (पुं०) जगदीश, जगत् के स्वामी।

ਜਗੇਨ जगेन् Jagen पुं० करण
यज्ञेन (पुं० तृतीयान्त) यज्ञ से, यज्ञ के द्वारा।

ਜਘਨਾ जघ्ना Jaghnā वि०/पुं०
जघन्य (वि०/पुं०) वि०—नीच, कमीना। पुं०—शूद्र, दास।

ਜਘਨੀ जघ्नी Jaghnī स्त्री०
द्र०—ਜਘਨਾ।

ਜੱਘ जग्घ् Jaggh स्त्री०
द्र०—ਜੰਘ।

ਜਚਨੀ जच्नी Jacnī वि०
याचनीय (वि०) माँगने योग्य।

ਜਚਾ जचा Jacā पुं०
याचक (वि०) माँगने वाला, भिखारी।

ਜਛ जछ् Jach पुं०
यक्ष (पुं०) यक्ष, देवयोनि-विशेष।

ਜਛਨੀ जछ्णी Jachṇī स्त्री०
यक्षिणी (स्त्री०) यक्ष की स्त्री।

ਜਛਪ जछप् Jachap पुं०
यक्षप (पुं०) यक्षपति, यक्षराज, कुबेर।

ਜਜਨ जजन् Jajan पुं०
यजन (नपुं०) याग, पूजन।

ਜਜਰ जजर् Jajar वि०
जर्जर (वि०) पुराना, जीर्ण।

ਜਜਰਾ जज्रा Jajrā वि०
द्र०—ਜਜਰ।

ਜਜਰੀ जज्री Jajrī वि०
द्र०—ਜਜਰ।

ਜਟਜਾਟ जट्जाट् Jaṭjāṭ पुं०
जटाजूट (पुं०) जटाओं का समुदाय।

ਜਟਾਉ जटाउ Jaṭāu पुं०
द्र०—ਜਟਜਾਟ।

ਜਠਰਾਗਨ जठ्रागन् Jaṭhrāgan स्त्री०
जठराग्नि (पुं०) जठराग्नि, उदर की अग्नि।

ਜਣ जण् Jaṇ पुं०
जन (पुं०) जनता, लोग।

ਜਣਨਾ जण्ना Jaṇnā सक० क्रि०
द्र०—ਜਨਾਉਣਾ।

ਜਣੀਆਂ जणीआँ Jaṇīāṁ स्त्री०
जनि (स्त्री०) पत्नी, वधू।

ਜਣੋ जणो Jaṇo पुं०
जनक (पुं०) पिता, उत्पन्न करने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਣੰਤ[1] जणन्त् Jaṇant वर्त० सक० क्रि०
जनयति (चुरादि सक० लट्) पैदा करता है।

ਜਣੰਤ[2] जणन्त् Jaṇant वर्त० सक० क्रि०
जानाति (क्र्यादि सक० लट्) जानता है, समझता है।

ਜੱਣੀ जण्णी Jaṇṇī स्त्री०
जननी (स्त्री०) माता, माँ।

ਜਤ जत् Jat क्रि० वि०
यत्र (अ०) जहाँ, जिस स्थान पर।

ਜਤਕਤ जत्कत् Jatkat क्रि० वि०
यत्र-कुत्र (अ०) जहाँ-कहीं।

ਜਤਕਤਹ जत्कतह् Jatkatah क्रि० वि०
द्र०—ਜਤਕਤ।

ਜਤੱਨ जतन्न् Jatann पुं०
यत्न (पुं०) प्रयत्न, प्रयास; उपाय, साधन।

ਜਤਲਾਉਣਾ जत्लाउणा Jatlāuṇā सक० क्रि०
ज्ञापयति/ते (चुरादि सक०) बतलाना; द्योतित करना; सिखाना, समझाना।

ਜਤਾਉਣਾ जताउणा Jatāuṇā प्रेर० क्रि०
द्र०—ਜਤਲਾਉਣਾ।

ਜੱਤਰ जत्तर् Jattar पुं०
जन्तु (पुं०) जन्तु, प्राणी।

ਜਤ੍ਰ जत्र् Jatr अ०
यत्र (अ०) जहाँ।

ਜਤ੍ਰ-ਤਤ੍ਰ जत्र्-तत्र् Jatr-Tatr अ०
यत्र तत्र (अ०) यत्र-तत्र, जहाँ-तहाँ।

ਜਥਾਤਥ जथातथ् Jathātath पुं०
याथातथ्य (नपुं०) जैसे-तैसे, वास्तविक रूप से।

ਜਥਾਮਤਿ जथामति Jathāmati अ०
यथामति (अ०) बुद्धि के अनुसार।

ਜਥਾਰਥ जथारथ् Jathārath अ०
यथार्थ (अ०) वास्तविक, सही।

ਜਥੋਚਿਤ जथोचित् Jathocit अ०
यथोचित (अ०) औचित्यपूर्ण, मुनासिब।

ਜਦਕਦ जद्कद् Jadkad अ०
यदा कदा (अ०) जब कभी।

ਜਦਪਿ जदपि Jadapi अ०
यद्यपि (अ०) यद्यपि, चाहे, हालाकि, जबकि।

ਜਦਿ जदि Jadi अ०
यदि (अ०) यदि, अगर।

ਜਦਿਚਿੰਤ जदिचिन्त् Jadicint वि०
यदचिन्त्य (वि०) जो चिन्तन रहित है।

ਜਦਿਨ जदिन् Jadin क्रि० वि०
यद्दिने (क्रि० वि०) जिस दिन।

ਜਦੁਵੀ जदुवी Jaduvī वि०
यादवीय (वि०) यादवों की, यादव सम्बन्धी।

ਜਦੇਸ जदेस् Jades पुं०
यादवेश (पुं०) यादवों के ईश, श्रीकृष्ण।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਨਈ जन्ई Janī वर्त० सक० क्रि०
जानाति (क्र्यादि सक० लट्) जानता या समझता है।

ਜਨਸਥਾਨ जनस्थान् Janasthān पुं०
जनस्थान (नपुं०) गोदावरी और कृष्णा नदी के मध्य का देश।

ਜਨਹੋ जन्हो Janho आज्ञा सक० क्रि०
जानातु (क्र्यादि सक० लोट्) जानो, समझो।

ਜਨਕੈ जन्कै Jankai क्रि० वि०
ज्ञात्वा (क्रि० वि०) जानकर।

ਜਨਤੰਤਰ जन्तन्तर् Jantantar पुं०
जनतन्त्र (नपुं०) जनतन्त्र, गणतन्त्र।

ਜਨਮਸਿ जन्मसि Janmasi भवि० अक० क्रि०
जनिष्यते (दिवादि अक० लृट्) जन्म लेगा, उत्पन्न होगा।

ਜਨਮੋਤਸਵ जन्मोत्सव् Janmotsav पुं०
जन्मोत्सव (पुं०) जन्म-दिन का त्यौहार।

ਜਨਾ जना Janā पुं०
जन (पुं०) जन, पुरुष, व्यक्ति।

ਜਨਾਉਣਾ[1] जनाउणा Janāuṇā सक० क्रि०
जनयति (दिवादि प्रेर०) पैदा करना, उत्पन्न करना, जनना।

ਜਨਾਉਣਾ[2] जनाउणा Janāuṇā सक० क्रि०
ज्ञापयति (चुरादि सक०) ज्ञान कराना; जताना, बताना।

ਜਨੁਵਨਿ जनुवनि Januvani स्त्री०
जाह्नवी (स्त्री०) गंगा नदी, सुरसरि।

ਜਨੇਅਉ जनेअऊ Janeaū पुं०
यज्ञोपवीत (नपुं०) जनेऊ।

ਜਪਈ जप्ई Jap-ī वर्त० सक० क्रि०
जपति (भ्वादि सक० लट्) जपता है, जप करता है।

ਜਪਨੇ जप्ने Japne वि०
जपनीय (वि०) जपने योग्य।

ਜਪਾਹਾ जपाहा Japāhā वि०
जपार्ह (वि०) जपने योग्य।

ਜਪਾਤ जपात् Japāt सक० क्रि०
द्र०—ਜਪਈ।

ਜਪਾਵਣ जपावण् Japāvaṇ पुं०
जापन (नपुं०) जप कराने का भाव।

ਜਪਾਵਣਾ जपाव्णा Japāvṇā प्रेर० क्रि०
जापयति (भ्वादि प्रेर०) जप कराना।

ਜਪਿ जपि Japi क्रि० वि०
जपित्वा (क्रि० वि०) जप करके।

ਜਪੇਨ जपेन् Japen करण
जपेन (तृतीयान्त पुं०) जप के द्वारा।

ਜਬ-ਕਬ जब्-कब् Jab-Kab क्रि० वि०
यदा कदा (क्रि० वि०) जब कभी, जिस किसी समय।

ਜਮਡਾਂਡ जम्डाँड् Jamḍāḍ पुं०
यमदण्ड (पुं०, नपुं०) यम का दण्ड, काल-दण्ड।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਮਡਾਂਡਾ जम्डाँडा Jamḍāḍā पुं०
द्र०—ਜਮਡਾਂਡ ।

ਜਮਦੂਜ जम्दूज् Jamdūj स्त्री०
यमद्वितीया (स्त्री०) यम द्वितीया, भाई दूज ।

ਜਮਬਾਹਨ जम्बाहन् Jambāhan पुं०
यमवाहन (नपुं०) यमराज का वाहन, भैंसा ।

ਜਮਾਤ੍ਰਾ जमात्रा Jamātrā पुं०
जामातृ (पुं०) जमाई, दामाद ।

ਜਜੋਤਿਸ਼ੀ ज्योतिषी Jyotiṣī पुं०
ज्योतिषिन् (पुं०) ज्योतिषी, ज्योतिष विद्या का ज्ञाता ।

ਜਰੰਗਾ जरङ्गा Jaraṅgā पुं०
ज्वलिताङ्ग (वि०) जले अङ्गों वाला ।

ਜਲਅੰਭ जल्अम्भ् Jal-Ambh पुं०
जलम्भ (नपुं०) जलाशय, सरोवर ।

ਜਲਈ जल्ई Jal-ī वर्त० अक० क्रि०
ज्वलति (भ्वादि अक० लट्) जलता है, प्रकाशित होता है ।

ਜਲਸਿ जल्सि Jalsi भवि० अक० क्रि०
ज्वलिष्यति (भ्वादि अक० लृट्) जलेगा; प्रकाशित होगा ।

ਜਲਕੁੱਕਿੜ जल्कुक्किड़् Jalkūkkiṛ पुं०
जलकुक्कुट (पुं०) जलपक्षी, मुर्गाबी ।

ਜਲਜਾੱਛ जल्जाच्छ् Jaljācch पुं०
जलजाक्ष (वि०) कमल-नयन, कमल के समान नेत्र वाला ।

ਜਲਜੀਯ जल्जीय् Jaljīy पुं०
जलजीव (पुं०) जल के जीव, जलजन्तु, जलचर ।

ਜਲਜੇਛਣ जलजेछण् Jaljechaṇ पुं०
जलजेक्षण (वि०) कमल के समान नेत्रों वाला ।

ਜਲਪਨਾ जल्पना Jalpanā अक० क्रि०
जल्पति (भ्वादि अक०) बकना, शेखी बघारना ।

ਜਲਾਸਰਾ जलास्रा Jalāsrā पुं०
जलाश्रय (पुं०) समुद्र; तालाब; जलभवन ।

ਜਲਾਨਾ जलाना Jalānā प्रेर० क्रि०
ज्वलयति (भ्वादि प्रेर०) जलाना; प्रकाशित करना ।

ਜਲਿ जलि Jali स्त्री०
ज्वाला (स्त्री०) आग की लपट, अग्नि-शिखा ।

ਜਵੱਤਰੀ जवत्तरी Javattrī स्त्री०
द्र०—ਜਵਤ੍ਰੀ ।

ਜਵਤ੍ਰੀ जवत्री Javatrī स्त्री०
जातिपत्र (नपुं०) जावित्री, एक पुष्प जो औषध या गरम मसाले में काम आता है ।

ਜਵਾਂਹਾਂ जवाँहाँ Javāhā pुं०
यवास (पुं०) जवास, ग्रीष्म ऋतु में होने वाली एक घास ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਵਾਣ जवाण् Javāṇ पुं०
युवन् (पुं०) जवान, युवक।

ਜਵਿਤ੍ਰੀ जवित्री Javitrī स्त्री०
जातिपत्र (नपुं०) जावित्री।

ਜੜਤ जड़त् Jaṛat वि०
जटित (वि०) जड़ा हुआ।

ਜੜ੍ਹ जढ़् Jaṛh वि०
जड (वि०) निर्जीव, अचेतन; मूर्ख, बुद्धिहीन।

ਜਾ जा Jā सर्व०
यद् (सर्व०) जो, जिस।

ਜਾਉ जाउ Jāu वि०/पुं०
जात (वि० / नपुं०) वि०—जन्मा हुआ, उत्पन्न। नपुं०—उत्पत्ति, जन्म।

ਜਾਇ जाइ Jāi क्रि० वि०
यात्वा (क्रि० वि०) जाकर।

ਜਾਈ जाई Jāī स्त्री०
द्र० —ਜਾਉ।

ਜਾਸ जास् Jās पुं०
यशस् (नपुं०) यश, कीर्ति।

ਜਾਸਮ जासम् Jāsam वि०
यशस्विन् (वि०) यशवाला, कीर्तिमान्।

ਜਾਸਿ जासि Jāsi भवि० सक० क्रि०
यास्यति (अदादि सक० लृट्) जायेगा।

ਜਾਗਸਿ जाग्सि Jāgsi भवि० अक० क्रि०
जागरिष्यति (भ्वादि अक० लृट्) जागेगा, नींद से उठेगा।

ਜਾਗਰਿਤ जाग्रित् Jāgrit स्त्री०
जागृति (स्त्री०) जागृति, जागने का भाव; सावधानी।

ਜਾਚਨ जाचन् Jācan पुं०
याचन (नपुं०) माँगने का भाव, माँगना।

ਜਾਚਿਕ जाचिक् Jācik वि०
याचक (वि०) याचक, भिक्षु।

ਜਾਚੂ जाचू Jācū पुं०
द्र०—ਜਾਚਿਕ।

ਜਾਚੈ जाचै Jācai वर्त० सक० क्रि०
याचते (भ्वादि सक० लट्) माँगता है, याचना करता है।

ਜਾਂਜ जाँज् Jāj पुं०
जन्या (स्त्री०) वधू की सहेली।

ਜਾਜੁਲ जाजुल् Jājul वि०
जाज्वल्य (वि०) प्रकाश-युक्त, प्रज्वलित।

ਜਾਣਨਾ जाण्ना Jāṇnā सक० क्रि०
जनयति (दिवादि प्रेर०) जन्म देना, उत्पन्न करना।

ਜਾਣਿ जाणि Jāṇi वि०
ज्ञानिन् (वि०) ज्ञान वाला, विद्वान्।

ਜਾਣੀ जाणी Jāṇī वि०
ज्ञानिन् (वि०) ज्ञानी, विद्वान्।

ਜਾਣੀਆ जाणीआ Jāṇīā वि०
द्र०—ਜਾਣੀ।

ਜਾਤਨ जातन् Jātan स्त्री०
यातना (स्त्री०) यातना, पीड़ा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਾਤਰੀ जात्री Jātrī पुं०
यात्रिन् (वि०) यात्री, यात्रा करने वाला ।

ਜਾਤਵੇਦ जात्वेद् Jātved पुं०
जातवेदस् (पुं०) अग्नि, आग ।

ਜਾਤਿਪਾਤਿ जातिपाति Jātipāti स्त्री०
जातिपङ्क्ति (स्त्री०) जाति और गोत्र ।

ਜਾਤ੍ਰ जात्र् Jātr स्त्री०
यात्रा (स्त्री०) यात्रा, प्रस्थान ।

ਜਾਤ੍ਰੀ जात्री Jātrī पुं०
द्र०—ਜਾਤਰੀ ।

ਜਾਨ जान् Jān पुं०
यान (नपुं०) वाहन, सवारी, गाड़ी ।

ਜਾਮਨ जामन् Jāman पुं०
जम्बु (नपुं०) जामुन, एक प्रकार का फल ।

ਜਾਮਨੂ जाम्नू Jāmnū पुं०
द्र०—ਜਾਮਨ ।

ਜਾਰਤ जारत् Jārat स्त्री०
द्र०—ਜਾਤ੍ਰ ।

ਜਾਲ जाल् Jāl स्त्री०
जाल (नपुं०) जाल, फंदा; मकड़ी का जाला ।

ਜਾਲ਼ਨਾ जाळ्ना Jāḷnā सक० क्रि०
ज्वलयति (भ्वादि प्रेर०) जलाना, प्रज्वलित करना ।

ਜਾਵਦੇਕ जाव्देक् Jāvdek क्रि० वि०
यावन्मात्रैक (क्रि० वि०) सभी, सब एक ।

ਜਾਵਿਤਰੀ जावित्री Jāvitrī स्त्री०
द्र०—ਜਵਿਤ੍ਰੀ ।

ਜਿ जि Jī सर्व० अधि०
यस्मिन् (सर्व० सप्तम्यन्त) जिसमें, जिसपर।

ਜਿਉਨ जिऊन् Jiūn पुं०
जीवन (नपुं०) जीवन, जिन्दगी ।

ਜਿਆਹੀ जिआही Jiāhī वर्त० सक० क्रि०
जीवयति (भ्वादि प्रेर० लट्) जीवन देता, है, जिलाता है ।

ਜਿਸਨ जिसन् Jisan पुं०/वि०
जिष्णु (पुं० / वि०) पुं०—विष्णु; इन्द्र; अर्जुन । वि०—जीतने वाला, विजयी ।

ਜਿਹਬਾ जिह्बा Jihbā स्त्री०
द्र०—ਜਿਹਵਾ ।

ਜਿਹਵਾ जिह्वा Jihvā स्त्री०
जिह्वा (स्त्री०) जीभ, रसनेन्द्रिय ।

ਜਿਹੀਖਾ जिहीखा Jihīkhā स्त्री०
जिहीर्षा (स्त्री०) त्याग की इच्छा, छोड़ने की चाह ।

ਜਿਗੀਸਾ जिगीसा Jigīsā स्त्री०
जिगीषा (स्त्री०) जीतने की इच्छा ।

ਜਿਘਤਸਾ जिघत्सा Jighatsā स्त्री०
जिघांसा (स्त्री०) मारने की इच्छा ।

ਜਿਘਤਸੁ जिघत्सु Jighatsu वि०
जिघांसु (वि०) मारने की इच्छा वाला ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜਿਜਮਾਨ जिज्मान् Jijmān पुं०
यजमान (पुं०) यजमान, वह व्यक्ति जो यज्ञ करता है, यष्टा।

ਜਿਜਮਾਨੀ जिज्मानी Jijmānī स्त्री०
यजमानी (स्त्री०) यजमान की पत्नी।

ਜਿਠੁਤ जिठुत् Jiṭhut पुं०
ज्येष्ठपुत्र (पुं०) जेठ का लड़का, पति के बड़े भाई का पुत्र।

ਜਿਤਉ जित्उ Jit-u क्रि० वि०
यावत् (क्रि० वि०) जितना।

ਜਿਤਾਨਾ जिताना Jitānā सक० क्रि०
जाययति (भ्वादि प्रेर०) जिताना, जय कराना।

ਜਿਤਿ जिति Jiti क्रि० वि०
यतः (क्रि० वि०) यहाँ से।

ਜਿਥੋਂ जिथों Jithō क्रि० वि०
यस्मात् स्थानात् (पञ्चम्यन्त) जिस स्थान से।

ਜਿਦਿਹ जिदिह् Jidih क्रि० वि०
यस्मिन् दिने (सप्तम्यन्त) जिस दिन।

ਜਿੱਦਣ जिद्दण् Jiddaṇ क्रि० वि०
यस्मिन् दिने (क्रि० वि०) जिस दिन।

ਜਿਨਹ जिनह् Jinah सर्व०
येन (सर्व० तृतीयान्त) जिससे, जिसके द्वारा।

ਜਿਨਦਰਾ जिन्द्रा Jindrā पुं०
द्र०—ਜੰਦਰ।

ਜਿਨਿੰਦਰ जिनिन्दर् Jinindar पुं०
जिनेन्द्र (पुं०) जिनों के स्वामी, भूतनाथ; जैनों के तीर्थंकर; ऋषभ देव।

ਜਿਪਈ जिप्ई Jip-ī स्त्री०
जयप्राप्ति (स्त्री०) जीत, जय की प्राप्ति।

ਜਿੱਭ जिब्भ् Jibbh स्त्री०
जिह्वा (स्त्री०) जीभ, रसना।

ਜਿੱਭੀ जिब्भी Jibbhī स्त्री०
द्र०—ਜਿੱਭ।

ਜਿਯ जिय् Jiy पुं०
जीव (पुं०) जीवात्मा, मन, चित्त।

ਜਿਵੈਣ जिवैण् Jivaiṇ स्त्री०
अजमोदा (स्त्री०) अजवायन, जवाइन।

ਜੀਉੜਾ जीउड़ा Jīuṛā पुं०
जीव (पुं०) जीव; हृदय, मन।

ਜੀਓ जीओ Jīo पुं०
जीव (पुं०) जीव; आत्मा।

ਜੀਅਉ जीअउ Jīau आज्ञा० अक० क्रि०
जीवतु (भ्वादि अक० लोट्) जीवो।

ਜੀਅਹੁ जीअहु Jīahu आज्ञा० अक० क्रि०
द्र०—ਜੀਅਉ।

ਜੀਅਕਹ जीअकह् Jīakah स्त्री०
आजीविका (स्त्री०) जीविका, धन्धा, जीवन-यात्रा का साधन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੀਅਰਾ जीअरा Jīarā पुं०
द्र०—ਜੀਓ ।

ਜੀਹ जीह् Jīh स्त्री०
द्र०—ਜਿੱਭ।

ਜੀਹਾ जीहा Jīhā स्त्री०
द्र०—ਜਿੱਭ ।

ਜੀਗਣਾ जीग्णा Jīgṇā पुं०
जृङ्गण (पुं०) जुगनू, खद्योत ।

ਜੀਂਗਨਾ जींग्ना Jīngnā पुं०
द्र०—ਜੀਗਣਾ ।

ਜੀਤ जीत् Jīt स्त्री०
जित (नपुं०) जय, विजय, जीत ।

ਜੀਤਨਾ जीत्ना Jītnā सक० क्रि०
जयति (भ्वादि सक०) जीतना, जय करना ।

ਜੀਤਾ जीता Jītā वि०
जीवित (वि०) जीवित, प्राणयुक्त, जीवन युक्त ।

ਜੀਤਿ जीति Jīti क्रि० वि०
जित्वा > विजित्य (क्रि० वि०) जीतकर, विजय कर ।

ਜੀਨਾ जीना Jīnā अक० क्रि०
जीवति (भ्वादि अक०) जीवन धारण करना, प्राण युक्त होना ।

ਜੀਮਣਾ जीम्णा Jīmṇā सक० क्रि०
जेमति (भ्वादि सक०) खाना, भोजन करना ।

ਜੀਰਾ जीरा Jīrā पुं०
जीरक (नपुं०) जीरा ।

ਜੀਵਨ-ਜੋਗਾ जीवन्-जोगा Jīvan-Jogā वि०
जीवनयोग्य (वि०) जीने योग्य ।

ਜੁ जु Ju सर्व०
यद् (सर्व०) जो, जिस ।

ਜੁਆ जुआ Juā पुं०
युवन् (पुं०) जवान, युवक, युवा ।

ਜੁਆਣ जुआण् Juāṇ पुं०
युवन् (पुं०) जवान, युवक ।

ਜੁਆਣੀ जुआणी Juāṇī स्त्री०
यौवन (नपुं०) जवानी, यौवन, युवावस्था ।

ਜੁਆਰਣ जुआरण् Juāraṇ स्त्री०
द्यूतकारिणी (स्त्री०) जुवारी स्त्री, जुआ खेलने वाली ।

ਜੁਹਾਰਿਆ जुहारिआ Juhāriā पुं०
द्यूतकार (पुं०) जुआरी, जुआ खेलने वाला ।

ਜੁਕਤੀ जुक्ती Jukti स्त्री०
युक्ति (स्त्री०) युक्ति, उपाय ।

ਜੁਕਿਤੀ जुकिती Jukiti स्त्री०
द्र०—ਜੁਕਤੀ ।

ਜੁਗਤਿ जुग्ति Jugti स्त्री०
युक्ति (स्त्री०) उपाय, तर्क; ढंग ।

ਜੁਗਿਆਣੀ जुगिआणी Jugiāṇī स्त्री०
द्र०—ਜੁੱਗਣ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੁਗਨਿ जुग्नि Jugni स्त्री०
योगिनी (स्त्री०) योगिन, योग धारण करने वाली।

ਜੁਗਿ-ਜੁਗਿ जुगि-जुगि Jugi-Jugi
पुं० अधिकरण
युगे-युगे (नपुं० सप्तम्यन्त) प्रत्येक युग में, युग-युग में।

ਜੁਗੂਨੂ जुगूनू Jugunū पुं०
द्र०—ਜੀਗਣਾ।

ਜੁਗੁਪਸਾ जुगुप्सा Jugupsā स्त्री०
जुगुप्सा (स्त्री०) निन्दा, घृणा, ग्लानि।

ਜੁਗੇਸ਼ जुगेश् Juges पुं०
जगदीश (पुं०) जगदीश, जगत् के स्वामी।

ਜੁੱਗਣ जुग्गण् Juggaṇ स्त्री०
योगिनी (स्त्री०) योगिनी, योग से युक्त स्त्री, संन्यासिनी।

ਜੁਜਰ जुजर् Jujar पुं०
यजुस् (पुं०) यजुर्वेद।

ਜੁਜਰਵੇਦ जुजर्वेद् Jujarved पुं०
यजुर्वेद (पुं०) यजुर्वेद।

ਜੁਝਾਊ जुझाऊ Jujhaū वि०
योद्धृ (वि०) जुझारू, युद्ध करने वाला, लड़ाकू।

ਜੁਟਸੀ जुट्सी Juṭsī भविष्यत् अक० क्रि०
जटिष्यति (भ्वादि अक० लृट्) जुटेगा, एकत्रित होगा।

ਜੁਠਾਰਨਾ जुठार्ना Juṭhārnā सक० क्रि०
जुषते (तुदादि सक०) जूठा करना, उच्छिष्ट करना।

ਜੁਤ जुत् Jut वि०
युत (वि०) युक्त, मिला हुआ।

ਜੁੱਤਣਾ जुत्तणा Juttṇā सक० क्रि०
युनक्ति (रुधादि सक०) संलग्न करना, जोड़ना, मिलाना।

ਜੁਥ जुथ् Juth पुं०
यूथ (नपुं०) समूह, झुण्ड, गिरोह।

ਜੁੱਥ जुत्थ् Jutth पुं०
द्र०—ਜੁਥ।

ਜੁਬ जुब् Jub पुं०
युवन् (पुं०) जवान, युवक, युवा।

ਜੁਬਣ जुबण् Jubaṇ पुं०
युवन् (पुं०) युवा, जवान, तरुण।

ਜੁਮਾਈ जुमाई Jumāī पुं०
द्र०—ਜਮਾਤ੍ਰਾ।

ਜੁਵਾਂਹ जुवाँह् Juvāh पुं०
द्र०—ਜਵਾਂਹਾਂ।

ਜੁਵਾਰ जुवार Juvār पुं०
यावनाल (पुं०) जुवार, ज्वार, अन्न।

ਜੂ जू Jū पुं०
यव (पुं०) जौ अन्न, यव।

ਜੂਂਕ जूंक Jūk स्त्री०
यूका (स्त्री०) जूँ, कीड़ा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੂੰਕਾ जूँका Jūkā स्त्री०
द्र०—ਜੂੰਕ ।

ਜੂਝ जूझ् Jūjh पुं०
युद्ध (नपुं०)युद्ध, लड़ाई, संग्राम ।

ਜੂਥ जूथ् Jūth पुं०
द्र०—ਜੂਥ ।

ਜੇ जे Je अ०
यदि (अ०) यदि, अगर ।

ਜੇਸਟ जेसट् Jesaṭ पुं०
जेष्ठ (वि०) जेठा, बड़ा ।

ਜੇਹਾ जेहा Jehā अ०
यादृश (वि०) जैसा, जिस प्रकार का ।

ਜੇਣ जेण् Jeṇ करण सर्व०
येन (तृतीयान्त सर्व०) जिससे, जिसके द्वारा ।

ਜੇਤੀ जेती Jetī स्त्री०
यावती (स्त्री०) जितनी ।

ਜੇਫਲ जेफल् Jephal पुं०
जातिफल (नपुं०) जायफल ।

ਜੇਵਨਾਰ जेव्नार् Jevnār पुं०
जेमनार्ह (पुं०) जेवनार, भोजन; भोज्य, रसोई ।

ਜੈਂ जैं Jaĩ सर्व०
येन (तृतीयान्त सर्व०) जिससे ।

ਜੈਹਹि जैहहि Jaihahi भवि० सक० क्रि०
यास्यति (अदादि सक० लृट्) जायेगा ।

ਜੈਹਣਾ जैह्णा Jaihṇā सक० क्रि०
यभति (भ्वादि सक०) मैथुन, संभोग करना ।

ਜੈਹै जैहै Jaihai भवि० सक० क्रि०
द्र०—ਜੈਹहि ।

ਜੈਜਏ जैज्ए Jaij-e स्त्री०
जयकार (वि०) जयकार, जय जय की ध्वनि, विजय-घोष ।

ਜੈਂਡਾ जैंडा Jaiḍā वि०
जड (वि०) जड़, मूर्ख ।

ਜੈਤ੍ਰੀ जैत्री Jaitrī वि०
जेतृ (वि०)) जेता, विजयी ।

ਜੇਬਰे जैब्रे Jaibre क्रि० वि०
यावद्वार (नपुं०) जितनी बार ।

ਜੈਬਾਰ जैबार् Jaibār अ०
द्र०—ਜੈਬरे ।

ਜੋ जो Jo वि०
द्र०—ਜੇ ।

ਜੋਆ जोआ Joā वि०
योग्य (वि०) योग्य, लायक; उचित, अनुकूल ।

ਜਇਓ जोइओ Joio वि०
योक्त्रित (वि०) जोड़ा गया; जोता-युक्त ।

ਜੋਇਸੀ जोइसी Joisī पुं०
ज्योतिषिन् (वि०) ज्योतिष शास्त्र का ज्ञाता, ज्योतिषी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੋਏ जोए Joe स्त्री०
जाया (स्त्री०) पत्नी, भार्या ।

ਜੋਗਰਾ जोग्रा Jogrā वि०
द्र०—ਜੋਆ ।

ਜੋਗੇਨ जोगेन् Jogen करण पुं०
योगेन (तृतीयान्त पुं०) योग से, योग के द्वारा।

ਜੋੱਗਾ जोग्गा Joggā वि०
योग्य (वि०) उचित, ठीक, सम्यक् ।

ਜੋਜਨ जोजन् Jojan पुं०
योजन (नपुं०) योजन, चार कोस की दूरी का एक माप ।

ਜੋਤਸ जोतस् Jotas पुं०
ज्योतिष (नपुं०) ज्योतिष, ज्योतिष शास्त्र ।

ਜੋਤਕ जोतक् Jotak पुं०
द्र०—ਜੋਤਸ ।

ਜੋਤਕੀ जोत्की Jotkī पुं०
ज्योतिषिन् (वि०) ज्योतिषी, ज्योतिष शास्त्र को जानने वाला ।

ਜੋਤਿਕ जोतिक् Jotik पुं०
द्र०—ਜੋਤਸ ।

ਜੋਤ੍ਰਾ जोत्रा Jotrā पुं०
योक्त्र (नपुं०) चर्मरज्जू, चमड़े की रस्सी ।

ਜੋਬਣ जोबण् Jabaṇ पुं०
यौवन (नपुं०) यौवन, जवानी ।

ਜੌਬਨ जौबन् Jauban पुं०
द्र०—ਜੋਬਣ ।

ਜੌੜ जौड़् Jauṛ पुं०
युगल (नपुं०) जोड़ा, युगल ।

ਜੰਗਲ जंगल् Jaṅgal पुं०
जङ्गल (नपुं०) जंगल, वन ।

ਜੰਤਾ जन्ता Jantā पुं०
जन्तु (पुं०) जन्तु, प्राणी ।

ਜੰਤ੍ਰ जन्त्र् Jantr पुं०
द्र०—ਜੰਤਾ ।

ਜੰਤ੍ਰਿਕ जन्त्रिक् Jantrik वि०
यान्त्रिक (वि०) यन्त्र-सम्बन्धी ।

ਜੰਦਰ जन्दर् Jandar पुं०
यन्त्र (नपुं०) पनचक्की, पानी से चलने वाली आटा मशीन ।

ਜੰਨਾ जन्ना Jannā पुं०
जन (पुं०) जन, जनता, लोग ।

ਜੰਨਿ जन्नि Janni स्त्री०
जन्या (स्त्री०) वधू की सहेली ।

ਜੰਬੂਲ जम्बूल् Jambūl पुं०
जम्बूल (पुं०) जामुन का वृक्ष ।

ਜੰਮ जम्म् Jamm पुं०
जन्मन् (नपुं०) जन्म; जीवन, अस्तित्व ।

ਜੰਮਣ-ਮਰਣ जम्मण्-मरण् Jammaṇ-Maraṇ पुं०
जन्म-मरण (नपुं०) जन्म-मरण, जन्म-मृत्यु ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਜੰਮਣਾ[1] जम्मणा Jammṇā अक० क्रि०
यच्छति (भ्वादि अक०) उपरत होना, ठहरना।

ਜੰਮਣਾ[2] जम्मणा Jammṇā अक० क्रि०
जृम्भते (भ्वादि अक०) जम्भाई लेना।

झ

ਝਸਣਾ झस्णा Jhasṇā सक० क्रि०
झषति (भ्वादि सक०) मारना; दुःख देना; मसलना।

ਝਖ झख् Jhakh स्त्री०
झष (पुं०) मछली, मत्स्य; मगरमच्छ।

ਝਖਣਾ झख्णा Jhakhṇā सक० क्रि०
द्र०—झसणा।

ਝਝਰ झझर् Jhajhar वि०
झर्झरित (वि०) मुरझाया हुआ।

ਝਟ झट् Jhaṭ क्रि० वि०
झटिति (अ०) तुरन्त, झटपट।

ਝਰਝਰਾ झर्झरा Jharjharā वि०
द्र०—झझर।

ਝਲਕਣਾ झल्कणा Jhalkaṇā अक० क्रि०
झल्लिकायते (नामधातु अक०) चमकना, प्रकाशित होना।

ਝਾਈਂ झाईं Jhāī स्त्री०
छाया (स्त्री०) प्रतिबिम्ब, परछाईं, छाया।

ਝਾਂਜ झांज् Jhāj पुं०
झर्झर (पुं०) झांझ, मजीरा।

ਝਾਂਝ झांझ् Jhāj̃h पुं०
द्र०—झांज।

ਝਾਮਾਂ झामाँ Jhāmā̃ पुं०
झामक (नपुं०) झावाँ, जली हुई ईंट।

ਝਾਰਿ झारि Jhāri स्त्री०
झाट (पुं०) झाड़, कुञ्ज, झाड़ी।

ਝਾਲਰੀ झाल्री Jhālrī स्त्री०
झल्लरी (स्त्री०) झालर; झाँझ।

ਝਿੰਗਾਰ झिंगार् Jhiṅgār स्त्री०
झङ्कार (पुं०) झांझ, मजीरा आदि की ध्वनि।

ਝਿੱਲ झिल्ल् Jhill स्त्री०
झिङ्गिनी (स्त्री०) झाड़बेल, झाड़ी।

ਝੀਣ झीण् Jhīṇ वि०
द्र०— झीठ।

ਝੀਨ झीन् Jhīn वि०
क्षीण (वि०) क्षीण; नष्ट; दुर्बल; कृश।

ਝੁਝੂਵਾ झुझूवा Jhujhūvā पुं०
योद्धृ (वि०) योद्धा, युद्ध करने वाला।

ਝੁੱਝ झुज्झ् Jhujjh पुं०
युद्ध (नपुं०) लड़ाई, संग्राम।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਝੁਲਣ झुलण् Jhulaṇ पुं०
हिन्दोलन (नपुं०) झूलने का भाव।

ਝਲਨਾ झोल्ना Jholnā पुं०
हिन्दोल (पुं०) हिंडोला, झूला।

ਝੰਪਾਨ झम्पान् Jhampān पुं०
झम्पयान (नपुं०) उछलकर जाने वाली सवारी; उछलकर जाने का भाव।

ਟ

ਟਟੀਹਰੀ टटीह्री Ṭaṭīhrī पुं०
टिट्टिभ (पुं०) टिटहरी चिड़िया।

ਟਬਰ टबर् Ṭabar पुं०
कुटुम्ब (पुं०, नपुं०) बाल, बच्चे, संतान, परिवार।

ਟੱਲਿਕਾ टल्लिका Ṭallikā स्त्री०
घण्टाली (स्त्री०) छोटी घण्टी।

ਟਾ टा Ṭā पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान, जगह, जमीन।

ਟਾਉਠਾ टाउठा Ṭāuṭhā पुं०
तापस्थान (नपुं०) धूप लगने का स्थान।

ਟਾਂਕਨਾ टांक्ना Ṭāknā सक० क्रि०
टङ्कयति (चुरादि सक०) बांधना, जोड़ना; आच्छादित करना; टांकना।

ਟਾਰਣਾ टार्णा Ṭārṇā सक० क्रि०
द्र०—ਟਾਰਨਾ।

ਟਾਰਨਾ टार्ना Ṭārnā सक० क्रि०
तारयति (भ्वादि प्रेर०) हटाना, टालना, खिसकाना।

ਟਿਕਈ टिक्ई Ṭik-ī वर्त० अक० क्रि०
टेकते (भ्वादि सक० लट्) जाता है, ठहरता है।

ਟਿਕਈਆ टिकइआ Ṭikaiā पुं०
टेकक / टेकयितृ (वि०) टिकाने वाला, ठहराने वाला।

ਟਿੰਡਸ टिण्डस् Ṭiṇḍas पुं०
टिण्डिश (नपुं०) टिण्डा, टिण्डी, सब्जी-विशेष।

ਟੁੱਠਣਾ टुट्ठणा Ṭuṭṭhṇā अक० क्रि०
तुष्यति (दिवादि अक०) संतुष्ट होना, प्रसन्न होना।

ਟੁਟਨਾ टूट्ना Ṭūṭnā अक० क्रि०
त्रुटति (तुदादि सक०) टूटना, खण्डित होना।

ਟੂਟਿ टूटि Ṭūṭi स्त्री०
त्रुटि (स्त्री०) गलती, अपराध।

ਟੇਂਦੂ टेन्दू Ṭendū पुं०
तिन्दुक (पुं०) तेंदू का पेड़।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਟੋਭੜਾ टोभ्ड़ा Ṭobhṛā पुं०
तोयाभ (पुं०) कच्चा तालाब ।

ਟੋਭੜੀ टोभ्ड़ी Ṭobhṛī स्त्री०
द्र०—टोभड़ा ।

ਟੰਗ टंग् Ṭaṅg स्त्री०
टङ्ग (पुं०) टांग, पैर ।

ठ

ਠਹਰਨਾ ठह्र्ना Ṭhaharnā अक० क्रि०
तिष्ठति (भ्वादि अक०) ठहरना, खड़ा होना, स्थित होना; रुकना ।

ਠਹਰਾਉਣਾ ठह्राउणा Ṭhahrāuṇā प्रेर० क्रि०
स्थापयति (भ्वादि प्रेर०) स्थित करना; रोकना ।

ਠਹਿਕਾ ठहिका Ṭhahikā पुं०
अट्टहास (पुं०) अट्टहास, ठहाका, जोर की हँसी ।

ਠਕਾਣਾ ठकाणा Ṭhakāṇā पुं०
स्थानक (नपुं०) स्थान, ठिकाना ।

ਠਕੁਰ ठकुर् Ṭhakur पुं०
ठक्कुर (पुं०) देवता; स्वामी; राजा; राजपूतों की एक उपाधि ।

ਠਪਨਾ ठप्ना Ṭhapnā सक० क्रि०
स्थापयति (भ्वादि प्रेर०) स्थापित करना; बन्द करना; दृढ़ निश्चय करना ।

ਠਰਹਰ ठर्हर् Ṭharhar वि०
स्थिरतर (वि०) अचल, दृढ़, स्थायी ।

ਠਾ ठा Ṭhā पुं०
स्थान (नपुं०) जगह, स्थान, ठिकाना ।

ਠਾਂ ठां Ṭhā̃ पुं०
द्र०—ठा ।

ਠਾਉ ठाउ Ṭhāu पुं०
द्र०—ठा ।

ਠਾਇ[1] ठाइ Ṭhāi पुं०
द्र०—ठा ।

ਠਾਇ[2] ठाइ Ṭhāi वि०
अष्टाविंशति (स्त्री०) अट्ठाईस, 28 ।

ਠਾਈਸ ठाईस् Ṭhāīs वि०
अष्टाविंशति (स्त्री०) अट्ठाईस, 28 ।

ਠਾਈਮਾਂ ठाईमां Ṭhāīmā̃ पुं०
अष्टाविंशतितम (वि०) अट्ठाईसवां, 28वाँ।

ਠਾਸੀ ठासी Ṭhāsī वि०
अष्टाशीति (स्त्री०) अट्ठासी, 88 ।

ਠਾਸੀਆਂ ठासीआं Ṭhāsīā̃ पुं०
अष्टाशीतितम (वि०) अट्ठासीवां, 88वां ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਠਾਸੀਵਾਂ ठासीवां Ṭhāsīvã वि०
द्र०—ਠਾਸੀਆਂ ।

ਠਾਣ ठाण् Ṭhāṇ पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान, जगह ।

ਠਾਣਵੇਂ ठाण्वें Ṭhāṇvē वि०
अष्टनवति (स्त्री०) अट्ठानवे, 98 ।

ਠਾਰਨਾ ठार्ना Ṭhārnā प्रेर० क्रि०
स्थिरयति (भ्वादि प्रेर०) ठंडा करना, शीतल करना ।

ਠਾਰਾਂ ठारां Ṭhārã वि०
अष्टादशन् (वि०) अट्ठारह, 18 ।

ਠੁਆਰ ठुआर् Ṭhuār पुं०
अष्टवार (नपुं०) अठवारा, आठ दिनों का समय ।

ਠੈਹ ठैह् Ṭhaih पुं०
द्र०—ਠਉਂ ।

ਠੌਂ ठौं Ṭhaũ स्त्री०
द्र०—ਠਾਂ ।

ਡ

ਡਉ डउ Ḍu पुं०
दव (पुं०) दावाग्नि, दावानल, जंगल की आग ।

ਡਉਰ डउर् Ḍaur पुं०
डम्बर (पुं०) अस्पष्ट कथन, आडम्बर ।

ਡੱਸਨਾ डस्स्ना Ḍassnā अक० क्रि०
दशति (भ्वादि सक०) डसना, डंक मारना; काटना ।

ਡਹਕਣਾ डहक्णा Ḍahakṇā अक० क्रि०
दहति (भ्वादि अक०) जलना ।

ਡਹਾਇਆ डहाइआ Ḍahāiā पुं०
दशगात्र (नपुं०) दशगात्र, मृत्यु के दसवें दिन की रीति या और्ध्वदेहिक कृत्य ।

ਡਹਿਸਰ डहिसर् Ḍahisar पुं०
दशशिरस् (पुं०) दस शिर, रावण ।

ਡਹੀ डही Ḍahī स्त्री०
दधि (नपुं०) दही ।

ਡਹੀਂ डहीं Ḍahī क्रि० वि०
दिशि (स्त्री० सप्तम्यन्त) दिशा में, ओर ।

ਡਡੀਆ डडीआ Ḍadīā पुं०
दध्रस् (नपुं०) पोशाक, लिबास ।

ਡੱਡ डड्ड् Ḍaḍḍ स्त्री०
दर्दुर (पुं०) दादुर, मेंढक ।

ਡੱਡੂ डड्डू Ḍaḍḍū पुं०
दर्दुर (पुं०) दादुर, मेंढक ।

ਡਢ डढ् Ḍaḍh वि०
दग्ध (वि०) जला हुआ ।

ਡਢਨਾ डढ्ना Ḍaḍhnā अक० क्रि०
दहति (भ्वादि अक०) जलना, दग्ध होना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਡੱਢ डड्ढ Ḍaḍḍh पुं०
द्र०—ਡੱਡ ।

ਡੱਢੁ डड्ढु Ḍaḍḍhu पुं०
द्र०—ਡੱਡੁ ।

ਡਰਪਾਨਾ डर्पाना Ḍarpānā प्रेर० क्रि०
दारयति (क्र्यादि प्रेर०) डराना, भयभीत करना ।

ਡਾਂਸ डांस् Ḍãs पुं०
दंष्ट्रिन् (वि०) दाढ वाला प्राणी; मच्छर ।

ਡਾਹਪਣ डाह्पण् Ḍāhpaṇ पुं०
दाहपण (पुं०) जलन, ईर्ष्या ।

ਡਾਖੜਾ डाख्ड़ा Ḍākhṛā पुं०
दुःखप्रद (वि०) दुःखदायी, दुःख देने वाला ।

ਡਾਂਡ डांड् Ḍãḍ पुं०
दण्ड (पुं०) सजा, जुर्माना ।

ਡਾਂਡੀ डांडी Ḍãḍī पुं०
द्र०—ਡੰਨ ।

ਡਾਢੀ डाढी Ḍāḍhī स्त्री०
दाडिका (स्त्री०) दाढ़ी ।

ਡਾਭ डाभ् Ḍābh पुं०
दर्भ (पुं०) कुश, एक प्रकार की पवित्र घास ।

ਡਾਂਮ डांम् Ḍãm पुं०
द्र०—ਡੰਢ ।

ਡਾਲ डाल् Ḍāl स्त्री०
दाल (पुं०) दाल, द्विदल (मटर की) ।

ਡਾੜਾ डाड़ा Ḍāṛā पुं०
द्र०—ਡਾਂਡ ।

ਡਿਸ डिस् Ḍis स्त्री०
दृश् (स्त्री०) दृष्टि, निगाह; नेत्र, आँख ।

ਡਿਹਰਾ डिह्रा Ḍihrā पुं०
देवघर (पुं०) मन्दिर, देवालय ।

ਡਿਹੜਾ डिह्ड़ा Ḍihṛā पुं०
दिवस (पुं०) दिन, दिवस, वासर ।

ਡਿਖ डिख् Ḍikh स्त्री०
द्र०—ਡਿਸ ।

ਡਿਠ डिठ् Ḍiṭh स्त्री०
दृष्टि (स्त्री०) दृष्टि, नजर, डीठ ।

ਡਿਠਮੁ डिठमु Ḍiṭhamu वि०
दृष्ट (वि०) देखा हुआ, अवलोकित ।

ਡਿਡ डिड् Ḍiḍ स्त्री०
द्र०—ਡੱਡ ।

ਡਿਨ डिन् Ḍin पुं०
दिन (नपुं०) दिवस, दिन ।

ਡਿੰਭ डिम्भ् Ḍimbh पुं०
दम्भ (पुं०) पाखण्ड, अभिमान ।

ਡਿੰਭੀ डिम्भी Ḍimbhī वि०
दम्भिन् (वि०) दम्भी, पाखण्डी, घमंडी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਡਿਮਡਿਮੀ डिम्डिमी Ḍimḍimī पुं०
डिण्डिम (पुं०) नगाड़ा; वाद्य-विशेष।

ਡਿੜ डिड़् Ḍiṛ वि०
दृढ (वि०) पुष्ट, मजबूत।

ਡੀਠ डीठ् Ḍīṭh स्त्री०
द्र०—ڈِٹھ।

ਡੀਠਿ डीठि Ḍīṭhi स्त्री०
द्र०—ڈِٹھ।

ਡੁਖ डुख् Ḍukh पुं०
दुःख (नपुं०) दुःख, शोक; पीड़ा, कष्ट।

ਡੁਖੀ डुखी Ḍukhī वि०
दुःखिन् (वि०) दुःख युक्त, शोकग्रस्त, पीड़ित।

ਡੁਧੁ डुधु Ḍudhu स्त्री०
दधि (नपुं०) दही।

ਡੁੱਲਣਾ डुल्ल्णा Ḍullṇā अक० क्रि०
दोलयति / ते (चुरादि अक० / सक०) हिलना-डुलना, डोलना।

ਡੂ डू Ḍū वि०
द्वि (वि०) दो, 2।

ਡੂੰਗਰ डूंगर Ḍūgar पुं०
तुङ्गगिरि (पुं०) ऊँचा पहाड़, पहाड़ की चोटी।

ਡੂਜਾ डूजा Ḍūjā पुं०
द्वितीय (वि०) दूसरा।

ਡੂੱਨਾ डून्ना Ḍūnnā पुं०
द्रोण (पुं०, नपुं०) दोना, पत्तों का पात्र-विशेष।

ਡੇਉ डेउ Ḍeu पुं०
देह (नपुं०, पुं०) शरीर, देह।

ਡੇਂਹ डेंह् Ḍēh पुं०
देह (पुं०, नपुं०) देह, शरीर।

ਡੇਹਰਾ डेह्रा Ḍehrā पुं०
द्र०—ڈِہرا।

ਡੇਖਣ डेखण् Ḍekhaṇ पुं०
दर्शन (नपुं०) देखने की क्रिया या देखने का भाव।

ਡੈਂਡ डैंड् Ḍaiḍ पुं०
दण्ड (पुं०, नपुं०) दण्ड, जुर्माना।

ਡੋਸ डोस् Ḍos पुं०
दोष (पुं०) अवगुण, त्रुटि, न्यूनता।

ਡੋਸਾ डोसा Ḍosā पुं०
द्र०—ڈوس।

ਡੋਹ डोह् Ḍoh पुं०
द्र०—ڈوس।

ਡੋਹਾਗਣਿ डोहाग्णि Ḍohāgṇi वि०
दुर्भगा (स्त्री०) दुर्भाग्यवाली, विधवा।

ਡੋੱਨਾ डोन्ना Ḍonnā पुं०
द्र०—ڈونا।

ਡੋਲ डोल् Ḍol पुं०
दोल (पुं०) झूला, हिंडोला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਡੰਸ डंस् Ḍans वि०
द्र०—डांस।

ਡੰਡ डण्ड् Ḍaṇḍ पुं०
दण्ड (पुं०, नपुं०) डण्डा, लगुड, लाठी।

ਡੰਡਉਤ डंड्उत् Ḍaṇḍut पुं०
दण्डवत् (अ०) दण्डे से समान सीधे सोकर प्रणाम करने की क्रिया।

ਡੰਡਕਾਰ डंड्कार् Ḍaṇḍkār पुं०
दण्डकारण्य (नपुं०) एक पुराना जंगल जो विन्ध्याचल से लेकर गोदावरी तट तक फैला हुआ था।

ਡੰਡਾ डण्डा Ḍaṇḍā पुं०
द्र०—डंड।

ਡੰਢ डण्ढ् Ḍaṇḍh पुं०
दम्भ (पुं०) पाखण्ड, दम्भ।

ਡੰਫ डम्फ् Ḍamph पुं०
दम्भ (पुं०) पाखण्ड, घमंड।

ਡੰਭ डम्भ् Ḍambh पुं०
द्र०—डंढ।

ਡੰਭਣ डम्भण् Ḍambhaṇ स्त्री०
दम्भिनी (स्त्री०) दम्भ से युक्त स्त्री।

ਡੰਮਹਣਾ डम्म्ह्णा Ḍammhṇā अक०/सक० क्रि०
दहति (भ्वादि अक० / सक०) जलना, जलाना।

ਢ

ਢਹਗਿ ढह्गि Ḍhahgi भवि० अक० क्रि०
ध्वंसिष्यते (भ्वादि अक० लृट्) ढहेगा, ध्वंस होगा।

ਢਹਣਾ ढह्णा Ḍhahṇā अक० क्रि०
ध्वंसते (भ्वादि अक०) ढहना, ध्वंस होना, गिरना।

ਢਹਨਾ ढह्ना Ḍhahnā अक० क्रि०
द्र०—ढहणा।

ਢਹੈ ढहै Ḍhahai वर्त० अक० क्रि०
ध्वंसते (भ्वादि अक० लट्) नष्ट होता है, ढहता है।

ਢੱਕਨ ढक्कन् Ḍhakkan पुं०
ढक्कन (नपुं०) ढकने अथवा दरवाजा बन्द करने का भाव।

ਢਢੋਲਨਾ ढढोल्ना Ḍhaḍholnā सक० क्रि०
ढुण्ढति (भ्वादि सक०) ढूढ़ना, खोजना।

ਢਾਉ ढाउ Ḍhāu पुं०
ध्वंसक (वि०) ढाहने वाला।

ਢਿਠ ढिठ् Ḍhiṭh वि०
धृष्ट (वि०) ढीठ, साहसी, हठी।

ਢੀਖ ढीख् Ḍhīkh वि०
द्र०—ढिठ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਢੁਵਾਉਣਾ ढुवाउणा Ḍhuvāuṇā प्रेर० क्रि०
ढौकयति (भ्वादि प्रेर०) ढुलवाना, ढुलाना।

ਢੂੰਢਨਾ ढूंढ्ना Ḍhūḍhnā सक० क्रि०
ढुण्ढति (भ्वादि सक०) ढूंढना, अन्वेषण करना, खोजना।

ਢੋਹਣਾ ढोह्णा Ḍhohṇā सक० क्रि०
ढौकते (भ्वादि सक०) ढोना, भार को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना।

ਢੋਲਕਿਆ ढोल्किआ Ḍholkiā पुं०
ढोलिन् (पुं०) ढोली, ढोल बजाने वाली जाति का पुरुष।

ਢੰਢੋਰਚੀ ढंढोर्ची Ḍhāḍhorcī पुं०
ढक्कारिन् (वि०) ढंढोरची, ढिंढोरा पीटने वाला।

ਣ

ਣਹ णह् Ṇah अ०
न (अ०) नहीं, निषेधात्मक शब्द।

ਣਮੋਕਾਰ णमोकार् Ṇamokār पुं०
नमस्कार (पुं०) प्रणाम, वन्दना।

ਣਾ णा Ṇā अ०
द्र०—ਣਹ।

ਣਾਪ णाप् Ṇāp पुं०
माप (पुं०) नाप, नापने का भाव।

ਣਾਮ णाम् Ṇām पुं०
नामन् (नपुं०) किसी व्यक्ति या वस्तु का निर्देश करने वाला शब्द, नाम, संज्ञा।

ਣੀਦ णीद् Ṇīd स्त्री०
निद्रा (स्त्री०) नींद।

ਣੀਦਾ णीदा Ṇīdā वि०
निद्रित (वि०) निद्रा युक्त।

ਤ

ਤਉ[1] तउ Tau सर्व०
तव (सर्व० षष्ठ्यन्त) तुम्हारा, तुम्हारी।

ਤਉ[2] तउ Tau अ०
तदा (अ०) तब, उस समय।

ਤਉ[3] तउ Tau अ०
तद् (अ०) तो।

ਤਉਸਾਰ तउसार् Tausār पुं०
तुषार (पुं०) हिम, बर्फ; पाला।

ਤਉਕਣ तउकण् Taukaṇ पुं०
तोयकण (पुं०) जलकण, पानी की बूंद।

ਤਉ तऊ Tāū अ०
द्र०—ਤਉ[1,2,3]

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਉਆ तऊआ Tāūā पुं०
तात (पुं०) पिता; अपने से बड़े अथवा छोटे के लिये सम्बोधन का शब्द ।

ਤਈਸਮੇਂ तईस्में Taīsmē पुं०
त्रयोविंश (वि०) तेईसवां, 23वाँ ।

ਤਈਵਾਂ तईवां Taīvā पुं०
त्रयोविंशतितम (वि०) तेईसवां, 23वां

ਤਸ तस् Tas पुं०
तादृश (वि०) वैसा, उसके समान ।

ਤਸਮਾਤ तस्मात् Tasmāt हेतु सर्व०
तस्मात् (पंचम्यन्त सर्व०) उससे, उस कारण से ।

ਤਸੈ तसै Tasai स्त्री०
तृष् (स्त्री०) उत्कट प्यास, तृषा ।

ਤਹ तह् Tah क्रि० वि०
तत्र (अ०) उस स्थान पर, वहाँ ।

ਤਹਾ तहा Tahā क्रि० वि०
तत्र (अ०) उस स्थान पर, वहाँ ।

ਤਹਿ तहि Tahi अ०
द्र०—ਤਹ ।

ਤਹਿਕਣਾ तहिक्णा Tahikṇā अक० क्रि०
त्रस्यति (दिवादि अक०) डरना, भयभीत होना ।

ਤੱਕਣਾ तक्क्ना Takknā अक० क्रि०
तर्कयति (चुरादि अक०) तर्क करना, कल्पना करना, अनुमान करना; ताकना, झाँकना ।

ਤੱਕਲਾ तक्क्ला Takklā पुं०
द्र०—ਤੱਕੁਲਾ ।

ਤੱਕੁਲਾ तक्कुला Takkulā पुं०
तर्कु (पुं०) तकुला, टेकुआ ।

ਤੱਕੁਲੀ तक्कुली Takkulī स्त्री०
तर्कु (स्त्री०) तकली, सूत कातने वाली तकली ।

ਤਛਾਉਣਾ तछाउणा Tachāuṇā प्रेर० क्रि०
तक्षयति (भ्वादि प्रेर०) कटवाना, तरास कराना ।

ਤਛਿਨ तछिन् Tachin क्रि० वि०
तत्क्षण (नपुं०) उसी समय, तत्काल ।

ਤੱਛਣ तच्छण् Tacchaṇ अ०
द्र०—ਤਛਿਨ ।

ਤਜਾਰੀ तजारी Tajārī वि०
त्यजनार्ह (वि०) त्यागयोग्य, त्याज्य, छोड़ने योग्य ।

ਤਟਤ तटत् Taṭat स्त्री०
तडित् (स्त्री०) तड़ित्, विद्युत्, बिजली ।

ਤਟਾ तटा Taṭā पुं०
तडाग (पुं०) तालाब, तड़ाग ।

ਤਡਨਾ तड्ना Taḍnā सक० क्रि०
तनोति (तनादि सक०) तानना, फैलाना, पसारना ।

ਤਣਨਾ तण्ना Taṇnā सक० क्रि०
द्र०—ਤਡਨਾ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤੱਣਾ तण्णा Tanṇā सक० क्रि०
तनोति (तनादि सक०) फैलाना, तानना।

ਤਤ तत् Tat सर्व०
तत् (सर्व०) ब्रह्म, कर्तार; वह।

ਤਤਕਾਲਾ तत्काला Tatkālā क्रि० वि०
तत्काल (नपुं०) उसी समय।

ਤਤਖਿਨ तत्खिन् Tatkhin क्रि० वि०
तत्क्षण (नपुं०) तत्क्षण, तत्काल।

ਤਤਵਿਤਾ तत्विता Tatvitā पुं०
तत्त्ववेतृ (वि०) तत्त्ववेत्ता, तत्त्व को जानने वाला।

ਤਤਿਖਯਾ ततिख्या Tatikhyā स्त्री०
तितिक्षा (स्त्री०) सहनशीलता, क्षमा।

ਤਤਿਖਿਆ ततिखिआ Tatikhiā स्त्री०
द्र०—ਤਤਿਖਯਾ।

ਤਤੁਯਮ ततुयम् Tatuyam सर्व०
तत् त्वम् (सर्व०) वह तुम।

ਤੱਤਾ तत्ता Tattā वि०
तप्त (वि०) गरमाया या पिघला हुआ, अति गर्म।

ਤਥਾਸੁ तथासु Tathāsu वाक्य
तथास्तु (वाक्य) वैसा हो।

ਤਥੁ तथु Tathu पुं०
तथ्य (नपुं०) यथार्थ, सार; वास्तविक।

ਤਦੰਤਰ तदन्तर् Tadantar क्रि० वि०
तदनन्तर (नपुं०) तत्पश्चात्, उसके बाद।

ਤਨਨਾ तन्ना Tannā सक० क्रि०
तनोति (तनादि सक०) फैलाना, लम्बा करना; खींचना।

ਤਨਮਹਿ तन्महि Tanmahi वि०
तन्मय (वि०) उसी में निवेशित चित्त वाला, उसी में लीन हो जाने वाला।

ਤਪਤਿ तप्ति Tapti स्त्री०
तप्ति (स्त्री०) ताप, आंच, जलन।

ਤਬੋਲ तबोल् Tabol पुं०
ताम्बूल (नपुं०) पान, पान का पत्ता।

ਤਮਤਾਰ तम्तार् Tamtār पुं०
तारतम्य (नपुं०) न्यूनाधिक्य, कम-ज्यादा, थोड़ा-बहुत।

ਤਮੇਸਰ तमेसर् Tamesar पुं०
ताम्रेश्वर (पुं०) तांबे का भस्म; ताम्ररस।

ਤਮੋਰ तमोर् Tamor पुं०
द्र०—ਤਮਬੋਲ।

ਤਮੋਲ तमोल् Tamol पुं०
द्र०—ਤਮਬੋਲ।

ਤਰਕਲਾ तरक्ला Taraklā पुं०
द्र०—ਤੱਕੁਲਾ।

ਤਰੱਕੁਲਾ तरक्कुला Tarakkulā पुं०
तर्कु (पुं०) तकुआ जिसपर चर्खे में सूत लिपटता जाता है।

ਤਰਤਾਲੀ तर्ताली Tartālī वि०
त्रयश्चत्वारिंशत् (स्त्री०) तैंतालीस, 43।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਰਨੀ तर्नी Tarnī स्त्री०
तरणी (स्त्री०), नाव, किश्ती ।

ਤਰਪਣ तर्पण Tarpaṇ पुं०
तर्पण (नपुं०) तृप्त करने की क्रिया; आह्निक पाँच कर्तव्यानुष्ठानों में से एक, पितृयज्ञ-विशेष ।

ਤਰਪਾ तर्पा Tarpā स्त्री०
त्रपा (स्त्री०) लज्जा, शर्म; वेश्या ।

ਤਰਯਾਸੀ तर्यासी Taryāsī वि०
त्र्यशीति (स्त्री०) तिरासी, 83 ।

ਤਰਵੈਣੀ तर्वैणी Tarvaiṇī स्त्री०
त्रिवेणी (स्त्री०) त्रिवेणी, प्रयाग का वह स्थान जहाँ गंगा, यमुना सरस्वती का सङ्गम है ।

ਤਰਵੰਜਾ तर्वंजा Tarvañjā वि०
त्रिपञ्चाशत् (स्त्री०) तिरपन, 53 ।

ਤਰਾਇਣੁ तराइणु Tarāiṇu वि०
तारक (वि०) तारने वाला, पार करने वाला ।

ਤਰਾਸੀ तरासी Tarāsī वि०
त्र्यशीति (स्त्री०) तिरासी, 83 ।

ਤਰਾਣਮਾ तराण्मां Tarāṇmā पुं०
त्रिनवतितम (वि०) तिरानवेवां, 93वाँ ।

ਤਰਾਣਮੇਂ तराण्में Tarāṇmē वि०
त्रिनवति (स्त्री०) तिरानवे, 93 ।

ਤਰਾਣਵਾਂ तराण्वां Tarāṇvā वि०
द्र०—ਤਰਾਣਮਾਂ ।

ਤਰਾਣਵੇਂ तराण्वें Tarāṇvē वि०
द्र०—ਤਰਾਣਮੇਂ ।

ਤਰਾਤ तरात् Tarāt वि०
त्रात (वि०) रक्षित, बचाया हुआ ।

ਤਰਾਂਤਿ तरांति Tarānti वि०
त्रातृ (वि०) रक्षक, त्राता ।

ਤਰਾਧੋ त्राधो Trādho वर्त० प्रेर० क्रि०
तारयति (भ्वादि प्रेर० लट्) तारता है, उद्धार करता है ।

ਤਰਾਂਬਾ तरांबा Tarāba पुं०
ताम्र (नपुं०) ताँबा ।

ਤਰਿਆਹਾ तरिआहा Tariāhā पुं०
तृषार्त (वि०) प्यासा, पिपासु ।

ਤਰਿਖਾ तरिखा Tarikhā स्त्री०
तृषा (स्त्री०) उत्कट प्यास ।

ਤਰਿਣ तरिण् Tariṇ पुं०
तृण (नपुं०) तिनका, खर-पात, घास ।

ਤਰੁਨੋ तरुनो Taruno सम्बन्ध पुं०
तरणेः (पुं० षष्ठ्यन्त) सूर्य का ।

ਤਰੇ[1] तरे Tare अधि० पुं०
तले (नपुं० सप्तम्यन्त) तल में, नीचे ।

ਤਰੇ[2] तरे Tare वि०
त्रय (वि०) तीन का समूह ।

ਤਰੋਸਤੀ तरोस्ती Tarostī स्त्री०
त्रयोदशी (स्त्री०) त्रयोदशी, चन्द्रमा की तेरहवीं तिथि ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਰੋਵਰ तरोवर् Tarovar पुं०
तरुवर (पुं०) तरुवर; उत्तम वृक्ष।

ਤਰੰਗਾਲੀ तरंगाली Taraṅgālī स्त्री०
तरङ्गिणी (स्त्री०) नदी, जिसमें तरङ्गें उठती हैं।

ਤਰੰਗੀ तरंगी Taraṅgī वि०/पुं०
तरङ्गिन् (वि० / पुं०) वि०—मौजी, मस्त। पुं०—समुद्र।

ਤਲਪ तल्प् Talp पुं०
तल्प (नपुं०, पुं०) सेज, पलंग; मकान के ऊपर की मंजिल।

ਤਲਪਾ तल्पा Talpā स्त्री०
तल्पा (स्त्री०) सेज पर बिछाने का वस्त्र।

ਤਲੱਯਾ तलय्या Talayyā स्त्री०
तडाग (पुं०) छोटा तालाब, पोखरी, तलैया।

ਤਲਾ तला Talā पुं०
द्र०—ਤਲੱਯਾ।

ਤੱਲ तल्ल् Tall पुं०
तल्ल (नपुं०) गड्ढा, गर्त; तलैया।

ਤਵਕ तवक् Tavak सर्व०
तावक (सर्व०) तेरा, तुम्हारा।

ਤਵਾਡਾ तवाडा Tavāḍā सम्बन्ध सर्व०
तव (सर्व० षष्ठ्यन्त) तुम्हारा, आपका।

ਤੜਿ तड़ि Taṛi स्त्री०
तडि (स्त्री०) चोट, आघात।

ਤਾਉ ताउ Tāu पुं०
ताप (पुं०) गर्मी; धधक, आँच।

ਤਾਅ ताअ Tā-a पुं०
ताप (पुं०) गर्मी, उष्णता।

ਤਾਸੁ तासु Tāsu सम्बन्ध सर्व०
तस्य (सर्व० षष्ठ्यन्त) उसका।

ਤਾਸੁ ਤਾਸੁ तासु तासु Tāsu Tāsu
आज्ञा० सक० क्रि०
त्रायस्व त्रायस्व (दिवादि सक० लोट्) त्राहि-त्राहि, रक्षा करो, रक्षा करो।

ਤਾਹਣਾ ताह्णा Tāhṇā सक० क्रि०
त्रासयति (दिवादि प्रेर०) त्रास देना, डराना।

ਤਾਹਾ ताहा Tāhā अ०
तत्र (अ०) उस स्थान पर।

ਤਾਡ ताड् Tāḍ पुं०
ताड/ताल (पुं०) ताल वृक्ष; ताड़।

ਤਾਂਣੀ ताणी Tāṇī स्त्री०
तनन (नपुं०) अरगनी।

ਤਾਤੁਕ तातुक् Tātuk वि०
तात्त्विक (वि०) तत्त्व युक्त, वास्तविक।

ਤਾਤੁਲ तातुल् Tātul पुं०
ततुल्य (वि०) पिता तुल्य; पुत्र के समान।

ਤਾਨਨਾ तान्ना Tānnā सक० क्रि०
तनोति (तनादि सक०) तानना, फैलाना, विस्तार करना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਾਪਰ तापर् Tāpar अ०
तदुपरि (अ०) उसके ऊपर; तत्पश्चात् ।

ਤਾਭੀ ताभी Tābhī अ०
तदपि (अ०) तो भी; उस पर भी ।

ਤਾਰ तार् Tār पुं०
ताल (पुं०) ताल वृक्ष ।

ਤਾਰਣਾ तार्णा Tārṇā प्रेर० क्रि०
तारयति (भ्वादि प्रेर०) तारना, पार करना; उद्धार करना ।

ਤਾਰਤਮ तार्तम् Tārtam पुं०
द्र०—ਤਮਤਾਰ ।

ਤਾਰਨਾ तार्ना Tārnā क्रि०
द्र०—ਤਾਰਣਾ ।

ਤਾਰਿ-ਅਮੁ तारि-अमु Tāri-amu
भूत० सक० क्रि०
अतार्यम् (भ्वादि प्रेर० लङ्) मैंने पार किया ।

ਤਾਰੁਣੀ तारुणी Tāruṇī स्त्री०
तारुण्य (नपुं०) तरुणाई, जवानी, युवावस्था ।

ਤਾਵ ताव् Tāv पुं०
ताप (पुं०) ताप, दाह, गर्मी; संताप, पीड़ा, दुःख, क्लेश ।

ਤਿ ति Ti वि०
त्रि (वि०) तीन, 3 ।

ਤਿਉੜੀ तिउड़ी Tiuṛī स्त्री०
त्रिवलि (स्त्री०) तेवर, क्रोध में ललाट पर पड़ी तीन रेखायें ।

ਤਿਅ तिअ Tia स्त्री०
स्त्री (स्त्री०) नारी, औरत ।

ਤਿਆਸਾ तिआसा Tiāsā पुं०
तृषार्त (वि०) उत्कृट प्यास से युक्त, प्यास से दुःखी ।

ਤਿਸਕੇ तिस्के Tiske वि०
तृषित (वि०) प्यासा, पिपासु ।

ਤਿਸਟ तिसट् Tisaṭ पुं०
स्थित (नपुं०) ठहरने का भाव ।

ਤਿਸਟਸਿ तिस्टसि Tisṭasi वर्त० अक० क्रि०
तिष्ठसि (भ्वादि अक० लट्) ठहरते हो ।

ਤਿਸਾ तिसा Tisā स्त्री०
तृषा (स्त्री०) उत्कट प्यास; लोभ ।

ਤਿਸਾਇਓ तिसाइओ Tisāio वि०
तृषातुर (वि०) प्यास से व्याकुल, प्यासा ।

ਤਿਹ[1] तिह Tih स्त्री०
तृषा (स्त्री०) उत्कट प्यास ।

ਤਿਹ[2] तिह् Tih वि०
त्रि (वि०) तीन, 3 ।

ਤਿਹਰ तिहर् Tihar पुं०
त्रिहल्य (वि०) तीन बार जुता हुआ खेत ।

ਤਿਕ तिक् Tik पुं०
त्रिक (नपुं०) तीन का समुदाय ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਿਕਤ तिकत् Tikat वि०
तिक्त (वि०) तीता, कड़ुआ।

ਤਿਖਈਆ तिख्इया Tikhiā वि०
तृषित (वि०) प्यासा, पिपासु।

ਤਿਖਾਟ तिखाट् Tikhāṭ स्त्री०
तृष् (स्त्री०) तृषा, प्यास, पिपासा।

ਤਿਗਣਾ तिग्णा Tigṇā वि०
त्रिगुण (वि०) तिगुना, तीन गुना।

ਤਿਗਮ तिगम् Tigam वि०
तिग्म (वि०) तीव्र, पैना; उग्र, प्रचण्ड।

ਤਿੱਗਣਾ तिग्ग्णा Tiggṇā वि०
द्र०—ਤਿਗਣਾ।

ਤਿੱਛ तिच्छ् Ticch वि०
तीक्ष्ण (वि०) तीखा, तेज; उग्र, प्रचण्ड।

ਤਿਤਾਲੀਆਂ तितालीआं Titāliā पुं०
त्रिचत्वारिंशत्तम (वि०) तैंतालीसवाँ, 43वाँ।

ਤਿਤਾਲੀਵਾਂ तितालीवां Titālivā वि०
द्र०—ਤਿਤਾਲੀਆਂ।

ਤਿਤਿਖਿਆ तितिखिआ Titikhiā स्त्री०
तितिक्षा (स्त्री०) सर्दी गर्मी आदि द्वन्द्वों को सहने की शक्ति, क्षमा।

ਤਿਤਿੱਖੂ तितिक्खू Titikkhū वि०
तितिक्षु (वि०) सर्दी-गर्मी आदि द्वन्द्वों को सहने वाला, क्षमाशील।

ਤਿਤਿਛਾ तितिछा Titichā स्त्री०
द्र०—ਤਿਤਿਖਿਆ।

ਤਿਤਿਛਿਆ तितिछिआ Titichiā स्त्री०
द्र०—ਤਿਤਿਖਿਆ।

ਤਿਤਿਰਖਾ तितिर्खा Titirkhā स्त्री०
तितीर्षा (स्त्री०) तैरने की इच्छा, जल को पार करने की इच्छा।

ਤਿੱਤਰੀ तित्तरी Tittarī स्त्री०
तित्तिरी (स्त्री०) मादा तीतर।

ਤਿੰਦੁਕ तिन्दुक् Tinduk पुं०
तिन्दुक (पुं०) तेंदू का वृक्ष।

ਤਿੱਨ तिन्न् Tinn वि०
त्रि (वि०) तीन, 3।

ਤਿੱਮਲ तिम्मल् Timmal पुं०
तुम्ब (पुं०) लौकी, गोल कद्दू।

ਤਿਰਹੁਤ तिर्हुत् Tirhut पुं०
तीरभुक्ति (स्त्री०) मिथिला, बिहार प्रान्त के तिरहुत प्रदेश का नाम।

ਤਿਰਖਾਣ तिर्खाण् Tirkhāṇ पुं०
तक्षक/तक्षन् (पुं०) खाती, बढ़ई।

ਤਿਰਜਕ तिर्जक् Tirjak वि०/पुं०
तिर्यच् (वि० / पुं०) वि०—टेढ़ा चलने वाला। पुं०—पशु-पक्षी।

ਤਿਰਣਾ तिर्णा Tirṇā अक० क्रि०
तरति (भ्वादि अक०) तैरना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤਿਰਿੱਸਾ तिरिस्सा Tirissā वि०
तृषित (वि०) तृषित, प्यासा ।

ਤਿਰਿਯਾ तिरया Tiryā स्त्री०
स्त्री (स्त्री०) नारी, स्त्री; पत्नी ।

ਤਿਲੀਆ तिलीआ Tilīā स्त्री०
द्र०—ਤਿਰਿਯਾ ।

ਤੀ ती Tī वि०
द्र०—ਤਿ ।

ਤੀਉ तीउ Tīu अ०
तदिव (अ०) उसके जैसा, वैसा ।

ਤੀਉੜੀ तिउड़ी Tiuṛī स्त्री०
भृकुटि < त्रिकुटी (स्त्री०) भ्रूभंग, भौहों की कुटिलता; ललाट की तीन रेखायें ।

ਤੀਸ तीस् Tīs वि०
त्रिंशत् (स्त्री०) तीस, 30 संख्या या इससे परिछिन्न वस्तु ।

ਤੀਸਰ तीसर् Tīsar वि०
तृतीय (वि०) तीसरा ।

ਤੀਸਰਾ तीस्रा Tīsrā पुं०
द्र०—ਤੀਸਰ ।

ਤੀਹ तीह् Tīh स्त्री०
तृषा (स्त्री०) प्यास, पिपासा ।

ਤੀਹੋ तीहो Tīho स्त्री०
तृष् (स्त्री०) तृषा, प्यास ।

ਤੀਖਾ तीखा Tīkhā वि०
द्र०—ਤਿੱਛ ।

ਤੀਜਾ तीज्जा Tijjā पुं०
तृतीय (वि०) तीसरा ।

ਤੀਣਾ तीणा Tīṇā पुं०
त्रिगुण (वि०) तीन गुणा, तिगुना ।

ਤੀਤਾ तीता Tītā पुं०
द्र०—ਤਿਕਤ ।

ਤੀਨ तीन् Tīn वि०
त्रि (वि०) तीन, 3 ।

ਤੀਰਥੁ तीर्थु Tīrthu वि०
तीर्णार्थिन् (वि०) तैरने की इच्छा वाला ।

ਤੁਅ तुअ Tua सर्व० सम्बन्ध
तव (सर्व० षष्ठ्यन्त) तेरा, तुम्हारा ।

ਤੁਆ तुआ Tuā सर्व०
त्वम् (सर्व० प्रथमान्त) तुम ।

ਤੁਸਟਿ तुस्टि Tusṭi स्त्री०
तुष्टि (स्त्री०) प्रसन्नता, तृप्ति ।

ਤੁਸਣਾ तुस्णा Tusṇā अक० क्रि०
तुष्यति (दिवादि अक०) तुष्ट होना, प्रसन्न होना ।

ਤੁਹ तुह् Tuh पुं०
तुष (पुं०) अन्न के ऊपर का छिलका, भूसी ।

ਤੁਹਾ तुहा Tuhā पुं०
द्र०—ਤੁਹ ।

ਤੁਹਾਂ तुहाँ Tuhā सर्व०
युष्मद् (सर्व०) तुम ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤੁਖ तुख् Tukh पुं०
द्र०—ਤੁਹ ।

ਤੁਖਣਾ तुख्णा Tukhṇā स्त्री०
धुक्षण (नपुं०) भड़काहट, उत्तेजन ।

ਤੁਖਣੀ तुख्णी Tukhṇī स्त्री०
द्र०—ਤੁਹ ।

ਤੁਝ तुझ् Tujh सर्व०
तुभ्यम् (सर्व० चतुर्थ्यन्त) तुम्हें, तुम लोगों के लिये ।

ਤੁਟਿ तुटि Tuṭi स्त्री०
त्रुटि (स्त्री०) हानि, घाटा; संदेह, न्यूनता ।

ਤੁਟੀ तुटी Tuṭī वि०
त्रुटित (वि०) टूटा हुआ, भग्न ।

ਤੁਠ तुठ् Tuṭh वि०
तुष्ट (वि०) प्रसन्न, खुश, तृप्त ।

ਤੁਠਿ तुठि Tuṭhi स्त्री०
द्र०—ਤੁਸਟਿ ।

ਤੁੱਠਨਾ तुट्ठ्ना Tuṭṭhnā अक० क्रि०
तुष्यति (दिवादि अक०) तुष्ट होना, प्रसन्न होना ।

ਤੁਣ तुण् Tuṇ पुं०
तुणि (पुं०) एक वृक्ष-विशेष जो पर्वत और मैदान में भी होता है । उसकी लकड़ी से आलमारी मेज इत्यादि बनाये जाते हैं ।

ਤੁਣਕਾ तुण्का Tuṇkā पुं०
टङ्कार (पुं०) ध्वनि, जो धनुष की चढ़ी हुई डोरी को खींच कर छोड़ने से उत्पन्न होती है ।

ਤੁੰਨ तुन्न् Tunn स्त्री०
तुण्डि (स्त्री०) नाभि ।

ਤੁੰਨੀ तुन्नी Tunnī स्त्री०
तुण्डि (स्त्री०) नाभि ।

ਤੁਮੇਵ तुमेव् Tumev सम्बन्ध सर्व०
तवैव (सर्व० षष्ठ्यन्त) तुम्हारा ही ।

ਤੁਯਮ तुयम् Tuyam सर्व०
त्वम् (सर्व० प्रथमान्त) तुम, तूं ।

ਤੁਰਹੀ तुर्ही Turhī स्त्री०
तूर (पुं०) तुरही बाजा ।

ਤੁਰਤ तुरत् Turat अ०
त्वरित (अ०) शीघ्र, तुरन्त, तुरत ।

ਤੁਰੰਗਣੀ तुरंग्णी Turaṅgṇī स्त्री०
चतुरङ्गिणी (स्त्री०) सेना, जिसके चार अंग हों, हाथी, घोड़े, रथ, पैदल सिपाहियों से सज्जित सेना ।

ਤੁਰੰਤ तुरन्त् Turant अ०
त्वरित (अ०) शीघ्र, तरन्त, तुरत ।

ਤੁਲਨਾ तुल्ना Tulnā सक० क्रि०
तोलयति (चुरादि सक०) तौलना, माप करना, वजन करना ।

ਤੁਲਾਉਣਾ तुलाउणा Tulāuṇā सक० क्रि०
तोलयति/ते (चुरादि सक०) माप करना, वजन करना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤੁਲਾਇਆ तुलाइआ Tulāiā वि०
तोलित (वि०) तौला हुआ, माप किया हुआ।

ਤੁਲਿ तुलि Tuli वि०
तुल्य (वि०) समान, सदृश।

ਤੂੰ तूँ Tū पुं०
त्रपु (नपुं०) राँगा, सीसा।

ਤੂਸਨ तूसन् Tūsan अ०
तूष्णीम् (अ०) मौन, चुप।

ਤੂਹਪਦਾਨੀ तूह्पदानी Tūhpdānī स्त्री०
धूपाधानी (स्त्री०) धूपदानी, धूप जलाने का पात्र।

ਤੂਟਨਾ तूट्ना Tūṭnā सक० क्रि०
त्रुटति (तुदादि सक०) टूटना, भग्न होना।

ਤੂਨੀਰ तूनीर् Tūnīr पुं०
तूणीर (नपुं०) बाण रखने का चोंगा, तरकश।

ਤੂੰਬਰੀ तूँब्री Tūbrī स्त्री०
तुम्बिका (स्त्री०) तूम्बी, तूमड़ी, लौकी का बना पात्र।

ਤੂਰਣ तूरण् Tūraṇ वि०
तूर्ण (वि०) तेज, वेगवान्।

ਤੂਲ तूल् Tūl पुं०
तूत (पुं०/नपुं०) पुं०—शहतूत का वृक्ष। नपुं०—शहतूत का फल।

ਤੇਉਣ तेउण् Teuṇ पुं०
अन्तेवन (नपुं०) अन्तःपुर का उपवन, क्रीडावन।

ਤੇਹਰ तेहर् Tehar पुं०
द्र०—ਤਿਹਰ।

ਤੇਹਰਾ तेह्रा Tehrā पुं०
द्र०—ਤਿਹਰ।

ਤੇਹੁ तेहु Tehu स्त्री०
तृषा (स्त्री०) प्यास, पिपासा।

ਤੇਡਵਾਂ तेड्वाँ Teḍvā वि०
तिर्यञ्च् (वि०) तिरछा, टेढ़ा।

ਤੇਤਰੇ तेत्रे Tetre वि०
त्रयस्त्रिंशत् (स्त्री०) तैंतीस, 33।

ਤੇਤਾਲੀ तेताली Tetālī वि०
त्रिचत्वारिंशत् (स्त्री०) तैंतालीस, 43।

ਤੇਤ੍ਰੀ तेत्री Tetrī वि०
त्रयस्त्रिंशत् (स्त्री०) तैंतीस, 33।

ਤੇਰਸਿ तेर्सि Tersi स्त्री०
त्रयोदशी (स्त्री०) त्रयोदशी तिथि।

ਤੇਰਹ तेरह् Terah वि०
त्रयोदशन् (वि०) तेरह, 13।

ਤੇਰਵੀਂ तेर्वीं Tervī स्त्री०
त्रयोदशी (स्त्री०) तेरहवीं।

ਤੇਰ੍ਹਾਂ तेर्हाँ Terhā वि०
त्रयोदशन् (वि०) तेरह, 13।

ਤੈਸਾ तैसा Taisā पुं०
तादृश (वि०) वैसा, उस प्रकार का।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤੋ तो To अ०
तदा (अ०) तब, उस समय।

ਤੋਅ तोअ Toa पुं०
तोय (नपुं०) पानी, जल।

ਤੋਆ तोआ Toā पुं०
द्र०—ਤੋਅ।

ਤੋਇ तोइ Toi पुं०
द्र०—ਤੋਅ।

ਤੋਇਦ तोइद् Toid पुं०
तोयद (पुं०) जल देने वाला, बादल, मेघ।

ਤੋਹਾ तोहा Tohā पुं०
द्र०—ਤੁਹ।

ਤੋਖਣ तोखण् Tokhaṇ पुं०
तोषण (नपुं०) प्रसन्न करने का भाव; तृप्ति, संतोष।

ਤੋਖਤ तोखत् Tokhat वि०
तोषित (वि०) सन्तुष्ट या प्रसन्न किया हुआ।

ਤੋਖਤਾ तोख्ता Tokhtā स्त्री०
तोषितता (स्त्री०) सन्तोष, प्रसन्नता, तसल्ली।

ਤੋਢਕ तोढ्क Toḍhak पुं०
तोटक (वि० / नपुं०) वि०—झगड़ालू; तोड़-फोड़ करने वाला। नपुं०—तोटक एक छन्द विशेष।

ਤੋਰਣਾ तोर्णा Torṇā सक० क्रि०
त्रोटयति / ते (चुरादि सक०) तोड़ना; अलग करना।

ਤੋੜਣਾ तोड़्णा Toṛṇā सक० क्रि०
त्रोटयति / ते (चुरादि सक०) तोड़ना, अलग करना।

ਤੌ[1] तौ Tau अ०
द्र०—ਤੋ।

ਤੌ[2] तौ Tau पुं०
तपस् (नपुं०) ताप, गर्मी, उष्णता।

ਤੌੜਾ तौड़ा Tauṛā पुं०
तपक (पुं०) मटका, घड़ा।

ਤੰਜੌਰ तंजौर् Tañjaur पुं०
तुङ्गपुर (नपुं०) तंजौर, मद्रास के पास एक प्रसिद्ध शहर, मद्रास से 218 मील दूर है।

ਤੰਤੁਵਾਯ तन्तुवाय् Tantuvāy पुं०
तन्तुवाय (पुं०) सूत बुनने वाला जुलाहा, जुलाहे की जाति।

ਤੰਬਾਕੂ तम्बाकू Tambākū पुं०
तमाखु (पुं०) तमाकू।

ਤੰਬੇਰਣ तम्बेरण् Tamberaṇ पुं०
स्तम्बेरम (पुं०) हाथी, गज।

ਤ੍ਰਿਹ त्रिह् Trih वि०
त्रिंशत् (स्त्री०) तीस, 30।

ਤ੍ਰਿਗ त्रिग् Trig पुं०
तिर्यच् (पुं०/वि०) पुं०—पक्षी। वि०—तिरछी गति वाला।

ਤ੍ਰਿਜਾਮਾ त्रिजामा Trijāmā स्त्री०
त्रियामा (स्त्री०) तीन याम वाली, रात।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਤ੍ਰੀਹਿ त्रीहि Trīhi वि०
त्रिंशत् (स्त्री०) तीस, 30।

ਤ੍ਰੀਯਾ त्रीया Trīyā पुं०
तृतीय (वि०) तीसरा।

ਤ੍ਰੇਹਟ त्रेह्ट् Treht वि०
त्रयष्षष्टि (स्त्री०) तिरसठ, 63।

ਤ੍ਰੇਹਾਯਾ त्रेहाया Trehāyā पुं०
तृषार्त (वि०) प्यास से आकुल।

ਤ੍ਰੇਠ त्रेठ् Treṭh वि०
त्रिषष्टि (स्त्री०) तिरसठ, 63।

ਤ੍ਰੈਹਣਾ त्रैह्णा Traihṇā क्रि०
त्रस्यति/त्रसति (दिवादि अक०) डरना, भयभीत होना।

ਤ੍ਰੋਸਤੀ त्रोस्ती Trostī स्त्री०
द्र०—ਤ੍ਰੌਦਸੀ।

ਤ੍ਰੋੜਣਾ त्रोड़्णा Troṛṇā क्रि०
द्र०—ਤੋੜਨਾ।

ਤ੍ਰੌਦਸੀ त्रौद्सी Traudsī स्त्री०
त्रयोदशी (स्त्री०) त्रयोदशी, तेरस तिथि।

ਥ

ਥਉਂ थउँ Thaū पुं०
स्थान (नपुं०) स्थान, ठाँव।

ਥਈ थई Thaī वि०
स्थायिन् (वि०) स्थित होने वाला, स्थायी, स्थिर।

ਥਕਣਾ थक्णा Thakṇā अक० क्रि०
स्थगति (भ्वादि अक०) थकना; ठहरना, रुकना।

ਥਕਾਣ थकाण् Thakāṇ पुं०
स्थगन (नपुं०) थकने का भाव।

ਥਕਿਤ थकित् Thakit वि०
स्थगित (वि०) थका हुआ; रुका हुआ, अवरुद्ध।

ਥੱਕਾ थक्का Thakkā वि०
स्थगित (वि०) थका हुआ, थकित।

ਥਣ थण् Thaṇ पुं०
स्तन (पुं०) स्तन, थन।

ਥਨ थन् Than पुं०
द्र०—ਥਣ।

ਥਨਾਏ थनाए Thanāe क्रि० वि०
स्थानान्तरे (क्रि० वि०) दूसरे स्थान पर।

ਥਨੰਤਰ थनन्तर् Thanantar पुं०
स्थानान्तर (नपुं०) किसी स्थान के के अन्दर का भाग; स्थान परिवर्तन।

ਥਮ੍ਹਾਉਣਾ थम्हाउणा Thamhāuṇā प्रेर० क्रि०
स्तम्भयति (भ्वादि प्रेर०) थम्हाना, सहारा देना, पकड़ाना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਥਰ थर् Thar पुं०
स्थल (नपुं०) थल, जमीन; स्थान।

ਥਰਿਯਾ थरिया Thariyā स्त्री०
स्थाली (स्त्री०) थाली, बटलोई।

ਥਲ थल् Thal पुं०
स्थल (नपुं०) थल, जमीन।

ਥੜੀ थड़ी Thaṛī स्त्री०
स्थण्डिल (नपुं०) चौकोर भूमि; छोटा चबूतरा।

ਥਾ था Thā भूत० अक० क्रि०
आसीत् (अदादि अक० लङ्) था।

ਥਾਂ थाँ Thā स्त्री०
स्थान (नपुं०) स्थान, जगह।

ਥਾਕਣਾ थाक्णा Thāknā पुं०
स्थगन (नपुं०) थकना, थकने का भाव।

ਥਾਟਨ थाटन् Thāṭan पुं०
स्थापन (नपुं०) ठहराने का भाव; स्थापना करने का भाव।

ਥਾਣਾ थाणा Thāṇā पुं०
स्थानक (नपुं०) थाना, पुलिस स्टेशन।

ਥਾਨਸਟ थान्सट् Thānsaṭ वि०
स्थानस्थ (वि०) स्थान में स्थित; पूज्य स्थान का पुजारी।

ਥਾਨਕ थानक् Thānak पुं०
स्थानक (नपुं०) स्थान, जगह; नगर।

ਥਾਨੀ थानी Thānī पुं०
स्थानिन् (वि०) स्थान का स्वामी।

ਥਾਨੰਤਰ थानन्तर् Thānantar पुं०
द्र०—ਥਨੰਤਰ।

ਥਾਪਨ थापन् Thāpan
द्र०—ਥਾਟਨ।

ਥਾਪਯੈ थाप्यै Thāpyai वि०
स्थाप्य (वि०) स्थापना योग्य, प्रतिष्ठा लायक।

ਥਾਮ थाम् Thām पुं०
स्तम्भ (पुं०) स्तम्भ, खम्भा।

ਥਾਮਨਾ थाम्ना Thāmnā सक० क्रि०
स्तम्भते (भ्वादि सक०) थाम्हना; ठहराना; रोकना।

ਥਾਮੇਸਰ थामेसर् Thāmesar पुं०
स्थाण्वीश्वर (पुं०) कुरुक्षेत्र के अन्तर्गत हिन्दुओं का एक प्रसिद्ध तीर्थस्थान।

ਥਾਵਰੀ थाव्री Thāvrī वि०
स्थविर (वि०) वृद्ध; सम्मान्य; दृढ़; बलवान्।

ਥਿਤ थित् Thit वि०
स्थित (वि०) ठहरा हुआ, अचल।

ਥਿੰਦਾ थिन्दा Thindā वि०
स्निग्ध (वि०) चिकना, स्नेहिल; तैलीय।

ਥਿੰਧਾ थिन्धा Thindhā वि०
द्र०—ਥਿੰਦਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਥਿਰ थिर् Thir वि०
स्थिर (वि०) स्थिर, थिर ।

ਥੁੱਲਹਾ थुल्ल्हा Thullhā पुं०
स्थूल (वि०) बड़ा, विशाल; मोटा ।

ਥੂਕ थूक् Thūk पुं०
थूत्क (नपुं०) थूक, ष्ठीवन ।

ਥੂਲਤਾ थूल्ता Thultā स्त्री०
स्थूलता (स्त्री०) स्थूलता, मोटापा ।

ਥੰਬਣਾ थम्ब्णा Thambṇā सक० क्रि०
स्तम्भते (भ्वादि सक०) थाम्हना, सहारा देना, आधृत करना ।

ਥੰਮ थम्म् Thamm पुं०
स्तम्भ (पुं०) स्तम्भ, खम्बा ।

ਥੰਮਣਾ थम्मणा Thammaṇā पुं०
स्तम्भन (नपुं०) रोकना, अवरोध करना, थामना ।

ਥੰਮ੍ਹ थम्म्ह् Thammh पुं०
द्र०—ਥੰਮ ।

ਦ

ਦਉਣੁ दउणु Dauṇu पुं०
दमन (नपुं०) दबाने का भाव, दबाना ।

ਦਉਤ दउत् Daut पुं०
द्योत (पुं०) प्रकाश, रोशनी, ज्योति ।

ਦਉਰਨਾ दउर्ना Daurnā अक० क्रि०
धावति (भ्वादि अक०) दौड़ना, भागना ।

ਦਉਰਾਨਾ दउराना Daurānā प्रेर० क्रि०
धावयति (भ्वादि प्रेर०) दौड़ाना, भगाना ।

ਦਇਅਲੀਆ दइअलिआ Daialiā वि०
दयालु (वि०) कृपालु, दयावान् ।

ਦਇਆ दइआ Daiā स्त्री०
दया (स्त्री०) दूसरे के दुःख में द्रवित होने का भाव, कृपा ।

ਦਈ दई Daī पुं०
दैव (पुं०/नपुं०) पुं०—विधाता, भगवान् । नपुं०—भाग्य ।

ਦਈਤ दईत् Daīt पुं०
दैत्य (पुं०) दैत्य, राक्षस, असुर, दानव ।

ਦਸਮਾਂ दस्माँ Dasmāँ पुं०
दशम (वि०) दसवाँ ।

ਦਸਮੀਂ दस्मीं Dasmī स्त्री०
दशमी (स्त्री०) दसमी तिथि, दसवीं ।

ਦਸਵੀਂ दस्वीं Dasvī स्त्री०
द्र०—ਦਸਮੀਂ ।

ਦਸਾਉਰ दसाउर् Dasāur पुं०
देशावर (पुं०) छोटा देश; परदेश ।

ਦਸੋਤਰ दसोतर् Dasotar वि०
दशोत्तरशत (नपुं०) एक सौ दस, 110 ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਸੌਰ दसौर् Dasaur पुं०
द्र०—ਦਸਾਉਰ ।

ਦਸੰਤ੍ दसंत्र् Dasantr पुं०
देशान्तर (नपुं०) अन्य देश, परदेश ।

ਦਸੰਦਾ दसन्दा Dasandā सक० क्रि०
दिशति (तुदादि सक०) बताना, दिखाना; आदेश करना ।

ਦੱਸਣਾ दस्सणा Dassaṇā सक० क्रि०
दिशति (तुदादि सक०) बताना, निर्देश करना ।

ਦਹਕ दहक् Dahak वि०
दाहक (वि०) दाह करने वाला, जलाने वाला ।

ਦਹਿਣਾ दहिणा Dahiṇā सक० क्रि०
दहति (भ्वादि सक०) जलाना, दाह करना ।

ਦਹੀਂਡਾ दहीण्डा Dahiṇḍā स्त्री०
दधिभाण्ड (नपुं०) दहेड़ी, दही जमाने का पात्र ।

ਦਖਾਣ दखाण् Dakhāṇ पुं०
तक्षन् (पुं०) लकड़ी का काम करने वाली एक जाति, बढ़ई ।

ਦੱਖਨ दक्खन् Dakkhan पुं०
दक्षिण (पुं०) दक्षिण दिशा, दक्खिन ।

ਦਤਾਰ दतार् Datār वि०
दातृ (वि०) दाता, देने वाला ।

ਦਤੁ दतु Datu वि०
दत्त (वि०) दिया हुआ ।

ਦੱਦ दद्द् Dadd पुं०
दद्रु (पुं०) दाद रोग, एक प्रकार का रोग जिसमें खुजली होती है ।

ਦਧਸੁਤਨੀ दध्सुत्नी Ḍadh-sutnī स्त्री०
उदधिसुता (स्त्री०) लक्ष्मी, समुद्र की पुत्री ।

ਦਧਿਖੀਰ दधिखीर् Dadhi-khīr पुं०
क्षीरोदधि (पुं०) क्षीरसागर ।

ਦਨੋਤਿ दनोति Ḍanoti वर्त० सक० क्रि०
दुनोति (स्वादि सक० लट्) दुःख देता है, पीड़ा पहुँचाता है ।

ਦਪੈਹਰ दपैह्र् Ḍapaihr पुं०
द्विप्रहर (पुं०) दोपहर, मध्याह्न ।

ਦਮਾਵਤੀ दमाव्ती Damāvtī स्त्री०
दमयन्ती (स्त्री०) विदर्भ नरेश भीम की पुत्री, राजा नल की पत्नी ।

ਦਯੋਰ द्योर् Dyor पुं०
देवर/द्विवर (पुं०) देवर, पति का छोटा भाई ।

ਦਰਸ दरस् Daras पुं०
दर्श (पुं०) अमावस्या तिथि ।

ਦਰਸ਼ਣੀ दर्शणी Darśaṇī वि०
दर्शनीय (वि०) दर्शनीय, देखने योग्य ।

ਦਰਸਣੀਆ दर्सणिआ Darsaṇiā वि०
द्र०—ਦਰਸ਼ਣੀ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਰਸਾਵੜਾ दर्सावड़ा Darsāvṛā पुं०
दर्शन (नपुं०) दर्शन; दिखाने का भाव ।

ਦਰਸੋਰ दर्सोर् Darsor पुं०
दर्शन (नपुं०) दर्शन, देखने का भाव ।

ਦਰਣ दरण् Daraṇ पुं०
दलन (नपुं०) चीरने की क्रिया, फाड़ना ।

ਦਰਬਣੋ दर्बणो Darbaṇo पुं०
द्रविण (नपुं०) सुवर्ण, सोना; धन, द्रव्य ।

ਦਰਾਟੀ दराटी Darāṭī स्त्री०
दात्री (स्त्री०) दँराती, हँसिया ।

ਦਰਾਤੀ दराती Darātī स्त्री०
द्र०—ਦਰਾਟੀ ।

ਦਰਿਊਣ दरिऊण् Dariūṇ पुं०
दाडिम (पुं०/नपुं०) पुं०—अनार का पेड़ ।
नपुं०—अनार का फल ।

ਦਲਤ दलत् Dalat वि०
दलित (वि०) दलित; रौंदा हुआ, कुचला हुआ ।

ਦਲਯਾ दल्या Dalyā पुं०
द्र०—ਦਲਿਆ ।

ਦਲਿਆ दलिआ Daliā पुं०
दलित (वि०) दला हुआ अन्न, दलिया ।

ਦਲਿੱਦਰਤਾ दलिद्दर्ता Daliddartā स्त्री०
दरिद्रता (स्त्री०) दारिद्र्य, दरिद्रता ।

ਦਲ਼ਣਾ दळ्णा Daḷṇā सक० क्रि०
दलति (भ्वादि सक०) दलना, फाड़ना,

ਦਵੱਟਾ दवट्टा Davaṭṭā पुं०
द्विपट्ट (नपुं०) दुपट्टा, उत्तरीय वस्त्र; ओढ़नी ।

ਦਵਾਖੀ दवाखी Davākhī स्त्री०
दीपवृक्ष (पुं०) दीवट, दीपक रखने का स्थान ।

ਦਵਾਤਸੀ द्वात्सी Dvātsī स्त्री०
द्वादशी (स्त्री०) द्वादशी तिथि, चन्द्रमा की बारहवीं तिथि ।

ਦਵਾਪਰ दवापर् Davāpar पुं०
द्वापर (नपुं०, पुं०) द्वापर युग ।

ਦਵਾਰ दवार् Davār पुं०
द्वार (नपुं०) द्वार, प्रवेशमार्ग ।

ਦਵਾਲੀ दवाली Davālī स्त्री०
दीपावली/दीपावलि (स्त्री०) दीपावली का त्यौहार, दीपोत्सव ।

ਦਵੰਦ दवन्द् Davand पुं०
द्वन्द्व (पुं०) द्वन्द्व, कलह ।

ਦਾਂਉ दांउ Dāu पुं०
दामन् (स्त्री०, नपुं०) रस्सा; रस्सी, रज्जु ।

ਦਾਉਣ दाउण् Dāuṇ स्त्री०
दामन् (स्त्री०, नपुं०) रस्सी, रज्जु ।

ਦਾਇ[1] दाइ Dāi स्त्री०
दया (स्त्री०) दया, कृपा ।

ਦਾਇ[2] दाइ Dāi स्त्री०
धातृ (वि०) पालन-पोषण करने वाला नौकर या नौकरानी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਾਇਆ दाइआ Dāiā स्त्री०
द्र०—ਦਾਇ।[2]

ਦਾਸਤ दासत् Dāsat पुं०
दासत्व (नपुं०) दास होने का भाव, दासता।

ਦਾਸਨਿਦਾਸ दास्निदास् Dāsnidās पुं०
दासानुदास (पुं०) दासानुदास, सेवक का सेवक; भगवद्भक्तों का भक्त।

ਦਾਹੜ दाह्ड़् Dāhṛ स्त्री०
दाडक (पुं०) दाँत, दाढ़।

ਦਾਕ दाक् Dāk पुं०
द्राक्षा (स्त्री०) दाख, अंगूर।

ਦਾਖਿਣ दाखिण् Dākhiṇ पुं०
दाक्षिण्य (नपुं०) दयालुता, चतुराई, निपुणता; दक्षिण नायक का भाव।

ਦਾਝ दाझ् Dājh पुं०
दाघ > निदाघ (पुं०) गर्मी, उष्णता, दाह।

ਦਾਟੀ दाटी Dāṭī स्त्री०
द्र०—ਦਰਾਟੀ।

ਦਾਣ दाण् Dāṇ पुं०
दान (नपुं०) दान देने का भाव।

ਦਾਣ-ਪਾਤਰ दाण्-पातर् Dāṇ-Pātar पुं०
दानपात्र (नपुं०) दान-पात्र।

ਦਾਂਤ दाँत् Dā̃t पुं०
दन्त (पुं०) दांत।

ਦਾਤ੍ਰੀ दात्री Dātrī स्त्री०
दात्री (स्त्री०) दँराती, हँसिया; देनेवाली।

ਦਾਦ दाद् Dād पुं०
द्र०—ਦੱਦ।

ਦਾਦਿਰ दादिर् Dādir पुं०
द्र०—ਦੱਦ।

ਦਾਨਾ दाना Dānā वि०
दातृ (वि०) दाता, देने वाला।

ਦਾਪ दाप् Ḍāp पुं०
दर्प (पुं०) घमंड, अहंकार; उत्साह; कस्तूरी मृग।

ਦਾਲ दाल् Dāl स्त्री०
दाल (पुं०) डाल, शाखा, टहनी।

ਦਾਵਾਂ दावाँ Dāvā̃ पुं०
द्र०—ਦਾਂਉ।

ਦਾੜਮ दाड़म् Ḍāṛam पुं०
द्र०—ਦਰਿਉਣ।

ਦਾੜਿਉਂ दाड़िउँ Dāṛiū स्त्री०
द्र०—ਦਰਿਉਣ।

ਦਾੜੂ दाड़ू Dāṛū पुं०
द्र०—ਦਰਿਉਣ।

ਦਾੜੂੰ दाड़ूँ Dāṛū̃ पुं०
द्र०—ਦਰਿਉਣ।

ਦਿਸਾਉਰੀ दिसाउरी Disāurī वि०
देशावरीय (वि०) परदेश सम्बन्धी, विदेशी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਿਸੈਰਾ दिसैरा Disairā पुं०
दशहरा (स्त्री०) विजयादशमी, गंगा दसहरा।

ਦਿਸੰਤ੍ਰ दिसंत्र् Disantr पुं०
देशान्तर (नपुं०) देश-देशान्तर।

ਤਿੱਸਣਾ दिस्स्णा Dissṇā अक० क्रि०
दृश्यते (भ्वादि कर्मवाच्य) दिखना, दिखाई देना।

ਦਿਹ दिह् Dih स्त्री०
देह (नपुं०, पुं०) शरीर, देह।

ਦਿੰਹ दिंह् Dih पुं०
दिवस (नपुं०) दिवस, दिन।

ਦਿਹਰਾ दिह्रा Dihrā पुं०
देवघर (पुं०) देवालय, मन्दिर।

ਦਿਹਾਰੀ दिहारी Dihārī पुं०
दिवसीय (वि०) दिहाड़ी, एक दिन की मजदूरी।

ਦਿਹੁ दिहु Dihu पुं०
द्र०—ਦਿੰਹ।

ਦਿਹੂੰ दिहुँ Dihū पुं०
द्र०—ਦਿੰਹ।

ਦਿਹੁਰਾ दिहुरा Dihurā पुं०
देवघर (पुं०) देवालय, मन्दिर।

ਦਿਹੂੰ दिहूँ Dihū पुं०
द्र०—ਦਿੰਹ।

ਦਿਖਰਾਉਣਾ दिख्राउणा Dikhrāuṇā
प्रेर० क्रि०
दर्शयति (भ्वादि प्रेर०) दिखलाना।

ਦਿਖਲਾਉਣਾ दिख्लाउणा Dikhlāuṇā
सक० क्रि०
द्र०—ਦਿਖਰਾਉਣਾ।

ਦਿਖਾਲਨਾ दिखाल्ना Dikhālnā सक० क्रि०
द्र०—ਦਿਖਰਾਉਣਾ।

ਦਿੱਖਣਾ दिक्ख्णा Dikkhṇā अक० क्रि०
दृश्यते (भ्वादि कर्मवाच्य) दिखना, दिखाई देना।

ਦਿਜ दिज् Dij पुं०
द्विज (पुं०) जिसका दो बार जन्म होता है, ब्राह्मण, क्षत्रिय, एवं वैश्य; पक्षी; दाँत।

ਦਿਢਾਉਣਾ दिढाउणा Diḍhāuṇā सक० क्रि०
द्रढयति (नामधातु सक०) दृढ़ करना, विश्वास दिलाना।

ਦਿਨ दिन् Din पुं०
दिन (नपुं०) दिन, दिवस।

ਦਿਨਕਰੋ दिन्करो Dinkaro पुं०
दिनकर (पुं०) दिनकर, सूर्य।

ਦਿਪਣਾ दिप्णा Dipṇā अक० क्रि०
दीप्यते (दिवादि अक०) दीप्त होना, चमकना।

ਦਿਪਵਾ दिप्वा Dipvā पुं०
दीपक (पुं०) दीपक, दीप।

ਦਿਪਾਹਰ दिपाह्र् Dipāhr स्त्री०
द्विप्रहर (पुं०) दोपहर, मध्याह्न।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦਿਬ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟ दिब्-द्रिशट् Dib-Drisat स्त्री०
दिव्यदृष्टि (स्त्री०) दिव्यदृष्टि, दैवी दृष्टि।

ਦਿੱਬ दिब्ब् Dibb स्त्री०
द्र० – ਦੁੱਬ।

ਦਿੱਭ दिब्भ् Dibbh स्त्री०
द्र०—ਦੁੱਬ।

ਦਿਯਾਰ दियार् Diyār स्त्री०
देवदारु (पुं०) देवदार, एक पहाड़ी वृक्ष।

ਦਿਰਗ दिरग् Dirag स्त्री०
दिश् (स्त्री०) दिशा; निर्देश, संकेत।

ਦਿਰਘ दिरघ् Diragh वि०
दीर्घ (वि०) लम्बा, बड़ा।

ਦਿਰਾਤ दिरात् Dirāt स्त्री०
द्वैत (वि०) दो से युक्त।

ਦਿਰੁੱਤਰ दिरुत्तर् Diruttar पुं०
देवरपुत्र (पुं०) देवर का पुत्र।

ਦਿਰੈਤ दिरैत् Dirait स्त्री०
द्र०—दिरात।

ਦਿਰੋਤ दिरोत् Dirot स्त्री०
द्र०—दिरात।

ਦਿਰੌਤ दिरौत् Diraut स्त्री०
द्र०—दिरात।

ਦਿਵਾਰੀ दिवारी Divārī स्त्री०
द्वार (नपुं०) छोटा दरवाजा।

ਦਿਵਾਲਾ दिवाला Divālā पुं०
देवालय (पुं०) मन्दिर, देवालय।

ਦਿਵਾਲੀ दिवाली Divālī स्त्री०
द्र०—ਦੁਆਲੀ।

ਦਿੜ੍ਹ दिढ़् Diṛh वि०
दृढ (वि०) दृढ़, मजबूत।

ਦਿੜ੍ਹਕ दिढ़क् Diṛhak स्त्री०
द्र०—ਦਰਿਉਣ।

ਦਿੜ੍ਹਤਾ दिढ़्ता Diṛhtā स्त्री०
दृढता (स्त्री०) दृढ़ता मजबूती।

ਦੀਉਣ दीउण् Dīuṇ स्त्री०
दीपवर्ति (स्त्री०) दीवट, दीपस्तम्भ।

ਦੀਅਰਾ दीअरा Dīarā पुं०
दीपक (पुं०) दीपक।

ਦੀਸਿ दीसि Dīsi स्त्री०
दृश् (स्त्री०) दृष्टि, नेत्र, नजर, आँख।

ਦੀਖਿਆਂਤ-ਉਤਸਵ दीखिआन्त-उत्सव् Dīkhiānt-Utsav पुं०
दीक्षान्तोत्सव (पुं०) दीक्षान्त-उत्सव; विश्वविद्यालयों में प्रमाणपत्र देने का समारोह।

ਦੀਖਿਯਤ दीखियत् Dīkhiyat वि०
दीक्षित (वि०) दीक्षित, दीक्षाप्राप्त, मन्त्रोपदिष्ट।

ਦੀਠਿ दीठि Dīṭhi स्त्री०
दृष्टि (स्त्री०) नेत्र, नजर।

ਦੀਨਦੈਆਰ दीन्दैआर् Dīndaiār पुं०
दीनदयालु (पुं०) दीनदयाल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੀਨਬੰਧਰੋ दीन्बन्धरो Dīnbandharo पुं०
दीनबन्धु (पुं०) दीनबन्धु, दीन-दुखियों का सहारा।

ਦੀਪਤਿ दीप्ति Dīpti स्त्री०
दीप्ति (स्त्री०) प्रकाश, चमक, रोशनी; तेज।

ਦੀਪਾ दीपा Dīpā पुं०
द्र०—ਦੀਅਰਾ।

ਦੀਪਾਇਓ दोपाइओ Dīpāio वि०
दीपित (वि०) दीप्त किया हुआ, प्रज्वलित।

ਦੀਰਘਾਂਤ दीर्घांत् Dīrghānt वि०
दीर्घान्त (वि०) दीर्घान्त, जिस पद के अन्त में दीर्घ मात्रा हो।

ਦੀਵਰਾ दीव्रा Dīvrā पुं०
द्र०—ਦੀਅਰਾ।

ਦੀਵੜੀ दीव्ड़ी Dīvṛī स्त्री०
द्र०—ਦੀਉਣ।

ਦੀਵਾ दीवा Dīvā पुं०
दीप/दीपक (पुं०) दीपक, दीप।

ਦੁਆਸਤੀ दुआस्ती Duāstī स्त्री०
द्वादशी (स्त्री०) द्वादशी तिथि।

ਦੁਆਤਸੀ दुआत्सी Duātsī स्त्री०
द्र०—ਦੁਆਸਤੀ।

ਦੁਆੱਨੀ दुआन्नी Duānnī स्त्री०
द्वयाणकी (स्त्री०) दुअन्नी, दो आने पैसे या उसका सिक्का।

ਦੁਆਲੀ दुआली Duālī स्त्री०
दीपावली (स्त्री०) दीप-पंक्ति, दीपावली का पर्व।

ਦੁਸਹ दुसह् Dusah वि०
दुस्सह (वि०) असह्य, दारुण।

ਦੁਸਟ दुस्ट् Dusṭ पुं०
दुष्ट (वि०) दुष्ट, खल; दोषयुक्त।

ਦੁਸਟਭਾਉ दूस्ट्भाउ Dusṭbhāu पुं०
दुष्टभाव (पुं०) दुष्टभाव, बुरे विचार।

ਦੁਸਟਿ दुस्टि Dusṭi स्त्री०
दुष्टि (स्त्री०) दुष्टता, नीचता, खोटापन।

ਦੁਸੈਰਾ दुसैरा Dusairā पुं०
द्र०—ਦਿਸੈਰਾ।

ਦੁਹਚਾਰਣ दुह्चारण् Duhcāraṇ स्त्री०
दुश्चारिणी (स्त्री०) दुराचारिणी स्त्री।

ਦੁਹਚਾਰੀਆ दुह्चारिआ Duhcāriā पुं०
दुश्चरित्र (वि०) दुश्चरित्र, दुराचारी।

ਦੁਹਣਾ दुह्णा Duhṇā पुं०
दोहन (नपुं०) दुधैड़ी, दुग्धपात्र।

ਦੁਹਣੀ दुह्णी Duhṇī स्त्री०
दोहनी (स्त्री०) दुधैड़ी, दुग्धपात्र।

ਦੁਹਤ-ਜੁਵਾਈ दुहत् जुवाई Duhat-Juvāī पुं०
दुहितृजामातृ (पुं०) पुत्री का दामाद।

ਦੁਹਤ੍ਰਾ दुह्त्रा Duhtrā पुं०
दौहित्र (पुं०) पुत्री का पुत्र, नाती।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੁਹਾਗਨ दुहागन् Duhāgan स्त्री०
दुर्भाग्या (स्त्री०) अभागिन, दुर्भाग्य वाली, विधवा औरत ।

ਦੁਕਦਾਇ दुक्दाइ Dukdāi वि०
दुःखदायिन् (वि०) दुःखदायी, कष्टप्रद ।

ਦੁਖਤ दुखत् Dukhat वि०
दुःखित (वि०) दुःखित, दुःख से युक्त ।

ਦੁਖਯਾ दुख्या Dakhyā वि०
दुःखित (वि०) दुःखित, दुःखी ।

ਦੁਖਯਾਰਣ दुख्यारण् Dukhyāraṇ स्त्री०
दुःखिता (स्त्री०) दुःख से युक्त स्त्री ।

ਦੁਖਯਾਰਨ दुख्यारन् Dukhyāran स्त्री०
द्र०—ਦੁਖਯਾਰਣ ।

ਦੁਖਿਆ दुखिआ Dukhiā वि०
द्र०—ਦੁਖਯਾ ।

ਦੁੱਖਣਾ दुक्ख्णा Dukkhṇā अक० क्रि०
दुःख्यते (भ्वादि अक०) दुखना, दर्द होना ।

ਦੁਚਿਤ दुचित् Ducit पुं०
दुश्चित् (नपुं०) मन में सन्देह, घबराहट, मन की अस्थिरता ।

ਦੁਤਰ दुतर् Ḍutar वि०
दुस्तर (वि०) जिसको पार करना कठिन हो, कठिनाई से पार किया जाने वाला ।

ਦੁਤਿ दुति Duti स्त्री०
द्युति (स्त्री०) कान्ति, शोभा, छवि ।

ਦੁੰਦ दुन्द् Dund पुं०
द्वन्द्व (नपुं०) वैर, अशान्ति, अन्तर्द्वन्द्व ।

ਦੁੰਦਰ दुन्दर् Ḍundar वि०
द्वन्द्वालु (वि०) झगड़ालु, लड़ाकु ।

ਦੁਧ दुध् Dudh पुं०
द्र०—ਦੂਧ ।

ਦੁਪਹਰਯਾ दुप्हर्या Ḍupharyā वि०
द्र०—ਦੁਪਹਿਰ ।

ਦੁਪਹਿਰ दुपैह्र् Dupaihr स्त्री०
द्विप्रहर (पुं०) दोपहर, मध्याह्न ।

ਦੁਪਹਿਰਾ दुपैह्रा Dupaihrā पुं०
द्र०—ਦੁਪਹਿਰ ।

ਦੁਪਹਿਰੀਆ दुपहिरिआ Ḍuphiriā वि०
द्र०—ਦੁਪਹਿਰ ।

ਦੁਪਾਇਆ दुपाइआ Dupāiā पुं०
द्विपद (पुं०) दो पैरों वाला, मनुष्य ।

ਦੁਪਾਹਰ दुपाहर् Dupāhar स्त्री०
द्र०—ਦੁਪਹਿਰ ।

ਦੁਬਧਾ दुब्धा Dubdhā स्त्री०
द्विविधा (स्त्री०) दुविधा, शंका ।

ਦੁਬਲ दुबल् Dubal पुं०
दुर्बल (पुं०) दुर्बल, दुबला, निर्बल ।

ਦੁੱਬ दुब्ब् Dubb स्त्री०
दूर्वा (स्त्री०) दूब, दूर्वा घास ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੁੱਬਰ दुब्बर् Dubbar वि०
दुर्भर (वि०) दूभर, जिसे धारण करना, ढोना या निभाना कठिन हो।

ਦੁੱਭ दुब्भ् Dubbh स्त्री०
द्र०—ਦੁੱਬ।

ਦੁਯਾ दुया Duyā पुं०
द्वितीय (वि०) दूसरा।

ਦੁਯਾਭਾਉ दुयाभाउ Duyābhāu पुं०
द्वैतभाव (पुं०) द्वैतभाव, दो का भाव, द्वित्व।

ਦੁਰਦ दुरद् Durad पुं०
द्विरद (पुं०) दो दाँतों वाला हाथी, गज।

ਦੁਰਦਿਸਾ दुर्दिसा Durdisā स्त्री०
दुर्दशा (स्त्री०) दुर्दशा, खराब स्थिति।

ਦੁਰਬਰ दुर्बर् Durbar वि०
दुर्वार (वि०) कठिनाई से रोकने या बचाने योग्य।

ਦੁਰਾਚਾਰੀ दुराचारी Durācārī पुं०
दुश्चारिन् (वि०) दुराचारी, बुरे आचार वाला।

ਦੁਰਾਲਾ दुराला Durālā पुं०
द्र०—ਦੁਰੇਡਾ।

ਦੁਰੇਡਾ दुरेडा Dureḍā पुं०
दूरतर (वि०) अधिक दूर।

ਦੁਰੇਦੜਾ दुरेद्ड़ा Dureḍṛā पुं०
द्र०—ਦੁਰੇਡਾ।

ਦੁਵਾਰ दुवार् Duvār पुं०
द्वार (नपुं०) द्वार, दरवाजा।

ਦੁਵਾਲੀ दुवाली Duvālī स्त्री०
द्र०—ਦੁਆਲੀ।

ਦੁਵਿਧਾ दुविधा Duvidhā पुं०
द्वैविध्य (नपुं०) दो प्रकार का भाव, द्वैतभाव।

ਦੁੱਵਾ दुव्वा Duvvā पुं०
द्वितीय (वि०) दूसरा।

ਦੂਖਕ दूखक् Dūkhak वि०/पुं०
दूषक (वि० / पुं०) वि०—दोष लगाने वाला। पुं०—दोष पैदा करने वाला पदार्थ।

ਦੂਖਤ दूखत् Dūkhat वि०
दुःखित (वि०) दुःखी, पीड़ित।

ਦੂਖਨਾ दूख्ना Dūkhnā सक० क्रि०
दूष्यति (दिवादि सक०) दूषित करना, निन्दा करना।

ਦੂਣਾ दूणा Dūṇā वि०
द्विगुण (वि०) दूना, दुगुना।

ਦੂਣਾਂ दूणां Dūṇā वि०
द्र०—ਦੂਣਾ।

ਦੂਦੀ दूदी Dūdī स्त्री०
दुग्धिन् (वि०) दूध-युक्त, स्त्री का स्तन।

ਦੂਧ दूध् Dūdh पुं०
दुग्ध (नपुं०) दूध।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੂਬ दूब Dūb स्त्री०
दूर्वा (स्त्री०) दूब, दूर्वा-घास ।

ਦੂਬਲਾ दूब्ला Dūblā पुं०
दुर्बल (वि०) दुबला, कमजोर ।

ਦੂਰ दूर Dūr स्त्री०
दूर (नपुं०) दूर ।

ਦੂਲਾ दूला Ḍūlā पुं०
दुर्लभ (वि०) दुर्लभ जन, अच्छा व्यक्ति ।

ਦੂਲੋਂ दूलों Ḍūlō पुं०
दुर्लभ (वि०) दूल्हा; बहादुर आदमी, पुत्र के लिये दुलार का शब्द ।

ਦੂੱਲੌ दूल्लौ Dūllau पुं०
द्र०—ਦੂਲੋਂ ।

ਦੇਉ देउ Deu पुं०
देव (पुं०) देवता, भगवान्, जिन ।

ਦੇਉਹਰਾ देउहरा Deuharā पुं०
देवघर (पुं०) देवालय, मन्दिर ।

ਦੇਉਦਾਰ देउदार Ḍeudār पुं०
देवदारु (पुं०) देवदारु का वृक्ष ।

ਦੇਉਰ देउर Deur पुं०
देवर (पुं०) देवर, पति का छोटा भाई ।

ਦੇਓਰ देओर Deor पुं०
द्र०—ਦੇਉਰ ।

ਦੇਸ਼ਵਾਲਾ देश्वाला Deśvālā पुं०
देशवत् (वि०) देशवाला ।

ਦੇਸ਼ਧ੍ਰੋਈ देश्ध्रोई Deśdhroī पुं०
देशद्रोहिन् (वि०) देश-द्रोही ।

ਦੇਸਾਉਰ देसाउर Desāur वि०
देशावरीय (वि०) विदेशी माल ।

ਦੇਸਾਉਰੀ देसाउरी Ḍesāurī वि०
द्र०—ਦੇਸ਼ਾਉਰ ।

ਦੇਹ देह Deh पुं०
दिवस (पुं०) दिन, वार, दिवस ।

ਦੇਂਹ देंह Dēh पुं०
द्र०—ਦੇਹ ।

ਦੇਹ-ਉਭਰੇ देह-उभ्रे Ḍeh-Ubhre अधि० पुं०
दिवसोद्भारे (पुं० सप्तम्यन्त) दिन चढ़े, सूर्य निकलने पर ।

ਦੇਂਹ-ਉਭਾਰ देंह उभार् Dēh-Ubhār पुं०
दिवसोद्भार (पुं०) सूर्योदय काल, सुबह ।

ਦੇਹ-ਦੀ-ਸੌਂਹ देह-दी-सौंह Ḍeh-Dī-Saūh स्त्री०
दैहिकशपथ (पुं०) देह की सौगन्ध ।

ਦੇਂਹ-ਭਾਰ देंह-भार् Dēh-Bhār पुं०
दिवसोद्भार (पुं०) दिन के उभार की दिशा, पूर्व दिशा ।

ਦੇਂਹ-ਭਾਰਾ देंह-भारा Dēh-Bhārā वि०
दिवसोद्भारीय (वि०) पूर्वीय, पूर्व दिशा से सम्बन्धित ।

ਦੇਹਲ देहल् Ḍehal स्त्री०
देहली (स्त्री०) ड्योढ़ी, प्रवेश-द्वार ।

ਦੇਂਹ-ਲੱਥਾ देंह लत्था Ḍēh-latthā पुं०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

दिवसास्त (नपुं०) सूर्यास्त का समय, सायं काल।

ਦੇਂਹਾ देंहा Dĕhā **वि०**
दिवसीय (वि०) दिन के समय में; दिन से सम्बन्धित।

ਦੇਂਹਾ-ਦੀਵੀ देंहा-दीवी Dĕhā-Dīvī **क्रि० वि०**
द्र०—ਦੇਂਹਾ।

ਦੇਹੁਰੀ देहुरी Dehurī **स्त्री०**
देह (नपुं०, पुं०) देह, शरीर।

ਦੇਹੁਰੀਆ देहुरीआ Dehurīā **स्त्री०**
द्र०—ਦੇਹੁਰੀ।

ਦੇਛੀ देछी Dechī **वि०**
देशीय (वि०) देशी, देश से सम्बन्धित।

ਦੇਰਾਣੀ देराणी Derāṇī **स्त्री०**
देवरी/देवरपत्नी (स्त्री०) देवरानी, देवर की पत्नी।

ਦੇਵਸਰੀ देव्सरी Devsarī **स्त्री०**
देवसरित् (स्त्री०) देवताओं की नदी, श्रीगङ्गा।

ਦੇਵਾ देवा Devā **पुं०**
देवता (स्त्री०) देवता, देव।

ਦੇਵਾਲਾ देवाला Devālā **पुं०**
द्र०—ਦਿਵਾਲਾ।

ਦੇਵੀਦਿਆਰ देवीदिआर् Devīdiār **पुं०**
द्र०—ਦੇਉਦਾਰ।

ਦੇੜੀ देड़ी Deṛī **स्त्री०**
द्र०—ਦੇਹਲ।

ਦੈਹ दैह् Daih **वि०**
दशन् (वि०) दस, 10।

ਦੈਂਹ दैंह् Daĩh **वि०**
द्र०—ਦੈਹ।

ਦੈਹਸੇਰ दैह्सेर् Daihser **वि०**
दशसेटक (नपुं०) दस सेर।

ਦੈਹਸੇਰਾ दैह्सेरा Daihserā **वि०**
द्र०—ਦੈਹਸੇਰ।

ਦੈਹਸੇਰੀ दैह्सेरी Daihserī **स्त्री०**
द्र०—ਦੈਹਸੇਰ।

ਦੈਹਣਾ दैह्णा Daihṇā **पुं०**
दक्षिण (वि०) दाहिना, वाम का उल्टा।

ਦੋਸ਼ਤਾਈ दोश्ताई Doštāī **स्त्री०**
दोषिता (स्त्री०) दोषी होने का भाव।

ਦੋਹ दोह् Doh **पुं०**
दोष (पुं०) दोष, त्रुटि, गलती।

ਦੋਹਤ दोहत् Dohat **पुं०**
द्र०—ਦੂਰਤ।

ਦੋਹਤਵਾਣ दोहत्वाण् Dohatvāṇ **पुं०**
दुहितृसन्तान (पुं०) पुत्री की सन्तान।

ਦੋਹਤਾ दोह्ता Dohtā **पुं०**
दौहित्र (पुं०) पुत्री का पुत्र, नाती।

ਦੋਹਤੀ दोह्ती Dohtī **स्त्री०**
दौहित्री (स्त्री०) पुत्री की पुत्री, नातिन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦੋਹਤ੍ਰਾ दोह्त्रा Dohtrā पुं०
द्र०—ਦੋਹਤਾ ।

ਦੋਹਤ੍ਰੀ दोह्त्री Dohtrī स्त्री०
द्र०—ਦੋਹਤੀ ।

ਦੋਹਨੀ दोह्नी Dohnī स्त्री०
दोहिनी (स्त्री०) छोटा दुग्ध-पात्र ।

ਦੋਹਯਾ दोह्या Dohyā पुं०
दोहिन् (पुं०) दूहने वाला, ग्वाला ।

ਦੋਹਿਆ दोहिआ Dohiā वि०
दोहक (वि०) दूहने वाला ।

ਦੋਖਤ दोखत् Dokhat वि०
दूषित (वि०) दोष-सहित, कलंकित ।

ਦੋਜਨ दोजन् Dojan पुं०
दुर्जन (पुं०) दुष्ट मनुष्य ।

ਦੋਦੁਰਾ दोदुरा Dodurā पुं०
द्विदत् (वि०) जिसके अभी दो दाँत निकले हों ।

ਦੋਨਾਏਂ दोनाएँ Donāē वि०
द्वौ (वि० प्रथमान्त) दो, दोनों ।

ਦੋਨੀਂ दोनीं Donī वि०
द्र०—ਦੋਨਾਏਂ ।

ਦੋਨੇਂ दोनें Donē वि०
द्र०—ਦੋਨਾਏਂ ।

ਦੋਨੋ दोनो Dono वि०
द्वावेव (वि० प्रथमान्त) दो, दोनों ।

ਦੋਪਹਰ दोप्हर् Dop-har पुं०
द्विप्रहर (पुं०) दोपहर, मध्याह्न ।

ਦੋਲ दोल् Dol पुं०
ढोल (पुं०) ढोल, नगाड़ा, ढोलक ।

ਦੌ दौ Dau पुं०
दव (पुं०) वन, जंगल; दावाग्नि ।

ਦੌਨ दौन् Daun स्त्री०
दामन् (नपुं०) रस्सा, रज्जु ।

ਦੌਰਕ दौरक् Daurak पुं०
द्वारप (पुं०) द्वारपाल, पहरेदार ।

ਦੰਤਣੀ दन्तणी Dantaṇī स्त्री०
दैत्या/दन्दशूकी (स्त्री०) राक्षसी ।

ਦੰਨ दन्न् Dann पुं०
दण्ड (पुं०) सजा, दण्ड ।

ਦੰਭਣਾ दम्भ्णा Dambhṇā सक० क्रि०
दहति (भ्वादि सक०) जलाना, दाह करना ।

ਦ੍ਰਾਖ द्राख् Drākh स्त्री०
द्राक्षा (स्त्री०) अंगूर की बेल या फल ।

ਦ੍ਰਾਂਤੀ द्रांती Drāṁtī स्त्री०
दात्री (स्त्री०) दँराती, हँसिया ।

ਦ੍ਰਾਵੜ द्रावड़् Drāvaṛ वि०
द्राविड (वि०) द्रविड़ देश का मूल निवासी, दाक्षिणात्य ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਦ੍ਰੁਸਟ द्रुसट् Drusaṭ वि०
दुष्ट/द्वेष्टृ (वि०) दुष्ट, द्वेषी ।

ਦ੍ਰੁਸਟਾ द्रुस्टा Drusṭā वि०
द्वेष्टृ/दुष्ट (वि०) द्वेष करने वाला, दुष्ट ।

ਦ੍ਰੁਸਟਾਈ द्रुस्टाई Drusṭāī स्त्री०
दुष्टता/द्वेष्टृता (स्त्री०) दुष्टता, नीचता ।

ਦ੍ਰੁਕਣ द्रुकण् Drukaṇ अक० क्रि०
द्रवति (भ्वादि अक०) दौड़ना, भागना ।

ਦ੍ਰੁਗੰਧਤ द्रुगन्धत् Drugandhat वि०
दुर्गन्धित (वि०) दुर्गन्धित, दुर्गन्ध से युक्त ।

ਦ੍ਵੈਖ द्वैख् Dvaikh पुं०
द्वेष (पुं०) द्वेष, ईर्ष्या ।

ਦ੍ਵੈਖੀ द्वैखी Dvaikhī पुं०
द्वेषिन् (वि०) द्वेषी, द्रोह करने वाला ।

ਧ

ਧੱਕਾ धक्का Dhakkā पुं०
धक्क (पुं०) धक्का ।

ਧਣ[1] धण् Dhaṇ पुं०
धन (नपुं०) सम्पत्ति, धन ।

ਧਣ[2] धण् Dhaṇ स्त्री०
धनुराशि (पुं०) धनुराशि, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बारह राशियों में से एक राशि ।

ਧਣਕ धणक् Dhaṇak पुं०
धनुष् (नपुं०) धनुष, कमान ।

ਧਣੀ धणी Dhaṇī पुं०
धनिन् (वि०) धनी, धनवाला ।

ਧਣੂ धणु Dhaṇū पुं०
धनुष् (नपुं०) धनुष, कमान ।

ਧਣੁਕ धणुक् Dhaṇuk पुं०
द्र०—धणक ।

ਧਣੁਖ धणुख् Dhaṇukh पुं०
द्र०—धणक ।

ਧਤ धत् Dhat वि०
धृत (वि०) धारण किया हुआ ।

ਧਨ धन् Dhan स्त्री०
द्र०—धण[1] ।

ਧਨਜਾ धन्या Dhanyā स्त्री०
द्र०—धनीजा ।

ਧਨਜਾਂ धन्याँ Dhanyā̃ स्त्री०
द्र०—धनीआ ।

ਧਨਾਧ धनाध् Dhnādh वि०
धनाढ्य (वि०) धनी, धनवान्, संपन्न ।

ਧਨੀਆ धनीआ Dhanīā पुं०
धानेय (नपुं०) धनिया ।

ਧਨੀਆਂ धनीआँ Dhanīā̃ स्त्री०
द्र०—धनीआ ।

ਧਨੀਤਾ धनीता Dhanītā पुं०
धनिन् (वि०) धनी, धनवान् ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਧਮਾਹਾਂ धमाहाँ Dhamāhã पुं०
धूमाभ (वि०) धुमैले रंग का, धूमिल।

ਧਰ धर् Dhar स्त्री०
धरा (स्त्री०) शिरा, नस।

ਧਰਕਟ धर्कट् Dharkaṭ पुं०
धिक्कृत (वि०) धिक्कारा हुआ, प्रतारित, फटकारा हुआ।

ਧਰਖਨ धर्खन् Dharkhan पुं०
धर्षण (नपुं० / पुं०) नपुं०—धमकाने की क्रिया, धमकी, घुड़की; अनादर। पुं०—शिव।

ਧਰਣਾ[1] धर्णा Dharṇā स्त्री०
धरणी (स्त्री०) धरणी, पृथिवी।

ਧਰਣਾ[2] धर्णा Dharṇā सक० क्रि०
धारयति (जुहोत्यादि प्रेर०) धारण करना, रखना।

ਧਰਤ੍ਰ धरत्र् Dharatr पुं०
धत्रं (नपुं०) आधार, सहारा; आसरा।

ਧਰਨਾ धर्ना Dharnā स्त्री०
द्र०—ਧਰਣਾ।[2]

ਧਰਮ-ਛੀਣ धरम्-छीण् Dharam-Chīṇ पुं०
धर्मक्षीण (वि०) धर्मक्षीण, धर्महीन, अधर्मी।

ਧਰਮ-ਛੀਨ धरम्-छीन् Dharm-Chīn वि०
द्र०—ਧਰਮ-ਛੀਣ।

ਧਰਮਪਤਨੀ धरम्पत्णी Dharam-Patṇī स्त्री०
धर्मपत्नी (स्त्री०) धर्मपत्नी, पत्नी।

ਧਰਮਾਊ धर्माऊ Dharmāū पुं०
धर्मार्थदान (नपुं०) धर्म-हेतु निकाला गया धन।

ਧਰਲੰਕੂਰ धर्लंकूर् Dharlaṅkūr पुं०
लाङ्गूलधर (वि० / पुं०) वि०—पूंछ रखने वाला। पुं०—लंगूर।

ਧਰਿਧਾਰਣ धरिधारण् Dharidhāraṇ पुं०
धरणिधर (पुं०) धरणिधर, पृथ्वी को धारण करने वाला, परमात्मा।

ਧਰੂਹ धरूह् Dharūh पुं०
ध्रुव (पुं०) ध्रुवतारा; भक्त ध्रुव।

ਧਵਾਂਹ धवाँह् Dhavãh पुं०
द्र०—ਧਮਾਹਾਂ।

ਧਵਾਂਹਾ धवाँहा Dhavãhā पुं०
द्र०—ਧਮਾਹਾਂ।

ਧਵਾਵਣ धवावण् Dhavāvaṇ सक० क्रि०
धावयति (भ्वादि प्रेर०) धुलवाना; नहलाना।

ਧੜਵਾਈ धड़्वाई Dhaṛvāī पुं०
धटवाहिन् (वि०) तराजू तौलने वाला।

ਧਾ धा Dhā पुं०
धव (पुं०) वृक्ष-विशेष जिसकी जड़, फूल, पत्ती आदि दवा के काम आती है।

ਧਾਈ धाई Dhāī स्त्री०
धात्री (स्त्री०) धायी, दाई, आया।

ਧਾਂਸ धाँस् Dhãs स्त्री०
धूमांश / धूमश्वास (पुं०) खांसी, मिर्च

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

आदि जलने के बाद का धुआँ, जिससे खांसी आती है।

ਧਾਣ धाण् Dhāṇ पुं०
दान (नपुं०) दान देने का भाव।

ਧਾਂਤ धांत् Dhāt
धातु (पुं०) धातु, खनिज पदार्थ; वीर्य।

ਧਾਨ धान् Dhān पुं०
दान (नपुं०) दान देने का भाव।

ਧਾਮਾਂ धामां Dhāmā पुं०
धार्म (वि०) ब्राह्मण-भोजन का निमन्त्रण; धार्मिक कार्य।

ਧਾਮੀਆਂ धामीआँ Dhāmiā पुं०
धर्मण (पुं०) धामिन, सर्पजाति-विशेष।

ਧਾੱਮਾ धाम्मा Dhāmmā पुं०
द्र०—धामां।

ਧਾਰਨਾ धार्ना Dhārnā सक० क्रि०
धारयति (जुहोत्यादि प्रेर०) धारण करना, ग्रहण करना।

ਧਾਂਵਣ धांवण् Dhāvaṇ सक०, अक० क्रि०
धावति (भ्वादि सक०, अक०) सक०—धोना। अक०—नहाना।

ਧਾਵਾ धावा Dhāvā पुं०
द्र०—धा।

ਧਾਵੀ धावी Dhāvī स्त्री०
द्र०—धा।

ਧਿਉਣਾ धिउणा Dhiuṇā स्त्री०
धेनु (स्त्री०) दुधारु, पयस्विनी पशु।

ਧਿਆਉ धिआउ Dhiāu पुं०
अध्याय (पुं०) अध्याय, प्रकरण, किसी ग्रन्थ का एक भाग।

ਧਿਆਏ धिआए Dhiāe पुं०
अध्याय (पुं०) अध्याय, प्रकरण, किसी ग्रन्थ का एक भाग।

ਧਿਆਹਣ धिआहण् Dhiāhaṇ स्त्री०
दुहितृजन (पुं०) पुत्री, पुत्री की पुत्री।

ਧਿਆਹਣੀ धिआह्णी Dhiāhṇī स्त्री०
द्र०—धिआहण।

ਧਿਸਟਾਨ धिस्टान् Dhisṭān पुं०
अधिष्ठान (नपुं०) आधार-स्थान, आवास-स्थान; अधिकार।

ਧਿਕਾਰ धिकार् Dhikār पुं०
धिक्कार (पुं०) धिक्कार, भर्त्सना, तिरस्कार।

ਧਿੱਕਾਰਨਾ धिक्कार्णा Ḍhikkārṇā सक० क्रि०
धिक्करोति (तनादि सक०) धिक्कारना, तिरस्कार करना।

ਧਿਖਣਾ धिख्णा Ḍhikhṇā स्त्री०
धिषणा (स्त्री०) बुद्धि; स्तुति, प्रशंसा; पृथ्वी, धरती।

ਧਿਖਣਿ धिख्णि Dhikhṇi वि०
धिषण्य (वि०) बुद्धि वाला, बुद्धिमान्।

ਧਿਠ धिठ् Dhiṭh वि०
धृष्ट (वि०) निर्लज्ज, ढीठ।

ਧਿਠਾ धिठा Dhiṭhā वि०
द्र०—धिठ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਧਿਤਕਾਰਣਾ धित्कार्णा Dhitkārṇā
सक० क्रि०
धिक्कारयति (नामधातु सक०) धिक्कारना, तिरस्कार करना।

ਧਿਰਘ ਧਿਰਘ् Dhiragh **पुं०**
धिक् (अ०) धिक्, धिक्कार।

ਧਿਰਾਜਰਾਜ ਧਿਰাজ্‌ਰাজ্ Ḍhirājrāj **पुं०**
राजाधिराज (पुं०) राजाओं का महाराजा।

ਧਿਰਿਗ ਧਿਰিগ্ Ḍhirig **स्त्री०**
द्र०—ਧਿਰਗ।

ਧੀਆ धीआ Dhīā **स्त्री०**
दुहितृ (स्त्री०) पुत्री, बेटी।

ਧੀਸ धीस् Dhīs **पुं०**
अधीश (पुं०) स्वामी, अधिपति, मालिक।

ਧੀਜ धीज् Dhīj **पुं०**
धैर्य (नपुं०) धीरता, चित्त की स्थिरता।

ਧੀਜਣਾ धीज्णा Dhījṇā **अक० क्रि०**
ध्रियते (तुदादि अक०) धैर्य रखना।

ਧੀਠਾ धीठा Ḍhiṭhā **वि०**
धृष्ट (वि०) ढीठ, धृष्ट।

ਧੀਣਵਾਂ[1] धीण्वाँ Dhīṇvā **स्त्री०**
द्र०—ਧਿਉਣਾ।

ਧੀਣਵਾਂ[2] धीण्वाँ Dhīṇvā **पुं०**
धैनव (वि०) दूध, दधि।

ਧੀਨ धीन् Dhīn **वि०**
अधीन (वि०) आश्रित, मातहत, वशीभूत।

ਧੀਨਾ धीना Ḍhīnā **स्त्री०**
अधीनता (स्त्री०) आधीन में होने का भाव, वश्यता, ताबेदारी।

ਧੀਮਨ धीमन् Dhīman **पुं०**
धीमत् (वि०) धीमान्, बुद्धिमान्, अक्लमन्द।

ਧੀਵੜੀ धीव्ड़ी Dhīvṛī **स्त्री०**
दुहितृ (स्त्री०) दुहिता, पुत्री, बेटी।

ਧੁਆਖਲ धुआखल् Ḍhuākhal **वि०**
द्र०—ਧਮਾਖਾਂ।

ਧੁਆਂਖਿਆ धुआंखिआ Dhuāṁkhiā **वि०**
द्र०—ਧਮਾਖਾਂ।

ਧੁਜ धुज् Ḍhuj **स्त्री०**
ध्वज (पुं०) ध्वजा, पताका

ਧੁਜਨੀ धुज्नी Dhujnī **स्त्री०**
ध्वजिनी (स्त्री०) ध्वजा वाली सेना, फौज।

ਧੁਣ धुण् Dhuṇ **स्त्री०**
ध्वनि (स्त्री०) शब्द, आवाज, धुन।

ਧੁਣਕਣਾ धुणक्णा Dhuṇakṇā **सक० क्रि०**
धुनोति (स्वादि सक०) धनुखी से रूई धुनना या पींजना।

ਧੁਣਖਬਾ धुणख्बा Dhuṇakhbā **पुं०**
धनुर्वात (पुं०) धनुर्वात, धनुष्टंकार नामक एक रोग।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਧੁਨ धुन् Dhun स्त्री०
धुनि (स्त्री०) संगीतीय या सांगीतिक धुन ।

ਧੁਨਿਕਾਰ धुनिकार् Dhunikār पुं०
ध्वनिकार (पुं०) एक प्रकार का बाजा ।

ਧੁੱਨੀ धुन्नी Dhunnī स्त्री०
तुण्डि (स्त्री०, पुं०) नाभि ।

ਧੁਪ धुप् Dhup स्त्री०
धूप (पुं०) धूप, एक प्रकार का द्रव्य जिसे आग पर डालने से सुगन्ध युक्त धुआँ निकलता है ।

ਧੁੱਪ धुप्प् Dhup पुं०
धूप (पुं०) धूप, आतप ।

ਧੁਪਿਆ धुप्पिआ Dhuppiā वि०
धौत (वि०) धोया हुआ ।

ਧੁਰਉਪਰ धुर्ऊपर् Dhur-Ūpar वि०
धुरुपरि / धुरोपरि (अधिकरण) सबसे आगे, सबसे ऊपर ।

ਧੁਰਕਾਰ धुर्कार् Dhurkār स्त्री०
द्र०—ਧਿੱਕਾਰ ।

ਧੁਰਬਤ धुर्बत् Dhurbat पुं०
द्र०—ਧੁਰਪਤ ।

ਧੁਰਾਸ धुरास् Dhurās पुं०
धुर्यासन (नपुं०) ऊँचा आसन ।

ਧੁਰੋਹ धुरोह् Dhuroh पुं०
द्रोह (पुं०)द्वेष, शत्रुता ।

ਧੁਰੋਹੀ धुरोही Dhurohī पुं०
द्रोहिन् (वि०) द्रोही, द्वेषी ।

ਧੂਉ धूउ Dhū-U पुं०
धूम (पुं०) धूम, धुआँ ।

ਧੂੰਅੜਾ धूंअड़ा Dhūaṛā पुं०
द्र —ਧੂਆ ।

ਧੂਆ धूआ Dhūā पुं०
धूम (पुं०) धूम, धुआँ ।

ਧੂਈਂ धूईं Dhūī स्त्री०
धूमिन् (वि०) धूनी, धूम-युक्त ।

ਧੂਸਨ धूसन् Dhūsan पुं०
ध्वंसन (नपुं०) नाश या ध्वंस का भाव ।

ਧੂੰਚਾਰ धूंचार् Dhūcār वि०
द्र०—ਧਮਾਚਾਂ ।

ਧੂੱਤਾ धूत्ता Dhūttā पुं०
धूर्त (वि०) कपटी, दुष्ट, ठग; मूर्ख ।

ਧੂਪ धूप् Dhūp
द्र०—ਧੁੱਪ ।

ਧੂੜਹੋ धूड़्हो Dhūṛho स्त्री०
द्र०—ਧੂੱਤਾ ।

ਧੇਆ धेआ Dheā स्त्री०
द्र०—ਧਿਆਹਣ ।

ਧੇਈ धेई Dheī स्त्री०
द्र—ਧਿਆਹਣ ।

ਧੇਣਵਾਂ धेण्वां Dheṇvā स्त्री०
द्र०—ਧਿਉਣਾ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਧੈਣ धैण् Dhaiṇ स्त्री०
धेनु (स्त्री०) दुधारु गाय, दूध देने वाली गाय।

ਧੋਹ धोह् Dhoh पुं०
द्रोह (पुं०) द्रोह, डाह, ईर्ष्या।

ਧੋਂਹ धोंह् Dhōh पुं०
द्र०—ਧੋਹ।

ਧੋਹਣਾ धोह्णा Dohṇā अक० क्रि०
द्रुह्यति (दिवादि अक०) द्रोह करना।

ਧੋਤਮਾ धोत्मा Dhotmā वि०
धौत (वि०) धोया हुआ, धुला हुआ।

ਧੋਤੀ धोत्ती Dhottī स्त्री०
धोत्र (नपुं०) धोती-वस्त्र।

ਧੋਰਯਾ धोर्या Dhoryā पुं०
धौरेय (वि०) बोझ ढोने वाला जानवर जैसे बैल आदि; अगुआ, नेता।

ਧੌਨ धौन् Dhaun स्त्री०
धमनी (स्त्री०) ग्रीवा, गरदन।

ਧ੍ਰਮ ध्रम् Dhram पुं०
धर्म (पुं०) धर्म, शुभ कर्म।

ਧ੍ਰਮਸਾਲ ध्रम्साल् Dhramsāl स्त्री०
धर्मशाला (स्त्री०) धर्मशाला, गुरुद्वारा।

ਧ੍ਰਮਰਾਹ ध्रम्राह् Dhramrāh पुं०
धर्मराज (पुं०) धर्मराज, यमराज।

ਧ੍ਰੜਨਾ ध्रड़्ना Dhraṛnā सक० क्रि०
ध्राडते (भ्वादि सक०) मारना, चीरना।

ਧ੍ਰਾਪਣਾ ध्राप्णा Dhrāpṇā अक० क्रि०
ध्रायति (भ्वदि अक०) सन्तुष्ट होना, तृप्त होना।

ਧ੍ਰੂ ध्रू Dhrū पुं०
द्र०—ਧਰੂਰ।

ਧ੍ਰੋਹੀ ध्रोही Dhrohī पुं०
द्रोहिन् (वि०) द्रोही, द्रोह करने वाला, दुश्मन।

ਧ੍ਰੰਮ ध्रम्म् Dhramm पुं०
द्र०—ਧ੍ਰਮ।

ਨ

ਨਉ[1] नउ Nau वि०
नव (वि०) नवीन, नया, नूतन।

ਨਉ[2] नउ Nau वि०
नवन् (वि०) नव, 9।

ਨਉ[-1] नउँ Naū वि०
द्र०—ਨਉ[1]।

ਨਉ[-2] नउँ Naū वि०
नामन् (नपुं०) नाम।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਉਂਹ नउँह् Naũh पुं०
नख (पुं०, नपुं०) नख, नाखून ।

ਨਉਕਾ नउका Naukā स्त्री०
नौका (स्त्री०) नौका, नाव, किश्ती, ।

ਨਉਤਨ नउतन् Nautan वि०
नूतन (वि०) नवीन, नया ।

ਨਉਪਰੀ नउपरी Naupari स्त्री०
नूपुर (नपुं०, पुं०) नूपुर, पायल ।

ਨਉਮੀ नउमी Naumī स्त्री०
नवमी (स्त्री०) नवमी तिथि, चन्द्रमा की नवीं तिथि ।

ਨਇਰਤਕੋਣ नइरत्कोण् Nairatkoṇ स्त्री०
नैर्ऋत्यकोण (पुं०) नैर्ऋत्यकोण, दक्षिण-पश्चिमीय कोण ।

ਨਈਂ नईं Naĩ अ०
नहि (अ०) नहीं, निषेध ।

ਨਈਵੇਦ नईवेद् Naĩved पुं०
नैवेद्य (नपुं०) प्रसाद, देवता को निवेदित की गई वस्तु ।

ਨਸਣ नसण् Nasaṇ अक० क्रि०
नश्यति (दिवादि अक०) भाग जाना, फरार होना ।

ਨਸਾਵਣ नसावण् Nasāvaṇ सक० क्रि०
नाशयति (दिवादि प्रेर०) भगाना, दौड़ाना ।

ਨਸੰਸਕ नसंसक् Nasansak वि०
निःशंक (वि०) निःशंक, निर्भीक ।

ਨਹ[1] नह् Nah अ०
नहि (अ०) नहीं, निषेध-बोधक शब्द ।

ਨਹ[2] नह् Nah पुं०
नख (पुं०, नपुं०) नाखून, नख ।

ਨਹਾਉਣ नहाउण् Nahāuṇ पुं०
स्नान (नपुं०) नहाना, स्नान करने का भाव ।

ਨਹਾਂਕਰਾ नहाँक्रा Nahãkrā पुं०
निहन्तृ (वि०) मारने वाला, निहन्ता, वध करने वाला ।

ਨਹਾਣਾ नहाणा Nahāṇā अक० क्रि०
स्नाति (अदादि अक०) नहाना, स्नान करना ।

ਨਹਾਨਾ नहाना Nahānā अक० क्रि०
द्र०—ਨਹਾਣਾ ।

ਨਹਿ[1] नहि Nahi अ०
नहि (अ०) नहीं ।

ਨਹਿ[2] नहि Nahi पुं०
नख (पुं०, नपुं०) नाखून, नख ।

ਨਹਿਨ नहिन् Nahin अ०
द्र०—ਨਹਿ[1] ।

ਨਹੀਆਂ नहीआं Nahiã अ०
द्र०—ਨਹਿ[1] ।

ਨਹੀਓਂ नहीओं Nahiõ अ०
द्र०—ਨਹਿ[1] ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਹੀਤਾਂ नहीतां Nahītāṁ अ०
नहि तु (अ०) नहीं तो ।

ਨਹੁ नहु Nahu वि०
द्र०—ਨਓ[2] ।

ਨਹੂੰ नहूँ Nahū पुं०
द्र०—ਨਹਿ[2] ।

ਨਹੇਰਨੀ नहेर्नी Naherni स्त्री०
नखहरणी (स्त्री०) नहर्नी, नाखून काटने की छुरी ।

ਨਹੇੜਾ नहेड़ा Naheṛā पुं०
नाश (पुं०) नाश, बर्बादी ।

ਨਕ नक् Nak स्त्री०
नासिका (स्त्री०) नाक ।

ਨਕਤ नकत् Nakat स्त्री०
नक्त (अ०) रात, रात्रि ।

ਨਕਾਸ नकास् Nakās पुं०
निकास (पुं०) निकास, मकान का बराण्डा इत्यादि; निकलने का भाव ।

ਨਕੱਮਾ नकम्मा Nakammā पुं०
निष्कर्मन् (वि०) निकम्मा, आलसी ।

ਨੱਖ-ਸਿੱਖ नक्ख्-सिक्ख् Nakh-Sikkh वि०
नखशिख (वि०) नख-शिख, नख से शिख पर्यन्त ।

ਨਖੱਤਰਾ नखत्तरा Nakhattarā वि०
निःक्षत्र (वि०) क्षत्र-हीन; सम्पत्ति-विहीन, निर्धन ।

ਨਖੱਤੜਾ नखत्तड़ा Nakhattaṛā वि०
द्र०—ਨਖੱਤਰਾ ।

ਨਖੱਤਾ नखत्ता Nakhattā पुं०
द्र०—ਨਖੱਤਰਾ ।

ਨਖਾਂਦਾ नखांदा Nakhāṁdā वि०
द्र०—ਨਖੱਤਰਾ ।

ਨਖਾਰਣਾ नखार्णा Nakhārṇā सक० क्रि०
निःक्षालयति (चुरादि सक०) निखारना, स्वच्छ करना, धोना ।

ਨਖੂਨ नखून् Nakhūn पुं०
नख (पुं०, नपुं०) नख, नाखून ।

ਨਖੰਡ नखण्ड् Nakhaṇḍ वि०
अखण्ड (वि०) खण्ड-रहित, सम्पूर्ण ।

ਨਗੌਡੀ नगौडी Nagauḍī स्त्री०
निर्गर्व (वि०) गर्व-रहित, नम्र, घमण्ड-रहित ।

ਨੱਗਰ नग्गर Naggar पुं०
नगर (नपुं०) नगर, शहर ।

ਨਚਵੱਯਾ नच्वय्या Nacvayyā पुं०
द्र०—ਨਚਵੈਯਾ ।

ਨਚਵੈਯਾ नच्वैया Nacvaiyā पुं०
नर्तक (वि०) नर्तक, नाचने वाला ।

ਨਚਿੰਦ नचिन्द् Nacind वि०
निश्चिन्त (वि०) चिन्ता-रहित, बेफिक्र ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਚੋੜਣਾ नचोड़्णा Ncoṛṇā सक० क्रि०
निश्च्योतति (भ्वादि सक०) निचोड़ना।

ਨਛਕਾਰ नछ्कार् Nachkār पुं०
नमस्कार (पुं०) नमस्कार, प्रणाम।

ਨਛਕਾਰਨਾ नछ्कार्ना Nachkārnā सक० क्रि०
नमस्करोति (सोपपद तनादि सक०) नमस्कार या प्रणाम करना।

ਨਛਤ੍ਰ नछत्र् Nachatr पुं०
नक्षत्र (नपुं०) तारे, गह।

ਨੱਟ नट्ट् Naṭṭ पुं०
नट (पुं०) नट, अभिनेता; खेल दिखाने वाला नट।

ਨੱਠਣਾ नट्ठ्णा Naṭṭhṇā अक० क्रि०
नश्यति (दिवादि अक०) भागना, गायब होना; नष्ट होना।

ਨਣਦੀ नण्दी Naṇdī स्त्री०
ननान्दृ (स्त्री०) ननद, पति की बहन।

ਨਣਦੋਯਾ नण्दोया Naṇdoyā पुं०
ननान्दृपति (पुं०) ननदोई, ननद का पति।

ਨਣਾਨੂੰ नणानू Naṇānū स्त्री०
ननान्दृ (स्त्री०) ननद, पति की बहन।

ਨਤਾਣਾ नताणा Natāṇā पुं०
निस्तान (वि०) शिथिल, कमजोर।

ਨਤਾਰਣਾ नतार्ना Natārnā सक० क्रि०
निस्तारयति (भ्वादि प्रेर०) पार करने या पिंड छुड़ाने की क्रिया, छुटकारा।

ਨੱਤਰੀ नत्त्री Nattrī स्त्री०
ऊनत्रिंशत् (स्त्री०) उन्तीस, 29।

ਨੱਤਰੀਆਂ नत्त्रीआं Nattrīāṁ पुं०
ऊनत्रिंशत्तम (वि०) उन्तीसवां, 29वाँ।

ਨਥ नथ् Nath स्त्री०
नाथ (पुं०) नाथ, नटखट बैल आदि पशुओं की नाक में डाली हुई रस्सी।

ਨਥਾਵਾਂ नथावाँ Nathāvāṁ वि०
निःस्थान (वि०) स्थान-हीन, स्थान-रहित।

ਨੱਥਣ नत्थण् Natthaṇ सक० क्रि०
नाथते/ति (भ्वादि सक०) नटखट बैल की नाक में रस्सी डाल कर नाथना; नत्थी करना, वश में करना।

ਨਦਿਰਸ਼ਟ नदिर्शट् Nadirśat वि०
नदृष्ट (वि०) अदृष्ट, अनदेखा।

ਨਧਾਨ नधान् Nadhān पुं०
निधान (नपुं०) निधान, भण्डार, खजाना।

ਨਨ नन Nan अ०
न (अ०) नहीं।

ਨਨਕਾਰ नन्कार् Nankār पुं०
नकार (पुं०) इन्कार, अस्वीकार।

ਨਨਾਦ ननाद् Nrnād पुं०
निनाद (पुं०) ध्वनि, शब्द, आवाज।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਨੇਂਦੂ ननेन्दू Nanendū वि०
ननिन्द्य / अनिन्द्य (वि०) अनिन्दित, जो निन्दा के योग्य नहीं।

ਨਨੰਦ ननंद् Nanand स्त्री०
द्र०—ਨਣਦੀ।

ਨਪਿਤਣਾ नपित्णा Napitṇā सक० क्रि०
द्र०—ਨਪੀੜਣਾ।

ਨਪੀੜ नपीड़् Napīṛ पुं०
निष्पीडन (नपुं०) दबाने अथवा निचोड़ने का भाव।

ਨਪੀੜਣ नपीड़ण् Napīṛaṇ पुं०
निष्पीडन (नपुं०) निचोड़ने या दुःख देने का भाव।

ਨਪੀੜਣਾ नपीड़्णा Napīṛṇā सक० क्रि०
निष्पीडयति (चुरादि सक०) निचोड़ना, दबाना; दुःख देना।

ਨਪੁੰਨ नपुन्न् Napunn वि०
निपुण (वि०) निपुण, चतुर।

ਨੱਪਣਾ नप्पणा Nappaṇā सक० क्रि०
निष्पीडयति (चुरादि सक०) पीड़ित करना; दबाना।

ਨਫਲ नफल् Naphal वि०
निष्फल (वि०) जिसका कोई फल न हो, फलहीन, व्यर्थ।

ਨਫੁੰਸਕ नफुंसक् Naphuṇsak पुं०
नपुंसक (नपुं०) न स्त्री और न पुरुष, हिंजड़ा; भीरु, डरपोक।

ਨਬਾਹ नबाह् Nabāh पुं०
निर्वाह (पुं०) समाप्ति, पूर्णता; अन्त को पहुँचाना अर्थात् समाप्ति या पूरा करना।

ਨਬਾਹੁਣਾ नबाहुणा Nabāhuṇā सक० क्रि०
निर्वहति (भ्वादि सक०) अन्त तक पहुँचाना, पूरा करना; निभाना।

ਨਬੇੜਣਾ नबेड़्णा Naberṇā सक० क्रि०
निर्वर्तयति (भ्वादि प्रेर०) सम्पन्न करना, पूरा करना।

ਨਬੋਲੀ नबोली Naboli स्त्री०
निम्बफली (स्त्री०) निमोली, नीम की फली।

ਨਭ नभ् Nabh स्त्री०
नाभि (स्त्री०) नाभि।

ਨਭਾਗ नभाग् Nabhāga वि०
नभग (वि०) अभागा, मन्दभाग्य, बद-नसीब।

ਨਭਾਗਾ नभागा Nabhāgā पुं०
निर्भाग्य (पुं०) अभागा, भाग्यहीन।

ਨਮਸਕਰਾ नमस्करा Namaskarā वि०
नमस्कार्य (वि०) नमस्कार के योग्य।

ਨਮਸਤਸਤੁ नमस्तस्तु Namas-Tastu वाक्य
नमस्तुभ्यमस्तु (वाक्य) आपको नमस्कार है।

ਨਮਹ नमह् Namah पुं०
नमस् (अ०) नमस्कार, प्रणाम।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਮਰ नमर् Namar वि०
नम्र (वि०) नम्र, विनीत ।

ਨਮਰਤਾ नमर्ता Namartā स्त्री०
नम्रता (स्त्री०) नम्रता, विनीतता ।

ਨਮਾ नमा Namā पुं०
नव (वि०) नव, नया, नवीन ।

ਨਮਾਂ नमाँ Namā̃ पुं०
द्र०—ਨਮਾ ।

ਨਮਾਈ नमाई Namāī स्त्री०
द्र०—ਨਮਰਤਾ ।

ਨਮਾਣਾ नमाणा Namāṇā सक० क्रि०
नमयति (भ्वादि प्रेर०) नवाना, झुकाना ।

ਨਮਿੱਤ नमित्त् Namitt पुं०
निमित्त (नपुं०) हेतु, कारण, उद्देश्य ।

ਨਮੁੱਲਾ नमुल्ला Namullā वि०
निर्मूल्य (वि०) अमूल्य, अनमोल ।

ਨਮੂਲ नमूल् Nmūl वि०
निर्मूल (वि०) मूल-रहित; आधारहीन ।

ਨਮੂੜ नमूड़् Namūṛ वि०
निर्मूढ (वि०) अतिमूढ, अत्यन्त मूर्ख ।

ਨਯਾ नया Nayā वि०
नव (वि०) नवीन, नया, नूतन ।

ਨਯਾਰਾ न्यारा Nyārā वि०
एकादश (वि०) ग्यारह, 11 ।

ਨਰਸਿੰਹਾ नर्सिंहा Narsiṁhā पुं०
नलभृङ्ग (नपुं०) सींग के आकार का ताँबे, पीतल आदि की फोंफी, जिसे बिगुल की तरह बजाया जाता है ।

ਨਰਹ नरह् Narah वि०
निरीह (वि०) इच्छा-रहित, कामना-हीन ।

ਨਰੱਖਾ नरक्खा Narakkhā वि०
नीरक्षक (वि०) रक्षा-विहीन, अरक्षित ।

ਨਰਗ नरग् Narag पुं०
नरक (नपुं०, पुं०) नरक; नरक 29 हैं, इनकी यातनाओं में तारतम्य है ।

ਨਰਤ नरत् Narat पुं०
नर्त (पुं०) नृत्य, नाच ।

ਨਰਬਾਹ नर्बाह् Narbāh पुं०
निर्वाह (पुं०) समाप्ति, पूर्णता; अन्त तक निभाने की क्रिया ।

ਨਰਬਾਹਾ नर्बाहा Narbāhā पुं०
द्र०—ਨਬਾਹ ।

ਨਰਵਾਰਨਾ नर्वार्ना Narvārnā सक० क्रि०
निवारयति (चुरादि सक०) रोकना, हटाना ।

ਨਰਵਿਰਤਿ नर्विर्ति Narvirti स्त्री०
निवृत्ति (स्त्री०) विरक्ति, सांसारिक झंझटों से मुक्ति; त्याग; वापसी ।

ਨਰਾਸ नरास् Narās वि०
निराश (वि०) आशारहित ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਰਾਤਾ नराता Narāt पुं०
द्र०—ਨਰਾਤਰਾ ।

ਨਰਾਤਰਾ नरातरा Narātrā पुं०
नवरात्र (नपुं०) नवरात्र ।

ਨਰਾਤ੍ਰਾ नरात्रा Narātrā पुं०
द्र०—ਨਰਾਤਾ ।

ਨਰਾਰਥਕ नरार्थक् Narārthak वि०
निरर्थक (वि०) बिना अर्थ का, वाहियात ।

ਨਰਿਯਲ नरियल् Nariyal पुं०
नारिकेल (पुं०, नपुं०) नारियल का वृक्ष या फल ।

ਨਰੀਕਸ਼ਣ नरीक्शण् Narīkśaṇ पुं०
निरीक्षण (नपुं०) अच्छी तरह देखने की क्रिया; खोज, तलाश ।

ਨਰੀਖਣ नरीखण् Narīkhaṇ पुं०
द्र०—ਨਰੀਕਸ਼ਣ ।

ਨਰੁ नरु Naru पुं०
नर (पुं०) नर, पुरुष ।

ਨਰੂਪਣ नरूपण Narūpaṇ पुं०
निरूपण (नपुं०) ढूँढने का भाव, अन्वेषण; किसी विषय को इस रूप में रखना कि वह स्पष्ट समझ में आ जाये ।

ਨਰੂਪਣਾ नरूप्णा Narūpṇā सक० क्रि०
निरूपयति (चुरादि सक०) निरूपित करना, साफ-साफ समझाना ।

ਨਰੰਜਣ नरंजण् Narañjaṇ पुं०
निरञ्जन (पुं०) मिथ्या या माया से रहित, निरञ्जन ।

ਨਲਿਏਰ नलीएर् Nalīer पुं०
द्र०—ਨਰਿਯਲ ।

ਨਲੇਰ नलेर् Naler पुं०
द्र०—ਨਰਿਯਲ ।

ਨਵਤਣ नव्तण् Navtaṇ वि०
नूतन (वि०) नूतन, नया ।

ਨਵੱਤੀ नव्त्ती Navattī स्त्री०
नवीनता (स्त्री०) नवीनता, नूतनता ।

ਨਵਰਨੀ नवर्नी Navarnī स्त्री०
नववर्णिनी (स्त्री०) नव विवाहिता ।

ਨਵਾਂਣਾ नवाँणा Navāṇā सक० क्रि०
नमयति (भ्वादि प्रेर०) नवाना, झुकाना ।

ਨਵਿੱਤ नवित्त् Navitt पुं०
निमित्त (नपुं०) हेतु; कारण; उद्देश्य ।

ਨਵੀਨਗੀ नवीन्गी Navīngī स्त्री०
नवीनता (स्त्री०) नवीनता, नूतनता ।

ਨਵੇਰਾ नवेरा Naverā वि०
नव (वि०) नया, नूतन ।

ਨਵੇਲੜੀ नवेल्ड़ी Navelṛī स्त्री०
द्र०—ਨਵੇਰਾ ।

ਨਵੇਲਾ नवेला Navelā पुं०
द्र०—ਨਵੇਰਾ ।

ਨੱਵੇ नब्वे Nabve वि०
नवति (स्त्री०) नब्वे, 90 ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨੜਿੰਨਮੇ नड़िन्मे Naṛinme वि०
नवनवति (स्त्री०) निन्यानवे, 99।

ਨਾ ना Nā अ०
न (अ०) न, नहीं।

ਨਾਂ नाँ Nā̃ पुं०
नामन् (नपुं०) नाम, संज्ञा।

ਨਾਉ[1] नाउ Nāu स्त्री०
द्र०—ਨਾਓ।

ਨਾਉ[2] नाउ Nāu पुं०
न्याय (नपुं०) न्याय, कानूनी कार्रवाई।

ਨਾਓ नाओ Nāo स्त्री०
नौ (स्त्री०) नाव, नौका।

ਨਾਇਓ नाइओ Nāio पुं०
द्र०—ਨਾਂ।

ਨਾਇਣ नाइण् Nāiṇ स्त्री०
नापिती (स्त्री०) नाईन, नाई की पत्नी।

ਨਾਈ नाई Nāī अ०
द्र०—ਨਾ।

ਨਾਸ਼ नाश् Nāś पुं०
नाश (पुं०) ध्वंस, संहार, नाश।

ਨਾਸਤਕ नास्तक् Nastak वि०
नास्तिक (पुं०) नास्तिक, वेदनिन्दक, जो ईश्वर या परलोक में विश्वास नहीं करता हो।

ਨਾਸਤਕਤਾ नासतक्ता Nastaktā स्त्री०
नास्तिकता (स्त्री०) ईश्वर, परलोक आदि में विश्वास न रखने का भाव, नास्तिकता।

ਨਾਸਤਾਵਾਦੀ नास्तावादी Nāstāvādī पुं०
नास्तिकतावादिन् (वि०) नास्तिकतावादी।

ਨਾਸਨ नासन् Nāsan पुं०
नाशन (नपुं०) ध्वंस, संहार, नाश।

ਨਾਸ਼ਮਾਣ नाश्माण् Nāsmāṇ वि०
नाशवान् (प्रथमान्त वि०) नाशवान्, नश्वर।

ਨਾਸੀ नासी Nāsī वि०
नाशिन् (वि०) नाश होने वाला, नश्वर।

ਨਾਹ नाह् Nāh पुं०
नाथ (पुं०) स्वामी, पति।

ਨਾਂਹ नांह् Nā̃h अ०
द्र०—ਨਾ।

ਨਾਹਰਾ नाह्रा Nāhrā पुं०
नाह (पुं०) डोरी, बन्धन, फंदा।

ਨਾਹੀਂ नाहीं Nāhī̃ अ०
द्र०—ਨਾ।

ਨਾਕ नाक् Nāk पुं०
नक्र (पुं०) मगर, घड़ियाल।

ਨਾਕੂ नाकू Nākū पुं०
द्र०—ਨਾਕ।

ਨਾਖਣ नाखण् Nākhaṇ पुं०
नख (पुं०, नपुं०) नख, नाखून।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਾਗਨ नागन् Nāgan स्त्री०
नागिनी (स्त्री०) नागिन, सर्पिणी।

ਨਾਗਰ-ਮੱਥਰਾ नागर्-मत्थरा Nāgar-Matthara पुं०
नागरमुस्त (नपुं०) नागरमोथा, एक प्रकार की घास जो दवा के काम आती है।

ਨਾਗਰ-ਮੁੱਥਾ नागर् मुत्था Nāgar-Muttha पुं०
द्र०—ਨਾਗਰਮੱਥਰਾ।

ਨਾਂਗੜੀ नाँग्ड़ी Nāgṛī स्त्री०
द्र०—ਨਾਗਨ।

ਨਾੱਗਾ नाग्गा Nāggā पुं०
नग्न (पुं०) नागा साधु।

ਨਾਘਨਾ नाघ्ना Nāghnā सक० क्रि०
लङ्घयति / ते (चुरादि सक०) लाँघना, पार करना।

ਨਾਙਨ नाङन् Nāṅan पुं०
नग्नाङ्ग (वि०) नंगे अंगों वाला।

ਨਾਚਨਾ नाच्ना Nācnā अक० क्रि०
नृत्यति (दिवादि अक०) नाचना, नृत्य करना।

ਨਾਜ नाज् Nāj पुं०
अन्नाद्य (नपुं०) अनाज, अन्न।

ਨਾਟਿਕ नाटिक् Nāṭik पुं०
नाटक (नपुं०) नाटक, रूपक, दृश्यकाव्य, अभिनय-ग्रन्थ।

ਨਾਠਣਾ नाठ्णा Nāṭhṇā अक० क्रि०
नश्यति (दिवादि अक०) भगना; नष्ट होना।

ਨਾਤੀ नाती Nātī स्त्री०
स्नाता (स्त्री०) स्नान की हुई।

ਨਾਥਨਾ नाथ्ना Nāthnā सक० क्रि०
नाथति/ते (भ्वादि सक०) नाक में छिद्र करके नकेल पहनाना; वश में करना, अधीन करना।

ਨਾਦੀਆ नादीआ Nādīā पुं०
नन्दिन् (पुं०) नन्दी, शिव के वाहन का नाम।

ਨਾਨ[1] नान् Nān वि०
न्यून (वि०) कम, थोड़ा।

ਨਾਨ[2] नान् Nān पुं०
स्नान (नपुं०) नहान, स्नान करने का भाव।

ਨਾਨਤੁ नान्तु Nāntu पुं०
नानात्व (नपुं०) अनेकता, भिन्नता।

ਨਾਨਾ नाना Nānā पुं०
द्र०—ਨਾਨ[2]।

ਨਾਮਾ नामा Nāmā पुं०
नामन् (पुं०) नाम, संज्ञा।

ਨਾਮਾਂ नामाँ Nāmā पुं०
द्र०—ਨਾਮਾ।

ਨਾ-ਮਿਰਜਾਦ ना-मिर्जाद् Nā-Mirjād वि०
निर्मर्याद (वि०) मर्यादा-रहित।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਾਰਜਲ नार्यल् Nāryal पुं०
द्र० – ਨਰਿਜਲ ।

ਨਾਰੀਏਲ नारीएल् Nāriel पुं०
द्र०—ਨਰਿਜਲ ।

ਨਾਰੀਯਤ नारीयत् Nārīyat पुं०
नारीत्व (नपुं०) नारीत्व, नारी का भाव ।

ਨਾਵਣ नावण् Nāvaṇ अक० क्रि०
स्नाति (अदादि अक०) नहाना, स्नान करना ।

ਨਾਵਣਾ नावणा Nāvṇā सक० क्रि०
स्नपयति (अदादि प्रेर०) नहलाना, स्नान कराना ।

ਨਾਵਾ नावा Nāvā पुं०
नवम (वि०) नौवाँ, 9वाँ ।

ਨਾਵਾਂ नावाँ Nāvā vi०
द्र०—ਨਾਵਾ ।

ਨਿਉਕਤੀ निउक्ती Niuktī स्त्री०
निरुक्ति (स्त्री०) निरुक्ति, किसी पद या वाक्य की ऐसी व्याख्या जिसमें व्युत्पत्ति आदि अच्छी तरह समझायी गयी हो ।

ਨਿਉਂਤਾ निउँता Niūtā पुं०
निमन्त्रण (नपुं०) न्योता, उत्सव आदि में सम्मिलित होने के लिये बुलावा, दावत ।

ਨਿਉਲ निउल् Niul पुं०
नकुल (पुं०) नेवला ।

ਨਿਅਰਥ निअरथ् Niarath वि०
निरर्थ (त्रि०) निरर्थक, निष्फल ।

ਨਿਅਰਥਕ निअर्थक् Niarthak वि०
निरर्थक (वि०) निरर्थक, निष्फल ।

ਨਿਆਉ निआउ Niāu पुं०
न्याय (पुं०) न्याय, औचित्य ।

ਨਿਆਣਾਂ निआणाँ Niāṇā pुं०
निदान (नपुं०) बँधना, गोदोहन के समय गाय के पिछले पैरों को बाँधने की रस्सी ।

ਨਿਆਣੀ निआणी Niāṇī स्त्री०
नापिती (स्त्री०) नाइन, नाई की स्त्री ।

ਨਿਆਦਰਾ निआद्रा Niādrā पुं०
निरादर (वि०) आदर से रहित, असम्मान ।

ਨਿਆਨਵੇਂ निआन्वें Niānvē वि०
नवनवति (स्त्री०) निन्यानवे, 99 ।

ਨਿਆਨਾ निआना Niānā पुं०
न्याय (पुं०) न्याय, औचित्य ।

ਨਿਆਵ निआव् Niāv पुं०
द्र०—ਨਿਆਨਾ ।

ਨਿਸ਼ਕ निशक् Niśak वि०
निश्शङ्क (वि०) शंका रहित ।

ਨਿਸਕਲ निस्कल् Niskal वि०
निष्कलङ्क (वि०) निष्कलंक, निर्दोष ।

ਨਿਸਕਾਰ निस्कार् Niskār पुं०
नमस्कार (पुं०) नमस्कार, प्रणाम ।

ਨਿਸਚਤ निस्चत् Niscat वि०
निश्चित (वि०) निश्चय किया हुआ, निश्चित ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਸਚਾ निस्चा Niscā पुं०
निश्चय (पुं०) दृढ़ विचार, निश्चय।

ਨਿਸ ਚੰਤ निस्चिन्त Niscint वि०
निश्चिन्त (वि०) निश्चिन्त, चिन्ता-रहित, चिन्तामुक्त।

ਨਿਸਚੇ निस्चे Nisce क्रि० वि०
निश्चय (क्रि० वि०) निश्चय से, विश्वास-पूर्वक।

ਨਿਸਛਿੱਦਰ निस्छिद्दर् Nischiddar वि०/पुं०
निश्छिद्र (वि० / पुं०) वि०—छिद्ररहित, निर्दोष। पुं०—परमेश्वर।

ਨਿਸ਼ਟ निशट् Niśaṭ वि०
नेष्ट (वि०) जो इष्ट न हो, अनिष्ट।

ਨਿਸੱਤਤਾ निसत्तता Nisattatā स्त्री०
निःसत्त्वता (स्त्री०) कमजोरी, शिथिलता, सुस्ती।

ਨਿਸਪਤ निस्पत् Nispat पुं०
निशापति (पुं०) निशापति, चन्द्रमा।

ਸਿਸਭੌ निस्भौ Nisbhau वि०
निर्भय (वि०) निर्भय, निडर।

ਨਿਸਲਤਾ निस्लता Nislatā स्त्री०
अलसता (स्त्री०) आलस्य, सुस्ती, शिथिलता।

ਨਿਸਾਂਕ निसांक् Nisāṅk वि०
निश्शङ्क (वि०) निडर, निर्भय।

ਨਿਸਿਤ निसित् Nisit वि०
निशित (वि०) तीक्ष्ण, तेज, तीखा।

ਨਿਸੁਕ निसुक् Nisuk वि०
निशुष्क (वि०) सूखा, पूर्ण रूप से सूखा।

ਨਿਸੁਲ निसुल् Nisul पुं०
निःस्वन (नपुं०) आवाज, शब्द, ध्वनि।

ਨਿਸ਼ੇਧੀ निशेधी Niśedhī स्त्री०
निषेध (पुं०) निषेध, मनाही, अस्वीकृति।

ਨਿਸੋਤ निसोत् Nisot वि०
निस्संयुक्त (वि०) बिना मिलावट के, असंयुक्त।

ਨਿਸੰਕ निसंक् Nisaṅk वि०
द्र०—ਨਿਸ਼ਕ।

ਨਿਸੰਗ निसंग् Nisaṅg वि०
निःसङ्ग (वि०) निर्लिप्त, संग-रहित, निष्काम।

ਨਿਸ਼ੰਗ निशंग् Niśaṅg वि०
द्र०—ਨਿਸ਼ਕ।

ਨਿੱਸਰਣਾ निस्सर्णा Nissarṇā अक० क्रि०
निस्सरति (भ्वादि अक०) निकलना; खिलना; फूटना; फैलना।

ਨਿੱਸਰਨਾ निस्सर्ना Nissarnā अक० क्रि०
निस्सरति (भ्वादि सक०) बाहर आना; जाना।

ਨਿੱਸਲੀਆਂ निस्स्लीआँ Nisslīāṁ वि०
द्र०—ਨਿਸਲਤਾ।

ਨਿੰਹ निंह् Nīh पुं०
स्नेह (पुं०) प्रेम; चिकनाहट।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਹਸ਼ੰਕ निह्शंक् Nihśaṅk वि०
द्र०—ਨਿਸ਼ੰਕ ।

ਨਿਹਕਣਟਕ निह्कण्टक् Nihkaṇṭak वि०
निष्कण्टक (वि०) निर्विघ्न, शत्रुरहित ।

ਨਿਹਕਾਮਾ निह्कामा Nihkāmā वि०
निष्काम (वि०) निष्काम, कामना-रहित, निष्प्रयोजन ।

ਨਿਹਕਿੰਚਨ निह्किंचन् Nihkiñcan वि०
निष्किञ्चन (वि०) अकिंचन, निर्धन, कंगाल ।

ਨਿਹਚਉ[1] निह्चउ Nihcau पुं०
निश्चय (पुं०) निश्चय, संशयरहित ज्ञान, निर्णय ।

ਨਿਹਚਉ[2] निह्चउ Nihcau वि०
निश्चायक (वि०) निश्चय करने या कराने वाला ।

ਨਿਹਚਲਾਇਆ निह्चलाइआ Nihcalāiā वि०
निश्चल (वि०) निश्चल, स्थिर, अचल ।

ਨਿਹਚਾ निह्चा Nihcā पुं०
द्र०—ਨਿਹਚਉ[1] ।

ਨਿਹਚਿੰਤ निह्चिन्त Nihcint वि०
निश्चिन्त (वि०) निश्चिन्त, चिन्तारहित ।

ਨਿਹਚੇ निह्चे Nihce वि०
द्र०—ਨਿਹਚਉ[1] ।

ਨਿਹਣ निहण् Nihaṇ पुं०
नहन (नपुं०) बाँधने की क्रिया, बन्धन ।

ਨਿਹਣਨਾ निहण्ना Nihaṇnā सक० क्रि०
निहन्ति (अदादि सक०) आघात पहुँचाना; हानि करना ।

ਨਿਹਣਾ निह्णा Nihṇā सक० क्रि०
निहन्ति (अदादि सक०) हनन करना, वध करना ।

ਨਿਹੱਤਾ निहत्ता Nihattā पुं०
निर्हस्त (वि०) निहत्था, रिक्त हाथों वाला ।

ਨਿਹਭਾਗ निह्भाग् Nihbhāg पुं०
निर्भाग्य (वि०) अभागा, भाग्य-रहित ।

ਨਿਹਭਾਗੜਾ निह्भागड़ा Nihbhāgṛā पुं०
द्र०—ਨਿਹਭਾਗ ।

ਨਿਹਲੀਆ निह्लीआ Nihlīā वि०
निरीक्षित (वि०) निहारा हुआ, देखा हुआ ।

ਨਿਹਾ निहा Nihā अ०
नहि (अ०) नहीं, ना ।

ਨਿਹਾਂ निहाँ Nihā̃ वि०
निहित (वि०) रखा हुआ, स्थापित; बीच में घुसेड़ा हुआ ।

ਨਿਹਾਣਾ निहाणा Nihāṇā वि०
द्र०—ਨਿਹਾਂ ।

ਨਿਹਾਨੀ निहानी Nihānī स्त्री०
नापिती (स्त्री०) नाइन, नाई की स्त्री ।

ਨਿਹਾਰ निहार् Nihār वि०
निराहार (वि०) निराहार, बिना आहार के ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਹਾਰ-ਮੂੰਹ निहार्-मूंह् Nihār-Mūh वि०
निराहारमुख (नपुं०) खाली पेट।

ਨਿਹਾਲਮ निहालम् Nihālam पुं०
निभालन (नपुं०) निरीक्षण, देखभाल।

ਨਿਹੁਰਨਾ निहुर्ना Nihurnā अक० क्रि०
नमति (भ्वादि अक०) झुकना, नम्र होना।

ਨਿਹੁੜਾ निहुड़ा Nihuṛā पुं०
स्नेह (पुं०) स्नेह, प्रेम।

ਨਿਹੁੜਾਉਣਾ निहुड़ाउणा Nihuṛāuṇā
सक० क्रि०
नमयति (भ्वादि प्रेर०) झुकाना, नवाना।

ਨਿਹੰਗਾਪਨ निहंगापन् Nihaṅgāpan पुं०
निरहन्त्वपण (पुं०) निरभिमानिता, निरहंकारिता।

ਨਿਕਰ निकर् Nikar पुं०
निकर (पुं०) समूह, झुण्ड, राशि।

ਨਿਕਰਮਾਂ निकर्मां Nikarmā पुं०
निष्कर्मन् (वि०) निकम्मा, आलसी; अभागा।

ਨਿਕੜਨਾ निकड़्ना Nikaṛnā अक० क्रि०
निष्क्राम्यति (भ्वादि० अक०) निकलना; आगे जाना।

ਨਿਕਾਇ निकाइ Nikāi पुं०
निकाय (पुं०) समूह, राशि, ढेर।

ਨਿਕਾਮ निकाम् Nikām वि०
निष्काम (वि०) निष्काम, कामना-रहित।

ਨਿਕਾਮਾ निकामा Nikāmā वि०
द्र०—ਨਿਕਰਮਾਂ।

ਨਿਕੰਮਤਾ निकम्मता Nikammtā स्त्री०
निष्कर्मता (स्त्री०) अकर्मण्यता, निकम्मापन।

ਨਿੱਕਲਣਾ निक्कल्णा Nikkalṇā अक० क्रि०
निष्कलयति (चुरादि० अक०) निकलना; पृथक् होना।

ਨਿਖਤ੍ਰ निखत्र् Nikhatr वि०
निःक्षत्र (वि०) क्षत्रियों से हीन।

ਨਿਖਾਧ निखाध् Nikhādh पुं०
निषाद (पुं०) संगीत का सप्तम स्वर; आदिवासियों की एक जाति।

ਨਿਖਿੱਧ निखिद्ध् Nikhiddh वि०
निषिद्ध् (वि०) निषिद्ध, वर्जित, मना किया हुआ।

ਨਿਖੇਦ निखेद् Nikhed पुं०
निषेध (पुं) निषेध, मनाही।

ਨਿਖੇਧੀ निखेधी Nikhedhī स्त्री०
द्र०—ਨਿਖੇਦ।

ਨਿਖੰਗ निखङ्ग् Nikhaṅg पुं०
निषङ्ग (पुं०) तूणीर, तरकश।

ਨਿਗਘ निग्घ् Niggh पुं०
निदाघ (पुं०) गर्मी, उष्णता; ग्रीष्म ऋतु।

ਨਿਗਘਾ निग्घा Nigghā वि०
स्निग्ध (वि०) प्रिय, प्यारा।

ਨਿਗੋਡਾ निगोडा Nigoḍā पुं०
निगडिन (वि०) बन्धन में फँसा हुआ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਗੋਡੀ निगोडी Nigoḍī स्त्री०
द्र०—ਨਿਗੋਡਾ ।

ਨਿਗ੍ਰੋਧ निग्रोध् Nigrodh पुं०
न्यग्रोध (पुं०) वट वृक्ष, बरगद का पेड़ ।

ਨਿਚਲਾ निच्ला Niclā वि०
निश्चल (वि०) अचल, निश्चल, स्थिर ।

ਨਿਚੱਲੜਾ निचल्लड़ा Nicallaṛā पुं०
द्र०—ਨਿਚਲਾ ।

ਨਿਚੜਣਾ निचड़्णा Nicaṛṇā अक० क्रि०
निश्चोतति (भ्वादि अक०) सूखना, जल हीन होना ।

ਨਿਚਿੰਤ निचिन्त् Nicint वि०
द्र०—ਨਿਹਚਿੰਤ ।

ਨਿਚਿੰਤਾਈ निचिन्ताई Nicintāī स्त्री०
निश्चिन्तता (स्त्री०) निश्चिन्तता, चिन्ता-रहित होने का भाव ।

ਨਿਚਿੰਦ निचिन्द् Nicind वि०
द्र०—ਨਿਹਚਿੰਤ ।

ਨਿਚੋਹ निचोह् Nicoh पुं०
निचय (पुं०) समूह, समुदाय ।

ਨਿਚੋਲਨਾ निचोल्ना Nicolnā सक० क्रि०
निश्च्योतयति (भ्वादि प्रेर०) निचोड़ना, टपकाना ।

ਨਿੱਚਲ निच्चल् Niccal वि०
निश्चल (वि०) निश्चल, अचल ।

ਨਿਝਰ निझर् Nijhar पुं०
निर्झर (पुं०) झरना ।

ਨਿੱਝਰ निज्झर् Nijjhar पुं०
निर्झर (पुं०) झरना, जल-प्रपात ।

ਨਿੱਡਰ निड्डर् Niḍḍar वि०
निर्दर (वि०) निडर, निर्भय ।

ਨਿਤਪ੍ਰਤ नित्प्रत् Nitprat अ०
नित्यप्रति (अ०) प्रतिदिन, निशदिन ।

ਨਿਤਿ-ਆਨੰਦ नित्यानन्द् Nityānand पुं०
नित्यानन्द (पुं०) सदानन्द, परब्रह्म ।

ਨਿੰਦ निंद् Nind वि०
निन्द्य (वि०) निन्द्य, निन्दनीय ।

ਨਿੰਦਕਾਈ निन्द्काई Nindkāī स्त्री०
निन्द्यकार्य (नपुं०) निन्दनीय कर्म, कुत्सित कार्य ।

ਨਿੰਦ-ਚਿੰਦ निंद्-चिन्द् Nind-Cind पुं०
निन्द्यचिन्ता (स्त्री०) बुरे विचार ।

ਨਿੰਦਤ निन्दत् Nindat वि०
निन्दित (वि०) बदनाम किया हुआ, कुवाच्य कहा हुआ ।

ਨਿਦਿਆ निदिआ Nidiā स्त्री०
निन्दा (स्त्री०) निन्दा, शिकायत ।

ਨਿੰਦ੍ਰ निन्द्र् Nindr स्त्री०
निद्रा (स्त्री०) नींद, सोने का भाव ।

ਨਿਧਰਾ निध्रा Nidhrā वि०
निराधार (वि०) निराधार, निराश्रय ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਧਾਣ निधाण् Nidhāṇ पुं०
निधान (नपुं०) नीचे रखने का भाव, तरतीबवार जमा रखना।

ਨਿਧਾਨ निधान् Nidhān पुं०
द्र०—ਨਿਧਾਣ।

ਨਿਧਾਰਾ निधारा Nidhārā वि०
द्र०—ਨਿਧਰਾ।

ਨਿੱਧ निद्ध् Niddh पुं०
निधि (पुं०) निधि, भण्डार, खजाना।

ਨਿਨਾਣਵੇਂ निनाण्वें Nināṇvē वि०
नवनवति (स्त्री०) निन्यानवे, 99।

ਨਿਪਕਸ਼ निप्कश् Nipkaś वि०
निष्पक्ष (वि०) निष्पक्ष, पक्षपात-रहित।

ਨਿਪਟਨਾ निपट्ना Nipaṭnā पुं०
निवर्तन (नपुं०) निवृत्त होना, छुट्टी पाना; समाप्त होना।

ਨਿਪੱਤਰ निपत्तर Nipattar वि०
निष्पत्र (वि०) पत्र-रहित।

ਨਿਪਰਸ निप्रस् Nipras वि०
निस्पृश्य (वि०) अस्पृश्य, अछूत।

ਨਿਪੁੱਤਰ निपुत्तर् Niputtār पुं०
निष्पुत्र (वि०) अपुत्र, पुत्र-हीन।

ਨਿਪੁੱਤਾ निपुत्ता Niputtā पुं०
द्र०—ਨਿਪੁੱਤਰ।

ਨਿਪੁੱਤੀ निपुत्ती Niputtī स्त्री०
द्र०—ਨਿਪੁੱਤਰ।

ਨਿੰਬ निम्ब् Nimb स्त्री०
निम्ब (पुं०) नीम का वृक्ष।

ਨਿਬਤੀ निब्ती Nibtī स्त्री०
विनति (स्त्री०) विनय, प्रार्थना; झुकाव।

ਨਿਬਲ निबल् Nibal वि०
निर्बल (वि०) निर्बल, कमजोर, बल-हीन।

ਨਿਬਲਾ निब्ला Niblā वि०
द्र०—ਨਿਬਲ।

ਨਿਬਾਸਨ निबासन् Nibāsan वि०
निर्वासन (वि०) वासना-रहित, निष्काम।

ਨਿਬਾਹ निबाह् Nibāh पुं०
द्र०—ਨਬਾਹ।

ਨਿਬਾਹੁਣਾ निबाहुणा Nibāhuṇā सक० क्रि०
द्र०—ਨਬਾਹੁਣਾ।

ਨਿਬੂ निबू Nibū पुं०
निम्बू (पुं०) नींबू का फल।

ਨਿਬੇੜਣਾ निबेड़्णा Niberṇā सक० क्रि०
द्र०—ਨਬੇੜਣਾ।

ਨਿਭਵ निभव् Nibhav वि०
निर्भय (वि०) भय-रहित, निडर

ਨਿਭਾਈ निभाई Nibhāī स्त्री०
निर्भाग्या (स्त्री०) अभागिन।

ਨਿਭਾਗ निभाग् Nibhāg पुं०
द्र०—ਨਭਾਗ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਭਾਵਣ निभावण् Nibhāvaṇ सक० क्रि०
द्र०—ਨਿਬਾਹੁਣਾ।

ਨਿਮਸਕਾਰ निमस्कार् Nimaskār पुं०
नमस्कार (पुं०) नमस्कार, प्रणाम।

ਨਿਮਤ निमत् Nimat पुं०
निमित्त (नपुं०) निमित्त, हेतु।

ਨਿਮਨਾਂਕਤ निम्नांकत् Nimnāṅkat वि०
निम्नाङ्कित (वि०) निम्नांकित, अधोलिखित।

ਨਿਮੂਲ निमूल् Nimūl वि०
निर्मूल (वि०) मूल-रहित; आधार-हीन।

ਨਿਮੋਲੀ निमोली Nimolī स्त्री०
निम्बफली (स्त्री०) निमोली, नीम का फल।

ਨਿੰਮੋਲੀ निंमोली Nimolī स्त्री०
द्र०—ਨਿੰਮੋਲੀ।

ਨਿੱਮ निम्म् Nimm स्त्री०
द्र०—ਨਿੰਬ।

ਨਿੱਮਰ निम्मर् Nimmar वि०
नम्र (वि०) नम्र, विनीत।

ਨਿੱਮਰਤਾ निम्मर्ता Nimmartā स्त्री०
नम्रता (स्त्री०) नम्रता, विनीतता।

ਨਿੱਮਲ निम्मल् Nimmal वि०
निर्मल (वि०) जिसमें मैल न हो, साफ, स्वच्छ; पाप-रहित।

ਨਿਮ निम्र् Nimr वि०
द्र०—ਨਿੱਮਰ।

ਨਿਮ੍ਰਿਤਵਾਨ निम्रित्वान् Nimritvān वि०
नम्रतावत् (वि०) नम्रता से युक्त, विनम्र।

ਨਿਮ੍ਰਿਤਾ निम्रिता Nimritā स्त्री०
नम्रता (स्त्री०) नम्रता, विनम्रता।

ਨਿਰ-ਉਦਮੀ निर्-उद्मी Nir-Udmī वि०
निरुद्यमिन् (वि०) उद्यम से रहित, आलसी।

ਨਿਰਸਤਾਈ निरस्ताई Nirastāī स्त्री०
नीरसता (स्त्री०) नीरसता, शुष्कता।

ਨਿਰਹਾਰ निर्हार् Nirhār वि०
निराहार (वि०) आहार रहित, उपवास।

ਨਿਰਖਿਤ निर्खित् Nirkhit वि०
निरीक्षित (वि०) देखा हुआ, जाँचा गया।

ਨਿਰੱਖਣਾ निरक्खणा Nirakkhṇā सक० क्रि०
निरीक्षते (भ्वादि सक०) अन्वेषण करना, छान-बीन करना।

ਨਿਰਗਿਲਾਨ निर्गिलान् Nirgilān वि०
निर्ग्लानि (वि०) घृणा या चिन्ता से रहित।

ਨਿਰਜਾਸ निर्जास् Nirjās पुं०
निर्यास (पुं०) वृक्ष का गाढ़ा रस; सार; निर्णय।

ਨਿਰਜਾਣ निर्जाण् Nirjāṇ पुं०
निर्याण (नपुं०) यात्रा; मोक्ष; मरण।

ਨਿਰਜੀਉ निर्जीउ Nirjīu वि०
निर्जीव (वि०) निर्जीव, निष्प्राण।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਰਜੋਗ निर्जोग् Nirjog वि०
निर्योग (वि०) योग-रहित, सम्बन्ध-हीन; निर्लिप्त ।

ਨਿਰਜੋਗਾ निर्जोगा Nirjogā वि०
द्र० —ਨਿਰਜੋਗ ।

ਨਿਰਣਉ निर्णउ Nirṇau पुं०
नवनीर (नपुं०) नवीन जल, ताजा पानी

ਨਿਰਣਤ निर्णत् Nirṇat वि०
निर्णीत (वि०) निर्णीत, निर्णय किया हुआ ।

ਨਿਰਣਯ निर्णय् Nirṇay पुं०
निर्णय (पुं०) निर्णय, निश्चय ।

ਨਿਰਣੀਤ निर्णीत् Nirṇīt वि०
द्र०—ਨਿਰਣਤ ।

ਨਿਰਤਾ निर्ता Nirtā अ०
नितराम् (अ०) सर्वथा, बिलकुल ।

ਨਿਰਦਲਨਾ निर्दल्ना Nirdalnā सक० क्रि०
निर्दलति (भ्वादि सक०) अच्छी तरह कुचलना ।

ਨਿਰਦੋਸ਼ਣ निर्दोषण् Nirdoṣaṇ स्त्री०
निर्दोषिणी (स्त्री०) दोष-रहित स्त्री, निरपराधिनी ।

ਨਿਰਦੋਖ निर्दोख् Nirdokh वि०
निर्दोष (वि०) निर्दोष, दोष-रहित ।

ਨਿਰਧਨ निरधन् Nirdhan वि०
निर्धन (वि०) दरिद्र, गरीब ।

ਨਿਰਧਾਰਤ निर्धारत् Nirdhārat वि०
निर्धारित (वि०) जिसका निर्धारण (चुनाव) कर लिया गया है ।

ਨਿਰਨਉ निर्नउ Nirnau पुं०
निर्णय (पुं०)निर्णय, निश्चय ।

ਨਿਰਨਹੁ निर्नहु Nirnahu पुं०
द्र०—ਨਿਰਨਉ ।

ਨਿਰਨਾ निर्ना Nirnā पुं०
द्र०—ਨਿਰਨਉ ।

ਨਿਰਪਖ निर्पख् Nirpakh वि०
द्र०—ਨਿਪਕਸ਼ ।

ਨਿਰਪਖਸ਼ निर्पखश् Nirpakhaś वि०
द्र० —ਨਿਪਕਸ਼ ।

ਨਿਰਫਲ निर्फल् Nirphal पुं०
निष्फल (वि०) निष्प्रयोजन, व्यर्थ ।

ਨਿਰਬਸ निर्बस् Nirbas वि०
निर्वश (वि०) जिसके वश में कुछ न हो, बेवश ।

ਨਿਰਬੱਸ निर्बस्स् Nirbass वि०
द्र०—ਨਿਰਬਸ ।

ਨਿਰਬਾ निर्बा Nirbā पुं०
निर्वाह (पुं०) पूर्णता, अन्त तक पहुँचाने का भाव ।

ਨਿਰਬਿਘਨ निर्बिघन् Nirbighan वि०
निर्विघ्न (वि०) निर्विघ्न, बाधा-रहित ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਰਭਵ निर्भव् Nirbhav वि०
निर्भय (वि०) भय-रहित, निर्भय, निडर।

ਨਿਰਮਾਇਲ निर्माइल् Nirmāil वि०
निर्मल (वि०) निर्मल, मैल-रहित, स्वच्छ।

ਨਿਰਮਾਨ निर्मान् Nirmān पुं०
निर्वाण (पुं०) निर्वाण, मोक्ष, मुक्ति।

ਨਿਰਮਾਲ निर्माल् Nirmāl वि०
द्र०—ਨਿਰਮਾਇਲ।

ਨਿਰਮੁੱਢ निर्मुड्ढ् Nirmuḍḍh वि०
निर्मूल (वि०) जड़-रहित, बेबुनियाद।

ਨਿਰਮੋਹਿਆ निर्मोहिआ Nirmohiā वि०
निर्मोह (वि०) मोह-रहित, निष्ठुर।

ਨਿਰਰਥ निरर्थ् Nirarth वि०
निरर्थ (वि०) निरर्थक, निष्फल, व्यर्थ।

ਨਿਰਲੰਭ निर्लम्भ् Nirlambh वि०
निरालम्ब (वि०) निराश्रय, अवलम्बहीन।

ਨਿਰਵਾਸਤ निर्वासत् Nirvāsat पुं०
निर्वासित (वि०) निष्कासित, देश-निकाला।

ਨਿਰਵਾਸਿਤ निर्वासित् Nirvāsit वि०
द्र०—ਨਿਰਵਾਸਤ।

ਨਿਰਵਾਨ निर्वान् Niavān पुं०
निर्वाण (पुं०)मोक्ष, बौद्धों की मोक्ष-प्राप्ति का नाम निर्वाण है।

ਨਿਰਵਿਕਾਰ निर्विकार् Nirvikār वि०
निर्विकार (वि०) निर्विकार, विकारहीन।

ਨਿਰਵਿਰਤ निर्विरत् Nirvirat वि०
निवृत्त (वि०) समाप्त किया हुआ; मुक्त; विरक्त।

ਨਿਰਵਿਰਤੀ निर्विर्ती Nirvirtī स्त्री०
निर्वृत्ति (स्त्री०) समाप्ति, निष्पत्ति; छुटकारा, मुक्ति।

ਨਿਰਾਫਲ निराफल् Nirāphal वि०
निष्फल (वि०) फलहीन, परिणामहीन।

ਨਿਰਾਰਥ निरारथ् Nirārath वि०
निरर्थक (वि०) निरर्थक, निष्फल, व्यर्थ।

ਨਿਰਾਰਥਕ निरारथक् Nirārathak वि०
द्र०—ਨਿਰਾਰਥ।

ਨਿਰਾਲਿਣ निरालिण् Nirāliṇ स्त्री०
नीलकारिणी (स्त्री०) रंगरेज की पत्नी।

ਨਿਰਾਲੀ निराली Nirālī स्त्री०
द्र०—ਨਿਰਾਲਿਣ।

ਨਿਰਿਹਾਰ निरिहार् Nirihār वि०
निराहार (वि०) आहार-रहित, भूखा।

ਨਿਰੀਕਾਰ निरीकार् Nirīkār पुं०
निराकार (पुं० / वि०) पुं०—ब्रह्म, परमात्मा। वि०—आकार से हीन, जिसका कोई स्वरूप न हो।

ਨਿਰੁਆਰ निरुआर् Nirua̅r वि०
द्र०—ਨਿਰਿਹਾਰ।

ਨਿਰੂਪਾ निरूपा Nirūpā वि०
निरूप (वि०) रूप-रहित, निराकार।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨਿਰੂਪੀ निरूपी Nirūpī वि०
द्र०—ਨਿਰੂਪਾ ।

ਨਿਰੰਕਾਰ निरंकार Nirāṅkār पुं०
निराकार (वि०/पुं०) वि०—निराकार, आकार-रहित । पुं०—ब्रह्म, परमात्मा ।

ਨਿਰੰਗਸ निरंगस् Nirańgas वि०
निरङ्कुश (वि०) वश में न रहने वाला, स्वाधीन, स्वतन्त्र ।

ਨਿਰੰਤਰੀ निरंतरी Nirantarī वि०
निरन्तर (वि०) जिसके बीच में अन्तर अथवा फासला न हो, लगातार, अविच्छिन्न ।

ਨਿਰੰਨਾ निरन्ना Nirnnā वि०
निरन्न (वि०) खाली पेट, भूखा, अन्न-रहित ।

ਨਿਲੱਜ निलज्ज् Nilajj पुं०
निर्लज्ज (वि०) लज्जा-रहित, बेशर्म ।

ਨਿਲਾਜ निलाज् Nilāj पुं०
द्र०—ਨਿਲੱਜ ।

ਨਿਲਾਰਣ निलारण् Nilāraṇ स्त्री०
द्र०—ਨਿਰਾਲਿਣ ।

ਨਿਲਾਰਨ निलारन् Nilāran स्त्री०
द्र०—ਨਿਰਾਲਿਣ ।

ਨਿਲਣਾ निल्लणा Nillṇā सक० क्रि०
निगलति (भ्वादि सक०) निगलना, लीलना, किसी वस्तु को गले के नीचे उतारना ।

ਨਿਵਰਨਾ निवर्ना Nivarnā अक० क्रि०
निवर्तते (भ्वादि अक०) निवृत्त होना, मुक्त होना ।

ਨਿਵਾਰਨਾ निवार्ना Nivārnā सक० क्रि०
निवारयति (चुरादि सक०) निवारण करना, रोकना; हटाना; मुक्त करना ।

ਨੀ नी Nī अ०
नहि (अ०) नहीं ।

ਨੀਂ नीं Nī स्त्री०
द्र०—ਨੀਉਂ ।

ਨੀਉਂ नीउँ Nīū स्त्री०
नेमि (स्त्री०) भवन आदि की नींव ।

ਨੀਹਚੋ नीह्चो Nīhco पुं०
निश्चय (पुं०) निर्णय, दृढ़ विचार ।

ਨੀਘਰ नीघर् Nīghar वि०
निर्घर (वि०) बेघर, घर-रहित ।

ਨੀਚ नीच् Nīc वि०
नीच (वि०) अधम, निकृष्ट,तुच्छ ।

ਨੀਤ नीत् Nīt अ०
नित्य (अ०) नित्य, सदा; प्रतिदिन ।

ਨੀਤੱਗ नीतग्ग् Nitagg पुं०
नीतिज्ञ (वि०) नीतिज्ञ, नीति-वेत्ता ।

ਨੀਂਦਰਿ-ਆਵਲਾ नींद्रि-आव्ला Nīdri-Āvlā वि०
निद्रालु (वि०) सोने वाला, निद्राशील ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨੀਂਦੂ नींदू Nīdū वि०
द्र०—ਨੀਂਦਰਿ-ਆਵਲਾ ।

ਨੀਂਦ੍ਰਾ नींद्रा Nīdrā पुं०
द्र०—ਨੇਉਂਦ੍ਰਾ ।

ਨੀਧਨ नीधन् Nīdhan वि०
निर्धन (वि०) दरिद्र, गरीब ।

ਨੀਧਰ नीधर् Nīdhar वि०
निराधार (वि०) अवलम्ब-रहित, निराश्रय ।

ਨੀਨਾ नीना Nīnā अ०
द्र०—ਨੀ ।

ਨੀਂਬ नींब् Nīb पुं०
निम्ब (पुं०) नीम का वृक्ष ।

ਨੀਮਾਂ नीमाँ Nīmā वि०
निम्न (वि०) निम्न, निचला ।

ਨੀਮੀ नीमी Nīmī अ० ।
द्र०—ਨੀ ।

ਨੀਰਨਿਧ नीर्निध् Nīrnidh पुं०
नीरनिधि (पुं०) समुद्र, सागर ।

ਨੀਰਾ नीरा Nīrā पुं०
निकर (पुं०) ढेर, राशि ।

ਨੀਲੀਘੋੜੀ नीलीघोड़ी Nīlighoṛī स्त्री०
नीलघोटकी (स्त्री०) नीली घोड़ी ।

ਨੁੰਹ नुँह् Nūh स्त्री०
स्नुषा (स्त्री०) पुत्र-वधू, पुत्र की पत्नी ।

ਨੁਹਾਲੁਣਾ नुहालुणा Nuhālūṇā सक० क्रि०
स्नपयति (अदादि प्रेर०) नहलाना, स्नान कराना ।

ਨੁਲ੍ਹਾਉਣਾ नुल्हाउणा Nulhāuṇā सक० क्रि०
द्र०—ਨੁਹਾਲੁਣਾ ।

ਨੂੰਹ नूंह् Nūh स्त्री०
द्र०—ਨੁੰਹ ।

ਨੂਪਰ नूपर् Nūpar स्त्री०
नूपुर (नपुं, पुं०) नूपुर, पायजेब, पायल ।

ਨੇਂ नें Nē पुं०
द्र०—ਨਹਿ[2] ।

ਨੇਉਣਾ नेउणा Neuṇā सक० क्रि०
नमति (भ्वादि सक०) नमन करना; झुकना ।

ਨੇਉਂਦਾ नेउँदा Neūdā पुं०
द्र०—ਨੇਉਂਦ੍ਰਾ ।

ਨੇਉਂਦ੍ਰਾ नेउद्रा Neudrā पुं०
निमन्त्रण (नपुं०) निमन्त्रण, न्योता ।

ਨੇਉਰ[1] नेउर् Neur पुं०
नकुल (पुं०) नेवला ।

ਨੇਉਰ[2] नेउर् Neur स्त्री०
नूपुर (नपुं, पुं०) पायल, नूपुर ।

ਨੇਉਲਾ नेउला Neulā पुं०
नकुल (पुं०) नेवला, नेऊर ।

ਨੇਆਨਾ नेआना Neānā पुं०
द्र०—ਨਿਆਨਾ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨੇਆਰਾ नेआरा Neārā पुं०
अन्याकार (पुं०) न्यारा, भिन्न प्रकार का, पृथक् प्रकार का।

ਨੇਂਹ नेंह् Nēh पुं०
द्र०—ਨਿੰਹ।

ਨੇਹਚਾ नेह्चा Nehcā पुं०
निश्चय (पुं०) निश्चय, निर्णय, दृढ़ विचार या मत।

ਨੇਹਣਾ नेह्णा Nehṇā सक० क्रि०
निदधाति (जुहोत्यादि सक०) रखना, एकत्रित करना।

ਨੇਂਹੀਂ नेंहीं Nēhī स्त्री०
नियोग (पुं०) आज्ञा, आदेश।

ਨੇਹੁ नेहुँ Nehū पुं०
द्र०—ਨਿੰਹ।

ਨੇਂਹੋ नेंहो Nēho पुं०
स्नेह (पुं०) स्नेह, प्रेम।

ਨੇਤ[1] नेत् Net अ०
नित्य (अ०) नित्य, प्रतिदिन।

ਨੇਤ[2] नेत् Net पुं०
नेत्र (नपुं०) नेत्र, आंख।

ਨੇਨਾਂ नेनाँ Nenā सक० क्रि०
नयति (भ्वादि सक०) ले जाना, पहुँचाना; ढोना।

ਨੇਪਥਯ नेपथ्य् Nepathy पुं०
नेपथ्य (नपुं०) नेपथ्य, रंगमंच के पर्दे के पीछे का वह भाग जहाँ नाटक के पात्र अपने रूप भरते हैं।

ਨੈਂ नैं Naī स्त्री०
नदी (स्त्री०) नदी, सरिता।

ਨੈਆ नैआ Naiā पुं०
नव्य (वि०) नया, नूतन।

ਨੈਂਹ नैंह् Naīh पुं०
नख (नपुं, पुं०) नख, नाखून।

ਨੇਣ नैण् Naiṇ स्त्री०
नापिती (स्त्री०) नाइन, नापित की पत्नी।

ਨੈਮਿੱਤਕ ਕਰਮ नैमित्तक् करम् Naimittak-Karam पुं०
नैमित्तिक कर्मन् (नपुं०) नैमित्तिक कर्म, जो किसी विशेष प्रयोजन को सिद्धि के लिये किया जाये।

ਨੈਵੇਦ नैवेद् Naived पुं०
नैवेद्य (नपुं०) भोज्य पदार्थ जो किसी देवता को अर्पित किया जाये, प्रसाद।

ਨੌਂ नौं Naū वि०
नवन् (वि०) नौ संख्या, 9।

ਨੌਂਹ नौंह् Naūh पुं०
नख (नपुं०, पुं०) नख, नाखून।

ਨੌਕਾ नौका Naukā पुं०
अलाबू (स्त्री०) लौका, कद्दू।

ਨੌਕੀ नौकी Naukī स्त्री०
अलाबू (स्त्री०) लौकी, कद्दू।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨੌਂਗਰਹੀ नौंगर्ही Naũgarhī पुं०
द्र०—ਨੌਂਗ੍ਰਹਿ ।

ਨੌਂਗ੍ਰਹਿ नौंग्रहि Naugrahi पुं०
नवग्रही (स्त्री०) सूर्य चन्द्रादि नवग्रहों का समूह ।

ਨੌਣ नौण् Nauṇ पुं०
स्नपन (नपुं०) नहान, स्नान ।

ਨੌਨੀ नौनी Nauni स्त्री०
नवनीत (स्त्री०) नवनीत, मक्खन ।

ਨੌਮਾਂ नौमाँ Naumã पुं०
नवम (वि०) नौवाँ ।

ਨੌਮੀਂ नौमीं Naumī स्त्री०
नवमी (स्त्री०) नवमी तिथि ।

ਨੌਲ नौल् Naul पुं०
नकुल (पुं०) नेवला, नेउर ।

ਨੌਲੋਂ नौलों Naulõ पुं०
द्र०—ਨੌਲ ।

ਨੌਵਾਂ नौवाँ Nauvã पुं०
नवम (वि०) नौवाँ, 9वाँ ।

ਨੰਗੇਰਾ नंगेरा Naṅgerā पुं०
नग्न (वि०) नंगा, नंगा साधु, गरीब ।

ਨੰਘਨਾ नंघ्ना Naṅghna सक० क्रि०
लङ्घयति/ते (चुरादि सक०) लाँघना ।

ਨੰਤ नन्त् Nant पुं०
अनन्त (वि०) अनन्त, आभूषण-विशेष, जिसमें चौदह गाँठे होती हैं तथा वह बाजू पर पहना जाता है ।

ਨੰਦ नन्द् Nand पुं०
आनन्द (पुं०) आनन्द, प्रमोद, खुशी ।

ਨੰਦਰ नन्दर् Nandar स्त्री०
नेत्र (नपुं०) नेत्र, आंख ।

ਨੰਦੋਯਾ नन्दोया Nandoiā पुं०
ननान्दृपति (पुं०) ननदोई, ननद का पति ।

ਨੰਨਾ नन्ना Nannā पुं०
श्लक्ष्ण (पुं०) छोटा, नन्हा, शिशु ।

ਨ੍ਹਸਣਾ न्हस्णा Nhasṇā अक० क्रि०
नश्यति (दिवादि अक०) नष्ट होना ।

ਨ੍ਹਾਉਣ न्हाउण् Nhāuṇ पुं०
स्नान (नपुं०) स्नान करने या नहाने का भाव ।

ਨ੍ਹਿਉਂ न्हिउँ Nhīũ पुं०
स्नेह (पुं०) स्नेह, प्रेम ।

ਨ੍ਹੇਰ न्हेर् Nher पुं०
अन्धकार (पुं०) अन्धेरा ।

ਨ੍ਹੇਰਪੱਖ न्हेर्पक्ख् Nher-Pakkh पुं०
अन्धकारपक्ष (पुं०) कृष्ण पक्ष ।

ਨ੍ਹੇਰਾ न्हेरा Nherā पुं०
द्र०—ਨ੍ਹੇਰ ।

ਨ੍ਹੇਰੀ न्हेरी Nherī स्त्री०
द्र०—ਨ੍ਹੇਰ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਨ੍ਹੇਰੂ न्हेरू Nherū वि०
अन्ध (वि०) अन्धा, नेत्रहीन ।

ਨ੍ਹੌਣ न्हौण् Nhauṇ सक० क्रि०
द्र०—ਨ੍ਹਾਉਣ ।

ਪ

ਪਉ[1] पउ Pau पुं०
पाद (पुं०) पैर, चरण ।

ਪਉ[2] पउ Pau स्त्री०
प्रपा (स्त्री०) पनसारा, प्याऊ ।

ਪਉਛਕ पउछक् Pauchak पुं०
प्रक्षय (पुं०) विनाश, क्षय ।

ਪਉਢਣਾ पउढ़णा Pauḍhṇā सक० क्रि०
प्रवाहयति (भ्वादि प्रेक०) बहाना; झुलाना ।

ਪਉਢਨਾ पउढ़ना Pauḍhnā अक० क्रि०
प्रलुठति (तुदादि अक०) लेटना, पौढ़ना ।

ਪਉਣ[1] पउण् Pauṇ पुं०
पवन (पुं०) पवन, वायु ।

ਪਉਣ[2] पउण् Pauṇ वि०
पादोन (वि०) पौन, तीन चौथाई ।

ਪਉਰਾਤਨ पउरातन् Paurātan वि०
पुरातन (वि०) पुराना, प्राचीन ।

ਪਉਲਾ पउला Paulā पुं०
द्र०—ਪਉਆ ।

ਪਉੜਨਾ पउड़्ना Pauṛnā सक० क्रि०
द्र०—ਪਉਢਨਾ ।

ਪਉਆ पऊआ Paūā पुं०
प्रस्थ (पुं०) एक पाव का माप, पौआ ।

ਪਉਰਾਣਿਕ पऊराणिक् Paūrāṇik पुं०
पौराणिक (वि०/पुं०) वि०—पुराणों का पण्डित, पुराणों से सम्बन्धित । पुं०—सूत ऋषि जो:व्यास जी के शिष्य थे ।

ਪਉਰਾਤਨ पऊरातन् Paūrātan वि०
पुरातन (वि०) प्राचीन, आदिम, पुराना ।

ਪਓ पओ Pao स्त्री०
प्रभा (स्त्री०) प्रकाश, उजाला ।

ਪਈ पई Paī पुं०
पति (पुं०) स्वामी, मालिक ।

ਪਏ पए Pae पुं०
द्र० —ਪਈ ।

ਪਸਟ पसट् Pasaṭ वि०
प्रहृष्ट (वि०) प्रसन्न, आनन्दित ।

ਪਸਤਾਉਣਾ पस्ताउणा Pastāuṇā अक० क्रि०
पश्चात्तपते (भ्वादि अक०) पछताना, पश्चात्ताप करना ।

ਪਸਤਾਣਾ पस्ताणा Pastāṇā पुं०
द्र०—ਪਛੌਤਾਣਾ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਸਤਾਵਾ पस्तावा Pastāvā पुं०
द्र०—पछंताणा ।

ਪਸਰ पसर् Pasar पुं०
प्रसर (पुं०) विस्तार, फैलाव ।

ਪਸਲੀ पस्ली Pasli स्त्री०
पर्शु (पुं०) पसली, पार्श्वास्थि, पाँजर ।

ਪਸਾਹੁਣਾ पसाहुणा Pasāhuṇā सक० क्रि०
प्रसाधयति (भ्वादि प्रेर०) सजाना, अलंकृत करना ।

ਪਸਾਰਣਾ पसारणा Pasāraṇā सक० क्रि०
प्रसारयति (भ्वादि प्रेर०) फैलाना, प्रसार करना ।

ਪਸਿੱਜਣਾ पसिज्जणा Pasijjṇā अक० क्रि०
द्र०—परसिँजणा ।

ਪਸੇਰਾ पसेरा Paserā वि०
पञ्चसेटक (नपुं०) पसेरा, पसेरी, पाँच सेर का बाट ।

ਪਸੇਰੀ पसेरी Paserī स्त्री०
द्र०—पसेरा ।

ਪਸੰਤੀ पसन्ती Pasantī स्त्री०
पश्यन्ती (स्त्री०) पश्यन्ती वाक्, वह शब्द जो सूक्ष्म शब्द की उत्पत्ति के अनंतर वायु के संयोग से नाभि-देश में उत्पन्न होता है ।

ਪਹ पह् Pah पुं०
पथिन् (पुं०) पथ, मार्ग, रास्ता ।

ਪਹਚਾਨ पह्चान् Pahcān स्त्री०
प्रतिज्ञान (नपुं०) परिचय, जानकारी ।

ਪਹਣੀ पह्णी Pahṇī स्त्री०
उपानह् (स्त्री०) पनही, जूता ।

ਪਹਨਾਮ पह्नाम् Pahnām वि०
परिहृतनाम (वि०) बदनाम; गुमनाम ।

ਪਹਰ पहर् Pahar पुं०
प्रहर (पुं०) अहोरात्र का 1/8वाँ भाग, 3 घण्टे का समय; पहरा, रक्षा, चौकसी ।

ਪਹਲੰਗ पह्लंग् Pahlaṅg पुं०
पल्यङ्क, पर्यङ्क (पुं०) पलंग, शय्या ।

ਪਹਿਰ पहिर् Pahir पुं०
द्र०—पहर ।

ਪਹਿਰਾ पहिरा Pahirā पुं०
द्र०—पहर ।

ਪਹੁ पहु Pahu पुं०
द्र०—पह ।

ਪਹੁਤਣਾ पहुत्णा Pahutṇā सक० क्रि०
प्रस्तौति (अदादि सक०) प्रस्तुत करना, उपस्थित करना ।

ਪਹੁਨਾ पहुना Pahunā पुं०
प्राघुणिक (पुं०) पाहुन, मेहमान, अतिथि ।

ਪਹੁਰ पहुर् Pahur पुं०
द्र०—पहर ।

ਪਹੇਆ पहेआ Paheā पुं०
पथिन् (पुं०) मार्ग, रास्ता, कच्चा रास्ता ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਕਨਾ पक्ना Paknā पुं०
पचन (नपुं०) पकने का भाव ।

ਪਕਵਾਨ पक्वान् Pakvān पुं०
पक्वान्न (नपुं०) पका हुआ अन्न, घी से निर्मित खाने वाली वस्तु ।

ਪਕਾਣਾ पकाणा Pakāṇā सक० क्रि०
पचति (भ्वादि सक०) पकाना ।

ਪਕਾਵਣ पकावण् Pakāvaṇ सक० क्रि०
पाचयति (भ्वादि सक०) पकाने की प्रेरणा देना ।

ਪਖਸ਼ पखश् Pakhaś पुं०
पक्ष (पुं०) पक्ष, पखवारा; दल ।

ਪਖਸ਼ਪਾਤ पखश्पात् Pakhaśpāt पुं०
पक्षपात (पुं०) पक्षपात, किसी भी एक पक्ष की तरफदारी करना ।

ਪਖਸ਼ਪਾਤੀ पखश्पाती Pakhaśpātī पुं०
पक्षपातिन् (वि०) पक्षपाती, भेद-दृष्टि वाला ।

ਪਖ-ਪਾਤ पख्-पात् Pakh-Pāt पुं०
पक्षपात (पुं०) किसी भी एक पक्ष में अनुराग रखने का भाव ।

ਪਖਯਵਾਦ पखय्वाद् Pakhayvād पुं०
पक्षवाद (पुं०) पक्षवाद, तरफदारी ।

ਪਖਾਣ-ਭੇਦ पखाण्-भेद् Pakhāṇ-Bhed पुं०
पाषाणभेद (पुं०) पत्थर के प्रकार या किस्म ।

ਪਖਾਰਣਾ पखार्णा Pakhārṇā सक० क्रि०
प्रक्षारयति (भ्वादि प्रेर०) धोना, साफ करना ।

ਪਖਾਲਣਾ पखाल्णा Pakhāḷṇā सक० क्रि०
प्रक्षालयति (चुरादि सक०) धोना, प्रक्षालन करना ।

ਪਖੀ पखी Pakhī पुं०
पक्षिन् (पुं०) पक्षी, चिड़िया ।

ਪਖੇਰੂ पखेरू Pakherū पुं०
पक्षिरूप (पुं०) पक्षी, चिड़िया ।

ਪਖੰਡ पखण्ड् Pakhaṇḍ पुं०
पाखण्ड (पुं०,) ढोंग, आडम्बर ।

ਪੱਖੀਵਾਰ पक्खीवार् Pakkhīvār पुं०
पक्षिवार / पक्षिमार (वि०) पक्षियों को मारने या पकड़ने वाला, चिड़ीमार ।

ਪੱਖੀਵਾਲ पक्खीवाल् Pakkhīvāl पुं०
द्र०—ਤੱਖੀਵਾਰ ।

ਪੱਖੂ पक्खू Pakkhū पुं०
द्र०—ਪਖੀ ।

ਪਘੂਲਾ पघूला Paghūlā पुं०
पङ्केरुह (नपुं०) कमल, सरोज ।

ਪਚਨਾ पच्ना Pacnā सक० क्रि०
पच्यते (भ्वादि कर्म वा०) पचना, हजम होना ।

ਪਚਪਨ पच्पन् Pacpan वि०
पञ्चपञ्चाशत् (स्त्री०) पचपन, 55 संख्या से परिच्छिन्न वस्तु ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਚਵੰਜਵਾਂ पच्वंज्वाँ Pacvañjvā पुं०
पञ्चपञ्चाशत्तम (वि०) पचपनवाँ, 55वाँ।

ਪਚਵੰਜਾ पच्वंजा Pacvañjā वि०
पञ्चपञ्चाशत् (वि०) पचपन, 55।

ਪਚਾਇਤ पचाइत् Pacāit स्त्री०
पञ्चायतन (नपुं०) पंचायत, पंचों की सभा।

ਪਚਾਨਮਾਂ पचान्माँ Pacānmā पुं०
पञ्चनवतितम (वि०) पंचान्वेवाँ, 95वाँ।

ਪਚਾਨਮੇਂ पचान्में Pacānme वि०
पञ्चनवति (स्त्री०) पञ्चानवे, 95।

ਪਚੈਤ पचैत् Pacait स्त्री०
द्र०—ਪਚਾਇਤ।

ਪਚੌਣਾ पचौणा Pacauṇā सक० क्रि०
पचति/ते (भ्वादि सक०) पचाना।

ਪਛਤਾ पछ्ता Pachtā पुं०
पश्चात्ताप (पुं०) पछताने का भाव, पछतावा, अनुशय।

ਪਛਤਾਉ पछ्ताउ Pachtāu पुं०
द्र०—ਪਛਤਾ।

ਪਛਤਾਪ पछ्ताप् Pachtāp पुं०
द्र०—ਪਛਤਾ।

ਪਛਵਾ पछ्वा Pachvā स्त्री०
पश्चिमीय (वि०) पश्चिम का, पश्चिम से संबन्धित।

ਪਛਵਾੜ पछ्वाड़् Pachvāṛ स्त्री०
पश्चवाट (पुं०) पिछवाड़ा, पृष्ठ-प्रदेश।

ਪਛਵਾੜਾ पछ्वाड़ा Pachvāṛā पुं०
द्र०—ਪਛਵਾੜ।

ਪਛਵਾੜੀ पछ्वाड़ी Pachvāṛī स्त्री०
द्र०—ਪਛਵਾੜ।

ਪਛੋਤਾਉਣਾ पछोताउणा Pachotāuṇā अक० क्रि०
पश्चात्तपते (भ्वादि अक०) पश्चात्ताप करना, पछताना।

ਪਛੋਤਾਈ पछोताई Pachotāī स्त्री०
द्र०—ਪਛਵਾ।

ਪਛੋਂਤਾਣਾ पछोंताणा Pachōtāṇā पुं०
पश्चात्ताप (पुं०) पछतावा, अनुशय।

ਪਛੋਂਤਾਵਾ पछोंतावा Pachōtāvā पुं०
द्र०—ਪਛੋਂਤਾਣਾ।

ਪੱਛ पच्छ् Pacch पुं०
पक्ष (पुं०) पंख, पर।

ਪੱਛਣਾ पच्छ्णा Pacchṇā सक० क्रि०
प्रच्छयति (दिवादि सक०) घाव करना, पाछना, थोड़ा-थोड़ा घाव करना।

ਪੱਛਮ पच्छम् Paccham पुं०
पश्चिम (पुं०) पश्चिम दिशा।

ਪੱਛੋਤਾਉ पच्छोताउ Pacchotāu पुं०
द्र०—ਪਛਵਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਝੱਤਰ पझत्तर् Pajhattar वि०
पञ्चसप्तति (स्त्री०) पचहत्तर, 75।

ਪਟਣ पटण् Paṭaṇ पुं०
पत्तन (नपुं०) नगर, शहर।

ਪਟਭੂਮਿ पट्भूमि Pat-Bhūmi स्त्री०
पृष्ठभूमि (स्त्री०) पृष्ठभूमि, पिछला भाग।

ਪਟਿਆਰ पटिआर् paṭiār पुं०
द्र०—ਪਟਿਆਰੀ।

ਪਟਿਆਰੀ पटिआरी Patiārī स्त्री०
पिटक > पेट्टार (पुं०, नपुं०) पिटारी, टोकरी, पेटी।

ਪਟੰਬਰ पटंबर् Paṭambar पुं०
पीताम्बर (नपुं०/वि०) नपुं०—पीताम्बर, रेशमी पीला वस्त्र। वि०—पीले वस्त्र वाला।

ਪੱਟੀ पट्टी Paṭṭī स्त्री०
पट्ट (नपुं०, पुं०) लिखने की पट्टिका; घाव बाँधने की पट्टी।

ਪਠਾਣ-ਭੇਦ पठाण्-भेद् Paṭhāṇ-Bhed पुं०
पाषाणभेद (पुं०) पत्थर का प्रकार या किस्म।

ਪਠੰਗ पठंग् Paṭhaṅg पुं०
पाखण्ड/पाषण्ड (पुं०) ढोंग, आडम्बर।

ਪੱਠਣ पट्ठण् Paṭṭhaṇ सक० क्रि०
प्रस्थापयति (भ्वादि प्रेर०) भेजना, पठाना।

ਪੱਠਣਾ पट्ठणा Paṭṭhaṇā सक० क्रि०
द्र०—ਪੱਠਣ।

ਪਡ पड् Paḍ पुं०
पाद/पद (पुं०) पाद, पैर।

ਪਡੀਆ पडीआ Paḍīā पुं०
पण्डित (पुं०) पण्डित, विद्वान्।

ਪਣਮੇਸਰ पण्मेसर् Paṇmesar पुं०
परमेश्वर (पुं०) परमेश्वर, परमात्मा।

ਪਣਿਠਾ पणिठा Paṇiṭhā वि०
प्रणष्ट (वि०) नाश हुआ, नष्ट।

ਪਤਤ पतत् Patat वि०
पतित (वि०) पतित, गिरा हुआ; निम्न।

ਪਤਬਰਤਾ पत्बर्ता Patbartā स्त्री०
पतिव्रता (स्त्री०) पतिव्रता, साध्वी नारी।

ਪਤਰਣ पत्रण् Patraṇ पुं०
प्रतरण (नपुं०) पार उतरने या तैरने का भाव।

ਪਤਰਾ पत्रा Patrā पुं०
पत्र (नपुं०) पन्ना; पत्ता; धातु की चादर का टुकड़ा।

ਪਤਰੀਆ पत्रीआ Patrīā पुं०
पितृव्य (पुं०) पिता का भाई, चाचा।

ਪਤਾਮਾ पतामा Patāmā पुं०
पितामह (पुं०) पितामह, दादा।

ਪਤਾਲੀ पताली Patālī वि०
पञ्चचत्वारिंशत् (स्त्री०) पैंतालीस, 45।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਤਿਆਣਾ पतिआणा Patiāṇā सक० क्रि०
प्रत्याययति (अदादि प्रेर०) विश्वास दिलाना, प्रतीति कराना।

ਪਤਿਸ਼ਟਾ पतिश्टा Patiśṭā स्त्री०
प्रतिष्ठा (स्त्री०) कीर्ति, सम्मान।

ਪਤਿਸ਼ਠਾ पतिश्ठा Patiśṭhā स्त्री०
द्र०—ਪਤਿਸ਼ਟਾ।

ਪਤਿੱਗਰ पतिग्गर् Patiggar पुं०
द्र०—ਪਤਿੱਗ੍ਰ।

ਪਤਿੱਗ੍ਰ पतिग्ग्र् Patiggr पुं०
प्रतिग्रह (पुं०) स्वीकार, ग्रहण, उस दान का लेना जो विधिपूर्वक दिया जाय।

ਪਤੀਆ पतीआ Patīā पुं०
प्रत्यय (पुं०) प्रतीति, विश्वास, भरोसा।

ਪਤੀਆਰ पतीआर् Patīār पुं०
द्र०—ਪਤੀਆ।

ਪਤੀਆਰਾ पतीआरा Patīārā पुं०
द्र०—ਪਤੀਆ।

ਪਤੀਜ पतीज् Patīj पुं०
द्र०—ਪਤੀਆ।

ਪਤੀਣਨਾ पतीण्ना Patīṇnā सक० क्रि०
प्रत्येति (अदादि सक०) विश्वास करना, भरोसा करना।

ਪਤੋਹੂ पतोहू Patohū स्त्री०
पुत्रवधू (स्त्री०) पतोहू, पुत्र की पत्नी।

ਪਤੰਬਰ पतम्बर् Patambar पुं०
पीताम्बर (नपुं०) रेशमी वस्त्र।

ਪੱਤਰ-ਵਿਵਹਾਰ पत्तर्-विव्हार् Pattar-Vivhār पुं०
पत्रव्यवहार (पुं०) पत्रों का आदान-प्रदान, पत्राचार।

ਪਤ੍ਰਕਾ पत्र्का Patrkā स्त्री०
पत्रिका (स्त्री०) पत्रिका; छोटा लेख या पत्र।

ਪਤ੍ਰਾ पत्रा Patrā पुं०
पत्रक (नपुं०) पत्ता; धातु की चादर का टुकड़ा।

ਪਥੱਲ पथल्ल् Pathall स्त्री०
पर्यस्ति (स्त्री०) पालथी।

ਪਥੱਲਾ पथल्ला Pathallā पुं०
द्र०—ਪਥੱਲ।

ਪਥੀਣਾ पथीणा Pathīṇā पुं०
प्रथा (स्त्री०) रीति, चलन।

ਪੱਥ पत्थ् Patth पुं०
पथिन् (पुं०) पथ, मार्ग, रास्ता।

ਪੱਥਲੀ पत्थली Patthalī स्त्री०
द्र०—ਪਥੱਲ।

ਪਦਕਣਾ पदक्णा Padakṇ. अक० क्रि०
पर्दते (भ्वादि अक०) पादना, अपानवायु छोड़ना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਦਮਨੀ पद्मनी Padmanī स्त्री०
पद्मिनी (स्त्री०) कमल का पौधा, कोक-शास्त्र के अनुसार स्त्रियों की चार जातियों में से एक जाति।

ਪਦਯਾਤਰਾ पद्यात्रा Padyātrā स्त्री०
पदयात्रा (स्त्री०) पद-यात्रा, पैरों से चलकर की जाने वाली यात्रा।

ਪਦਾਰਥਿਕ पदार्थिक् Padārthik वि०
पादार्थिक (वि०) पदार्थ-सम्बन्धी।

ਪੱਦਤੀ पद्दती Paddatī स्त्री०
पद्धति (स्त्री०) पद्धति, रीति, प्रणाली, परंपरा।

ਪਧਤਿ पध्ति Padhti स्त्री०
द्र०—ਪਦੱਤੀ।

ਪਧਤੀ पधती Padhatī स्त्री०
द्र०—ਪਦੱਤੀ।

ਪੱਧਤ पद्धत् Paddhat स्त्री०
द्र०—ਪਦੱਤੀ।

ਪਨਮੇਸ਼ਰ पन्मेशर् Panmeśar पुं०
परमेश्वर (पुं०) परमेश्वर, परमात्मा।

ਪਨਿਹਾਰ पनिहार् Panihār पुं०
पानीयहार (पुं०) जलवाहक, पानी भरने वाली जाति।

ਪਨਿਹਾਰਣ पनिहारण् Panihāraṇ स्त्री०
पानीयहारिका (स्त्री०) जलवाहिका, पनिहारिन, पनिहार जाति की स्त्री।

ਪਨਿਹਾਰਨ पनिहारन् Panihāran स्त्री०
द्र०—ਪਨਿਹਾਰਣ।

ਪਨਿਹਾਰਾ पनिहारा Panihārā पुं०
द्र०—ਪਨਿਹਾਰ।

ਪਨਿਹਾਰੀ पनिहारी Panihārī स्त्री०
द्र०—ਪਨਿਹਾਰ।

ਪੱਬਨ पब्बन् Pabban स्त्री०
पद्मिनी (स्त्री०) कमलिनी, कमल-बीज तथा कमलदण्ड जो भक्ष्य है, भें।

ਪਭੂਤ पभूत् Pabhūt स्त्री०
भूति (स्त्री०) भभूत, भस्म।

ਪਯਾਨ पयान् Payān पुं०
प्रयाण (नपुं०) प्रयाण, यात्रा, प्रस्थान।

ਪਰਸਣਾ परस्णा Parasṇā सक० क्रि०
स्पृशति (तुदादि सक०) स्पर्श करना, छूना।

ਪਰਸਥਿਤੀ परस्थिती Parasthitī स्त्री०
परिस्थिति (स्त्री०) परिस्थिति, स्थिति।

ਪਰਸਨ[1] पर्सन् Parsan वि०
प्रसन्न (वि०) प्रसन्न, खुश।

ਪਰਸਨ[2] पर्सन् Parsan पुं०
प्रश्न (पुं०) प्रश्न, सवाल।

ਪਰਸਾਦ पर्साद् Parsād पुं०
प्रसाद (पुं०) प्रसाद, देवता को निवेदित भोज्य वस्तु।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਸਿੱਧਤਾ पर्सिद्धता Parsiddhtā स्त्री०
प्रसिद्धता (स्त्री०) प्रसिद्धि, ख्याति ।

ਪਰਸਿੰਨ पर्सिन्न् Parsinn वि०
द्र०—ਪਰਮਨ[1] ।

ਪਰਸਿੰਨਤਾ पर्सिन्नता Parsinnatā स्त्री०
द्र०—ਪਰਸੰਨਤਾ ।

ਪਰਸਿੰਨਤਾਈ पर्सिन्नताई Parsinnatāī स्त्री०
द्र०—ਪਰਸੰਨਤਾ ।

ਪਰਸੀਨਾ परसीना Parsīnā पुं०
प्रस्वेद (पुं०) पसीना, स्वेद-विन्दु ।

ਪਰਸੇ पर्से Parse पुं०
द्र०—ਪਰਸੀਨਾ ।

ਪਰਸੇਓ पर्सेओ Parseo पुं०
द्र०—ਪਰਸੀਨਾ ।

ਪਰਸੰਸਨੀ पर्संस्नी Parsansnī वि०
प्रशंसनीय (वि०) प्रशंसा करने योग्य, प्रशंस्य ।

ਪਰਸੰਸਾ परसंसा Parsansā स्त्री०
प्रशंसा (स्त्री०) बड़ाई, तारीफ ।

ਪਰਸੰਗ पर्संग् Parsaṅg पुं०
प्रसङ्ग (पुं०) क्रम, सिलसिला, सम्बन्ध ।

ਪਰਸੰਨ पर्सन्न् Parsann वि०
प्रसन्न (वि०) खुश; संतुष्ट ।

ਪਰਸੰਨਤਾ पर्सन्नता Parsannatā स्त्री०
प्रसन्नता (स्त्री०) खुशी, तृप्ति ।

ਪਰੱਸਣਾ परस्स्णा Parassṇā सक० क्रि०
द्र०—ਪਰਸਣਾ ।

ਪਰਹਾ पर्हा Parhā स्त्री०
द्र०—ਪਰਿਹਾ ।

ਪਰਹੇ पर्हे Parhe स्त्री०
द्र०—ਪਰਿਹਾ ।

ਪਰਹੇਲੀ पर्हेली Parhelī स्त्री०
प्रहेलिका (स्त्री०) पहेली, कूटप्रश्न, बुझौवल ।

ਪਰਕਰਨ पर्करन Parkarn पुं०
प्रकरण (नपुं०) प्रकरण, प्रसंग, संदर्भ ।

ਪਰਕਾਸ पर्कास् Parkās पुं०
प्रकाश (पुं०) उजियाला, रोशनी, आभा ।

ਪਰਕਾਸ਼ਕ पर्काशक् Parkāśak पुं०
प्रकाशक (वि०) पुस्तकादि प्रकाशित करने वाला, प्रकाशक ।

ਪਰਕਾਸ਼ਣਾ पर्काश्णा Parkāśṇā सक० क्रि०
प्रकाशयति (भ्वादि प्रेर०) प्रकाशित करना ।

ਪਰਕਾਸ਼ਤ पर्काशत् Parkāśat वि०
प्रकाशित (वि०) जिससे प्रकाश निकल रहा हो, चमकता हुआ ।

ਪਰਕਾਸ਼ਨ पर्काशन् Parkāśan स्त्री०
प्रकाशन (नपुं०) ख्यापन, पुस्तकादि का प्रकाशन ।

ਪਰਕਾਸ਼ਵਾਨ पर्काश्वान् Parkāśvān वि०
प्रकाशवत् (वि०) प्रकाशवान्, प्रकाश से युक्त ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਕਾਰ पर्कार् Parkār पुं०
प्रकार (पुं०) भेद, किस्म ।

ਪਰਕਿਰਤਕ पर्किर्तक् Parkirtak वि०
प्राकृतिक (वि०) प्राकृतिक, प्रकृति से सम्बन्धित ।

ਪਰਕਿਰਤੀ पर्किर्ती Parkirtī स्त्री०
प्रकृति (स्त्री०) स्वभाव, मिजाज ।

ਪਰਕੰਮਿਆਂ पर्कम्मिआँ Parkammiā स्त्री०
परिक्रमा (स्त्री०) प्रदक्षिणा, चारों ओर घूमने की क्रिया ।

ਪਰਕ੍ਰਿਆ पर्क्रिआ Parkriā स्त्री०
प्रक्रिया (स्त्री०) प्रक्रिया, ढंग ।

ਪਰਗਟ पर्गट् Pargat वि०
प्रकट (वि०) प्रत्यक्ष, जाहिर ।

ਪਰਗਟਤਾਈ पर्गट्ताई Pargaṭtāī स्त्री०
प्रकटता (स्त्री०) प्रगट होने का भाव, प्रत्यक्षता ।

ਪਰਗਟਾਈ पर्गटाई Pargaṭāī स्त्री०
द्र०—ਪਰਗਟਤਾਈ ।

ਪਰਗਾਸ पर्गास् Pargās पुं०
प्रकाश (पुं०) उजियाला, रोशनी, चमक ।

ਪਰਗਾਮੀ पर्गामी Pargāmī पुं०
पारगामिन् (वि०) पारगामी, पारंगत, पूर्णता तक पहुँचा हुआ ।

ਪਰਘਟ पर्घट् Parghat वि०
द्र०—ਪਰਗਟ ।

ਪਰਚਉ पर्चउ Parcau पुं०
परिचय (पुं०) जानकारी, पहिचान, ज्ञान ।

ਪਰਚਲਤ पर्चलत् Parcalat वि०
प्रचलित (वि०) प्रचलित, किसी वस्तु का निरन्तर व्यवहार में होना, प्रसिद्ध ।

ਪਰਚਾ पर्चा Parcā पुं०
द्र०—ਪਰਚਉ ।

ਪਰਜਾਪਤਿ पर्जाप्ति Parjāpti पुं०
प्रजापति (पुं०) प्रजापति, सृष्टिकर्ता, ब्रह्मा; राजा; मालिक ।

ਪਰਜੰਤ पर्जन्त् Parjant क्रि० वि०
पर्यन्त (क्रि० वि०) तक, तलक, लौ ।

ਪਰਣਾਣਾ पर्णाणा Parṇāṇā सक० क्रि०
परिणाययति (भ्वादि प्रेर०) परिणय करवाना, विवाह करवाना ।

ਪਰਣਾਮ पर्णाम् Parṇām पुं०
प्रणाम (पुं०) प्रणाम, नमस्कार ।

ਪਰਤੱਖ पर्तक्ख् Partakkh वि०
प्रत्यक्ष (वि०) आँखों के सामने, स्पष्ट, साफ ।

ਪਰਤੱਗਿਆ पर्तग्गिआ Partaggiā स्त्री०
प्रतिज्ञा (स्त्री०) प्रण, दृढ़ संकल्प; भरोसा, विश्वास ।

ਪਰਤੱਗਿਆ-ਪੱਤਰ पर्तग्गिआ-पत्तर् Pārtaggiā-Pattar स्त्री०
प्रतिज्ञापत्र (नपुं०) प्रतिज्ञा-पत्र, शपथ-पत्र ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਤੱਛ पर्तच्छ् Partacch क्रि० वि०
द्र०—ਪਰਤੱਖ।

ਪਰਤਾਪਮਾਨ पर्ताप्मान् Partāpmān पुं०
प्रतापवत् (वि०) प्रतापवान्, प्रतापी, पराक्रमी।

ਪਰਤਾਵਣ पर्तावण् Partāvaṇ अक० क्रि०
परितपते (भ्वादि अक०) परिताप या पश्चात्ताप करना।

ਪਰਤਿਆਣਾ पर्तिआणा Partiāṇā सक० क्रि०
प्रत्येति (अदादि सक०) विश्वास या भरोसा करना, परखना।

ਪਰਤਿਸ਼ਟਾ पर्तिश्टा Partiṣṭā स्त्री०
प्रतिष्ठा (स्त्री०) कीर्ति, सम्मान।

ਪਰਤਿਸ਼ਠਾ पर्तिश्ठा Partiṣṭhā स्त्री०
द्र०—ਪਰਤਿਸ਼ਟਾ।

ਪਰਤਿਗਿਆ पर्तिगिआ Partigiā स्त्री०
प्रतिज्ञा (स्त्री०) प्रण, संकल्प।

ਪਰਤੀਕਸ਼ਾ पर्तीक्शा Partīkṣā स्त्री०
प्रतीक्षा (स्त्री) प्रतीक्षा, इन्तजार।

ਪਰਤੋਹ पर्तोह् Partoh स्त्री०
पुत्रवधू (स्त्री०) पुत्र की भार्या, पतोहू।

ਪਰਤੰਗਿਆ पर्तंगिया Partaṅgiā स्त्री०
द्र०—ਪਰਤੱਗਿਆ।

ਪਰੱਤਣਾ परत्तणा Parattṇā अक० क्रि०
पतिवर्तते (भ्वादि अक०) वापस आना, लौटना; वचन से फिरना।

ਪਰਥਾਉ पर्थाउ Parthāu स्त्री०
प्रथा (स्त्री०) रीति, चलन।

ਪਰਦੱਖਿਣਾ पर्दक्खिणा Pardakkhiṇā स्त्री०
प्रदक्षिणा (स्त्री०) प्रदक्षिणा, परिक्रमा।

ਪਰਦਿਪਤ पर्दिपत् Pardipat वि०
प्रदीप्त (वि०) जगमगाता हुआ, भास्वर।

ਪਰਦੀਪਤ पर्दीपत् Pardīpat वि०
द्र०—ਪਰਦਿਪਤ।

ਪਰਧਾਣ पर्धाण् Pardhāṇ वि०
प्रधान (वि०) मुख्य, खास।

ਪਰਧਾਨ पर्धान् Pardhān वि०
द्र०—ਪਰਧਾਣ।

ਪਰਧਾਨਤਾਈ पर्धान्ताई Pardhāntāī स्त्री०
प्रधानता (स्त्री०) मुख्यता, अध्यक्षता।

ਪਰਨਾਹ पर्नाह् Parnāh पुं०
परिणय (पुं०) विवाह, शादी।

ਪਰਨਾਹੁ पर्नाहु Parnāhu पुं०
परिणय (पुं०) विवाह, शादी।

ਪਰਨਾਹੁਣਾ पर्नाहुणा Parnāhuṇā सक० क्रि०
परिणाययति (भ्वादि प्रेर०) विवाह कराना, परिणय कराना।

ਪਰਨਾਲੜਾ पर्नाल्ड़ा Parnāḷrā पुं०
प्रणाली (स्त्री०) नली, नाली।

ਪਰਨਾਵਣ पर्नावण् Parnāvaṇ सक० क्रि०
द्र०—ਪਰਨਾਹੁਣਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਨਿਆ पर्निआ Parniā वि०
परिणीत (वि०) परिणीत, विवाहित।

ਪਰਨੀਆ पर्नीआ Parnīā वि०
द्र०—ਪਰਨਿਆ।

ਪਰਨੀਜਣ पर्नीजण् Parnījaṇ सक० क्रि०
परिणयति (भ्वादि सक०) परिणय या विवाह करना।

ਪਰਨੀਜਣਾ पर्नीज्णा Parnījṇā सक० क्रि०
परिणीयते (भ्वादि कर्म वा०) विवाहा जाना, ब्याहा जाना।

ਪਰਪੱਕ पर्पक्क् Parpakk वि०
परिपक्व (वि०) भली भाँति पकाया हुआ; निपुण, चतुर या चालाक।

ਪਰਪੱਕਤਾ पर्पक्कता Parpakktā स्त्री०
परिपक्वता (स्त्री०) परिपक्वता, निपुणता।

ਪਰਪਾਟੀ पर्पाटी Parpāṭī स्त्री०
परिपाटी (स्त्री०) परम्परा, प्रथा।

ਪਰਫੁਲਿਤ पर्फुलित् Parphulit वि०
प्रफुल्लित (वि०) खिला हुआ, विकसित; प्रसन्न।

ਪਰਬਸ पर्बस् Parbas वि०
परवश (वि०) परवश, पराधीन।

ਪਰਬਸੀਆ पर्बसीआ Parbasiā वि०
द्र०—ਪਰਬਸ।

ਪਰਬੱਸ पर्बस्स् Parbass वि०
द्र०—ਪਰਬਸ।

ਪਰਬਤੀਆ पर्बतीआ Parbatīā वि०
पर्वतीय (वि०) पर्वतीय, पहाड़ी, पर्वत से सम्बन्धित।

ਪਰਬਾਦ पर्बाद् Parbād पुं०
प्रवाद (पुं०) किंवदन्ती, अफवाह, निन्दा।

ਪਰਬੀਣਤਾਈ पर्बीण्ताई Parbīṇtāī स्त्री०
प्रवीणता (स्त्री०) निपुणता, कुशलता।

ਪਰਬੀਨ पर्बीन् Parbīn वि०
प्रवीण (वि०) प्रवीण, निपुण, कुशल।

ਪਰਬੀਨਤਾ पर्बीन्ता Parbīntā स्त्री०
प्रवीणता (स्त्री०) निपुणता, कुशलता।

ਪਰਬੀਨਤਾਈ पर्बीनताई Parbīntāī स्त्री०
द्र०—ਪਰਬੀਣਤਾਈ।

ਪਰਬੇਸ पर्बेस् Parbes पुं०
प्रवेश (पुं०) प्रवेश।

ਪਰਭੱਕਰ पर्भक्कर् Parbhakkar पुं०
प्रभाकर (पुं०) सूर्य, भानु।

ਪਰਭਕ੍ਰ पर्भक्र् Parbhakr पुं०
द्र०—ਪਰਭੱਕਰ।

ਪਰਭਤਾਈ परभ्ताई Parabhtāī स्त्री०
प्रभुता (स्त्री०) स्वामित्व, मालिकपन।

ਪਰਭਾਈ पर्भाई Parbhāī स्त्री०
प्रभुता (स्त्री०) स्वामित्व, मालिकपन।

ਪਰਭਾਕਰ पर्भाकर् Parbhākar पुं०
द्र०—ਪਰਭੱਕਰ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਭਾਵਤ पर्भावत् Parbhāvat वि०
प्रभावित (वि०) प्रभावित ।

ਪਰਭਾਵਿਤ पर्भावित् Parbhāvīt वि०
द्र०—ਪਰਭਾਵਤ ।

ਪਰਭੁ परभु Parbhu पुं०
प्रभु (पुं०) प्रभु, भगवान्, स्वामी ।

ਪਰਭੂ पर्भू Parbhū पुं०
द्र०—ਪਰਭੁ ।

ਪਰਭੂਤ पर्भूत् Parbhūt वि०
प्रभूत (वि०) बहुत, अधिक, विपुल ।

ਪਰਮਨੰਦ परम्नन्द् Paramnand पुं०
परमानन्द (पुं०) बहुत बड़ा सुख, ब्रह्म-प्राप्ति के आनन्द का सुख ।

ਪਰਮਾਣ पर्माण् Parmāṇ पुं०
परिमाण (पुं०) माप, परिमाण, मात्रा ।

ਪਰਮਾਣੀਕ पर्माणीक् Parmāṇīk वि०
प्रामाणिक (वि०) जो प्रत्यक्षादि प्रमाणों द्वारा सिद्ध हो; विश्वस्त ।

ਪਰਮਾਣੀਕਤਾ पर्माणीक्ता Parmāṇīktā स्त्री०
प्रामाणिकता (स्त्री०) प्रामाणिकता, प्रामाणिक होने का भाव ।

ਪਰਮਾਦਿ पर्मादि Parmādi वि०
परमादि (वि०) सर्व प्रथम ।

ਪਰਮੇ पर्मे Parme पुं०
प्रमेह (पुं०) प्रमेह, मधुमेह, मूत्र सम्बन्धी एक रोग ।

ਪਰਮੇਉ पर्मेउ Parmeu पुं०
द्र०—ਪਰਮੇ ।

ਪਰਮੇਹ पर्मेह् Parmeh पुं०
द्र०—ਪਰਮੇ ।

ਪਰਲਉ पर्लउ Parlau स्त्री०
प्रलय (पुं०) नाश या लय को प्राप्त होना, कल्पान्त में संसार का नाश होना ।

ਪਰਲੂ पर्लू Pārlū स्त्री०
द्र०—ਪਰਲਉ ।

ਪਰਲੇ पर्ले Parle स्त्री०
द्र०—ਪਰਲਉ ।

ਪਰਲੋਗ पर्लोग् Parlog पुं०
परलोक (पुं०) परलोक, मृत्युलोक से भिन्न स्वर्ग-आदि लोक ।

ਪਰਲੌ पर्लौ Parlau स्त्री०
द्र०—ਪਰਲਉ ।

ਪਰਵ परव् Parav पुं०
पर्वन् (नपुं०) पर्व, त्यौहार, उत्सव ।

ਪਰਵੱਤਾ पर्वत्ता Parvattā पुं०
प्रपौत्र (पुं०) पौत्र का पुत्र, पड़पोता ।

ਪਰਵੱਤੀ पर्वत्ती Parvattī स्त्री०
प्रपौत्री (स्त्री०) पड़पोती, पौत्र की पुत्री ।

ਪਰਵਰਤਨ पर्वर्तन् Parvartan पुं०
परिवर्तन (नपुं०) अदला-बदली, हेर-फेर, तबदीली ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਵਰਿਆ पर्वरिआ Parvariā वि०
परिवृत (वि०) घिरा हुआ, छाया हुआ।

ਪਰਵਾ पर्वा Parvā पुं०
द्र० —ਪੜਵਾ।

ਪਰਵਾਈ पर्वाई Parvāī स्त्री०
पुरोवात (पुं०) पूर्वी हवा, पूर्वीय वायु।

ਪਰਵਾਣ पर्वाण् Parvāṇ पुं०
द्र०—ਪਰਮਾਣ।

ਪਰਵਾਰ पर्वार् Parvār पुं०
परिवार (पुं०) कुटुम्ब, आश्रितजन।

ਪਰਵਾਰਿਕ पर्वारिक् Parvārik वि०
पारिवारिक (वि०) परिवार से संबन्धित, पारिवारिक।

ਪਰਵਾਲ पर्वाल् Parvāl पुं०
पटोल (पुं०) परवल, एक सब्जी-विशेष।

ਪਰਵੀਨ पर्वीन् Parvīn वि०
द्र०—ਪਰਬੀਨ।

ਪਰਵੀਨਤਾ पर्वीन्ता Parvīntā स्त्री०
द्र०—ਪਰਬੀਨਤਾ।

ਪਰਵੇਸ਼ਕਾ पर्वेश्का Parveśkā स्त्री०
प्रवेशिका (स्त्री०) प्रवेशिका, भूमिका।

ਪਰਵੇਧਣਾ पर्वेध्णा Parvedhṇā सक० क्रि०
प्रविध्यति (दिवादि सक०) वींधना, वेध करना।

ਪਰਵ੍ਹਾਤ पर्व्हात् Parvhāt स्त्री०
प्रभात (नपुं०) सबेरा, सुबह।

ਪਰਵ੍ਹਾਤੀ पर्व्हाती Parvhātī क्रि० वि०
प्रभात (नपुं०) प्रभात के समय, सवेरे।

ਪਰਾਇਆ-ਧਨ पराइआ-धन् Parāiā-Dhan पुं०
परकीयधन (नपुं०) पराया धन, दूसरे का धन।

ਪਰਾਇਆ-ਪੁੱਤਰ पराइआ-पुत्तर् Parāiā-Puttar पुं०
परकीयपुत्र (पुं०) पराया पुत्र, दूसरे का पुत्र।

ਪਰਾਇਣਾ पराईणा Parāiṇā अक० क्रि०
पलायते (भ्वादि अक०) भागना, पलायन करना।

ਪਰਾਏ-ਵਸ पराए-वस Parāe-Vas वि०
परकीयवश (वि०) पराधीन, दूसरे के वश में।

ਪਰਾਸਚਿਤ परास्चित् Parāscit पुं०
द्र०—ਪਰਾਸ਼ਚਿਤ।

ਪਰਾਸ਼ਚਿਤ पराश्चित् Parāścit पुं०
प्रायश्चित्त (नपुं०) शास्त्रीय कृत्य-विशेष जिसके करने से करने वाले का पाप छूट जाता है, पश्चात्ताप।

ਪਰਾਹਚਿਤ पराह्चित् Parāhcit पुं०
द्र०—ਪਰਾਸ਼ਚਿਤ।

ਪਰਾਹਨਾ पराह्ना Parāhnā पुं०
प्राघुणिक (पुं०) पाहुन, अतिथि, मेहमान।

ਪਰਾਕ पराक् Parāk अ०
प्राक् / प्राच् (अ०) आरम्भ में, पहले, पूर्व।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਾਕਥਨ पराक्थन् Parakthan पुं०
प्राक्कथन (नपुं०) पुरोवाक्, भूमिका।

ਪਰਾਕਿਰਤ पराकिरत् Parākirat वि०
प्राकृतिक / प्राकृत (वि०) प्रकृति या स्वभाव से संबन्धित; स्वाभाविक।

ਪਰਾਛਤ पराछत् Parāchat पुं०
द्र०—ਪਰਾਸ਼ਚਿਤ।

ਪਰਾਣਾ पराणा Parāṇā वि०
पुराण (वि०) पुराना, प्राचीन।

ਪਰਾਣਾਯਾਮ पराणायाम् Parāṇāyām पुं०
प्राणायाम (पुं०) श्वास-प्रश्वास की गति का विच्छेद करने वाली क्रिया, योग-शास्त्रानुसार योग के आठ अंगों में से चौथा।

ਪਰਾਣੀ पराणी Parāṇī पुं०
प्राणिन (पुं०) प्राणी, जीव।

ਪਰਾਤ परात् Parāt अ०
प्रातर् (अ०) प्रातः काल, प्रभात, सबेरा।

ਪਰਾਤਾ पराता Parātā पुं०
द्र०—ਪਰਾਤ।

ਪਰਾਧ पराध् Parādh पुं०
अपराध (पुं०) कसूर, जुर्म; पाप।

ਪਰਾਧੀ पराधी Parādhī पुं०
अपराधिन् (वि०) कसूरवार, जुर्मी; पापी।

ਪਰਾਨ परान् Parān पुं०
प्राण (पुं० ब० व०) प्राण, जीवन।

ਪਰਾਨਾ पराना Parānā पुं०
प्रयाण (नपुं०) प्रस्थान, यात्रा।

ਪਰਾਨਾਯਾਮ परानायाम् Parānāyām पुं०
द्र०—ਪਰਾਣਾਯਾਮ।

ਪਰਾਨੀ परानी Parānī पुं०
द्र०—ਪਰਾਣੀ।

ਪਰਾਪਤੀ परापती Parāptī पुं०
परापति (पुं०) परमेश्वर, ब्रह्म-विद्या के स्वामी।

ਪਰਾਭਯ पराभय् Parābhay पुं०
पराभव (पुं०) अपमान, तिरस्कार।

ਪਰਾਭੌਤਿਕ पराभतिक् Parābhautik वि०
पराभौतिक (वि०) जो भौतिक न हो, भौतिकता से परे।

ਪਰਾਰਥਨਾ परार्थना Parārthanā स्त्री०
प्रार्थना (स्त्री०) स्तुति द्वारा किसी से कुछ माँगने का भाव, प्रार्थना, स्तुति।

ਪਰਾਲਭਤ परालभत् Parālabhat स्त्री०
प्रारब्ध (नपुं०) प्रारब्ध, भाग्य।

ਪਰਾਲਭਦ परालभद् Parālabhad स्त्री०
द्र०—ਪਰਾਲਭਤ।

ਪਰਾਲਭਧ परालभध् Parālabhadh स्त्री०
द्र०—ਪਰਾਲਭਤ।

ਪਰਾਵਾਰ परावार् Parāvār पुं०
पारावार (पुं०) आर-पार, ओर-छोर।

ਪਰਿਓਜਨ परिओजन् Pariojan पुं०
प्रयोजन (नपुं०) कारण, उद्देश्य।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰਿਸ਼ਰਮ परिशर्म् Pariśarm पुं०
परिश्रम (पुं०) श्रम, मेहनत।

ਪਰਿਹਾ परिहा Parihā स्त्री०
परिषद् (स्त्री०) सभा, परिषद्।

ਪਰਿਖੱਕ परिखक्क् Parikhakk पुं०
परीक्षक (वि०) परीक्षक, परीक्षा करने वाला।

ਪਰਿਖਯਾ परिख्या Parikhyā स्त्री०
परीक्षा (स्त्री०) परीक्षा, जाँच।

ਪਰਿਖਾ परिखा Parikhā स्त्री०
परिखा (स्त्री०) परिखा, दुर्ग के चारों ओर की खाई।

ਪਰਿਤਮਾ परित्मा Paritmā स्त्री०
प्रतिमा (स्त्री०) मूर्ति, बुत।

ਪਰਿਪੂਰਨ परिपूरन् Paripūran वि०
परिपूर्ण (वि०) बिल्कुल भरा हुआ, सम्पूर्ण।

ਪਰਿਭਾਖਾ परिभाखा Paribhākhā स्त्री०
परिभाषा (स्त्री०) लक्षण, परिभाषा, किसी का ऐसा परिचय जिससे उसके स्वरूप, गुण वैशिष्ट्य आदि का यथार्थ ज्ञान हो जाय।

ਪਰੀਸਥਿਤੀ परीस्थिती Paristhitī स्त्री०
परिस्थिति (स्त्री०) स्थिति, दशा।

ਪਰੀਸ਼ਰਮ परीशर्म् Parīśarm पुं०
द्र०—परिशर्म।

ਪਰੀਸ਼ਰਮੀ परीशर्मी Parīśarmī पुं०
परिश्रमिन् (वि०) परीश्रमी, मेहनती।

ਪਰੀਸ਼੍ਰਮ परीश्रम् Parīśram पुं०
परिश्रम (पुं०) परिश्रम, मेहनत।

ਪਰੀਸ਼੍ਰਮੀ परीश्रमी Parīśarmī वि०
द्र०—परीशर्मी।

ਪਰੀਖਯਾ परिख्या Parikhyā स्त्री०
द्र०—परिखया।

ਪਰੀਖਿਅਕ परीख्यक Parīkhyak पुं०
द्र०—परिखक।

ਪਰੀਖਿਆ परीख्या Parīkhyā स्त्री०
परीक्षा (स्त्री०) परीक्षा, जाँच।

ਪਰੀਚਤ परीचत् Paricat वि०
परिचित (वि०) परिचित, ज्ञात।

ਪਰੀਚਯ परीचय् Paricay पुं०
परिचय (पुं०) जानकारी, अभिज्ञता, पहचान।

ਪਰੀਚਿਤ परीचित् Paricit वि०
द्र०—परीचत।

ਪਰੀਚੇ परीचे Parice पुं०
द्र०—परीचय।

ਪਰੀਚੈ परीचै Paricai पुं०
द्र०—परीचय।

ਪਰੀਛਾ परीछा Parichā स्त्री०
द्र०—परिखया।

ਪਰੀਛਿਆ परीछिआ Parichiā स्त्री०
द्र०—परिखया।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰੀਤਿਆਗ परीत्याग् Parityāg पुं०
परित्याग (पुं०) परित्याग, छोड़ना ।

ਪਰੀਤੀ परीती Parīti स्त्री०
प्रीत (पुं०) प्रीत, प्रेम, प्यार ।

ਪਰੀਪੂਰਣ परीपूरण् Parīpūraṇ वि०
द्र०—ਪਰਿਪੂਰਨ ।

ਪਰੀਪੂਰਨ परिपूरन् Parīpūran वि०
द्र०—ਪਰਿਪੂਰਨ ।

ਪਰੀਪੂਰਨਤਾ परीपूरन्ता Parīpūrantā स्त्री०
परिपूर्णता (स्त्री०) परिपूर्ण होने का भाव, सम्पूर्णता ।

ਪਰੀਭਾਸ਼ਕ परीभाषक् Parībhāśak वि०
पारिभाषिक (वि०) जिसका अर्थ परिभाषा या लक्षण द्वारा सूचित किया जाय ।

ਪਰੀਭਾਸ਼ਾ परीभाषा Parībhāṣā स्त्री०
द्र०—ਪਰਿਭਾਖਾ ।

ਪਰੀਮਾਣ परीमाण् Parīmāṇ पुं०
परिमाण (नपुं०) परिमाण, तौल, माप ।

ਪਰੀਜੋਜਨ परीयोजन् Pariyojan पुं०
प्रयोजन (नपुं०) प्रयोजन, उद्देश्य, कारण ।

ਪਰੀਵਰਤਕ परीवर्तक् Parīyartak पुं०
परिवर्तक (वि०) परिवर्तन करने वाला, हेर-फेर करने वाला ।

ਪਰੀਵਰਤਨ परीवर्तन् Parīvartan पुं०
परिवर्तन (नपुं०) परिवर्तन, बदलाव ।

ਪਰੂ परू Parū अ०
परम् (अ०) परन्तु, लेकिन, किन्तु ।

ਪਰੂਚਨਾ परुच्ना Parucnā सक० क्रि०
प्रवते (भ्वादि सक०) पिरोना, सूई में धागा डालना; धागे में मनका आदि पिरोना ।

ਪਰੂਣ परूण् Parūṇ स्त्री०
पवन (नपुं०) चलनी; छननी ।

ਪਰੂਣੀ परूणी Parūṇī स्त्री०
द्र०—ਪਰੂਣ ।

ਪਰੂਨ परून् Parūn स्त्री०
द्र०—ਪਰੂਣ ।

ਪਰੂਨੀ परूनी Parūnī स्त्री०
द्र०—ਪਰੂਣ ।

ਪਰੇਹਾਂ परेहाँ Parehā̃ स्त्री०
द्र०—ਪਰਿਹਾ ।

ਪਰੇਖਾ परेखा Parekhā स्त्री०
परीक्षा (स्त्री०) परीक्षा, जाँच-पड़ताल ।

ਪਰੇਨ परेन् Paren पुं०
परायणी (स्त्री०) अंकुश, अंकुशी ।

ਪਰੇਮਕਾ परेम्का Paremkā स्त्री०
प्रेमिका (स्त्री०) प्रेमिका, प्रियतमा ।

ਪਰੇਮਣ परेमण् Pareman स्त्री०
प्रेमिणी (स्त्री०) प्रेमिका, प्रियतमा ।

ਪਰੇਰਕ परेरक् Parerak पुं०
प्रेरक (वि०) प्रेरणा देने या प्रेरित करने वाला ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਰੇਰਤ परेरत् Parerat वि०
प्रेरित (वि०) प्रेरित, प्रेरणा-प्राप्त ।

ਪਰੇਰਨਾ परेर्ना Parernā स्त्री०
प्रेरणा (स्त्री०) प्रेरणा, किसी को किसी काम में उत्साहित करना ।

ਪਰੇਰਿਤ परेरित् Parerit वि०
द्र०—ਪਰੇਰਤ ।

ਪਰੈਣੀ परैणी Parainī पुं०
प्राणिन् (पुं०) प्राणी, जीव ।

ਪਰੋਸਾ परोस्सा Parossā पुं०
परिवेशक (वि०) परोसने वाला ।

ਪਰੋਹਤ परोहत् Parohat पुं०
पुरोहित (पुं०) पुरोहित, कुलपुरोहित ।

ਪਰੋਹਤਾਈ परोह्ताई Parohtāi स्त्री०
पौरोहित्य (नपुं०) पौरोहित्य, पुरोहिताई, पुरोहित का कर्म ।

ਪਰੋਕਸ਼ परोकश् Parokaś वि०
परोक्ष (वि०) परोक्ष, अप्रत्यक्ष ।

ਪਰੋਖਸ਼ परोखश् Parokhaś वि०
द्र०—ਪਰੋਕਸ਼ ।

ਪਰੋਖੀ परोखी Parokhi वि०
द्र०—ਪਰੋਕਸ਼ ।

ਪਰੋਜਣ परोजण् Parojaṇ पुं०
द्र०—ਪਰਿਯੋਜਨ ।

ਪਰੋਜਨ परोजन् Parojan पुं०
द्र०—ਪਰਿਯੋਜਨ ।

ਪਰੋਤਰੀ परोत्री Parotrī स्त्री०
प्रपौत्री (स्त्री०) पौत्र की पुत्री, पड़पोती ।

ਪਰੋਤਾ परोता Parotā पुं०
प्रपौत्र (पुं०) पौत्र का पुत्र, प्रपौत्र, पड़पोता ।

ਪਰੋਤੀ परोती Parotī स्त्री०
द्र०—ਪਰੋਤਰੀ ।

ਪਰੋਤ੍ਰਾ परोत्रा Parotrā पुं०
द्र०—ਪਰੋਤਾ ।

ਪਰੋਤ੍ਰੀ परोत्री Parotrī स्त्री०
द्र०—ਪਰੋਤਰੀ ।

ਪਰੋਪਕਾਰਨ परोप्कारन् Paropkāran स्त्री०
परोपकारिणी (स्त्री०) परोपकार करने वाली स्त्री ।

ਪਰੋਵਣਾ परोव्णा Parovṇā सक० क्रि०
प्रवते (भ्वादि सक०) पिरोना, सूई में धागा आदि पिरोना ।

ਪਰੋੜ੍ਹ परोढ़ Paroṛh वि०
प्रौढ (वि०) प्रौढ, परिपक्व ।

ਪਰੌਹਣਾ परौह्णा Parauhṇā पुं०
द्र०—ਪਰਾਹਨਾ ।

ਪਰੰਗਤ परंगत् Paraṅgat वि०
पारङ्गत (वि०) निष्णात, कुशल ।

ਪਰੰਤ परन्त् Parant अ०
परन्तु (अ०) किन्तु, लेकिन ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਪਰੰਪਰਾਵੀ परंपरावी Paramparāvī वि०
परम्परागत (वि०) परम्परा से प्राप्त ।

ਪਲਗੀਰੀ पल्गीरी Palgīrī स्त्री०
पर्यङ्क, पल्यङ्क (पुं०) पलंग, छोटी पलंग, शय्या ।

ਪਲੱਘ पलग्घ् Palaggh पुं०
द्र०—ਪਲਗੀਰੀ ।

ਪਲਮਹਣਾ पलम्हणा Palamhaṇā अक० क्रि०
प्रलम्बते (भ्वादि अक०) लटकना, झूलना ।

ਪਲਵਣਾ पल्वणा Palvaṇā अक० क्रि०
द्र०—ਪਲੰਬਣਾ ।

ਪਲਾਇਣ पलाइण् Palāiṇ स्त्री०
पलायन (नपुं०) भागने की क्रिया या भाव; उड़ान ।

ਪਲਾਇਣਵਾਦ पलाइण्वाद् Palāiṇvād पुं०
पलायनवाद (पुं०) पलायनवाद, उदासीन होने का भाव ।

ਪਲਾਹ पलाह् Palāh पुं०
पल्याण (नपुं०) ऊँट आदि पशुओं के पीठ पर रखने की जीन या काठी, पालान ।

ਪਲਾਣਾ पलाणा Palāṇā पुं०
द्र०—ਪਲਾਹ ।

ਪਲਾਣੀ पलाणी Palāṇī स्त्री०
द्र०—ਪਲਾਹ ।

ਪਲਾਨ पलान् Palān पुं०
द्र०—ਪਲਾਹ ।

ਪਲਾਰੀ पलारी Palārī स्त्री०
पलाल (नपुं०) पुआल, भूसा ।

ਪਲਾਵ पलाव् Palāv स्त्री०
प्रलाप (पुं०) प्रलाप, अनाप-शनाप बात-चीत, व्यर्थ की बकवास ।

ਪਲਾਵਣਾ पलाव्णा Palāvṇā अक० क्रि०
पलायते (भ्वादि अक०) आगे दौड़ना, भागना, पलायन करना ।

ਪਲੋਤਰਾ पलोत्रा Palotrā पुं०
द्र०—ਪਰੋਤਾ ।

ਪਲੋਤਰੀ पलोत्री Palotrī स्त्री०
द्र०—ਪਰੋਤੀ ।

ਪਲੋਨਾ पलोना Palonā सक० क्रि०
द्र०—ਪਲੋਵਣਾ ।

ਪਲੋਵਣਾ पलोव्णा Palovṇā सक० क्रि०
प्रलोपयति (दिवादि प्रेर०) नष्ट करना, लुप्त करना ।

ਪਲੰਬਣਾ पलंब्णा Palambṇā अक० क्रि०
पल्लवयते (नामधातु अक०) अंकुरित होना ।

ਪੱਲਹ पल्लह Pallah पुं०
पल्य, पल्ल (नपुं०, पुं०) अनाज रखने का बोरा; बाँसों से निर्मित ढाँचा जिसमें प्रभूत मात्रा में अन्न आदि रखा जाता है, अनाज का भण्डार ।

ਪੱਲਹੀ पल्ल्ही Pallhī स्त्री०
पल्लव (नपुं०, पुं०) अंकुर, कोपल, अँखुवा ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਵਣ पवण् Pavaṇ पुं०
पवन (पुं०) वायु, हवा, समीर।

ਪਵਨ पवन् Pavan पुं०
द्र०—ਪਵਣ।

ਪਵਨਾ पव्ना Pavnā पुं०
द्र०—ਪਵਣ।

ਪਵੱਨਾ पवन्ना Pavannā वि०
पावन (वि०) पावन, पवित्र।

ਪਵਰ पवर् Pavar वि०
प्रवर (वि०) श्रेष्ठ, अत्युत्तम।

ਪਵਰੀਆ पव्रीआ Pavrīā पुं०
प्रहरिन् (पुं०) पहरेदार, द्वारपाल।

ਪਵਾਨ[1] पवान् Pavān वि०
द्र०—ਪਵੱਨਾ।

ਪਵਾਨ[2] पवान् Pavān स्त्री०
द्र०—ਪਵਣ।

ਪਵਾਰ पवार् Pavār पुं०
परिवार (पुं०) परिवार, कुटुम्ब।

ਪਵਿਤ पवित् Pavit वि०
पवित्र (नपुं०) पावन, शुद्ध।

ਪਵਿਤਰਾ पवित्रा Pavitrā पुं०
पवित्रा (स्त्री०) पवित्री, कर्मकाण्ड के समय अनामिका में पहनने के लिये कुशा का बना हुआ छल्ला।

ਪਵਿਤਰੀ पवित्री Pavitrī स्त्री०
द्र०—ਪਵਿਤਰਾ।

ਪਵਿੱਤਰਤਾਈ पवित्तर्ताई Pavittartāī स्त्री०
पवित्रता (स्त्री०) शुद्धता, पुनीतता।

ਪਤਿਤ੍ਰਤਾਈ पवित्र्ताई Pavitrtāī स्त्री०
द्र०—ਪਵਿੱਤਰਤਾਈ।

ਪਵਿਤ੍ਰਾ पवित्रा Pavitrā पुं०
द्र०—ਪਵਿਤਰਾ।

ਪਵੀਤ पवीत् Pavīt वि०
पवित्र (वि०) पवित्र, शुद्ध, पाक।

ਪਵੀਤਾ पवीता Pavītā वि०
द्र०—ਪਵੀਤ।

ਪਵੇਨ पवेन् Paven वि०
पावन (वि०) पूत, पवित्र।

ਪੜੇਸ पड़ेस् Paṛes पुं०
प्रतिवेश (पुं०) पड़ोस।

ਪੜਨਸਾਲ पड़न्साल् Paṛansāl स्त्री०
पठनशाला (स्त्री०) पाठशाला, विद्यालय।

ਪੜਨਸਾਲਾ पड़न्साला Paṛansālā स्त्री०
द्र०—ਪੜਨਸਾਲ।

ਪੜਛਾਈਂ पड़्छाईं Paṛchāī स्त्री०
प्रतिच्छाया (स्त्री०) परछाईं, प्रतिबिम्ब।

ਪੜਛਾਵਾਂ पड़्छावाँ Paṛchāvā पुं०
द्र०—ਪੜਛਾਈਂ।

ਪੜਪਾਟਾ पड़्पाटा Paṛpāṭā पुं०
परिपाटी (स्त्री०) रीति, परम्परा, चलन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਪੜਵਾ पड़्वा Paṛvā स्त्री०
प्रतिपदा (स्त्री०) प्रतिपदा तिथि, पक्ष का प्रथम दिन।

ਪੜਵਾਲ पड़्वाल् Paṛvāl पुं०
पटोल (पुं०) परवल, सब्जी-विशेष।

ਪੜੇਸਣ पड़ेसण् Paṛesaṇ स्त्री०
प्रतिवेशिनी (स्त्री०) पड़ोसिन।

ਪੜੇਸੀ पड़ेसी Paṛesī पुं०
प्रतिवेशिन् (पुं०) पड़ोसी, प्रतिवेशी।

ਪੜੇਲੀ पड़ेली Paṛeli स्त्री०
प्रहेली (स्त्री०) प्रहेलिका, पहेली, कूट-प्रश्न।

ਪੜੋੱਤਾ पड़ोत्ता Paṛottā पुं०
प्रपौत्र (पुं०) परपोता, पौत्र का पुत्र।

ਪੜੋਤ੍ਰਾ पड़ोत्रा Paṛotrā पुं०
द्र०—ਪੜੋੱਤਾ।

ਪੜੌਸ पड़ौस् Paṛaus पुं०
प्रतिवेश (पुं०) पड़ोस, आस-पास के मकान।

ਪੜੌਸਣ पड़ौसण् Paṛausaṇ स्त्री०
द्र०—ਪੜੇਸਣ।

ਪੜੌਸੀ पड़ौसी Paṛausī पुं०
द्र०—ਪੜੇਸੀ।

ਪੜੌੱਸੀ पड़ौस्सी Paṛaussī पुं०
द्र०—ਪੜੇਸੀ।

ਪੜ੍ਹਾਵਣਾ पढ़ावणा Paṛhāvṇā सक० क्रि०
पाठयति (भ्वादि प्रेर०) पढ़ाना, अध्ययन कराना।

ਪਾਉਂ पाँउँ Pāũ स्त्री०
पामन् (पुं०) खुजली, खाज, चर्मरोग-विशेष।

ਪਾਉਣ पाउण् Pāuṇ स्त्री०
पवन (पुं०) हवा, वायु।

ਪਾਉੜ पाउड़् Pāuṛ पुं०
पादू (पुं०) खुर, टाप।

ਪਾਓ पाओ Pāo पुं०
पाद (पुं०) पैर, पाँव।

ਪਾਸਣਾ पास्णा Pāsṇā पुं०
पार्ष्णि (पुं०, स्त्री०) पैर की एड़ी।

ਪਾਸ਼ੁਪਤ पाशुपत् Pāśupat वि०
पाशुपत (वि०) पशुपति-सम्बन्धी, शिव-सम्बन्धी।

ਪਾਹਣ[1] पाहण् Pāhaṇ पुं०
पाषाण (पुं०) पत्थर, शिला।

ਪਾਹਣ[2] पाहण् Pāhaṇ पुं०
उपानह् (स्त्री०) जूता, पनही।

ਪਾਹਨ पाहन् Pāhan पुं०
द्र०—ਪਾਹਣ।

ਪਾਹਰ पाहर् Pāhar पुं०
प्रहर (पुं०) दिन का आठवां भाग, याम।

ਪਾਹਰੂਆ पाह्रुआ Pāhruā पुं०
प्रहरिन् (पुं०) प्रहरी, पहरेदार, द्वारपाल।

ਪਾਹਰੂਆ पाह्रूआ Pāhrūā पुं०
द्र०—ਪਾਹਰੂਆ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਾਹੜੂ पाहड़ू Pāhṛū पुं०
द्र०—ਪਾਹਰੂਆ ।

ਪਾਹਾ पाहा Pāhā पुं०
पथ/पथिन् (पुं०) पथ, मार्ग, रास्ता ।

ਪਾਹੀ पाही Pāhī पुं०
पथिक (पुं०) पथिक, राही ।

ਪਾਹੁਣ पाहुण् Pāhuṇ पुं०
द्र०—ਪਰਾਹਨਾ ।

ਪਾਹੁਣਾ पाहुणा Pāhuṇā पुं०
द्र०—ਪਰਾਹਨਾ ।

ਪਾਹੁਣੀ पाहुणी Pāhuṇī स्त्री०
प्राघुणिकी (स्त्री०) मेहमान स्त्री ।

ਪਾਹੁਨ पाहुन् Pāhun पुं०
द्र०—ਪਰਾਹਨਾ ।

ਪਾਹੂ पाहू Pāhū क्रि० वि०
पार्श्वं (क्रि० वि०) पास, समीप ।

ਪਾਖ पाख् Pākh पुं०
पक्ष (पुं०) पक्ष, तरफ ।

ਪਾਖਣ पाखण् Pākhaṇ पुं०
पाषाण (पुं०, नपुं०) पत्थर, शिला ।

ਪਾਖਾ पाखा Pākhā पुं०
द्र०—ਪਾਖ ।

ਪਾਖਾਰਨਾ पाखार्ना Pākhārnā सक० क्रि०
प्रक्षालयति (चुरादि सक०) पखारना, धोना ।

ਪਾਖੰਡਣ पाखण्डण् Pākhaṇḍaṇ स्त्री०
पाखण्डिनी (स्त्री०) पाखण्ड (आडम्बर) करने वाली स्त्री ।

ਪਾਂਗੁਲਾ पाँगुला Pāgulā पुं०
पङ्गुल (वि०) लँगड़ा, खंज ।

ਪਾਂਚਉ पाँचउ Pācau वि०
पञ्चन् (वि०) पाँच, 5 ।

ਪਾਛਲ पाछल् Pāchal वि०
पश्च/पश्चिम (वि०) पिछला, पृष्ठ प्रदेश ।

ਪਾਛਲਾ पाछ्ला Pāchlā वि०
द्र०—ਪਾਛਲ ।

ਪਾਛਾਵੈ पाछावै Pāchāvai क्रि० वि०
पश्चात् / पश्चभाव (क्रि० वि०) पीछे, अनन्तर ।

ਪਾਛੈ पाछै Pāchai क्रि० वि०
द्र०—ਪਾਛਾਵੈ ।

ਪਾਟਨ पाटन् Pāṭan पुं०
पत्तन (नपुं०) नगर, शहर ।

ਪਾਣਿ पाणि Pāṇi पुं०
पानीय (नपुं०) पानी, जल ।

ਪਾਤ पात् Pāt पुं०
पति (पुं०) पति, स्वामी ।

ਪਾਂਤ पाँत् Pāt स्त्री०
पङ्क्ति (स्त्री०) पंक्ति, कतार ।

ਪਾਤਰੋ पात्रो Pātro पुं०
पत्र (नपुं०) पत्र, चिट्ठी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਾਤਰਵੰਡ पातर्वण्ड् Pātarvaṇḍ पुं०
पात्रावण्ट (पुं०) नाटकीय पात्रों का आवण्टन।

ਪਾਤਿਕ पातिक् Pātik पुं०
द्र०—पात।

ਪਾਤੀ पाती Pātī स्त्री०
पातक (पुं०) पाप, जुर्म, धर्मशास्त्र के अनुसार पाँच महापातक हैं।

ਪਾੱਤਰ पात्तर् Pāttar पुं०
पात्र (नपुं०) परात, थाल।

ਪਾਥ पाथ् Path पु०
पथ/पथिन् (पुं०) पथ, मार्ग, रास्ता।

ਪਾਥਰ पाथर् Pāthar पुं०
प्रस्तर (पुं०, नपुं०) पत्थर, शिला।

ਪਾਦਕਾ पाद्का Pādkā स्त्री०
पादुका (स्त्री०) खड़ाऊँ, जूता।

ਪਾਧਾਣੂ पाधाणू Pādhāṇū पुं०
पान्थी (स्त्री०) पथिक स्त्री।

ਪਾਧੀ पाधी Pādhī स्त्री०
उपाधि (पुं०) उपाधि, मानपत्र; उपनाम; योग्यता, प्रमाणपत्र; पदवी; छल; वस्तु बोधक वह कारण जो उस वस्तु से भिन्न हो।

ਪਾਨਧੀ पान्धी Pāndhī पुं०
पान्थ (पुं०) यात्री, राही।

ਪਾਨੀ पानी Pānī पुं०
पानीय (नपुं०) पानी, जल।

ਪਾਨੋ पानो Pāno पुं०
द्र०—पानि।

ਪਾਪਖੰਡਨ पाप्खण्डन् Pāpkhaṇḍan वि०
पापखण्डन (वि०) पापों को खण्डित करने वाला।

ਪਾਪਗਰਹ पापग्रह् Pāpagrah पुं०
पापग्रह (पुं०) पापग्रह, अशुभ ग्रह।

ਪਾਪਗੇ पाप्गे Pāpge वि०
पापग्रस्त (वि०) पापों से ग्रस्त, पापयुक्त।

ਪਾਪੜਾ पाप्ड़ा Pāpṛā पुं०
पाप (नपुं०) पाप, अधार्मिक कृत्य, कुकृत्य।

ਪਾਪਨ पापन् Pāpan स्त्री०
पापिनी (स्त्री०) पाप करने वाली स्त्री।

ਪਾਪਿਸਟ पापिस्ट् Pāpisṭ वि०
पापिष्ठ (वि०) पापिष्ठ, महापापी।

ਪਾਂਬਰ पांबर् Pābar वि०
पामर (वि०) कायर, नीच, अधम।

ਪਾਂਮਰ पाँमर् Pāmar वि०
द्र०—पांबर।

ਪਾਮਾ पामा Pāmā पुं०
पाद (पुं०) चारपाई आदि का पावा।

ਪਾਯਾ पाया Pāyā पुं०
पाद (पुं०) चतुर्थांश, चौथाई, चौथा भाग।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਾਰ पार् Pār पुं०
पार (पुं०, नपुं०) पार, किनारा, नदी के दोनों ओर के तट ।

ਪਾਰਗਰਾਮਨੋ पार्गराम्नो Pārgarāmno पुं०
पारगामिन् (वि०) पारगामी, पार जाने वाला ।

ਪਾਰਗਰਾਮੀ पार्गरामी Pārgarāmī वि०
द्र० – ਪਾਰਗਰਾਮਨੋ ।

ਪਾਰਗਿਰਾਮੀ पार्गिरामी Pārgirāmī पुं०
द्र०—ਪਾਰਗਰਾਮਨੋ ।

ਪਾਰਨਾ पार्ना Pārnā सक० क्रि०
पालयति (चुरादि सक०) रक्षा करना, पालन करना ।

ਪਾਰੋਸੀ पारोसी Pārosī पुं०
द्र०—ਪੜੋਸੀ ।

ਪਾਰੂ पार्हा Pārhā पुं०
प्रहरिन् (पुं०) पहरेदार, चौकीदार ।

ਪਾਲਤੁ पाल्तु Pāltu वि०
पालित (वि०) पाला हुआ, पालतू ।

ਪਾਵਣ पावण् Pāvaṇ सक० क्रि०
प्राप्नोति (क्र्यादि सक०) प्राप्त करना ।

ਪਾਵਾਂ पावाँ Pāvā पुं०
द्र०—ਪਾਮਾ ।

ਪਾੜਨਾ पाड़्णा Pāṛṇā सक० क्रि०
उत्पाटयति (भ्वादि प्रेर०) उखाड़ना, खोदना ।

ਪਾੜੋਤਾ पड़ोता Pāṛotā पुं०
द्र०—ਪੜੋਤਾ ।

ਪਿਊ पिऊ Piū पुं०
पितृ (पुं०) पिता, बाप ।

ਪਿਓ पिओ Pio पुं०
द्र०—ਪਿਊ ।

ਪਿਆਊ पिआऊ Piāū पुं०
प्रपा (स्त्री०) प्याऊ, पौसला ।

ਪਿਆਓ पिआओ Piāo पुं०
द्र०—ਪਿਆਊ ।

ਪਿਔਣਾ पिऔणा Piauṇā सक० क्रि०
पाययति (भ्वादि प्रेर०) पिलाना, पीने की प्रेरणा देना ।

ਪਿਆਲਨਾ पिआल्ना Piālnā सक० क्रि०
द्र०—ਪਿਔਣਾ ।

ਪਿਸਾਚਣੀ पिसाच्णी Pisācṇī स्त्री०
पिशाची (स्त्री०) पिशाची, डाकिनी, प्रेतनी ।

ਪਿਸਾਚੀ पिसाची Pisācī स्त्री०
द्र०—ਪਿਸਾਚਣੀ ।

ਪਿਹਣ पिहण् Pihaṇ पुं०
पेषण (नपुं०) पीसने के लिए रखा हुआ अन्न ।

ਪਿਹਲੜ पिह्लड़् Pihlaṛ पुं०
पेल (नपुं०) अण्डकोश ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਿਹਲਾ पिह्ला Pihlā पुं०
द्र०—ਪਿਲਹੜ ।

ਪਿਹਲੀ पिह्ली Pihlī स्त्री०
पिपीलिका (स्त्री०) चींटी ।

ਪਿੰਗਲਾ पिंग्ला Piṅglā पुं०
पङ्गुल (वि०) पंगु, लँगड़ा ।

ਪਿੰਗੁਲ पिंगुल् Piṅgul वि०
द्र०—ਪਾਂਗੁਲਾ ।

ਪਿੰਜਰੀ पिंज्री Piñjrī स्त्री०
पिञ्जर / पञ्जर (पुं०, नपुं०) पिंजरा, तोता आदि पक्षियों को रखने का पिंजरा ।

ਪਿੰਜਲਾ पिंज्ला Piñjlā पुं०
द्र०—ਪਿੰਗਲਾ ।

ਪਿੰਜੁਣ पिंजुण् Pinjuṇ पुं०
पिञ्जन (नपुं०) धुनकी, जिससे रुई धुनी जाती है; रुई धुनने का भाव ।

ਪਿਟਾਰ पिटार् Piṭār पुं०
पिटक > पेट्टार (पुं०, नपुं०) पिटारी, टोकरी, पेटी ।

ਪਿਟਾਰਾ पिटारा Pitārā पुं०
द्र०—ਪਿਟਾਰ ।

ਪਿਟਾਰੀ पिटारी Piṭārī स्त्री०
द्र०—ਪਿਟਾਰ ।

ਪਿਟਿਆਰੀ पिटिआरी Piṭiārī स्त्री०
द्र०—ਪਿਟਾਰ ।

ਪਿਠ पिठ् Piṭh स्त्री०
पृष्ठ / पृष्टी / पृष्ट (नपुं०, स्त्री०) पीठ, मेरुदण्ड ।

ਪਿਤ[1] पित् Pit स्त्री०
द्र०—ਪਿੱਤ ।

ਪਿਤ[2] पित् Pit पुं०
द्र०—ਪਿਉ ।

ਪਿਤਰ-ਤਰਪਣ पितर्-तर्पण् Pitar-Tarpaṇ पुं०
पितृतर्पण (नपुं०) पितृतर्पण, पितरों के निमित्त किया गया जल-तिल आदि का अर्घ्य ।

ਪਿਤਰੀਆ पित्रीआ Pitrīā वि०
पित्र्य (वि०) पितरों से सम्बन्धित पितृ-कर्म आदि ।

ਪਿਤਲੀਆ पित्लीआ Pitlīā वि०
पित्तलीय (वि०) पीतल का, पीतल से सम्बन्धित ।

ਪਿੱਤ पित्त् Pitt पुं०
पित्त (नपुं०) पित्त, एक तरल पदार्थ जो शरीर के भीतर यकृत से बनता है ।

ਪਿੱਤਲੀਆ पित्त्लीआ Pittlīā वि०
द्र०—ਪਿਤਲੀਆ ।

ਪਿਨਤਾਲੀ पिन्ताली Pintālī वि०
पञ्चचत्वारिंशत् (स्त्री०) पैंतालीस, 45 संख्या से परिछिन्न वस्तु ।

ਪਿਪਲਾਂ पिप्लाँ Piplā स्त्री०
द्र०—ਪਿਪਲ-ਮੂਲ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਿਪਲ਼-ਮੂਲ਼ पिपळ्मूळ् Pipaḷ-Mūḷ पुं०
पिप्पली (स्त्री०) पीपल-नामक ओषधि-विशेष।

ਪਿਪੁਲ ਪਿਪੁਲ् Pipul पुं०
पिप्पल (पुं०) पीपल का वृक्ष।

ਪਿਯ ਪਿਯ् Piy पुं०
प्रिय (वि०) पिय, प्यारा।

ਪਿਯਾਸ पियास Piyās स्त्री०
पिपासा (स्त्री०) प्यास, पानी पीने की इच्छा।

ਪਿਯਾਸਾ पियासा Piyāsā पुं०
पिपासित (वि०) प्यासा, पीने का इच्छुक।

ਪਿਯਾਰਾ पियारा Piyārā पुं०
प्रियकार (वि०) प्यारा, प्रिय।

ਪਿਰਤਪਾਲਕ पिरत्पालक् Piratpālak पुं०
प्रतिपालक (वि०) पालन करने वाला, रक्षक।

ਪਿਰਤਪਾਲਣਾ पिरत्पाल्णा Pirat-pāḷṇā स्त्री०
प्रतिपालन (नपुं०) प्रतिपालन, रक्षण।

ਪਿਰਤਬਿੰਬ पिरत्बिम्ब् Piratbimb पुं०
प्रतिबिम्ब (पुं०, नपुं०) परछाईं, प्रतिच्छाया।

ਪਿਰਤਮਾ पिरत्मा Piratmā स्त्री०
प्रतिमा (स्त्री०) प्रतिमा, मूर्ति, काष्ठ, आदि की प्रतिमा।

ਪਿਰਥਮ पिर्थम् Pirtham वि०
प्रथम (वि०) प्रथम, पहला।

ਪਿਰਥਮੀ पिर्थमी Pirthamī स्त्री०
पृथ्वी (स्त्री०) पृथ्वी, धरती।

ਪਿਰਥਵੀ पिर्थवी Pirthavī स्त्री०
द्र०—पिरथमी।

ਪਿਰਥੀ पिर्थी Pirthī स्त्री०
द्र०—पिरथमी।

ਪਿਰਾਗ पिराग् Pirāg पुं०
पराग (पुं०) पुष्प रज; धूल, रज।

ਪਿਰਾਣ पिराण् Pirāṇ पुं०
प्राण (पुं० ब० व०) प्राण, जीवन।

ਪਿਰੀ पिरी Pirī पुं०
प्रिय (वि० / पुं०) वि०—प्रिय, प्यारा। पुं०—पति।

ਪਿਰੀਆ पिरीआ Pirīā पुं०
द्र०—पिरी।

ਪਿਰੋਹਣਾ पिरोह्णा Pirohṇā पुं०
प्राघुणक (पुं०) पहुना, अतिथि, मेहमान।

ਪਿਰੋਣਾ पिरोणा Pirōṇā सक० क्रि०
प्रवते (भ्वादि सक०) पिरोना, सूई में धागा डालना, धागे में मनका आदि पिरोना।

ਪਿਰੰਮ पिरम्म् Piramm पुं०
प्रेमन् (नपुं०) प्रेम, अनुराग।

ਪਿਲਾਨਾ पिलाना Pilānā सक० क्रि०
पाययति (भ्वादि प्रेर०) पिलाना, पीने की प्रेरणा देना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪਿੱਲਾ पिल्ला Pillā पुं०
पीतल (पुं० / वि०) पुं०—पाला रंग। वि०—पीला।

ਪਿਵਾਉਣਾ पिवाउणा Pivāuṇā सक० क्रि०
द्र०—पिलाणा।

ਪਿਵਾਣਾ पिवाणा Pivāṇā सक० क्रि०
द्र०—पिलाणा।

ਪੀਉ पीउ Piu पुं०
प्रिय (वि०/पुं०) वि०—प्रेमी। पुं०—पति।

ਪੀਊ पीऊ Pīū पुं०
द्र०—पिउ।

ਪੀਅ पीअ Pia पुं०
प्रिय (वि / पुं०) वि०—प्रिय, प्यारा। पुं०—पति।

ਪੀਅਰੀ पीअरी Piarī वि०
पीत (वि०) पीला, पीला वस्त्र आदि।

ਪੀਂਗ पींग् Pīg स्त्री०
प्रेङ्खः (पुं०) झूलने अथवा पेंग लगाने का भाव, झूला।

ਪੀਂਘ पींघ् Pīgh स्त्री०
द्र०—पींग।

ਪੀਂਘਣ पींघण् Pīghaṇ अक० क्रि०
प्रेङ्खति (भ्वादि अक०) झूलना, पेंग बढ़ाना।

ਪੀਚਣਾ पीचणा Picṇā सक० क्रि०
पीयते (भ्वादि कर्मवा०) पीया जाना।

ਪੀਠਾ पीठा Pīṭhā पुं०
पिष्ट (नपुं०, पुं०) आटा, पिसी हुई कोई वस्तु।

ਪੀਤ पीत् Pīt स्त्री०
प्रीति (स्त्री०) प्रीति, प्रेम; प्रसन्नता।

ਪੀਤਮ पीतम् Pītam पुं०
प्रियतम (वि० / पुं०) वि०—प्रियतम। पुं०—पति।

ਪੀਯ पीय् Pīy पुं०
प्रिय (वि० / पुं०) वि०—प्रेमी। पुं०—पति।

ਪੀਰਪਾਵਾ पीर्पावा Pīrpāvā पुं०
पीनपाद (पुं०) फिलपाँव, एक रोग जिसमें घुटने से नीचे तक पैर फूल कर मोटा हो जाता है।

ਪੀਲੜਾ पील्ड़ा Pīlṛā वि०
द्र०—ਪਿੱਲਾ।

ਪੀਵਣ पीवण् Pīvaṇ सक० क्रि०
पिबति (भ्वादि सक०) पीना, जल इत्यादि पीना।

ਪੀਵਣਾ पीव्णा Pīvṇā सक० क्रि०
द्र—पीवण।

ਪੀੜਣਾ पीड़्णा Pīṛṇā सक० क्रि०
पीडयति (चुरादि सक०) दबाना, पीड़ित करना।

ਪੀੜਤ पीड़त् pīṛat वि०
पीडित (वि०) पीड़ायुक्त, दुःखित।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੀੜਨਾ पीड़्ना Pīṛnā सक० क्रि०
द्र०—ਪੀੜਣਾ ।

ਪੁਆਰ पुआर् Puār पुं०
प्रमार (पुं०) मूर्च्छा, बेहोशी ।

ਪੁਸਟ पुसट् Pusaṭ वि०
पुष्ट (वि०) पोषण किया हुआ, पाला हुआ ।

ਪੁਸ਼ਟਕਾਰਕ पुशट्कारक् Puśaṭkārak वि०
पुष्टकारक (वि०) पुष्ट करने वाला, पौष्टिक ।

ਪੁਸ਼ਟਤਾ पुश्टता Puśṭatā स्त्री०
पुष्टता (स्त्री०) पुष्टता या पुष्टि ।

ਪੁਸਟਾਈ पुस्टाई Pusṭāī स्त्री०
द्र० —ਪੁਸ਼ਟਤਾ ।

ਪੁਸਤਕਾ पुस्तका Pustakā स्त्री०
पुस्तिका (स्त्री०) छोटी पुस्तक, किताब ।

ਪੁਸੀਜਣ पुसीजण् Pusījaṇ अक० क्रि०
प्रस्विद्यति (दिवादि अक०) पसीजना, पसीना छूटना ।

ਪੁਹਪ पुहप् Puhap पुं०
पुष्प (नपुं०) पुष्प, फूल, कुसुम ।

ਪੁਹਲੋ पुह्लो Puhlo वि०
पृथुल (वि०) स्थूल, मोटा; विस्तीर्ण; चौड़ा ।

ਪੁਹਾਲ पुहाल् Puhāl पुं०
पशुपाल (पुं०) पशुपालक, गड़ेरिया ।

ਪੁਹੁਣਾ पुहुणा Puhuṇā सक० क्रि०
प्रबोधयति (भ्वादि प्रेर०) उत्तेजित करना, प्रभावित करना; जागृत करना ।

ਪੁੰਛਲ पुंछल् Puñchal वि०
द्र०—ਪੁੱਛਲ ।

ਪੁਛੜ पुछड़् Puchaṛ पुं०
द्र०—ਪੁੱਛ ।

ਪੁਛਾਲ पुछाल् Puchāl पुं०
द्र०—ਪੁੱਛ ।

ਪੁੱਛ पुच्छ् Pucch स्त्री०
पुच्छ (पुं०, नपुं०) पूंछ; किसी वस्तु का छोर ।

ਪੁੱਛਣਾ पुच्छ्ना Pucchnā सक० क्रि०
पृच्छति (तुदादि सक०) पूछना ।

ਪੁੱਛਲ पुच्छल् Pucchal पुं०
पिच्छिल (वि०) पूंछ वाला ।

ਪੁਜਾਵਣ पुजावण् Pujāvaṇ सक० क्रि०
पूज्यते (चुरादि कर्मवा०) पूजित होना ।

ਪੁਟਿਆਰੀ पुटिआरी Puṭiārī स्त्री०
द्र०—ਪਿਟਾਰ ।

ਪੁੱਠ पुट्ठ् Puṭṭh स्त्री०
द्र०— ਪਿਠ ।

ਪੁੰਡਰ पुण्डर् Puṇḍar वि०
पुण्ड्र (वि०) श्वेत, सफेद ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੁੰਡਰਕ पुण्डरक् Puṇḍarak पुं०
पुण्डरीक (नपुं०) श्वेत कमल ।

ਪੁਣਨਾ पुण्ना Puṇṇā सक० क्रि०
पुनाति (क्र्यादि सक०) स्वच्छ करना, शुद्ध करना; छानना ।

ਪੁਤ पुत् Put पुं०
पुत्र (पुं०) पुत्र, बेटा ।

ਪੁਤਰਾ पुत्रा Putrā पुं०
पुत्रक >पुत्तल (पुं०) पुतला, पुतली, कठपुतली ।

ਪੁਤਰੀ पुत्री Putrī स्त्री०
द्र०—ਪੁਤਰਾ ।

ਪੁੱਤਿਰ पुतिर् Puttir पुं०
द्र०—ਪੁਤ ।

ਪੁੱਤੁਰ पुत्तुर् Puttur पुं०
द्र०—ਪੁਤ ।

ਪੁੰਦਰੀਕ पुन्द्रीक् Pundrīk पुं०
द्र०—ਪੁੰਡਰਕ ।

ਪੁਨ पुन् Pun पुं०
पुण्य (नपुं०) शुभ फल देने वाला कार्य; सत्कर्म से उत्पन्न शुभ अदृष्ट; पवित्रता ।

ਪੁੰਨ-ਅਰਥ पुन्न्-अरथ् Punn-araṭh क्रि० वि०
पुण्यार्थ (नपुं०) पुण्य, धर्म के निमित्त, धर्मार्थ ।

ਪੁੰਨ-ਆਤਮਾ पुन्न्-आत्मा Punn-ātmā वि०
पुण्यात्मन् (वि०) पुण्यात्मा, धर्मात्मा ।

ਪੁਨਣਾ पुन्णा Punṇā सक० क्रि०
द्र०—ਪੁਣਨਾ ।

ਪੁੰਨਾ पुन्ना Punnā सक० क्रि०
पूर्यते (दिवादि सक०) पूर्ण करना ।

ਪੁੰਨਿਆ पुन्निआ Punniā स्त्री०
पूर्णिमा (स्त्री०) पूर्णिमा, पूनम ।

ਪੁੰਨਿਆਤਮਾ पुन्निआत्मा Punniātmā वि०
द्र०—ਪੁੰਨ-ਆਤਮਾ ।

ਪੁੰਨੇਓਂ पुन्नेओं Punneō पुं०
द्र—ਪੁੰਨਿਆ ।

ਪੁਨ੍ਹਾ पुन्हा Punhā अ०
पुनः (अ०) पुनः, फिर, दुबारा ।

ਪੁਬ पुब् Pub क्रि० वि०
पूर्व (नपुं०) पूर्व, पहले ।

ਪੁਮਲੀ पुम्ली Pumlī स्त्री०
कुड्मल (नपुं०) कलिका, कली ।

ਪੁਰਸਾਰਥ पुर्सारथ् Pursārath पुं०
पुरुषार्थ (पुं०) उद्यम; हिम्मत; शक्ति, बहादुरी ।

ਪੁਰਬਾਈ पुर्बाई Purbāī स्त्री०
पुरोवात (पुं०) पूर्वी हवा, पूर्वीय वायु ।

ਪੁਰਵੀ पुर्वी Purvī वि०
पूर्वीय (वि०) पूर्व दिशा से सम्बन्धित वायु इत्यादि ।

ਪੁਰਾ पुरा Purā पुं०
द्र०—ਪੁਰਬਾਈ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੁਰਾਉਣਾ पुराउणा Purāuṇā सक० क्रि०
पूरयति (चुरादि प्रेर०) भरवाना, पूर्ण करने की प्रेरणा देना।

ਪੁਰਾਇਣ पुराइण् Purāiṇ स्त्री०
प्राजन (नपुं०) चाबुक, कोड़ा।

ਪੁਰਾਣ पुराण् Purāṇ स्त्री०
द्र०—ਪੁਰਾਇਣ।

ਪੁਰਾਣਾ पुराणा Purāṇā पुं०
पुराण (वि०) पुराना, प्राचीन।

ਪੁਰਾਤਣ पुरातण् Purātaṇ वि०
पुरातन (वि०) पुरातन, पुराना।

ਪੁਰਾਤਨਤਾ पुरातन्ता Purātantā स्त्री०
पुरातनता (स्त्री०) पुरानापन, प्राचीनता।

ਪੁਰਾਤਮ पुरातम् Purātam वि०
द्र०—ਪੁਰਾਤਣ।

ਪੁਰਾਨਾ पुराना Purānā वि०
पुराण (वि०) पुराना, प्राचीन।

ਪੁਰੋਣਾ पुरोणा Puroṇā सक० क्रि०
पूरयति/ते (चुरादि सक०) पूर्ण करना, भरना।

ਪੁਰੰਦਰੀ पुरंदरी Purandrī स्त्री०
पुरन्ध्री (स्त्री०) पति, पुत्र, कन्या आदि से भरी-पूरी स्त्री।

ਪੁਲਕਤ पुल्कत् Pulkat वि०
पुलकित (वि०) पुलकित, रोमांचित।

ਪੂੰਛ पूंछ् Pūch स्त्री०
पुच्छ (पुं०, नपुं०) पूंछ, रोवेंदार पूंछ।

ਪੂੰਛਟ पूंछट् Pūchaṭ स्त्री०
द्र०—ਪੂੰਛ।

ਪੂਛਣਾ पूछ्णा Pūchṇā सक० क्रि०
पृच्छति (तुदादि सक०) पूछना।

ਪੂਛਰ पूछर् Pūchar पुं०
द्र०—ਪੂੰਛ।

ਪੂਛੜ पूछड़् Pūchaṛ स्त्री०
द्र०—ਪੂੰਛ।

ਪੂਜ पूज् Pūj वि०
पूज्य (वि०) पूज्य, पूजनीय।

ਪੂਜਣਾ पूज्णा Pūjṇā सक० क्रि०
पूजयति / ते (चुरादि सक०) पूजना, आदर-सत्कार करना।

ਪੂਜਾਰੀ पूजारी Pūjārī पुं०
पूजाचारिन् (पुं०) पुजारी, पूजा करने वाला।

ਪੂੰਝਣ पूंझुण् Pūjhuṇ पुं०
प्रोञ्छन (नपुं०) झाड़ने या पोंछने का भाव।

ਪੁਤਰਾ पूत्रा Pūtrā पुं०
द्र०—ਪੁਤਰਾ।

ਪੁਤਲਾ पूत्ला Pūtlā पुं०
द्र०—ਪੁਤਰਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੂਤੀ पूती Pūtī स्त्री०
पुत्री (स्त्री०) पुत्री, बेटी।

ਪੂੰਨਾ पून्ना Pūnnā स्त्री०
द्र०—ਪੂਨਿਆ।

ਪੂਨਿਆ पूनिआ Pūniā स्त्री०
पूर्णिमा (स्त्री०) पूर्णिमा, पूनम, चन्द्रमा के शुक्ल पक्ष की पन्द्रहवीं तिथि।

ਪੂਨੋ पूनो Pūno स्त्री०
द्र०—ਪੂੰਨਾ।

ਪੂਰਉ पूरउ Pūrau वि०
द्र०—ਪੂਰਣ।

ਪੂਰਣ पूरण् Pūraṇ वि०
पूर्ण (वि०) पूर्ण, भरा हुआ; व्यापक।

ਪੂਰਣਮਾ पूरण्मा Pūraṇmā स्त्री०
द्र०—ਪੂਨਿਆ।

ਪੂਰਣਮਾਸੀ पूरण्मासी Pūraṇmāsī स्त्री०
पूर्णमासी (स्त्री०) पूर्णमासी, पूर्णिमा।

ਪੂਰਨ पूरन् Pūran वि०
द्र०—ਪੂਰਣ।

ਪੂਰਨਮਾ पूरन्मा Pūranmā स्त्री०
द्र०—ਪੂਰਨਿਮਾ।

ਪੂਰਨਮਾਸ਼ੀ पूरन्माशी Pūranmāśī स्त्री०
द्र०—ਪੂਰਣਮਾਸੀ।

ਪੂਰਨਿਮਾ पूर्निमा Pūrnimā स्त्री०
पूर्णिमा (स्त्री०) शुक्ल पक्ष की 15वीं तिथि; पूनम।

ਪੂਰਬ-ਉਕਤ पूरब्-उकत् Pūrab-Ukat वि०
पूर्वोक्त (वि०) पूर्वोक्त, पहले कहा हुआ।

ਪੂਰਵ-ਰੰਗ पूरव्-रंग् Pūrav-Raṅg पुं०
पूर्वरङ्ग (पुं०) पूर्वरङ्ग वह गान या स्तुति जो किसी अभिनय के आरंभ में विघ्नों के नाश के लिये नटों द्वारा की जाती है।

ਪੂਰਵੀ पूर्वी Pūrvī वि०
पूर्वीय (वि०) पूर्व का, पूर्व से सम्बन्धित; एक रागिनी।

ਪੂਰਾ पूरा Pūrā वि०
द्र०—ਪੂਰਣ।

ਪੇਉ[1] पेउ Peu वि०
पेय (वि०) पेय, पीने योग्य।

ਪੇਉ[2] पेउ Peu पुं०
द्र०—ਪਿਉ।

ਪੇਓ पेओ Peo पुं०
द्र०—ਪਿਉ।

ਪੇਆਸ पेआस् Peas स्त्री०
पिपासा (स्त्री०) प्यास, पीने की इच्छा।

ਪੇਆਸਾ पेआसा Peasā पुं०
पिपासित (वि०) प्यासा, पीने का इच्छुक।

ਪੇਆਰਾ पेआरा Pear पुं०
प्रिय (वि०) प्रिय, प्यारा, स्नेहिल।

ਪੇਸਣਾ पेसणा Pesṇā सक० क्रि०
प्रेषयति (भ्वादि प्रेर०) भेजना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੇਹਲੜ पेह्लड़ Pehlaṛ पुं०
द्र०—ਪਿਹਲੜ ।

ਪੇਹਲਾ पेह्ला Pehlā पुं०
द्र०—ਪਿਹਲੜ ।

ਪੇਹਾ पेहा Pehā पुं०
पथिन् (पुं०) मार्ग, रास्ता, सड़क; कच्चा रास्ता ।

ਪੇਖਨ पेखन् Pekhan पुं०
प्रेक्षण (नपुं०) देखने की क्रिया ।

ਪੇਖਨਾ पेख्ना Pekhnā सक० क्रि०
पश्यति (भ्वादि सक०) देखना ।

ਪੇਤੀ पेती Petī वि०
पैत्तिक (वि०) पित्त-सम्बन्धी-व्याधि ।

ਪੇਮ पेम् Pem पुं०
प्रेमन् (नपुं०) प्रेम, स्नेह ।

ਪੇਯਾ पेया Peyā वि०
पैत्रिक (वि०) पिता-सम्बन्धी, पुश्तैनी ।

ਪੇਵੇਸ਼ पेवेश् Peveś पुं०
प्रवेश (पुं०) प्रवेश ।

ਪੇਲਣਾ पेल्णा Pelṇā सक० क्रि०
प्रेरयति (चुरादि सक०) ठेलना, धक्का देना ।

ਪੇੜੀ पेड़ी Peṛī स्त्री०
पेटी (स्त्री०) बक्सा, पेटिका, पेटी ।

ਪੈ पै Pai स्त्री०
पादिका (स्त्री०) पाई, चतुर्थांश ।

ਪੈਂਸਠ पैंसठ् paisaṭh वि०
पञ्चषष्टि (स्त्री०) पैंसठ, 65 ।

ਪੈਹ पैह् Paih स्त्री०
द्र०—ਪਉ ।

ਪੈਂਹਠਾ पैंह्ठा Paiṁhṭhā पुं०
पञ्चषष्ट (वि०) पैंसठवाँ, 65वाँ ।

ਪੈਹਰ पैहर् Paihar पुं०
प्रहर (पुं) पहर, 3 घंटे का समय, दिन-रात का 1/8वाँ भाग ।

ਪੈਹਰਾ पैह्रा Paihrā पुं०
प्रहरक (पुं०) वह आदमी जो पहरे पर हो, प्रहरी ।

ਪੈਹਲਾ पैह्ला Paihlā पुं०
प्रथम (वि०) पहला, प्रथम ।

ਪੈਹੱਲਾ पैहल्ला Paihall पुं०
द्र०—ਪੈਹਲਾ ।

ਪੈਹੜਾ पैह्ड़ा Paihṛā पुं०
पथिन् (पुं०) मार्ग, पथ ।

ਪੈਹਾ[1] पैहा Paihā पुं०
पण (पुं०) पैसा, धनराशि ।

ਪੈਹਾ[2] पैहा Paihā पुं०
द्र०—ਪੈਹੜਾ ।

ਪੈਹਿ पैहि Paihi स्त्री०
प्रभा (स्त्री०) प्रभा, प्रकाश, उजाला ।

ਪੈਂਚਮੀ पैंच्मी Paicmī स्त्री०
पञ्चमी (स्त्री०) पंचमी तिथि ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੈਂਚਵੀ पैंच्वी Paĩcvī स्त्री०
पञ्चमी (स्त्री०) पञ्चमी, पाँचवीं ।

ਪੈਂਤਰੀਆਂ पैंत्रीआँ Paĩtrīā पुं०
पञ्चत्रिंशत्तम (वि०) पैंतीसवाँ, 35वाँ ।

ਪੈਂਤਾ पैंता Paĩtā पुं०
पदान्तर (नपुं०) पैंतरा; दृष्टिकोण या स्थिति का परिवर्तन ।

ਪੈਂਤਾਲੀ पैंतालो Paĩtālī वि०
पञ्चचत्वारिंशत् (स्त्री०) पैंतालिस, 45 ।

ਪੈਂਤ੍ਰਾ पैंत्रा Paĩtrā पुं०
द्र०—ਪੈਂਤਾ ।

ਪੈਂਤ੍ਰੀ पैंत्री Paĩtrī वि०
पञ्चत्रिंशत् (स्त्री०) पैंतीस, 35 ।

ਪੈਨਾ पैना Painā वि०
द्र०—ਪੈੱਨਾ ।

ਪੈੱਨਾ पैन्ना Painnā वि०
प्रतीक्ष्ण (वि०) अत्यन्त तीखा, तेज ।

ਪੈਰ-ਦੀ--ਤੱਲੀ पैर्-दी-तल्ली Pair-Dī-Tallī स्त्री०
पादतल (नपुं०) पैर का तला या तलवा ।

ਪੋਊ पोऊ Poū पुं०
द्र०—ਪਿਆਊ ।

ਪੋਸਣਾ पोस्णा Posṇā सक० क्रि०
पुष्णाति (क्र्यादि सक०) पोषण करना; पालन करना ।

ਪੋਹਣ पोहण् Pohaṇ पुं०
प्रवहण (नपुं०) गाड़ी, बैलगाड़ी ।

ਪੋਹਨ पोहन् Pohan पुं०
द्र०—ਪੋਹਣ ।

ਪੋਹੱਲੋ पोहल्लो Pohallo वि०
द्र०—ਪੁਹਲੋ ।

ਪੋਖਣ पोखण् Pokhaṇ पुं०
पोषण (नपुं०) पालन, पोषण ।

ਪੋਖਰ पोखर् Pokhar पुं०
द्र०—ਪੋੱਖਰ ।

ਪੋੱਖਰ पोक्खर् Pokkhar पुं०
पुष्कर (पुं०) तालाब, सरोवर ।

ਪੋਢਾ पोढा Poḍhā वि०
प्रौढ (वि०) जिसमें पूर्णता आ गयी हो; जिसकी युवावस्था समाप्ति पर हो; निपुण, परिपक्व ।

ਪੋਣ पोण् Poṇ पुं०
पवन (नपुं०) कपड़े का वह छोटा टुकड़ा जिससे दूध, ठंढाई आदि छानी जाती है, चलनी या छननी । वह टुकड़ा जो चूल्हे पर से गर्म बरतन आदि उठाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है ।

ਪੋੱਤਾ पोत्ता Pottā पुं०
पौत्र (पुं०) पौत्र, पोता, लड़के का पुत्र ।

ਪੋੱਤੀ पोत्ती Pottī स्त्री०
पौत्री (स्त्री०) पोती, पुत्र की पुत्री ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੋਤ੍ਰਾ पोत्रा Potrā पुं०
द्र०—ਪੋੱਤਾ ।

ਪੋਥਾ पोथा Pothā पुं०
द्र०—ਪੋੱਥਾ ।

ਪੋਥੀ पोथी Pothī स्त्री०
द्र०—ਪੋੱਥੀ ।

ਪੋੱਥਾ पोत्था Potthā पुं०
पुस्तक (पुं०, नपुं०) पोथा, मोटी पुस्तक, ग्रन्थ ।

ਪੋੱਥੀ पोत्थी Potthī स्त्री०
पुस्तक (पुं०, नपुं०) छोटी पुस्तक, पोथी ।

ਪੋਨਾ पोना Ponā पुं०
पौण्ड्र (पुं०) ईख या गन्ना-विशेष ।

ਪੋੱਲੀ पोल्ली Pollī स्त्री०
पोलिका / पोली (स्त्री०) पतली रोटी, हल्की चपाती ।

ਪੌ पौ Pau पुं०
प्रपा (स्त्री०) प्याऊ, पौशाला ।

ਪੌਂ पौं Paū स्त्री०
द्र०—ਪਾਂਉ ।

ਪੌਆ पौआ Pauā पुं०
पादुका (स्त्री०) पादुका, खड़ाऊँ ।

ਪੌਹ पौह् Pauh स्त्री०
प्रभा (स्त्री०) प्रकाश, उजाला ।

ਪੌਹਰ पौहर् Pauhar पुं०
द्र०—ਪਹਰ ।

ਪੌਹੁਰ पौहुर् Pauhur पुं०
द्र०—ਪਹਰ ।

ਪੌਣ पौण् Paun स्त्री०
पवन (पुं०) पवन, वायु, हवा ।

ਪੌਣੇ पौणे Pouṇe वि०
पादोन (वि०) पौन ।

ਪੌਨ पौन् Paun वि०
द्र०—ਪੌਣੇ ।

ਪੌਨਾ पौना Paunā वि०
द्र०—ਪੌਣੇ ।

ਪੌਨੇ ਦੋ पौने दो Paune Do वि०
पादोनद्वय (वि०) पौने दो ।

ਪੌਰਖ पौरख् Paurakh पुं०
पौरुष (नपुं०) पौरुष, पुरुषार्थ ।

ਪੌਰੁਖ पौरुख् Pourukh पुं०
द्र०—ਪੌਰਖ ।

ਪੌੱਲਾ पौल्ला Paullā पुं०
पादुका (स्त्री०) जूता ।

ਪੰਖਣੂੰ पंख्णूँ Paṅkhṇū पुं०
पक्ष (पुं०)पंख, पाँख।

ਪੰਖੀ पंखी Paṅkhī स्त्री०
पक्षिन् (पुं०) पक्षी, चिड़िया, पंखी ।

ਪੰਗੁ पंगु Pangū वि०
पङ्गु (पुं०) लंगड़ा, पंगु ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪੰਚਾਇਣ पंचाइण् Pañcāiṇ स्त्री०
पञ्चायतन (नपुं०) पंचायत, पंचों की सभा।

ਪੰਚੈਤ पंचैत् Pañcait स्त्री०
द्र०—ਪੰਚਾਇਣ।

ਪੰਜਹੱਤਰ पंज्हत्तर् Pañjhattar वि०
पञ्चसप्तति (स्त्री०) पचहत्तर, 75।

ਪੰਜਗਬੋਹ पंज्गबोह् Pañjgaboh पुं०
पञ्चगव्य (नपुं०) पंचगव्य, गौ से उत्पन्न पाँच पदार्थ (दूध, दही, घी, मूत्र, गोबर)।

ਪੰਜਗੱਭ पंज्गब्भ् Pañjgabbh पुं०
द्र०—ਪੰਜਗਬੋਹ।

ਪੰਜਗਵ पंज्गव् Pañjgav पुं०
द्र०—ਪੰਜਗਬੋਹ।

ਪੰਜਤੰਤਰ पंजतन्तर् Pañjtantar पुं०
पञ्चतन्त्र (नपुं०) पंचतन्त्र नामक एक संस्कृत ग्रन्थ।

ਪੰਜਭੀਖਮਵਰਤ पंज्भोखम्वरत् Pañjbhīkhamvarat पुं०
पञ्चभीष्मव्रत (नपुं०) कार्तिक सुदी एकादशी से पूर्णिमा तक के व्रत का नाम।

ਪੰਜਭੀਤੀ पंज्भीती Pañjbhītī स्त्री०
पञ्चभीति (स्त्री०) अतिवृष्टि, अनावृष्टि, मूषक, टिड्डी और पक्षियों से प्राप्त भय।

ਪੰਜਮਹਾਯੱਗ पंज्महायग्ग् Pañjmahāyagg पुं०
पञ्चमहायज्ञ (पुं०) पञ्चमहायज्ञ, पाँच प्रकार के धार्मिक कर्म, 1. स्वाध्याय, 2. देवार्चन, 3. हवन, 4. अतिथि सेवा, 5. भूतबलि।

ਪੰਜਮਕਾਰ पंज्मकार् Pañjmakār पुं०
पञ्चमकार (पुं०) वाममार्गियों के मतानुसार मद्य, मांस, मत्स्य, मुद्रा और मैथुन।

ਪੰਜਮਾਂ पञ्ज्माँ Pañjmā̃ पुं०
पञ्चम (वि०) पाँचवाँ।

ਪੰਜਮੀ पंज्मी Pañjmī स्त्री०
पञ्चमी (स्त्री०) पंचमी तिथि।

ਪੰਜਵੀ पंज्वी Pañjvī स्त्री०
पञ्चविंशति (स्त्री०) पच्चीस, 25।

ਪੰਜਵੀਂ पंज्वीं Pañjvī̃ स्त्री०
द्र०—ਪੰਜਮੀ।

ਪੰਜਵੀਹ पंज्वीह् Pañjvīh वि०
द्र०—ਪੰਜਵੀ।

ਪੰਜਾਇਠ पंजाइठ् Pañjāiṭh वि०
पञ्चषष्टि (स्त्री०) पैंसठ, 65।

ਪੰਜਾਸੀ पंजासी Pañjāsī वि०
पञ्चाशीति (स्त्री०) पचासी, 85।

ਪੰਜਾਨਮੇਂ पंजान्मे Pañjānmē वि०
पञ्चनवति (स्त्री०) पंचानवे; 95 संख्या से परिच्छिन्न।

ਪੰਜਾਨਵੇਂ पंजान्वें Pañjānvē वि०
द्र०—ਪੰਜਾਨਮੇਂ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By SGPC Amritsar Gangotri Gyaan Kosha

ਪੰਜੀਹ पंजीह् Pañjīh वि०
पञ्चविंशति (स्त्री०) पच्चीस, 25।

ਪੰਜੂਆਂ पंजूआँ Pañjūā̃ पुं०
द्र०—ਪੰਜਮਾਂ।

ਪੰਜੋਗੜਾ पंजोग़ड़ा Pañjogṛā पुं०
पञ्चक (वि०) पाँच का समूह।

ਪੰਜੋਤਰ पंजोतर् Pañjotar वि०
पञ्चसप्तति (स्त्री०) पचहत्तर, 75।

ਪੰਝੱਤਰਵਾਂ पंझ्त्तरवाँ Pañjhttarvā̃ पुं०
पञ्चसप्ततितम (वि०) पचहत्तरवाँ, 75।

ਪੰਝਾ पंझा Pañjhā वि०
पञ्चाशत् (स्त्री०) पचास, 50।

ਪੰਝੀਆਂ पंझीआँ Pañjhīā̃ पुं०
पञ्चविंशतितम / पंचविंश (वि०)
पच्चीसवाँ, 25वाँ।

ਪੰਞ पंञ् Paññ वि०
पञ्चन् (वि०) पाँच, 5।

ਪੰਡਲੀ पंड्ली Paṇḍlī स्त्री०
पिण्डक (पुं०, नपुं०) टांग की पिंडली।

ਪੰਡੀਆ पंडीआ Paṇḍīā पुं०
पण्डित (पुं०) पण्डित, विद्वान्, बुद्धिमान्।

ਪੰਡੋਲ पण्डोल Paṇḍol पुं०
पटोल (पुं०) परवल, एक सब्जी-विशेष।

ਪੰਥਾ पन्था Panthā पुं०
पथ (पुं०) मार्ग, रास्ता।

ਪੰਦ੍ਰਾ पन्द्रा Pandrā वि०
पञ्चदश (वि०) पन्द्रह, 15।

ਪੰਦ੍ਰਾਂ पन्द्रां Pandrā̃ वि०
द्र०—ਪੰਦ੍ਰਾ।

ਪੰਧੜਾ पन्ध्ड़ा Pandhṛā पुं०
पन्थाः (प्रथमान्त एक व०) मार्ग, पथ, रास्ता।

ਪੰਮਾ पंमा Pammā पुं०
ब्राह्मण (पुं०) अवज्ञा अर्थ में ब्राह्मण के लिये सिक्खों द्वारा प्रयुक्त होने वाला शब्द।

ਪੰਮਾਂ पम्माँ Pammā̃ पुं०
द्र०—ਪੰਮਾ।

ਪ੍ਰਸ਼ਾਦ प्रशाद् Praśād पुं०
द्र०—ਪਰਸਾਦ।

ਪ੍ਰਸੀਨਾ प्रसीना Prasīnā पुं०
प्रस्वेद (पुं०) पसीना, स्वेद-विन्दु।

ਪ੍ਰਸੇਵ प्रसेव् Prasev पुं०
द्र०—ਪ੍ਰਸੀਨਾ।

ਪ੍ਰਸੰਸਕ प्रसंसक् Prasansak पुं०
प्रशंसक (वि०) प्रशंसक, प्रशंसा करने वाला।

ਪ੍ਰਸ੍ਵੇਦ प्रस्वेद् Prasved पुं०
प्रस्वेद (पुं०) पसीना, स्वेद।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕ प्रकाशक् Prakāśak पुं०
प्रकाशक (पुं०) प्रकाशक, प्रकाशित करने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਣਾ प्रकाशणा Prakāśṇā सक० क्रि०
द्र०—ਪਰਕਾਸ਼ਣਾ ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਤ प्रकाशत् Prakāśat वि०
द्र०—ਪਰਕਾਸ਼ਤ ।

ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਵਾਨ प्रकाशवान् Prakāśvān पुं०
द्र०—ਪਰਕਾਸ਼ਵਾਨ ।

ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ प्रकिर्ती Prakirtī स्त्री०
द्र०—ਪਰਕਿਰਤੀ ।

ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ प्रकिरिआ Prakiriā स्त्री०
द्र०—ਪਰਕ੍ਰਿਆ ।

ਪ੍ਰਕ੍ਰਿਤ प्रक्रित् Prakrit स्त्री०
प्रकृत् (स्त्री०) कार्य, काम, प्रस्तुत विषय, चर्चा का विषय ।

ਪ੍ਰਕ੍ਰਿਤੀ प्रक्रिती Prakritī स्त्री०
द्र०—ਪ੍ਰਿਕ੍ਰਿਤੀ ।

ਪ੍ਰਗਟਾਣਾ प्रगटाणा Pragṭāṇā सक० क्रि०
प्रकटयति (भ्वादि प्रेर०) प्रकट करना, व्यक्त करना ।

ਪ੍ਰਗਤੀ प्रगती Pragtī स्त्री०
प्रगति (स्त्री०) प्रगति, उन्नति ।

ਪ੍ਰਚਲਤ प्रचलत् Praclat वि०
द्र०—ਪਰਚਲਤ ।

ਪ੍ਰਜ੍ਵਲਤ प्रज्वलत् Prajvalat वि०
प्रज्वलित (वि०) प्रज्वलित, प्रदीप्त ।

ਪ੍ਰਣਾਸੀ प्रणासी Praṇāsī वि०
प्रणष्ट / प्रणाशिन् (वि०) नष्ट, लुप्त, अदृश्य; खोया हुआ ।

ਪ੍ਰਤਗੀਆ प्रत्गीआ Pratgīā स्त्री०
प्रतिज्ञा (स्त्री०) प्रतिज्ञा, वादा; स्वीकृति ।

ਪ੍ਰਤੱਛ प्रतच्छ् Pratacch क्रि० वि०
प्रत्यक्ष (क्रि० वि०) जो आँखों के सामने हो, दृष्टिगोचर ।

ਪ੍ਰਤਿ ਏਕ प्रति एक Pratiek क्रि० वि०
प्रत्येक (क्रि० वि०) प्रत्येक, हर एक ।

ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਟਤ प्रतिश्टत् Pratiṣṭat वि०
प्रतिष्ठित (वि०) प्रतिष्ठा की हुई; प्रसिद्ध, प्रख्यात ।

ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਠਾ प्रतिश्ठा Pratiṣṭhā स्त्री०
प्रतिष्ठा (स्त्री०) प्रतिष्ठा, इज्जत, सम्मान ।

ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਠਿਤ प्रतिश्ठित् Pratiṣṭhit वि०
द्र०—ਪ੍ਰਤਿਸ਼ਟਤ ।

ਪ੍ਰਤਿਗਿਆ प्रतिगिआ Pratigiā स्त्री०
द्र०—ਪ੍ਰਤਗੀਆ ।

ਪ੍ਰਤਿਪਲੀਆ प्रतिप्लीआ Pratiplīā पुं०
प्रतिपालक (वि०) प्रतिपालक, रक्षक, प्रतिपालन करने वाला ।

ਪ੍ਰਤਿਪਾਰਨ प्रतिपारन् Pratipāran पुं०
प्रतिपालन (नपुं०) प्रतिपालन, पालन-पोषण ।

ਪ੍ਰਤਿਪਾਲਣਾ प्रतिपाल्णा Pratipālṇā सक० क्रि०

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

प्रतिपालयति (चुरादि सक०) प्रतिपालन करना, पोषण करना।

ਪ੍ਰਤਿਬਿੰਬਤ प्रतिबिम्बत Pratibimbat वि०
प्रतिबिम्बित (वि०) प्रतिबिम्बित, प्रतिच्छायित।

ਪ੍ਰਤਿਬੰਦ प्रतिबन्द् Pratiband पुं०
प्रतिबन्ध (पुं०) प्रतिबन्ध, बाधा, रुकावट।

ਪ੍ਰਤੀ प्रती Prati अ०
प्रति (अ०) प्रति एक उपसर्ग जिसके कई अर्थ होते हैं—विरुद्ध, सामने, बदले में, हर एक, समान आदि।

ਪ੍ਰਤੀਕਸ਼ਾ प्रतीक्शा Pratikśā स्त्री०
प्रतीक्षा (स्त्री०) प्रतीक्षा, इन्तजार, आसरा।

ਪ੍ਰਤੀਖਿਆ प्रतीखिआ Pratikhiā स्त्री०
द्र०—ਪ੍ਰਤੀਕਸ਼ਾ।

ਪ੍ਰਤੀਛਾ प्रतीक्षा Pratichā स्त्री०
द्र०—ਪ੍ਰਤੀਕਸ਼ਾ।

ਪ੍ਰਤੀਦੁੰਦੀ प्रतीदुन्दी Pratīdundī वि०
प्रतिद्वन्दिन् (वि०) प्रतिद्वन्दी, विरोधी, प्रतिस्पर्द्धी।

ਪ੍ਰਤੀਧੁਨੀ प्रतीधुनी Pratīdhunī स्त्री०
प्रतिध्वनि (पुं०) प्रतिध्वनि, प्रतिशब्द, गूंज।

ਪ੍ਰਤੀਨਿਧ प्रतीनिध् Prainidh पुं०
प्रतिनिधि (पुं०) प्रतिनिधि, वह व्यक्ति जो दूसरे के बदले कोई काम करने को नियुक्त किया जाय।

ਪ੍ਰਤੀਬਿੰਬ प्रतीबिम्ब् Pratibimb पुं०
प्रतिबिम्ब (पुं०, नपुं०) प्रतिबिम्ब, परछाईं।

ਪ੍ਰਦੇਸ਼ प्रदेश् Pradeś पुं०
प्रदेश (पुं०) प्रदेश, राज्य।

ਪ੍ਰਦੇਸੀ प्रदेसी Pradesī पुं०
प्रदेशीय (वि० / पुं०) वि०—प्रदेशीय। पुं०—दूसरे देश का व्यक्ति, परदेशी।

ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ प्रधान्गी Pradhāngi स्त्री०
द्र०—ਪਰਧਾਨਤਾਈ।

ਪ੍ਰਧਾਨ-ਪੁਰਖ प्रधान-पुरख् Pradhān-Purakh पुं०
प्रधान पुरुष (पुं०) प्रधानपुरुष, परमात्मा, भगवान्।

ਪ੍ਰਨਾਉਣਾ प्रनाउणा Pranāuṇā सक० क्रि०
परिणाययति (भ्वादि प्रेर०) विवाह कराना, परिणय कराना।

ਪ੍ਰਨਾਸਨ प्रनासन् Pranāsan पुं०
प्रणाशन (नपुं०) नाश करने की क्रिया।

ਪ੍ਰਪਾਟੀ प्रपाटी Prapāṭī स्त्री०
परिपाटी (स्त्री०) परिपाटी, परम्परा, तरीका, ढंग; क्रम, सिलसिला।

ਪ੍ਰਫੁਲਤ प्रफुलत् Praphulat वि०
प्रफुल्लित (वि०) विकसित; प्रसन्नता, आनन्दित।

ਪ੍ਰਫੁੱਲਤਾ प्रफुल्लता Praphullatā स्त्री०
प्रफुल्लता (स्त्री०) प्रफुल्लता; प्रसन्नता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਬੀਣਤਾਈ प्रबीण्ताई Prabiṇtāī स्त्री०
प्रवीणता (स्त्री०) प्रवीणता, चतुराई, कुशलता।

ਪ੍ਰਬੀਨ प्रबीन् Prabīn वि०
प्रवीण (वि०) प्रवीण, निपुण, दक्ष, चतुर।

ਪ੍ਰਭਤਾ प्रभ्ता Prabhtā स्त्री०
प्रभुता (स्त्री०) प्रभु का भाव, स्वामित्व, मालिकपन।

ਪ੍ਰਭਵਨ प्रभ्वन् Prabhvan पुं०
परिभ्रमण (नपुं०) घूमते-फिरते रहने का भाव।

ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ੀਲ प्रभाव्शील् Prabhāvsīl पुं०
प्रभावशील (पुं०) प्रभावशाली, प्रभावक।

ਪ੍ਰਭਾਵਤ प्रभावत् Prabhāvat वि०
द्र०—ਪਰਭਾਵਤ।

ਪ੍ਰਮਾਣਤ प्रमाणत् Pramāṇat वि०
प्रमाणित (वि०) जिसका प्रमाण मिल चुका है।

ਪ੍ਰਮਾਣੀਕ प्रमाणीक् Pramāṇīk वि०
प्रामाणिक (वि०) प्रमाणिक, प्रमाणयुक्त।

ਪ੍ਰਮਾਣੀਕਤਾ प्रमाणीक्ता Pramāṇīktā स्त्री०
द्र०—ਪਰਮਾਣੀਕਤਾ।

ਪ੍ਰਯੋਗਿਕ प्रयोगिक् Prayogik पुं०
प्रायोगिक (वि०) प्रयोगी, प्रयोगकर्ता।

ਪ੍ਰਲੋਗ प्रलोग् Pralog पुं०
परलोक (पुं०) परलोक, स्वर्ग आदि लोक जहाँ मृत्यु के पश्चात् प्राणी की आत्मा जाती है।

ਪ੍ਰਵਾਹਸਰ प्रवाह्सर् Pravāhsar पुं०
प्रवाहसरित् (स्त्री०) निरन्तर प्रवाहित होने वाली नदी।

ਪ੍ਰਵੀਨ प्रवीन् Pravīn वि०
प्रवीण (वि०) प्रवीण, चतुर।

ਪ੍ਰਵੇਸ਼ਕਾ प्रवेश्का Praveśkā स्त्री०
प्रवेशिका (स्त्री०) प्राक्कथन, पुरोवाक्।

ਪ੍ਰਾਉਨਾ प्राउना Prāunā पुं०
प्राघुणिक/प्राघुण (पुं०) पाहुन, पहुना, अतिथि।

ਪ੍ਰਾਇਆ प्राइआ Prāiā पुं०
परकीय (वि०) परकीय, पराया, गैर।

ਪ੍ਰਾਸਚਿਤ प्रास्चित् Prāscit पुं०
द्र०—ਪਰਾਸ਼ਚਿਤ।

ਪ੍ਰਾਹੁਣਗੀਰੀ प्राहुण्गीरी Prāhuṇgīrī स्त्री०
प्राघुणता (स्त्री०) आतिथ्य मेहमानदारी।

ਪ੍ਰਾਹੁਣਚਾਰੀ प्राहुणचारी Prāhuṇcārī स्त्री०
द्र०- ਪ੍ਰਾਹੁਣਗੀਰੀ।

ਪ੍ਰਾਹੁਣਾ प्राहुणा Prāhuṇā पुं०
प्राघुणिक (पुं०) पहुना; अतिथि, मेहमान।

ਪ੍ਰਾਹੁਣਾਚਾਰੀ प्राहुणाचारी Prāhuṇācārī स्त्री०
प्राघुणाचर्य/प्राघुणचर्या (नपुं०) पहुँनाई, आतिथ्य, मेहमानदारी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਾਕ੍ਰਿਤ प्राक्रित् Prākrit स्त्री०
प्राकृत (नपुं०) प्राकृत भाषा।

ਪ੍ਰਾਗ प्राग् Prāg पुं०
पराग (पुं०) पराग, पुष्प रज, पुष्प का केशर।

ਪ੍ਰਾਛਤ प्राछत् Prāchat पुं०
द्र०—ਪਰਾਸ਼ਚਿਤ।

ਪ੍ਰਾਣਡੰਡ प्राण्डण्ड् Prāṇḍaṇḍ पुं०
प्राणडण्ड (पुं०, नपुं०) प्राण-दण्ड, मृत्यु-दण्ड।

ਪ੍ਰਾਤ प्रात् Prāt अ०
द्र०—ਪਰਾਤ।

ਪ੍ਰਾਤਮਾ प्रात्मा Prātmā पुं०
परमात्मा (पुं०) परमात्मा, ईश्वर।

ਪ੍ਰਾਦੇਸ਼ਕ प्रादेशक् Prādeśak वि०
प्रादेशिक (वि०) प्रादेशिक, प्रदेश-संबन्धी।

ਪ੍ਰਾਨਸਖਾਈ प्रान्सखाई Prānsakhāī पुं०
प्राणसखा (पुं०) प्रियमित्र, सुहृद्।

ਪ੍ਰਾਨਸਾਇ प्रान्साइ Prānsāi पुं०
प्राणस्वामिन् (पुं०) प्राणनाथ।

ਪ੍ਰਾਨਪਤਿ प्रान्पति Prānpati पुं०
प्राणपति (पुं०) प्राणपति, प्राणनाथ।

ਪ੍ਰਾਨਪਤੀ प्रान्पती Prānpatī पुं०
द्र०—ਪ੍ਰਾਨਪਤਿ।

ਪ੍ਰਾਨੀਮਾਤਰ प्रानीमातर् Prānīmātar पुं०
प्राणिमात्र (नपुं०) प्राणिमात्र, जीव-मात्र।

ਪ੍ਰਾਪਯ प्रापय् Prāpay वि०
प्राप्य (वि०) प्राप्य, जो प्राप्त करने योग्य हो।

ਪ੍ਰਾਯਸਚਿਤ प्रायस्चित् Prāyascit पुं०
द्र०—ਪਰਾਸ਼ਚਿਤ।

ਪ੍ਰਾਰਥਨਾ प्रार्थणा Prārthaṇā स्त्री०
द्र०—ਪਰਾਰਥਨਾ।

ਪ੍ਰਾਰਥਿਕ प्रार्थिक् Prārthik वि०
प्रार्थिन् (वि०) प्रार्थी, प्रार्थना करने वाला।

ਪ੍ਰਾਰਥੀ प्रार्थी Prārthī पुं०
पार्थक (वि०) प्रार्थी, याचक।

ਪ੍ਰਾਰੰਭਕ प्रारम्भक् Prārambhak वि०
प्रारम्भिक (वि०) प्रारम्भिक, प्रारम्भ का।

ਪ੍ਰਾਲਭਤ प्राल्भत् Prālbhat स्त्री०
द्र०—ਪਰਾਲਭਤ।

ਪ੍ਰਾਲਭਦ प्राल्भद् Prālabhad स्त्री०
द्र०—ਪਰਾਲਭਤ।

ਪ੍ਰਾਲਭਧ प्राल्भध् Prālbhad स्त्री०
द्र०—ਪਰਾਲਭਤ।

ਪ੍ਰਿਉ प्रिउ Priu पुं०
प्रिय (वि०/पुं०) वि०—प्रिय। पुं०—पति।

ਪ੍ਰਿਸਟਭੂਮਿ प्रिसट्भूमि Prisaṭbhūmi स्त्री०
पृष्टभूमि (स्त्री०) पृष्ठभूमि, भूमिका।

ਪ੍ਰਿਸ਼ਠ प्रिशठ् Prīśaṭh पुं०
पृष्ठ (नपुं०) पृष्ठ, पन्ना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰਿਕ੍ਰਿਤੀ प्रिक्रिती Prikritī स्त्री०
प्रकृति (स्त्री०) प्रकृति, स्वभाव, मिजाज, किसी वस्तु की नैसर्गिक स्थिति; जड़-जगत्।

ਪ੍ਰਿਖੱਕ प्रिखक्क् Prikhakk पुं०
परीक्षक (पुं०) परीक्षक, जाँच करने वाला।

ਪ੍ਰਿਖਯਾ प्रिख्या Prikhyā स्त्री०
परीक्षा (स्त्री०) परीक्षा, जाँच।

ਪ੍ਰਿਤਭਾ प्रित्भा Pritbhā स्त्री०
प्रतिभा (स्त्री०) प्रतिभा, प्रत्युत्पन्न बुद्धि।

ਪ੍ਰਿਤਮਾ प्रित्मा Pritmā स्त्री०
प्रतिमा (स्त्री०) प्रतिमा, मूर्ति।

ਪ੍ਰਿਥਮ प्रिथम् Pritham वि०
प्रथम (वि०) प्रथम, पहला।

ਪ੍ਰਿਥਮੀ प्रिथ्मी Prithmī स्त्री०
पृथवी (स्त्री०) पृथ्वी, धरती।

ਪ੍ਰਿਥਵੀਪਤ प्रिथ्वीपत् Prithvīpat पुं०
पृथवीपति (पुं०) पृथ्वीपति, भूपाल, राजा।

ਪ੍ਰਿਥੀ प्रिथी Prithī स्त्री०
पृथ्वी (स्त्री०) पृथ्वी, धरती।

ਪ੍ਰਿਮ प्रिम् Prim पुं०
प्रेमन् (नपुं०) प्रेम, प्यार, अनुराग।

ਪ੍ਰੀਖਿਅਕ प्रीखिअक् Prīkhiak पुं०
द्र०—ਪ੍ਰਿਖੱਕ।

ਪ੍ਰੀਖਿਆ प्रीखिआ Prīkhiā स्त्री०
द्र०—ਪ੍ਰਿਖਯਾ।

ਪ੍ਰੀਚਤ प्रीचत् Prīcat वि०
द्र०—ਪਰੀਚਤ।

ਪ੍ਰੀਤਮਾਂ प्रीत्माँ Pritmā̃ स्त्री०
प्रियतमा (स्त्री०) प्रियतमा, सबसे अधिक प्रिय; पत्नी।

ਪ੍ਰੇਉ प्रेउ Preu पुं०
प्रिय (वि० / पुं०) वि०—प्रिय, प्यारा। पुं०—पति।

ਪ੍ਰੇਤਜੂਨੀ प्रेमजूनी Pretjūnī स्त्री०
प्रेतयोनि (स्त्री०) प्रेतयोनि, भूतयोनि।

ਪ੍ਰੇਤਤਹ प्रेततह Prettah पुं०
प्रेतता (स्त्री०) प्रेत होने का भाव या कर्म।

ਪ੍ਰੇਤ ਤਰਪਣ प्रेत् तर्पण् Pret Tarpaṇ पुं०
प्रेततर्पण (नपुं०) प्रेत निमित्तक तर्पण।

ਪ੍ਰੇਤਪਿੰਡ प्रेत्पिंड् Pretpiṇḍ पुं०
प्रेतपिण्ड (पुं०, नपुं०) प्रेत निमित्तक पिण्ड।

ਪ੍ਰੇਰਤ प्रेरत् Prerat वि०
द्र०—ਪਰੇਰਤ।

ਪ੍ਰੋਹਤ प्रोहत् Prohat पुं०
पुरोहित (पुं०) कुल पुरोहित, जो कुल में होने वाले सभी कर्मकाण्ड या संस्कारों का संचालन करता है।

ਪ੍ਰੋਕਸ਼ प्रोकश् Prokaś वि०
परोक्ष (वि०) परोक्ष, अप्रत्यक्ष, ओझल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਪ੍ਰੌਢ प्रौढ़ Prauḍh वि०
द्र०—ਪਰੌਢ ।

ਪ੍ਰੌੜ प्रौड़ Prauṛ वि०
द्र०—ਪਰੌਢ ।

ਫ

ਫਸਾਉਣਾ फसांउणा Phasāuṇā सक० क्रि०
स्पाशयति / पाशयति (भ्वादि प्रेर०) फँसाना, जल में डालना, बाँधना ।

ਫਕੜਣਾ फकड़्णा Phakaṛṇā सक० क्रि०
प्रगृह्णाति (क्र्यादि सक०) पकड़ना, ग्रहण करना ।

ਫਗਣ फगण् Phagaṇ पुं०
फाल्गुन (पुं०) फाल्गुन मास ।

ਫਗੁਆ फगुआ Phaguā पुं०
फल्गु (स्त्री०) फगुआ, फाग, वसन्त ऋतु ।

ਫਗੁਣ फगुण् Phaguṇ पुं०
द्र०—ਫਗਣ ।

ਫਟਕਰੀ फट्करी Phaṭkarī स्त्री०
स्फटिकी (स्त्री०) फिटकिरी ।

ਫਣੁ फणु Phaṇu स्त्री०
फण (पुं०) साँप का फन ।

ਫਨਯਰ फन्यर् Phanyar पुं०
फणिन् (पुं०) फन वाला साँप ।

ਫਨਿਯਰ फनियर् Phaniyar पुं०
फणिन् (पुं०) फणी, फन वाला साँप ।

ਫਲਗੁਨ फल्गुन् Phalgun पुं०
फाल्गुन (पुं०) फाल्गुन मास; अर्जुन ।

ਫਲਾਂਘ फलाँघ Phalāgh पुं०
प्रलङ्घन (नपुं०) लाँघने की क्रिया, उछाल ।

ਫੜ फड़ Phaṛ पुं०
फलक (नपुं०) कन्धों की हड्डी, स्कन्ध की अस्थि ।

ਫਾਟਣਾ फाट्णा Phāṭṇā पुं०
स्फुटन (नपुं०) फटने या विदीर्ण होने का भाव ।

ਫਾਣਤ फाणत् Phāṇat स्त्री०
फाणित (नपुं०) राब, शीरा ।

ਫਿੰਕਰੀ फिंक्री Phinkrī स्त्री०
फेरुकी (स्त्री०) सियारिन, गीदड़ी ।

ਫਿਤਕਾਰ फित्कार् Phitkār पुं०
फुत्कार (पुं०) फूंकने का भाव ।

ਫਿਫਿੜਾ फिफिड़ा Phiphiṛā पुं०
फुस्फुस (नपुं०, पुं०) फेफड़ा, हृदय ।

ਫਿਫੁਰ फिफुर् Phiphur पुं०
द्र०—ਫਿਫਿੜਾ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਫਿਫੁੜ फिफुड़् Phiphuṛ पुं०
द्र०—ਫਿਫਿੜਾ ।

ਫਿੱਫਰ फिप्फर् Phipphar पुं०
द्र०—ਫਿਫਿੜਾ ।

ਫਿੱਫੜਾ फिप्फ़ड़ा Phipphṛā पुं०
द्र०—ਫਿਫਿੜਾ ।

ਫੁਕਣਾ फुक्णा Phukṇā पुं०
फूत्करण (नपुं०) फूंकने, अथवा शंख आदि बजाने का भाव ।

ਫੁਣਕਾਰ फुण्कार् Phuṇkār पुं०
फूत्कार (पुं०) फुँफकार, सर्प आदि की फुँफकार ।

ਫੁਰਕਾਰਾ फुर्कारा Phurkārā पुं०
द्र०—ਫੁਣਕਾਰ ।

ਫੁਲ फुल् Phul पुं०
फुल्ल् (नपुं०) फूला या खिला हुआ पुष्प, फूल आदि ।

ਫੇਤ फेत् Phet पुं०
फेतकार (पुं०) कुत्ते, गीदड़ आदि के गुर्राने का भाव ।

ਬ

ਬਈਯਰ बईयर् Baīyar स्त्री०
बरोरू (स्त्री०) सुन्दर उरु वाली स्त्री ।

ਬਸਣਾ बस्णा Basṇā अक० क्रि०
वसति (भ्वादि अक०) रहना, निवास करना ।

ਬਸਤੁ बसतु Bastu पुं०
वस्तु (नपुं०) चीज, पदार्थ ।

ਬਸਥਾ बस्था Basthā स्त्री०
अवस्था (स्त्री०) अवस्था, दशा, समय, स्थिति; आयु ।

ਬਸਨਾ बस्ना Basnā वि०
वस्न्य (वि०) बहुमूल्य, कीमती ।

ਬਸਾਉਣਾ बसाउणा Basāuṇā सक० क्रि०
वासयति (भ्वादि प्रेर०) बसाना, आबाद करना ।

ਬਹਣਾ बह्णा Bahṇā अक० क्रि०
वहति (भ्वादि अक०) जल आदि का बहना ।

ਬਹਾੱਤਰ बहात्तर् Bahāttar वि०
द्वासप्तति (स्त्री०) बहत्तर, 72 ।

ਬਹਾਰੀ बहारी Bahārī स्त्री०
बहुकरी (स्त्री०) बढ़नी, झाड़ू ।

ਬਹਿਕ੍ਰਮ बहिक्रम् Bahikram पुं०
वयः क्रम (पुं०) अवस्था, आयु, उम्र ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਹਿੰਗੀ बहिंगी Bahingī स्त्री०
विहङ्गिका (स्त्री०) बहँगी, जिस पर भार रखकर कंधे से ढोया जाता है।

ਬਹਿਤਰ बहितर् Bahitar पुं०
वहित्र (नपुं०) बोझ उठाने वाला पशु।

ਬਹਿਰੂਪੀਆ बहिरूपीआ Bahirūpīā पुं०
बहुरूपिन् (वि०) बहुरूपिया, अनेक रूप धारण करने वाला।

ਬਹੁ बहुँ Bahū वि०
बहु (वि०) बहुत, अधिक; बड़ा।

ਬਹੁਰੀਆ बहुरीआ Bahurīā स्त्री०
वधू (स्त्री०) बहू, पुत्रवधू, पुत्र की पत्नी।

ਬਹੂਣਾ बहूणा Bahūṇā वि०
विहीन (वि०) हीन, रहित।

ਬਕਰਾ बक्रा Bakrā पुं०
बर्कर (पुं०) बकरा; भेड़।

ਬਕਲਾ बक्ला Baklā पुं०
बक (पुं०) बगुला, जलाशय के पास रहने वाला एक पक्षी।

ਬਕੁਲੀ बकुली Bakulī पुं०
बाकुल (नपुं०) बाकुल (मौलसिरी) वृक्ष का पुष्प या फल।

ਬਖਰਨਾ बखर्ना Bakharnā अक० क्रि०
विक्षरति (भ्वादि अक०) बिखरना, विकीर्ण होना।

ਬਖਿਆਨ बखिआन् Bakhiān पुं०
व्याख्यान (नपुं०) विस्तार पूर्वक कथन; कथा, प्रवचन।

ਬਗਲਾ बग्ला Baglā पुं०
द्र०—ਬਕਲਾ।

ਬਚਨਾ बच्ना Bacnā पुं०
वचन (नपुं०) वचन, वाणी।

ਬਛੋੜਣਾ बछोड़्णा Bachoṛṇā सक० क्रि०
विच्छोटयति (चुरादि सक०) बिखेरना, पृथक् करना।

ਬਛੌਣਾ बछौना Bachaunā सक० क्रि०
विच्छादयति (चुरादि सक०) बिछाना, फैलाना।

ਬਜਾਗਿ बजागि Bajāgi स्त्री०
वज्राग्नि (पुं०) वज्र की अग्नि, बिजली।

ਬਜਿਤ੍ਰ बजित्र् Bajitr पुं०
वादित्र (नपुं०) बाजा।

ਬੱਜਣਾ बज्ज्णा Bajjṇā अक० क्रि०
वदन (नपुं०) बजना।

ਬੱਝਣਾ बज्झ्णा Bajjhṇā अक० क्रि०
बध्यते (क्र्यादि कर्म वा०) बँधना, बद्ध होना।

ਬਟਣਾ बट्णा Baṭṇā पुं०
वर्तन (नपुं०) बाँटना, ऐंठन देना, सूत लपेटना।

ਬਟਣੁ बट्णु Baṭṇu पुं०
द्र०—ਬਟਣਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬੜਾ बडा Baḍā पुं०
वड्र (वि०) बड़ा ।

ਬੜੇਰਾ बडेरा Baḍerā पुं०
वड्रतर (वि०) अधिक बड़ा, अपने से बड़ा ।

ਬਢਨੀ बढ्नी Baḍhnī स्त्री०
वर्धनी (स्त्री०) झाड़ू, कूंची ।

ਬੱਢ बड्ढ् Baḍḍh पुं०
वर्ध (पुं०) काट, तरास ।

ਬੱਢਣਾ बड्ढ्णा Baḍḍhṇā सक० क्रि०
वर्धयति (चुरादि सक०) काटना, चीरना ।

ਬੱਢਾ बड्ढा Baḍḍhā पुं०
वर्ध (पुं०) काट, तरास; चिह्न ।

ਬਣਜ बणज् Baṇaj पुं०
वाणिज्य (नपुं०) व्यापार, बनिज ।

ਬਤ बत् Bat स्त्री०
वर्त्मन् (नपुं०) पथ, मार्ग, रास्ता ।

ਬੱਤ बत्त् Batt स्त्री०
द्र०—ਬਤ ।

ਬਦਣਾ बद्णा Badṇā सक० क्रि०
वदति (भ्वादि सक०) बोलना ।

ਬਧ बध् Badh पुं०
वर्धमन् (पुं०) रक्त के विकार से उत्पन्न गिल्टी आदि रोग ।

ਬਧਣਾ बध्णा Badhṅā अक० क्रि०
द्र०—ਬੱਝਣਾ ।

ਬਧਰ बधर् Badhar पुं०
बधिर (वि०) बहरा, जिसे सुनाई न पड़े ।

ਬਧਾ बधा Badhā पुं०
बद्ध (वि०) बँधा हुआ ।

ਬਧਾਉਣਾ बधाउणा Badhāuṇā सक० क्रि०
वर्धापयति (भ्वादि प्रेर०) बधाई देना ।

ਬੱਧਣਾ बद्धणा Baḍḍhṇā अक० क्रि०
वर्द्धते (भ्वादि अक०) बढ़ना, वृद्धि को प्राप्त होना ।

ਬਨਜ बनज् Banaj पुं०
द्र०—ਬਣਜ ।

ਬਨਮਾਣੂ बन्माणू Banmāṇū पुं०
वनमानुष (पुं०) वनमानुष, जंगली वानर ।

ਬਨਰਾ बन्रा Banrā पुं०
विन्न (पुं०) वर, दुल्हा, बन्ना ।

ਬਨਰੀ बन्री Banrī स्त्री०
विन्नी (स्त्री०) वधू, दुल्हन, बन्नी ।

ਬਨਵਾਸਨੀ बन्वास्नी Banvāsnī स्त्री०
वनवासिनी (स्त्री०) जंगल में रहने वाली ।

ਬਨਿਆ बनिआ Baniā पुं०
वणिज् (पुं०) बनिया, व्यापारी ।

ਬਨੈਸਨ बनैसन् Banaisan पुं०
वनश्वान् (पुं०) जंगली कुत्ता ।

ਬਨੋਈ बनोई Banoī पुं०
भगिनीपति (पुं०) बहनोई, बहिन का पति ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬੱਨ बन्न् Bann पुं०
बन्ध (पुं०) बांध।

ਬੱਨਗੀ बन्न्गी Banngī स्त्री०
वर्णक (पुं०, नपुं०) बानगी, नमूना।

ਬੱਨੀ बन्नी Bannī स्त्री०
वर्ण (पुं०) रंग, गेरू।

ਬਪੁ बपु Bapu पुं०
वपुष् (नपुं०) शरीर, देह।

ਬਯਣ बयण् Bayaṇ पुं०
वचन (नपुं०) वचन, बोलने की क्रिया।

ਬਰ बर् Bar पुं०
वर (पुं०) दुल्हा, वर; श्रेष्ठ; वरण; वरदान।

ਬਰਹਨਾ बर्हना Barhanā अक० क्रि०
वर्षति (भ्वादि अक०) बरसना, वर्षा होना।

ਬਰਹਮਣ बरह्मण् Barahmaṇ पुं०
ब्राह्मण (पुं०) ब्राह्मण जाति।

ਬਰਹਾ[1] बर्हा Barhā पुं०
वृत्रहन् (पुं०) वृत्र दैत्य को मारने वाला इन्द्र।

ਬਰਹਾ बर्हा Barhā पुं०
वर्ष (पुं०, नपुं) वर्ष, साल।

ਬਰਹੀ बर्ही Barhī पुं०
बर्हिन (पुं०) मोर, मयूर।

ਬਰਹੂਪਿਆ बर्हूपिया Barhūpiyā पुं०
बहुरूपिन् (वि०) बहुरूपिया, अनेक रूप धारण करने वाला।

ਬਰਨ बरन् Baran पुं०
वर्ण (पुं०) रंग, रूप-रंग, शक्ल; मनुष्य-समुदाय के चार विभाग—ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र।

ਬਰਾ बरा Barā वि०
वर (वि०) श्रेष्ठ, उत्तम।

ਬਰਾਘ बराघ् Barāgh पुं०
व्याघ्र (पुं०) बाघ, चीता।

ਬਰੀਆ बरीआ Barīā पुं०
वर्ष (नपुं०, पुं०) वर्ष, साल।

ਬਰੁਖਾਈ बरुखाई Barukhāī स्त्री०
वर्षर्तु (पुं०) वर्षा ऋतु, वर्षा का मौसम।

ਬਰੌਟਾ बरौटा Barauṭā पुं०
द्र०—ਬਰੌਠਾ।

ਬਰੌਠਾ बरौठा Barauṭhā पुं०
वट (पुं०) बड़ या बरगद का वृक्ष।

ਬਲ बल् Bal पुं०
वलि/वली (स्त्री०) सिकुड़न, झुर्री।

ਬਲਣਾ बल्णा Balṇā अक० क्रि०
वलते (भ्वादि अक०) बल खाना, चक्कर खाना।

ਬਲਧ बलध् Baladh पुं०
वलिवर्द (पुं०) बैल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਲਮਾਨ बल्मान् Balmān वि०
बलवत् (वि०) बलवान्, बली।

ਬਲਾ बला Balā पुं०
बल (पुं०) बल्ली; धरण, धरन।

ਬਲੀਆ बलीआ Balīā वि०
बलिन् (वि०) शक्तिमान्, बलवान्।

ਬਲੇਦ बलेद् Baled पुं०
बलिवर्दिन् (पुं०) बैलों का चरवाहा।

ਬੱਲਹਾ बल्ल्हा Ballhā पुं०
वल्लभ (वि, पुं०) वि०—प्रिय, प्रेमी।
पुं०—पति।

ਬੜਾ बड़ा Baṛā वि०
द्र०—ਬਡਾ।

ਬੜੋਟਾ बड़ोटा Baṛoṭā पुं०
वट (पुं०) बरगद का वृक्ष।

ਬਾਉਨਾ बाउना Bāunā पुं०
वामन (पुं०) बौना, ठिगना।

ਬਾਇ बाइ Bāi स्त्री०
द्र०—ਬਾਵੜੀ।

ਬਾਈਹਮਾਂ बाईह्माँ Bāīhmā पुं०
द्वाविंशतितम (वि०) बाईसवाँ, 22वाँ।

ਬਾਈਹਵਾਂ बाईह्वाँ Bāīhvā पुं०
द्र०—ਬਾਈਹਮਾਂ।

ਬਾਈਮਾਂ बाईमाँ Bāīmā पुं०
द्र०—ਬਾਈਹਮਾਂ।

ਬਾਈਵਾਂ बाईवाँ Bāīvā वि०
द्र०—ਬਾਈਹਮਾਂ।

ਬਾਸ बास् Bās पुं०
वास (पुं०) निवास, अवस्थान; घर, मकान।

ਬਾਸਨ बासन् Bāsan स्त्री०
वासन (नपुं०) सुगन्धि, मँहक, खुशबू।

ਬਾਸੀ बासी Bāsī वि०
द्व्यशीति (स्त्री०) बयासी, 82।

ਬਾੱਸੀ बास्सी Bāssī वि०
द्र०—ਬਾਸੀ।

ਬਾਹਟ बाहट् Bāhaṭ वि०
द्वाषष्टि (स्त्री०) बासठ, 62।

ਬਾਹਟਮਾਂ बाहट्माँ Bāhaṭmā पुं०
द्विषष्टितम (वि०) बासठवाँ, 62वाँ।

ਬਾਹਠਵਾਂ बाहठ्वाँ Bāhaṭhvā पुं०
द्र०—ਬਾਹਟਮਾਂ।

ਬਾਹਣਾ बाह्णा Bāhṇā सक० क्रि०
द्र०—ਬਾਹੁਣਾ।

ਬਾਹਮਣ बाह्मण् Bāhmaṇ पुं०
द्र०—ਬਰਹਮਣ।

ਬਾਹਮਣੀ बाह्मणी Bāhmaṇī स्त्री०
ब्राह्मणी (स्त्री०) ब्राह्मणी, ब्राह्मण की स्त्री।

ਬਾਹਯਾਨਮ बाह्यानम् Bāhyānam पुं०
बाहुयोधिन् (वि०) बाहु से युद्ध करने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਾਹੁਣਾ बाहुणा Bāhuṇā सक० क्रि०
वाहयति (भ्वादि प्रेर०) खींचना; वहन करना, ढोना।

ਬਾਕ बाक् Bāk पुं०
वाक्य (नपुं०) वचन, शब्द, वाक्य।

ਬਾਗ बाग् Bāg स्त्री०
वल्गा (स्त्री०) लगाम, रास, बागडोर।

ਬਾਗੀਸਰੀ बागीस्री Bāgīsrī स्त्री०
वागीश्वरी (स्त्री०) वाणी की प्रधान देवी, सरस्वती।

ਬਾਘ बाघ् Bāgh पुं०
द्र०—ਬਰਾਘ।

ਬਾਜਨ बाजन् Bājan पुं०
वादन (नपुं०) बाजा बजाने की क्रिया।

ਬਾਜੇ बाजे Bāje वि०
बाह्य (वि०) बाहरी, बाहर का।

ਬਾਟ बाट् Bāṭ स्त्री०
वर्त्मन् (नपुं०) वाट, मार्ग, राह।

ਬਾਢਯ बाढय् Bāḍhay अ०
वाढम् (अ०) हाँ, ठीक, निस्सन्देह।

ਬਾਤ बात् Bāt स्त्री०
वात (पुं०) वात-रोग, गठिया रोग।

ਬਾਤੋ बातो Bāto स्त्री०
वस्तु (नपुं०) वस्तु, चीज, धन-दौलत।

ਬਾਦ बाद् Bād पुं०
वाद (पुं०) वाद, कथन, खण्डन-मण्डन।

ਬਾਂਦ बाँद Bād स्त्री०
बन्ध (पुं०) बाँध; कैद, बन्धन।

ਬਾਦੀ बादी Bādī पुं०
वादिन् (वि०) वादी, अभियोगी; झगड़ालू।

ਬਾਦੰ बादम् Bādam पुं०
वन्दन / अभिवादन (नपुं०) अभिवादन, प्रणाम, वन्दना।

ਬਾਧਾ बाधा Bādhā पुं०
द्र०—ਬਾਂਦ।

ਬਾਂਧਾ बाँधा Bādhā पुं०
द्र०—ਬਾਂਦ।

ਬਾਂਧੂ बाँधू Bādhū पुं०
बन्धु (पुं०) बन्धु-बान्धव, भाई।

ਬਾੱਧਾ बाद्धा Bāddhā पुं०
वर्ध (पुं०) वृद्धि, लाभ।

ਬਾਨਵਾਂ बान्वाँ Bānvā वि०
द्विनवतितम (वि०) बानवेवाँ, 92वाँ।

ਬਾਨਵੋਂ बान्वों Bānvō वि०
द्विनवति (स्त्री०) बानवे, 92।

ਬਾਨਿਯਾ बानिया Bāniyā पुं०
वणिक् (पुं०) बनिया, व्यापारी।

ਬਾਪਰਣਾ बापर्णा Bāparṇā सक० क्रि०
व्याप्नोति (स्वादि सक०) व्याप्त होना; प्रभावित करना।

ਬਾਬਰੀਆਂ बाब्रीयाँ Bābrīyā स्त्री०
बर्बर (पुं०) घुंघराले बाल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਾਂਭਣਾ बाँभ्णा Bābhṇā पुं०
द्र०—ਬਰਹਮਣ ।

ਬਾਮ बाम् Bām वि०
वाम (वि०) बायाँ ।

ਬਾਮਹਣ बाम्हण् Bāmhaṇ पुं०
द्र०—ਬਰਹਮਣ ।

ਬਾਮਹਣੀ बाम्हणी Bāmhaṇī स्त्री०
ब्राह्मणी (स्त्री०) ब्राह्मण की स्त्री ।

ਬਾਮਨ बामन् Bāman पुं०
द्र०—ਬਰਹਮਣ ।

ਬਾਰ बार् Bār पुं०
वार (पुं०) वार, दिन; बारी, अवसर ।

ਬਾਰਹੀ बार्ही Bārhī वि०
द्वादश (वि०) बारह, 12 ।

ਬਾਲ बाल् Bāl पुं०
बाल (पुं०) केश, बाल ।

ਬਾਲਤਣ बाल्तण् Bāltaṇ स्त्री०
बालता (स्त्री०) बालकपन, बचपन ।

ਬਾਲਨਾ बाल्ना Bālnā सक० क्रि०
ज्वालयति (भ्वादि प्रेर०) जलाना, बालना ।

ਬਾਲਾ बाला Bālā पुं०
वलय (पुं०) कंगन, कंकण; छल्ला ।

ਬਾਲੁਣ बालुण् Bāluṇ पुं०
ज्वालन (नपुं०) इन्धन ।

ਬਾਵਨ बावन् Bāvan वि०
द्विपञ्चाशत् (स्त्री०) बावन, 52 ।

ਬਾਵਨਾ बाव्ना Bāvnā पुं०
वामन (पुं०) बौना, वामन, ठिगना ।

ਬਾਵਰ बावर् Bāvar पुं०
वातुल (वि०) विक्षिप्त, पागल ।

ਬਾਵਰੀਆ बाव्रीआ Bāvrīā पुं०
वागुरिक (वि०) बहेलिया, जाल फैलाने वाला ।

ਬਾਵੜੀ बाव्ड़ी Bāvṛī स्त्री०
वापी (स्त्री०) बावली, छोटा चौकोर जलाशय, तालाब ।

ਬਾਵਾਂ बावाँ Bāvā वि०
द्र०—ਬਾਮ ।

ਬਾਵੀ बावी Bāvī वि०
द्वाविंशति (स्त्री०) बाईस, 22 ।

ਬਿਓਗ बिओग् Biog वि०
वियोग (पुं०) विच्छेद, विछोह, विरह ।

ਬਿਓਗਿਨੀ बिओगिनी Biogīnī स्त्री०
वियोगिनी (स्त्री०) वियोग या विरह से युक्त स्त्री, वियोगिनी ।

ਬਿਓਗੀ बिओगी Biogī पुं०
वियोगिन् (वि०) वियोग से युक्त, विरही जो प्रियतमा से बिछुड़ा हुआ हो ।

ਬਿਅਸ਼ਨ बिअशन् Biaśan पुं०
व्यसन (नपुं०) बुरी आदत, बुरी लत ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਿਆਉਣਾ बिआउणा Biāuṇā अक० क्रि०
विवाहयति (भ्वादि प्रेर०) विवाह करना।

ਬਿਆਸੀਮਾਂ बिआसीमां Biāsīmā पुं०
द्व्यशीतितम (वि०) बयासिवाँ, 82वाँ।

ਬਿਆਹਣਾ बिआह्णा Biāhṇā सक० क्रि०
विवाहयति (भ्वादि प्रेर०) विवाह करना।

ਬਿਆਹਤਾ बिआह्ता Biāhtā स्त्री०
विवाहिता (स्त्री०) विवाहिता, व्याहता औरत।

ਬਿਆਹਨਾ बिआह्ना Biāhnā सक० क्रि०
विवाहयति (भ्वादि प्रेर०) विवाह करना।

ਬਿਆਹਿਆ बिआहिआ Biāhiā वि०
विवाहित (वि०) विवाहित, वह पुरुष जिसका विवाह हो चुका हो।

ਬਿਆਕਰਣ बिआकरण् Biākaraṇ पुं०
व्याकरण (नपुं०) व्याकरण शास्त्र।

ਬਿਆਕਲ बिआकल् Biākal वि०
व्याकुल (वि०) विकल, घबराया हुआ।

ਬਿਆਕੁਲ बिआकुल Biākul वि०
द्र०—ਬਿਆਕਲ।

ਬਿਸਤੀਰਤ बिस्तीरत् Bistīrat वि०
विस्तृत (वि०) फैला हुआ, विस्तार-युक्त।

ਬਿਸਾਨਹ बिसानह् Bisānah स्त्री०
विस्रगन्ध (पुं०) दुर्गन्ध, सड़ाँध।

ਬਿਸਾਰਣਾ बिसार्णा Bisārṇā सक० क्रि०
विस्मारयति (भ्वादि प्रेर०) भुलाना, विस्मृत कराना।

ਬਿਸੂ बिसू Bisū पुं०
विष (नपुं०) विष, जहर।

ਬਿਸੂਤਕਾ बिसूत्का Bisūtkā पुं०
विसूचिका (स्त्री०) विसूचिका, हैजा।

ਬਿੱਸਰਨਾ बिस्सर्ना Bissarnā सक० क्रि०
विस्मरति (भ्वादि सक०) भूलना, विस्मृत होना।

ਬਿਸ੍ਵ बिस्व Bisv पुं०
विश्व (नपुं०/वि०) नपुं०—विश्व, संसार। वि०—समस्त, सब।

ਬਿਖਰਨਾ विख्रना Bikharnā अक० क्रि०
विष्किरति (तुदादि अक०) बिखरना, पृथक्-पृथक् होना।

ਬਿਖਲ बिखल् Bikhal पुं०
वृषल (पुं०) शूद्र; धर्मच्युत, पतित व्यक्ति।

ਬਿਖੂ बिखू Bikhū पुं०
द्र०—ਬਿਸੂ।

ਬਿਖੂਆ बिखूआ Bikhūā पुं०
द्र०—ਬਿਸੂ।

ਬਿਖੰਮ बिखम्म् Bikhamm वि०
विषम (वि०) कठिन; असमान; प्रतिकूल, पूरा-पूरा न बटने वाला अंक।

ਬਿੱਚੂ बिच्चू Biccū पुं०
वृश्चिक (पुं०) बिच्छू।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਿਛੂਛਕ बिछूछक् Bichūchak पुं०
द्र०—ਬਿਸੂਤਕਾ ।

ਬਿੱਛਣਾ बिच्छ्णा Bicchṇā पु०
विच्छाद्यते (चुरादि कर्म वा०) बिछना, बिछ जाना ।

ਬਿੰਜਨ बिंजन् Biñjan पुं०
व्यञ्जन (नपुं०) भोजन-सामग्री, साग-भाजी, मसाला-चटनी आदि ।

ਬਿਜਲੀ बिज्लो Bijlī स्त्री०
विद्युत् (स्त्री०) बिजली ।

ਬਿਜੁਲ बिजुल् Bijul स्त्री०
द्र०—ਬਿਜਲੀ ।

ਬਿਜੁਲੀ बिजुली Bijulī स्त्री०
द्र०—ਬਿਜਲੀ ।

ਬਿੰਝਲੀ बिंझ्ली Biñjhlī स्त्री०
वंशी (स्त्री०) वंशी, छोटी बाँसुरी ।

ਬਿਟੰਗ बिटंग् Biṭaṅg पुं०
विडङ्ग (वि०) निपुण, पूरा जानकार ।

ਬਿਣ बिण् Biṇ अ०
विना (अ०) बगैर, अभाव में, सिवा, अतिरिक्त ।

ਬਿਣਠ बिणठ् Biṇaṭh वि०
विनष्ट (वि०) नष्ट हुआ ।

ਬਿਣਠਣਾ बिणठ्णा Biṇāṭhṇā अक० क्रि०
विनश्यति (दिवादि अक०) विनष्ट होना, नष्ट होना ।

ਬਿੱਣਾ बिण्णा Biṇṇā सक० क्रि०
वयते / वयति (भ्वादि सक०) बिनना, बुनना ।

ਬਿਥਪਣਾ बिथप्णा Bithapṇā सक० क्रि०
स्थापयति (भ्वादि प्रेर०) स्थापित या प्रतिष्ठित करना ।

ਬਿਥਾਰ बिथार् Bithār पुं०
विस्तार (पुं०) लम्बा होने का भाव, फैलाव, बढ़ाव, वृद्धि ।

ਬਿਦੁਖਕ बिदुखक् Bidukhak पुं०
बिदूषक (पुं०) हँसोड़, मसखरा, मजाकिया ।

ਬਿੰਨਹਨਾ बिन्नहना Binnhanā सक० क्रि०
विध्यति (दिवादि सक०) बेधना, छेद करना ।

ਬਿਫਤਾ बिफ्ता Biphtā स्त्री०
विपदा (स्त्री०) विपदा, आफत ।

ਬਿਬਤਾ बिब्ता Bibtā स्त्री०
द्र०—ਬਿਫਤਾ ।

ਬਿਭੂ बिभू Bibhū पुं०
विभु (पुं०) प्रभु, स्वामी, सर्वव्यापक, ईश्वर; ब्रह्मा, विष्णु, महेश ।

ਬਿਮਣ बिमण् Bimaṇ वि०
विमनस् (वि०) उदास, खिन्न, अनमना; परेशान, विकल ।

ਬਿਰਹੁ बिर्हुँ Birhū पुं०
विरह (पुं०) वियोग, विछोह, जुदाई ।

ਬਿਰਛ बिरछ् Birach पुं०
वृक्ष (पुं०) वृक्ष, पेड़ ।

ਬਿਰਥਾ बिर्था Birthā स्त्री०
व्यथा (स्त्री०) पीड़ा, कष्ट, चिन्ता ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬਿਰਮਾਵਨਾ बिर्मावना Birmāvn⁻ अक० क्रि०
विरमते (भ्वादि अक०) विराम लेना, आराम करना।

ਬਿਰਾਜਾ बिराजा Birājā वि०
विराज (वि०) राजा से रहित।

ਬਿਰਿਛ बिरिछ् Birich पुं०
वृक्ष (पुं०) पेड़, पादप, रूख।

ਬਿਲਈਆ बिल्ईआ Bil-īā स्त्री०
विडाली (स्त्री०) बिल्ली।

ਬਿਲਮਬ बिलम्ब Bilamb पुं०
विलम्ब (पुं०) विलम्ब, देर।

ਬਿਲਰਿਆ बिल्रिआ Bilriā स्त्री०
द्र०—ਬਿਲਈਆ।

ਬਿਲਰੀਆ बिल्रीआ Bilrīā स्त्री०
द्र०—ਬਿਲਈਆ।

ਬਿਲੰਕ बिलंक् Bilaṅk पुं०
वेलाङ्क (पुं०) समुद्र के किनारे का भाग।

ਬਿੱਲ बिल्ल् Bill पुं०
विल्व (पुं०) बेल का वृक्ष।

ਬਿੱਲਮ बिल्लम् Billam पुं०
द्र०—ਬਿਲਮਬ।

ਬੀ बी Bī पुं०
बीज (नपुं०) बीज।

ਬੀ[1] बीं Bī पुं०
द्र०—ਬੀ।

ਬੀ[2] बीं Bī स्त्री०
वेतस् (पुं०) बेंत, वेत्र।

ਬੀਓ बीओ Bīo वि०
द्वितीय (वि०) दूसरा, अन्य, भिन्न।

ਬੀਅ बीअ Bīa पुं०
द्र०—ਬੀ।

ਬੀਆ बीआ Bīā वि०
द्र०—ਬੀਓ।

ਬੀਹ बीह् Bīh स्त्री०
वीथि (स्त्री०) गली, मार्ग।

ਬੀਖੂ बीखू Bīkhū पुं०
वृक्ष (पुं०) पेड़, पादप, रूख।

ਬੀਜੁਲ बीजुल् Bījul स्त्री०
विद्युत् (स्त्री०) बिजली, विद्युत्।

ਬੀਠਾ बीठा Bīṭhā वि०
विष्ठित (वि०) विशेष रूप से स्थित।

ਬੀਨ बीन् Bīn अ०
विना (अ०) वगैर, अभाव।

ਬੀਭਾ बीभा Bībhā पुं०
द्विधा (वि०) दूसरा, दूजा।

ਬੁਹਾਰ बुहार् Buhār पुं०
व्यवहार (पुं०) व्यापार, व्यवसाय।

ਬੁਹੰਬ बुहम्ब् Buhamb पुं०
भूकम्प (पुं०) भूकम्प, भूचाल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬੁਹੰਭ बुहम्भ् Buhambh पुं०
द्र०—ਬੁਹੰਬ ।

ਬੁਖਾਰੀ बुखारी Bukhārī स्त्री०
वक्षस्कार (पुं०) टोकरा, अन्नागार ।

ਬੁੱਡਣਾ बुड्ड्णा Buḍḍṇā अक० क्रि०
बूडति (तुदादि अक०) बूड़ना, डूबना, जल में डूबना ।

ਬੁਧ बुध् Budh पुं०
बुध (पुं०) बुधग्रह, बुधवार ।

ਬੁਨਹ बुनह् Bunah अ०
द्र०—ਬੁੱਨਹ ।

ਬੁਨਣਾ बुन्णा Bunṇā सक० क्रि०
वयति/ते (भ्वादि प्रेर०) बुनना; बँटना ।

ਬੁੱਨਹ बुन्नह् Bunnh अ०
बुध्न (नपुं०) नीचे, तल ।

ਬੂਡਨਾ बूड्ना Būḍnā अक० क्रि०
द्र० —ਬੁੱਡਨਾ ।

ਬੇਉਂਤਣਾ बेउँत्णा Beūtṇā सक० क्रि०
व्यवच्छिनत्ति (रुधादि सक०) काटना, छेदन करना ।

ਬੇਆਹ बेआह् Beāh पुं०
विवाह (पुं०) विवाह, शादी ।

ਬੇਆਹਣਾ बेआह्णा Beāhṇā सक० क्रि०
विवाहयति (भ्वादि प्रेर०) विवाह करना ।

ਬੇਇਲ बेइल् Beil पुं०
द्विहल्य (वि०) दो बार जोती हुई भूमि ।

ਬੇਸਣ बेसण् Besaṇ पुं०
वेसन (नपुं०) बेसन, चने का चूर्ण ।

ਬੇਹ[1] बेह् Beh स्त्री०
विष (नपुं०) जहर, विष ।

ਬੇਹ[2] बेह् Beh पुं०
वेध (पुं०) भेदन, छेदन ।

ਬੇਹਾਨ बेहान् Behān वि०
द्विहायन (वि०) दो वर्षों का ।

ਬੇਣਤੀ बेण्ती Beṇtī स्त्री०
विनति (स्त्री०) विनति, विनय, नम्रता ।

ਬੇਤੀ बेती Betī स्त्री०
वेत्री (स्त्री०) जानने वाली ।

ਬੇਰ बेर् Ber स्त्री०
बेला (स्त्री०) समय, काल ।

ਬੇਰੀ बेरी Berī अ०
वार (अ०) बारी, दफा ।

ਬੇਲ बेल् Bel स्त्री०
वेल्लि (स्त्री०) लता, बेल ।

ਬੇਲਣ बेलण् Belaṇ स्त्री०
वेल्लन (नपुं०) बेलन, जिससे रोटी आदि बेली जाती है ।

ਬੇਲਣਾ बेल्णा Belṇā सक० क्रि०
वेल्लति (भ्वादि प्रेर०) बेलना, बेलने की क्रिया ।

ਬੇਲਾ बेला Belā स्त्री०
वेला (स्त्री०) समय, काल ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਬੇਲੀ बेली Belī स्त्री०
द्र०—ਬੇਲ ।

ਬੇੜਾ बेड़ा Beṛā पुं०
वेडा (स्त्री०) बेड़ा, नाव, नौका ।

ਬੇੜ੍ਹਾ बेढ़ा Beṛhā पुं०
वेष्ट (पुं०) घेरा, चारदीवारी ।

ਬੈਹਣਾ बैह्णा Baihṇā अक० क्रि०
द्र०—ਬਹਣਾ ।

ਬੈਹਨੋਈ बैह्नोई Baihnoī पुं०
द्र०—ਬਨੋਈ ।

ਬੈਹੰਗਾ बैह्गा Baiṁgā पुं०
विहङ्गिका (स्त्री०) बहँगी, वह लकड़ी जिसके दोनों सिरों पर बोझ लटकाया जाता है ।

ਬੈਹੰਗੀ बैहंगी Baihangī स्त्री०
द्र०—ਬੈਹੰਗਾ ।

ਬੈਠਮਾਂ बैठ्मा Baiṭhmā पुं०
उपविष्ट (वि०) बैठा हुआ, बैठता हुआ ।

ਬੈਤਾਲੀ बैताली Baitālī वि०
द्विचत्वारिंशत् (स्त्री०) बयालीस, 42 ।

ਬੈਰ बैर् Bair पुं०
वैर (पुं०) वैर, शत्रुता ।

ਬੈਰੀ बैरी Bairī पुं०
वैरिन् (वि०) बैरी, शत्रु, दुश्मन ।

ਬੋਵਨਾ बोव्ना Bovnā सक० क्रि०
द्र०—ਬੋਣਾ ।

ਬਹੁਣਾ बौह्णा Bauhṇā अक० क्रि०
वसति (भ्वादि अक०) ठहरना, निवास करना ।

ਬੌਹਤ बौहत् Bauhat वि०
बहुत्व (नपुं०) बहुत, अधिक ।

ਬੌਹਤੇਰਾ बौह्तेरा Bauhterā पुं०
द्र०—ਬਬੇਰਾ ।

ਬੌਣਾ बौणा Bauṇā पुं०
वामन (वि०) बौना, ठिंगना ।

ਬੰਜ बंज् Bañj पुं०
द्र०—ਬਟਜ ।

ਬੰਛਣਾ बंछ्णा Bañchṇā सक० क्रि०
वाञ्छति (भ्वादि सक०) चाहना, इच्छा करना ।

ਬੰਝ बंझ् Bañjh पुं०
वंश (पुं०) बाँस ।

ਬੰਡ बण्ड् Baṇḍ पुं०
वण्ट (पुं०) हिस्सा, भाग, अंश ।

ਬੰਡਨਾ बण्ड्ना Baṇḍṇā सक० क्रि०
वण्टयति / ते (चुरादि प्रेर०) बाँटना, विभाग करना ।

ਬੰਡਾ बण्डा Baṇḍā पुं०
द्र०—ਬੰਡ ।

ਬੰਦਾ बन्दा Bandā पुं०
बन्दी/बन्दि (पुं०) कैदी, दास ।

ਬੰਮ੍ਹਣ बम्म्हण् Bammhaṇ पुं०
द्र०—ਬਰਹਮਣ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭ

ਭਉਂਹ भउँह् Bhaũh स्त्री०
भ्रू (स्त्री०) भौंह, भृकुटी ।

ਭਉਣ[1] भउण् Bhauṇ पुं०
भवन (नपुं०) घर, मकान, अधिष्ठान ।

ਭਉਣ[2] भउण् Bhauṇ पुं०
भ्रमण (नपुं०) भ्रमण, चक्कर ।

ਭਉਂਣਾ भउँणा Bhaũaṇā अक० क्रि०
भ्रमति (भ्वादि अक०) भ्रमण करना, घूमना-फिरना, चक्कर काटना ।

ਭਉ भऊ Bhaū पुं०
भय (नपुं०) डर, भीति, खौफ ।

ਭਉਆ भऊआ Bhaūā पुं०
भय (नपुं०) डर, भीति, खौफ।

ਭਇਆਣ भइआण् Bhaiāṇ वि०
भयानक (वि०) भयानक, डरावना ।

ਭਇਆਨ भइआन् Bhaiān वि०
द्र०—ਭਇਆਣ ।

ਭਇਅੰਤਿ भइअन्ति Bhaianti अक० वर्त० क्रि०
भवति (भ्वादि अक०) होना, रहना ।

ਭਸ भस् Bhas स्त्री०
भस्मन् (नपुं०) भस्म, राख ।

ਭਸਡਕਾਰ भसड्कार् Bhasaḍkār पुं०
भृशोद्गार (पुं०) अपच होने के कारण मुँह से निकली दुर्गन्धित डकार ।

ਭਸਨਾਭੂਸ भस्नाभूस् Bhasnābhūs वि०
भस्मीभूत (वि०) सम्यक् भस्मसात्, बिल्कुल समाप्त ।

ਭਸਮਤੀ भस्मती Bhasmatī स्त्री०
रसवती (स्त्री०) रसोई ।

ਭਸਮਭੂਤ भसम्भूत् Bhasambhūt वि०
द्र०—ਭਸਨਾਭੂਸ ।

ਭਸਮਾ भस्मा Bhasmā स्त्री०
द्र०—ਭਸ ।

ਭਸਮਾਧਾਰੀ भस्माधारी Bhasmādhārī पुं०
भस्मधारिन् (वि०) शरीर पर भस्म रमाने वाला ।

ਭਸਮਾਭੂਤ भस्माभूत् Bhasmābhūt वि०
द्र०—ਭਸਨਾਭੂਸ ।

ਭਸਮਾਂਭੂਤ भस्माँभूत् Bhasmãbhūt वि०
द्र०—ਭਸਨਾਭੂਸ ।

ਭਸੂ भसू Bhasū स्त्री०
द्र०—ਭਸ ।

ਭੱਸਟ भस्सट् Bhassaṭ स्त्री०
द्र०—ਭਸ ।

ਭੱਸੜ भस्सड़् Bhassaṛ स्त्री०
भस्मर (वि०) धूलि-बहुल ।

ਭੱਸੀ भस्सी Bhassī स्त्री०
द्र०—ਭਸ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭਖ-ਅਭਖ भख्-अभख् Bhakh-Abhakh वि०
भक्ष्याभक्ष्य (वि०) भक्ष्य-अभक्ष्य, खाद्य-अखाद्य।

ਭਖਣ भखण् Bhakhaṇ अक० क्रि०
बभस्ति (जुहोत्यादि अक०) जलना।

ਭਖਨਾ भख्ना Bhakhnā अक० क्रि०
ध्रुक्षते (भ्वादि अक०) सुलगना, जलना।

ਭਖਾਰਨ भखारन् Bhakhāran स्त्री०
भिक्षुणी (स्त्री०) भिखारिन, भीख मांगने वाली स्त्री।

ਭਖਿਆਰਨ भखिआरन् Bhakhiāran स्त्री०
द्र०—ਭਖਾਰਨ।

ਭਖਿਆਰੀ भखिआरी Bhakhiārī पुं०
भिक्षुक (पुं०) भीख माँगने वाला, भिखारी।

ਭਗਤ भगत् Bhagat स्त्री०
भक्ति (स्त्री०) ईश्वर में अनुराग, ईश्वर की सेवा।

ਭਗਤਣ भग्तण् Bhagtaṇ स्त्री०
द्र०—ਭਗਤ।

ਭਗਤਵਛਲ भगत्वछल् Bhagat-vachal पुं०
भक्तवत्सल (वि०) भक्तों पर कृपा करने वाला।

ਭਗਤਵੱਛਲ भगत्वच्छल् Bhagat-vacchal वि०
द्र०—ਭਗਤਵਛਲ।

ਭਗਤਾ भग्ता Bhagtā पुं०
द्र०—ਭਗਤ।

ਭਗਤਿ भग्ति Bhgati स्त्री०
भक्ति (स्त्री०) ईश्वर में अनुराग या श्रद्धा, ईश्वर की सेवा।

ਭਗਤੁ भग्तु Bhagtu पुं०
द्र०—ਭਗਤ।

ਭਗਨੀ भग्नी Bhagnī स्त्री०
भगिनी (स्त्री०) बहिन।

ਭਚਾਲ भचाल् Bhacāl पुं०
भूचाल (पुं०) भूचाल, भूकम्प।

ਭਛਣਾ भछ्णा Bhachṇā सक० क्रि०
भक्षयति (भ्वादि प्रेर०) निगलना, भक्षण करना।

ਭੱਛ-ਅਭੱਛ भच्छ्-अभच्छ् Bhacch-Abhacch वि०
द्र०—ਭਖ-ਅਭਖ।

ਭਜਵਾਉਣਾ भज्वाउणा Bhajvāuṇā सक० क्रि०
भाजयति (भ्वादि प्रेर०) भजन करवाना।

ਭਜਾਈ भजाई Bhajāī स्त्री०
भातृजाया (स्त्री०) भाभी, भौजी।

ਭਟਕਣਾ भट्कणा Bhaṭkaṇā अक० क्रि०
भ्रश्यति/भ्रंशते (दिवादि/भ्वादि अक०) भटकना, गिरना।

ਭਟਿਆਣੀ भटिआणी Bhaṭiāṇī स्त्री०
भट्ट (पुं०) भाट, एक वर्ण-संकर जाति।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭੱਟ भट्ट् Bhaṭṭ पुं०
भ्राष्ट्र (नपुं, पुं०) भट्टी, दाना भूनने का पात्र।

ਭਠਿਆਰ भठिआर् Bhaṭhiār पुं०
भाष्ट्रागार (नपुं०) दाना भूनने का घर, भट्ठी।

ਭਠਿਆਰਣ भठिआरण् Bhaṭhiāraṇ स्त्री०
भट्टिनी (स्त्री०) भाँट की स्त्री, भाँट जाति की स्त्री।

ਭਠਿਆਲਾ भठिआला Bhaṭhiālā पुं०
द्र०—ਭਠਿਆਰ।

ਭਠਿਆਲੀ भठिआली Bhaṭhiālī स्त्री०
द्र०—ਭਠਿਆਰ।

ਭਠੂਹਰ भठूहर् Bahṭhūhar पुं०
भ्राष्ट्रपूर (नपुं०) भट्टी के तवे पर तैयार पक्वान्न, भठूरा।

ਭਠੂਹਰਾ भठूह्रा Bhaṭhūhrā पुं०
द्र०—ਭਠੂਹਰ।

ਭਠੋਰੂ भठोरू Bhaṭhorū पुं०
द्र०—ਭਠੂਹਰ।

ਭੱਡੂ भड्डू Bhaḍḍū पुं०
भाण्ड (नपुं०) भोजन बनाने का पात्र।

ਭਣਈ भण्ई Bhaṇ-ī स्त्री०
भागिनेयी (स्त्री०) बहिन की पुत्री।

ਭਣਨਾ भण्ना Bhaṇnā सक० क्रि०
भणति (भ्वादि सक०) कहना, बोलना।

ਭਣਵੱਯਾ भण्वय्या Bhaṇvayyā पुं०
द्र०—ਬਨੋਈ।

ਭਣਵੀਆ भण्वीआ Bhaṇvīā पुं०
द्र०—ਬਨੋਈ।

ਭਣੀਆ भणीआ Bhaṇīā पुं०
द्र०—ਬਨੋਈ।

ਭਣੂਜਾ भणूजा Bhaṇūjā पुं०
द्र०—ਬਨੋਈ।

ਭਣੇਜਾ भणेजा Bhaṇejā पुं०
भागिनेय (पुं०) भगिना, बहन का पुत्र।

ਭਣੇਜੀ भणेजी Bhaṇejī स्त्री०
भागिनेयी (स्त्री०) भाँजी, बहन की लड़की।

ਭਣੋਈ भणोई Bhaṇoi पुं०
द्र०—ਬਨੋਈ।

ਭਣੋਯਾ भणोया Bhaṇoyā पुं०
द्र०—ਬਨੋਈ।

ਭਤਰੀਆ भत्रीआ Bhatrīā पुं०
भ्रातृज (पुं०) भतीजा, भाई का पुत्र।

ਭਤਰੀਜਾ भत्रीजा Bhatrījā पुं०
भ्रातृज (पुं०) भतीजा, भाई का पुत्र।

ਭਤਰੀਜੀ भत्रीजी Bhatrījī स्त्री०
भ्रातृजा (स्त्री०) भतीजी, भाई की पुत्री।

ਭਤਰੀਯਾ भत्रीया Bhatrīyā पुं०
द्र०—ਭਤਰੀਆ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭਤੀਜ भतीय् Bhatīy स्त्री०
द्र०—ਭਤਰੀਆ ।

ਭਤੀਜਾ भतीया Bhatīyā पुं०
द्र०—ਭਤਰੀਜਾ ।

ਭਤੇਰ भतेर् Bhater पुं०
भर्तृ (वि० / पुं०) वि०—भरण करने वाला, स्वामी । पुं०—पति, भर्ता ।

ਭਤ੍ਰੀਈ भत्रीई Bhatṛī-ī स्त्री०
भ्रात्रीया (स्त्री०) भतीजी, भाई की पुत्री ।

ਭਤ੍ਰੀਜਾ भत्रीया Bhatrīyā पुं०
द्र०—ਭਤਰੀਆ ।

ਭਦਈ भद्ई Bhad-ī स्त्री०
भाद्रपदीय (वि०) भादों से सम्बन्धित फसल आदि ।

ਭਦਾ भदा Bhadā पुं०
अभद्र (वि०) भद्दा, कुरूप, बेढब ।

ਭੱਦਰ भद्दर् Bhaddar वि०
भद्र (वि०) भला, शुभ, मंगलमय ।

ਭੱਦਰ-ਕਾਲੀ भद्दर्-काली Bhaddar-Kālī स्त्री०
भद्रकाली (स्त्री०) भद्रकाली, दुर्गा देवी ।

ਭੱਦਰਾ भद्द्रा Bhaddrā पुं०
भाद्रपद (नपुं०) भादो मास ।

ਭੱਦਰਾਂ भद्दराँ Bhaddarā स्त्री०
भद्रा (स्त्री०) भद्रा, ज्योतिष का एक अशुभ योग ।

ਭਦ੍ਰਕਾ भद्रका Bhadrakā स्त्री०
भद्रा / भद्रकाली (स्त्री०) चण्ड-मुण्ड राक्षसों को मारने वाली दुर्गा देवी ।

ਭਨੀਜਾ भनीया Bhanīyā पुं०
द्र०—ਬਨੋਈ ।

ਭਨੋਈ भनोई Bhanoī पुं०
द्र०—ਬਨੋਈ ।

ਭਨੋਈਆ भनोईआ Bhanoīā पुं०
द्र०—ਬਨੋਈ ।

ਭੱਪਾ भप्पा Bhappā पुं०
भक्त (नपुं०) भात, पका चावल ।

ਭੱਫਨ भप्फन् Bhapphan पुं०
पक्ष्मन् (नपुं०) पलक, आँखों की बरौनी ।

ਭਬੂਤ भबूत् Bhabūt स्त्री०
भूति (स्त्री०) भस्म, राख ।

ਭਬੂਤੀ भबूती Bhabūtī स्त्री०
द्र०—ਭਬੂਤ ।

ਭਭੂਤ भभूत Bhabhūt स्त्री०
द्र०—ਭਬੂਤ ।

ਭਯਾ भया Bhayā पुं०
भ्रातृ (पुं०) भाई, भ्राता ।

ਭਯਾਨਾ भयाना Bhayānā पुं०
भियान (वि०) डरा हुआ, बेचैन, उत्तेजित ।

ਭਰਤਰਖ भर्तरख् Bhartarakh पुं०
भरतर्षभ (पुं०) भरतवंशियों में श्रेष्ठ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭਰਤਾਰ भर्तार Bhartār पुं०
भर्ता (वि० / पुं०) वि०—पालन करने वाला। पुं०—पति, स्वामी।

ਭਰੱਪਾ भरप्पा Bharappā पुं०
भातृपण / भातृत्व (नपुं०) भ्रातृत्व, भाईपना।

ਭਰਭਾ भर्भा Bharbhā पुं०
भारवाह (वि०) भार ढोने वाला, भारवाहक।

ਭਰਮਿਤਾ भर्मिता Bharmitā वि०
भ्रमित (वि०) भ्रम से युक्त।

ਭਰਮੰਡ भर्मण्ड Bharmaṇḍ पुं०
ब्रह्माण्ड (नपुं०, पुं०) ब्रह्माण्ड, अण्डाकार भुवनकोश, जिसके भीतर से यह सारा जगत् उत्पन्न हुआ।

ਭਰਵਾਤ भर्वात् Bharvāt पुं०
प्रभात (नपुं०) सुबह, सवेरा।

ਭਰਾਉ भराउ Bharāu पुं०
भातृ (पुं०) भ्राता, भाई।

ਭਰਿਸ਼ਟ भरिशट् Bhariśaṭ वि०
भ्रष्ट (वि०) गिरा हुआ, पतित; भूला-भटका, धर्म से च्युत।

ਭਰਿਸਟਣਾ[1] भरिस्टणा Bharisṭaṇā
सक० क्रि०
भ्रंसयति (भ्वादि प्रेर०) भ्रष्ट करना, पतित बनाना, नीचे गिराना।

ਭਰਿਸਟਣਾ[2] भरिस्टणा Bharisṭaṇā
अक० क्रि०
भ्रंसते (भ्वादि अक०) भ्रष्ट होना, पतित होना, नीचे गिरना।

ਭਰਿਸ਼ਟਣਾ भरिश्टणा Bhariśṭaṇā
सक० क्रि०
भ्रंशयति (भ्वादि प्रेर०) भ्रष्ट करना, नीचे गिराना, पतित बनाना।

ਭਰਿਸ਼ਟਿਆ भरिश्टिआ Bhriśaṭiā वि०
द्र०—ਭਰਿਸ਼ਟ।

ਭਰੀਆ भरीआ Bharīā वि०
भरित (वि०) भरा हुआ, पूर्ण।

ਭਰੁਆ भरुआ Bharuā वि०
द्र०—ਭਰੁਵਾ।

ਭਰੁਵਾ भरुवा Bharuvā पुं०
भण्ड (पुं०) भाँड़, विदूषक; वर्ण-संकर-जाति।

ਭਰੂਆ भरूआ Bharūā पुं०
द्र०—ਭਰੁਵਾ।

ਭਵਿੱਸ भविस्स् Bhaviss पुं०
भविष्यत् (वि०) भविष्य, अनागत काल।

ਭਵਿਖ भविख् Bhavikh पुं०
द्र०—ਭਵਿੱਸ।

ਭਵਿਖਤ भविखत् Bhavikhat पुं०
द्र०—ਭਵਿੱਸ।

ਭਵਿੱਛ भविच्छ् Bhavicch पुं०
द्र०—ਭਵਿੱਸ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭਵੰਗ भवंग् Bhavang पुं०
भुजङ्ग (पुं०) सर्प, साँप ।

ਭਾ भा Bhā पुं०
द्र०—ਭਰਾਉ ।

ਭਾਉਣੀ भाउणी Bhāuṇī स्त्री०
भावना (स्त्री०) कल्पना, विचार ।

ਭਾਇਪ भाइप् Bhāip पुं०
द्र०—ਭੁੱਪਣ ।

ਭਾਇਰ भाइर् Bhāir पुं०
द्र० —ਭਰਾਉ ।

ਭਾਈ भाई Bhāī पुं०
द्र०—ਭਾ ।

ਭਾਸ[1] भास् Bhas पुं०
द्र०—ਭਾਹਿ ।

ਭਾਸ[2] भास् Bhās पुं०
वाष्प (नपुं०) भाप, वाष्प, गैस ।

ਭਾਸ਼ਨ भाशन् Bhāśan पुं०
भाषण (नपुं०) व्याख्यान, प्रवचन ।

ਭਾਸਮਾਣ भास्माण् Bhāsmāṇ वि०
भासमान (वि०) भासमान, चमकीला ।

ਭਾਸਰਨਾ भासर्ना Bhāsarnā सक० क्रि०
भाषते (भ्वादि सक०) कहना, बोलना ।

ਭਾਹਿ भाहि Bh hi स्त्री०
भास (पुं०) आभा, चमक; कल्पना, अनुमान ।

ਭਾਖਿਆ भाखिया Bhākhiā स्त्री०
भाषा (स्त्री०) भाषा, वाणी ।

ਭਾਗਮਾਨ भाग्मान् Bhāgmān वि०
भाग्यवत् (वि०) भाग्यवान् ।

ਭਾਗਵਾਨ भाग्वान् Bhāgvān पुं०
द्र०—ਭਾਗਮਾਨ ।

ਭਾਗਾਰਥੀ भागार्थी Bhāgārṭhī पुं०
भागार्थिन् (वि०) हिस्सा चाहने वाला ।

ਭਾਂਡ भांड् Bhāḍ पुं०
भाण्ड (नपुं०) पात्र, बर्तन ।

ਭਾਂਡਨਾ भांड्ना Bhāḍnā अक० क्रि०
भण्डते (भ्वादि सक०) निन्दा करना, बदनाम करना, उपहास करना ।

ਭਾਦ੍ਰੋਂ भाद्रों Bhādrō पुं०
भाद्रपद (पुं०) भाद्रपद मास, भादो ।

ਭਾਨਜਾ भानजा Bhānjā पुं०
द्र०—ਭਣੇਜਾ ।

ਭਾਨਣਾ भान्णा Bhānṇā सक० क्रि०
भनक्ति (रुधादि सक०) तोड़ना, मोड़ना ।

ਭਾਪ भाप् Bhāp स्त्री०
वाष्प (नपुं०) भाप, बाष्प ।

ਭਾਰੁ भारु Bhāru वि०
भासुर (वि०) प्रकाशयुक्त, चमकीला ।

ਭਾਵਕ भावक् Bhāvak वि०
भावुक (वि०) सहृदय, कोमल-चित्त, रसज्ञ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭਾਵਕਤਾ भावक्ता Bhāvaktā स्त्री०
भावुकता (स्त्री०) सहृदयता, कोमल-चित्तता।

ਭਾਵਰੀ भाव्री Bhāvrī स्त्री०
भ्रामरी (स्त्री०) भाँवर, परिक्रमा, प्रदक्षिणा।

ਭਾਂਵਰੀ भाँव्री Bhāvrī स्त्री०
द्र०—ਭਾਵਰੀ।

ਭਿਆਵਨਾ भिआव्ना Bhiāvnā वि०
द्र०—ਭਜਾਨਾ।

ਭਿਖਜ भिखज् Bhikhaj पुं०
भिषक् (पुं०) वैद्य, चिकित्सक।

ਭਿਖਾਰੀ भिखारी Bhikhārī वि०
भिक्षाचर (वि०) भिखारी, कंगाल।

ਭਿਖਿਆ भिखिआ Bhikhiā स्त्री०
द्र०—ਭਿਛਿਯਾ।

ਭਿਛਿਯਾ भिछ्या Bhichyā स्त्री०
भिक्षा (स्त्री०) भिक्षा, भीख।

ਭਿਤ੍ਰ भित्र् Bhitr वि०
भीत (वि०) भयभीत, डरा हुआ।

ਭਿਪਣ भिपण् Bhipaṇ पुं०
पक्ष्मन् (नपुं०) नेत्र की पलक।

ਭਿਰੰਗ भिरंग् Bhirang पुं०
भृङ्ग (पुं०) भौंरा, भ्रमर।

ਭੀਸਮ भीसम् Bhīsam वि०/पुं०
भीष्म (वि०/पुं०) वि०—भयावह, डरावना। पुं०—शिव; भीष्म पितामह।

ਭੀਕਰ भीकर् Bhīkar वि०
भयंकर (वि०) भयावह, डरावना, खतरनाक।

ਭੀਤ भीत् Bhīt वि०
द्र०—ਭਿਤ੍ਰ।

ਭੀਤਾ भीता Bhītā स्त्री०
भित्ति (स्त्री०) भीत, दीवाल।

ਭੁਈਂ भुइँ Bhuī स्त्री०
भूमि (स्त्री०) भूमि, धरती।

ਭੁਕਤੀ भुक्ती Bhuktī स्त्री०
भुक्ति (स्त्री०) मोक्ष, छुटकारा।

ਭੁਖਾਨਿ भुखानि Bhukhāni स्त्री०
बुभुक्षाग्नि (पुं०) भूख की आग।

ਭੁਖਾਨੀ भुखानी Bhukhānī स्त्री०
द्र०—ਭੁਖਾਨਿ।

ਭੁੱਖ भुक्ख् Bhukkh स्त्री०
बुभुक्षा (स्त्री०) भूख, क्षुधा।

ਭੁੱਖਾਣ भुक्खाण् Bhukkhāṇ वि०
बुभुक्षित (वि०) भूखा।

ਭੁੰਚਾਲ भुंचाल् Bhuñcāl पुं०
द्र०—ਭਚਾਲ।

ਭੁੱਜਣਾ भुज्ज्णा Bhujjṇā अक० क्रि०
द्र०—ਭੁੱਜਨਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭੁੱਜਨਾ भुज्जना Bhujjnā सक० क्रि०
भर्जते (भ्वादि सक०) भूनना ।

ਭੁਟ भुट् Bhut वि०
स्फुट (वि०) साफ, स्पष्ट ।

ਭੁਨਸਾਰ भुन्सार् Bhunsār पुं०
भानुनिस्सार (पुं०) प्रातः काल, भोर, सवेरा, सूर्य निकलने की वेला ।

ਭੁੱਨਨਾ भुन्नना Bhunnnā पुं०
भर्जन (नपुं०) भूंनने का भाव ।

ਭੁਰਜ ਪੱਤਰ भुरज् पत्तर् Bhuraj Pattar पुं०
भूर्जपत्र (नपुं०) भोजपत्र ।

ਭੁਵ भुव् Bhuv स्त्री०
भूमि (स्त्री०) पृथ्वी, जमीन, धरती ।

ਭੁਵਾਰ भुवार् Bhuvār पुं०
भूपाल (पुं०) पृथ्वी का पालन करने वाला, राजा ।

ਭੁਵੀਂ भुवीं Bhuvī स्त्री०
भूमि (स्त्री०) भूमि, धरती, पृथ्वी ।

ਭੂੰਈ भूंई Bhūī स्त्री०
द्र०—ਭੁਵੀ ।

ਭੂੰਸਲਾ भूंस्ला Bhūslā वि०
धूसर (वि०) मटमैला ।

ਭੂਛ भूछ् Bhūch पुं०
भ्रेष (पुं०) गुमराह, पथभ्रष्ट ।

ਭੂਤਵਸਿ भूत्वसि Bhūtvasi पुं०
वशीभूत (नपुं०) वश में करनेका भाव ।

ਭੂਤੀ भूती Bhūtī स्त्री०
द्र०—ਭਬੂਤ ।

ਭੂਮੀ भूमी Bhūmī स्त्री०
भूमि (स्त्री०) भूमि, धरती, पृथ्वी ।

ਭੂਰਾ भूरा Bhūrā वि०
द्र०—ਭੂੰਸਲਾ ।

ਭੂਰੁੰਡੀ भूरुण्डी Bhūruṇḍī पुं०
भूरुण्डिन् (पुं०) अजिहा वृक्ष, जो जमीन पर फैला रहता है ।

ਭੇ भे Bhe पुं०
बिस (नपुं०) कमल-नाल, कमल-दण्ड जिसकी सब्जी बनती है ।

ਭੇਉ भेउ Bheu पुं०
भेद (पुं०) भिन्नता, अलगाव, परिवर्त्तन ।

ਭੇਹ भेह् Bheh पुं०
द्र०—ਭੇ ।

ਭੇਖ भेख् Bhekh पुं०
वेष (पुं०) वेश-भूषा, पोशाक ।

ਭੇਡਾਰ भेडार् Bheḍār पुं०
भेड़ (पुं०) भेंड़, मेष ।

ਭੇਡਾਰਾ भेडारा Bheḍārā पुं०
द्र०—ਭੇਡਾਰ ।

ਭੇਡੀ भेडी Bheḍī पुं०
द्र०—ਭੇਡਾਰ ।

ਭੈਆਨ भैआन् Bhaiān वि०
द्र०—ਭਯਾਨਾ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਭੋਂ भों Bhō स्त्री०
द्र०—ਭੁਵੀਂ ।

ਭੋਅ भोअ Bhoa पुं०
बुस (नपुं०) भूसा, भूसी ।

ਭੋਇ भोइ Bhoī स्त्री०
द्र०—ਭੁਵੀਂ ।

ਭੋਹਰਾ भोह्‌रा Bhohrā पुं०
भौमधर (पुं०) तहखाना, अन्तःप्रकोष्ठ ।

ਭੋਂਚਾਲ भोंचाल् Bhōcāl पुं०
द्र०—ਭਚਾਲ ।

ਭੌ भौ Bhau पुं०
द्र०—ਭਉਆ ।

ਭੌਂਹ भौंह् Bhaūh पुं०
द्र०—ਭਉਂਹ ।

ਭੌਂਣਾ भौंणा Bhaūṇā अक० क्रि०
भ्रमति (भ्वादि अक०) घूमना, भ्रमण करना ।

ਭੌਤਕ भौतक् Bhautak वि०
भौतिक (वि०) भौतिक, सांसारिक ।

ਭੌਂਨਾ भौंना Bhaūnā अक० क्रि०
द्र०—ਭੌਂਣਾ ।

ਭੌਂਰਾ भौंरा Bhaūrā पुं०
भ्रमर (नपुं०) भँवर, आवर्त, जलावर्त ।

ਭੌਂਰੀ भौंरी Bhaūrī स्त्री०
भ्रमरक (पुं०, नपुं०) घुंघराले बाल ।

ਭੰਗਾਰ भंगार् Bhaṅgār वि०
भङ्गुर (वि०) स्वयं नाश होने वाला, नाशवान् ।

ਭੰਚਾਲ भंचाल् Bhañcāl पुं०
द्र०—ਭਚਾਲ ।

ਭੰਞ भंञ् Bhaññ पुं०
भजन (पुं०) नाम-कीर्तन, सेवा-उपासना ।

ਭੰਡੇਆਰ भण्डेआर् Bhaṇḍe r पुं०
भाण्डागार (नपुं०) भण्डार, गोदाम ।

ਭੰਬ भंब् Bhamb पुं०
भूकम्प (पुं०) भूस्खलन, भूचाल ।

ਭ੍ਰੱਪਣ भ्रप्पण् Bhrappaṇ पुं०
भातृपण / भातृत्व (नपुं०) भातृत्व, भाइपना ।

ਭ੍ਰੱਪਾ भ्रप्पा Bhrappā पुं०
द्र०—ਭ੍ਰੱਪਣ ।

ਭ੍ਰਾ भ्रा Bhrā पुं०
द्र०—ਭਰਾਉ ।

ਭ੍ਰਿਸ਼ਟ भ्रिशट् Bhrīśat वि०
द्र०—ਭਰਿਸ਼ਟ ।

ਭ੍ਰਿਤਿਆ भ्रितिआ Bhritiā पुं०
भृत्य (पुं०) नौकर, सेवक ।

ਮ

ਮਉਸ मउस् Maus स्त्री०
अमावस्या (स्त्री०) अमावस्या, अमावस ।

ਮਓਰੀ मओरी Maorī स्त्री०
मातृ (स्त्री०) माता, जननी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਇਓਦਧਿ मइओदधि Maiodadhi पुं०
महोदधि (पुं०) समुद्र, सागर।

ਮਸ਼ਕ मशक् Maśak पुं०
मशक (पुं०) मशक, मच्छर।

ਮਸ਼ਕਣਾ मसक्णा Masakṇā सक० क्रि०
मषति (भ्वादि सक०) मसकना; दबाना; फाड़ना।

ਮਸ਼ਟਾਨ मश्टान् Maśṭān पुं०
मिष्टान्न (नपुं०) मिष्टान्न, मिठाई।

ਮਸਯਾ मस्या Masyā स्त्री०
अमावस्या (स्त्री०) अमावस, कृष्णपक्ष की अन्तिम तिथि।

ਮਸਾਂਤ मसाँत् Masāt स्त्री०
मासान्त (पुं०) मास का अन्तिम दिन।

ਮਸਾਨੀ मसानी Masānī पुं०
श्मशानिक (वि०) श्मशान में मुर्दा जलाने वाला।

ਮਸਾਨੀਆ मसानीआ Masānīā पु०
द्र०—ਮਸਾਨੀ।

ਮਸੂਰ मसूर् Masūr पुं०
मसूर (पुं०) मसूर की दाल।

ਮਸੂਹੜਾ मसूह्ड़ा Masūhṛā पुं०
मांसपुटक (नपुं०) मसूड़ा।

ਮਸੇਹਸੁ मसेह्सु Masehsu स्त्री०
द्र०—ਮਸੇਹਸ਼।

ਮਸੇਰ-ਭਾਈ मसेर्-भाई Maser-Bhāī पुं०
मातृष्वस्रीय (नपुं०) मौसेरा भाई।

ਮੱਸੂ मस्सू Massū स्त्री०
श्मश्रु (नपुं०) मूँछ।

ਮਹਸਾਈ मह्साई Mahsāī पुं०
महेश (पुं०) महेश, भगवान् शिव।

ਮਹਖਾਸਾ मह्खासा Mahkhāsā पुं०
महिषासुर (पुं०) महिषासुर, जिसे दुर्गा ने मारा था।

ਮਹਜਾਸ मह्जास् Mahjās वि०
महायशस् (वि०) महान् यशस्वी, बड़े यश वाला।

ਮਹੱਤ महत्त् Mahatt पुं०
महत्त्व (नपुं०) महिमा, बड़प्पन।

ਮਹਾਇਣ महाइण् Mahāiṇ पुं०
महाजन (पुं०) महान् जनसमूह, भीड़।

ਮਹਾਹੈਣ महाहैण् Mahāhaiṇ पुं०
द्र०—ਮਹਾਇਣ।

ਮਹਾਥ महाथ् Mahāth पुं०
महामात्र (पुं०) महावत, हस्तिचालक।

ਮਹਾਵਤੀ महाव्ती Mahāvtī पुं०
द्र०—ਮਹਾਥ।

ਮਹਿ महि Mahi क्रि० वि०
मध्य (क्रि० वि०) मध्य में, बीच में।

ਮਹਿਤਾਈ महिताई Mahitāī स्त्री०
महत्ता (स्त्री०) महत्ता, महत्त्व, बड़प्पन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

ਮਹਿੰਦ महिन्द् Mahind पुं०
महेन्द्र (पुं०) महेन्द्र, इन्द्र देवता ।

ਮਹੀਂ महीं Mahī स्त्री०
महिषी (स्त्री०) भैंस ।

ਮਹੀਉਂ महीउँ Mahīū स्त्री०
अहमेव (सर्व०) मैं ही ।

ਮਹੀਣ महीण् Mahīṇ वि०
मात्स्न (पुं० वि०) महीन, बारीक ।

ਮਹੀਭ੍ਰਿਤ महीभ्रित् Mahībhrit पुं०
महीभृत् (पुं०) राजा; पर्वत ।

ਮਹੀਯਰ महीयर् Mahīyar पुं०
महिषचर (पुं०) भैंस का चरवाहा ।

ਮਹੁਰ महुर् Mahur पुं०
मसूर (पुं०) मसूर की दाल ।

ਮਹੇਣਮਾਂ महेण्माँ Maheṇmā पुं०
मन्दधैनव (नपुं०) कम दूध, दुग्धाल्पता ।

ਮਹੇਲਾ म्हेला Mhelā पुं०
माष (पुं०) उड़द की दाल; सेम ।

ਮਹੈਂਸ म्हैंस् Mhaīs स्त्री०
महिषी (स्त्री०) भैंस ।

ਮਹੈਣ म्हैण् Mhaiṇ पुं०
द्र०—ਮਹਾਇਣ ।

ਮਹੋ महो Maho स्त्री०
द्र०—ਮਹੀਉਂ ।

ਮਕ मक् Mak स्त्री०
मर्कक > मर्कटक (पुं०) मक्का, मकई अन्न ।

ਮਕਰਕਾ मकर्का Makarkā स्त्री०
मर्कटी (स्त्री०) मकड़ी ।

ਮਕਰਕੀ मकर्की Makarkī स्त्री०
द्र०—ਮਕਰਕਾ ।

ਮਖੀ मखी Makhī स्त्री०
मक्षा/मक्षिका (स्त्री०) मक्खी ।

ਮਖੇਆਲ मखेआल् Makheāl पुं०
मक्षाकुल / माक्षकुलिक (नपुं०) मधु-मक्खी का छत्ता ।

ਮੱਘਰ मग्घर् Magghar पुं०
माघ (पुं०) माघ मास ।

ਮਛ मछ् Mach पुं०
मत्स्य (पुं०) बड़ी मछली ।

ਮੱਛਚਾਸ मच्छ्चास् Macchacās पुं०
मत्स्याश (वि०) मछली खाने वाला ।

ਮਛਰ मछर् Machar पुं०
मत्सर (पुं०) डाह, ईर्ष्या ।

ਮਜਾ मजा Majā क्रि० वि०
मध्य (क्रि० वि०) मध्य से, बीच से ।

ਮਜੀਟ मजीट् Majīṭ स्त्री०
मञ्जिष्ठा (स्त्री०) मजीठ, औषध-विशेष ।

ਮਜੀਠੁੜ मजीठुड़् Majīṭhuṛ वि०
द्र०—ਮਜੀਟ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਟਨਾ मट्ना Maṭnā पुं०
मृष्ट (नपुं०) मार्जन, प्रक्षालन ।

ਮਠਾਈ मठाई Maṭhāī स्त्री०
मिष्टान्न (नपुं०) मिठाई, मिष्टान्न ।

ਮਣੀਮੰਥਨਿ मणीमंथ्नि Maṇīmanthni स्त्री०
मस्तकमणि (पुं०) मस्तक की मणि, मुकुट की मणि ।

ਮਣੇਆਰਾ मणेआरा Maṇeārā पुं०
मणिकार (पुं०) मणिहार, चूड़ीहार ।

ਮਤਸ मतस् Matas पुं०
मत्स्य पुराण (नपुं०) मत्स्य पुराण ।

ਮੱਤ मत्त् Matt वि०
मत्त (वि०) मस्त, मतवाला; उन्मत्त,

ਮਦਰੋ मद्रो Madro स्त्री०
मदिरा (स्त्री०) मदिरा, शराब ।

ਮਦੁਤਕਟ मदुत्कट् Madutkaṭ वि०
मदोत्कट (वि०) मस्ती से युक्त, बहुत मदवाला ।

ਮਦੁਰਾ मदुरा Madurā स्त्री०
द्र०—ਮਦਰੋ ।

ਮਧਾਨਾ मधाना Madhānā पुं०
मन्थान (पुं०) मथानी, दही मथने का रई का डंडा ।

ਮਧਾਨੀ मधानी Madhānī स्त्री०
द्र०—ਮਧਾਨਾ ।

ਮਧਿਹਸਤੀ मधिहस्ती Madhihastī स्त्री०
मध्यस्थता (स्त्री०) मध्यस्थ होने का भाव या क्रिया ।

ਮਨੁਖਤਾ मनुख्ता Manukhtā स्त्री०
मनुष्यता (स्त्री०) मनुष्य का गुण, इन्सानियत ।

ਮਨੁੱਖਤਵ मनुक्ख्तव् Manukkhtav पुं०
मनुष्यत्व (नपुं०) मनुष्यता, इन्सानियत, मानवता ।

ਮਨੂਰ मनूर् Manūr पुं०
मण्डूर (नपुं०) लोहे की मैल; मण्डूर भस्म ।

ਮਨੋਗ मनोग् Manog पुं०
मनोज्ञ (वि०) मन पर प्रभाव डालने वाला, सुन्दर, मनोहर ।

ਮੰਨਨਾ मन्नना Mannanā सक० क्रि०
मन्यते (दिवादि सक०) मानना, विश्वास करना ।

ਮਪਤਾ मप्ता Maptā स्त्री०
मापता (स्त्री०) माप का भाव, मापत्व ।

ਮਮ मम् Mam सर्व०
मम (सर्व० षष्ठ्यन्त) मेरा ।

ਮਮੁਖਤਾ ममुख्ता Mamukhtā स्त्री०
मुमुक्षुता (स्त्री०) मोक्ष के इच्छुक व्यक्ति का भाव ।

ਮਯਨ मयन् Mayan पुं०
मदन (पुं०) कामदेव, मन्मथ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਯਾ मया Mayā स्त्री०
माया (स्त्री०) कपट, छल, दया, कृपा।

ਮਰਸ मरस् Maras पुं०
मर्श (पुं०) विमर्श, विचार, सलाह।

ਮਰਖ मरख् Marakh पुं०
मर्ष (पुं०) सहनशीलता, क्षमा।

ਮਰਚਾਂ मर्चाँ Marcā स्त्री०
मरिच / मरीच (नपुं०) काली मिर्च, मिर्च।

ਮਰਤ मरत् Marat पुं०
मरुत् (पुं०) वायु, हवा।

ਮਰਤੁ मर्तु Martu पुं०
द्र०—ਮਰਤ।

ਮਰੱਤਬਾਨ मरत्तबान् Marattbān पुं०
मृद्भाण्ड (नपुं०) मर्तबान, चीनी मिट्टी या शीशे का जार।

ਮਰਥਲ मर्थल् Marthal पुं०
मरुस्थल (नपुं०) मरुस्थल, रेगिस्तान।

ਮਰਨਾ मर्ना Marnā अक० क्रि०
म्रियते (तुदादि अक०) मरना, देह त्याग करना।

ਮਰਯਾ मर्या Maryā पुं०
मर्यादा (स्त्री०) सीमा, हद, अन्त; शिष्टता की मर्यादा।

ਮਲਨਾ मल्ना Malnā सक० क्रि०
मर्दन/मल्लन (नपुं०) मलना, मींजना।

ਮਲਾਨ मलान् Malān वि०
म्लान (वि०) मलिन, मुरझाया हुआ।

ਮਲਿਔਹਰਾ मलिऔह्रा Mali-Auhrā पुं०
मातुलश्वसुर (पुं०) ममेरा श्वसुर पति या पत्नी की माँ का भाई,

ਮਲੇਰ-ਬੈਣ मलेर्-बैण् Maler-Baiṇ स्त्री०
मातुलेयी (स्त्री०) ममेरी बहिन।

ਮਲੇਰ-ਭਾਈ मलेर-भाई Maler-Bhāī पुं०
मातुलेय (पुं०) ममेरा भाई, मामा का लड़का।

ਮੜ मड़् Maṛ पुं०
मर (पुं०) शव, मुर्दा।

ਮੜਾ मड़ा Maṛā पुं०
मरक (पुं०) शव, मुर्दा।

ਮਾਈਂ माईं Māī स्त्री०
मायु (पुं०, नपुं०) पित्त, पित्त-समूह।

ਮਾਸਾ मासा Māsā पुं०
मशक/माष (पुं०) मस्सा, एक चर्म रोग।

ਮਾਸੇਹਸ मासेहस् Māsehas स्त्री०
मातृष्वसृश्वश्रू (स्त्री०) मौसेरी सास।

ਮਾਸੇਹੋਰਾ मासेहोरा Māsehorā पुं०
मातृष्वसृश्वसुर (पुं०) मौसेरा श्वसुर।

ਮਾੱਸੀ मास्सी Māssī स्त्री०
मातृष्वसृ (स्त्री०) मौसी।

ਮਾਂਹ[1] माँह् Māh पुं०
मास (पुं०) मास, महीना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਾਂਹ² माँह् Māh क्रि० वि०
मध्ये (क्रि० वि०) मध्य में, बीच में, अन्दर।

ਮਾਹਖ माहख् Māhakh वि०
माहिष (वि०) भैंसका, भैंस से संबन्धित।

ਮਾਹਣੂ माह्णू Māhṇū पुं०
मानुष (पुं०) मनुष्य, मानव।

ਮਾਹਾ¹ माहा Māhā वि०
महत् (वि०) महान्, बड़ा।

ਮਾਹਾ² माहा Māhā क्रि० वि०
द्र०—ਮਾਂਹ²।

ਮਾਕੁਰੀ माकुरी Mākurī स्त्री०
मर्कटिका/मर्कटी (स्त्री०) मकड़ी।

ਮਾਖ माख् Mākh पुं०
माष (पुं०) उड़द, एक अन्न जिसकी दाल बनती है।

ਮਾਖੀ माखी Mākhī स्त्री०
मक्षिका (स्त्री०) मधुमक्षिका, मधुमक्खी।

ਮਾਂਗ माँग् Māg पुं०
मार्ग (पुं०) रास्ता, पथ, सड़क।

ਮਾਂਗਣੂ माँग्णू Māgṇū पुं०
मत्कुण (पुं०) मत्कुण, खटमल।

ਮਾਂਘ माँघ् Māgh स्त्री०
द्र०—ਮਾਂਗ।

ਮਾਂਜਾਰ माँजार् Mājār पुं०
मार्जार (पुं०) बिल्ला, नर बिल्ली।

ਮਾਝ माझ् Mājh क्रि० वि०
द्र०—ਮਾਂਹ²।

ਮਾਝਣ माझण् Mājhaṇ सक० क्रि०
मार्जयति / मार्जति (चुरादि सक०) माँजना, बर्तन आदि स्वच्छ करना, धोना।

ਮਾਝਾ माझा Mājhā वि०/पुं०
माध्य (वि०/पुं०) वि०—मध्य का, बीच का। पुं०—पंजाब के एक भाग नाम।

ਮਾੱਝਾ माज्झा Mājjhā पुं०
द्र०—ਮਾਝਾ।

ਮਾਣੀ¹ माणी Māṇī वि०
मानिन् (स्त्री०) मानी, स्वाभिमानी।

ਮਾਣੀ² माणी Māṇī स्त्री०
मान (नपुं०) परिमाण, वजन।

ਮਾਤਭਾਖਾ मात्भाखा Mātbhākhā स्त्री०
मातृभाषा (स्त्री०) मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा।

ਮਾਂਤਰੀ¹ मांत्री Māntrī पुं०
मन्त्रिन् (पुं०) मंत्री, मंत्रणा करने वाला, वजीर।

ਮਾਂਤਰੀ² माँत्री Māntrī पुं०
मान्त्रिक (पुं०) मंत्रवेत्ता, तान्त्रिक, ओझा।

ਮਾਤ੍ਰ मात्र् Mātr स्त्री०
मात्रा (स्त्री०) मात्रा, अक्षर की मात्रा।

ਮਾਂਦਲ मांदल् Māndal पुं०
मर्दल (पुं०) एक प्रकार का ढोल, मृदंग के आकार का एक प्रकार का वाद्य।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਾਧਾਣ माधाण् Mādhāṇ पुं०
मन्थान (पुं०) मथानी, रई।

ਮਾਧੁਰਜ माधुर्य् Mādhury पुं०
माधुर्य (नपुं०) मधुर का भाव, मिठास; प्रियता, स्नेह; काव्य का एक गुण।

ਮਾਨਕ मानक् Mānak पुं०
माणिक्य (नपुं०) गुलाबी या लाल रंग का एक रत्न।

ਮਾਨਣ मानण् Mānaṇ स्त्री०
मानिनी (स्त्री०) अभिमान करने वाली स्त्री; मानिनी (नायिका)।

ਮਾਨਨਾ मान्ना Mānnā सक० क्रि०
मन्यते (दिवादि सक०) स्वीकार करना; मनन करना, पूजना।

ਮਾਨੀ मानी Mānī वि०
द्र०—ਮਾਣੀ[1]।

ਮਾਨੁ मानु Mānu पुं०
मानव (पुं०) मनुष्य, नर।

ਮਾਨੁਖ मानुख् Mānukh पुं०
मानुष (पुं०) मनुष्य, मानव।

ਮਾਨੁਖਾ मानुखा Mānukhā पुं०
द्र०—ਮਾਨੁਖ।

ਮਾਨੁਖੀ मानुखी Mānukhī वि०
मानुषीय (वि०) मनुष्य-संबन्धी।

ਮਾਨੁੱਖ मानुक्ख् Mānukkh पुं०
द्र०—ਮਾਨੁਖ।

ਮਾਨੁੱਖਤਾ मानुक्खता Mānukkhtā स्त्री०
मानुषता (स्त्री०) मनुष्यता, मानवता।

ਮਾਪਿਰੀ मापिरी Māpirī वि०
ममप्रिय (वि०) मेरा प्रिय, मनोवाञ्छित।

ਮਾਮਤਾ मामता Māmtā स्त्री०
ममता (स्त्री०) ममता; ममत्व, मोह।

ਮਾੱਮਾ माम्मा Māmmā पुं०
माम (पुं०) मामा, माँ का भाई।

ਮਾੱਮੀ माम्मी Māmmī स्त्री०
मामी (स्त्री०) मामी, मामा की पत्नी।

ਮਾਲਣਾ माल्णा Mālṇā सक० क्रि०
म्रदते (भ्वादि सक०) कुचलना, नाश करना।

ਮਾਲੀ माली Mālī पुं०
मालिन् (स्त्री०) माली, उद्यान की देख-रेख करने वाला।

ਮਾੱਲਣ माल्लण् Māllaṇ स्त्री०
मालिनी (स्त्री०) फूलों का विक्रय करने वाली, माली की पत्नी।

ਮਾੱਲੀ माल्ली Māllī पुं०
द्र०—ਮਾਲੀ।

ਮਾਵਸ मावस् Māvas पुं०
अमावस्या (स्त्री०) अमावस्या, अमावस।

ਮਾਵਤ मावत् Māvat वि०
मत्त (वि०) मतवाला, नशे में मस्त।

ਮਿਸ मिस् Mis पुं०
मिष (पुं०) मिस, बहाना, छल।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਿਸੁ मिसु Misu पुं०
द्र०—ਮਿਸ ।

ਮਿਸਟ मिस्ट् Misṭ पुं०
मिष्ट (वि०) मीठा, मधुर, स्वादिष्ट ।

ਮਿਹਣਾ मिह्णा Mihṇā अक० क्रि०
मेथति (भ्वादि अक०) विरोध करना, झगड़ा करना ।

ਮਿਹਰੂ मिह्रू Mihrū स्त्री०
महिषरूप (वि०) भैंस, भैंस-जैसा ।

ਮਿਜ मिज् Mij स्त्री०
मज्जन (पुं०) मज्जा; गूदा, मांस और हड्डी के बीच का मज्जा ।

ਮਿਟਮੈਲਾ मिट्मैला Mitmailā वि०
मृन्मलिन (वि०) मटमैला, धूमिल ।

ਮਿੱਟੀ-ਦਾ-ਤੇਲ मिट्टी-दा-तेल् Miṭṭī-Dā-Tel पुं०
मृत्तैल (नपुं०) मिट्टी का तेल ।

ਮਿਣਤਰੀ मिण्तरी Miṇtarī स्त्री०
मिति (स्त्री०) मापना, माप-तौल, नापने की क्रिया ।

ਮਿਤਰਤਾਈ मितर्ताई Mitartāī स्त्री०
मित्रता (स्त्री०) मित्रता, मिताई ।

ਮਿਤਰਾਈ मित्राई Mitrāī स्त्री०
द्र०—ਮਿਤਰਤਾਈ ।

ਮਿੱਤਰਤਾਈ मित्तर्ताई Mittartāī स्त्री०
मित्रता (स्त्री०) मित्रता, मित्र का भाव ।

ਮਿੱਤੀ मित्ती Mittī स्त्री०
मृत्तिका (स्त्री०) मिट्टी, मृत्तिका ।

ਮਿਰਗਮੈ मिर्गमै Mirgamai स्त्री०
मृगमद (पुं०) मृगमद, कस्तूरी ।

ਮਿਰਗਲਾ मिरग्ला Miraglā पुं०
मृग (पुं०) हरिण ।

ਮਿਰਗੜਾ मिरग्ड़ा Miragṛā पुं०
द्र०—ਮਿਰਗਲਾ ।

ਮਿਰਗਾਏ मिर्गाए Mirgāe पुं०
मृगसस् (पुं०) पशु, जानवर, हिरण ।

ਮਿਰਗਾਨ मिर्गान् Mirgān पुं०
मृगाजिन (नपुं०) मृग-चर्म, मृग-छाला ।

ਮਿਰਜਾਦ मिर्जाद् Mirjād स्त्री०
मर्यादा (स्त्री०) मर्यादा, सीमा, हद ।

ਮਿਰਜਾਦਾ मिर्जादा Mirjādā स्त्री०
द्र०—ਮਿਰਜਾਦ ।

ਮਿਰਤਕ-ਪਿੰਡ मिर्तक्-पिण्ड् Mirtak-Piṇḍ पुं० ।
मृतकपिण्ड (पुं०, नपुं०) मृतक शरीर, शव ।

ਮਿਰਿਆ मिरिआ Miriā पुं०
द्र०—ਮਿਰਗਲਾ ।

ਮਿਰਿਆਦਾ मिर्यादा Miryādā स्त्री०
द्र०—ਮਿਰਜਾਦ ।

ਮਿਰਿਚ मिरिच् Miric स्त्री०
द्र०—ਮਰਚਾਂ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮਿਲਾਈਆ मिलाइआ Milāiā पुं०
मेलक (वि०) मिलाने वाला ।

ਮਿਲੇਛ मिलेछ् Milech पुं०
म्लेच्छ (वि०) अनार्य, मलेच्छ, जंगली जाति के लोग ।

ਮਿਲੇਛਣੀ मिलेछ्णी Milechṇī स्त्री०
म्लेच्छा (स्त्री०) मलेच्छा, अनार्य जाति की स्त्री ।

ਮਿੜਾ मिड़ा Miṛā स्त्री०
मृडा (स्त्री०) शिव की पत्नी, पार्वती, शिवा ।

ਮੀਂਹੜਾ मींह्ड़ा Mīhṛā पुं०
मेघ (पुं०) मेघ, बादल, वर्षा ।

ਮੀਹੀਂ मीहीं Mīhī पुं०
द्र०—ਮੀਂਹੜਾ ।

ਮੀਜਣਾ मीज्णा Mījṇā सक० क्रि०
मृद्नाति .(क्र्यादि सक०) मींजना, रौंदना, कुचलना ।

ਮੀਡਕ मीडक् Mīdak पुं०
द्र०—ਮੀਂਡਕ ।

ਮੀਂਡਕ मींडक् Mīḍak पुं०
मण्डूक (पुं०) मेढक, टड्डु ।

ਮੀਂਡੁਕ मींडुक् Mīḍuk पुं०
द्र०—ਮੀਂਡਕ ।

ਮੀਂਡੁਕੀ मींडुकी Mīḍukī स्त्री०
मण्डूकी (स्त्री०) मेढकी, मादा मेढक ।

ਮੀੱਢਾ मीड्ढा Mīḍḍhā पुं०
मेढ (पुं०) मेंढा, भेंड ।

ਮੀਤਾ मीता Mītā पुं०
मित्र (नपुं०) मित्र, मीत, दोस्त ।

ਮੀਂਧੀ मींधी Mīdhī स्त्री०
मेन्धिका (स्त्री०) मेंहदी ।

ਮੁਸਟ मुसट् Musaṭ पुं०
मुष्टिक (पुं०) पहलवान, कंस के अखाड़े का एक पहलवान ।

ਮੁਸਠੀ मुस्ठी Musṭhī स्त्री०
द्र०—ਮੁਸ਼ਟ ।

ਮੁਸਤ मुसत् Musat स्त्री०
द्र०—ਮੁਸਟ ।

ਮੁਸਨਾ मुस्ना Musnā सक० क्रि०
मुष्यते (भ्वादि कर्म वा०) चुरना, लुटना ।

ਮੁਸਿਯਾ मुसिया Musiyā वि०
मुषित (वि०) चुराया हुआ; जिसका धन लूट लिया गया हो ।

ਮੁਸੂਹੜਾ मुसूह्ड़ा Musūhṛā पुं०
मांसपुटक (नपुं०) मसूड़ा, दाँतों के ऊपर एवं नीचे का भाग ।

ਮੁਸੂੜਾ मुसूड़ा Musūṛā पुं०
द्र०— ਮੁਸੂਹੜਾ ।

ਮੁੱਸਣ मुस्सण् Mussaṇ सक० क्रि०
मुष्यते (भ्वादि कर्म वा०) लुटना, लुट जाना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੁਹਤ मुहत् Muhat पुं०
मुहूर्त्त (नपुं०) मुहूर्त्त; विवाह, यात्रा आदि के लिये शुभाशुभ काल।

ਮੁਹਤਕ मुह्तक् Muhtak क्रि० वि०
मुहूर्त्त (पुं०) मुहूर्त्त भर।

ਮੁਹਾਣ मुँहाण् Mũhāṇ पुं०
मुखायन (नपुं०) मुँहाना, नदी का समुद्र में प्रवेश-स्थल; नदी का स्रोत; दिशा, रुख।

ਮੁਹਿ मुहि Muhi स्त्री०
मुख (नपुं०) मुँह, चेहरा।

ਮੁੰਗ मुँग् Mũg स्त्री०
मुद्ग (पुं०) मूँग, एक प्रकार का अन्न जो दाल के काम आता है।

ਮੁੰਗਲੀ मुँग्ली Mũglī स्त्री०
मुग्दर (पुं०) मुँगरी; हथौड़ा, गदा, मोगरा।

ਮੁਛ मुछ् Much स्त्री०
श्मश्रु (नपुं०) मूँछ।

ਮੁੰਜਿਤ मुंजित् Mũjit वि०
मौञ्जिन् (वि०) मूँज का बना कटि-सूत्र धारण करने वाला ब्राह्मण, ब्रह्मचारी या साधु।

ਮੁਜੂਲਾ मुजूला Mujūlā पुं०
मुञ्जपूलक (पुं०) मूँज का गट्ठर।

ਮੁੰਝ मुञ्झ् Muñjh स्त्री०
मुञ्ज (पुं०) मूँज, एक घास जिसकी रस्सी बनायी जाती है।

ਮੁਞਣਾ मुंञ्णा Muñṇā सक० क्रि०
मुञ्चति/ते (तुदादि सक०) छोड़ना, मुक्त, करना।

ਮੁਟਕ मुटक् Muṭak पुं०
मुकुट (नपुं०) शिर का एक प्रसिद्ध आभूषण जो ताज की तरह धारण किया जाता है, किरीट।

ਮੁੰਢ मुँढ् Mũḍh पुं०
मूर्धन् (पुं०) शिर, मस्तक।

ਮੁਤ੍ਰਣ मुत्रण् Mutraṇ अक० क्रि०
मूत्रयति (चुरादि अक०) मूतना, मूत्र त्याग करना।

ਮੁੱਥਾ मुत्था Mutthā पुं०
मुस्त (नपुं, पुं०) मोथा, एक प्रकार की घास।

ਮੁਨਣ मुनण् Munaṇ सक० क्रि०
मुण्डति (भ्वादि सक०) मुण्डन करना, हजामत करना।

ਮੁਨਣਾ मुन्णा Munṇā सक० क्रि०
द्र०—ਮੁਨਣ।

ਮੁਮੁੱਛੂ मुमुच्छू Mumucchū वि०
मुमुक्षु (वि०) मोक्ष पाने की इच्छा रखने वाला, मोक्ष का इच्छुक।।

ਮੁਰਛਾਯੋ मुर्छायो Murchāyo वि०
मूर्च्छित (वि०) मूर्च्छा को प्राप्त, चेतना-हीन, बेहोश।

ਮੁਰਵੀ मुर्वी Murvī स्त्री०
मौर्वी (स्त्री०) रस्सी, धनुष की डोरी।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੁਲ मुल् Mul पुं०
मूल्य (नपु०) मूल्य, कीमत ।

ਮੁਲਿਆਂਕਣ मुलियांकण् Muliāṅkaṇ पुं०
द्र०—ਮੁੱਲਅੰਕਣ ।

ਮੁੱਲਅੰਕਣ मुल्लअंकण् Mull-aṅkaṇ पुं०
मूल्याङ्कन (नपुं०) मूल्यांकन ।

ਮੂਸਕ मूसक् Mūsak पुं०
मूष (पुं०) मूसक, चूहा ।

ਮੂਸਤ मूसत् Mūsat वि०
मुषित (वि०) चुराया हुआ ।

ਮੂਸੂਹੜਾ मूसूह्ड़ा Mūsūhṛā पुं०
मांसपुटक (नपुं०) मसूड़ा ।

ਮੂਸੂੜਾ मूसूड़ा Mūsūṛā पुं०
द्र०—ਮਸੂਹੜਾ ।

ਮੂਹਰਤ मूह्रत् Mūhrat पुं०
मुहूर्त्त (नपुं०, पुं०) मुहुर्त्त, विवाहादि के लिये शुभाशुभ काल ।

ਮੂਹਲਾ मूह्ला Mūhlā पुं०
मूसल (पुं०, नपुं०) मूसल जिससे अनाज की भूसी निकाली जाती है ।

ਮੂਹੜ मूहड़् Mūhaṛ पुं०
मूथ (वि०) मूढ़, मूर्ख ।

ਮੂਹੜਤਾ मूहड़्ता Mūhaṛtā स्त्री०
मूढता (स्त्री०) मूढ़ता, मूर्खता ।

ਮੂਹੜਤਾਈ मूहड़्ताई Mūhaṛtāī स्त्री०
द्र०—ਮੂਹੜਤਾ ।

ਮੂਹੁੜ मूहुड़् Mūhuṛ वि०
द्र०—ਮੂਹੜ ।

ਮੂਹੁੜਤਾਈ मूहुड़्ताई Mūhuṛtāī स्त्री०
द्र०—ਮੂਹੜਤਾਈ ।

ਮੂਕਾ मूका Mūkā पुं०
मुष्टिका (स्त्री०) मुक्का ।

ਮੂਖ मूख् Mūkh वि०
मूर्ख (वि०) मूर्ख, मूढ़ ।

ਮੂੰਗੀ मूंगी Mūgī स्त्री०
मुद्ग (पुं०) मूंग, एक प्रकार की दाल ।

ਮੂਚ मूच् Mūc वि०
उच्च (वि०) ऊँचा, महान् ।

ਮੂਛਤ मूछत् Mūchat वि०
मूर्च्छित (वि०) मूर्च्छा को प्राप्त, चेतना-हीन, बेहोश ।

ਮੂਛਾਗਤ मूछागत् Mūchāgat वि०
मूर्च्छागत (वि०) मूर्च्छायुक्त, मूर्च्छित ।

ਮੂਠਾ मूठा Mūṭhā वि०
मुष्ट (वि०) चुराया हुआ, ठगा हुआ ।

ਮੂਡ मूड् Mūḍ पुं०
मुण्ड (नपुं०) शिर, मस्तक ।

ਮੂੰਡੀ मूंडी Mūḍī स्त्री०
द्र०—ਮੂਡ ।

ਮੂਤ੍ਰੀ मूत्री Mūtrī स्त्री०
मूत्रिन् (पुं०) मूत्रेन्द्रिय, मूत्रनलिका ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੂਰਖਤ मूर्खत् Mūrkhat स्त्री०
मूर्खता (स्त्री०) जड़ता, अज्ञानता ।

ਮੂਰਖਤਾਈ मूर्खताई Mūrakhtāī स्त्री०
द्र०—ਮੂਰਖਤ ।

ਮੂਰਖੱਤ मूर्खत्त् Mūrkhatt स्त्री०
द्र०—ਮੂਰਖਤ ।

ਮੂਰਖੱਤੁ मूर्खत्तु Mūrkhattu पुं०
मूर्खत्व (नपुं०) मूर्खता, मूढ़ता ।

ਮੂਰਖਮਤੀ मूरख्मती Mūrakh-matī वि०
मूर्खमति (वि०) मूर्खबुद्धि वाला, मन्द-बुद्धि ।

ਮੂਰਖਾਈ मूर्खाई Mūrkhāī स्त्री०
द्र०—ਮੂਰਖਤ ।

ਮੂਰਛਤ मूर्छत् Mūrchat वि०
द्र०—ਮੂਛਤ ।

ਮੂਰਧ मूरध् Mūradh पुं०
मूर्धन् (पुं०) मस्तक, शिर; प्रधान ।

ਮੂਰਾ मूरा Mūrā वि०
द्र०—ਮੂੜ ।

ਮੂਲ मूल् Mūl पुं०
मूल्य (नपुं०) मूल्य, कीमत ।

ਮੂਲਵਾਨ मूल्वान् Mūlvān वि०
मूल्यवान् (वि०) मूल्यवान्, कीमती ।

ਮੂਲਿਕ मूलिक् Mūlik वि०
मौलिक (वि०) मौलिक, आरम्भिक ।

ਮੂੜ मूड़् Mūṛ वि०
मूढ (वि०) मूढ, मूर्ख ।

ਮੂੜਮਤ मूड़्मत् Mūṛmat वि०
मूढमति (वि०) मूढ़मति, मन्दबुद्धि, मूर्ख ।

ਮੂੜਮਤੀ मूड़्मती Mūṛmatī वि०
द्र०—ਮੂੜਮਤ ।

ਮੂੜਾ मूड़ा Mūṛā वि०
मूढ (वि०) मूढ, मन्द, मूर्ख ।

ਮੇਹ मेह् Meh पुं०
मेघ (पुं०) बादल, वर्षा ।

ਮੇਂਹ मेंह् Mēh पुं०
महिष (पुं०) महिष, भैंसा ।

ਮੇਹਣਾ मेह्णा Mehṇā अक० क्रि०
मेधति/ते (भ्वादि अक०) निन्दा करना, भर्त्सना या तिरस्कार करना ।

ਮੇਹੜ मेहड़् Mehaṛ पुं०
मेधि (पुं०) खम्भा, खूंटा, थूना ।

ਮੇਹਾਰਾ मेहारा Mehārā पुं०
महिषचार/चर (पुं०) चारागाह ।

ਮੇਹੇਂਸ਼ੀ महेंशी Mehēśī वि०
महिषीय (वि०) भैंस से सम्बन्धित ।

ਮੇਕ मेक् Mek वि०
एक (वि०) एक, 1 ।

ਮੇਕਾ मेका Mekā वि०
द्र०—ਮੇਕ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੇਘਾ मेघा Meghā वि०
महर्घ (वि०) मँहगा, कीमती ।

ਮੇਠ मेठ् Meṭh पुं०
मेण्ठ (पुं०) महावत, हाथी का चालक ।

ਮੇਂਡਕ मेंडक् Mēḍak पुं०
द्र०—ਮੀਂਡਕ ।

ਮੇਂਡਕੀ मेंड्की Mēḍkī स्त्री०
द्र०—ਮੀਂਡੁਕੀ ।

ਮੇਡਾ मेडा Meḍā पुं०
मेष (पुं०) मेष, भेंड़ा, मेढ़ा; मेष राशि ।

ਮੇਡਿ मेडि Meḍi स्त्री०
मेडि (स्त्री०) झंकार; फटने की आवाज, चर्चराहट ।

ਮੇਂਡੁਕ मेंडुक् Mēḍuk पुं०
द्र०—ਮੀਂਡਕ ।

ਮੇਂਡੁਕੀ मेंडुकी Meḍukī स्त्री०
मेषी (स्त्री०) मादा भेंड़ ।

ਮੇਂਢਾ मेंढा Meḍhā पुं०
द्र०—ਮੀਢਾ ।

ਮੇਤਰਾ मेत्रा Metrā पुं०
मेथि/मेथिका/मेथिनी (स्त्री०) मेथी का पौधा या फल ।

ਮੇਤਰੀ मेत्री Metrī स्त्री०
द्र०—ਮੇਤਰਾ ।

ਮੇਥਰਾ मेथ्रा Methrā पुं०
द्र०—ਮੇਤਰਾ ।

ਮੇਥਰੀ मेथ्री Methrī स्त्री०
द्र०—ਮੇਤਰਾ ।

ਮੇਂਧੀ मेंधी Mēdhī स्त्री०
मेन्धी/मेन्धिका (स्त्री०) मेंहदी ।

ਮੇਪ मेप् Mep स्त्री०
माप (पुं०) माप, नाप ।

ਮੇਪੁ मेपु Mepu पुं०
द्र०—ਮੇਪ ।

ਮੇਰਡੰਡ मेर्डण्ड् Merḍaṇḍ पुं०
मेरुदण्ड (पुं०, नपुं०) मेरुदण्ड, पीठ की हड्डी ।

ਮੇਲ੍ਹਾ मेल्ला Mellā स्त्री०
मेला (स्त्री०) मेला, सभा, समाज ।

ਮੇਲ੍ਹਨਾ मेळ्ना Meḷnā सक० क्रि०
मेलयति (तुदादि प्रेर०) मिलाना, संयुक्त करना ।

ਮੈਂਹਗਾ मैंह्गा Maĩhgā वि०
माहार्घ्य (नपुं०) महँगाई, महर्घता ।

ਮੈਂਹਦੀ मैंह्दी Maĩhdī स्त्री०
द्र०—ਮੇਂਧੀ ।

ਮੈਹਰੂ मैह्रू Maihrū स्त्री०
महिषरूप (वि०) भैंस, भैंस-जैसा ।

ਮੈਹਾਂ मैंहाँ Maihã पुं०
महिष (पुं०) भैंसा ।

ਮੈਹੀਂ मैंहीं Maihĩ स्त्री०
महिषी (स्त्री०) भैंस ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੈਂਘ मैंघ् Maĩgh पुं०
माहार्घ्य (नपुं०) मँहगाई, महर्घता।

ਮੈਂਘਾ मैंघा Maĩghā वि०
द्र०—ਮੇਘਾ।

ਮੈਨਾ मैना Mainā पुं०
मदना/मदनी (स्त्री०) कस्तूरी या मेथी का पौधा।

ਮੈਨੀ मैनी Mainī स्त्री०
द्र०—ਮੈਨਾ।

ਮੋਆ मोआ Moā पुं०
मृत (वि०) मृतक, मरा हुआ।

ਮੋਏਆ मोएआ Moeā पुं०
द्र०—ਮੋਆ।

ਮੋਹਣ मोहण् Moahṇ सक० क्रि०
मोहयति (दिवादि प्रेर०) मोहित करना, आकर्षित करना।

ਮੋਹਤ मोहत् Mohat वि०
मोहित (वि०) आकर्षित, मोहा हुआ, लुभाया हुआ।

ਮੋਹਨਾ मोह्ना Mohnā सक० क्रि०
मोषति (भ्वादि सक०) चुराना, मोहित करना।

ਮੋਹ-ਬਿਹਬਲ मोह्-बिह्बल् Moh-Bihbal वि०
मोहविह्वल (वि०) मोह से विह्वल, प्रेम-विभोर।

ਮੋਹ-ਮੁਕਤ मोह्-मुकत् Moh-Mukat वि०
मोहमुक्त (वि०) मोह से मुक्त, अज्ञान से दूर।

ਮੋਹੁ मोहु Mohu पुं०
मोह (पुं०) मोह; माया; भ्रम, नेह, चेतना की हानि।

ਮੋਚਰਸ मोच्रस् Mocras पुं०
मोचक (पुं०) केले का वृक्ष।

ਮੋਤੀ मोत्ती Motti पुं०
मौक्तिक (नपुं०) मोती, मुक्ता।

ਮੋਥਾ मोथा Mothā पुं०
द्र०—ਮੁੱਥਾ।

ਮੋਨਾ मोन्ना Monnā पुं०
मौण्डच (नपुं०) मोना सिक्ख।

ਮੌਹਰੀ मौह्री Mauhrī स्त्री०
मसूरिका (स्त्री०) व्रण-विशेष, छोटी चेचक।

ਮੌਖਕ मौखक् Maukhak वि०
मौखिक (वि०) मुख-सम्बन्धी, जबानी, वाचिक।

ਮੌਲਕ मौलक् Maulak वि०
मौलिक (वि०) मूल से सम्बन्धित; प्रधान, मुख्य।

ਮੰਸ मंस् Mans स्त्री०
मसि (स्त्री०) स्याही, रोशनाई।

ਮੰਗਣਾ मंग्ना Maṅgnā सक० क्रि०
मार्गयति/मार्गति (चुरादि सक०) माँगना; खोजना; पूछना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਮੰਜ मंज् Mañj क्रि० वि०
मध्ये (वि० अधिकरण) बीच में, मध्य में।

ਮੰਜਤ मंजत् Mañjat वि०
मार्जित (वि०) माजाँ हुआ, साफ किया हुआ, निर्मल।

ਮੰਜੀਟ मंजीट् Mañjīṭ स्त्री०
मञ्जिष्ठा (स्त्री०) मजीठ, औषध-विशेष।

ਮੰਜੀਠਾ मंजीठा Mañjīṭhā वि०
द्र०—ਮੰਜੀਟ।

ਮੰਜੀਰਾ मंजीरा Mañjīrā पुं०
मञ्जीर (पुं०, नपुं०) मँजीरा, झाँझ।

ਮੰਜੋਲਾ मंजोला Mañjolā पुं०
मञ्च (पुं०) मञ्च, मँचिया, खाट, चारपाई।

ਮੰਜੋਲੂ मंजोलू Mañjolū पुं०
मञ्चिका (स्त्री०) छोटी मँचिया, छोटी खाट, खटोली।

ਮੰਝੂ मंझू Mañjhū पुं०
महिषीझुण्ड (पुं०) भैंसों का समूह।

ਮੰਝੋ मंझो Mañjho क्रि० वि०
मध्येन (क्रि० वि०) मध्य भाग से; कमर से, कटि से।

ਮੰਢੁਆ मंढुआ Maṇḍhuā पुं०
मडक (पुं०) मड़ुआ, एक प्रकार का अन्न।

ਮੰਢੁਲ मंढुल् Maṇḍhul पुं०
द्र०—ਮੰਢੁਆ।

ਮੰਦੁਆ मन्दुआ Manduā पुं०
द्र०—ਮੰਢੁਆ।

ਮੰਮਤਾ मँम्ता Mãmtā स्त्री०
मापता (स्त्री०) मापता, माप का भाव।

ਮ੍ਰਿਗਾਂਕ म्रिगांक् Mrigāk पुं०
मृगाङ्क (पुं०) मयंक, चन्द्र।

ਮ੍ਰਿਗਾਚ म्रिगाच् Mrigāc पुं०
मृगराज (पुं०) मृगराज, सिंह।

ਮ੍ਰਿਤਯੂ म्रित्यू Mrityū स्त्री०
मृत्यु (पुं०) मृत्यु, मौत।

ਮ੍ਰਿਤਾਨ म्रितान् Mritān वि०
मृत (वि०) मृतक, मरा हुआ।

य

ਯਸਟੀ यस्टी Yasṭī स्त्री०
यष्टि/यष्टी (स्त्री०) छड़ी, लाठी, डंडा।

ਯੱਸ यस्स् Yass पुं०
यशस् (नपुं०) कीर्ति, ख्याति।

ਯਹ यह् Yah सर्व०
इदम् (सर्व०) यह।

ਯਕ यक् Yak सर्व०
किम् (सर्व०) कौन।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਯਕ੍ਰਿਤ यक्रित् Yakrit पुं०
यकृत (नपुं०) जिगर, यकृत ।

ਯੱਖ यक्ख् Yakkh पुं०
यक्ष (पुं०) देवजाति-विशेष ।

ਯਜ यज् Yaj पुं०
यज्ञ (पुं०) यज्ञ, याग, पूजन को क्रिया ।

ਯਜਰਵੇਦੀ यजर्वेदी Yajarvedī पुं०
यजुर्वेदिन् (त्रि०) यजुर्वेद का पाठक, ज्ञाता या शाखा वाला ।

ਯਥਾਜੁਗਤ यथाजुगत् Yathājugat क्रि० वि०
यथायुक्ति (क्रि० वि०) युक्ति के अनुसार ।

ਯਥਾਯੁਕਤ यथायुकत् Yathāyukat क्रि० वि०
द्र०—ਯਥਾਜੁਗਤ ।

ਯਾਹਿ याहि Yāhi सर्व०
यादृश (सर्व०) जैसा, जिस प्रकार ।

ਯਾਣਾ याणा Yāṇā पुं०
अजानत् (वि०) अनजान, अज्ञानी, अपरिपक्व ।

ਯਾਤਰਣ यात्रण् Yātraṇ स्त्री०
यात्रिणी (स्त्री०) यात्रा करने वाली स्त्री ।

ਯਾਤ੍ਰੀ यात्री Yātrī पुं०
यात्रिन् (पुं०) यात्री ।

ਯਾਲੀ याली Yālī पुं०
अविपाल (वि०) भेड़ पालने वाला, चरवाहा ।

ਯੁੱਧ ਜੇਤੂ युद्ध-जेतू Yuddh-Jetū पुं०
युद्धजेतृ (वि०) युद्ध जीतने वाला ।

ਯੁਵ युव् Yuv वि०
युवन् (पुं०) युवा, जवान ।

ਯੂਸ यूस् Yūs पुं०
यूष (नपुं०, पुं०) जूस, रस, झोर ।

ਯੇਕ येक् Yek सर्व०
एक (वि०) एक, 1 ।

ਯੈਹਨਾ यैह्ना Yaihnā अक० क्रि०
यभति (भ्वादि अक०) सम्भोग करना ।

ਯੋਖਤ योखत् Yokhat स्त्री०
योषित् (स्त्री०) भार्या, पत्नी ।

ਯੋਗਤਣ योग्तण् Yogtaṇ स्त्री०
योग्यता (स्त्री०) प्रवीणता, क्षमता कुशलता ।

ਯੋਬਨ योबन् Yoban पुं०
यौवन (नपुं०) यौवन, जवानी ।

ਯੋਬਨਾ योब्ना Yobnā स्त्री०
युवती (स्त्री०) जवान स्त्री, युवावस्था को प्राप्त औरत ।

ਯੰਗੜਾ यंग्ड़ा Yaṅgṛā स्त्री०
योगनिद्रा (स्त्री०) समाधि, योगाभ्यास की नींद, महामाया; विष्णु की प्रलय-कालिक स्वप्नावस्था ।

ਯੰਤਰ-ਆਤਮਕ यन्तर्-आत्मक् Yantar-Ātmak वि०
यन्त्रात्मक (वि०) यन्त्र-स्वरूप, यन्त्र-सम्बन्धी ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰ

ਰਉ रउ Rau पुं०
रव (पुं०) शब्द, ध्वनि, गर्जन ।

ਰਉਹਣਾਯ रउह्णाय् Rauhṇāy पुं०
रौहिणेय (पुं०) रोहिणी के पुत्र बलराम, कृष्ण के भाई ।

ਰਉਣ रउण् Rauṇ पुं०
रमण (पुं०) पति, स्वामी ।

ਰਉਂਦਾ रउँदा Raūdā सक० क्रि०
रौति / रवते (अदादि / भ्वादि सक०) बोलना; गमन करना ।

ਰਏ रए Rae पुं०
रै (पुं०) धन, सम्पत्ति ।

ਰਸਕ रसक् Rasak पुं०
रसिक (पुं०) सहृदय मनुष्य, भावुक नर ।

ਰਸਗ रसग् Rasag वि०
रसज्ञ (वि०) रसज्ञ, रस के मर्मज्ञ ।

ਰਸਟਰੀ रस्टरी Rasṭarī स्त्री०
राष्ट्री (स्त्री०) राज्य करने वाली रानी ।

ਰਸਪਤਿ रस्पति Raspati पुं०/स्त्री०
रसपति (पुं० / स्त्री०) पुं०—वरुण । स्त्री०—जिह्वा ।

ਰਸਪੂਰਤ रस्पूरत् Raspūrat वि०
रसपूरित (स्त्री०) रस से पूर्ण ।

ਰਸਮਾਤਾ रस्माता Rasmātā पुं०
रसमत्त (वि०) रस में मग्न, रस में सराबोर ।

ਰਸਮਿਸਾ रस्मिसा Rasmisā वि०
रसमिश्र (वि०) रस से मिश्रित, रस से मिला हुआ ।

ਰਸਯਾ रस्या Rasyā पुं०
रसिक (वि०) रसिक, रसिया ।

ਰਸਰਾ रस्रा Rasrā पुं०
द्र०—ਰਸਰੀ ।

ਰਸਰੀ रस्री Rasrī स्त्री०
रज्जु (पुं०) रस्सी, डोर ।

ਰਸਲਾ रस्ला Raslā वि०
रसाल (वि०) रसीला, रसवाला ।

ਰਸਵਾਨ रस्वान् Rasvān वि०
द्र०—ਰਸਵਾਂ ।

ਰਸਵਾਂ रस्वां Rasvā̃ वि०
रसवत् (वि०) रसवाला, रसयुक्त ।

ਰਸੜਾ रस्ड़ा Rasṛā पुं०
द्र०—ਰਸਰੀ ।

ਰਸੜੀ रस्ड़ी Rasṛī स्त्री०
द्र०—ਰਸਰੀ ।

ਰਸਾਤਮਿਕਤਾ रसात्मिक्ता Rasātmiktā स्त्री०
रसात्मकता (स्त्री०) रसात्मकता, रसरूपता ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਸਾਰ रसार् Rasār वि०
रसाल (वि०) रसदार, रस से भरा।

ਰਸਾਲ रसाल् Rasāl वि०
द्र०—ਰਸਾਰ।

ਰਸਿਆਲਾ रसि्याला Rasyālā वि०
द्र०—ਰਸਾਰ।

ਰਸੋ रसो Raso स्त्री०
रसवती (स्त्री०) रसोई, भोजन।

ਰਸੋਅ रसोअ Rasoa स्त्री०
द्र०—ਰਸੋ।

ਰਹਸ रहस् Rahas पुं०
रहस्य (नपुं०) गुप्त भेद, गोपनीय विषय।

ਰਹੱਸ-ਆਤਮਕ रहस्सात्मक् Rahass tmak वि०
रहस्यात्मक (वि०) रहस्य से युक्त।

ਰਹਿਸ रहिस् Rahis पुं०
द्र०—ਰਹਸ।

ਰਹੰਸ रहंस् Rahãs पुं०
रहस् (नपुं०) एकान्त।

ਰਕਤੂ रक्तू Raktū पुं०
रक्त (नपुं०) लहू, खून।

ਰਖਸ਼ਕ रख्शक् Rakhśak पुं०
रक्षक (वि०) रक्षा करने वाला, त्राता।

ਰਖਸ਼ਾ रख्शा Rakhśā स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) सुरक्षा, रखवाली, बचाने की क्रिया।

ਰਖਛਕ रख्छक् Rakhchak पुं०
द्र०—ਰਖਸ਼ਕ।

ਰਖਣਾ रख्णा Rakhṇā सक० क्रि०
रक्षति (भ्वादि सक०) रक्षा करना; रखना।

ਰਖਦਾ रख्दा Rakhdā पुं०
द्र०—ਰਖਸ਼ਕ।

ਰਖਯਾ रख्या Rakhyā स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) सुरक्षा, रखवाली।

ਰਖਵੱਯਾ रख्वय्या Rakhvayyā वि०
रक्षक (वि०) रखवाला, रक्षा करने वाला।

ਰਖਵਾਰ रख्वार् Rakhvār पुं०
रक्षपाल (वि०) रखवाला, चौकीदार।

ਰਖਵਾਰਾ रख्वारा Rakhvārā वि०
द्र०—ਰਖਵਾਰ।

ਰਖੜੀ रख्ड़ी Rakhṛī स्त्री०
रक्षणी (स्त्री०) रक्षासूत्र; रास या लगाम।

ਰਖਿਅਤ रख्यत् Rakhyat वि०
रक्षित (वि०) सुरक्षित, जिसकी रक्षा की गई हो।

ਰਖਿਯਕ रखियक् Rakhiyak पुं०
द्र०—ਰਖਸ਼ਕ।

ਰਖੀਸਰ रखीसर् Rakhīsar पुं०
ऋषीश्वर (पु०) ऋषिराज, प्रधान ऋषि, ऋषि-श्रेष्ठ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਖੂਆਲਾ रखूआला Rakūālā पुं०
रक्षपाल (वि०) रखवाला, चौकीदार।

ਰਖੂਬਾਲਾ रखूबाला Rakhūbālā पुं०
द्र०—ਰਖੂਆਲਾ।

ਰੱਖਕ रक्खक् Rakkhak पुं०
द्र०—ਰਖਸ਼ਕ।

ਰੱਖਯਕ रक्ख्यक् Rakkhyak पुं०
रक्षक (वि०) रखवाला, रक्षा करने वाला।

ਰੱਖੀ रक्खी Rakkhī स्त्री०
द्र०—ਰਖੜੀ।

ਰਗਿੰਦਨਾ रगिन्दना Ragindanā सक० क्रि०
द्र०—ਰਗਿੱਦਣਾ।

ਰਗਿੱਦਣਾ रगिद्दणा Ragiddṇā सक० क्रि०
रदति (भ्वादि सक०) रगड़ना, मसलना।

ਰਗੀਲਾ रगीला Ragīlā वि०
रञ्जित (वि०) रँगा हुआ।

ਰਗੇਦਣਾ रगेद्णा Ragedṇā सक० क्रि०
रदति (भ्वादि सक०) रगड़ना, घीसना या मसलना।

ਰਗੇਧਣਾ रगेध्णा Ragedhṇā सक० क्रि०
रङ्घते (भ्वादि सक०) पीछा करना, खदेड़ना।

ਰਘੇੜਨਾ रघेड़्ना Ragheṛnā अक० क्रि०
रङ्घते (भ्वादि अक०) लुढ़कना।

ਰਚਈਤਾ रच्ईता Rac-ītā पुं०
रचयितृ (वि०) रचयिता, लेखक।

ਰਚਤ रचत् Racat वि०
रचित (वि०) रचित, निर्मित।

ਰਚਤਾ रच्ता Ractā पुं०
द्र०—ਰਚਈਤਾ।

ਰਚਨ रचन् Racan स्त्री०
रचना (स्त्री०) रचना, निर्माण।

ਰਚਨਾ रच्ना Racnā सक० क्रि०
रचयति / ते (चुरादि सक०) रचना करना, बनाना, निर्माण करना।

ਰਚਨਾਰੀਤ रच्नारीत् Racnārīt स्त्री०
रचनारीति (स्त्री०) रचना की रीति या शैली।

ਰਚਯਤਾ रच्यता Racyatā पुं०
द्र०—ਰਚਈਤਾ।

ਰਚਾਵਣ रचावण् Racāvaṇ सक० क्रि०
द्र०—ਰਚਨਾ।

ਰਚਿਅਤਾ रचिअता Raciatā पुं०
द्र०—ਰਚਈਤਾ।

ਰਚਿਤਾ रचिता Racitā पुं०
द्र०—ਰਚਈਤਾ।

ਰਚੇਤਾ रचेता Racetā पुं०
द्र० ਰਚਈਤਾ।

ਰਛਪਾਲੂ रछ्पालू Rachpālū पुं०
रक्षपालक (वि०) रक्षा करने वाला, रक्षक।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਛਜਾ रछ्या Rachyā स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) सुरक्षा, रखवाली ।

ਰਛਾ रछा Rachā स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) राखी, रक्षाबन्धन ।

ਰਛਿਕ रछिक् Rachik पुं०
रक्षक (वि०) रक्षक, रक्षा करने वाला ।

ਰਛਿਪਾਲ रछिपाल् Racchipāl पुं०
द्र०—ਰਛਪਾਲੂ ।

ਰੱਛਪਾਲ रच्छ्पाल् Racchpāl पुं०
द्र०—ਰਛਪਾਲੂ ।

ਰੱਛਿਆ रच्छिआ Racchiā स्त्री०
द्र०—ਰਛਾ ।

ਰੱਛੀ रच्छी Racchī पुं०
रक्षिन् (वि०) रक्षक, रखवाला ।

ਰਜਕੀ रज्की Rajkī स्त्री०
रजकी (स्त्री०) धोबिन, धोबी की स्त्री ।

ਰਜਗੁਣ रज्गुण् Rajguṇ पुं०
रजोगुण (पुं०) रजोगुण, सत्-रज-तम तीनों गुणों में से दूसरा गुण ।

ਰਜਤਪਣ रजत्पण् Rajatpaṇ पुं०
रजतपण (पुं०) रजत मुद्रा, चाँदी का सिक्का ।

ਰਜਤਪਨ रजत्पन् Rajatpan पुं०
द्र०—ਰਜਤਪਣ ।

ਰਜੂਅ रजूअ Rajūa पुं०
रुचि (स्त्री०) झुकाव, प्रवृत्ति ।

ਰਟਨਾਰ रट्नार् Raṭnār स्त्री०
रटन (नपुं०) रटने या चिल्लाने का भाव ।

ਰਡ रड् Raḍ स्त्री०
रण (पुं०) ध्वनि, शब्द ।

ਰਣ-ਖੇਤ रण्-खेत् Raṇ-Khet पुं०
रणक्षेत्र (नपुं०) युद्ध का मैदान ।

ਰਣ-ਖੇਤਰ रण्-खेतर् Raṇ-Khetar पुं०
द्र०—ਰਣ-ਖੇਤ ।

ਰਣ-ਚਿਤਰਾ रण-चित्रा Raṇ-Citrā पुं०
रणचित्रक (वि०) शूर-वीर, लड़ाकू व्यक्ति ।

ਰਣ-ਛੇਤਰ रण्-छेतर् Raṇ-Chetar पुं०
द्र०—ਰਣ-ਖੇਤ ।

ਰਣ-ਪੰਡਿਤ रण्-पंडित् Raṇ-Paṇḍit पुं०
रणपण्डित (वि०) रणनीति में प्रवीण ।

ਰਣ-ਭੂਮ रण्-भूम् Raṇ-Bhūm स्त्री०
रणभूमि (स्त्री०) रण-भूमि, युद्ध-क्षेत्र ।

ਰਤ[1] रत् Rat स्त्री०
रति (स्त्री०) अनुराग, प्रेम ।

ਰਤ[2] रत् Rat स्त्री०
रक्त (नपुं०) लहू, खून ।

ਰਤਣ-ਮਾਲਾ रतण्-माला Ratan-Mālā स्त्री०
रत्नमाला (स्त्री०) रत्नों की माला ।

ਰਤੜਾ रत्ड़ा Ratṛā वि०
रक्त/रञ्जित (वि०) रँगा हुआ ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਤਾ रता Ratā वि०
रक्तक (वि०) रँगा हुआ।

ਰਤੀ-ਰਹੱਸ रती-रहस्स् Ratī-Rahass पुं०
रतिरहस्य (नपुं०) कामसूत्र, कामशास्त्र।

ਰਤੁ रतु Ratu पुं०
रक्त (नपुं०) रुधिर, लहू।

ਰਤੇੜਾ रतेड़ा Rateṛā पुं०
द्र०—रतु।

ਰਤੋਂਧਾ रतोंधा Ratōdhā पुं०
रात्र्यन्ध (नपुं०) रतौंधी, नेत्र का रोग-विशेष।

ਰਤੰਨ रतन्न् Ratann पुं०
रत्न (नपुं०) जवाहर, बहुमूल्य छोटे एवं बड़े चमकीले पत्थर।

ਰੱਤੁ रत्तु Rattu पुं०
द्र०—रतु।

ਰੱਤੂ रत्तू Rattū पुं०
द्र०—रतु।

ਰਥਵਾਹੂ रथ्वाहू Rathvāhū पुं०
रथवाहक (वि०) रथ चलाने वाला, सारथि।

ਰਥਵਾਣ रथ्वाण् Rathvāṇ पुं०
रथवत् (वि०) रथवाला, रथ चलाने वाला।

ਰਦਛਦ रद्छद् Radchad पुं०
रदच्छद (पुं०) दाँतों को ढकने वाला, ओष्ठ।

ਰਪੈਂਯਾ रपैंया Rapaiyā पुं०
रूप्यक (नपुं०) रूपया।

ਰਬਧਾ रब्धा Rabdhā स्त्री०
रब्धा (स्त्री०) भोजन, खुराक।

ਰਮਣੀਯ रम्णीय् Ramṇīy वि०
रमणीय (वि०) सुन्दर, मनोहर।

ਰਮੁ रमु Ramu वि०
रम्य (वि०) मनोहर, सुन्दर।

ਰਮੈਣ रमैण् Ramaiṇ स्त्री०
द्र०—रमैन।

ਰਮੈਨ रमैन् Ramain स्त्री०
रामायण (नपुं०) वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण ग्रन्थ।

ਰਯਨ रयन् Rayan स्त्री०
रजनी (स्त्री०) रात, रात्रि।

ਰਯਨਿ रयनि Rayani स्त्री०
द्र०—रयन।

ਰਵਣ रवण् Ravaṇ पुं०
स्मरण (नपुं०) स्मृति, याद।

ਰਵਨੀ रव्नी Ravnī स्त्री०
रमणी (स्त्री०) सुन्दर स्त्री।

ਰਾ रा Rā पुं०
राजन् (पुं०) राजा, नरेश।

ਰਾਉਤ राउत् Rāut पुं०
राजपुत्र (पुं०) राउत (जाति-विशेष) राजपूत।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਾਉਲ राउल् Rāul पुं०
राजकुल (नपुं०) राउल (जाति-विशेष) जो राज घराने से संबन्धित है। वर्तमान में उसे बन्जारा कहते हैं।

ਰਾਇਤਾ राइता Rāitā स्त्री०
राजिकाक्त (नपुं०) रायता, दही-लौकी इत्यादि में राई डाल कर बनाया गया एक पदार्थ।

ਰਾਈਂ राईं Rāī पुं०
राजी (स्त्री०) राई छोटी सरसों।

ਰਾਸ਼ਕ राशक् Rāśak पुं०
राक्षस (पुं०) दैत्य, निशाचर।

ਰਾਖਸਣੀ राख्सणी Rākhsaṇī स्त्री०
राक्षसी (स्त्री०) राक्षसी, दानवी।

ਰਾਖਣਾ राख्णा Rākhṇā सक० क्रि०
रक्षति (भ्वादि सक०) रक्षा करना।

ਰਾਖਨਹਾਰ राखन्हार् Rākhanhār वि०
रक्षाकार (वि०) रक्षा करने वाला।

ਰਾੱਖਾ राक्खा Rākkhā वि०
रक्षक (वि०) रखवाली करने वाला, रखवाला।

ਰਾਂਗ रांग् Rāg स्त्री०
रङ्ग (नपुं०, पुं०) नपुं०—टीन, रांगा, धातु-विशेष। पुं०—रंग, वर्ण।

ਰਾਗਦੋਖ रागदोख् Rāgdokh पुं०
रागद्वेष (पुं०) राग और द्वेष, प्यार और ईर्ष्या।

ਰਾਗਦ੍ਵੈਖ रागद्वैख् Rāgdvaikh पुं०
रागद्वेष (पुं०) राग-द्वेष, प्रेम-शत्रुता।

ਰਾਜ राज् Rāj स्त्री०
रज्जू (स्त्री०) रस्सी।

ਰਾਜ-ਸੱਤਿਆ राज्सत्तिआ Rāj-Sattiā स्त्री०
राजसत्ता (स्त्री०) राज्य शासन।

ਰਾਜਦੰਡ राज्दण्ड् Rāj-Daṇḍ पुं०
राजदण्ड (पुं०, नपुं०) राजा की ओर से दिया जाने वाला दण्ड, सरकारी दण्ड।

ਰਾਜਤ राजत् Rājat अक० क्रि० वर्त०
राजते (भ्वादि अक० लट्) विराजता है, सुशोभित होता है।

ਰਾਜਧ੍ਰੋਹ राज्ध्रोह् Rāj-Dhroh पुं०
राजद्रोह (पुं०) बगावत, ऐसा कार्य जिससे राजा या राज्य के अनिष्ट की सम्भावना हो।

ਰਾਜਧ੍ਰੋਹੀ राज्ध्रोही Rājdhrohī पुं०
राजद्रोहिन् (वि०) बागी, राष्ट्र-द्रोही, राजसत्ता के विरुद्ध आचरण करने वाला।

ਰਾਜਨੀਤਿਆ राज्नीतिआ Rājnītiā पुं०
राजनीतिक (वि०) राजनीतिज्ञ, राजनीति का ज्ञाता।

ਰਾਜਵਾੜਾ राज्वाड़ा Rājvāṛā पुं०
राज्यवाट (पुं०) रजवाड़ा, राजमहल।

ਰਾਜਏ-ਰਾਜਗਾਨ राज्ए-राजगान् Rāje-Rājgān पुं०
राजाधिराज (पुं०) राजाओं का राजा, राजाधिराज, महाराजा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਾਠਉਰ राठ्उर् Raṭh-ur पुं०
राष्ट्रमौलि (पुं०) रियासत का मुकुट, राजपूतों की एक जाति—राठौर।

ਰਾਤਦਿਹਾਂ रात्दिहाँ Rātdihā क्रि० वि०
रात्रिन्दिव (नपुं०) रात-दिन, निशदिन।

ਰਾਤਦਿਹੇਂ रात्दिहें Rātdihē क्रि० वि०
द्र०—ਰਾਤਦਿਹਾਂ।

ਰਾਤਦਿਨੇਂ रात्दिनें Rātdinē क्रि० वि०
द्र०—ਰਾਤਦਿਹਾਂ।

ਰਾਤਦਿਨ੍ਹੇਂ रात्दिन्हें Ratdinhē क्रि० वि०
द्र०—ਰਾਤਦਿਹਾਂ।

ਰਾਤੜਾ रात्ड़ा Rāṭṛā पुं०
रञ्जित (वि०) रँगा हुआ, अनुरक्त।

ਰਤੌਂਧਾ रतौंधा Rātaūdhā पुं०
रात्र्यान्ध्य (नपुं०) रतौंधी, नेत्र का रोग।

ਰਾਨੀ रानी Rānī स्त्री०
राज्ञी (स्त्री०) रानी, राजा की पत्नी।

ਰਾਮ राम् Rām पुं०
आराम (पुं०) आराम, विश्राम।

ਰਾਰ रार् Rār स्त्री०
राटि (स्त्री०) रार, झगड़ा, कलह।

ਰਾਰਾ-ਪਾਰਾ रारा-पारा Rārā-Pārā वि०
अवारपार (वि०) आर-पार, समुद्र।

ਰਿਉ रिउ Riu पुं०
इक्षुरस (पुं०) ईख या गन्ने का रस।

ਰਿਸ਼ਕ रिशक् Riśak पुं०
ईर्ष्या (स्त्री०) दूसरे की उन्नति देखकर जो जलन होती है, उसे ईर्ष्या कहते हैं, द्वेष, डाह।

ਰਿਸਟ रिसट् Risaṭ वि०
रिष्ट (वि०) तोड़ा हुआ, भग्न; खोया हुआ।

ਰਿਸਟ-ਪੁਸਟ रिसट्-पुसट् Risaṭ-Pusaṭ वि०
हृष्टपुष्ट (वि०) प्रसन्न; शक्तिशाली, स्वस्थ।

ਰਿਸਮ रिसम् Risam स्त्री०
रश्मि (पुं०) रश्मि, किरण।

ਰਿਖਸੀ रिख्सी Rikhsī वि०
द्र०—ਰਿੱਖਸ਼ੀ।

ਰਿਖਤ रिखत् Rikhat स्त्री०
ऋषभ (पुं०) ऋषभ स्वर, सात स्वरों में से दूसरा 'रे' स्वर।

ਰਿਖਰਾਜ रिख्राज् Rikhrāj पुं०
ऋषिराज (पुं०) ऋषिराज, ऋषियों में श्रेष्ठ।

ਰਿਖਾ रिखा Rikhā स्त्री०
रेखा (स्त्री०) रेखा, पंक्ति।

ਰਿਖਿ रिखि Rikhi पुं०
ऋषि (पुं०) वैदिक मंत्रों के द्रष्टा; मुनि, तपस्वी।

ਰਿਖਿਅਮ रिख्यम् Rikhyam पुं०
हृषीक (नपुं०) इन्द्रिय, नेत्रादि इन्द्रियाँ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਿਖਿਆ रिखिया Rikhyā स्त्री०
रक्षा (स्त्री०) रक्षा, बचाव।

ਰਿੱਖ रिक्ख् Rikkh पुं०
ऋक्ष (पुं०) रीछ, भालू।

ਰਿੱਖਸ रिक्खस् Rikkhas स्त्री०
ईर्ष्या (स्त्री०) दूसरे की उन्नति देखकर जो जलन होती है, उसे ईर्ष्या कहते है, वैर, डाह।

ਰਿੱਖਸੀ रिक्खसी Rikkhasi पुं०
ईर्ष्यिन् (वि०) ईर्ष्या करने वाला।

ਰਿਜੁ रिजु Riju वि०
ऋजु (वि०) सीधा; कपट-रहित; सुन्दर।

ਰਿੱਜਣਾ रिज्जणा Rijjṇā अक० क्रि०
रध्यति (दिवादि अक०) पकना।

ਰਿਝਾ रिझा Rijhā वि०
द्र०—ਰਿੱਝਾ।

ਰਿੱਝਣਾ रिज्झणा Rijjhṇā पुं०
रन्धन (नपुं०) रींधने या पकाने का भाव।

ਰਿੱਝਾ रिज्झा Rijjhā वि०
रद्ध (वि०) पक्व, पका हुआ।

ਰਿੰਡੀ रिण्डी Riṇḍī स्त्री०
एरण्ड (पुं० / नपुं०) पुं० – एरण्ड का वृक्ष। नपुं० – एरण्ड का फल।

ਰਿਤ[1] रित् Rit पुं०
ऋत (नपुं० / वि०) नपुं०—ऋषि-अन्न; मोक्ष; जल; कर्म-फल; यज्ञ, सत्य। वि०—प्रकाशमान्; पूजित।

ਰਿਤ[2] रित् Rit स्त्री०
ऋतु (पुं०) ऋतु, मौसम।

ਰਿਤੇ रिते Rite अ०
ऋते (अ०) बिना, वगैर, सिवाय।

ਰਿੱਤਜ रित्तज् Rittaj पुं०
ऋत्विज् (पुं०) यज्ञ करने वाला, सामान्यतया यज्ञ में चार ऋत्विज् हुआ करते हैं।

ਰਿਦ रिद् Rid पुं०
हृत् (नपुं०) हृदय, दिल।

ਰਿਦਅੰਗਮ रिद्अंगम् Rid-Aṅgam वि०
हृदयङ्गम (वि०) हृदय में प्रविष्ट होने वाला।

ਰਿਦਾ रिदा Ridā पुं०
द्र०—ਰਿਦ।

ਰਿਦਿ रिदि Ridi सप्तम्यन्त
हृदि (सप्तम्यन्त) हृदय में, दिल में।

ਰਿਦੈ[1] रिदै Ridai सप्तम्यन्त
हृदये (सप्तम्यन्त) मन में, हृदय में।

ਰਿਦੈ[2] रिदै Ridai वि०
हृद्य (वि०) मनोहर, मनभावन।

ਰਿਦ੍ਹਾ रिद्हा Rid-hā पुं०
द्र०—ਰਿਦ।

ਰਿਧਣ रिधण् Ridhaṇ सक० क्रि०
रन्धयति (दिवादि प्रेर०) पकाना; रींधना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰਿੱਧ रिद्ध् Riddh पुं०
ऋद्ध (वि०) ऋद्धि से युक्त, धनवान्; उन्नत।

ਰਿਨ रिन् Rin पुं०
ऋण (नपुं०) ऋण, कर्ज।

ਰਿੰਨਣਾ रिन्नणा Rinnaṇā सक० क्रि०
द्र०—ਰਿਧਣ।

ਰਿਭੁ रिभु Ribhu पुं०
ऋभु (पुं०) स्वर्ग; देवता; एक देवगण; अंगरिस गोत्रीय सुधन्वा के एक पुत्र।

ਰੀਸਾ रीसा Rīsā स्त्री०
ईर्ष्या (स्त्री०) ईर्ष्या, डाह।

ਰੀਸਾਲ रीसाल् Rīsāl वि०
रसाल (वि०) रसीला; स्वादिष्ट; मधुर; सुन्दर।

ਰੀਠਾ रीठा Rīṭhā पुं०
द्र०—ਰੀੱਠਾ।

ਰੀੱਠਾ रीट्ठा Rīṭṭhā पुं०
अरिष्ट (पुं०) रीठा का वृक्ष, जो साबुन के काम में आता है।

ਰੀਤਾ रीता Rītā वि०
रिक्त (वि०) रिक्त, ख़ाली।

ਰੀਧਨ रीधन् Rīdhan पुं०
रन्धन (नपुं०) पकाने का भाव।

ਰੀਨ रीन् Rīn स्त्री०
रेणु (पुं०, स्त्री०) रेत; भूसा की धूल।

ਰੁਆਂਹ रुआँह् Ruāh पुं०
राजमाष (पुं०) राजमाष, उड़द की जाति का एक अन्न।

ਰੁਹਲ रुहल् Ruhal पुं०
रधिर (नपुं०) खून, रक्त, लहू।

ਰੁਖ रुख् Rukh पुं०
वृक्ष (पुं०) वृक्ष, रूख, पेड़।

ਰੁਖਾ रुखा Rukhā वि०
रूक्ष (वि०) रूखा, नीरस, शुष्क।

ਰੁਖਾਸਣਾ रुखास्णा Rukhāsṇā पुं०
रूक्षाशन (नपुं०) रूखा-सूखा भोजन।

ਰੁਗਣ रुगण् Rugaṇ पुं०
रुग्ण (वि०) रोगी, बीमार।

ਰੁਗੁ रुगु Rugu पुं०
ऋच्/ऋग्वेद (पुं०) ऋग्वेद।

ਰੁਚ रुच् Ruc स्त्री०
रुचि (स्त्री०) रुचि, इच्छा।

ਰੁਠ रुठ् Ruṭh पुं०
रुष्ट (वि०) रूठा हुआ, नाराज।

ਰੁਤਵੀ रुत्वी Rutvī वि०
ऋतव्य/ऋत्विय (वि०) ऋतु-सम्बन्धी।

ਰੁੱਤੀ रुत्ती Rutti वि०
द्र०—ਰੁਤਵੀ।

ਰੁੱਦਰ रुद्दर् Ruddar पुं०/वि०
रुद्र (पुं० / वि०) पुं०—रुद्र, भगवान् शिव। वि०—भयावह, घोर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰੁੱਦ੍ਰਾਖ रुद्राख् Ruddrākh पुं०
रुद्राक्ष (पुं०) रुद्राक्ष, एक प्रसिद्ध बड़ा पेड़ जिसके फल के बीजों (रुद्राक्ष) की माला बनाई जाती है।

ਰੁਧਰ रुधर् Rudhar पुं०
रुधिर (नपुं०) रुधिर, लहू, रक्त।

ਰੁਧਾ रुधा Rudhā वि०
रुद्ध (वि०) रुद्ध, काम में व्यस्त।

ਰੁੰਨ੍ਹਾਂ रुन्हाँ Runnhā̃ वि०
द्र०—ਰੁਧਾ।

ਰੁਵਾਂ रुवाँ Ruvā̃ पुं०
रोमन् (नपुं०) रोम, लोम, रोंगटा।

ਰਸਣਾ रूस्णा Rūsṇā अक० क्रि०
द्र०—ਰੂਠਣਾ।

ਰੂੰਗਟਾ रूँग्टा Rū̃gṭā पुं०
रोमकूप (पुं०) रोमावली, रोम।

ਰੂਚ रूच् Rūc वि०
रुचिर (वि०) रुचिर, मनोहर।

ਰਠਣਾ रूठ्ना Rūṭhnā अक० क्रि०
रोषयति (चुरादि अक०) क्रुद्ध होना, रूठना।

ਰੂਪਵੰਦ रूप्वन्द् Rūpvand पुं०
रूपवत् (वि०) रूपवान्, सुन्दर।

ਰੂਪਿਣ रूपिण् Rūpiṇ स्त्री०
बहुरूपिणी (स्त्री०) अनेक रूप धारण करने वाली स्त्री।

ਰੂੱਪਾ रूप्पा Rūppā पुं०
रूप्य (नपुं० / वि०) नपुं०—चाँदी। वि०—सुन्दर; मुद्रित, मुद्रायुक्त।

ਰੂਮ रूम् Rūm पुं०
रोमन् (नपुं०) रोम, रोंगटा।

ਰੂਮਾਣ रूमाण् Rūmāṇ पुं०
रोमाञ्च (नपुं०) आनन्द या भय से रोम का खड़ा होना, पुलक।

ਰੇਹੜਣਾ रेहड़्णा Reharṇā सक० क्रि०
लोठति (भ्वादि सक०) लुढ़काना, ढकेलना।

ਰੇਹੜਾ रेह्ड़ा Rehṛā पुं०
रथ (पुं०) प्राचीन युग की एक सवारी जिसमें दो या चार पहिये हुआ करते थे।

ਰੇਣਿ रेणि Reṇi स्त्री०
रेणु (पुं०, स्त्री०) रेत, धूलि।

ਰੈਣਾਇਰ रैणाइर् Raiṇāir पुं०
रत्नाकर (पुं०) समुद्र, सागर।

ਰੈਨ रैन् Rain स्त्री०
रात्रि (स्त्री०) रैन, रात।

ਰੈਭਾਣੁ रैभाणु Raibhāṇu पुं०
ऋभुमत् (पुं०) सूर्य।

ਰਅਾਂ रोआँ Roā̃ पुं०
रोमन् (नपुं०) रोम, लोम; रूई।

ਰੋਏਂ रोएँ Roē पुं०
द्र०—ਰੋਆਂ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰੋੱਸਾ रोस्सा Rossā पुं०
द्र०—ਰੋਖ।

ਰੋਖ रोख् Rokh पुं०
रोष (पुं०) क्रोध, गुस्सा; विद्वेष, विरोध।

ਰੋਗਨੀ रोग्नी Rognī स्त्री०
रोगिणी (स्त्री०) रोगिणी, बीमार स्त्री।

ਰੋੱਗੀ रोग्गी Roggī पुं०
रोगिन् (वि०) रोगी, बीमार।

ਰੋਠਾ रोठा Roṭhā पुं०
द्र०—ਰੋਖ।

ਰੋਨਾ रोना Ronā अक० क्रि०
रोदिति (अदादि अक०) रोना।

ਰੋਪਣਾ रोप्णा Ropṇā सक० क्रि०
द्र०—ਰੋੱਬਣਾ।

ਰੋੱਬਣਾ रोब्बणा Robbṇā सक० क्रि०
रोपयति (दिवादि प्रेर०) रोपना, पौधा लगाना; स्थापित करना।

ਰੋਮਾਈ रोमाई Romāī स्त्री०
रोमन्/लोमन् (नपुं०) रोम, रोंगटा।

ਰੌਲ रौल् Raul पुं०
राजकुल (नपुं०) राजघराने से संबन्धित लोहार जाति के बंजारे लोग।

ਰੰਗਨ रंगन् Raṅgan स्त्री०
रङ्ग (पुं०, नपुं०) रङ्ग, कलई, अथवा रांगा धातु।

ਰੰਗਾਉਣੀ रंगाउणी Raṅgauṇī स्त्री०
रञ्जन (नपुं०) रंगने का भाव; रंग चढ़ाने की क्रिया।

ਰੰਗੀ रंगी Raṅgī वि०
रञ्जित (वि०) रंगा हुआ, रंगदार।

ਰੰਗੀਣ रंगीण् Raṅgīṇ वि०
रङ्गिन् (वि०) रङ्गीला, सुन्दर; विलासी, रसिक।

ਰੰਚਿਕ रंचिक् Rañcik अ०
किञ्चित् (अ०) थोड़ा, कुछ।

ਰੰਚਿਕ ਮਾਤਰ रंचिक् मातर् Rañcik Mātar अ०
किञ्चिन्मात्र (अ०) थोड़ा-सा, रंचमात्र।

ਰੰਡਣ रंडण् Raṇḍaṇ स्त्री०
रण्डा (स्त्री०) विधवा; वेश्या; स्त्री के लिये एक गाली।

ਰੰਡਵੀ रंड्वी Raṇḍvī स्त्री०
द्र०—ਰੰਡਣ

ਰੰਡੜ रंडड़् Raṇḍaṛ स्त्री०
द्र०—ਰੰਡਣ।

ਰੰਡਿਣ रंडिण् Raṇḍiṇ स्त्री०
द्र०—ਰੰਡਣ।

ਰੰਡਿੜ रंडिड़् Raṇḍiṛ स्त्री०
द्र०—ਰੰਡਣ।

ਰੰਡੁਣ रंडुण् Raṇḍuṇ पुं०
रण्ड (पुं०) रँड़ुआ, वह पुरुष जिसका विवाह न हुआ हो, विधुर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਰੰਦਣਾ रंद्णा Randṇā सक० क्रि०
रन्धयति (दिवादि प्रेर०) रींधना, पकाना।

ਰੰਨ रन्न् Rann स्त्री०
रण (पुं०, नपुं०) युद्ध, लड़ाई; रणक्षेत्र।

ਰੰਮਹਨਾ रम्म्ह्णा Rammhṇā अक० क्रि०
रम्भते (भ्वादि अक०) रंभाना, शब्द करना।

ਲ

ਲਉ लउ La-u पुं०
लव (पुं०) घास या पकी फसल की कटाई।

ਲਉਕਾ लउका Laukā पुं०
लाबु (पुं०) लौका, कद्दू।

ਲਉਕੀ लउकी Lauki स्त्री०
द्र०—ਲਉਕਾ।

ਲਸਕਣ लस्कण् Laskaṇ अक० क्रि०
लसति (भ्वादि अक०) चमकना।

ਲਸਕਣਾ लस्कणा Laskaṇā अक० क्रि०
द्र०—ਲਸਕਣ।

ਲਸਕਾਉਣਾ लस्काउणा Laskāuṇā सक० क्रि०
लासयति (भ्वादि प्रेर०) चमकाना।

ਲਸਕਾਰ लस्कार् Laskār पुं०
हस्कार (पुं०) बिजली की चमक।

ਲਸਟਿ लस्टि Lasṭi स्त्री०
यष्टि (स्त्री०) लाठी, डंडा, छड़ी।

ਲਸਣਾ लस्णा Lasṇā अक० क्रि०
द्र०—ਲਸਕਣ।

ਲੱਸਣ[1] लस्सण् Lassaṇ पुं०
लशुन (नपुं०) लहसुन।

ਲੱਸਣ[2] लस्सण् Lassaṇ पुं०
लक्षण (नपुं०) किसी वस्तु को वह विशेषता जिससे वह पहचाना जाय, लक्षण, चिह्न।

ਲੱਸਣਾ लस्स्णा Lassṇā अक० क्रि०
द्र०—ਲਸਕਣ।

ਲਹਣਾ लह्णा Lahṇā सक० क्रि०
द्र०—ਲਹਿਣਾ।

ਲਹਨਾ लह्ना Lahnā सक० क्रि०
द्र०—ਲਹਿਣਾ।

ਲਹਰ लहर् Lahar स्त्री०
लहरि/री (स्त्री०) लहर, तरंग, उमंग।

ਲਹਾ लहा Lahā पुं०
लाभ (पुं०) प्राप्ति, उपलब्धि; मुनाफा, फायदा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲਹਿਣਾ लैह्णा Laihṇā सक० क्रि०
लभते (भ्वादि सक०) लेना, प्राप्त करना।

ਲਹੁ लहु Lahu पुं०
लाभ (नपुं०) प्राप्ति; मुनाफा, फायदा।

ਲਹੁਰੀ लहुरी Lahurī स्त्री०
लघ्वी (स्त्री०) छोटी, कनिष्ठा।

ਲਹੁਰੀਆ लहुरिआ Lahuriā स्त्री०
द्र०—ਲਹੁਰੀ।

ਲਕਰ लकर् Lakar पुं०
लकुट (पुं०) लकड़ी, छड़ी।

ਲਕਰਾ लक्रा Lakrā पु०
द्र०—ਲਕਰ।

ਲਕਰੀ लक्री Lakrī स्त्री०
लकुटी (स्त्री०) लकड़ी, छड़ी।

ਲਕੜਾ लक्ड़ा Lakṛā पुं०
द्र०—ਲਕਰ।

ਲਖ लख् Lakh वि०
लक्ष (नपुं०) लाख, लाख संख्या से युक्त वस्तु।

ਲਖਉਆ लख्ऊआ Lakh-ūā पुं०
लेखक (वि०) लेखक, रचयिता; ग्रन्थकर्त्ता।

ਲਖਸ਼ लखश् Lakhaś पुं०
लक्ष्य (नपुं०) लक्ष्य, उद्देश्य।

ਲਖਣ लखण् Lakhaṇ पुं०
लक्षण (नपुं०) लक्षण, परिभाषा; चाल-ढाल।

ਲਖਣਾਇਕ लख्णाइक् Lakhṇaik पुं०
लाक्षणिक (वि०) वह जो लक्षणों का ज्ञाता हो, लक्षण जानने वाला; जिससे लक्षण प्रकट हो।

ਲਖਮੀ लख्मी Lakhmī स्त्री०
लक्ष्मी (स्त्री०) धन, सम्पत्ति; शोभा; विष्णु की पत्नी।

ਲਖਮੀਵਾਨ लख्मीवान् Lakhmīvān पुं०
लक्ष्मीवत् (वि०) लक्ष्मीवान्, धनवान्।

ਲਖਾਮ लखाम् Lakhām सक० वर्त० क्रि०
लक्षयामि (चुरादि सक० लट् उ० पु०) मैं देखता हूँ; मैं जानता हूँ।

ਲਖਾਵਣਾ लखाव्णा Lakhāvṇā सक० क्रि०
लक्षयति (चुरादि प्रेर०) समझाना, बोध कराना।

ਲੱਖਨ लक्खन् Lakkhan पुं०
लक्षण (नपुं०) लक्षण, चिह्न; प्रतीक।

ਲੱਖਪਤ लक्खपत् Lakkhapat वि०
लक्षपति (पुं०) लखपति, लाखों का स्वामी।

ਲੱਖੂ लक्खू Lakkhū वि०
लक्षिन् (वि०) लाखों वाला, लखपति।

ਲਗਨ-ਪੱਤਰ लगन्-पत्तर् Lagan-Pattar पुं०
लग्नपत्री/पत्र (स्त्री० / नपुं०) लग्नपत्री, विवाह के मुहूर्त्त का पत्र।

ਲਗੂਰ लगुर् Lagur पुं०
द्र०—ਲਗੂਰ।

ਲਗੂਰ लगूर् Lagūr पुं०
लाङ्गूलिन् (पुं०) लंगूर, बन्दर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲਘਨ लघन् Laghan पुं०
लङ्घन (नपुं०) लाँघना, पार करना, फाँदना।

ਲਘਮਾ लघ्मा Laghmā स्त्री०
लघिमन् (पुं०) लघिमा नामक सिद्धि, इसे प्राप्त कर लेने पर मनुष्य बहुत छोटे आकार का या हल्का बन सकता है। आठ सिद्धियों में से एक।

ਲਘਾਉਣਾ लघाउणा Laghāuṇā सक० क्रि०
लङ्घयते/ति (भ्वादि प्रेर०) लँघाना, पार कराना, अतिक्रमण कराना।

ਲਘਾਵਣਾ लघाव्णा Laghāvṇā सक० क्रि०
द्र०— ਲਘਾਉਣਾ।

ਲੱਘਣ लग्घण् Lagghaṇ अक० क्रि०
लङ्घते (भ्वादि अक०) उपवास करना।

ਲੱਘਣਾ लग्घणा Lagghaṇā सक० क्रि०
द्र० —ਲੱਘਣ।

ਲਛਣ लछण् Lachaṇ पुं०
द्र०—ਲੱਖਣ।

ਲਛਮੀ लछ्मी Lachmī स्त्री०
लक्ष्मी (स्त्री०) शोभा; धन, सम्पत्ति।

ਲੱਛ[1] लच्छ् Lacch स्त्री०
द्र० —ਲਛਮੀ।

ਲੱਛ[2] लच्छ् Lacch पुं०
लक्ष्य (नपुं०) लक्ष्य, उद्देश्य।

ਲੱਛੈਣ लच्छैण् Lacchaiṇ पुं०
लक्षण (नपुं०) शरीर का शुभाशुभ चिह्न, निशान, पहचान।

ਲਜ[1] लज् Laj स्त्री०
रज्जु (स्त्री०) रस्सी, डोरी।

ਲਜ[2] लज् Laj स्त्री०
लज्जा (स्त्री०) लज्जा, शर्म।

ਲਜਣਾ लज्णा Lajṇā स्त्री०
लज्जा (स्त्री०) लज्जा, शर्म।

ਲਜਯਾ लज्या Lajyā स्त्री०
द्र०—ਲਜ[2]।

ਲਜਵੰਤੀ लज्वन्ती Lajvantī स्त्री०
लज्जावती (स्त्री०) लज्जाशीला स्त्री।

ਲੱਜਣਾ लज्ज्णा Lajjṇā पुं०
लब्ध (नपुं०) प्राप्त करने का भाव, अधिकार में करने का भाव।

ਲੱਜਤ लज्जत् Lajjat वि०
लज्जित (वि०) लज्जित, लज्जा-युक्त।

ਲੱਜੀ लज्जी Lajjī वि०
लज्जित (वि०) लज्जित, लज्जा-युक्त।

ਲੱਜੂ लज्जु Lajju स्त्री०
रज्जु (स्त्री०) रस्सी, डोरी।

ਲੱਠੀ लट्ठी Laṭṭhī स्त्री०
यष्टि (स्त्री०) छड़ी, डण्डा।

ਲਧਣਾ लध्णा Ladhṇā पुं०
लब्ध (नपुं०) लब्ध या प्राप्त होने का भाव।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲਧਾ लधा Ladhā वि०
लब्ध (वि०) लब्ध, प्राप्त।

ਲਨੇਰ लनेर् Laner पुं०
नारिकेल (पुं०/नपुं०) पुं०—नारियल का वृक्ष। नपुं०—नारियल का फल।

ਲਨੇਰਾ लनेरा Lanerā पुं०
द्र०—ਲਨੇਰ।

ਲਬੀ लबी Labī पुं०
लोभिन् (वि०) लोभी, लालची।

ਲਬੁ लबु Labu पुं०
लोभ (पुं०) लोभ, लालच।

ਲੱਬੜ लब्बड़् Labbaṛ स्त्री०
लुब्ध (स्त्री०) लोभ करने वाली स्त्री।

ਲਭਣ[1] लभण् Labhaṇ सक० क्रि०
लभते (भ्वादि सक०) प्राप्त करना, पाना।

ਲਭਣ[2] लभण् Labhaṇ सक० क्रि०
लभ्यते (भ्वादि कर्म वा०) प्राप्त होना।

ਲਭਣਾ लभ्णा Labhṇā अक० क्रि०
द्र०—ਲਭਣ[2]।

ਲਭਤ लभत् Labhat स्त्री०
लब्धि (स्त्री०) उपलब्धि, लाभ।

ਲਭਤੀ लभ्ती Labhtī स्त्री०
द्र०—ਲਭਤ।

ਲੱਭਤਾ लब्भता Labbhatā स्त्री०
लब्धता (स्त्री०) लाभ, प्राप्ति।

ਲੱਭੀ लब्भी Labbhī पुं०
द्र०—ਲਬੀ।

ਲਮਿਆਰਣਾ लम्यार्णा Lamyārṇā सक० क्रि०
लम्बयति (भ्वादि प्रेर०) लम्बा करना, लटकाना।

ਲਮਿਆਰਨਾ लम्यार्ना Lamyārnā सक० क्रि०
द्र०—ਲਮਿਆਰਣਾ।

ਲਯ लय् Lay पुं०
लय (पुं०) संगीत का लय—द्रुत, मध्य और विलम्बित।

ਲਲਤ ललत् Lalat वि०
ललित (वि०) मनोहर, सुन्दर।

ਲਲਤਾ लल्ता Laltā स्त्री०
ललिता (स्त्री०) राधा की आठ सखियों में से एक; कस्तूरी; दुर्गा।

ਲਲਨਾਂ लल्नाँ Lalnā̃ स्त्री०
ललना (स्त्री०) स्त्री, रमणी, कामिनी।

ਲਲੇਰ ललेर् Laler पुं०
द्र०—ਨਰਿਯਰ।

ਲਲਿਆਨੀ लल्यानी Lalyānī स्त्री०
लालिमन् (पुं०) लालिमा, ललाई।

ਲਵਣਾ लव्णा Lavṇā सक० क्रि०
लभते (भ्वादि सक०) लेना, प्राप्त करना।

ਲਾਹ लाह् Lāh पुं०
लाभ (पुं०) लाभ, प्राप्ति।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲਾਹਾ लाहा Lāhā पुं०
द्र०—ਲਾਹ ।

ਲਾਹੁ लाहु Lāhu पुं०
द्र०—ਲਾਹ ।

ਲਾਕੜ लाकड़ Lākaṛ पुं०
लकुट (नपुं०) लकड़ी, छड़ी ।

ਲਾਕੜਾ लाक्ड़ा Lākṛā पुं०
द्र०—ਲਾਕੜ ।

ਲਾਖੀ लाखी Lākhī वि०
लक्षिन्/लक्षपति (पुं०) लखपति, लाखों का स्वामी ।

ਲਾਘਾ लाघा Lāghā पुं०
लङ्घन (नपुं०) लांघने का भाव ।

ਲਾਂਜ लांज् Lāj पुं०
लञ्ज (पुं०) पुच्छ, मयूर-पुच्छ ।

ਲਾਂਜਣਾ लांज्णा Lājṇā सक० कि०
लञ्जति (भ्वादि सक०) लांछन लगाना, दूषण देना, बदनाम करना ।

ਲਾਂਜੀ लांजी Lājī वि०
लञ्जिन् (वि०) लम्बी पूंछ वाला; मोर ।

ਲਾਡੁ लाडु Lāḍū पुं०
लाड (पुं०) लाड-प्यार ।

ਲਾਡਿਲਾ लाडिला Lāḍilā पुं०
लाडित (वि०) लाडला, दुलारा ।

ਲਾਡੁਲਾ लाडुला Lāḍulā पुं०
द्र०—ਲਾਡਿਲਾ ।

ਲਾਡੂ लाडू Lāḍū पुं०
द्र०—ਲਾਡਿਲਾ ।

ਲਾਣਾ लाणा Lāṇā सक० कि०
लाति (अदादि सक०) लाना ।

ਲਾਂਬਾ लांबा Lāba पुं०
लम्ब (नपुं०) दीर्घ, लम्बा ।

ਲਾਧ लाध् Lādh स्त्री०
लाभ/लब्धि (पुं०/स्त्री०) लाभ, प्राप्ति ।

ਲਾਰੀ लारी Lārī स्त्री०
नारी (स्त्री०) नारी, स्त्री; पत्नी ।

ਲਾਲਤੀ लाल्ती Lālti वि०
ललित (वि०) लालित्य से युक्त मनोहर, सुन्दर ।

ਲਿਉ लिउ Liu स्त्री०
लीनता (स्त्री०) लीन होने का भाव, ध्यान ।

ਲਿਖਹ[1] लिखह् Likhah सक० वर्त० कि०
लिखति (तुदादि सक० लट्) लिखता है ।

ਲਿਖਹ[2] लिखह् Likhah पुं०
लेख (पुं०) लेख, रचना, निबन्ध ।

ਲਿਖਣਆਰਾ लिखण्आरा Likhaṇ-Ārā पुं०
लेखकार (वि०) लिखने वाला, लेखक ।

ਲਿਖਣ-ਸਮਗਰੀ लिखण्-समग्री Likhaṇ-samagrī स्त्री०
लेखनसामग्री (स्त्री०) लेखन सामग्री (लेखनी, मसीपात्र, कागज इत्यादि) ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲਿਖਣਸ਼ੈਲੀ लिखण्शैली Likhaṇśailī स्त्री०
लेखनशैली (स्त्री०) लेखन-शैली, लिखने का ढंग।

ਲਿਖਵੈਯਾ लिख्वैया Likhvaiyā पुं०
लेखक (वि०) लेखक, लिखने वाला।

ਲਿਖਿਆਉਣਾ लिख्याउणा Likhyāuṇā सक० क्रि०
लेखयति (तुदादि प्रेर०) लिखवाना, लिखने की प्रेरणा देना।

ਲਿਖਿਆਰ लिख्यार् Likhyār पुं०
द्र०—ਲਿਖਵੈਯਾ।

ਲਿਖਿਔਣਾ लिख्यौणा Likhyauṇā सक० क्रि०
द्र०—ਲਿਖਿਆਉਣਾ।

ਲਿਖਿਣ लिखिण् Likhiṇ स्त्री०
द्र०—ਲਿੱਖਣ।

ਲਿਖੌਣਾ लिखौणा Likhauṇā सक० क्रि०
द्र०—ਲਿਖਿਆਉਣਾ।

ਲਿੱਖਣ लिक्खण् Likkhaṇ स्त्री०
लेखनी (स्त्री०) लेखनी, कलम।

ਲਿੱਖਣਾ लिक्ख्णा Likkhṇā सक० क्रि०
लिखति (तुदादि सक०) लिखना।

ਲਿਡ लिड् Liḍ स्त्री०
लेण्ड (नपुं०) लीद, बंधा मल, घोड़े आदि की विष्ठा।

ਲਿਡਕਾਵਾ लिड्कावा Liḍkāvā पुं०
लटभ (वि०) लटक-मटक वाला, मनोहर।

ਲਿੱਦ लिद् Lidd स्त्री०
द्र०—ਲਿਡ।

ਲਿੱਦੂ लिद्दु Liddu स्त्री०
द्र०—ਲਿਡ।

ਲਿਪਵਾਵਣ लिप्वावण् Lipvāvaṇ सक० क्रि०
लेपयति (तुदादि प्रेर०) लिपाना, लीपने आदि की प्रेरणा देना।

ਲਿਪਾਇਮਾਨ लिपाइमान् Lipāimān वि०
लिप्यमान (वि०) लीपा जाता हुआ।

ਲਿੰਮਣਾ लिम्मणा Limmṇā सक० क्रि०
लिम्पति (तुदादि सक०) लीपना-पोतना।

ਲਿਲਾਧ लिलाध् Lilādh पुं०
ललाट (नपुं०) मस्तक, भाल, माथा।

ਲਿਲਾਰੀ लिलारी Lilārī पुं०
नीलकार (वि०) रंगरेज, कपड़े रंगने वाला।

ਲੀਉ लीउ Liu स्त्री०
लीनता (स्त्री०) लीनता, लीन होने का भाव, मग्नता।

ਲੀਖਨ लीखन् Likhan स्त्री०
लिक्षा (स्त्री०) लीख, जूं।

ਲੀਖਾ लीखा Likhā वि०
लिखित (वि०) लिखित, लिखा हुआ।

ਲੀਣ लीण् Liṇ वि०
लीनता (स्त्री०) लीनता, लीन होने का भाव, मग्नता।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੀਣਾ लीणा Līṇā वि०
द्र०—ਲੀਣ।

ਲੀਪਤ लीपत् Līpat वि०
लिप्त (वि०) आसक्त; डूबा हुआ, सना हुआ।

ਲੀਲ लील् Līl पुं०
नील (पुं०) नील पदार्थ।

ਲੀਲਾ लीला Līlā वि०
नील (वि०) नीले वर्ण वाला, नीला।

ਲੀਲ੍ਹਾ लील्हा Līlhā स्त्री०
लीला (स्त्री०) क्रीडा, लीला।

ਲੀਵਨਾ लीव्ना Līvnā अक० क्रि०
लीयते (दिवादि अक०) लीन होना।

ਲੁਕਾ लुका Lukā पुं०
लुप्त (वि०) लुप्त, छिपा हुआ।

ਲੁਕੌਣਾ लुकौणा Lukauṇā सक० क्रि०
लोपयति (दिवादि प्रेर०) छिपाना, लुप्त करना।

ਲੁੱਕਣ लुक्कण् Lukkaṇ अक० क्रि०
लुप्यति (दिवादि अक०) लुप्त होना, छिपना।

ਲੁੱਟਣ लुट्टण् Luṭṭaṇ सक० क्रि०
लुण्टति (भ्वादि सक०) लूटना, चुराना।

ਲੁਠਨ लुठन् Luṭhan पुं०
लुण्ठन (नपुं०) लोटने की क्रिया, थकान।

ਲੁਨਣਾ लुन्णा Lunṇā सक० क्रि०
लुनाति (क्र्यादि सक०) काटना, फसल काटना।

ਲੁਭਤ लुभत् Lubhat वि०/पुं०
लुब्ध (वि०/पुं०) वि०—लोभी। पुं०—शिकारी, बहेलिया।

ਲੁਭਾਉਣਾ लुभाउणा Lubhāuṇā सक० क्रि०
लोभयति (दिवादि प्रेर०) लोभ देना, ललचाना।

ਲੁਭਾਓ लुभाओ Lubhao पुं०
लोभ (पुं०) लोभ, लालच।

ਲੁਭਿਤ लुभित् Lubhit वि०
लुब्ध (वि०) लोभी, लालची।

ਲੁੱਭ लुब्भ् Lubbh पुं०
लोभ/लुब्धि (पुं०/स्त्री०) लोभ, लालच।

ਲੂੰਅ लूंअ Lūa पुं०
लोमन् (नपुं०) लोम, रोम।

ਲੂਟਨਾ लूट्ना Lūṭnā सक० क्रि०
लुण्टति (भ्वादि सक०) लूटना, चुराना; अपमान करना।

ਲੂੱਠਾ लूट्ठा Lūṭṭhā पुं०
प्लोषित (वि०) जला हुआ, दग्ध।

ਲੂਨ लून् Lūn पुं०
लवण (नपुं०) नमक, समुद्री नमक.

ਲੂਨਾ लूना Lūnā पुं०
द्र०—ਲੂਨ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੇਅ लेअ Lea पुं०
लेप (पुं०) पोतने या चुपड़ने की वस्तु, लेप, उबटन आदि; लेपने-पोतने की क्रिया।

ਲੇਈ लेई Lei स्त्री०
लेप (पुं०) लेपने या चुपड़ने की वस्तु, लेई, उबटन आदि।

ਲੇਸ਼ लेश् Leś स्त्री०
लेश (पुं०) अणु, अत्यन्त लघु परिमाण, कण।

ਲੇਹਣਾ लेह्णा Lehṇā सक० क्रि०
लेढि (अदादि सक०) चाटना; बछड़े के द्वारा गाय का दूध पीना।

ਲੇਖ लेख् Lekh पुं०
लेख (पुं०) लेख, निबन्ध।

ਲੇਖਕ लेखक् Lekhak पुं०
लेखक (वि०) लेखक, लेखन-कार्य करने वाला।

ਲੇਖਣਿ[1] लेख्णि Lekhṇi स्त्री०
लेखन (नपुं०) लेखन-कार्य, रचना।

ਲੇਖਣਿ[2] लेख्णि Lekhṇi स्त्री०
लेखनी (स्त्री०) लेखनी, कलम।

ਲੇਖਨ लेखन् Lekhan पुं०
लेखन (नपुं०) लेख, रचना; लेखनी।

ਲੇਖੇਧਾਰੀ लेखेधारी Lekhedhārī पुं०
लेखाधारिन् (वि०) लेखा रखने वाला।

ਲੇਖਾ लेखा Lekhā स्त्री०
लेख्य (नपुं०) हिसाब-किताब।

ਲੇਡਾ लेड्डा Leḍḍā पुं०
लेण्ड (नपुं०) बंधा मल, लीद, घोड़े आदि की विष्ठा।

ਲੇਨੀ लेनी Lenī स्त्री०
लेण्ड (नपुं०) बँधा मल।

ਲੇਪਨ लेपुन् Lepun पुं०
लेपन (नपुं०) लेपने या पोतने की क्रिया, लिपाई-पुताई।

ਲੈ लै Lai पुं०
लय (पुं०) संगीत की लय, द्रुत, मध्य तथा विलम्बित; लीनता।

ਲੈਹਸਨ लैह्सन् Laihsan पुं०
लशुन (पुं०) लहसुन।

ਲੈ-ਪਰਲੈ लै-पर्लै Lai-Parlai स्त्री०
प्रलय (पुं०) नाश, लय को प्राप्त होने का भाव; कल्पान्त में संसार या सृष्टि का लय।

ਲੋਊ लोऊ Loū पुं०
लोमवती (स्त्री०) लोई, रोयेंदार ओढ़ने या बिछाने की चादर।

ਲੋਆ लोआ Loā पुं०
द्र०—ਲੋਊ।

ਲੋਈਆ लोईआ Loīā स्त्री०
लोग (पुं०) लोई, पिण्ड।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੋਹਉ लोहउ Lohau पुं०
लौह (नपुं०) लोहा, लोहा धातु ।

ਲੋਹਟਿਆ लोह्टिया Lohṭiyā पुं०
लोहहट्टिक (पुं०) लोहटिया, लोहे का बाजार ।

ਲੋਂਹਡਾ लोंह्डा Lōhḍā पुं०
लौहभाण्ड (नपुं०) लौह-पात्र, लोहे का बर्तन ।

ਲੋਹਣ लोहण् Lohaṇ सक० क्रि०
लुभ्यति (दिवादि सक०) चाहना, लोभ करना ।

ਲੋਹਣਾ लोह्णा Lohṇā सक० क्रि०
द्र० —ਲੋਹਣ ।

ਲੋਹ-ਲੋਹਕੇ लोह्-लोह्के Loh-Loh-ke क्रि० वि०
लोभं-लोभम् (क्रि० वि०) तरस-तरस के ।

ਲੋਹੜ लोहड़् Lohaṛ पुं०
लोभ (पुं०) लोभ, आकांक्षा ।

ਲੋਹਾ लोहा Lohā पुं०
लौह (नपुं०/वि०) नपुं०—लोहा । वि०—ताँबे के रंग का लाल, लोहे का बना ।

ਲੋਹੰਡਾ लोहण्डा Lohaṇḍā पुं०
द्र०—ਲੋਂਹਡਾ ।

ਲੋਕ-ਅਖਾਣ लोक्-अखाण् Lok-Akhāṇ स्त्री०
लोकाख्यान (नपुं०) लोकोक्ति, कहावत ।

ਲੋਕ-ਪਚਾਰਾ लोक्-पचारा Lok-Pacārā पुं०
लोकप्रथा (स्त्री०) लोक-प्रथा, रीति-रिवाज, लोक-रीति ।

ਲੋਕਪਤੀਆਰਾ लोक्पतीआरा Lokpatīārā पुं०
लोकप्रत्यय (पुं०) लोगों का विश्वास ।

ਲੋਕ-ਪ੍ਰਸਿੱਧਤਾ लोक्-प्रसिद्धता Lok-Prasiddhatā स्त्री०
लोक-प्रसिद्धता (स्त्री०) लोक-प्रसिद्धि ।

ਲਕ-ਲਜਿਆ लोक्-लज्या Lok-Lajyā स्त्री०
लोकलज्जा (स्त्री०) लोक लज्जा, लोक-लाज ।

ਲੋਕਾਂਤਰ लोकान्तर् Lokāntar पुं०
लोकान्तर (नपुं०) परलोक ।

ਲੋਗ लोग् Log पुं०
लोक (पुं०) लोग, जनता, संसार, लोक ।

ਲੋਂਗ लोंग् Lōg स्त्री०
लवङ्ग (नपुं) लवंग, लौंग ।

ਲੋਗ-ਪਚਾਰਾ लोग्-पचारा Log-Pacārā पुं०
द्र०—ਲੋਕਪਚਾਰਾ ।

ਲੋਗਾਚਾਰ लोगाचार् Logācār पुं०
लोकाचार (पुं०) लोकाचार, लोकरीति ।

ਲੋਡਣ लोडण् Loḍaṇ सक० क्रि०
आन्दोलयति (चुरादि सक०) हिलाना, झुलाना ।

ਲੋਡਾ लोडा Loḍā पुं०
आन्दोल (पुं०) हिलने का भाव ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਲੋਣ लोण् Loṇ पुं०
द्र०—लुन।

ਲੋਪ लोप् Lop पुं०
लोप (पुं०) लुप्त होने का भाव, लोप।

ਲੋਭਣੀ लोभ्णी Lobhṇī स्त्री०
लोभिनी (स्त्री०) लोभी स्त्री, लालची औरत।

ਲੋਭੜ लोभड़् Lobhaṛ पुं०
लोभक (वि०) लोभ करने वाला, लोभी, लालची।

ਲੋਭੀ लोभी Lobhī पुं०
लोभिन् (वि०) लोभी, लालची।

ਲੋਭਾਨੁ लोभानु Lobhānu पुं०
लोभिन् (वि०) लोभी, लालची।

ਲੋਨਾਈ लोनाई Lonāī स्त्री०
लवन (नपुं०) फसल की कटाई, लुनाई।

ਲੌਹਕਾ लौह्का Lauhkā वि०
लघु (वि०) लघु, छोटा।

ਲੌਹਡਾ लौह्डा Lauhḍā वि०
द्र०—ਲੌਹਕਾ।

ਲੌਹੜਾ लौह्ड़ा Lauhṛā वि०
द्र०—ਲੌਹਕਾ।

ਲੌਕਾ लौका Laukā पुं०
अलाबू (स्त्री०) लौकी, तुम्बी।

ਲੌਣਾ लौणा Lauṇā अक० क्रि०
लपति (भ्वादि सक०) बकवास करना, प्रलाप करना।

ਲੰਗੂਰ लंगुर् Laṅgur पुं०
लाङ्गूलिन् (पुं०) लंगूर, बन्दर।

ਲੰਗੂਰ-ਮੁੰਹਾਂ लंगूर्-मुँहाँ Laṅgūr-Mūhā पुं०
लाङ्गूलिमुख (वि०) लंगूर की आकृति वाला।

ਲੰਗੋਟਾ लंगोट्टा Laṅgoṭṭā पुं०
लङ्गपट्ट (नपुं०) लंगोट।

ਲੰਗੋਟੀ लंगोट्टी Laṅgoṭṭī स्त्री०
द्र०—ਲੰਗੋਟਾ।

ਲੰਘਣਾ लंघ्णा Laṅghṇā पुं०
लङ्घन (नपुं०) लंघन, उपवास।

ਲੰਘਾਣਾ लंघाणा Laṅghāṇā सक० क्रि०
लङ्घयते / ति (भ्वादि प्रेर०) लँघाना, अतिक्रमण कराना।

ਲੰਘਾਣੀ लंघानी Laṅghāṇī स्त्री०
लङ्घणी (स्त्री०) खेतों की बाड़ में लगी लकड़ी विशेष, जिसे केवल मनुष्य ही पार कर सकते हैं।

ਲੰਘਾਵਣ लंघाव्ण Laṅghāvaṇ सक० क्रि०
द्र०—ਲੰਘਾਣਾ।

ਲੰਜ लंज् Lañj पुं०
लञ्ज (पुं०) पुच्छ, मयूर-पुच्छ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵ

ਵ व Va अ०
वा (अ०) तथा, और, या, अथवा।

ਵਸਸਿ वससि Vasasi भवि० अक० क्रि०
वत्स्यति (भ्वादि अक० लृट्) रहेगा, निवास करेगा।

ਵਸਸੀ वससी Vasasī भवि० अक० क्रि०
द्र०—ਵਸਸਿ।

ਵਸਣਾ वस्णा Vasṇā अक० क्रि०
वर्षति (भ्वादि अक०) बरसना।

ਵਸਤੁਤਹ वस्तुतह् Vastutah अ०
वस्तुतः (अ०) वास्तव में, सचमुच, यथार्थतः।

ਵਸਦੀ वस्दी Vasdī स्त्री०
वसति / ती (स्त्री०) बस्ती, आबादी; निवास, घर।

ਵਸਵਾਸ वस्वास् Vasvās पुं०
विश्वास (पुं०) विश्वास, भरोसा।

ਵਸਵਾਸੀ वस्वासी Vasvāsī पुं०
विश्वासिन् (वि०) विश्वासी, भरोसेमन्द, विश्वास-पात्र।

ਵਸਾਉ वसाऊ Vasāū पुं०
वर्षक (वि०) बरसाने वाला, वर्षा करने वाला।

ਵਸਾਹ वसाह् Vasāh पुं०
विश्वास (पुं०) विश्वास; भरोसा।

ਵਸਾਖ वसाख् Vasākh पुं०
वैशाख (पुं०) वैशाख मास।

ਵਸਾਣਾ वसाणा Vasāṇā अक० क्रि०
वर्षति (भ्वादि अक०) बरसना।

ਵਸਾਰਣਾ वसार्णा Vasārṇā सक० क्रि०
विस्मारयति (भ्वादि प्रेर०) विस्मृत करना, विसारना, भुलाना।

ਵਸ਼ਾਲ वशाल् Vaśāl वि०
विशाल (वि०) बड़ा, महान्; लम्बा-चौड़ा; प्रशस्त, चौड़ा।

ਵਸੀਕਰਣ वसीकरण् Vasīkaraṇ पुं०
वशीकरण (नपुं०) वश में करने का भाव; वशीकरण।

ਵਸੀਕਰਨ वसीकरन् Vasīkaran पुं०
द्र०—ਵਸੀਕਰਣ।

ਵਸ਼ੇਸ਼ वशेश् Vaśeś वि०
विशेष (वि०) विशेष, खास।

ਵਸ਼ੇਸ਼ਣ वशेशण् Vaśeśaṇ पुं०
विशेषण (नपुं०) गुण, रूप आदि को बतलाने वाला, व्याकरण में वह विकारी शब्द जिससे किसी संज्ञावाची शब्द की कोई विशेषता अवगत हो।

ਵਸ਼ੇਸ਼ਤਾ वशेश्ता Vaśeśtā स्त्री०
विशेषता (स्त्री०) विशेषता, खाशियत।

ਵਸ਼ੇਸ਼ਤਾਈ वशेश्ताई Vaśeśtāī स्त्री०
द्र०—ਵਸ਼ੇਸ਼ਤਾ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਸੇਕ वसेक् Vasek वि०
द्र०—ਵਸ਼ੇਸ਼ ।

ਵਸੇਂਦਾ वसेन्दा Vasendā वि०
वासिन् (वि०) निवासी, वासी, वसिंदा ।

ਵਸੰਦੜਾ वसन्द्ड़ा Vasandṛā वि०
द्र०—ਵਸ਼ੇਂਦਾ ।

ਵੱਸਣਾ[1] वस्स्णा Vassṇā अक० क्रि०
वसति (भ्वादि अक०) वसना, रहना, निवास करना ।

ਵੱਸਣਾ[2] वस्स्णा Vassṇā अक० क्रि०
वर्षति (भ्वादि अक०) बरसना ।

ਵੱਸਾ वस्सा Vassā वि०
वश्य (वि०) जो वश में हो, आज्ञाकारी ।

ਵੱਸੂ वस्सू Vassū पुं०
वसु (पुं०) वसु देवता, जिनकी संख्या आठ होती है ।

ਵਹਣ[1] वह्ण् Vahṇ स्त्री०
वहन (नपुं०) वहन करने का भाव, ढोने का भाव ।

ਵਹਣ[2] वह्ण् Vahṇ पुं०
वहन (नपुं०) बहाव, जल का बहाव ।

ਵਹਣਾ वह्णा Vahṇā सक० क्रि०
वहति (भ्वादि सक०) ढोना, खींचना ।

ਵਹਦਰ वह्दर् Vahdar स्त्री०
वर्ध (पुं०) चमड़े का धागा, चर्मरज्जु, चमड़े की पतली पट्टी ।

ਵਹੜ वहड़् Vahaṛ पुं०
वह (पुं०) ले जाने की क्रिया; वाहन, सवारी; पवन ।

ਵਹਾਵ वहाव् Vahāv पुं०
प्रवाह (पुं०) धारा, बहाव, पानी का वेग ।

ਵਹਾਵਣ वहावण् Vahāvaṇ सक० क्रि०
वाहयति (भ्वादि प्रेर०) बहाना; हल चलाना ।

ਵਹਾਵਣਾ वहाव्णा Vahāvṇā सक० क्रि०
द्र०—ਵਹਾਵਣ ।

ਵਹਾਵਨ वहावन् Vahāvan सक० क्रि०
द्र०—ਵਹਾਵਣ ।

ਵਹਿਣਕੁੰਡ वहिण्कुण्ड् Vahiṇkuṇḍ पुं०
वह्निकुण्ड (नपुं०) अग्निकुण्ड, हवनकुण्ड ।

ਵਹਿਤ੍ਰ वहित्र् Vahitr पुं०
वहित्र (नपुं०) वाहन, सवारी ।

ਵਹੀਣ वहीण् Vahīṇ वि०
विहीन (वि०) विहीन, रहित ।

ਵਹੀਣੁ वहीणु Vahīṇu पुं०
विभेदन (नपुं०) नाली ।

ਵਹੀਦਾ वहीदा Vahīdā पुं०
वहत् (वि०) बहता हुआ ।

ਵਹੌਟੀ वहौटी Vahauṭī स्त्री०
वधूटी (स्त्री०) बहूरानी, बहू ।

ਵਖਤ वखत् Vakhat वि०
विक्रय्य (वि०) बेचने योग्य वस्तु ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਖਰਾ वख्रा Vakhrā वि०
विष्कीर्ण (वि०) बिखरा; भिन्न, पृथक्।

ਵਖਰਾਉਣਾ वख्राउणा Vakhrāuṇā सक० क्रि०
विष्किरति (तुदादि अक०) बिखेरना; पृथक् करना।

ਵਖਿਆਤ वख्यात् Vakhyāt वि०
विख्यात (वि०) विख्यात, प्रसिद्ध।

ਵਖੋਧ वखोध् Vakhodh पुं०
विक्षोभ (पुं०) मन की उद्विग्नता या चञ्चलता, क्षोभ।

ਵਖੋਧਣ वखोधण् Vakhodhaṇ स्त्री०
द्र०—ਵਖੋਧੀ।

ਵਖੋਧੀ वखोधी Vakhodhī पुं०
विक्षोभिन् (वि०) क्षोभ करने वाला।

ਵਗ वग् Vag पुं०
वर्ग (पुं०) वर्ग, समूह, दल।

ਵਗੁ वगु Vagu पुं०
द्र०—ਵਗ।

ਵਚਾਉਣਾ वचाउणा Vacāuṇā अक० क्रि०
वञ्चति/वञ्चयति (भ्वादि प्रेर०) बचाना, रक्षा।

ਵਚਿਤਰ वचितर् Vacitar वि०
विचित्र (वि०) विचित्र, अद्भुत, अनोखा।

ਵਚਿਤਰਤਾ वचितर्ता Vacitartā स्त्री०
विचित्रता (स्त्री०) विचित्रता, अनोखापन।

ਵੱਚ वच्च् Vacc पुं०
अपत्य (नपुं०) संतान; मछली के अण्डे।

ਵਛਲ वछल् Vachal पुं०
वत्सल (वि०) स्नेह वाला, वात्सल्य भाव रखने वाला।

ਵਛਲਤਾ वछल्ता Vachaltā स्त्री०
वत्सलता (स्त्री०) वात्सल्य, स्नेहभाव।

ਵਛਾ वछा Vachā पुं०
वत्स (पुं०) गाय या किसी भी जानवर का बच्चा।

ਵਛੀ वछी Vachī स्त्री०
वत्सतरी (स्त्री०) बछिया।

ਵੱਛ वच्छ् Vacch पुं०
वक्षस् (नपुं०) छाती, वक्षस्थल।

ਵਜ वज् Vaj पुं०
वाद्य (नपुं०) वाद्य, बाजा।

ਵਜਈ वजई Vajaī पुं०
विजयिन् (वि०) विजयी, जीतने वाला।

ਵਜਣਾ वज्णा Vajṇā अक० क्रि०
वाद्यते (चुरादि कर्म वा०) बजना।

ਵਟ वट् Vaṭ अ०
वत् (अ०) सादृश्य, समानता।

ਵਟਣੀ वट्णी Vaṭṇī स्त्री०
वर्तनी (स्त्री०) छोटा तकुआ, तकली।

ਵਟਣੂ वट्णू Vaṭṇū पुं०
वर्तन (नपुं०) बड़ा तकुआ, तकली।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਟਲੋਹਾ वट्लोहा Vaṭlohā पुं०
वर्तलोह (नपुं०) कांसे, लोहे या पातल का भाण्ड, बटलोहा।

ਵਟੁਆਲ वटुआल् Vaṭuāl पुं०
वर्त्मपाल (पुं०) चौकीदार, मार्ग-रक्षक।

ਵੱਟੀ वट्टी Vaṭṭī स्त्री०
वर्ति/वर्ती (स्त्री०) दीपक की बत्ती।

ਵਡੱਤ वडत्त् Vaḍatt स्त्री०
वड़्ता (स्त्री०) बड़ाई, बड़प्पन।

ਵਡਯਾਈ बड्याई Vaḍyāī स्त्री०
वड़्िका (स्त्री०) बड़ाई, प्रशंसा।

ਵਡੀ वडी Vaḍī स्त्री०
वड़्ी (स्त्री०) बड़ी; बहुत, अधिक।

ਵਣਜਨਾ बणज्ना Vaṇajnā सक० क्रि०
पणते (भ्वादि सक०) व्यापार करना।

ਵਣਜਾਰਣ वण्जारण् Vaṇjāraṇ स्त्री०
वणिजी/वणिजिका (स्त्री०) व्यापारी की पत्नी, व्यापार करने वाली स्त्री।

ਵਣਾਹ वणाह् Vaṇāh पुं०
विनाश (पुं०) नाश, बरबादी; मृत्यु।

ਵਤਸ वतस् Vatas पुं०
वत्स (पुं०) बछड़ा, गाय या किसी जानवर का बछड़ा।

ਵਤਾਂਦ੍ਰਾ वतान्द्रा Vatāndrā पुं०
वर्तान्तिर (नपुं०) विनियम, अदला-बदली।

ਵਦੂਹਣਾ वदूह्णा Vadūhṇā सक० क्रि०
विदूषयति (दिवादि प्रेर०) कलंकित करना, आरोप लगाना; निन्दा करना।

ਵੱਦਣ वद्दण् Vaddaṇ अक० क्रि०
आवर्तते (भ्वादि अक०) घूमना-फिरना।

ਵਧਨਾ वध्ना Vadhnā पुं०
वर्धनी (स्त्री०) वधना, जल का घड़ा।

ਵਧਾਣਾ वधाणा Vadhāṇā वि०
वर्धापन (नपुं०) बढ़ाना, आगे बढ़ाना; बधाई देना।

ਵੱਧਣਾ वद्धणा Vaddhṇā अक० क्रि०
वर्धते (भ्वादि अक०) बढ़ना, अधिक होना।

ਵਨਾਂ वनाँ Vanā पुं०
वन्द्य (वि०) वर, दूल्हा।

ਵਭਿੰਨਤਾ वभिन्नता Vabhinnatā स्त्री०
विभिन्नता (स्त्री०) भेद, भिन्नता, पृथक्ता।

ਵਯਸਨ वयसन् Vaysan पुं०
व्यसन (नपुं०) बुरी आदत या लत, पापाचार।

ਵਯਤਿਰੇਕ व्यतिरेक् Vyatirek पुं०
व्यतिरेक (पुं०) व्यतिरेक अलंकार जिसमें उपमान की अपेक्षा उपमेय उत्कृष्ट रहता है।

ਵਯਵਹਿਤ व्यव्हित् Vyavhit वि०
व्यवहित (वि०) व्यवधान से युक्त; अलग रखा हुआ; परदा डाला हुआ, गुप्त।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਯਾਹ व्याह् Vyāh पुं०
विवाह (पुं०) विवाह, परिणय।

ਵਯਾਹਣਾ व्याहणा Vyāhṇā सक० क्रि०
विवाहयति (भ्वादि प्रेर०) विवाह करना, ब्याहना।

ਵਯਾਹਣੂ व्याहणू Vyāhṇū वि०
वैवाहिक (वि०) विवाह-संबन्धी।

ਵਯਾਹਤਾ व्याहता Vyāhtā स्त्री०
विवाहिता (स्त्री०) विवाहित स्त्री।

ਵਯਾਕਰਨੀ व्याकर्नी Vyākarnī पुं०
व्याकरणिन्/वैयाकरण (वि०) व्याकरण-शास्त्र का ज्ञाता या अध्येता।

ਵਯਾਜ व्याज् Vyāj स्त्री०
व्याज (पुं०) बहाना, मिस; कपट, छल; व्याजस्तुति।

ਵਰਹ वर्ह् Varh पुं०
वर्ष (पुं०, नपुं०) वर्ष, साल।

ਵਰਹਾ वर्हा Varhā पुं०
द्र०—ਵਰਹ।

ਵਰਤਨ वर्तन् Vartan पुं०
वर्तन (नपुं०) व्यवहार, प्रयोग।

ਵਰਤੱਬ वर्तब्ब् Vartabb पुं०
वर्तितव्य (वि०) व्यवहार-योग्य, प्रयोगार्ह।

ਵਰਤਮ वरतम् Vartam पुं०
वर्त्मन् (नपुं०) मार्ग, राह, पन्थ।

ਵਰਤਾਵਾ वर्तावा Vartāvā पुं०
वर्तित (नपुं०) व्यवहार, बर्ताव।

ਵਰਤੀਰਾ वर्तीरा Vartīrā पुं०
द्र०—ਵਰਤਾਵਾ।

ਵਰਤੇਵਾ वर्तेवा Vartevā पुं०
द्र०—ਵਰਤਾਵਾ।

ਵਰਤੋਂ वर्तों Vartō स्त्री०
वर्तन (नपुं०) प्रयोग, व्यवहार।

ਵਰਨ-ਵਿਚਿਤਰਤਾ वर्न्-विचितर्ता Varn-Vicitartā स्त्री०
वर्णविचित्रता (स्त्री०) वर्णों की विचित्रता, रंग-विरंगापन।

ਵਰਨਾਉਣਾ वर्नाउणा Varnāuṇā सक० क्रि०
वर्णयति (चुरादि सक०) वर्णन करना, बयान करना।

ਵਰਾਤ वरात् Varāt स्त्री०
वरयात्रा (स्त्री०) बारात, वर-यात्रा।

ਵਰਾਤੀ वराती Varātī वि०
वरयात्रिक (वि०) बाराती, बारात के लोग।

ਵਰਿਹਾ वरिहा Varihā पुं०
द्र०—ਵਰਹ।

ਵਰੁਨਾਉਣਾ वर्हनाउणा Varhnāuṇā सक० क्रि०
वर्षयति (भ्वादि प्रेर०) बरसना, वर्षा करना।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਰੁਨਾਉ वर्हनाऊ Varhanāū वि०
वर्षक/वर्षुक (वि०) बरसने वाला।

ਵਰੁਾਉ बर्हाउ Varhāu वि०
वर्षक/वर्षुक (वि०) वर्षा करने वाला, बरसने वाला।

ਵਲ वल् Val पुं०
बल (नपुं०) शरीर की शक्ति, ताकत; ढंग, रीति।

ਵਲਣਾ वल्णा Valṇā अक० क्रि०
द्र०—ਵੱਲਣ।

ਵਲਾਉ वलाउ Valāu पुं०
अपलाप (पुं०) क्षमा माँगना; देना।

ਵਲਾਉਣਾ वलाउणा Valāuṇā सक० क्रि०
अपलापयति (भ्वादि प्रेर०) छिपाना; धोखा देना, ठगना।

ਵਲੋੜਣ वलोड़ण् Valoṛaṇ सक० क्रि०
विलोडति (भ्वादि सक०) बिलोना, मन्थन करना।

ਵਲੋੜਾ वलोड़ा Valoṛā पुं०
विलोड (पुं०) विलोडन, मन्थन।

ਵਲ੍ਹ वल्ह् Valh स्त्री०
वल्लरी (स्त्री०) बेल, लता।

ਵੱਲਣ वल्लण् Vallaṇ अक० क्रि०
वलते (भ्वादि अक०) घूमना, मुड़ना।

ਵਵਾਦ ववाद् Vavād पुं०
विवाद (पुं०) किसी विषय को लेकर वाक्युद्ध, झगड़ा; प्रतिवाद, खण्डन।

ਵਵੇਕ ववेक् Vavek पुं०
विवेक (पुं०) सत्-असत् का ज्ञान, भला-बुरा पहचानने की शक्ति; समझ, विचार।

ਵੜ वड़् Vaṛ पुं०
वट (पुं०) वरगद का वृक्ष, वट वृक्ष।

ਵੜਾ वड़ा Vaṛā पुं०
वड्र (वि०) बड़ा, महान्।

ਵੜੋਟਾ बड़ोटा Vaṛoṭ पुं०
वटवृक्ष (पुं०) बरगद का पेड़।

ਵਾਂ वां Vā स्त्री०
वापी (स्त्री०) बावली, छोटा जलाशय।

ਵਾਂਸ वाँस् Vās पुं०
वंश (पुं०) बाँस, वेणु।

ਵਾਸਘਰ वास्घर् Vāsghar पुं०
वासघर (पुं०) निवासघर, आवसगृह।

ਵਾਸਤਵਕ वास्तवक् Vāstavak वि०
वास्तविक (वि०) ठीक, यथार्थ, प्रकृत।

ਵਾਸਨਾ वास्ना Vāsnā स्त्री०
वासना (स्त्री०) संस्कार-जन्य मानसिक सुख-दुःख की भावना, कामना, अभिलाषा।

ਵਾਸੂ¹ वासू Vāsū स्त्री०
वास्तव्य (नपुं०) पता, ठिकाना, बस्ती।

ਵਾਸੂ² वासू Vāsū वि०
वासिन् (वि०) निवासी, रहने वाला।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਾਂਹਦੜਾ वाँह्दड़ा Vāhdṛā पुं०
वाहक (वि०) हल जोतने वाला, खेती करने वाला।

ਵਾਹਰਣਾ वाहरणा Vāharṇā स्त्री०
वाश्रा (स्त्री०) गाय, भैंस आदि पशुओं की मैथुनेच्छा।

ਵਾਹਲ वाहल् Vāhal स्त्री०
वश (पुं०) शक्ति, जोर; अधिकार; स्वामित्व; प्रभाव।

ਵਾਹੇਂਦ वाहन्द् Vāhand पुं०
प्रवहण / वहण (नपुं०) जोतने का भाव या क्रिया।

ਵਾਕ-ਅੰਸ਼ वाक्-अंश् Vāk-Anś पुं०
वाक्यांश (पुं०) वाक्य का एक भाग।

ਵਾਖਣਾ वाख्णा Vākhṇā स्त्री०
वष्कयणी / वष्कायिणी (स्त्री०) चिर-प्रसूता गौ, बहुत दिनों की व्याई हुई, गाय, बकेना गौ।

ਵਾਗਮੀ वाग्मी Vāgmī वि०
वाग्मिन् (वि०) अच्छा भाषण देने वाला, भाषण-पटु।

ਵਾਘ वाघ् Vāgh पुं०
व्याघ्र (पुं०) बाघ, शेर।

ਵਾਚਣਾ वाच्ना Vācnā सक० क्रि०
वाचयति (चुरादि सक०) वाचना, पढ़ना, बोलना।

ਵਾਚਿਆਰਥ वाच्यारथ Vācyārath पुं०
वाच्यार्थ (पुं०) मुख्यार्थ, अभिधा शक्ति द्वारा बोधगम्य अर्थ, वाच्यार्थ।

ਵਾਜ਼ੱਜਾ वाज्जा Vājjā पुं०
वाद्य (नपुं०) बाजा, वाद्य।

ਵਾਟ वाट् Vāṭ स्त्री०
वाट (नपुं, पुं०) मार्ग, वाट, रास्ता।

ਵਾਟੜੀ वाट्ड़ी Vāṭṛī स्त्री०
द्र०—ਵਾਟ।

ਵਾਢੀ वाढी Vāḍhī स्त्री०
वृद्धि (स्त्री०) फसल की कटाई, कटनी।

ਵਾੱਢੀ वाड्ढी Vāḍḍhī पुं०
द्र०—ਵਾਢੀ।

ਵਾਣ वाण् Vāṇ पुं०
बाण (पुं०) बाण, तीर।

ਵਾੱਧਾ वाद्धा Vāddhā पुं०
वर्ध (पुं०) वृद्धि, लाभ।

ਵਾੱਧੂ वाद्धू Vāddhū पुं०
वृद्ध (वि०) वृद्धि को प्राप्त, बढ़ा हुआ।

ਵਾਪੀ वापी Vāpī स्त्री०
वापी (स्त्री०) बावली, छोटा चौकोर जलाशय।

ਵਾਯਵੀ-ਕੋਣ वाय्वी-कोण् Vāyvī-Koṇ पुं०
वायव्यकोण (पुं०) वायव्य कोण, उत्तर-पश्चिम का कोण।

ਵਾਯੁ वायु Vāyu पुं०
वायु (पुं०) वायु, हवा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਾਰ वार् Vār पुं०
भार (नपुं०) भार, बोझ ।

ਵਾਰਸਕ वार्सक् Vārsak वि०
वार्षिक (वि०) वार्षिक, सालाना; वर्षा ऋतु से संबद्ध ।

ਵਾਰਸਕੀ वार्सकी Vārsakī स्त्री०
वार्षिकी (स्त्री०) सालाना, वर्ष भर का वेतन या भत्ता आदि ।

ਵਾਰਖਿਕ वार्खिक् Vārkhik वि०
वार्षिक (वि०) वर्षा ऋतु से सम्बद्ध; वार्षिक, सालाना ।

ਵਾਰਨ-ਵਾਰ वारन्-वार् Vāran-Vār क्रि० वि०
वारम्वार (अ०) कई बार, फिर-फिर ।

ਵਾਰਮ-ਵਾਰ वारम्-वार् Vāram-Vār क्रि० वि०
द्र०—ਵਾਰਨ-ਵਾਰ ।

ਵਾਰ-ਵਾਰ वार्-वार् Vār-Vār क्रि० वि०
द्र०—ਵਾਰਨ-ਵਾਰ ।

ਵਾੜਨਾ वाड़्णा Vāṛṇā सक० क्रि०
उपपातयति (भ्वादि प्रेर०) प्रवेश कराना ।

ਵਾੜਾ वाड़ा Vāṛā पुं०
वाट (पुं०,नपुं०) बाड़ा, घेरा, हाता; भवन ।

ਵਿ वि Vi वि०
द्वि (वि०) दो, 2 ।

ਵਿਉ विउ Viu वि०/पुं०
व्यय (वि० / पुं०) वि०—नाशवान्, परिवर्तनशील । पुं०—व्यय, खर्च; क्षय, नाश; ह्रास ।

ਵਿਉਂਤਣਾ व्युँत्णा Vyūtṇā सक० क्रि०
व्यूयते (भ्वादि सक०) कपड़े को काटना-नापना; योजना बनाना ।

ਵਿਉਮੁ व्युमु Vyumu पुं०
व्योमन् (नपुं०) व्योम, आकाश ।

ਵਿਓਜਕ व्योजक् Vyojak वि०
वियोजक (वि०) वियोजक, अलग करने वाला ।

ਵਿਓਮ व्योम् Vyom पुं०
द्र०—ਵਿਉਮੁ ।

ਵਿਅਸਥ व्यसथ् Vyasath वि०
व्यस्त (वि०) लगा हुआ, लीन; बिखरा हुआ, अस्त-व्यस्त ।

ਵਿਅਰਥਕ विअर्थक् Viarthak वि०
व्यर्थक (वि०) निरर्थक, जिसका कुछ मतलब न हो, बेकार ।

ਵਿਅਵਸਾ व्यवसा Vyavasā पुं०
व्यवसाय (पुं०) व्यापार, काम ।

ਵਿਅਵਸਾਈ व्यव्साई Vyavsāī वि०
व्यवसायिन् (वि०) व्यवसायी, व्यापारी ।

ਵਿਆਹਣਾ विआह्णा Viāhṇā सक० क्रि०
विवाहयति (भ्वादि प्रेर०) विवाह करना, ब्याहना ।

ਵਿਆਹਤ व्याहत् Vyāhat पुं०
विवाहित (वि०) विवाहित ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਆਹਤਾ व्याहृता Vyāhtā वि०
द्र० – ਵਿਯਾਹਤ ।

ਵਿਆਕਲ व्याकल् Vyākal वि०
व्याकुल (वि०) विकल, परेशान, घबड़ाया हुआ ।

ਵਿਆਕਲਤਾ व्याकल्ता Vyākaltā स्त्री०
व्याकुलता (स्त्री०) विकलता, परेशानी, घबड़ाहट ।

ਵਿਆਖਤ व्याखत् Vyākhat वि०
व्याख्यात (वि०) जिसकी व्याख्या या टीका की गयी हो ।

ਵਿਆਝਣਾ व्याझ्णा Vyājhṇā सक० क्रि०
विवाह्यते (भ्वादि कर्म वा०) विवाह किया जाना ।

ਵਿਸਹਨ विस्हन् Vishan पुं०
विश्वसन (नपुं०) विश्वास, भरोसा ।

ਵਿਸਜਿਤ विस्जित् Visjit वि०
विश्वजित् (वि०) विश्व को जीतने वाला ।

ਵਿਸਟਿ विस्टि Visṭi स्त्री०
विष्टी (स्त्री०) बेगारी, बिना मजदूरी के काम करना ।

ਵਿਸਟੁ विस्टु Vistu वि०
विशिष्ट (वि०) विशेषता-युक्त, विलक्षण; प्रसिद्ध, मशहूर ।

ਵਿਸਣਾ विस्णा Visṇā अक० क्रि०
विश्वसिति (अदादि अक०) विश्वास करना, भरोसा करना ।

ਵਿਸਤੀਰਤਾ विस्तीर्ता Vistīrtā स्त्री०
विस्तीर्णता (स्त्री०) विस्तार, फैलाव ।

ਵਿਸਥਾਪਤ विस्थापत् Visthāpat वि०
विस्थापित (वि०) विस्थापित, उजाड़ा हुआ ।

ਵਿਸਥਾਰ विस्थार् Visthār पुं०
विस्तार (पुं०) विस्तार, फैलाव ।

ਵਿਸਥਾਰਨਾ विस्थार्ना Visthārnā सक० क्रि०
विस्तारयति (भ्वादि प्रेर०) विस्तृत करना, फैलाना ।

ਵਿਸਥਾਰਮਈ विस्थार्मई Visthārmaī वि०
विस्तारमय (वि०) विस्तार-बहुल, विस्तार-सहित ।

ਵਿਸ-ਭਰਿਆ विस्-भरिआ Vis-Bhariā वि०
विषभर (वि०) विषैला, विषाक्त ।

ਵਿਸਮਰਣਾ विस्मर्णा Vismarṇā सक० क्रि०
विस्मरति (भ्वादि सक०) विस्मृत करना, भूलना ।

ਵਿਸਮੈਕਾਰੀ विस्मैकारी Vismaikārī वि०
विस्मयकारिन् (वि०) विस्मयकारी, आश्चर्यकारी ।

ਵਿਸੱਮਣਾ विसम्मणा Visammaṇā अक० क्रि०
विशाम्यति (दिवादि सक०) आग का शान्त होना, आग का बुझना ।

ਵਿਸਲਾ विस्ला Vislā वि०
विषल (वि०) विषैला, विष-भरा ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਸਾ विसा Visā पुं०
विदिश् (स्त्री०) विदिक् कोण, दो दिशाओं की मध्यवर्त्ती दिशा।

ਵਿਸਾਹ विसाह् Visāh पुं०
विश्वास (पुं०) विश्वास, भरोसा, यकीन, निश्चय।

ਵਿਸਾਹੁਣਾ विसाहुणा Visāhuṇā सक० क्रि०
विश्वासयति (अदादि प्रेर०) विश्वास दिलाना, विश्वत करना।

ਵਿਸਾਨਹ विसान्ह Visānh स्त्री०
विस्रगन्ध (पुं०) दुर्गन्ध, सड़ाँध।

ਵਿਸਾਰਣਾ विसार्णा Visārṇā सक० क्रि०
विस्मारयति (भ्वादि प्रेर०) भुलाना, विस्मृत करना।

ਵਿਸ਼ਿਆਲਾ विश्याला Viśyālā वि०
विषल (वि०) विषैला, विषभरा।

ਵਿਸਿਮਰਨਾ विसिमर्ना Visimarnā सक० क्रि०
विस्मरति (भ्वादि सक०) भूलना, विस्मृत करना।

ਵਿਸੀਰਣ विसीरण् Visīraṇ वि०
विशीर्ण (वि०) शुष्क, मुरझाया हुआ; पुराना।

ਵਿਸੁਆਦ विसुवाद् Visvād वि०
विस्वादु (वि०) स्वादहीन।

ਵਿੱਸਣਾ विस्सणा Vissaṇā अक० क्रि०
विश्वसिति (अदादि अक०) विश्वास करना, भरोसा करना।

ਵਿੱਸਮਣਾ विस्समणा Vissamṇā सक० क्रि०
विश्राम्यति (दिवादि सक०) विश्राम करना, आराम करना।

ਵਿੱਸਰਣਾ विस्सर्णा Vissarṇā अक० क्रि०
विस्मरति (भ्वादि अक०) विस्मृत करना, भूलना।

ਵਿਹ विह् Vih स्त्री०
विष (नपुं०) विष, जहर।

ਵਿਹਰਣ विह्रण् Vihraṇ पुं०
विरह (पुं०)वियोग, जुदाई।

ਵਿਹੀ विही Vihī स्त्री०
वीथी (स्त्री०) गली, मार्ग, रास्ता।

ਵਿਕਸਤ विक्सत् Viksat वि०
विकसित (वि०) विकसित, खिला हुआ; प्रसन्न।

ਵਿਕਰੀ विक्री Vikrī स्त्री०
विक्रय (पुं०) बेचने का भाव, बिक्री।

ਵਿਕਾ विका Vikā पुं०
विक्रय (पुं०) बिक्री, विक्रय, बेचने की क्रिया।

ਵਿਕੀਰਣਾ विकीर्णा Vikīrṇā सक० क्रि०
विकिरति (तुदादि सक०) बिखेरना, फैलाना।

ਵਿਖਈ विख्ई Vikh-ī पुं०
विषयिन् (वि०) विषयवाला; विषयासक्त, भोगलिप्त।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਖਾਦ विखाद् Vikhād पुं०
विषाद (पुं०) दुःख, शोक ।

ਵਿਖੀ विखी Vikhī वि०
विषिन् (वि०) विष वाला ।

ਵਿਖੈ विखै Vikhai पुं०
विषय (पुं०) संशय, संदेह ।

ਵਿੱਖਰਨਾ विक्खर्ना Vikkharnā सक० क्रि०
विष्कीर्यते (तुदादि कर्म वा०) विकीर्ण होना, विखरना ।

ਵਿਗਸਤ विग्सत् Vigsat वि०
द्र०—ਵਿਕਸਤ ।

ਵਿਗਸਨਾ विगस्ना Vigasnā अक० क्रि०
विकसति (भ्वादि अक०) विकसना, खिलना; प्रफुल्लित होना, प्रसन्न होना ।

ਵਿਗਸਾਣਾ विग्साणा Vigsāṇā सक० क्रि०
विकासयति (भ्वादि प्रेर०) विकसित करना, खिलाना; प्रफुल्लित करना ।

ਵਿਗਸਿਤ विग्सित् Vigsit वि०
द्र०—ਵਿਕਸਤ ।

ਵਿਗੜਨਾ विगड़्णा Vigaṛṇā अक० क्रि०
विघटते (भ्वादि अक०) बिगड़ना, खराब होना ।

ਵਿਗਾਸ विगास् Vigās पुं०
विकास (पुं०) विकास, फैलाव, विस्तार ।

ਵਿਗਾਸਣਾ विगास्णा Vigāsṇā सक० क्रि०
विकासयति (भ्वादि प्रेर०) विकसित करना, विकास करना; प्रसन्न करना ।

ਵਿਗਾਸੀ विगासी Vigāsī वि०
विकासिन् (वि०) विकासी, विकासशील ।

ਵਿਗਾੜਣਾ विगाड़्णा Vigāṛṇā सक० क्रि०
विघटयति (भ्वादि प्रेर०) बिगाड़ना, खराब करना, नष्ट करना ।

ਵਿਗਾੜਨਾ विगाड़्ना Vigāṛnā सक० क्रि०
विघटयति (भ्वादि प्रेर०) बिगाड़ना, खराब करना, नष्ट करना ।

ਵਿਗੁਤ विगुत् Vigut वि०
विगत (वि०) विगत, व्यतीत ।

ਵਿਗੋਇ विगोइ Vigoi पुं०
विगोपन (नपुं०) छिपाने या गुप्त रखने का भाव ।

ਵਿੱਗ विग्ग् Vigg वि०
विज्ञ (वि०) ज्ञानी, प्रवीण, पण्डित ।

ਵਿਗ੍ਰਹ विग्रह् Vigrah पुं०
विग्रह (पुं०) कलह, युद्ध, नीति के छः गुणों में से एक; आकृति, शरीर ।

ਵਿਘਣ विघण् Vighaṇ पुं०
विघ्न (पुं०) रुकावट, बाधा ।

ਵਿਛੁਣਾ विछुणा Vichuṇā अक० क्रि०
विच्छाद्यते (चुरादि कर्म वा०) बिछना फैलना, विस्तृत होना ।

ਵਿਛੁੜਨਾ विछुड़्ना Vichuṛnā अक० क्रि०
विच्छुटति (तुदादि अक०) विछुड़ना, अलग होना ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿੰਜੋਗ विंजोग् Vinjog पुं०
वियोग (पुं०) विरह, विछोह।

ਵਿਣਾਹ विणाह् Viṇāh पुं०
विनाश (पुं०) नाश, क्षय।

ਵਿਤਾਸ वितास् Vitās वि०
वितमस् (वि०) तम-रहित, अन्धकार-रहित।

ਵਿਦਗਧ विद्गध् Vidgadh वि०
विदग्ध (वि०) चतुर, विद्वान्, चालाक।

ਵਿਦਤ विदत् Vidat वि०
विदित (वि०) जाना हुआ, ज्ञात।

ਵਿਦੱਤ विदत्त् Vidatt वि०
द्र०—ਵਿਦਤ।

ਵਿਦੱਤਾਉਣਾ विदत्ताउणा Vidattāuṇā सक० क्रि०
वेदयति (भ्वादि प्रेर०) जानकारी कराना, बतलाना।

ਵਿਦਮਾਨ विद्मान् Vidmān वि०
विद्यमान (वि०) विद्यमान, मौजूद।

ਵਿਦਯਾਰਥੀ विद्यार्थी Vidyārthī पुं०
विद्यार्थिन् (पुं०) विद्यार्थी, छात्र।

ਵਿਦਵਤ विद्वत् Vidvat पुं०
विद्वस् (पुं०) विद्वान्, पण्डित, ज्ञानी।

ਵਿਦਵੰਤ विद्वन्त् Vidvant पुं०
द्र०—ਵਿਦਵਤ।

ਵਿਦੂਖਕ विदूखक् Vidūkhak पुं०
विदूषक (पुं०) नाटक का एक हास्य कलाकार; तमाशा करने वाला एक नट; दोष लगाने वाला, निन्दक।

ਵਿੰਨਹਣਾ विन्न्ह्णा Vinnhṇā सक० क्रि०
विध्यति (दिवादि सक०) छेद करना, बेधना।

ਵਿਪੁਲਾ विपुला Vipulā स्त्री०
विपुला (स्त्री०) पृथ्वी।

ਵਿਭਚਾਰਣ विभ्चारण् Vibhcāraṇ स्त्री०
व्यभिचारिणी (स्त्री०) असती स्त्री, छिनाल औरत।

ਵਿਰਤਕ विर्तक् Virtak वि०
विरक्त (वि०) सांसारिक बन्धनों से मुक्त, वैरागी।

ਵਿਰਾਉਣਾ विराउणा Virāuṇā सक० क्रि०
विरामयति (भ्वादि प्रेर०) कथा आदि से दिल बहलाना, मनोविनोद करना।

ਵਿਰੁੱਧ विरुद्ध् Viruddh स्त्री०
विरुद्ध (नपुं०) विरोध, वैर, विवाद।

ਵਿਰੋਧਨ विरोधन् Virodhan स्त्री०
विरोधिनी (स्त्री०) विरोधिनी, विरोध करने वाली।

ਵਿਲਖਣ विल्खण् Vilkhaṇ वि०
विलक्षण (वि०) विशिष्ट लक्षणों वाला, अद्भुत।

ਵਿਲੱਛਣ विलच्छण् Vilacchaṇ वि०
द्र०—ਵਿਲਖਣ।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵਿਲਾਉਣਾ विलाउणा Vilāuṇā सक० क्रि० विलासयति (भ्वादि प्रेर०) मनोरंजन करना; सहानुभूति प्रकट करना; विलास कराना।

ਵਿਲਾੜ विलाड़् Vilāṛ स्त्री० विलाप (पुं०) विलख-विलख कर रोने की क्रिया, रोकर दुःख प्रकट करने की क्रिया।

ਵਿਲੀ विली Vilī स्त्री० विलेखा (स्त्री०) सिर के केशों की माँग, सीमन्त।

ਵਿਵਸਾ विव्सा Vivsā पुं० व्यवसाय (पुं०) व्यवसाय, काम-धन्धा।

ਵਿਵਛੇਦ विवछेद् Vivched पुं० व्यवच्छेद (पुं०) पृथक्ता, अलगाव।

ਵਿਵਰਨ विव्रन् Vivran पुं० विवरण (नपुं०) विवरण, व्योरा, किसी विषय को खोल कर सबके समक्ष रखने की क्रिया।

ਵਿਵਰਨਣ विवर्नण् Vivarnaṇ पुं० विवर्णन (नपुं०) विशिष्ट वर्णन।

ਵਿਵਾਹਤ विवाहत् Vivāhat वि० विवाहित (वि०) विवाहित, शादी-शुदा।

ਵੀਸਰਣਾ वीसर्णा Vīsarṇā सक० क्रि० विस्मरति (भ्वादि सक०) विस्मृत होना, भूलना।

ਵੀਹ वीह् Vīh स्त्री० वीथी (स्त्री०) मार्ग, रास्ता; गली।

ਵੀਪਸਾ वीप्सा Vīpsā स्त्री० वीप्सा (स्त्री०) व्याप्ति, फैलाव; बहुत इच्छा, एक शब्दालंकार।

ਵੇਉਤਣਾ वेउत्णा Veutṇā सक० क्रि० व्यवकर्तति (चुरादि सक०) काटना।

ਵੇਉਰ वेउर् Veur पुं० द्विवरक (नपुं०) चोली।

ਵੇਉਰਾ वेउरा Veurā पुं० वैरूप्य (नपुं०) विभिन्नता; कुरूपता।

ਵੇਸਾਸ वेसास् Vesās पुं० विश्वास (पुं०) विश्वास, भरोसा, मन का दृढ़ निश्चय।

ਵੇਸਾਹ वेसाह् Vesāh पुं० द्र०—ਵੇਸਾਸ।

ਵੇਸਾਹੁ वेसाहु Vesāhu वि० विश्वासिन् (वि०) विश्वास-पात्र, विश्वास-योग्य।

ਵੇਸੁਆ वेसुआ Vesuā स्त्री० वेश्या (स्त्री०) वेश्या, रण्डी।

ਵੇਹ[1] वेह् Veh स्त्री० विष (नपुं०) विष, जहर।

ਵੇਹ[2] वेह् Veh पुं० वेध (पुं०) भेदन, छेदन।

ਵੇਹਣ वेहण् Vehaṇ पुं० वेसन (नपुं०) बेसन, चने का आटा।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵੇਹਨਾ वेह्ना Vehnā पुं०
वेधन (नपुं०) बींधने या छेदने की क्रिया।

ਵੇਕ वेक् Vek पुं०
विवेक (पुं०) सत्-असत् का ज्ञान, समझ, विचार।

ਵੇਖਣਿ वेख्णि Vekhṇi वि०
वीक्षणीय (वि०) दर्शनीय; देखने योग्य।

ਵੇਖਾਲਨਾ वेखाल्ना Vekhālnā सक० क्रि०
वीक्षयति (भ्वादि प्रेर०) दिखलाना; दर्शाना।

ਵੇਖੂ वेखू Vekhū वि०
वीक्षक (वि०) वीक्षक, देखने वाला।

ਵੇਦਣ वेदण् Vedaṇ स्त्री०
वेदना (स्त्री०) वेदना, पीड़ा।

ਵੇਰਾਵੇਰੀ वेरावेरी Verāverī क्रि० वि०
वारम्वार (अ०) पुनः-पुनः, फिर-फिर, अनेक वार।

ਵੇਲਨਾ वेल्ना Velnā पुं०
वेल्लन (नपुं०) बेलन, जिससे रोटी बेली जाती है।

ਵੇਲਨੀ वेल्नी Velnī स्त्री०
द्र०—ਵੇਲਨਾ।

ਵੇਲੜੀ वेल्ड़ी Velṛī स्त्री०
द्र०—ਵੇਲੂ।

ਵੇਲੂ वेल्ह् Velh स्त्री०
वेला (स्त्री०) वेला, समय; एक बार; एक समय।

ਵੇੜਾ वेढ़ा Veṛhā पुं०
वेष्टन (नपुं०) आंगन, घेरा, चार दीवारी।

ਵੈਹਣ वैहण् Vaihaṇ पुं०
वहन (नपुं०) बहाव, प्रवाह, स्रोत।

ਵੈਹਣਾ वैह्णा Vaihṇā अक० क्रि०
वहति (भ्वादि अक०) जल का बहना।

ਵੈਹੰਗਾ वैहंगा Vaihaṅgā पुं०
विहङ्गिका (स्त्री०) बहँगी, वह लकड़ी जिसके दोनों सिरों पर बोझ लटकाया जाता है।

ਵੈਹੰਗੀ वैहंगी Vaihaṇgī स्त्री०
द्र०—ਵੈਹੰਗਾ।

ਵੈਦੂਰਯ वैदुरय् Vaiduray पुं०
वैदूर्य (नपुं०) लहसुनिया रत्न।

ਵੈਰਣ वैरण् Vairaṇ स्त्री०
वैरिणी (स्त्री०) शत्रुता रखने वाली स्त्री।

ਵੈਰਾਈ वैराई Vairāī स्त्री०
वैरता (स्त्री०) वैर, शत्रुता।

ਵੋਹੜ वोह्ड़् Vohṛ पुं०
वट (पुं०) बरगद का वृक्ष।

ਵੋੱਡਾ वोड्डा Voḍḍā पुं०
वृद्ध (वि०) बूढा, बुड्ढा।

ਵੋਧਾ वोधा Vodhā पुं०
बोद्धृ (वि०) बोध वाला, बोध युक्त।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

ਵੋਮੀ वोमी Vomī स्त्री०
वमन (नपुं०) उल्टी, कै, उल्टी करने की क्रिया।

ਵੌਹਟੀ वौहटी Vauhṭī स्त्री०
वधूटी (स्त्री०) बहू, पुत्रवधू।

ਵੌਣਾ वौणा Vauṇā पुं०
वामन (पुं०) बौना, ठिगना।

ਵੰਸ वंस् Vans स्त्री०
अमावास्या (स्त्री०) अमावस, अमा।

ਵੰਸੁ वंसु Vansu स्त्री०
वंशी (स्त्री०) वंशी, मुरली, वाद्य-विशेष।

ਵੰਜ वंज् Vanj पुं०
वंश (पुं०) बाँस।

ਵੰਞਣਾ वञ्ञणा Vaññaṇā सक० क्रि०
व्रजति (भ्वादि सक०) जाना।

ਵੰਡਾ वण्डा Vaṇḍā पुं०
वण्ट (पुं०) हिस्सा, भाग, अंश।

ਵੰਡੇਵਾਂ वण्डेवाँ Vaṇḍevā pum
वण्टन (नपुं०) बाँट, भाग।

ਵੰਦਣਾ वन्दणा Vandṇā सक० क्रि०
वन्दते (भ्वादि सक०) वन्दना करना, प्रशंसा करना।

ਵੰਨਿਆ वन्निआ Vanniā वि०
वार्णिक (वि०) रंगीन, वर्ण वाला।

ਵੰਨੀਸ वंनीस् Vannīs पुं०
वर्णिश (पुं०) कसौटी, निकष।

ਵ੍ਰਿਖ व्रिख् Vrikh पुं०
वृक्ष (पुं०) वृक्ष, पेड़।

ਵ੍ਰਿਖਭ व्रिखभ् Vrikhabh पुं०
वृषभ (पुं०) पुं०—बैल; कान का छिद्र; किसी श्रेणी या जाति का मुखिया।

—:०:—

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

शुद्धिपत्र

मुख्य भाग

प्रविष्टि	अशुद्ध	शुद्ध
ਅਟਾਰੀ	अट्टालिका (पुं०)	(स्त्री०)
ਸੁੱਕਣਾ	ਸੁੱਕੜਾ	ਸੁੱਕਣਾ
ਖਿਚੜੀ[2]	कृसरा	कृशरा
ਰਸਕਣਾ	(अदादि)	(तनादि अक०)
ਜੁਗਾਂਤ	युवावस्था	युगावसान
ਤਣਨਾ	(भ्वादि सक०)	(तनादि सक०)
ਤਣਾਉਣਾ	(भ्वादि)	(तनादि)
ਪਰਮਲ	परिमल (नपुं०)	(पुं०)
ਪਿਲਾਉਣਾ	पिलाउणा अक० क्रि०	सक० क्रि०
ਫਟਕਣਾ	फट्कणा अक० क्रि०	सक० क्रि०
ਫਾਟਣਾ	फाट्णा सक० क्रि०	अक० क्रि०
ਬਟਣਾ[1]	वृयते (सक० क्रि०)	वृत्यते (अक० क्रि०)
ਬਾਸਰੀ	वसिन्	वासिन्
ਲਿਖਣਾ	(चुरादि अक०)	(तुदादि सक०)
ਲੀਕਣ	(अक०)	(सक०)
ਲੀਕਣਾ	(चुरादि अक०)	(तुदादि सक०)
ਲੇਟਨਾ	(भ्वादि)	(कण्ड्वादि)
ਵਾਢੀ	वाढी पुं०	स्त्री०
ਵਿਆਹੁਣਾ	व्याहुणा अक० क्रि०	सक० क्रि०

द्रष्टव्य

ਉਡਗ	ਉਤੁਗ	ਉਡੁਗ
ਸਾਲਾਹੁਣਾ	ਸਲਾਹਨਾ	ਸਰਾਹੁਣਾ
ਸੁਕਚਣਾ	ਸੁੱਕਚਣਾ	ਸੰਕੁਚਣਾ
ਹੁਨਾਲਾ	ਹੁਨਲਾਲ	ਹੁਨਾਲ
ਖਾਵਣਾ	ਖਾਲਾ	ਖਾਣਾ
ਥੰਭ	ਥੰਭ	ਥੰਮ
ਮਾਤਰ	ਮਾਂ	ਮਾਂ[2]
ਮੋਹਰੀ	ਮੁਹਰੀ	ਮੁਹਰੀ[2]
ਲੱਜਿਆ	ਲੱਜਾ	ਲੱਜ[2]
ਲੋਹ	ਲੋਹ	ਲੋਹ[2]
ਵਿਖਰਨਾ	ਵਿਖਾਰਣਾ	ਵਿਕੀਰਨਾ

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

परिशिष्ट भाग

प्रविष्टि	अशुद्ध	शुद्ध
ਆਖੀ	(अदादि सक०)	नपुं०
ਸਮੁਝਇ	समुझइ अक०	सक०
ਕਲਵਤ	कल्वत् पुं०	स्त्री०
ਕਲਵਤਰ	कल्वतर् पुं०	स्त्री०
ਕੁੰਮਾ	कुम्मा स्त्री०	पुं०
ਕੈਹਨਾ	कैह्ना अक० क्रि०	सक० क्रि०
ਟੂਟਨਾ	त्रुटति (सक०)	(अक०)
ਡੱਸਨਾ	डस्सना अक० क्रि०	सक० क्रि०
ਦੁਪਹਰਯਾ	दुप्हर्या वि०	स्त्री०
ਦੁਪਹਿਰਾ	दुपैह्रा पुं०	स्त्री०
ਦੁਪਹਿਰਿਆ	दुप्हिरिया वि०	स्त्री०
ਧਰਨਾ	धरना स्त्री०	सक० क्रि०
ਬਿੱਛਣਾ	बिच्छ्णा पुं०	अक० क्रि०
ਭੁੱਜਣਾ	भुज्ज्णा अक०	सक०
ਵਖਰਾਉਣਾ	विष्किरति (अक०)	सक०

द्रष्टव्य

ਸਾਹੁਰਾ	साधुकड़ा	साधुरड़ा
ਕਾਪੜ	कापड़	कापर
ਕੋੜ	कोहि	कोरि
ਗੁਲ੍ਹੜ	ग़ुलहड़	गुलहर
ਜਣਨਾ	जनाउणा	जणाउणा[1]
ਧਿਰਿਗ	धिरग	धिरघ
ਭਾਇਪ	भूपण	भूपण

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

कृतज्ञता-ज्ञापन

अधोलिखित विद्वज्जनों ने संस्कृत-पंजाबी-गोष्ठियों में उदारतापूर्वक सम्मिलित होकर अपने सत्परामर्शों से इस कोश की श्रीवृद्धि की है। हम इन सबके प्रति कृतज्ञ हैं।

अस्थानीय प्रतिभागी

1. डा० हरभजन सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, आधुनिक भारतीय भाषा-विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. प्रो० साधुराम शास्त्री, प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।
3. डा० रतन सिंह जग्गी, प्रोफेसर व अध्यक्ष, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।
4. डा० सत्यव्रत शास्त्री, प्रोफेसर व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
5. डा० प्रीतम सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, गुरुनानक अध्ययन-विभाग, गुरु नानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर।
6. डा० ओम प्रकाश वसिष्ठ, रीडर, पंजाबी-इंग्लिश शब्दकोश-विभाग, पंजाब विश्व-विद्यालय, चण्डीगढ़।
7. डा० अजमेर सिंह, प्रवक्ता, पंजाबी-इंग्लिश शब्द-कोश-विभाग, पंजाब विश्व-विद्यालय, चण्डीगढ़।
8. डा० वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी, रीडर (धर्मशास्त्र) दरभंगा विश्वविद्यालय, दरभंगा
9. डा० एम० पी० उनियाल, अध्यक्ष एवं डीन, शिक्षा-विभाग, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

10. डा० भक्तवत्सल मोहले, प्रवक्ता, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी विभाग, एन० सी० ई० आर० टी०, नई दिल्ली।

11. डा० वेद प्रकाश शास्त्री, प्राचार्य, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली।

12. डा० गोविन्दनाथ राजगुरु, अध्यक्ष, स्नातकोत्तर हिन्दी-विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़।

13. श्री श्रीकृष्ण सेमवाल, संस्कृत शिक्षाधिकारी, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली।

14. श्री विद्यानिधि पाण्डेय, क्वेटा डी० ए० वी० बॉएज़ हायर सेकेण्डरी स्कूल, निजामुद्दीन, नई दिल्ली।

15. श्री डी० आर० श्रीमाली, प्रवक्ता, रीजनल कालेज ऑफ एजुकेशन, मानस गंगोत्री, मैसूर।

16. डा० सीताराम सहगल, सहायक निदेशक, आकाशवाणी, पटना।

17. डा० कृष्णकान्त त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष (संस्कृत) सनातन-धर्म कालेज, कानपुर।

18. श्री लेखराम दीक्षित, प्रवक्ता, महाविद्यालय, नाभा, (पंजाब)।

19. श्री रमेशचन्द्र शास्त्री, प्राचार्य, गुरुकुल संस्कृत महाविद्यालय, खेड़ा खुर्द, दिल्ली

20. डा० हरविन्दर सिंह, व्याख्याता, खालसा कालेज, दिल्ली।

21. डा० जगवीर सिंह, प्रवक्ता, आधुनिक भारतीय भाषा-विभाग, दिल्ली विश्व-विद्यालय, दिल्ली।

स्थानीय प्रतिभागी

1. पं० भूपेन्द्रपति त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष (व्याकरण), वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

2. प्रो० डा० रामशकल पाण्डेय, शिक्षा-विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

3. श्री महावीर प्रसाद लखेड़ा, प्रवक्ता (संस्कृत), इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

4. पं० रामनरेश मिश्र, प्राचार्य, श्री सच्चा आश्रम संस्कृत प्रशिक्षण महा-विद्यालय, अरैल, प्रयाग।

5. डा० राजमणि पाण्डेय, शोध-सहायक, पुराण विभाग, हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन, प्रयाग।

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

विद्यापीठीय प्रतिभागी

डा० जगन्नाथ पाठक, प्राचार्य

डा० ब्रह्ममित्र अवस्थी, प्रवाचक

डा० किशोरनाथ झा, प्रवाचक

डा० राघवप्रसाद चौधरी, प्रवाचक

श्री श्रीराम मिश्र, प्रवक्ता

सुश्री अर्चना चतुर्वेदी, शोधसहायिका

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.

Digitized By Siddhanta eGangotri Gyaan Kosha

CC-0. Prof. Satya Vrat Shastri Collection.